

# तूथोती भतीयः

#### দ্বিতীয় খণ্ড

আবৃ 'আবদুল্লাহ্ মুহাম্মদ ইব্ন ইসমা 'ঈল বুখারী আল-জু 'ফী (র)

সম্পাদনা পরিষদ কর্তৃক অনূদিত এবং সম্পাদিত



ইসলামিক ফাউন্ডেশন বাংলাদেশ

বুখারী শরীফ (দ্বিতীয় খণ্ড)
আবৃ 'আবদুল্লাহ্ মুহাম্মদ ইব্ন ইসমা'ঈল বুখারী আল-জু'ফী (র)
সম্পাদনা পরিষদ কর্তৃক অন্দিত এবং সম্পাদিত
পৃষ্ঠা সংখ্যা ঃ ৪৬২

ইফাবা প্রকাশনা : ১৬৭১/৪ ইফাবা গ্রন্থাগার : ২৯৭·১২৪১ ISBN : 984-06-0354-0

প্রথম প্রকাশ ফেব্রুয়ারি ১৯৯১

পঞ্চম সংস্করণ এপ্রিল ২০০৪ চৈত্র ১৪১০ সফর ১৪২৫

প্রকাশক
মোহাম্মদ আবদুর রব
পরিচালক, প্রকাশনা বিভাগ
ইসলামিক ফাউন্ডেশন বাংলাদেশ
আগারগাঁও, শেরেবাংলা নগর, ঢাকা-১২০৭
ফোনঃ ৮১২৮০৬৮

মুদ্রণ ও বাঁধাই এ. এম. এম. সিরাজুল ইসলাম প্রকল্প ব্যবস্থাপক ইসলামিক ফাউন্ডেশন প্রেস আগারগাঁও, শেরেবাংলা নগর, ঢাকা-১২০৭

भृना : ১৬০.०० টोको भाव

BUKHARI SHARIF (2nd PART) (Compilation of Hadith Sharif): By Abu Abdullah Muhammad Ibn Islmail Bukhari Al-Ju'fi (R) in Arabic, translated and edited by Editorial Board and published by Muhammad Abdur Rab, Director, Publication, Islamic Foundation Bangladesh, Agargaon, Sher-e-Bangla Nagar, Dhaka-1207. Phone: 8128068

April 2004

E-mail: info@islamicfoundation-bd.org Website: www. islamicfoundation-bd.org

Price: Tk 160.00; US Dollar: 8.00

## সূচীপত্ৰ

#### সাপাতের ওয়াক্তসমূহ

<b>अनुत्क्र</b> म	পৃষ্ঠা
সালাতের সময় ও তার ফ্যীলত ————————————————————————————————————	v
আল্লাহ্ তা'আলার বাণীঃ "আল্লাহ্র প্রতি নিবিষ্টচিত্ত হয়ে এবং তোমরা তাঁকে ভয় কর	
আর সালাত কায়িম কর আর মুশরিকদের অন্তর্ভুক্ত হয়ো না" ——————	8
সালাত কায়েমের বায় আত গ্রহণ ————————————————————————————————————	
সালাত হল (গুনাহর) কাফ্ফারা ———————————————————————————————————	(
যথাসময়ে সালাত আদায়ের ফ্যীলত ————————————————————————————————————	
পাঁচ ওয়াক্তের সালাত (গুনাহসমূহের) কাফ্ফারা—————————————————————————————————	·
নির্ধারিত সময় থেকে বিশম্বে সালাত আদায় করে তার হক নষ্ট করা —————	
মুসল্পী সালাতে তার মহান প্রতিপালকের সঙ্গে গোপনে কথা বলে——————	t
প্রচণ্ড গরমের সময় যুহরের সালাত ঠাণ্ডায় আদায় করা ————————	
সফরকালে গরম কমে গেলে যুহরের সালাত আদায় ———————————	<u> </u>
যুহরের ওয়াক্ত হয় সূর্য ঢলে পড়লে ————————————————————————————————————	<u> ک</u>
যুহরের সালাত আসরের ওয়াক্তের আগ পর্যন্ত বিলম্ব করা	بر
আসরের ওয়াক্ত ————————————————————————————————————	بر
যে ব্যক্তির আসরের সালাত ফাউত হল তার গুনাহ	<u> </u>
যে ব্যক্তি আসরের সালাত ছেড়ে দিল তার গুনাহ	<u> </u>
আসরের সালাতের ফ্যীলত ————————————————————————————————————	<u> </u>
সূর্যান্তের পূর্বে যে ব্যক্তি আসরের এক রাকা'আত পায়——————————	<i>\</i>
মাগরিবের ওয়াক্ত ————————————————————————————————————	
মাগরিবকে 'ইশা' বলা যিনি পসন্দ করেন না ——————————————————————————————————	<u> </u>
ইশা ও আতামা-এর বর্ণনা এবং যিনি এতে কোন আপত্তি মনে করেন না —————	
ইশার সালাতের ওয়াক্ত লোকজন জমায়েত হয়ে গেলে বা বিলম্বে এলে———	<u> </u>
ইশার সালাতের ফ্যীলত ————————————————————————————————————	21
ইশার সালাতের আগে ঘমানো মাক্রহ————————————————————————————————————	<b>\</b>

#### [চার]

অনুচ্ছেদ	পৃষ্
ঘুম প্রবল হলে ইশার আগে ঘুমানো————————————————————————————————————	2
রাতের অর্ধাংশ পর্যন্ত ইশার ওয়াক্ত ————————————————————————————————————	2
ফজরের সালাতের ফযীলত ————————————————————————————————————	2
ফজরের ওয়াক্ত	২
যে ব্যক্তি ফজরের এক রাকা'আত পেঙ্গ————————————————————————————————————	2
যে ব্যক্তি সালাতের এক রাকা'আত পেল ———————————————————————————————————	2
ফজরের পর সূর্য উঠার আগে সালাত আদায় ———————————	2
স্র্যান্তের পূর্ব মৃহুর্তে সালাত আদায়ের উদ্যোগ নিবে না————————————————————————————————————	وب
যিনি আসর ও ফজরের পর ব্যতীত অন্য সময় সালাত আদায় মাকরহ মনে করেন না ————	9
আসরের পর কাযা বা অনুরূপ কোন সালাত আদায় করা————————————————————————————————————	9
মেঘলা দিনে শীঘ্র সালাত আদায় করা ———————————————————————————————————	9
ওয়াক্ত চলে যাওয়ার পর আ্যান দেওয়া ————————————————————————————————————	0
ওয়াক্ত চলে যাওয়ার পর লোকদের নিয়ে জামা'আতে সালাত আদায় করা——————	· 🖭
কেউ যদি কোন ওয়াক্তের সালাত আদায় করতে ভূলে যায়, তাহলে যখন শ্বরণ হবে, তখন সে	
তা আদায় করে নিবে। সেই সালাত ছাড়া অন্য সালাত পুনরায় আদায় করতে হবে না ———	9
একাধিক সালাতের কাযা ধারাবাহিকভাবে আদায় করা ———————————————————————————————————	9
ইশার সালাতের পর গল্প-গুজব করা মাকর্মহ————————————————————————————————————	9
ইশার সালাতের পর জ্ঞানচর্চা ও কল্যাণকর বিষয়ের আলোচনা———————	
পরিবার-পরিজন ও মেহমানের সাথে রাতে কথাবার্তা বলা —————————————	9
আযান	
আযানের সূচনা————————————————————————————————————	8
দু' দু'বার আ্যানের শব্দ বঙ্গা	
কাদ কামাতিস্ সালাতু ব্যতীত ইকামতের শব্দগুলো একবার করে বলা—————	-8
আ্বানের ফ্যীপত ————————————————————————————————————	8
আযানের স্বর উচ্চ করা ——————————————	8
আযানের কারণে রক্তপাত থেকে নিরাপত্তা পাওয়া ————————————————————————————————————	- 8
মুআয্যিনের আযান শুনলে যা বলতে হয় ———————————————————————————————————	
আযানের ব্যাপারে কুর'আহ্র মাধ্যমে নির্বাচন ————————————————————————————————————	8
আযানের মধ্যে কথা বশা———————————————————————————————————	8
সময় বলে দেওয়ার লোক থাকলে অন্ধ ব্যক্তি আযান দিতে পারে ———————	8

#### [পাঁচ]

অনুচ্ছেদ
ফজরের ওয়াক্ত হওয়ার পর আযান দেওয়া————————————————————————————————————
ফজরের ওয়াক্ত হওয়ার আগে আযান দেওয়া —
আযান ও ইকামতের মধ্যে ব্যবধান কতটুকু ———————————————————————————————————
ইকামতের জন্য অপেক্ষা করা ——————————————————————————————————
কেউ ইচ্ছা করলে আযান ও ইকামতের মধ্যবর্তী সময়ে সালাত আদায় করতে পারেন ———
সফরে একজন মুয়ায্যিন যেন আযান দেয় ————————————————————————————————————
মুসাফিরদের জামা আত হলে আযান ও ইকামত দেওয়া ————————————————————————————————————
মুআয্যিন কি আয়ানের সময় ডানে-বামে মুখ ফিরাবেন এবং এদিক সেদিক তাকাতে পারবেন ?-
'আমাদের সালাত ফাউত হয়ে গেছে' কারো এরপ বলা ———————————————————————————————————
সালাতের (জামা'আত) দিকে দৌড়ে আসবে না বরং শান্তি ও ধীরস্থিরভাবে আসবে ————
ইকামতের সময় ইমামকে দেখলে লোকেরা কখন দাঁড়াবে ————————————————————————————————————
তাড়াহুড়া করে সালাতের দিকে দৌড়াতে নেই বরং শান্ত ও ধীরস্থিরভাবে দাঁড়াবে ————
কোন কারণে মসজিদ থেকে বের হওয়া যায় কি ?
ইমাম যদি বলেন, আমি ফিরে আসা পর্যন্ত তোমরা অপেক্ষা কর, তাহলে মুক্তাদীগণ তার জন্য
অপেক্ষা করবে —
'আমরা সালাত আদায় করিনি' কারো এরূপ বলা————————————————————————————————————
ইকামতের পর ইমামের কোন প্রয়োজন দেখা দিলে ————————
সালাতের ইকামত হয়ে গেলে কথা বলা
জামা'আতে সালাত আদায় করা ওয়াজিব ————————————————————————————————————
জামা'আতে সালাত আদায়ের ফ্যীলত ————————————————————————————————————
জামা'আতে ফজরের সালাত আদায়ের ফযীলত
আউয়াল ওয়াক্তে যুহরের সালাতে যাওয়ার ফ্যীলত ————————————————————————————————————
(মসজিদে গমনে) প্রতি কদমে সাওয়াবের আশা রাখা—————————
ইশার সালাত জামা'আতে আদায় করার ফযীলত ————————————————————————————————————
দু' ব্যক্তি বা তার বেশী হলেই জামা'আত ————————————————————————————————————
যিনি সালাতের অপেক্ষায় মসজিদে বসে থাকেন তাঁর এবং মসজিদের ফ্যীলত ————
সকাল-বিকাল মসজিদে যাওয়ার ফযীলত ————————————————————————————————————
ইকামত হয়ে গেলে ফর্য ব্যতীত অন্য কোন সালাত নেই ———————————————————————————————————
কি পরিমাণ রোগ থাকা সত্ত্বেও জামা'আতে শামিল হওয়া উচিত ————————————————————————————————————
বৃষ্টি এবং অন্য কোন ওযরে নিজ আবাসে সালাত আদায়ের অনুমতি ——————
যারা উপস্থিত হয়েছে তাদের নিয়েই কি ইমাম সালাত আদায় করবে এবং বৃষ্টির দিনে
কি জুমু'আর খুত্বা দিবে ? ———————————————————————————————————

অনুচ্ছেদ	
খাবার উপস্থিত, এ সময়ে সালাতের ইকামত হলে ———————————————————————————————————	
খাবার হাতে থাকা অবস্থায় ইমামকে সালাতের দিকে আহবান করলে —————	
গার্হস্থ কর্মে ব্যস্ত থাকা অবস্থায় ইকামত হলে, সালাতের জন্য বের হওয়া————	
যিনি কেবলমাত্র রাস্লুক্সাহ্ ক্রিক্ট্রি-এর সালাত ও তাঁর সুনাত শিক্ষা দেওয়ার উদ্দেশ্যে	
লোকদের নিয়ে সালাত আদায় করেন ————————————————————————————————————	
বিজ্ঞ ও মর্যাদাশীল ব্যক্তি ইমামতির অধিক হক্দার ————————————————————————————————————	
কারণবশত ইমামের পাশে দাঁড়ানো————————————————	
কোন ব্যক্তি শোকদের ইমামতি করার জন্য অগ্রসর হলে যদি পূর্ব (নির্ধারিত) ইমাম এসে	
তাহলে তিনি পিছে সরে আসুন বা না আসুন উভয় অবস্থায় তাঁর সালাত আদায় হয়ে যাবে	_
একাধিক ব্যক্তি কিরাআতে সমান হলে, তাদের মধ্যে বয়োজ্যেষ্ঠ ব্যক্তি ইমাম হবেন ——	
ইমাম অন্য লোকদের কাছে উপস্থিত হলে তাদের ইমামতি করতে পারেন————	-
ইমাম নির্ধারণ করা হয় অনুস্রণ করার জন্য ————————————————————————————————————	
মুক্তাদীগণ কখন সিজ্দায় যাবেন————————————————————————————————————	
ইমামের আগে মাথা উঠানো গুনাহ ————————————————————————————————————	
গোলাম, আযাদকৃত গোলাম, অবৈধ সন্তান, বেদুঈন ও নাবালিগের ইমামতি ————	
যদি ইমাম সালাত সম্পূর্ণভাবে আদায় না করেন, আর মুক্তাদীগণ তা সম্পূর্ণভাবে আদায় ব	<b>ের</b>
ফত্নাবাজ ও বিদ্'আতীর ইমামতি———————————————————————————————————	
বু'জনে সালাত আদায় করলে মুক্তাদী ইমামের ডানপাশে সোজাসুজি দাঁড়াবে ————	
যদি কেউ ইমামের বামপাশে দাঁড়ায় এবং ইমাম তাকে ডানপাশে নিয়ে আসেন, তবে কারে	व्रो
পালাত নষ্ট হয় না————————————————————————————————————	
যদি ইমাম ইমামতির নিয়্যত না করেন, পরে কিছু লোক এসে শামি <b>ল হয়</b> এবং তিনি তা ইমামতি করেন ————————————————————————————————————	দর
যদি ইমাম সালাত দীর্ঘ করেন এবং কেউ প্রয়োজনবশত জামা'আত থেকে বেরিয়ে এসে	
(একাকী) সালাত আদায় করে ———————————	
ইমাম কর্তৃক সালাতে কিয়াম সংক্ষিপ্ত করা এবং রুকৃ' ও সিজ্দা পূর্ণভাবে আদায় করা—	
একাকী সালাত আদায় করলে ইচ্ছানুসারে দীর্ঘায়িত করতে পারে ——————	
ইমাম সালাত দীর্ঘায়িত করলে তার বিরুদ্ধে অভিযোগ করা———————	
দালাত সংক্ষেপে ও পূর্ণভাবে আদায় করা ———————————————————————————————————	
শিত্তর কান্লাকাটির কারণে সালাত সংক্ষেপ করা ———————————————————————————————————	
নিজের সালাত আদায় করার পর অন্য লোকের ইমামতি করা ——————————	
<b>লো</b> কদেরকে ইমামের তাক্বীর শোনান——————————	
কোন ব্যক্তির ইমামের ইক্তিদা করা এবং অন্যদের সেই মুক্তাদীর ইক্তিদা করা———	

#### [ সাত ]

অনুচ্ছেদ
ইমামের সন্দেহ হলে মুক্তাদীদের মত গ্রহণ করা ———————————————————————————————————
সালাতে ইমাম কেঁদে ফেললে—————————————————————————————————
ইকামতের সময় এবং এর পরে কাতার সোজা করা ——————————————————————————————————
কাতার সোজা করার সময় মুক্তাদীদের প্রতি ইমামের ফিরে দেখা ——————
প্রথম কাতার ———————————————————————————————————
কাতার সোজা করা সালাতের পূর্ণতার অঙ্গ————————————————————————————————————
কাতার সোজা না করার গুনাহ ————————————————————————————————————
কাতারে কাঁধের সাথে কাঁধ এবং পায়ের সাথে পা মিলানো ———————————
কেউ ইমামের বামপাশে দাঁড়ালে ইমাম তাকে পিছনে ঘুরিয়ে ডানপাশে দাঁড় করালে সালাত
আদায় হবে————————————————————————————————————
মহিশা একজন হলেও ভিনু কাতারে দাঁড়াবে ————————————————————————————————————
মসজিদ ও ইমামের ডানদিক————————————————————————————————————
ইমাম ও মুক্তাদীর মধ্যে দেওয়াল বা সুত্রা থাকলে ————————————————————————————————————
রাতের সালাত ———————————————————————————————————
ফর্য তাক্বীর বলা ও সালাত শুরু করা————————————————————————————————————
সালাত শুরু করার সময় প্রথম তাক্বীরের সাথে সাথে উভয় হাত উঠানো—————
তাক্বীরে তাহ্রীমা, রুক্'তে যাওয়া এবং রুক্' থেকে উঠার সময় উভয় হাত উঠানো ———
উভয় হাত কতটুকু উঠাবে————————————————————————————————————
দু' রাকা'আত আদায় করে দাঁড়াবার সময় দু' হাত উঠানো ———————
সালাতে ডান হাত বাম হাতের উপর রাখা
সালাতে খুশু' (বিনয়, ন্মতা, একাগ্ৰতা, নিষ্ঠা ও তনায়তা) ———————
তাক্বীরে তাহ্রীমার পরে কি পড়বে————————————————————————————————————
সালাতে ইমামের দিকে তাকানো———————————————————————————————————
সালাতে আসমানের দিকে চোখ তুলে তাকানো———————————————————————————————————
সাশাতে এদিকে ওদিকে তাকান ———————————————————————————————————
সালাতের মধ্যে কোন কিছু ঘটলে, বা কোন কিছু দেখলে বা কিব্লার দিকে থু থু দেখলে
সে দিকে তাকান ———————————————————————————————————
সব সালাতেই ইমাম ও মুক্তাদীর কিরাআত পড়া যক্তরী ————————————————————————————————————
যুহরের সালাতে কিরাআত পড়া ————————————————————————————————————
আসরের সালাতে কিরাআত ————————————————————————————————————
মাগরিবের সালাতে কিরাআত————————————
ইশার সালাতে সশব্দে কিরাআত——————————

#### [ আট ]

অনুচ্ছেদ
ইশার সালাতে সিজ্দার আয়াত (সম্বলিত স্রা) তিলাওয়াত—————————১:
ইশার সালাতে কিরাআত ——————————— ১:
প্রথম দু' রাকা'আতে কিরাআত দীর্ঘ করা ও শেষ দু' রাকা'আতে তা সংক্ষেপ করা ——— ১
ফজরের সালাতে কিরাআত ————— ১
ফজরের সালাতে সশব্দে কিরাআত ————————————————————————————————————
এক রাকা'আতে দু' সূরা মিলিয়ে পড়া, সূরার শেষাংশ পড়া, এক সূরার আগে আরেক
স্রা পড়া এবং স্রার প্রথমাংশ পড়া ————————————————————————————————————
শেষ দু' রাকা'আতে সূরা ফাতিহা পড়া ————————————————————————————————————
যুহরে ও আসরে নিঃশব্দে কিরাআত পড়া————————————————————————————————————
ইমাম আয়াত শুনিয়ে পাঠ করলে ———————————————— ১২
প্রথম রাকা'আতে কিরাআত দীর্ঘ করা — ১২
ইমামের সশব্দে 'আমীন' বলা——————————— ১
'আমীন' বলার ফ্যীল্ড————————————————————————————————————
মুক্তাদীর সশব্দে 'আমীন' বলা——————— ১
কাতারে পৌঁছার আগেই রুক্'তে চলে গেলে ————————— ১
রুক্'র তাক্বীর পূর্ণভাবে বলা
সিজ্দার তাক্বীর পূর্ণভাবে বলা — ১১
সিজ্দা থেকে দাঁড়ানোর সময় তাক্বীর বলা ——————————— ১২
রুক্'তে হাঁটুর উপর হাত রাখা — ১:
যদি কেউ সঠিকভাবে রুক্' না করে —————————— ১২
রুক্'তে পিঠ সোজা রাখা —————————— ১২
রুক্' পূর্ণ করার সীমা এবং এতে মধ্যম পন্থা ও ধীরস্থিরতা অবলম্বন—————১
যে ব্যক্তি সঠিক রুক্' করেনি তাকে পুনরায় সালাত আদায়ের জন্য নবী 🚟 -এর নির্দেশ—— ১২
রুক্'তে দু'আ ——————————————— ১
রুক্' থেকে মাথা উঠানোর সময় ইমাম ও মুক্তাদী যা বলবেন———— ১
'আল্লাহুমা রাব্বানা ওয়া লাকাল হাম্দ'-এর ফথীলত ————— ১২
রুকৃ' থেকে মাথা উঠানোর পর স্থির হওয়া—————————— ১২
সিজ্দায় যাওয়ার সময় তাক্বীর বলতে বলতে নত হওয়া —————— ১০
সিজ্দার ফ্যীল্ড ——————————————— ১০
সিজদার সময় দু' বাহু পার্শ্বদেশ থেকে পৃথক রাখা————— ১
সালাতে উভয় পায়ের আংগুল কিব্লামুখী রাখা———————————১১
পূর্ণভাবে সিজ্দা না করলে————— ১০

অনুচ্ছেদ	পৃষ্ঠা
সাত অঙ্গ দ্বারা সিজ্দা করা ——————————————————————————————————	১৩৬
নাক দ্বারা সিজ্দা করা———————————————————————————————————	POL
নাক দ্বারা কাদামাটির উপর সিজ্দা করা———————————————————————————————————	POL
কাপড়ে গিরা লাগানো ও তা বেঁধে নেওয়া এবং সতর প্রকাশ হয়ে পড়ার আশংকায়	
কাপড় জড়িয়ে নেওয়া————————————————————————————————————	704
(সালাতের মধ্যে মাথার চুল) একত্র করবে না	704
সালাতের মধ্যে কাপড় টেনে না ধরা———————————————————————————————————	るのと
সিজ্দায় তাসবীহ্ ও দু'আ পাঠ ———————————————————————————————————	るのと
দু' সিজ্দার মধ্যে অপেক্ষা করা ——————————————————————————————————	\$80
সিজ্দায় কনুই বিছিয়ে না দেওয়া————————————————————————————————————	282
সালাতের বেজোড় রাকা আতে সিজ্দা থেকে উঠে বসার পর দাঁড়ানো —————	787
রাকা'আত শেষে কিভাবে জমিতে ভর দিয়ে দাঁড়াবে ————————————————————————————————————	\$84
দু' সিজ্দার শেষে উঠার সময় তাক্বীর বলবে——————————	\$84
তাশাহৃহদে বসার পদ্ধতি — — — — — — — — — — — — — — — — — — —	280
যারা প্রথম বৈঠকে তাশাহ্হদ ওয়াজিব নয় বলে মনে করেন———————————	\$88
প্রথম বৈঠকে তাশাহ্রদ পাঠ করা ———————————————————————————————————	\$8¢
শেষ বৈঠকে তাশাহ্হদ পড়া————————————————————————————————————	
সালামের পূর্বে দু'আ ————————————————————————————————————	১৪৬
তাশাহহুদের পর যে দু'আটি বেচ্ছে নেওয়া হয় অথচ তা ওয়াজিব নয় ——————	289
সালাত শেষ হওয়া পর্যন্ত যিনি কপাল ও নাকের ধূলাবালি মোছেন নি —————	784
সালাম ফিরান ——————————	\$8\$
ইমামের সালাম ফিরানোর সময় মুক্তাদীগণও সালাম ফিরাবে——————	አ8৯
যারা ইমামের সালামের জবাব দেওয়া প্রয়োজন মনে করেন না এবং সালাতের সালামকেই	
যথেষ্ট মনে করেন ————————————	\$8\$
সালামের পর যিক্র ————————————————————————————————————	200
সালাম ফিরানোর পর ইমাম মুক্তাদীদের দিকে মুখ ফিরাবেন ———————	<b>५०२</b>
সালামের পর ইমামের মুসাল্লায় বসে থাকা ——————————————————————————————————	७७०
মুসল্লীদের নিয়ে সালাত আদায়ের পর কোন প্রয়োজনীয় কথা মনে পড়লে তাদের ডিঙ্গিয়ে যাওয়া-	200
সালাত্ শেষে ডান ও বাঁ দিকে ফিরে যাওয়া ————————————————————————————————————	500
কাঁচা রসুন, পিঁয়াজ ও দুর্গন্ধযুক্ত মশলা বা তরকারী ——————————	১৫৬
শিশুদের উযু করা, কখন তাদের উপর গোসল ও পবিত্রতা অর্জন ওয়াজিব হয় এবং সালাতের	
	১৫৭
and there are the state of the	•

#### [ 두리 ]

রাতে ও অন্ধকারে মহিলাগণের মসজিদের উদ্দেশ্যে বের হওয়া ———————	— ১৬০
পুরুষগণের পিছনে মহিলাগণের সালাত———————————	— ১৬২
ফজরের সালাত শেষে মহিলাগণের দ্রুত চলে যাওয়া এবং মসজিদে তাদের অল্পক্ষণ অবস্থান	করা- ১৬
মসজিদে যাওয়ার জন্য স্বামীর নিকট মহিলার অনুমতি চাওয়া———————————————————————————————————	_ ১৬
জুমু আ	
জুমু'আ ফর্য হওয়া————————————————————————————————————	— ১৬৭
জুমু'আর দিন গোসল করার ফ্যীলত————————————————————————————————————	— ১৬৮
জুমু'আর জন্য সুণন্ধি ব্যবহার	— ১৬১
জুমু'আর ফযীলত ————————————————————————————————————	— ১৬৯
জুমু আর জন্য তেশ ব্যবহার —	_ ১৭৫
যা আছে তার মধ্য থেকে উত্তম কাপড় পরিধান করা ———————————	<u> </u>
জুমু'আর দিন মিস্ওয়াক করা——————————————————————————————————	<u> </u>
অন্যের মিস্ওয়াক দিয়ে মিস্ওয়াক করা——————————————————————————————————	১৭
জুমু'আর দিন ফজরের সালাতে কী পড়া হবে ———————————————————————————————————	- 390
গ্রামে ও শহরে জুমু'আর সালাত———————————————————————————————————	- 391
মহিলা, বালক-বালিকা এবং অন্য যারা জুমু আয় হাযির হয় না, তাদের কি গোসল করা প্রয়ো	
বৃষ্টির কারণে জুমু'আর সালাতে হাযির না হওয়ার অবকাশ ——————————	- 391
কত দূর থেকে জুমু'আর সালাতে আসবে এবং জুমু'আ কার উপর ওয়াজিব ? —————	599
সূর্য হেলে গেলে জুমু আর ওয়াক্ত হয়—	<u> </u>
জুমু'আর দিন যখন সূর্যের তাপ প্রখর হয় ———————————————————————————————————	— ১ <b>१</b> १
জুমু আর জন্য পায়ে হেঁটে চলা এবং মহান আল্লাহ্র বাণীঃ "তোমরা আল্লাহ্র যিক্রের জন্য	
দৌড়িয়ে আস"————————————————————————————————————	<u> </u>
জুমু'আর দিন সালাতে দু' জনের মধ্যে ফাঁক না করা———————————————————————————————————	— <b>)</b> bo
জুমু'আর দিন কোন ব্যক্তি তার ভাইকে উঠিয়ে দিয়ে তার জায়গায় বসবে না ————	<u> </u>
জুমু'আর দিনের আযান ————————————————————————————————————	<ul><li>– ১৮:</li></ul>
জুমু'আর দিন এক মুআয্যিনের আযান দেওয়া————————————————————————————————————	— <b>ა</b> ხა
ইমাম মিম্বরের উপর বসে জবাব দিবেন যখন আযানের আওয়ায শুনবেন ————	— <b>ა</b> ხა
আ্যানের সময় মিম্বরের উপর বসা ———————————————————————————————————	<u> </u>
খুত্বার সময় আযান ————————————————————————————————————	— ১৮৩
মিম্বরের উপর খুত্বা দেওয়া ————————————————————————————————————	<u> </u>

#### এগারো

অনুচ্ছেদ
দাঁড়িয়ে খুত্বা দেওয়া————————————————————————————————————
খুত্বার সময় মুসল্পীগণ ইমামের দিকে আর ইমাম মুসল্পীগণের দিকে মুখ করা —
খুত্বায় আল্লাহ্র প্রশংসার পর 'আম্মা বা'দু' বলা—
জুমু'আর দিন দু' খুত্বার মাঝে বসা————————————————————————————————————
মনোযোগসহ খুত্বা শোনা ————————————————————————————————————
ইমাম খুত্বা দেওয়ার সময় কাউকে আসতে দেখলে তাকে দু' রাকা'আত সালাত আদায়ের
আদেশ দেওয়া————————————————————————————————————
ইমাম খুত্বা দেওয়ার সময় যিনি মসজিদে আসবেন তার সংক্ষেপে দু' রাকা'আত সালাত
অদিয়ে করা————————————————————————————————————
খুত্বায় দু`হাত উঠানো————————————————————————————————————
জুমু আর দিনে যুত্বার বৃষ্ণর জন্য দু আ জুমু আর দিন ইমাম খুত্বা দেওয়ার সময় অন্যকে চুপ করানো ————————————————————————————————————
জুমু'আর দিনের সে মুহূর্তটি ————————————————————————————————————
মুসল্মীগণের সালাত জায়িয় হবে ———————————————————————————————————
জুমু'আর আগে ও পরে সালাত আদায় করা————————————————————————————————————
মহান আল্লাহ্র বাণীঃ "অতঃপর যখন নামায শেষ হবে তখন তোমরা যমীনে ছড়িয়ে পড়বে
এবং আল্লাহ্র অনুগ্রহ সন্ধান করবে"————————————————————————————————————
জুমু আর পরে কায়পুলা (দুপুরের শয়ন ও হাল্কা নিদ্রা) ————————————————————————————————————
খাওফের (শক্রভীতি অবস্থায়) সালাত ————
পদাতিক বা আরোহী অবস্থায় খাওফের সালাত ———————————————————————————————————
খাওফের সালাতে মুসল্পীগণের একাংশ অন্য অংশকে পাহারা দিবে ————————————————————————————————————
দুর্গ অবরোধ ও শক্রর মুখোমুখী অবস্থায় সালাত
শক্রর পশ্চাদ্ধাবনকারী ও শক্রতাড়িত ব্যক্তির আরোহী অবস্থায় ও ইশারায় সালাত আদায় করা
তাক্বীর বলা, ফজরের সালাত সময় হওয়া মাত্র আদায় করা এবং শক্রর উপর অতর্কিত
আক্রমণ ও যুদ্ধাবস্থায় সাপাত ———————————————————————————————————
मू' ঈদ
দ্' ঈদ ও এতে সুন্দর পোশাক পরা————————————————————————————————————

#### [বারো]

অনুচ্ছেদ	<
ঈদুল ফিত্রের দিন বের হওয়ার আগে আহার করা ———————	
কুরবানীর দিন আহার করা —————————————————————————————————	_
মিম্বর না নিয়ে ঈদগাহে গমন————————————————————————————————————	<u> </u>
পায়ে হেঁটে বা সাওয়ারীতে আরোহণ করে ঈদের জামা আতে যাওয়া এবং আযান ও	
ইকামত ছাড়া খুতবার পূর্বে সালাত আদায় করা ———————	<u> </u>
ঈদের সালাতের পর খুত্বা —————————————	
ঈদের জামা'আতে এবং হারাম শরীফে অস্ত্র বহন নিষিদ্ধ—————————————	<b>২</b>
ঈদের সালাতের জন্য সকাল সকাল রওয়ানা হওয়া ————————————————————————————————————	
তাশরীকের দিনগুলোতে আমলের ফ্যালত————————————————————————————————————	
মিনা-এর দিনগুলোতে এবং সকালে আরাফায় যাওয়ার সময় তাক্বীর বলা ————	
ঈদের দিন বর্শা সামনে পুতে সালাত আদায় ————————————————————————————————————	
ঈদের দিন ইমামের সামনে বল্লম অথবা বর্শা বহন করা	
মহিলাদের এবং ঋতুমতীদের ঈদগাহে গমন ———————————————————————————————————	
বালকদের ঈদগাহে গমন————————————————————————————————————	
ঈদের খুত্বা দেওয়ার সময় মুসল্লীগণের দিকে ইমামের মুখ করে দাঁড়ানো	
ঈদগাহে চিহ্ন রাখা———————————————————————————————————	
ঈদের দিন মহিলাগণের প্রতি ইমামের উপদেশ দেওয়া ————————	
ঈদের সালাতে যাওয়ার জন্য মহিলাগণের ওড়না না থাকলে—————	
ঈদগাহে ঋতুমতী মহিলাগণের পৃথক অবস্থান	
কুরবানীর দিন ঈদগাহে নাহ্র ও যবেহ্————————————————————————————————————	
ঈদের খুত্বার সময় ইমাম ও লোকদের কথা বলা এবং খুত্বার সময় ইমামের নিকট	
কোন প্রশ্ন করা হলে ———————————————————————————————————	
ঈদের দিন ফিরার সময় যে ব্যক্তি ভিন্ন পথে আসে———————————————————————————————————	
কেউ ঈদের সালাত না পেলে সে দু' রাকা'আত সালাত আদায় করবে —	
ঈদের সালাতের পূর্বে ও পরে সালাত আদায় করা—	
বিত্র	
বিত্রের বিবরণ———————————————————————————————————	<u> </u>
বিত্রের সময় ————————————————————————————————————	<u> </u>
বিত্রের জন্য নবী করীম 🚟 কর্তৃক তাঁর পরিবারর্গকে জাগানো —————	<u> </u>
রাতের সর্বশেষ সালাতে যেন বিতর হয়————————————————————————————————————	<b>২</b>

#### [তের]

অনুচ্ছেদ

সফর অবস্থায় বিত্র ————————————————————————————————————
রুক্র আগে ও পরে কুনৃত পাঠ করা —————
বৃষ্টির জন্য দু'আ
বৃষ্টির জন্য দু'আ এবং দু'আর উদ্দেশ্যে নবী করীম ক্রিমার্ট্ট -এর বের হওয়া —————
নবী করীম ক্রিক্রি -এর দু'আঃ "ইউসুফ (আ.)-এর যমানার দুর্ভিক্ষের বছরগুলোর মত
(এদের উপরেও) কয়েক বছর দুর্ভিক্ষ দিন" ————————————————————————————————————
অনাবৃষ্টির সময় লোকদের ইমামের নিকট বৃষ্টির জন্য দু'আর আবেদন—————
ইস্তিসকায় চাদর উল্টানো ————————————————————————————————————
আল্লাহ্র মাখলুকের মধ্য থেকে কেউ তাঁর মর্যাদাপূর্ণ বিধানসমূহের সীমালংঘন করলে
মহিমময় প্রতিপালক কর্তৃক দুর্ভিক্ষ দিয়ে শাস্তি প্রদান
জামে' মসজিদে বৃষ্টির জন্য দু'আ————————————————————————————————————
কিব্লার দিকে মুখ না করে জুমু'আর খুত্বায় বৃষ্টির জন্য দু'আ করা ———————
মিম্বরে দাঁড়িয়ে বৃষ্টির জন্য দু'আ————————————————————————————————————
বৃষ্টির দু'আর জন্য জুমু'আর সালাতকে যথেষ্ট মনে করা ———————————————————————————————————
অধিক বৃষ্টির কারণে রাস্তার যোগাযোগ বিচ্ছিন্ন হয়ে গেলে দু'আ করা ——————
বলা হয়েছে, জুমু'আর দিন বৃষ্টির জন্য দু'আ করার সময় নবী 🏭 তাঁর চাদর উল্টান নি—
বৃষ্টির জন্য ইমামকে দু'আ করার অনুরোধ করা হলে তা প্রত্যাখ্যান না করা—————
দুর্ভিক্ষের সময় মুশরিকরা মুসলিমদের নিকট বৃষ্টির জন্য দু'আর আবেদন করলে—
অধিক বর্ষণের সময় এরূপ দু'আ করা, "যেন পার্শ্ববর্তী এলাকায় বৃষ্টি হয় আমাদের এলাকায় ন
দাঁড়িয়ে ইস্তিসকার দু'আ করা————————————————————————————————————
ইস্তিসকায় সশব্দে কিরাআত পাঠ————————————————————————————————————
নবী করীম ক্রামার্ট্র কিভাবে মানুষের দিকে পিঠ ফিরালেন———————————
ইস্তিসকার সালাত দু' রাকা'আত ————————————————————————————————————
ঈদগাহে ইস্তিসকা ————————————————————————————————————
বৃষ্টির জন্য দু'আর সময় কিব্লামুখী হওয়া————————————————————————————————————
ইস্তিসকায় ইমামের সংগে লোকদের হাত উঠানো —————————
ইস্তিসকায় ইমামের হাত উঠানো —
বৃষ্টিপাতের সময় কি পড়তে হয় ———————————————————————————————————

#### [চৌদ্দ]

অনুচ্ছেদ
বৃষ্টিতে কেউ এমনভাবে ভিজে যাওয়া যে দাঁড়ি বেয়ে পানি ঝরলো ——————
যখন বায়ু প্রবাহিত হয়————————————————————————————————————
নবী 🚟 -এর উক্তিঃ "আমাকে পূবালী হাওয়া দিয়ে সাহায্য করা হয়েছে"————
ভূমিকম্প ও কিয়ামতের আলামত সম্পর্কে যা বর্ণিত হয়েছে—————————
আল্লাহ্ তা'আলার বাণী ঃ "এবং তোমরা মিথ্যা আরোপকেই তোমাদের উপজীব্য করেছ" ——
কখন বৃষ্টি হবে তা মহান আল্লাহ্ ব্যতীত কেউ জানে না ———————————
সূৰ্যগ্ৰহণ
সূর্যগ্রহণের সময় সালাত ———————————————————————————————————
সূর্যগ্রহণের সময় সাদাকা করা ————————————————————————————————
সালাত্ল কুস্ফের জন্য "আস্-সালাত্ জামি'আতুন" বলে আহ্বান—————
স্থ্যহণের সময় ইমামের খুত্বা————————————————————————————————————
'কাসাফাতিশ্ শামস্' বলবে, না 'খাসাফাতিশ্ শামস্' বলবে ! ——————
নবী করীম 🔐 -এর উক্তিঃ "আল্লাহ্ তা আশা সূর্যগ্রহণ দিয়ে তাঁর বান্দাদের সতর্ক করেন"—
সূর্য গ্রহণের সময় কবর আযাব থেকে পানাহ্ চাওয়া ————————————————————————————————————
সূর্যগ্রহণের সালাতে দীর্ঘ সিজ্দা করা ——————————————————————————————————
সূর্যগ্রহণের সালাত জামা'আতে আদায় করা ———————————————————————————————————
সূর্যগ্রহণের সময় পুরুষদের সাথে মহিলাদের সালাত———————————————————————————————————
সূর্যগ্রহণের সময় গোলাম আ্যাদ করা পসন্দনীয় ————————————————————————————————————
মসজিদে সূর্যগ্রহণের সালাত———————————————————————————————————
কারো মৃত্যু কিংবা জন্মের কারণে সূর্যগ্রহণ হয় না
সূর্যগ্রহণের সময় আল্লাহ্র যিক্র————————————————————————————————————
স্র্যাহণের সময় দু'আ————————————————————————————————————
সূর্যগ্রহণের খুত্বায় ইমামের 'আম্মা বা'দু' বলা ———————————————————————————————————
চন্দ্রগহণের সালাত———————————————————————————————————
সূর্যগ্রহণের সালাতে প্রথম রাকা আত হবে দীর্ঘতর ————————————————————————————————————
সূর্যগ্রহণের সালাতে সশব্দে কিরাআত পাঠ ———————————————————————————————————
কুরআন তিলাওয়াতের সিজ্দা
কুরআন তিলাওয়াতের সিজ্দা ও এর পদ্ধতি ————————————————————————————————————
স্রা তান্যীপুস্ সাজ্দা-এর সিজ্দা————

#### [পনের]

অনুচ্ছেদ

সুরা সোয়াদ-এর সিজ্দা-

সুরা আন্-নাজ্ম-এর সিজ্দা-

পৃষ্ঠা

२१२

२१२

মুশরিকদের সাথে মুসলিমগণের সিজ্দা করা———————————	-
যিনি সিজ্দার আয়াত তিলাওয়াত করলেন অথচ সিজ্দা করলেন না ——————	_
সুরা ইযাস্ সামাউন শাক্কাত-এর সিজ্দা——————————————	_
তিশাওয়াতকারীর সিজ্দার কারণে সিজ্দা করা ——————————	_
ইমাম যখন সিজ্দার আয়াত তিলাওয়াত করেন তখন লোকের ভীড় ——————	_
যাঁরা অভিমত প্রকাশ করেন যে, আল্লাহ্ তা'আলা তিলাওয়াতের সিজ্দা ওয়াজিব করেন নি—	_
সালাতে সিজ্দার আয়াত তিলাওয়াত করে সিজ্দা করা ————————	
ভীড়ের কারণে সিজ্দা দিতে জায়গা না পেলে ——————————————————————————————————	
সালাতে কসর করা	
কসর সম্পর্কে বর্ণনা এবং কতদিন অবস্থান পর্যন্ত কসর করবে ——————	
মিনায় সালাত———————————————————————————————————	
নবী করীম ক্লিক্ট্র বিদায় হজে কতদিন অবস্থান করেছিলেন————————	_
কত দিনের সফরে সালাত কসর করবে————————————————————————————————————	
যখন নিজ আবাসস্থল থেকে বের হবে তখন থেকেই কসর করবে ————————————————————————————————————	-
সফরে মাগরিবের সালাত তিন রাকা'আত আদায় করা —	_
সাওয়ারীর উপরে সাওয়ারী যে দিকে মুখ করে সেদিকে ফিরে নফল সালাত আদায় করা ——	_
জন্তুর উপর ইশারায় সালাত আদায় করা — — — — — — — — — — — — — — — — — — —	_
ফর্ম সালাতের জন্য সাওয়ারী থেকে অবতরণ করা —	_
গাধার উপর নফল সালাত আদায় করা————————————————————————————————————	_
সফরকালে ফর্য সালাতের আগে ও পরে নফল সালাত আদায় না করা ——————	-
সফরকালে ফর্য সালাতের আগে ও পরে নফল আদায় করা—	_
সফরে মাগরিব ও ইশার সালাত একত্রে আদায় করা—	
মাগরিব ও ইশা একত্রে আদায় করলে আযান দিবে, না ইকামত দিবে ?	_
সূর্য তলে পড়ার আগে সফরে রওয়ানা হলে যুহরের সালাত আসরের সময় পর্যন্ত বিলম্বিত করা–	
সূর্য ঢলে পড়ার পর সফর শুরু করলে যুহরের সালাত আদায় করে সাওয়ারীতে আরোহণ করা-	
উপবিষ্ট ব্যক্তির সালাত———————————————————————————————————	_
উপবিষ্ট ব্যক্তির ইশারায় সালাত আদায়————————————————————————————————————	
বসে সালাত আদায় করতে না পারলে কাত হয়ে সালাত আদায় করবে————	

#### [ষোল]

•	
তাহাজ্যুদ	
মাতে তাহাজ্জ্দ (ঘুম থেকে জেগে) সালাত আদায় করা————————————————————————————————————	
রাত জেগে ইবাদত করার ফথীপত	
রাতের সাশাতে সিজ্দা দীর্ঘ করা ———————————————————————————————————	
অসুস্থ ব্যক্তির তাহাজ্জুদ আদায় না করা———————————————————————————————————	
তাহাজ্জুদ ও নফল ইবাদতের প্রতি নবী ক্রিলাট্র -এর উৎসাহ প্রদান, অবশ্য তিনি তা ওয়া করেন নি ——————————————————————————————————	জিব ——
নবী ক্লিক্স্ট্র -এর তাহাজ্জুদের সালাতে দীর্ঘক্ষণ দাঁড়ানোর ফলে তাঁর উভয় কদম মুবারক	
ফুলে যেতো————————————————————————————————————	
পাহ্রীর সময় যে ঘুমিয়ে পড়েন————————————————————————————————————	
দাহ্রীর পর ফজরের সালাত পর্যন্ত জাগ্রত থাকা ——————————————————————————————————	
তাহাজ্জুদের সালাত দীর্ঘায়িত করা ———————————————————————————————————	তনঃ-
নবী ক্লুক্ট্র-এর ইবাদাতে রাত জাগরণ এবং তাঁর ঘুমানো আর রাত জাগার যতটুকু রহিৎ করা হয়েছে———————————————————————————————————	<u>5</u>
রাতের বেলা সালাত আদায় না করলে গ্রীবাদেশে শয়তানের গ্রন্থি বেঁধে দেওয়া ————	
দালাত আদায় না করে ঘুমিয়ে পড়লে শয়তান তার কানে পেশাব করে দেয় ————	
রাতের শেষভাগে দু'আ করা ও সালাত আদায় করা ———————————————————————————————————	
11 CON C 14 OICH & OF 11	
যে ব্যক্তি রাতের প্রথমাংশে ঘুমিয়ে থাকে এবং শেষ অংশকে (ইবাদাত দারা) প্রাণবন্ত রাখে	
যে ব্যক্তি রাতের প্রথমাংশে ঘুমিয়ে থাকে এবং শেষ অংশকে (ইবাদাত দারা) প্রাণবন্ত রাখে রামাযানে ও অন্যান্য সময়ে নবী হুল্লী -এর রাত জেগে ইবাদাত——————	
যে ব্যক্তি রাতের প্রথমাংশে ঘুমিয়ে থাকে এবং শেষ অংশকে (ইবাদাত দারা) প্রাণবন্ত রাখে রামাযানে ও অন্যান্য সময়ে নবী ক্লিক্ষ্মি -এর রাত জেগে ইবাদাত———————————————————————————————————	
যে ব্যক্তি রাতের প্রথমাংশে ঘুমিয়ে থাকে এবং শেষ অংশকে (ইবাদাত দারা) প্রাণবন্ত রাখের মামাযানে ও অন্যান্য সময়ে নবী ক্লিক্ট্রি -এর রাত জেগে ইবাদাত———————————————————————————————————	
যে ব্যক্তি রাতের প্রথমাংশে ঘুমিয়ে থাকে এবং শেষ অংশকে (ইবাদাত দারা) প্রাণবন্ত রাখেরামাযানে ও অন্যান্য সময়ে নবী ক্লিক্ট্রি -এর রাত জেগে ইবাদাত———————————————————————————————————	
যে ব্যক্তি রাতের প্রথমাংশে ঘুমিয়ে থাকে এবং শেষ অংশকে (ইবাদাত দারা) প্রাণবন্ত রাবে রামাযানে ও অন্যান্য সময়ে নবী ক্লিক্ট্রি -এর রাত জেগে ইবাদাত———————————————————————————————————	
যে ব্যক্তি রাতের প্রথমাংশে ঘুমিয়ে থাকে এবং শেষ অংশকে (ইবাদাত দ্বারা) প্রাণবন্ত রাবেরামাযানে ও অন্যান্য সময়ে নবী ক্লিক্ট্রি -এর রাত জেগে ইবাদাত———————————————————————————————————	
যে ব্যক্তি রাতের প্রথমাংশে ঘুমিয়ে থাকে এবং শেষ অংশকে (ইবাদাত দারা) প্রাণবন্ত রাখেরামাযানে ও অন্যান্য সময়ে নবী ক্রিট্রেই -এর রাত জেগে ইবাদাত— রাতে ও দিনে তাহারাত (পবিত্রতা) হাসিল করার ফযীলত এবং উযু করার পর রাতে ও দিনে সালাত আদায়ের ফযীলত— ইবাদাতে কঠোরতা অবলম্বন অপসন্দনীয় — রাত জেগে ইবাদাতকারীর ঐ ইবাদত বাদ দেওয়া মাকরহ যে ব্যক্তি রাত জেগে সালাত আদায় করে তাঁর ফযীলত ফজরের (সুন্নাত) দু' রাকা'আত নিয়মিত আদায় করা—	
যে ব্যক্তি রাতের প্রথমাংশে ঘুমিয়ে থাকে এবং শেষ অংশকে (ইবাদাত দ্বারা) প্রাণবন্ত রাবেরামাযানে ও অন্যান্য সময়ে নবী ক্লিক্ট্রি -এর রাত জেগে ইবাদাত———————————————————————————————————	

#### [সতের]

<b>जनूत्र्</b> क	र्श्व
নফল সালাত দু' রাকা'আত করে আদায় করা————————————————————————————————————	<u>— ৩১</u> ৫
ফজরের (সুন্নাত) দু' রাকা'আতের পর কথাবার্তা বলা———————————————————————————————————	— ৩১৷
ফজরের (সুন্লাত) দু' রাকা'আতের হিফাযত আর যারা ঐ দু' রাকা'আতকে নফল বলেছেন —	— ৩১৮
ফজরের (সুন্নাত) দু' রাকা'আতে কতটুকু কিরাআত পড়া হবে ———————	رد – درد –
ফর্য সালাতের পর নফল সালাত ———————————————————————————————————	- 05
ফর্যের পর নফল সালাত আদায় না করা———————————	_ ৩২৫
সফরে সালাত্য-যুহা (চাণ্ত) আদায় করা ——————————	৩২০
যারা চাশ্ত-এর সালাত আদায় করেন না তবে বিষয়টিকে প্রশস্ত মনে করেন————	
মুকীম অবস্থায় চাশ্ত-এর সালাত আদায় করা———————————	
যুহরের (ফর্যের) পূর্বে দু' রাকা'আত সালাত ———————————————————————————————————	
মাগরিবের আগে সালাত ———————————————————————————————————	७३०
নফল সালাত জামা'আতে আদায় করা ———————————————————————————————————	•
নফল সালাত ঘরে আদায় করা ———————————————————————————————————	<b>– ७३</b> ।
মকা শরীফ ও মদীনা শরীফের মসজিদে সালাতের ফ্যীলত—————————	_ ৩২ <sup>্</sup>
কুবা মসজিদ ————————————————————————————————————	- ৩২
প্রতি শনিবার যিনি কুবা মসজিদে আসেন ————————————————————————————————————	– ৩২৮
পায়ে হেঁটে কিম্বা আরোহণ করে কুবা মসজিদে আসা—————————	
কবর (রাওযা শরীফ) ও মসজিদে নববীর মিম্বর-এর মধ্যবর্তী স্থানের ফ্যীলভ	
বায়ত্র মুকাদাস-এর মসজিদ ————————————————————————————————————	_ ৩২
সালাতের সাথে সংশ্লিষ্ট কাজ সালাতের মধ্যে হাতের সাহায্যে করা —————	- 99
সালাতে কথা বলা নিষিদ্ধ হওয়া————————————————————————————————————	<u> </u>
সালাতে পুরুষদের জন্য যে তাসবীহু ও তাহুমীদ বৈধ————————————————————————————————————	_ 99
সালাতে যে ব্যক্তি প্রত্যক্ষভাবে কারো নাম নিলো অথবা কাউকে সালাম করল অথচ সে তা	
জানেও না ———————————————————————————————————	- 99
সালাতে মহিলাদের তাসফীক ————————————————————————————————————	99
উদ্ভূত কোন কারণে সালাতে থাকা অবস্থায় পিছনে চলে আসা অথবা সামনে এগিয়ে যাওয়া —	_ ৩৩
মা তার সালাতরত সন্তানকে ডাকলে ————————————————————————————————————	<b>– ৩৩</b> ৪
সালাতের মধ্যে কংকর সরানো ————————————————————————————————————	_ ೨೨
সালাতে সিজ্দার জন্য কাপড় বিছানো ————————————————————————————————————	
সালাতে যে কাজ জায়িয———————————————————————————————————	- 00
সালাতে থাকাকালে পশু ছুটে গেলে——————————————————————————————————	<u> </u>
সালাতে থাকাবস্থায় থু থু ফেলা ও ফুঁ দেওয়া ————————————————————————————————————	_ ೨೨

#### [আঠার]

अनुत्व्यम
যে ব্যক্তি অজ্ঞতাবশত সালাতে হাততালি দেয় তার সালাত নষ্ট হয় না
মুসল্লীকে আগে বাড়তে অথবা অপেক্ষা করতে বলা হলে সে যদি অপেক্ষা করে তবে এতে
দোষ নেই —
সালাতে সালামের জবাব দিবে না
কিছু ঘটলে সালাতে হাত তোলা————————————————————————————————————
সালাতে কোমরে হাত রাখা ——————————————————————————————————
সালাতে মুসন্ধীর কোন বিষয়ে চিন্তা করা
ফর্য সালাতে দু' রাকা'আতের পর দাঁড়িয়ে পড়লে সিজ্দায়ে সহু প্রসংগে————
সালাত পাঁচ রাকা'আত আদায় করলে
দিতীয় বা তৃতীয় রাকা আতে সালাম ফিরিয়ে নিলে সালাতের সিজ্দার ন্যায় তার চাইতে
দীর্ঘ দু'টি সিজ্দা করা
সিজ্দায়ে সহর পরে তাশাহ্হদ না পড়লে—
সিজ্দায়ে সহতে তাক্বীর বলা————————————————————————————————————
সালাত তিন রাকা'আত আদায় করা হল না কি চার রাকা'আত, তা মনে করতে না পারলে
বসা অবস্থায় দু'টি সিজ্দা করা —
ফর্য ও নফল সালাতে ভুল হলে
- ગાંગાલ્ય પાંભા એવઝાર્સ (વેહ બાર્સ (ચુંગશાંત્ર) એલ્ઝ જેથા વર્ભાળ હવેર બા ઉલ્ને યાંગ લેંગ રાખ પોલ
ইশারা করে————————————————————————————————————
ইশারা করে————————————————————————————————————
ইশারা করে————————————————————————————————————
শারা করে————————————————————————————————————
সালাতের মধ্যে ইশারা করা জানাযা
ইশারা করে— সালাতের মধ্যে ইশারা করা— জানাযা জানাযা জানাযা সম্পর্কিত হাদীস এবং যার শেষ কালাম হয় 'লা-ইলাহা ইল্লাল্লাহু'— জানাযায় অনুগমনের নির্দেশ————————————————————————————————————
ইশারা করে— সালাতের মধ্যে ইশারা করা— জানাযা জালাযা
ইশারা করে— সালাতের মধ্যে ইশারা করা— জানাযা জানাযা জানাযা সম্পর্কিত হাদীস এবং যার শেষ কালাম হয় 'লা-ইলাহা ইল্লাল্লাহু'— জানাযায় অনুগমনের নির্দেশ————————————————————————————————————
ইশারা করে— সালাতের মধ্যে ইশারা করা— জানাযা জানাযা সম্পর্কিত হাদীস এবং যার শেষ কালাম হয় 'লা-ইলাহা ইল্লাল্লাহু'— জানাযায় অনুগমনের নির্দেশ— কাফন পরানোর পর মৃত ব্যক্তির কাছে যাওয়া— মৃত ব্যক্তির পরিজনের কাছে তার মৃত্যু সংবাদ পৌঁছানো— জানাযার সংবাদ দেওয়া
সালাতের মধ্যে ইশারা করা  জানাযা জানাযা সম্পর্কিত হাদীস এবং যার শেষ কালাম হয় 'লা-ইলাহা ইল্লাল্লাহু'  জানাযায় অনুগমনের নির্দেশ কাফন পরানোর পর মৃত ব্যক্তির কাছে যাওয়া মৃত ব্যক্তির পরিজনের কাছে তার মৃত্যু সংবাদ পৌঁছানো জানাযার সংবাদ দেওয়া সন্তানের মৃত্যুতে সাওয়াবের আশায় সবর করার ফ্যীলত
সালাতের মধ্যে ইশারা করা— জানাযা জানাযা সম্পর্কিত হাদীস এবং যার শেষ কালাম হয় 'লা-ইলাহা ইল্লাল্লাহু'— জানাযায় অনুগমনের নির্দেশ— কাফন পরানোর পর মৃত ব্যক্তির কাছে যাওয়া— মৃত ব্যক্তির পরিজনের কাছে তার মৃত্যু সংবাদ পৌঁছানো— জানাযার সংবাদ দেওয়া সন্তানের মৃত্যুতে সাওয়াবের আশায় সবর করার ফ্যীলত কবরের কাছে কোন মহিলাকে বলা, সবর কর
সালাতের মধ্যে ইশারা করা  জানাযা জানাযা সম্পর্কিত হাদীস এবং যার শেষ কালাম হয় 'লা-ইলাহা ইল্লাল্লাহু'  জানাযায় অনুগমনের নির্দেশ কাফন পরানোর পর মৃত ব্যক্তির কাছে যাওয়া মৃত ব্যক্তির পরিজনের কাছে তার মৃত্যু সংবাদ পৌঁছানো জানাযার সংবাদ দেওয়া সন্তানের মৃত্যুতে সাওয়াবের আশায় সবর করার ফ্যীলত

#### [উনিশ]

অনুচ্ছেদ	
মৃত ব্যক্তির উযুর স্থানসমূহ — 💮 🐡 — — — — — — — — — — — — — — — — — —	
পুরুষের ইযার দিয়ে মহিলার কাফন দেওয়া যায় কি ?	
গোসলে কর্পুর ব্যবহার করবে শেষবারে ——————————	
মহিলাদের চুল খুলে দেওয়া————————————————————————————————————	
মৃতের গায়ে কিভাবে কাপড় জড়ানো হবে————————————————————————————————————	
মহিলাদের চুলকে তিনটি বেণী করা	
মহিলার চুল তিনটি বেণী করে তার পিছনে রাখা	
কাফনের জন্য সাদা কাপড় ————————————————————————————————————	
দ্' কাপড়ে কাফন দেওয়া————————————————————————————————————	
মৃত ব্যক্তির জন্য সৃণন্ধি ব্যবহার	
মুহ্রিম ব্যক্তিকে কিভাবে কাফন দেওয়া হবে —	
সেশাইকৃত বা সেশাইবিহীন কামীস দিয়ে কাফন দেওয়া এবং কামীস ব্যতীত	
কাফন দেওয়া ————————————————————————————————————	
কামীস ব্যতীত কাফন————————————————————————————————————	
পাগড়ী ব্যতীত কাফন ————————————————————————————————————	
মৃত ব্যক্তির সমস্ত সম্পদ থেকে কাফন দেওয়া————————————————————————————————————	
একখানা কাপড় ব্যতীত আর কোন কাপড় পাওয়া না গেলে———————	
মাথা কিংবা পা আবৃত করা যায় এতটুকু ব্যতীত অন্য কোন কাফন না পাওয়া গেলে,	
ভা দিয়ে কেবল মাথা ঢাকা হবে	
নবী ক্রিক্সার্ট্র -এর যামানায় যে নিজের কাফন তৈরী করে রাখল অথচ তাকে এতে নিষেধ	
করা হয়নি————————————————————————————————————	
জানাযার পিছনে মহিলাদের অনুগমন —	
স্বামী ব্যতীত অন্যের জন্য স্ত্রীলোকের শোক প্রকাশ ————————————————————————————————————	_
কবর থিয়ারত————————————————————————————————————	
নবী 🚟 -এর বাণী ঃ 'পরিজনের কান্নার কারণে মৃত ব্যক্তিকে আযাব দেওয়া হয়, যদি	
বিশাপ করা তার অভ্যাস হয়ে থাকে"	
মৃতের জন্য বিলাপ অপসন্দনীয় ————————————————————————————————————	
যারা জামার বুক ছিড়ে ফেলে তারা আমাদের তরীকাভুক্ত নয় ———————————————————————————————————	
সাদ ইব্ন খাওলা (রা.)-এর প্রতি নবী ক্রিক্সিন্ত্র -এর শোক প্রকাশ—————	
यूनीवर्ष्ण माथा मुज़ारना निरुष्य ————————————————————————————————————	
যারা গাল চাপড়ায় তারা আমাদের তরীকাভুক্ত নয় ———————————————————————————————————	
বিপদকালে হায়, ধ্বংস বলা ও জাহিলিয়াত যুগের মত চিৎকার করা নিষেধ ————	

#### [কুড়ি]

<b>जनूटक्श्</b> न	
যে ব্যক্তি মুসীবতকালে এমনভাবে বসে পড়ে যে, তার মধ্যে দুঃখবোধের পরিচয় পাওয়	मा याग्र
মুসীবতের সময় দুংখ প্রকাশ না করা —	
বিপদের প্রথম অবস্থায়ই প্রকৃত সবর ———————————————————————————————————	
নবী ক্লিক্স্ট্র -এর বাণী ঃ "তোমার কারণে আমরা অবশ্যই শোকাভিভূত"———	
পীড়িত ব্যক্তির কাছে কানাকাটি করা ———————————————————————————————————	
কানা ও বিশাপ নিষিদ্ধ হওয়া এবং তাতে বাধা প্রদান করা —————	
জানাযার জন্য দাঁড়ানো ————————————————————————————————————	
জানাযার জন্য দাঁড়ানো হলে কখন বসবে ——————————————————————————————————	
যে ব্যক্তি জানাযার অনুগমন করবে, সে লোকদের কাঁধ থেকে তা নামিয়ে না রাখা পর্য	ত্ত
বসবে না আর বসে পড়লে তাকে দাঁড়াবার আদেশ করা হবে —————	
যে ব্যক্তি ইয়াহুদীর জানাযা দেখে দাঁড়ায় —	
পুরুষরা জানাযা বহন করবে মহিলারা নয় —	
জানাযার কাজ দ্রুত সম্পাদন করা —	
খাটিয়ায় থাকাকালে মৃত ব্যক্তির উক্তি ঃ আমাকে নিয়ে এগিয়ে চল————	
জানাযার সালাতের ইমামের পিছনে দু' বা তিন কাতারে দাঁড়ানো —————	
জানাযার সালাতের কাতার —	_
জানাযার সালাতে পুরুষদের সাথে বালকদের কাতার—	
জানাযার সালাতের নিয়ম————————————————————————————————————	
জানাযার অনুগমন করার ফযীলত ————————————————————————————————————	
মৃতের দাফন হয়ে যাওয়া পর্যন্ত অপেক্ষা করা ——————————————————————————————————	
জানাযার সালাতে বয়ক্ষদের সাথে বালকদেরও শরীক হওয়া————————————————————————————————————	
মুসল্লা এবং মসজিদে জানাযার সালাত আদায় করা ———————————————————————————————————	-7
কবরের উপর মসজিদ বানানো অপসন্দনীয়————————————————————————————————————	
নিফাস অবস্থায় মারা গেলে তার জানাযার সালাত——————	
নারী ও পুরুষের (জানাযার সালাতে) ইমাম কোথায় দাঁড়াবেন ?	
জানাযার সালাতে চার তাক্বীর বলা ———————————————————————————————————	
জানাযার সাশাতে স্রা ফাতিহা তিলাওয়াত করা ———————————————————————————————————	
দাফনের পর কবরকে সামনে রেখে (জানাযার) সালাত আদায়—————	
মৃত ব্যক্তি (দাফনকারীদের) জুতার শব্দ শুনতে পায়————————————————————————————————————	
যে ব্যক্তি বায়ত্ল মুকাদাস বা অনুরূপ কোন স্থানে দাফন হওয়া পসন্দ করেন———	
রাতের বেলা দাফন করা————————————————————————————————————	
কবরের উপর মসজিদ নির্মাণ করা —	

#### [একুশ]

	অনুচ্ছেদ
(	মেয়েশোকের কবরে যে অবতরণ করে ———————————————————————————————————
3	শহীদের জন্য জানাযার সাশাত ———————————————————————————————————
(	একই কবরে দু' বা তিনজনকে দাফন করা————————————————————————————————————
	<u>থাঁরা শহীদগণকে গোসল দেওয়ার অভিমত পোষণ করেন না——————</u>
-	কবরে প্রথমে কাকে রাখা হবে ———————————————————————————————————
•	কবরের উপর ইয্থির বা অন্য কোন ঘাস দেওয়া——————————
	কোন কারণে মৃত ব্যক্তিকে (লাশ) কবর বা লাহ্দ থেকে বের করা যাবে কি 🔊 ————
	কবরকে লাহ্দ ও শাক্ক বানানো ——————————————————————————————————
	বালক (অপ্রাপ্তবয়স্ক) ইসলাম গ্রহণ করে মারা গেলে, তার জন্য জানাযার সালাত আদায় করা হবে কি ?———————————————————————————————————
	মুশরিক ব্যক্তি মৃত্যুকালে 'লা-ইলাহা ইল্লাল্লাহু' উচ্চারণ করলে ————————————————————————————————————
	কবরের উপরে খেজুরের ডাল পুঁতে দেয়া————————————————————————————————————
	কবরের পাশে কোন মুহাদ্দিস-এর ওয়ায করা আর তাঁর সংগীদের তাঁর আশেপাশে বসা —
	আত্মহত্যাকারী প্রসংগে ————————————————————————————————————
	মুনাফিকদের জানাযার সালাত আদায় করা এবং মুশরিকদের জন্য মাগফিরাত কামনা করা
	মাকরহ হওয়া
	মৃত ব্যক্তি সম্পর্কে লোকদের সদৃহুণ আলোচনা ————————————————————————————————————
	ক্বর আযাব প্রসংগে ————————————————————————————————————
	কবরে আযাব থেকে পানাহ চাওয়া———————————————————————————————————
	গীবত এবং পেশাবে (অসতর্কতা)-র কারণে কবর আযাব —
	মৃত ব্যক্তির সামনে সকালে ও সন্ধ্যায় (জান্নাত ও জাহান্নামে তার অবস্থান স্থল) উপস্থাপন করা হয়
	খাটিয়ার উপর থাকাবস্থায় মৃত ব্যক্তির কথা বলা———————————————————————————————————
	মুসলমানদের (না-বালিগ) সন্তানদের বিষয়ে যা বলা হয়েছে —————
	মুশরিকদের শিশু সন্তান প্রসংগে————————————————————————————————————
	সোমবারে মৃত্যু————————————————————————————————————
	আকস্মিক মৃত্যু————————————————————————————————————
	নবী 🚟 , আবু বাক্র ও উমার (রা.)-এর কবরের বর্ণনা—————
	মৃতদেরকে গালি দেওয়া নিষিদ্ধ—
	দুষ্ট প্রকৃতির মৃতদের আলোচনা————————————————————————————————————

#### মহাপরিচালকের কথা

বুখারী শরীফ নামে খ্যাত হাদীসগ্রস্থটির মূল নাম হচ্ছে 'আল-জামেউল মুসনাদুস সহীহ আলমুখতাসার মিন সুনানে রাস্লিল্লাহে সাল্লাল্লাল্ আলাইহে ওয়া সাল্লাম ওয়া আইয়ামিহি'। হিজরী
তৃতীয় শতান্দীর মাঝামাঝি সময়ে এই হাদীসগ্রস্থটি যিনি সংকলন করেছেন, তাঁর নাম 'আবৃ
আবদুল্লাহ্ মুহাম্মদ ইবনে ইসমা'ঈল আল-বুখারী'। মুসলিম পণ্ডিতগণ বলেছেন, পবিত্র কুরআনের
পর সবচেয়ে গুরুত্বপূর্ণ কিতাব হচ্ছে এই বুখারী শরীফ। ৭ম হিজরী শতান্দীর বিখ্যাত আলিম
ইবনে তাইমিয়া বলেছেন, আকাশের নিচে এবং মাটির উপরে ইমাম বুখারীর চাইতে বড় কোন
মুহাদ্দিসের জন্ম হয়নি। কাজাকিস্তানের বুখারা অঞ্চলে জন্ম লাভ করা এই ইমাম সত্যিই অতুলনীয়।
তিনি সহীহ হাদীস সংরক্ষণের গুরুত্ব অনুধাবন করে বহু দুর্গম পথ পাড়ি দিয়ে অমানুষিক কন্ত স্বীকার
করে সনদসহ প্রায় ৬ (ছয়) লক্ষ হাদীস সংগ্রহ করেন এবং দীর্ঘ ১৬ বছর মহানবী (সা)-এর
রাওজায়ে আকদাসের পাশে বসে প্রতিটি হাদীস গ্রন্থিত করার পূর্বে মোরাকাবার মাধ্যমে মহানবী
(সা)-এর সম্বতি লাভ করতেন। এইভাবে তিনি প্রায় সাত হাজার হাদীস চয়ন করে এই 'জামে
সহীহ্' সংকলনটি চ্ডান্ত করেন। তাঁর বিস্ময়কর স্বরণশক্তি, অগাধ পাণ্ডিত্য ও সুগভীর আন্তরিকতা
থাকার কারণে তিনি এই অসাধারণ কাজটি সম্পন্ন করতে পেরেছেন।

মুসলিম বিশ্বের এমন কোন জ্ঞান-গবেষণার দিক নেই যেখানে এই গ্রন্থটির ব্যবহার নেই। পৃথিবীর প্রায় দেড়শত জীবন্ত ভাষায় এই গ্রন্থটি অনুদিত হয়েছে। মুসলিম জাহানের অন্যান্য দেশের মতো বাংলাদেশেও ইসলামী পাঠ্যক্রমে এটি অন্তর্ভুক্ত। দেশের কামিল পর্যায়ের মাদ্রাসা ও বিশ্ববিদ্যালয়সমূহের সংশ্লিষ্ট বিভাগে এই গ্রন্থটি পাঠ্যতালিকাভুক্ত। তবে এই গ্রন্থটির বাংলা অনুবাদ হয়েছে বেশ বিলম্বে। এ ধরনের প্রামাণ্য গ্রন্থের জনুবাদ যথাযথ ও সঠিক হওয়া আবশ্যক। এ প্রেক্ষিতে ইসলামিক ফাউন্ডেশন বাংলাদেশ কিছুসংখ্যক যোগ্য জনুবাদক দ্বারা এর বাংলা অনুবাদের কাজ সম্পন্ন করে একটি উচ্চ পর্যায়ের সম্পাদনা পরিষদ কর্তৃক যথারীতি সম্পাদনা করে প্রকাশের উদ্যোগ গ্রহণ করে। ১৯৮৯ সালে গ্রন্থটির প্রথম খণ্ড প্রকাশিত হবার পর পাঠক মহলে বিপুল সাড়া পড়ে যায় এবং অল্পকালের মধ্যেই ফুরিয়ে যায়। দ্বিতীয় মুদ্রণের প্রাক্কালে এ গ্রন্থের অনুবাদ আরো স্বচ্ছ ও মূলানুগ করার জন্য দেশের বিশেষজ্ঞ আলেমগণের সমন্বয়ে গঠিত সম্পাদনা কমিটির মাধ্যমে সম্পাদনা করা হয়েছে। ব্যাপক চাহিদার প্রেক্ষিতে আমরা এবার এর পঞ্চম সংকরণ প্রকাশ করেলাম। আশা করি গ্রন্থটি আগের মতো সর্বমহলে সমাদৃত হবে।

মহান আল্লাহ্ আমাদেরকে রাস্লুল্লাহ্ (সা)-এর সুনাহ্ অনুসরণ করে চলার তৌফিক দিন।

এ. ক্ষেড. এম. শামসুল আলম মহাপরিচালক ইসলামিক ফাউন্ডেশন বাংলাদেশ

#### প্রকাশকের কথা

বুখারী শরীফ হচ্ছে বিশুদ্ধতম হাদীস সংকলন। মহানবী (সা)-এর পবিত্র মুখনিঃসৃত বাণী, তাঁর কর্ম এবং মৌন সমর্থন ও অনুমোদন হচ্ছে হাদীস বা সুনাহ্। পবিত্র কুরআনের ব্যাখ্যা এবং শরীয়তের বিভিন্ন হুকুম-আহ্কাম ও দিকনির্দেশনার জন্য সুনাহ্ হচ্ছে দ্বিতীয় উৎস। প্রকৃতপক্ষেপবিত্র কুরআন ও হাদীস উভয়ই ওহী দ্বারা প্রাপ্ত। কুরআন হচ্ছে আল্লাহ্র কালাম আর হাদীস হচ্ছে মহানবীর বাণী ও অভিব্যক্তি। মহানবী (সা)-এর আমলে এবং তাঁর তিরোধানের অব্যবহিত পরে মুসলিম দিশ্বিজয়ীগণ ইসলামের দাওয়াত নিয়ে বিভিন্ন দেশে ছড়িয়ে পড়েন। এ সময় দুর্গম পথের আমানুষিক কন্ত স্বীকার করে যে কয়জন অসাধারণ মেধাসম্পন্ন ব্যক্তি হাদীস সংকলন ও সংরক্ষণের জন্য কঠোর সাধনা করেছেন তাঁদের মধ্যে সর্বযুগের সর্বশ্রেষ্ঠ ব্যক্তিত্ব ইমাম আবৃ আবদুল্লাহ্ মুহাম্মদ ইবনে ইসমাঈল আল্-বুখারী। তিনি 'জামে সহীহ' নামে প্রায় সাত হাজার হাদীস-সম্বলিত একটি সংকলন প্রস্তুত করেন, যা তাঁর জন্মস্থানের নামে 'বুখারী শরীফ' হিসেবে পরিচিতি লাভ করে। পূর্ণাঙ্গ জীবন-ব্যবস্থা হিসেবে ইসলামের প্রায় প্রতিটি দিক নিয়েই বিভিন্ন অধ্যায় ও পরিচ্ছেদে সুবিন্যস্ত এ গ্রন্থটি ইসলামী জ্ঞানের এক প্রামাণ্য ভাণ্ডার।

বাংলাদেশের মাদ্রাসাগুলোতে এটি একটি অপরিহার্য পাঠ্যগ্রন্থ। পবিত্র কুরআন ও হাদীসের জ্ঞান অর্জন সকল মুসলমানের জন্যই অপরিহার্য। এ বাস্তবতা থেকে ইসলামিক ফাউন্ডেশন বাংলাদেশ সিহাহ্ সিত্তাহ্ ও অন্যান্য বিখ্যাত এবং প্রামাণ্য হাদীস সংকলন অনুবাদ ও প্রকাশ করে চলেছে। বিজ্ঞ অনুবাদকমণ্ডলী ও যোগ্য সম্পাদনা পরিষদের মাধ্যমে এর কাজ সম্পন্ন হওয়ায় এর অনুবাদ হয়ে উঠেছে বিশুদ্ধ, প্রাঞ্জল ও সহজবোধ্য। ১৯৮৯ সালে বুখারী শরীফের প্রথম খণ্ডের অনুবাদ প্রকাশিত হবার পর থেকেই ছাত্র-শিক্ষক, গবেষক ও সর্বন্তরের সচেতন পাঠকমহল তা বিপুল আগ্রহের সাথে গ্রহণ করে। পরবর্তীতে এর প্রতিটি খণ্ড প্রকাশিত হওয়ার সাথে সাথে প্রিয় পাঠকমহলের কাছে সমাদৃত হয়। জনগণের এই বিপুল চাহিদার প্রেক্ষিতে এবার দ্বিতীয় খণ্ডের পঞ্চম সংস্করণ প্রকাশ করা হলো।

আমরা এই অনুবাদ কর্মটিকে ভুল-ক্রুটি মুক্ত রাখার যথাসাধ্য চেষ্টা করেছি। তারপরও যদি কারো নজরে ভুল-ক্রুটি ধরা পড়ে তাহলে আমাদেরকে অবহিত করলে আমরা তা পরবর্তী সংস্করণে প্রয়োজনীয় সংশোধনের ব্যবস্থা নেব ইন্শাআল্লাহ্।

আল্লাহ্ তা'আলা আমাদেরকে মহানবী (সা)-এর পবিত্র সুন্নাহ্ জানা ও মানার তাওফিক দিন। আমীন!

> মোহাম্মদ আবদুর রব পরিচালক, প্রকাশনা বিভাগ ইসলামিক ফাউন্ডেশন বাংলাদেশ

# বুখারী শরীফ

(দিতীয় খণ্ড)

#### তরজমা ও সম্পাদনা পরিষদ প্রথম সংস্করণ

<b>ک</b> .	মাওলানা উবায়দুল হক	সভাপতি
٤.	মাওলানা কাজী মৃতাসিম বিল্লাহ	<b>अ</b> फ् <b>अ</b> र
<b>o</b> .	মাওলানা বিজাউল করীম ইসলামাবাদী	99
8.	মাওলানা মুহাম্মাদ আবদুস্ সালাম	99
¢.	ডক্টর কাজী দীন মুহম্মদ	n
<b>y</b> .	মাওলানা কুহুল আমিন খান	29
٩.	মাওলানা এ.কে.এম. আবদুস্ সালাম	<b>99</b>
<b>b</b> .	অধ্যাপক হাসান আবদুল কাইয়্ম	त्रमत्रा-त्रहिव

#### সম্পাদনা পরিষদ দ্বিতীয় সংস্করণ

١.	মাওলানা মোহাশ্বদ আমিনুল ইসলাম	সভাপতি
٤.	মাওলানা ফরীদুদ্দীন আত্তার	<b>স</b> দৃস্য
O.	মাওলানা এ.কে.এম. আবদুস্ সালাম	29
8.	याखनाना विकाउन कवीय रंभनायावापी	. #
¢.	মাওলানা ইমদাদুল হক	99
<b>y</b> .	মাওলানা আবদুল মানান	H
9.	আবদুল মুকীত চৌধুরী	সদস্য সচিব

# ইসলামিক ফাউন্ডেশন বাংলাদেশ প্রকাশিত হাদীস ও হাদীস বিষয়ক কয়েকটি গ্রন্থ

٥.	হাদীস সংকলনের ইতিহাস	মুহামাদ আবদুর রহীম	464	360.00
٤.	বুখারী শরীফ (১ম খণ্ড)	ইমাম বুখারী (র)	७५७	\$\$6.00
७.	বুখারী শরীফ (২য় খণ্ড)	ইমাম বুখারী (র)	<b>8</b> ७२	360.00
8.	বুখারী শরীফ (৩য় খণ্ড)	ইমাম বুখারী (র)	७७२	\$29.00
Œ.	বুখারী শরীফ (৪র্থ খণ্ড)	ইমাম বুখারী (র)	880	\$60.00
৬.	বুখারী শরীফ (৫ম খণ্ড)	ইমাম বৃখারী (র)	820	\$85,00
٩.	বুখারী শরীফ (৬ষ্ঠ খণ্ড)	ইমাম বুখারী (র)	৫৩২	200.00
<b>b</b> .	বুখারী শরীফ (৭ম খণ্ড)	ইমাম বুখারী (র)	800	360.00
৯.	বুখারী শরীফ (৮ম খণ্ড)	ইমাম বুখারী (র)	৫०२	200.00
٥٥.	বুখারী শরীফ (৯ম খণ্ড)	ইমাম বুখারী (র)	৫৯৮	२७०.००
<b>33</b> .	বুখারী শরীফ (১০ম খণ্ড)	ইমাম বুখারী (র)	<b>480</b>	285.00
١٤.	মুসলিম শরীফ (১ম খণ্ড)	ইমাম আবৃ মুসলিম (র)	२४७	\$0,00
٥٥.	মুসলিম শরীফ (২য় খণ্ড)	ইমাম আবৃ মুসলিম (র)	७३४	200.00
\$8.	মুসলিম শরীফ (৩য় খণ্ড)	ইমাম আবৃ মুসলিম (র)	¢08	232.00
<b>\$</b> @.	মুসলিম শরীফ (৪র্থ খণ্ড)	ইমাম আবৃ মুসলিম (র)	<b>¢80</b>	220.00
১৬.	মুসলিম শরীফ (৫ম খণ্ড)	ইমাম আবূ মুসলিম (র)	806	200.00
\$9.	মুসলিম শরীফ (৬ষ্ঠ খণ্ড)	ইমাম আবূ মুসলিম (র)	886	00.966
<b>3</b> b.	মুসলিম শরীফ (৭ম খণ্ড)	ইমাম আবৃ মুসলিম (র)	866	२०१,००
১৯.	মুসলিম শরীফ (৮ম খণ্ড)	ইমাম আবূ মুসলিম (র)	৫৬০	200.00
२०.	তিরমিয়ী শরীফ (১ম খণ্ড)	ইমাম আৰু ঈসা আততিরমিযী	828	300.00
<b>25.</b>	তিরমিয়ী শরীফ (২য় খণ্ড)	ইমাম আৰু ঈসা আততিরমিযী	886	200,00
<b>२२</b> .	তিরমিয়ী শরীফ (৩য় খণ্ড)	ইমাম আৰু ঈসা আততিরমিযী	400	200.00
২৩.	তিরমিয়ী শরীফ (৪র্থ খণ্ড)	ইমাম আবৃ ঈসা আততিরমিযী	१৫२	00,000
₹8.	তিরমিয়ী শরীফ (৫ম খণ্ড)	ইমাম আবৃ ঈসা আততিরমিযী	২৪৩	260.00
₹€.	তিরমিয়ী শরীফ (৬ষ্ঠ খণ্ড)	ইমাম আবৃ ঈসা আত্তিরমিযী	৫৫৬	280.00

# व्याती भतीयः तूथाती भतीयः

(দ্বিতীয় খণ্ড)

# كتاب مواقيت الصالاة معالاة علاماتها

সালাতের ওয়াক্তসমূহ

## بسنالها

## শুলি তিন্তু ভূলি শুলি প্রাক্তমমূহ অধ্যায় ঃ সালাতের ওয়াক্তসমূহ

#### ٣٥١. بَابُ مَوَاقِيْتِ الصَّالاَةِ وَلَفْسُلِهَا

৩৫১. অনুচ্ছেদ ঃ সালাতের সময় ও তার ফযীলত।

#### وَقُولُهُ: إِنَّ الصَّالاَةَ كَانَتُ عَلَى الْمُؤْمِنِينَ كِتَابًا مَوْقُوتًا - وَقُتُهُ عَلَيْهِمْ

আল্লাহ্ তা আলার বাণী ঃ " নিশ্চয়ই সালাত ম্ মৈনদের উ পর নির্ধারিত ফ রয।" আয়াতে ব্যবহৃত মাওক্তান' ( مَرَفَيَ ) শব্দটি 'মুয়াক্কাতান' ( عَرَفَيُ )-এর অর্থে ব্যবহৃত, অর্থাৎ নির্ধারিত সময়ে ফর্য — যা আল্লাহ্ তা আণা তাদের জন্য নির্ধারিত করে দিয়েছেন।

الصُّلاة يَوْمًا فَدَخَلَ عَبَدُ اللّٰهِ بَنُ مَسْلَمَة قَالَ قَرَاْتُ عَلَى مَالِكِ عَنِ ابْنِ شِهَابٍ اَنْ عُمَرَ بْنَ عَبْدِ الْعَزِيْزِ اَخْرَ الصَّلاَة يَوْمًا فَدَخَلَ عَلَيْهِ عُرُوّة بْنُ الزُّبِيْرِ فَاَخْبَرَهُ اَنَّ الْلَّغِيْرَة بْنَ شُعْبَة اَخْرَالصَّلاَة يَوْمًا وَهُو بِالْعِرَاقِ فَدَخَلَ عَلَيْهِ ابُو مَسْعُود الْانْصَارِيُّ فَقَالَ مَاهُذَا يَامُغِيْرَةُ الْيَسَ قَدُ عَلِمْتَ اَنَّ جِبْرِيْلَ عَيْهِ السَّلامُ نَزَلُ صَلَّى فَصَلَّى رَسُولُ اللهِ عَلِيْهِ أَلْ مَسْعُود اللهِ عَلِيْهِ أَمُّ صَلَّى فَصَلَّى رَسُولُ اللهِ عَلَيْهِ السَّلامُ نَزلُ صَلَّى فَصَلَّى رَسُولُ اللهِ عَلَيْهِ أَمْ صَلَّى فَصَلَّى رَسُولُ اللهِ عَلَيْهِ أَمْ صَلَّى مَسُولُ اللهِ عَلَيْهِ أَمْ صَلَّى مَسُولُ اللهِ عَلَيْهِ أَمْ صَلَّى مَسُولُ اللهِ عَلَيْهِ فَعَالَ عُمْ لَعُرَقة اعْمَا لَيْ مَسْعُود اللهِ عَلَيْهِ أَمْ صَلَّى مَسُولُ اللهِ عَلَيْهِ وَقَتَ الصَّلاَةِ قَالَ عُرُونَة كَذَالِكَ كَانَ بَشِيْرُ بُنُ اَبِي مَسُعُود يُحَدِّدُ اَوَ اَنْ جَبْرِيْلَ هُو اَقَامَ لِرَسُولُ اللهِ عَلَيْهِ وَقَتَ الصَّلاَةِ قَالَ عُرْوَةً كَذَالِكَ كَانَ بَصْلِي اللهِ عَلَيْهِ وَقَتَ الصَّلاَةِ قَالَ عُرُونَة كَذَالِكَ كَانَ بَصْلَى المُعْمَلُ وَالشَّمْسُ فِي يُحَدِّدُ عَنْ ابِيْهِ قَالَ عُرُونَةً وَلَقَدُ حَدَّتُنِى عَائِشَةُ اَنَّ رَسُولُ اللهِ عَلَيْهِ كَانَ يُصَلِّى الْعُمْ لَو الشَّمْسُ فِي عَنْ اللهِ عَلَيْهِ كَانَ يُصَلِّى الْعُمْ لَ وَالسَّمْسُ فِي اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَيْهِ كَانَ يُصَلِّى الْعَمْ لَ وَالسَّمْسُ فَي الله عَلْ اللهِ عَلَى اللهُ عَلَى الله عَلَى اللهُ عَلَى الله عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهِ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ اللهِ عَلَى اللهُ اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ

র১৭ আবদুল্লাহ্ ইব্ন মাসলামা (র.)......ইব্ন শিহাব (র.) থেকে বর্ণিত, উমর ইব্ন আবদুল আযীয (র.) একদিন কোন এক সালাত আদায়ে বিলম্ব করলেন। তখন উরওয়া ইব্ন যুবাইর (রা.) তাঁর কাছে গেলেন এবং তাঁর কাছে বর্ণনা করলেন যে, ইরাকে অবস্থানকালে মুগীরা ইব্ন শুবাইর (রা.) একদিন এক সালাত আদায়ে বিলম্ব করেছিলেন। ফলে আবৃ মাসউদ আনসারী (রা.) তাঁর নিকট গিয়ে বললেন, হে মুগীরা! একি ! তুমি কি অবগত নও যে, জিব্রাঈল (আ.) অবতরণ করে সালাত আদায় করলেন, আর রাস্লুল্লাহ্ তুমার্লিও সালাত আদায় করলেন। আবার তিনি সালাত আদায় করলেন। রাস্লুল্লাহ্ তুমার্লিও সালাত আদায় করলেন। আবার তিনি সালাত আদায় করলেন। গুনরায় তিনি সালাত আদায় করলেন এবং রাস্লুল্লাহ্ তুমার্লিও সালাত আদায় করলেন। পুনরায় তিনি সালাত আদায় করলেন। তারপর জিব্রাঈল (আ.) বললেন, এরই জন্য আমি আদিষ্ট হয়েছি। উমর (ইব্ন আবদুল আযীয) (র.) উরওয়া (র.)-কে বললেন, "তুমি যা রিওয়ায়াত করছ তা একটু ভেবে দেখ। জিব্রাঈলই কি রাস্লুল্লাহ্ ক্রিটিএ এর জন্য সালাতের ওয়াক্ত নির্ধারণ করে দিয়েছিলেন। উরওয়া (র.) বললেন, বাশীর ইব্ন আবৃ মাসউদ (র.) তাঁর পিতা থেকে এরপই বর্ণনা করতেন। উরওয়া (র.) বলেন ঃ অবশ্য আয়িশা (রা.) আমার কাছে বর্ণনা করেছেন যে, রাস্লুল্লাহ্ ক্রিটিএ এমন মুহুর্তে আসরের সালাত আদায় করতেন যে, সূর্যরশ্যি তখনও তাঁর হুজরার মধ্যে বিরাজমান থাকত। তবে তা উপরের দিকে উঠে যাওয়ার আগেই।

#### ٣٥٢. بَابُ قَوْلِ اللَّهِ : مُنْيِبِينَ إِلَيْهِ وَاتَّقُوهُ وَاقْيُمُوا الصَّلاَةَ وَلاَ تَكُونُوا مِنَ الْمُشْرِكِينَ

৩৫২. অনুচ্ছেদ ঃ আল্লাহ্ তা'আলার বাণী ঃ "আল্লাহ্র প্রতি নিবিষ্ট চিত্ত হয়ে এবং তোমরা তাঁকে ভয় কর আর সালাত কায়িম কর, এবং মুশরিকদের অন্তর্ভুক্ত হয়ো না।"

كَانَ عَبُدِ الْقَيْسِ عَلَىٰ رَسُولِ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْكَ فَقَالُوا انَّا مِنْ هَذَا الْحَيِّ مِنْ رَبِيْعَةَ وَلَسْنَا نَصِلُ اللهِ عَلَىٰ رَسُولِ اللهِ عَلَىٰ مَسُولِ اللهِ عَلَىٰ مَسُولُ اللهِ عَلَىٰ مَسُولُ اللهِ عَلَىٰ مَسُولُ اللهِ عَلَىٰ اللهُ عَلَىٰ اللهُ عَلَىٰ اللهُ عَلَىٰ اللهِ عَلَىٰ اللهُ عَلَىٰ عَلَىٰ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَىٰ اللهُ اللهُهُ اللهُ ال

৪৯৮ কুতাইবা ইব্ন সায়ীদ (র.).....ইব্ন আব্বাস (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, একবার আবদুল কায়স গোত্রের একটি প্রতিনিধি দল রাসূলুল্লাহ্ ক্রিট্রেই -এর দরবারে এসে বলল, আপনার ও আমাদের মাঝে সে 'রাবীআ' গোত্র থাকায় শাহ্রে হারাম (নিষিদ্ধ মাসসমূহ) ছাড়া অন্য কোন সময় আমরা আপনার নিকট আসতে পারি না। কাজেই আপনি আমাদের এমন কিছু নির্দেশ দিন যা আমরা

১. অর্থাৎ যে সময়ে যে সালাত আদায় করা হয়েছে, ঠিক সে সময়ে সে সালাত আদায় করার জন্য আমি আদিষ্ট হয়েছি।

নিজেরাও গ্রহণ করব এবং আমাদের যারা পিছনে রয়ে গেছে তাদের প্রতিও আহবান জানাব। রাসূলুল্লাহ্ কললেনঃ আমি তোমাদের চারটি বিষয়ে নির্দেশ দিচ্ছি, আর চারটি বিষয় থেকে তোমাদের নিষেধ করছি। নির্দেশিত বিষয়ের মাঝে একটি হল 'ঈমান বিল্লাহ্' (আল্লাহ্র প্রতি বিশ্বাস স্থাপন করা)। তারপর তিনি তাদেরকে ব্যাখ্যা করে বুঝালেন যে, 'ঈমান বিল্লাহ্র' অর্থ হল, এ কথার সাক্ষ্য দেওয়া যে, এক আল্লাহ্ ব্যতীত অন্য কোন ইলাহ্ নেই আর আমি আল্লাহ্র রাসূল; সালাত কায়েম করা, যাকাত দেওয়া, আর গনীমতের মালের এক-পঞ্চমাংশ দান করা। আর তোমাদের নিষেধ করছি কদুর পাত্র, সবুজ রঙের মাটির পাত্র, বিশেষ ধরনের তৈলাক্ত পাত্র ও গাছের গুড়ি খোদাই করে তৈরী পাত্র ব্যবহার করতে।

#### ٣٥٣. بَابُ الْبَيْعَةِ عَلَى اقَامَةِ الصَّلاَةِ

৩৫৩. অনুচ্ছেদঃ সালাত কায়েমের বায়'আত গ্রহণ।

#### ٤٥٣. بَابُ الصُّلاةُ كُفَّارَةُ

৩৫৪. অনুচ্ছেদঃ সালাত হল (গুনাহর) কাফ্ফারা।

حَدَّثَنَا مُسَدَّدٌ قَالَ حَدَّثَنَا يَحُلِى عَنِ الْاَعْمَشِ قَالَ حَدَّثَنِي شَقَيْقُ قَالَ سَمَعْتُ حُذَيْفَةَ قَالَ كُمَّا عَلَا مُحَدِّثَنِي شَقَيْقُ قَالَ سَمَعْتُ حُذَيْفَةَ قَالَ كُمَا قَالَهُ جُلُّوسًا عِنْدَ عُمْرَ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهُ فَقَالَ اليَّكُمْ يَحْفَظُ قَوْلَ رَسُولِ اللَّهِ عَلَيْهِ فِي الْفِيثَنَةِ قَلْتُ اللَّهُ عَلَيْهُ الْعَلَاةُ وَ مَالِهِ وَ وَلَدِهِ وَ جَارِهِ تُكَفِّرُهَا الصَّلاةُ وَقَالَ النَّكَ عَلَيْهِ الْجَرِيِّ ، قُلْتُ فِيتَنَةُ الرَّجُلِ فِي آهْلِهِ وَ مَالِهِ وَ وَلَدِهِ وَ جَارِهِ تُكَفِّرُهَا الصَّلاةُ وَ الصَّدَّةُ وَالْاَمْرُ وَالنَّهُيُ قَالَ لَيْسَ هَذَا أُرِيدُ وَلَكِنَّ الْفَيْتَةَ الَّتِي تَمُوجُ كَمَا يَمُوجُ الْبَحْرُ قَالَ لَيْسَ عَلَيْكَ مَنِها بَاسًا مُعْلَقًا قَالَ اللَّهُ اللَّي الْمَيْمِ الْمَيْمِ الْمَيْمِ الْمَيْمِ الْمَيْمِ الْمَيْمِ الْمَيْمِ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ ا

৫০০ মুসাদাদ (র.).....হ্যাইফা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, একদা আমরা উমর (রা.) -এর কাছে বসা ছিলাম। তখন তিনি বললেন, ফিত্না সম্পর্কে রাস্লুল্লাহ্ 📲 এর বক্তব্য তোমাদের মধ্যে কে স্মরণ রেখেছ ? হযরত হুযাইফা (রা.) বললেন, 'যেমনি তিনি বলেছিলেন হুবহু তেমনিই আমি মনে রেখেছি।' উমর (রা.) বললেন, রাসূলুল্লাহ্ 📆 এর বাণী স্মরণ রাখার ব্যাপারে তুমি খুব দৃঢ়তার পরিচয় দিচ্ছ। আমি বললাম, (রাসূলুল্লাহ্ ক্রিক্রির বলেছিলেন) মানুষ নিজের পরিবার-পরিজন, ধন-সম্পদ, সন্তান-সন্ততি, পাড়া-প্রতিবেশীদের ব্যাপারে যে ফিত্নায় পতিত হয়- সালাত, সিয়াম, সাদাকা, (ন্যায়ের) আদেশ ও (অন্যায়ের) নিষেধ তা দূরীভূত করে দেয়। হযরত উমর (রা.) বললেন, তা আমার উদ্দেশ্যে নয়। বরং আমি সেই ফিত্নার কথা বলছি, যা সমুদ্র তরঙ্গের ন্যায় ভয়াল হবে। হুযাইফা (রা.) বললেন, হে আমীরুল মু'মিনীন! সে ব্যাপারে আপনার ভয়ের কোন কারণ নেই । কেননা, আপনার ও সে ফিত্নার মাঝখানে একটি বন্ধ দরজা রয়েছে। হযরত উমর (রা.) জিজ্ঞাসা করলেন, সে দরজাটি ভেঙ্গে ফেলা হবে, ना খুলে দেওয়া হবে ? হুযাইফা (র.) বললেন, ভেঙ্গে ফেলা হবে। উমর (রা.) বললেন, তাহলে তো আর কোন দিন তা বন্ধ করা যাবে না। [হুযাইফা (রা.)-এর ছাত্র শাকীক (র.) বলেন], আমরা জিজ্ঞাসা করলাম, হ্যরত উমর (রা.) কি সে দরজাটি সম্পর্কে জানতেন ? হ্যাইফা (রা.) বললেন, হাঁ, দিনের পূর্বে রাতের আগমন যেমন সুনিশ্চিত, তেমনি নিশ্চিতভাবে তিনি জানতেন। কেননা, আমি তাঁর কাছে এমন একটি হাদীস বর্ণনা করেছি, যা মোটেও ভুল নয়। (দরজাটি কী) এ বিষয়ে হুযাইফা (রা.)-কে জিজ্ঞাসা করতে আমরা ভয় পাচ্ছিলাম। তাই, আমরা মাসরুক (র.)-কে বললাম এবং তিনি তাঁকে জিজ্ঞাসা করলেন। তিনি বললেন, দরজাটি উমর (রা.) নিজেই।

ক্তাইবা (র.).....আবদুল্লাহ্ ইব্ন মাসউদ (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, এক ব্যক্তি জনৈক মহিলাকে চুম্বন করে বসে। পরে সে রাস্লুল্লাহ্ ক্রিল্লাই-এর কাছে এসে বিষয়টি তাঁর গোচরীভূত করে। তখন আল্লাহ্ তা আলা আয়াত নাযিল করেন ঃ "দিনের দু'প্রান্তে—সকাল ও সদ্ধ্যায় এবং রাতের প্রথম অংশে সালাত কায়েম কর। নিশ্চয়ই ভাল কাজ পাপাচারকে মিটিয়ে দেয়"। লোকটি জিজ্ঞাসা করল, ইয়া রাস্লাল্লাহ্! এ কি শুধু আমার বেলায় ? রাস্লুল্লাহ্ ক্রিল্লাই বলেছেন ঃ আমার সকল উন্মাতের জন্যই।

#### ٥٥٥. بَابُ فَضْلِ الصَّلاَّةِ لِيَ قُتِهَا

৩৫৫. অনুচ্ছেদঃ যথাসময়ে সালাত আদায়ের ফ্যীলত।

٥٠٢ حَدَّثَنَا أَبُو الْوَلِيدِ هِشَامُ بْنُ عَبْدِ الْمَلِكِ قَالَ حَدَّثَنَا شُعْبَةُ قَالَ الْوَلِيدُ بْنُ الْعَيْزَارِ أَخْبَرَنِي قَالَ

سَمِعْتُ أَبَا عَمْرِو الشَّيْبَانِيَّ يَقُولُ حَدَّثَنَا صَاحِبُ هَٰذِهِ الدَّارِ وَاَشَارَ الِي دَارِعَبُدِ اللَّهِ قَالَ سَأَلْتُ النَّبِيُّ عَلَيْ اللَّهِ عَالَ النَّبِيُّ عَلَى وَقَتْبِهَا قَالَ ثُمَّ أَى قَالَ ثُمَّ بِرُّ الْوَالِيْدَيْنِ قَالَ ثُمَّ أَى قَالَ الْجِهَادُ فَى سَبِيْلِ اللَّهِ قَالَ حَدَّثَنِى بِهِنَّ وَلَوا سُتَزَدَّتُهُ لَزَادَنِى .

৫০২ আবুল ওয়ালীদ হিশাম ইব্ন আবদুল মালিক (র.).....আবূ আমর শায়বানী (র.) থেকে বর্ণিত, তিনি আবদুল্লাহ্ ইব্ন মাসউদ (রা.)-এর বাড়ীর দিকে ইশারা করে বলেন, এ বাড়ীর মালিক আমাদের কাছে বর্ণনা করেছেন, আমি রাস্লুল্লাহ্ ক্রান্ত্রে-কে জিজ্ঞাসা করলাম, কোন্ আমল আল্লাহ্র নিকট অধিক প্রিয় ? তিনি বললেন, যথাসময়ে সালাত আদায় করা। ইব্ন মাসউদ (রা.) পুনরায় জিজ্ঞাসা করলেন, এরপর কোন্টি ? তিনি বললেন, এরপর পিতা-মাতার প্রতি সদ্যবহার। ইব্ন মাসউদ (রা.) আবার জিজ্ঞাসা করলেন, এরপর কোন্টি ? রাস্লুল্লাহ্ ক্রান্ত্রের বললেন, এরপর জিহাদ ফী সাবীলিল্লাহ্ (আল্লাহ্র পথে জিহাদ)। ইব্ন মাসউদ (রা.) বলেন, এগুলো তো রাস্লুল্লাহ্ ক্রান্ত্রের আমাকে বলেছেনই, যদি আমি আরও বেশী জানতে চাইতাম, তাহলে তিনি আরও বলতেন।

#### ٣٥٦. بَابُ الصلُّواتُ الْخَمْسُ كَفَّارَةً

৩৫৬. অনুচ্ছেদ ঃ পাঁচ ওয়াজের সালাত (ওনাহ্সমূহের) কাফ্ফারা।

٥٠٣ حَدَّثَنَا اِبْرَاهِيْمُ بْنُ حَمَّزَةَ قَالَ حَدَّثَنِي اِبْنُ أَبِي حَازِمٍ وَالدَّارَوَرِدِيُّ عَنْ يَزِيْدَ عَنْ مُحَمَّدِ بْنِ اِبْرَاهِيْمَ عَنْ أَبِي هَرَيْرَةَ أَنَّهُ سَمِعَ رَسُولَ اللهِ عَلِيَّةِ يَقُولُ أَرَأَيْتُمْ لَوْ اَنْ نَهَرًا عِنْ أَبِي هَرَيْرَةَ أَنَّهُ سَمِعَ رَسُولَ اللهِ عَلِيَّةِ يَقُولُ أَرَأَيْتُمْ لَوْ اَنْ نَهَرًا بِبَابِ اَحَدِكُمْ يَغْتَسِلُ فِيْهِ كُلُّ يَوْمٍ خَمْسًا مَاتَقُولُ ذَالِكَ يُبْقِي مِنْ دَرَنِهِ قَالُوا لاَيُبْقِي مِنْ دَرَنِهِ شَيْئًا قَالَ فَذَالِكَ مِثْلُ الصَلَوَاتِ الْخَمْسِ يَمْحُوا الله بِهِ الْخَطَايَا .

৫০৩ ইব্রাহীম ইব্ন হামযা (র.)......আবৃ হুরায়রা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি রাসূলুল্লাহ্ ক্রিট্রে-কে বলতে শুনেছেন, "বলত যদি তোমাদের কারো বাড়ীর সামনে একটি নদী থাকে, আর সে তাতে প্রত্যহ পাঁচবার গোসল করে, তাহলে কি তার দেহে কোন ময়লা থাকবে ? তারা বললেন, তার দেহে কোনরূপ ময়লা বাকী থাকবে না। রাসূলুল্লাহ্ ক্রিট্রে বললেনঃ এ হল পাঁচ ওয়াক্ত সালাতের উদাহরণ। এর মাধ্যমে আল্লাহ্ তা আলা (বান্দার) গুনাহসমূহ মিটিয়ে দেন।

#### ٣٥٧. بَابُ تُضْيِيمِ الصَّالَةِ عَنْ فَقْتِهَا

৩৫ ৭. অনুष्टिन ३ निर्धाति अभग थिएक विलास जाला आजा करत जात रक नष्ठ कता । مَدُنَنَا مُوسَلَى بُنُ إِسْمَاعِيْلَ قَالَ حَدَّنَنَا مَهُدِيٌّ عَنْ غَيْلاَنَ عَنْ أَنْسٍ قَالَ مَا أَعْرِفُ شَيْنًا مِمًّا مَا أَعْرِفُ شَيْنًا مِمًّا مَا أَعْرِفُ شَيْنًا مِمًا

كَانَ عَلَى عَهُدِ النَّبِيِّ عَلِيَّ قَيْلَ الصَّلاةُ قَالَ أَلَيْسَ ضَيَّعْتُمْ مَاضَيَّعْتُمْ فَيْهَا •

৫০৪ মূসা ইব্ন ইসমায়ীল (র.).....আনাস (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আজকাল কোন জিনিসই সে অবস্থায় পাই না, যেমন নবী ক্রিক্সিন্ত -এর যুগে ছিল। প্রশ্ন করা হল, সালাতও কি ? তিনি বললেন, সেক্ষেত্রেও যা হক নষ্ট করার তা-কি তোমরা করনি ?

٥٠٥ حَدُّثَنَا عَمْرُو بِثُنُ بُرَارَةَ قَالَ اَخْبَرَنَا عَبْدُ الْوَاحِدِ ابْنُ وَاصِلٍ أَبُو عُبَيْدَةَ الْحَدَّادُ عَنْ عُثْمَانَ بْنِ أَلُواحِدِ ابْنُ وَاصِلٍ أَبُو عُبَيْدَةَ الْحَدَّادُ عَنْ عُثْمَانَ بْنِ مَالِكِ بِدِمَشُقَ وَهُو يَبْكِي أَبِي رَوَّادٍ أَخِي عَبْدِ الْعَزِيْزِ قَالَ سَمِعْتُ الزُّهْرِيِّ يَقُولُ دَخَلْتُ عَلَى أَنَسِ بْنِ مَالِكٍ بِدِمَشُقَ وَهُو يَبْكِي أَبِي رَوَّادٍ أَخِي عَبْدِ الْعَزْيُزِ قَالَ سَمِعْتُ الزُّهْ لِي يَقُولُ دَخَلْتُ عَلَى أَنَسِ بْنِ مَالِكٍ بِدِمَشُقَ وَهُو يَبْكِي فَقَالَ لاَ أَعْرِفُ شَيْئًا مِمًّا اَدْرَكْتُ الاَّ هٰذِهِ الصَّلاَةُ وَهُذِهِ الصَّلاَةُ قَدْ ضَيُعِتُ ، وَقَالَ بَكُرُ فَقُلْ بَكُم الْبُرسَانِيُّ أَخْبَرَنَا عُثْمَانُ بْنُ أَبِي رَوَّادٍ نِحُوهُ .

৫০৫ আমর্ ইব্ন যুরারা (র.)......যুহরী (র.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আমি দামেশ্কে আনাস 
ইব্ন মালিক (রা.)-এর নিকট উপস্থিত হলাম, তিনি তখন কাঁদছিলেন। আমি তাঁকে জিজ্ঞাসা করলাম, 
আপনি কাঁদছেন কেন । তিনি বললেন, রাস্লুল্লাহ্ ক্রিল্ট্রে-এর যুগে যা কিছু পেয়েছি তার মধ্যে কেবলমাত্র 
সালাত ছাড়া আর কিছুই বহাল নেই। কিছু সালাতকেও নষ্ট করে দেওয়া হয়েছে। বাক্র (র.) বলেন, 
আমার কাছে মুহামদ ইব্ন বক্র বুরসানী (র.) উসমান ইব্ন আবৃ রাওওয়াদ (র.) সূত্রে অনুরূপ বর্ণনা 
করেছেন।

#### ٣٥٨. بَابُ الْمُصلِّي يُنَاجِي رَبَّهُ عَزُّ فَجَلُّ

কেও মুসলিম ইব্ন ইব্রাহীম (র.).....আনাস ইব্ন মালিক (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী বলেছেন ঃ তোমাদের কেউ যখন সালাতে দাঁড়ায়, তখন সে তার প্রতিপালকের সঙ্গে গোপনে কথা ১. অর্থাৎ, মুস্তাহাব ওয়াক্তে নামায আদায় না করে দেরী করে আদায় করা, কিংবা যথাসময়ে আদায় না করে সময় চলে যাওয়ার পর আদায় করা। মুহাল্লাব (র.)—এর মতে এখানে মুস্তাহাব সময় থেকে বিলম্বে আদায় করার কথা বুঝানো হয়েছে। কেননা, সে সময় গর্ভার হাজ্জাজ ইব্ন ইউসুফ ও বাদশাহ ওয়ালীদ ইব্ন আবদুল মালিক দেরী করে সালাত আদায় করতেন। মূলত হয়রত আনাস (রা.) সে দিকেই ইঙ্গিত করেছেন। —আইনী।

বলে। কাজেই, সে যেন ডানদিকে থুথু না ফেলে, তবে (প্রয়োজনে) বাম পায়ের নীচে ফেলতে পারে। তবে সায়ীদ (র.) কাতাদা (র.) থেকে বর্ণনা করেছেন, সে যেন সামনের দিকে থুথু না ফেলে, কিন্তু বামদিকে অথবা পায়ের নীচে ফেলতে পারে। আর শুবা (র.) বলেন, সে যেন কিব্লার দিকে অথবা ডান দিকে থুথু না ফেলে, কিন্তু বামদিকে অথবা পায়ের তলায় ফেলতে পারে। আর শুমাইদ (র.) আনাস (রা.) স্ত্রে নবী ক্রিট্রের থেকে বর্ণনা করেন, সে যেন কিব্লার দিকে বা ডানদিকে থুথু না ফেলে, কিন্তু বামদিকে অথবা পায়ের নীচে ফেলতে পারে।

٥٠٧ حَدَّثَنَا حَفْصُ بْنُ عُمَرَ قَالَ حَدَّثَنَا يَزِيدُ بْنُ إِبْرَاهِيْمَ قَالَ حَدَّثَنَا قَتَادَةُ عَنْ أَنَسِ بْنِ مَالِكٍ عَنِ النَّبِيِّ عَلِيلِهِ قَالَ الْعَبَدِ وَلاَ يَبْسِطُ ذِرَاعَيْهِ كَالْكَلْبِ وَاذِا بَزَقَ فَلاَ يَبْرُقُنَ بَيْنَ يَدَيْهِ وَلاَ عَنْ يَمْيُنهِ فَانَّهُ يُنَاجِى رَبَّهُ .

৫০৭ হাফ্স ইব্ন উমর (র.).....আনাস ইব্ন মার্লিক (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী ক্রিক্রির বলেছেন ঃ তোমরা সিজদায় মধ্যপন্থা অবলম্বন কর। তোমাদের কেউ যেন তার বাহুদ্বয় বিছিয়ে না দেয় কুকুরের মত। আর যদি থুথু ফেলতে হয়, তাহলে সে যেন সামনে ও ডানে না ফেলে। কেননা, সে তখন তার প্রতিপালকের সঙ্গে গোপন কথায় লিপ্ত থাকে।

#### ٣٥٩. بَابُ الْإِبْرَاد بِالظُّهْرِ فِي شَدَّةِ الْحَرِّ

৩৫৯. অনুচ্ছেদঃ প্রচণ্ড গরমের সময় যুহরের সালাত ঠান্ডায় আদায় করা।

٥٠٨ حَدُّثَنَا أَيُّوبُ بْنُ سلَيْمَانَ قَالَ حَدُّثَنَا أَبُو بَكْرٍ عَنْ سلَيْمَانَ قَالَ صَالِحُ بْنُ كَيْسَانَ حَدُّثَنَا ٱلْأَعْرَجُ عَبْدُ اللهِ بْنِ عُمَرَ عَنْ عَبْدِ اللهِ بْنِ عُمرَ عَنْ عَبْدِ اللهِ بْنِ عُمرَ اللهِ عَنْ اللهِ بْنِ عُمرَ اللهِ عَنْ اللهِ عَلْمَ اللهِ عَلْمُ اللهِ عَلْمَ اللهِ عَلْمَ اللهِ عَلْمَ اللهِ عَلْمَ اللهِ عَلْمَ اللهِ عَلْمَ اللهِ اللهِ عَلْمَ اللهِ اللهِ عَلْمَ اللهِ اللهِ اللهِ عَلْمُ اللهِ اللهِل

৫০৮ আয়াব ইব্ন সুলাইমান (র.).....আবূ হুরায়রা ও আবদুল্লাহ্ ইব্ন উমর (রা.) থেকে বর্ণিত যে, রাসূলুল্লাহ্ ক্রিট্রের বলেছেন ঃ যখন গরমের প্রচণ্ডতা বৃদ্ধি পায়, তখন গরম কমলে সালাত আদায় করবে। কেননা, গরমের প্রচণ্ডতা জাহানামের নিঃশ্বাসের অংশ।

٥٠٩ حَدَّثَنَا ابْنُ بَشَّارٍ قَالَ حَدَّثَنَا غُنْدَرُ قَالَ حَدَّثَنَا شُعُسبَةُ عَنِ الْمُهَاجِرِ أَبِي الْحَسنِ سَمِعَ زَيْدَ بُنَ وَهُبٍ عَنْ أَبِي ذَرٍ قَالَ أَذْنَ مُؤَذِّنُ النَّبِيِّ عَلَيْكُ الظُهْرَ فَقَالَ أَبْرِدُ أَبْرِدُ أَنُ قَالَ ابْتَظِرُ ابْتَظِرُ وَقَالَ شِدَّةُ الْحَرِّ وَهُل أَبْرِدُ أَبْرِدُ أَنْ قَالَ ابْتَظِرُ ابْتَظِرُ وَقَالَ شِدَّةُ الْحَرِّ مَنْ فَيْح جَهَنَّمَ فَاذَا اشْتَدًّ الْحَرُّ فَآبُرِدُوا عَنِ الصَّلاَةِ حَتَّى رَايْنَا فَيُ التَّلُولِ .

সিজ্দায় মধ্যপত্থা অবলম্বন দারা সিজ্দার সময় উভয় হাত মাটিতে স্থাপন করে কনুইকে ভূমি, পাঁজর, পেট ও
উক্ব থেকে সম্পূর্ণ পৃথক করে রাখার কথা বলা হয়েছে। — আইনী।
বিখারী শরীফ (২)—২

কৈ মুহামদ ইব্ন বাশ্শার (র.)......আবূ যার্র (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, রাসূলুল্লাহ্ ক্রাট্রাল্র - এর মুআয্যিন আযান দিলে তিনি বললেনঃ ঠাভা হতে দাও, ঠাভা হতে দাও। অথবা তিনি বললেন, অপেক্ষা কর, অপেক্ষা কর। তিনি আরও বলেন, গরমের প্রচণ্ডতা জাহান্নামের নিঃশ্বাসের ফলেই সৃষ্টি হয়। কাজেই গরম যখন বেড়ে যায় তখন গরম কমলেই সালাত আদায় করবে। এমনকি (বিলম্ব করতে করতে বেলা এতটুকু গড়িয়ে গিয়েছিল যে) আমরা টিলাগুলোর ছায়া দেখতে পেলাম।

٥١٠ حَدَّثَنَا عَلِيُّ ابْنُ عَبْدِ اللهِ قَالَ حَدَّثَنَا سَفْيَانُ قَالَ حَفَظْنَاهُ مِنَ الزُّهْرِيِّ عَنْ سَعِيْدِ بْنِ الْمُسَيَّبِ أَبِي هُرِيْرَةً عَنِ النَّبِي عَلَيْ ابْنُ عَالَ الْاَدَ الْمُسَيَّبِ الْمِلْدَةِ فَانَّ شِدَّةَ الْحَرِّ مِنْ فَيْحٍ جَهَنَّمَ وَاشْتَكَتِ النَّارِ هُرَيْرَةً عَنِ النَّبِي عَلَيْ قَالَ اذِا اشْتَدَّ الْحَرُّ فَابَرْدُوا بِالصَّلاَةِ فَانِّ شِدَّةَ الْحَرِّ مِنْ فَيْحٍ جَهَنَّمَ وَاشْتَكَتِ النَّارِ النَّادِ اللهِ عَلَيْنِ اللهِ الل

৫১০ আলী ইব্ন আবদুল্লাহ্ মাদীনী (র.)......আবূ হুরায়রা (রা.) থেকে বর্ণিত, নবী দুল্লাট্র বলেছেন ঃ যখন গরম বৃদ্ধি পায় তখন তোমরা তা কমে এলে (যুহরের) সালাত আদায় করো। কেননা, গরমের প্রচন্ডতা জাহান্নামের উত্তাপের অংশ। (তারপর তিনি বলেন), জাহান্নাম তার প্রতিপালকের কাছে এ বলে নালিশ করেছিল, হে আমার প্রতিপালক ! (দহনের প্রচণ্ডতায়) আমার এক অংশ আর এক অংশকে গ্রাস করে ফেলেছে। ফলে আল্লাহ্ তা'আলা তাকে দু'টি শ্বাস ফেলার অনুমতি দিলেন, একটি শীতকালে আর একটি গ্রীম্মকালে। আর সে দু'টি হলো, তোমরা গ্রীম্মকালে যে প্রচণ্ড উত্তাপ এবং শীতকালে যে প্রচণ্ড ঠান্ডা অনুভব কর তাই।

٥١١ حَدَّثَنَا عُمَرُ بُنُ حَفُصْ قَالَ حَدَّثَنَا أَبِي قَالَ حَدَّثَنَا الْأَعْمَشُ حَدَّثَنَا أَبُو صَالِحُ عَنْ أَبِي سَعِيْدٍ قَالَ مَا اللهِ عَلَيْهِ عَلَا عُمَرُ بُنُ حَفْصُ قَالَ حَدَّثَنَا الْأَعْمَشُ حَدَّثَنَا أَبُو صَالِحُ عَنْ أَبِي سَعِيْدٍ قَالَ مَا وَاللَّهُ عَلَيْهِ عَوَانَةً عَنِ قَالَ رَسُولُ اللهِ عَلَيْهِ اللَّهِ عَلَيْهِ اللَّهِ عَلَيْهِ اللَّهِ عَلَيْهِ اللَّهُ عَلَيْهِ اللَّهِ عَلَيْهِ اللَّهُ عَلَيْهِ اللَّهُ عَلَيْهِ اللَّهُ عَلَيْهِ اللَّهُ عَلَيْهِ اللَّهُ عَلَيْهِ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهِ اللَّهُ عَلَيْهِ عَوَانَةً عَنِ اللَّهُ عَلَيْهِ اللَّهُ عَلَيْهِ اللَّهُ عَلَيْهِ اللَّهُ عَلَيْهِ اللَّهُ عَلَيْهِ اللَّهُ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهِ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهِ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْهِ عَلَى اللَّهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ عَلَا اللَّهُ عَلَيْهُ عَلْهُ عَلَيْهُ عَلَاللَّهُ عَلَيْهُ عَلَا اللَّهُ عَلَيْهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَالِكُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَّهُ عَلَا لَا عَلَيْ عَلَالَهُ عَلَيْهُ عَلَالَ عَلَيْهُ عَلَالَ عَلَا عَلَاهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَالَ عَلَيْهُ عَلَا اللّهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ اللّهُ عَلَيْهُ عَلَا عَلَيْهُ عَلَا عَلَا عَلَا عَلَا عَلَا عَلَاهُ عَلَا عَلَ

৫১১ উমর ইব্ন হাফ্স (র.).....আবূ সায়ীদ (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, রাস্লুল্লাহ্ বলেছেন ঃ 
যুহরের সালাত গরম কমলে আদায় কর। কেননা, গরমের প্রচন্ডতা জাহানামের উত্তাপ থেকে। সুফইয়ান,
ইয়াহ্ইয়া এবং আবূ আওয়ানা (র.) আ'মাশ (র.) থেকে অনুরূপ বর্ণনা করেছেন।

#### ٣٦٠. بَابُ الْإِبْرَادُ بِالظُّهْرِ فِي السُّفَرِ

৩৬০. অনুচ্ছেদ ঃ সফরকালে গরম কমে গেলে যুহরের সালাত আদায়।

٥١٢ حَدَّثَنَا أَدَمُ بُنُ أَبِى اِيَاسٍ قَالَ حَدَّثَنَا شُعْبَةُ قَالَ حَدَّثَنَا مُهَاجِرُ أَبُوا الْحَسَنِ مَوْلَى لِبَنِى تَيْمِ اللّهِ قَالَ سَمَعْتُ زَيْدَ بُنَ وَهُبٍ عَنْ أَبِى ذَرِّ الْغَفَارِيِّ قَالَ كُنَّا مَعَ النَّبِيُّ عَلِيْنَ فِي سَفَرٍ فَارَادَ الْمُؤَذِّنُ أَنْ يُؤَذِّنَ

النطُّهُرِ فَقَالَ النَّبِي عَلَيْ أَبْرِدُ ثُمَّ أَرَادَ أَنْ يُؤَدِّنَ فَقَالَ لَهُ أَبْرِدُ حَتَّى رَأَيْنَا فَى التُّلُولِ فَقَالَ النَّبِي عَلَيْ إِنَّ شَدِّةَ الطَّهُرِ فَقَالَ النَّبِي عَلَيْ إِنَّ شَدِّةً النَّا أَبُرِدُ عَنَى التَّلُولِ فَقَالَ النَّبِي عَلَيْ إِنَّ شَدِّةً الْحَرِّ فَا بُرُدُوا بِالصَّلَاةِ وَقَالَ ابْنُ عَبَّاسٍ تَتَفَيَّاءُ تَتَمَيَّلُ .

ক্রিম্ন আদম ইব্ন আবৃ ইয়াস (র.).....আবৃ যার্র (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, এক সফরে আমরা রাসূলুল্লাহ্ ক্রিট্রে-এর সঙ্গে ছিলাম। এক সময় মুয়ায্যিন যুহরের আযান দিতে চেয়েছিল। তখন নবী ক্রিট্রের ললেনঃ গরম কমতে দাও। কিছুক্ষণ পর আবার মুয়ায্যিন আযান দিতে চাইলে নবী ক্রিট্রের (পুনরায়) বললেনঃ গরম কমতে দাও। এভাবে তিনি (সালাত আদায়ে) এত বিলম্ব করলেন যে, আমরা টিলাগুলোর ছায়া দেখতে পেলাম। তারপর নবী ক্রিট্রের বললেনঃ গরমের প্রচন্ডতা জাহানামের উত্তাপ থেকে। কাজেই গরম প্রচন্ড হলে উত্তাপ কমার পর সালাত আদায় করো। ইব্ন আব্বাস (রা.) বলেন, হাদীসে ক্রিট্রে শব্দটি ক্রিট্রের বি্কে পড়া, গড়িয়ে পড়ার অর্থে ব্যবহৃত হয়েছে।

#### ٣٦١. بَابُ وَقُتِ الظُّهُرِ عَنْدَ الزُّوالِ وَقَالَ جَابِرُ كَانَ النَّبِيُّ أَيْكُ يُصلِّى بِالْهَاجِرَةِ

৩৬১. অনুচ্ছেদ ঃ যুহরের ওয়াক্ত হয় সূর্য ঢলে পড়লে। জাবির (রা.) বলেন, দুপুরে নবী

اللهِ حَدَّثَنَا اَبُو الْيَمَانِ قَالَ اَخْبَرَنَا شُعَيْبُ عَنِ الزُّهْرِيِّ قَالَ اَخْبَرَنِي اَنَسُ بُنُ مَالِكٍ اَنَّ رَسُولُ اللهِ عَلَى الْمَثْبَرِ فَذَكَرَ السَّاعَةَ فَذَكَرَ أَنَّ فَيْهَا أُمُورًا عِظَامًا ثُمُّ خَرَجَ حَيْنَ زَاغَتِ الشَّمْسُ فَصِلِّي الظُّهْرَ فَقَامَ عَلَى الْمَثْبَرِ فَذَكَرَ السَّاعَةَ فَذَكَرَ أَنَّ فَيْهَا أُمُورًا عِظَامًا ثُمُّ قَالَ مَنْ اَحَبُّ اَنْ يَسَلَّلُ عَنْ شَيْءٍ فَلَا تَسْلَالُونِي عَنْ شَيْءٍ اللهِ اللهِ الْمُبَرِّتُكُمُ مَادُمْتُ فِي مَقَامِي هٰذَا فَكَ النَّاسُ فِي البُكَاءِ وَأَكْسَرَ اَنْ يَقُولُ سَلُوبُنِي فَقَالَ عَبْدُ اللهِ بُنُ حُذَافَةَ السَّهْمِيُّ فَقَالَ مَنْ أَبِي قَالَ فَكَ اللهِ بُنُ حُذَافَةَ السَّهْمِيُّ فَقَالَ مَنْ أَبِي قَالَ أَبُوكَ حُذَافَةً ثُمَّ أَكُتُورً أَنْ يَقُولُ سَلُوبِي فَبَرَكَ عُمَرُ عَلَى رُكْبَتَيْهِ فَقَالَ رَضِيْنَا بِاللهِ رَبًا وَبِالْاسِلَامِ دِينًا أَبُوكَ حُذَافَةً ثُمَّ أَكُتُولُ سَلُوبِي فَبَرَكَ عُمَرُ عَلَى رُكْبَتَيْهِ فَقَالَ رَضِيْنَا بِاللهِ رَبًا وَبِالْاسِلَامِ دِينًا أَبُوكَ حُذَافَةً ثُمَّ أَكُتُ أَنُ اللهِ مَنَاكَ ثُمُ قَالَ عُرِضَتُ عَلَى الْجَنَّةُ وَالنَّارُ انِفًا فِي عُرْضٍ هٰ فَنَا الْحَائِطِ فَلَمُ أَرَكَالُخَيْسِرِ وَلِلللهُ مَنَا الْمَالِكِ فَلَا اللهِ اللهِ عَلَى اللهُ عَرْبَ اللهِ اللهُ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهُ اللهِ اللهُ اللهُ اللهِ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهِ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهِ اللهِ اللهُ الله

৫১৩ আবুল ইয়ামান (র.).....আনাস ইব্ন মালিক (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, একদিন সূর্য তলে পড়লে রাসূলুল্লাহ্ ক্রিট্রে বেরিয়ে এলেন এবং যুহরের সালাত আদায় করলেন। তারপর মিম্বরে

১. পূর্বোক্ত হাদীসগুলোতে বুঝা যায় গরমের দিনে যুহরের সালাত উত্তাপ হাস পাওয়ার পর পড়া উত্তম। আর এ হাদীসে বর্ণিত হয়েছে, রাসূলুল্লাহ্ কুল্লাল্ল সূর্য ঢলার পর সালাত আদায় করলেন। এ দু' হাদীসে মূলত কোন বিরোধ নেই। সূর্য ঢলার পরই যুহরের ওয়াক্ত তব্দ হয়ে যায়। তবে গরমের দিনে দেরী করে পড়া ভাল। কোন কারণে সূর্য ঢলার সাথে সাথে আদায় করে ফেললে সালাত যথাসময়ে আদায় হয়ে যায়। তবে বিনা প্রয়োজনে উত্তমের বিপরীত না করা উচিত।

দাঁড়িয়ে কিয়ামত সম্বন্ধে আলোচনা করেন এবং বলেন যে, কিয়ামতে বহু ভয়ানক ঘটনা ঘটবে। এরপর তিনি বলেন, আমাকে কেউ কোন বিষয়ে প্রশ্ন করতে চাইলে করতে পারে। আমি যতক্ষণ এ বৈঠকে আছি, এর মধ্যে তোমরা আমাকে যা কিছু জিজ্ঞাসা করবে আমি তা জানিয়ে দিব। এ শুনে লোকেরা খুব কাঁদতে শুরু করল। আর তিনি বলতে থাকলেন ঃ আমাকে প্রশ্ন কর, আমাকে প্রশ্ন কর। এ সময় আবদুল্লাহ্ ইব্ন হ্যাইফা সাহমী (রা.) দাঁড়িয়ে জিজ্ঞাসা করলেন, আমার পিতা কে ! রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্রে বললেন, তোমার পিতা 'হ্যাইফা'। এরপর তিনি অনেকবার বললেন ঃ আমাকে প্রশ্ন কর। তখন হ্যরত উমর (রা.) নতজানু হয়ে বসে বললেন, "আমরা আল্লাহ্কে প্রতিপালক হিসাবে, ইসলামকে দীন হিসাবে এবং মুহাম্মদ ক্রিট্রেন্ট্র-কে নবী হিসাবে গ্রহণ করে সভুষ্ট। এরপর নবী ক্রিট্রেন্ট্রিনীরব থাকলেন। কিছুক্ষণ পর বললেন ঃ এক্ষুনি এ দেওয়ালের পাশে জান্নাত ও জাহান্নাম আমার সামনে তুলে ধরা হয়েছিল; এত উত্তম ও এত নিকৃষ্টের মত কিছু আমি আর দেখিনি।

٥١٤ حَدَّثَنَا حَفْصُ بَنُ عُمَرَ قَالَ حَدَّثَنَا شُعْبَةُ عَنْ أَبِي الْمَثْهَالِ عَنْ أَبِي بَرْزَةَ قَالَ كَانَ النّبِي عَلَيْ الْمَثْهَا مِا بَيْنَ السّتِيْنَ إِلَى الْمَائَةِ وَيُصلِّى الظُّهْرَ اذا زَالَتِ يُصلِّى الطُّهْرَ اذَا زَالَتِ يُصلِّى الطُّهْرَ اذَا زَالَتِ السَّتِيْنَ إِلَى الْمَائَةِ وَيُصلِّى الظُّهْرَ اذَا زَالَتِ الشَّمْسُ وَالْعَصْرَ وَأَحَدُنَا يَذُهَبُ الِى أَقْصَى الْمَديْنَةِ ثُمَّ يَرْجَعَ وَالشَّمْسُ حَيَّةً وَنَسَيْتُ مَا قَالَ فِي ٱلْغُرِبِ الشَّمْسُ وَالْعَصْرَ وَأَحَدُنَا يَذُهُبُ الِى أَقْصَى الْمَديْنَةِ ثُمَّ يَرْجَعَ وَالشَّمْسُ حَيَّةً وَنَسَيْتُ مَا قَالَ فِي ٱلْغُرِبِ وَلاَ يُبَالِي بِتَأْخِيْرِ الْعِشَاءِ الِلَى ثُلُثِ اللَّيْلِ ثُمَّ قَالَ اللَّي شَطَرِ اللَّيْلِ وَقَالَ مُعَاذُ قَالَ شُعْبَةً لَقَيْتُهُ مَرَّةً فَقَالَ أَلْ شُعْدَ اللَّيْلُ وَقَالَ مُعَاذُ قَالَ شُعْبَةً لَقِيْتُهُ مَرَّةً فَقَالَ أَوْ لَيْ اللَّيْلُ وَقَالَ مُعَاذُ قَالَ شُعْبَةً لَقِيْتُهُ مَرَّةً فَقَالَ أَلْ شُعْدَ اللَّيْلُ وَقَالَ مُعَاذُ قَالَ شُعْبَةً لَقِيْتُهُ مَرَّةً فَقَالَ أَلْ اللَّيْلُ وَقَالَ مُعَاذُ قَالَ شُعْبَةً لَقِيْتُهُ مَرَّةً فَقَالَ اللَّيْلُ وَقَالَ مُعَاذُ قَالَ شُعْبَةً لَقِيْتُهُ مَرَّةً فَقَالَ اللَّيْلُ وَلَا اللَّيْلُ وَقَالَ مُعَاذُ قَالَ شُعْبَةً لَقِيلُةً مَا لَا لَيْلُ مُ اللَّيْلُ وَقَالَ مُعَاذُ قَالَ شُعْبَةً لَقِيلًا لَى اللَّهُ لَا اللَّيْلُ وَاللَّهُ اللَّيْلُ وَلَا اللَّيْلُ وَلَا اللَّهُ لَا اللَّيْلُ وَلَا اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ مَا اللَّيْلُ وَلَا اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ إِلَا لَا لَا لَا اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ لَا اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللّهُ اللللّهُ الللللّهُ اللّهُ اللّهُ الللللّهُ الللللّهُ اللللللّهُ اللللللّهُ الللّهُ اللّهُ الللللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللللّهُ اللّهُ اللّهُ الللللّهُ الللللّهُ اللللللّهُ الللللللّهُ اللل

ক্রমন্তর সালাত আদায় করতেন, যখন আমাদের একজন তার পার্শ্ববর্তী অপরজনকে চিনতে পারত। আর এ সালাতে তিনি ষাট থেকে একশ' আয়াত তিলাওয়াত করতেন এবং যুহরের সালাত আদায় করতেন থখন সময় যে, আমাদের কেউ মদীনার শেষ প্রান্তে পৌছে আবার ফিরে আসতে পারত, তখনও সূর্য সতেজ থাকত। রাবী বলেন, মাগরিব সম্পর্কে তিনি আবৃ বার্যা (রা.) কী বলেছিলেন, আমি তা ভুলে গেছি। আর ইশার সালাত রাতের এক-তৃতীয়াংশ পর্যন্ত পিছিয়ে নিতে তিনি কোনরূপ দ্বিধাবোধ করতেন না। তারপর রাবী বলেন, রাতের অর্ধাংশ পর্যন্ত পিছিয়ে নিতে অসুবিধা বোধ করতেন না। আর মু'আয (র.) বর্ণনা করেন যে, ভ'বা (র.) বলেছেন, পরে আবুল মিনহালের (র.) সংগে সাক্ষাত হয়েছিল, সে সময় তিনি বলেছেন, রাতের এক-তৃতীয়াংশ পর্যন্ত বিলম্ব করতে অসুবিধা বোধ করতেন না।

٥١٥ حَدِّثَنَا مُحَمَّدُ يَعْنِي ابْنُ مُقَاتِلٍ قَالَ أَخْبَرَنَاعَبُدُ اللهِ قَالَ أَخْبَرَنَا خَالِدُ بْنُ عَبْدِ الرَّحُمْنِ حَدَّثَنِي غَالِبُ اللهِ قَالَ أَخْبَرَنَا خَالِدُ بْنُ عَبْدِ الرَّحُمْنِ حَدَّثَنِي غَالِبُ الْقَطَّانُ عَنْ بَكْرِ بْنِ عَبْدِ اللهِ اللهِ اللهِ عَنْ أَنْسِ بْنِ مَالِكِ قَالَ كُنَّا إِذَا صَلَّيْنَا خَلْفَ رَسُولِ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهِ اللهِ عَلَيْ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ عَنْ أَنْسِ بْنِ مَالِكِ قَالَ كُنَّا إِذَا صَلَيْنَا خَلْفَ رَسُولِ اللهِ عَلَيْ اللهِ اللهِ اللهِ عَلَيْ اللهِ اللهِ عَنْ اللهِ اللهِ عَنْ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهِ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهِ اللهُ اللهُ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهُ

৫১৫ মুহাম্মদ ইব্ন মুকাতিল (র.).....আনাস ইব্ন মালিক (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আমরা যখন রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্রে -এর পিছনে গরমের সময় সালাত আদায় করতাম, তখন উত্তাপ থেকে রক্ষা পাওয়ার জন্য কাপড়ের উপর সিজ্দা করতাম।

#### ٣٦٢، بَابُ تَأْخِيْرِ الظُّهْرِ إِلَى الْعَصْرِ

৩৬২. অনুচ্ছেদ ঃ যুহরের সালাত আসরের ওয়াক্তের আগ পর্যন্ত বিলম্ব করা।

٥١٦ حَدُّثَنَا أَبُو النُّعُمَانِ قَالَ حَدُّثَنَا حَمَّادُ هُوَ ابْنُ زَيْدٍ عَنْ عَمْرِو بْنِ دِيْنَارٍ عَنْ جَابِرِ بْنِ زَيْدٍ عَنِ ابْنِ عَبْ الْبَنِ مَانِيًا الظُّهْرَ وَالْعَصْرَ وَالْمَغْرِبَ وَالْعِشَاءَ فَقَالَ أَيُّوبُ لَعَلَّهُ عَبَّاسٍ أَنَّ النَّبِيِّ عَلِيْنَةً صَلَى بِالْمَدِيْنَةِ سَبَعًا وَتَمَانِيًا الظُّهْرَ وَالْعَصْرَ وَالْمَغْرِبَ وَالْعِشَاءَ فَقَالَ أَيُّوبُ لَعَلَّهُ فَي لَيْلَةً مَطِيْرَةً قَالَ عَسلى .

৫১৬ আবৃ নু'মান (র.).....ইব্ন আব্বাস (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্রিমদীনা শরীফে অবস্থানকালে (একবার) যুহর ও আসরের আট রাকাআত এবং মাগরিব ও ইশার সাত রাকাআত একত্রে মিলিয়ে আদায় করেন। স্বায়্ত্ব (র.) বলেন, সম্বত এটা বৃষ্টির রাতে হয়েছিল। জাবির (র.) বললেন, সম্বত তাই।

#### ٣٦٣. بَابُ وَقُتِ الْعَصْرِ

৩৬৩. অনুচ্ছেদঃ আসরের ওয়াক্ত।

٥١٧ حَدَّثَنَا إِبْرَاهِيْمُ ابْنُ الْمُنْذِرِ قَالَ حَدَّثَنَا أَنَسُ بْنُ عِيَاضٍ عَنْ هِشَامٍ عَنْ أَبِيهِ أَنَّ عَائِشَةَ قَالَتُ كَانَ رَسُولُ اللهِ عَلَيْهِ مِنْ الْمُعَصْرَ وَالشَّمْسُ لَمْ تَخْرُجُ مِنْ حُجْرَتِهَا .

৫১৭ ইব্রাহীম ইব্ন মুন্যির (র.).....আয়িশা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, রাস্লুল্লাহ্ ক্রিল্ট্রেএমন সময় আসরের সালাত আদায় করতেন যে, তখনো সূর্যরশ্মি ঘরের বাইরে যায়নি।

٥١٨ حَدَّثَنَا قُتَيْبَةً قَالَ حَدَّثَنَا اللَّيثُ عَنِ ابْنِ شِهَابٍ عَنْ عُرُوَةَ عَنْ عَانِشَةَ أَنَّ رَسُولَ اللهِ عَلَيْ صَلَّى الْعَصْرَ وَالشَّمْسُ فِي حُجْرَتِهَا لَمْ يَظْهَرِ الْفَيُ مِنْ حُجْرَتِهَا .

৫১৮ কুতাইবা (র.).....আয়িশা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, রাসূলুল্লাহ্ ক্রিক্ট্র এমন সময়

১. ইমাম তিরমিয়ী (র.) বলেন, বাড়ীতে অবস্থানকালে কোন প্রকার ভয় বা বৃষ্টি না থাকলে এরূপ করা যাবে না।
এতে কারো দ্বিমত নেই। তবে ওয়র থাকলে, কিংবা সফরের অবস্থায় এরূপ মিলিয়ে পড়া যাবে বলে ইমাম
শাফিঈ, আহ্মদ ও মালিক (র.) মনে করেন। ইমাম আবৃ হানীফা (র.)—এর মতে পৃথক পৃথক নিয়াতের
মাধ্যমে প্রান্তিক সময়ে দু'টি সালাত আদায় করা য়েতে পারে। তবে দু'টোই পৃথক পৃথকভাবে আদায় করতে
হবে। এক নিয়াতে একত্রে আদায় করা জায়িয় নয়।

আসরের সালাত আদায় করেছেন যে, সূর্যরশ্মি তখনো তাঁর ঘরের মধ্যে ছিল, আর ছায়া তখনো তাঁর ঘর থেকে বেরিয়ে পড়েনি।

٥١٩ حَدَّثَنَا أَبُوْ نُعَيْمٍ قَالَ أَخْبَرَنَا ابْنُ عُينِنَةَ عَنِ الزُّهْرِيِّ عَنْ عُرُوَةَ عَنْ عَائِشَةَ قَالَتُ كَانَ النَّبِيُ عَلَيْهُ عَنِ عَنْ عُرُوَةَ عَنْ عَائِشَةَ قَالَتُ كَانَ النَّبِيُ عَلِيهُ عَنِينَةً عَنِ الزُّهْرِيِّ عَنْ عُرُوَةَ عَنْ عَائِشَةَ قَالَ أَبُو عَبُدِ اللَّهِ وَقَالَ مَالِكُ يُصلِي صَلاَةَ الْعَصْدِ وَالشَّمْسُ طَالِعَةُ فِي حُجْرَتِي لَمْ يَظْهَرِ الْفَيُ بَعُدُ قَالَ أَبُو عَبُدِ اللَّهِ وَقَالَ مَالِكُ وَيَحَلِي بُنُ سَعِيْدٍ وَشُعَيْبُ وَابْنُ أَبِي حَفْصَةَ وَالشَّمْسُ قَبْلَ أَنْ تَظْهَرَ ٠

৫১৯ আবৃ নু'আইম (র.)......আয়িশা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী ক্রিট্র আসরের সালাত আদায় করতেন, আর সূর্যকিরণ তখনো আমার ঘরে থাকত। সালাত আদায় করার পরও পশ্চিমের ছায়া ঘরে দৃষ্টিগোচর হত না। আবৃ আবদুল্লাহ্ [ইমাম বুখারী (র.)] বলেন, ইমাম মালিক, ইয়াহ্ইয়া ইব্ন সাঈদ, শুআইব ও ইব্ন আবৃ হাফস্ (র.) উক্ত সনদে এ হাদীসটির বর্ণনায়, 'সূর্যরশ্মি আমার ঘরের ভিতরে থাকত, ঘরের মেঝে ছায়া নেমে আসেনি' এরূপ বলেছেন।

٥٢٥ حَدَّثَنَا مُحَمَّدُ بُنُ مُقَاتِلٍ قَالَ أَخْبَرَنَا عَبْدُ اللهِ قَالَ أَخْبَرَنَا عَوْفُ عَنْ سَيَّارِ بُنِ سَلاَمَةً قَالَ دَخَلْتُ أَنَا وَأَبِي عَلَى أَبِي بَرْزَةَ الْاَسْلَمِيِ فَقَالَ لَهُ أَبِي كَيْفَ كَانَ رَسُولُ اللهِ عَلَيْ يُصلِّي الْمَكْتُوبَةَ فَقَالَ كَانَ يَصلِّي الْمَجْيِّرَ اللهِ عَلَيْ أَبِي بَرْجَعِ أَحَدُنَا الله رَحُلِهِ فِي يُصلِّي الْهَجِيْرَ الَّتِي تَدْعُونَهَا الْأُولُلُي حِيْنَ تَدْحَضُ الشَّمْسُ وَيُصلِّي الْعَصْرَ ثُمَّ يَرْجِعُ أَحَدُنَا الله رَحُلِهِ فِي يُصلِّي الْهَجِيْرَ اللهِ عَرْجَعِ أَحَدُنَا الله رَحُلِهِ فِي الْمَنْ سَلَيْ اللهِ عَلَيْهِ وَالشَّمْسُ حَيَّةً وَنَسَيْتُ مَا قَالَ فِي الْمَفْرِبِ وَكَانَ يَسْتَتَحِبُّ أَنْ يُؤَخِّرُ الْعِشَاءَ اللّتِي تَدُعُونَهَا الْعُتَمَة وَكَانَ يَكْرَهُ النَّوْمَ قَبْلَهَا وَالْحَدِيثَ بَعْدَهَا وَكَانَ يَثَقَتِلُ مِنْ صَلَوْةِ الْغَدَاةِ حِيْنَ يَعْرَفُ الرَّجُلُ جَلِيسَةُ وَيَقَرَأُ بِالسِيَّيْنَ الْمِ الْمَائَةِ ، وَلَيْسَةُ وَيَقُرَأُ بِالسِيِّيْنَ الْمِ الْمَائَةِ ،

বৈহ০ মুহামদ ইব্ন মুকাতিল (র.).....সায়্যার ইব্ন সালামা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, একবার আমি ও আমার পিতা আবৃ বার্যা আসলামী (রা.)-এর কাছে গেলাম। আমার পিতা তাঁকে জিজ্ঞাসা করলেন, রাস্লুল্লাহ কর্মে ফর্য সালাতসমূহ কিভাবে আদায় করতেন । তিনি বললেন, আল-হাজীর, যাকে তোমরা আল-উলা বা যুহর বলে থাক, তা তিনি আদায় করতেন যখন সূর্য পশ্চিম আকাশে ঢলে পড়ত। আর আসরের সালাত এমন সময় আদায় করতেন যে, তারপর আমাদের কেউ মদীনার শেষ প্রান্তে তার ঘরে ফিরে যেতো আর সূর্য তখনও সতেজ থাকতো। মাগরিব সম্পর্কে তিনি কি বলেছিলেন তা আমি ভুলে গেছি। আর ইশার সালাত যাকে তোমরা 'আতামা' বলে থাক, তা তিনি বিলম্বে আদায় করা পসন্দ করতেন। আর তিনি ইশার সালাতের আগে নিদ্রা যাওয়া এবং পরে কথাবার্তা বলা অপসন্দ করতেন। তিনি ফজরের সালাত এমন সময় সমাপ্ত করতেন যখন প্রত্যেকে তার পার্শ্ববর্তী ব্যক্তিকে চিনতে পারত। এ সালাতে তিনি যাট থেকে একশ' আয়াত তিলাওয়াত করতেন।

ومَد اللهِ بْنِ أَبِي طَلَّحَةً عَنْ أَسَلَمَةً عَنْ مَالِكٍ عَنْ السَّحَاقَ بْنِ عَبْدِ اللهِ بْنِ أَبِي طَلَّحَةً عَنْ أَنَسِ بْنِ مَالِكِ وَاللهِ بُنِ عَبْدِ اللهِ بْنِ أَبِي طَلَّحَةً عَنْ أَنَسِ بْنِ مَالِكِ وَاللهِ بُنِ عَوْفٍ فَنَجِدُهُمُ يُصِلُونَ الْعَصْسِرَ لَمْ يَخْسِرُ بُنِ عَوْفٍ فَنَجِدُهُمُ يُصِلُونَ الْعَصْسِرَ وَاللهِ بَنِي عَمْسِرِو بْنِ عَوْفٍ فَنَجِدُهُمُ يُصِلُونَ الْعَصْسِرَ لَهُمْ يَصْلُونَ الْعَصْسِرَ وَاللهِ بَنِي عَمْسِرِو بُنِ عَوْفٍ فَنَجِدُهُمُ يُصِلُونَ الْعَصْسِرَ وَالْعَمْسِرَ وَالْمُعَلِيقِ الْعَمْسِرَ وَالْمَعْسِرِو بُنِ عَوْفٍ فَنَجِدُهُمُ يُصِلُونَ الْعَصْسِرَ وَالْمَعْمِي الْعَمْسِرِ وَالْمِي عَمْسِرِو بُنِ عَوْفٍ فَنَجِدُهُمُ يُصِلُونَ الْعَصْسِرَ وَالْمَعْمِي الْعَمْسِرِو بُنِ عَوْفٍ فَنَجِدُهُمُ يُصِلِونَ الْعَمْسِرَ وَالْمُعُونَ الْعَمْسِرَ وَالْمُعُونَ الْعَمْسِرِ وَالْمُعُونِ الْعَمْسِرِ وَالْمِي الْمُعْلِي الْعَمْسِرِ وَالْمُعُونَ الْمُعْرِونَ اللهِ بُنِ اللهِ بُنِ أَنِي طَلْكُونَ الْعَمْسِرَ وَالْمُعُونِ الْعَمْسِرِ وَالْمُعُونِ الْمُعْمِونِ الْمُعْمُونَ الْعُونَ الْعُمْسِرِ وَالْمُعُونِ الْعُنْ الْمُعْرِفُهُمُ اللهِ الْعَلَيْسِرِ وَالْمُعُونِ الْعَمْسِرِ وَالْمُونِ اللّهِ اللهُ اللهِ اللّهُ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهُ

৫২২ মুহামদ ইব্ন মুকাতিল (র.)......আবূ উমামা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, একবার আমরা উমর ইব্ন আবদুল আযীয় (র.)-এর সঙ্গে যুহরের সালাত আদায় করলাম। তারপর সেখান থেকে বেরিয়ে আনাস ইব্ন মালিক (রা.)-র কাছে গেলাম। আমরা গিয়ে তাঁকে আসরের সালাত আদায়ে রত পেলাম। আমি তাঁকে বললাম চাচা ! এ কোন সালাত যা আপনি আদায় করলেন ? তিনি বললেন, আসরের সালাত আর এ হলো রাস্লুল্লাহ্ বি এর সালাত, যা আমরা তাঁর সাথে আদায় করতাম।

#### ٣٦٤. بَابُ وَقُتِ الْعَصْرِ

৩৬৪. অনুচ্ছেদ ঃ আসরের ওয়াক্ত।

٥٢٣ حَدَّثَنَا عَبْدُ اللهِ بْنُ يُوسُفَ قَالَ اَخْبَرَنَا مَالِكُ عَنِ ابْنِ شِهَابٍ عَنْ أَنْسِ ابْنِ مَالِكٍ قَالَ كُنَّا نُصلِّي الْعَصْرَ ثُمَّ يَذُهَبُ الذَّاهِبُ مِنَّا اللَّي قُبَاءٍ فَيَأْتَيْهِمْ وَالشَّمْسُ مُرْتَفِعَةُ .

৫২৩ আবদুল্লাহ্ ইব্ন ইউসুফ (র.).....আনাস ইব্ন মালিক (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আমরা আসরের সালাত আদায় করতাম, তারপর আমাদের কোন গমনকারী কুবার দিকে যেত এবং সূর্য যথেষ্ট উপরে থাকতেই সে তাদের কাছে পৌঁছে যেত।

٢٤ حَدَّثَنَا أَبُو الْيَمَانِ قَالَ أَخْبَرَنَا شُعَيْبُ عَنِ الزُّهْرِيِّ قَالَ حَدَّثَنِي أَنَسُ بُنُ مَالِكِ قَالَ كَانَ رَسُولِ اللهِ

১. বণু 'আম্র মদীনা শরীফ থেকে দু' মাইল দূরে কুবা নামক স্থানে বসবাস রত ছিল। এ হাদীস থেকে বুঝা যায়, মসজিদে নববীতে আসরের সালাত একটু আগে আদায় করা হত। আর অপরাপর মসজিদে একটু বিলম্বে আদায় করা হত। ইমাম আবৃ হানীফা (র.) সাধারণ মানুষের প্রতি লক্ষ্য রেখে অপর হাদীসের আলোকে দেরীতে আসর পড়ার পক্ষে মত দিয়েছেন। তবে অবশ্যই তা সূর্য কিরণ নিষ্প্রভ হওয়ার আগে হতে হবে।

عَلِيْ يُصلِّى الْعَصْرَ وَالشَّمْسُ مُرَفِعَةُ حَيَّةُ فَيَذْهَبُ الذَّاهِبُ إِلَى الْعَوَالِي فَيَأْتِيهُمْ وَالشَّمْسُ مُرْتَفِعَةُ وَبَعْضُ الذَّاهِبُ إِلَى الْعَوَالِي فَيَأْتِيهُمْ وَالشَّمْسُ مُرْتَفِعة وَبَعْضُ الْعَوَالِي مِنَ الْمَدِينَةِ عَلَى أَرْبَعَةِ أَمْيَالٍ أَوْ نَحُوهِ ،

৫২৪ আবুল ইয়ামান (র.).....আনাস ইব্ন মালিক (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, রাসূলুল্লাহ্ আসরের সালাত আদায় করতেন, আর সূর্য তখনও যথেষ্ট উপরে উজ্জ্বল অবস্থায় বিরাজমান থাকত। সালাতের পর কোন গমনকারী 'আওয়ালী'র' দিকে রওয়ানা হয়ে তাদের কাছে পৌছে যেত, আর তখনও সূর্য উপরে থাকত। আওয়ালীর কোন কোন অংশ ছিল মদীনা থেকে চার মাইল বা তার কাছাকাছি দূরত্বে।

#### ٥٣٦٠. بَابُ اِثْمِ مَنْ فَاتَتُهُ الْعَصْرُ

৩৬৫. অনুচ্ছেদ ঃ যে ব্যক্তির আসরের সালাত ফাউত হল তার গুনাহ।

٥٢٥ حَدُّثَنَا عَبُدُ اللهِ بْنُ يُوسُفَ قَالَ اَخْبَرَنَا مَالِكُ عَنِ ابْنِ شِهَابٍ عَنْ نَافِعٍ عَنْ عَبُدِ اللهِ ابْنِ عُمرَ اَنَّ رَسُولَ اللهِ عَلَيْتُهُ قَالَ اللهِ عَبْدُ اللهِ يَتِرَكُمُ وَتَرْتُ رَسُولَ اللهِ عَلَيْتُهُ قَالَ الَّذِي تَفُوتُهُ صَلاَةُ الْعَصْرِ فَكَأَنَّمَا وُتِرَ أَهْلَهُ وَمَالَهُ - قَالَ أَبُو عَبُدُ اللهِ يَتِرَكُمُ وَتَرْتُ اللهِ عَلَيْكُمُ وَتَرْتُ اللهِ يَتِرَكُمُ وَتَرْتُ اللهِ عَلَيْكُ أَوْ أَخَذْتَ مَالَهُ .

৫২৫ আবদুল্লাহ্ ইব্ন ইউসুফ (র.).....আবদুল্লাহ্ ইব্ন উমর (রা.) থেকে বর্ণিত, রাসূলুল্লাহ্ ক্রিট্রের বলেছেন ঃ যদি কোন ব্যক্তির আসরের সালাত ছুটে যায়, তাহলে যেন তার পরিবার-পরিজন ও মাল-সম্পদ সব কিছুই ধ্বংস হয়ে গেল। আবৃ আবদুল্লাহ্ (ইমাম বুখারী (র.) বলেন, (আরবী পরিভাষায়) نَرْتُ الرَّجُلُ: বাক্যটি ব্যবহার করা হয় যখন কেউ কাউকে হত্যা করে অথবা মাল-সম্পদ ছিনিয়ে নেয়।

#### ٣٦٦. بَابُ اِثْمِ مَنْ تَرَكَ الْمَصْرَ

৩৬৬. অনুচ্ছেদ ঃ যে ব্যক্তি আসরের সালাত ছেড়ে দিল তার গুনাহ।

٥٢٦ حَدَّثَنَا مُسْلِمُ بُنُ إِبْرَاهِيْمَ قَالَ حَدَّثَنَا حِشَامُ قَالَ حَدَّثَنَا يَحُيلَى بُنُ أَبِي كَثِيْرٍ عَنْ أَبِي قِلاَبَةَ عَنْ أَبِي وَلاَبَةَ عَنْ أَبِي الْمَلِيْحِ قَالَ كُنَّا مَعَ بُرِيْدَةَ فِي غَرُّوةٍ فِي يَوْمٍ ذِي غَيْمٍ فَقَالَ بَكِّرُوا بِصَلاَةِ الْعَصْرِ فَانَ النَّبِيُ عَلَيْمٍ فَقَالَ بَكِّرُوا بِصَلاَةِ الْعَصْرِ فَانَ النَّبِي عَلَيْهِ قَالَ مَنْ تَرَكَ صَلاَةَ الْعَصْرِ فَقَدْ حَبِطَ عَمَلُهُ .

আওয়ালী বা উর্চু এলাকা। মদীনার উপকর্ষ্ঠে নজদের দিকের গ্রামগুলোকে আওয়ালী বা উর্চু এলাকা ধরা হত।
 আর তিহামার দিকের গ্রামগুলোকে "সাফিলা" ( سافله ) বা নিম্নএলাকা বলা হত।

৫২৬ মুসলিম ইব্ন ইব্রাহীম (র.)......আবু মালীহ্ (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, এক যুদ্ধে আমরা হযরত বুরাইদা (রা.)-এর সঙ্গে ছিলাম। দিনটি ছিল মেঘাচ্ছন্ন। তাই বুরাইদা (রা.) বলেন, শীঘ্র আসরের সালাত আদায় করে নাও। কারণ নবী ক্রিট্রা বলেছেনঃ যে ব্যক্তি আসরের সালাত ছেড়ে দেয় তার আমল বিনষ্ট হয়ে যায়।

#### ٣٦٧. بَابُ فَضْلِ صَلَاةِ الْعَصْرِ

৩৬৭. অনুচ্ছেদঃ আসরের সালাতের ফ্যীলত।

حَدَّثْنَا الْحُمْیُدِیِ قَالُ حَدَّثْنَا مَرُوَانُ بُنُ مُعَاوِیةَ قَالَ حَدَّثْنَا اِسْمَاعِیلُ عَنْ قَیسٍ عَنْ جَرِیْرِ بُنِ عَبْدِ اللّٰهِ قَالَ کُنّا عِبْدَ النّبِیِ عَیْ اللّٰهِ قَالُ اللّٰهِ قَالَ انْکُمْ سَتَرَوْنَ رَبّٰکُمْ کَمَا تَرَوْنَ هَٰـذَا الْقَمَر لَیْلَةً فَقَالَ انْکُمْ سَتَرَوْنَ رَبّٰکُمْ کَمَا تَرَوْنَ هَٰـذَا الْقَمَر لَا لَٰهُ مَا مُؤْنَ فِي رُوْیَتِهِ فَانِ اسْتَطَعْتُمْ آنُ لاَ تُغْلَبُوا عَلَى صَلاَةٍ قَبْلَ طُلُوعِ الشّمْسِ وَقَبْلَ غُرُوبِهَا فَافْعَلُوا ثُمْ قَرَا فَسَبّح بِحَمْدِ رَبِّكَ قَبْلَ طلُوع الشّمْسِ وَقَبْلَ الْعُرُوب - قَالَ اسْمَاعِیلُ افْعَلُوا لاَ تَغُونَتُكُمْ .

হ্মাইদী (র.).....জরীর ইব্ন আবদুল্লাহ্ (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, একদা আমরা নবী —এর নিকট উপস্থিত ছিলাম। তিনি রাতে (পূর্ণিমার) চাঁদের দিকে তাকিয়ে বললেন ঃ ঐ চাঁদকে তোমরা যেমন দেখছ, ঠিক তেমনি অচিরেই তোমাদের প্রতিপালককে তোমরা দেখতে পাবে। তাঁকে দেখতে তোমরা কোন ভীড়ের সম্মুখীন হবে না। কাজেই সূর্য উদয়ের এবং অন্ত যাওয়ার আগের সালাত (শয়্মতানের প্রভাবমুক্ত হয়ে) আদায় করতে পারলে তোমরা তাই করবে। তারপর তিনি নিম্নোক্ত আয়াত পাঠ করলেন, "কাজেই তোমার প্রতিপালকের প্রশংসার তাসবীহ্ পাঠ কর সূর্য উদয়ের আগে ও অন্ত যাওয়ার আগে।" ইসমাঈল (র.) বলেন, এর অর্থ হল - এমনভাবে আদায় করার চেষ্টা করবে যেন কখনো ছুটে না যায়।

٥٢٨ حَدُّثَنَا عَبْدُ اللَّهِ بَنُ يُوسُفَ قَالَ حَدُّثَنَا مَالِكُ عَنْ أَبِي الزِّنَادِ عَنِ الْأَعْرَجِ عَنْ أَبِي هُرَيْرَةَ اَنَّ رَسُولَ اللَّهِ عَنْ أَبِي الزِّنَادِ عَنِ الْأَعْرَجِ عَنْ أَبِي هُرَيْرَةَ اَنَّ رَسُولَ اللَّهِ عَلَيْهِ اللَّهُ عَلَيْهِ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ اللَّهُ عَبُدُ اللَّهُ عَلَيْنَ اللَّهُ اللللَّهُ اللَّهُ الللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الللِّهُ اللَّهُ اللَّ

১. আসরের সালাত ছেড়ে দেওয়ার কারণে আমল বিনষ্ট হয়ে যাওয়ার কথাটি সম্ভবত রাস্লুল্লাহ্ আসরের সালাতের প্রতি গুরুত্বারোপ করার জন্য বলেছেন। কেননা, এ সময় ব্যবসায়ীরা কেনা-কাটার ও কৃষকবা তাড়াতাড়ি কাজ সেরে বাড়ী ফিরার চিন্তায় ব্যস্ত থাকে। আসরের সালাত ছেড়ে দেওয়া নিঃসন্দেহে বিরাট গুনাহ। কিন্তু একটি গুনাহের জন্য অন্যসব নেক আমল বিনষ্ট হয় না।

ক্রেখে এসেছি, আর আমরা যখন তাদের কাছে গিয়েছিলাম তখনও তারা সালাতে রত ছিলেন।

#### ٣٦٨. بَابُ مَنْ أَدْرَكَ رَكُمَةً مِنَ الْمَصْرِ قَبْلَ الْفُرُوبِ

৩৬৮. অনুচ্ছেদ ঃ সূর্যান্তের পূর্বে যে ব্যক্তি আসরের এক রাকআত পায়।

اللهِ حَدَّثُنَا أَبُو نُعَيْمٍ قَالَ حَدَّثُنَا شَيْبَانُ عَنْ يَحْيلَ عَنْ أَبِي سَلَمَةً عَنْ أَبِي هُرَيْرَةً قَالَ قَالَ رَسُولُ اللهِ عَدْثُنَا أَنْ تَعْرُبَ الشَّمْسُ فَلَيْتِمْ صَلَاتَهُ وَإِذَا أَدْرَكَ سَجُدَةً مِنْ صَلَاتَهُ الْعَصْرِ قَبْلَ أَنْ تَعْرُبَ الشَّمْسُ فَلَيْتِمْ صَلَاتَهُ وَإِذَا أَدْرَكَ سَجُدَةً مِنْ صَلَاتَهُ مَنْ صَلَاتَهُ .

৫২৯ আবৃ নু'আইম (র.).....আবৃ হুরায়রা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, রাস্লুল্লাহ্ ক্রিল্ট্রের বলেছেন ঃ তোমাদের কেউ যদি সূর্য অস্ত যাওয়ার আগে আসরের সালাতের এক সিজ্দা পায়, তাহলে সে যেন সালাত পূর্ণ করে নেয়। আর যদি সূর্য উদিত হওয়ার আগে ফযরের সালাতের এক সিজ্দা পায়, তাহলে সে যেন সালাত পূর্ণ করে নেয়।

১. হাদীসে উল্লিখিত সিজ্দা শব্দটি রাকাআতের অর্থে ব্যবহৃত হয়েছে। হানাফী মতালম্বীগণের নিকট এরূপ সময়ে আসরের সালাত পূর্ণ করে নিতে হবে বটে, তবে ফজরের সময় এমন অবস্থা দেখা দিলে, সূর্য উঠার পর তা কায়া করতে হয়।

বিত্রত আবদুল আয়ীয় ইব্ন আবদুল্লাহ্ (র.).....সালিম ইব্ন আবদুল্লাহ্ (র.) তাঁর পিতা থেকে বর্ণনা করেন যে, তিনি রাসূলুল্লাহ্ ক্লুল্লাহ্ -কে বলতে শুনেছেন যে, পুর্বেকার উদ্মাতের স্থায়িত্বের তুলনায় তোমাদের স্থায়িত্ব হল আসর থেকে নিয়ে সূর্য অস্ত যাওয়ার মধ্যবর্তী সময়ের অনুরূপ। তাওরাত অনুসারীদেরকে তাওরাত দেওয়া হয়েছিল। তারা তদনুসারে কাজ করতে লাগল; যখন দুপুর হলো, তখন তারা অপারগ হয়ে পড়ল। তাদের এক এক 'কীরাত' করে পারিশ্রমিক প্রদান করা হয়। তারপর ইন্-জীল অনুসারীদেরকে ইন্জীল দেওয়া হল। তারা আসরের সালাত পর্যন্ত কাজ করে অপারগ হয়ে পড়ল। তাদেরকে এক এক 'কীরাত' করে পারিশ্রমিক দেওয়া হল। তারপর আমাদেরকে কুরআন দেওয়া হল। আমরা সূর্যান্ত পর্যন্ত কাজ করলাম। আমাদের দুই দুই 'কীরাত' করে দেওয়া হল। এতে উভয় কিতাবী সম্প্রদায় বলল, হে আমাদের প্রতিপালক! তাদের দুই দুই 'কীরাত' করে দান করেছেন, আর আমাদের দিয়েছেন এক এক কীরাত করে; অথচ আমলের দিক দিয়ে আমরাই বেশী। আল্লাহ্ তা'আলা বললেনঃ তোমাদের পারিশ্রমিকের ব্যাপারে আমি কি তোমাদের প্রতি কোনরূপ যুলুম করেছি ? তারা বলল, না। তখন আল্লাহ্ তা'আলা বললেনঃ এ হলো, আমার অনুগ্রহ যাকে ইচ্ছা তাকে দেই।

٣١٥ حَدَّثَنَا اَبُو كُرَيْبٍ قَالَ حَدَّثَنَا اَبُو اُسَامَةَ عَنْ بُرَيْدٍ عَنْ أَبِى بُرْدَةَ عَنْ أَبِى مُوسَلَى عَنْ النَّبِيِ عَلَيْ اللَّيْلِ فَعَملُوا اللَّي مَثَلُ النَّمسُلِمِيْنَ وَالْيَهُودِ وَ النَّصَارِى كَمَثَلِ رَجُلٍ اسْتَأْجَرَ قَوْمًا يَعْمَلُونَ لَهُ عَمَلًا اِلَى اللَّيْلِ فَعَملُوا اللَّي مَثَلُ النَّهَارِ فَقَالُوا لاَ حَاجَةً لَنَا اللَّي أَجْرَرِكَ فَاسْتَأْجَرَ اَخْرِيْنَ فَقَالَ أَكُملُوا بَقِيَّةً يَوْمُ لِمُ الَّذِي شَرَطْتُ فَعَملُوا حَتَّى الِاَ كَانَ حَيْنَ صَلاَةٍ الْعَصْرِ قَالُوا لَكَ مَا عَملُنَا فَاسْتَأْجَرَ قَوْمًا فَعَملُوا بَقِيَّةً يَوْمُ لِمُ حَتَّى عَالِهَ اللّهَ مَلْوا بَقِيَّةً يَوْمُ لِمَ اللّهَ عَملُوا بَقِيَّةً يَوْمُ لِمُ مَلْنَا فَاسْتَأْجَرَ قَوْمًا فَعَملُوا بَقِيَّةً يَوْمُ لِمُ حَيْنَ صَلاَةً الْعَصْرِ قَالُوا لَكَ مَا عَملُنَا فَاسْتَأْجُرَ قَوْمًا فَعَملُوا بَقِيَّةً يَوْمُ لِمُ اللّهُ عَلَيْ اللّهَ مَلْ اللّهُ مَلْ اللّهُ مَلُوا الْحَرْدُ الْفَرِيْقَيْنَ .

৫৩১ আবৃ কুরাইব (র.)......আবৃ মৃসা (রা.) থেকে বর্ণিত, নবী ক্রান্ত্রী বলেন, মুসলিম, ইয়াহুদী ও নাসারাদের উদাহরণ হল এরপ, এক ব্যক্তি একদল লোককে কাজে নিয়োগ করল, তারা তার জন্য রাত পর্যন্ত কাজ করবে। কিন্তু অর্ধদিবস পর্যন্ত কাজ করার পর তারা বলল, আপনার পারিশ্রমিকের আমাদের কোন প্রয়োজন নেই। সে ব্যক্তি অন্য আরেক দল লোককে কাজে নিয়োগ করল এবং বলল, তোমরা দিনের বাকী অংশ কাজ কর, তোমরা আমার নির্ধারিত পারিশ্রমিক পাবে। তারা কাজ করতে শুরু করল। যখন আসরের সালাতের সময় হল, তখন তারা বলল, আমরা যা কাজ করেছি তা আপনার জন্য রেখে গেলাম। তারপর সে ব্যক্তি আরেক দল লোককে কাজে নিয়োগ করল। তারা সূর্যান্ত পর্যন্ত দিনের বাকী অংশ কাজ করল এবং সে দুই দলের পূর্ণ পারিশ্রমিক হাসিল করে নিল। ত

১. এখানে ' কীরাত' শব্দ দিয়ে সাওয়াবের বিশেষ পরিমাণ বুঝানো হয়েছে।

২. হাদীসের এ দৃষ্টান্ত সময়ের দীর্ঘতা ও হস্বতার দারা যথাক্রমে আমলের আধিক্য ও স্বল্পতা ব্যক্ত করা হয়েছে। এর দারা আসরের ওয়াক্ত প্রতি কন্তুর ছায়া দিগুন হওয়ার পর আরম্ভ হওয়া প্রমাণিত হয়। যা ইমাম আবৃ হানীকা (র.)—এর প্রসিদ্ধ অভিমত। কারণ অন্যান্য ইমামগণের মতানুসার এক গুন ছায়া হওয়ার পরপরই আসরের ওয়াক্ত এসে যাওয়া মেনে নিলে উমাতে মুহামদীর আমলের হস্বতা প্রকাশ পায়। —কিরামানী।

৩. পূর্বোক্ত হাদীসে উভয় দলের পারিশ্রমিক গ্রহণ করার কথা উল্লেখ আছে, আর বর্তমান হাদীসে বুঝা যায়, তারা পারিশ্রমিক পায়নি। কাজেই সুস্পষ্ট যে পূর্বের হাদীসটি ইয়াহুদীবাদ ও খৃষ্টবাদ রহিত হওয়ার পূর্বেকার ব্যক্তিদের প্রসঙ্গে। আর বর্তমান হাদীসটি যারা রাস্পুলাহ্তী এর নব্য়্যাতকে অম্বীকার করেছে তাদের প্রসঙ্গে।—কিরমানী

#### ٣٦٩. بَابُ وَقْتِ الْمَفْرِبِ وَقَالَ عَطَاءُ يَجْمَعُ الْمَرِيْضُ بَيْنَ الْمَفْرِبِ وَالْعِشَاءِ

৩৬৯. অনুচ্ছেদ ঃ মাগরিবের ওয়াক্ত। আতা (র.) বলেন, রুগ্ন ব্যক্তি মাগরিব ও ইশার সালাত একত্রে আদায় করতে পারবে।

حَدُّثُنَا مُحَمَّدُ بُنُ مِهْرَانَ قَالَ حَدَّثُنَا الْوَلِيْدُ قَالَ حَدُّثُنَا الْاَوْزَاعِيُّ قَالَ حَدُّثُنَا أَبُو النُّجَاشِيُّ اسْمُهُ صَهُيْبٍ مَوْلَى رَافِعِ بُنِ خَدِيْجٍ يَقُولُ كُنَّا نُصلِي الْمَغْرِبَ مَعَ النَّبِيِ عَلَيْهِ فَمَا لَنَبِي عَلَيْهِ فَيَنْصَرِفُ أَحَدُنَا وَانَّهُ لَيُبْصِرُ مَوَاقِعَ نَبِله •

৫৩২ মুহাম্মদ ইব্ন মিহরান (র.)....রাফি' ইব্ন খাদীজ (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আমরা নবী ক্রিট্র -এর সঙ্গে মাগরিবের সালাত আদায় করে এমন সময় ফিরে আসতাম যে, আমাদের কেউ (তীর নিক্ষেপ করলে) নিক্ষিপ্ত তীর পতিত হওয়ার স্থান দেখতে পেত।

٥٣٣ حَدُّثَنَا مُحَمَّدُ بُنُ بَشَّارٍ قَالَ حَدَّثَنَا مُحَمَّدُ بَنُ جَعْفَرٍ قَالَ شُعْبَةُ عَنْ سَعْدٍ عَنْ مُحَمَّدُ بَنِ عَمْرِو بَنِ الْحَسَنِ بَنِ عَلِيٍّ قَالَ قَدِمَ الْحَجَّاجُ فَسَأَلْنَا جَابِرَ بَنَ عَبْدِ اللهِ فَقَالَ كَانَ النَّبِيُّ عَيْدٍ اللهِ فَقَالَ كَانَ النَّبِيُّ عَيْثُ يُصلِّي الظُّهْرَ بِالْهَاجِرَةِ وَالْعَصْرَ وَالشَّمْسُ نَقِيَّةُ وَالْمَغْرِبَ إِذَا وَجَبَتُ وَالْعِشَاءَ أَحُيَانًا وَأَحْيَانًا إِذَا رَأَهُمُ اجْتَمَعُوا عَجُلَ وَإِذَا رَاهُمُ اَجْتَمَعُوا عَجُلَ وَإِذَا رَاهُمُ اَبُحَتَمُوا اللهِ عَلَى وَالْعَلَى اللهِ عَلَى إِنَا وَالْعَلَى اللهِ عَلَى اللهُ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهُ عَلَى اللهِ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهُ عَلَى اللهِ عَلَى اللهُ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَا عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَل

ক্রেডি মুহামদ ইব্ন বাশ্শার (র.).....মুহামদ ইব্ন আমর ইব্ন হাসান ইব্ন আলী (রা.) থেকে বর্ণিত, মুহামদ ইব্ন আমর (র.) বলেন, হাজ্জাজ (ইব্ন ইউসুফ) (মদীনা শরীফে) এলে আমরা জাবির ইব্ন আবদুল্লাহ্ (রা.)-কে সালাতের ওয়াক্ত সম্বন্ধে জিজ্ঞাসা করলাম, ( কেননা, হাজ্জাজ ইব্ন ইউসুফ বিলম্ব করে সালাত আদায় করতেন)। তিনি বললেন, নবী ক্রিট্রেড্র মালাত প্রচণ্ড গরমের সময় আদায় করতেন। আর আসরের সালাত সূর্য উজ্জল থাকতে আদায় করতেন, মাগরিবের সালাত সূর্য অন্ত যেতেই আর ইশার সালাত বিভিন্ন সময়ে আদায় করতেন। যদি দেখতেন, সবাই সমবেত হয়েছেন, তাহলে সকাল সকাল আদায় করতেন। আর যদি দেখতেন, লোকজন আসতে দেরী করছে, তাহলে বিলম্বে আদায় করতেন। আর ফজরের সালাত তাঁরা কিংবা রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্রেড্র অন্ধকার থাকতে আদায় করতেন।

٣٤ حَدُّثَنَا الْمَكِّيُّ بْنُ اِبْرَاهِيْمَ قَالَ حَدُّثَنَا يَزِيْدُ بْنُ أَبِي عُبَيْدٍ عَنْ سَلَمَةَ قَالَ كُنَّا نُصلِّي مَعَ النَّبِيِّ طَالِلَهُ عَلَيْهِ عَلَيْهُ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهُ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهُ عَلَيْهِ عَلَى عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَى عَلَيْهِ عَلَى عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَى عَلَيْهِ عَلَى عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَى عَلَى عَلَيْهِ عَلَى عَلَيْهِ عَلَى عَلَيْهِ عَلَى عَلَيْهِ عَلَى عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَى عَلَيْهِ عَلَى عَلَيْهِ عَلَى عَلَيْهِ عَلَى عَلَيْهِ عَلَى عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَى عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَى عَلَيْهِ عَلَى عَلَيْهِ عَلَى عَلَيْهِ عَلَى عَلَيْهِ عَلَى عَلَيْهِ عَلَى عَل

৫৩৪ মাক্কী ইব্ন ইব্রাহীম (র.).....সালামা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, সূর্য পর্দার আড়ালে ঢাকা পড়ে যাওয়ার সাথে সাথেই আমরা নবী ক্লিট্রি-এর সঙ্গে মাগরিবের সালাত আদায় করতাম। ه٣٥ حَدَّثَنَا أَدَمُ قَالَ حَدَّثَنَا شُعْبَةً قَالَ حَدَّثَنَا عَمْرُو بَنُ دِيْنَارٍ قَالَ سَمِعْتُ جَابِرَ بَنَ زَيْدٍ عَنِ ابْنِ عَبَّاسٍ قَالَ صَلَّى النَّبِيُّ عَالِيَهُ سَبُعًا جَمِيْعًا وَتَمَانِيًا جَمِيْعًا .

৫৩৫ আদম (র.).....ইব্ন আব্বাস (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী সাজি (মাগরিব ও ইশার) সাত রাকআত ও (যুহর ও আসরের) আট রাকাআত একসাথে আদায় করেছেন।

#### ٣٧٠. بَابُ مَنْ كَرِهَ أَنْ يُقَالَ لِلْمَفْرِبِ الْعِشَاءِ

৩৭০. অনুচ্ছেদ ঃ মাগরিবকে ইশা বলা যিনি পসন্দ করেন না।

وقالَ حَدَّثَنَا أَبُو مَعْمَرٍ هُوَ عَبْدُ اللَّهِ بَنُ عَمْرٍ قَالَ حَدَّثَنَا عَبْدُ الْوَارِثِ عَنِ الْحُسَيْنِ قَالَ حَدَّثَنَا عَبْدُ اللَّهِ بَنُ عَمْرٍ قَالَ حَدَّثَنَا عَبْدُ اللَّهِ اللَّهِ الْمُزَنِيُّ أَنَّ النَّبِيِّ عَالَى لاَ تَعْلَبِنْكُمُ الْاَعْسَرَابُ عَلَى اسْمِ صَلاَتِكُمُ الْاَعْسَرَابُ عَلَى اسْمِ صَلاَتِكُمُ الْمَعْرِبِ قَالَ الْاَعْرَابُ وَتَقُولُ هِيَ الْعِشَاءُ .

৫৩৬ আবু মা'মার আবদুল্লাহ্ ইব্ন আমর (র.).....আবদুল্লাহ্ মুযানী (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী স্ক্রীইবলেছেনঃ বেদুঈনরা মাগরিবের সালাতের নামের ব্যাপারে তোমাদের উপর যেন প্রভাব বিস্তার না করে। রাবী (আবদুল্লাহ্ মুযানী (রা.) বলেন, বেদুঈনরা মাগরিবকে ইশা বলে থাকে।

٣٧١. بَابُ ذِكْرِ الْعِشَاءِ وَالْعَتَمَةِ وَمَنْ رَاهُ وَاسِمًا قَالَ أَبُو هُرَيْرَةً عَنِ النّبِي عَلَي الْعَلَمُ الْمَنَافِقِينَ الْعِشَاءُ وَالْفَجْرُ وَقَالَ لَوْيَعْلَمُونَ مَافِي الْعَتَمَةِ وَالْفَجْرِ قَالَ أَبُوا عَبْدِ اللّهِ وَالْإِخْتِيَارُ أَنْ يَقُولُ الْمَنَاءُ لِقَوْلِهِ تَعَالَى وَمِنْ بَعْد صَلاَةِ الْعِشَاءِ فَأَعْتَمَ بِهَا وَقَالَ ابْنُ عَبّاسٍ وَعَانِشَةَ أَعْتَمَ النّبِي الْمُتَعَاءُ وَالْعَشَاءُ وَالْعَبْلُ عَبّاسٍ وَعَانِشَةَ أَعْتَمَ النّبِي الْمَتَمَةِ وَقَالَ ابْنُ عَبّاسٍ وَعَانِشَةَ أَعْتَمَ النّبِي عَلِي الْمُتَمَةِ وَقَالَ جَاهِرُ كَانَ النّبِي عَلَيْهِ يُعْتَلِي بِالْمُعْتَمَةِ وَقَالَ ابْنُ بَاللّهُ عَنْهُمْ مَنْ عَانِشَةَ أَعْتَمَ النّبِي عَلَيْكُ الْمَالَ النّبِي الْعَبْدُ وَقَالَ الْمُو اللّهُ عَنْهُمْ مَنْ عَالِي اللّهُ عَنْهُمْ صَلّى النّبِي عَلَيْكُ الْمَعْدَاءُ وَقَالَ الْمَعْدِ وَالْعَشَاءُ وَقَالَ الْمَوْرَةَ وَقَالَ الْمُعْرَةَ وَقَالَ الْمُو بَرُدُولَةً كَانَ النّبِي عَلَيْكُ يُوحِيرُ الْعِشَاءُ وَقَالَ النّبِي عَلَيْكُ الْمُعْرَة وَقَالَ الْمُ بَرُدُة كَانَ النّبِي عَلَيْكُ مُولَا اللّهُ عَنْهُمْ صَلّى النّبِي عَلَيْكُ الْمَعْدَةِ وَالْمَعْدَبُ وَالْمُولَة وَالْمَاءُ وَقَالَ الْمُعْدِبُ وَالْمُولَة وَالْمَاءُ وَقَالَ الْمُعْرَدُ وَالْمُعْرَة وَالْمُ النّهُ عَنْهُمْ صَلّى النّبِي عَلَيْكُ الْمَعْدُبُ وَالْمُولَة وَالْمُ اللّهُ عَنْهُمْ صَلّى النّبِي عَلَيْكُ الْمَعْدَبُ وَالْمُولَاءُ وَالْمُولَاءُ وَالْمُولَاءُ وَالْمُولَاءُ وَالْمُولَةُ وَالْمُ اللّهُ عَنْهُمْ صَلّى النّبِي عَلَيْكُ الْمَعْرَبُ وَالْمُولَة وَالْمُ وَالْمُولِة وَالْمُولِة وَالْمُ اللّهُ عَنْهُمْ مَا اللّهُ عَنْهُمْ مَا مَا اللّهُ عَنْهُمْ مَا مَا اللّهُ عَنْهُمْ اللّهُ عَنْهُمْ مَا اللّهُ عَنْهُمْ اللّهُ عَنْهُمْ مَا اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلْمُ اللّهُ عَنْهُمْ مَا وَالْمُولِ وَالْمُولِ وَالْمُولِ وَالْمُولِ وَالْمُ وَالْمُولِ وَالْمُولِ الْمُعْرَاقُ وَاللّهُ الْمُعْرَاقُ وَالْمُولِ الْمُعْرَاقُ الْمُعْرَاقُ الْمُعْرَاقُ وَاللّهُ الْمُعْرَاقُ الْمُعْلَى اللّهُ عَلْمُ اللّهُ عَلَى الْمُعْلَالُهُ الْمُعْلِقُ الْمُعْلَالُولُ الْمُعْلَاءُ الْمُعْرَاقُ الْمُعْلَاءُ اللّهُ الْمُؤْلِلُ الْمُعْلَامُ الْمُعْ

৩৭১. অনুচ্ছেদ ঃ ইশা ও আতামা-এর বর্ণনা এবং যিনি এতে কোন আপত্তি করেন না। আবু হুরায়রা (রা.) নবী ক্রিট্রে থেকে বর্ণনা করেছেন যে, মুনাফিকদের জন্য সবচে কষ্টকর সালাত হল ইশা ও ফজর। তিনি আরও বলেছেন যে, তারা যদি জানত, আতামা (ইশা) ও ফজরে কি কল্যাণ নিহিত আছে। ইমাম বুখারী (র.) বলেন, ইশা শব্দ ব্যবহার করাই উত্তম।কেননা, আল্লাহ্ তা'আলা ইরশাদ করেন ঃ

নবী ক্রিট্র-এর এখানে ইশার সালাতের সময় যেতাম।একবার তিনি তা দেরী ও করে আদায় করেন। ইব্ন আঝাস ও আয়িশা রো.) থেকে (এরপ) বর্ণনা করেন যে, নবী আতামা দেরী করে আদায় করেন। জাবির রো.) বলেন, নবী ক্রিট্রেই ইশার সালাত আদায় করলেন।আবু বার্যা রো.) বলেন, নবী ক্রিট্রেই ইশার সালাত বিলম্বে আদায় করতেন।আনাস রো.) বলেন, নবী ক্রিট্রেই শোর সালাত বিলম্বে আদায় করতেন।আনাস রো.) বলেন, নবী ক্রিট্রেই শোষ ইশা ২ বিলম্বে আদায় করলেন। ইব্ন উমর, আবু আয়ায়ব ও ইব্ন আঝাস রো.) বলেন, নবী ক্রিট্রের মাগরিব ও ইশার সালাত আদায় করেন।

ورق عَبْدُ اللهِ عَبْدُ اللهِ عَبْدُ اللهِ قَالَ اَخْبَرَنَا عَبْدُ اللهِ قَالَ اَخْبَرَنَا يُؤْسُ عَنِ الزَّهْرِيِ قَالَ سَالِمُ اَخْبَرَنِي عَبْدُ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلْ اللهِ عَلْ اللهِ عَلْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلْمُ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلْمُ اللهِ عَلَيْ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ

#### ٣٧٢. بَابُ نَقْتِ الْعِشْاءِ إِذَا اجْتَمْعَ النَّاسُ أَوْتَأَخُّرُوا

وعمر المُرْبَ اللهُ عَنْ صَلَاةً النّبِي عَبَّل اللهُ عَنْ صَلَاةً النّبِي عَبَّل اللهُ عَنْ مَحَمْد بَن اللهُ عَنْ مَعَد بَن اللهُ عَنْ صَلَاةً النّبِي عَبِّل اللهُ عَنْ صَلَاةً النّبِي عَبِّل اللهُ عَنْ صَلَاةً النّبِي عَبِّل اللهُ عَنْ صَلَاةً النّبِي عَبِي قَالَ كَانَ يُصَلّى الظّهْرَ بِالْهَاجِرة وَالْمَسْنُ مَيْدُ وَالْمَسْعُ بِغَلَسٍ، وَالشّمْسُ حَيَّةُ وَالْمَعْرَبُ الزَا وَجَبَتُ وَالْعَشْاءَ الزَا كَثُرَ النّاسُ عَجَّلُ وَإِذَا قَلُوا أَخْرَ وَالْمَسْعُ بِغَلَسٍ، وَالشّمْسُ حَيَّةُ وَالْمَعْرَبُ الزَا وَجَبَتُ وَالْعَشَاءَ الزَا كَثُرَ النّاسُ عَجَّل وَإِذَا قَلُوا أَخْرَ وَالْمَعْبُعُ بِغَلَسٍ، وَالشّمْسُ حَيَّةُ وَالْمَعْرَبُ الزَا وَجَبَتُ وَالْعَشَاءَ الزَا كَثُرَ النّاسُ عَجَّل وَإِذَا قَلُوا أَخْرَ وَالْمَعْبُعُ بِغَلَسٍ، وَالشّمْسُ حَيَّةُ وَالْمَعْرَبُ الزَا وَجَبَتُ وَالْعَشَاءَ الزَا كَثُرَ النّاسُ عَجَّل وَإِذَا قَلُوا أَخْرَ وَالْمَعْبُعُ بِغَلَسٍ، وَالشّمُسُ حَيَّةُ وَالْمَعْرَبُ الزَا وَجَبَتُ وَالْعَشَاءَ الزَا كَثُرَ النّاسُ عَجَّل وَإِذَا قَلُوا أَخْرَ وَالْمَعْبُعُ بِغَلَسٍ، وَالشّمُسُ حَيَّةُ وَالْمَعْرَبُ إِلَيْ اللّهُ عَلَى الطّهُولُ وَالْمَعْمُ وَالْمَعْمُ وَالْمَعْمُ وَاللّهُ وَاللّهُ اللّهُ عَلَى وَالْمَالُ وَالْمَالُ وَالْمُعْرَالُ وَالْمَالُولُ اللّهُ اللّهُ وَاللّهُ وَالْمُعْرَبُ وَالْمَالُولُ وَالْمُعْرِبُ وَالْمُعْرَالُ وَاللّهُ وَالْمُعْلَى وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَالْمُ وَاللّهُ وَالّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّه

১. ইশার সালাত দেরী করে আদায় করেছেন এর জন্য اَ الْحَدُّ । না বলে اَ الْحَدُّ । শব্দটি ব্যবহার করেছেন। যাতে বর্ণনায় ইশা ও আতামা বলার ইঙ্গিত পাওয়া যায়। অর্থাৎ তিনি তার বর্ণনায় ইশা ও আতামা দু'টো শব্দই ব্যবহার করেছেন।

২. শেষ ইশা বলে ইশার সালাতকেই বুঝানো হয়েছে। কেননা, কোন কোন ক্ষেত্রে মাগরিবকেও ইশা বলা হয়।

থাকতেই আসর আদায় করতেন, আর সূর্য অস্ত গেলেই মাগরিব আদায় করতেন, আর লোক বেশী হয়ে গেলে ইশার সালাত তাড়াতাড়ি আদায় করতেন এবং লোক কম হলে দেরী করতেন, আর ফজরের সালাত অন্ধকার থাকতেই আদায় করতেন।

#### ٣٧٣. بَابُ لَضُلِ الْعِشَاءِ

৩৭৩. অনুচ্ছেদ ঃ ইশার সালাতের ফ্যীলত।

٥٣٩ حَدُّثَنَا يَحْدِى بْنُ بُكَيْرِ قَالَ حَدُّثَنَا اللَّيْثُ عَنْ عُقَيْلٍ عَنِ ابْنِ شِهَابٍ عَنْ عُرُوَةَ اَنْ عَائِشَةَ أَخْبَرَتُهُ قَالَتُ اعْتَمَ رَسُولُ اللهِ عَلَيْ لَيْلَةَ الْعِشَاءِ وَذَٰ إِلَى قَبْلَ أَنْ يَفْشُو الْإِسْلاَمُ فَلَمْ يَخُرُجُ حَتَّى قَالَ عُمَرُ نَامَ النِّسَاءُ وَالصَبْيَّانُ فَخَرَجَ فَقَالَ لاَ هُلِ الْمُسْجِدِ مَا يَنْتَظِرُهَا أَحَدُ مِنْ أَهْلِ الْاَرْضِ غَيْرُكُمْ .

থে৯ ইয়াহ্ইয়া ইব্ন বুকাইর (র.).....আয়িশা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, এক রাতে রাস্লুলাহ্ কুল্ট্রেই ইশার সালাত আদায় করতে বিলম্ব করলেন। এ হলো ব্যাপকভাবে ইসলাম প্রসারের আগের কথা। (সালাতের জন্য) তিনি বেরিয়ে আসেননি, এমন কি উমর (রা.) বললেন, মহিলা ও শিশুরা ঘূমিয়ে পড়েছে। এরপর তিনি বেরিয়ে এলেন এবং মসজিদের লোকদের লক্ষ্য করে বললেন ঃ "তোমরা ব্যতীত যমীনের অধিবাসীদের কেউ ইশার সালাতের জন্য অপেক্ষায় নেই।

٥٤٠ حَدَّثَنَا مُحَمَّدُ بْنُ الْعَلاَءِ قَالَ أَخْسِبَرَنَا أَبُو أَسَامَةَ عَنْ أَبِي بُرُدَةَ عَنْ أَبِي مُوسَلَى قَالَ كُنْتُ أَنَا

(৪০ মুহাম্মদ ইব্ন আলা (র.).....আবৃ মূসা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আমি ও আমার সংগীরা–যারা ( আবিসিনিয়া থেকে ) জাহাজ যোগে আমার সংগে প্রত্যাবর্তন করেছিলেন– বাকী য়ে

১. এ হাদীসে ইশার সালাতের ফ্যীলতের প্রতি সৃক্ষ ইঙ্গিত রয়েছে। আর তা এভাবে যে ইশার সালাতের জন্য ঘুম বর্জন করে অপেক্ষা করতে হয়, য়া অন্য সালাতে নেই। সুতরাং এই অতিরিক্ত কষ্ট ও অপেক্ষার জন্য অধিক সাওয়াব পাওয়া য়াবে, তাই স্বাভাবিক। কিংবা হাদীসটির অর্থ তোমরা ছাড়া য়মীনের আর কেউ ইশার সালাতের জন্য অপেক্ষায় নেই- অর্থাৎ এ সালাত কেবল এই উম্মাতেরই বৈশিষ্ট্য। অতএব, এর ফ্যীলত সুস্পষ্ট।

বুতহানের একটি মুক্ত এলাকায় বসবাসরত ছিলাম। তখন নবী ক্রিট্রে থাকতেন মদীনায়। বুতহানের অধিবাসীরা পালাক্রমে একদল করে প্রতি রাতে ইশার সালাতের সময় রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্রে-এর থিদমতে আসতেন। পালাক্রমে ইশার সালাতের সময় আমি ও আমার কতিপয় সঙ্গী নবী ক্রিট্রে-এর কাছে হাযির হলাম। তখন তিনি কোন কাজে খুব ব্যস্ত ছিলেন, ফলে সালাত আদায়ে বিলম্ব করলেন। এমন কি রাত অর্ধেক হয়ে গেল। তারপর নবী ক্রিট্রে বেরিয়ে এলেন এবং স্বাইকে নিয়ে সালাত আদায় করলেন। সালাত শেষে তিনি উপস্থিত ব্যক্তিদেরকে বললেন ঃ প্রত্যেকেই নিজ নিজ স্থানে বসে যাও। তোমাদের সুসংবাদ দিছি যে, আল্লাহ্র পক্ষ থেকে তোমাদের জন্য এটি এক নিয়ামত যে, তোমরা ব্যতীত মানুষের মধ্যে কেউ এ মুহুর্তে সালাত আদায় করছে না। কিংবা তিনি বলেছিলেন ঃ তোমরা ব্যতীত কোন উন্মাত এ সময় সালাত আদায় করেনি। রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্রেকনেন্ বাক্যটি বলেছিলেন বর্ণনাকারী তা নিশ্চিত করে বলতে পারেননি। হযরত আবু মূসা (রা.) বলেন, রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্রেন্ এর এ কথা ওনে আমরা অত্যন্ত আনন্দিত মনে বাড়ী ফিরলাম।

#### ٣٧٤. بَابُ مَا يُكُرُهُ مِنَ النَّنْمِ قَبْلَ الْعِشَاءِ

৩৭৪. অনুচ্ছেদ ঃ ইশার সালাতের আগে ঘুমানো মাক্রহ।

عَنْ أَبِي بَرْزَةَ أَنْ رَسُولَ اللهِ عَلَيْ كَانَ يَكْرَهُ النَّوْمُ قَبْلَ الْعِشَاءِ وَالْحَدِيثَ بَعْدَهَا .
 عَنْ أَبِي بَرْزَةَ أَنْ رَسُولَ اللهِ عَلَيْ كَانَ يَكْرَهُ النَّوْمُ قَبْلَ الْعِشَاءِ وَالْحَدِيثَ بَعْدَهَا .

৫৪১ মুহামদ ইব্ন সালাম (র.)...আবূ বার্যা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, রাস্লুল্লাহ্ ইশার পূর্বে নিদ্রা যাওয়া এবং পরে কথাবার্তা বলা অপসন্দ করতেন।

#### ٥٧٥. بَابُ النَّوْمِ قَبْلَ الْعِشَاءِ لِمَنْ عُلْبَ

৩৭৫. অনুচ্ছেদঃ ঘুম প্রবল হলে ইশার আগে ঘুমানো।

كَانُوا يُصلُّونَ فِيْمَا بَيْنَ أَنْ يَغِيْبَ الشَّفَقُ الِي تَلُو بَكُر عَنْ سلَيْمَانَ قَالَ صَالِحُ بَنُ كَيْسَانَ أَخْبَرَنِي ابْنُ اللهِ عَنْ عُرُونَةَ أَنْ عَائِشَةَ قَالَ آعَــتَمَ رَسُولُ اللهِ عَلَيْهَ الْعِشَاءِ حَتَّى نَادَاهُ عَمَرُ الصَّلاَةَ نَامَ النِّسِاءُ وَالصَبِّسَيَانُ فَخَرَجَ فَقَالَ مَا يَنْتَظِرُهَا أَحَدُ مِنْ أَهْلِ الْاَرْضِ غَيْسُرُكُمْ قَالَ وَلاَ يُصلَّى يَوْمَئِذٍ إِلاَّ بِالْمَدِيْنَةِ وَكَانُوا يُصلُّى يَوْمَئِذٍ إِلاَّ بِالْمَدِيْنَةِ وَكَانُوا يُصلُّى أَنْ يَغِيْبَ الشَّفَقُ الِلَى تَلُثِ اللَّيْلِ الْاَوْلِ .

৫৪২ আয়ুত্র ইব্ন সুলাইমান (র.).....আয়িশা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, একদা রাস্লুল্লাহ্ ইশার সালাত আদায় করতে দেরী করলেন। উমর (রা.) তাঁকে বললেন, আস্-সালাত। নারী ও শিশুরা ঘুমিয়ে পড়েছে। তারপর তিনি বেরিয়ে আসলেন এবং বললেন ঃ তোমরা ব্যতীত পৃথিবীর আর

কেউ এ সালাতের জন্য অপেক্ষা করছে না। (রাবী বলেন) তখন মদীনা ব্যতীত অন্য কোথাও সালাত আদায় করা হত না। (তিনি আরও বলেন যে) পশ্চিম আকাশের 'শাফাক' অন্তর্হিত হওয়ার পর থেকে রাতের প্রথম এক-তৃতীয়াংশের মধ্যে তাঁরা ইশার সালাত আদায় করতেন।

মাহমূদ (র.)......আবদুল্লাহ্ ইব্ন উমর (রা.) থেকে বর্ণিত যে, এক রাতে কর্মব্যস্ততার কারণে রাসূলুল্লাহ্ ইশার সালাত আদায়ে দেরী করলেন, এমন কি আমরা মসজিদে ঘুমিয়ে পড়লাম। তারপর জেগে উঠলাম। তথন রাসূলুল্লাহ্ আমাদের কাছে এলেন, তারপর বললেন ঃ তোমরা ব্যতীত পৃথিবীর আর কেউ এ সালাতের অপেক্ষা করছে না। ঘুম প্রবল হওয়ার কারণে ইশার সালাত বিনষ্ট হওয়ার আশংকা না থাকলে ইব্ন উমর (রা.) তা আগেভাগে বা বিলম্ব করে আদায় করতে দিধা করতেন না। কখনও কখনও তিনি ইশার আগে নিদ্রাও যেতেন। ইব্ন জুরাইজ্ব (র.) বলেন, এ বিষয়ে আমি আতা (র.)-কে জিজ্ঞাসা করলাম। তিনি বললেন, আমি ইব্ন আব্বাস (রা.)-কে বলতে জনেছি যে, এক রাতে রাসূলুল্লাহ্ ক্রিমের সালাত আদ্ধ্রায় করতে দেরী করেছিলেন, এমন কি লোকজন একবার ঘুমিয়ে জেগে উঠল, আবার ঘুমিয়ে পড়ে জাগ্রত হল। তখন উমর ইবন্ খান্তাব (রা.) উঠে গিয়ে রাস্লুল্লাহ্ ক্রিমের নবি ক্রিমের এলেন— যেন এখনো আমি তাঁকে দেখছি— তাঁর মাথা থেকে পানি উপ্কে পড়ছিল এবং তাঁর হাত মাথার উপর ছিল। তিনি

এসে বললেন ঃ যদি আমার উন্মাতের জন্য কষ্টকর হবে বলে মনে না করতাম, তাহলে তাদেরকে এভাবে (বিলম্ব করে) ইশার সালাত আদায় করার নির্দেশ দিতাম। ইব্ন জুরাইজ (র.) বলেন, ইব্ন আব্বাস (রা.)-এর বর্ণনা অনুযায়ী রাস্লুল্লাহ্ ক্রিল্লার্ট্র যে মাথায় হাত রেখেছিলেন তা কিভাবে রেখেছিলেন, বিষয়টি সুম্পষ্ট করে ব্যাখ্যা করার জন্য আতা (র.)-কে বললাম। আতা (র.) তাঁর আঙ্গুলগুলো সামান্য ফাঁক করলেন, তারপর সেগুলোর অগ্রভাগ সমুখ দিক থেকে (চুলের অভ্যন্তরে) প্রবেশ করালেন। তারপর আঙ্গুলীগুলো একত্রিত করে মাথার উপর দিয়ে এভাবে টেনে নিলেন যে, তার বৃদ্ধাঙ্গুলী কানের সে পার্শ্বকে স্পর্শ করে গেল যা মুখমন্ডল সংলগ্ন চোয়ালের হাডিডর উপর শাব্রুর পাশে অবস্থিত। তিনি নবী ক্রিলাফু চুলের পানি ঝরাতে কিংবা চুল চাপড়াতে এরপই করতেন। এবং তিনি বলেছিলেন ঃ যদি আমার উন্মাতের জন্য কষ্টকর হবে বলে মনে না করতাম, তাহলে তাদেরকে এভাবেই (বিলম্ব করে) সালাত আদায় করার নির্দেশ দিতাম।

#### 

عَنَ حَمَيْد الطَّوِيْلِ عَنْ أَنْس قَالَ أَخْرَ النَّبِي عَلَى النَّاسُ وَنَامُوا اَمَا اِنَّكُمْ فِي صَلَاة مَا انْتَظَرُ صَلَاة الْعُولِيَا عَنْ أَنْس قَالَ أَخْرَ النَّبِي عَلِيْهِ . صَلَاة الْعَشَاءِ اللّٰي نِصُفِ اللَّيْلِ ثُمَّ صَلِّى ثُمَّ قَالَ قَدُ صَلَّى النَّاسُ وَنَامُوا آمَا اِنَّكُمْ فِي صَلَاة مَا انْتَظَرُ وَ صَلَاة مَا انْتَظَرُ وَ مَنْ اللّٰهُ اللّٰهُ اللّٰهُ وَبَيْضٍ تُمُوهَا وَزَادَ ابْنُ أَبِي مَرْيَمَ أَخْبَرَنَا يَحْبِي بُنُ أَيُّوبَ حَدَّثَنِي حُمَيْدُ سَمِعَ أَنْسًا كَانِي اَنْظُرُ اللّٰي وَبِيْضِ

خَاتَمِهِ لَيُلتَئِذٍ •

৫৪৪ আবদুর রহীম মুহারিবী (র.).....আনাস (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, একরাতে নবী ক্রান্ত্রী ইশার সালাত অর্ধেক রাত পর্যন্ত বিলম্ব করলেন। তারপর সালাত আদায় করে তিনি বললেন ঃ লোকেরা নিশ্চয়ই সালাত আদায় করে ঘুমিয়ে পড়েছে। শোন ! তোমরা যতক্ষণ সালাতের অপেক্ষায় ছিলে ততক্ষণ তোমরা সালাতেই ছিলে। ইব্ন আবূ মারইয়াম (র.)-এর বর্ণনায় আরও আছে, তিনি বলেন, ইয়াহ্ইয়া ইব্ন আইউব (র.) হুমাইদ (র.) থেকে বর্ণনা করেছেন যে, তিনি (হুমাইদ) আনাস (রা.)-কে বলতে ওনেছেন, সে রাতে রাস্লুল্লাহ্ ক্রান্ত্রী-এর আংটির উজ্জ্বলতা আমি যেন এখনও দেখতে পাচ্ছি।

#### ٣٧٧. بَابُ فَضْلِ صَلَاةٍ الْفَجْرِ

৩৭৭. অনুচ্ছেদ ঃ ফজরের সালাতের ফ্যীলত।

٥٤٥ حَدَّثَنَا مُسَدَّدٌ قَالَ حَدَّثَنَا يَحُيلِي عَنْ اِسْمَاعِيْلَ حَدَّثَنَا قَيشُ قَالَ لِيْ جُرِيْرُ بْنُ عَبْدِ اللَّهِ كُنَّا عِندَ

النَّبِيِّ عَلَيْ اللَّهِ الْمَا الْمَا الْمَا الْمَا الْكَارُ فَقَالَ اَمَا الْكُمْ سَتَرَوْنَ رَبَّكُمْ كَمَا تَرَوْنَ هَٰذَا لاَ تُضامُّونَ أَوْ لاَ تُضَاهُونَ فِي رُوْيَتِهِ فَإِنِ اسْتَطَعْتُمُ اَنْ لاَ تُغْلَبُوا عَلَى صَلاَةٍ قَبْلَ طُلُوعِ الشَّمْسِ وَقَبْلَ غُرُوبِهَا فَافْعَلُوا ثُمُّ قَالَ فَسَبِّحُ بِحَمْدِ رَبِّكَ قَبْلَ طُلُوعِ الشَّمْسِ وَقَبْلَ غُرُوبِهَا وَ قَالَ اَبُوْ عَبْدِ اللهِ زَادَ ابْنُ شِهَابٍ عَنْ اسْمَاعِيلَ عَنْ اسْمَاعِيلَ عَنْ السَّمَاعِيلَ عَنْ السَّمَاعِيلَ عَنْ اللهِ قَالَ النَّبِيُّ سَتَرَوْنَ رَبُّكُمْ عَيَانًا ،

বিষ্ঠি মুসাদ্দাদ (র.).....জারীর ইব্ন আবদুল্লাহ্ (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, এক রাতে নবী ক্রিট্রাই-এর নিকট ছিলাম। হঠাৎ তিনি পূর্ণিমা রাতের চাঁদের দিকে তাকিয়ে বললেন, শোন! এটি যেমন দেখতে পাচ্ছ— তোমাদের প্রতিপালককেও তোমরা তেমনি দেখতে পাবে। তাঁকে দেখতে তোমরা ভিড়ের সম্মুখীন হবে না। কাজেই তোমরা যদি সূর্য উঠার আগের সালাত ও সূর্য ডুবার আগের সালাত আদায়ে সমর্থ হও, তাহলে তাই কর। তারপর তিনি এ আয়াত তিলাওয়াত করলেন ঃ "সূর্যোদয় ও সূর্যান্তের পূর্বে আপনি আপনার প্রতিপালকের প্রশংসার তাসবীহ্ পাঠ করুন।" আবু আবদুল্লাহ্ (ইমাম বুখারী (র.) বলেন, ইব্ন শিহাব (র.)....জারীর (রা.) থেকে আরো বলেন, নবী ক্রিট্রেই বলেছেনঃ তোমরা তোমাদের প্রতিপালককে খালি চোখে দেখতে পাবে।

كَاهِ حَدَّثُنَا هُدُبَةً بَنُ خَالِدٍ قَالَ حَدَّثَنَا هَمَّامُ حَدَّثَنِي أَبُو جَمْرَةَ عَنْ أَبِي بَكُرِ بَنِ أَبِي مُوسَلَى عَنْ أَبِيهِ أَنْ رَسُولُ اللهِ عَلِيلَةٍ قَالَ مَنْ صَلَّى الْبَرْدَيْنِ دَخَلَ الْجَنَّةَ وَقَالَ ابْنُ رَجَاءٍ حَدَّثَنَا هَمَّامُ عَنْ أَبِي جَمْرَةً أَنَّ أَنْ رَسُولُ اللهِ عَلِيلَةٍ قَالَ مَنْ صَلَّى الْبَرْدَيْنِ دَخَلَ الْجَنَّةَ وَقَالَ ابْنُ رَجَاءٍ حَدَّثَنَا هَمَّامُ عَنْ أَبِي جَمْرَةً أَنَّ أَنْ رَسُولُ اللهِ عَلِيلَ أَبْنُ مَبْدَالله بَن قَيسَ أَخْبَرَهُ بِهٰذَا ٠

৫৪৬ হুদবা ইব্ন খালিদ (র.)......আবূ বক্র ইব্ন আবূ মূসা (রা.) থেকে তাঁর পিতার সূত্রে বর্ণিত, তিনি বলেন, রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্রের বলেছেন ঃ মে ব্যক্তি দুই শীতের (ফজর ও আসরের) সালাত আদায় করবে, সে জান্নাতে দাখিল হবে। ইব্ন রাজা (র.) বলেন, হাম্মাম (র.) আবূ জামরা (র.) থেকে বর্ণনা করেন যে, আবূ বক্র ইব্ন আবদুল্লাহ্ ইব্ন কায়স (র.) তাঁর নিকট এ হাদীস বর্ণনা করেছেন।

٤٧ حَدَّثَنَا إِسْحَاقُ عَنْ حَبَّانَ حَدَّثَنَا هَـمَّامٌ حَدَّثَنَا أَبُو جَمْرَةَ عَنْ أَبِي بَكْرِ بْنِ عَبُدِ اللهِ عَنْ أَبِيهِ إِللهِ عَنْ أَبِيهِ إِللهِ عَنْ أَبِيهِ اللهِ عَنْ أَبِيهِ اللهِ عَنْ أَبِيهِ إِللهِ عَنْ أَبِيهِ عَلَيْهِ إِللهِ عَنْ أَبِيهِ إِللهِ عَنْ أَبِيهِ إِللهِ عَنْ أَبِيهِ عَلَيْهُ إِلَيْهِ عَلَيْهُ إِلَيْهُ عَلْمُ أَلَّهُ عَلَيْهُ إِلَيْهُ إِلَيْهُ عَلَيْهُ إِلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ إِللهِ إِللهِ عَنْ أَبِيهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ إِلَيْهِ عَلَيْهِ إِلَيْهِ عَلَيْهِ إِلَيْهِ عَلَيْهِ إِلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ إِلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ إِلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْه

৫৪৭ ইসহাক (র.).....আবদুল্লাহ্ (রা.) সূত্রে নবী ক্রালালার থেকে অনুরূপ বর্ণনা করেছেন।

#### ٣٧٨. بَابُ وَقُتِ الْفَجْرِ

৩৭৮. অনুচ্ছেদ ঃ ফজরের ওয়াক্ত।

٥٤٨ حَدَّثَنَا عَمْرُو بْنُ عَاصِمٍ قَالَ حَدَّثَنَا عَنُ قَتَادَةَ عَنْ أَنَسٍ أَنَّ زَيْدَ بْنَ ثَابِتٍ حَدَّثَهُ أَنَّهُمْ تَسَحَّرُوا مَعَ

النَّبِيِّ عَلَيْكُ ثُمُّ قَامُوا الِّي الصَّلاَةِ قُلْتُ كُمْ بَيْنَهُمَا قَالَ قَدْرُ خَمْسِيْنَ أَنْ سِيِّيْنَ يَعْنِي أَيَّةً •

৫৪৮ আম্র ইব্ন আসিম (র.).....যায়িদ ইব্ন সাবিত (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, তাঁরা নবী . ক্রিক্ট্রে-এর সঙ্গে সাহরী খেয়েছেন, তারপর ফজরের সালাতে দাঁড়িয়েছেন। আনাস (রা.) বলেন, আমি জিজ্ঞাসা করলাম, এ দু'য়ের মাঝে কতটুকু সময়ের ব্যবধান ছিল । তিনি বললেন, পঞ্চাশ বা ষাট আয়াত তিলাওয়াত করা যায়, এরূপ সময়ের ব্যবধান ছিল।

وَزَيْدَ بَنَ ثَابِت تَسَحَّراً فَلَمًا فَرَغَا مِنْ سُحُوْرِهِما قَامَ نَبِي اللّهِ عَلَيْ اللّهِ عَلَيْ الله عَلَيْ اللهِ الله

٥٥٠ حَدَّثْنَا اِسْمَاعِيْلُ بْنُ أَبِي أُويْسِ عَنْ أَخِيْهِ عَنْ سلَّيْمَانَ عَنْ أَبِي حَازِمِ أَنَّهُ سَمِعَ سَهُلَ بْنَ سَعْدٍ

يَقُولُ كُنْتُ اَتَسَحَّرُ فِي أَهْلِيْ ثُمَّ يَكُونُ سُرْعَةُ بِي اَنْ اُدْرِكَ صَلَاةَ الْفَجْرِ مَعَ رَسُولِ اللهِ عَلَيْهُ ٠

৫৫০ ইসমায়ীল ইব্ন আবৃ উওয়াইস (র.).....সাহল ইব্ন সা'দ (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আমি আমার পরিবার-পরিজনের সাথে সাহরী খেতাম। খাওয়ার পরে রাস্পুলাহ ক্রিক্রিএর সঙ্গে ফজরের সালাত পাওয়ার জন্য আমাকে খুব তাড়াহুড়া করতে হত।

٥٥١ حَدُّنَا يَحْيِيَ بَنُ بُكَيْرٍ قَالِ آخْبَرَنَا اللَّيْ عَنْ عُقَيْلٍ عَنِ ابْنِ شِهَابٍ قَالَ أَخْبَرَنِي عُرُوَةُ بْنُ الزَّبَيْرِ أَنَّ عَائِشَةَ أَخْسَرَتُهُ قَالَتُ كُنَّ نِسِنَاءُ الْمُؤْمِنَاتِ يَشْسَهَدُنَ مَعَ رَسُولِ اللَّهِ عَلِيْ صَلَاةً الْفَجْسِرِ مُتَلَفِّعَاتٍ بِمُرُوطِهِنَّ ثُمَّ يَنْقَلِبْنَ اللَّي بُيُوتِهِنَّ حَيْنَ يَقْضَيْنَ الصَّلَاةَ لاَ يَعْرِفُهُنَّ أَحْدُ مِنَ الْفَلَسِ ،

৫৫১ ইয়াহ্ইয়া ইব্ন বুকাইর (র.).....আয়িশা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, মুসলিম মহিলাগণ সর্বাঙ্গ চাদরে ঢেকে রাস্লুল্লাহ্ ক্লিট্র -এর সঙ্গে ফজরের জামা আতে হাযির হতেন। তারপর সালাত আদায় করে তারা যার যার ঘরে ফিরে যেতেন। আবছা আঁধারে কেউ তাঁদের চিনতে পারত না।

٣٧٩. بَابُ مَنْ أَدْرَكَ مِنَ الْفَجْرِ رَكُمَةً

৩৭৯. অনুচ্ছেদঃ যে ব্যক্তি ফজরের এক রাকআত পেল।

٥٥٧ حَدَّثَنَا عَبْدُ اللَّهِ بْنُ مَسْلَمَةً عَنْ مَالِكٍ عَنْ زَيْدِ بْنِ أَسْلَمَ عَنْ عَطَاءِ بْنِ يَسَارٍ وَعَنْ بُسْرِ بْنِ سَعِيْدٍ وَعَنْ اللهِ عَلْمَ اللهِ عَلَى الله عَلَى مَنَ الصَّبْحِ رَكُعَةً قَبْلَ انْ تَطْلُعَ الشَّمْسُ فَقَدُ أَدْرَكَ الْعَصْرِ قَبْلَ انْ تَعْرُبَ الشَّمْسُ فَقَدُ أَدْرَكَ الْعَصْرِ قَبْلَ انْ تَعْرُبَ الشَّمْسُ فَقَدُ أَدْرَكَ الْعَصْرِ .

৫৫২ আবদুল্লাহ্ ইব্ন মাসলামা (র.).....আবৃ হুরায়রা (রা.) থেকে বর্ণিত, রাসূলুল্লাহ্ ক্রিট্রির বলেছেনঃ যে ব্যক্তি সূর্য উঠার আগে ফজরের সালাতের এক রাকআত পায়, সে ফজরের সালাত পেল। ব্যক্তি সূর্য ডুবার আগে আসরের সালাতের এক রাকআত পেল সে আসরের সালাত পেল। ব

#### ٣٨٠. بَابُ مَنْ أَدْرَكَ مِنَ الصَّلَاةِ رَكُعَةً

৩৮০. অনুচ্ছেদঃ যে ব্যক্তি সালাতের এক রাকআত পেল।

٥٥٣ حَدَّثَنَا عَبُدُ اللهِ ابْنُ يُوسَفَ قَالَ أَخْبَرَنَا مَالِكُ عَنِ ابْنِ شِهَابٍ عَنْ أَبِى سَلَمَةَ بْنِ عَبْدِ الرَّحُمْنِ عَن أَبِى مَدُّ اللهِ عَلَيْهِ قَالَ مَنْ أَدْرَكَ رَكُمَةً مِنَ الصَّلاَةِ فَقَدُ أَدْرَكَ الصَّلاَةَ .

৫৫৩ আবদুল্লাহ্ ইব্ন ইউসুফ (র.).....আবৃ হুরায়রা (রা.) থেকে বর্ণিত, রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্রের্ড বলেন ঃ যে ব্যক্তি কোন সালাতের এক রাকআত পায়, সে সালাত পেল।

#### ٣٨١. بَابُ الصَّالاَةِ بِهُدَ الْفَجْرِ حَتَّى تَرْتَفِعَ الشَّمْسُ

৩৮১. অনুচ্ছেদ ঃ ফজরের পর সূর্য উঠার আগে সালাত আদায়।

٥٥٤ حَدَّثَنَا حَفْصَ بُنُ عُمَرَ قَالَ حَدَّثَنَا هِشَامُ عَنْ قَتَادَةَ عَنْ أَبِي الْعَالِيَةِ عَنِ ابْنِ عَبَّاسٍ قَالَ شَهِدَ عِنْدِي رِجَالُ مَرْضِيُّونَ وَأَرْضَاهُمْ عِنْدِي عُمَرُ أَنَّ النَّبِيُّ عَيْنِ الْصَلَّاةِ بَعْدَ الصَّبُحِ حَتَّى تَشُرِقَ الشَّمْسُ وَبَعْدَ الْعَصْرِ حَتَّى تَغُرُبَ .

৫৫৪ হাফস ইব্ন উমর (র.).......ইব্ন আব্বাস (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, কয়েকজন আস্থাভাজন ব্যক্তি আমার কাছে – যাঁদের মধ্যে শ্রেষ্ঠ হলেন উমর (রা.) আমাকে বলেছেন যে, রাস্লুলাহ ক্রিট্র ফজরের পর সূর্য উজ্জ্বল হয়ে না উঠা পর্যন্ত এবং আসরের পর সূর্য অন্তমিত না হওয়া পর্যন্ত সালাত আদায় করতে নিষেধ করেছেন।

- ১. অর্থাৎ, তার উপর তা ওয়ান্ধিব হয়ে যাবে এবং পরবর্তী সময়ে তা কাযা করে নিতে হবে।
- ২. এ অবস্থায় তাকে তখনই আসর পড়ে নিতে হবে।
- ৩. **অর্থাৎ, এক রাকআত সালাত আ**দায়ের সমপরিমাণ সময় অবশিষ্ট থাকতেও যদি কারো উপর সালাত ফরয হয়, তাহলে তাকে এ সালাত পরবর্তী যে কোন সময় কাযা করে নিতে হবে।

٥٥٥ حَدُّثَنَا مُسَدَّدٌ قَالَ حَدَّثَنَا يَحُلِي عَنْ شُعُلِبَةً عَنْ قَتَادَةً سَمِقَتُ أَبَا الْعَالِيَةِ عَنِ ابْنِ عَبَّاسٍ قَالَ حَدَّثَنِي نَاسُ بِهٰذَا ٠

৫৫৫ মুসাদ্দাদ (র.).....ইব্ন আব্বাস (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আমার নিকট কয়েক ব্যক্তি এরপ বর্ণনা করেছেন।

٥٥٦ حَدُّثَنَا مُسَدَّدٌ قَالَ حَدَّثَنَا يَحْيَى بُنُ سَعِيْدٍ عَنْ هِشَامٍ قَالَ أَخْبَرَنِي أَبِيُ قَالَ أَخْبَرَنِي أَبِنُ قَالَ قَالَ رَسُولُ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ لَا تَحَرُّوا بِصَلَاتِكُمْ طُلُوعَ الشَّمْسِ وَلاَ غُرُوبَهَا وَقَالَ حَدَّثَنِي ابْنُ عُمَرَ قَالَ قَالَ رَسُولُ اللهِ رَسُولُ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ لَا تَحَرُّوا بِصِلَاتِكُمْ طُلُوعَ الشَّمْسِ فَأَخْرُوا الصَّلاَة حَتَّى تَرْتَفِعَ وَإِذَا غَابَ حَاجِبُ الشَّمْسِ فَأَخْرُوا الصَّلاَة حَتَّى تَوْتَفِعَ وَإِذَا غَابَ حَاجِبُ الشَّمْسِ فَأَخْرُوا الصَّلاَة حَتَّى تَوْتَفِعَ وَإِذَا غَابَ حَاجِبُ الشَّمْسِ فَأَخْرُوا الصَّلاة عَنْ يَوْ الْفَالِ اللهُ عَلَيْ مَا يَعْ فَالْ وَلَا اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَالَى اللهُ اللهُ اللهُ عَلَيْهِ اللهَ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَيْ اللهُ اللهُ

৫৫৬ মুসাদাদ (র.)....ইব্ন উমর (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্রেবলেছেন ঃ তোমরা সূর্যোদয় ও সূর্যান্তের সময় সালাত আদায়ের ইচ্ছা করো না। উরওয়া (র.) বলেন, ইব্ন উমর (রা.) আমাকে আরও বলেন যে, রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্রের বলেছেন ঃ যদি সূর্যের একাংশ প্রকাশ পেয়ে যায়, তাহলে পূর্ণরূপে উদিত না হওয়া পর্যন্ত সালাত আদায়ে বিলম্ব করো। আর যদি তার একাংশ ভূবে যায় তাহলে সম্পূর্ণরূপে অন্তর্মিত না হওয়া পর্যন্ত সালাত আদায়ে বিলম্ব করো। আবদাও অনুরূপ বর্ণনা করেছেন।

وه حدثنا عبيد بن اسماعيل عن أبي أسامة عن عبيد الله عن خبيب ابن عبد الرحمن عن حقص بن عاصيم عن أبي هريرة أن رسول الله على أبي الله عن بيسعتين وعن لبسستين وعن صلاتين نهى عن المعالمة بن عاصيم عن أبي هريرة أن رسول الله على الله عن المعالمة بن عن المعالمة بن المع

৫৫৭ উবায়দ ইব্ন ইসমায়ীল (র.)......আবূ হুরায়রা (রা.) থেকে বর্ণিত, রাস্লুল্লাহ্ দুর্ণ ধরণের বেচা-কেনা করতে, দু'ভাবে পোষাক পরিধান করতে এবং দু'সময়ে সালাত আদায় করতে নিষেধ করেছেন। ফজরের পর সূর্য পূর্ণরূপে উদিত না হওয়া পর্যন্ত এবং আসরের পর সূর্য অন্তমিত না হওয়া পর্যন্ত তিনি কোন সালাত আদায় করতে নিষেধ করেছেন। আর পুরো শরীর জড়িয়ে কাপড় পরতে এবং এক কাপড়ে (যেমন লুঙ্গি ইত্যাদি পরে) হাঁটু খাড়া করে এমনভাবে বসতে যাতে লজ্জাস্থান উপরের দিকে খুলে যায় – নিষেধ করেছেন। আর মুনাবাযা ও মুলামাসা (এর পন্থায় বেচা-কেনা) নিষেধ করেছেন।

১. মুনাবাযাঃ বিভিন্ন দরের একাধিক পণ্যদ্রব্য একস্থানে রেখে মূল্য হিসেবে একটি অংক নির্ধারণ করে এ শর্তে বিক্রিকরা যে, ক্রেতা নির্দিষ্ট পরিমাণ দূরত্ব থেকে পাথর নিক্ষেপ করে যে পণ্যের গায়ে লাগাতে পারবে, উল্লেখিত মূল্যে তাকে তা বাধ্যতামূলকভাবে গ্রহণ করতে হবে। এ পত্থার বেচা–কেনা "মুনাবাযা" বলে অভিহিত।

২. মুলামাসা ঃ একাধিক পণ্যের প্রত্যেকটির ভিন্ন ভিন্নভাবে মূল্য নির্ধারণ করে এভাবে বিক্রি করা যে, ক্রেতা যেটি স্পর্শ করবে, পূর্ব নির্ধারিত মূল্যে তাকে অবশ্যই তা গ্রহণ করতে হবে। এ ধরনের বেচাকেনা শর্মী পরিভাষায় 'মুলামাসা' বলে অভিহিত। যেহেতু এতে পসন্দ অপসন্দের স্বাধীনতা থাকে না, তাই শরীয়াত এ দু'টো পন্থাকে নিষিদ্ধ করেছে।

#### ٣٨٢. بَابُ لاَ يَتَمَرَّى الصَّلاَةَ قَبْلَ الْفُرُوبِ الشَّمْسِ

৩৮২. অনুচ্ছেদ ঃ সূর্যান্তের পূর্ব মুহূর্তে সালাত আদায়ের উদ্যোগ নিবে না।

٥٨ حَدُّنَنَاعَبْدُ اللهِ بَنُ يُوسُفَ قَالَ آخَبَرَنَا مَالِكُ عَنْ نَافِعٍ عَنِ ابْنِ عُمَرَ أَنْ رَسُولَ اللهِ عَلَيْهُ قَالَ لاَيتَحَرَّى أَحَدُكُمْ فَيُصلِّى عَنْدَ طُلُوعِ الشَّمْسِ وَلاَعِنْدَ غُرُوبِهَا ·

৫৫৮ আবদুল্লাহ্ ইব্ন ইউসুফ (র.).....ইব্ন উমর (রা.) থেকে বর্ণিত, রাসূলুল্লাহ ক্রিট্রের বলেছেন ঃ তোমাদের কেউ যেন সূর্যোদয় ও সূর্যান্তের সময় সালাত আদায়ের উদ্যোগ না নেয়।

٥٥٩ حَدَّثَنَا عَبْدُ الْعَزِيْزِ بْنُ عَبْدِ اللهِ قَالَ حَدَّثَنَا ابْرَاهِيْمُ بْنُ سَعْدٍ عَنْ صَالِحٍ عَنِ ابْنِ شَهَابٍ قَالَ أَخْبَرَنِي عَطَاءُ بْنُ يَزِيْدَ الْجُنْدَعِيُّ أَنَّهُ سَمِعَ ابَا سَعِيْدِ الْخُدْرِيُّ يَقُولُ سَمِّعَتُ رَسُولُ اللهِ عَلَيْ يَقُولُ لاَصلاَةً بَعْدَ الْعَصْرِ حَتَّى تَغِيْبَ الشَّمْسُ .

৫৫৯ আবদুল আযীয ইব্ন আবদুল্লাহ্ (র.)......আবৃ সায়ীদ খুদ্রী (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আমি রাসূলুল্লাহ্ ক্রিট্রা -কে বলতে ওনেছি যে, ফজরের পর সূর্য উদিত হয়ে (একটু) উপরে না উঠা পর্যন্ত এবং আসরের পর সূর্য অন্তমিত না হওয়া পর্যন্ত কোন সালাত নেই।

٥٦٠ حَدَّثَنَا مُحَمَّدُ بُنُ آبَانَ قَالَ حَدَّثَنَا غُنْدَرُ قَالَ حَدَّثَنَا شُعْبَةُ عَنْ آبِي التَّيَّاحِ قَالَ سَمِعْتُ حُمْرَانَ بُنَ آبَانَ يُحَدِّثُ عَنْ مُعَاوِيَةَ قَالَ انْكُمْ لَتُصلِّقُنَ صَلَاةً لَقَدُ صَحَبِنَا رَسُولَ اللهِ عَلِيَّةً فَمَا رَأَيْنَاهُ يَصلِّيهَا وَلَقَدُ نَهُى عَنْهُمَا يَعْنَى الرَّكُعَتَيْنَ بَعْدَ الْعَصْرِ .

৫৬০ মুহামদ ইব্ন আবান (র.)......মু'আবিয়া (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, তোমরা এমন এক সালাত আদায় করে থাক-রাসূলুল্লাহ্ ক্রিট্রি -এর সাহচর্য লাভ করা সত্ত্বেও আমরা তাঁকে কখনও তা আদায় করতে দেখিনি। বরং তিনি তা থেকে নিষেধ করেছেন। অর্থাৎ আসরের পর দু' রাকাআত আদায় করতে।

هُرَيْرَةَ قَالَ نَهِى رَسُولُ اللّهِ عَلِيْ مَا صَلَاتَيْنِ بَعْدَ الْفَجْرِ حَتّى تَطْلُعَ الشّمْسُ وَبَعْدَ الْعَصْرِ حَتّى تَغْرُبُ اللّهِ عَلْ خَبِيبُ عِنْ حَفْصِ بْنِ عَاصِمِ عَنْ أَبِي هُرَيْرَةَ قَالَ نَهْى رَسُولُ اللّهِ عَلَىٰ مَلَاتَيْنِ بَعْدَ الْفَجْرِ حَتّى تَظُلُعَ الشّمْسُ وَبَعْدَ الْعَصْرِ حَتّى تَغْرُبُ اللّهُ عَلَىٰ اللّهُ عَنْ صَلَاتَيْنِ بَعْدَ الْفَجْرِ حَتّى تَظُلُعَ الشّمْسُ وَبَعْدَ الْعَصْرِ حَتّى تَغْرُبُ اللّهُ عَلَىٰ عَلَىٰ اللّهُ عَلَىٰ عَلَىٰ اللّهُ عَلَىٰ اللّهُ عَلَىٰ اللّهُ عَلَىٰ اللّهُ عَلَىٰ اللّهُ عَلَىٰ اللّهُ عَلَىٰ عَلَىٰ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَىٰ اللّهُ عَلَىٰ اللّهُ عَلَىٰ اللّهُ عَلَىٰ اللّهُ

৫৬১ মুহাম্মদ ইব্ন সালাম (র.)......আবূ হুরায়রা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্রের দু' সময়ে সালাত আদায় করতে নিষেধ করেছেন। ফজরের পর সূর্য উদিত হওয়া পর্যন্ত এবং আসরের পর সূর্য অস্ত যাওয়া পর্যন্ত।

উর্ত্রের পর ব্যতীত অন্য সময়ে সালাত আদায় ১৮৩. অনুচ্ছেদ ঃ যিনি আসরের ও ফজরের পর ব্যতীত অন্য সময়ে সালাত আদায় মাকরহ মনে করেন না। উমর, ইব্ন উমর, আবু সায়ীদ ও আবু হুরায়রা রো.) এ হাদীস বর্ণনা করেছেন।

٣٨٤. بَابُ مَا يُصلَّى بَعْدَ الْعَصْرِ مِنَ الْفَوَائِتِ وَنَحُوهَا وَقَالَ كُرَيْبُ عَنْ أُمِّ سَلَمَةً صلَّى النَّبِيُ عَلِيَّةً. بَعْدَ الْعَصْرِ رَكُعَتَيْنِ وَقَالَ شَعَلَنِي نَاسُ مِنْ عَبْدِ الْقَيْسِ عَنِ الرُّكُعَتَيْنِ بَعْدَ الطَّهْرِ

৩৮৪. অনুচ্ছেদ ঃ আসরের পর কাযা বা অনুরূপ কোন সালাত আদায় করা। কুরাইব (র.) উদ্দে সালামা (রা.) থেকে বর্ণনা করেন যে, নবী ক্রিট্র আসরের পর দু' রাকাআত সালাত আদায় করলেন এবং বললেন, আবদুল কায়স গোত্রের লোকেরা আমাকে যুহরের পরবর্তী দু' রাকাআত সালাত আদায় থেকে ব্যস্ত রেখেছিল।

٥٦٣ حَدَّثَنَا أَبُو نُعَيْمٍ قَالَ حَدَّثَنَا عَبُدُ الْوَاحِدِ بْنُ أَيْمَنَ قَالَ حَدَّثَنِي أَبِي أَنَّهُ سَمِعَ عَانِشَةَ قَالَتُ وَالَّذِي ذَهَبَ بِهِ مَا تَرَكَهُمَا حَتَّى لَقِي اللَّهُ وَ مَالَقِي اللَّهُ تَعَالَى حَتَّى ثَقُلَ عَنِ الصَّلَاةِ وَكَانَ يُصلِّي كَثِيدُ رَا مَنْ وَمَالَتِهِ مَا تَرَكَهُمَا حَتَى لَقِي اللَّهُ وَ مَالَقِي اللَّهُ تَعَالَى حَتَّى ثَقُلَ عَنِ الصَّلَاةِ وَكَانَ يُصلِّي كَثِيدُ رَا مَنْ وَكَانَ النَّبِي عَلَيْهُمَا وَلاَ يُصلِّيهُمَا وَلاَ يُصلِّيهُمَا وَلاَ يُصلِّيهُمَا فِي الْمَسْجِدِ مَخَافَة انْ يُتُقَلَ عَلَى المَّهُ وَكَانَ النَّبِي عَلَيْهُمَا وَلاَ يُصلِّيهُمَا وَلاَ يُصلِّيهُمَا وَلاَ يُصلِيهُمَا فِي الْمَسْجِدِ مَخَافَة انْ يُتُقَلَ عَلَى اللّهُ وَكَانَ النَّبِي عَنْهُمْ .

তিত আবৃ নু'আইম (র.).....আয়িশা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, সে মহান সন্তার শপথ, যিনি তাঁকে (নবী ক্রিট্র-কে) উঠিয়ে নিয়েছেন, আল্লাহ্র সানিধ্যে যাওয়ার পূর্ব পর্যন্ত তিনি দু' রাকাআত সালাত কখনই ছাড়েননি। আর সালাতে দাঁড়ানো যখন তাঁর পক্ষে সম্ভব হয়নি, তখনই তিনি আল্লাহ্র সানিধ্যে চলে গেছেন। তিনি তাঁর এ সালাত অধিকাংশ সময় বসে বসেই আদায় করতেন। আয়িশা (রা.) এ সালাত দ্বারা আসরের পরবর্তী দু' রাকাআতের কথা বুঝিয়েছেন। রাস্লুল্লাহ্র্ট্রার্ড দু' রাকাআত সালাত আদায় করতেন, তবে উন্মাতের উপর বোঝা হয়ে পড়ার আশংকায় তা মসজিদে আদায় করতেন না। কেননা, উন্মাতের জন্য যা সহজ হয় তাই তাঁর কাম্য ছিল।

هَا وَ النَّبِيُّ عَلَيْكُ السَّجْدَتَيْنِ بَعْدَ الْعَصْرِ عِنْدِي قَالَ حَدَّثَنَا هِشِامُ قَالَ أَخْسِرَنِي أَبِي قَالَتُ عَائِشَةُ ابْنَ أَخْسَرِي مَا تَرَكَ النَّبِيُّ عَلِيْكُ السَّجْدَتَيْنِ بَعْدَ الْعَصْرِ عِنْدِي قَطُّ ·

৫৬৪ মুসাদ্দাদ (র.).....আয়িশা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, হে ভাগিনে! নবী ক্রিট্রেই আমার কাছে উপস্থিত থাকার কালে আসরের পরবর্তী দু' রাকাআত কখনও ছাড়েননি।

٥٦٥ حَدُّثَنَا مُوسَى بْنُ اسْمَعِيْلَ قَالَ حَدُّثَنَا عَبْدُ الْوَاحِدِ قَالَ حَدُّثُنَا الشَّيْبَانِيُّ قَالَ حَدُّثُنَا عَبْدُ الرَّحْمَٰنِ بُنُ السَّيْبَانِيُّ قَالَ حَدُّثُنَا عَبْدُ الرَّحْمَٰنِ بَنُ الْاَسْوَدِ عَنْ أَبِيْهِ عَنْ عَائِشَةَ قَالَتْ رَكُعْتَانِ لَمْ يَكُنْ رَسُولُ اللهِ عَلَيْنِيَّةً يَدَعُهُمَا سِرًّا وَلاَ عَلاَنِيَةً رَكُعْتَانِ بَنُ الْاَسْوَا وَلاَ عَلاَنِيَةً رَكُعْتَانِ مَنْ اللهِ عَلَيْقِهُ يَدَعُهُمَا سِرًّا وَلاَ عَلاَنِيَةً رَكُعْتَانِ مَنْ اللهِ عَلَيْقِةً وَلَا عَلَيْمِ وَرَكُعْتَانِ بَعْدَ الْعَصْرِ ،

৫৬৫ মুসা ইব্ন ইসমায়ীল (র.)......আয়িশা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, দু' রাকাআত সালাত রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্রে প্রকাশ্যে বা গোপনে কোন অবস্থাতেই ছাড়তেন না। তা হল ফজরের সালাতের আগের দু' রাকাআত ও আসরের পরের দু' রাকাআত।

حَدَّثَنَا مُحَمَّدُ بُنُ عَرْعَرَةَ قَالَ حَدَّثَنَا شُعْبَةُ عَنْ أَبِي السَّحَاقَ قَالَ رَأَيْتُ الْاَسُودَ وَمَسْرُوقًا شَهِدَ عَلَى عَائِشَةَ قَالَتُ مَاكَانَ النَّبِيُ عَلِيْ يَأْتَيْنَى فَيْ يَوْمِ بَعْدَ الْعَصْرِ رَكْعَتَيْنَ .

৫৬৬ মুহাম্মদ ইব্ন আর'আরা (র.).....আয়িশা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্রেযে দিনই আসরের পর আমার কাছে আসতেন সে দিনই দু' রাকাআত সালাত আদায় করতেন।

#### ه٣٨. بَابُ التَّبْكِيْرِ بِالصَّلاَةِ فِي يَوْمِ غَيْمٍ

৩৮৫. অনুচ্ছেদ ঃ মেঘলা দিনে শীঘ্র সালাত আদায় করা।

٥٦٧ حَدُّثُنَا مُعَادُ ابْنُ فَضَالَةً قَالَ حَدَّثُنَا هِشَامُ عَنْ يَحْلِى هُوَ ابْنُ أَبِى كَثِيْرٍ عَنْ أَبِى قِلاَبَةَ أَنَّ أَبَا الْمَلْيَحِ حَدُّثُهُ قَالَ كُنَّا مَعَ بُرَيْدَةَ فِي يَوْمِ ذِي غَيْمٍ فَقَالَ بَكِّرُوا بِالصَّلاَةِ فَانِ النَّبِي عَلَيْهِ قَالَ مَنْ تَرَكَ صَلاَةَ الْعَصْرِ حَبِطَ عَمَلُهُ .

৫৬৭ মু'আয ইব্ন ফাযালা (র.).....আবূ মালীহ্ (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, এক মেঘলা দিনে আমরা বুরাইদা (রা.)-এর সঙ্গে ছিলাম। তিনি বললেন, শীঘ্র সালাত আদায় করে নাও। কেননা, নবী . ক্রিক্রির্ট্র বলেছেন ঃ যে ব্যক্তি আসরের সালাত ছেড়ে দেয় তার সমস্ত আমল বিনষ্ট হয়ে যায়।

১. পূর্বে উল্লিখিত একটি হাদীসে বর্ণনা করা হয়েছে যে, আসরের পর আর কোন সালাত নেই। অথচ এ হাদীসে রাস্লুলাই ক্রিক্সি আসরের পরে দু' রাকাআত পড়েছেন। এ দু' রাকাআত রাস্লুলাই ক্রিক্সি-এর ব্যক্তিগত আমল ছিল। উন্সাতের জন্য তা অনুসরণীয় নয়।

#### ٣٨٦. بَابُ الْاَذَانُ بَعْدَ ذَمَابِ الْوَقْتِ

৩৮৬. অনুচ্ছেদ ঃ ওয়াক্ত চলে যাওয়ার পর আযান দেওয়া।

مَّهُ عَنْ أَبِيْهِ قَالَ سِرْنَا مَعَ النَّبِيِّ عَلَيْهُ لَيْلَةً فَقَالَ بَعْضُ الْقَوْمِ لَوْ عَرَّسْتَ بِنَا يَارَسُولَ اللهِ قَالَ اَخَافُ اَنْ قَتَادَةَ عَنْ أَبِيْهِ قَالَ سِرْنَا مَعَ النَّبِيِّ عَلَيْهُ لَيْلَةً فَقَالَ بَعْضُ الْقَوْمِ لَوْ عَرَّسْتَ بِنَا يَارَسُولَ اللهِ قَالَ اَخَافُ اَنْ تَنَامُوا عَنِ الصَّلاَةِ قَالَ بِلاَلُ اَنَا اُوقِظُكُمْ فَاضْطَجَعُوا وَاسْنَدَ بِلاَلُ ظَهْرَهُ اللهِ رَاحِلَتِهِ فَغَلَبَتُهُ عَيْنَاهُ فَنَامَ فَاسْتَيْ قَالَ بِلاَلُ اللهِ عَلْمَ اللهِ عَلْمَ اللهِ عَلَيْ نَوْمَةً مِثْلُهَا فَاسْتَيْ قَالَ مَا النَّبِي عَلَيْكُم عَلَيْ نَوْمَةً مِثْلُهَا فَاسْتَيْ قَالَ مَا اللّهِ قَالَ مَا اللهُ عَلَيْ نَوْمَةً مِثْلُهَا فَاسْتَيْقَظَ النَّبِي عَلَيْكُم وَقَدُ طَلَعَ حَاجِبُ الشَّمْسِ فَقَالَ يَا بِلاَلُ اَيْنَ مَاقَلْتَ قَالَ مَا الْقَيْتُ عَلَى نَوْمَةً مِثْلُهَا فَاللّهَ اللّهُ قَبَضَ أَرْوَاحَكُم حَيْنَ شَاءَ وَرَدُّهَا عَلَيْكُم حَيْنَ شَاءَ يَابِلاَلُ قُمْ فَأَذِنْ بِالسَّاسِ بِالصَّلاَةِ فَتَلَ النَّاسِ بِالصَّلاَةِ فَالَ اللهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ اللللللللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللل

ক্রেডিড ইমরান ইব্ন মাইসারা (র.).......আবু কাতাদা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, এক রাতে আমরা রাস্লুল্লাহ্ ন্ত্রাই -এর সঙ্গে ছিলাম। যাত্রী দলের কেউ কেউ বললেন, ইয়া রাস্লাল্লাহ্! রাতের এশেষ প্রহরে আমাদের নিয়ে যদি একট্ বিশ্রাম নিতেন। রাস্লুল্লাহ্ লৈলেন ঃ আমার ভয় হচ্ছে সালাতের সময়ও তোমরা ঘুমিয়ে থাকবে। বিলাল (রা.) বললেন, আমি আপনাদের জাগিয়ে দিব। কাজে ই সবাই শুয়ে পড়লেন। এ দিকে বিলাল (রা.) তাঁর হাওদার গায়ে একট্ হেলান দিয়ে বসলেন। এতে তাঁর দু'চোখ মুদে আসল। ফলে তিনি ঘুমিয়ে পড়লেন। সূর্য কেবল উঠতে শুরু করেছে, এমন সময় রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্রে জাগ্রত হলেন এবং বিলাল (রা.)-কে ডেকে বললেন, হে বিলাল! তোমার কথা গেল কোথায়! বিলাল (রা.) বললেন, আমার এত অধিক ঘুম আর কখনও পায়নি। রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্রেট্র . বললেন ঃ আল্লাহ্ তা'আলা যখন ইচ্ছা করেছেন তখন তোমাদের রূহ্ কব্য করে নিয়েছেন; আবার যখন ইচ্ছা করেছেন তখন তোমাদের কির্মে দিয়েছেন। হৈ বিলাল! উঠ, লোকদের জন্য সালাতের আযান দাও। তারপর তিনি উযু করলেন এবং সূর্য যখন উপরে উঠল এবং উজ্জ্বল হলো তখন তিন্ দাঁড়ালেন এবং সালাত আদায় করলেন।

### ٣٨٧. بَابُ مَنْ صَلَّى بِالنَّاسِ جَمَاعَةً بَقْدَ ذَهَابِ الْوَقْتِ

७৮ १. अनुएम्बनः अयाक्क ठल याअयात शत लाकरमत निरय जामा आराक जाना जामाय कता ।। 
مَدُ ثُنَا مُعَادُ بُنُ فَضَالَةَ قَالَ حَدَّثَنَا هِشَامُ عَنْ يَحْيِى عَنْ أَبِي سَلَمَةَ عَنْ جَابِرِ بُنِ عَبُدِ اللهِ أَنْ عُمَرَ 
همر الله إِنْ عَمْدُ اللهِ أَنْ عُمْرَ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهِ اللهُ اللهُ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهِ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهِ اللهُ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهُ اللهِ اللهُ اللهُ اللهِ اللهُ اللهُ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهُ

অর্থাৎ- পূর্ণ সতর্কতা অবলম্বনের পরও জাগ্রত হতে না পারা এ ইচ্ছাকৃত ক্রটি নয়। কাজেই তা ওয়র হিসাবে
গণ্য হবে।

بْنَ الْخَطَّابِ جَاءَ يَوْمَ الْخَنْذَقِ بَعْدَ مَا غَرَبَتِ الشَّمْسُ فَجَعَلَ يَسَبُّ كُفَّارَ قَرَيْشٍ قَالَ يَا رَسُولُ اللهِ مَا كَدْتُ السُّولُ اللهِ مَا عَرَبَتِ الشَّمْسُ تَغْدَرُبُ قَالَ النَّبِيُ عَلِيْتُهُ وَاللَّهِ مَاصِلَيْتُهَا فَقُمُنَا اللَّي بُطُحَانَ كَدْتُ السَّمْسُ تَغْدَرُبُ قَالَ النَّبِي عَلِيْتُهُ وَاللَّهِ مَاصِلَيْتُهَا فَقُمُنَا اللَّي بُطُحَانَ فَتَوَضَا اللهِ بُعُدَمًا الْمَغْرِبِ وَقَدَ مَا غَرَبَتِ الشَّمْسُ ثُمَّ صَلَّى بَعْدَهَا الْمَغْرِبِ وَقَدَ مَا غَرَبَتِ الشَّمْسُ ثُمَّ صَلَّى بَعْدَهَا الْمَغْرِبِ وَلَا اللهِ الْمَعْرَبِ وَلَا اللهُ عَرَبَتِ الشَّمْسُ ثُمَّ صَلَّى بَعْدَهَا الْمَغْرِبِ وَلَا اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ اللهِ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهُ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ اللهِ اللهِ اللهُ اللهُ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ اللهُ اللهِ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللّهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللّهُ

৫৬৯ মু'আয ইব্ন ফাযালা (র.).....জাবির ইব্ন আবদুল্লাহ্ (রা.) থেকে বর্ণিত যে, খন্দকের দিন সূর্য অস্ত যাওয়ার পর উমর ইব্ন খাত্তাব (রা.) এসে কুরাইশ গোত্রীয় কাফিরদের ভর্ৎসনা করতে লাগলেন এবং বললেন, ইয়া রাস্লাল্লাহ্! আমি এখনও আসরের সালাত আদায় করতে পারিনি, এমন কি সূর্য অস্ত যায় যায়। নবী ক্রিট্রের বললেন ঃ আল্লাহ্র শপথ! আমিও তা আদায় করিনি। তারপর আমরা উঠে বৃতহানের দিকে গেলাম। সেখানে তিনি সালাতের জন্য উযু করলেন এবং আমরাও উযু করলাম; এরপর সূর্য ডুবে গেলে আসরের সালাত আদায় করেন।

٣٨٨. بَابُ مَنْ نَسِى صَلَاةً فَلْيُصِلِّ إِذَا ذَكَرَهَا وَلاَ يُعِيْدُ إِلاَّ تِلْكَ الصَلْاَةَ وَقَالَ ابْرَاهِيْمُ مَنْ تَرَكَ مِلَاةً وَاحِدَةً عِشْرِيْنَ سَنَةً لَمْ يُعِدُ إِلاَّ تِلْكَ الصَلْاَةَ الْوَاحِدَة

৩৮৮. অনুচ্ছেদ ঃ কেউ যদি কোন ওয়াক্তের সালাত আদায় করতে ভুলে যায়, তাহলে যখন স্বরণ হবে, তখন সে তা আদায় করে নিবে।সে সালাত ব্যতীত অন্য সালাত পুনরায় আদায় করতে হবে না। ইব্রাহীম (র.) বলেন, কেউ যদি বিশ বছরও এক ওয়াক্তের সালাত ছেড়ে দিয়ে থাকে তা হলে তাকে শুধু সে ওয়াক্তের সালাতই পুনরায় আদায় করতে হবে।

وه حَدَّثَنَا أَبُو نَعَيْمٍ ومَوْسَى بُنُ اسْمَعِيلَ قَالَ حَدَّثَنَا هَمًامُ عَنْ قَتَادَةً عَنْ أَنَسٍ عَنِ النّبِي عَلِي قَالَ مَمَّامُ سَمِعْتُهُ نَسِي صَلَاةً نَلَيْصَلِ اذِا ذَكَرَهَا لاَ كَفَّارَةً لَهَا الاَّ ذَلِكَ وَأَقِمِ الصَّلاَةُ لِذِكْرِي قَالَ مَوْسَى قَالَ هَمًامُ سَمِعْتُهُ نَسِي صَلاَةً فَلَا مَوْسَلَى قَالَ هَمًامُ سَمِعْتُهُ وَقَالَ حَبًانُ حَدَّثَنَا هَمًامُ حَدَّثَنَا آنَسَ عَنِ النّبِي عَلِي نَحُوهُ وَقَالَ حَبًانُ حَدَّثَنَا هَمًامُ حَدَّثَنَا آنَسَ عَنِ النّبِي عَلِي نَحُوهُ وَهُولُ بَعْدُ أَقِمِ الصَّلاةَ لِذِكْرِي وَقَالَ حَبًانُ حَدَّثَنَا هَمًامُ حَدَّثَنَا آنَسَ عَنِ النّبِي عَلَي اللّهِ نَحُوهُ وَهَالَ حَبًانُ حَدَّثَنَا هَمًامُ حَدَّثَنَا آنَسَ عَنِ النّبِي عَلَي اللّهِ وَهُولُ بَعْدُ أَقِمِ الصَّلاةَ وَالسَّعِي اللّهِ فَالَ مَمَّامُ سَمَعْتُهُ وَاللّهَ وَاللّهُ عَلَيْكُ وَمُولُ مَعْدَ اللّهِ عَلَي اللّهِ وَاللّهُ وَلَكُونَ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَلَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَلَاللّهُ وَاللّهُ وَلَا وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَلَا وَاللّهُ وَلَيْلُونَ وَاللّهُ وَلِلْ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَلّهُ وَاللّهُ وَالّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ

#### ٣٨٩. بَابُ قَضْنَاءِ الصَلُوَاتِ الْأُولَىٰ فَالْأُولَىٰ

৩৮৯. অনুচ্ছেদ ঃ একাধিক সালাতের কাযা ধারাবাহিকভাবে আদায় করা।

٥٧١ حَدَّثَنَا مُسَدَّدُ قَالَ حَدَّثَنَا يَحْيلَى عَنْ هِشَامٍ قَالَ حَدَّثَنَا يَحْيلَى هُو ابْنُ أَبِي كَثِيرٍ عَنْ أَبِي سَلَمَةً عَنْ جَابِرٍ قَالَ جَعَلَ يَوْمَ الْخَنْدُقِ يَسُبُّ كُفَّارَهُمْ وَقَالَ مَا كَدْتُ أُصلِّي الْعَصْرِ حَتَّى غَرَبَتُ قَالَ فَنَزَلْنَا بُطُّحَانَ فَصَلَّى بَعْدَ مَا غَرَبَتِ الشَّمُسُ ثُمَّ صَلَّى الْمَغْرِبَ .

৫৭১ মুসাদ্দাদ (র.).....জাবির (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, খন্দকের যুদ্ধকালে এক সময় উমর (রা.) কুরাইশ কাফিরদের ভর্ৎসনা করতে লাগলেন এবং বললেন, সূর্যান্তের পূর্বে আমি আসরের সালাত আদায় করতে পারিনি, (জাবির (রা.) বলেন) তারপর আমরা বুতহান উপত্যকায় উপস্থিত হলাম। সেখানে তিনি সূর্যান্তের পর সে সালাত আদায় করলেন, তারপরে মাগরিবের সালাত আদায় করলেন।

## ٣٩٠. بَابُ مَايكُرَهُ مِنَ السَّمَرِ بَقْدَ الْعِشَاءِ السَّامِرُ مِنَ السَّمْرِ وَالْجَمِيْتِ السَّمَّارُ وَالسَّامِرُ هُنَا فِي مَوْضِعِ الْجَمِيْعِ الْجَمِيْعِ

৩৯০. অনুচ্ছেদ ঃ ইশার সালাতের পর গল্প গুজব করা মাকরহ।(পবিত্র কুরআনে উল্লেখিত)
"أسلَمْ " শব্দটি " السلَمُّارُ " পাত্ থেকে নির্গত।এর বহুবচন " السلَمُّارُ " এ আয়াতে
"أَمْرُ " শব্দটি বহুবচনরূপে ব্যবহৃত হয়েছে।

৫৭২ মুসাদ্দাদ (র.)......আবূ মিনহাল (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আমি আমার পিতার সঙ্গে আবৃ বারযা আসলামী (রা.)-এর নিকট গেলাম। আমার পিতা তাঁকে জিজ্ঞাসা করলেন, রাস্লুল্লাহ্ কর্ম কর্ম সালাতসমূহ কোন সময় আদায় করতেন ! তিনি বললেন, রাস্লুল্লাহ্ ক্রিক্সে-যুহরের সালাত যাকে তোমরা প্রথম সালাত বলে থাক, সূর্য ঢলে পড়লে আদায় করতেন। আর তিনি আসরের সালাত এমন

সময় আদায় করতেন যে, আমাদের কেউ সূর্য সজীব থাকতেই মদীনার শেষ প্রান্তে নিজ পরিজনের কাছে ফিরে আসতে পারত। মাগরিব সম্পর্কে তিনি কি বলেছিলেন, তা আমি ভুলে গেছি। তারপর আবু বার্যা (রা.) বলেন, ইশার সালাত একটু বিলম্বে আদায় করাকে তিনি পসন্দ করতেন। আর ইশার আগে ঘুমানো এবং পরে কথাবার্তা বলা তিনি অপসন্দ করতেন। আর এমন মুহুর্তে তিনি ফজরের সালাত শেষ করতেন যে, আমাদের যে কেউ তার পার্শ্ববর্তী ব্যক্তিকে চিনতে পারত। এ সালাতে তিনি ষাট থেকে একশ' আয়াত তিলাওয়াত করতেন।

#### ٣٩١. بَابُ السَّمْرِ فِي الْفَقْهِ وَالْخَيْرِ بَهْدَ الْمِشْاءِ

৩৯১. অনুচ্ছেদ ঃ ইশার পর জ্ঞানচর্চা ও কল্যাণকর বিষয়ের আলোচনা।

٧٧٥ حَدُّثَنَا عَبْسِدُ اللَّهِ بَنُ الصَّبَّاحِ قَالَ حَدُّثَنَا أَبُو عَلِي الْحَنَفِيُّ حَدُّثَنَا قُرُّة ابْنُ خَالِدٍ قَالَ انْتَظَرْنَا الْحَسَنَ وَرَاثَ عَلَيْنَا حَتَّى قَرَبُنَا مِنْ وَقْتِ قِيَامِهِ فَجَاءَ فَقَالَ دَعَانَا جِيْرَانُنَا هُولاً ءِ ثُمُّ قَالَ قَالَ أَنسُ نَظَرُنَا الْحَسَنَ وَرَاثَ عَلَيْنَا حَتَّى كَانَ شَطْرُ الَّيْلِ يَبْلُغُهُ فَجَاءَ فَصَلِّى لَنَا ثُمُّ خَطَبَنَا فَقَالَ : آلاَ إِنَّ النَّاسَ قَدُ صَلَّوا ثُمُّ رَقَدُوا وَإِنْكُمْ لَمْ تَزَالُوا فِي صَلاَةٍ مِمَا انْتَظَرْتُمْ الصَّلاَة قَالَ الْحَسَنُ وَإِنَّ الْقَوْمَ لاَ يَزَالُونَ بِخَيْسِ مَا انْتَظَرُتُمْ الصَّلاَة قَالَ الْحَسَنُ وَإِنَّ الْقَوْمَ لاَ يَزَالُونَ بِخَيْسِ مَا انْتَظَرُتُمْ الصَّلاَة قَالَ الْحَسَنُ وَإِنَّ الْقَوْمَ لاَ يَزَالُونَ بِخَيْسِ مَا انْتَظَرُقُمْ السَّيِّ عَلِيْقٍ .

দেবত আবদুল্লাহ্ ইব্ন সাববাহ্ (র.)......কুর্রা ইব্ন খালিদ (র.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, একদা আমরা হাসান (বসরী (র.)-এর অপেক্ষায় ছিলাম। তিনি এত বিলম্বে আসলেন যে, নিয়মিত সালাত শেষে চলে যাওয়ার সময় ঘনিয়ে আসল। এরপর তিনি এসে বললেন, আমাদের এ প্রতিবেশীগণ আমাদের ডেকেছিলেন। তারপর তিনি বললেন, আনাস ইব্ন মালিক (রা.) বর্ণনা করেছেন, এক রাতে আমরা রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্রা-এর অপেক্ষায় ছিলাম। এমন কি প্রায় অর্ধেক রাত হয়ে গেল, তখন এসে তিনি আমাদের নিয়ে সালাত আদায় করলেন। এরপর আমাদের সম্বোধন করে তিনি বললেন ৪ জেনে রাখ! লোকেরা সালাত আদায় করে ঘৃমিয়ে পড়েছে, তবে তোমরা যতক্ষণ সালাতের অপেক্ষায় ছিলে ততক্ষণ সালাতেই রত ছিলে। হাসান (বসরী (র.) বলেন, মানুষ যতক্ষণ কল্যাণের অপেক্ষায় থাকে, ততক্ষণ তারা কল্যাণেই নিরত থাকে। কুর্রা (র.) বলেন, এ উক্তি আনাস (রা.) কর্তৃক বর্ণিত রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্রান্সেরই অংশ।

٥٧٤ حَدُّثَنَا اَبُو الْيَمَانِ قَالَ اَخْبَرَنَا شُعَيْبُ عَنِ الزُّهْرِيِّ قَالَ حَدُّثَنِي سَالِمُ بُنُ عَبْدِ اللَّهِ بُنِ عُمَرَ وَأَبُو النَّبِيُّ عَلِيْ اللَّهِ بَنَ عَمَر قَالَ صلَّى النَّبِيُّ عَلِيْ صَلاَةَ الْعِشَاءِ فِي أُخِرِ حَيَاتِهِ فَلَمَّا سَلَّمَ بَكُرِ بَنُ أَبِي حَثْمَةً اَنَّ عَبْدَ اللَّهِ بَنَ عُمَر قَالَ صلَّى النَّبِيُّ عَلِيْ صَلاَةَ الْعِشَاءِ فِي أُخِرِ حَيَاتِهِ فَلَمَّا سَلَّمَ عَلَى النَّبِيُّ عَلَيْ اللَّهِ بَنَ عَمْر قَالَ صلَّى النَّبِيُّ عَلِيْ اللَّهِ مَا اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهُ الللللَّهُ الللَّهُ اللَّهُ اللَّ

فَوَهَلَ النَّاسُ فِي مَقَالَةِ رَسُولِ اللَّهِ عَلِي مَا يَتَحَدَّثُونَ مِنْ هَذِهِ الأَحَادِيثِ عَن مِائَة سننَة وَانِّمَا قَالَ النَّبِيُّ عَلَيْ مَقَالَةِ رَسُولِ اللَّهِ عَلَيْ ظَهْرِ الأَرْضِ يُرِيْدُ بِذَلِكَ اَنَّهَا تَخْرِمُ ذَالِكَ الْقَرُنَ • النَّبِيُّ عَلَيْ عَلَى ظَهْرِ الأَرْضِ يُرِيْدُ بِذَلِكَ انَّهَا تَخْرِمُ ذَالِكَ الْقَرُنَ •

৫৭৪ আবুল ইয়ামান (র.)......আবদুল্লাহ্ ইব্ন উমর (রা.) থেকে বর্ণিত, রাসূলুল্লাহ্ ক্লিট্র্র্র একবার তাঁর শেষ জীবনে ইশার সালাত আদায় করে সালাম ফিরবার পর বললেনঃ আজকের এ রাত সম্পর্কে তোমাদের অভিমত কি ? আজ থেকে নিয়ে একশ' বছরের মাখায় আজ যারা ভূ-পৃষ্ঠে আছে তাদের কেউ অবশিষ্ট থাকবে না। কিন্তু সাহাবীগণ রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্রের এর 'একশ' বছরের' এ উক্তি সম্পর্কে নানাবিধ জল্পনা-কল্পনা করতে থাকেন। প্রকৃতপক্ষে রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্রের বলেছেন ঃ আজকে যারা জীবিত আছে তাদের কেউ ভূ-পৃষ্ঠে থাকবে না। এর দ্বারা তিনি বুঝাতে চেয়েছেন যে, এ শতাব্দী ঐ যুগের পরিসমাপ্তি ঘটাবে।

#### ٣٩٢. بَابُ السَّمَرِ الضَّيْفِ وَٱلاَهُلِ

৩৯২. অনুচ্ছেদ ঃ পরিবার – পরিজন ও মেহমানের সাথে রাতে কথাবার্তা বলা।

٥٧٥ حَدَّثَنَا أَبُو النُّعْمَانِ قَالَ حَدَّثَنَا مُعْتَمِرُ بَنُ سُلَيْمَانَ قَالَ حَدَّثَنَا أَبِي حَدَّثَنَا أَبُو عُثُمَانَ عَنْ عَبْدِ الرَّحْمَنِ بْنِ أَبِي بَكْرِ أَنَّ أَصْحَابَ الصُّفَّةِ كَانُوا أَنَاسًا فُقَرَاءَ وَأَنَّ النَّبِيُّ عَلَيْ قَالَ مَنْ كَانَ عَنْدَهُ طَعَامُ اثْنَيْنِ فَلْيَذْهَبْ بِثَالِثٍ وَإِنْ أَرْبَعُ فَخَامِسُ أَوْ سَادِسُ وَأَنَّ أَبَا بَكُر جَاءَ بِثَلاَثَة فَانْطَلَقَ النَّبِيُّ عَلَيْكُ بِعَشْسَرَةٍ قَالَ فَهُوَ أَنَا وَأَبِى وَأُمِّى فَلاَ أَدْرِى قَالَ وَامْرَأْتِي وَخَادِمُ بَيْنَنَا وَبَيْنَ بَيْتِ أَبِى بَكْرٍ وَ إِنَّ أَبَا بَكُرٍ تَعَشَّى عَنْدَ النَّبِيِّ عَلِيًّا ثُمَّ لَبِثَ حَيثُ صلَّيْتِ الْعِشَاءُ ثُمَّ رَجَعَ فَلَبِثَ حَتَّى تَعَشَّى النَّبِيُّ عَلَيْتُ فَجَاءَ بَعْدَ مَا مَضَى مِنَ اللَّيْلِ مَا شَاءَ اللَّهُ قَالَتَ لَهُ امْرَأَتُهُ وَمَا حَبَسَكَ عَنْ اَضْيَافِكَ اَوْ قَالَتْ ضَيَفْكَ اَوَ مَاعَشَّيْتِهِمْ قَالَتْ اَبَوْ حَتَّى تَجِيٍّ قَدْ عُرِضُوا فَابَوا قَالَ فَذَهَبْتُ اَنَا فَاخْـتَبَأْتُ فَقَالَ يَا غُنْثُرُ فَجَدٌّ عَ وَسَبٌّ وَقَالَ كُلُوا لاَهَنِيْـنَّالَكُمْ فَقَالَ وَاللَّهِ لاَ اَطْعَمُهُ أَبِدًا وَآيْمُ اللَّهِ مَا كُنَّا نَأَخُذُ مِنْ لُقُمَة إلاَّ رَبَا مِنْ اَسْفَلِهَا اَكْثَرُ مِنْهَا قَالَ يَعْنِي حَتَّى شَبِعُوا وُصَارَتُ أَكْثَرَ مِمًّا كَانَتُ قَبُلَ ذُلِكَ فَنَظَرَ الِّيهَا أَبُو بَكُر فَإِذَا هِي كَمَا هِي أَوْ أَكُثَرُ مَنْهَا فَقَالَ لِامْرَأْتِهِ يَا أُخْتَ بَنِيْ فِرَاسٍ مَا هَٰذَا قَالَتُ لاَ وَ قُرَّةٍ عَيْنِي لَهِيَ الْأَنَّ آكَـنَّرُ مِنْهَا قَبْلَ ذٰلِكَ بِثَلاَثِ مَرَّاتٍ فَأَكَلَ مِنْهَا آبُو بَكْرٍ وَقَالَ انَّمَا كَانَ ذَالِكَ مِنَ الشَّيْطَانِ يَعْنِي يَمِيْنَهُ ثُمَّ أَكَلَ مِنْهَا لُقُمَةً ثُمَّ حَمَلَهَا الِّي النَّبِي عَلَيْ فَاصْبَحَتْ عِنْدَهُ وَكَانَ بَيْنَنَا وَبَيْنَ قَوْم عَقْدُ فَمَضَى الْآجَلُ فَفَرَّقْنَا اثْنَا عَشَرَ رَجُلاً مَعَ كُلِّ رَجُل مِنْهُمْ أُنَاسُ اللهُ أَعْلَمُ كُمْ مَعَ كُلِّ رَجُلٍ فَأَكَلُؤُا مِنْهَا آجُمَعُونَ أَوْ كُمَا قَالَ •

৫৭৫ মাহমূদ (র.)......আবদুর রাহমান ইব্ন আবু বকর (রা.) থেকে বর্ণিত যে, আসহাবে সুফ্ফা ছিলেন খুবই দরিদ্র। (একদা) নবী 🚟 বললেন ঃ যার কাছে দু'জনের আহার আছে সে যেন (তাঁদের থেকে) তৃতীয় জনকে সঙ্গে করে নিয়ে যায়। আর যার কাছে চারজনের আহারের সংস্থান আছে, সে যেন পঞ্চম বা ষষ্ঠজন সঙ্গে নিয়ে যায়। আবূ বকর (রা.) তিনজন সাথে নিয়ে আসেন এবং রাস্লুল্লাহ্ দশজন নিয়ে আসেন। আবদুর রাহমান (রা.) বলেন, আমাদের ঘরে এবং আবূ বাকরের ঘরে আমি, আমার পিতা ও মাতা (এই তিন জন সদস্য) ছিলাম। রাবী বলেন, আমি জানি না, তিনি আমার স্ত্রী এবং খাদিম একথা বলেছিলেন কি-না ? আবু বাকর (রা.) রাস্লুল্লাহ্ 📆 -এর ঘরেই রাতের আহার করেন, এবং ইশার সালাত পর্যন্ত সেখানে অবস্থান করেন। ইশার সালাতের পর তিনি আবার (রাসূলুল্লাহ্ এর ঘরে) ফিরে আসেন এবং রাসূলুল্লাহ্ ক্রিক্সিল্ল -এর রাতের আহার শেষ করা পর্যন্ত সেখানেই অবস্থান করেন। আল্লাহ্র ইচ্ছায় কিছু সময় অতিবাহিত হওয়ার পর বাড়ী ফিরলে তাঁর স্ত্রী তাঁকে বললেন, মেহমানদের কাছে আসতে কিসে আপনাকে ব্যস্ত রেখেছিল ? কিংবা তিনি বলেছিলেন, (বর্ণনাকারীর সন্দেহ) মেহমান থেকে। আবৃ বকর (রা.) বললেন, এখনও তাদের খাবার দাওনি ? তিনি বললেন, আপনি না আসা পর্যন্ত তারা খেতে অস্বীকার করেন। তাদের সামনে হাযির করা হয়েছিল, তবে তারা খেতে সম্মত হননি। আবদুর রহমান (রা.) বলেন, (পিতার তিরস্কারের ভয়ে) আমি সরে গিয়ে আঅগোপন করলাম। তিনি (রাগান্তিত হয়ে) বললেন, ওরে বোকা এবং ভর্ৎসনা করলেন। আর (মেহমানদের) বললেন, খেয়ে নিন। আপনারা অস্বস্তিতে ছিলেন। এরপর তিনি বললেন, আল্লাহ্র কসম! আমি এ কখনই খাব না। আবদুর রাহমান (র.) বলেন, আল্লাহ্র কসম ! আমরা লুক্মা উঠিয়ে নিতেই নীচ থেকে তা অধিক পরিমাণে বেড়ে যাচ্ছিল। তিনি বলেন, সকলেই পেট ভরে খেলেন। অথচ আগের চাইতে অধিক খাবার রয়ে গেল। আবূ বকর (রা.) খাবারের দিকে তাকিয়ে দেখতে পেলেন তা আগের সমপরিমাণ কিংবা তার চাইতেও বেশী। তিনি তাঁর স্ত্রীকে বললেন, হে বনূ ফিরাসের বোন। এ কি ? তিনি বললেন, আমার চোখের প্রশান্তির কসম! এতো এখন আগের চাইতে তিনগুন বেশী! আবৃ বকর (রা.)-ও তা থেকে আহার করলেন এবং বললেন, আমার সে শপথ শয়তানের পক্ষ থেকেই হয়েছিল। এরপর তিনি আরও লুক্মা মুখে দিলেন এবং অবশিষ্ট খাবার নবী 📆 এর দরবারে নিয়ে গেলেন। ভোর পর্যন্ত সে খাদ্য রাসূলুল্লাহ্ 🚟 ্র এর সেখানেই ছিল। এদিকে আমাদের ও অন্য একটি গোত্রের মাঝে সে সন্ধি ছিল তার সময়সীমা পূর্ণ হয়ে যায়। (এবং তারা মদীনায় আসে) আমরা তাদের বারজনের নেতৃত্বে ভাগ করে দেই। তাদের প্রত্যেকের সংগেই কিছু কিছু লোক ছিল। তবে প্রত্যেকের সঙ্গে কতজন ছিল তা আল্লাহ্ই জানেন। তারা সকলেই সেই খাদ্য থেকে আহার করেন। (রাবী বলেন) কিংবা আবদুর রাহমান (রা.) যে ভাবে বর্ণনা করেছেন।

# ्रांशे। प्रांड विशास अधियान

#### بِسُمِ اللهِ الرَّحْمَٰنِ الرَّحْثِيمِ ﴿

## كتاب الأذان

#### অধ্যায় ঃ আযান

٣٩٣، بَابُ بَدَ ۗ إِلاَذَانِ وَقُولُهُ عَزْقَ جَلُّ : وَإِذَا نَادَيْتُمُ إِلَى الصَّلاَةِ اتَّخَذُوهَا هُزُوا وَلَعِبَاذُلِكَ بِإِنَّهُمْ قَنْمُ لاَّ يَعْقَلُونَ وَقُولُكُ : وَإِذَا نَادَيْتُمُ الْمَالِكَةِ إِلَى الصَّلاَةِ اللَّهِ الْمُعُمَّةِ .........

৩৯৩. অনুচ্ছেদ ঃ আযানের সূচনা ।আল্লাহ্ তা'আলার বাণী ঃ 'যখন তোমরা সালাতের দিকে আহ্বান কর, তখন তারা (মুশরিকরা) এ নিয়ে ঠাটা—বিদুপ ও কৌতুক করে । তা এ জন্য যে, তারা এমন এক সম্প্রদায় যারা উপলব্ধি করে না'— (সূরা মায়িদা ঃ ৫৮)। আল্লাহ্ তা'আলা আরো ইরশাদ করেছেন ঃ 'আর যখন জুমু'আর দিনে সালাতের জন্য আহ্বান করা হয়'..... (সূরা জুমু'আঃ ৯)।

٥٧٦ حَدُّثَنَاعِمْرَانُ بْنُ مَيْسَرَةَ حَدَّثَنَا عَبُدُ الْوَارِثِ حَدَّثَنَا خَالِدُ عَنْ أَبِي قِلاَبَةَ عَنْ أَنسٍ قَالَ ذَكَرُوا النَّارَ وَالنَّاقُوسَ فَذَكَرُوا الْيَهُودَ وَالنَّصَارَى فَأُمرَ بِلاَلُ أَنْ يَشْفَعَ الْإَذَانَ وَإَن يُّوْتَرَ الْاقَامَةَ ،

৫৭৬ ইমরান ইব্ন মাইসারা (র.).....আনাস (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, (সালাতে সমবেত হওয়ার জন্য) সাহাবা-ই কিরাম (রা.) আগুন জ্বালানো অথবা নাকূস বাজানোর কথা আলোচনা করেন। আবার এগুলোকে (যথাক্রমে) ইয়াহুদী ও নাসারাদের প্রথা বলে উল্লেখ করা হয়। তারপর বিলাল (রা.)-কে আযানের বাক্য দু'বার করে ও ইকামতের বাক্য বেজোড় করে বলার নির্দেশ দেওয়া হয়।

প্রাচীনকালে ব্যবহৃত এক প্রকার কাষ্ঠ নির্মিত ঘন্টা যা নাসারারা গির্জায়্টিপাসনার সময় ঘোষণার কাজে ব্যবহার করত।

২. হানাফী মতাবলম্বীগণ অন্যান্য হাদীসের ভিত্তিতে ইকামতের বাক্যগুলোকে দু' বার করে বলে থাকেন।

ولا الله عَدُّنَا مَحْمُودُ بَنُ غَيْلاَنَ قَالَ حَدَّنَا عَبْدُ الرَّزَاقِ قَالَ اَخْبَرَنَا ابْنُ حُرِيْجٍ قَالَ اَخْبَرَنِي نَافِعُ أَنَّ ابْنُ مُوا عَمْرَ كَانَ يَقُولُ كَانَ الْسُلْمُونَ حَيْنَ قَدَمُوا الْمَديْنَةَ يَجْتَمِعُونَ فَيَتَحَيَّنُونَ الصَّلاَةَ لَيْسَ يُنَادَى لَهَا فَتَكَلَّمُوا يَوْمًا فِي ذَٰلِكَ فَقَالَ بَعْضُهُمْ بَلْ بُوقًا مِثْلَ قَرْنِ مَوْمًا فِي ذَٰلِكَ فَقَالَ بَعْضُهُمْ بَلْ بُوقًا مِثْلَ قَرْنِ بَوْمًا فِي ذَٰلِكَ فَقَالَ بَعْضُهُمْ بَلْ بُوقًا مِثْلَ قَرْنِ بَوْمًا فِي ذَٰلِكَ فَقَالَ بَعْضُهُمْ التَّخِذُوا نَاقُوسًا مِثْلَ نَاقُوسَ النَّصَارَى وَقَالَ بَعْضُهُمْ بَلْ بُوقًا مِثْلَ قَرْنِ بَوْمًا فَيْلَا فَي إِلْصَلْاةِ فَقَالَ رَسُولُ اللهِ عَلَيْكَمُ يَابِلاَلُ قُمْ قَنَاد بِالصَلاَةِ وَقَالَ بَعْضُهُمْ بَلْ بُوقًا مِثْلَ قَالَ اللهِ عَلَيْكَمُ اللهِ عَلَيْكُمُ اللهُ عَلَيْكُمُ مَا اللهُ عَلَيْكُمُ وَاللّهُ عَلَيْكُمُ اللهُ عَلَيْكُمُ وَلَا اللهُ عَلَيْكُمُ اللهُ عَلَيْكُمُ اللهُ عَلَيْكُمُ اللهُ عَلَيْكُ عَلَى اللهُ عَلَيْكُمُ وَلَا اللهُ عَلَيْكُمُ وَلَا اللهُ عَلَيْكُمُ وَلَا اللهُ عَلَيْكُمُ اللهُ عَلَيْكُمُ وَلَا اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْكُمُ اللهُ اللهُ عَلَيْكُمُ اللهُ اللهُ عَلَيْلُ اللهُ عَلَيْكُمُ وَلَيْكُمُ وَلَا اللهُ عَلَيْكُمُ اللهُ عَلَيْكُمُ اللّهُ عَلَيْكُمُ اللهُ عَلَيْكُولُ مَا اللهُ عَلَيْكُمُ اللهُ عَلَيْكُمُ اللهُ عَلَيْكُمُ اللهُ عَلَيْكُولُولُ اللهُ عَلَيْكُ اللهُ عَلَيْكُمُ اللهُ عَلَيْلُولُ عَلَيْلُولُ اللهُ عَلَيْكُمُ اللهُ عَلَيْكُمُ اللهُ عَلَيْكُمُ اللّهُ عَلَيْكُمُ اللهُ عَلَيْكُمُ اللهُ عَلَيْكُمُ اللهُ عَلَيْكُمُ اللهُ عَلَيْكُمُ اللّهُ عَلَيْكُمُ اللهُ عَلَيْ

#### ٣٩٤. بَابُ الْآذَانِ مَثْنَى مَثْنَى مَثْنَى

৩৯৪. অনুচ্ছেদ ঃ দু' দু'বার আ্যানের শব্দ বলা।

٥٧٨ حَدَّثَنَا سُلَيْمَانُ بُنُ حَرْبٍ قَالَ حَدَّثَنَا حَمَّادُ بْنِ زَيْدٍ عَنْ سِمَاكِ بْنِ عَطِيَّةَ عَنْ أَيُّوْبَ عَنْ أَبِى قِلاَبَةَ عَنْ أَبِي قِلاَبَةَ عَنْ أَبِي قِلاَبَةَ عَنْ أَبِي قِلاَبَةً عَنْ أَبِي قِلاَبَةً عَنْ أَبِي قِلاَبَةً عَنْ أَنْ يَشْفَعَ الْاَذَانَ وَأَنْ يُوْتَرَ الْاقَامَةَ الاَّ الْاقَامَةَ .

৫৭৮ সুলাইমান ইব্ন হার্ব (র.)......আনাস (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, বিলাল (রা.)-কে আযানের শব্দ দু' দু'বার এবং 'قَدُ قَامَتِ الصَّارَةُ ' ব্যতীত ইকামাতের শব্দগুলো বেজোড় করে বলার নির্দেশ দেওয়া হয়েছিল।

٧٩ه حَدَّثَنَا مُحَمَّدُ قَالَ أَخْبَرَنَا عَبْدُ الْوَهَّابِ قَالَ أَخْبَرَنَا خَالِدُ نِ الْحَدَّاءُ عَنْ أَبِي قِلاَبَةَ عَنْ أَنِي أَنْ أَنْ أَنْ أَنْ أَنْ أَنْ أَنْ يُعْلِمُوا وَقْتَ الصَّلاَةِ بَشَنَيْ يَعْبِرِفُوْنَهُ فَذَكَرُوا أَنْ يُعْلِمُوا وَقْتَ الصَّلاَةِ بَشَنَيْ يَعْبِرِفُوْنَهُ فَذَكَرُوا أَنْ يُوْرُوا نَارًا أَوْ يَضُرِبُوا نَاقُوْسًا فَأُمِرَ بِلاَلُ أَنْ يَشْفَعَ الْاَذَانَ وَأَنْ يُوْتِرَ الْاقِامَةَ ،

৫৭৯ মুহাম্মদ (র.)......আনাস ইব্ন মালিক (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, মুসলিমগণের সংখ্যা বৃদ্ধি পেলে তাঁরা সালাতের সময়ের জন্য এমন কোন সংকেত নির্ধারণ করার প্রস্তাব দিলেন, যার সাহায্যে সালাতের সময় উপস্থিত এ কথা বুঝা যায়। কেউ কেউ বললেন, আগুন জ্বালানো হোক, কিংবা ঘন্টা বাজানো হোক। তখন বিলাল (রা.)-কে আযানের শব্দগুলো দু' দু'বার এবং ইকামতের শব্দগুলো বেজোড় বলার নির্দেশ দেওয়া হলো।

#### ٣٩٥. بَابُ الْإِقَامَةُ وَاحِدَةُ الْأُقُولَةُ قَدْ قَامَتِ الصَّالاَةُ

ا ههد. هم معمله ما همه همه ما المعمل الله حدثنا السمعيل بن المراهيم حدثنا خالد عن أبى قبلابة عن أنس أمر بلال المراهيم حدثنا خالد عن أبى قبلابة عن أنس أمر بلال المراهيم حدثنا خالد عن أبى قبلابة عن أنس أمر بلال المراهيم المراهيم عددثنا المراهيم عدد المراهيم عدد المراهيم ال

৫৮০ আলী ইব্ন আবদুল্লাহ্ (র.).....আনাস (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, বিলাল (রা.)-কে আযানের বাক্যগুলো দু' দু'বার এবং ইকামতের বাক্যগুলো বেজোড় করে বলার নির্দেশ দেওয়া হয়। ইসমায়ীল (র.) বলেন, আমি এ হাদীস আইয়াবের নিকট বর্ণনা করলে তিনি বলেন, তবে 'কাদ্কামাতিস্ সালাতু' ব্যতীত।

#### ٣٩٦. بَابُ فَضْلُ الثَّادِيْنِ

#### ৩৯৬. অনুচ্ছেদঃ আযানের ফযীলত।

(٨٥ حَدُّثَنَا عَبْدُ اللَّهِ بَنِ يُوسُفَ قَالَ أَخْسِرَنَا مَالِكُ عَنْ أَبِى الزِّنَادِ عَنِ الْاَعْسَرَجِ عَنْ أَبِى هُرَيْرَةَ اَنَّ رَسُولَ اللهِ عَلَيْكَ عَبْدُ اللهِ عَلَيْكَ النَّادِيْنَ فَاذِا قَضَى رَسُولَ اللهِ عَلَيْكَ قَالَ اذِا نُودِي لِلصِلْاةِ اَدْبَرَ الشَّيْطَانُ وَلَهُ ضُرَاطُ حَتُّى لاَيسُسمَعَ التَّاذِيْنَ فَاذِا قَضَى النَّدَاءَ أَقْبَلَ حَتَّى يَخُطُر بَيْنَ الْمَرْءِ وَنَفْسِهِ النَّذَاءَ أَقْبَلَ حَتَّى يَخُطُر بَيْنَ الْمَرْءِ وَنَفْسِهِ يَقُولُ الْذَكُرُ كَذَا أَذْكُرُ كَذَا إِمَا لَمْ يَكُنْ يَذْكُرُ حَتَّى يَظَلُّ الرَّجُلُ لاَيَدُرِى كَمْ صَلَّى .

প্রেচ্চ আবদুল্লাহ্ ইব্ন ইউসুফ (র.)....আবৃ হুরায়রা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, রাসূলুল্লাহ্ ক্রিট্রে.
বলেছেন ঃ যখন সালাতের জন্য আযান দেওয়া হয়, তখন শয়তান হাওয়া ছেড়ে পলায়ণ করে, যাতে সে আযানের শব্দ না শোনে। যখন আযান শেষ হয়ে যায়, তখন সে আবার ফিরে আসে। আবার যখন সালাতের জন্য ইকামত বলা হয়, তখন আবার দূরে সরে যায়। ইকামত শেষ হলে সে পুনরায় ফিরে এসে লোকের মনে কুমন্ত্রণা দেয় এবং বলে এটা শ্বরণ কর, ওটা শ্বরণ কর, বিশ্বৃত বিষয়গুলো সে শ্বরণ করিয়ে দেয়। এভাবে লোকটি এমন পর্যায়ে পৌছে যে, সে কয় রাকাআত সালাত আদায় করেছে তা মনে করতে পারে না।

#### ٣٩٧. بَابُ رَفِعِ الصُّنَّ بِالنِّدَاءِ وَقَالَ عُمَرُ بُنُ عَبْدِ الْعَزِيْزِ أَذِّنْ أَذَانًا سَمْحًا وَالْأَفَاعْتَزِلْنَا

৩৯৭. অনুচ্ছেদ ঃ আযানের স্বর উচ্চ করা।উমর ইব্ন আবদুল আযীয (র.) (মুআয্যিনকে) বলতেন, স্বাভাবিক কণ্ঠে সাদাসিধাভাবে আযান দাও, নতুবা এ পদ ছেড়ে দাও।

مَدُثْنَا عَبْدُ اللّٰهِ بْنُ يُوسَفُّ قَالَ أَخْبَرَنَا مَالِكُ عَنْ عَبْدِ الرَّحْمَٰنِ بْنِ عَبْدِ اللّٰهِ بْنِ عَبْدِ الرَّحْمَٰنِ بْنِ عَبْدِ اللّٰهِ بْنِ عَبْدِ الرَّحْمَٰنِ بْنِ قَالَ لَهُ انِّي اَرَاكُ تُحبُّ أَبِي صَعْصَعَة الْاَنْصَارِيِّ ثُمُّ الْمَازِنِيُ عَنْ أَبِيهِ انَّهُ أَخْبَرَهُ انَّ أَبَا سَعِيْدٍ الْخُدْرِيُّ قَالَ لَهُ انِّي اَرَاكُ تُحبُّ الْغَنَمَ وَالْبَادِيةَ فَاذَا كُنْتَ فِي غَنْمِكَ أَوْ بَادِيتِكَ فَاذَنْتَ بِالصَّلاَةِ فَارْفَعْ صَوْتَكَ بِالنِّدَاءِ فَانِهُ لاَ يَسْمَعُ مَدَى صَوْتَ الْمُؤَذِّنِ جِنُّ وَلاَ شَنَيُ إلاَّ شَهِدَ لَهُ يَوْمَ الْقِيَامَةِ قَالَ أَبُوْ سَعَيْدٍ سِمَعْتُهُ مِنْ رَسُولِ اللّٰهِ عَلَيْهِ ،

কেই আবদুল্লাহ্ ইব্ন ইউসুফ (র.)......আবদুল্লাহ্ ইব্ন আবদুর রহমান আনসারী মাযিনী (র.) থেকে বর্ণিত যে, আবৃ সায়ীদ খুদ্রী (রা.) তাঁকে বললেন, আমি দেখছি তুমি বক্রী চরানো এবং বন-জঙ্গলকে ভালবাস। তাই তুমি যখন বক্রী নিয়ে থাক, বা বন-জঙ্গলে থাক এরং সালাতের জন্য আযান দাও, তখন উচ্চকণ্ঠে আযান দাও। কেননা, জিন্, ইনসান বা যে কোন বস্তুই যতদূর পর্যন্ত মুয়াযযিনের আওয়ায শুনবে, সে কিয়ামতের দিন তার পক্ষে সাক্ষ্য দিবে। আবৃ সায়ীদ (রা.) বলেন, একথা আমি রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্রে-এর কাছে শুনেছি।

#### ٣٩٨. بَابُ مَا يُحْقَنُ بِالْأَذَانِ مِنَ الدِّمَاءِ

৩৯৮. অনুচ্ছেদঃ আযানের কারণে রক্তপাত থেকে নিরাপত্তা পাওয়া।

٥٨٣ حَدُّثَنَا قُتَيْبَةُ بْنُ سَعِيْدِ حَدُّثَنَا اِسْمَاعِيْلُ بْنُ جَعْفَرٍ عَنْ حُمَيْدٍ عَنْ اَنَسِ بْنِ مَاكِ اَنَ النَّبِيُّ عَيْبِهِ كَانَ اذَا غَزَابِنَا قَوْمًا لَمْ يَكُنْ يَغُنُوبُنِا حَتَّى يُصْبِحَ وَيَنْظُرَ فَانْ سَمِعَ اذَانًا كَفَّ عَنْهُمْ وَانْ لَمْ يَسْمَعُ اذَانًا اَعْلَمُ فَانَ اللَّهِمُ لَيُلاً فَلَمَّا اَصْبَحَ وَلَمْ يَسْمَعُ اذَانًا رَكِبَ وَرَكِبَتُ خَلْفَ اغَارَ عَلَيْهِمْ قَالَ فَخَرَجُنَا الِي خَيْبَرَ فَانْتَهَيْنَا الِيهِمْ لَيُلاً فَلَمَّا اَصْبَحَ وَلَمْ يَسْمَعُ اذَانًا رَكِبَ وَرَكِبَتُ خَلْفَ اغِنْ طَلْحَةً وَانِ قَدَمِي لَتَمَسُّ قَدَمَ النَّبِيِّ عَلَيْكُمْ اللهِ عَيْلِيْهُ قَالَ فَخَرَجُوا اللهِ عَيْلِيْهِمْ وَمَسَاحِيْهِمْ فَلَمَّا رَاوُ النَّبِي عَلِيلًا فَلَمَّا رَاقُ اللّهِ عَلَيْكُ مَنْ اللهُ عَلَيْكُ مَنْ اللهُ عَلَيْكُ الله عَلَيْكُ عَلَيْكُ مَا اللهُ عَلَيْكُ مَنْ اللهُ اللهُ عَلَيْكُ اللهُ اللهُ

কেত কুতাইবা ইব্ন সায়ীদ (র.).....আনাস (রা.) থেকে বর্ণিত, রাস্লুল্লাহ্ ক্রান্ত্রী যখনই আমাদের নিয়ে কোন গোত্রের বিরুদ্ধে যুদ্ধ করতে যেতেন, ভোর না হওয়া পর্যন্ত অভিযান পরিচালনা করতেন না বরং লক্ষ্য রাখতেন, যদি তিনি তখনি আযান জনতে পেতেন, তাহলে তাদের বিরুদ্ধে অভিযান পরিচালনা করা থেকে বিরত থাকতেন। আর যদি আযান জনতে না পেতেন, তাহলে অভিযান চালাতেন। আনাস (রা.) বলেন, আমরা খায়বারের উদ্দেশ্যে রওয়ানা হলাম এবং রাতের বেলায় তাদের সেখানে পৌছলাম। যখন প্রভাত হল এবং তিনি আযান জনতে পেলেন না; তখন রাস্লুল্লাহ্ ক্রান্ত্রী সাওয়ার হলেন। আমি আবৃ তালহা (রা.)-এর পিছনে সাওয়ার হলাম। আমার পা, নবী ক্রান্ত্রী বির কদম মুবারকের সাথে লেগে

যাচ্ছিল। আনাস (রা.) বলেন, তারা তাদের থলে ও কোদাল নিয়ে বেরিয়ে আমাদের দিকে আসল। হঠাৎ তারা যখন নবী ক্রিন্ট -কে দেখতে পেল, তখন বলে উঠল, 'এ যে মুহাম্মদ, আল্লাহ্র শপথ! মুহাম্মদ তাঁর পঞ্চ বাহিনী সহ!' আনাস (রা.) বলেন, রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্ট তাদের দেখে বলে উঠলেন ঃ 'আল্লাহু আকবার, আল্লাহু আকবার, খায়বার ধ্বংস হোক। আমরা যখন কোন কাওমের আঙ্গিনায় অবতরণ করি, তখন সতর্কীকৃতদের প্রভাত হবে কত মন্দ!'

#### ٣٩٩. بَابُ مَا يَقُولُ إِذَا سَمِعَ الْمُنَادِي

৩৯৯. অনুচ্ছেদ ঃ মুআয্যিনের আযান শুনলে যা বলতে হয়।

٥٨٤ حَدَّثَنَا عَبُدُ اللهِ بْنُ يُوسَفُ قَالَ آخُـبَرَنَا مَالِكُ عَنْ ابْنِ شِهَابٍ عَنْ عَطَاءٍ بْنِ يَزِيْدَ اللَّيثِيِّ عَنْ أَبِي مَا يَقُولُ اللهِ يَزِيْدَ اللَّيثِيِّ عَنْ أَبِي سَعِيْدِ الْخُدْرِيِّ آنَّ رَسُولَ اللهِ عَلَيْهِ قَالَ اذَا سَمَعْتُمُ النَّدَاءَ فَقُولُوا مثلَ مَا يَقُولُ الْمُؤَذِّنُ ٠

৫৮৪ আবদুল্লাহ্ ইব্ন ইউসুফ (র.).....আব্ সায়ীদ খুদরী (রা.) থেকে বর্ণিত, রাসূলুল্লাহ্ ক্রিট্রের বলেছেন ঃ যখন তোমরা আযান শুনতে পাও তখন মুআয্যিন যা বলে তোমরাও তার অনুরূপ বলবে।

٥٨٥ حَدَّثَنَا مُعَادُ بُنُ فَضَالَةً قَالَ حَدَّثَنَا هِشَامُ عَنْ يَحْلِى عَنْ مُحَمَّدِبِنِ اِبْرَاهِيْمَ بُنِ الْحَارِثِ قَالَ حَدَّثَنِي عِيْسَى بُنُ طَلْحَةً أَنَّهُ سَمِعَ مُعَاوِيَةً يَوْمًا فَقَالَ مَثْلَهُ إِلَىٰ قَوْلِهِ وَاشْهَدُ أَنَّ مُحَمَّدًا رَسُولُ اللهِ •

৫৮৫ মু'আয ইব্ন ফাযালা (র.)......ঈসা ইব্ন তালহা (রা.) থেকে বর্ণিত, একদিন তিনি মু'আবিয়া (রা.)-কে (আযানের জবাব দিতে) শুনেছেন যে, তিনি 'আশ্হাদু আ না মুহাম্মাদার রাসূলুল্লাহ্' পর্যন্ত মুআয্যিনের অনুরূপ বলেছেন।

٥٨٦ حَدَّثَنَا السَّحَاقُ بْنُ رَاهَوَيْهِ قَالَ حَدَّثَنَا وَهْبُ بْنُ جَرِيْرٍ قَالَ حَدَّثَنَا هِشَامُ عَنْ يَحْلِى نَحْوَهُ قَالَ كَا عَلَى الصَّلَاةِ قَالَ لاَ حَوْلَ وَلاَ قُوةَ الِاللهِ ، وَقَالَ يَحْلَى الصَّلَاةِ قَالَ لاَ حَوْلَ وَلاَ قُوةَ الاَّ بِاللهِ ، وَقَالَ هُكَذَ سَمَعْنَا نَبِيّكُمْ يَقُولُ .

৫৮৬ ইসহাক ইব্ন রাহওয়াই (র.).....ইয়াহ্ইয়া (র.) থেকে অনুরূপ বর্ণিত আছে। ইয়াহ্ইয়া (র.) বলেছেন, আমার কোন ভাই আমার নিকট বর্ণনা করেছেন যে, মুআয্যিন যখন 'حَى عَلَى الصَّلَاةِ' বললে, তখন তিনি (মু'আবিয়া (রা.) لَا حَوْلَ وَلَا قُوْةَ الاّ بِالسَلَّهُ -কে আমরা এরপ বর্লতে হুনছি।

#### ٤٠٠. بَابُ الدُّعَاءِ عِنْدُ النِّدَاءِ

৪০০. অনুচ্ছেদ ঃ আযানের দু'আ।

هُ مَدُنّنَا عَلِي بَنُ عَيَّاشٍ قَالَ حَدَّثَنَا شُعَيْبُ بَنُ أَبِي حَمْزَةَ عَنْ مُحَمَّدِ بَنِ الْمُنْكَدرِ عَنْ جَابِرِ بَنِ عَبْدِ اللهِ عَنْ مَكْدِ عَنْ جَابِرِ بَنِ عَبْدِ اللهِ أَنَّ رَسُولَ اللهِ عَيْنَ عَالَ مَنْ قَالَ حَيْنَ يَسْمَعُ النّدَاءَ اللّهُمَّ رَبُّ لهذه الدَّعْوَاةِ التَّامَّةِ وَالصَّلَاةِ الْقَائِمَةِ اللهِ أَنَّ رَسُولَ اللهِ عَيْنَ عَلَى مَنْ قَالَ حَيْنَ يَسْمَعُ النّدَاءَ اللّهُمَّ رَبُّ لهذه الدَّعْوَاةِ التَّامَّةِ وَالصَّلَاةِ الْقَائِمَةِ النَّامَةِ مَعْمَدًا نِ الْوَسَيِلَةَ وَالْفَضَيْلِلَةَ وَابْعَثُهُ مَقَامًا مَّحُمُودًا نِ الّذِي وَعَدْتَهُ ، حَلَّتُ لَهُ شَفَاعَتِي يَوْمَ الْقِيَامَةِ .

৫৮৭ আলী ইব্ন আইয়্যাশ (র.).....জাবির ইব্ন আবদুল্লাহ্ (রা.) থেকে বর্ণিত, রাস্লুল্লাহ্ বলেছেন ঃ যে ব্যক্তি আযান তনে দু'আ করে ঃ 'হে আল্লাহ্-এ পরিপূর্ণ আহবান ও সালাতের প্রতিষ্ঠিত মালিক, মুহাম্মাদ ক্রিট্রিট্র -কে ওয়াসীলা ও সর্বোচ্চ মর্যাদার অধিকারী করুন এবং তাঁকে সে মাকামে মাহমূদে পৌছিয়ে দিন যার অঙ্গিকার আপনি করেছেন' – কিয়ামতের দিন সে আমার শাফা'আত লাভের অধিকারী হবে।

# ٤٠١، بَابُ الْاِسْتِهَامِ فِي الْاَذَانِ وَيُ ـ ذَكُرُ أَنَّ أَقُوَامًا الْحُتَلَقُ ـ وَا فِي الْاَذَانِ فَاقَرَحَ بَيْنَهُمْ سَعْدٌ

৪০১. অনুচ্ছেদ ঃ আযানের ব্যাপারে কুরআহর মাধ্যমে নির্বাচন।উল্লেখ করা হয়েছে যে, একদল লোক আযান দেওয়ার ব্যপারে প্রতিযোগিতা করল।সা'দ রো.) তাঁদের মধ্যে কুরআহর মাধ্যমে নির্বাচন করলেন।

# ٤٠٢، بَابُ الْكَلاَمِ فِي الْإِذَانِ وَتَكَلَّمُ سُلَيْمَانُ بُنُ صُرَدٍ فِي أَذَانِ وَقَالَ الْحَسَنُ لاَ بَأْسَ أَنْ يَضْحَكَ وَهُو يُؤَذِّنُ أَوْ يُقَيْمُ

৪০২. অনুচ্ছেদ ঃ আযানের মধ্যে কথা বলা ।সুলাইমান ইব্ন সুরাদ (র.) আযানের মধ্যে কথা বলেছেন। হাসান বসরী (র.) বলেন, আযান বা ইকামত দেওয়ার সময় হেঁসে ফেললে কোন দোষ নেই।

وَمُ وَعُنْ مُسَدُّدُ قَالَ حَدَّثَنَا حَمَّادُ عَنُ الْيُوبَ وَعَبْدِ الْحَمْدِ صَاحِبِ الزِّيَادِيِّ وَعَاصِمِ الْاَحْولِ عَنْ عَبْ وَمَ وَدَعْ فَلَمُ اللّهِ بَنِ الْحَارِيْثِ قَالَ خَطَبَنَا ابْنُ عَبّاسٍ فِي يَوْمٍ رَدْغِ فَلَمُّ اللّهَ الْمُؤَذِّنُ حَيُّ عَلَى الصَّلَاةِ فَأَمْرَهُ اللّه عَنْ مَنْ مُو خَيْرُ مُنهُ وَانِها عَزْمَةُ اللّه بَنْ الصَّلاةَ فِي الرّحَالِ فَنَظَرَ الْقَوْمُ بَعَضُهُمُ اللّ بَعْضِ فَقَالَ فَعَلَ هَذَا مَنْ هُو خَيْرُ مُنهُ وَانِها عَزْمَةُ لَا مَنْ هُو خَيْرُ مُنهُ وَانِها عَزْمَةُ لَا عَنْ الصَّلاةَ فِي الرّحَالِ فَنَظَرَ الْقَوْمُ بَعْضُهُمُ اللّ بَعْضِ فَقَالَ فَعَلَ هَذَا مَنْ هُو خَيْرُ مُنهُ وَانِها عَزْمَةُ اللّه عَلَى الصَّلاة فَعَلَ هَذَا مَنْ هُو خَيْرُ مُنهُ وَانِها عَزْمَةُ وَلَا اللّهُ اللّهُ عَلَى الصَّلاة وَاللّهُ اللّهُ الل اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الل اللّهُ الللللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ الللّهُ

# ٤٠٣. بَابُ أَذَانِ ٱلْأَعْمَىٰ إِذَا كَانَ لَهُ مَنْ يُخْبِرُهُ

800. अनुएम्बन है अभग्न बर्ज मिख्यांत लोक थोकल अक वाकि आयोन निर्ण शासा । وه حَدُّثَنَا عَبُدُ اللَّهِ بُنُ مَسُلَمَةً عَنْ مَالِكٍ عَنِ ابْنِ شِهَابٍ عَنْ سَالِم بُنِ عَبُدِ اللَّهِ عَنْ أَبِيهِ أَنَّ رَسُولًا اللَّهِ عَنْ أَبِيهِ أَنَّ رَسُولًا اللَّهِ عَنْ أَبِي فَكُلُوا وَاشْرَبُوا حَتَّى يُنَادِيَ ابْنُ أُمَّ مَكْتُومٌ ثُمَّ قَالَ وَكَانَ رَجُلاً أَعْمَى اللَّهِ عَلَيْ اللَّهِ عَلَيْ اللَّهِ عَلَيْ اللَّهِ عَلَيْ اللَّهِ عَلَيْ اللَّهِ عَلَيْ اللَّهُ اللَّهُ عَلَيْ عَلَيْ مَا لَا لَهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْ عَلَى اللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى الللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى الللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ

কৈত আবদুল্লাহ্ ইব্ন মাসলামা (র.)......আবদুল্লাহ্ ইব্ন উমর (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, রাস্লুল্লাহ্ ক্লান্ত্র্বলৈছেন ঃ বিলাল (রা.) রাত থাকতেই আযান দেন। কাজেই ইব্ন উম্মে মাকত্ম (রা.) আযান না দেওয়া পর্যন্ত তোমরা (সাহ্রীর) পানাহার করতে পার। আবদুল্লাহ্ (রা.) বলেন, ইব্ন উম্মে মাকত্ম (রা.) ছিলেন অন্ধ। যতক্ষণ না তাঁকে বলে দেওয়া হত যে, 'ভোর হয়েছে, ভোর হয়েছে' ততক্ষণ পর্যন্ত তিনি আযান দিতেন না।

# ٤٠٤. بَابُ الْآذَانِ بَقْدَ الْفَجْرِ

৪০৪. অনুচ্ছেদ ঃ ফজরের ওয়াক্ত হওয়ার পর আযান দেওয়া।

٥٩١ حَدُّثَنَا عَبُدُ اللَّهِ بُنِ يُوسُفَ قَالَ أَخْبَرَنَا مَالِكُ عَنْ نَافِعٍ عَنْ عَبُدِ اللَّهِ بُنِ عُمَرَ قَالَ اَخْبَرَنَا مَالِكُ عَنْ نَافِعٍ عَنْ عَبُدِ اللَّهِ بُنِ عُمَرَ قَالَ اَخْبَرَتَنِي حَفْيَنَ يَ قَبُلَ حَفْيَنَا لَا اللهِ عَلِي اللهِ عَلِي اللهِ عَلَيْ لَا اللهِ عَلَيْ اللهُ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ عَلَيْ اللهُ اللهُ عَلَيْ عَلَيْ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَيْ اللهُ اللهُ عَلَيْ اللهُ الل

৫৯১ আবদুল্লাহ্ ইব্ন ইউসুফ (র.)....হাফসা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, যখন মুআয্যিন সূব্হে সাদিকের প্রতীক্ষায় থাকত (ও আযান দিত) এবং ভোর স্পষ্ট হতো– জামা'আত দাঁড়ানোর আগে রাসূলুল্লাহ্ ক্রিট্রে সংক্ষেপে দু' রাকাআত সালাত আদায় করে নিতেন।

وعِدَّنَنَا أَبُو نُعَيْمٍ قَالَ حَدَّثَنَا شَيْبَانُ عَنْ يَحْيِى عَنْ أَبِى سَلَمَةَ عَنْ عَائِشَةَ قَالَتُ كَانَ النَّبِي طَالِيَةٍ وَالْإِقَامَةِ مِنْ صَلَاةٍ الصَّبُحِ . يُصَلِّى رَكُعَتَيْنِ خَفْيَفَتَيْنِ بَيْنَ النِّدَاءِ وَالْإِقَامَةِ مِنْ صَلَاةٍ الصَّبْحِ .

৫৯২ আবৃ নু'আইম (র.).....আয়িশা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, রাস্লুল্লাহ্ ক্রিল্ট্রেফজরের আযান ও ইকামতের মাঝে দু' রাকআত সালাত সংক্ষেপে আদায় করতেন।

٥٩٣ حَدُّثَنَا عَبْدُ اللهِ بُنِ يُوسَفَ قَالَ أَخْبَرَنَا مَالِكُ عَنْ عَبْدِ اللهِ بْنِ دِيْنَارِ عَنْ عَبْدِ اللهِ بْنِ عُمَرَ انْ رَسُولَ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ عَبْدِ اللهِ بْنِ عُمَرَ انْ رَسُولَ اللهِ عَنْ عَبْدِ اللهِ بْنِ عُمَرَ انْ رَسُولَ اللهِ عَنْ عَبْدِ اللهِ عَنْ عَبْدِ اللهِ بْنِ عُمَرَ انْ رَسُولَ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ عَبْدِ اللهِ عَنْ عَبْدِ اللهِ بْنِ عُمَرَ انْ وَسُولَ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ عَبْدِ اللهِ عَنْ عَلَيْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ عَبْدَ اللهِ عَنْ عَنْ عَبْدِ اللهِ عَنْ عَبْدَادِي عَنْ عَلَا اللهِ عَنْ عَلَا اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ عَلَا اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ عَلَا اللهِ عَنْ اللهِ عَلْهِ عَلَا اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ عَلَا اللهِ عَنْ عَلَا اللهِ عَلْمَا اللهِ عَلْمَ عَلَا اللهِ عَلْمَا اللهِ عَلَيْ عَلَا اللهِ عَلَيْكُوا عَلَا اللهِ عَلَا اللهِ عَلَيْكُوا عَلَا اللهِ عَلَيْكُوا عَلَا اللهِ عَلَا اللهِ عَلَا اللهِ عَلَا عَلَا اللهِ عَلَا اللهِ عَلَا اللهِ عَلَا اللهِ عَلَا عَلَا اللهِ عَلَا عَلَا اللهِ عَلَا عَلَا عَلَا عَلَا اللهِ عَلَا اللهِ عَلَا عَلَا عَلَا اللهِ عَلَا عَلَا عَلَا عَلَا عَلَا عَلَا عَلَا عَلَا اللهِ عَلَا عَلَ

৫৯৩ আবদুল্লাহ্ ইব্ন ইউসুফ (র.).....আবদুল্লাহ্ ইব্ন উমর (রা.) থেকে বর্ণিত, রাসূলুল্লাহ্ ক্রিট্রের বলেছেন ঃ বিলাল (রা.) রাত থাকতে আযান দিয়ে থাকেন। কাজেই তোমরা (সাহ্রী) পানাহার করতে থাক; যতক্ষণ না ইব্ন উম্মে মাক্তৃম (রা.) আযান দেন।

## ه ٤٠، بَابُ الْآذَانِ قَبْلُ الْفَجْرِ

৪০৫. অনুচ্ছেদ ঃ ফজরের ওয়াক্ত হওয়ার আগে আযান দেওয়া।

٩٤ حَدُّثَنَا أَحْمَدُ بْنُ يُوْنُسَ قَالَ حَدَّثَنَا زُهَيْرُ قَالَ حَدَّثَنَا سُلَيْمَانُ التَّيْمِيُّ عَنْ أَبِي عَثْمَانَ النَّهْدِيِّ عَنْ عَبْ اللهِ بْنِ مَسْعُودٍ عَنِ النَّبِيِّ عَلِيْكُمْ قَالَ لاَ يَمْنَعَنَّ أَحَدَكُمْ أَنَّ أَحَدًا مِثْكُمْ اَذَانُ بِلاَلٍ مِنْ سَحُورِهِ فَانِّهُ يُوْدِهِ فَانِّهُ يَوْدَ فَا لِللهِ بَنِ مَسْعُودٍ عَنِ النَّبِيِّ عَلَيْكُمْ وَلَيْسَ اَنْ يَقُولَ الْفَجَــرُ وَ الصَّبُحُ وَقَالَ بِأَصَابِعِهِ يُؤَدِّنُ اَوْ يُنَادِي بِلَيْلٍ لِيُرْجِعِ قَائِمَكُمْ وَلِيُنَبِّهِ نَائِمِكُمْ وَلَيْسَ اَنْ يَقُولَ الْفَجَــرُ وَ الصَّبُحُ وَقَالَ بِأَصَابِعِهِ وَرَفَعَهَا الِلْي فَوْقٍ وَطَأَمُنَا اللّٰي اَشَفَلَ حَتَّى يَقُولَ هَٰكَذَا وَقَالَ زُهَيْدُ بِسِبَابَتَيْهِ إِحْدَاهُمَا فَوْقَ الْاُخْدِلِي ثُمْ مُ مَنْ يَعُولُ هَٰكَذَا وَقَالَ زُهَيْدُ بِسِبَابَتَيْهِ إِحْدَاهُمَا فَوْقَ الْاُخْدِلِي ثُمُّ مَنْ يَعْفُلُ مَنْ يَعْفُلُ مَنْ يَعْفُلُ هَٰكَذَا وَقَالَ زُهَيْدُ بِسِبَابَتَيْهِ إِحْدَاهُمَا فَوْقَ الْاُخْدِلِي ثُمْ

কি৪ আহ্মদ ইব্ন ইউনুস (র.).....আবদুল্লাহ্ ইব্ন মাসউদ (রা.) থেকে বর্ণিত, নবী দ্বালালী ইরাশাদ করেছেন ঃ বিলালের আযান যেন তোমাদের কাউকে সাহ্রী খাওয়া থেকে বিরত না রাখে। কেননা, সে রাত থাকতে আযান দেয়— যেন তোমাদের মধ্যে যারা তাহাজ্জুদের সালাতে রত তারা ফিরে যায় আর যারা ঘুমস্ক, তাঁদেরকে, জাগিয়ে দেয়। তারপর তিনি আঙ্গুল দিয়ে ইশারা করে বললেন ঃ ফজর বা স্বহে সাদিক বলা যায় না, যখন এরপ হয়—তিনি একবার আঙ্গুল উপরের দিকে উঠিয়ে নীচের দিকে নামিয়ে ইশারা করলেন, যতক্ষণ না এরপ হয়ে যায়। বর্ণনাকারী যুহাইর (র.) তাঁর শাহাদাত আঙ্গুলদ্বয় একটি অপরটির উপর রাখার পর তাঁর ডানে ও বামে প্রসারিত করে দেখালেন।

১. অর্থাৎ আলোর রেখা নীচ থেকে উপরের দিকে লয়ালম্বিভাবে যখন প্রসারিত হয়, তখন প্রকৃতপক্ষে ফজরের ওয়াক্ত হয় না। ইহাকে 'সুবহে কাযিব' কলা হয়। কাজেই এ রেখা দেখে 'সুবহে সাদিক' হয়ে গেছে বলে যেন কেউ মনে না করে। তবে যখন পূর্বাকাশে আলোর রেখা উত্তর–দক্ষিণে বিস্তৃত হয়, তখনই প্রকৃতপক্ষে সুবহে সাদিক।

٥٩٥ حَدُّثَنَا السَّحَاقُ قَالَ آخْـبَرَنَا أَبُو اُسَامَةَ قَالَ عُبَيْدُ اللهِ حَدُّثَنَا عَنِ الْقَاسِمِ بَنِ مُحَمَّدٍ عَنْ عَائِشَةَ وَالَ عُبَيْدُ اللهِ عَيْسَى الْمَرْوَزِيُّ قَالَ حَدَّثَنَا عَبَيْدُ اللهِ وَعَنْ نَافِعٍ عَنِ بَنِ عُمَرَ اَنَّ رَسُولَ اللهِ عَلَيْهُ قَالَ وَحَدَّثَنِي يُوسُفُ بَنُ عِيْسَى الْمَرْوَزِيُّ قَالَ حَدَّثَنَا عَبَيْدُ اللهِ بَنُ عُمَرَ عَنِ النَّهِ عَنْ عَائِشَةَ عَنِ النَّبِيِّ عَلَيْهُ اللهُ عَلْوا وَاشْسِرَبُوا حَدَّتُنَى يُوسُفُ بَنُ بِلِالاً يُوذِنُ بِلِيلٍ فَكُلُوا وَاشْسِرَبُوا حَدَّتَى يُونَى الْفَاسِمِ بَنِ مُحَمَّدٍ عَنْ عَائِشَةَ عَنِ النَّبِيِ عَلَيْكُ اللهُ عَالَوْ اللهُ عَلَوْا وَاشْسِرَبُوا حَدَّتَى يُوسُفُ بَنُ بِلِلّا يُونَدِّنُ بِلِيلًا فَكُلُوا وَاشْسِرَبُولَ حَدَّتَى عَنِ النَّبِي عَلَيْكُ اللهُ عَلَيْلُ فَكُلُوا وَاشْسِرَبُولَ عَنْ النَّهِ عَنْ عَائِشَةً عَنِ النَّبِي عَلِيلًا قَالَ انْ بِلاَلاً يُونَدِّنُ بِلِيلًا فَكُلُوا وَاشْسِرَبُولَ عَنْ النَّهِ عَنْ النَّهِ عَنْ النَّهِ عَنْ النَّالِي عَنْ النَّالِي عَنْ النَّهُ عَلَى اللهُ عَالَمُ اللهُ عَنْلُولُ وَاسْسِرَ بَنِ مُحَمِّدٍ عَنْ عَائِشَةً عَنِ النَّبِي عَلَيْلُ إِلَّهُ قَالَ انِ بِلِالاً يُونَدِّنُ بِلِللهُ فَكُلُوا وَاشْسِرَا بُنُ اللهُ عَكُلُوا عَاسُولُ اللهُ عَلَيْنَ الْمُعَالَى الْمُ مَكُنُولُ وَاللّهُ اللهِ اللهُ اللهُ عَلَيْكُوا وَاللّهُ اللّهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَيْلُ عَلَيْلُ عَلَيْدُ اللّهُ عَلَى اللهُ عَلَيْلُوا عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللّهُ اللّهُ اللهُ اللهُ اللّهُ اللهُ اللهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللهُ اللهُ اللهُ اللّهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللّهُ اللهُ اللّهُ اللهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ الللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ الللهُ اللهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللهُ الللّهُ اللهُ الللهُ الللللّهُ اللهُ اللهُ اللللللّهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُو

৫৯৫ ইসহাক ইউসুফ ইব্ন ঈসা (র.).....আয়িশা (রা.) সূত্রে নবী ক্রিপ্তেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, বিলাল (রা.) রাত থাকতে আযান দিয়ে থাকেন। কাজেই, ইব্ন উম্মে মাকত্ম (রা.) যতক্ষণ আযান না দেয়, ততক্ষণ তোমরা (সাহরী) পানাহার করতে পার।

# ٢٠١. بَابُ كُمْ بَيْنَ الْاَذَانِ وَالْاِقَامَةِ

৪০৬. অনুচ্ছেদ ঃ আযান ইকামতের মধ্যে ব্যবধান কতটুকু।

وَهُ مَدُنْنَا اسْحَاقُ الْوَاسِطِيُّ قَالَ حَدُّثَنَا خَالِدُ عَنِ الْجُرِيْرِيِّ عَنِ ابْنِ بُرَيْدةَ عَنْ عَبْدِ اللهِ بْنِ مُفَقَّلٍ مَعْفَلًا اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ الْجُرِيْرِيِّ عَنِ ابْنِ بُرَيْدةَ عَنْ عَبْدِ اللهِ بْنِ مُفَقَّلٍ الْمُزَنِيِّ اللهِ عَنْ شَاءَ . الْمُزَنِيِّ اللهِ عَنْ شَاءً . الْمُزَنِيِّ اللهِ عَنْ شَاءً .

৫৯৬ ইসহাক ওয়াসিতী (র.).....আবদ্লাহ্ ইব্ন মুগাফ্ফাল মুযানী (রা.) থেকে বর্ণিত, রাস্পুল্লাহ্ বলেছেন ঃ প্রত্যেক আযান ও ইকামতের মধ্যে সালাত রয়েছে। একথা তিনি তিনবার বলেন, (তারপর বলেন) যে চায় তার জন্য।

وه حَدَّثَنَا مُحَمَّدُ بْنُ بَشَّارٍ قَالَ حَدَّثَنَا غُنْدَرُ قَالَ حَدَّثَنَا شُعْبَةُ قَالَ سَمِقْتُ عَمْرَو بْنَ عَامِرٍ الْاَنْصَارِيُّ عَنْ أَنْسَ بِنِ مَالِكٍ قَالَ كَانَ الْمُؤَذِّنُ إِذَا اَنَّنَ قَامَ نَاسُ مِّنَ أَصْحَابِ النَّبِيِّ عَيْتَدِرُونَ السَّوَارِي حَتَّى يَخْدُجُ النَّبِيِّ عَلَيْ يَبْتَدِرُونَ السَّوَارِي حَتَّى يَخْدُجُ النَّبِيِّ عَلَيْ وَهُمْ كَذَلِكَ يُصَلِّونَ الرَّكُ عَتَيْنِ قَبْلَ الْمَفْرِبِ وَآمْ يَكُنْ بَيْنَ الْاَذَانِ وَالْإِقَامَةِ شَيْءٌ قَالَ عَثْمَانُ بْنُ جَبْلَةً وَأَبُو دَائِدَ عَنْ شُعْبَةً لَمْ يَكُنْ بَيْنَهُمَا الاً قَلْيلُ .

৫৯৭ মুহাম্মদ ইব্ন বাশ্শার (র.).....আনাস ইব্ন মালিক (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, মুআয্যিন যখন আযান দিত, তখন নবী ক্রিন্ত্র-এর সাহাবীগণের মধ্যে কয়েকজন নবী ক্রিন্ত্র-এর বের হওয়া পর্যন্ত (মসজিদের) স্তন্তের কাছে গিয়ে দাঁড়াতেন এবং এ অবস্থায় মাগরিবের আগে দু' রাকাআত সালাত আদায় করতেন। অথচ মাগরিবের আযান ও ইকামতের মধ্যে কিছু (সময়) থাকত না। উসমান ইব্ন জাবালা ও আবু দাউদ (র.) ভ'বা (র.) থেকে বর্ণনা করেন যে, এ দু'য়ের মধ্যবর্তী ব্যবধান খুবই সামান্য হত।

٧٠٤. يَابُ مَنِ انْتَظَرَ الْاِقَامَةَ

৪০৭. অনুদ্দেদ ঃ ইকামতের জন্য অপেক্ষা করা।

٥٩٨ حَدُّثَنَا أَبُو الْيَمَانِ قَالَ آخُبَرَنَا شُعَيْبُ عَنِ الزُّهْرِيِّ قَالَ آخُبَرَنِي عُرُوَةُ بَنُ الزَّبَيْرِ اَنَّ عَائِشَةَ قَالَتُ وَمِلَا اللهِ عَلَيْهُ الْأَلُولُ عَلَى مِنْ صَلَاةٍ الْفَجْرِ قَامَ فَرَكَعَ رَكَعَتَيْنِ خَفْيِفَتَيْنِ قَبُلَ صَلَاةٍ الْفَجْرِ قَامَ فَرَكَعَ رَكَعَتَيْنِ خَفْيِفَتَيْنِ قَبُلَ صَلَاةٍ الْفَجْرِ قَامَ فَرَكَعَ رَكَعَتَيْنِ خَفْيِفَتَيْنِ قَبُلَ صَلَاةٍ الْفَجْرِ بَعْدَ اَنْ يُسْتَبِيْنَ الْفَجْرُ ، ثُمُّ اضْطَجَعَ عَلَى عَلَى شَقِّهِ الْاَيْمَنِ حَتَّى يَأْتَيْهُ الْمُؤَذِّنُ لِلْإِقَامَةِ ، الْفَجْرِ بَعْدَ اَنْ يُسْتَبِيْنَ الْفَجْرُ ، ثُمُّ اضْطَجَعَ عَلَى عَلَى شَقِّهِ الْاَيْمَنِ حَتَّى يَأْتَيْهُ الْمُؤَذِّنُ لِلْإِقَامَةِ ،

৫৯৮ আবৃল ইয়ামান (র.)......আয়িশা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, যখন মুআয্যিন ফজরের সালাতের প্রথম আযান শেষ করতেন তখন রাসূলুল্লাহ্ ক্রিল্টের্ড দাঁড়িয়ে যেতেন এবং সুবহে সাদিকের পর ফজরের সালাতের আগে দু' রাকাআত সালাত সংক্ষেপে আদায় করতেন, তারপর ডান কাতে ভয়ে পড়তেন এবং ইকামতের জন্য মুআয্যিন তাঁর কাছে না আসা পর্যন্ত ভয়ে থাকতেন।

#### ٤٠٨، بَابُ بَيْنَ كُلِّ أَذَانَيْنِ مِنَلاَّةً لِمَنْ شَاءً

৪০৮. অনুচ্ছেদ ঃ কেউ ইচ্ছা করলে আযান ও ইকামতের মধ্যবর্তী সময়ে সালাত আদায় করতে পারেন।

٥٩٩ حَدِّثْنَا عَبْدُ اللهِ بْنُ يَزِيْدَ قَالَ حَدَّثْنَا كَهْمَسُ بْنُ الْحَسَنِ عَنْ عَبْدُ اللهِ بْنِ بُرَيْدَةَ عَنْ عَبْدُ اللهِ بْنِ

مُغَفُّلٍ قَالَ قَالَ النَّبِيُّ عَلَيْهُ بَيْنَ كُلِّ اَذَانَيْنِ صَلَاةً بَيْنَ كُلِّ اَذَانَيْنِ صَلَاةً ، ثُمَّ قَالَ الثَّالِثَةِ لِمَنْ شَاءَ

৫৯৯ আবদুল্লাহ্ ইব্ন ইয়াযীদ (র.).....আবদুল্লাহ্ ইব্ন মুগাফ্ফাল (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী ক্রিট্রের বলেছেন ঃ প্রত্যেক আযান ও ইকামতের মধ্যবর্তী সময়ে সালাত আদায় করা যায়। প্রত্যেক আযান ও ইকামতের মধ্যবর্তী সময়ে সালাত আদায় করা যায়। তৃতীয়বার একথা বলার পর তিনি বলেন, যে ব্যক্তি ইচ্ছা করে।

## ٤٠٩. بَأَبُ مَنْ قَالَ لَيْنَدِّنُ فِي السَّفَرِ مُؤَدِّنْ وَاحِدُ

৪০৯. অনুচ্ছেদ ঃ সফরে এক মুয়ায্যিন যেন আযান দেয়।

حَدَّثَنَا مُعَلِّى بَنُ اسَدٍ قَالَ حَدَّثَنَا وُهَيْبُ عَنْ أَيُّوبَ عَنْ أَبِي قِلاَبَةً عَنْ مَالِكِ بَنِ الْحُويْرِثِ قَالَ اتَيْتُ النَّبِيُّ عَلَيْهُ فِي نَفَرٍ مِنْ قَوْمِي فَاقَمْنَا عِنْدَهُ عِشْسِرِيْنَ لَيْلَةً وَكَانَ رَحِيْسَا رَفِيْقًا فَلَمَّا رَالَى شَوْقَنَا اللَّى أَلْنَا قَالَ ارْجِعُوا فَكُونُوا فِي سَوْقَنَا اللَّي عَلَيْهُ وَعَلِّمُوهُمُ وَصَلُّوا ، فَاذِا حَضَرَتِ الصَّلَاةُ ، فَلْيُؤَدِّنِ لَكُمْ أَحَدُكُمْ وَلَيْؤُمُكُمْ أَكْبَرُكُمْ ،

৬০০ মু'আল্লা ইব্ন আসাদ (র.).....মালিক ইব্ন হুয়াইরিস (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আমি আমার গোত্রের কয়েকজন লোকের সংগে নবী ক্লিট্র-এর কাছে এলাম এবং আমরা তাঁর নিকট বিশ রাত

অবস্থান করলাম। রাস্লুল্লাহ্ ক্রিউঅত্যন্ত দয়ালু ও বন্ধু বৎসল ছিলেন। তিনি যখন আমাদের মধ্যে নিজ পরিজনের কাছে ফিরে যাওয়ার আগ্রহ লক্ষ্য করলেন, তখন তিনি আমাদের বললেন ৪ তোমরা পরিজনের কাছে ফিরে যাও এবং তাদের মধ্যে বসবাস কর, আর তাদের দীন শিক্ষা দিবে এবং সালাত আদায় করবে। যখন সালাতের সময় উপস্থিত হয়, তখন তোমাদের একজন আযান দিবে এবং তোমাদের মধ্যে যে ব্যক্তি বয়সে বড় সে ইমামতি করবে।

# ٠٤١٠ بَابُ الْآذَانِ الْمُسَافِرِ إِذَا كَانُوا جَمَاعَةُ وَالْإِقَامَةِ وَكَذَا لِكَ بِمَرَفَةٍ وَجَمْعٍ وَقَوْلُ الْمُؤَذِّنِ الصَّلَاةُ فِي الرَّحَالِ فِي اللَّيْلَةِ الْبَارِدَةِ أَوِ الْمَطْيْرَةِ

8১০. অনুচ্ছেদ ঃ মুসাফিরদের জামা আত হলে আযান ও ইকামত দেওয়া; আরাফা ও মুয্
—দালিফার ভুকুমও অনুরূপ এবং প্রচণ্ড শীতের রাতে ও বৃষ্টির সময় মুআয্যিনের এ
মর্মে ঘোষণা করা যে, "আবাস স্থলেই সালাত"।

৬০১ মুসলিম ইব্ন ইব্রাহীম (র.)......আব্ যার্র (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আমরা এক সফরে নবী ক্রিট্র-এর সংগে ছিলাম। মুআয্যিন আযান দিতে চাইলে তিনি বললেন ঃ ঠান্ডা হতে দাও। কিছুক্ষণ পর মুআয্যিন আবার আযান দিতে চাইলে তিনি বললেন, ঠান্ডা হতে দাও। তারপর সে আবার আযান দিতে চাইলে তিনি আবার বললেন, ঠান্ডা হতে দাও। এভাবে বিলম্ব করতে করতে টিলাগুলোর ছায়া তার সমান হয়ে গেল। পরে নবী ক্রিট্রেবললেন ঃ উত্তাপের তীব্রতা জাহান্নামের নিঃশ্বাসের ফল।

٦٠٢ حَدُّنَنَا مُحَمَّدُ بْنُ يُوسَفَ قَالَ حَدَّثَنَا سَفْيَانُ عَنْ خَالِدِ نِ الْحَذَّاءِ عَنْ أَبِى قِلاَبَةَ عَنْ مَالِكِ بْنِ الْحُويَرِثِ قَالَ أَتَى رَجُلاَنِ النَّبِيُ عَلِيْ يُرِيدَانِ الصَّفَرَ فَقَالَ النَّبِي عَلِيْ إِذَا اَنْتُمَا خَرَجُتُمَا فَانَيْنَا ثُمُّ اقِيمًا ثُمُّ لِيَوْمُكُمَا اكْبَركُما .

৬০২ মুহাম্মদ ইব্ন ইউসুফ (র.)....মালিক ইব্ন ছওয়ায়রিস (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, দু' জন লোক সফরে যাওয়ার ইচ্ছা ব্যক্ত করার জন্য নবী ক্রিন্ত্রেএর কাছে এল। নবী ক্রিন্ত্রেতাদের বললেন ঃ তোমরা উভয়ে যখন সফরে বেরুবে (সালাতের সময় হলে) তখন আযান দিবে, এরপর ইকামত দিবে এবং তোমাদের উভয়ের মধ্যে যে বয়সে বড় সে ইমামতি করবে।

٦٠٣ حَدُّثْنَا مُحَمَّدُ بْنُ الْمُثُنِّى قَالَ حَدَّثْنَا عَبْدُ الْوَهَابِ قَالَ حَدَّثْنَا أَيُّوبُ عَنْ أَبِي قِلاَبَةَ قَالَ حَدَّثْنَا مَالِكُ

قَالَ اتَيْنَا الِى النَّبِيِّ عَلَيْكُونَحُنُ شَبَبَةُ مُتَعَارِبُونَ فَاقَمُنَا عِنْدَهُ عِشْرِيْنَ يَوْمًا وَلَيْلَةً وَكَانَ رَسُولُ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَنْ اللهِ عَلَيْ اللهِ اللهِ عَلَيْ اللهِ اللهِ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَيْ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ اللهُ اللهِ عَلَيْ اللهُ اللهُ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهِ عَلَيْ اللهُ ا

মহাম্মদ ইব্ন মুসান্না (র.).....মালিক (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আমরা সমবয়সী একদল বুবক নবী ক্রিক্রিক কাছে হাযির হলাম। বিশ দিন ও বিশ রাত আমরা তাঁর নিকট অবস্থান করলাম। রাস্পুলাহ ক্রিক্রিক অত্যন্ত দয়ালু ও নম স্বভাবের লোক ছিলেন। তিনি যখন বুঝতে পারলেন যে, আমরা আমাদের পরিজ্ঞানের কাছে ফিরে যেতে চাই বা ফিরে যাওয়ার জন্য উৎসুক হয়ে পড়েছি। তখন তিনি আমাদের জিজ্ঞাসা করলেন, আমরা আমাদের পিছনে কাদের রেখে এসেছি। আমরা তাঁকে জানালাম। তারপর তিনি বললেন ঃ তোমরা তোমাদের পরিজনের কাছে ফিরে যাও এবং তাদের মধ্যে বসবাস কর। আর তাদের (দীন) শিক্ষা দাও, এবং (সৎ কাজের) নির্দেশ দাও। (বর্ণনাকারী বলেন) মালিক (রা.) আরও কয়েকটি বিষয় উল্লেখ করেছিলেন যা আমার মনে আছে বা মনে নেই। তারপর নবী ক্রিক্রের্ণ বলেছিলেন ঃ তোমরা আমাকে যেভাবে সালাত আদায় করতে দেখেছ সেভাবে সালাত আদায় করবে। সালাভের সময় উপস্থিত হলে তোমাদের একজন যেন আযান দেয় এবং তোমাদের মধ্যে যে ব্যক্তি বয়মনে বড় সে যেন তোমাদের ইমামতি করে।

٦٠٤ حَدَّثَنَا مُسَدَّدُ قَالَ اَخْبَرَنَا يَصْلِى عَنْ عُبَيْدِ اللهِ بْنِ عُمَرَ قَالَ حَدَّثَنِى نَافِعُ قَالَ اَذُنَ ابْنُ عُمَرَ لَيْلَةٍ بَارِدَةٍ بِضِجْنَانِ ثُمُّ قَالَ صَلُّوا فِي رِحَالِكُمْ فَاَخْسِبَرَنَا اَنْ رَسُولُ اللهِ عَلَيْهُ كَانَ يَأْمُرُ مُؤَبِّنًا يُؤَدِّنُ ثُمْ يَقُولُ عُلَى اللهِ عَلَيْهِ كَانَ يَأْمُرُ مُؤَبِّنًا يُؤَدِّنُ ثُمْ يَقُولُ عُلَى اللهِ عَلَيْهِ كَانَ يَأْمُرُ مُؤَبِّنًا يُؤَدِّنُ ثُمْ يَقُولُ عُلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهُ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْهُ إِلَيْهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلَيْهُ إِلَيْهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْهُ إِللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْنَا عَلَى اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلَى اللهِ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ ع

৬০৪ মুসাদাদ (র.).....নাফি' (র.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, প্রচন্ত এক শীতের রাতে ইব্ন উমর (রা.) যাজনান নামক স্থানে আযান দিলেন। এরপর তিনি ঘোষণা করলেন ঃ তোমরা আবাস স্থলেই সালাত আদায় করে নাও। পরে তিনি আমাদের জানালেন যে, রাস্লুল্লাহ্ সফরের অবস্থায় বৃষ্টি অথবা প্রচন্ত শীতের রাতে মুআ্য্যিনকে আযান দিতে বললেন এবং সাথে সাথে একথাও ঘোষণা করতে বললেন যে, তোমরা আবাসে সালাত আদায় করে নাও।

٦٠٥ حَدُّنَنَا السَّحَاقُ قَالَ اَخْبَرَنَا جَعْفَرُ بْنُ عَوْنٍ قَالَ حَدُّنَنَا أَبُو الْعُمَيْسِ عَنْ عَوْنٍ بْنِ أَبِي جُعَيْفَةً عَنْ أَبِي جُعَيْفَةً عَنْ أَبِي جَعَيْفَةً عَنْ أَبِيهِ قَالَ رَأَيْتُ رَسُولً اللهِ عَلَيْهِ إِلاَبُطَحِ فَجَاءَهُ بِلاَلُ فَاَذْنَهُ بِالصَّلاَةِ ثُمْ خَرَجَ بِلاَلُ بِالْعَنْزَةِ حَتَّى رَكَزَهَا بَيْنَ يَدَىٰ رَسُولُ الله عَلَيْهُ بِالْاَبُطَة وَاقَامَ الصَّلاَة .

৬০৫ ইসহাক (র.).....আবৃ জুহায়ফা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, একবার রাস্লুল্লাহ্ 🚟 -কে

আবতাহ্ নামক স্থানে দেখলাম, বিলাল (রা.) তাঁর নিকট আসলেন এবং রাস্পুল্লাহ্ ক্রিট্র-কে সালাতের খবর দিলেন। তারপর বিলাল (রা.) একটি বর্শা নিয়ে বেরুলেন। অবশেষে আবতাহে রাস্পুল্লাহ্ বিলাল এর সামনে তা পূতে দিলেন, এরপর সালাতের ইকামত দিলেন।

4 1 1 . بَابُ هَلْ يَتَتَبُعُ الْمُودِّنُ فَاهُ هُهُنَا وَهُهُنَا وَهُلْ يَلْتَفِتُ فِي الْأَذَانِ وَيُذْكُرُ عَنْ بِلاَلِ إِنَّهُ جَعَلَ اصْبَعَيْهِ فِي الْأَذَانِ وَيُذْكُرُ عَنْ بِلاَلٍ إِنَّهُ جَعَلَ اصْبَعَيْهِ فِي الْأَنْ يُودُونِ عَلَى غَيْرِ وَهُنُومٍ فِي الْأَنْ يَكُانَ النَّبِي وَهَالَ ابْرَاهِيْمُ لاَ بَاسَ أَنَ يُؤَدِّنَ عَلَى غَيْرِ وَهُنُومٍ فَي الْأَنْ عَلَى كُلُ اللهُ عَلَى كُلُّ احْبَانِهِ وَقَالَ عَطَاءُ الْوَضِيُّوهُ حَقَّ فَسَنَّةُ وَقَالَتَ عَائِشَةً كَانَ النَّبِي عَيْنِ يَذْكُرُ اللَّهُ عَلَى كُلِّ احْبَانِهِ

8১১. অনুচ্ছেদ ঃ মুআয্যিন কি আয়ানের সময় ডানে বামে মুখ ফিরাবেন এবং এদিক সেদিক তাকাতে পারবেন ? বিলাল (রা.) থেকে উল্লেখ করা হয় যে, তিনি আয়ানের সময় দু' কানে দু'টি আঙ্গুল রাখতেন। তবে ইব্ন উমর (রা.) দু' কানে আঙ্গুল রাখতেন না। ইব্রাহীম (র.) বলেন, বিনা উযুতে আয়ান কোন দোষ নেই। আতা (র.) বলেন, (আয়ানের জন্য) উযু জরুরী এবং সুন্নাত। আয়িশা (রা.) বলেন, রাস্লুল্লাহ্ সর্বক্ষণ আল্লাহ্র যিক্র করতেন।

آ حَدُّثُنَا مُحَمَّدُ بْنُ يُوسَفَ قَالَ حَدَّثَنَا سَفْيَانُ عَنْ عَوْنِ بْنِ أَبِي جُحَيْفَةَ عَنْ أَبِيْهِ أَنَّهُ رَأَى بِلاَلاً يُؤَذِّنُ فَجَعَلْتُ أَتَبَعُ فَاهُ هُهُنَا وَهُهُنَا بِالْآذَانِ ،

৬০৬ মুহামদ ইব্ন ইউসুফ (র.).....আবূ জুহায়ফা (রা.) থেকে বর্ণিত যে, তিনি বিশাল (রা.)-কে আযান দিতে দেখেছেন। (এরপর তিনি বলেন) তাই আমি তাঁর (বিলালের) ন্যায় আযানের মাঝে মুখ এদিক সেদিক (ডানে-বামে) ফিরাই।

١٧٤، بَابُ: قَوْلِ الرَّجُلِ فَاتَتَنَا الصَّلاَةُ وَكُرِهَ ابْنُ سِيْرِيْنَ أَنْ يَقُولَ فَاتَتَنَا الصَّلاَةُ وَلَكِنَ لِيَقُلُ لَـمُ نُدُرِكَ وَقُولُ النَّبِيُ الْمَالاَةُ وَلَكِنَ لِيَقُلُ لَـمُ نُدُرِكَ وَقَوْلُ النَّبِيُ الْمَالِاَةُ وَلَكُونَ لِيَقُلُ لَـمُ نُدُرِكَ وَقَوْلُ النَّبِيُ الْمَالِيَّةِ المَسْطُ

8১২. অনুচ্ছেদ ঃ 'আমাদের সালাত ফাওত হয়ে গেছে' কারো এরূপ বলা। ইব্ন সীরীন (র.)—এর মতে 'আমাদের সালাত ফাওত হয়ে গেছে বলা' অপসন্দনীয়। বরং 'আমরা সালাত পাইনি' এরূপ বলা উচিত। তবে এ ব্যাপারে নবী । বলছেন তাই সঠিক।

مُدُنّنَا أَبُو نُعَيْمٍ قَالَ حَدَّثَنَا شَيْبَانُ عَنْ يَحْيَى عَنْ عَبْدِ اللهِ بْنِ أَبِيْ قَتَادَةَ عَنْ أَبِيهِ قَالَ بَيْنَمَا نَحْنُ نُصلّي مَع النّبِي عَلَيْه إِذْ سَمِعَ جَلَبَةَ رِجَالٍ فَلَمّا صَلّى قَالَ مَا شَأَنُكُمْ قَالُوا اسْتَعْجَلُنَا الِى الصّلاة قِالَ نُصلّي مَع النّبِي عَلِيْهُ إِذْ سَمِعَ جَلَبَةَ رِجَالٍ فَلَمّا صَلّى قَالَ مَا شَأَنُكُمْ قَالُوا اسْتَعْجَلُنَا الِى الصّلاة قِالَ

فَلاَ تَفْعَلُوا إِذَا اتَّيْتُمُ الصَّالاَةَ فَعَلَيْكُمْ بِالسَّكْيْنَةِ فَمَا اَدْرَكْتُمْ فَصلُّوا وَمَا فَاتَّكُمْ فَاتِّمُوا •

৬০৭ আবু নু'আইম (র.).....আবু কাতাদা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, একবার আমরা নবী —এর সঙ্গে সালাত আদায় করছিলাম। হঠাৎ তিনি লোকদের (আগমনের) আওয়ায শুনতে পেলেন। সালাত শেষে তিনি জিজ্ঞাসা করলেন তোমাদের কি হয়েছিল । তাঁরা বললেন, আমরা সালাতের জন্য তাড়াহুড়া করে আসছিলাম। নবী ক্রিট্রেই বললেন ঃ এরূপ করবে না। যখন সালাতে আসবে ধীরস্থিরভাবে আসবে (ইমামের সাথে) যতটুকু পাও আদায় করবে, আর যতটুকু ফাওত হয়ে যায় তা (ইমামের সালাম ফিরানোর পর) পূরা করে নিবে।

# ٤١٣. بَابُ لاَيسَعلَى اللَّي الصَّلاَةِ وَلْيَاتِ بِالسَّكِيْنَةِ وَالْوَقَارِ وَقَالَ مَا اَدْرَكُتُ مُ فَصَلُوا وَمَا فَاتَكُمْ فَاتِمُوا قَالَهُ أَبُو قَتَادَةً عَنِ النَّبِيِّ عَلِيْهِ .

8১৩. অনুচ্ছেদ ঃ সালাতের (জামা'আত) দিকে দৌড়ে আসবে না, বরং শান্তি ও ধীরস্থিরভাবে আসবে।তিনি বলেন, তোমরা ইমামের সঙ্গে যতটুকু সালাত পাও তা আদায় করবে, আর তোমাদের যা ছুটে যায় তা ইমামের সালাম ফিরানোর পর) পুরা করে নিবে। আবু কাতাদা (রা.) নবী ক্রিউ থেকে এ কথা বর্ণনা করেছেন।

٦٠٨ حَدُّثَنَا أَدِمُ قَالَ حَدُّثُنَا ابْنُ أَبِي ذِنْبٍ قَالَ حَدَّثَنَا الزُّهْرِيُّ عَنْ سَعِيْدٍ بْنِ الْمُسَيِّبِ عَنْ أَبِي هُرَيْرَةَ عَنِ النَّبِيِّ عَلَيْهِ قَالَ اذَا سَمِعُ لَتُمُ الْإِقَامَةَ عَنْ أَبِي هُرَيْرَةَ عَنِ النَّبِيِ عَلَيْهِ قَالَ اذَا سَمِعُ لَتُمُ الْإِقَامَةَ فَا النَّبِي عَلَيْهِ قَالَ اذَا سَمِعُ لَتُمُ الْإِقَامَةَ فَا النَّبِي عَلَيْهِ فَال اللهِ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ ا

ড০৮ আদম (র.).....আবৃ হুরায়রা (রা.) সূত্রে নবী ক্রিট্রিথেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, যখন তোমরা ইকামত তনতে পাবে, তখন সালাতের দিকে চলে আসবে, তোমাদের উচিত ধীরস্থিরতা ও গাম্ভীর্য বজায় রাখা। তাড়াহুড়া করবে না। ইমামের সাথে যতটুকু পাও তা আদায় করবে, আর ছুটে যায় তা পূরা করে নিবে।

# ١٤ ٤ . بَابُ مَتْى يَقُونُمُ النَّاسُ إِذَا رَاوًا الْإِمَامَ عَنْدَ الْإِقَامَةِ

838. অনুচ্ছেদ ঃ ইকামতের সময় ইমামকে দেখলে লোকেরা কখন দাঁড়াবে।

٦٠٩ حَدَّثَنَا مُسْلِمُ بْنُ اِبْرَاهِيْمَ قَالَ حَدَّثَنَا هِشَامُ قَالَ كَتَبَ يَحْيِى عَنْ عَبْدِ اللهِ بْنِ أَبِي قَتَادَةَ عَنْ أَبِيهِ عِلَى عَنْ عَبْدِ اللهِ بْنِ أَبِي قَتَادَةَ عَنْ أَبِيهِ عَالَ عَبْدَ اللهِ عَلَيْهُ إِذَا أَقِيْمَتِ الصَّلَاةُ فِلاَ تَقُومُوا حَتَّى تَرَوْنِي . قَالَ رَسُولُ اللهِ عَلِيْكُ إِذَا أَقِيْمَتِ الصَّلَاةُ فِلاَ تَقُومُوا حَتَّى تَرَوْنِي .

৬০৯ মুসলিম ইব্ন ইব্রাহীম (র.).....আবূ কাতাদা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলৈন, রাস্লুল্লাহ্ বলেছেন ঃ সালাতের ইকামত হলে আমাকে না দেখা পর্যন্ত তোমরা দাঁড়াবে না।

# ه ١٥. بَابُ لاَ يَسْمَى إِلَى الصَّلاَةِ مُسْتَعْجِلاً وَلْيَقُمْ بِالسَّكِينَةِ وَالْوَقَارِ

8১৫. অনুচ্ছেদঃ তাড়াহুড়া করে সালাতের দিকে দৌড়াতে নেই বরং শান্ত ও ধীরস্থিরভাবে দাঁড়াবে।

حَدَّثَنَا أَبُو نُعَيْمٍ قَالَ حَدَّثَنَا شَيْبَانُ عَنْ يَحْيِى عَنْ عَبْدِ اللهِ بْنِ أَبِي قَتَادَةَ عَنْ أَبِيهِ قَالَ قَالَ رَسُولُ اللهِ عَنْ اللهِ بْنِ أَبِي قَتَادَةَ عَنْ أَبِيهِ قَالَ قَالَ رَسُولُ اللهِ عَلَيْكُم بِالسَّكَيْنَةِ تَابَعَهُ عَلِي بُنُ الْمُبَارَكِ • الله عَلَيْ إِذَا أُقَيْمَتِ الصَّلَاةُ فَلاَ تَقُومُوا حَتَّى تَرَوْنِي وَعَلَيْكُم بِالسَّكَيْنَةِ تَابَعَهُ عَلِي بُنُ الْمُبَارَكِ •

৬১০ আবৃ নু'আইম (র.)......আবৃ কাতাদা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, রাসূলুল্লাহ্ ক্রিট্রে . বলেছেন ঃ সালাতের ইকামত হলে আমাকে না দেখা পর্যন্ত তোমরা দাঁড়াবে না । ধীরস্থিরতার প্রতি লক্ষ্য রাখা তোমাদের জন্য একান্ত আবশ্যক। আলী ইব্ন মুবারক (র.) হাদীস বর্ণনায় শায়বান (র.)-এর অনুসরণ করেছেন।

# ٤١٦. بَابُ: هَلْ يَخُرُجُ مِنَ الْمَسْجِدِ لِمِلْةٍ

৪১৬. অনুচ্ছেদ ঃ কোন কারণে মসজিদ থেকে বের হওয়া যায় কি ?

711 حَدُّثَنَا عَبُدُ الْعَزِيْزِ بَنُ عَبُدُ اللهِ قَالَ حَدُّثَنَا ابْرَاهِيْمُ بَنُ سَعُدٍ عَنْ صَالِحِ بَنِ كَيْسَانَ عَنِ ابْنِ اللهِ عَنْ أَبِي سَلَمَةَ عَنْ أَبِي هُرَيْرَةَ أَنَّ رَسُولَ اللهِ عَيْلِهِ خَرَجَ وَقَدُ الْقِيْسَمَةِ الصَّلَاةُ وَعُدِّلَتِ الصَّفُونُ شَهَابٍ عَنْ أَبِي سَلَمَةَ عَنْ أَبِي هُرَيْرَةَ أَنَّ رَسُولَ اللهِ عَلَيْهِ خَرَجَ وَقَدُ الْقِيْسَمَةِ الصَّلَاةُ وَعُدِّلَتِ الصَّفُونُ وَ مَعْدَلَاهُ اللهِ عَلَى هَمَكَثُنَا عَلَى هَيَسَلَاهُ الْمَنْ فَمُكَثَنَا عَلَى هَيَسَتَنِا خَرَجَ اللهَا يَثَمُ فَمَكَثُنَا عَلَى هَيَسَتَنِا خَرَجَ اللهَاللهِ عَلَى مَكَانِكُمْ فَمَكَثَنَا عَلَى هَيَسَتَنِا خَرَجَ اللهَ يَنْطُفُ رَأُسُهُ مَاءً وَقَدُ اعْتَسَلَ .

৬১১ আবদুল আযীয ইব্ন আবদুল্লাহ্ (র.)......আবৃ হুরায়রা (রা.) থেকে বর্ণিত, একবার রাস্লুল্লাহ্ ক্রিক্র আপন হুজরা থেকে সালাতের জন্য তাশরীফ নিয়ে আসলেন। এদিকে সালাতের ইকামত দেওয়া হয়েছে এবং কাতার সোজা করে নেওয়া হয়েছে, এমন কি তিনি মুসাল্লায় দাঁড়ালেন, আমরা তাক্বীরের অপেক্ষা করছি, এমন সময় তিনি ফিরে গেলেন এবং বলে গেলেন তোমরা নিজ নিজ স্থলে অপেক্ষা কর। আমরা নিজ নিজ অবস্থায় অপেক্ষা করতে থাকলাম। শেষ পর্যন্ত তিনি তাশরীফ নিয়ে আসলেন, তাঁর মাথা মুবারক থেকে পানি টপকে পড়ছিল এবং তিনি গোসল করে এসেছিলেন।

# ٤١٧. بَابُ إِذَا قَالَ الْإِمَامُ مَكَانَكُمْ حَتَّى آرْجِعَ انْتَظَرُقُهُ

8১৭. অনুচ্ছেদঃ ইমাম যদি বলেন, আমি ফিরে আসা পর্যন্ত তোমরা অপেক্ষা কর, তাহলে মুক্তাদীগণ তার জন্য অপেক্ষা করবে।

٦١٢ حَدَّثْنَا السَّحَاقُ قَالَ حَدَّثَنَا مُحَمَّدُ بُنُ يُوسُفُ قَالَ حَدَّثْنَا الْأَوْزَاعِي عَنِ الزَّهْرِي عَنْ أَبِي سَلَّمَةً بُنِ

عَبْدِ الرَّحْمَٰنِ عَنْ أَبِي هُرَيْرَةَ قَالَ القِيْمَةِ الصَّلَاةُ فَسَوَّى النَّاسُ صَفُوْفَهُمْ فَخَرَجَ رَسُولُ اللهِ عَلِيْكُ فَتَقَدَّمَ وَهُوَ جُنُبُ ثُمَّ قَالَ عَلَى مَكَانِكُمْ فَرَجَعَ فَاغْتَسَلَ ثُمَّ خَرَجَ وَرَأْسُهُ يَقْطُرُ مَاءً فَصَلِّى بِهِمْ •

৬১২ ইসহাক (র.)......আবৃ হুরায়রা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, (একবার) সালাতের ইকামত দেওয়া হয়ে গেছে, লোকেরা তাদের কাতার সোজা করে নিয়েছে, রাস্লুল্লাহ্ ক্রিয়ে আসলেন এবং সামনে এগিয়ে গেলেন, তখন তাঁর উপর গোসল ফর্য ছিল। তিনি বললেন ও তোমরা নিজ নিজ জায়গায় অপেক্ষা কর। এরপর তিনি ফিরে গেলেন এবং গোসল করলেন, তারপর ফিরে আসলেন, তখন তাঁর মাথা মুবারক থেকে পানি টপ্টপ্ করে পড়ছিল। এরপর সবাইকে নিয়ে সালাত আদায় করলেন।

#### ٤١٨. بَابُ قُولُ الرَّجُلِ مَا صَلَّيْنَا

৪১৮. অনুচ্ছেদ ঃ 'আমরা সালাত আদায় করিনি' কারোও এরূপ বলা।

الله اَنْ النّبِي عَنِي اَلْهُ مَالَ حَدُنْنَا شَيْبَانُ عَنْ يَحْيَى قَالَ سَمَعْتُ اَبَا سَلَمَةً يَقُولُ اَخْبَرَنَا جَابِرُ بَنْ عَبُد اللهِ اللهِ مَاكِدُتُ اَنْ اُصَلِّي حَتَّى كَادَت الشّمْسُ تَغْرُبُ وَذَاكَ بَعْدَ مَا اَفْطَرَ الصَّائِمُ، فَقَالَ النّبِي عَنِي الْفَصْدر بَعْد مَا غَرَبَتِ الشّمْسُ ثُمْ صَلَّى بَعْدهَا الْمَغْرب كَانَت الشّمْسُ تَغْرب وَذَاكَ بَعْدَ مَا اَفْطَرَ الصَّائِمُ، فَقَالَ النّبِي عَنِي الْفَصْدر بَعْد مَا غَرَبَتِ الشّمْسُ ثُمْ صَلَّى بَعْدهَا الْمَغْرب كَانَت الشّمْسُ ثُمْ صَلَّى بَعْدها الْمَغْرب كَانَت الشّمُسُ ثُمْ صَلَّى بَعْدها الْمَغْرب كَانَت الشّمُسُ ثُمْ صَلَّى يَعْنِي الْفَصْدر بَعْد مَا غَرَبَتِ الشّمُسُ ثُمْ صَلَّى بَعْدها الْمَغْرب كَانَا مَعَهُ فَتَوَضّا ثُمُ صَلَّى يَعْنِي الْفَصْدر بَعْد مَا غَرَبَتِ الشّمُسُ ثُمْ صَلَّى بَعْدها الْمَغْرب كَانَت الشّمُسُ ثُمْ صَلَّى بَعْدها الْمَغْرب كَانَ اللّهِ مَا الله وَاللّه وَالله وَلِي وَالله وَ

# ٤١٩. بَابُ الْإِمَامِ تَعْرِضُ لَهُ الْمَاجِةُ بَعْدَ الْإِقَامَةِ

৪১৯. অনুচ্ছেদ ঃ ইকামতের পর ইমামের কোন প্রয়োজন দেখা দিলে।

آلاً حَدُّثُنَا أَبُو مَعْمَرٍ عَبُدُ اللهِ بْنُ عَمْرٍ قَالَ حَدُّثُنَا عَبُدُ الْوَارِثِ قَالَ حَدُّثُنَا عَبُدُ الْعَزِيْزِ بْنِ صَهُيبٍ عَنْ اَنْسِ قَالَ أَتِيْمَتِ الصَّلَاةُ وَالنَّبِيُ عَلَيْهِ يُنَاجِي رَجُلاً فِيْ جَانِبِ الْمَسْجِدِ فَمَا قَامَ الِي الصَّلَاةِ حَتَّى نَامَ القَنْمُ .

৬১৪ আবু মা'মার আবদুল্লাহ্ ইব্ন আমর (র.).....আনাস (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, সালাতের ইকামত হয়ে গেছে তখনও নবী ক্রিক্রি মসজিদের এক পাশে এক ব্যক্তির সাথে একান্তে কথা বলছিলেন, অবশেষে যখন লোকদের ঘুম আসছিল তখন তিনি সালাতে দাঁড়ালেন।

# ٤٢٠. بَابُ الْكَلاَمِ إِذَا أُقِيْمَتِ الصَّلاَةُ

৪২০. অনুচ্ছেদঃ সালাতের ইকামত হয়ে গেলে কথা বলা।

الرجل يتكلّم بعد مانقام المسلاة فحد ثنن عبد الاعلى قال حدثنا حميد قال سالت ثابتا البناني عن الرجل الرجل يتكلّم بعد مانقام المسلاة فحدثني عن انس بن مالك قال أقيمت المسلاة فعرض النبي علي المسلاة فعرض النبي عن السبة بعد ما أقيمت المسلاة فعرض النبي عن انس بن مالك قال أقيمت المسلاة فعرض النبي عن المسلاة فعرض النبي عن المسلاة بعد ما أقيمت المسلاة فعرض النبي عن المسلاة فعرض المسلاة فعرض

# ٤٢١. بَابُ وَجُوب صِلاَة الْجَمَاعَة وَقَالَ الْعَسنَ أَنْ مَنْعَتهُ أُمُّهُ عَنِ الْعِشَاءِ فِي الْجِمَاعَة شَفَقة لَمْ يُطِقْهَا

৪২১. অনুচ্ছেদ ঃ জামা'আতে সালাত আদায় করা ওয়াজিব। হাসান বাসরী রে.) বলেন, কোন মা যদি তার সন্তানের প্রতি স্নেহবশত ইশার সালাত জামা'আতে আদায় করতে নিষেধ করেন, তাবে এ ব্যাপারে সন্তান তার মায়ের আনুগত্য করবে না।

٦١٦ حَدُّثَنَا عَبْدُ اللَّهِ بْنُ يُوسُفَ قَالَ أَخْبَرَنَا مَالِكُ عَنْ أَبِيُ الزِّنَادِ عَنِ الْاَعْرَجِ عَنْ أَبِي هُرَيْرَةَ اَنْ رَسُولَ اللَّهِ عَنْ أَبِي الْأَبِيَّةِ قَالَ وَالَّذِي نَفْسِي بَيْدِهِ لَقَدُ هَمَمْتُ اَنْ أَمُرَ بِحَطَبٍ فَيُحْطَبَ ثُمُّ أَمُرَ بِالصَّلَاةِ فَيُؤَذُّنُ لَهَا ثُمُّ أَمُرَ رَجَلاً فَيَوْمُ النَّاسَ ثُمُّ الْحَالِفَ الِي رِجَالِ فَأَحُرِقُ عَلَيْهِمْ بُيُوتَهُمْ ، وَالَّذِي نَفْسِي بِيَدِهِ لَوْ يَعْلَمُ اَحَدُهُمْ اَنْهُ يَجِدُ عَرْقًا سَمَيْنًا اَوْ مَرْمَاتَيْنَ حَسَنَتَيْنَ لَشَهِدَ الْعَشَاءَ .

৬১৬ আবদুল্লাহ্ ইব্ন ইউস্ফ (র.).....আবু হুরায়রা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, রাস্লুল্লাহ্ বলেছেন ঃ যে মহান সন্তার হাতে আমার প্রাণ, তাঁর কসম। আমার ইচ্ছা হয় , জ্বালানী কাঠ সংগ্রহ করতে আদেশ দেই, তারপর সালাত কায়েমের নির্দেশ দেই, এরপর সালাতের আযান দেওয়া হোক, বুখারী শরীফ (২)—৮

তারপর এক ব্যক্তিকে লোকদের ইমামতি করার নির্দেশ দেই। এরপর আমি লোকদের কাছে যাই এবং তাদের (যারা সালাতে শামিল হয় নাই) ঘর জ্বালিয়ে দেই। যে মহান সন্তার হাতে আমার প্রাণ, তাঁর কসম! যদি তাদের কেউ জানত যে, একটি গোশ্তহীন মোটা হাঁড় বা ছাগলের ভাল দু'টি পা পাবে তাহলে অবশ্যই সে ইশার জামা আতেও হাযির হত।

# ٤٢٢. بَابُ فَضْلُ صَلَاةٍ الْجَمَاعَةِ وَكَانَ الْأَسُودُ إِذَا فَاتَتُ الْجَمَاعَةُ ذَهَبَ الِي مَسْجِدٍ أَخَرَ، وَجَاءَ أَنْسُ إلى مَسْجِدٍ قَدُ مِنْكِي فِيْهِ فَأَذُّنَ وَأَقَامَ وَمِنْلِي جَمَاعَةُ

8২২. অনুচ্ছেদ ३ জামা'আতে সালাত আদায়ের ফযীলত । জামা'আত না পেলে আসওয়াদ देवन देशायीफ (রা.) অন্য মসজিদে চলে যেতেন । আনাস देवन মালিক (রা.) এমন এক মসজিদে গেলেন যেখানে ইকামত দিয়ে জামা'আতে সালাত আদায় করলেন । صَدَتْنَا عَبُدُ اللهِ بُنُ يُوسَفَ قَالَ أَخْبَرَنَا مَالِكُ عَنْ نَافِعٍ عَنْ عَبْدِ اللهِ بُنِ عُمْرَ اَنْ رَسُولَ اللهِ بَاللهِ بَاللهِ بَنْ عُمْرَ اَنْ رَسُولَ اللهِ بَاللهِ بَاللهُ بَاللهُ بَاللهِ بَاللهُ بَاللهِ بَاللهِ بَاللهِ بَاللهُ بَالل

ولا المَلاَئِكَةُ تُصَلِّى عَلَيْهِ مَادَامَ فِيْ مُصَلاَةُ اللَّهُمُّ صَللِ عَلَيْهِ اللَّهُمُّ الْحَمْدُة ، وَلا يَزَالُ اَحَدُكُمْ فِي صَلاَةً مَا اللَّهُمُّ مَللَ عَلَيْهِ اللَّهُمُّ اللَّهُمُّ مَاللَةً مَا المَحْدُدُ اللَّهُمُ مَاللَةً مَا المَحْدُدُ المَاكِدَةُ المَاكِةُ المَاكِدَةُ المَاكِنَةُ المَاكِنَا المَنْكُونَةُ المَاكِنَالُ المَلْكَافِي المَاكِنَالُ المَاكِنَالُ المَاكِنَالِ المَاكِنَالِ المَاكِنَالِ المَاكِنَانُ المَاكِنَا المَاكِنَا المَلْكَافِي المَاكِنَا المَاكِنَالِ المَاكِنَامُ المَاكِنَا المَاكِ

৬১৮ মূসা ইব্ন ইসমাঈল (র.)......আবু হুরায়রা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, রাসূলুল্লাহ্ ক্রান্থের বাজেরে ও কোন ব্যক্তির জামা আতের সাথে সালাতের সাওয়াব, তার নিজের ঘরে বাজারে আদায়কৃত সালাতের সাওয়াব দ্বিতন করে পঁচিশ গুন বাড়িয়ে দেয়া হয়। এর কারণ এই যে, সে যখন উত্তমরূপে উযু করল, তারপর একমাত্র সালাতের উদ্দেশ্যে মসজিদে রওয়ানা করল তখন তার প্রতি কদমের বিনিময়ে একটি মর্তবা বৃদ্ধি করা হয় এবং একটি গুনাহ মাফ করা হয়। সালাত আদায়ের পর সে এ হাদীসে তথু পঁচিশ গুন বৃদ্ধি হওয়াই বলা হয়নি, বরু দ্বিগুন করে পঁচিশ গুন বাড়িয়ে দেওয়ার কথা বলা হয়েছে।

যতক্ষণ নিজ সালাতের স্থানে থাকে, ফিরিশ্তাগণ তার জন্য এ বলে দু'আ করতে থাকেন—"হে আল্লাহ্! আপনি তার উপর রহর্মত বর্ষণ করুন এবং তার প্রতি অনুহাহ করুন।" আর তোমাদের কেউ যতক্ষণ সালাতের অপেক্ষায় থাকে ততক্ষণ পর্যন্ত সে সালাতে রত বলে গণ্য হয়।

## ٤٢٣، بَابُ فَضْلِ صَلَاةِ الْفَجْرِ فِي جَمَاعَةِ

৪২৩. অনুচ্ছেদ ঃ জামা'আতে ফজরের সালাত আদায়ের ফ্যীলত।

آلاً حَدَّثَنَا أَبُو الْيَمَانِ قَالَ اَخْبَرُنَا شُعَيْبُ عَنِ الزُّهْرِيِّ قَالَ اَخْبَرَنِي سَعَيْدُ بْنُ الْلُسَيِّبِ وَاَبُو سَلَمَةَ بْنُ عَبْدِ الرَّحْمُنِ اَنْ اَبَا هُرَيْرَةَ قَالَ سَمِعْتُ رَسُولَ اللهِ عَلَيْكُ يَقُولُ تَفْضَلُ صَلَاةَ الْجَمِيْعِ صَلَاةَ احَدِكُمْ عَبْدِ الرَّحْمُنِ اَنْ اَبَا هُرَيْرَةَ قَالَ سَمِعْتُ رَسُولَ الله عَلَيْكُ النَّهَارِ فِي صَلَاةِ الْفَجْرِ ثُمَّ يَقُولُ اَبُق هُرَيْرَةً وَتَجْتَمِعُ مَلاَئِكَةُ اللَّيْلِ وَمَلاَئِكَةُ النَّهَارِ فِي صَلَاةِ الْفَجْرِ ثُمَّ يَقُولُ اَبُق هُرَيْرَةً فَالَ شَعْدَيْهُ وَحَدَّثَنِي نَافِعُ عَنْ عَبْدِ اللهِ بْنِ عُمْرَ قَالَ فَا اللهِ بَنِ عُمْرَ قَالَ شَعْدَيْهُ وَحَدَّثَنِي نَافِعُ عَنْ عَبْدِ اللهِ بْنِ عُمْرَ قَالَ تَفْعَلُهُ إِللهِ بَنِ عُمْرَ قَالَ شَعْدَيْهُ وَحَدَّثَنِي نَافِعُ عَنْ عَبْدِ اللهِ بْنِ عُمْرَ قَالَ تَفْعَلُهُ إِللهِ بَنِ عُمْرَ قَالَ شَعْدَيْهُ وَحَدَّثَنِي نَافِعُ عَنْ عَبْدِ اللهِ بْنِ عُمْرَ قَالَ مَثْعَلِهُ وَحَدَّثُنِي نَافِعُ عَنْ عَبْدِ اللهِ بْنِ عُمْرَ قَالَ تَفْعَلُهُ إِن شَيْدُهُ وَعِشْرِيْنَ دَرَجَةً .

ভ১৯ আবুল ইয়ামান (র.)......আবৃ হুরায়রা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আমি রাস্লুল্লাহ্ কিন্তু -কে বলতে ওনেছি যে, জামা আতের সালাত তোমাদের কারো একাকী সালাত থেকে পঁচিশ গুন বেশী মর্তবা রাখে। আর ফজরের সালাতে রাতের ও দিনের ফিরিশ্তারা সমিলিত হয়। তারপর আবৃ হুরায়রা (রা.) বলতেন, তোমরা চাইলে (এর প্রমাণ স্বরূপ)- ' اَنْ قُرُّانَ الْفَجْرِ كَانَ مَشْ لَهُوْدًا ' - ফজরের সালাতে উপস্থিত হয় (ফিরিশ্তাগণ)। এ আয়াত পাঠ কর। ও আইব (র.) বলেন, আমাকে নাফি (র.) আবদুল্লাহ্ ইব্ন উমর (রা.) থেকে বর্ণনা করে ওনিয়েছেন যে, জামা আতের সালাত একাকী সালাত থেকে সাতাশ গুন বেশী মর্তবা রাখে।

الدُّرُدَاءِ وَهُوَ مُفْتِضَبُ فَقُلْتُ مَا اَغْتَضَبَكَ فَقَالَ وَاللَّهِ مَا اَعْترفُ مِنْ اُمَّةٍ مُحَمَّدٍ عَلَيْ شَيْتَنَا الْأَالَةِ مَا اَعْترفُ مِنْ اُمَّةٍ مُحَمَّدٍ عَلَيْكُ شَيْتَنَا الْأَالَةِ مَا اَعْترفُ مِنْ اُمَّةٍ مُحَمَّدٍ عَلَيْكُ شَيْتَنَا الْأَالَةُ مَا اَعْترفُ مِنْ اُمَّةٍ مُحَمَّدٍ عَلَيْكُ شَيْتَنَا الْأَالَةُ مَا اَعْترفُ مِنْ اُمَّةٍ مُحَمَّدٍ عَلَيْكُ شَيْتَنَا الْأَالَةُ مَا اَعْترفُ مَنْ اُمَّةً مُحَمَّدٍ عَلَيْكُ اللَّهُ مَا اَعْترفُ مَنْ المَّا اللهُ مَا اَعْترفُ مَنْ المَّا اللهُ مَا المُعْتَلِقُ اللهُ مَا المُعْتَلِقُ مَا المُعْتَلِقُ اللهُ مَا المُعْتِقُونَ مَنْ المَّا اللهُ مَا المُعْتِقُونَ مَنْ المَّا اللهُ مَا المُعْتَلِقُ اللهُ مَا المُعْتِقُونَ مُنْ المَّةِ مُحَمِّدٍ عَلَيْكُ اللهُ مَا المُعْتِقُونَ مَنْ المَّا اللهُ مَا المُعْتَلُقُ مَا المُعْتَلِقُ اللهُ مَا المُعْتِقُونَ مُعْتَالُ مَا المُعْتِقُونَ مُعْتَلِقُ مُنْ المَّا اللهُ مَا المُعْتِقُونَ مُنْ المَّا اللهُ مَا المُعْتِقُونَ مُعْتَلِقًا اللهُ اللهُ مَا المُعْتَلُونُ مَنْ المَّا اللهُ مَا المُعْتَلِقُونَ مُعْتَلُونَ مَنْ المُالِقُ اللّهُ مِنْ المُعْتِقُ مُنْ المُعْتَلِقُ مُ اللّهُ مِنْ المُعْتَلُقُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ مِنْ الْمُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ مِنْ الْمُعْتَلِقُ اللّهُ اللّهُ

৬২০ উমর ইব্ন হাফ্স (র.).....উমে দারদা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, একদিন আবু দারদা (রা.) রাগান্থিত অবস্থায় আমার নিকট আসলেন। আমি জিজ্ঞাসা করলাম, কিসে তোমাকে রাগান্থিত করেছে ? তিনি বললেন, আল্লাহ্র কসম মুহাম্মদ ক্রিম্মি উমাতের মধ্যে জামা আতে সালাত আদায় করা ব্যতীত তাঁর তরীকার আর কিছুই দেখছি না। (এখন এতেও ক্রটি দেখছি)

٦٢١ حَدَّثْنَا مُحَمَّدُ بْنُ الْعَلاءِ قَالَ حَدَّثْنَا اَبُو اُسَامَةَ عَنْ بُرَيْدِ بْنِ عَبْدِ اللهِ عَنْ اَبِي بُرْدَةَ عَنْ اَبِي

مُوسَىٰ قَالَ قَالَ النَّبِيُ عَلَيْهُ اعْظُمُ النَّاسِ اَجْرًا فِي الصَّلاَةِ اَبْعَدُهُمْ فَابْعَدُهُمْ مَمْ شَى ، وَالَّذِي يَنْتَظِرُ الصَّلاَةَ وَابْعَدُهُمْ فَابْعَدُهُمْ مَمْ شَى ، وَالَّذِي يَنْتَظِرُ الصَّلاَةَ حَتَى يُصلَيِّيهَا مَعَ الْاِمَامِ اَعْظَمُ اَجْرًا مِنَ الَّذِي يُصلِّي ثُمْ يَنَامُ .

ড২১ মুহাম্মদ ইব্ন আলা (র.)......আবৃ মূসা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী ক্রিট্রের বলেছেন ৪ (মসজিদ থেকে) যে যত বেশী দূরত্ব অতিক্রম করে সালাতে আসে, তার ততবেশী সাওয়াব হবে। আর যে ব্যক্তি ইমামের সাথে সালাত আদায় করা পর্যন্ত অপেক্ষা করে, তার সাওয়াব সে ব্যক্তির চাইতে বেশী, যে একাকী সালাত আদায় করে ঘুমিয়ে পড়ে।

# ٤٢٤. بَابُ فَضْلِ التَّهُجِيْرِ الِي الظُّهْرِ

৪২৪. অনুচ্ছেদঃ আউয়াল ওয়াক্তে যুহরের সালাতে যাওয়ার ফ্যীলত।

آلاً حَدَّثَنَا تُتَدَبَّبَةُ عَنْ مَالِكٍ عَنْ سُمَيٍّ مَوْلَى أَبِي بَكْرٍ عَنْ أَبِي صَالِحٍ السَّمَّانِ عَنْ أَبِي هُرَيْرَةَ أَنَّ رَسُولَ اللهِ عَلِي الطَّرِيْقِ فَاخَرَهُ فَشَكَرَ اللهُ لَهُ فَغَفَر رَسُولَ اللهِ عَلِي الطَّرِيْقِ فَاخْرَهُ فَشَكَرَ اللهُ لَهُ فَغَفَر لَسُولَ اللهِ عَلَى الطَّرِيْقِ فَاخْرَهُ فَشَكَرَ الله لَهُ فَغَفَر لَسُولَ اللهِ عَلَى الطَّرِيْقِ فَاخْرَهُ فَشَكَرَ الله له فَغَفَر لَهُ ثُمَّ قَالَ الشَّهْدَاءُ خَمْسَةُ الْمَطْعُونُ وَالْمَبْطُونُ وَالْغَرِيْقُ وَصَاحِبُ الْهَدْمِ وَالشَّهِيدُ فِي سَبِيلِ اللهِ ، وَقَالَ لَوْ يَعْلَمُونَ مَا فِي النِّذِاءِ وَالصَّفِّ الْاَوْلِ، ثُمَّ لَمْ يَجِدُوا الِلاَ أَنْ يَسْتَهِمُوا لاَسْتَهِمُوا عَلَيْهِ وَلَوْ يَعْلَمُونَ مَا فِي النَّذِاءِ وَالصَّفِ الْاَوْلِ، ثُمَّ لَمْ يَجِدُوا الِلاَ أَنْ يَسْتَهِمُوا لاَسْتَهِمُوا عَلَيْهِ وَلَوْ يَعْلَمُونَ مَا فِي الْعَنْمَةِ وَالصَّبْحِ لاَتَرْهُمَا وَلَوْ حَبُولً .

ড২২ কুতাইবা (র.).......আবৃ হুরায়রা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, রাস্লুল্লাহ্ কুল্লাহ্ বলেছেন ঃ
এক ব্যক্তি রাস্তা দিয়ে চলার সময় রাস্তায় একটি কাটায়ুক্ত ডাল দেখে তা সরিয়ে ফেলল। আল্লাহ্
তা আলা তার এ কাজ সাদরে কবুল করে তার গুনাহ মাফ করে দিলেন। এরপর রাস্লুল্লাহ্
কুল্লাল্লবলনে ঃ
শহীদ পাঁচ প্রকার – ১. প্লেগে মৃত ব্যক্তি ২. কলেরায় মৃত ব্যক্তি ৩. নিমজ্জিত ব্যক্তি ৪. চাপা পড়ে মৃত
ব্যক্তি এবং ৫. আল্লাহ্র পথে (জিহাদে) শহীদ। তিনি আরও বলেছেন ঃ মানুষ যদি আযান দেওয়া, প্রথম
কাতারে সালাত আদায় করার কী ফ্যীলত তা জানত, কুরআহ্র মাধ্যমে সিদ্ধান্ত গ্রহণ করা ছাড়া সে
সুযোগ না পেত, তাহলে কুরআহ্র মাধ্যমে হলেও তারা সে সুযোগ গ্রহণ করত। আর আউয়াল ওয়াক্ত
(য়ৃহরের সালাতে যাওয়ার) কী ফ্যীলত তা যদি মানুষ জানত, তাহলে এর জন্য তারা অবশ্যই সর্বাপ্রে
যেত। আর ইশা ও ফল্লরের সালাত (জামা আতে) আদায়ে কী ফ্যীলত, তা যদি তারা জানত তা হলে
হামাওড়ি দিয়ে হলেও তারা (জামা আতে) উপস্থিত হতো।

# ٤٢٥ . بَابُ اِحْتِسِنَابِ الْأَثَارِ

৪২৫. অনুচ্ছেদ ঃ (মসজিদে গমনে) প্রতি কদমে সাওয়াবের আশা রাখা।

٦٣٣ حَدُثْنَا مُحَمَّدُ بْنُ عَبْدِ اللهِ بْنِ حَنْشَبٍ قَالَ حَدُثْنَا عَبْدُ الْوَهَّابِ قَالَ حَدُثْنَا حُمَيْدُ عَنْ اَنْسٍ قَالَ النّبِيُ عَبِيْكُ عَابَنِيْ سَلِمَةَ الاَ تَحْتَسَبُوْنَ اَثَارَكُمْ وَقَالَ ابْنُ أَبِيْ مَرْيَمَ اَخْبَرَنَا يَحْيَى بُنُ أَيُّوبَ حَدُّثَنِي قَالَ النّبِي عَبِي اللّهِ عَبِي اللّهِ عَلَيْ اللّهِ عَلَيْ اللّهِ عَلَيْكُ قَالَ مُجَاهِدٍ خُطَاهُمُ أَثَارُهُمْ اَنْ يُعْدُوا فَقَالَ الاَ تَحْتَسَبُونَ اَثَارَكُمْ قَالَ مُجَاهِدٍ خُطَاهُمُ أَثَارُهُمْ اَنْ يُعْشَى فِي الْاَرْضِ بِأَرْجُلِهِمْ .

৬২৩ মুহামদ ইব্ন আবদুল্লাহ্ ইব্ন হাওশাব (র.)......আনাস ইব্ন মালিক (রা.) থেকে বর্ণিত তিনি বলেন, রাস্লুল্লাহ্ বললেন ঃ হে বনী সালিমা! তোমরা কি (স্বীয় আবাস স্থল থেকে মসজিদে আসার পথে) তোমাদের পদচিহত্তলোর সাওয়াব কামনা কর না । ইব্ন মারইয়াম (র.) আনাস (রা.) থেকে বর্ণিত যে, বনী সালিমা গোত্রের লোকেরা নিজেদের ঘর-বাড়ী ছেড়ে নবী ক্রিট্রা-এর কাছে এসে বসতি স্থাপন করতে চেয়েছিল। আনাস (রা.) বলেন, কিন্তু মদীনার কোন এলাকা একেবারে শূন্য হওয়াটা নবী ক্রিট্রা পসন্দ করেন নাই। তাই তিনি বললেন ঃ তোমরা কি (মসজিদে আসা যাওয়ায়) তোমাদের পদচিহত্তলোর সাওয়াব কামনা কর না । ক্রআনে উল্লেখিত 'ব্রিটা' শব্দের ব্যাখ্যা সম্পর্কে মুজাহিদ (র.) বলেন, 'ব্রিটা' অর্থ পদক্ষেপ। অর্থাৎ যমীনে পায়ে চলার চিহ্নসমূহ।

# ٤٢٦. بَابُ فَضْلِ صِلْوَاةِ الْمِشَاءِ فِي الْجَمَاعَةِ

৪২৬. অনুচ্ছেদ ঃ ইশার সালাত জামা আতে আদায় করার ফ্যীলত।

آلاً حَدُّثُنَا عُمَرُ بَنُ حَقْصٍ قَالَ حَدَّثَنَا أَبِى حَدُّثَنَا الْاَعْصِمَسُ قَالَ حَدُّثَنِي أَبُو صَالِحٍ عَنْ أَبِي هُرَيْرَةَ قَالَ قَالَ النَّبِيُّ عَلَيْكُ لَيْسَ صَلَاةً اَثْقَلَ عَلَى الْمُنَافِقِيْنَ مِنَ الْفَجْرِ وَالْعِشَاءِ وَلَوْ يَعْلَمُونَ مَافِيْهِمَا لاَتَوْهُمَا قَالَ قَالَ النَّبِيُ عَلَيْكُ لَيْسَ صَلَاةً اَثْقَلَ عَلَى الْمُنَافِقِيْنَ مِنَ الْفَجْرِ وَالْعِشَاءِ وَلَوْ يَعْلَمُونَ مَافِيْهِمَا لاَتَوْهُمَا وَلَوْ يَعْلَمُونَ مَافِيْهِمَا لاَتَوْهُمَا وَلَوْ يَعْلَمُونَ مَافِيهِمَا لاَتَوْهُمَا وَلَوْ يَعْلَمُونَ مَافِيهِمَا لاَتَوْهُمَا وَلَوْ يَعْلَمُونَ مَافِيهِمِا لاَتَوْهُمَا وَلَوْ مَنْ اللّهُ عَلَيْكُ اللّهُ وَلَا لَا اللّهُ وَلَا لَكُونَ مَافِيهِمَا لاَتَوْهُمُا وَلَوْ مَنْ لاَ يَخُرُجُ اللّهُ اللّهُ مِنْ نَادٍ فِقُولُهُمْ اللّهُ اللّهُ مِنْ لاَ يَخُرُجُ إِلَى الصَلّاةِ بَعْدُ .

৬২৪ উমর ইব্ন হাফ্স (র.)..........আরু হুরায়রা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন যে, নবী বলেছেন ঃ মুনাফিকদের উপর ফজর ও ইশার সালাতের চাইতে অধিক ভারী সালাত আর নেই। এ দু' সালাতের কী ফ্যীলত, তা যদি তারা জানত, তা হলে হামাওঁড়ি দিয়ে হলেও তারা উপস্থিত হত। (রাস্লুলাহ্ ক্রিড্রা বলেন) আমি সংকল্প করেছিলাম যে, মুআয্যিনকে ইকামত দিতে বলি এবং কাউকে লোকদের ইমামতি করতে বলি, আর আমি নিজে একটি আগুনের মশাল নিয়ে গিয়ে এরপরও যারা সালাতে আসেনি, তাদের উপর আগুন ধরিয়ে দেই।

#### \$ ٤٢٧. بَابُ اثْنَانِ فَمَا فَوْقَهُمَا جُمَاعَةُ

৪২৭. অনুচ্ছেদ ঃ দু' ব্যক্তি বা তার বেশী হলেই জামা'আত।

٦٢٥ حَدُّثُنَا مُسَدُّدٌ قَالَ حَدُّثُنَا يَزِيْدُ بْنُ زُرَيْمٍ قَالَ حَدُّثُنَا خَالِدُ عَنْ أَبِي قِلاَبَةَ عَنْ مَالِكِ بْنِ الْحَوَيْرِثِ عَنِ الْحَوْيَرِثِ عَنِ الْحَوْيَرِثِ عَنِ الْحَوْيَرِثِ عَنِ الْحَوْيَرِثِ عَنِ الْحَوْيَرِثِ عَنِ الْحَوْيَرِثِ عَنِ الْحَوْيَمَا ثُمُّ لِيَوْمُكُمَا اكْبَركُما .

৬২৫ মুসাদ্দাদ (র.)....মালিক ইব্ন হুওয়াইরিস (রা.) সূত্রে নবী ক্রিট্রেই থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন ঃ যখন সালাতের সময় হয়, তখন তোমাদের দু'জনের একজন আযান দিবে এবং ইকামত বলবে। তারপর তোমাদের দু'জনের মধ্যে যে অধিক বয়স্ক সে ইমামতি করবে।

## ٤٢٨. بَابُ مَنْ جَلَّسَ فِي الْمَسْجِدِ يَنْتَظِرُ الصَّلَّاةَ وَفَضْلُ الْمَسْاجِدِ

8২৮. অনুচ্ছেদ ঃ যিনি সালাতের অপেক্ষায় মসজিদে বসে থাকেন, তাঁর এবং মসজিদের ফ্যীলত।

٦٢٦ حَدُّثُنَا عَبُدُ اللَّهِ بِنُ مَسْلَمَةٍ عَنْ مَالِكٍ عَنْ أَبِي الزِّنَادِ عَنِ الْاَعْرَجِ عَنْ أَبِي هُرَيْرَةَ اَنْ رَسُولَ اللهِ عَنْ أَبِي الزِّنَادِ عَنِ الْاَعْرَجِ عَنْ أَبِي هُرَيْرَةَ اَنْ رَسُولَ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ أَبِي الْإِنَّادِ عَنِ الْاَعْرَجِ عَنْ أَبِي هُرَيْرَةَ اللهِ الْمُلْائِكَةُ تُصَلِّي عَلَى اَحَدِكُمْ مَادَامَ فِي مُصِلَاةً مَالَمْ يُحْدِثُ اللهُمُ اغْفِرلَهُ اللهُمُ ارْحَمْهُ لاَ يَزَالُ الْحَدُكُمْ فِي صَلَاةٍ مُادَامَتِ الصَّلَاةُ تَحْبِسُهُ لاَيَمْنَعُهُ اَنْ يَنْقَلَبَ اللهِ اللهِ الصَّلَاةُ مُادَامَتِ الصَّلَاةُ مَادَامَ فِي مَنْعَهُ اَنْ يَنْقَلِبَ الْي آهْلِهِ الْأَ الصَّلَاةُ مُ

ড২৬ আবদুল্লাহ্ ইব্ন মাসলামা (র.).....আবৃ হুরায়রা (রা.) থেকে বর্ণিত যে, রাসূলুল্লাহ্ ক্রান্ট্রের বলেছেন ঃ তোমাদের কেউ যতক্ষণ তার সালাতের স্থানে থাকে তার উয় ভংগ না হওয়া পর্যন্ত তার জন্য ফিরিশ্তাগণ এ বলে দু'আ করেন যে, ইয়া আল্লাহ্ ! আপনি তাকে মাফ করে দিন, ইয়া আল্লাহ্ ! আপনি তার উপর রহম করুন। আর তোমাদের মধ্যে যে ব্যক্তির সালাতই তাকে বাড়ী ফিরে যাওয়া থেকে বিরত রাখে, সে সালাতে রত আছে বলে গণ্য হবে।

آلاً مَدُثْنَا مُحَمَّدُ بْنُ بَشَّارٍ قَالَ حَدَّثَنَا يَحْلِى عَنْ عُبَيْدِ اللهِ قَالَ حَدَّثَنِى خُبَيْبُ بْنُ عَبْدِ الرَّحْمَٰنِ عَنْ عَبْدِ اللهِ قَالَ سَبْعَةُ يُظلِّهُمُ اللهُ فِي ظلِّهِ يَوْمَ لاَ ظلِّ الاَّ ظلِّهُ : حَفْصِ بْنِ عَاصِمٍ عَنْ أَبِي هُرَيْرَةَ عَنِ النَّبِيِ عَلَيْ قَالَ سَبْعَةُ يُظلِّهُمُ اللهُ فِي ظلِّه بِيْمَ لاَ ظلِّ الاَّ ظلِّهُ : الْاَمِامُ الله فِي الله عَلَيْ وَرَجُلاَنِ تَحَابًا فِي الله الله الله عَلَيْهِ وَرَجُلاً وَيَعْلَمُ الله مَعْلَقُ فِي السَّهِدِ ، وَرَجُلاَنِ تَحَابًا فِي الله إلاَّ عَلَيْهِ وَرَجُلاً مَا تُنْفِقُ يَمِيْنُهُ وَرَجُلُ قَلْتَهُ مِنْ الله خَالِيا فَقَالَ انِي اَخَافُ الله ، وَرَجُلُ تَصَدَّقَ الله عَلَيْهِ وَرَجُلُ مَا تُنْفِقُ يَمِيْنُهُ وَرَجُلُ ذَكَرَ الله خَالِيا فَقَاضَتْ عَيْنَاهُ .

ড২৭ মুহাম্মদ ইব্ন বাশ্শার (র.)......আবূ হুরায়রা (রা.) থেকে বর্ণিত, নবী ক্রিট্রা বলেন, যে দিন আল্লাহ্র (রহমতের) ছায়া ব্যতীত অন্য কোন ছায়া থাকবে না, সেদিন সাত ব্যক্তিকে আল্লাহ্ তা'আলা

তাঁর নিজের (আরশের) ছায়ায় আশ্রয় দিবেন। ১. ন্যায়পরায়ণ শাসক, ২. সে যুবক যার জীবন গড়ে উঠেছে তার রবের ইবাদতের মধ্যে, ৩. সে ব্যক্তি যার কলব মসজিদের সাথে লাগা রয়েছে, ৪. সে দু' ব্যক্তি যারা পরস্পরকে ভালবাসে আল্লাহ্র ওয়াস্তে, একত্র হয় আল্লাহ্র জন্য এবং পৃথকও হয় আল্লাহ্র জন্য, ৫. সে ব্যক্তি যাকে কোন উচ্চ বংশীয় রূপসী নারী আহ্বান জানায়, কিন্তু সে এ বলে তা প্রত্যাখ্যান করে যে, 'আমি আল্লাহ্কে ভয় করি', ৬. সে ব্যক্তি যে এমন গোপনে দান করে যে, তার ডান হাত যা খরচ করে বাম হাত তা জানে না, ৭. সে ব্যক্তি যে নির্জনে আল্লাহ্র যিক্র করে, ফলে তার দু' চোখ দিয়ে অশ্রুণ প্রবাহিত হয়।

النَّاسُ وَرَقَدُوا وَلَمْ تَزَالُوا فِي صَلاَة مِنْذُ انْتَظَرْتُمُوهَا قَالَ فَكَأْنِي ٱنْظُرُ إِلَى وَبَيْصِ خَاتَمهِ وَاللَّهِ مَا اللهِ عَلَيْها بِوَجْهِهِ بَعْدَ مَا صَلَّى فَقَالَ صَلَّى اللهِ عَلَيْها بِوَجْهِهِ بَعْدَ مَا صَلَّى فَقَالَ صَلَّى النَّاسُ وَرَقَدُوا وَلَمْ تَزَالُوا فِي صَلاَة مِنْذُ انْتَظَرْتُمُوهَا قَالَ فَكَأَنِي ٱنْظُرُ إِلَى وَبِيْصِ خَاتَمِهِ .

৬২৮ কুতাইবা (র.)......হুমাইদ (র.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আনাস (রা.)-কে জিজ্ঞাসা করা হল, রাস্লুল্লাহ্ কি আংটি ব্যবহার করতেন । তিনি বললেন, হাঁঁ। এক রাতে তিনি ইশার সালাত অর্ধরাত পর্যন্ত বিলম্বে আদায় করলেন। সালাত শেষ করে আমাদের দিকে মুখ ফিরায়ে বললেন, লোকেরা সালাত আদায় করে ঘুমিয়ে গেছে। কিন্তু তোমরা যতক্ষণ সালাতের জন্য অপেক্ষা করেছ, ততক্ষণ সালাতে রত ছিলে বলে গণ্য করা হয়েছে। আনাস (রা.) বলেন, এ সময় আমি রাস্লুল্লাহ্

## ٤٢٩. بَابُ فَضَلِ مَنْ غَدًا إِلَى الْمَسْجِدِ وَمَنْ رَاحَ

8২৯. অনুচ্ছেদঃ সকাল-বিকাল মসজিদে যাওয়ার ফ্যীলত।

٦٢٩ حَدُّثَنَا عَلِيٌّ بَنُ عَبْدِ اللَّهِ قَالَ حَدَّثَنَا يَزِيْدُ بَنُ هَارُونَ قَالَ اَخْبَرَنَا مُحَمَّدُ بَنُ مُطَرِّفٍ عَنْ زَيْدِ بَنِ اللَّهِ بَنِ يَسَارٍ عَنْ أَبِي هُرَيْرَةً عَنِ النَّبِيِّ عَيْنِ قَالَ مَنْ غَدَا الِي الْمَسْتِدِ وَرَاحَ اَعَدُّ اللَّهُ لَهُ لَكُمْ مَنْ الْجَنَّة كُلُّمَا غَدَا آوْرَاحَ .

৬২৯ আদী ইব্ন আবদুল্লাহ্ (র.)......আবৃ হুরায়রা (রা.) সূত্রে নবী ক্রিন্ত্র থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন ঃ যে ব্যক্তি সকাল বা বিকালে যতবার মসজিদে যায়, আল্লাহ্ তা'আলা তার জন্য জানাতে ততবার মেহমানদারীর আয়োজন করেন।

# ٤٣٠ بَابُ إِذَا أُقِيْمَتِ الصَّالاَةُ فَلاَ صَلاَةُ الِاَّ الْمَكْتُنْبَةَ

৪৩০. অনুচ্ছেদ ঃ ইকামত হয়ে গেলে ফর্য ব্যতীত অন্য কোন সালাত নেই।

حَدُّثَنَا عَبُدُ الْعَزِيْزِ بُنُ عَبُدُ اللَّهِ قَالَ مَدُّئُنَا ابْرَاهِيْمُ بُنُ سَعْدِ عَنْ أَبِيَهِ عَنْ حَفْصِ بُنِ عَاصِمِ عَنْ اللهِ بُنِ مَالِكِ ابْنِ بُحَيْنَةَ قَالَ مَرَّ النَّبِيُّ بِرَجُلٍ قَالَ وَحَدُّئَنِي عَبُدُ الرُّحُمُٰنِ قَالَ حَدُّئُنَا بَهُنُ بُنُ الْبَرَاهِيْمَ قَالَ سَمِعْتُ حَفْصَ ابْنَ عَاصِمِ قَالَ سَمِعْتُ رَجُلاً اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَى اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ عَلَى اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلْ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ

ভত০ আবদুল আযীয ইব্ন আবদুল্লাহ্ (র.)......আবদুল্লাহ্ ইব্ন মালিক ইব্ন বুহাইনা (রা.) থেকে বর্ণিড, তিনি বলেন, নবী ক্রিট্রে এক ব্যক্তির পাশ দিয়ে গেলেন। (অন্য সূত্রে ইমাম বুখারী (র.) বলেন, আবদুর রাহমান (র.).....হাফস ইব্ন আসিম (র.) থেকে বর্ণিড তিনি বলেন, আমি মালিক ইব্ন বুহাইনা নামক আয্দ গোত্রীয় এক ব্যক্তিকে বলতে ভনেছি যে, রাস্লুল্লাহ্র্ট্রেএক ব্যক্তিকে দু' রাকাআত সালাত আদায় করতে দেখলেন। তখন ইকামত হয়ে গেছে। রাস্লুল্লাহ্র্ট্রেট্রের যখন সালাত শেষ করলেন, লোকেরা সে লোকটিকে ঘিরে ফেলল। রাস্লুল্লাহ্ তাকে বললেন ঃ ফজরের সালাত কি চার রাকাআত । ভনদার ও মুআয (র.) ভ'বা (র.) সূত্রে হাদীসটি বর্ণিত বলে উল্লেখ করেছেন। কিন্তু ইব্ন ইসহাক (র.) সাদ (র.)-এর মধ্যে সে হাফ্স (র.) থেকে হাদীসটি বর্ণনা করতে গিয়ে আবদুল্লাহ্ ইব্ন বুহাইনা (র.) থেকে বর্ণিত বলে উল্লেখ করেছেন। (এ বর্ণনাটিই সঠিক) তবে হাম্মদ (র.) সাদ (র.)-এর মধ্যে সে হাফ্স (র.) থেকে হাদীসটি বর্ণনা করতে গিয়ে মালিক ইব্ন বুহাইনা (র.) থেকে বর্ণিত বলে উল্লেখ করেছেন।

## ٤٣١. بَابُ حَدُّ الْمَرِيْضِ آنْ يَشْهَدُ الْجَمَاعَة

الْوَجَعِ فَارَادَ أَبُوْ بَكُرٍ إِنْ يَتَأَخَّرَ فَأَوْمَا الِيهِ النَّبِيُّ عَلِيً اَنْ مَكَانَكَ ثُمَّ اُتِي بِهِ حَتَّى جَلَسَ الِي جَنْبِهِ قَيْلَ لِلْاَعْمَشِ وَكَانَ النَّبِيُّ بَيْ يُصلِّيْ وَأَبُو بَكُرٍ يُصلِّيْ بِصلَاتِهِ وَالنَّاسُ يُصلُّونَ بِصلَاةٍ أَبِي بَكْرٍ فَقَالَ بِرَأْسِهِ لِلْاَعْمَشِ وَكَانَ النَّبِيُّ بَعْنَ شُعْبَةً عَنِ الْاَعْمَشِ بَعْضَةً وَزَادَ أَبُو مَعَاوِيةً جَلَسَ عَنْ يَسارِ أَبِي بَكْرٍ فَكَانَ أَبُو بَكُرٍ يُصلِّي يُصلِّقُ فَزَادَ أَبُو مَعَاوِيةً جَلَسَ عَنْ يَسارِ أَبِي بَكْرٍ فَكَانَ أَبُو بَكُرٍ يُصلِّي يُصلِّقُ فَرَادَ أَبُو مَعَاوِيةً جَلَسَ عَنْ يَسارِ أَبِي بَكْرٍ فَكَانَ أَبُو بَكُرٍ يُصلِّي يُصلِّقُ فَرَادَ أَبُو مَعَاوِيةً جَلَسَ عَنْ يَسارِ أَبِي بَكْرٍ فَكَانَ أَبُو بَكُرٍ يُصلِّقُ فَرَادَ أَبُو مَعَاوِيةً جَلَسَ عَنْ يَسارِ أَبِي بَكُرٍ فَكَانَ أَبُو بَكُرٍ يُصلِّي يُعْرِ فَكَانَ أَبُو بَكُرٍ يُصلِّي يُعْرِفُونَ اللَّهُ مَا يُعْ اللَّهُ مَا يُعْ بَكُو اللَّهُ مَا يُعْلَى اللَّهُ مَا يُعْ اللَّهُ مَا يُعْ اللَّهُ مَا يُعْ اللَّهُ مَا يُعْ يَكُولُ اللَّهُ مَا يُعْلَى اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ مَا يُعْلَى اللَّهُ مَا يُعْلَى اللَّهُ مَا يُعْلَى اللَّهِ الْمُولِيَةُ عَلَى اللَّهُ الْمُعْلَالُهُ اللَّهُ اللَّهُ مَا يُعْلَى اللَّهُ مِلْ اللَّهُ مَا يُولِي اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الْمُلْ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهِ اللْعَلَى اللَّهُ اللَّهُ الْمُولِي اللَّهُ الْمُولِي اللَّهُ الْمُعْمَالُولُولُولُولُولُولُولِيَةً عَلَى اللَّهُ الْمُ اللَّهُ الْمُا اللَّهُ اللَّهُ الْمُلْلُولُ اللَّهُ الْمُلْعُلُولُ اللَّهُ اللللْهُ اللَّهُ اللَّهُ الللْهُ اللَّهُ اللَّهُ

৬৩১ উমর ইব্ন হাফ্স ইব্ন গিয়াস (র.).....আসওয়াদ (র.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, একদা আমরা আয়িশা (রা.)-এর কাছে ছিলাম এবং সালাতের পাবন্দী ও উহার তা'যীম সম্বন্ধে আলোচনা করছিলাম। আয়িশা (রা.) বললেন, নবী ক্রিম্মার্ট্র যখন অন্তিম রোগে আক্রান্ত হয়ে পড়লেন, তখন সালাতের সময় হলে আযান দেওয়া হল। তখন তিনি বললেন, আবু বকরকে লোকদের নিয়ে সালাত আদায় করতে বল। তাঁকে বলা হলো যে, আবূ বকর (রা.) অত্যন্ত কোমল হৃদয়ের লোক, তিনি যখন আপনার স্থানে দাঁড়াবেন তখন লোকদের নিয়ে সালাত আদায় করা তাঁর পক্ষে সম্ভব হবে না। রাসূলুল্লাহ্ 🚛 . আবার সে কথা বললেন এবং তারাও আবার তা-ই বললেন। তৃতীয়বারও তিনি সে কথা বললেন। তিনি আরো বললেনঃ তোমরা ইউসুফ (আ.)-এর সাথী মহিলাদের মতো। আবূ বকরকেই বল, যেন লোকদের নিয়ে সালাত আদায় করে নেয়। আবূ বকর (রা.) এগিয়ে গিয়ে সালাত শুরু করলেন। এদিকে নবী নিজেকে একটু হাল্কাবোধ করলেন। দু'জন লোকের কাঁধে ভর দিয়ে বেরিয়ে এলেন। আয়িশা (রা.) বলেন,) আমার চোখে এখনও স্পষ্ট ভাসছে। অসুস্থতার কারণে তাঁর দু'পা মাটির উপর দিয়ে হেঁচড়ে যাচ্ছিল। তখন আবৃ বকর (রা.) পিছনে সরে আসতে চাইলেন। নবী क्रीक्री তাকে স্বস্থানে থাকার জন্য ইঙ্গিত করলেন। তারপর রাসূলুল্লাহ্ 🚟 বক একটু সামনে আনা হলো, তিনি আবূ বকর (রা.)-এর পাশে বসলেন। আমাশকৈ জিজ্ঞাসা করা হল ঃ তা হলে নবীক্রীক্রীইমামতি করছিলেন। আর আবূ বকর (রা.) রাসূলুল্লাহ্ 🚟 -এর অনুসরণে সালাত আদায় করছিলেন এবং লোকেরা আবৃ বকর (রা.)-এর সালাতের অনুকরণ করছিল। আ'মাশ (রা.) মাথার ইশারায় বললেন, হাা। আবূ দাউদ (র.) ত'বা (র.) সূত্রে আ'মাশ (রা.) থেকে হাদীসের কতকাংশ উল্লেখ করেছেন। আবৃ মু'আবিয়া (র.) অ তিরিক্ত বলেছেন, তিনি আবূ বকর (রা.)-এর বাঁ দিকে বসেছিলেন এবং আবূ বকর (রা.) দাঁড়িয়ে সালাত আদায় করছিলেন।

٦٣٢ حَدَّثَنَا ابْرَاهِيْمُ بْنُ مُوسَلَى قَالَ اَخْبَرَنَا هِشَامُ ابْنُ يُوسُفَ عَنْ مَعْمَرِ عَنِ الزَّهْرِيِّ قَالَ اَخْبَرَنِي عُبَيْدُ اللهِ بْنُ عَبْدِ اللهِ قَالَ قَالَ قَالَتُ عَائِشَةً لَمَّا ثَقُلَ النَّبِيُّ عَالَا اللهِ عَبْدُ اللهِ بَنُ عَبْدِ اللهِ قَالَ قَالَ قَالَ عَائِشَةً لَمَّا ثَقُلَ النَّبِيُّ عَلَيْهُ وَاشْتَدَّ وَجَعُهُ اسْتَأْذَنَ اَزُواجَهُ اَنْ يُمَرَّضَ فِي عَيْدُ اللهِ بَيْنَ الْعَبُّاسِ وَرَجُل أَخْرَ ، قَالَ عُبَيْدُ اللهِ بَيْنَ الْعَبُّاسِ وَرَجُل أَخْرَ ، قَالَ عُبَيْدُ اللهِ فَذَكَرَتُ ذَالِكَ لِإِبْنِ عَبُّاسٍ مَا قَالَتُ عَائِشَةً فَقَالَ لِي وَهَل تَدْرِي مَنِ الرَّجُلُ الَّذِي لَهُ تُسَمِّ عَائِشَةً قَلْتَ لاَ فَاللهِ لِإِبْنِ عَبُّاسٍ مَا قَالَتُ عَائِشَةً فَقَالَ لِي وَهَل تَدْرِي مَنِ الرَّجُلُ الَّذِي لَمْ تُسَمِّ عَائِشَةً قَلْتُ لاَ فَيَ اللهَ لِإِبْنِ عَبُّاسٍ مَا قَالَتُ عَائِشَةً فَقَالَ لِي وَهَل تَدْرِي مَنِ الرَّجُلُ الذِي لَمْ اللهِ عَبْسِمُ عَائِشَةً قَلْتَ لاَ

৬৩২ ইব্রাহীম ইব্ন মূসা (র.)......আয়িশা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, রাস্লুল্লাহ্ অমান একেবারে কাতর হয়ে গেলেন এবং তাঁর রোগ বেড়ে গেল, তখন তিনি আমার ঘরে সেবা-শুশ্বার জন্য তাঁর অন্যান্য স্ত্রীগণের কাছে সন্মতি চাইলেন। তাঁরা সন্মতি দিলেন। সে সময় দু' জন লোকের কাঁধে ভর করে (সালাতের জন্য) তিনি বের হলেন, তাঁর দু' পা মাটিতে হেঁচড়িয়ে যাচ্ছিল। তিনি ছিলেন আব্বাস (রা.) ও অপর এক সাহাবীর মাঝখানে। (বর্ণনাকারী) উবাইদুল্লাহ্ (র.) বলেন, আয়িশা (রা.)-এর বর্ণিত এ ঘটনা ইব্ন আব্বাস (রা.)-এর নিকট ব্যক্ত করি। তিনি আমাকে জিজ্ঞাসা করলেন, তুমি কি জান, তিনি কে ছিলেন, যার নাম আয়িশা (রা.) বলেন নি ? আমি বললাম, না। তিনি বললেন, তিনি ছিলেন আলী ইব্ন আবৃ তালিব (রা.)।

# ٤٣٢. بَابُ الرُّخْصَةُ فِي الْمَطَرِ وَالْعِلَّةِ أَنْ يُصَلِّي فِي رَحْلِهِ

ا عبد عبد الله بن يُوسَف قال اخْسبرنا مالك عَنْ نافع ان ابن عُمر اذَّن بالصلاة في لَيْلة ذات عبد الله بن يُوسف قال اخْسبرنا مالك عَنْ نافع ان ابن عُمر اذَّن بالصلاة في لَيْلة ذات برد وريْح ، ثم قال الا صلوا في الرّحال ، ثم قال ان رسول الله على الله على الله على المؤذِّن اذا كانت لَيْلة ذات برد ومطر يقول الا صلوا في الرّحال .

৬৩৩ আবদুল্লাহ্ ইব্ন ইউসুফ (র.).....নাফি' (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, ইব্ন উমর (রা.) একবার প্রচন্ড শীত ও বাতাসের রাতে সালাতের আযান দিলেন। তারপর ঘোষণা করলেন, প্রত্যেকেই নিজ নিজ আবাসে সালাত আদায় করে নাও, এরপর তিনি বলেন, রাসূলুল্লাহ্ ক্রিল্লাই প্রচন্ড শীত ও বৃষ্টির রাত হলে মুআয্যিনকে এ কথা বলার নির্দেশ দিতেন - "প্রত্যেকে নিজ নিজ আবাসে সালাত আদায় করে নাও।"

عَثَنَا السَّمَاعِيْلُ قَالَ حَدَّثَنِي مَالِكُ عَنِ ابْنِ شِهَابِ عَنْ مَحْمُودُ بِنِ الرَّبِيْعِ الْاَنْصَارِيِّ اَنَّ عِثَبَانَ بَنَ مَالَكِ كَانَ يَوْمُ قَوْمَهُ وَهُو أَعْمَى وَانَّهُ قَالَ لِرَسُولِ اللهِ عَلَيْنَ يَا رَسُولَ اللهِ انِّهَا تَكُونُ الظُّلُمَةُ اللَّهُ وَانَا رَجُلُ ضَرِيْرُ الْبَصَرِ فَصَلِّ يَا رَسُولَ اللهِ عَيْنَ مَكَانًا اتَّخِذُوهُ مُصَلِّى ، فَجَأَهُ رَسُولُ اللهِ عَيْنَ فَقَالَ اللهِ عَيْنَ مَكَانَ مَكَانٍ مِنَ البَيْتِ فَصَلِّى فَيْهِ رَسُولُ الله عَيْنَ .

৬৩৪ ইসমায়ীল (র.)....মাহমূদ ইব্ন রাবী আল-আনসারী (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, ইত্বান ইব্ন মালিক (রা.) তাঁর নিজ গোত্রের ইমামতি করতেন। তিনি ছিলেন অন্ধ। একদিন তিনি রাস্লুল্লাহ্ . ক্র্রুল্লাই-কে বললেন, ইয়া রাস্লাল্লাহ্ ! কখনো কখনো ঘোর অন্ধকার ও বর্ষণ প্রবাহ হয়ে পড়ে। অথচ আমি একজন অন্ধ ব্যক্তি। ইয়া রাস্লাল্লাহ্ ! আপনি আমার ঘরে কোন এক স্থানে সালাত আদায় করুন, যে স্থানটিকে আমার সালাতের স্থান হিসেবে নির্ধারিত করব। তারপর রাস্লুল্লাহ্ ক্রুল্লাহ্ তাঁর ঘরে এলেন

এবং বললেন ঃ আমার সালাত আদায়ের জন্য কোন জায়গাটি তুমি ভাল মনে কর । তিনি ইশারা করে ঘরের জায়গা দেখিয়ে দিলেন। রাসূলুল্লাহ্ ক্রান্ত্র সেখানে সালাত আদায় করলেন।

# ٤٣٣. بَابُ هَلْ يُصلِّي الْاِمَامُ بِمَنْ حَضَرَ ، وَهَلْ يَخُطُبُ يَوْمَ الْجُمُعَةِ فِي الْمَطْرِ

৪৩৩. অনুচ্ছেদ ঃ যারা উপস্থিত হয়েছে তাদের নিয়েই কি ইমাম সালাত আদায় করবে এবং বৃষ্টির দিনে কি জুমু'আর খুত্বা দিবে ?

آثرَيْدِي قَالَ سَمِعْتُ عَبْدَ اللّهِ بَنِ عَبْدِ الْوَهَّابِ قَالَ حَدَّثَنَا حَمَّادُ بَنُ زَيْدٍ قَالَ حَدَّثَنَا عَبْدُ اللّهِ بَنِ عَبْدِ الْوَهَّابِ قَالَ خَطَبَنَا ابْنُ عَبّاسٍ فِيْ يَوْمٍ ذِيْ رَدْغٍ فَامَرَ الْمُؤَذِّنَ لَمَّا بَلَغَ حَيّ عَلَى الصَّلاَةِ قَالَ قُلَ الصَّلاَةُ فِي الرِّحَالِ ، فَنَظَرَ بَعْتَضُهُمُ الِّي بَعْضِ فَكَأَنَّهُمُ اَنْكَرُوا ، فَقَالَ كَانّكُمُ مَى عَلَى الصَّلاَةِ قَالَ قُلُ الصَّلاَةُ فِي الرِّحَالِ ، فَنَظَرَ بَعْتَضُهُمْ الِّي بَعْضِ فَكَأَنَّهُمْ اَنْكُرُوا ، فَقَالَ كَانّكُمُ الْكَرُتُمُ هُذَا ، انْ هَذَا فَعَلَهُ مَنْ هُو خَيْرُ مِنِّيْ يَعْنِي النّبِيَّ عَيْلِيْهُ انَّهَا عَزْمَةُ وَانِيْ كَرِهْتُ انْ الْخُرِجَكُمْ وَعَنْ حَمَّادِ عَنْ عَلْدِ اللّهِ ابْنِ الْحَارِثِ عَنِ ابْنِ عَبّاسٍ نَحْوَهُ غَيْرَ انَّهُ قَالَ كَرِهْتُ انْ اُوَتُمْكُمْ فَتَجِيُونَ تَدُوسُونَ الطَّيْنَ الْي رَكَبِكُمْ . حَمَّادٍ عَنِ ابْنِ عَبَّاسٍ نَحْوَهُ غَيْرَ انَّهُ قَالَ كَرِهْتُ انْ اُوَتُمْكُمْ فَتَجِيُونَ تَدُوسُونَ الطَّيْنَ الْي رَكَبِكُمْ .

৬৩৫ আবদুল্লাহ্ ইব্ন আবদুল ওয়াহ্হাব (র.)......আবদুল্লাহ্ ইব্ন হারিস (র.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, এক বৃষ্টির দিনে ইব্ন আব্বাস (রা.) আমাদের উদ্দেশ্যে খুত্বা দিচ্ছিলেন। মুআয্যিন যখন ' এই এই ' পর্যন্ত পৌছল, তখন তিনি তাকে বললেন, ঘোষণা করে দাও যে, "সালাত যার যার আবাসে।" এ শুনে লোকেরা একে অন্যের দিকে তাকাতে লাগল— যেন তারা বিষয়টাকে অপসন্দ করল। তিনি তাদের লক্ষ্য করে বললেন, মনে হয় তোমরা বিষয়টি অপসন্দ করছ। তবে, আমার চেয়ে যিনি উত্তম ছিলেন অর্থাৎ রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্রিতিনিই এরূপ করেছেন। একথা সত্য যে, জুমু আর সালাত ওয়াজিব। তবে তোমাদের অসুবিধায় ফেলা আমি পসন্দ করি না। হামাদ (র.).....ইব্ন আব্বাস (রা.) থেকেও অনুরূপ বর্ণিত আছে। তবে এ সূত্রে এরূপ উল্লেখ আছে, আমি তোমাদের শুনাহর অভিযোগে ফেলতে পসন্দ করি না যে, তোমরা হাঁটু পর্যন্ত কাদা মাড়িয়ে আসবে।

حَدُّثَنَا مُسْلِمُ بْنُ ابْرَاهِيْمَ قَالَ حَدَّثَنَا هِشَامُ عَنْ يَحْيِى عَنْ أَبِي سَلَمَةَ قَالَ سَالَتُ أَبَا سَعِيْدِ نِ الْخُدْرِيِّ فَقَالَ جَاءَتُ سَحَابَةُ فَمَطَرَتُ حَتَّى سَالَ السَّقْفُ وَكَانَ مِنْ جَرِيْدِ النَّخُلِ فَأُقِيْدَ مَتِ الصَّلَاةُ فَرَأَيْتُ رَسُولُ الله عَنْ جَبْهَته .

৬৩৬ মুসলিম ইব্ন ইব্রাহীম (র.)......আবূ সালামা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আমি আবূ সায়ীদ খুদ্রী (রা.)-কে (শবে-কাদ্র সম্পর্কে জিজ্ঞাসা) করলাম, তিনি বললেন, এক খন্ড মেঘ এসে এমন-ভাবে বর্ষণ তক্ষ করল যে, যার ফলে (মসজিদে নববীর) ছাদ দিয়ে পানি পড়া তক্ষ হল। কেননা, (তখন মসজিদের) ছাদ

ছিল খেজুরের ডালের তৈরী। এমন সময় সালাতের ইকামত দেওয়া হল, আমি রাসূলুল্লাহ্ ক্রিট্রেই -কে পানি ও কাদার উপর সিজ্দা করতে দেখলাম, এমন কি আমি তাঁর কপালেও কাদার চিহ্ন দেখতে পেলাম।

٦٣٧ حَدَّثْنَا أَدَمُ قَالَ حَدَّثْنَا شُعْبَةُ قَالَ حَدَّثْنَا آنَسُ بُنُ سِيْرِيْنَ قَالَ سَمِعْتُ آنَسًا يَقُولُ قَالَ رَجُلُ مِنَ ١٢٧ حَدَّثْنَا أَدَمُ قَالَ حَدَّثُنَا أَنَسُ بُنُ سِيْرِيْنَ قَالَ سَمِعْتُ آنَسًا يَقُولُ قَالَ رَجُلُ مِنَ الْاَنْصَارِيِّ إِنِّي لَا آسَتَطِيْعُ الصَّلَاةَ مَعَكَ وَكَانَ رَجُلاً ضَخَمًا فَصَنَعَ النَّبِيِّ بَيْنِ طَعَامًا فَدَعَاهُ الِي مَنْزِلِهِ الْاَنْسِ آكَانَ فَسَعَمَا لَهُ حَصِيْرًا وَنَضَحَ طَرَفَ الْحَصِيْرِ فَصَلِّى عَلَيْهِ رَكْعَتَيْنِ فَقَالَ رَجُلُ مِنْ أَلِ الْجَارُودِ لاَنِسٍ آكَانَ النَّبِيِّ بَيْنِ فَقَالَ رَجُلُ مِنْ أَلِ الْجَارُودِ لاَنِسٍ آكَانَ النَّبِيِّ بَيْنَ فَقَالَ رَجُلُ مِنْ أَلِ الْجَارُودِ لاَنِسٍ آكَانَ النَّبِيِّ بَيْنَ فَقَالَ رَجُلُ مِنْ أَلِ الْجَارُودِ لاَنِسٍ آكَانَ النَّبِيِّ بَيْنَ فَقَالَ رَجُلُ مِنْ أَلِ الْجَارُودِ لاَنِسٍ آكَانَ النَّبِيِّ يُصِيِّلُ يُصَلِّى الضَّلَى الضَّلَى الْمَا رَأَيْتُهُ صَلاَهَا الاَّ يَوْمَئذ ،

ভিতৰ আদম (র.).....আনাস (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আমি আনাস (রা.)-কে বলতে গুনেছি যে, এক আনসারী (সাহাবী) রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্রেই -কে বললেন, আমি আপনার সাথে মসজিদে এসে সালাত আদায় করতে অক্ষম। তিনি ছিলেন মোটা। তিনি নবীক্রিট্রেই-এর জন্য কিছু খাবার তৈরী করলেন এবং তাঁকে বাড়ীতে দাওয়াত করে নিয়ে গেলেন। তিনি রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্রেই -কে এর জন্য একটি চাটাই পেতে দিলেন এবং চাটাইয়ের এক প্রান্তে কিছু পানি ছিটিয়ে দিলেন। নবীক্রিট্রেই সে চাটাইয়ের উপর দু' রাকাআত সালাত আদায় করলেন। জারুদ গোত্রীয় এক ব্যক্তি আনাস (রা.)-কে জিজ্ঞাসা করল, নবী ক্রিট্রেই কি চাশ্তের সালাত আদায় করতেন ? তিনি বললেন, সে দিন ব্যতীত আর কোন দিন তাঁকে তা আদায় করতে দেখিনি।

# ٤٣٤. بَابُ إِذَا حَضَرَ الطَّعَامُ وَأُقِيْمَتِ الصَّلاَةُ ، وَكَانَ ابْنُ عُمَرَ يَبْدَأُ بِالْعَشَاءِ ، وَقَالَ أَبُو الدُّرْدَاءِ مِنْ فَقَهِ الدَّرْيُ اقْبَالُهُ عَلَى حَاجَتِهِ حَتَّى يُقْبِلَ عَلَى صَلاَتِهِ فَارِغُ

৪৩৪. অনুচ্ছেদ ঃ খাবার উপস্থিত, এ সময়ে সালাতের ইকামত হলে।ইব্ন উমর রো.) (সালাতের) আগে রাতের খাবার খেয়ে নিতেন। আবূ দারদা রো.) বলেন, মানুষের জ্ঞানের পরিচয় হল, প্রথমে নিজের প্রয়োজন মিটিয়ে নেওয়া, যাতে নিশ্চিতভাবে সালাতে মনোযোগী হতে পারে।

مَدَّنَنَا مُسندَّدُ قَالَ حَدَّنَنَا يَحْيِلَى عَنْ هِشِنَامٍ قَالَ حَدَّثَنِي أَبِي قَالَ سمَعْتُ عَائِشَةَ عَنِ النَّبِيِ عَنْ هِشَامٍ قَالَ حَدَّثَنِي أَبِي قَالَ سمَعْتُ عَائِشَةَ عَنِ النَّبِيِ عَنْ هِشَامٍ قَالَ حَدَّثَنِي أَبِي قَالَ سمَعْتُ عَائِشَةَ عَنِ النَّبِي عَنْ هِشَامٍ الْعَشَاءِ وَالْعَشَاءُ وَالْقَيْمَةِ الصَّلَاةُ فَابْدَؤُا بِالْعَشَاءِ وَالْعَنْ الْعَشَاءُ وَالْقَيْمَةِ الصَّلَاةُ فَابْدَؤُا بِالْعَشَاءِ وَالْعَنْ الْعَنْ الْعَلَامُ اللَّهُ الْعَشَاءِ وَالْعَلَامُ الْعَلَامُ اللَّهُ اللَّهُ الْعَلَامُ اللَّهُ الْعَلَامُ اللَّهُ اللَّالَةُ اللّهُ ال

৬৩৮ মুসাদ্দাদ (র.).....আয়িশা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী ক্রিট্রের বলেছেন ঃ যখন রাতের খাবার উপস্থিত করা হয়, আর সে সময় সালাতের ইকামত হয়ে যায়, তখন প্রথমে খাবার খেয়ে নাও।

(كَا اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ قَالَ الْا قَدْمَ الْعَشَاءُ فَأَبْدَوُا بِهِ قَبْلَ اَنْ تُصلُوا صلاة الْمَغْرِبِ وَلاَ تُعْجَلُوا عَنْ عَشَائِكُم ﴿

الله عَلَيْ قَالَ اذَا قَدْمَ الْعَشَاءُ فَأَبْدَوُا بِهِ قَبْلَ اَنْ تُصلُوا صلاة الْمَغْرِبِ وَلاَ تُعْجَلُوا عَنْ عَشَائِكُم ﴿

৬৩৯ ইয়াহ্ইয়া ইব্ন বুকাইর (র.).....আনাস ইব্ন মালিক (রা.) থেকে বর্ণিত যে, রাস্লুল্লাহ্
. ক্রিল্ট্রের বলেছেন ঃ বিকেলের খাবার পরিবশেন করা হলে মাগরিবের সালাতের আগে তা খেয়ে নিবে
খাওয়া রেখে সালাতে তাড়াহুড়া করবে না।

٦٤٠ حَدَّثَنَا عَبْدُ بَنُ اِسْمَاعِيْلَ عَنْ أَبِي اُسَامَةَ عَنْ عُبَيْدِ اللهِ عَنْ نَافِعٍ عَنِ ابْنِ عُمَرَ قَالَ قَالَ رَسُولُ اللهِ عَنْ نَافِعٍ عَنِ ابْنِ عُمْرَ قَالَ وَكَانَ ابْنُ عُمَرَ يُوضَعَ عُشَاءُ اَحَدِكُمْ وَاُقَيْمَتِ الصَّلاَةُ فَالاَ يَأْتِيْهَا حَتَّى يَفْرُغَ وَانِّهُ لَيَسْمَعُ قِرَائَةَ الْالْمِامِ وَقَالَ زُهَيْرُ وَوَهُبُ عُمَرَ يُوضَعَ لَهُ الطَّعَامُ وَتُقَامُ الصَّلاَةُ فَلاَ يَأْتِيْهَا حَتَّى يَفْرُغَ وَانِّهُ لَيَسْمَعُ قِرَائَةَ الْاَمِامِ وَقَالَ زُهَيْرُ وَوَهُبُ عُمْرَ عُلْا يَعْمَرَ عَالَ النَّبِيُّ عَلَيْهِ النَّا عَنْ مُوسَى بْنِ عُقْبَةً عَنْ نَافِعٍ عَنِ ابْنِ عُمْرَ قَالَ قَالَ النَّبِيُّ عَنْ اللهِ حَدَّثَنِي ابْرَاهِيْمُ بُنُ الْمُنْذِرِ عَنْ فَلا يَعْجَلُ حَدَّتَنِي ابْرَاهِيْمُ بُنُ الْمُنْذِرِ عَنْ فَلاَ يَعْجَلُ حَدَّتُنِي ابْرَاهِيْمُ بُنُ الْمُنْذِرِ عَنْ فَلاَ يَعْجَلُ حَدَّتَنِي ابْرَاهِيْمُ بُنُ الْمُنْذِرِ عَنْ فَلاَ يَعْجَلُ حَدَّتُنِي ابْرَاهِيْمُ بُنُ الْمُنْذِرِ عَنْ فَلاَ يَعْجَلُ حَدَّتَنِي ابْرَاهِيْمُ بُنُ الْمُنْذِرِ عَنْ وَهُبُ مُدِينِي مُ مَنْ أَلُو الْمَالِمُ وَوَهُبُ مَدَيْنَى الْمُنْفِعِ مَنْ الصَّلاةُ قَالَ أَبُو عَبُدُ اللّٰهِ حَدَّتَنِي ابْرَاهِيْمُ بُنُ الْمُنْذِرِ عَنْ وَهُبُ مُدَيْنَى وَوَهُبُ مَدَيْنِي مُ مُنْهُ وَإِنْ الْقِيْمَةِ الصَّلاَةُ قَالَ أَبُو عَبُدُ اللّٰهِ حَدَّتَنِي ابْرَاهِيْمُ بُنُ الْمُنْذِرِ عَنْ وَهُبُ مُدَاهُ وَوَهُبُ مَدَيْنِي مُ مُنْهُ وَإِنْ الْقِيْمَ الصَّلَاةُ قَالَ أَبُو عَبُدُ اللّهِ حَدَّتُنِي ابْرُاهُ مِيْمُ مُنْ الْمُنْذِرِ عَنْ

৬৪০ উবাইদুল্লাহ্ ইব্ন ইসমায়ীল (র.)......ইব্ন উমর (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, রাসূলুল্লাহ্ কলেছেনঃ যখন তোমাদের কারো সামনে রাতের খাবার উপস্থিত করা হয়, অপরদিকে সালাতের ইকামত হয়ে যায়। তখন আগে খাবার খেয়ে নিবে। খাওয়া রেখে সালাতে তাড়াহুড়া করবে না। (নাফিণ্ (র.) বলেন) ইব্ন উমর (রা.)-এর জন্য খাবার পরিবশেন করা হত, সে সময় সালাতের ইকামত দেওয়া হত, তিনি খাবার শেষ না করে সালাতে আসতেন না। অথচ তিনি ইমামের কিরাআত শুনতে পেতেন। যুহাইর (র.)ও ওয়াহ্ব ইব্ন উসমান (র.) মূসা ইব্ন ওক্বা (র.) সূত্রে ইব্ন উমর (রা.) থেকে বর্ণনা করেন যে, নবী ক্রিল্লেট্র বলেছেনঃ তোমাদের কেউ যখন খাবার খেতে থাক, তখন সালাতের ইকামত হয়ে গেলেও খাওয়া শেষ না করে তাড়াহুড়া করবে না। আবু আবদুল্লাহ্ (ইমাম বুখারী (র.) বলেন, আমাকে ইব্রাহীম ইব্ন মুন্যির (র.) এ হাদীসটি ওয়াহ্ব ইব্ন উসমান (র.) থেকে বর্ণনা করেছেন এবং ওয়াহ্ব হলেন মদীনাবাসী।

# ٤٣٥. بَابُ إِذَا دُعِيَ الْإِمَامُ إِلَى الصَّلاّةِ رَبِيدِهِ مَا يَأْكُلُ

80৫. অনুচ্ছেদ १ খাবার হাতে থাকা অবস্থায় ইমামকে সালাতের দিকে আহ্বান করলে।

حَدَّثَنَا عَبُدُ الْعَزِيْزِ بْنُ عَبْدِ اللهِ قَالَ حَدَّثَنَا ابْرَاهِيْمُ عَنْ صَالِحٍ عَنِ ابْنِ شَهَابٍ قَالَ اَخْبَرَنِي جَعْفَرُ بُنُ عَبْدِ اللهِ قَالَ رَأَيْتُ رَسُولُ اللهِ عَلَيْ يَأْكُلُ ذِرَاعًا يَحْتَزُ مِنْهَا فَدُعِيَ الِي الصَّلاَةِ فَقَامَ فَطَرَحَ السكَيْنَ فَصَلِّي وَلَمْ يَتَوَضَّا .

৬৪১ আবদুল আযীয় ইব্ন আবদুল্লাহ্ (র.).....আমর ইব্ন উমাইয়্যা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আমি দেখলাম রাস্লুল্লাহ্ ক্রিক্ট্রার) সামনের রানের গোশ্ত কেটে খাচ্ছেন, এমন সময় তাঁকে সালাতের জন্য ডাকা হল। তিনি তখনই ছুরি রেখে দিয়ে উঠে গেলেন ও সালাত আদায় করলেন, কিন্তু এজন্য নতুন উযূ করেন নি।

# ٤٣٦. بَابُ مَنْ كَانَ فِي حَاجَةِ أَهْلِهِ فَأَقِيْمَتِ الصَّالاَةُ فَخَرَجَ

80%. अनुएकन ३ गार्ट्स कर्त्र वाख शाका अवझा दिका करा दित करा विक्र करा

৬৪২ আদম (র.).....আসওয়াদ (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আমি আয়িশা (রা.)-কে জিজ্ঞাসা করলাম, নবী ক্রিট্রের থাকা অবস্থায় কি করতেন ? তিনি বললেন, ঘরের কাজ-কর্মে ব্যস্ত থাকতেন। অর্থাৎ পরিজনের সহায়তা করতেন। আর সালাতের সময় এলে সালাতে চলে যেতেন।

## ٤٣٧. بَابُ مَنْ صلَّى بِالنَّاسِ وَهُوَ لاَ يُرِيْدُ الاَّ أَن يُعَلِّمَهُمْ صَلَاةَ النَّبِيِّ وَسُنْتَهُ

8৩৭. অনুচ্ছেদ ঃ যিনি কেবলমাত্র রাস্লুল্লাহ্ ক্রিল্র — এর সালাত ও তাঁর সুনাত শিক্ষা দেওয়ার উদ্দেশ্যে লোকদের নিয়ে সালাত আদায় করেন।

٦٤٣ حَدَّثَنَا مُوسَى بُنُ اِسْمَاعِيلَ قَالَ حَدَّثَنَا وُهَيْبُ قَالَ حَدَّثَنَا أَيُّوبُ عَنْ أَبِي قِلاَبَةَ قَالَ جَاعَنَا مَالِكُ بُنُ الْحُويَرِثِ فِيْ مَسْ حِدِنَا هَٰذَا فَقَالَ انِي لِأُصلِي بِكُمْ وَمَا أُرِيْدُ الصَّلاَةَ أُصلِي كَيْفَ رَأَيْتُ النَّبِي اللَّهُ ال

৬৪৩ মূসা ইব্ন ইসমায়ীল (র.)......আবূ কিলাবাহ্ (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, একবার মালিক ইব্ন হুওয়াইরিস (রা.) আমাদের এ মসজিদে এলেন। তিনি বললেন, আমি অবশ্যই তোমাদের নিয়ে সালাত আদায় করব, বস্তুত আমার উদ্দেশ্য সালাত আদায় করা নয় বরং নবী ক্রিট্রেই -কে আমি যেভাবে সালাত আদায় করতে দেখেছি, তা তোমাদের দেখানোই আমার উদ্দেশ্য। (আইয়ূব (র.) বলেন) আমি আবূ কিলাবা (র.)-কে জিজ্ঞাসা করলাম, তিনি কি ভাবে সালাত আদায় করতেন ? তিনি বললেন, আমাদের এই শাইখের মত আর শাইখ প্রথম রাকাআতের সিজ্দা শেষ করে যখন মাথা উঠাতেন, তখন দাঁড়াবার আগে একটু বসে নিতেন।

## ٤٣٨. بَابُ آهُلُ الْعِلْمِ وَالْفَضْلِ آحَقُ بِالْإِمَامَةِ

৪৩৮. অনুচ্ছেদ ঃ বিজ্ঞ ও মর্যাদাশীল ব্যক্তিই ইমামতির অধিক হক্দার।

آذَةً عَنْ أَبِي مُوسَلَى قَالَ مَرِضَ النَّبِيُّ عَلَيْتُ عَسَيْنُ عَنْ زَائِدَةً عَنْ عَبَدِ الْمَلِكِ بْنِ عُمَيْم قَالَ حَدَّثَنَا حُسَيْنُ عَنْ زَائِدَةً عَنْ عَبْدِ الْمَلِكِ بْنِ عُمَيْم قَالَ حَدَّثَنِي أَبُقُ بُرُدَة عَنْ أَبِي مُوسَلِي قَالَ مُرُوا اَبَا بَكُر فَلْيُصلِّ بِالنَّاسِ قَالَتُ عَائِشَةُ انِّهُ رَجُلُ رَقِيْقُ اذِا قَامَ مَقَامَكَ لَمْ يَسَتَطِعُ اَنْ يُصلِّي بِالنَّاسِ ، قَالَ مُرُوا اَبَا بَكُر فَلْيُصلِّ بِالنَّاسِ فَانْتُهُ اللَّاسِ ، قَالَ مُرُوا اَبَا بَكُر فَلْيُصلِّ بِالنَّاسِ فَعَادَتُ فَقَالَ مُرِي اَبَا بَكُر فَلْيُصلِّ بِالنَّاسِ فَي عَلَيْهِ فَاتَاهُ الرَّسُولُ فَصلَلِّي بِالنَّاسِ فِي خَيَادَ قَالَ مُرِي اَبَا بَكُر فِلْيُصلِّ بِالنَّاسِ فِي حَيَادٍ النَّاسِ فِي عَلَيْهِ النَّاسِ فِي النَّاسِ فَي عَلَيْهِ النَّاسِ فَي النَّاسِ فِي عَلَيْهِ النَّاسِ فِي عَلَيْهِ النَّاسِ فَي النَّاسِ فَي عَلَيْهِ النَّاسِ فِي النَّاسِ فَالْتَهُ اللَّاسُ فَا الرَّسُولُ فَصلَلِّي بِالنَّاسِ فِي عَلَيْهِ النَّاسِ فِي النَّاسِ فَي النَّاسِ فَي عَلَيْهِ النَّاسِ فِي النَّاسِ فَالَتُ مُوسَلِّي النَّاسِ فَا الرَّسُولُ فَصلَلِي بِالنَّاسِ فِي النَّاسِ فِي النَّاسِ فَي النَّامِ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّاسِ فَي النَّاسِ فِي النَّاسِ فَي اللَّاسِ فَي النَّاسِ فَي اللَّاسِ فَي النَّاسِ فَي الْنَاسِ فَي اللَّاسِ فَي اللَّاسِ فَي اللَّهُ اللَّهُ اللَّاسِ فَا اللَّاسِ فَا اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللِّلَّاسِ اللَّهُ اللِي اللَّهُ اللِّهُ اللَّهُ اللْعُلُولُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللِ

৬৪৫ আবদুল্লাহ্ ইব্ন ইউসুফ (র.)......উমুল মু'মিনীন আয়িশা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্রে অন্তিম রোগে আক্রান্ত অবস্থায় বললেন, আবৃ বকর (রা.)-কে বল সে যেন লোকদের নিয়ে সালাত আদায় করে। আয়িশা (রা.) বলেন, আমি বললাম, আবৃ বকর (রা.) যখন আপনার স্থানে দাঁড়াবেন, তখন তাঁর কান্নার দরুন লোকেরা তাঁর কিছুই শুনতে পাবে না। কাজেই উমর (রা.)-কে লোকদের নিয়ে সালাত আদায়ের নির্দেশ দিন। আয়িশা (রা.) বলেন, আমি হাফ্সা (রা.)-কে বললাম,

তুমিও রাস্লল্লাহ ক্রিট্র-কে বল যে, আবু বকর (রা.) আপনার স্থানে দাঁড়ালে কান্নার জন্য লোকেরা কিছুই জনতে পাবে না। তাই উমর (রা.)-কে লোকদেরকে নিয়ে সালাত আদায় করার নির্দেশ দিন। হাফ্সা (রা.) তাই করলেন। তখন রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্রে বললেন, থাম, তোমরা ইউসুফ (আ.)-এর সাখী-রমণীদের ন্যায়। আবু বকর (রা.)-কে লোকদের নিয়ে সালাত আদায় করতে বল। হাফ্সা (রা.) তখন আয়িশা (রা.)-কে বললেন, আমি তোমার কাছ থেকে কখনও কল্যাণকর কিছুই পাইনি।

7٤٦ حَدَّثَنَا اَبُو الْيَمَانِ قَالَ أَخْبَرَنَا شُعَيْبُ عَنِ الزُّهْرِيِّ قَالَ أَخْبَرَنِيْ اَنَسُ بُنُ مَالِكِ الْاَنْصَارِيُّ وَكَانَ يَصَلِّي لَهُمْ فِيْ وَجَعِ النَّبِيِّ عَلَيْكُ الْذِيْ تُوفِيِّي فِيهِ حَتَّى اذِا كَانَ يَوْمُ الْاَثِنَى وَهُمْ صَفُوفُ فِي الصَّلَاةِ فَكَشَفَ النَّبِيُّ عَلَيْكُ سِتْرَ الْحَجْرَةِ يَنْظُرُ اللَيْنَا وَهُوَ قَائِمُ كَانَ يَوْمُ الْاَثِينَ وَهُمْ صَفُوفُ فِي الصَّلَاةِ فَكَشَفَ النَّبِيُّ عَلَيْكُ سِتْرَ الْحَجْرَةِ يَنْظُرُ اللَيْنَا وَهُوَ قَائِمُ كَانَ وَجُهَهُ وَرَقَةُ مُصْحَفِ ثُمْ تَبَسَم يَضْحَكُ فَهَمَمْنَا انْ نَقْتَتِنَ مِنَ الْفَرَحِ بِرُفْيَةِ النَّبِيِّ عَلَيْكُ فَنَكُصَ أَبُو بِكُر عِلَى وَجُهِهُ وَرَقَةُ مُصْحَفِ ثُمْ تَبَسَم يَضْحَكُ فَهَمَمْنَا انْ نَقْتَتِنَ مِنَ الْفَرَحِ بِرُفْيَةِ النَّبِيِّ عَلَيْكُمْ الْبُورُ عِلَى الصَّلَاةِ فَاشَارَ اللَّيِّيَّ عَلَيْكُمْ الْمُو بِكُر عِلَى عَقِيبَيْهِ لِيَصِلِ الصَّفَ وَظَنَّ انَ النَّبِيِّ عَلَيْكُمْ اللَّهُ إِلَى الصَّلَاةِ فَاشَارَ الِيُنَا النَّبِيُّ عَلَيْكُمْ الْوَلَاثَ النَّبِي عَلَيْكُمْ الْمَالَةُ فَا السَّيْرُ فَتُوفَى مُنْ يَوْمِه .

৬৪৬ আবৃ ইয়মান (র.)......আনাস ইব্ন মালিক আনসারী (রা.) যিনি নবী ক্রিট্রে -এর অনুসারী, খাদিম এবং সাহাবী ছিলেন। তিনি বর্ণনা করেন যে, রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্রে অন্তিম রোগে আক্রান্ত অবস্থায় আবৃ বকর (রা.) সাহাবীগণকে নিয়ে সালাত আদায় করতেন। অবশেষে যখন সোমবার এল এবং লোকেরা সালাতের জন্য কাতারে দাঁড়াল, তখন নবী ক্রিট্রে হুজরা শরীফের পর্দা উঠিয়ে আমাদের দিকে তাকালেন। তিনি দাঁড়িয়ে ছিলেন, তাঁর চেহারা যেন কুর আনে করীমের পৃষ্ঠা (এর ন্যায় ঝলমল করছিল)। তিনি মুচকি হাসলেন। নবী ক্রিট্রেন্ট্র-কে দেখতে পেয়ে আমরা খুশীতে প্রায়্ম আত্মহারা হয়ে গিয়েছিলাম এবং আবৃ বক্র (রা.) কাতারে দাঁড়ানোর জন্য পিছন দিকে সরে আসছিলেন। তিনি ভেবেছিলেন, নবী ক্রিট্রের্ট্র হয়তো সালাতে আসবেন। নবী ক্রিট্রের্ট্র আমাদেরকে ইশারায় বললেন যে, তোমরা তোমাদের সালাত পূর্ণ করে নাও। এরপর তিনি পর্দা ফেলে দিলেন। সে দিনই তিনি ইন্তিকাল করেন।

النّبِيِّ عَلَيْ اللهِ عَلْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلْ اللهِ عَلَا اللهِ عَلْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلْ اللهِ عَلْمُ اللهِ عَلْ اللهِ عَلْ اللهِ عَلْمُ اللهُ اللهِ عَلْمُ اللهِ عَلْمُ اللهِ عَلْمُ اللهِ عَلَا اللهِ عَلَا اللهِ عَلَا اللهِ عَلْمُ الله

৬৪৭ আবৃ মা মার (র.)......আনাস (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, (রোগশয্যায় থাকার কারণে) তিন দিন পর্যন্ত নবীল্লিইবাইরে আসেন নি। এ সময় একবার সালাতের ইকামত দেওয়া হল। আবৃ বক্র (রা.) ইমামতি করার জন্য অথসর হচ্ছিলেন। এমন সময় নবী ক্লিইই তাঁর ঘরের পর্দা ধরে উঠালেন।

নবী ক্রিট্রে -এর চেহারা যখন আমাদের সমুখে প্রকাশ পেল, তাঁর চেহারার চেয়ে সুন্দর দৃশ্য আমরা আর কখনো দেখিনি। যখন তাঁর চেহারা আমাদের সমুখে প্রকাশ পেল, তখন নবী ক্রিট্রে হাতের ইশারায় আবৃ বক্র (রা.)-কে (ইমামতির জন্য) এগিয়ে যেতে বললেন এবং পর্দা ফেলে দিলেন। তারপর মৃত্যুর পূর্বে তাঁকে আর দেখার সৌভাগ্য হয়নি।

٦٤٨ حَدُّثَنَا يَحُلِي بُنُ سلَيْمَانَ قَالَ حَدَّثَنَا ابْنُ وَهُبِ قَالَ حَدَّثَنَا يُونُسُ عَنِ ابْنِ شِهَابٍ عَنْ حَمْزَةَ بُنِ عَبْدِ اللّهِ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ الل

ভি৪৮ ইয়াহইয়া ইব্ন সুলাইমান (র.)....আবদুল্লাহ্ ইব্ন উমর (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, রাসূলুল্লাহ্ ক্রিট্রের্ট্র -এর রোগ যখন খুব বেড়ে গেল, তখন তাঁকে সালাতের জামা'আত সম্পর্কে জিজ্ঞাসা করা হল। তিনি বললেন, আবৃ বক্রকে বল, সে যেন লোকদের নিয়ে সালাত আদায় করে নেয়। আয়িশা (রা.) বলেন, আমি বললাম, আবৃ বকর (রা.) অত্যন্ত কোমল মনের লোক। কিরাআতের সময় কান্নায় ভেঙ্গে পড়বেন। তিনি বললেন, তাঁকেই সালাত আদায় করতে বল। আয়িশা (রা.) সে কথার পুনরাবৃত্তি করলেন। তিনি আবার বললেন, তাঁকেই সালাত আদায় করতে বল। তোমরা ইউসুফ (আ.)-এর সাথী র মণীদেরই মত। এ হাদীসটি যুহরীর (র.) থেকে বর্ণনা করার ব্যাপারে যুবাইদী যুহরীর ভাতিজা ও ইসহাক ইব্ন ইয়াহ্ইয়া কালবী (র.) ইউনুস (র.)-এর অনুসরণ করেছেন। এবং মা'মার ও উকায়ল (র.) যুহরী (র.)-এর মাধ্যমে হামযা (র.) সূত্রে নবী ক্রিট্রের্ট্রি থেকে হাদীসটি (মুরসাল হিসাবে) বর্ণনা করেন।

## ٤٣٩. بَابُ مَنْ قَامَ اللَّي جَنْبِ الْإِمَامِ لِعِلَّةٍ

৪৩৯. অনুচ্ছেদঃ কারণবশত ইমামের পাশে দাঁড়ানো।

آدَا عَرُنَا هِشَامُ بُنُ عُرِيًّا ابْنُ يَحْيِى قَالَ حَدَّثَنَا ابْنُ نُمَيْرٍ قَالَ اَخْبَرَنَا هِشَامُ بُنُ عُرُوةَ عَنْ أَبِيهِ عَنْ عَائِشَةَ قَالَتُ امْرَ رَسُولُ اللَّهِ عَلَيْ ابْنُ يُصَلِّى بِإلنَّاسِ فِي مَرَضِهِ فَكَانَ يُصلِّى بِهِمْ قَالَ عُرُوةً فَوَجَدَ رَسُولُ اللَّهِ عَلَيْ بِهِمْ قَالَ عُرُوةً فَوَجَدَ رَسُولُ اللَّهِ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهِ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْ اللّهُ عَلَيْ اللّهِ عَلَيْ اللّهُ عَلْكُولُ اللّهُ عَلَيْ اللّهُ عَلَيْ اللّهُ عَلَيْ اللّهُ عَلْمَالُولُ اللّهُ عَلَيْ اللّهُ عَلْمَ عَلْمَ اللّهُ عَلَيْ اللّهُ اللّهُ عَلَيْ اللّهُ عَلَيْ اللّهُ عَلْمَ اللّهُ عَلَيْ اللّهُ عَلَيْ اللّهُ عَلَيْ اللّهُ عَلَيْ اللّهُ عَلْمُ اللّهُ عَلَيْ اللّهُ عَلْمَ اللّهُ عَلَيْ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَيْ اللّهُ عَلَيْ اللّهُ عَلَيْ الللّهُ عَلَيْ اللّهُ عَلَيْ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَا عَلَا عَلَا عَلَا اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ

৬৪৯ যাকারিয়া ইব্ন ইয়াহ্ইয়া (র.)......আয়িশা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, অন্তিম রোগে আক্রান্ত অবস্থায় রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্রে আবৃ বক্র (রা.)-কে লোকদের নিয়ে সালাত আদায় করতে নির্দেশ দিয়েছিলেন। তাই তিনি লোকদের নিয়ে সালাত আদায় করেন। উরওয়া (রা.) বর্ণনা করেন, ইতিমধ্যে রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্রে একটু সুস্থতাবোধ করলেন এবং সালাতের জন্য বেরিয়ে আসলেন। তখন আবৃ বক্র (রা.) লোকদের ইমামতি করছিলেন। তিনি নবিল্রিট্রেকে দেখে পিছিয়ে আসতে চাইলেন। নবী ক্রিট্রেট্রেতাকে ইশারা করলেন যে, যেভাবে আছু সেভাবেই থাক। তারপর রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্রেট্র আবৃ বক্র (রা.)-এর বরাবর তাঁর পাশে বসে গেলেন। তখন আবৃ বক্র (রা.) রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্রেট্র -কে অনুসরণ করে সালাত আদায় করছিলেন আর লোকেরা আবৃ বক্র (রা.)-কে অনুসরণ করে সালাত আদায় করছিল।

# ٤٤٠ بَابُ مَنْ دَخَلَ لِيَـــ قُمُّ النَّاسَ فَجَاءَ الْإِمَامُ الْأَوْلُ فَتَاَخُرَ الْأَوْلُ أَوْلُمْ يَتَاخُــ رَجَازَتُ صَلَاتُهُ فِيـــهِ عَائِشَــةُ عَنِ النَّبِيِّ فَيَالِمُ مَنْ دَخِلَ لِيَـــ فَمُ النَّاسَ فَجَاءَ الْإِمَامُ الْأَوْلُ فَتَاخُرَ الْأَوْلُ أَوْلُمُ يَتَاخُــ رَجَازَتُ صَلَاتُهُ فِيـــهِ عَائِشــةُ عَنِ النَّبِيِ فَيَالَتُهُ فَيَامُ الْأَوْلُ اللَّهُ عَنِ النَّبِي فَيَالَهُ مَنْ النَّبِي فَيَالِيَهُ مَنْ النَّبِي فَيَالُمُ اللَّهُ اللَّهُ الْأَوْلُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ مَنْ النَّبِي فَيَامُ اللَّالَ اللَّهُ عَنِ النَّامِ اللَّهُ الللَّهُ اللَّهُ الللَّهُ اللَّهُ الللللَّهُ اللللللَّةُ اللللْمُ اللَّهُ اللَّهُ الللللِّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَ

880. অনুচ্ছেদ ঃ কোন ব্যক্তি লোকদের ইমামতি করার জন্য অগ্রসর হলে যদি পূর্ব (নির্ধারিত) ইমাম এসে যান তা'হলে তিনি পিছে সরে আসুন বা না আসুন উভয় অবস্থায় তাঁর সালাত আদায় হয়ে যাবে। এ মর্মে আয়িশা (রা.) থেকে একটি হাদীস বর্ণিত আছে।

حَدَّثَنَا عَبْدُ اللَّهِ ابْنُ يُوسُفُ قَالَ اَخْسَرَنَا مَالِكُ عَنْ اَبِيْ حَازِم بْنِ دِيْنَارِ عَنْ سَهْل بْنِ سَعْدِ السَّاعِدِيِّ اَنَّ رَسُولَ اللَّهِ عَلَيْ اللَّهِ عَلَيْ اللَّهِ عَمْدِو بْنِ عَوْف لِيُصْلِحَ بَيْنَهُمْ فَحَانَتِ الصَّلَاةُ فَجَاءَ الْمُؤذِّنُ اللّهِ بَيْنَ مُكْرِ فَقَالَ اللّهِ بَيْنَ وَالنَّاسِ فَاقْتِيمُ قَالَ نَعْمُ فَصَلِّى ابُوْ بَكُرٍ فَجَاءَ رَسُولُ اللّهِ بَيْنَ وَالنَّاسُ فِي الصَّفِ فَصَفَقَ النَّاسُ وَكَانَ ابُو بَكُرٍ لاَ يَلْتَفِتُ فِي صَلَاتِه ، فَلَمَّا اكْسَثَلُ السَّاسُ فِي الصَّفِ فَصَفَقَ النَّاسُ وَكَانَ ابُو بَكُرٍ لاَ يَلْتَفِتُ فِي صَلَاتِه ، فَلَمَّا اللّهُ عَنْهُ يَدَيْهِ فَحَمِدِ اللّهُ عَلَى مَا امْرَهُ بِهِ رَسُولُ اللّهِ عَنِي الْمُعَنِّ مَنْ ذَالِكَ ثُمَّ السَّتَأَخُرَ الْهُ بَيْنَ عَلَى مَا امْرَهُ بِهِ رَسُولُ اللّهِ عَنِي الْمَعْ مَنْ ذَالِكَ ثُمَّ السَّتَأَخُرَ الْهُ بَكُرٍ رَضِي اللّهُ عَنْهُ يَدَيْهِ فَحَمِدِ اللّهُ عَلَى مَا امْرَهُ بِهِ رَسُولُ اللّهِ عَنِي الْمَدُ مَنْ ذَالِكَ ثُمَّ السَّتَأَخُرَ الْهُ بَكُرٍ حَتَّى اللّهُ عَنْهُ يَدَيْهِ فَحَمِدِ اللّهُ عَلَى مَا امْرَهُ بِهِ رَسُولُ اللّهِ عَنِي الْمَا اللّهُ عَنْهُ يَدَيْهِ فَحَمِدِ اللّهُ عَلَى مَا امْرَهُ بِهِ رَسُولُ اللّهِ عَنِي الْمَالَ اللّهُ عَنْهُ يَدَيْهِ فَعَمْدِ اللّهُ عَلَى مَا الْمَرَهُ بِهِ رَسُولُ اللّهِ عَنِي الْمَالَ اللّهِ عَنْهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلْمَ اللّهُ عَنْهُ اللّه عَلَى اللّهُ عَنْهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّه عَلَى اللّهُ عَلَى التَّصَعْقِقُ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلْمُ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَنْهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلْمُ اللّهُ عَلْمُ اللّهُ عَلْمُ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلْمُ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلْمُ اللّهُ عَلْمُ

৬৫০ আবদুল্লাহ্ ইব্ন ইউসুফ (র.).....সাহ্ল ইব্ন সা'দ সায়িদী (রা.) থেকে বর্ণিত যে, একবার রাসূলুল্লাহ্ 📆 📆 আমর ইব্ন আওফ গোত্রের এক বিবাদ মীমাংসার জন্য সেখানে যান। ইতিমধ্যে (আসরের) সালাতের সময় হয়ে গেলে, মুআয্যিন আবূ বকর (রা.)-এর কাছে এসে বললেন, আপনি কি লোকদের নিয়ে সালাত আদায় করে নেবেন ? তা হলে ইকামত দেই ? তিনি বললেন, হাাঁ, আবৃ বক্র (রা.) সালাত আরম্ভ করলেন। লোকেরা সালাতে থাকতে থাকতেই রাস্লুল্লাহ্ 🖫 তাশরীফ আনলেন এবং তিনি সারিগুলো ভেদ করে প্রথম সারিতে গিয়ে দাঁড়ালেন। তখন সাহাবীগণ হাতে তালি দিতে লাগলৈন। আবূ বকর (রা.) সালাতে আর কোন দিকে তাকাতেন না। কিন্তু সাহাবীগণ যখন বেশী করে হাতে তালি দিতে লাগলেন, তখন তিনি তাকালেন এবং রাসূলুল্লাহ্ 📆 -কে দেখতে পেলেন। রাসূলুল্লাহ্ ্র ক্রিট্র তার প্রতি ইশারা করলেন- নিজের জায়গায় থাক। তখন আবূ বক্র (রা.) দু' হাত উঠিয়ে রাসূলুল্লাহ্ 🚟 -এর নির্দেশের জন্য আল্লাহ্র প্রশংসা করে পিছিয়ে গেলেন এবং কাতারের বরাবর দাঁড়ালেন। আর রাসূলুল্লাহ্ 🚟 সামনে এগিয়ে সালাত আদায় করলেন। সালাত শেষ করে তিনি বললেন, হে আবু বক্র! আমি তোমাকে নির্দেশ দেওয়ার পর কি সে তোমাকে বাধা দিয়েছিল ? আবু বক্র (রা.) বললেন, আবু কুহাফার পুত্রের জন্য রাসূলুল্লাহ্ হাষ্ট্রীএর সামনে দাঁড়িয়ে সালাত আদায় করা শোভা পায় না। তারপর রাসূলুল্লাহ্ 📆 বললেন ঃ আমি তোমাদের এত হাতে তালি দিতে দেখলাম। ব্যাপার কি ? শোন! সালাতে কারো কিছু ঘটলে সুবহানাল্লাহ্ বলবে। সুবহানাল্লাহ্ বললেই তার প্রতি দৃষ্টি দেওয়া হবে। আর হাতে তালি দেওয়া ত মহিলাদের জন্য।

# ١٤٤، بَابُ إِذَا اسْتَوَوْا فِي الْقِرَاءَةِ فَلْيَقُمَهُمْ أَكْبَرُهُمْ

88). অনুচ্ছেদ ঃ একাধিক ব্যক্তি কিরাআতে সমান হলে, তাদের মধ্যে বয়োজ্যেষ্ঠ ব্যক্তি ইমাম হবেন।

٦٥١ حَدُثْنَا سُلَيْمَانُ بُنُ حَرْبٍ قَالَ حَدَّثَنَا حَمَّادُ بُنُ زَيْدٍ عَنْ اَيُّوبَ عَنْ أَبِي قِلاَبَةَ عَنْ مَالِكٍ بُنِ الْحُوَيْرِثِ قَالَ قَدَمُنَا عَلَى النَّبِيِّ وَنَحْنُ شَبَبَةُ فَلَبِثَنَا عِنْدَهُ نَحُوا مِنْ عِشْرِيْنَ لَيْلَةً وَكَانَ النَّبِيُ عَلَيْكُ رَحِيْمًا فَقَالَ لَوْ رَجَعْتُمُ النَّبِي عَلَيْكُ رَحِيْمًا فَقَالَ لَوْ رَجَعْتُمُ اللَّهِ عَلَيْ اللَّهِ عَلَيْمُ مُرُوهُمُ مُرُوهُمُ فَلَيُصَلُّوا صَلاَةً كَذَا فِي حَيْنِ كَذَا ، وَصَلاَةً كَذَا فِي حَيْنِ كَذَا ، وَصَلاَةً كَذَا فِي حَيْنِ كَذَا ، وَصَلاَةً فَلْيُونَذِن لَكُمْ اَحَدُكُمْ وَلْيَوْمَكُمْ اَكْبَرُكُمْ .

৬৫১ সুলাইমান ইব্ন হারব (র.).....মালিক ইব্ন হুওয়ায়রিস (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আমরা একদল যুবক একবার নবী ক্রিট্রা-এর খেদমতে হাযির হলাম এবং প্রায় বিশ দিন আমরা সেখানে থাকলাম। নবী ক্রিট্রাই ছিলেন অত্যন্ত দয়ালু। তাই তিনি আমাদের বললেন ঃ তোমরা যখন নিজ দেশে ফিরে গিয়ে লোকদের দীন শিক্ষা দিবে, তখন তাদের এ সময়ে অমুক সালাত আদায় করতে বলবে এবং

কেননা তাঁকে পিছনে রেখে লোকেরা সালাত আদায় করতে অসুবিধাবোধ করবে, ফলে তাদের সালাতের একাগ্রতা বিনষ্ট হবে। তাই তিনি সামনে চলে যান।

ঐ সময়ে অমুক সালাত আদায় করতে বলবে। তারপর যখন সালাতের সময় হয় তখন তোমাদের একজন আযান দিবে এবং তোমাদের মধ্যে বয়োজ্যেষ্ঠ ইমামতি করবে।

# ٤٤٢، بَابُ إِذَا زَارَ الْإِمَامُ قَنْمًا فَأُمُّهُمْ

882. هجرت عَبَانَ بُنُ اَسَد اِخْبَرَنَا عَبُدُ اللهِ اَخْبَرَنَا مَعْمَرُ عَنِ الزَّهْرِيِّ قَالَ اَخْبَرَنِي مَحْمُودُ بُنُ الرَّبِيْعِ ٢٥٢ حَدَّثَنَا مُعَادُ بُنُ اسَد اِخْبَرَنَا عَبُدُ اللهِ اَخْبَرَنَا مَعْمَرُ عَنِ الزَّهْرِيِّ قَالَ اَخْبَرَنِي مَحْمُودُ بُنُ الرَّبِيْعِ عَلَيْهُ فَاذِنْتُ لَهُ فَقَالَ اَيْنَ تُحِبُّ اَنْ اُصلِي مَنْ النَّبِي عَلِيْهُ فَاذِنْتُ لَهُ فَقَالَ اَيْنَ تُحِبُّ اَنْ اُصلِي مِنْ عَيْنَكُ فَاشَرْتُ لَهُ إِلَى الْمَكَانِ الذِي اُحِبُّ فَقَامَ وَصَفَفَنَا خَلْفَهُ ثُمَّ سَلَّمَ وَسَلَّمْنَا .

৬৫২ মু'আয ইব্ন আসাদ (র.).....ইতবান ইব্ন মালিক আনসারী (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, একবার রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্রে(আমার ঘরে প্রবেশের) অনুমতি চাইলেন। আমি তাঁকে অনুমতি দিলাম। তিনি বললেন ঃ তোমার ঘরের কোন জায়গাটি আমার সালাত আদায়ের জন্য তুমি পসন্দ কর। আমি আমার পসন্দ মত একটি স্থান ইশারা করে দেখালাম। তিনি সেখানে সালাতের জন্য দাঁড়ালেন, আমরা তাঁর পিছনে সারিবদ্ধ হয়ে দাঁড়ালাম। এরপর তিনি সালাম ফিরালেন এবং আমরা সালাম ফিরালাম।

٤٤٣. بَابُ اِنْمَا جُعِلَ الْإِمَامُ لِيُثْتَمَّ بِهِ وَصَلَّى النَّبِيُّ الْأَيْ فِي مَرَضِهِ الَّذِي تُوفِي نِيهِ بِالنَّاسِ وَهُنَ جَالِسُ وَقَالَ ابْنُ مَسْعُنْ إِذَا رَفَعَ قَبْلَ الْإِمَامِ يَعُنْدُ فَيَمْكُثُ بِقِدْرِ مَا رَفَعَ ثُمَّ يَتُبَعُ الْإِمَامَ وَقَالَ الْحَسَنُ عَلَي يَسْجُدُ لِلرَّكُفَةِ الْأَجْرَةِ سَجْدَتَيْنِ ثُمَّ يَقْضِي الرَّكُفَةَ الْأُولَى فِيمُنْ يَرْكُعُ مِنَ الْإِمَامُ رَكُعَتَيْنِ وَلاَ يَقْدِرُ عَلَى يَسْجُدُ لِلرَّكُفَةِ الْأَجْرَةِ سَجْدَتَيْنِ ثُمَّ يَقْضِي الرَّكُفَةَ الْأُولَى بِسُجُنَدُهِمَ وَالْمُعَلِي الرَّكُفَةَ الْأُولَى الْمُحَدِّدِهُ فَامَ يَسُجُدُهُ فَامَ يَسْجُدُهُ .

88৩. অনুচ্ছেদ ঃ ইমাম নির্ধারণ করা হয় অনুসরণ করার জন্য। যে রোগে রাস্লুল্লাহ ক্রিন্ত্র.

-এর ওফাত হয়, সে সময় তিনি বসে বসে লোকদের ইমামতি করেছেন।ইব্ন মাসউদ (রা.) বলেন, কেউ যদি ইমামের আগে মাথা উঠিয়ে ফেলে, তা হলে পুনরায় ফিরে গিয়ে ততটুকু সময় বিলম্ব করবে, যতটুকু সময় মাথা উঠিয়ে রেখেছিল। তারপর ইমামকে অনুসরণ করবে। হাসান বাসরী (র.) বলেন, যে ব্যক্তি ইমামের সঙ্গে রুক্' সহ দু' রাকাআত সালাত আদায় করে, কিন্তু সিজ্দা দিতে পারে না, সে শেষ রাকাআতের জন্য দু' সিজ্দা করবে এবং প্রথম রাকাআত সিজ্দাসহ পুনরায় আদায় করবে। আর যে ব্যক্তি ভুলক্রমে এক সিজ্দা না দিয়ে দাঁড়িয়ে গেছে, সে (পরবর্তী রাকাআতে) সে সিজ্দা করে নিবে।

٦٥٣ حَدَّثْنَا أَحْمَدُ بْنُ يُونُسَ قَالَ حَدَّثْنَا زَائِدَةُ عَنْ مُوسِلَى بْنِ أَبِي عَائِشَةَ عَنْ عُبِيدِ اللهِ ابْنِ عَبْدُ اللهِ بْنِ عُتْبَةَ قَالَ دَخَلْتُ عَلَى عَائِشَةَ فَقُلْتُ الاَ تُحَدِّنِيْنِي عَنْ مَرَضِ رَسُولُ اللهِ عَلِي قَالَتُ بَلَى ثَقُلَ النَّبِي عَلِيهِ فَقَالَ أَصلُّى النَّاسُ قُلْنَا لاَهُمْ يَنْتَظِرُ أَنْكَ قَالَ ضَعُوا لِيْ مَاءً فِي الْمِخْضَبِ قَالَتُ فَفَعْلْنَا فَاغْتَسَلَ فَذَهَبَ لِيَنُوُّءَ فَأُغْسِمِيَ عَلَيْهِ ثُمُّ أَفَاقَ فَقَالَ أَصلُّى النَّاسُ قُلْنَا لاَهُمْ يَنْتَظِرُونَكَ يَارَسُولَ اللَّهِ قَالَ ضَعُوا لِي مَاءً فِي الْمِخْضَبِ قَالَتُ فَقَعَدَ فَاغْتَسَلَ ثُمُّ ذَهَبَ لِيَنُوَّءَ فَأُغْمِى عَلَيْهِ ثُمَّ أَفَاقَ فَقَالَ أَصلَّى النَّاسُ قُلُّنَا لاَهُمْ يَنْتَظِرُونَكَ يَارَسُولَ اللَّهِ عَلِيَّ فَقَالَ ضَعَوا لِي مَاءً فِي الْمِخْضَبِ فَقَعَدَ فَاغْتَسَلَ ثُمَّ ذَهَبَ لِيَنُوَّءَ فَأُغْمِي عَلَيْهِ ثُمَّ اَفَاقَ فَقَالَ اصلِّي النَّاسُ فَقُلْنَا لاَهُمْ يَنْتَظِرُونَكَ يَارَسُولَ اللهِ عَلِيُّهُ وَالنَّاسُ عُكُوفُ فِي الْمَسْجِدِ يَنْتَظِرُونَ النَّبِيُّ عَلِيتُهُ لِصَلاَةِ الْعِشَاءِ الْآخِرَةِ فَأَرْسَلَ النَّبِيُّ عَلِيتُهُ إِلَى أَبِي بَكُر بِأَنْ يُصلِّي بِالنَّاسِ فَأَتَاهُ الرُّسُولُ فَقَالَ إِنَّ رَسُولَ اللهِ عَلِي ﴿ يَأْمُرُكَ أَنْ تُصلِّي بِالنَّاسِ فَقَالَ أَبُو بَكُرٍ وَكَانَ رَجُلاً رَقَيْقًا يَا عُمَرُ صلِّ بِالنَّاسِ فَقَالَ لَهُ عُمَرُ اَنْتَ اَحَقُّ بِذٰلِكَ فَصلِّى أَبُو بَكُرِ تِلْكَ الْآيَّامَ ثُمَّ إِنَّ النَّبِيُّ عَلَيْهُ وَجَدَ مِنْ نَفْسِهِ خِفَّةً فَخَرَجَ بَيْنَ رَجُلَيْنِ أَحَدُهُمَا الْعَبَّاسُ لِصَلاَةِ الظُّهْرِ وَ أَبُوْ بَكْرٍ يُصلِّي بِالنَّاسِ فَلَمَّارَاهُ أَبُوْ بَكْرٍ ذَهَبَ لِيَتَأَخَّرَ فَأُوْمَا الِّيهِ النَّبِيُّ عَلِيهُ بِأَنْ لاَ يَتَأَخَّرَ قَالَ اَجُلِسَانِي الِّي جَنْبِهِ فَاجْلَسَاهُ الِّي جَنْبِ أَبِي بَكْرٍ قَالَ فَجَعَلَ أَبُو بَكُر يُصلِّي وَهُوَ يَأْتُمُ بِصلاَةِ النَّبِيِّ عَلِيَّهُ وَالنَّاسُ بِصلاَةِ أَبُو بَكُر وَالنَّبِيُّ عَلِيتُ قَاعِدُ قَالَ عُبَيْدُ اللَّهِ فَدَخَلْتُ عَلَى عَبْدِ اللَّهِ ابْنِ عَبَّاسٍ فَقُلْتُ لَهُ الاَ أَعْدِضُ عَلَيْكَ مَا حَدَّثَنِي عَائِشَةُ عَنْ مَرَضِ النَّبِيّ عَلِيُّهُ قَالَ هَات فَعَرَضْتُ عَلَيْهِ حَدِيْتُهَا فَمَا اَنْكُرَ مِنْهُ شَيْئًا غَيْرَ اَنَّهُ قَالَ اسَمَّتُ لَكَ الرَّجُلُ الَّذِي كَانَ مَعَ الْعَبَّاسِ قُلْتُ لاً قَالَ هُوَ عَلَى ٠

৬৫৩ আহ্মদ ইব্ন ইউনুস (র.)......উবাইদ্লাহ্ ইব্ন আবদুলাহ্ ইব্ন উত্বা (র.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আমি আয়িশা (রা.)-এর খিদমতে উপস্থিত হয়ে বললাম, রাস্লুলাহ্ ক্রিট্র -এর (অন্তিম কালের) অসুস্থতা সম্পর্কে কি আপনি আমাকে কিছু শুনাবেন ? তিনি বললেন, অবশ্যই নবী ক্রিট্রের মারাত্মকভাবে রোগাক্রান্ত হয়ে পড়লেন। রাস্লুলাহ্ ক্রিট্রের জিজ্ঞাসা করলেন, লোকেরা কি সালাত আদায় করে ফেলেছে ? আমরা বললাম, না, ইয়া রাস্লালাহ্! তাঁরা আপনার অপেক্ষায় আছেন। তিনি বললেন, আমার জন্য গোসলের পাত্রে পানি দাও। আয়িশা (রা.) বলেন, আমরা তাই করলাম। তিনি গোসল করলেন। তারপর একটু উঠতে চাইলেন, কিন্তু বেহুঁশ হয়ে পড়লেন। কিছুক্ষণ পর একটু হুঁশ ফিরে

পেলে আবার তিনি জিজ্ঞাসা করলেন, লোকেরা কি সালাত আদায় করে ফেলেছে? আমরা বললাম, না, ইয়া রাসূলাল্লাহ্! তাঁরা আপনার অপেক্ষায় আছেন। তিনি বললেন, আমার জন্য গোসলের পাত্রে পানি রাখ। আয়িশা (রা.) বলেন, আমরা তাই করলাম। তিনি গোসল করলেন। আবার উঠতে চাইলেন, কিন্তু বেহুঁশ হয়ে পড়লেন। কিছুক্ষণ পর আবার হুঁশ ফিরে পেয়ে জিজ্ঞাসা করলেন, লোকেরা কি সালাত আদায় করে ফেলেছে ? আমরা বললাম, না, ইয়া রাসূলাল্লাহ্! তাঁরা আপনার অপেক্ষায় আছেন। তিনি বললেন, আমার জন্য গোসলের পাত্রে পানি রাখ। তারপর তিনি উঠে বসলেন, এবং গোসল করলেন। এবং উঠতে গিয়ে বেহুঁশ হয়ে পড়লেন। কিছুক্ষণ পর আবার হুঁশ ফিরে পেলেন এবং জিজ্ঞাসা করলেন, লোকেরা কি সালাত আদায় করে ফেলেছে ? আমরা বললাম, না, ইয়া রাসূলাল্লাহ্! তাঁরা আপনার অপেক্ষায় আছেন। ওদিকে সাহাবীগণ ইশার সালাতের জন্য নবী 📆 এর অপেক্ষায় মসজিদে বসে ছিলেন। নবী বিশ্বস্থিতাব বক্র (রা.)-এর নিকট এ মর্মে একজন লোক পাঠালেন যে, তিনি যেন লোকদের নিয়ে সালাত আদায় করে নেন। সংবাদ বাহক আবু বক্র (রা.)-এর নিকট উপস্থিত হয়ে বললেন যে, রাসূলুল্লাহ্ क्षेत्र আপনাকে লোকদের নিয়ে সালাত আদায় করার নির্দেশ দিয়েছেন। আবূ বক্র (রা.) অত্যম্ভ কোমল মনের লোক ছিলেন, তাই তিনি উমর (রা.)-কে বললেন, হে উমর! আপনি সাহাবীগণকে নিয়ে সালাত আদায় করে নিন। উমর (রা.) বললেন, আপনিই এর জন্য অধিক হক্দার। তাই আবৃ বক্র (রা.) সে কয়দিন সালাত আদায় করলেন। তারপর নবী 📆 একটু নিজে হাল্কাবোধ করলেন এবং দু'জন লোকের কাঁধে ভর করে যুহরের সালাতের জন্য বের হলেন। সে দু'জনের একজন ছিলেন আব্বাস (রা.)। আবু বক্র (রা.) তখন সাহাবীগণকে নিয়ে সালাত আদায় করছিলেন। তিনি যখন নবী ় 🚛 -কে দেখতে পেলেন, পিছনে সরে আসতে চাইলেন। নবী 🖫 তাঁকে পিছিয়ে না আসার জন্য ইশারা করলেন এবং বললেন, তোমরা আমাকে তাঁর পাশে বসিয়ে দাও। তাঁরা তাঁকে আবূ বক্র (রা.)-এর পাশে বসিয়ে দিলেন। বর্ণনাকারী বলেন, তারপর আবু বক্র (রা.) নবী 📆 এর সালাতের ইক্তিদা করে সালাত আদায় করতে লাগলেন। আর সাহাবীগণ আবূ বক্র (রা.)-এর সালাতের ইক্তিদা করতে লাগলেন। নবী 🚟 তখন উপবিষ্ট ছিলেন। উবায়দুল্লাহ্ বলেন, আমি আবদুল্লাহ্ ইব্ন আব্বাস (রা.)-এর নিকট উপস্থিত হয়ে বললাম, নবী ক্রিক্ট্র-এর অীন্তম কালের অসুস্থতা সম্পর্কে আয়িশা (রা.) আমাকে যে হাদীস বর্ণনা করেছেন, তা কি আমি আপনার নিকট বর্ণনা করব না ? তিনি বললেন, করুন। তাই আমি তাঁকে সে হাদীস শুনালাম। তিনি এ বর্ণনার কোন অংশেই আপত্তি করলেন না, তবে তাঁকে তিনি জিজ্ঞাসা করলেন যে, আব্বাস (রা.)-এর সাথে যে অপর এক সাহাবী ছিলেন, আয়িশা (রা.) কি আপনার নিকট তাঁর নাম উল্লেখ করেছেন ? আমি বললাম, না। তিনি বললেন, তিনি হলেন, আলী (রা.)।

آمَةُ مَدُنّنَا عَبُدُ اللهِ بَنُ يُوسُفَ قَالَ اَخْبَرَنَا مَاكِ عَنْ هِشَامِ بَنِ عُرُوةَ عَنْ اَبِيهِ عَنْ عَائِشَةَ أُمِّ الْمُؤْمِنِيْنَ اَنَّهَا قَالَتُ صَلِّى رَسُولُ اللهِ عَلِي لَهِ عَيْ بَيْتِهِ وَهُوَ شَاكٍ فَصلَتُى جَالِسًا وَصلَّى وَرَاءَهُ قَوْمُ قَيَامًا فَاسَارَ اللهِ عَالَى اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَى اللهُ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهُ عَلَى اللهِ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهُ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُهُ عَلَى اللهُ عَلَى الله

৬৫৪ আবদুল্লাহ্ ইব্ন ইউসুফ (র.).......উমুল মু'মিনীন আয়িশা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, একদা অসুস্থ থাকার কারণে রাসূলুল্লাহ্ ক্রিট্রা নিজ গৃহে সালাত আদায় করেন এবং বসে সালাত আদায় করছিলেন, একদল সাহাবী তাঁর পিছনে দাঁড়িয়ে সালাত আদায় করতে লাগলেন। তিনি তাদের প্রতি ইশারা করলেন যে, বসে যাও। সালাত শেষ করার পর তিনি বললেন, ইমাম নির্ধারণ করা হয় তাঁর ইক্ তিদা করার জন্য। কাজেই সে যখন রুক্' করে তখন তোমরাও রুক্' করবে, এবং সে যখন রুক্' থেকে মাথা উঠায় তখন তোমরাও মাথা উঠাবে, আর সে যখন বসে সালাত আদায় করে, তখন তোমরা সকলেই বসে সালাত আদায় করবে।

700 حَدُّثَنَا عَبْدُ اللهِ بْنُ يُوسُفَ قَالَ اَخْبَرَنَا مَالِكُ عَنْ إِبْنِ شِهَابٍ عَنْ اَنْسِ بْنِ مَالِكِ اَنْ رَسُولُ اللهِ . عَنْهُ فَجُحِشَ شِقَّهُ الْاَيْمَنُ فَصلَّى صَلاَةً مِنَ الصلَّوَاتِ وَهُوَ قَاعِدُ فَصلَّيْنَا وَرَاءَهُ قُعُودًا فَلَمَّا انْسَصَرَفَ قَالَ اِنَّمَا جُعِلَ الْاَمِامُ لِيُؤْتَمَّ بِهِ فَاذَا صَلَّى قَائِمًا فَصلَّوا قِيَامًا فَاذَا رَكَعَ فَارْكَعُوا قُعُودًا فَلَمَّا انْسَصَرَفَ قَالَ النَّمَا جُعِلَ الْاَمِامُ لِيُؤْتَمَّ بِهِ فَاذَا صَلَّى قَائِمًا فَصلَّوا قِيَامًا فَاذَا رَكَعَ فَارْكَعُوا وَإِذَا قَالَ سَمِعَ اللهُ لِمَنْ حَمِدَهُ فَقُولُوا رَبَّنَا وَلَكَ الْحَمْدُ أَبُو عَبْدِ اللهِ قَالَ الْحُمَيْدِيُ قَوْلُهُ وَإِذَا وَلَكَ الْحَمْدُ أَبُو عَبْدِ اللهِ قَالَ الْحُمَيْدِيُ قَوْلُهُ وَإِذَا صَلَّى جَالِسًا فَالنَّاسُ وَلَكَ النَّبِيِّ عَلَيْكِ النَّهِ عَالَ النَّيِيِّ جَالِسًا وَالنَّاسُ خَلُقَهُ قَيَامًا لَمْ يَأْمُوهُ وَانَّمَا هُو فِي مَرَضِهِ الْقَدِيمِ ثُمَّ صَلِّى بَعْسَدَ ذَلِكَ النَّبِيِّ عَلَيْكَ عَالِسًا وَالنَّاسُ خَلْفَهُ قِيَامًا لَمْ يَأْمُرُهُمْ بِالْقُعُودُ وَانَّمَا يُوحَذُهُ بِالْاخِرِ فَالْاخِرِ مَنْ فَعُلِ النَّبِي عَلَيْكُ النَّبِي عَلَيْكُ وَاللَّهُ الْمُ يَوْخَذُ بِالْاخِرِ فَالْاخِرِ مَنْ فَعُلِ النَّبِي عَلَيْكُ النَّبِي عَلَيْكُ وَلَاللهُ اللهُ اللهُ السَّا وَالنَّاسُ خَلُقَهُ قِيَامًا لَمْ يَأُمُونُهُ وَانَّمُا يُوحَذُ وَانَّمَا يُوحَدُ بَالْاخِرِ فَالْاخِرِ مَنْ فَعُلِ النَّبِي عَلَيْكِا لِللهِ النَّهِ اللهُ اللهِ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ الْمُ اللهُ اللّهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللّهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللّهُ اللهُ اللهُ اللّهُ اللّهُ اللهُ اللهُ اللّهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللّهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللّهُ اللهُ اللّهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللّهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ

৬৫৫ আবদুল্লাহ্ ইব্ন ইউসুফ (র.)......আনাস ইব্ন মালিক (রা.) থেকে বর্ণিত যে, একবার রাসূলুল্লাহ্ ঘোড়ায় সাওয়ার হন এরপর তিনি তা থেকে পড়ে যান, এতে তার ডান পাশে একটু আঘাত লাগে। তিনি কোন এক ওয়াক্তের সালাত বসে আদায় করছিলেন, আমরাও তাঁর পিছনে বসে সালাত আদায় করলাম। সালাত শেষ করার পর তিনি বললেন, ইমাম নির্ধারণই করা হয় তাঁর ইক্তিদা করার জন্য। কাজেই ইমাম যখন দাঁড়িয়ে সালাত আদায় করে তখন তোমরাও দাঁড়িয়ে সালাত আদায় করেবে, সে যখন রুক্ করে তখন তোমরাও রুক্ করেবে, সে যখন রুক্ করে তখন তোমরাও রুক্ করেবে, সে যখন উঠে, তখন তোমরাও উঠবে, আর সে যখন করে তখন তোমরাও রুক্ করেবি, তখন তোমরাও উঠবে, আর সে যখন করে, তখন তোমরা সবাই বসে সালাত আদায় করবে। আরু আবদুল্লাহ্ (ইমাম বুখারী) (র.) বলেন, হুমাইদী (র.) বলেছেন যে, "যখন ইমাম বসে সালাত আদায় করে, তখন তোমরাও বসে সালাত আদায় করবে। রাস্লুল্লাহ্ করিল এর এ নির্দেশ ছিল পূর্বে অসুস্থকালীন। এরপর তিনি বসে সালাত আদায় করেন এবং সাহাবীগণ তাঁর পিছনে দাঁড়িয়ে সালাত আদায় করছিলেন, কিন্তু তিনি তাদের বসতে নির্দেশ দেননি। আর রাস্লুল্লাহ্ করিল তাদের বসতে নির্দেশ দেননি। আর রাস্লুল্লাহ্ করিল এর আমলের মধ্যে সর্বশেষ আমলই গ্রহণীয়।

এ হকুম পরে রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্রিল্ল –এর মৃত্যু রোগের ঘটনার পরিপ্রেক্ষিতে রহিত হয়ে গেছে। কাজেই ইমাম বসে
সালাত আদায় করলেও সক্ষম মুক্তাদী দাঁড়িয়ে সালাত আদায় করবেন।

## ٤٤٤. بَابُ مَتَىٰ يَسْجُدُ مَنْ خَلْفَ الْإِمَامِ ، قَالَ أَنَسُ فَاذَا سَجَدَ فَاسْجُدُوا

888. অনুচ্ছেদঃ মুক্তাদীগণ কখন সিজ্দায় যাবেন ? আনাস (রা.) বলেন, যখন ইমাম সিজ্দা করেন তখন তোমরাও সিজ্দা করবে।

٦٥٦ حَدَّثَنَا مُسَدِّدٌ قَالَ حَدَّثَنَا يَحْيَى بْنُ سَعِيْدٍ عَنْ سَفْيَانَ قَالَ حَدَّثَنِي أَبُو السَّحَقَ قَالَ حَدَّثَنِي عَبْدُ اللهِ بَنُ يَزِيْدَ قَالَ حَدَّثَنِي البَرَاءُ وَهُوَ غَيْرُ كَذُوبٍ قَالَ كَانَ رَسُولُ اللهِ عَلِيهِ إِذَا قَالَ سَمِعَ اللهُ لِمَنْ حَمِدَهُ لَلْهُ بِنُ يَزِيْدَ قَالَ حَدَّثَنِي البَّرَاءُ وَهُو غَيْرُ كَذُوبٍ قَالَ كَانَ رَسُولُ اللهِ عَلِيهِ إِذَا قَالَ سَمِعَ اللهُ لِمَنْ حَمِدَهُ لَمْ يَحْنُ أَدُدُ مِنَّا ظَهْرَهُ حَتَّى يَقَعَ النَّبِيُ عَلِيهِ سَاجِدًا ثُمَّ نَقَعُ سَجُودًا بَعْدَهُ .

৬৫৬ মুসাদ্দাদ (র.)....বারা'আ (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি মিথ্যাবাদী নন তিনি বলেন, রাসূলুল্লাহ্
. ﴿ اللهُ لِمَنْ حَمْدَ أَنْ اللهُ لِمَنْ حَمْدَ ' مَسَمِعُ اللهُ لِمَنْ حَمْدَ ' مَسَمِعُ اللهُ لِمَنْ حَمْدَ ' مُعَدِّدٌ ' مُعَدِدُ ' مُعَدِّدٌ ' مُعَ

٦٥٧ حَدَّثَنَا أَبُو نُعَيْمٍ عَنْ سُفْيَانَ عَنْ أَبِي السَّحَقَ نَحُوهُ بِهِذَا

৬৫৭ আবৃ নু'আইম (র.).....সুফইয়ান (র.) সূত্রে আবৃ ইসহাক (র.) থেকে অনুরূপ বর্ণনা করেছেন।

# ه ٤٤، بَابُ اثْمِ مَنْ رَفَعَ رَأْسَهُ قَبْلَ الْإِمَامِ

88৫. অনুচ্ছেদ ঃ ইমামের আগে মাথা উঠানো গুনাহ।

٦٥٨ حَدُّثَنَا حَجَّاجُ بْنُ مِنْهَالٍ قَالَ حَدُّثَنَا شُعْبَةُ عَنْ مُحَمَّدِ بْنِ زِيادٍ سَمِعْتُ أَبَا هُرَيْرَةَ عَنِ النَّبِيِ عَلِيَّةٍ.
قَالَ آمَا يَخْشَى أَحَدُكُمْ آوُلاَ يَخْشَى أَحَدُكُمْ إِذَا رَفَعَ رَأْسَهُ قَبْلَ الْإِمَامِ آنْ يَجْعَلَ اللَّهُ رَأْسَهُ رَأْسَ حِمَارٍ وَقَعَ رَأْسَهُ قَبْلَ الْإِمَامِ آنْ يَجْعَلَ اللَّهُ رَأْسَهُ رَأْسَ حِمَارٍ وَقَعَ رَأْسَهُ قَبْلَ اللهُ صَوْرَتَهُ صَوْرَةَ حَمَارٍ ٠

৬৫৮ হাজ্জাজ ইব্ন মিনহাল (র.).....আবূ হুরায়রা (রা.) থেকে বর্ণিত, নবী ক্রিট্রের লোন, তোমাদের কেউ যখন ইমামের আগে মাথা উঠিয়ে ফেলে, তখন সে কি ভয় করে না যে, আল্লাহ্ তা আলা তার মাথা গাধার মাথায় পরিণত করে দিবেন, তার আকৃতি গাধার আকৃতি করে দেবেন।

٤٤٦. بَابُ إِمَامَةِ الْعَبْدِ وَٱلْمَوْلَى وَكَانَتَ عَائِشَةً يَوُمُّهَا عَبْدُهَا ذَكُوَانُ مِنَ الْمُصْحَفِ وَوَلَدِ الْبَغِيِّ وَالْاَعْدِرَابِي وَالْفُادَمِ الَّذِي لَمْ يَحْتَلِمُ لِقُولِ النَّبِي عَلَيْهُمُ الْقُدرَقُهُمُ لِكَتَابِ اللهِ وَلاَ يُمْنَعُ الْعَبْدُ مِنَ الْجَمَاعَة بِغَيْرِعِلَّة

كَنُوْبِ ' 'তিনি মিথ্যাবাদী নন' একথা বলে হযরত বারা'আ (রা.)—এর সত্যবাদীতার প্রতি আস্থা প্রকাশ করেছেন।

88৬. অনুচ্ছেদ ঃ গোলাম, আযাদকৃত গোলাম, অবৈধ সন্তান, বেদুঈন ও নাবালিগের ইমামতি। আয়িশা রো.)—এর গোলাম যাকওয়ান কুরআন শরীফ দেখে কিরাআত পড়ে আয়িশা রো.)—এর ইমামতি করতেন। নবী ক্রিট্রের বলেছেনঃ তাদের মধ্যে যে কুরআন সম্বন্ধে অধিক জ্ঞান রাখে সে তাদের ইমামতি করবে। ইমাম বুখারী রে.) বলেন, বিনা কারণে গোলামকে জামা'আতে উপস্থিত হতে নিষেধ করা যাবে না।

٦٥٩ حَدُّثَنَا ابْرَاهِيْمُ بْنُ الْمُنْذُرِ قَالَ حَدُّثَنَا انْسُ بْنُ عِيَاضِ عَنْ عُبَيْدِ اللَّهِ عَنْ نَافِعٍ عَنِ ابْنِ عُمَرَ قَالَ لَمُ الْمُ عَلَى اللَّهِ عَنْ نَافِعٍ عَنِ ابْنِ عُمَرَ قَالَ لَمُ الْمُ مَوْلَى لَمُ اللَّهِ عَلَيْكُ كَانَ يَوُمُهُمْ سَالِمُ مَوْلَى أَمُ حَدْيَفَةَ وَكَانَ أَكُثَرَهُمْ قُرُانًا ،

৬৫৯ ইব্রাহীম ইব্ন মুন্যির (র.).....আবদুল্লাহ্ ইব্ন উমর (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন যে, রাসূলুল্লাহ্ ত্রান্ত্র-এর (মদীনায়) আগমনের পূর্বে মুহাজিরগণের প্রথম দল যখন কুবা এলাকার কোন এক স্থানে এলেন, তখন আবৃ হুযাইফা (রা.)-এর আযাদকৃত গোলাম সালিম (রা.) তাঁদের ইমামতি করতেন। তাঁদের মধ্যে তিনি কুরআন সম্পর্কে অধিক অভিজ্ঞ ছিলেন।

حَدُّثَنَا مُحَمَّدُ بْنُ بَشَّارٍ حَدَّثَنَا يَحْيِي حَدَّثَنَا شُعْبَةُ قَالَ حَدَّثَنِي أَبُو التَّيَّاحِ عَنْ أَنَسٍ عَنِ النَّبِيِ عَلِيًّا مِ النَّيِعِ عَلَيْ أَنْسٍ عَنِ النَّبِي عَلِيًّا مَا اللَّهِ عَلَى النَّبِي عَلِيًّا مَا اللَّهُ وَاللَّهُ وَاللْمُواللَّهُ وَاللَّهُ وَالْمُواللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَالْمُوالَ

৬৬০ মুহাম্মদ ইব্ন বাশ্শার (র.).....আনাস (ইব্ন মালিক) (রা.) থেকে বর্ণিত, নবী ক্রিট্রের বিলেছেন ঃ তোমরা শোন ও আনুগত্য কর, যদিও তোমাদের উপর এমন কোন হাবশীকে আমীর নিযুক্ত করা হয়–যার মাথা কিস্মিসের মতো।

# ٤٤٧. بَابُ إِذَا لَمْ يُتِمُّ الْإِمَامُ وَأَتُّمْ مَنْ خَلْفَهُ

88৭. অনুচ্ছেদ ঃ যদি ইমাম সালাত সম্পূর্ণভাবে আদায় না করেন আর মুক্তাদীগণ তা সম্পূর্ণভাবে আদায় করেন।

آآآ حَدَّثَنَا الْفَضْلُ بُنُ سَهُلٍ قَالَ حَدَّثَنَا الْحَسَنُ ابْنُ مُوسَلَى الْأَشْيَبُ قَالَ حَدَّثَنَا عَبُدُ الرَّحُمٰنِ بْنُ عَبْدِ اللَّهِ بَنِ دِيْنَارٍ عَنْ زَيدٌ بْنِ اَسْلَمَ عَنْ عَطَاءِ بْنِ يَسَارٍ عَنْ أَبِي هُرَيْرَةَ اَنَّ رَسُولِ اللَّهِ عَلِيْ قَالَ يُصلُّونَ لَكُمْ فَانُ اصَابُوا فَلَكُمْ ، وَانْ اَخْطَوُا فَلَكُمْ وَعَلَيْهُمْ .

৬৬১ ফায্ল ইব্ন সাহল (র.)......আবূ হুরায়রা (রা.) থেকে বর্ণিত যে, রাসূলুল্লাহ্ স্ক্রীর্রাল্ছেন ৪

নাবালিগের ইমামতি কোন কোন মাযহাবে জায়িয আছে। তবে হানাফী মাযহাব মতে প্রাপ্তবয়য়য় লাকের ফরব
সালাত নাবালিগের ইমামতিতে বৈধ নয়।

वृथाती मतीक (२)--->>

তারা তোমাদের ইমামতি করে। যদি তারা সঠিকভাবে আদায় করে তা হলে তার সাওয়াব তোমরা পাবে। আর যদি তারা ক্রুটি করে,তাহলে তোমাদের জন্য সাওয়াব রয়েছে, আর ক্রুটি তাদের (ইমামের) উপরই বর্তাবে।

488. بَابُ امَامَةِ الْفَتْتُونِ وَالْلُبْتَدِعِ ، وَقَالَ الْحَسَنُ صَلُّو عَلَيْهِ بِدُعَتُهُ قَالَ اَبُوعَبِدِ اللهِ ، وَقَالَ اَنَا مَمَدُّ بُنُ يُوسَفُ حَدُّنَنَا الْأَوْرَاعِيُّ حَدُّنَا الزَّهْرِيُّ عَنْ حَمْيْدِ بَنِ عَبْدِ الرَّحُمْنِ عَنْ عَبَيْدِ اللهِ بَنِ عَدِيِّ ابْنِ مَحَمَّدُ بَنَ عُبَيْدِ اللهِ بَنِ عَدِي ابْنِ مَحَمَّدُ بَنَ عُبَيْدِ اللهِ بَنِ عَدِي ابْنِ الْحَيَارِ إِنَّهُ دَخَلَ عَلَى عُثُ مَا نَهُنِ عَفَّالَ رَضِي اللهِ عَنْهُ وَهُو مَحْسَمِورُ فَقَالَ النَّا الْمَامُ فَا النَّاسُ فَا حَلَى عَلْمَ النَّاسُ فَا ذِا الْحَسَنَ النَّاسُ فَا حَلَيْ اللهِ عَنْهُ وَقَالَ الصَّلاَةُ الْحَسَنُ مَا يَعْمَلُ النَّاسُ فَاذِا الْحَسَنَ النَّاسُ فَا حَلَيْ اللهُ عِنْهُ وَقَالَ المَسْلاَةُ الْحَسَنُ مَا يَعْمَلُ النَّاسُ فَاذِا الْحَسَنَ النَّاسُ فَا حَسَنَ النَّاسُ فَا حَلَيْ اللهُ اللهِ عَنْهُ وَقَالَ المَسْلاَةُ الْصَالِيَةُ اللَّهُ عَنْهُ اللَّالِ الْمَعْدُولِ الْمَعْلِي لَا المَامُ فَتُنَا إِمَامُ فَتَنَا الْمَامُ فَتَنَا الْمَامُ فَا اللهُ الله

88৮. অনুচ্ছেদ ঃ ফিত্নাবাজ ও বিদ্'আতীর ইমামতি। হাসান (র.) বলেন, তার পিছনেও সালাত আদায় করে নিবে। তবে বিদ্'আতের পরিণাম তার উপরই বর্তাবে। আবু আবদুল্লাহু (ইমাম বুখারী (র.) বলেন, আমাকে মুহাম্মাদ ইব্ন ইউসুফ (র.) উবাই— দুল্লাহু ইব্ন আদী ইব্ন থিয়ার (র.) থেকে বর্ণনা করেছেন যে, তিনি উসমান ইব্ন আফ্ফান (রা.) অবরুদ্ধ থাকাকালে তাঁর নিকট গিয়ে বললেন, প্রকৃতপক্ষে আপনিই জনগণের ইমাম।আর আপনার বিপদ তো নিজেই বুঝতে পারছেন। আর আমাদের ইমামতি করছে কখনো বিদ্রোহীদের ইমাম।ফলে আমরা গুনাহগার হওয়ার আশংকা করছি।তিনি বললেন, মানুষের আমলের মধ্যে সালাতই সর্বোত্তম।কাজেই লোকেরা যখন উত্তম কাজ করে, তখন তুমিও তাদের সাথে উত্তম কাজে শরীক হবে, আর যখন তারা মন্দ কাজে লিপ্ত হয়, তখন তাদের অপকর্ম থেকে বেঁচে থাকবে। যুবাইদী (র.) বর্ণনা করেন যে, যুহরী (র.) বলেছেন, যারা স্বেচ্ছায় নপুংসক সাজে, তাদের পিছনে একান্ত প্রয়োজন ছাড়া সালাত আদায় করা সঙ্গত বলে মনে করি না।

٦٦٢ حَدَّثَنَا مُحَمَّدُ بَنُ آبَانَ حَدَّثَنَا غُنْدَرَ عَنْ شُعْبَةً عَنْ أَبِي التَّيَّاحِ آنَّهُ سَمِعَ آنسَ بَنَ مَالِكِ قَالَ النَّبِيُّ عَلَيْهِ لَابِي النَّيِيُّ عَلَيْهِ لَابِي ذَرِّ الشَّمَعُ وَاطِعُ وَلَوْ لِحَبَشِي كَانَ رَأْسَهُ زَبِيبَةً .

ডি৬২ মুহামদ ইব্ন আবান (র.).....আনাস (ইব্ন মালিক) (রা.) থেকে বর্ণিত, নবী ক্রিট্রেই আবূ যার্র (রা.)-কে বলেন, শোন এবং আনুগত্য কর, যদিও কোন হাবশী আমীর হয়–যার মাথা কিস্মিসের মতো।

#### ٤٤٩. بَابُ يَقُومُ عَنْ يَمِينِ الْإِمَّامِ بِحِذَاتِهِ سَوَاءً إِذَا كَانَا اثْنَيْنِ

৪৪৯. অনুচ্ছেদ ঃ দু'জনে সালাত আদায় করলে, মুক্তাদী ইমামের ডানপাশে সোজাসুজি দাঁড়াবে।

آ عَدُّنَا سَلَيْمَانُ ابْنُ حَرَّبٍ قَالَ حَدَّثَنَا شُعُبَةً عَنِ الْحَكَمِ قَالَ سَمِقَتُ سَعِيْدَ بْنَ جُبَيْرٍ عَنِ ابْنِ عَبُاسٍ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهُمَا قَالَ بِتُ فِي بَيْتِ خَالَتِي مَيْمُونَةَ فَصَلِّى رَسُولُ اللَّهِ عَلِيْهُ الْعِشَاءُ جَاءَ فَصَلِّى ارْبَعَ وَعَالَى اللهِ عَلَيْهُ الْعِشَاءُ جَاءَ فَصَلَّى ارْبَعَ وَكَاتٍ ثُمَّ نَامُ ثُمَّ قَامَ فَجِئْتُ فَقُمْتُ عَنْ يَسَارِهِ فَجَعَلَنِي عَنْ يَمِيْنِهِ فَصَلِّى خَمْسَ رَكَعَاتٍ ثُمَّ صَلَّى رَكُعَتَيْنِ ثُمَّ نَامَ خُمُّ ثَامَ ثُمَّ قَامَ فَجِئْتُ فَقُمْتُ عَنْ يَسَارِهِ فَجَعَلَنِي عَنْ يَمِيْنِهِ فَصَلِّى خَمْسَ رَكَعَاتٍ ثُمَّ صَلَّى رَكُعَتَيْنِ ثُمَّ نَامَ خَمْ شَعْتُ غَطَيْطَهُ أَنْ قَالَ خَطَيْطَهُ ثُمَّ خَرَجَ الَى الصَّلَاة •

৬৬৩ সুলাইমান ইব্ন হারব (র.).....ইব্ন আব্বাস (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, একদা আমি আমার খালা মায়মুনা (রা.)-এর ঘরে রাত যাপন করলাম। রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্র ইশার সালাত আদায় করে আসলেন এবং চার রাকাআত সালাত আদায় করে ত্য়ে পড়লেন। কিছুক্ষণ পর উঠে সালাতে দাঁড়ালেন। তখন আমিও তাঁর বামপাশে দাঁড়ালাম। তিনি আমাকে তাঁর ডানপাশে নিয়ে নিলেন এবং পাঁচ রাকাআত সালাত আদায় করেলেন। এরপর আরও দু' রাকাআত সালাত আদায় করে নিদ্রা গেলেন। এমনকি আমি তাঁর নাক ডাকার আওয়াজ ভনলাম। তারপর তিনি (উঠে ফজরের) সালাতের জন্য বেরিয়ে গেলন।

#### ٥٠٠. بَابُ إِذَا قَامَ الرَّجُلُ عَنْ يَسنَادِ الْاِمَامِ فَحَقَّلَهُ الْاِمَامُ اللَّي يَمِينِهِ لَمْ تَفْسنُدُ صنالاَتُهُمَا

৪৫০. অনুচ্ছেদ ঃ যদি কেউ ইমামের বামপাশে দাঁড়ায় এবং ইমাম তাকে ডান্পাশে নিয়ে আসেন, তবে কারো সালাত নষ্ট হয় না।

آلكَ اللّهِ اللّهِ مَوْلَى ابْنِ عَبَّاسٍ عَنِ ابْنِ عَبَّاسٍ رَضِيَ اللّهُ عَنْهُمَا قَالَ نِمْتُ عِنْدَ مَيْ مَوْنَةَ وَالنّبِيُّ عَيْدَهَا عَنْ كُرَيْبٍ مَوْلَى ابْنِ عَبَّاسٍ عَنِ ابْنِ عَبَّاسٍ رَضِيَ اللّهُ عَنْهُمَا قَالَ نِمْتُ عِنْدَ مَيْ مُوْنَةَ وَالنّبِيُّ عَيْدَهَا عَنْ كُرَيْبٍ مَوْلَى ابْنِ عَبَّاسٍ عَنِ ابْنِ عَبَّاسٍ رَضِيَ اللّهُ عَنْهُمَا قَالَ نِمْتُ عَنْدَ مَيْ مُوْنَةَ وَالنّبِيُّ عَيْدَهَا تَلْكَ اللّهَ اللّهَ اللّهَ اللّهَ عَنْهُمَا قَالَ نِمْتُ عَلَى يَسَارِهِ فَاجْذَنِي فَجَعَلَنِي عَنْ يَمِيْنِهِ فَصَلّٰى ثَلاثَ عَشَرَةً رَكْعَةً ثُمّ نَامَ حَتّٰى نَفَخَ وَكَانَ الِذَا نَامَ نَفَخَ ثُمَّ آتَاهُ الْمُؤذِنِ فَخَرَجَ فَصَلِّى وَلَمْ يَتَوَضَّا قَالَ عَمْرُو فَحَدَّثُتُ رَكُعَةً ثُمْ نَامَ حَتّٰى نَفَخَ وَكَانَ إِذَا نَامَ نَفَخَ ثُمَّ آتَاهُ الْمُؤذِنِ فَخَرَجَ فَصَلِّى وَلَمْ يَتَوَضًا قَالَ عَمْرُو فَحَدَّثُتُ بِهُ بِكُيْرًا فَقَالَ حَدَّثُنِي كُرَيْبُ بِذٰلِكَ ٠

৬৬৪ আহ্মদ (র.).....ইব্ন আব্বাস (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আমি (আমার খালা) মায়মুনা (রা.) -এর ঘরে ঘুমালাম, নবী ক্রিট্রে সে রাতে তাঁর কাছে ছিলেন। তিনি (নবী ক্রিট্রে) উযু করলেন। তারপর সালাতে দাঁড়ালেন। আমিও তাঁর বামপাশে দাঁড়ালাম। তিনি আমাকে ধরে তাঁর ডানপাশে নিয়ে আসলেন। আর তিনি তের রাকাআত সালাত আদায় করলেন। তারপর তিনি ঘুমিয়ে পড়লেন,

এমনকি তাঁর নাক ডাকতে তরু করল। এবং তিনি যখন ঘুমাতেন তাঁর নাক ডাকত। তারপর তাঁর কাছে মুআয্যিন এলেন, তিনি বেরিয়ে গিয়ে ফজরের সালাত আদায় করলেন এবং (নতুন) উয় করেননি। আম্র (রা.) বলেন, এ হাদীস আমি বুকাইর (রা.)-কে তনালে তিনি বলেন, কুরাইব (র.)-ও এ হাদীস আমার কাছে বর্ণনা করেছেন।

#### ١٥١. بَابُ اذِا لَمْ يَنُو الْإِمَامُ أَنْ يَقُمْ ثُمَّ جَاءَ قَفَمُ فَأَمُّهُمْ

৪৫১. অনুচ্ছেদ ঃ যদি ইমাম ইমামতির নিয়্যত না করেন এবং পরে কিছু লোক এসে শামিল হয় এবং তিনি তাদের ইমামতি করেন।

آ مَدُّنَا مُسَدَّدُ قَالَ حَدَّثَنَا اِسْمَعِيْلُ بْنُ اِبْرَاهِيْمَ عَنْ أَيُّوبَ عَنْ عَبْدِ اللَّهِ بْنِ سَعِيْدِ بْنِ جُبَيْرٍ عَنْ أَبِيهِ عَنْ يَسَارِهِ عَنْ اللَّيلِ فَقُمْتُ أُصِلِي مَعَهُ فَقُمْتُ عَنْ يَسَارِهِ فَاخَذَ برَأْسَى فَاقَامَنَى عَنْ يَمِينه ٠ فَقُمْتُ عَنْ يَمِينه ٠

৬৬৫ মুসাদ্দাদ (র.).....ইব্ন আব্বাস (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, একবার আমি আমার খালার (মায়মুনা (রা.)-র কাছে রাত যাপন করলাম। নবী হু রাতের সালাতে দাঁড়ালেন, আমিও তাঁর সংগে সালাত আদায় করতে দাঁড়ালাম। আমি তাঁর বামপাশে দাঁড়িয়ে ছিলাম, তিনি আমার মাথা ধরে তাঁর ডানপাশে দাঁড় করালেন।

### ٢٥٤. بَابُ إِذَا طُوَّلَ الْإِمَامُ وَكَانَ لِلرَّجُلِ حَاجَةٌ فَخَرَجَ فَصِلِّى

8৫২. অনুচ্ছেদ : যদি ইমাম সালাত দীর্ঘ করেন এবং কেউ প্রয়োজনবশত (জামা'আত থেকে) বেরিয়ে এসে (একাকী) সালাত আদায় করে।

৬৬৬ মুসলিম (র.)....জাবির ইব্ন আবদুল্লাহ্ (রা.) থেকে বর্ণিত যে, মু'আয ইব্ন জাবাল (রা.) নবী ক্রিন্তাই-এর সঙ্গে সালাত আদায় করার পর ফিরে গিয়ে আপন গোত্রের ইমামতি করতেন। এই হাদীস মুহামাদ ইব্ন বাশ্শার (র.) সূত্রে জাবির (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন যে, মু'আয ইব্ন জাবাল

(রা.) নবী করীম ক্রান্ত্র-এর সঙ্গে সালাত আদায় করার পর ফিরে গিয়ে নিজ গোত্রের ইমামতি করতেন। একদিন তিনি ইশার সালাতে সূরা বাকারা পাঠ করেন। এতে এক ব্যক্তি জামা আত থেকে বেরিয়ে যায়। এ জন্য মু আয (রা.) তার সমালোচনা করেন। এ খবর নবী করীম ক্রান্ত্র-এর নিকট পৌছলে তিনি তিনবার ' ু তার বিশ্ব তারে আওসাতে মুফাস্সালের দু টি সূরা পাঠের নির্দেশ দেন। আম্র (রা.) ব লেন, কোন্ দু টৈ সূরার কথা তিনি বলেছিলেন, তা আমার শ্বরণ নেই।

### ٢٥٤، بَابُ تَخْفِيْفِ الْإِمَامِ فِي الْقِيَامِ وَأَتِمَّامِ الرُّكُوعِ وَالسَّجُودِ

৪৫৩. অনুচ্ছেদ ঃ ইমাম কর্তৃক সালাতে কিয়াম সংক্ষিপ্ত করা এবং রুক্' ও সিজ্দা পূর্ণভাবে আদায় করা।

آنَّ رَجُلاً قَالَ وَاللَّهِ يَا رَسُولَ اللهِ إِنِّى لاَ تَأَخَّرُ عَنْ صَلاَة ِ الْغَدَاةِ مِنْ اَجُلِ فُلَانٍ مِمَّا يُطْيِلُ بِنَا فَمَا رَأَيْتُ وَلَا يَرْبُونُ اللهِ إِنِّى لاَ تَأَخَّرُ عَنْ صَلاَة ِ الْغَدَاةِ مِنْ اَجُلِ فُلَانٍ مِمَّا يُطْيِلُ بِنَا فَمَا رَأَيْتُ رَسُولَ اللهِ إِنِّى لاَ تَأَخَّرُ عَنْ صَلاَة ِ الْغَدَاةِ مِنْ اَجُلِ فُلَانٍ مِمَّا يُطْيِلُ بِنَا فَمَا رَأَيْتُ رَسُولَ اللهِ عَلَيْ إِلنَّا مَنْهُ يَوْمَئِذٍ ثُمَّ قَالَ إِنَّ مِنْكُمُ مُنَفِّرِيْنَ فَأَيْكُمُ مَا صَلَّى بِالنَّاسِ وَسُولَ اللهِ عَلَيْ إِلنَّاسِ فَلْكُونُ فَانَّ فِيهِمُ الضَعِيْفَ وَالْكَبِيْرَ وَذَا الْحَاجَةِ .

৬৬৭ আহ্মদ ইব্ন ইউনুস (র.).....আবৃ মাসউদ (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, এক সাহাবী এসে বললেন, ইয়া রাসূলাল্লাহ্! আল্লাহ্র শপথ! আমি অমুকের কারণে ফজরের সালাতে অনুপস্থিত থাকি। তিনি (জামা আতে) সালাতকে খুব দীর্ঘ করেন। আবৃ মাসউদ (রা.) বলেন, আমি রাসূলুল্লাহ্ ক্রাট্র-কেনসীহত করতে গিয়ে সে দিনের ন্যায় এত বেশী রাগান্বিত হতে আর কোন দিন দেখিনি। তিনি বলেন, তোমাদের মাঝে বিতৃষ্ণা সৃষ্টিকারী রয়েছে। তোমাদের মধ্যে যে কেউ অন্য লোক নিয়ে সালাত আদায় করে, সে যেন সংক্ষেপ করে। কেননা, তাদের মধ্যে দুর্বল, বৃদ্ধ ও হাজতমন্দ লোকও থাকে।

#### ٤٥٤. بَابُ إِذَا صِلْمَى لِنَفْسِهِ فَلْيُطُوِّل مَاشَاءَ

868. अनुएक्ष क अकाकी সালাত আদায় করলে ইচ্ছানুসারে দীর্ঘায়িত করতে পারে।

77٨ حَدُّثَنَا عَبُدُ اللَّهِ بْنُ يُوسُفَ قَالَ أَخْبَرَنَا مَالِكُ عَنْ أَبِى الزِّنَادِ عَنِ الْاَعْرَجِ عَنْ أَبِي هُرَيْرَةَ اَنْ رَسُولًا اللهِ عَلِيْنَا مَالِكُ عَنْ أَبِي الزِّنَادِ عَنِ الْاَعْرَجِ عَنْ أَبِي هُرَيْرَةً اَنْ رَسُولًا اللهِ عَلِيْنَا عَبُدُ اللهِ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهُ عَلَيْكُمُ النَّاسِ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْكُمُ اللهُ عَلَيْكُمُ النَّذَا عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْكُمُ اللهُ الْمُعَلِي عَلَيْ اللهُ عَلَيْكُمُ النَّاسُ عَلَيْكُمُ النَّهُ عَلَيْكُمُ اللهُ عَلَيْكُمُ اللهُ اللهُ عَلَيْكُمُ اللهُ عَلَيْكُولُ مَا اللهُ عَلَيْكُمُ اللهُ اللهُ عَلَيْكُمُ اللهُ الللهُ اللهُ الللهُ اللهُ اللهُ اللهُ

৬৬৮ আবদুল্লাহ্ ইব্ন ইউসুফ (র.).....আবৃ হুরায়রা (রা.) থেকে বর্ণিত, রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্রেই বলেছেন ঃ

তোমাদের কেউ যখন লোকদের নিয়ে সালাত আদায় করে, তখন যেন সে সংক্ষেপ করে। কেননা, তাদের মাঝে দুর্বল, অসুস্থ ও বৃদ্ধ রয়েছে। আর যদি কেউ একাকী সালাত আদায় করে, তখন ইচ্ছামত দীর্ঘ করতে পারে।

#### ه ه ٤ . بَابُ مَنْ شَكًا إِمَامَهُ إِذَا طُوَّلَ وَقَالَ أَبُقُ أُسَيْدٍ طُوَّلْتَ بِنَا يَابُنَى

৪৫৫. অনুচ্ছেদঃ ইমাম্ সালাত দীর্ঘায়িত করলে তার বিরুদ্ধে অভিযোগ করা। আবূ উসাইদ রে.)তাঁর ছেলেকে বলেছিলেন, বেটা! তুমি আমাদের সালাত দীর্ঘায়িত করে ফেলেছ।

7٦٩ حَدُّثَنَا مُحَمَّدُ بْنُ يُوسُفَ حَدَّثَنَا سَفْيَانُ عَنْ اِسْمُعْيِلَ بْنِ أَبِيْ خَالِدٍ عَنْ قَيْسِ بْنِ أَبِي حَازِمٍ عَنْ أَبِي مَسْعُودٍ قَالَ قَالَ رَجُلُ يَارَسُولَ اللهِ إِنِّي لاَ تَأْخَرُ عَنِ الصَّلاَةِ فِي الْفَجْرِ مِمًّا يُطْيِلُ بِنَا فُلاَنُ فَيْهَا أَبِي مَسْعُودٍ قَالَ قَالَ رَجُلُ يَارَسُولَ اللهِ إِنِّي لاَ تَأْخَرُ عَنِ الصَّلاَةِ فِي الْفَجْرِ مِمًّا يُطْيِلُ بِنَا فُلاَنُ فَيْهَا أَبِي مَسْعُودٍ قَالَ قَالَ رَجُلُ يَارَسُولَ اللهِ إِنِّي لاَ تَأْخَرُ عَنِ الصَّلاَةِ فِي الْفَجْرِ مِمًّا يُطْيِلُ بِنَا فُلاَنُ فَيْهَا النَّاسُ إِنَّ فَعَضِبَ رَسُولُ اللهِ إِنِّي مَارَأَيْتُهُ غَضِبَ فِي مَوضِعٍ كَانَ آشَدٌ غَضْبًا مِنْهُ يَوْمَئِذٍ ثُمَّ قَالَ يَا آيُّهَا النَّاسُ إِنَّ مَنْكُمْ مُنَوْرَيْنَ فَمَنْ آمَّ النَّاسَ فَلْيَتَجَوَّز فَانَّ خَلْفَهُ الضَعْيُفَ وَالْكَبِيرَ وَذَا الْحَاجَة •

৬৬৯ মুহামদ ইব্নইউসুফ (র.)......আবূ মাসউদ (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, এক সাহাবী এসে বললেন, ইয়া রাসূলাল্লাহ্! অমুক ব্যক্তির জন্য আমি ফজরের সালাতে অনুপস্থিত থাকি। কেননা, তিনি আমাদের সালাত খুব দীর্ঘায়িত করেন। এ তনে রাসূলুল্লাহ্ ক্রিল্ট্রেরাগান্তিত হলেন। আবূ মাসউদ (রা.) বলেন, নসীহত করতে গিয়ে সে দিন তিনি যেরূপ রাগান্তিত হয়েছিলেন, সে দিনের মত রাগান্তিত হতে তাঁকে আর কোন দিন দেখিন। তারপর তিনি বললেন ঃ হে লোকেরা! তোমাদের মধ্যে বিতৃষ্ণা সৃষ্টিকারী রয়েছে। তোমাদের মধ্যে যে কেউ লোকদের ইমামতি করে, সে যেন সংক্ষেপ করে। কেননা, তার পিছনে দুর্বল, বৃদ্ধ ও হাজতমন্দ রয়েছে।

 ভি৭০ আদম ইব্ন আবৃ ইয়াস (র.).....জাবির ইব্ন আবদুল্লাহ্ আনসারী (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, এক সাহাবী দু'টি পানি বহনকারী উট নিয়ে আসছিলেন। রাতের অন্ধকার তখন ঘনীভূত হয়ে এসেছে। এ সময় তিনি মু'আয় (রা.)-কে সালাত আদায়রত পান, তিনি তার উট দু'টি বসিয়ে দিয়ে মু'আয় (রা.)-এর দিকে (সালাত আদায় করতে) এগিয়ে এলেন, মু'আয় (রা.) সূরা বাকারা বা সূরা নিসা পড়তে শুক্র করেন। এতে সাহাবী (জামা'আত ছেড়ে) চলে য়ন। পরে তিনি জানতে পারেন য়ে, মু'আয় (রা.) এ জন্য তার সমালোচনা করেছেন। তিনি নবী ক্রিট্রেই এর নিকট এসে মু'আয় (রা.)-এর বিরুদ্ধে অভিযোগ করেন। এতে নবী ক্রিট্রেই বললেন, হে মু'আয় ! তুমি কি লোকদের ফিত্নায় ফেলতে চাও ? বা তিনি বলছিলেন, তুমি কি ফিত্না সৃষ্টিকারী ? তিনি একথা তিনবার বলেন। তারপর তিনি বললেন, তুমি তিনি বলছেলেন, তুমি তিনি ত্রামার পিছনে দুর্বল, বৃদ্ধ ও হাজতমন্দ লোক সালাত আদায় করে। (গু'বা (র.) বলেন) আমার ধারণা শেষাক্ত বাক্যটিও হাদীসের অংশ। সায়িদ ইব্ন মাসরুক, মিসওআর এবং শাইবানী (র.)-ও অনুরূপ রিওয়ায়েত করেছেন। আমর, উবাইদুল্লাহ্ ইব্ন মিকসাম এবং আবৃ যুবাইর (র.) জাবির (রা.) থেকে বর্ণনা করেন যে, মু'আয় (রা.) ইশার সালাতে সূরা বাকারা পাঠ করেছিলেন। আ'মাশ (র.)ও মুহারিব (র.) সূত্রে অনুরূপ রিওয়ায়েত করেন।

#### ٢٥١. بَابُ الْإِيْجَازُ فِي الصَّلْوَاةِ وَاكْمَالُهَا

৪৫৬. অনুচ্ছেদঃ সালাত সংক্ষেপে এবং পূর্ণভাবে আদায় করা।

الله عَدَّثَنَا أَبُو مَعُمْرٍ قَالَ حَدَّثَنَا عَبُدُ الْوَارِثِ قَالَ حَدَّثَنَا عَبُدُ الْعَزِيْزِ عَنْ أَنسٍ قَالَ كَانَ النّبِي عَلِيّهُ. وَيُكُمِلُهَا . يُوجِزُ الصَّلاَةَ وَيُكُمِلُهَا .

৬৭১ আবৃ মা'মার (র.).....আনাস ইব্ন মালিক (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী ক্রিন্তির সালাত সংক্ষেপে এবং পূর্ণভাবে আদায় করতেন।

#### ٧ه ٤. بَابُ مَنْ أَخَفُ الصَّلاةَ عِنْدَ بُكَاءِ الصَّبِيِّ

৪৫৭. অনুচ্ছেদঃ শিশুর কান্নাকাটির কারণে সালাত সংক্ষেপ করা

الله بن أبِي قَتَادَة عَنْ أبِيهِ أبِي قَتَادَة عَنِ النَّبِيُّ عَنَّالَة قَالَ اخْبَرَنَا الْوَلِيْدُ قَالَ حَدَّثَنَا الْالْوَرَاعِيُّ عَنْ يَحْيِى بَنِ أبِي كَثِيْرٍ عَنْ عَبْدِ الله بَنِ أبِي قَتَادَة عَنْ أبِيهِ أبِي قَتَادَة عَنِ النَّبِيُّ عَنِي النَّبِيُّ عَنِي الْقَوْمُ فِي الصَّلَاةِ أُرِيدُ أَنْ أَطُولَ فَيْهَا عَبْدِ الله بَنِ أبِي قَتَادَة عَنْ أبِيهِ أبِي قَتَادَة عَنِ النَّبِيُّ عَنِي النَّبِي عَنْ النَّبِي عَنْ النَّبِي عَنْ النَّبِي عَنْ النَّبِي عَنْ النَّبِي عَنْ المَّولِ وَبَقِيةً وَابُنُ فَي الصَّلَاة مَنْ النَّورُ وَبَقِيّةً وَابُنُ الْمُبَارَكِ عَنِ الْاَوْزَاعِيّ . الْمُبَارَكِ عَنِ الْاَوْزَاعِيّ .

ডি৭২ ইব্রাহীম ইব্ন মূসা (র.)......আবৃ কাতাদা (রা.) থেকে বর্ণিত, নবী ক্রান্ত্রী বলেন, আমি অনেক সময় দীর্ঘ করে সালাত আদায়ের ইচ্ছা নিয়ে দাঁড়াই। পরে শিশুর কান্নাকাটি শুনে সালাত সংক্ষেপ করি। কারণ আমি পসন্দ করি না যে, শিশুর মাকে কটে ফেলি। বিশ্র ইব্ন বাকর, বাকিয়্যা ও ইব্ন মোবারক আওযায়ী (র.) থেকে হাদীস বর্ণনায় ওয়ালীদ ইব্ন মুসলিম (র.)-এর অনুসরণ করেছেন।

مَدُّنَا خَالِدُ بَنُ مَخْلَدٍ قَالَ حَدُّنَا سُلَيْمَانُ بَنُ بِلاَلٍ قَالَ حَدُّنَا شَرْيِكُ بَنُ عَبْدِ اللهِ قَالَ سَمِعْتُ السَّمِعْتُ السَّمِعْتُ السَّمِعْتُ السَّمِعْتُ السَّمِعْتُ السَّمِعْتُ السَّمِعْتُ السَّمِعُ بُكَاءً السَّمِعُ بُكَاءً السَّمِعُ بُكَاءً السَّمِعُ بُكَاءً الصَّبِيِ فَيُخَفِّفُ مَخَافَةً أَنْ تُفْتَنَ أُمَّهُ .

৬৭৩ খালিদ ইব্ন মাখলাদ (র.).....আনাস ইব্ন মালিক (রা.) থেকে বর্ণিত, আমি নবী ক্রিট্র -এর চেয়ে সংক্ষিপ্ত এবং পূর্ণাঙ্গ সালাত আর কোন ইমামের পিছনে কখনো পড়িনি। আর তা এ জন্য যে, তিনি শিশুর কান্না শুনতে পেতেন এবং তার মায়ের ফিত্নায় পড়ার আশংকায় সংক্ষেপ করতেন।

آلاً حَدَّثَنَا عَلِي اللهِ عَالَ حَدَّثَنَا يَزِيدُ بْنُ زُريثِمِ قَالَ حَدَّثَنَا سَعِيدُ قَالَ حَدُّثَنَا قَتَادَةُ اَنَّ اَنْسَ اللهِ عَدَّثَهُ اَنَّ النّبِي عَيْلِهُ قَالَ انِي لاَدْخُلُ فِي الصَّلَاةِ وَانَا ارْيِدُ اطِالَتَهَا فَاسَــمَعُ بُكَاءَ الصّبِيّ بَنَ مَالِكٍ حَدَّثَهُ اَنَّ النّبِي عَيْلِهُ قَالَ انِي لاَدْخُلُ فِي الصَّلَاةِ وَانَا ارْيِدُ اطِالَتَهَا فَاسَــمَعُ بُكَاءَ الصّبِيّ فَا تَجَوَّدُ فِي صَلَاتِي مِمًّا اعلَمُ مَنْ شِدَّة وَجُد أُمّه مَنْ بُكَانه .

৬৭৪ আলী ইব্ন আবদুল্লাহ্ (র.).....আনাস ইব্ন মালিক (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী

ক্রিট্রের্বলেছেন ঃ আমি দীর্ঘ করার ইচ্ছা নিয়ে সালাত শুরু করি। কিন্তু পরে শিশুর কান্না শুনে আমার
সালাত সংক্ষেপ করে ফেলি। কেননা, শিশু কাঁদলে মায়ের মন যে অত্যন্ত বিচলিত হয়ে পড়ে তা
আমি জানি।

آلَا عَنْ مَا اللَّهِ عَنْ اللَّهِ عَنْ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ عَدِي عَنْ سَعِيْدٍ عَنْ قَتَادَةَ عَنْ انْسِ بُنِ مَالِكٍ عَنِ النَّبِيّ عَلَيْ عَنْ اللَّهِ عَنْ اللَّهِ عَالَمُ مِنْ شَدَّةً النَّبِيّ عَلَيْ قَالَ انْبِي لَا دُخُلُ فِي الصَّلَاةِ فَارْيُدُ اطَالَتَهَا فَاسْمَعُ بُكَاءَ الصَّبِيّ فَاتَجَوَّزُ مِمّا اعْلَمُ مِنْ شَدَّةً وَجُدِ أُمِّهِ مِنْ بُكَاءُ السَّبِيّ عَلَيْهُ مَثْلَهُ وَجُدِ أُمِّهِ مِنْ بُكَانِهِ وَقَالَ مُوسَلَى حَدَّثَنَا آبَانُ حَدَّثَنَا قَتَادَةُ حَدَّثَنَا آنَسُ عَنِ النَّبِيّ عَلَيْهُ مَثْلَهُ وَ وَهُد اللَّهِ وَقَالَ مُوسَلَّى حَدَّثَنَا آبَانُ حَدَّثَنَا قَتَادَةُ حَدَّثَنَا آنَسُ عَنِ النَّبِيّ عَلَيْهُ مَثْلَهُ وَ السَّالَةُ وَاللَّهُ اللَّهُ الللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللّ

৬৭৫ মুহাম্মদ ইব্ন বাশ্শার (র.).....আনাস ইব্ন মালিক (রা.) থেকে বর্ণিত যে, নবী ক্রিলিছেন ৪ আমি দীর্ঘ করার ইচ্ছা নিয়ে সালাত শুরু করি এবং শিশুর কান্না শুনে আমার সালাত সংক্ষেপ করে ফেলি। কেননা, শিশু কাঁদলে মায়ের মন যে অত্যন্ত বিচলিত হয়ে পড়ে তা আমি জানি। মৃসা (র.).....আনাস (রা.) সূত্রে নবী ক্রিটিছে থেকে অনুরূপ বর্ণনা করেন।

#### ٨٥٤. بَابُ إِذَا صِلِّي ثُمَّ أُمَّ قَنْمًا

৬৭৬ সুলাইমান ইব্ন হারব ও আবূ নু'মান (র.)....জাবির (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, মু'আয (রা.) নবী ক্রিক্ট্রে-এর সংগে সালাত আদায় করে নিজ গোত্রে ফিরে গিয়ে তাদের ইমামতি করতেন।

#### ٥٥١. بَابُ مَنْ أَسْمَعَ النَّاسَ تَكْبِيْرَ الْإِمَامِ

৪৫৯. অনুচ্ছেদঃ লোকদেরকে ইমামের তাকবীর শোনান।

الله عَدْنَا مُسَدُّدُ قَالَ حَدَّثَنَا عَبُدُ الله بْنِ دَاؤُدَ قَالَ حَدَّثَنَا الْاَعْمَاشُ عَنْ ابْرَاهِيْمَ عَنِ الْاَسْوَدِ عَنَ عَائِشَةَ رَضِيَ الله عَنْهَا قَالَتُ لَمَّا مَرِضَ النَّبِي عَلَيْهُ مَرَضَهُ الَّذِي مَاتَ فِيهِ اتّاهُ يُوْدَنِهُ بِالصَّلَاةِ فَقَالَ مُرُوا الله بَكْرِ فَلُيصَلِ قَلْتُ انْ اَبَا بَكْرٍ رَجُلُ اسْيُفُ انْ يَقُمْ مَقَامَكَ يَبْكِي فَلاَ يَقْدِرُ عَلَى الْقِرَاءَ قِ قَالَ مُرُوا اَبَا بَكْرٍ فَلْيُصِلِ قَلْتُ انْ اَبَا بَكْرٍ رَجُلُ اسْيُفُ انْ يَقُمْ مَقَامَكَ يَبْكِي فَلاَ يَقْدِرُ عَلَى الْقِرَاءَ قِ قَالَ مُرُوا اَبَا بَكْرٍ فَلَيْصَلِ فَقَالَ فِي التَّالِقَةِ اوالرَّابِعَةِ انْكُنَّ صَوَاحِبُ يُوسُفُ مَرُوا اَبَا بَكْرٍ فَلْيُصِلِ فَصَلِّي فَصَلَى بَنْ رَجُلَيْنِ كَانِي كَانِي آنَوْلُوا الله يَعْقِلُهُ بِرِجْلَيْهِ الْأَرْضَ فَلَمًا رَأَهُ اَبُو بَكُرٍ وَمَنِي الثَّالِ فَي الثَّالِ الله عَنْهُ وَقَعَدَ النَّبِيُ عَيِّيْكُم الله الله عَنْهُ وَقَعَدَ النَّبِي عَيِّيْكُم الله وَابُو بَكُرٍ يُسْمِعُ النَّاسَ فَاشَارَ الِيهِ بَانُو بَكُرٍ يُسْمِعُ النَّاسَ فَاشَارَ الِيهِ مَحْاضِر عَنِ الْأَعْمَش .

৬৭৭ মুসাদ্দাদ (র.)......আয়িশা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী ক্রিট্র অন্তিম রোগে আক্রান্ত থাকা কালে একবার বিলাল (রা.) তাঁর নিকট এসে সালাতের (সময় হয়েছে বলে) সংবাদ দিলেন। নবী .ক্রিট্রবললেনঃ আবৃ বক্রকে বল, যেন লোকদের নিয়ে সালাত আদায় করে। (আয়িশা (রা.) বললেন,) আমি বললাম, আবৃ বাক্র (রা.) কোমল হৃদয়ের লোক, তিনি আপনার স্থানে দাঁড়ালে কেঁদে ফেলবেন এবং কিরাআত পড়তে পারবেন না। তিনি আবার বললেনঃ আবৃ বাকরকে বল, সালাত আদায় করতে। আমি আবারও সেকথা বললাম। তখন তৃতীয় বা চতুর্থবারে তিনি বললেন, তোমরাতো ইউসুফের (আ.)

১. কেউ একবার ফর্য আদায় করে ফেললে, তার ফর্য আদায় হয়ে যায়, তাই পরে সালাত আদায় করলেও তা নফল বলে গণ্য হবে। কাজেই দিতীয়বার সালাত আদায় করার সময় কেউ যদি তার পিছনে ফর্য সালাতের ইক্তিদা করে, তা হলে নফল আদায়কারীর পিছনে ফর্য আদায়কারীর ইক্তিদা করা হচ্ছে। অন্য হাদীসের আলোকে হানাফী মাযহাব মতে নফল আদায়কারীর পিছনে ফর্য আদায়কারীর ইক্তিদা দুরুত্ত নয়।

সাথী রমণীদেরই মত। আবৃ বক্রকে বল, সে যেন লোকদের নিয়ে সালাত আদায় করে। আবৃ বাক্র (রা.) লোকদের নিয়ে সালাত আদায় করতে লাগলেন, ইতিমধ্যে নবী ক্রিট্রেই দু'জন লোকের কাঁধে ভর করে বের হলেন। ( আয়িশা (রা.) বললেন, ) আমি যেন এখনও সে দৃশ্য দেখতে পাই, তিনি দু' পা মুবারক মাটির উপর দিয়ে হেঁচড়িয়ে যান। আবৃ বাক্র (রা.) তাঁকে দেখতে পেয়ে পিছনে সরে আসতে লাগলেন। নবী ক্রিট্রেই ইশারায় তাঁকে সালাত আদায় করতে বললেন, (তবুও) আবৃ বাক্র (রা.) পিছনে সরে আসলেন। নবী ক্রিট্রেই তাঁর পাশে বসলেন, আবৃ বাক্র (রা.) তাকবীর শুনাতে লাগলেন। মুহাযির (র.) আমাশ (র.) থেকে হাদীস বর্ণনায় আবদুল্লাহ্ ইব্ন দাউদ (র.)-এর অনুসরণ করেছেন।

## ٤٦٠. بَابُ الرَّجُلُ يَاتَمُّ بِالْإِمَامِ وَيَأْتَمُّ النَّاسُ بِالْمَأْمُومُ وَيُذْكَرُ عَنِ النَّبِيِّ عَلَيْكُ اِنْتَمُوا بِي وَلَيَاتَمُّ بِكُمْ مَنْ بَعْدَكُمْ عَنِ النَّبِيِّ عَلَيْكُ النَّعُولَ بِي وَلَيَاتَمُّ بِكُمْ مَنْ بَعْدَكُمْ

8৬০. অনুচ্ছেদঃ কোন ব্যক্তির ইমামের ইক্তিদা করা এবং অন্যদের সেই মুক্তাদির ইক্তিদা করা। বর্ণিত আছে যে, নবী ত্লুভ্র বলেছেনঃ তোমরা আমার ইক্তিদা করবে, তোমাদের পিছনের লোকেরা যেন তোমাদের ইক্তিদা করে।

حَدُّنَنَا قُتُيْبَةُ بْنُ سَعِيْدِ قَالَ حَدَّثَنَا اَبُوْ مُعَاوِيَةً عَنِ الْاَعْمَشِ عَنِ اِبْرَاهِيْمَ عَنِ الْاَسُودِ عَنْ عَائِشَةً قَالَتَ لَمَّا ثَقُلَ رَسُولُ اللَّهِ عَلَيْكُ جَاءً بِلاَلْ يُؤْذِنُهُ بِالصَّلاَةِ فَقَالَ مُرُواْ اَبَا بَكُرِ اَنْ يُصلِّيَ بِالنَّاسِ فَقُلْتُ مَثَى مَا يَقُمُ مَقَامَكَ لاَيُسُمِعُ النَّاسِ فَلَوْ أَمَرْتَ عُمَرَ فَقَالَ مُرُوا اللَّهِ إِنَّ آبَا بَكُر رَجَلُ اَسْيَفُ وَائِنُهُ مَتَىٰ مَا يَقُمُ مَقَالَ لاَيُسُمِعُ النَّاسِ فَقُلْتُ لِحَفْصَةَ قُولِي لَهُ انِ آبَا بَكُر رَجَلُ اَسْيَفُ وَائِهُ مَتَى مَا يَقُمُ مَقَامَكَ لاَيُسُمِعُ النَّاسِ فَلَقُ أَمَرُتَ عُمْرَ فَقَالَ الْكُنَّا لاَنتَنَّ صَوَاحِبُ يُوسُفُ مُرُواْ اَبَا بَكُر يُصلِّي بِالنَّاسِ فَلَمَا دَخَلَ في النَّاسِ فَلَقَالَ الْكُنَّ لاَنتُنَّ صَوَاحِبُ يُوسُفُ مُرُواْ ابَا بَكُر يُصلِّي بِالنَّاسِ فَلَمَا دَخَلَ في النَّاسِ فَلَقَ أَمْرُتَ عُمْرَ فَقَالَ النِّكُنَّ لاَنتَنَّ صَوَاحِبُ يُوسُفُ مُرُواْ ابَا بَكُر يُصلِّي بِالنَّاسِ فَلَمَا دَخَلَ في السَيْفُ وَائِنُهُ مَرَّ مَعْلَى بِالنَّاسِ فَلَقَ اللَّهِ عَنِيْنَ وَرِجُلِي وَمِيْدُ وَيَعْلَى الْمُعْمِ الْمُؤْلُ اللَّهِ عَنِيْنَ وَرِجُلُونَ وَمِثَلِي وَرَجُلِكُمْ وَعَلَى اللّهِ عَنِّيْ فَعَلَانِ فِي الْالْمُ عَلَيْنَ وَرَجُلُولُ اللّهِ عَلَيْكُ وَالنَّاسُ مُقْتَدُونَ بُعْلَى وَاللّهُ الْمُلْكُولُ اللّهِ عَلَيْ يُصلِي مُلْكُولُ اللّهِ عَلَيْكُ وَالنَّاسُ مُقْتَدُونَ بِصلَاقَ قَامِيا وَكَانَ رَسُولُ اللّهِ عَلَيْكُ يُصلِقُ وَالنَّاسُ مُقْتَدُونَ بِصِلَاةً أَبِي بَكُر رَضِي اللّهُ عَنْهُ .

৬৭৮ কুতাইবা ইব্ন সায়ীদ (র.)......আয়িশা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, রাসূলুল্লাহ্ ব্রান্ত্রী যথন (রোগে) পীড়িত হয়ে পড়েছিলেন, বিলাল (রা.) এসে সালাতের কথা বললেন। নবী ক্রিট্রী বললেন, আব্ বক্রকে বল, লোকদের নিয়ে সালাত আদায় করতে। আমি বললাম, ইয়া রাসূলাল্লাহ্! আবৃ বক্র (রা.) অত্যন্ত কোমল হৃদয়ের ব্যক্তি। তিনি যখন আপনার স্থানে দাঁড়াবেন, তখন সাহাবীগণকে কিছুই তনাতে

পারবেন না। যদি আপনি উমর (রা.)-কে এ নির্দেশ দেন (তবে ভাল হয়)। তিনি ক্রিট্রে আবার বললেন ঃ লোকদের নিয়ে আবৃ বক্র (রা.)-কে সালাত আদায় করতে বল। আমি হাফসা (রা.)-কে বললাম, তুমি তাঁকে একটু বল যে, আবৃ বক্র (রা.) অত্যন্ত কোমল হৃদয়ের ব্যক্তি। তিনি যখন আপনার পরিবর্তে সে স্থানে দাঁড়াবেন, তখন সাহাবীগণকে কিছুই শোনাতে পারবেন না। যদি আপনি উমর (রা.)-কে এ নির্দেশ দিতেন (তবে ভাল হতো)। এ জনে রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্রে বললেন ঃ তোমরা ইউসুফের সাথী রমণীদেরই মত। আবৃ বক্র (রা.)-কে লোকদের নিয়ে সালাত আদায় করতে বল। আবৃ বক্র (রা.) লোকদের নিয়ে সালাত তক্র করলেন। তখন রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্রে নিজে একটু সুস্থবোধ করলেন এবং দু'জন সাহাবীর কাঁধে ভর দিয়ে উঠে দাঁড়িয়ে মসজিদে গেলেন। তাঁর দু' পা মুবারক মাটির উপর দিয়ে হেঁচড়ে যাচ্ছিল। আবৃ বক্র (রা.) যখন তাঁর আগমন আঁচ করলেন, পিছনে সরে যেতে উদ্যুত হলেন। রাস্লুল্লাহ্র্ট্রিতার প্রতি ইশারা করলেন (পিছিয়ে না যাওয়ার জন্য)। তারপর তিনি এসে আবৃ বক্র (রা.)-এর বামপাশে বসে গেলেন অবশেষে আবৃ বক্র (রা.) দাঁড়িয়ে সালাত আদায় করছিলেন। আর সাহাবীগণ হযরত আবৃ বক্র (রা.)-এর সালাতের অনুসরণ করছিল।

#### ٤٦١. بَابُ هَل يَاخُذُ الْإِمَامُ إِذَا شَكُّ بِقُولِ النَّاسِ

৪৬১. অনুচ্ছেদ ঃ ইমামের সন্দেহ হলে মুক্তাদীদের মত গ্রহণ করা।

الْكُوبَ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ عَلَى اللهِ اللهِ عَلَى اللهِ ال

৬৭৯ আবদুল্লাহ্ ইব্ন মাসলামা (র.)......আবৃ হুরায়রা (রা.) থেকে বর্ণিত যে, রাসূলুল্লাহ্ দুর্ণার রাকাআত আদায় করে সালাত শেষ করে ফেললেন। যূল-ইয়াদাইন (রা.) তাঁকে বললেন, ইয়া রাসূলাল্লাহ্! সালাত কি কম করা হয়েছে, না আপনি ভুলে গেছেন গ রাসূলুল্লাহ্ দুর্ণার করে। বললেন ঃ যূল-ইয়াদাইন কি ঠিকই বলছে গ সাহাবীগণ বললেন, হ্যা। তখন রাসূলাল্লাহ্ দুর্ণাড়ালেন এবং আরও দু' রাকাআত সালাত আদায় করলেন, তারপর সালাম ফিরালেন এবং তাক্বীর বলে স্বাভাবিক সিজ্দার মত অথবা তার চাইতে দীর্ঘ সিজ্দা করলেন।

مَدُّتُنَا أَبُو الْوَلِيُدِ قَالَ حَدُّثُنَا شُعْبَةُ عَنُ سَعْدِ بَنِ اِبْرَاهِيْمَ عَنْ أَبِيُ سَلَمَةَ عَنْ أَبِي هُرَيْرَةَ قَالَ مَدُّتَنَ أَبِي هُرَيْرَةَ قَالَ مَدُّتَنَ أَبِي سَلَمَةً عَنْ أَبِي سَلَمَةً عَنْ أَبِي هُرَيْرَةً قَالَ مَدُّتَيْنِ فَقَيلَ صَلَّيْ رَكْعَتَيْنِ فَصَلَّى رَكْعَتَيْنِ ثُمَّ سَلَّمَ ثُمَّ سَجَدَ سَجَدَتَيْنِ فَصَلَّى النَّبِيُّ عَنِيْنِ ثُمَّ سَلَّمَ ثُمَّ سَجَدَ سَجَدَتَيْنِ فَصَلَّى النَّبِيِّ عَنِيْنِ ثُمَّ سَجَدَ سَجَدَتَيْنِ فَعَيلَ صَلَّى النَّبِيِّ عَنِيْنِ ثُمَّ سَلَّمَ ثُمَّ سَجَدَ سَجَدَتَيْنِ فَصَلَّى النَّبِيِّ عَلِيْهِ الطَّهُ الطَّهُ سَجَدَ سَجَدَتَيْنِ فَقَيلَ صَلَّيْتَ رَكْعَتَيْنِ فَصَلَلَى رَكْعَتَيْنِ ثُمَّ سَلَّمَ ثُمُّ سَجَدَ سَجَدَتَيْنِ فَعَلَى صَلَّى النَّبِيِّ عَلِيْهِ الطَّهُ الطَّهُ الطَّهُ الطَّهُ الْمَا الْمَا الْمَالِقُ اللَّهُ الْمَالُمُ سَجَدَ سَجَدَتَيْنِ فَصَلَلَى النَّبِي عَلَيْهِ الطَّهُ الطَّهُ الطَّهُ الطَّهُ الطَّهُ الْمَالِقُ الْمَالِقُ الْمَالِقُ الْمَالِقُ الْمَالُونَ اللَّهُ اللَّهُ الْمَالِقُ الْمَالُونُ الْمَالِيْ الْمَالُونَ اللَّهُ الْمُ اللَّهُ الْمَالِقُ الْمَالِيَةِ الْمُؤْمِّ اللَّهُ الْمُلْمَ الْمُؤْمِنَ اللَّهُ الْمُعْلَقِ الْمُؤْمِنِ اللَّهُ الْمُؤْمِ الْمُؤْمِنَ اللَّهُ الْمُؤْمِنَ اللَّهُ الْمُؤْمِنِ اللَّهُ الْمَلْمُ الْمُؤْمِ الْمُؤْمِ الْمُؤْمِنِ الْمُؤْمِلُ الْمُعْمُ الْمُؤْمِنَ اللَّهُ الْمُؤْمِنَ اللَّهُ الْمُؤْمِنِ الْمُؤْمِ الْمُؤْمِنَ اللَّهُ الْمُؤْمِنِ الْمُؤْمِنُ الْمُؤْمِنِ الْمُؤْمِ الْمُؤْمِ الْمُؤْمِ الْمُؤْمِنَ اللَّهُ الْمُؤْمِنَ الْمُؤْمِ اللَّهُ الْمُؤْمِ الْمُومِ الْمُؤْمِ الْمُؤْمِ الْمُؤْمِ الْمُؤْمِ الْمُوالِمُ الْمُؤْمُ الْمُؤْمِ اللْمُؤْمِ الْمُؤْمِ الْمُؤْمِ الْمُومِ الْمُعُلِمُ اللْمُؤْمِ الْمُؤْمِ الْمُؤْمِ الْمُومِ الْمُعُلِمُ ا

সালাত দু' রাকাআত পড়লেন। তাঁকে বলা হল, আপনি দু' রাকাআত সালাত আদায় করেছেন। তখন তিনি আরও দু' রাকাআত সালাত আদায় করলেন এবং সালাম ফিরানোর পর দু'টি সিজ্দা করলেন।

٤٦٢. بَابُ إِذَا بَكَى الْإِمَامُ فِي الصَّلَاةِ وَقَالَ عَبُدُ اللهِ بَنُ شَدَّاد سِمَقَتُ نَشْيِع عُمَرَ وَأَنَا فِي أَخْرِ الصَّفُونَ فِي الْمَا أَشْكُوا بَثِي وَحُزُنِي إِلَى اللهِ

8৬২. অনুচ্ছেদ ঃ সালাতে ইমাম কেঁদে ফেললে। আবদুল্লাহ্ ইব্ন শাদাদ (র.) বলেন, আমি পিছনের কাতার থেকে উমর (রা.)—এর চাপা কানার আওয়ায শুনেছি। তিনি তখন النَّمَا الْمُمَا الله الله (আমি আমার দুঃখ ও বেদনার অভিযোগ একমাত্র আল্লাহ্র নিকটই পেশ করছি)'—এ আয়াত তিলাওয়াত করছিলেন।

حَدُثْنَا اِسْمُعْيِلُ قَالَ حَدَّثَنَا مَالِكُ بُنُ اَنَسٍ عَنْ هِشَامٍ بِنْ عُرُونَةً عَنْ أَبِيهِ عَنْ عَائِشَةَ أُمَّ الْمُؤْمَنِينَ النَّهِ عُرُقِياً فِي مَرَضِهِ مُرُوا اَبَا بَكُرٍ اَنْ يُصلِّي بِالنَّاسِ قَالَتُ عَائِشَةُ قُلْتُ اِنَّ اَبَا بَكُرٍ إِذَا قَامَ فِي مَقَامِكَ لَمْ يُسْمِعِ النَّاسِ مِنَ البُكَاءِ فَمُر عُمَرَ فَلْيُصلِّ فَقَالَ مُرُوا اَبَا بَكُرٍ فَلْيُصلِّ لِلنَّاسِ قَالَتُ عَائِشَةُ وَيُ مَقَامِكَ لَمْ يُسْمِعِ النَّاسِ مِنَ البُكَاءِ فَمُر عُمَرَ فَلْيُصلِّ فَقَالَ مُرُوا اَبَا بَكُرٍ فَلْيُصلِّ لِلنَّاسِ قَالَتُ عَائِشَةُ وَلَيْ مُنْ البُكَاءِ فَمُر عُمْرَ فَلْيُصلِّ لِلنَّاسِ مِنَ البُكَاءِ فَمُر عُمْرَ فَلْيُصلِّ لِلنَّاسِ مِنَ البُكَاءِ فَمُر عُمْرَ فَلْيُصلِّ لِلنَّاسِ مِنَ البُكَاءِ فَمُر عُمْرَ فَلْيُصلِّ لِلنَّاسِ فَالَتُ عَائِشَةً وَوَلِي لَهُ إِنَّ اَبَا بَكُرٍ اذَا قَامَ فِي مَقَامِكَ لَمْ يُسْمِعِ النَّاسَ مِنَ البُكَاءِ فَمُر عُمْرَ فَلْيُصلِّ لِلنَّاسِ فَالتَ لَيْسُولُ اللهِ عَلَيْ لِلنَّاسِ قَالَتُ مَنْ اللهِ عَلَيْ لِلنَّاسِ قَالَتُ مَنْ اللهِ عَلَيْ لِلنَّاسِ قَالَتُ مَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَلَيْ لِلنَّاسِ قَالَتُ مَنْ اللهِ عَلَيْ لَا لَهُ عَلَيْ لِلنَّاسِ قَالَتُ مَا لَا لِلللهِ عَلَيْ لِلنَّاسِ قَالَتُ مَنْ اللهِ عَلْمُ لَا لَكُنْ عَنْ لَائْتُنَ مُنْ وَلُولُ اللهُ عَلَيْ لِلنَّاسِ قَالَتُ مَنْ اللهِ عَلْمُ لَا لِللّهُ عَلَيْكُ لَا لَا لَاللّهِ عَلَيْكُ مَا لَا لَكُنْ لَائِلُولُ مَا لَيْكُولُ لَاللّهِ عَلْكُولُ اللّهِ لَاللّهِ مِنْ اللّهِ عَلَيْلُ لِللّهِ اللّهُ عَلَيْكُمُ لِللللّهِ عَلْمُ لَا لَكُولُولُ الللهِ عَلَيْلُ مِنْ اللّهُ عَلَيْلُ اللّهُ عَلْمُ لَاللّهِ الللّهُ عَلْلُ لَا عَلْمُ لَلْ عَلْلَ لَاللّهِ عَلْلُ لَاللّهُ عَلْمُ لَا لَكُولُولُ لَلْكُولُ اللّهِ عَلْمُ لَا لَكُولُولُ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلْلَ مَا لُولُولُولُ اللّهُ عَلْمُ لَا لَنْ اللّهُ عَلْمُ لَا لَالْهُ عَلْمُ لَلْكُولُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ عَلْمُ لَلْكُولُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ عَلْمُ لَا اللّهُ عَلْمُ لَاللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللهِ الللّهُ اللّهُ الللهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللهُ ا

ভি৮১ ইসমায়ীল (র.)......উম্মূল মু'মিনীন আয়িশা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, রাসূলুল্লাহ্ ত্রু । (অন্তিম) রোগে আক্রান্ত অবস্থায় বললেন ঃ আবু বক্রকে লোকদের নিয়ে সালাত আদায় করতে বল। আয়িশা (রা.) বলেন, আমি তাঁকে বললাম, আবু বক্র (রা.) যখন আপনার স্থলে দাঁড়াবেন, তখন কানার কারণে সাহাবীগণকে কিছুই শুনাতে পারবেন না। কাজেই উমর (রা.)-কে লোকদের নিয়ে সালাত আদায় করেতে নির্দেশ দিন। তিনি ক্রু আবার বললেন ঃ আবু বকরকে বল লোকদের নিয়ে সালাত আদায় করে নিতে। আয়িশা (রা.) বলেন, তখন আমি হাফ্সা (রা.)-কে বললাম, তুমি তাঁকে বল যে, আবু বক্র (রা.) যখন আপনার স্থানে দাঁড়াবেন, তখন কানার কারণে সাহাবীগণকে কিছুই শুনাতে পারবেন না। কাজেই উমর (রা.)-কে বলুন তিনি যেন সাহাবীগণকে নিয়ে সালাত আদায় করেন। হাফ্সা (রা.) তাই করলেন। তখন রাসূলুল্লাহ্ ক্রু বললেন ঃ চুপ কর! তোমরা ইউসুফের সাথী নারীদেরই মত। আবু বক্রকে বল, সে যেন লোকদের নিয়ে সালাত আদায় করে। এতে হাফসা (রা.) আয়িশা (রা.)-কে (অভিমান করে) বললেন, তোমার কাছ থেকে আমি কখনো আমার জন্য হিতকর কিছু পাইনি।

#### ٤٦٣ . بَابُ تَسْوِيةِ الصَّفْقُ عِنْدَ الْإِقَامَةِ وَبَعْدَهُ

৪৬৩. অনুচ্ছেদ ঃ ইকামতের সময় এবং এর পরে কাতার সোজা করা।

٦٨٢ حَدَّثَنَا أَبُو الْوَلِيدِ هِشَامُ بَنُ عَبْدِ الْمَلِكِ قَالَ حَدَّثَنَا شُعْبَةُ قَالَ اخْبَرَنِيَ عُمْرُو بَنُ مُرَّةَ قَالَ سَمِعْتُ سَالِمَ بَنَ أَبِي الْجَعْدِ قَالَ سَمِعْتُ النَّعِمَانَ بَنَ بَشِيْرٍ يَقُولُ قَالَ النَّبِيُ عَيْنَ لَتُسَوَّنُ صَفُوفَكُمُ أَوْ لَيُخَالِفَنُ اللَّهُ بَيْنَ وَجُوهُكُمْ .

৬৮২ আবদুল ওয়ালীদ হিশাম ইব্ন আবদুল মালিক (র.).....নু'মান ইব্ন বশীর (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী ক্রিট্রের বলেছেন ঃ তোমরা অবশ্যই ক্রিট্রের সোজা করে নিবে, তা না হলে আল্লাহ্ তা'আলা তোমাদের মাঝে বিরোধ সৃষ্টি করে দিবেন।

٦٨٣ حَدَّثَنَا أَبُو مَعْمَرٍ قَالَ حَدَّثَنَا عَبْدُ الْوَارِثِ عَنْ عَبْدِ الْعَزِيْزِ عَنْ انْسِ اَنَّ النَّبِيِّ عَالَ اقْيِمُوا الصَّفُوفِ فَانِي اَنَّ النَّبِي عَلَى الْعَرْقِيْزِ عَنْ انْسِ اَنَّ النَّبِي عَلَى اَقِيْمُوا الصَّفُوفِ فَانِي اَرَاكُمْ خَلْفَ ظَهْرِي ،

৬৮৩ আবু মা'মার (র.).....আনাস (রা.) থেকে বর্ণিত্ যে, নবী ক্রিট্রের বলেন ঃ তোমরা কাতার সোজা করে নিবে। কেননা, আমি আমার পিছনের দিক থেকেও় তোমাদের দেখতে পাই।

#### ٤٦٤، بَابُ إِقْبَالِ الْإِمَامِ عَلَى النَّاسِ عَنْدَ تَسُويَةِ الْجِبْفُوفِ

৬৮৪ আহ্মদ ইব্ন আবৃ রাজা (র.)......আনিসি ইব্ন মালিক (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, সালাতের ইকামত হচ্ছে, এমন সময় রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্র আমাদের দিকে মুখ করে তাকালেন এবং বললেন ঃ তোমাদের কাতারগুলো সোজা করে নাও আর মিলে দাঁড়াও। কেননা, আমি আমার পিছনের দিক থেকেও তোমাদের দেখতে পাই।

#### ٥٢٥. بَابُ الصُّفِّ الْاَثْلِ

৪৬৫. অনুচ্ছেদঃ প্রথম কাতার।

٦٨٥ حَدَّثَنَا أَبُو عَاصِمٍ عَنْ مَالِكٍ عَنْ سُمَى عَنْ أَبِى صَالِحٍ عَنْ أَبِى هُرَيْسَرَةَ قَالَ قَالَ السنبِي عَنْ أَبِي

الشُّهَادَاءُ الْغَرِقُ وَالْمَطْعُونُ وَالْمَبْطُونَ وَالْهَدِمُ وَقَالَ وَلَوْ يَعْلَمُونَ مَافِي التَّهُجِيْرِ لاَسْتَبَقُوا وَلَوْ يَعْلَمُونَ مَافِي الصَّفِّ الْمُقَدَّمِ لاَسَّتَهَمُوا .

৬৮৫ আবৃ আসিম (র.).....আবৃ হুরায়রা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী ক্রান্ত্রী বলেছেন ঃ পানিতে ডুবে, কলেরায়, প্লেগে এবং ভূমিধসে বা চাপা পড়ে মৃত ব্যক্তিরা শহীদ। যদি লোকেরা জানত যে, প্রথম ওয়াক্তে সালাত আদায়ের কী ফযীলত, তা হলে তারা এর জন্য প্রতিযোগিতা করে আগেভাগে আসার চেষ্টা করত। আর ইশা ও ফজরের জামা আতের কী মর্তবা তা যদি তারা জানত তাহলে হামাও ডি দিয়ে হলেও তাতে উপস্থিত হত। এবং সামনের কাতারের কী ফযীলত তা যদি জানত, তাহলে এর জন্য তারা কুরআ ব্যবহার করত।

#### ٤٦٦. بَابُ إِقَامَةُ الصُّفِّ مِنْ تَمَامِ الصَّلاةِ

৪৬৬. অনুচ্ছেদ ঃ কাতার সোজা করা সালাতের পূর্ণতার অঙ্গ।

٦٨٦ حَدَّثَنَا عَبْدُ اللهِ بَنُ مُحَمَّدٍ قَالَ حَدَّثَنَا عَبْدُ الرَّزَّاقِ قَالَ اَخْبَرَنَا مَعَمَرُ عَنْ هَمَّامٍ عَنْ أَبِي هُرَيْرَةً عَنِ اللهِ بَنُ مُحَمَّدٍ قَالَ سَمِعَ اللهُ لِمِنَ النَّبِيِّ عَلَيْهِ فَاذِا رَكَعَ فَارْكَعُوا وَإِذَا قَالَ سَمِعَ اللهُ لِمِنْ النَّهِ لِمَنْ عَلَيْهِ فَاذِا رَكَعَ فَارْكَعُوا وَإِذَا قَالَ سَمِعَ اللهُ لِمِنْ حَمِدَهُ فَقُولُوا رَبِّنَا لَكَ الْحَمْدُ وَإِذَا سَجَدَ فَاسْجُدُوا وَإِذَا صَلِّى جَالِسًا فَصَلُّوا جَلُوسًا اَجْمَعُونَ وَاقْيِمُوا الصَّفَّ فِي الصَّلَاةِ فَانَّ اِقَامَةَ الصَّفَّ مَنْ حُسُنِ الصَّلَاةِ فَى الصَّلَاةِ فَانَّ اِقَامَةَ الصَّفَّ مَنْ حُسُنِ الصَّلَاةِ فَى الصَّلَاةِ فَانَّ اِقَامَةَ الصَّفِّ مَنْ حُسُنِ الصَّلَاةِ فَى الصَلَّاةِ فَانَّ اِقَامَةَ الصَّفِّ مَنْ حُسُنِ الصَّلَاةِ فَى الصَلَّاقِ الْمَالِّةِ فَانَّ الْقَامَةَ الصَّفِّ مَنْ حُسُنِ الصَّلَاةِ فَى الصَلَّاقِ الْمَالِّةِ فَانَّ القَامَةَ الصَّفِّ مَنْ حُسُنِ الصَّلَاةِ فَى الصَلَّاقِ الْمَالِّةِ فَانَّ القَامَةَ الصَّفَّ مَنْ حُسُنِ الصَّلَاةِ فَى الصَلَّاقِ الْمَالَةِ فَانَ الْمَالِّةُ فَانَّ الْمَالَةِ فَانَّ الْمَالِّةِ فَانَّ الصَّلَةِ فَانَّ الْمَالَةِ فَانَ الصَّلَاةِ فَانَ الْمَالَةِ فَانَ الصَلَّاقِ الْمَالَةِ فَانَ الصَلْفَا الْمَالِيَةِ فَانَ الْمَالِيَةِ فَانَ الْمَالَةِ فَانَ الْمُلْوِلِ الْمَالِيَةِ فَالْ الْمَالَةِ فَانَّ الْمَالِيَةِ فَالْ الْمَالِيَةِ فَالْلَاقِ الْمَالَةِ فَالْمُولِلَةِ الْمَالَةِ فَالْمَالِيَةِ فَالْمَالَةِ الْمَالُولَ مَا الْمِلْلِيَا الْمَالَةِ فَالْ الْمُلْلِقِ مَا الْمَلْوَالِيَا الْمِلْلِيْ الْمِلْلِيْ اللّهُ الْمِلْوَالِيْلِيْ الْمُ الْمِلْولَةُ الْمَالِيَا الْمِلْمُ الْمَالِيْقِ الْمَالِيْ الْمِلْمِ الْمِلْمُ الْمِلْمُ الْمَالِيْ الْمِلْمُ الْمُلْمِ الْمُلْمِ الْمِلْمُ الْمِلْمُ الْمُلْمُ الْمُلْمُ الْمُ الْمُلْمُ الْمُ الْمُ الْمُلْمِ الْمُلْمُ الْمُلْم

৬৮৬ আবদুল্লাহ্ ইব্ন মুহামদ (র.)....আবূ হুরায়রা (রা.) থেকে বর্ণিত যে, নবী ক্রিট্রের বলনঃ অনুসরণ করার জন্যই ইমাম নির্ধারণ করা হয়। কাজেই তাঁর বিরুদ্ধাচরণ করবে না। তিনি যখন রুক্ করেন তখন তোমরাও রুক্ করবে। তিনি যখন '﴿رَبُّنَا لَكُ لِمَنْ حَمْدَ ' مَسْمَ اللهُ لِمَنْ حَمْدَ ' مَا اللهُ لِمَنْ حَمْدَ ' مَسْمَ اللهُ لَمْ مَا كَا اللهُ ا

٦٨٧ حَدَّثَنَا أَبُو الْوَلِيْدِ قَالَ حَدَّثَنَا شُعَبَةً عَنْ قَتَادَةَ عَنْ اَنَسٍ عَنِ النَّبِيِّ عَلِيْنَ قَالَ سَوُّوا صَفُوْفَكُمْ فَانِّ تَسُويِةَ الصَّفُوْفَ مِنْ اِقَامَةِ الصَّلاَةِ ،

৬৮৭ আবুল ওয়ালীদ (র.).....আনাস (রা.) থেকে বর্ণিত যে, নবী স্ক্রীর বলেন ঃ তোমরা তোমাদের কাতারগুলো সোজা করে নিবে, কেননা, কাতার সোজা করা সালাতের সৌন্দর্যের অন্তর্ভুক্ত।

#### ٤٦٧. بَابُ الثُّمِ مَنْ لَمْ يُتِمُّ الصُّفُونَةَ

৪৬৭. অনুচ্ছেদ ঃ কাতার সোজা না করার গুনাহ।

مَدُّنَا مُعَادُ بُنِ اَسَدٍ قَالَ اَخْبَرُنَا الْفَضُلُ بُنُ مُوسَى قَالَ اَخْبَرَنَا سَعِيْدُ بُنُ عُبَيْدٍ الطَّائِيُّ عَنْ السَّوْلِ اللهِ اللهِ

৬৮৮ মু'আয ইব্ন আসাদ (র.)......আনাস ইব্ন মালিক (রা.) থেকে বর্ণিত, একবার তিনি (আনাস) মদীনায় আসলেন। তাঁকে জিজ্ঞাসা করা হল, রাস্লুল্লাহ্ ু -এর যুগের তুলনায় আপনি আমাদের সময়ের অপসন্দনীয় কী দেখতে পাচ্ছেন ? তিনি বললেন, অন্য কোন কাজ তেমন অপসন্দনীয় মনে হচ্ছে না। তবে তোমরা (সালাতে) কাতার ঠিকমত সোজা কর না। উক্বা ইব্ন উবাইদ (র.) বুশাইর ইব্ন ইয়াসার (র.) থেকে বর্ণনা করেন যে, আনাস ইব্ন মালিক (রা.) আমাদের কাছে মদীনায় এলেন.....বাকী অংশ অনুরূপ।

## ٤٦٨. بَابُ الْزَاقِ الْمَنْكِبِ بِالْمَنْكِبِ وَالْقَدَمِ بِالْقَدَمِ بِالْقَدَمِ فِي الصَّفَّ وَقَالَ النَّعْمَانُ بُنُ بَشِيْرِ رَأَيْتُ الرَّجُلَ مِنَّا يُكُونًا كُونَا النَّعْمَانُ بُنُ بَشِيْرٍ رَأَيْتُ الرَّجُلَ مِنَّا يَكُونُ كَفْبَةً بِكَفْبِ صَاحِبِهِ

৪৬৮. অনুচ্ছেদ ঃ কাতারে কাঁধের সাথে কাঁধ এবং পায়ের সাথে পা মিলানো। নু'মান ইব্ন বশীর (র.) বলেন, আমাদের কাউকে দেখেছি পার্শ্ববর্তী ব্যক্তির টাখ্নুর সাথে টাখ্নু মিলাতে।

٦٨٩ حَدَّثَنَا عَمْرُو بْنُ خَالِد قَالَ حَدَّثَنَا زُهُيْرُ عَنْ حُميْد عَنْ انْسِ عَنِ النَّبِي عَلَيْ قَالَ اقيْمُوا صُفُوفَكُمْ فَانِي عَنْ النَّبِي عَلَيْكُ قَالَ اقيْمُوا صُفُوفَكُمْ فَانِي النَّبِي عَنْ النَّبِي عَلَيْكُ فَاللَهِ عَنْ النَّبِي عَنْ النَّالِي النَّهُ عَنْ عَنْ النَّبِي عَنْ النَّبِي عَنْ النَّبِي عَنْ النَّالِ اللَّهُ عَنْ عَنْ النَّالِي اللَّهِ عَنْ النَّبِي عَنْ النَّبِي عَنْ النَّبِي عَنْ النَّبِي عَلَيْ اللَّهِ عَنْ عَنْ عَنْ عَنْ النَّبِي عَنْ النَّبِي عَنْ النَّبِي عَنْ النَّبِي عَنْ النَّبِي عَنْ النَّالِي اللَّهِ عَنْ النَّالِ اللَّهِ عَنْ النَّالِي اللَّهِ عَنْ النَّالِقُ عَنْ النَّالِ اللَّهُ عَنْ اللَّهِ عَلَيْ اللَّهُ اللَّهُ عَنْ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَنْ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ اللَّهُ عَنْ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَنْ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ اللَّهُ عَلَيْ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْ اللْهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الْ

৬৮৯ আমর ইব্ন খালিদ (র.)......্সানাস (রা.) থেকে বর্ণিত যে, নবী ক্রিট্রের বলেন ঃ তোমরা তোমাদের কাতার সোজা করে নাও। কেননা, আমি আমার পিছনের দিক থেকেও তোমাদের দেখতে পাই। (আনাস (রা.) বলেন) আমাদের প্রত্যেকেই তার পার্শ্ববর্তী ব্যক্তির কাঁধের সাথে কাঁধ এবং পায়ের সাথে পা মিলাতাম।

### الأمام فَكُنْ يَسَارِ الْإمَام فَحَلَّهُ اللَّي يَمِيْنِهِ تَمْتُ صَلَاتُهُ اللَّي يَمِيْنِهِ تَمْتُ صَلَاتُهُ ৪৬৯. অনুচ্ছেদ ঃ কেউ ইমামের বামপাশে দাঁড়ালে ইমাম তাকে পিছনে ঘুরিয়ে ডানপাশে দাঁড় করালে সালাত আদায় হবে।

حَدُّنَنَا قُتَيْبَةُ سَعِيْدٍ قَالَ حَدُّنَنَا دَانُدُ عَنْ عَمْرِو بْنِ دِيْنَارٍ عَنْ كُريبٍ مَوْلَى ابْنِ عَبُّاسٍ عَنِ ابْنِ عَبُّاسٍ عَنِ ابْنِ عَبُّاسٍ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهُمَا قَالَ صَلَيْتُ مَعَ النَّبِيِّ عَيْنِهُ ذَاتَ لَيْلَةٍ فَقُمْتُ عَنْ يَسَارِهِ فَاخَذَ رَسُولُ اللَّهِ عَيْنِهُ . عَبُّاسٍ رَضِي اللَّهُ عَنْهُمَا قَالَ صَلَيْتُ مَعَ النَّبِي عَيْنِهُ ذَاتَ لَيْلَةٍ فَقُمْتُ عَنْ يَسَارِهِ فَاخَذَ رَسُولُ اللَّهِ عَيْنِهُ فَصَلَّى وَرَقَدَ فَجَاءَهُ الْمُؤذِّنُ فَقَامَ وَصَلَّى وَلَمْ يَتَوَضَّا . بِرَأْسِي مِنْ وَرَائِي فَجَعَلَنِي عَنْ يَمِيْنِهِ فَصَلَّى وَرَقَدَ فَجَاءَهُ الْمُؤذِّنُ فَقَامَ وَصَلَّى وَلَمْ يَتَوَضَّا .

ডি৯০ কুতাইবা ইব্ন সায়ীদ (র.).....ইব্ন আব্বাস (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, একরাতে আমি নবী ক্রিট্রে -এর সংগে সালাত আদায় করতে গিয়ে তাঁর বামপাশে দাঁড়ালাম। তিনি আমার মাথার পিছনের দিক ধরে তাঁর ডানপাশে নিয়ে এলেন। তারপর সালাত আদায় করে তয়ে পড়লেন। পরে তাঁর কাছে মুআ্য্যিন এলো। তিনি উঠে সালাত আদায় করলেন, কিন্তু (নতুনভাবে) উযুক্রেন নি।

#### ٤٧٠. بَابُ الْمَرْأَةُ وَهُدَهَا تَكُونُ صَفًّا

৪৭০. অনুচ্ছেদ ঃ মহিলা একজন হলেও ভিন্ন কাতারে দাঁড়াবে।

مَدُنْنَا عَبْدُ اللهِ بْنُ مُحَمَّدٍ قَالَ حَدَّثَنَا سَفْيَانُ عَنْ السَّحَقَ عَنْ اَنْسِ بْنِ مَالِكٍ قَالَ صَلَّيْتُ اَنَا وَيَتِيْمُ مَا لِكِ مِنَاكِ مِنَاكِ مِنَاكِ مَا لِكِ مِنَاكِ مَالِكِ مَالِكِ مَالِكِ مَالِكِ مَا لَكُ مِنْ اللهِ مَا لَكُ مَالِكِ مَا لَكُ مِنْ اللهِ مِنْ اللهِ مِنْ مَا لِكُ مِنْ اللهِ مِنْ اللهِ مِنْ اللهِ مِنْ اللهِ مَا لِكُ مِنْ اللهِ مَا لَكُ مِنْ اللهِ مِنْ اللهُ مِنْ اللهُ مِنْ اللهُ مِنْ مُنْ اللهُ مِنْ اللهُ مِنْ اللهُ مِنْ اللهُ مِنْ اللهُ مِنْ اللهِ مِنْ اللّهُ اللّهُ مِنْ أ

৬৯১ আবদুল্লাহ্ ইব্ন মুহাম্মদ (র.)......আনাস ইব্ন মালিক (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, একবার আমাদের ঘরে আমি ও একটি ইয়াতীম ছেলে নবী ক্রিট্রে -এর পিছনে দাঁড়িয়ে সালাত আদায় করলাম। আর আমার মা উম্মে সুলাইম (রা.) আমাদের পিছনে দাঁড়িয়ে ছিলেন।

#### ٤٧١. بَابُ مَيْمَنَةِ الْمَسْجِدِ وَالْاِمَامِ

৪৭১. অনুচ্ছেদ ঃ মসজিদ ও ইমামের ডানদিক।

اللهُ عَنْهُمَا مَنْ مَدُنّنَا مَاسِمُ حَدَّثَنَا مَاسِمُ اللهُ عَنْهُمَا عَاصِمُ عَنِ الشَّعْبِيِّ عَنِ ابْنِ عَبَّاسٍ رَضِي اللهُ عَنْهُمَا عَاصِمُ عَنِ الشَّعْبِيِّ عَنْ ابْنِ عَبَّاسٍ رَضِي اللهُ عَنْهُمَا قَالَ مَنْ مَنْ اللهُ عَنْهُمَا مَنْ مَدُنّ لَيْكُمُ عَنْ يَمِيْنِهِ ، وَقَالَ بِيدِهِ مَنْ وَدَائَى . وَلَا لَيْدِهِ مَنْ وَدَائَى . وَلَا لَا لَيْمِي عَنْ يَمِيْنِهِ ، وَقَالَ بِيدِهِ مَنْ وَدَائَى .

৬৯২ মূসা (র.)....ইব্ন আব্বাস (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, একরাতে আমি সালাত আদায়ের জন্য নবী ক্রিট্র-এর বামপাশে দাঁড়ালাম। তিনি আমার হাত বা বাহু ধরে তাঁর ডানপাশে দাঁড় করালেন এবং তিনি তাঁর হাতের ইশারায় বললেন, আমার পিছনের দিক দিয়ে।

٤٧٢. بَابُ اذَا كَانَ بَيْنَ الْإِمَامِ وَبَيْنَ الْقَوْمِ حَانِطُ أَوْسُتُرَةً وَقَالَ الْحَسَنُ لاَبَاْسَ أَن تُصلِّي وَبَيْنَكَ وَبَيْنَكُ وَاللَّهُ وَاللَّالِمُ وَاللَّهُ وَاللّمُ وَاللَّهُ وَاللَّاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللّذَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَالْمُ اللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ اللَّهُ وَاللَّهُ اللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ اللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللّذَالَ اللَّهُ وَاللَّهُ وَالْمُ واللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ واللَّهُ واللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّاللَّذُالِ الللَّهُولُواللَّا الللَّهُ وَاللَّاللَّذِاللَّاللَّاللَّ الللَّهُ وَاللّ

8৭২. অনুচ্ছেদ ঃ ইমাম ও মুক্তাদীর মধ্যে দেওয়াল বা সুতরা থাকলে। হাসান (র.) বলেন, তোমার ও ইমামের মধ্যে নহর থাকলেও ইক্তিদা করতে অসুবিধা নেই। আবু মিজলায (র.) বলেন, যদি ইমামের তাক্বীর শোনা যায় তাহলে ইমাম ও মুক্তাদীর মধ্যে রাস্তা বা দেওয়াল থাকলেও ইক্তিদা করা যায়।

ডি৯৩ মুহামদ (ইব্ন সালাম) (র.)......আয়িশা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, রাস্লুল্লাহ্ রাতের সালাত তাঁর নিজ কামরায় আদায় করতেন। কামরার দেওয়ালটি ছিল নীচু। ফলে একদিন সাহবীগণ নবী ক্রিট্রে -এর শরীর মুবারক দেখতে পেলেন এবং (দেওয়ালের অপর পার্শ্বে) সাহাবীগণ দাঁড়িয়ে তাঁর সহিত সালাত আদায় করলেন। সকালে তাঁরা একথা বলাবলি করছিলেন। দ্বিতীয় রাতে তিনি (সালাতে) দাঁড়ালেন। সাহাবীগণ দাঁড়িয়ে তাঁর সাথে সালাত আদায় করলেন। দ্ব' বা তিন রাত তাঁরা এরূপ করলেন। এরপরে (রাতে) রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্রে বসে থাকলেন, আর বের হলেন না। ভোরে সাহাবীগণ এ বিষয়ে আলোচনা করলেন। তথন তিনি বললেন ঃ আমার আশংকা হচ্ছিল যে, রাতের সালাত তোমাদের উপর ফরয করে দেওয়া হতে পারে।

#### ٤٧٣. بَابُ صِلَاةِ اللَّيْلِ

৪৭৩. অনুচ্ছেদঃ রাতের সালাত।

٦٩٤ حَدِّثَنَا ابْرَاهِيْمُ بْنُ الْمُنْذِرِ قَالَ حَدَّثَنَا ابْنُ أَبِي فُدَيْكِ قَالَ حَدَّثَنَا ابْنُ أَبِي ذِبْ عَنِ الْمَقَبُرِيِّ عَنْ أَبِي عَدْ اللّهِ عَنْهَا اَنَ النّبِيَّ عَلِيْكِ كَانَ لَهُ حَصِيْرُ يَبِسُطُهُ بِالنّهَارِ أَبِي سَلَمَةً بْنِ عَبْدِ الرّحُمُٰنِ عَنْ عَائِشَةَ رَضِيَ اللهِ عَنْهَا اَنَ النّبِيَّ عَلِيْكِ كَانَ لَهُ حَصِيْرُ يَبِسُطُهُ بِالنّهارِ وَيَحْتَجِرُهُ بِاللّيْلِ فَثَابَ الِيّهِ نَاسُ فَصَلُواْ وَرَاءَهُ .

৬৯৪ ইব্রাহীম ইব্ন মুন্যির (র.).....আয়িশা (রা.) থেকে বর্ণিত যে, নবী क्षा একটি চাটাই ছিল। তিনি তা দিনের বেলায় বিছিয়ে রাখতেন এবং রাতের বেলায় তা দিয়ে কামরা বানিয়ে নিতেন। সহাবীগণ তাঁর পিছনে কাতার বন্দী হয়ে দাঁড়ান এবং তাঁর পিছনে সালাত আদায় করেন।

آمِدُ عَدَّثَنَا عَبْدُ الْاَعْلَى بْنُ حَمَّادٍ قَالَ حَدَّثَنَا وُهَيْبُ قَالَ حَدَّثَنَا مُوسَلَى بْنُ عُقْبَةَ عَنْ سَالِم أَبِى النَّضُرِ عَنْ رَيْدِ بْنِ طَابِتٍ اَنَّ رَسُولُ اللَّهِ عَنْ اللَّهُ عَلَيْهِ اللَّهُ عَلَيْهِ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ اللللللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الل

ভি৯৫ আবদুল আ'লা ইব্ন হামাদ (র.).....্যায়িদ ইব্ন সাবিত (রা.) থেকে বর্ণিত যে, রাসূলুল্লাহ্
. ক্রিট্রেরামাযান মাসে একটি ছোট কামরা বানালেন। তিনি (বুস্র ইব্ন সায়ীদ (র.) বলেন, মনে হয়,
(যায়িদ ইব্ন সাবিত(রা.) কামরাটি চাটাইর তৈরী ছিল বলে উল্লেখ করেছিলেন। তিনি সেখানে কয়েক
রাত সালাত আদায় করেন। আর তাঁর সাহাবীগণের মধ্যে কিছু সাহাবীও তাঁর সঙ্গে সালাত আদায়
করেন। তিনি যখন তাঁদের সম্বন্ধে জানতে পারলেন, তখন তিনি বসে থাকলেন। পরে তিনি তাঁদের কাছে
এসে বললেন, তোমাদের কার্যকলাপ দেখে আমি বুঝতে পেরেছি। হে লোকেরা! তোমরা তোমাদের
ঘরেই সালাত আদায় কর। কেননা, ফর্য সালাত ব্যতীত লোকেরা ঘরে যে সালাত আদায় করে তা-ই
উত্তম। আফ্ফান (র.).....যায়িদ ইব্ন সাবিত (রা.) সূত্রে নবী ক্রিট্রে থেকে অনুরূপ বলেছেন।

#### ٤٧٤. بَابُ إِيْجَابِ التُّكْبِيْرِ وَافْتِتًا حِ الصُّلاَّةِ

৪৭৪. অনুচ্ছেদ ঃ ফর্য তাকবীর বলা ও সালাত শুরু করা।

7٩٦ حَدَّثَنَا أَبُو الْيَمَانِ قَالَ اَخْسِرَنَا شُعَيْبُ عَنِ الزُّهْرِيِّ قَالَ اَخْسِرَنِي اَنَسُ ابْنُ مَالِكِ الْاَنْصَارِيُّ اَنَّ رَسُولَ اللَّهُ عَنْهُ فَصلَلَٰي لَنَا يَوْمَئِذٍ صِلَاةً مِنَ لَسُولَ اللَّهُ عَنْهُ فَصلَلَٰي لَنَا يَوْمَئِذٍ صِلَاةً مِنَ اللَّهُ عَنْهُ فَصلَلَٰي لَنَا يَوْمَئِذٍ صِلَاةً مِنَ الصلَّوَاتِ وَهُو قَاعِدُ فَصلَيْبُنَا وَرَاءَهُ قُعُودًا ثُمَّ قَالَ لَمَّا سِلَّمَ انَّمَا جُعِلَ الْإِمَامُ لِيُؤْتَمَّ بِهِ فَاذِا صلَّى قَائِمًا فَصلَّواتِ وَهُو قَاعِدُ فَصلَيْبُنَا وَرَاءَهُ قُعُودًا ثُمَّ قَالَ لَمَّا سِلَّمَ انَّمَا جُعِلَ الْإِمَامُ لِيُؤْتَمَّ بِهِ فَاذِا صلَّى قَائِمًا فَصلَوْاتِ وَهُو قَاعِدُ فَصلَيْبُنَا وَرَاءَهُ قُودًا ثُمَّ قَالَ لَمَّ سَلَّمَ انْمَا جُعلِ الْإِمَامُ لِيُؤْتَمَّ بِهِ فَاذِا صلَّى قَائِمًا فَالْعَامُ اللَّهُ لِمَنَّ فَصلَلُوا قَيَامًا وَإِذَا رَكَعَ فَارْكَعُوا وَإِذَا رَفَعَ فَارْفَعُوا وَإِذَا سَجَدَ فَاسْسِجُدُ فَاسُلِه وَاذِا وَالْ سَمِعَ اللَّهُ لِمَنْ حَمدَهُ فَقُولُوا وَإِذَا رَفَعَ فَارْفَعُ فَارُفَعُوا وَإِذَا رَفَعَ فَارُعُوا وَإِذَا رَفَعَ فَارُعُوا وَإِذَا رَفَعَ فَارْفَعُوا وَإِذَا سَجَدَ فَاسُسِجُدُ وَا وَإِذَا وَلَا اللَّهُ لِمِنْ عَلَا اللَّهُ لَمِنْ وَلَا اللَّهُ لِمَنْ وَلَا اللَّهُ لِمَنْ وَلَكُ الْحَمْدُ .

ডি৯৬ আবুল ইয়ামান (র.)....আনাস ইব্ন মালিক আনসারী (রা.) থেকে বর্ণিত যে, একবার রাসূলুল্লাহ্
. ক্রিট্রের্লু ঘোড়ায় চড়েন। ফলে তাঁর ডান পাঁজরে আঁচড় লাগে। আনাস (রা.) বলেন, এ সময় কোন এক
সালাত আমাদের নিয়ে তিনি বসে আদায় করেন। আমরাও তাঁর পিছনে বসে সালাত আদায় করি।
সালাম ফিরানোর পর তিনি বললেন ঃ ইমাম নির্ধারণ করা হয় তাঁকে অনুসরণ করার জন্যই। তাই তিনি
যখন দাঁড়িয়ে সালাত আদায় করেন তখন তোমরাও দাঁড়িয়ে সালাত আদায় করবে। আর তিনি যখন
ক্রুক্ করেন তখন তোমরাও রুক্ করবে। তিনি যখন সিজ্লা করেন তখন তোমরাও সিজ্লা করবে।
তিনি যখন 'ব্রুটা ট্রেটা নির্কার অনুন তখন তোমরা। শ্রুটা নির্কার বিলেন, তখন তোমরা। শ্রুটা নির্কার বিলেন।

حَدَّثَنَا قُتَيْبَةُ بُنُ سَعِيْدٍ قَالَ حَدَّثَنَا لَيْثُ عَنِ ابْنِ شِهَابٍ عَنْ اَنَسِ بْنِ مَلِكٍ إِنَّهُ قَالَ خَرُّ رَسُولُ اللهِ مَعْدُ عَنْ فَرَسٍ فَجُحِشَ فَصَلِّى لَنَا قَاعِدًا فَصَلَّيْنَا مَعَهُ قُعُودًا ثُمَّ انْصَرَفَ فَقَالَ انَّمَا الْإَمَامُ اَوْ انَّمَا جُعِلَ الْإَمَامُ لِيُؤْتَمُ بِهِ فَاذَا كَبُّرَ فَكَبِّرُوا وَإِذَا رَكَعَ فَارْكَعُوا وَإِذَا رَفَعَ فَارْفَعُوا وَإِذَا رَفَعَ فَارْفَعُوا وَإِذَا مَنَ حَمِدَهُ فَقُولُوا رَبَّنَا وَلَكَ الْحَمْدُ وَإِذَا سَمِعَ اللهُ لِمِنْ حَمِدَهُ فَقُولُوا رَبَّنَا وَلَكَ الْحَمْدُ وَإِذَا سَجَدَ فَاسْجُدُوا •

ভি৯৭ কুতাইবা ইব্ন সায়ীদ (র.)......আনাস ইব্ন মালিক আনসারী (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, রাস্লুল্লাহ্ কুল্লুল্লাহ্ থেড়া থেকে পড়ে গিয়ে আহত হন। তাই তিনি আমাদের নিয়ে বসে সালাত আদায় করেন। আমরাও তাঁর সঙ্গে বসে সালাত আদায় করি। তারপর তিনি ফিরে বললেনঃ ইমাম অনুসরণের জন্যই বা তিনি বলেছিলেন, ইমাম নির্ধারণ করা হয় তাঁর অনুসরণের জন্য। তাই যখন তিনি তাকবীর বলেন, তখন তোমরাও তাকবীর বলবে, যখন রুক্ ক রেন তখন তোমরাও রুক্ ক রবে। যখন তিনি উঠেন তখন তোমরাও উঠবে। তিনি যখন ' مُنَا وَلَا الْمُعَلَّدُ ' বলেন, তখন তোমরাও উঠবে। তিনি যখন ' مُنَا وَلَا الْمُعَلَّدُ ' বলেন, তখন তোমরাও সিজ্দা করেন তখন তোমরাও পিজ্দা করবে।

উ৯৮ আবুল ইয়ামান (র.).....আনু হ্রায়রা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী المنظقة বলেছেন ঃ ইমাম নির্ধারণ করা হয় তাঁর অনুসরণের জন্য। তাই যখন তিনি তাক্বীর বলেন, তখন তোমরাও তাক্বীর বলেবে, যখন তিনি রুকু করেন তখন তোমরাও রুকু করেব। যখন وَمَدَهُ وَمَدَهُ विलिन, তখন তোমরাও বলেন, তখন তোমরাও বলেন তখন তোমরাও বিজ্দা করেন তখন তোমরাও সিজ্দা করেব। যখন তিনি বসে সালাত আদায় করেন তখন তোমরাও বসে সালাত আদায় করেব।

#### ٥٧٥. بَابُ رَفِعِ الْيَدَيْنِ فِي التَّكْبِيْرَةِ الْأُولَى مَعَ الْإِفْتِتَاحِ سَوَاءً

8 ٩৫. هيره الله عَبُدُ الله بَنُ مَسْلَمَةَ عَنْ مَالِكِ عَنِ ابْنِ شِهَابٍ عَنْ سَالِم بْنِ عَبْدِ اللهِ عَنْ أبيه اَنْ رَسُولُ الله عَنْ الله عَنْ أبيه اَنْ رَسُولُ الله عَنْ الله عَنْ أبيه اِذَا الله عَنْ الرّكُوعِ وَاذَا رَفَعَ رَأْسَهُ مِنَ الرّكُوعِ الله عَنْ الرّكُوعِ وَاذَا رَفَعَ رَأْسَهُ مِنَ الرّكُوعِ وَاذَا رَفَعَ رَأَسَهُ مِنَ الرّكُوعِ وَاذَا رَفَعَ رَأُسَهُ مِنَ الرّكُوعِ وَاذَا وَفَعَ رَأُسَهُ مِنَ الرّكُوعِ وَاذَا وَفَعَ رَأُسَهُ مِنَ الرّكُوعِ وَاذَا وَفَعَ رَأُسَهُ مِنَ الرّكُوعِ وَاذِا وَفَعَ رَأُسَهُ مِنَ الرّكُولُ عَمْدُهُ وَالْ سَمِعَ اللّهُ لِمَنْ حَمِدَهُ ، رَبّنَا ولَكَ الْحَمْدُ وكَانَ لاَ يَقْعَلُ ذَلِكَ فِي السّجُودِ .

৬৯৯ আবদুল্লাহ্ ইব্ন মাসলামা (র.).... সালিম ইব্ন আবদুল্লাহ্ (রা.) তাঁর পিতা থেকে বর্ণিত যে, রাসূলুল্লাহ্ ক্রিট্রের যখন সালাত শুরু করতেন, তখন উভয় হাত তাঁর কাঁধ বরাবর উঠাতেন। আর রুক্ তে যাওয়ার জন্য তাকবীর বলতেন এবং যখন রুক্ থেকে মাথা উঠাতেন তখনও অনুরূপভাবে দ্'হাত উঠাতেন এবং مُنَا وَلَكَ الْحَمَدُ وَ سَمَعَ اللّهُ لَمَنْ حَمَدَ كَمَا لَهُ لَمَا اللّهُ لَمَنْ حَمَا اللّهُ لَمَا لَهُ لَمَا اللّهُ لَمَا اللّهُ لَمَا اللّهُ لَمَا اللّهُ لَمَا اللّهُ لَمَا لَهُ لَكُولُهُ اللّهُ لَمَا لَهُ لَهُ كُولُ اللّهُ لَمَا لَهُ لَمَا اللّهُ لَمَا لَهُ لَمَا لَهُ مَا لَهُ لَمَا لَهُ لَمَا لَهُ لَمَا لَهُ لَمَا لَهُ لَمَا لَهُ مَا لَهُ كُولُ اللّهُ لَمَا لَهُ مَا لَهُ كُولُ اللّهُ لَمَا لَا لَهُ لَمَا لَهُ مَا لَا لَهُ مِنْ لَا لَهُ لَمَا لَهُ مِنْ اللّهُ لَا لَهُ لَمَا لَهُ مُنْ لَا لَهُ لَمُ لَا لَهُ لَهُ لَا لَهُ مُعَلّمُ لَا لَهُ لَا لَهُ مُنْ لَا لَهُ لَمَا لَهُ لَا لَهُ لَا لَهُ لَا لَهُ لَمُ لَا لَهُ لَا لَهُ لَا لَهُ مُلْ لَا لَهُ لَا لَهُ عَلَيْكُولُ لَهُ لَا لَهُ لَا لَهُ لَا لَهُ لَمُ لَا لَهُ كُلّ لَا لَهُ كُلُولُ لَا لَهُ لَا لَهُ لَا لَهُ لَا لَهُ لَا لَهُ لَا لَهُ لَا لَهُ لَا لَا لَا لَهُ لَا لَهُ لَ

#### ٤٧٦، بَابُ رَفْعَ الْيَدَيْنِ إِذَا كُبُّرَ وَاذِا رَكْعَ وَإِذَا رَفْعَ

8৭৬. অনুচ্ছেদ ঃ তাকবীরে তাহরীমা, রুকূ'তে যাওয়া এবং রুকূ' থেকে উঠার সময় উভয় হাত উঠানো।

٧٠٠ حَدَّثَنَا مُحَمَّدُ بَنُ مُقَاتِلٍ قَالَ اَخْبَرَنَا عَبْدُ اللهِ قَالَ اَخْبَرَنَا يُوْنُسُ عَنِ الزُّهْرِيِّ اَخْبَرَنِي سَالِمُ بَنُ عَبْدِ اللهِ عَنْ عَبْدِ اللهِ بَنِ عُمَرَ رَضِي اللهُ عَنْهُمَا قَالَ رَأَيْتُ رَسُولَ اللهِ عَنْهُمَا قَالَ رَأَيْتُ رَسُولَ اللهِ عَنْهُمَا قَالَ رَأَيْتُ مَسُولَ اللهِ عَنْهُمَا قَالَ رَأَيْتُ رَسُولَ اللهِ عَنْهُمَا قَالَ رَأَيْتُ مِنَ اللهُ عَنْهُمَا قَالَ مَا يَعْمَلُ ذَلِكَ عَنْهُمَا قَالَ رَأَيْتُهُ وَيَقُولُ اللهِ عَنْهُمَا وَلَا يَقْعَلُ ذَلِكَ حَيْنَ يُكَبِّرُ لِلرُّكُوعِ وَيَقْعَلُ ذَلِكَ اذِا رَفَعَ رَأَسَهُ مِنَ الرَّكُوعِ وَيَقُولُ سَمِعَ اللهُ لِمَنْ حَمِدَهُ وَلاَ يَقْعَلُ ذَٰلِكَ فِي السَّجُودُ .

বিত মুহাম্মদ ইব্ন মুকাতিল (র.).....আবদুল্লাহ্ ইব্ন উমর (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আমি রাসূলুল্লাহ্ ক্রিট্রেই -কে দেখেছি, তিনি যখন সালাতের জন্য দাঁড়াতেন তখন উভয় হাত কাঁধ বরাবর উঠাতেন। এবং যখন তিনি রুক্'র জন্য তাক্বীর বলতেন তখনও এরূপ করতেন। আবার যখন রুক্' থেকে মাথা উঠাতেন তখনও এরূপ করতেন এবং ' سَمَعُ اللّهُ لِينَ حَصِدَ ' বলতেন। তবে সিজ্দার সময় এরূপ করতেন না।

٧٠١ حَدِّثَنَا السَّحَقُ الْوَاسِطِيُّ قَالَ حَدَّثَنَا خَالِدُ بْنُ عَبْدِ اللَّهِ عَنْ خَالِدٍ عَنْ أَبِي قِلاَبَةَ اَنَّهُ رَأَى مَالِكَ بْنَ الْحُويَرِثِ إِذَا صَلَّى كَبَّرَ وَرَفَعَ يَدَيهُ وَإِذَا اَرَادَ اَنْ يَرْكَعَ رَفَعَ يَدَيه وَإِذَا رَفَع رَأْسَهُ مِنَ الرَّكُوعِ رَفَعَ يَدَيه وَإِذَا رَفَع رَأْسَهُ مِنَ الرَّكُوعِ رَفَعَ يَدَيه وَحَدَّثَ اَنَّ رَسُولُ الله عَلَيْ صَنَعَ هَكَذَا ،

৭০১ ইসহাক ওয়াসিতী (র.)......আবূ কিলাবা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি মালিক ইব্ন হুওয়ায়রিস (রা.)-কে দেখেছেন, তিনি যখন সালাত আদায় করতেন তখন তাক্বীর বলতেন এবং তাঁর দু' হাত উঠাতেন। আর যখন রুকু' করার ইচ্ছা করতেন তখনও তাঁর উভয় হাত উঠাতেন, আবার যখন রুকু' থেকে মাথা উঠাতেন তখনও তাঁর উভয় হাত উঠাতেন এবং তিনি বর্ণনা করেন যে, রাস্লুল্লাহ্ ক্রুল্লাই এরূপ করেছেন।

#### ٤٧٧، بَابُ إِلَى أَيْنَ يَرْفَعُ يَدَيْهِ وَقَالَ أَبُو حُمَيْدٍ فِي أَصْحَابِهِ رَفَعَ النَّبِي عَلَيْهِ حَذْقَ مَنْكِبَيْهِ

8৭৭. অনুচ্ছেদ ঃ উভয় হাত কতটুকু উঠাবে। আবৃ ভ্মাইদ (র.) তাঁর সাথীদের বলেছেন যে, নবী ক্লিন্ত্র কাঁধ বরাবর হাত উঠাতেন।

٧٠٧ حَدُّثَنَا أَبُو الْيَمَانِ قَالَ اَخْبَرَنَا شُعَيْبُ عَنِ الزُّهْرِيِّ قَالَ اَخْبَرَنَا سَلِمُ بْنُ عَبْدِ اللَّهِ اَنْ عَبْدَ اللَّهِ عُمَرَ رَضِيَ اللَّهِ عَنْهُمَا قَالَ رَأَيْتُ النَّبِيَّ عَيْنِهُ إِنْ تَتَحَ التَّكْبِيْرَ فِي الصَلَّاةِ فَرَفَعَ يَدَيهُ حِيْنَ يُكَبِّرُ حَتَّى يَجُعَلَهُمَا حَذُو مَنْكَبِيهُ وَإِذَا كَبَّرَ اللَّهُ عَلَى مُثِلَهُ وَقَالَ رَبُنَا وَلَكَ الْحَمْدُ وَلاَ يَفْعَلُ ذَلكَ حَيْنَ يَسْجُدُ وَلاَ حَيْنَ يَرْفَعُ رَأْسَهُ مِنَ السُّجُود ،

প্রত্ব আবুল ইয়ামান (র.)......আবদুল্লাহ্ ইব্ন উমর (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আমি নবী ক্রিট্রান্ত তেনে তাক্বীর দিয়ে সালাত শুরু করতে দেখেছি, তিনি যখন তাকবীর বলতেন তখন তাঁর উভয় হাত উঠাতেন এবং কাঁধ বরাবর করতেন। আর যখন রুক্'র তাক্বীর বলতেন তখনও এরপ করতেন। আবার যখন 'رَبُنَا وَلَكَ الْمَحْدُ ' مَا وَلَكُ الْمَحْدُ ' مَا وَلَا الْمَحْدُ ' مَا وَلَا الْمَحْدُ ' مَا وَلَا الْمُحْدُ ' مَا وَلَا اللّهُ اللّهُ الْمَحْدُ ' مَا وَلَا اللّهُ الْمَحْدُ ' مَا وَلَا اللّهُ وَلَا اللّهُ الللّهُ اللّهُ الل

#### ٤٧٨. بَابُ رَفِعِ الْيَدَيْنِ إِذًا قَالٌ مِنَ الرَّكُمَّتَيْنِ

৭০৩ আইয়্যাশ (র.).....নফি' (র.) থেকে বর্ণিত যে, ইব্ন উমর (রা.) যখন সালাত শুরু করতেন তখন তাক্বীর বলতেন এবং দু' হাত উঠাতেন আর যখন রুকু' করতেন তখনও দু' হাত উঠাতেন।

#### ٤٧٩. بَابُ وَضْعِ الْيُمْنِي عَلَى الْيُسْرِي

৪৭৯. অনুচ্ছেদঃ সালাতে ডান হাত বাম হাতের উপর রাখা।

٧٠٤ حَدَّثَنَا عَبْدُ اللهِ بْنُ مَسْلَمَةَ عَنْ مَالِكِ عَنْ أَبِي حَازِمٍ عَنْ سَهْلِ بْنِ سَعْدٍ قَالَ كَانَ النَّاسُ يُؤْمَرُونَ آبِي حَازِمٍ عَنْ سَهْلِ بْنِ سَعْدٍ قَالَ كَانَ النَّاسُ يُؤْمَرُونَ أَنْ يَضَعَ الرَّجُلُ الْيَدَ الْيُمْنَى عَلَى ذِرَاعِهِ الْيُسْرَى فِي الصَّلَاةِ قَالَ أَبُو حَازِمٍ لاَ أَعْلَمُهُ الِاَّ يَنْمِى ذَلِكَ الِيَ النَّبِي عَلَى أَلُو اللهَ عَلَى ذَلِكَ وَلَمْ يَقُلُ يَنْمَى . النَّبِي عَلَى قَالَ اسْمَعِيْلُ يُنْمَى ذَلكَ وَلَمْ يَقُلُ يَنْمَى .

৭০৪ আ বদুল্লাহ্ ইব্ন মাসলামা (র.).....সাংল ইব্ন সা'দ (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, লোকদের নির্দেশ দেওয়া হত যে, সালাতে প্রত্যেক ডান হাত বাম হাতের কজির উপর রাখবে। আবৃ হাযিম (র.) বলেন, সাহল (র.) এ হাদীসটি নবী ক্রিট্রিথেকে বর্ণনা করতেন বলেই জানি। ইসমায়ীল (র.) বলেন, এ হাদীসটি নবী ক্রিট্রেথেকেই বর্ণনা করা হত। তবে তিনি এরপ বলেন নি যে, সাহল (র.) নবী ক্রিট্রেট্র থেকে বর্ণনা করতেন।

#### ٤٨٠. بَابُ الْخُشُوعِ فِي الصَّالاَةِ

৪৮০. অনুচ্ছেদ ঃ সালাতে খুশু' (বিনয়, নম্রতা, একাগ্রতা, নিষ্ঠা ও তম্ময়তা)।

• ﴿ الله عَلَى الله عَلَى الله عَلَى الله عَلَى الزّنَادِ عَنِ الْاَعْرَجِ عَنْ اَبِي هُرَيْرَةَ اَنَّ رَسُولَ الله عَنْ الله عَنْ اَبِي الزّنَادِ عَنِ الْاَعْرَجِ عَنْ اَبِي هُرَيْرَةَ اَنَّ رَسُولَ الله عَنْ الله عَلَى رَكُوعُكُم وَلاَ خَشُوعُكُم وَانِي لاَرَاكُم وَرَاءَ ظَهُ رِي ﴿ وَا عَلَى رَكُوعُكُم وَلاَ خَشُوعُكُم وَانِي لاَرَاكُم وَرَاءَ ظَهُ رِي وَعَلَا وَالله مَا يَخُونُ فَي عَلَى رَكُوعُكُم وَلاَ خَشُوعُكُم وَانِي لاَرَاكُم وَرَاءَ ظَهُ رِي ﴿ وَمَا عَلَى الله عَلَى الله عَلَى رَكُوعُكُم وَلاَ خَشُوعُكُم وَانِي لاَرَاكُم وَرَاءَ ظَهُ رِي وَعَلاَ وَالله مَا يَخُونُ فَي عَلَى رَكُوعُكُم وَلاَ خَشُوعُكُم وَانِي لاَرَاكُم وَرَاءَ ظَهُ رِي وَكَالله عَلَى الله عَلَيْهُ وَالله عَلَى الله عَلَى الله عَلَى الله عَلَى الله عَلَى الله عَلَى الله عَلَيْهِ وَالله عَلَى الله عَلَى الل

٧٠٦ حَدَّثَنَا مُحَمَّدُ بَنُ بَشَّارِ قَالَ حَدَّثَنَا غُنْدَرُ قَالَ حَدُّثَنَا شُعْبَةُ قَالَ سَمِعْتُ قَتَادَةَ عَنْ اَنَسِ بَنِ مِالِكِ عَنِ النَّبِيِ عَنِيْ قَالَ اَقْدِمُوا الرُّكُوْعَ وَالسَّجُوْدَ فَوَ اللهِ إِنِّيْ لاَرَاكُمْ مِنْ بَعْدِيْ وَرُبَّمَا قَالَ مِنْ بَعْدِ ظَهْرِي عَنْ النَّبِي عَدِيْ وَرُبَّمَا قَالَ مِنْ بَعْدِ ظَهْرِي النَّهِ إِنِّيْ لاَرَاكُمْ مِنْ بَعْدِي وَرُبَّمَا قَالَ مِنْ بَعْدِ ظَهْرِي النَّهِ إِنِّيْ لاَرَاكُمْ مِنْ بَعْدِي وَرُبَّمَا قَالَ مِنْ بَعْدِ ظَهْرِي النَّهِ إِنِّيْ لاَرَاكُمْ مِنْ بَعْدِي وَرَبَّمَا قَالَ مِنْ بَعْدِ اللهِ الْأَيْ الْمَالُونَ اللهِ الرَّكُونَ عَلَى اللهِ اللهُ اللهِ اللهِ اللهُ اللهُ اللهِ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهِ اللهُ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهُل

৭০৬ মুহাম্মদ ইব্ন বাশ্শার (র.).....আনাস ইব্ন মালিক (রা.) থেকে বর্ণিত, নবী ক্লিট্রেবলেছেন ঃ তোমরা রুক্'ও সিজ্দাগুলো যথাযথভাবে আদায় করবে। আল্লাহ্র শপথ! আমি আমার পিছনে থেকে বা রাবী বলেন, আমার পিঠের পিছনে থেকে তোমাদের দেখতে পাই, যখন তোমরা রুক্' ও সিজ্দা কর।

#### ٤٨١. بَابُ مَا يَقُولُ بَعْدَ التَّكْبِيرِ

৪৮১. অনুচ্ছেদ ঃ তাকবীরে তাহরীমার পরে কি পড়বে।

٧٠٧ حَدَّثَنَا حَفْصُ ابْنُ عُمَرَ قَالَ حَدَّثَنَا شُعْبَةُ عَنْ قَتَادَةَ عَنْ انْسِ انَّ النَّبِيِّ عَالِيَّ وَابَا بَكُر وَعُمَرَ رَضِيَ اللهِ عَنْهُمَا كَانُوا يَفْتَتَحُونَ الصَّلَاةَ بِالْحَمَدُ لِلهِ رَبُ الْعَالَمِيْنَ ٠

৭০৭ হাফস্ ইব্ন উমর (র.).....আনাস (রা.) থেকে বর্ণিত যে, নবী क्रिक्ट আবূ বক্র (রা.) এবং উমর (রা.) 'الحَمدُ الله رَبُ العَالَمينَ ' দিয়ে সালাত শুরু করতেন।

বি০৮ মৃসা ইব্ন ইসমায়ীল (র.)......আৰু হুরায়রা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, রাসূলুল্লাহ্ ক্রিট্রের তাহ্রীমা ও কিরাআতের মধ্যে কিছুক্ষণ চুপ করে থাকতেন। আমি বললাম, ইয়া রাসূলাল্লাহ্! আমার মাতাপিতা আপনার উপর কুরবান হোক, তাক্বীর ও কিরাআত এর মধ্যে চুপ থাকার সময় আপনি কী পাঠ করে থাকেন ? তিনি বললেন ঃ এ সময় আমি বলি – ইয়া আল্লাহ্! আপনি মাশরিক ও মাগরিবের মধ্যে যেরূপ দূরত্ব সৃষ্টি করেছেন, আমার ও আমার ক্রণ্টি-বিচ্যুতির মধ্যে ঠিক তদ্রুপ দূরত্ব সৃষ্টি করে দিন। ইয়া আল্লাহ্! ভল্ল বস্তুকে যেরূপ নির্মল করা হয় আমাকেও সেরূপ পাক-সাফ করুন। আমার অপরাধসমূহ পানি, বরফ ও হিমশিলা দ্বারা বিধৌত করে দিন।

#### ٤٨٢. بَابُ

#### ৪৮২. অনুচ্ছেদ ঃ

٧٠٩ حَدَّثَنَا ابْنُ أَبِي مَرْيَمَ قَالَ آخْبَرَنَا نَافِعُ بْنُ عُمَرَ قَالَ قَالَ حَدَّثَنَا ابْنُ أَبِي مَلَيْكَةً عَنْ اَسْمَاءَ بنْتِ

أَبِيُّ بَكْرٍ أَنَّ النَّبِيُّ عَيِّ صَلَاةً الْكُسُوفِ قَامَ فَاطَالَ الْقَيَامَ ثُمُّ رَكَعَ فَاطَالَ الرُّكُوعَ ثُمُّ قَامَ فَاطَالَ الْقَيَامَ ثُمُّ رَكَعَ فَأَطَالَ السَّجُودَ ثُمُّ سَجَدَ فَأَطَالَ السَّجُودَ ثُمُّ سَجَدَ فَأَطَالَ السَّجُودَ ثُمُّ سَجَدَ فَأَطَالَ السَّجُودَ ثُمُّ رَكَعَ فَأَطَالَ السَّجُودَ ثُمُّ رَكَعَ فَأَطَالَ السَّجُودَ ثُمُّ رَكَعَ فَأَطَالَ السَّجُودَ ثُمُّ رَكَعَ فَأَطَالَ السَّجُودَ ثُمُّ رَفَعَ ثُمُّ سَجَدَ فَأَطَالَ السَّجُودَ ثُمُّ الْصَرَفَ فَقَالَ قَدُدَنَتُ مِنِي الْجَنُّةُ السَّجُودَ ثُمَّ النَّسَرَفَ فَقَالَ قَدُدَنَتُ مِنِي الْجَنُّةُ وَلَى السَّجُودَ ثُمَّ النَّالُ عَلَيْهَا لَجِنْتُكُم بِقِطَافِ مِنْ قِطَافِهَا وَدَنَتُ مِنِي النَّارُ حَتَّى قُلْتُ أَيْ رَبِّ أَوَ آنَا مَعَهُمْ فَاذِا مَرَّاةُ حَسِيْتُ أَنَّهُ قَالَ تَخْدِشُهُا هِرَّةُ قُلْتُ مَا شَانُ هٰذِهِ قَالُوا حَبَسَتُهَا حَتَّى مَاتَتُ جُوعًا لاَ الْعُمَتُهَا وَلاَ السَّبُولَةَ عَسَيْتُ الْفَعُ حَسِيْتُ أَنَّهُ قَالَ نَافِعُ حَسِيْتُ أَنَّهُ قَالَ نَافَعُ حَسَيْتُ أَنَّهُ الْمَالُ مَنْ خَشْيُسُ الْاَرْضَ أَوْ خَشَاشٍ .

৭০৯ ইব্ন আৰু মারইয়াম (র.).....আসমা বিনত্ আৰু বক্র (রা.) থেকে বর্ণিত যে, নবী 📆 🛣 . একবার সালাতুল কুসূফ (সূর্য গ্রহণের সালাত) আদায় করলেন। তিনি সালাতে দীর্ঘক্ষণ দাঁড়িয়ে থাকলেন। তারপর রুকৃ'তে গেলেন এবং দীর্ঘক্ষণ থাকলেন। তারপর দাঁড়ালেন এবং দীর্ঘক্ষণ দাঁড়িয়ে থাকলেন। তারপর আবার রুকৃ'তে গেলেন এবং দীর্ঘক্ষণ রুকু'তে থাকলেন। এরপর উঠলেন, পরে সিজ্দায় গেলেন এবং দীর্ঘক্ষণ সিজ্দায় রইলেন। আবার সিজ্দায় গেলেন এবং দীর্ঘক্ষণ সিজ্দায় থাকলেন। এরপর আবার দাঁড়ালেন এবং দীর্ঘক্ষণ দাঁড়িয়ে থাকলেন। আবার রুক্'তে গেলেন এবং দীর্ঘক্ষণ রুকৃ'তে থাকলেন। এরপর রুকৃ' থেকে উঠে আবার দীর্ঘক্ষণ দাঁড়িয়ে থাকলেন এবং আবার ক্লকু'তে গেলেন এবং দীর্ঘক্ষণ থাকলেন। এরপর রুকু' থেকে উঠে সিজ্দায় গেলেন এবং দীর্ঘক্ষণ সিজ্দায় থাকলেন। তারপর উঠে সিজ্দায় গেলেন এবং দীর্ঘক্ষণ সিজ্দায় থাকলেন। এরপর সালাত শেষ করে ফিরে দাঁড়িয়ে বললেন ঃ জান্নাত আমার খুবই নিকটে এসে গিয়েছিল এমনকি আমি যদি চেষ্টা করতাম তা হলে জানাতের একগুচ্ছ আসুর তোমাদের এনে দিতে পারতাম। আর জাহানামও আমার একেবারে নিকটবর্তী হয়ে গিয়েছিল। এমনকি আমি বলে উঠলাম, ইয়া রব! আমিও কি তাদের সাথে ? আমি একজন স্ত্রী লোককে দেখতে পেলাম। আবূ হুরায়রা (রা.) বলেন, আমার মনে হয়, তিনি বলে-ছিলেন, একটি বিড়াল তাকে খামচাচ্ছে। আমি জিজ্ঞাসা করলাম, এ স্ত্রী লোকটির এমন অবস্থা কেন? ফিরিশ্তাগণ জবাব দিলেন, সে একটি বিড়ালকে আটকিয়ে রেখেছিল, ফলে বিড়ালটি অনাহারে মারা যায়। উক্ত স্ত্রী লোকটি তাকে খেতেও দেয়নি এবং তাকে ছেড়েও দেয়নি, যাতে সে আহার করতে পারে। নাফি' (র.) বলেন, আমার মনে হয়, (ইব্ন আবূ মুলায়কা (রা.) বর্ণনা করেছিলেন, যাতে সে যমীনের পোকা মাকড় খেতে পারে।

٤٨٣. بَابُ رَفعِ الْبَصِرِ إِلَى الْإِمَامِ فِي الصَّلاَةِ وَقَالَتْ عَائِشَــةُ قَالَ النَّبِيُ عَلِيْ فِي صَلاَةِ الْكُسُوفِ فَرَايْتُ جَهَنَّمَ يَحُطُمُ بَعَضُمُ المَّيْ الْإِمَامِ فِي رَايْتُمُونِي تَأَخُرْتُ وَالْمَامِ فَرَايْتُمُونِي تَأَخُرْتُ وَالْمَامِ فَرَايْتُمُونِي تَأَخُرُتُ وَالْمَامِ بَعَضُمُ المَامِ مِنْ رَايْتُمُونِي تَأَخُرْتُ وَالْمَامِ فَي مَا اللّهِ الْمُعَامِ اللّهِ الْمُعَامِلُهُ اللّهِ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللللّهُ اللّهُ اللللّهُ اللّهُ اللللّهُ اللّهُ اللللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّ

৪৮৩. অনুচ্ছেদ ঃ সালাতে ইমামের দিকে তাকানো ।আয়িশা (রা.) বলেন, নবীল্লিই সালাতে কুসূফ বর্ণনা প্রসংগে বলেছেন, তোমরা যখন আমাকে পিছিয়ে আসতে দেখেছিলে তখন আমি জাহানাম দেখেছিলাম; তার এক অংশ অপর অংশকে বিচূর্ণ করছে।

٧١٠ حَدِّثَنَا مُوسَلَى قَالَ حَدَّثَنَا عَبُدُ الْوَاحِدِ قَالَ حَدِّثَنَا الْاَعْمَسُ عَنْ عُمَارَةَ ابْنِ عُمَيْرٍ عَنْ أَبِي مَعْمَرٍ قَالَ فَعَنَا لِخَبَّابٍ أَكَانَ رَسُولُ اللهِ عَلِيْ يَقْرَأُ فِي الظُّهْرِ وَالْعَصْرِ قَالَ نَعَمُ قُلْنَا بِمَ كُنْتُمْ تَعْرِفُونَ ذَاكَ قَالَ بِالْمُطرَابِ لِحَيْتِه . باضطراب لِحَيْتِه .

৭১০ মূসা (র.)....আবূ মা'মার (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আমরা খাব্বাব (রা.)-কে জিজ্ঞাসা করলাম, রাসূলুল্লাহ্ ক্রিট্রের কি যুহর ও আসরের সালাতে কিরাআত পড়তেন । তিনি বললেন, হাা। আমরা জিজ্ঞাসা করলাম, আপনারা কি করে বুঝতে পারতেন । তিনি বললেন, তাঁর দাঁড়ির নড়াচড়া দেখে।

٧١١ حَدُّثَنَا حَجَّاجُ حَدَّثَنَا شُعْبَةُ قَالَ اَنْبَأَنَا أَبُو السَّحْقَ قَالَ سَمِعْتُ عَبْدَ اللَّهِ بْنَ يَزِيْدَ يَخْطُبُ قَالَ حَدَّثَنَا الْبَرَاءُ وَكَانَ غَيْرَ كَذُوبٍ النَّهُمُ كَانُوا اذِا صَلُّوا مَعَ النَّبِيِّ عَيْنَ فَرَفَعَ رَأْسَهُ مِنَ الرَّكُوعِ قَامُوا قَيِامًا حَدُّثَنَا الْبَرَاءُ وَكَانَ غَيْرَ كَذُوبٍ النَّهُمُ كَانُوا اذِا صَلُّوا مَعَ النَّبِيِّ عَيْنَ فَرَفَعَ رَأْسَهُ مِنَ الرِّكُوعِ قَامُوا قَيِامًا حَدُّثَنَا الْبَرَاءُ وَكَانَ غَيْرَ كَذُوبٍ اللَّهُمُ كَانُوا اذِا صَلُّوا مَعَ النَّبِيِّ عَيْنَ فَرَفَعَ رَأْسَهُ مِنَ الرِّكُوعِ قَامُوا قَيِامًا حَدُّثُنَا الْبَرَاءُ وَكَانَ غَيْرَ كَذُوبٍ اللَّهُمُ كَانُوا اذِا صَلُّوا مَعَ النَّبِي عَيْنَ فَوْ فَعَ رَأْسَهُ مِنَ الرِّكُوعِ قَامُوا قَيَامًا حَدُّنَا الْبَرَاءُ وَكَانَ عَيْرَ اللَّهُ مِنَ الرَّكُوعِ قَامُوا قَيَامًا حَدُّنُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْدُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْ عَلَى الْفَالُولُ الْعَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ اللَّهُ عَلَى الْعَلَالُ عَلَيْكُ عَلَى اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللْعَلَى اللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ اللَّهُ عَلَا عَلَا عَلَا عَلَا عَلَا عَلَا عَلَا اللَّهُ اللَّهُ الْعَلَا عَ

ব১১ হাজ্জাজ (র.).....বারাআ (রা.) থেকে বর্ণিত, আর তিনি মিথ্যাবাদী ছিলেন না, তাঁরা যখন নবী ক্রিট্রে -এর সংগে সালাত আদায় করতেন, তখন রুক্ থেকে মাথা উঠিয়ে সোজা হয়ে দাঁড়িয়ে দেখতেন যে, নবী ক্রিট্রে সিজ্দায় গেছেন।

٧١٧ حَدَّثَنَا السَّمْعِيْلُ قَالَ حَدَّثَنِي مَالِكُ عَنْ يَزِيْدَ بْنِ السَّلَمَ عَنْ عَطَاءِ بْنِ يَسَارٍ عَنْ عَبْدِ اللهِ بْنِ عَبُّاسٍ رَضِيَ اللهِ عَنْهُمَا قَالَ خَسَفَتِ الشَّمْسُ عَلَى عَهْدِ النَّبِيُّ عَنِيْهُ فَصَلِّى ، قَالُواْ يَارَسُولَ اللهِ رَأَيْنَاكَ تَنَاوَلُ تَنَاوَلُ مَنْهُ مَنِهُ مَنْهُ مَنِهُ عَنْهُمَا فَلُو اَخَذْتُهُ لاَكُلْتُمْ مَنِهُ مَنِهُ عَنْقُودًا وَلَوْ اَخَذْتُهُ لاَكُلْتُمْ مَنِهُ مَا بَقَيْتُ الدُّنْيَا .

৭১২ ইসমায়ীল (র.)......আবদুল্লাহ্ ইব্ন আব্বাস (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী ক্রিন্ধ-এর যুগে একবার সূর্যগ্রহণ হয়েছিল। তখন তিনি এজন্য সালাত আদায় করেন। সাহাবা-ই-কিরাম (রা.) জিজ্ঞাসা করলেন, ইয়া রাস্লাল্লাহ্ ! সালাতে দাঁড়ানো অবস্থায় আপনাকে দেখলাম যেন কিছু একটা ধরতে যাচ্ছিলেন, কিন্তু পরে দেখলাম, আবার পিছিয়ে এলেন। তিনি বললেন, আমাকে জান্নাত দেখানো হয় এবং তারই একটি আঙ্গুরের ছড়া নিতে যাচ্ছিলাম। আমি যদি তা নিয়ে আসতাম, তা হলে দুনিয়ার স্থায়িত্বকাল পর্যন্ত তোমরা তা থেকে খেতে পারতে।

كَانُ عَلَيْ عَنْ انْ سِنَانٍ قَالَ حَدَّثَنَا فَلَيْحُ قَالَ حَدَّثَنَا هِلِالُ بُنُ عَلِيٌ عَنْ انْسِ ابْنِ مَالِكِ قَالَ صَلَّى كَالًا عَدَّثَنَا مُحَمَّدُ بْنُ سِنَانٍ قَالَ حَدَّثَنَا فَلَيْحُ قَالَ حَدَّثَنَا هِلِالُ بْنُ عَلِيٍّ عَنْ انْسِ ابْنِ مَالِكِ قَالَ صَلَّى عَدَّثَنَا مُحَمَّدُ بْنُ سِنَانٍ قَالَ حَدَّثَنَا فَلَيْحُ قَالَ حَدَّثَنَا مُحَمَّدُ بْنُ سِنَانٍ قَالَ حَدَّثَنَا فَلَيْحُ قَالَ حَدَّثَنَا مُحَمَّدُ بْنُ سِنَانٍ قَالَ حَدَّثَنَا فَلَيْحُ قَالَ حَدَّثَنَا مُحَمَّدُ بْنُ سِنَانٍ عَالَ عَدَّتُنَا مُحَمَّدُ بُنُ سِنَانٍ عَالَ حَدَّثَنَا مُحَمِّدُ بْنُ سِنَانٍ عَالَ حَدَّثَنَا فَلَيْحُ قَالَ حَدَّثَنَا مُحَمِّدُ بُنُ سِنَانٍ عَالَ حَدَّثَنَا فَلَيْحُ قَالَ حَدَّثَنَا مُحَمِّدُ بُنُ سِنَانٍ عَالَ حَدَّثَنَا عَلَيْكُ عَلَيْكُ عَلَيْكُ عَلَيْكُ عَلَيْكُ عَلَيْكُ مِنَانٍ عَلَيْكُ عَلْكُ عَلَيْكُ عَلْكُ عَلَيْكُ عَلَيْكُ

لَنَا النَّبِيُّ عَلَيْكُ ثُمُّ الْمُنْبَرَ فَاشَارَ بِيدَيْهِ قِبَلَ قَبِلَةِ الْمَسْجِدِ ثُمُّ قَالَ لَقَدْ رَأَيْتُ الْأَنَ مُنْذُ صلَّيْتُ لَكُمُ الصلَّاةَ الْنَارَ مُمَثَّلَتَيْنَ فِي قَبُلَةِ هُذَا الْجِدَارِ فَلَمْ أَرَ كَالْيَوْمَ فِي الْخَيْرِ وَالشِّرِّ ثَلاَثًا ٠

৭১৩ মুহাম্মদ ইব্ন সিনান (র.)......আনাস ইব্ন মালিক (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী ক্রাম্রীর আমাদের নিয়ে সালাত আদায় করলেন। তারপর তিনি মিম্বরে আরোহণ করলেন এবং মসজিদের কিব্লার দিকে ই শারা ক রে বললেন, এইমাত্র আমি য খন ভোমাদের নিয়ে সালাত আদায় ক রছিলাম তখন এ দেওয়ালের সামনের দিকে আমি জানাত ও জাহানামের প্রতিচ্ছবি দেখতে পেলাম। আজকের মতো এত মঙ্গল ও অমঙ্গল আমি আর দেখিনি, একথা তিনি তিনবার বললেন।

#### ٤٨٤. بَابُ رَفعِ الْبَصرِ إِلَى السَّمَاءِ فِي الصَّلاَةِ

৪৮৪. অনুচ্ছেদঃ সালাতে আসমানের দিকে চোখ তুলে তাকানো।

٧١٤ حَدَّثَنَا عَلِيٌّ بْنُ عَبْدِ اللَّهِ قَالَ اَخْبَرَنَا يَحْلِى بْنُ سَعِيْدٍ قَالَ حَدَّثَنَا ابْنُ اَبِي رَوْبَةَ قَالَ حَدَّثَنَا قَتَادَةً اللهِ عَالَ اللهِ قَالَ النَّبِيُّ عَلَيْتُهُمْ مَا بَالُ اَقْوَامٍ يَرْفَعُونَ اَبْصَارَهُمُ الِى السَّمَاءِ فِي صَلاَتِهِمُ فَاشْتَدُ قَوْلُهُ فِي ذَاكَ حَتَّى قَالَ لَيَنْتَهُنَّ ذَاكَ اَقْ لَتُخْطَفَنَ اَبْصَارُهُمْ .

৭১৪ আলী ইব্ন আবদুল্লাহ্ (র.)......আনাস ইব্ন মালিক (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী বলেছেন ঃ লোকদের কি হল যে, তারা সালাতে আকাশের দিকে চোখ তুলে তাকায় । এ ব্যাপারে তিনি কঠোর বক্তব্য রাখলেন ; এমনকি তিনি বললেন ঃ যেন তারা অবশ্যই এ থেকে বিরত থাকে, অন্যথায় অবশ্যই তাদের দৃষ্টিশক্তি কেড়ে নেওয়া হবে।

#### ه ٤٨ . بَابُ الْإِلْتِفَاتِ فِي الصَّلاّةِ

৪৮৫. অনুচ্ছেদঃ সালাতে এদিক ওদিক তাকান।

٧١٥ حَدَّثَنَا مُسَدَّدُ قَالَ حَدَّثَنَا أَبُو الْاَحْوَصِ قَالَ حَدَّثَنَا اَشْعَتْ بُنُ سُلَيْمٍ عَنْ أَبِيْهِ عَنْ مَسْرُوقَ عَنْ عَالَمُ عَالَيْهِ عَنْ مَسْرُوقَ عَنْ عَالِمَ عَنْ أَبِيْهِ عَنْ مَسْرُوقَ عَنْ عَالِمُ عَالَيْهَ قَالَ هُوَ اخْتَلِسَهُ الشَّيْطَانُ مِنْ عَالِمُ اللَّهِ عَلَيْهِ عَنْ الْاِلْتِفَاتِ فِي الصَّلَاةِ فَقَالَ هُوَ اخْتَلِسَ يَخْتَلِسَهُ الشَّيْطَانُ مِنْ صَلَاةَ الْعَبْدُ .

৭১৫ মুসাদ্দাদ (র.).....আয়িশা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আমি রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্রেই -কে সালাতে এদিক ওদিক তাকানো সম্পর্কে জিজ্ঞাসা করলাম। তিনি বললেন ঃ এটা এক ধরণের ছিনতাই, যার মাধ্যমে শয়তান বান্দার সালাত থেকে অংশ বিশেষ কেড়ে নেয়।

٧١٦ حَدَّثَنَا قُتَيْبَةُ قَالَ حَدَّثَنَا سُفْيَانُ عَنِ الزُّهْرِيِّ عَنْ عُرُوةَ عَنْ عَائِشَةَ اَنَّ النَّبِيَّ عَلِيْ صَلِّى فِي ٤٧٦ خَمِيْصَةً لَهَا اَعْلاَمُ فَقَالَ شَغَلَتْنِي اَعْلاَمُ هٰذِهِ إِذْهَبُوا بِهَا إلى اَبِي جَهْمٍ وَأَتُونِي بِاَنْبِجَانِيَّةٍ .

৭১৬ কুতায়বা (র.)......আয়িশা (রা.) থেকে বর্ণিত, একবার নবী করীম ক্রিট্র একটি নক্শা করা চাদর পরে সালাত আদায় করলেন। সালাতের পরে তিনি বললেন ঃ এ চাদরের কারুকার্য আমার মনকে নিবিষ্ট করে রেখেছিল। এটি আবু জাহমের কাছে নিয়ে যাও এবং এর পরিবর্তে একটি "আম্বজানিয়্যাহ" নিয়ে এস।

# ٤٨٦. بَابُ هَلْ يَلْتَفِتُ لَا مِرْ بِنُزِلُ بِهِ أَوْ يَرَى شَيْئًا أَوْ بُصَاقًا فِي الْقَبِلَةِ وَقَالَ سَهُلُ الْتَفَتَ أَبُو بَكُر رَضِي

৪৮৬. অনুচ্ছেদ ঃ সালাতের মধ্যে কোন কিছু ঘটলে বা কোন কিছু দেখলে বা কিব্লার দিকে থুথু দেখলে, সে দিকে তাকান। সাহল (র.) বলেছেন, আবূ বক্র (রা.) তাকালেন এবং নবী

٧١٧ حَدَّثَنَا قُتَيْبَةُ بْنُ سَعِيْدٍ قَالَ حَدَّثَنَا لَيْتُ عَنْ نَافِعٍ عَنِ ابْنِ عُمَرَ انَّهُ رَأَى النَّبِيُّ عَلَيْكُ نُخَامَةً فِي قَبِلَةِ الْمَسْحِدِ وَهُوَ يُصلِّي بَيْنَ يَدَى النَّاسِ فَحَتَّهَا ثُمَّ قَالَ حِيْنَ انْصَرَفَ انْ أَحَدَكُمُ اذًا كَانَ فِي الصَّلَاةِ فَانَّ اللهِ قَبِلَ وَجُهِهِ فَي الصَّلَاةِ رَوَاهُ مُوْسَى بْنُ عُقْبَةَ وَابْنُ أَبِي رَوَّادٍ عَنْ نَافِعٍ • الله قَبِلَ وَجُهِهِ فِي الصَّلَاةِ رَوَاهُ مُوْسَى بْنُ عُقْبَةَ وَابْنُ أَبِي رَوَّادٍ عَنْ نَافِعٍ •

৭১৭ কুতাইবা (র.)......ইব্ন উমর (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী ক্লিক্ট্র লোকদের সামনে দাঁড়িয়ে সালাত আদায় করছিলেন, এমতাবস্থায় মসজিদে কিব্লার দিকে থুথু দেখতে পেয়ে তা পরিস্কার করে ফেললেন। তারপর তিনি সালাত শেষ করে বললেনঃ তোমাদের কেউ যখন সালাতে থাকে, তখন আল্লাহ্ তার সামনে থাকেন। কাজেই সালাতে থাকা অবস্থায় কেউ সামনের দিকে থুথু ফেলবে না। মূসা ইব্ন উক্বা ও ইব্ন আবু রাওয়াদ (র.) নাফি (র.) থেকেও হাদীসটি বর্ণনা করেছেন।

٧١٨ حَدَّثَنَا يَحْيَى بَنُ بُكَيْرٍ قَالَ حَدَّثَنَا لَيْثُ بَنُ سَعْدٍ عَنْ عُقَيْلٍ عَنِ ابْنِ شِهَابٍ قَالَ اَخْبَرَنِي اَنْسُ قَالَ بَيْنَمَا الْمُسْلِمُونَ فِي صَلَاةِ الْفَجْرِ لَمْ يَفْجَأَهُمُ الِاَّ رَسُولُ اللهِ عَلَيْ كَثَنَفَ سَتِّرَ حُجْرَةِ عَائِشَةَ فَنَظَرَ الِيهِمْ وَهُمْ صَفُوفُ فَتَبَسَّمَ يَضْحَكُ وَنَكَصَ أَبُوبَكُر رَضِيَ الله عَنْهُ عَلَى عَقِبَيْهِ لِيَصِلِ لَهُ الصَّفَّ فَظَنَّ اَنَّهُ يُرِيْدُ وَهُمْ صَفُوفَ فَتَبَسَّمَ يَضْحَكُ وَنَكَصَ أَبُوبَكُر رَضِيَ الله عَنْهُ عَلَى عَقِبَيْهِ لِيَصِلِ لَهُ الصَّفَّ فَظَنَّ اَنَّهُ يُرِيْدُ الْكُوبُونَ وَهُمْ السَّيِّرَ وَتُوفِي مِنْ اللهُ عَنْهُ عَلَى عَقِبَيْهِ لِيَصِلِ لَهُ الصَّفَّ فَظَنَّ اَنَّهُ يُرِيْدُ الْكُوبُونَ وَهُمْ السَّيِّرَ وَتُوفِي مِنْ اللهُ عَنْهُ عَلَى عَقِبَيْهِ لِيصِلِ لَهُ الصَّفَّ فَظَنَّ اَنَّهُ يُرِيْدُ الْكُوبُونَ اللهُ عَنْهُ عَلَى عَقِبَيْهِ لِيصِلِ لَهُ الصَّفَّ فَظَنَّ النَّهُ يُرِيْدُ اللهُ عَنْهُ عَلَى عَقِبَيْهِ لِيصِلِ لَهُ الصَّفَّ فَظَنَّ النَّهُ يُرِيْدُ الْكُوبُ وَهُمْ الْمُسُلِمُونَ اَنْ يَقْتَتِنُوا فِي صَلَاتِهِمْ فَأَشَارَ الِيُهِمْ اَتِمُوا صَلَاتَكُمْ فَارْخَى السَّيْرَ وَتُوفِي مِنْ الْمُسُلِمُونَ اَنْ يَقْتَتِنُوا فِي صَلَاتِهِمْ فَأَشَارَ الِيُهُمْ اتِمُولَ صَلَاتَكُمْ فَارْخَى السَّيْتُرَ وَتُوفِي مِنْ الْمُنْ الْيُومُ .

বি১৮ ইয়াহ্ইয়া ইব্ন বুকাইর (র.)......আনাস ই ব্ন মালিক (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, মুসলমানগণ ফযরের সালাতে রত এ সময় রাস্লুল্লাহ্ আয়িশা (রা.)-এর হুজরার পর্দা উঠালে তাঁরা চমকে উঠলেন। তিনি তাঁদের দিকে তাকিয়ে দেখলেন, তাঁরা কাতারকদ্ধ হয়ে আছেন। তা দেখে তিনি মুচকী হাসলেন। আবৃ বক্র (রা.) তাঁর ইমামতির স্থান হেড়ে দিয়ে কাতারে শামিল হওয়ার জন্য পিছিয়ে আসতে চাইলেন। তিনি মনে করেছিলেন, রাস্লুল্লাহ্ ক্রিল্লিই বের হতে চান। মুসলিমগণও সালাত ছেড়ে দিতে উদ্যত হয়েছিলেন। তিনি ইশারায় তাঁদের বললেন, তোমরা তোমাদের সালাত পূরো করো। তারপর তিনি পর্দা ফেলে দিলেন। সে দিনেরই শেষভাগে তাঁর ইন্তিকাল হয়।

### ٤٨٧. بَابُ وَجُدُوبِ الْقِرَاءَةِ لِلْإِمَامِ وَالْمَأْمُومِ فِي الصَّلَوَاتِ كُلِّهَا فِي الْعَضْرِ وَالصَّفْرِ وَمَا يُجْهَرُ فَيَا لَهُ فَي الْحَضْرِ وَالصَّفْرِ وَمَا يُجْهَرُ فَيَا لَهُ فَي الْحَافَتُ لَا الْحَافَتُ اللَّهُ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهُ اللَّ

৪৮৭. অনুচ্ছেদঃ সব সালাতেই ইমাম ও মুক্তাদীর কিরাআত পড়া যরুরী, মুকীম অবস্থায় হোক বা সফরে, সশব্দ কিরাআতের সালাত হোক বা নিঃশব্দের, সব সালাতেই ইমামও মুক্তাদীর কিরাআত পড়া যরুরী ।

১. অর্থাৎ তাঁর ইন্তিকালের বিষয়টি শেষ প্রহরে সকলের নিকট সুনিশিচতভাবে প্রতীয়মান হয়। কেননা, ঐতি— হাসিকাণ এ ব্যাপারে একমত যে, রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্রে দিনের প্রথম প্রহরে ইন্তিকাল করেছেন। তাই এ হাদীসের ব্যাখ্যা এভাবেই করা যায়।

২. হানাফী মাযহাব অনুসারে ইমামের পিছনে নামায় পড়ার সময় মুক্তাদাকৈ কিরাআত পড়তে হয় না। কেননা, নবী ক্রিট্রেই বলেছেন ঃ যার ইমাম আছে, সে ক্ষেত্রে ইমামের কিরাআতই তার কিরাআত।

شَيْخُ كَبِيْرُ مَفْتُونُ أَصَابَتْنِيْ دَعُوةُ سَعْدٍ ، قَالَ عَبْدُ الْمَلِكِ فَانَا رَأَيْتُهُ بَعْدُ قَدْ سَقِطَ حَاجِبَاهُ عَلَى عَيْنَيْهِ مِنَ الْكِبَرِ ، وَإِنَّهُ لَيَتَعَرَّضُ لِلْجَوَارِي فِي الطُّرُقِ يَغْمِزُهُنَّ ،

৭১৯ মূসা (র.)....জাবির ইব্ন সামুরা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, কুফাবাসীরা সা'দ (রা.) -এর বিরুদ্ধে উমর (রা.)-এর নিকট অভিযোগ করলে তিনি তাঁকে দায়িত্ব থেকে অব্যাহতি দেন এবং আমার (রা.)-কে তাদের শাসনকর্তা নিযুক্ত করেন। কৃফার লোকেরা সা'দ (রা.)-এর বিরুদ্ধে অভিযোগ করতে গিয়ে এ-ও বলে যে, তিনি ভালরূপে সালাত আদায় করতে পারেন না। উমর (রা.) তাঁকে ডেকে পাঠালেন এবং বললেন, হে আবূ ইসহাক ! তারা আপনার বিরুদ্ধে অভিযোগ করেছে যে, আপনি নাকি ভালরপে সালাত আদায় করতে পারেন না। সা'দ (রা.) বললেন, আল্লাহ্র শপথ! আমি রাসূলুল্লাহ্ -এর সালাতের অনুরূপই সালাত আদায় করে থাকি। তাতে কোন ত্রুটি করি না। আমি ইশার সালাত আদায় করতে প্রথম দু' রাকাআতে একটু দীর্ঘ ও শেষের দু' রাকাআতে সংক্ষেপ করতাম। উমর (রা.) বললেন, হে আবূ ইসহাক ! আপনার সম্পর্কে আমার এ-ই ধারণা। তারপর উমর (রা.) কৃফার অধিবাসীদের এ সম্পর্কে জিজ্ঞাসাবাদের জন্য এক বা একাধিক ব্যক্তিকে সা'দ (রা.)-এর সঙ্গে কৃফায় পাঠান। সে ব্যক্তি প্রতিটি মসজিদে গিয়ে সা'দ (রা.) সম্পর্কে জিজ্ঞাসা করল এবং তাঁরা সকলেই তাঁর ভূয়সী প্রশংসা করলেন। অবশেষে সে ব্যক্তি বনূ আব্স গোত্রের মসজিদে উপস্থিত হয়। এখানে উসামা ইব্ন কাতাদাহ্ নামে এক ব্যক্তি যাকে আবূ সা'দাহ্ বলে ডাকা হত- দাঁড়িয়ে বলল, যেহেতু তুমি আল্লাহ্ র নামের শপথ দিয়ে জিজ্ঞাসা করেছ, সা'দ (রা.) কখনো সেনাবাহিনীর সঙ্গে যুদ্ধে যান না, গনীমতের মাল সমভাবে বন্টন করেন না এবং বিচারে ইনসাফ করেন না। তখন সা'দ (রা.) বললেন, মনে রেখো, আল্লাহ্র কসম! আমি তিনটি দু'আ করছি ঃ ইয়া আল্লাহ্ ! যদি তোমার এ বান্দা মিথ্যাবাদী হয়, লোক দেখানো এবং আত্মপ্রচারের জন্য দাঁড়িয়ে থাকে, তাহলে- ১. তার হায়াত বাড়িয়ে দিন, ২. তার অভাব বাড়িয়ে দিন এবং ৩. তাকে ফিত্নার সশ্বখীন করুন। পরবর্তীকালে লোকটিকে (তার অবস্থা সম্পর্কে) জিজ্ঞাসা করা হলে সে বলত, আমি বয়সে বৃদ্ধ, ফিত্নায় লিপ্ত। সা'দ (রা.)-এর দু'আ আমার উপর লেগে আছে। বর্ণনাকারী আবদুল মালিক (র.) বলেন, পরে আমি সে লোকটিকে দেখেছি, অতি বৃদ্ধ হয়ে যাওয়ার কারণে তার উভয় ভ্রু চোখের উপর ঝুলে পড়েছে এবং সে পথে মেয়েদের উত্যক্ত করত এবং তাদের চিমটি কাটতো।

٧٢٠ حَدَّثَنَا عَلِى بُنُ عَبُدِ اللَّهِ قَالَ حَدَّثَنَا سَفْيَانُ قَالَ حَدَّثَنَا الزُّهْرِيُّ عَنْ مَحْمُود بْنِ الرَّبِيْعِ عَنْ عُبَادَةَ بَرَ الرَّبِيْعِ عَنْ عُبَادَة بَنِ الصَّامِتِ اَنَّ رَسُولَ اللهِ عَلَيْهِ قَالَ لاَ صَلاَةَ لِمَنْ لَمْ يَقُرَأُ بِفَاتِحَةِ الْكِتَابِ ،

৭২০ আলী ইব্ন আবদুল্লাহ্ (র.)......উবাদা ইব্ন সামিত (রা.) থেকে বর্ণিত যে, রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্রের . বলেছেনঃ যে ব্যক্তি সালাতে সূরা ফাতিহা পড়ল না তার নামায হল না।

٧٢١ حَدَّثَنَا مُحَمَّدُ بْنُ بَشَّارٍ قَالَ حَدَّثَنَا يَحْيِي عَنْ عُبَيْدِ اللهِ، قَالَ حَدَّثَنِي سَعِيْدُ بْنُ اَبِي سَعِيْدٍ عَنْ أَبِيهِ

১. তিনি তখন কৃফায় আমীর হিসাবে নিযুক্ত ছিলেন।

عَنْ أَبِي هُرَيْرَةَ أَنَّ رَسُولَ اللَّهِ عُلِيَّةُ دَخَلَ الْمَسْجِدِ فَدَخَلَ رَجُلُ فَصلَلِّى فَسلَّمَ عَلَى النَّبِيِّ عُلِيَّةُ فَوَالَ ارْجِع فَصلِّ فَانِّكَ لَمْ تُصلِّ فَانِّكَ لَمْ تُصلِّ فَانِّكَ لَمْ تُصلِّ فَانِّكَ لَمْ تُصلِّ فَالَّهِ وَلَيْ فَقَالَ ارْجِع فَصلِّ فَانِّكَ لَمْ تُصلِّ فَالَّهُ وَمَعَ يُصلِّ فَقَالَ ارْجِع فَصلِّ فَانِّكَ لَمْ تُصلِّ فَقَالَ اذَا قُمْتَ الِي الصَّلَاةِ فَكَبِّر ثُمَّ فَاللَّهُ لَمْ تُصلِّ فَقَالَ اذَا قُمْتَ الِي الصَّلَاةِ فَكَبِّر ثُمَّ فَاللَّهُ لَمْ تُصلِّ فَقَالَ اذَا قُمْتَ الِي الصَّلَاةِ فَكَبِّر ثُمَّ فَاللَّهُ اللَّهُ فَعَلَى الصَّلَاةِ فَكَبِر ثُمَّ اللَّهُ وَاللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ وَاللَّهُ اللَّهُ الل

মহামদ ইব্ন বাশ্শার (র.)......আবৃ হ্রায়রা (রা.) থেকে বর্ণিত, রাস্লুল্লাহ্ মসজিদে প্রবেশ করলেন, তখন একজন সাহাবী এসে সালাত আদায় করলেন। তারপর তিনি নবী ক্রিট্রেন্সকলাম করলেন। তিনি সালামের জবাব দিয়ে বলল্পেন, আবার গিয়ে সালাত আদায় কর। কেননা, তুমি ত সালাত আদায় করনি। তিনি ফিরে গিয়ে আগের মত সালাত আদায় করলেন। তারপর এসে নবী ক্রিট্রেন্সনেক সালাম করলেন। তিনি বললেনঃ ফিরে গিয়ে আবার সালাত আদায় কর। কেননা, তুমি সালাত আদায় করনি। এভাবে তিনবার বললেন। সাহাবী বললেন, সেই মহান সন্তার শপথ! যিনি আপনাকে সত্যসহ প্রেরণ করেছেন— আমি তো এর চেয়ে সুন্দর করে সালাত আদায় করতে জানি না। কাজেই আপনি আমাকে শিখিয়ে দিন। তিনি বললেনঃ যখন তুমি সালাতের জন্য দাঁড়াবে, তখন তাক্ বীর বলবে। তারপর কুরআন থেকে যা তোমার পক্ষে সহজ তা পড়বে। তারপর রুক্'তে যাবে এবং ধীরস্থিরভাবে রুক্' আদায় করবে। তারপর সোজা হয়ে দাঁড়াবে। তারপর সিজ্দায় যাবে এবং ধীরস্থিরভাবে সিজ্দা আদায় করবে। তারপর সিজ্দা থেকে উঠে স্থির হয়ে বসবে। আর এভাবেই পূরো সালাত আদায় করবে।

#### ٤٨٨. بَابُ الْقِرَاءَةِ فِي الطَّهْرِ

৪৮৮. অনুচ্ছেদঃ যুহরের সালাতে কিরাআত পড়া।

٧٢٧ حَدَّثَنَا آبُو النُّعْمَانِ قَالَ حَدَّثَنَا آبُو عَوَا نَةَ عَنْ عَبُدِ الْمَلِكِ بْنِ عُمَيْرِ عَنْ حَابِر بْنِ سَمُرَةَ قَالَ سَعْدُ كُنْتُ أُصِلِيَّ بَنِ عُمَيْرِ عَنْ حَابِر بْنِ سَمُرَةَ قَالَ سَعْدُ كُنْتُ أُصِلِيَّ بِهِمْ صَلَوَاةً رَسُولُ اللَّهِ عَلِيْ صَلَاتِي الْعَشِيِّ لاَ آخْرِمُ عَنْهَا كُنْتُ آرْكُدُ فِي الْاُولَيَيْنِ وَآحُذِفُ كُنْتُ أُصِلِيَّ فِقَالَ عُمَرُ ذَالِكَ الظُّنُ بِكَ .

৭২২ আবৃ নু'মান (র.)....জাবির ইব্ন সামুরা (রা.) থেকে বর্ণিত যে, সা'দ (রা.) বলেন, আমি তাদেরকে নিয়ে বিকালের দু' সালাত (যুহর ও আসর) রাসূলুল্লাহ্মান্ত্র-এর সালাতের ন্যায় সালাত আদায় করতাম। এতে কোন ক্রটি করতাম না। প্রথম দু' রাকাআতে কিরাআত দীর্ঘায়িত এবং শেষ দু' রাকাআতে তা সংক্ষিপ্ত করতাম। উমর (রা.) বলেন, তোমার সম্পর্কে এরূপই ধারণা।

٧٢٧ حَدُّتُنَا أَبُو نُعَيْمٍ قَالَ حَدَّثَنَا شَيْبَانُ عَنْ يَحْيلَى عَنْ عَبْدِ اللهِ بْنِ آبِي قَتَادَةَ عَنْ آبِيهِ قَالَ كَانَ النّبِي لِمُ اللّهِ يَنْ آبُو نُعَيْمٍ قَالَ كَانَ النّبِي يَقْرَأُ فِي الرَّكُعَتَيْنِ الْاُولَيْنِ مِنْ صَلاَةِ الظُّهْرِ بِفَاتِحَةِ الْكِتَابِ وَسُوْرَتَيْنِ يُطَوِّلُ فِي الْاُولْلَى وَيُقَصِّرُ فِي التَّانِيَةِ وَيُسْمِعُ الْأَيْتَ آحُيَانًا ، وَكَانَ يَقْرَأُ فِي الْعَصْرِ بِفَاتِحَةِ الْكِتَابِ وَسُوْرَتَيْنِ وَكَانَ يُطَوِّلُ فِي الْاُولْلَى وَكَانَ يُطَوِّلُ فِي الْاُولِلَى وَكَانَ يُقَرَأُ فِي الْعَصْرِ بِفَاتِحَةِ الْكِتَابِ وَسُوْرَتَيْنِ وَكَانَ يُطَوِّلُ فِي الْاُولِلَى وَكَانَ يُقَرَأُ فِي الْعَصْرِ بِفَاتِحَةِ الْكِتَابِ وَسُورَتَيْنِ وَكَانَ يُطَوِّلُ فِي الْاُولِلَى وَكَانَ يُطَوِّلُ فِي الْاَوْلَى وَيُقَصِّرُ فِي الثَّانِيَةِ ،

৭২৩ আবৃ নু'আইম (র.).....আবৃ কাতাদাহ্ (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী ক্রিট্রেই যুহ্রের প্রথম দু' রাকাআতে সূরা ফাতিহার সহিত আরও দু'টি সূরা পাঠ করতেন। প্রথম রাকাআতে দীর্ঘ করতেন এবং দ্বিতীয় রাকাআতে সংক্ষেপ করতেন। কখনো কোন আয়াত শুনিয়ে পড়তেন। আসরের সালাতেও তিনি সূরা ফাতিহার সাথে অন্য দু'টি সূরা পড়তেন। প্রথম রাকাআতে দীর্ঘ করতেন। ফজরের প্রথম রাকাআতেও তিনি দীর্ঘ করতেন এবং দ্বিতীয় রাকাআতে সংক্ষেপ করতেন।

٧٢٤ حَدَّثَنَا عُمَرُ ابْنُ حَفْصٍ قَالَ حَدَّثَنَا آبِيْ قَالَ حَدَّثَنَا ٱلْأَعْدَمَشُ حَدَّثَنِي عُمَارَةُ عَنْ آبِيْ مَعْدَمَرٍ قَالَ سَأَلُنَا خَبَّابًا آكَانَ النَّبِيُ عَيْنَ مَعْدَرُ فِي الظُّهْرِ وَالْعَصْدِ قَالَ نَعَمْ قُلُنَا بِآيِ شَنَيْ كُنْتُمْ تَعْدِفُونَ قَالَ بِاعْدَا لِحَيْدِهِ . بِإضْطَرَابِ لِحُيَدِهِ .

৭২৪ উমর ইব্ন হাফস্ (র.)......আবূ মা'মার (র.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আমরা খাববাব (রা.)-কে জিজ্ঞাসা করলাম, নবী ক্রিট্রেকি যুহ্র ও আসরের সালাতে কিরাআত পড়তেন ? তিনি বললেন, হাাঁ। আমরা প্রশ্ন করলাম, আপনরা কি করে তা বুঝতেন ? তিনি বললেন, তাঁর দাঁড়ির (মুবারকের) নড়াচড়ায়।

#### ٤٨٩. بَابُ الْقِرَاءَةِ فِي الْعَصْرِ

৪৮৯. অনুচ্ছেদ ঃ আসরের সালাতে কিরাআত।

٧٢٥ حَدَّثَنَا مُحَمَّد بَنُ يُوسُفَ قَالَ حَدَّثَنَا سُفْيَانُ عَنِ الْأَعْمَشِ عَنْ عُمَارَةَ بَنِ عُمَيْرٍ عَنْ اَبِي مَعْمَرٍ قَالَ قُلْتُ بَنِ عُمَيْرٍ عَنْ اَبِي مَعْمَرٍ قَالَ فَعُمَّا وَالْعَصْرِ قَالَ نَعَمْ قَالَ قُلْتُ بِأَيِّ شَيْ كُنْتُمْ تَعْلَمُونَ قُلْتُ لِخَبَّابِ بَنِ الْاَرَتِ الْكَانَ النَّبِيُ عَلِي يَقْرَأُ فِي الطُّهُرِ وَالْعَصْرِ قَالَ نَعَمْ قَالَ قُلْتُ بِأَيِّ شَيْ كُنْتُمْ تَعْلَمُونَ قَرَاءَ تَهُ قَالَ بِإضْطِرَابِ لِحُيتِهِ ،

৭২৫ মুহাম্মদ ইব্ন ইউসুফ (র.)......আবূ মা'মার (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আমি খাববাব ইব্ন আরত্ (রা.)-কে জিজ্ঞাসা করলাম, নবী ক্রিট্রেই কি যুহর ও আসরেষ্ক্সালাতে কিরাআত পড়তেন ? তিনি বললেন, হাা, আমি জিজ্ঞাসা করলাম আপনারা কি করে তাঁর কিরাআত বুঝতেন ? তিনি বললেন, তাঁর দাঁড়ি মুবারকের নড়াচড়ায়।

٧٢٦ حَدَّثَنَا الْمَكِّيُّ بُنُ ابْرَاهِيْمَ عَنْ هِشَامٍ عَنْ يَحْيىَ بْنِ أَبِي كَثِيْرٍ عَنْ عَبْدِ اللهِ بْنِ قَتَادَةَ عَنْ آبِيهِ قَالَ كَانَ النَّبِيُ عَلِيْهِ يَقْرَأُ فِي الرَّكَعَتَيْنِ مِنَ الظُّهْرِ وَالْعَصْرِ بِفَاتِحَةِ الْكِتَابِ وَسُوْرَةٍ سُوْرَةٍ ، وَيُسْمِعُنَا الْأَيْةَ اَحْيَانًا ،

৭২৬ মাক্কী ইব্ন ইব্রাহীম (র.).....আবৃ কাতাদাহ্ (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী ক্রিট্রেই যুহর ও আসরের প্রথম দু' রাকাআতে সূরা ফাতিহার সাথে একটি সূরা পড়তেন। আর কখনো কখনো কোন আয়াত আমাদের শুনিয়ে পড়তেন।

#### . ٤٩٠ بَابُ الْقِرَاءَةِ فِي الْمَفْرِبِ

৪৯০. অনুচ্ছেদঃ মাগরিবের সালাতে কিরাআত।

٧٢٧ حَدَّثَنَا عَبْدُ اللهِ بْنِ يُوسُفَ قَالَ اَخْبَرَنَا مَالِكُ عَنِ ابْنِ شِهَابٍ عَنْ عُبَيْدِ اللهِ بْنِ عَبْدِ اللهِ بْنِ عُتْبَةَ عَنْ ابْنِ شِهَابٍ عَنْ عُبَيْدِ اللهِ بْنِ عَبْدِ اللهِ بْنِ عُتْبَةً عَنْ ابْنِ عَبْدِ اللهِ بْنِ عُرْفًا فَقَالَتْ يَا عَنْ ابْنِ عَبْاسٍ رَضِيَ اللهُ عَنْهُمَا اَنَّهُ قَالَ انِ أَمَّ الْفَضْلِ سَمِعَتْهُ وَهُوَ يَقُسراً وَالْمُرسَلاَتِ عُرْفًا فَقَالَتْ يَا بُنَى وَاللهِ لَقَدُ ذَكَّرْتَنِي بِقِرَاءَ تِكَ هُذِهِ السُّورَةَ انِّهَا لَاخْرِ مَا سَمَعْتُ مِنْ رَسُولِ اللهِ عَلَيْكُ يَقُسراً بِهَا فِي الْمَغْرِبِ .

الْمَغْرِبِ .

প্র আবদুল্লাহ্ ইব্ন ইউসুফ (র.)....ইব্ন আব্বাস (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, উম্মুল ফায্ল (রা.) তাঁকে 'وَالْمُرْسَكُوْتِ عُرُوْنًا ' সূরাটি তিলাওয়াত করতে শুনে বললেন, বেটা ! তুমি এ সূরা তিলাওয়াত করে আমাকে স্মর্ব করিয়ে দিলে রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্রে -কে মাগরিবের সালাতে এ সূরাটি পড়তে শেষবারের মত শুনেছিলাম।

٧٢٨ حَدَّثَنَا أَبُو عَاصِمٍ عَنِ جُرِيْجٍ عَنِ ابْنِ أَبِي مُلَيْكَةً عَنْ عُرُوةَ بْنِ الزَّبِيْرِ عَنْ مَرُوانَ بْنِ الْحَكُم قَالَ وَيُ رَيْدُ بْنِ تَابِتٍ مَالَكَ تَقُرأُ فِي الْمَغْرِبِ بِقِصَارٍ وَقَدْ سَمِعْتُ النَّبِيِّ عَيْنِ يَقُرأُ بِطُولِيَ الطُّولَيْ الطُّولَيْ .
 ٩२৮ আবৃ আসিম (त.).....মারওয়ান ইব্ন হাকাম (त.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, একদা যায়িদ ইব্ন সাবিত (ता.) আমাকে বললেন, কি ব্যাপার, মাগরিবের সালাতে তুমি যে কেবল ছোট ছোট স্রা তিলাওয়াত কর १ অথচ আমি নবী ক্রিক্রিক দুটি দীর্ঘ স্রার মধ্যে দীর্ঘতমটি থেকে পাঠ করতে শুনেছি। ১ বিশ্বন عَنْ مُحَمَّد بْنِ جُبَيْر بْنِ مُطُعِم عَنْ الْنُ عَبْدُ الله بْنِ يُوسُفَ قَالَ اَخْبَرَنَا مَالِكُ عَنِ ابْنِ شِهَابٍ عَنْ مُحَمَّد بْنِ جُبَيْر بْنِ مُطُعِم عَنْ الْبَيْ قَالَ سَمِعْتُ رَسُولَ الله عَنْ عُمْرِب بِالطُّورُ ،

অপেক্ষাকৃত দু'টি দীর্ঘতম সূরা দারা সূরা আরাফ ও সূরা আন'আমকে বুঝানো হয়েছে। আর এ দু'টির মাঝে
দীর্ঘতম হল সূরা আরাফ।

৭২৯ আবদুল্লাহ্ ইব্ন ইউসুফ (র.).....জুবাইর ইব্ন মুত'ইম (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আমি রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্রে-কে মাগরিবের সালাতে সূরা তূর থেকে পড়তে শুনেছি।

#### ٤٩١. بَابُ الْجَهْرِ فِي الْعِشَاءِ

#### ৪৯১. অনুচ্ছেদ ঃ ইশার সালাতে সশব্দে কিরাআত।

٧٣٠ حَدُّثَنَا أَبُو النُّعُمَانِ قَالَ حَدَّثَنَا مُعْتَمِرُ عَنْ آبِيهِ عَنْ بَكْرٍ عَنْ آبِي رَافِعٍ قَالَ صَلَّيْتُ مَعَ آبِي هُريْرَةَ الْعَتَمَةُ فَقَرَأُ اذِا السَّمَاءُ انْشَقَّت فَسَجَدَ فَقُلْتُ لَهُ قَالَ سَجَدْتُ خَلَّفَ آبِي الْقَاسِمِ عَلِيلَةً فَلاَ أَزَالُ أَسْجُدُ بِهَا حَتَّى الْقَاهُ .

বিত্ত আবৃ নু'মান (র.).....আবৃ রাফি' (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, একদা আমি আবৃ হুরায়রা (রা.)-এর সঙ্গে ইশার সালাত আদায় করলাম। সেদিন তিনি ' اَذَا السَّمَاءُ الْسَّمَاءُ الْسَّمَاءُ الْسَّمَاءُ الْسَّمَاءُ الْسَّمَاءُ الْسَّمَاءُ الْسَّمَاءُ الْسَّمَاءُ السَّمَاءُ الْسَمَاءُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللللّهُ اللّهُ اللللّهُ اللّهُ اللللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّ

٧٣١ حَدَّثَنَا اَبُو الْوَلِيْدِ قَالَ حَدَّثَنَا شُعْبَةُ عَنْ عَدِي قَالَ سَمِعْتُ الْبَرَاءَ اَنَّ النَّبِيَّ عَلِي عَالَ فِي سَفَرٍ فَقَرَأُ في سَفَرٍ فَقَرَأُ في سَفَرٍ فَقَرَأُ في سَفَرٍ فَقَرَأُ في الْعَشَاء احْدَى الرَّكْعَتَيْن بِالتِّيْن وَالزَّيْتُونَ .

প্তিঠ আবুল ওয়ালীদ (র.).....আদী (ইব্ন সাবিত) (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আমি বারাআ (রা.) থেকে শুনেছি যে, নবী করীম المالية এক সফরে ইশার সালাতের প্রথম দু' রাকাআতের এক রাকাআতে সূরা 'وَالتَيْنُ وَالزُيْنَوْنَ ' পাঠ করেন।

#### ٤٩٢، بَابُ الْقِرَاءَةِ فِي الْعِشَاءِ بِالسَّجْدَةِ

ا अठ्य अनुएक्ष है है शांत जालाक जिल्लात आग्नाक (अन्निक जूता) जिलाखगाक । विनाखगाक विगाखगाक व

প্রত্থ মুসাদ্দাদ (র.)......আবু রাফি' (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আমি আবু হুরায়রা (রা.)-এর সঙ্গে ইশার সালাত আদায় করলাম। তিনি 'الْمَا الْمَا الْ

#### ٤٩٣. بَابُ الْقِرَاءَةِ فِي الْعِشَاءِ

৪৯৬. অনুচ্ছেদ ঃ ইশার সালাতে কিরাআত।

٧٣٣ حَدَّثَنَا خَلاَّدُ بْنُ يَحْيِى قَالَ حَدَّثَنَا مِسْعَرُ قَالَ حَدَّثَنَا عَدِى بْنُ ثَابِتِ أَنَّ سَمِعَ الْبَرَاءَ رَضِيَ اللهُ عَنْ بَنُ ثَابِتِ أَنَّ سَمِعَ الْبَرَاءَ رَضِيَ اللهُ عَنْ عَنْ فَالَ سَمَعْتُ النَّبِيَّ عَلِيْ عَلَيْ مَا لَيْ يَقَرَأُ وَالتَّيْنِ وَالزَّيْتُوْنِ فِي الْعِشَاءِ ، وَمَا سَمَعْتُ احَدًا اَحْسَنَ صَوْتًا مِنْ فَي الْعِشَاءِ ، وَمَا سَمَعْتُ احَدًا اَحْسَنَ صَوْتًا مِنْ فَي الْعِشَاءِ ، وَمَا سَمَعْتُ النَّبِيِّ عَلِيْ عَلَيْ مَا لَيْ يَقُرَأُ وَالتَّيْنِ وَالزَّيْتُوْنِ فِي الْعِشَاءِ ، وَمَا سَمَعْتُ النَّبِيِّ عَلِيْ عَلَيْ مَنْ عَلَى اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ عَلَيْ اللهُ اللهُ

প্রত খাল্লাদ ইব্ন ইয়াহ্ইয়া (র.).....বারাআ (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আমি নবী করীম
. ﴿ اللَّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ الللللللللللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الل

#### ٤٩٤، بَابُ يُطُوِّلُ فِي الْأُولَيْيَنَ وَيَحْذِفُ فِي الْأُخْرِيَيْنِ

৪৯**%**. অনুচ্ছেদ ঃ প্রথম দু' রাকাআতে কিরাআত দীর্ঘ করা ও শেষ দু' রাকাআতে তা সংক্ষেপ করা।

٧٣٤ حَدَّثَنَا سَلَيْمَانُ بُنُ حَرْبٍ قَالَ حَدَّثَنَا شُعْبَةُ عَنْ أَبِى عَوْنٍ قَالَ سَمِعْتُ جَابِرَ بُنَ سَمُرَةَ قَالَ قَالَ عَدُّ لَكِ مَدَّنَا سَعُرَةً قَالَ الله عَلَيْ عَوْنٍ قَالَ سَمِعْتُ جَابِرَ بُنَ سَمُرَةً قَالَ قَالَ عَلَا فَامَدُ فِي الْأُولَيَيْنِ وَاَحْذِفُ فِي الْأُخْرِيَيْنِ عَمْرُ لِسَعْد لِقَدَ شَكَوْكَ فِي كُلِّ شَنَى حَتَّى الصَّلَاةِ قَالَ امَّا انَا فَامَدُ فِي الْأُولَيَيْنِ وَاحْذِفُ فِي الْأُخْرِيَيْنِ وَلَا الله عَلَيْ الله عَلَيْةِ قَالَ صَدَقَتَ ذَاكَ الظَّنُ بِكَ اَوْ ظَنَى بِكَ ٠

প্রতামান ইব্ন হারব (র.)....জাবির ইব্ন সামুরা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, উমর (রা.) সা'দ (রা.)-কে বললেন, আপনার বিরুদ্ধে তারা (কৃফাবাসীরা) সর্ব বিষয়ে অভিযোগ করেছে, এমনকি সালাত সম্পর্কেও। সা'দ (রা.) বললেন, আমি প্রথম দু'রাকাআতে কিরাআত দীর্ঘ করে থাকি এবং শেষের দু' রাকাআতে তা সংক্ষেপে করি। আমি রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্রান্ত এর পিছনে যেরূপ সালাত আদায় করেছি, অনুরূপই সালাত আদায়ের ব্যাপারে আমি ত্রণ্টি করিনি। উমর (রা.) বললেন, আপনি ঠিকই বলেছেন, আপনার ব্যাপারে ধারণা ত এরূপই ছিল, কিংবা (তিনি বলে-ছিলেন) আপনার সম্পর্কে আমার এরূপই ধারণা।

#### ٤٩٥. بَابُ الْقِرَاءَةِ فِي الْفَجْرِ، وَقَالَ أُمُّ سَلَّمَةَ قَرَأُ النَّبِي عَلِي إِلْطُورِ

৪৯৬. অনুচ্ছেদ ঃ ফজরের সালাতে কিরাআত। উম্মে সালামা (রা.) বলেন, নবী স্ক্রী সূরা তূর পড়েছেন।

٧٣٥ حَدَّثْنَا أَدَمُ قَالَ حَدَّثْنَا شُعُ بَةُ قَالَ حَدَّثْنَا سَيَّارُ بُنُ سَلَامَةَ قَالَ دَخَلْتُ أَنَا وَآبِي عَلَى آبِي بَرُزَةَ

الْاَسْلَمِيِّ فَسَالُنَاهُ عَنْ وَقَتِ الصِّلُوَاتِ فَقَالَ النَّبِيُّ يَضِلِّي الظُّهُرَ حِيْنَ تَزُولُ الشَّمْسُ وَالْعَصْرَ وَيَرْجِعُ الرَّجُلُ الِي اَقْصَى الْمَدِيْنَةِ وَالشَّمْسُ حَيَّةُ وَنَسِيْتُ مَا قَالَ فِي الْمَغْرِبِ وَلاَ يُبَالِيُ بِتَأْخِيْرِ الْعِشَاءِ الِي ثَلُثِ اللَّيْلِ وَلاَ يُجَبُّ النَّوْمَ قَبُلَهَا وَلاَ الْحَدِيْثَ بَعْدَهَا وَيُصلِّي الصَّبُّحَ فَيَنْصَرِفُ الرَّجُلُ فَيَعْرِفُ جَلِيْسَةُ ، وَكَانَ يَقُرَأُ فِي الرَّكُعْتَيْنِ اَوْ إِحْدَاهُمَا مَا بَيْنَ السَّبِيْنَ إلى الْمائَة ،

প্রতি আদম (র.).....সাইয়ার ইব্ন সালামা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আমি ও আমার পিতা আবৃ বার্যা আসলামী (রা.) - নিকট উপস্থিত হয়ে সালাতসমূহের সময় সম্পর্কে জিজ্ঞাসা করলাম। তিনি বললেন, নবী ক্রিট্রেই যুহরের সালাত সূর্য ঢলে গেলেই আদায় করতেন। আর আসর (এমন সময় যে, সালাতের শেষে) কোন ব্যক্তি সূর্য সজীব থাকতে থাকতেই মদীনার প্রান্ত সীমায় ফিরে আসতে পারত। মাগরিব সম্পর্কে তিনি কি বলেছিলেন, তা আমি ভুলে গেছি। আর তিনি ইশা রাতের তৃতীয়াংশ পর্যন্ত বিলম্ব করতে কোন দ্বিধা করতেন না। এবং ইশার আগে ঘুমানো ও পরে কথাবার্তা বলা তিনি পসন্দ করতেন না। আর তিনি ফজর আদায় করতেন এমন সময় যে, সালাত শেষে ফিরে যেতে লোকেরা তার পার্শ্ববর্তী ব্যক্তিকে চিনতে পারত। এর দু' রাকাআতে অথবা রাবী বলেছেন, এক রাকাআতে তিনি ঘাট থেকে একশ' আয়াত পড়তেন।

٧٣٦ حَدِّثَنَا مُسَدَّدٌ قَالَ حَدَّثَنَا اِسْمُعْيِلُ بُنُ اِبْرَاهِيْمَ قَالَ اَخْبَرَنَا ابْنُ جُرَيْجٍ قَالَ اَخْبَرَنِي عَطَاءُ اَنَّهُ سَمِعَ اَبَاهُرِيْرَةَ رَضِيَ اللَّهُ يَقُولُ فِي كُلِّ صَلاة بِيُقْرَأُ فَمَا اَسْمَعَنَا رَسُولُ اللهِ عَلَيْ اَسْمَعْنَاكُمْ وَمَا اَخْفَى عَنَا اَخْفَى عَنَا اَخْفَى عَنَاكُمْ وَانْ لَمْ تَزِدْ عَلَى اُمَ الْقُرُانِ أَجْزَأَتْ وَانْ زِدْتَ فَهُوَ خَيْرُ .

৭৩৬ মুসাদ্দাদ (র.)......আবূ হুরায়রা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, প্রত্যেক সালাতেই কিরাআত পড়া হয়। তবে যে সব সালাত রাসূলুল্লাহ্ ক্রিট্র আমাদের শুনিয়ে পড়েছেন, আমরাও তোমাদের শুনিয়ে পড়ব। আর যে সব সালাতে আমাদের না শুনিয়ে পড়েছেন, আমরাও তোমাদের না শুনিয়ে পড়ব। যদি তোমরা সূরা ফাতিহার চাইতে বেশী না পড়, সালাত আদায় হয়ে যাবে। আর যদি বেশী পড় তা উত্তম।

٤٩٧. بَابُ الْجَهْرِ بِقِرَاءَةِ صَلَاةِ الْفَجْرِ، وَقَالَتُ أُمُّ سَلَمَةَ طُفْتُ وَرَاءَ النَّاسِ وَالنَّبِي عَلَيْ يُصلِّي وَيَقَرَأُ بِالطُّورِ

৪৯৬. অনুচ্ছেদঃ ফজরের সালাতে স্বশব্দে কিরাআত। উম্মে সালামা (রা.) বলেন, আমি লোকদের পিছনে তাওয়াফ করছিলাম। নবী হাট্টি তখন সালাত আদায় করছিলেন এবং সূরা তূর পাঠ করছিলেন।

এ হলো ইমাম শাফিয়ী (র.)-এর মত। ইমাম আবৃ হানীফা (র.)-এর মতে, অন্যান্য হাদীক্ষের পরিপ্রেক্ষিতে সূরা
ফাতিহার সাথে অন্য সূরা মিলানো ওয়াজিব।

٧٣٧ حَدَّثَنَا مُسَدَّدٌ قَالَ حَدَّثَنَا اَبُوْعَوَانَةً عَنْ اَبِيْ بِشْرِ عَنْ سَعِيْدِ بَنِ جَبَيْرٌ عَنِ ابْنِ عَبَّاسٍ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهُمَا قَالَ انْطَلَقَ النَّبِيُّ عَلَيْهُمُ فِي طَائِفَةٍ مِنْ اَصْحَابِهِ عَامِدِيْنَ اللَّي سُوْقِ عُكَاظٍ ، وَقَدْ حَيْلَ بَيْنَ الشَّيَاطِيْنِ وَبَيْنَ خَبْرِ السَّمَاءِ وَأَرْسَلِتَ عَلَيْهُمُ الشُّهُبُ فَرَجَعَتِ الشَّيَاطِيْنَ اللَّي قَوْمِهِمْ فَقَالُوا حَيْلَ بَيْنَنَا وَبَيْنَ خَبْرِ السَّمَاءِ وَأُرْسَلِتَ عَلَيْنَا الشَّهُبُ قَالُوا مَا حَالَ بَيْنَكُمْ وَبَيْنَ خَبْرِ السَّمَاءِ اللَّ شَنَّ حَدَثَ فَاضُرِبُوا مَشَارِقَ السَّمَاءِ وَأُرْسَلِتَ عَلَيْنَا الشَّهُبُ قَالُوا مَا حَالَ بَيْنَكُمْ وَبَيْنَ خَبْرِ السَّمَاءِ اللَّ شَنَّ حُدَثَ فَاضُرِبُوا مَشَارِقَ الْارْشُ وَمَعَارِبَهَا فَانْظُرُوا مَاهُذَا الَّذِي حَالَ بَيْنَكُمْ وَبَيْنَ خَبْرِ السَّمَاءِ فَانْصَرَفَ ٱولَٰئِكَ الَّذِيْنَ تَوَجَّهُوا نَحُو الْارْضِ وَمَعَارِبَهَا فَانْظُرُوا مَاهُذَا الَّذِي حَالَ بَيْنَكُمْ وَبَيْنَ خَبْرِ السَّمَاءِ فَانْصَرَفَ ٱولَٰئِكَ الَّذِيْنَ تَوجَهُوا نَحُو سَمِعُوا النَّذِي السَّمَاءِ فَهُنَالِكَ حَيْنَ رَجَعُوا سَمَعُوا الْقُرُانَ السَّتَمَعُوا لَهُ ، فَقَالُوا هُذَا وَاللَّهِ الَّذِي حَالَ بَيْنَكُمْ وَبَيْنَ خَبْرَ السَّمَاءِ فَهُنَالِكَ حَيْنَ رَجَعُوا سَمَعُوا الْقُرَانُ السَّتَمَعُوا لَهُ اللَّهُ عَلَى نَبِيّهِ : قُلُ الْوَحِيَ الِيَّ سَمِعْنَا قُرُانًا عَجَبًا يَّهُدِيْ الْيَ الرَّشُدِ فَامَنَّا بِهِ وَلَنَّ نُسِيِّهِ : قُلُ الْوَحِيَ الْمَا وُحِيَ الْيَهُ قَوْلُ الْجَنِ .

৭৩৭ মুসাদ্দাদ (র.).....ইব্ন আব্বাস (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী ক্রিট্রেই কয়েকজন সাহাবীকে সঙ্গে নিয়ে উকায বাজারের উদ্দেশ্যে রওয়ানা করেন। আর দুষ্ট জিন্নদের<sup>১</sup> উর্ধলোকের সংবাদ সংগ্রহের পথে প্রতিবন্ধকতা দেখা দেয় এবং তাদের দিকে অগ্নিপিন্ড নিক্ষিপ্ত হয়। কাজেই শয়তানরা তাদের সম্প্রদায়ের নিকট ফিরে আসে। তারা জিজ্ঞাসা করল, তোমাদের কি হয়েছে ? তারা বলল, আমাদের এবং আকাশের সংবাদ সংগ্রহের মধ্যে প্রতিবন্ধকতা দেখা দিয়েছে এবং আমাদের দিকে অগ্নিপিন্ড ছুঁড়ে মারা হয়েছে। তখন তারা বলল, নিশ্চয়ই গুরুত্বপূর্ণ একটা কিছু ঘটেছে বলেই তোমাদের এবং আকাশের সংবাদ সংগ্রহের মধ্যে প্রতিবন্ধকতার সৃষ্টি হয়েছে। কাজেই, পৃথিবীর পূর্ব এবং পশ্চিম অঞ্চল পর্যন্ত বিচরণ করে দেখ, কী কারণে তোমাদের ও আকাশের সংবাদ সংগ্রহের মধ্যে প্রতিবন্ধকতা সৃষ্টি হয়েছে ? তাই তাদের যে দলটি তিহামার দিকে গিয়েছিল, তারা নবী করীম 🚟 এর দিকে অগ্রসর হল। তিনি তখন উকায বাজারের পথে নাখ্লা নামক স্থানে সাহাবীগণকে নিয়ে ফজরের সালাত আদায় করছিলেন। তারা যখন কুরআন শুনতে পেল, তখন সেদিকে মনোনিবেশ করল। তারপর তারা বলে উঠল, আল্লাহ্র শপথ! এটিই তোমাদের ও আকাশের সংবাদ সংগ্রহের মধ্যে প্রতিবন্ধকতা সৃষ্টি করেছে। এমন সময় যখন তারা সম্প্রদায়ের নিকট ফিরে আসল এবং বলল হে আমাদের সম্প্রদায়! আমরা এক বিষয়কর কুরআন শুনেছি, যা সঠিক পথ নির্দেশ করে। ফলে আমরা এতে ঈমান এনেছি এবং কখনো আমরা আমাদের প্রতিপালকের সঙ্গে কাউকে শরীক স্থির করব না। এ প্রসঙ্গেই আল্লাহ্ তা'আলা তাঁর নবী ক্রিক্ট্রে এর প্রতি '......' فَيُ ٱوْجِيَ اِلَى ' সূরা নাযিল করেন। মূলত তাঁর নিকট জিন্নদের বক্তব্যই ওহীরূপে নাযিল করা হয়েছে।

ك. হাদীসে উল্লেখিত "শায়াতীন" (شياطين) শদটি দুষ্ট প্রকৃতির জিন্নদের জন্য ব্যবহার করা হয়েছে।

٧٣٨ حَدَّثَنَا مُسَدَّدُ قَالَ حَدَّثَنَا اسْمُعْيِلُ قَالَ حَدَّثَنَا اَيُّوبُ عَنْ عِكْرَمَةَ عَنِ ابْنِ عَبَّاسٍ قَالَ قَرَأَ النَّبِي عَلَيْتُهُ فَيْ رَسُولُ اللهِ اللهِ السُّوةُ حَسَنَةُ • فَيْمَا أُمِرَ وَمَا كَانَ رَبُّكَ نَسِيًا ، لَقَدْ كَانَ لَكُمْ فِيْ رَسُولُ اللهِ اللهِ السُّوةُ حَسَنَةُ •

৭৩৮ মুসাদ্দাদ (র.).....ইব্ন আব্বাস (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী ক্রিট্রেইবেখানে কিরাআত পড়ার জন্য নির্দেশ পেয়েছেন, সেখানে পড়েছেন। আর যেখানে চুপ করে থাকতে নির্দেশ পেয়েছেন সেখানে চুপ করে থেকেছেন। (আল্লাহ্ তা'আলার বাণী) ঃ "নিশ্চয় তোমাদের জন্য রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্রেই -এর মধ্যে রয়েছে উত্তম আদর্শ।"

٤٩٧. بَابُ الْجَمِع بَيْنَ السُّورَتَيْنِ فِي الرُّكْ عَةِ وَالْقِرَاءَةِ بِالْخَوَاتِيْمِ وَبِسُورَةٍ قَبْلَ سُورَةٍ وَبِأَوَّلِ سُورَةٍ ، وَيُذُكِّرُ عَنْ عَبْدِ اللَّهِ بُنِ السَّائِبِ قَرَأَ النَّبِي عَلَيْهُ الْمُؤْمِنُونَ فِي الصَّبْحِ حَتَّى إِذَا جَاءَ ذِكُورُ مُوسَلَّى وَهَارُونَ ٱوْذِكْرُ عَيْسَى ٱخَذَتْهُ سَعْلَةُ فَرَكَعَ وَقَرَأُ عُمَرُ فِي الرَّكْعَةِ ٱلْأُولَى بِمِائَةٍ وَعِشْرِيْنَ أَيَّةً مِنَ الْبَقَرَةِ وَفِي التَّانِيَةِ بِسُوْرَةٍ مِنَ الْـمَثَانِي وَقَرَأَ الإَحْنَفُ بِالْكَهْفِ فِي الْأُولِلِي وَفِي التَّانِيَةِ بِينْسُفَ أَوْيُونُسَ وَذَكَرَ اَنَّهُ صَلِّى مَعَ عُمَرَ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهُ الصَّبْحَ بِهِمَا ، وَقَرَأُ ابْنُ مَسْعُودُ بِأَرْبَعَيْنَ أَيَّةً مِنَ ٱلْأَنْفَالِ وَفِي التَّانِيَةِ بِسُوْرَة مِنَ الْمُفَصِّلُ وَقَالَ قَتَادَةُ فِيمَنْ يَقْرَأُ سُوْرَةً وَاحِدَةً فِي رَكْعَتَيْنِ اَوْيُرَدِّدُ سُوْرَةً وَاحِدَةً فِي رَكْعَتَيْنِ كُلُّ كِتَابُ اللَّهِ وَقَالَ عُبَيْ ـــدُ اللَّهِ عَنْ تَابِتِ عَنْ أَنس رَضِي اللَّهُ عَنْ كَانَ رَجُلُ مِنَ الْأَنْصَارِ يَوْمُهُمْ فِي مَسْجِدِ قُبًا وَكَانَ كُلُّمَا افْتَتَحَ سُوْرَةً يَقُرَأْبِهَا لَهُمْ فِي الصَّلاَةِ مِمَّا تَقْرَأُ بِهِ افْتَتَحَ بِقُلْ هُوَ اللَّهُ أَحَدُ حَتَّى يَفْرُخُ مِنْهَا ، ثُمُّ يَقْرَأُ سُوْرَةً أُخْرَى مَعَهَا فَكَانَ يَصْنَعُ ذَالِكَ فِي كُلِّ رَكْعَة فَكَلَّمَهُ أَصْحَابُهُ فَقَالُوا النَّكَ تَفْتَتِحُ بِهِلْذِهِ السُّورَةِ ثُمُّ لاَ تَرَى انُّهَا تُجْزِئُكَ حَتَّى تَقْرَأُ بِأَخْلَى فَامًا تَقْرَأُ بِهَا وَإِمَّا اَنْ تَدْعَهَا وَتَقْرَأُ بِأُخُرِى، فَقَالَ مَا أَنَا بِتَارِكِهَا إِنْ أَحْسَبُتُمْ أَنْ أَنُمُكُمْ بِذَا لِكَ فَعَلْتُ ، وَإِنْ كَرِهْتُمْ تَرَكْتُكُمْ وَكَانُوا يَرَوْنَ أَنَّهُ مِنْ ٱلْمُصَلِهِمْ وَكُرِهُوا أَنْ يَوْمُهُمْ غَيْرُهُ فَلَمَّا ٱتَّاهُمُ النَّبِي عَلِيَّهُ ٱخْبَرُوهُ الْخَبَرَ فَقَالَ يَا فُلاَنُ مَا يَمْنَعُكَ أَنْ تَفْعَلَ مَا يَأْمُرُكَ بِهِ أَصْحَابُكَ مَمَا يَحْمِلُكَ عَلَى لُزُومَ هٰذِهِ السُّورَةِ فِي كُلِّ رَكْمَة فِقَالَ انِّي أُحبُّهَا فَقَالَ حُبُّكَ ايًّا هَا اَدُخَلُكَ الْجَنَّةُ •

১. র্ম্মাৎ সশব্দে পড়ার। ২. নিঃশব্দে পড়ার।

৪৯৭. অনুচ্ছেদ ঃ এক রাকাআতে দু' সূরা মিলিয়ে পড়া, সূরার শেষাংশ পড়া, এক সূরার আগে আরেক সূরা পড়া এবং সূরার প্রথমাংশ পড়া। আবদুল্লাহু ইবৃন সায়িব (রা.) থেকে বর্ণিত যে, নবী 🏣 ফজরের সালাতে সূরা মু'মিনূন পড়তে শুরু করেন। যখন মূসা (আ.) ও হারূন (আ.) বা ঈসা (আ.)—এর আলোচনা এল, তাঁর কাশি উঠল আর তখন তিনি রুকু'তে চলে গেলেন।উমর (রা.) প্রথম রাকাআতে সূরা বাকারার একশ' বিশ আয়াত তিলাওয়াত করেন এবং দ্বিতীয় রাকআতে মাসানী সূরাসমূহের কোন একটি তিলাওয়াত করেন।আহনাফ (র.) প্রথম রাকাআতে সূরা কাহ্ফ তিলাওয়াত করেন এবং দ্বিতীয় রাকাআতে সূরা ইউসুফ বা সূরা ইউনুস<sup>২</sup> তিলাওয়াত করেন এবং তিনি বর্ণনা করেছেন যে, তিনি উমর রো.)—এর পিছনে এ দু'টি সূরা দিয়ে ফজরের সলাত আদায় করেন।ইব্ন মাসউদ (রা.) (প্রথম রাক—আতে) সূরা আনফালের চল্লিশ আয়াত পড়েন এবং দ্বিতীয় রাকাআতে মুফাস্সাল সূরা সমূহের একটি পড়েন। যে ব্যক্তি দু' রাকাআতে একই সূরা ভাগ করে পড়ে বা দু' রাকাআতে একই সূরা দুহরিয়ে পড়ে। তার সম্পর্কে কাতাদা (রা.) বলেন, সবই মহান পরাক্রমশালী আল্লাহ্ তা'আলার কিতাব।(অর্থাৎ এতে কোন দোষ নেই)।উবায়দুল্লাহ্ রো.) কুবার মসজিদে তাঁদের ইমামতি করতেন। <sup>8</sup> তিনি সশব্দে কিরা—আত পড়া হয় এমন কোন সালাতে যখনই কোন সূরা তিলাওয়াত করতেন, 🛣 হিন্দু হারা দ্বারা শুরু করতেন।তা শেষ করে অন্য একটি সূরা এর সাথে মিলিয়ে পড়তেন।আর প্রতি রাকাআতেই তিনি এরূপ করতেন। তাঁর সঙ্গীরা এ ব্যাপারে তাঁর কাছে বললেন যে, আপনি এ সূরাটি দিয়ে শুরু করেন, এটি যথেষ্ট হয় বলে আপনি মনে করেন না তাই আর একটি সূরা মিলিয়ে পড়েন। হয় আপনি এটিই পড়বেন, না হয় এটি বাদ দিয়ে অন্যটি পড়বেন।তিনি বললেন, আমি এটি কিছুতেই ছাড়তে পারব না। আমার এভাবে ইমামতি করা যদি আপনারা অপসন্দ করেন, তাহলে আমি আপনাদের ইমামতি ছেড়ে দেব ।কিন্তু তাঁরা জানতেন যে, তিনি তাদের মাঝে উত্তম।তিনি ব্যতীত অন্য কেউ তাদের ইমামতি করুক এট তাঁরা অপসন্দ করতেন। পরে নবী করীম যখন তাঁদের এখানে আগমন করেন, তাঁরা বিষয়টি নবী করীম 🚟 – কে জানান। তিনি বললেন, হে, অমুক! তোমার সঙ্গীগণ যা বলেন তা করতে তোমাকে কিসে বাঁধা দেয় ? আর প্রতি রাকাআতে এ সূরাটি বাধ্যতামূলক করে নিতে কিসে উদ্বুদ্ধ করছে ?

মাসানী অর্থাৎ একশ' আয়াতের কম আয়াত বিশিষ্ট সূরা। — কিরমানী

২. হানাফী মতে এইরূপ করা মাকরুহ এবং কুরুআনের তারতীব রক্ষা করা মুস্তাহাব।

৩. 'মুফাস্সাল'— অর্থাৎ সূরা হজুরাতে থেকে কুরআন মজীদের শেষ সূরা পর্যন্ত।

<sup>8.</sup> তাঁর নাম ছিল কুলসুম ইব্ন হিদম।

তিনি বললেন, আমি এ সূরাটি ভালবাসি। নবী করীম ক্রিট্র বললেন ঃ এ সূরার ভালবাসা তোমাকে জান্নাতে প্রবেশ করাবে।।

٧٣٩ حَدِّثَنَا أَدَمُ قَالَ حَدَّثَنَا شُعُبَةً عَنْ عَمْرِو بُنِ مُرَّةَ قَالَ سَمِعْتُ أَبَا وَائِلٍ قَالَ جَاءَ رَجُلُ الِي ابْنِ مَسْعُودُ فَقَالَ قَرَأْتُ الْمُفَضَّلَ اللَّيْلَةَ فِي رَكْعَةٍ ، فَقَالَ هَٰذِّا كَهَذِّ الشَّعْرِ لَقَدْ عَرَفْتُ النَّظَائِرَ الَّتِي كَانَ النَّبِي عَنْ اللَّهُ فَعَالَ هَذِّ الشَّعْرِ فَقَالَ هَرَاتُ النَّطَائِرَ اللَّي كَانَ النَّبِي عَنْ النَّالَةَ فِي رَكْعَةً مِنَ الْمُفَصِّلِ سَوْرَتَيْنُ فِي كُلِّ رَكْعَةً .

বিত্র আদম (র.).....আবৃ ওয়াইল (র.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, এক ব্যক্তি ইব্ন মাসউদ (রা.)এর নিকট এসে বলল, গতরাতে আমি মুফাস্সাল সূরাগুলো এক রাকাআতেই তিলাওয়াত করেছি। তিনি
বললেন, তাহলে নিশ্চয়ই কবিতার ন্যায় দ্রুত পড়েছ। নবী করীম ক্রিট্রি পরস্পর সমতূল্য যে সব সূরা
মিলিয়ে পড়তেন, সেগুলো সম্পর্কে আমি জানি। এ বলে তিনি মুফাস্সাল সূরাসমূহের বিশটি সূরার কথা
উল্লেখ করে বলেন, নবী করীম ক্রিট্রি প্রতি রাকাআতে এর দু'টি করে সূরা পড়তেন।

#### ٤٩٨. بَابُ يَقْرَأُ فِي ٱلْأَخْرَيَيْنِ بِفَاتِحَةِ الْكِتَابِ

৪৯৮. অনুচ্ছেদঃ শেষ দু' রাকাআতে সূরা ফাতিহাহ্ পড়া।

٧٤٠ حَدَّثَنَا مُوسَىٰ ابْنِ اسْمَاعِيلَ قَالَ حَدَّثَنَا هَمَّامُ عَنْ يَحْيَى عَنْ عَبْدِ اللّهِ بْنِ ابِي قَتَادَةَ عَنْ اَبِيهِ النّهِ عَلَيْكُ كَانَ يَقَرَأُ فِي الظُّهْرِ فِي الْأُولَيْيُنِ بِأُمِّ الْكِتَابِ وَسُوْرَتَيْنِ وَفِي الرَّكُعَتَيْنِ الْأُخْسَرِيَيْنِ بِأُمِّ الْكِتَابِ وَسُورَتَيْنِ وَفِي الرَّكُعَتَيْنِ الْأَخْسَرِيَيْنِ بِأُمِّ الْكِتَابِ وَسُورَتَيْنِ وَفِي الرَّكُعَتَيْنِ الْأَخْسَرِ وَلَهُكَذَا اللّهُ اللللّ

৭৪০ মৃসা ইব্ন ইসমায়ীল (র.)......আবূ কাতাদাহ (রা.) থেকে বর্ণিত যে, নবী করীম ক্রিট্রায়ুর্যুহরের প্রথম দু' রাকাআতে সূরা ফাতিহা ও দু'টি সূরা পড়তেন এবং শেষ দু' রাকাআতে সূরা ফাতিহা পাঠ করতেন এবং তিনি কোন কোন আয়াত আমাদের শোনাতেন, আর তিনি প্রথম রাকাআতে যতটুকু দীর্ঘ করতেন, দ্বিতীয় রাকাআতে ততটুকু দীর্ঘ করতেন না। এরূপ করতেন আসরে এবং ফজরেও।

## ٩٩٤، بَابُ مَنْ خَافَتَ الْقِرَاءَةَ فِي الظُّهْرِ وَالْعَصْرِ

৪৯৯. অনুচ্ছেদঃ যুহরে ও আসরে নিঃশব্দে কিরাআত পড়া।

٧٤٧ حَدَّثَنَا قُتَيْبَةُ بْنِ سَعِيْدٍ قَالَ حَدَّثَنَا جَرِيْرُ عَنِ الْاَعْمَشِ عَنْ عُمَارَةَ بْنِ عُمَيْرٍ عَنْ اَبِى مَعْمَرٍ قُلْتُ لِكَانَ رَسُولُ الله عَنْ عَلَمْتَ قَالَ بِإضْ الطُّهْرِ وَالْعَصْرِ قَالَ نَعَمْ قُلْنَامِنْ اَيْنَ عَلِمْتَ قَالَ بِإضْ طِرَابِ لِحْيَتِهِ لِخَبَّابٍ إِكَانَ رَسُولُ الله عَنْ الطُّهْرِ وَالْعَصْرِ قَالَ نَعَمْ قُلْنَامِنْ اَيْنَ عَلِمْتَ قَالَ بِإضْ طِرَابِ لِحْيَتِهِ الْخَبَّابِ إِكْانَ رَسُولُ الله عَنْ الطُّهْرِ وَالْعَصْرِ قَالَ نَعَمْ قُلْنَامِنْ آيَنَ عَلَمْتَ قَالَ بِإضْ طَرَابِ لِحْيَتِهِ الْعَلَيْدِ الْعَلَيْدِ الْعَلَى اللهُ عَلَيْدَ عَلَيْدَ عَلَيْدَ اللهُ عَلَيْدَ اللهُ عَلَيْدَ اللهُ عَلَيْدَ اللهُ عَلَيْدَ اللهُ عَلَيْدَ اللهُ اللهُ عَلَيْدَ اللهُ عَلَيْدِ اللهُ عَلَيْدَ اللَّهُ عَلَيْدِ اللَّهُ عَلَيْدَ اللَّهُ عَلَيْدُ اللَّهُ عَلَيْدِ اللَّهُ عَلَيْدُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَيْدَ اللَّهُ عَلَيْدُ اللَّهُ عَلَيْدٍ إِلَيْ اللَّهُ عَلَيْدِ اللَّهُ عَلَيْدُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَيْدَ اللَّهُ عَلَيْدُ اللَّهُ عَلَيْدِ اللَّهُ عَلَيْدُ اللَّهُ عَلَيْدُ اللَّهُ عَلَيْدُ اللَّهُ عَلَيْدِ اللَّهُ اللَّهُ عَلَيْدُ اللَّهُ عَلَيْدُ اللَّهُ عَلَيْدُ اللَّهُ عَلَيْدُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَيْدُ اللَّهُ عَلَيْدُ اللَّهُ عَلَيْدُ اللَّهُ عَلَيْدُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَيْدُ اللَّهُ عَلَيْدِ اللَّهُ عَلَيْدُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَيْدُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْدُ اللَّهُ عَلَيْدُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْدِ اللَّهُ عَلَيْدُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْدُ عَلَا اللَّهُ عَلَى اللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللّ

98১ কুতাইবা (র.)......আবৃ মা'মার (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আমরা খাববাব (রা.)-কে জিজ্ঞাসা করলাম, রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্রে কি যুহর ও আসরের সালাতে কিরাআত পড়তেন । তিনি বললেন, হাা। আমরা জিজ্ঞাসা করলাম, কি করে বুঝলেন। তিনি বললেন, তাঁর দাঁড়ি মুবারকের নড়াচড়া দেখে।

#### ٥٠٥. بَابُ إِذَا أَسْمَعَ الْإِمَامُ الْأَيَّةُ

৫০০. অনুচ্ছেদ ঃ ইমাম আয়াত শুনিয়ে পাঠ করলে।

٧٤٧ حَدُّثَنَا مُحَمَّدُ بُنُ يُوسُفَ حَدُّثَنَا الْاَوْزَاعِيُّ حَدَّثَنِي يَحْيِى بُنُ ابِي كَثِيْرِ حَدَّثَنِي عَبْدُ اللهِ بْنُ اَبِي كَثِيْرِ حَدَّثَنِي عَبْدُ اللهِ بْنُ اَبِي كَثِيْرِ حَدَّثَنِي اللهِ بْنُ اَبِي كَثِيْرِ مَنْ صَلاَةِ الظُّهْرِ قَتَادَةَ عَنْ اَبِيهِ أَنَّ النَّبِيُ عَبِي كَانَ يَقْرَأُ بِأُم الْكَتَابِ وَسُوْرَةٍ مَعَهَا فِي الرَّكُعَتَيْنِ الْاُولَيَيْنِ مِنْ صَلاَةِ الظُّهْرِ وَصَلاَة الْعَصْرِ وَيُسْمِعُنَا الْاَيَةَ اَحْيَانًا ، وَكَانَ يُطْيَلُ فِي الرَّكُعَة الْاُولِيْ .

98২ মুহামদ ইব্ন ইউসুফ (র্.).....আৰু কাতাদা (রা.) থেকে বর্ণিত যে, নবী করীম স্ক্রিষ্ট্র যুহর ও আসরের সালাতের প্রথম দু' রাকাআতে সূরা ফাতিহার সাথে আরেকটি সূরা পড়তেন। কখনো কোন কোন আয়াত আমাদের শুনিয়ে পড়তেন এবং তিনি প্রথম রাকাআতে কিরাআত দীর্ঘ করতেন।

#### ١ - ٥ . بَابُ يُطُوِّلُ فِي الرُّكُعَةِ الْأُولَلِي

৫০১. অনুচ্ছেদ ঃ প্রথম রাকাআতে কিরাআতে দীর্ঘ করা।

وَ النَّبِيُّ كَانَ يُطُولُ فِي الرَّكُعَةِ الْأُولَىٰ مِنْ صَلاَة الظُّهْرِ وَيُقَصِّرُ فِي التَّانِيةِ وَيَفْعَلُ ذَالِكَ فِي صَلاَة الصُّبْحِ وَيُقَصِّرُ فِي التَّانِيةِ وَيَفْعَلُ ذَالِكَ فِي صَلاَة الصُّبْحِ وَيُقَصِّرُ فِي التَّانِيةِ وَيَفْعَلُ ذَالِكَ فِي صَلاَة الصُّبْحِ وَيُقَصِّرُ فِي التَّانِيةِ وَيَفْعَلُ ذَالِكَ فِي صَلاَة الصَّبْحِ وَيَقَعَرُ فِي التَّانِيةِ وَيَفْعَلُ ذَالِكَ فِي صَلاَة الصَّبْحِ وَيَقَعَرُ فِي التَّانِيةِ وَيَفْعَلُ ذَالِكَ فِي صَلاَة الصَّبْحِ وَيَقَعَرُ فِي التَّانِيةِ وَيَفْعَلُ ذَالِكَ فِي صَلاَة الصَّبْحِ وَ الصَّبْحِ وَ الصَّبْحِ وَيَقَعَلُ ذَالِكَ فِي صَلاَة الصَّبْحِ وَ السَّعِ مَا اللّهُ وَاللّهُ وَلّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَلَاللّهُ وَلَا اللّهُ وَاللّهُ وَلَوْ اللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَلَا اللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَلَا اللّهُ وَاللّهُ وَلّهُ وَاللّهُ وَلّهُ وَاللّهُ وَاللّه

٥٠٢ . بَابُ جَهْرِ الْإِمَامِ بِالتَّامِيْنِ ، وَقَالَ عَطَاءُ آمِيْنَ دُعَاءُ آمَّنَ ابْنُ الزَّبَيْرِ وَمَنْ وَرَاءَ هُ حَتَّى إِنَّ الْمَسَجِدِ لَلْجَاءُ ، وَكَانَ ابْنُ عُمَرَ لاَ يَدَعُنهُ وَيَحُمْنُهُ مُ لَلَجًا وَ الْإِمَامَ لاَ تَفْتُنِنَى بِأُمِيْنَ ، وَقَالَ نَافِعُ كَانَ ابْنُ عُمَرَ لاَ يَدَعُنهُ وَيَحُمْنُهُ مُ وَسَمِعْتُ مِنْهُ فِي ذَٰلِكَ خَبْرًا

৫০২. অনুচ্ছেদ ঃ ইমামের সশব্দে 'আমীন' বলা। আতা (র.) বলেন, 'আমীন' হল দু'আ। তিনি আরও বলেন, আবদুল্লাহ্ ইব্ন যুবাইর (রা.) ও তাঁর পিছনের মুসুল্লীগণ এমনভাবে 'আমীন' বলতেন যে, মসজিদে গুমগুম আওয়ায হতো। আবৃ হুরায়রা

রো.) ইমামকে ডেকে বলতেন, আমাকে 'আমীন' বলার সুযোগ থেকে বঞ্ছিত করবেন না। নাফি' রে.) বলেন, ইব্ন উমর রো.) কখনই 'আমীন' বলা ছাড়তেন না এবং তিনি তাদের (আমীন বলার জন্য) উৎসাহিত করতেন। আমি তাঁর কাছ থেকে এ সম্পর্কে হাদীস শুনেছি।

٧٤٤ حَدُّثَنَا عَبْدُ اللهِ بَنُ يُوْسِفُ قَالَ اَخْبَرَنَا مَالِكُ عَنِ ابْنِ شِهَابٍ عَنْ سَعِيْدِ بْنِ الْمُسَيِّبِ وَاَبِي سَلَمَةَ بَنُ وَافَقَ بَنُ وَافَقَ عَبْدِ الرَّحُمْنِ اَنَّهُمَا اَخْبَرَاهُ عَنْ اَبِي هُرَيْرَةَ اَنَّ النَّبِي عَلَيْ قَالَ الْإِا اَمِّنَ الْاَمِامُ فَاَمَّنُوا فَانَّهُ مَنْ وَافَقَ تَأَمِيْنَ اللّهِ عَلَيْ اللّهِ عَلْ اللّهِ عَلَيْ اللّهِ عَلَيْ اللّهِ عَلَيْ اللّهِ عَلَيْ اللّهِ اللّهِ عَلَيْ اللّهُ عَلَيْ اللّهِ عَلَيْ اللّهُ عَلَيْ اللّهُ عَلَيْ اللّهِ عَلَيْ اللّهُ عَلَيْ اللّهُ عَلَيْ اللّهُ عَلَيْ اللّهُ اللّهِ اللّهِ اللّهِ اللّهُ الللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّ

## ٥٠٠ بَابُ فَضْلِ التَّأْمِيْنِ

৫০৬. অনুচ্ছেদ ঃ 'আমীন' বলার ফ্যীলত।

٧٤٥ حَدَّثَنَا عَبْدُ اللهِ بْنُ يُوسُفَ قَالَ آخْبَرَنَا مَالِكُ عَنْ آبِي الزِّنَادِ عَنِ ٱلْاَعْرَجِ عَنْ آبِي هُرَيْرَةَ رَضِي اللهُ عَنْهُ اَنْ رَسُولُ اللهِ عَلَيْكُ قَالَ اذا قَالَ آحَدُكُمْ أُمْيِنَ وَقَالَتِ الْمَلاَئِكَهُ فِي السَّمَاءِ آمْيِنَ فَوَافَقَتَ احْداهُمَا اللهُ عَلَيْكُ مَنْ ذَنْبه .

৭৪৫ আবদুল্লাহ্ ইব্ন ইউসুফ (র.)......আবৃ হুরায়রা (রা.) থেকে বর্ণিত যে, রাস্লুল্লাহ্ ক্রিল্লি বলেছেন ঃ যখন তোমাদের কেউ (সালাতে) 'আমীন' বলে, আর আসমানে ফিরিশ্তাগণ 'আমীন' বলেন এবং উভয়ের 'আমীন' একই সময় হলে, তার পূর্ববর্তী সব গুনাহ মা'ফ করে দেওয়া হয়।

## ٤٠٥. بَابُ جَهْرِ الْمَأْمُومُ بِالتَّامِينِ

৫০৪. অনুচ্ছেদ ঃ মুক্তাদীর সশব্দে 'আমীন' বলা।

٧٤٦ حَدَّثَنَا عَبْدُ اللَّهِ بُنُ مَسْلَمَةَ عَنْ مَالِكٍ عَنْ سُمَي مَوْلَىٰ آبِي بَكْرٍ عَنْ آبِي صَالِحٍ عَنْ آبِي هُرَيْرَةَ آنَ أَنْ وَافَقَ قَوْلُهُ قَوْلَ اللهِ عَلَيْهِمْ وَلَا الصَّالِيُّنَ فَقُولُوا أُمِيْنَ فَانِّهُ مَنْ وَافَقَ قَوْلُهُ قَوْلَ اللهِ عَلَيْهِمْ وَلَا الصَّالِيُّنَ فَقُولُوا أُمِيْنَ فَانِّهُ مَنْ وَافَقَ قَوْلُهُ قَوْلَ اللهِ عَلَيْهِمْ وَلَا الصَّالِيْنَ فَقُولُوا أُمِيْنَ فَانِّهُ مَنْ وَافَقَ قَوْلُهُ قَوْلَ اللهِ عَلَيْهِمْ وَلَا الصَّالِيْنَ فَقُولُوا أُمِيْنَ فَانِّهُ مَنْ وَافَقَ قَوْلُهُ قَوْلَ اللهِ عَلَيْهِمْ وَلَا اللهُ عَلَيْهُمْ وَلَا اللهُ عَلَيْهِمْ وَلَا اللهُ عَلَيْهِمْ وَلَا اللهُ عَلَيْهُمْ وَلَا لَهُ اللهُ عَلَيْهُمْ وَلَالْمُ اللهُ عَلَيْهُمْ وَلَالْمُ اللّهُ عَلَيْهِمْ وَلَا اللّهُ عَلَيْكُ فَلُولُولُهُ اللّهُ اللّهُ عَلَيْهُ مَا عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ اللّهُ عَلَيْهُ مَا عَلَالْهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَيْهُ وَلَالْمُ اللّهُ عَلَيْهُ وَلَالْمُ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَيْكُ وَالْمُ لَا لَكُولُولُولُولُولُولُهُ اللّهُ اللهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَيْكُ عَلَيْهُ مِنْ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَيْكُ عَلَيْكُ مِنْ اللهُ عَلَيْكُ اللّهُ عَلَيْكُ مِنْ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَيْ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَا اللّهُ عَلَى الللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَا اللّهُ عَلَا الللّه

وَنُعَيْمُ الْمُجْمِرُ عَنْ آبِي هُرَيْرَةَ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهُ ٠

পঞ্চ আবদুল্লাহ্ ইব্ন মাসলামা (র.).....আবৃ হুরায়রা (রা.) থেকে বর্ণিত যে, রাসূলুল্লাহ্ ক্রিট্রের বলেছেন ঃ ইমাম 'র্ট্রাট্রের নুট্রির নির্দ্রাট্রের ভারতির বলার করে (আমীন) বলা ফিরিশ্তাদের (আমীন) বলার সাথে একই সময় হয়, তার পূর্বের সব গুনাহ মাফ করে দেওয়া হয়। মুহাম্মাদ ইব্ন আমর (র.) আবৃ সালামা (র.) সূত্রে আবৃ হুরায়রা (রা.)-এর মাধ্যমে নবী ক্রিট্রের থেকে এবং নুআইম মুজমির (র.) আবৃ হুরায়রা (রা.) থেকে হাদীস বর্ণনায় সুমাই (র.)-এর অনুসরণ করেছেন।

#### ٥٠٥. بَابُ إِذَا رَكُعَ دُوْنَ الصُّفِّ

৫০৬. অনুচ্ছেদঃ কাতারে পৌছার আগেই রুকৃ'তে চলে গেলে।

٧٤٧ حَدَّثَنَا مُوسَلَى بْنُ اسْمُعْثِلَ قَالَ حَدَّثَنَا هَمَّامُ عَنِ ٱلْأَعْلَمُ وَهُوَ زِيَادُ عَنِ الْحَسَنِ عَنْ آبِي بَكُرَةَ آنَّهُ الْآعُلَمُ وَهُوَ زِيَادُ عَنِ الْحَسَنِ عَنْ آبِي بَكُرَةَ آنَّهُ الْتَهَلَى الله النَّبِيِّ عَلِيْكُ وَهُوَ رَاكِمُ فَرَكَعَ قَبْلَ آنْ يَصِلِ الله الصَّفِّ فَذَكَرَ ذَالِكَ لِلنَّبِيِ عَلِيْكُ فَقَالَ زَادَكَ الله حَرْصًا وَلاَ تَعُدُ .

98 ৭ মূসা ইব্ন ইসমায়ীল (র.).....আবূ বাক্রা (রা.) থেকে বর্ণিত যে, তিনি নবী করীম ক্রিট্র -এর কাছে এমন অবস্থায় পৌছলেন যে, নবী তথন রুকু তথন রুকু তৈ ছিলেন। তখন কাতার পর্যন্ত পৌছার আগেই তিনি রুকু তৈ চলে যান। এ ঘটনা নবী ক্রিট্র এর কাছে ব্যক্ত করা হলে, তিনি বললেন, আল্লাহ্ তা আলা তোমার আগ্রহকে আরও বাড়িয়ে দিন। তবে এরপ আর করবে না।

## الله بَابُ اِتَمَامِ التَّكْبِيْرِ فِي الرَّكُوعِ قَالَ ابْنُ عَبَّاسٍ عَنِ النَّبِيِّ عَلِيْ فِيهِ مَالِكُ بْنُ الْحُويْرِثِ الْحُويْرِثِ النَّبِيِّ عَلِيْ النَّبِيِّ عَلِيْ النَّبِيِّ عَلَيْكُ بِنَ الْحُويْرِثِ عَلَيْكُ مِن النَّبِيِّ عَلَيْكُ مِن مِي اللهُ اللهُ اللهُ عَن النَّبِيِّ عَلَيْكُ مِن مِن النَّبِيِّ عَلَيْكُ مِن مِن النَّبِيِّ عَلَيْكُ مِن النَّبِيِّ عَلَيْكُ مِن النَّبِيِّ عَلَيْكُ مِن النَّبِيِّ عَلَيْكُ مِن النِّبِيِّ عَلَيْكُ مِن النَّبِي عَلَيْكُ مِن النَّبِي عَلَيْكُ مِن النَّبِي عَلَيْكُ مِن النَّبِي النَّكُونِ فِي النِّبِي عَلَيْكُ مِن النَّبِي عَلَيْكُ مِن النَّبِي النِّن عَبْدِي النِّهِ عَلَيْكُ مِن النَّبِي عَلَيْكُ مِن النَّبِي عَلَيْكُ مِن النَّبِي عَلَيْكُ مِن النَّبِي عَلَيْكُ مِن النِّبِي عَلَيْكُ مِن النَّذِي عَلَيْكُ مِن النِّبِي عَلَيْكُ مِن النَّذِي عَلَيْكُ مِن النَّذِي عَلَيْكُ مِن النَّذِي عَلَيْكُ مِن النِّبِي عَلَيْكُ مِن النَّذِي عَلَيْكُ مِن النَّالِي اللَّهُ النَّذِي النَّهِ عَلَيْكُونِ عَلَيْنَ النِّاسِ عَن النَّبِي عَلَيْكُ مِن النَّالِكُ بُنُ الْحُونِينِ فِي النَّالِ النَّهِ عَلَيْكُ اللَّهُ عَلَيْكُ مِن النَّالِ النَّالِ النَّالِ النَّذِي عَلَيْكُ النَّالِ النَّلِي النَّالِ النَّلُونُ عَلَيْكُون النَّالِي النَّالِ النَّالِ النَّلِي النَّلِي النَّالِ النَّلِي النِي النِي النَّلِي النِّلِي النَّلِي النَّلِي النَّلِي النِّلِي النِّلِي النَّلِي النِي النَّلِي النِي النَّلِي النِي النِي النَّلِي النِّلِي النِي النَّلِي النِّلِي النِي النَّلِي النِي النِي النِي النِي النِي الْمِي النِي النِي النِي النِي النِي النِي النِي النِي النَّالِي النَّلِي النَّالِي النَّلِي النِي النِي النِي النَّلِي النَّالِي النَّالِي النِي النَّالِي النِي النِي النِي النِي النِي النِي النَّلِي النَّلِي النِي النِي النِي النِي النِي النَّلِي النِي النِي النَّلِي النِي النَّذِي النَّالِي النَّالِي النِي النِي النِي

৫০৬. অনুচ্ছেদঃ রুকৃ'তে তাকবীর পূর্ণভাবে বলা।এ ব্যাপারে ইব্ন আব্বাস (রা.) নবী ক্লিট্রের থেকে বর্ণনা করেছেন।এ বিষয় মালিক ইব্ন হুওয়ারিস (রা.) থেকেও রিওয়ায়াত বর্ণিত আছে।

٧٤٨ حَدَّثَنَا السَّحٰقُ الْوَاسِطِيُّ قَالَ حَدَّثَنَا خَالِدُ عَنِ الْجُريَرِيِّ عَنْ اَبِي الْعَلاَءِ عَنْ مُطَرِّفٍ عَنْ عِمْرَانَ بَنِ حُصَيْنٍ قَالَ صَلَّى مَعَ عَلِي رَضِي اللَّهُ عَنْهُ بِالْبَصْرَةِ فَقَالَ ذَكَّرَنَاهَذَا الرَّجُلُ صَلَاةً كُنَّا نُصلَيِّهَا مَعَ رَسُولُ وَصَيْنٍ قَالَ صَلَّةً يُكَبِّرُ كُلُّمَا رَفَعَ وَكُلُّمَا وَضَعَ .

৭৪৮ ইসহাক ওয়াসিতী (র.).....ইমরান ইব্ন হুসাইন (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বসরায় আলী (রা.)-এর সঙ্গে সালাত আদায় করলেন। তারপর বললেন, ইনি (আলী (রা.) আমাকে রাস্লুল্লাহ্ কুল্লাই -

এর সঙ্গে আদায়কৃত সালাতের কথা স্মরণ করিয়ে দিয়েছেন। আর তিনি উল্লেখ করেন যে, নবী 🏭 প্রতিবার (মাথা) উঠাতে ও নামাতে তাক্বীর বলতেন।

٧٤٩ حَدُّثَنَا عَبْدُ اللهِ بَنُ يُوسُفَ قَالَ اَخْبَرَنَا مَالِكُ عَنِ ابْنِ شِهَابٍ عَنْ اَبِي سَلَمَةَ عَنْ اَبِي هُرَيْرَةَ اَنَّهُ كَانَ يُصلَيِّى بِهِمْ فَيُكَبِّرُ كُلُّمَا خَفْضَ وَرَفَعَ فَاذَا انْصَرَفَ قَالَ انِيْ لِاَشْبَهُكُمْ صَلَاةً بِرَسُولَ اللهِ عَنِيَةً ،

৭৪৯ আবদুল্লাহ্ ইব্ন ইউসুফ (র.)....আবূ হুরায়রা (রা.) থেকে বর্ণিত যে, তিনি তাদের সঙ্গে সালাত আদায় করতেন এবং প্রতিবার উঠা বসার সময় তাক্বীর বলতেন। সালাত শেষ করে তিনি বললেন, তোমাদের মধ্যে আমার সালাতই রাস্লুল্লাহ্ ক্রিন্ট্র-এর সালাতের সাথে বেশী সাদৃশ্যপূর্ণ।

## ٧٠٥، بَابُ اثْمَامِ التَّكْبِيْرِ فِي السُّجُنْدِ

৫০ । অনুচ্ছেদ ঃ সিজ্দার তাক্বীর পূর্ণভাবে বলা।

٧٥٠ حَدُّثَنَا أَبُو النُّعُمَانِ قَالَ حَدَّثَنَا حَمَّادٌ عَنْ غَيْلاَنَ بَنِ جَرِيْنٍ عَنْ مُطَرِّفِ بَنِ عَبْدِ اللَّهِ قَالَ صَلَّيْتُ خَلُفَ عَلِي بَنِ اَبِى طَالِبٍ رَضِي اللَّهُ عَنْهُ اَنَا وَعِمْ رَانُ بَنُ حُصَيْنٍ فَكَانَ اِذَا سَجَدَ كَبُّرَ ، وَالِذَا رَفَعَ رَأْسَهُ كَبُّرَ ، وَإِذَا رَفَعَ رَأْسَهُ كَبُّرَ ، وَإِذَا رَفَعَ رَأْسَهُ كَبُّرَ ، وَإِذَا نَهَضَ مِنَ الرَّكُعَتَيْنِ كَبَّرَ ، فَلَمَّا قَضَى الصَّلاَةَ اَخَذَ بِيَدِي عِمْرَانُ بَنُ حُصَيْنٍ فَقَالَ قَدُ ذَكَّرَنِي لَكُبْرَ ، وَإِذَا نَهُضَ مِنَ الرَّكُعَتَيْنِ كَبَّرَ ، فَلَمَّا قَضَى الصَّلاَةَ اَخَذَ بِيَدِي عِمْرَانُ بَنُ حُصَيْنٍ فَقَالَ قَدُ ذَكَّرَنِي لَا عَنْ الرَّكُ عَتَيْنٍ كَبَرَ ، فَلَمَّا قَضَى الصَّلاَةَ اَخَذَ بِيَدِي عِمْرَانُ بَنُ حُصَيْنٍ فَقَالَ قَدُ ذَكُرَنِي لَمُ مَن الرَّكُ عَتَيْنٍ كَبَرَ ، فَلَمَّا قَضَى الصَّلاَةَ مُحَمَّد عَيْنِي عِمْرَانُ بَنُ حُصَيْنٍ فَقَالَ قَدُ دَكُرَنِي لَاللّهُ مَا عَضَى الصَّلاَةَ مُحَمَّد عَيْنِ عَلَى اللّهُ اللّهُ عَنْ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَنْ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَنْ اللّهُ عَلَيْهُ اللّهُ عَنْ اللّهُ عَلَيْ اللّهُ عَلَيْهِ مَا اللّهُ عَنْ اللّهُ عَلَيْهُ اللّهُ عَلَيْهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ عَنْ اللّهُ عَنْهُ اللّهُ عَلَيْهُ اللّهُ اللللّهُ اللّهُ اللللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللللّهُ اللّهُ الللللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللللّهُ الللّهُ اللللّهُ اللللّهُ اللّهُ اللللّهُ اللّهُ اللّهُ الللللّهُ اللّهُ اللّهُ الللللّهُ الللللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللللّهُ اللللللّهُ اللللللللّه

বিতে আবৃ নুমান (র.)......মুতার্রিফ ইব্ন আবদুল্লাহ্ (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আমি এবং ইমরান ইব্ন হুসাইন (রা.) আলী ইব্ন, তালিব (রা.)-এর পিছনে সালাত আদায় করলাম। তিনি যখন সিজ্দায় গেলেন তখন তাক্বীর বললেন, সিজ্দা থেকে যখন মাথা উঠালেন তখনও তাক্বীর বললেন, আবার দু' রাকাআতের পর যখন দাঁড়ালেন তখনও তাক্বীর বললেন। তিনি যখন সালাত শেষ করলেন তখন ইমরান ইব্ন হুসাইন (রা.) আমার হাত ধরে বললেন, ইনি (আলী রা.) আমাকে মুহামদ ক্লিট্রান্ত এর সালাত স্মরণ করিয়ে দিয়েছেন বা তিনি বলেছিলেন, আমাদের নিয়ে মুহামদ ক্লিট্রান্ত এর সালাত আদায় করেছেন।

٧٥١ حَدَّثَنَا عَمْرُو بَنُ عَوْنٍ قَالَ حَدَّثَنَا هُشِيْدُمُ عَنْ آبِي بِشْرٍ عَنْ عِكْرِمَةَ قَالَ رَأَيْتُ رَجُلاً عِنْدَ الْمَقَامِ يُكَبِّرُ فِي كُلِّ خَفْضٍ وَرَفْعٍ وَإِذَا وَضَعَ فَأَخْبَرْتُ ابْنَ عَبَّاسٍ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهُ قَالَ آوَ لَيْسَ تَلِكَ صَلَاةَ النَّبِيِّ يُكَبِّرُ فِي كُلِّ خَفْضٍ وَرَفْعٍ وَإِذَا وَضَعَ فَأَخْبَرْتُ ابْنَ عَبَّاسٍ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهُ قَالَ آوَ لَيْسَ تَلِكَ صَلَاةَ النَّبِيِّ يُكَبِّرُ فَي كُلِّ خَفْضٍ وَرَفْعٍ وَإِذَا وَضَعَ فَأَخْبَرْتُ ابْنَ عَبَّاسٍ رَضِي اللَّهُ عَنْهُ قَالَ آوَ لَيْسَ تَلِكَ صَلَاةَ النَّبِيِّ .

৭৫১ আমর ইব্ন আওন (র.).....ইকরিমা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আমি মাকামে (ইব্রা-হীমের নিকট) এক ব্যক্তিকে দেখলাম যে, প্রতিবার উঠা ও ঝুঁকার সময় এবং দাঁড়ানো ও বসার সময় তাক্বীর বলছেন। আমি ইব্ন আব্বাস (রা.)-কে একথা জানালে তিনি বললেন, তুমি মাতৃহীন হও, একি রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্রে-এর সালাত নয় ?

## ٥٠٨، بَابُ التُّكْبِيْرِ إِذًا قَالَ مِنَ السُّجُودُ

৫০৮. অনুচ্ছেদঃ সিজ্দা থেকে দাঁড়ানোর সময় তাকবীর বলা।

٧٥٧ حَدَّثَنَا مُوسَلَى بْنُ اسْمُعْيِلَ قَالَ اَخْبَرَنَا هَمَّامُ عَنْ قَتَادَةَ عَنْ عِكْرِمَةَ قَالَ صَلَّيْتُ خَلْفَ شَيْخِ بِمَكَّةً فَكَبَّرَ وَعِشْرِيْنَ تَكْبِيْرَةً فَقُلْتُ لِإِبْنِ عَبَّاسٍ إِنَّهُ اَحْمَقُ فَقَالَ ثَكِلَتُكَ اُمَّكَ سننَّةً اَبِى الْقَاسِمِ عَلِيلَةً وَقَالَ مُوسَلَى حَدَّثَنَا اَبَانُ حَدَّثَنَا قَتَادَةُ حَدَّثَنَا عَكُرمَةً .

৭৫২ মূসা ইব্ন ইসমায়ীল (র.).....ইকরিমা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আমি মক্কা শরীফে এক বৃদ্ধের পিছনে সালাত আদায় করলাম। তিনি বাইশবার তাক্বীর বললেন। আমি ইব্ন আব্বাস (রা.)-কে বললাম, লোকটি তো আহ্মক। তিনি বললেন, তোমার মা তোমাকে হারিয়ে ফেলুক। এ যে আবুল কাসিম ক্রিট্রেন্ট্র-এর সুনাত। মূসা (র.) বলেন, আবান (র.) কাতাদা (র.) সূত্রেও ইকরিমা (রা.) থেকে এ হাদীসটি সরাসরি বর্ণনা করেছেন।

٧٥٣ حَدُّتَنَا يَحْيِنَى بُنُ بُكِيرٍ قَالَ حَدُّتَنَا اللَّيْثُ عَنْ عُقَيْلٍ عَنْ ابْنِ شِهَابٍ قَالَ اَخْبَرَنِى أَبُوْ بَكْرٍ بَنُ عَبْدِ اللَّهِ عَنْ اللَّهِ عَنْ اللَّهِ عَنْ اللَّهِ عَنْ اللَّهِ عَنْ اللَّهُ اللَّهِ عَنْ يَرْكَعُ ثُمَّ يَقُولُ مَمْ اللَّهُ لِمَنْ حَمْدَهُ حَيْنَ يَرْفَعُ صَلُبَهُ مِنَ الرَّكُعَةِ ثُمَّ يَقُولُ وَهُو قَائِمُ رَبَّنَا لَكَ ثُمَّ يُكَبِّرُ حَيْنَ يَرْفَعُ صَلْبَهُ مِنَ الرَّكُعَةِ ثُمَّ يَقُولُ وَهُو قَائِمُ رَبَّنَا لَكَ الْحَمْدُ، ثُمَّ يُكَبِّرُ حَيْنَ يَهُويُ، ثُمَّ يُكَبِّرُ حَيْنَ يَرْفَعُ رَأْسَهُ ، ثُمَّ يُكَبِّرُ حَيْنَ يَسْجُدُ، ثُمَّ يُكَبِّرُ حَيْنَ يَرْفَعُ رَأْسَهُ ، ثُمَّ يُكَبِّرُ حَيْنَ يَسْجُدُ، ثُمَّ يُكَبِّرُ حَيْنَ يَرْفَعُ رَأْسَهُ ، ثُمَّ يُكَبِّرُ حَيْنَ يَسْجُدُ ، ثُمَّ يُكَبِّرُ حَيْنَ يَرْفَعُ رَأْسَهُ ، ثُمَّ يُكَبِّرُ حَيْنَ يَسْجُدُ ، ثُمَّ يُكَبِّرُ حَيْنَ يَرْفَعُ رَأْسَهُ ، ثُمَّ يُكَبِّرُ حَيْنَ يَسْجُدُ ، ثُمَّ يُكَبِّرُ حَيْنَ يَرْفَعُ رَأْسَهُ ، ثُمَّ يُكَبِّرُ حَيْنَ يَسْجُدُ ، ثُمَّ يُكَبِّرُ حَيْنَ يَوْفَعُ مَ رَأْسَهُ ، ثُمَّ يُكَبِّرُ حَيْنَ يَسْجُدُ ، ثُمَّ يُكَبِّرُ حَيْنَ يَوْفَعُ مَا اللَّهِ بَنْ اللَّذِيْ وَلِكَ الْحَمْدُ ، ثُمَّ يُكَبِّرُ عَلَى الشَّوْ وَلَكَ الْحَمْدُ ، فَلَا عَبْدُ اللَّهِ بَنْ اللَّيْثِ وَلِكَ الْحَمْدُ .

প্তেইয়াইয়াইব্ন বুকাইর (র.)....আবৃ হুরায়রা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, রাসূলুল্লাহ্ সালাত আরম্ভ করার সময় দাঁড়িয়ে তাক্বীর বলতেন। এরপর রুক্'তে যাওয়ার সময় তাক্বীর বলতেন, আবার যখন রুক্' থেকে পিঠ সোজা করে উঠতেন তখন ' سَمَعَ اللّهُ لِمَنْ حَمْدَ،' বলতেন। এরপর সিজ্দায় যাওয়ার সময় তাক্বীর বলতেন। এবং যখন মাথা উঠাতেন তখনও তাক্বীর বলতেন। আবার (দিতীয়) সিজ্দায় যেতে তাক্বীর বলতেন এবং পুনরায় মাথা উঠাতেন তখনও তাক্বীর বলতেন। এভাবেই তিনি পুরো সালাত শেষ করতেন। আর দিতীয়

১. ইহা তিরস্কার স্বরূপ বলা হয়েছে, খারাপ উদ্দেশ্যে নয়।

রাকাআতের বৈঠক শেষে যখন (তৃতীয় রাকাআতের জন্য) দাঁড়াতেন তখনও তাক্বীর বলতেন। আবদুল্লাহ্ ইব্ন সালিহ্ (র.) লাইস (র.) সূত্রে হাদীসটি বর্ণনা করতে ' 🕰 । 👸 ' উল্লেখ করেছেন।

## ٩٥٥. بَابُ وَضْعِ ٱلْأَكُفِّ عَلَى الرَّكَبِ وَقَالَ ٱبُو حَمَيْدٍ فِيْ أَصْحَابِهِ آمْكُنَ النَّبِي عَلِي يَدَيْهِ مِنْ رَكُبتَيْهِ

৫০৯. অনুচ্ছেদঃ রুকু'তে হাঁটুর উপর হাত রাখা। আবৃ হুমাইদ (রা.) তাঁর সঙ্গীদের সামনে বলেছেন, নবী ক্রিক্ট্র (রুকু'র সময়) দু' হাত দিয়ে উভয় হাঁটুতে ভর দিতেন।

৭৫৪ আবুল ওয়ালীদ (র.)......মুসআব ইব্ন সা'দ (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, একবার আমি আমার পিতার পাশে দাঁড়িয়ে সালাত আদায় করলাম। এবং (রুকু'র সময়) দু' হাত জোড় করে উভয় উরুর মাঝে রাখলাম। আমার পিতা আমাকে এরূপ করতে নিষেধ করলেন এবং বললেন,পূর্বে আমরা এরূপ করতাম; পরে আমাদেরকে এ থেকে নিষেধ করা হয়েছে এবং হাত হাঁটুর উপর রাখার নির্দেশ দেওয়া হয়েছে।

#### ٥١٥. بَابُ إِذَا لَمْ يُتِمُّ الرُّكُوعَ

৫১০. অনুচ্ছেদ ঃ যদি কেউ সঠিকভাবে রুকু' না করে।

٥٥٥ حَدَّثَنَا حَفُصُ بُنُ عُمَرَ قَالَ حَدَّثَنَا شُعْبَةُ عَنْ سلَيْمَانَ قَالَ سَمِعْتُ زَيْدَ بُنَ وَهُب قَالَ رَأَى حُذَيْفَةُ رَجُلاً لاَيُتِمُ الرَّكُوعَ وَالسَّجُودَ قَالَ مَاصلَيْتَ وَلَوْ مُتَّ مُتَّ عَلَى غَيْرِ الْفَطْرَةِ الَّتِي فَطَرَ اللَّهُ مُحَمَّدًا عَلِي عَيْرِ الْفَطْرَةِ الَّتِي فَطَرَ اللَّهُ مُحَمَّدًا عَلِي أَنْ مَا صَلَيْتُ وَالْتُنَا فَعَلَ اللَّهُ مُحَمَّدًا عَلَيْ الْفَالُونَةُ اللَّهُ مُحَمَّدًا عَلَيْ اللَّهُ مُحَمِّدًا عَلَيْ اللّهُ مُحَمِّدًا عَلْمَ اللّهُ اللّ

৭৫৫ হাফ্স ইব্ন উমর (র.).....যায়িদ ইব্ন ওয়াহ্ব (র.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, হুযাইফা (রা.) এক ব্যক্তিকে দেখলেন যে, সে রুকু' ও সিজ্দা ঠিকমত আদায় করছে না। তিনি তাকে বললেন, তোমার সালাত হয়নি। যদি তুমি (এই অবস্থায়) মারা যাও, তা হলে আল্লাহ্ কর্তৃক মুহামদ ক্লিক্লি-কে প্রদত্ত আদর্শ হতে বিচ্যুত অবস্থায় তুমি মারা যাবে।

## ٥١١ه. بَابُ اسْتِوَا وِ الظُّهْرِ فِي الرَّكُوعِ ، وَقَالَ أَبُو حُمَيْدٍ فِي أَصْحَابِهِ رَكَّعَ النَّبِي عَلَيْ مُمَّ مُمَّ مُلَهُرَهُ

৫১১. অনুচ্ছেদ ঃ রুক্'তে পিঠ সোজা রাখা। আবূ হুমাইদ (রা.) তাঁর সঙ্গীদের সামনে বলেছেন, নবী ক্লিক্ট্র রুক্' করতেন এবং রুক্'তে পিঠ সোজা রাখতেন।

## ١٢ ه. بَابُ حَدِّ اِتْمَامِ الرُّكُوعِ وَالْإِعْتِدَ الِفِيهِ وَالْإِطْمَا نِينَةٍ

ا अतुरुष्ठ श कक् भूर्ण कतात श्रीमा এवং এতে सथाम পञ्चा अधित श्रिता व्यवनमन । حَدَّثَنَا بَدَلُ بُنُ الْمُحَبَّرِ قَالَ حَدَّثَنَا شُعُبَتَ قَالَ اَخْبَرَنِي الْحَكَمُ عَنِ ابْنِ أَبِي لَيْلَى عَنِ الْبَرَاءِ قَالَ كَانَ رُكُوعُ النَّبِيِّ عَلَيْ الْقَيْلَمَ وَالْقُعُودُ قَرْيَبًا مِنَ كَانَ رُكُوعُ مَا خَلاَ الْقَيِامَ وَالْقُعُودُ قَرْيبًا مِنَ السَّوَاء .

বিদে বাদাল ইব্ন মুহাব্বার (র.).....বারাআ (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, সালাতে দাঁড়ানো ও বসা অবস্থা ব্যতীত নবী ক্রিট্র-এর রুক্' সিজ্দা এবং দু' সিজ্দার মধ্যবর্তী সময় এবং রুক্' থেকে উঠে দাঁড়ানো, এগুলো প্রায় সমপরিমাণ ছিল।

## ٣ ٥، بَابُ آمْرِ النَّبِيِّ عَلِي ٓ النَّذِي لاَيْتِمْ رُكُنْعَهُ بِالْإِعَادَةِ

৫১৬. অনুচ্ছেদ ঃ যে ব্যক্তি সঠিক রুক্' করেনি তাকে পুণরায় সালাত আদায়ের জন্য নবী

٧٥٧ حَدُّثَنَا مُسَدِّدٌ قَالَ اَخْبَرَنِي يَحْيِى بُنُ سَعْيِدٍ عَنْ عُبَيْدِ اللهِ قَالَ حَدَّثَنَا سَعَيْدُ الْمَقْبُرِيُّ عَنْ اَبِيهِ عَنْ اَبِيهِ عَنْ اللهِ عَالَ النَّبِيُّ عَلَيْكُ لَمْ النَّبِيُّ عَلَيْكُ لَمْ النَّبِيُّ عَلَيْكُ لَمْ النَّبِيُّ عَلَيْكُ فَقَالَ ارْجِعْ فَصَلِّ فَانِكُ لَمْ تُصلِّ قَالَ ارْجِعْ فَصلِّ فَانِكُ لَمْ تُصلِّ قَالَ الْجَعْ فَقَالَ ارْجِعْ فَصلِ فَانِكُ لَمْ تُصلِ قَالَ الْجَعْ فَقَالَ الْجَعْ فَقَالَ الْجَعْ فَقَالَ الْجَعْ فَصَلِ فَانِكُ لَمْ تُصلِ قَالَ الْجَعْ فَقَالَ الْجَعْ فَصَلِ فَانِكُ لَمْ تُصلِ قَالَ الْفَقَالَ وَاللّهُ فَقَالَ الْجَعْ فَصَلُ فَاللّهُ وَاللّهُ وَلَا اللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَلَا اللّهُ وَلّهُ مَا اللّهُ وَاللّهُ وَلَا اللّهُ وَلَاللّهُ وَلَا اللّهُ وَلَا اللّهُ وَلَا اللّهُ وَلَا اللّهُ وَلَاللّهُ وَلَا اللّهُ وَلَا اللّهُ وَلَا اللّهُ وَلَا اللّهُ وَلَا اللّهُ وَلَا اللّهُ وَاللّهُ الللّهُ وَلَا اللّهُ وَاللّهُ وَ

বিশ্বে মুসাদাদ (র.)......আবৃ হুরায়রা (রা.) থেকে বর্ণিত, একসময়ে নবী ক্রিট্রে মসজিদে তাশরীফ আনলেন, তখন এক ব্যক্তি মসজিদে প্রবেশ করে সালাত আদায় করলো। তারপর সে নবী ক্রিট্রে .
-কে সালাম করলো। নবী ক্রিট্রে তার সালামের জবাব দিয়ে বললেন ঃ তুমি ফিরে গিয়ে সালাত আদায় কর, কেননা, তুমি সালাত আদায় করনি। লোকটি আবার সালাত আদায় করল এবং পুনরায় এসে নবী ক্রিট্রে -কে সালাম দিল। তিনি বললেন ঃ আবার গিয়ে সালাত আদায় কর, কেননা, তুমি সালাত আদায় করনি। এভাবে তিনবার ঘটনার পূনরাবৃত্তি। তারপর লোকটি বলল, সে মহান সত্তার শপথ ! যিনি আপনাকে সত্যসহ প্রেরণ করেছেন, আমি এর চেয়ে সুন্দর সালাত আদায় করতে জানিনা। কাজেই, আপনি আমাকে শিখিয়ে দিন। তখন তিনি বললেন ঃ যখন তুমি সালাতে দাঁড়াবে, তখন তাক্বীর

বলবে। তারপর কুরআন থেকে যতটুকু তোমার পক্ষে সহজ ততটুকু পড়বে। এরপর রুকু তৈ যাবে এবং ধীরস্থিরভাবে রুকু আদায় করবে। তারপর রুকু থেকে উঠে সোজা হয়ে দাঁড়াবে। ধীরস্থিরভাবে সিজ্দা করবে। এরপর সিজ্দা থেকে উঠে স্থিরভাবে বসবে এবং পুনরায় সিজ্দায় গিয়ে স্থিরভাবে সিজ্দা করবে। তারপর পূর্ণ সালাত এভাবে আ্দায় করবে।

## ١٤ ٥، بَابُ الدُّعَاءِ فِي الرَّكُوْعِ

#### ৫১৪. অনুচ্ছেদঃ রুকৃ'তে দু'আ।

٧٥٨ حَدَّثَنَا حَفْصُ بُنُ عُمَرَ قَالَ حَدَّثَنَا شُعْبَةُ عَنْ مَنْصُور عِنْ آبِي الضَّحٰي عَنْ مَسْرُوق عِنْ عَائِشَة رَضِي اللهُ عَنْهَا قَالَتْ كَانَ النَّبِيُ يَعُولُ فِي رُكُوعِهِ وَسُجُودِهِ سُبُحَانَكَ اَللَّهُمُّ رَبَّنَا وَبِحَمْدِكَ اَللَّهُمُّ رَبِّنَا وَبِحَمْدِكَ اللهُمُ اللهُ اللهُمُ اللهُمُ

৭৫৮ হাফ্স ইব্ন উমর (র.)....আয়িশা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী ক্রিকুর্কুরুক্ ও সিজ্দায় এ দু'আ পড়তেন ' سَبُحَانَكَ اللَّهُمُّ رَبُنَا وَبِحَمُّدِكَ اللَّهُمُّ اغْفَرُلِيُّ ' হে আমাদের রব আল্লাহ্! আপনার পবিত্রতা বর্ণনা করছি এবং আপনার প্রশংসা করছি। হে আল্লাহ্! আপনি আমাকে ক্ষমা করে দিন।

## ١٥ ٥ ، بَابُ مَا يَقُولُ الْإِمَامُ وَمَنْ خَلْفَهُ إِذَا رَفَعَ رَأْسَهُ مِنَ الرُّكُوعِ

পি আদম (র.)...আবৃ হুরায়রা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী ক্রিমারী খন ، سَمِعَ اللّهُ لِمَنْ حَمِدُهُ विल (क्रक्' থেকে উঠতেন) তখন 'اللّهُ رَبَّنَا وَاللّهُ رَبَّنَا وَاللّهُ الْكُمْ رَبَّنَا وَاللّهُ الْكُمْ رَبَّنَا وَاللّهُ الْكُمْ وَبَاللّهُ اللّهُ اللّهُ الْكُمْ وَاللّهُ اللّهُ الْكُمْ وَاللّهُ اللّهُ الْكُورُ اللّهُ الْكُورُ وَاللّهُ اللّهُ الْكُورُ وَاللّهُ اللّهُ الْكُورُ اللّهُ الْكُورُ وَاللّهُ اللّهُ الْكُورُ وَاللّهُ اللّهُ الْكُورُ وَاللّهُ الْكُورُ وَاللّهُ الْكُورُ وَاللّهُ اللّهُ الْكُورُ وَاللّهُ اللّهُ الْكُورُ وَاللّهُ اللّهُ الْكُورُ وَاللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الْكُورُ وَاللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللللّهُ اللّهُ اللللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللللّهُ الللللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ الل

## ١٦٥، بَابُ فَضُلِ ٱللَّهُمُّ رَبُّنَا وَلَكَ الْحَمْدُ.

৫১৬, অনুচ্ছেদ ঃ 'আল্লাভ্মা রাব্ধানা ওয়া লাকাল হাম্দ' – এর ফ্যীলত।

٧٦٠ حَدَّثَنَا عَبْدُ اللهِ بَنُ يُوسَفُ قَالَ اَخْبَرَنَا مَالِكُ عَنْ سَمَى عَنْ اَبِى صَالِحٍ عَنْ أَبِى هُرَيْرَةَ رَضِي اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ أَبِى صَالِحٍ عَنْ أَبِى هُرَيْرَةَ رَضِي اللهُ عَنْ عَنْ اللهُ عَنْ رَبِّنَا وَلَكَ الْحَمْدُ، فَانِّهُ مَنْ عَنْ اللهُ لِمَنْ حَمِدَهُ قَالَ اللهُ عَنْ اللهُ عَلْمُ اللهُ عَنْ اللهُ عَلَيْكُ اللهُ عَنْ اللهِ عَنْ اللهُ عَلَا اللهُ عَلَا اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَلَا اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَلَا اللهُ عَلَيْكُ اللهُ عَنْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَا اللهُ عَلَا اللهُ عَنْ اللهُ عَلَا اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَا اللهُ اللهُ عَلَا اللهُ عَلَا اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُو

প্রত আবদুল্লাহ্ ইব্ন ইউসুফ (র.).....আবূ হুরায়রা (রা.) থেকে বর্ণিত যে, রাসূলুল্লাহ্ ক্রিল্লাই বলেছেন, ঃ ইমাম যখন ' سَمَعَ اللَّهُ لِمَنْ حَمِدَ ' مَا اللَّهُ لِمَنْ حَمِدَ ' اللَّهُ لِمَنْ حَمِدَ ' اللَّهُ الْمَنْ حَمِدَ ' اللَّهُ الْمَنْ حَمِدَ ' مَاللَّهُ اللَّهُ الْمَنْ حَمِدَ ' مَا اللَّهُ الْمَنْ حَمِدَ ' مَاللَّهُ اللَّهُ الللَّهُ اللَّهُ الللللَّا الللللَّا اللّهُ اللّهُ الللّهُ الللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ ال

#### ١٧ه. بَابُ

#### ৫১৭. অনুচ্ছেদ

٧٦١ حَدَّثَنَا مُعَاذُ بْنُ فَضَالَةَ قَالَ حَدَّثَنَا هِشَامُ عَنْ يَحْسِي عَنْ أَبِي سَلَمَةَ عَنْ أَبِي هُريْرَةَ قَالَ لِأُقَرِبَنَّ صَلَاةَ النَّبِيِ عَلَيْكُ فَكَانَ أَبُو هُريْرَةَ رَضِي اللَّهُ عَنْهُ يَقْنُتُ فِي رَكَعَةِ الْأُخْسِلِي مِنْ صَلَاةِ الظُّهْرِ وَصَلَاةِ الْعَلْمَاءِ وَصَلَاةً الْعَبْرَ عَلَيْ اللَّهُ اللَّهُ لَمَنْ حَمِدَهُ فَيَدْعُوا الْمُؤْمِنِيْنَ وَيَلَّعَنُ الْكُفَّارَ . الْعِشَاءِ وَصَلَاةَ الصَبْحَ بَعْدَ مَا يَقُولُ سَمِعَ اللَّهُ لَمَنْ حَمِدَهُ فَيَدْعُوا الْمُؤْمِنِيْنَ وَيَلْعَنُ الْكُفَّارَ .

বঙ্ঠ মু'আয ইব্ন ফাযালা (র.).....আবূ হুরায়রা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আমি অবশ্যই নবী ক্রিট্রেড্রিএর সালাতের ন্যায় সালাত আদায় করব। আবূ হুরায়রা (রা.) যুহর, ইশা ও ফজরের সালাতের শেষ রাকাআতে 'مَمَعَ اللهُ لِمَنْ حَمَدَ ' مَصَعَ اللهُ لِمَنْ حَمَدَ ' مَعَ اللهُ لِمَنْ حَمَدَ ' مَعَ اللهُ لمَنْ حَمَدَ ' مَعَ اللهُ ا

٧٦٢ حَدَّثَنَا عَبْدُ اللهِ بَنُ ابِي الْاَسُودِ قَالَ حَدَّثَنَا السَّمْعِيلُ عَنْ خَالِدٍ الْحَذَّاءِ عَنْ اَبِي قِلاَبَةَ عَنْ اَنسٍ رَضَى اللهُ عَنْهُ قَالَ كَانَ الْقُنُوتُ فَى الْمَغْرِبِ وَالْفَجْرِ .

বি৬২ আবদুল্লাহ্ ইব্ন আবুল আসওয়াদ (র.).....আনাস (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, (রাসূলুল্লাহ্ ক্রিট্রের নালাতে পড়া হত।

٧٦٣ حَدَّثَنَا عَبْدُ اللَّهِ بْنُ مَسْلَمَةَ عَنْ مَالِكِ عَنْ نُعَيْمٍ بْنِ عَبْدِ اللَّهِ الْمُجْمِرِ عَنْ عَلِيٍّ بْنِ يَحْيِى ابْنِ خَلاَّدٍ النَّبِيِّ عَنْ اللَّهِ الْمُجْمِرِ عَنْ عَلِيَّ بْنِ رَافِعِ الزُّرَقِيِ قَالَ كُنَّا يَوْمًا نُصَلِّي وَرَاءَ النَّبِيِ عَنْ إِنَّا فَلَمَّا رَفَعَ رَأْسَهُ مِنَ الزُّرَقِيِ قَالَ رَجُلُ وَرَأَهُ رَبُّنَا وَلَكَ الْحَمَّدُ حَمْدًا كَثِيْرًا طَيِّبًا مُبَارَكًا فِيْهِ فَلَمَّا الْرَكْعَةِ قَالَ سَمِعَ اللَّهُ لِمِنْ حَمِدَهُ قَالَ رَجُلُ وَرَأَهُ رَبُّنَا وَلَكَ الْحَمَّدُ حَمْدًا كَثِيْرًا طَيِّبًا مُبَارَكًا فِيْهِ فَلَمَّا الْرَكْعَةِ قَالَ سَمِعَ اللَّهُ لِمِنْ حَمِدَهُ قَالَ رَجُلُ وَرَأَهُ رَبُنَا وَلَكَ الْحَمَّدُ حَمْدًا كَثِيْرًا طَيِّبًا مُبَارَكًا فِيْهِ فَلَمَّا الْرَكْعَةِ قَالَ مَنِ الْمُتَكَلِّمُ قَالَ انَا قَالَ رَأَيْتُ بِضَعَةً وَتَلَاثِيْنَ مَلَكًا يَبُتِدِرُونَهَا ايَّهُمْ يَكُتُبُهَا اوَّلُ .

প্রতি আবদুল্লাহ্ ইব্ন মাসলামা (র.).....রিফা'আ ইব্ন রাফি' যুরাকী (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, একবার আমরা নবী المَمْ اللهُ الْكُمْدُ حَمْدًا كَثْيِرًا وَالْكَا الْكَمْدُ حَمْدًا كَثْيِرًا وَالْكَا الْكَمْدُ حَمْدًا كَثْيِرًا وَالْكَا الْكَا الْكَالِي الْكَا الْكَالِي الْكَالِي الْكَالِي اللّهُ الْكَالِي اللّهُ الْكَالِي اللّهُ الْكَالِي اللّهُ الْكَالِي اللّهُ ال

## ١٨٥. بَابُ أَطْمَأْنِيْنَةِ حِيْنَ يَرْفَعُ رَأْسَهُ مِنَ الرَّكُوعِ ، وَقَالَ أَ بُوْحُمَيْدِ رَفَعَ النّبِي عَلِي وَاسْتُولى جَالِسًا حَتَى يَعُودُ كُلُّ فَقَارِ مَكَانَهُ

৫১৮. অনুচ্ছেদ ঃ রুকু' থেকে মাথা উঠানোর পর স্থির হওয়া। আবূ হুমাইদ (র.) বর্ণনা করেন, নবী ক্রিট্রে উঠে এমনভাবে সোজা হয়ে দাঁড়াতেন যে, মেরুদন্ডের হাড় যথাস্থানে ফিরে আসতো।

٧٦٤ حَدَّثَنَا اَبُو الْوَلِيدِ قَالَ حَدَّثَنَا شُعْبَةً عَنْ ثَابِتِ قَالَ كَانَ انسُ يَنْعَتُ لَنَا صَلَاةَ النَّبِيِّ فَكَانَ عَلَى اللهُ عَدُّ فَكَانَ عَدُّ اللهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَ

৭৬৪ আবুল ওয়ালীদ (র.).....সাবিত (র.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আনাস ইব্ন মালিক (রা.) আমাদেরকে নবী ক্রিল্ট্র-এর সালাতের বর্ণনা দিলেন। তারপর তিনি সালাত আদায় করে দেখালেন। তিনি যখন রুক্ থেকে মাথা উঠাতেন, তখন (এতক্ষণ) দাঁড়িয়ে রইলেন যে, আমরা মনে করলাম, তিনি (সিজ্দার কথা) ভূলে গেছেন।

٧٦٥ حَدَّثَنَا أَبُو الْوَلِيْدِ قَالَ حَدَّثَنَا شُعْبَةً عَنِ الْحَكَمِ عَنِ ابْنِ لَيْلَى عَنِ الْبَرَاءِ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهُ قَالَ كَانَ رُكُوعُ النَّبِيِّ عَلِيْ الْبَرَاءِ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهُ قَالَ كَانَ رُكُوعُ النَّبِيِّ عَلِيْ وَسُجُودُهُ ، وَاذَا رَفَعَ رَأْسَهُ مِنَ الرَّكُوعِ وَبَيْنَ السَّجُدَتَيْنَ قَرِيْبًا مِنَ السَّوَاء ،

৭৬৫ আবুল ওয়ালীদ (র.)....বারাআ (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী ক্রিন্ট্র এর রুক্ ও সিজ্দা এবং তিনি যখন রুক্ থেকে মাথা উঠাতেন, এবং দু সিজ্দার মধ্যবর্তী সময় সবই প্রায় সমান হত।

٧٦٦ حَدَّثَنَا سَلَيْمَانُ بُنُ حَرْبٍ قَالَ حَدَّثَنَا حَمَّادُ بُنُ زَيْدٌ عَنْ اَيُّوبٌ عَنْ اَبِي قِلاَبة قَالَ كَانَ مَالِكُ بُنُ الْحُويَرِثِ يُرِيْنَا كَيْفَ كَانَ صَلاَةُ النَّبِي عَلَيْهِ ذَاكَ فِي غَيْرِ وَقْتِ صَلاَةٍ فَقَامَ فَامْكُنَ الْقِيَامَ ثُمَّ رَكَعَ فَامْكُنَ الْقِيَامَ ثُمَّ رَكُعَ فَامْكُنَ الْقِيَامَ ثُمَّ رَكَعَ فَامْكُنَ الْقِيَامَ ثُمَّ رَفَعَ رَأُسَهُ فَانْصَبَ هُنَيَّةً قَالَ فَصَلَلْى بِنَا صَلاَةَ شَيَحْنِا هُذَا اَبِي بُرِيْدٍ وَكَانَ اَبُوْ بُرِيْدٍ إِذَا رَفَعَ رَأُسَهُ مِنَ السَّجُدَةِ الْاَخْرَةِ السَّتَولَى قَائِدًا ثُمَّ نَهَضَ •

৭৬৬ সুলাইমান ইব্ন হারব (র.)......আবৃ কিলাবা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, মালিক ইব্ন হওয়াইরিস (রা.) নবী ক্রুল্লি -এর সালাত কেমন ছিল তা আমাদের দেখালেন। তারপর রুক্'তে গেলেন এবং ধীরস্থিরভাবে রুক্' আদায় করলেন; তারপর তার মাথা উঠালেন এবং কিছুক্ষণ সোজা হয়ে দাঁড়িয়ে থাকলেন। তারপর তিনি আমাদের নিয়ে আমাদের এই শায়খ আবৃ বুরাইদ (র.)-এর ন্যায় সালাত আদায় করলেন। আর আবৃ বুরাইদ (র.) দিতীয় সিজ্দা থেকে মাথা উঠিয়ে সোজা হয়ে বসতেন, তারপর দাঁড়াতেন।

## ٥٢٠، بَابُ يَهُ وِي بِالتَّكْبِيرِ حِيْنَ يَسْجُدُ ، وَقَالَ نَافِعُ كَانَ ابْنُ عُمَرَ يَضْعُ يَدَيْ فَبْلَ رُكْبَتَيهِ

৫২০. অনুচ্ছেদ ঃ সিজ্দায় যাওয়ার সময় তাক্বীর বলতে বলতে নত হওয়া। নাফি' (র.) বলেন, ইব্ন উমর (রা.) সিজ্দায় যাওয়ার সময় হাঁটু রাখার আগে হাত রাখতেন।

٧٦٧ حَدُّثُنَا اَبُو الْيَمَانِ قَالَ حَدَّثَنَا شُعُيْبُ عَنِ الزُّهْرِيِ قَالَ اَخْبَرَنِي اَبُوْ بَكُرِ بُنُ عَبْدِ الرَّحُمْنِ اَنَّ آبَا أَبِي هُرَيْرَةَ كَانَ يُكْبِّرُ فِي كُلِّ صَلَاةٍ مِنَ الْمَكْتُوبُةِ وَغَيْرِهَا فِي رَمَضَانَ وَغَيْرِهِ فَيُكْبِرُ حَيْنَ يَقُومُ ثُمَّ يُكْبِرُ حَيْنَ يَرْكَعُ ثُمَّ يَقُولُ سَمِعَ اللَّهُ لِمَنْ حَمِدَهُ ثُمَّ يَقُولُ اللَّهُ الْكَبَرُ حَيْنَ يَهُويُ سَاجِدًا ثُمَّ يُكَبِّرُ حَيْنَ يَرْفَعُ رَأْسَهُ مِنَ السَّجُودُ ثُمَّ يُكَبِّرُ حَيْنَ يَوْفَعُ رَأْسَهُ مِنَ السَّجُودُ ثُمَّ يُكَبِّرُ حَيْنَ يَقُومُ مِنَ الْجُلُوسِ فَي الْاَئْتَةَ بُنَ وَيَقُعلُ ذَالِكَ فِي كُلِّ رَكْنَةٍ حَتَّى يَقُرَعُ مِنَ الصَلْلَةِ، ثُمَّ يَقُولُ حَيْنَ يَنْصَرِفُ وَالذِي نَقُومُ مِنَ الْجُلُوسِ فِي الْائْتَتَيْنُ وَيَقُعلُ ذَالِكَ فِي كُلِّ رَكْنَةٍ حَتَّى يَقُرَعُ مِنَ الصَلْلَةِ، ثُمَّ يَقُولُ حَيْنَ يَنْصَرِفُ وَالذِي نَقُسِي بَيْدِهِ لَي لاَتُسَبِّرُ وَيَقَعلُ ذَالِكَ فِي كُلِّ رَكْنَةٍ حَتَّى يَقُرَعُ مِنَ الصَلْلَةِ، ثُمَّ يَقُولُ حَيْنَ يَنْصَرِفُ وَالذِي نَقُسِي بَيْدِهِ مُ يَلِينَ اللَّهُ عَنْ الْمُؤْمُ وَلَى اللَّهُ عَنْ الْمَلْدَةِ وَسَلَونَ اللَّهُ عَنْ وَكَانَ رَسُولُ اللَّهُ عَنْ الْمَالِدَةُ وَلَي مَنْ الْمُؤْمُ وَلَيْكُ اللَّهُ عَنْ الْمُعْمَ وَلَى اللَّهُ عَنْ وَعَلَى اللَّهُ عَلَى مُضَرَ وَاجْعَلْهُا عَلَيْكُ وَسَلَمَةً بُنَ هِشَامٍ وَعَيَّاسَ بُنَ الْهُ لَنَى الْمُعْ الْمُعْ الْمُعْلَى مُضَرَ وَاجْعَلُها عَلَيْهُمْ سَنِيْنَ كَسَنِي يُوسُفُ وَالْمَالُونَ لَهُ مُ الْمُسْتَوْمُ وَلَا الْمُعْمَ وَالْمَسُونَ وَلَوْمَ لَهُ مُ الْمُسْتَوْمُ وَمُعْمَ وَلَا لَاللَهُ عَلَى مُضَرَ وَاجْعَلْهَا عَلَيْهُمْ سَنِيْنَ كَسَنِي يُوسُفُ وَالْمُكُلِقُ مَنْ مُ مُضَرَ وَاجْعَلُهُمْ الْمُعْ الْمُعْمَ الْمُؤْنَ لَهُ الْمُونَ لَهُ الْمُعْمَ وَالْمُعُونَ لَهُ الْمُعْمَلِولَ اللَّهُ عَلَى مُضَرَ وَاجْعَلُهُا عَلَيْهُمْ اللَّهُ عَنْ مُسَلِي اللَّهُ عَلَى مُضَرَ وَاجْعَلُهُمْ عَلَى مُضَرَ وَاجْعَلَهُمُ عَلَيْ اللَّهُمْ الْمُعْمَلُونَ لَكُ اللَّهُ عَلَى مُضَرَ وَاجْعَلَهُمْ عَلَى مُصَلِّ وَالْمُعْ الْمُعْمَ مُنَالِقُونَ لَكُ مُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى مُسَلِمَ وَالْمُونَ اللَّهُ عَلَ

বিঙ্

আবুল ইয়ামান (র.)......আবু বক্র ইব্ন আবদুর রাহমান (র.) ও আবু সালামা ইব্ন আবদুর রহমান (র.) থেকে বর্ণিত যে, আবু হুরায়রা (রা.) রামাযান মাসের সালাত বা অন্য কোন সময়ের সালাত ফর্য হোক বা অন্য কোন সালাত হোক, দাঁড়িয়ে তক্ব করার সময় তাক্বীর বলতেন, আবার কুক্ তৈ যাওয়ার সময় তাক্বীর বলতেন। তারপর (কুক্ থেকে উঠার সময়) ' سَمَعَ السَلَهُ لِمَنْ حَمَدَهُ ' سَمَعَ السَلَهُ لِمَنْ حَمَدَهُ ' مَتَا وَلَا الْحَمْدُ ' مُنَا وَلَا الْحَمْدُ ' مُتَا وَلَا الْحَمْدُ ' وَلَا وَلَا الْحَمْدُ ' وَلَا الْحَمْدُ ' وَلَا وَلَا وَلَا الْحَمْدُ ' وَلَا وَلَا وَلَا وَلَا الْحَمْدُ ' وَلَا وَلَا الْحَمْدُ ' وَلَا وَلَا الْحَمْدُ ' وَلَا وَلَا الْحَمْدُ الْحَمْدُ وَلَا الْحَمْدُ أَلَا وَلَا الْحَمْدُ الْحَمْدُ وَلَا الْحَمْدُ الْحَمْدُ وَلَا الْحَمْدُ وَلَا الْحَمْدُ الْحَمْدُ وَلَا الْحَمْدُ وَالْحُمْدُ وَالْمُ الْح

٧٦٨ حَدَّثَنَا عَلِيُّ بَنُ عَبَدُ اللهِ قَالَ حَدَّثَنَا سَفْيَانُ غَيْرَ مَرَّةٍ عَنِ الزُّهْرِيِّ قَلَ سَمِعْتُ اَنَسَ بَنْ مَالِكِ يَقُولُ سَعَقَطُ رَسُولُ اللهِ عَلَيْ اللهُ اللهُ

প্রভালী ইব্ন আবদুল্লাহ্ (র.)......আনাস ইব্ন মালিক (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, একবার রাস্লুলাহ্ ক্রিট্রা ঘোড়া থেকে পড়ে যান। কোন কোন সময় সুফিয়ান (র.) হাদীস বর্ণনা করার সময় 'শব্দের স্থলে 'من فرس 'শব্দ বলতেন। ফলে তাঁর ডান পাঁজর আহত হয়ে পড়ে। আমরা তাঁর ত্র্যো করার জন্য সেখানে গেলাম। এ সময় সালাতের ওয়াক্ত হল। তিনি আমাদের নিয়ে বসে সালাত আদায় করলেন, আমরাও বসেই আদায় করলাম। সুফিয়ান (র.) আর একবার বলেছেন, আমরা বসে সালাত আদায় করলাম। সালাতের পর নবী ক্রিট্রেই বললেন ঃ ইমাম নির্ধারণ করা হয় তাঁকে ইক্তিদা করার জন্য। তিনি যখন তাক্বীর বলেন, তখন তোমরাও তাক্বীর বলবে, তিনি যখন রুক্' করেন তখন তোমরাও রুক্ ক্' করবে। তিনি যখন রুক্' থেকে উঠেন তখন তোমরাও উঠবে, তিনি যখন ' سَمَعَ اللهُ لِمَنْ ' করিব। তিনি যখন রুক্' থেকে উঠেন তখন তোমরাও উঠবে, তিনি যখন '

করবে। সুফিয়ান (র.) বলেন, মামারও কি এরপ বর্ণনা করেছেন? (আলী (র.) বলেন) আমি বললাম, ই্যা। সুফিয়ান (র.) বলেন, মামারও কি এরপ বর্ণনা করেছেন? (আলী (র.) বলেন) আমি বললাম, ই্যা। সুফিয়ান (র.) বলেন, তিনি ঠিকই স্মরণ রেখেছেন, এরপই যুহরী (র.) رك المعلى বর্ণনা করেছেন। সুফিয়ান (র.) বলেন, (যুহরীর কাছ থেকে) ডান পাঁজর যখম হওয়ার কথা মুখস্থ করেছিলাম। কিন্তু যখন তাঁর কাছ থেকে বেরিয়ে আসলাম, তখন ইব্ন জুরায়জ (র.) বললেন, আমিও তাঁর কাছে ছিলাম। (তিনি বলেছেন,) নবী

## ٥٢٥. بَابُ فَضْلِ السَّجْنَدِ

৫২০. অনুচ্ছেদ ঃ সিজ্দার ফযীলত।

٧٦٩ حَدَّثَنَا اَبُو الْيَمَانِ قَالَ اَخْبَرَنَا شُعَيْبُ عَنِ الزُّهْرِيِّ قَالَ اَخْبَرَنِي سَعِيْدُ بْنُ الْمُستيّب وَعَطَاءُ بْنُ يَزِيْدَ اللَّيثِيُّ أَنَّ ابَا هُرَيْرَةَ اَخْبَرَهُمَا أَنَّ النَّاسَ قَالُوا يَارَسُولَ اللهِ عَلِيَّ هَلَ نَرَى رَبَّنَا يَوْمَ الْقِيَامَةِ قَالَ هَلْ تُمَارُونَ فِي الْقَمَرِ لَيْلَةَ الْبَدْرِ لَيْسَ دُونَهُ سَحَابٌ قَالُوا لاَ يَارَسُولَ اللهِ عَلَيْتُهُ قَالَ فَهَلْ تُمَارُونَ فِي الشَّمْسِ لَيْسَ دُوْنَهَا سَحَابُ قَالُوا لاَ قَالَ فَانَّكُمْ تَرَوْنَهُ كَذَٰلِكَ يُحْشَرُ النَّاسُ يَوْمَ الْقِيَامَةِ فَيَقُولُ مَنْ كَانَ يَعْبُدُ شَيْئًا فَليَتَّبِعُ الشَّمْسَ وَمِنْهُمْ مَنْ يَتَّبِعُ الْقَمَرَ وَمِنْهُمْ مَنْ يَتَّبِعُ الطَّوَاغِيْتَ وَتَبْقَىٰ هٰذِهِ الْأُمَّةُ فِيمَا مُنَافِقُوْهَا فَيَأْتِيهُمْ اللَّهُ فَيَقُولُ انَا رَبُّكُمْ ، فَيَقُولُونَ هٰذَا مَكَانُنَا حَتَّى يَأْتَيْنَا رَبُّنَا، فَاذَا جَاءَ رَبُّنَا عَرَفْنَاهُ فَيَأْتِيْهِمُ اللَّهُ فَيَقُولُ انَا رَبُّكُمْ فَيَقُولُونَ انْتَ رَبُّنَا فَيَدْعُوهُمْ فَيُضَرّبُ الصِّرَاطُ بَيْنَ ظَهْ رَانَى جَهَنَّمَ فَأَكُونُ أَوَّلَ مَنْ يَجُوزُ مِنَ الرُّسلُ بِأُمَّتِهِ وَلاَ يَتَكَلَّمُ يَوْمَئِذِ آحَدُ الاَّ الرُّسلُ وَكَلاَمُ الرُّسلُ يَوْمَئِذِ ٱللَّهُمَّ سَلِّمْ وَفِي جَهَنَّمَ كَلاَّلَيْبُ مَثِلُ شَوُّكِ السِّعْدَانِ هَلْ رَأَيْتُمْ شَوْكَ السَّعْدَانِ قَالُوا نَعَمْ قَالَ فَانَّهَا مِثِّلُ شَوْكِ السِّعْدَانِ غَيْرَ أَنَّهُ لاَ يَعْلَمُ قَدْرَ عِظْمِهَا اللَّهُ اللَّهُ تَخْطَفُ النَّاسَ بِأَعْمَالِهِمْ فَمِنْهُمْ مَنْ يُوْبَقُ بِعَمَلِهِ وَمِنْهُمْ مَنْ يُخْرَدَلُ ثُمَّ يَنْجُوْ حَتَّى إِذَا أَرَادَ اللَّهُ رَحْهَمَةَ مَنْ اَرَادَ مِنْ اَهْلِ النَّارِ أَمَرَ اللَّهُ الْمَلائِكَةَ اَنْ يُخْرِجُواْ مَنْ كَانَ يَعْبُدُ اللَّهَ فَيُخْرِجُونَهُمْ وَيَعْرِفُونَهُمْ بِأَثَارِ السُّجُودِ وَحَرَّمَ اللَّهُ عَلَى النَّارِ أَنْ تَأْكُلَ آثَرَ السُّجُودِ فَيَخْرُجُونَ مِنَ النَّارِ فَكُلُّ ابْنِ أَدَمَ تَأْكُلُهُ النَّارُ الاَّ أَثَرَ السُّجُودِ فَيَخْـرُجُونَ مِنَ النَّارِ قَدِ امْـتَحَشُوا فَيُصنَبُّ عَلَيْـهِمْ مَاءُ الْحَيَاةِ فَيَنْبُتُونَ كَمَا تَنْبُتُ الْحِبَّةُ فِي حَمْيِلِ السَّيْلِ ، ثُمَّ يَفْرُغُ اللَّهُ مِنَ الْقَضَاءِ بَيْنَ الْعِبَادِ، وَيَبْقَى رَجُلُ بَيْنَ الْجَنَّةِ وَالنَّارِ، وَهُوَ

أُخَرُ اَهُلِ النَّارِ دُخُولًا الْجَنَّةَ مُقْبِلاً بِوَجْهِهِ قَبِلَ النَّارِ، فَيَقُولُ يَا رَبِّ اصْرِفْ وَجُهِي عَنِ النَّارِ قَدُّ قَشَبَنِي ۖ رِيْحُهَا وَاحْسَرَقَنِيْ ذَكَاؤُهَا ، فَيَقُولُ هَلُ عَسَيْتَ انْ فَعِلَ ذَالِكَ بِكَ أَنْ تَسْسَأَلَ غَيْسَرَ ذَالِكَ فَيَقُولُ لاَ وَعِزْتَكِ فَيُعْطِي اللَّهُ مَا يَشَاءُ مِنْ عَهْدِ وَمِيْثَاقِ فَيَصْرِفُ اللَّهُ وَجُهَهُ عَنِ النَّارِ فَاذَا اَقْبَلَ بِهِ عَلَى الْجَنَّةِ رَأَى بَهْجَتَهَا سكَتَ مَاشَاءَ اللَّهُ أَنْ يَسُكُتَ ثُمُّ قَالَ يَا رَبِّ قَدِّمْنِي عَنْدَ بَابِ الْجَنَّةِ فَيَقُولُ اللَّهُ لَهُ الَيْسَ قَدْ اَعْطَيْتَ الْعَهُودَ وَالْمِيْنَاقَ أَنْ لاَ تَسَالُ غَيْرَ الَّذِي كُنْتَ سَالْتَ فَيَقُولُ يَارَبِّ لاَ أَكُونُ أَشْقَى خَلْقِكَ فَيَقُولُ فَمَا عَسَيْتَ اِنْ اُعْطِيْتَ ذَالِكَ اَنْ لاَ تَسْأَلَ غَيْرَهُ فَيَقُولُ لاَ وَعِزْتِكَ لاَ اَسْأَلُ غَيْرَ ذَالِكَ فَيُعْطِى رَبُّهُ مَاشَاءَ مِنْ عَهْدٍ وَمِيْتَاقٍ فَيُقَدِّمُهُ إِلَىٰ بَابِ الْجَنَّةِ فَاذِا بِلَغَ بَابِهَا فَرَأَى زَهْرَتَهَا وَمَا فِيْهَا مِنَ النَّضُرَةِ وَالسُّرُورِ ، فَيَسُكُتُ مَاشَاءَ اللَّهُ أَنْ يَسْكُتَ ، فَيَقُولُ يَا رَبِّ اَدْخِلْنِي الْجَنَّةَ ، فَيَقُولُ اللَّهُ وَيَحْكَ يَا ابْنَ أَدَمَ مَا أَغْدَرَكَ الَيْسَ قَدْ أَعْطَيْتَ الْعَهْدَ وَالْمِيْثَاقَ أَنَّ لاَ تَسْأَلَ غَيْرَ الَّذِي أَعْطِيْتَ ، فَيَقُولُ يَا رَبِّ لاَ تَجْعَلْنِي ٱشْقَىٰ خَلْقِكَ ، فَيَضْحَكُ اللَّهُ عَزُّ وَجَلَّ مِنْهُ ، ثُمُّ يَأْذَنُ لَهُ فِي دُخُولِ الْجَنَّةِ فَيَقُولُ تَمَنَّ فَيَتَمَنَّى حَتَّى اِذَا انْقَطَعَ أُمُّنيَّتُهُ قَالَ اللَّهُ عَزَّوَجَلَّ زِدْ مِنْ كَذَا وَكَذَا أَقْسَلَ يُذَكِّرُهُ رَبَّهُ حَتَّى إِذَا انْتَهَتَّ بِهِ الْأَمَانِيُّ قَالَ اللَّهُ تَعَالَى لَكَ ذَالِكَ وَمُثِلَّهُ مَعَهُ قَالَ أَبُو سَعِيْدِ الْخُدْرِيُّ لَابِيُّ هُرَيْرَةَ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهُمَا إِنَّ رَسُولَ اللَّهِ عَلَيْهُ قَالَ قَالَ اللَّهُ لَكَ ذَالِكَ وَعَشَرَةُ اَمْثَالِهِ ، قَالَ اَبُو هُرَيْرَةَ لَمْ اَحْفَظُ مِنْ رَسُولِ اللَّهِ عَلَيْ اللَّهِ عَلَيْهِ اللَّهِ عَلَيْهُ اللَّهِ عَلَيْهُ اللَّهِ عَلَيْهُ اللَّهِ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهِ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَّهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ اللّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَالُهُ اللَّهُ عَلَيْكُوا اللَّهُ اللَّهُ عَلَالَا اللَّهُ عَلَالَا اللَّهُ عَلَالُولُولُولُولُولُولُهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ اللّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللّهُ اللّ ذَالِكَ لَكَ وَعَشَرَةُ اَمُّثَالِهِ •

বিদ্ধা আবুল ইয়ামান (র.)......আবৃ হুরায়রা (রা.) থেকে বর্ণিত যে, সাহাবীগণ নবী ক্রিট্রান্ট্র-কে জিজ্ঞাসা করলেন, ইয়া রাসূলাল্লাহ্ ! আমরা কি কিয়ামতের দিন আমাদের রবকে দেখতে পাব ! তিনি বললেনঃ মেঘমুক্ত পূর্ণিমার রাতের চাঁদকে দেখার ব্যাপারে তোমরা কি সন্দেহ পোষণ কর! তাঁরা বললেন, না ইয়া রাসূলাল্লাহ্ ! তিনি বললেন, মেঘমুক্ত আকাশে সূর্য দেখার ব্যাপারে কি তোমাদের কোন সন্দেহ আছে ! সবাই বললেন, না। তখন তিনি বললেনঃ নিঃসন্দেহে তোমরাও আল্লাহ্কে অনুরূপভাবে দেখতে পাবে। কিয়ামতের দিন সকল মানুষকে সমবেত করা হবে। তারপর আল্লাহ্ তা'আলা বলবেন, যে যার উপাসনা করত সে যেন তার অনুসরণ করে। তাই তাদের কেউ সূর্যের অনুসরণ করবে, কেউ চন্দ্রের অনুসরণ করবে, কেউ তাগুতের অনুসরণ করবে। আর অবশিষ্ট থাকবে শুধুমাত্র এ উন্মাহ্, তবে তাদের সাথে মুনাফিকরাও থাকবে। তাঁদের মাঝে এ সময় আল্লাহ্ তা'আলা শুভাগমন করবেন এবং বলবেনঃ "আমি তোমাদের রব।" তখন তারা বলবে, যতক্ষণ পর্যন্ত আমাদের রবের শুভাগমন না হবে, ততক্ষণ আমরা

এখানেই থাকব। আর তার যখন শুভাগমন হবে তখন আমরা অবশ্যই তাঁকে চিনতে পারব। তখন তাদের মাঝে মহান পরাক্রমশালী আল্লাহ্ তা'আলা ভভাগমন করবেন এবং বলবেন, 'আমি তোমাদের রব।" তারা বলবে, হাঁ, আপনিই আমাদের রব। আল্লাহ্ তা আলা তাদের ডাকবেন। আর জাহান্নামের উপর একটি সেতুপথ (পুলসিরাত) স্থাপন করা হবে। রাসূলগণের মধ্যে আমিই সবার আগে আমার উম্মাত নিয়ে এ পথ অতিক্রম করব। সেদিন রাসূলগণ ব্যতীত আর কেউ কথা বলবে না। আর রাসূল-গণের কথা হবে ঃ 'اَللَّهُمْ سَلَّمْ سَلَّمْ سَلَّمْ سَلَّمْ عَلَيْهُ اللَّهُمْ سَلَّمْ سَلَّمْ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ عَلَيْهِ عَلَيْهُ عَلَيْهِ عَلَيْهُ عَلَيْهِ عَلَا عَلَاهُ عَلَيْهِ عَلَاهِ عَلَا عَلَاهُ عَلَيْهِ عَلَيْكُ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ আর জাহান্নামে বাঁকা লোহার বহু শলাকা থাকবে; সেগুলো হবে সা'দান কাঁটার মতো। তোমরা কি সা'দান কাঁটা দেখেছ ? তারা বলবে, হাঁ, দেখেছি। তিনি বলবেন, সেগুলো দেখতে সা'দান> কাঁটার মতোই। তবে সেগুলো কত বড় হবে তা একমাত্র আল্লাহু ব্যতীত আর কেউ জানে না। সে কাঁটা লোকের আমল অনুযায়ী তাদের তড়িৎ গতিতে ধরবে। তাদের কিছু লোক ধ্বংস হবে আমলের কারণে। আর কারোর পায়ে যখম হবে, কিছু লোক কাঁটায় আক্রান্ত হবে, তারপর নাজাত পেয়ে যাবে। জাহানুামী-দের থেকে যাদের প্রতি আল্লাহ্ পাক রাহমত করতে ইচ্ছা করবেন, তাদের ব্যাপারে ফিরিশ্তাগণকে নির্দেশ দেবেন যে, যারা আল্লাহ্র ইবাদত করত, তাদের যেন জাহান্নাম থেকে বের করে আনা হয়। ফিরিশ্তাগণ তাদের বের করে আনবেন এবং সিজ্দার চিহ্ন দেখে তাঁরা তাদের চিনতে পারবেন। কেননা, আল্লাহ্ তা আলা জাহান্নামের জন্য সিজ্দার চিহ্নগুলো মিটিয়ে দেওয়া হারাম করে দিয়েছেন। ফলে তাদের জাহান্নাম থেকে বের করে আনা হবে। কাজেই সিজদার চিহ্ন ছাড়া আগুন বনী আদমের সব কিছুই গ্রাস করে ফেলবে। অবশেষে, তাদেরকে অঙ্গারে পরিণত অবস্থায় জাহানাম থেকে বের করা হবে। তাদের উপর 'আবে-হায়াত' ঢেলে দেওয়া হবে ফলে তারা স্রোতে বাহিত ফেনার উপর গজিয়ে উঠা উদ্ভিদের মণ্ড সঞ্জীবিত হয়ে উঠবে।এরপর আল্লাহ্ তা'আলা বান্দাদের বিচার কাজ সমাপ্ত করবেন। কিন্তু একজন লোক জান্নাত ও জাহান্নামের মাঝখানে থেকে যাবে। তার মুখমণ্ডল তখনও জাহান্নামের দিকে ফেরানো থাকবে। জাহান্নামবাসীদের মধ্যে জান্নাতে প্রবেশকারী সেই শেষ ব্যক্তি। সে তখন নিবেদন করবে, হে আমার রব! জাহান্নাম থেকে আমার চেহারা ফিরিয়ে দিন। এর দৃষিত হাওয়া আমাকে বিষিয়ে তুলছে, এর লেলিহান শিখা আমাকে যন্ত্রনা দিচ্ছে। তখন আল্লাহ্ তা আলা বলবেন, তোমার নিবেদন গ্রহণ করা হলে, তুমি এ ছাড়া আর কিছু চাইবে না ত ? সে বলবে, না, আপনার ইয্যতের শপথ! সে তার ইচ্ছামত আল্লাহ্ তা'আলাকে অঙ্গীকার ও প্রতিশ্রুতি দিবে। কাজেই আল্লাহ্ তা'আলা তার চেহারাকে জাহানামের দিক থেকে ফিরিয়ে দিবেন। এরপর সে যখন জানাতের দিকে মুখ ফিরাবে, তখন সে জান্নাতের অপরূপ সৌন্দর্য দেখতে পাবে। যতক্ষণ আল্লাহ্র ইচ্ছা সে চুপ করে থাকবে। তারপর সে বলবে, হে আমার রব! আপনি জান্নাতের দর্যার কাছে পৌছে দিন। তখন আল্লাহ্ তা'আলা তাকে বলবেন, তুমি পূর্বে যা চেয়েছিলে, তা ছাড়া আর কিছু চাইবে না বলে তুমি কি অঙ্গীকার ও প্রতিশ্রুতি দাওনি ? তখন সে বলবে, হে আমার রব! তোমার সৃষ্টির সবচাইতে হতভাগ্য আমি হতে চাই না। আল্লাহ্ তাতক্ষণিক বলবেন, তোমার এটি পুরন করা হলে তুমি এ ছাড়া কিছু চাইবে না তো ? সে বলবে না, আপনার ইযয্তের কসম! এছাড়া আমি আর কিছুই চাইব না। এ ব্যাপারে সে তার ইচ্ছানুযায়ী

সা'দান চতুর্পাশ্বে কাঁটা বিশিষ্ট এক প্রকার গাছ, মরু অঞ্চলে জনো, যার কাঁটাগুলো বাঁকা হয়ে থাকে। এগুলো উটের খাদ্য।

অঙ্গিকার ও প্রতিশ্রুতি দেবে। সে যখন জান্নাতের দরযায় পৌছবে তখন জান্নাতের অনাবিল সৌন্দর্য্য ও তার আভ্যন্তরীণ সুখ শান্তি ও আনন্দঘন পরিবেশ দেখতে পাবে। যতক্ষণ আল্লাহ্ তা'আলা ইচ্ছা করবেন, সে চুপ করে থাকবে। এরপর সে বলবে, হে আমার রব! আমাকে জান্নাতে প্রবেশ করিয়ে দাও! তখন পরাক্রমশালী মহান আল্লাহ্ বলবেন ঃ হে আদম সন্তান, কি আশ্রর্য! তুমি কত প্রতিশ্রুতি ভঙ্গকারী! তুমি কি আমার সঙ্গে অঙ্গিকার করনি এবং প্রতিশ্রুতি দাওনি যে, তোমাকে যা দেওয়া হয়েছে, তা ছাড়া আর কিছু চাইবে না । তথন সে বলবে, হে আমার রব! আপনার সৃষ্টির মধ্যে আমাকে সবচাইতে হতভাগ্য করবেন না। এতে আল্লাহ্ হেসে দেবেন। এরপর তাকে জান্নাতে প্রবেশের অনুমতি দিবেন এবং বলবেন, চাও। সে তখন চাইবে, এমন কি তার চাওয়ার আকাংখা ফুরিয়ে যাবে। তখন পরাক্রমশালী ম হান আল্লাহ্ বলবেন ঃ এটা চাও, ওটা চাও। এভাবে তার রব তাকে শ্ররণ করিয়ে দিতে থাকবেন। অবশেষে যখন তার আকাংখা শেষ হয়ে যাবে, তখন আল্লাহ্ তা আলা বলবেন ঃ এ সবই তোমার, এ সাথে আরো সমপরিমাণ (তোমাকে দেওয়া হল)। আবু সাঈদ খুদ্রী (রা.) আবু হুরায়রা (রা.)কে বললেন, রাসূলুল্লাহ্ তা আলা বলবেনঃ এ সবই তোমার বাং এর পথাটি শ্ররণ রেখেছি যে, এ সবই তোমার এবং এর সাথে সমপরিমাণ। আব্ সাঈদ (রা.) বললেন, আমি তাঁকে বলতে শুনেছি যে, এসবই তোমার এবং এর সাথে সমপরিমাণ। আব্ সাঈদ (রা.) বললেন, আমি তাঁকে বলতে শুনেছি যে, এসবই তোমার এবং এর সাথে সারও দশগুণ।

## ٢١ه، بَابُ يُبِدِي ضَبْهَيه ويُجَافِي فِي السَجْود

৫২১. অনুচ্ছেদঃ সিজ্দার সময় দু' বাহু পার্শ্ব দেশ থেকে পৃথক রাখা।

৭৭০ ইয়াহ্ইয়া ইব্ন ব্কাইর (র.).....আবদুল্লাহ্ ইব্ন মালিক (র.) যিনি ইব্ন বুহাইনা (রা.) তাঁর থেকে বর্ণিত, নবী করীম ক্রিট্রেইযখন সালাত আদায় করতেন, তখন উভয় হাত এরূপ করতেন যে, তাঁর উভয় বগলের ওভ্রতা প্রকাশ হয়ে পড়ত। লাইস (র.) বলেন, জাফর ইব্ন রাবী আ (র.) আমার কাছে অনুরূপ বর্ণনা করেছেন।

وَكِنَ بِابُ يَسْتَقْبِلُ بِاطْرَافِ رِجُلَيْهِ الْقَبِلَةَ قَالَهُ اَبُرُ حُمَيْدُ السَّاعِدِي عَنِ النَّبِي الْقَبِلَ الْقَبِلَ الْقَبِلَةِ قَالَهُ اَبُرُ حُمَيْدُ السَّاعِدِي عَنِ النَّبِي الْقَبِلَ اللَّهِ الْقَبِلَ اللَّهِ الْقَبِلَ اللَّهِ الْقَبِلَ اللَّهِ الْقَبِلَ اللَّهِ الْقَبِلَ اللَّهُ اللَّهِ الْقَبِلَ اللَّهُ الللَّهُ اللَّهُ الللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الللللَّهُ الللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الللَّهُ اللَّهُ الللللَّهُ الللللِّهُ اللللِل

## ٣٢٥، بَابُ إِذَا لَمْ يُتِمُّ السَّجُودِ

৫২৬. অনুচ্ছেদ ঃ পূর্ণভাবে সিজ্দা না করলে।

الله حَدَّثَنَا الصَّلَّتُ بَنُ مُحَمَّدٍ قَالَ حَدَّثَنَا مَهْدِيٌ عَنْ وَاصِلٍ عَنْ اَبِي وَائِلٍ عَنْ حَدَيْفَةَ رَأَى رَجُلاً لاَ يُتِمُّ رَكُوعَهُ وَلاَ سُجُودَهُ فَلَمًّا قَضَى صَلاَتَهُ قَالَ لَهُ حُذَيْفَةُ مَا صَلَّيْتَ قَالَ وَأَحْسَبِهُ قَالَ وَلَوْ مُتَ عَلَى غَيْرِ سَنَّةٍ مُحَمَّدً عَلَى عَيْرِ سَنَّةً مَعَمَّد عَلَى اللهُ عَلَى عَيْرِ سَنَّةً مَعَمَّد عَلَى اللهُ عَلَى عَيْرِ سَنَّةً مَعَمَّد عَلَى اللهُ عَلَى عَيْرِ سَنَّةً مَا صَلَّيْتَ قَالَ وَأَحْسَبِهُ قَالَ وَلَوْ مُتَ عَلَى غَيْرِ سَنَّةً مَعَمَّد عَلَيْهِ اللهَ عَلَى عَيْرِ سَنَّةً مَا صَلَّيْتَ قَالَ وَأَحْسَبِهُ قَالَ وَلَوْ مُتَ عَلَى عَيْرِ سَنَّةً مَا صَلَّيْتَ قَالَ وَأَحْسَبِهُ قَالَ وَلَوْ مُتَ عَلَى عَيْرِ سَنَّةً مَا صَلَيْتَ قَالَ وَأَحْسَبِهُ قَالَ وَلَوْ مُتَ عَلَى عَيْرِ سَنَّةً مَا صَلَّيْتَ قَالَ وَأَحْسَبِهُ قَالَ وَلَوْ مُتَ عَلَى عَيْرِ سَنَّةً مَا صَلَابًا فَا وَاقَوْمَ مُتَ عَلَى عَيْرِ سَنَّةً مَا عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى عَلَيْ عَلَى اللهُ عَلَى عَلَى عَلَى عَلَيْ عَلَى عَلَيْ عَلَى اللّهُ اللّهُ مَدْمَد عَلَيْ عَلَيْ عَلَى اللّهُ عَلَى عَلَى عَنْ إِلَيْ عَلَى عَلَى عَلَيْ عَلَى اللّهُ عَلَى عَلَيْ عَلَيْ عَلَا لَهُ عَلَيْ عَلَى عَلَى عَلَى عَلَيْ عَلَى عَلَى عَلَيْ عَلَيْ عَلَى عَلَيْتُ عَلَى عَلَيْ عَلَا عَلَى اللّهُ عَلَى عَلَى عَلَى عَلَيْ عَلَى ع

৭৭১ সাল্ত ইব্ন মুহামদ (র.).....হ্যায়ফা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি এক ব্যক্তিকে দেখলেন, সে ক্রুক্ ও সিজ্দা পূর্ণরূপে আদায় করছে না। সে যখন তার সালাত শেষ করল, তখন হ্যায়ফা (রা.) তাকে বললেন, তুমি তো সালাত আদায় করনি। আবৃ ওয়াইল (র.) বলেন, আমার মনে হয়, তিনি এও বলেছিলেন যে, এভাবে সালাত আদায় করে তুমি যদি মারা যাও, তা হলে মুহামদ ক্রুক্তি এর তরীকা থেকে বিচ্যুত হয়ে মারা যাবে।

#### ٤٢٥، بَابُ السَّجُنُدِ عَلَى سَبْعَةِ أَعْظُم

৫২৪. অনুচ্ছেদ ঃ সাত অঙ্গ দ্বারা সিজ্দা করা।

الله عَدْ ثَنَا قَبِيْصَةً قَالَ حَدَّتُنَا سَفْيَانُ عَنْ عَمْرٍ بْنِ دِيْنَارٍ عَنْ طَاؤُسٍ عَنِ ابْنِ عَبَّاسٍ أُمِرَ النّبِي عَيْهُ. النّبِي عَيْهُ وَالرّبُكَةُ عَلَى سَبُعَةِ اعْضَاءِ وَلاَ يَكُفُّ شَعَرًا وَلاَ تَوْبًا الْجَبْهَةِ وَالْيَدَيْنِ وَالرّكْبَتَيْنِ وَالرّجُلَيْنِ .

৭৭২ কাবীসা (র.)....ইব্ন আব্বাস (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী করীম স্ক্রীন্ত্রীসাতটি অঙ্গের দারা সিজ্দা করতে এবং চুল ও কাপড় না গুটাতে আদিষ্ট হয়েছিলেন। (অঙ্গ সাতটি হল) কপাল, দু' হাত, দু' হাঁটু ও দু' পা।

٧٧٣ حَدَّثَنَا مُسْلِمُ بْنُ ابْرَاهِيمَ قَالَ حَدَّثَنَا شُعْبَةً عَنْ عَمْرٍ عَنْ طَاؤُسٍ عَنِ ابْنِ عَبَّاسٍ رَضي اللهُ عَنْهُمَا عَنِ النَّبِيِّ عَلِيْهُ قَالَ امْرُنَا اَنْ نَسْجُدَ عَلَى سَبْعَةِ اعْظُمِ وَلاَ نَكُفَّ ثَوْبًا وَلاَ شَعَرًا ٠

[ ٩٩٥] मूजिम देव्न देव्तादीम (त्र.).....देव्न व्याकाम (त्रा.) থেকে वर्षिण यि, नवी कतीम क्षित्र वर्षाष्ट्र वर्षे वर्ष

প্র আদম (র.).....বারাআ ইব্ন আযিব (রা.) থেকে বর্ণিত, যিনি অবশ্যই মিথ্যাবাদী ছিলেন না। তিনি বলেন, আমরা নবী المَا عَلَيْ اللهُ لِمَنْ حَمِدَ ' سَمِعَ اللهُ لِمَنْ حَمِدَ ' سَمِعَ اللهُ لِمَنْ حَمِدَ ' سَمِعَ اللهُ لِمَنْ حَمِدَ ' مَعَدِ نَعْدِ اللهُ اللهُ لِمَنْ حَمِدُ ' مَعَدِ اللهُ اللهُ

#### ٥٢٥. بَابُ السَّجُنَّدِ عَلَى ٱلْأَنْفِ

৫২৬. অনুচ্ছেদ ঃ নাক দারা সিজ্দা করা।

٧٧٥ حَدَّثَنَا مُعَلِّى بْنُ اَسَدِ قَالَ حَدَّثَنَا وُهَيْبُ عَنْ عَبْدِ اللهِ بْنِ طَاوُسٍ عَنْ اَبِيهِ عَنِ ابْنِ عَبَّاسٍ رَضِي اللهُ عَنْهُمَا قَالَ النَّبِيُّ عَلِيلَةً امْرِتُ اَنْ اَسْتَجُدَ عَلَى سَبْعَةِ اَعْظُمْ عَلَى الْجَبْهَةِ وَاَشَارَ بِيدِهِ عَلَى انْفَهِ وَالنَّهُ عَنْهُمَا قَالَ النَّبِيُّ عَلِيلَةً أَمْرِتُ اَنْ اَسْتَجُدَ عَلَى سَبْعَةِ اَعْظُمْ عَلَى الْجَبْهَةِ وَاَشَارَ بِيدِهِ عَلَى انْفَهِ وَاللهُ عَنْهُمَا قَالَ النَّبِيُّ عَلِيلًا أَمْرُتُ اَنْ اَسْتَجُدَ عَلَى سَبْعَةِ اَعْظُمْ عَلَى الْجَبْهَةِ وَاَشَارَ بِيدِهِ عَلَى انْفَهِ وَاللهُ عَنْهُ وَاللهُ عَنْهُ وَاللهُ عَنْهُ وَاللهُ عَنْهُ وَاللّهُ عَنْهُ وَاللّهُ عَنْهُ وَاللّهُ اللّهُ اللّهُ عَنْهُ وَاللّهُ عَلْمُ اللّهُ عَنْهُ وَاللّهُ عَنْهُ وَاللّهُ عَنْهُ وَاللّهُ عَنْهُ اللّهُ عَنْهُ وَاللّهُ عَنْهُ وَاللّهُ عَنْهُ اللّهُ عَنْهُ مَا قَالَ اللّهُ عَنْهُ وَاللّهُ اللّهُ عَنْهُ اللّهُ عَنْهُ عَنْهُ وَاللّهُ عَنْهُ اللّهُ عَنْهُ اللّهُ عَنْهُ عَلَى اللّهُ عَنْهُ اللّهُ عَنْهُ اللّهُ اللّهُ عَلْهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ عَلْمُ عَلَى اللّهُ عَلْهُ عَلَمُ عَلَى اللّهُ عَلْهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلْهُ اللّهُ اللّهُ عَلَى الللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى الللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى الللللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى الللللّهُ عَلَى الللللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى الللللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى الللللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى الللّهُ عَلَى الللللّهُ عَلَى الللللّهُ عَلَى اللللللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى الللللّهُ عَلَى الللللّهُ عَلَى الللللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَا عَلَا عَلَا الللللّهُ عَلَى اللللللّهُ عَلَى الللللّهُ عَلَى اللللللّهُ عَلَى الللللّهُ

৭৭৫ মু'য়াল্লা ইব্ন আসাদ (র.)...ইব্ন আব্বাস (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী করীম ক্রিন্টাই ইরশাদ করেছেনঃ আমি সাতটি অঙ্গের দ্বারা সিজ্দা করার জন্য আদিষ্ট হয়েছি। কপাল দ্বারা এবং তিনি হাত দিয়ে নাকের প্রতি ইশারা করে এর অন্তর্ভুক্ত করেন, আর দু' হাত, দু' হাঁটু এবং দু' পায়ের আঙ্গুলসমূহ দ্বারা। আর আমরা যেন চুল ও কাপড় না গুটাই।

## ٢٧٥. بَابُ السَّجُنْدِ عَلَى الْانْفِ فِي الطِّينَ

৫২৬. অনুচ্ছেদ ঃ নাক দ্বারা কাদামাটির উপর সিজ্দা করা।

٧٧٦ حَدُّثَنَا مُوسَلَى قَالَ حَدَّثَنَا هُمَّامُ عَنْ يَحْيَى عَنْ اَبِيْ سَلَمَةَ قَالَ انْطَلَقْتُ الِي اَبِي سَعِيْد الْخُدْرِيِ فَقَالَ اللهِ عَلَيْ مَا سَمِعْتَ مِنَ النَّبِي عَلَيْهِ فِي لَيْلَةِ الْقَدْرِ فَقَالَ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْهُ فِي لَيْلَةِ الْقَدْرِ قَالَ اللهِ عَلَيْهُ فَقَالَ النَّبِي عَلَيْهُ فَقَالَ اللهِ عَلَيْهُ وَعَلَيْهُ وَاللهِ عَلَيْهُ فَقَالَ اللهِ عَلَيْهُ فَقَالَ اللهِ عَلَيْهُ وَقَالَ اللهُ عَلَيْهُ وَقَالَ اللهُ عَلَيْهُ وَاللهِ عَلَيْهُ وَاللهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَقَلْ اللّهُ عَلَيْهُ وَمَاءً وَكَانَ سَقَفُ الْمَسْدِدِ جَرِيْدَ النَّذِي وَمَا نَرَى فِي السَّمَاءِ شَيْتُنَا فَجَاءَ تُ قَزَعَةً فَامُطِرُنَا فَصَلَى بِنَا النَّبِي عَلَيْهُ حَبُّهُ وَلَا اللهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَلَاللهُ عَلَيْهُ وَمَا نَرَى فِي السَّمَاءِ شَيْتُنَا فَجَاءَ تُ قَرَعَةً فَامُطُرُنَا فَصَلَلَى بِنَا النَّبِي عَلَى جَبْهَةٍ رَسُولُ اللهِ عَلَيْهُ وَارْنَبَتِهِ تَصُدِيْقَ رُؤْيَاهُ .

৭৭৬ মূসা (র.)......আবূ সালামা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আমি আবূ সায়ীদ খুদ্রী (রা.)-এর নিকট উপস্থিত হয়ে বললাম, আমাদের সঙ্গে খেজুর বাগানে চলুন, (হাদীস সংক্রান্ত) আলাপ আলোচনা করব। তিনি বেরিয়ে আসলেন। আবূ সালামা (রা.) বলেন, আমি তাকে বললাম, 'লাইলাতুল कान्त' সম্পর্কে নবী করীম क्षेत्र থেকে যা ওনেছেন, তা আমার কাছে বর্ণনা করুন। তিনি বললেন, রাসূলুল্লাহ্ 📆 রামাযানের প্রথম দশ দিন ই'তিকাফ করলেন। আমরাও তাঁর সঙ্গে ই'তিকাফ করলাম। জিব্রাঈল (আ.) এসে বললেন, আপনি যা তালাশ করছেন, তা আপনার সামনে রয়েছে। এরপর তিনি মধ্যবর্তী দশ দিন ই'তিকাফ করলেন, আমরাও তাঁর সঙ্গে ই'তিকাফ করলাম। পুনরায় জিব্রাঈল (আ.) এসে বললেন, আপনি যা তালাশ করছেন, তা আপনার সামনে রয়েছে। এরপর রামাযানের বিশ তারিখ সকালে নবী করীম 📆 খুত্বা দিতে দাঁড়িয়ে বললেন, যারা আল্লাহ্র নবীর সঙ্গে ই'তিকাফ করেছেন, তারা যেন ফিরে আসেন (আবার ই'তিকাফ করেন) কেননা, আমাকে স্বপ্লে 'লাইলাতুল কাদ্র' অবগত করানো হয়েছে। তবে আমাকে তা (নির্ধারিত তারিখটি) ভুলিয়ে দেওয়া হয়েছে। নিঃসন্দেহে তা শেষ দশ দিনের কোন এক বেজোড় তারিখে। স্বপ্লে দেখলাম যেন আমি কাদা ও পানির উপর সিজ্দা করছি। তখন মসজিদের ছাদ খেজুরের ডাল দ্বারা নির্মিত ছিল। আমরা আকাশে কোন কিছুই (মেঘ) দেখিনি, এক খন্ড হালকা মেঘ আসল এবং আমাদের উপর (বৃষ্টি) বর্ষিত হল। নবী করীম 📆 আমাদের নিয়ে সালাত আদায় করলেন। এমন কি আমি রাস্লুল্লাহ্ 🚎 -এর কপাল ও নাকের অগ্রভাগে পানি ও কাঁদার চিহ্ন দেখতে পেলাম। এভাবেই তাঁর স্বপ্ন সত্যে পরিণত হলো।

## ٧٧ه . بَابُ عَقْدِ النِّيَابِ مَسْدِّهَا مَمَنْ ضَمُّ الِّيهِ ثَنْبَهُ اذَا خَافَ أَنْ تَنْكُشِفَ عَوْدَتُهُ

৫২৭. অনুচ্ছেদঃ কাপড়ে গিরা লাগানো ও তা বেঁধে নেওয়া এবং সতর প্রকাশ হয়ে পড়ার আশংকায় কাপড় জড়িয়ে নেওয়া।

٧٧٧ حَدُّثَنَا مُحَمَّدُ بُنُ كَثِيْرٍ قَالَ آخُبَرَنَا سُفُيَانُ عَنْ آبِي حَازِمٍ عَنْ سَهْلِ بُنِ سَعْدٍ قَالَ كَانَ النَّاسُ يُصلُونَ مَعَ النَّبِيِّ عَرِّفِيْ وَهُمْ عَاقِدُوا أُزُرِهِمْ مِنَ الصَّغَرِ عَلَى رِقَابِهِمْ ، فَقِيْلَ لِلنِّسَاءِ لاَ تَرْفَعْنَ رُوسَكُنُ عَلَى يَسْتَوى الرَّجَالُ جُلُوسًا .

বিব্ব মুহামদ ইব্ন কাসীর (র.)....সাহল ইব্ন সা'দ (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, সাহাবীগণ নবী করীম ক্রিট্রা - এর সঙ্গে সালাত আদায় করতেন। কিন্তু ইযার বা লুঙ্গী ছোট হওয়ার কারণে তা গলার সাথে বেঁধে নিতেন। আর মহিলাগণকে বলে দেওয়া হয়েছিল, তোমরা সিজ্দা থেকে মাথা উঠাবে না যতক্ষণ পর্যন্ত পুরুষগণ ঠিকমত না বসবে।

#### ٢٨ه. بَابُ لاَ يُكُفُ شُعَرًا

৫২৮. অনুচ্ছেদ ঃ (সালাতের মধ্যে মাথার) চুল একত্র করবে না।

٨٧٧ حَدَّثَنَا أَبُو النَّعْمَانِ قَالَ حَدَّثَنَا حَمَّادٌ وَهُو ابْنُ زَيْدٍ عَنْ عَمْرِو بْنِ دِيْنَارٍ عَنْ طَاؤُسِ عَنْ ابْنِ عَبَّاسٍ قَالَ أُمِرَ النَّبِيُّ فَيَيْنَارٍ عَنْ طَاؤُسِ عَنْ ابْنِ عَبَّاسٍ قَالَ أُمِرَ النَّبِيُّ فَيَيْنَةٍ أَنْ يَسُجُدُ عَلَى سَبَعَةِ أَعْظُم وَلاَ يُكُفُّ ثَوْبَهُ وَلاَ شَعَرَهُ .

৭৭৮ আবূ নু'মান (র.).....ইব্ন আব্বাস (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেছেন, নবী করীম সাতটি অঙ্গের সাহায্যে সিজ্দা করতে এবং সালাতের মধ্যে চুল একত্র না করতে এবং কাপড় টেনে না ধরতে আদিষ্ট হয়েছিলেন।

#### ٥٢٩. بَابُ لاَ يُكُفُّ ثُنْبَهُ فِي الصَّلاَةِ

৫২% . অনুচ্ছেদ ঃ সালাতের মধ্যে কাপড় টেনে না ধরা।

٧٧٩ حَدَّثَنَا مُوسَى بُنُ اسْمُعْيِلَ قَالَ حَدَّثَنَا أَبُو عَوَانَةَ عَنْ عَمْرِهِ عَنْ طَاؤُسٍ عَنِ ابْنِ عَبَّاسٍ رَضِيَ اللَّهُ عَنْ النَّبِيِّ عَلَيْ اللَّهُ عَالَى مِنْ اللَّهُ عَنَا اللَّهُ عَنْ اللَّهُ عَنْ اللَّهُ عَنْ النَّبِيِّ عَلَيْ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ اللَّهُ عَنْ النَّبِيِّ عَلَيْ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ عَنْ النَّبِيِّ عَلَيْ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ لَا أَكُفُ شَعَرًا وَلاَ ثَوْبًا .

৭৭৯ মূসা ইব্ন ইসমায়ীল (র.).....ইব্ন আব্বাস (রা.) থেকে বর্ণিত, নবী করীম ক্রিট্র বলেছেন ঃ আমি সাত অঙ্গে সিজ্দা করার, সালাতের মধ্যে চুল একত্র না করার এবং কাপড় টেনে না ধরার জন্য আদিষ্ট হয়েছি।

## ه ٥٣ ، بَابُ التَّسْبِيْحِ وَالدُّعَاءِ فِي السَّجُودِ

৫৩০. অনুচ্ছেদঃ সিজ্দায় তাস্বীহ্ ও দু'আ পাঠ।

٧٨٠ حَدَّثَنَا مُسَدَّدُ قَالَ حَدَّثَنَا يَحْيِى عَنْ سُفْيَانَ قَالَ حَدَّثَنِي مَنْصُورُ عَنْ مُسْلِمٍ عَنْ مَسْرُوقٍ عَنْ عَائِشَةَ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهَا أَنَّهَا قَالَتْ كَانَ النَّبِيِّ عَيْضَةً يُكْثِرُ أَنْ يَقُولَ فِي رَكُوعِهِ وَسُجُودِهِ سُبْحَانَكَ ٱللَّهُ مُ رَبِّنَا وَبِحَمْدِكَ ٱللَّهُمَّ اغْفُرلَى يَتَأُولُ الْقُرْانَ .

প্রিক পরিমাণে 'مَا اللَّهُمُّ رَبُنَا وَبِحَمُّدِنَ اللَّهُمُّ اغْفِرُلِي ''হে আল্লাহ! হে আমাদের রব! আপনার প্রশংসাসহ পবিত্রতা ঘোষণা করছি। আপনি আমাকে ক্ষমা করুন" পাঠ করতেন। এতে তিনি পবিত্র

১. এর দ্বারা সূরা নাসর–এর ৩ নং আয়াত " فَسَبِّ حَمْد رَبِكَ وَاسْتَغُفْرُهُ انَّـهُ كَانَ تَوَّابًا (আপনি আপনার প্র তিপালকের প্রশংসাসহ তাঁর পবিত্রতা ও মহিমা ঘোষণা কর্র্নন এবং তাঁর ক্ষমা প্রার্থনা করুন। তিনি তো তাওবা কবূলকারী) দিকে ইঙ্গিত করা হয়েছে।

## ٥٣١ . بَابُ الْمُكُثِ بِيْنَ السَّجُدَتَيْنِ

৫৩১. অনুচ্ছেদ ঃ দু' সিজ্দার মধ্যে অপেক্ষা করা।

মাথীদের বললেন, রাস্লুলুরাহ্ ক্রিট্রান্ত্র-এর সালাত সম্পর্কে আমি কি তোমাদের অবহিত করব না ? (রাবী) আবু কিলাবা (র.) বলেন, এ ছিল সালাতের সময় ছাড়া অন্য সময়। তারপর তিনি (সালাতে) দাঁড়ালেন, তারপর রুক্ করলেন, এবং তাক্বীর বলে মাথা উঠালেন আর কিছুক্ষণ দাঁড়িয়ে থাকলেন। তারপর সিজ্দায় গেলেন এবং সিজ্দা থেকে মাথা উঠিয়ে কিছুক্ষণ বসে পুনরায় সিজ্দা করলেন। তারপর মাথা উঠিয়ে কিছুক্ষণ অপেক্ষা করলেন। এভাবে তিনি আমাদের এ শায়খ আমর ইব্ন সালিমার সালাতের মত সালাত আদায় করলেন। আইয়ুব (র.) বলেন, আম্র ইব্ন সালিমা (র.) এমন কিছু করতেন যা অন্যদের করতে দেখিনি। তা হল তিনি তৃতীয় অথবা চতুর্থ রাকাআতে বসতেন। মালিক ইব্ন হুয়াইরিস (রা.) বর্ণনা করেন, নবী ক্রিট্রান্ত্র-এর নিকট এসে কিছু দিন অবস্থান করলাম। তিনি আমাদের বললেন, তোমরা তোমাদের পরিবার পরিজনদের মধ্যে ফিরে যাওয়ার পর অমুক সালাত অমুক সময়, অমুক সালাত অমুক সময় আদায় করবে। সময় হলে তোমাদের একজন আযান দেবে এবং তোমাদের মধ্যে বয়োজ্যেষ্ঠ ব্যক্তি ইমামতী করবে।

٧٨٧ حَدَّثَنَا مُحَمَّدُ بْنُ عَبْدِ الرَّحِيْمِ قَالَ حَدَّثَنَا اَبُوْ اَحْمَدَ مُحَمَّدُ بْنُ عَبْدِ اللهِ الزَّبَيْرِيُّ قَالَ حَدَّثَنَا مِسْعَرُ عَنْ عَبْدِ اللهِ الزَّبَيْرِيُّ قَالَ حَدَّثَنَا مِسْعَرُ عَنْ عَبْدِ الرَّحْمَٰنِ بْنِ اَبِي لَيْلَى عَنِ الْبَرَاءِ قَالَ كَانَ سَجُوْدُ النَّبِيِّ عَنِيْ وَرُكُوْعَهُ وَقَعُودُهُ بَيْنَ السَّجُدَتَيْنِ قَرِيْبًا مِنَ السَّوَاءِ ،

৭৮২ মুহাম্মদ ইব্ন আবদুর রাহীম (র.)....বারাআ (রা.) সূত্রে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী করীম ক্রিম্রির্র -এর সিজ্দা ও রুক্' এবং দু' সিজ্দার মধ্যে বসা প্রায় সমান হতো।

٧٨٣ حَدَّثَنَا سليْمَانُ بُنُ حَرْبٍ قَالَ حَدَّثَنَا حَمَّادُ بُنُ زَيْدٍ عَنْ ثَابِتٍ عَنْ اَنْسٍ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهُ قَالَ انِّي لاَ

## ٥٣٢ ، بَابُ لاَيَهُتَرِشُ ذِرَاعَيْهِ فِي السَّجُودِ وَقَالَ اَبُوْ حُمَيْد سِجَدَ النَّبِي عَنِيْ وَقَصْعَ يَدَيْهِ غَيْرَ مُهُتَرِشٍ وَلاَ قَابِضِهِمَا

৫৩২. অনুচ্ছেদ ঃ সিজ্দায় কনুই বিছিয়ে না দেওয়া।আবু হুমাইদ (রা.) বর্ণনা করেন, নবী

ক্রিট্রা সিজ্দা করেছেন এবং তাঁর দু' হাত রেখেছেন, কিন্তু বিছিয়েও দেননি আবার
তা গুটিয়েও রাখেন নি।

٧٨٤ حَدَّثَنَا مُحَمَّدُ بَنُ بَشَّارٍ قَالَ حَدَّثَنَا مُحَمَّدُ بَنُ جَعْفَرٍ قَالَ حَدَّثَنَا شُعْبَةُ قَالَ سَمِعْتُ قَتَادَةَ عَنْ انْسِ كِلهُ بَنْ جَعْفَرٍ قَالَ حَدَّثَنَا شُعْبَةُ قَالَ سَمِعْتُ قَتَادَةً عَنْ انْسِ كُلهُ بَنْ مَالِكٍ عَنِ النَّبِيِّ عَلِي اللهُ قَالَ اعْتَدِلُوا فِي السَّجُودِ وَلاَ يَبْسُطُ اَحَدُكُمْ ذِرَاعَيْهِ انْبِسَاطَ الْكَلْبِ • بَنْ مِنْ مَالِكٍ عَنِ النَّبِيِّ عَلِي اللهُ قَالَ اعْتَدِلُوا فِي السَّجُودِ وَلاَ يَبْسُطُ اَحَدُكُمْ ذِرَاعَيْهِ انْبِسَاطَ الْكَلْبِ •

৭৮৪ মুহাম্মদ ইব্ন বাশ্শার (র.).....আনাস ইব্ন মালিক (রা.) থেকে বর্ণিত, নবী ক্লিট্রের বলেছেন ঃ সিজ্দায় (অঙ্গ প্রত্যঙ্গের) সামঞ্জস্য রক্ষা কর এবং তোমাদের মধ্যে কেউ যেন দু' হাত বিছিয়ে না দেয় যেমন কুকুর বিছিয়ে দেয়।

#### ٥٢٣ . بَابُ مَنِ اسْتَوَى قَاعِدًا فِي وِثْرِ مِنْ صَلَاتِهِ ثُمُّ نَهُضَ

ا المالك بْنُ الْحُوَيْرِثِ اللَّيْثِيُّ انْسَهُ رَائَى النَّبِيِّ يُصِلِّيْ فَاذَا كَانَ فِي وِتْرٍ مِسَنْ صَلَاتِ لِمُ لَمْ يَنْهَضْ حَتَّى يَسْتَوى قَاعداً ،

৭৮৫ মুহাম্মদ ইব্ন সাব্বাহ্ (র.).....মালিক ইব্ন হ্য়াইরিস লাইসী (রা.) থেকে বর্ণনা করেন যে, তিনি নবী ক্রিট্রে-কে সালাত আদায় করতে দেখেছেন। তিনি তাঁর সালাতের বেজোড় রাকাআতে (সিজ্দা থেকে) উঠে না বসে দাঁড়াতেন না।

## ٤٣٥. بَابُ كَيْفَ يَمْتَمِدُ عَلَى ٱلأَرْضِ إِذَا قَامَ مِنَ الرُّكُمَةِ

৫৩৪. অনুচ্ছেদ ঃ রাকাআত শেষে কিভাবে জমিতে ভর দিয়ে দাঁড়াবে।

٧٨٦ حَدُّثَنَا مُعَلِّى بُنُ اسَدٍ قَالَ حَدَّثَنَا وُهَيْبُ عَنُ اَيُّوبَ عَنْ اَبِي قِلاَبَةَ قَالَ جَاءَ نَا مَالِكُ بُنُ الْحُويُدِثِ فَصَلِّى بِنَا فِي مَسْ جِدِنَا هٰذَا فَقَالَ انِي لِمُصلِّى بِكُمْ وَمَا أُرِيْدُ الصَّلاَةَ وَلَكِنْ أُرِيْدُ اَنْ أُرِيكُمْ كَيْفَ رَأَيْتُ السَّلْمَةَ وَلَكِنْ أُرِيدُ الرَّيْدُ السَّلاَةِ شَيْدِ خَنَا هٰذَا يَعْنِى السِّبِي عَلِي السَّبِ عَلَى السَّبِي عَلَيْدُ السَّبِي عَلَى السَّبِي عَلَى السَّبِي عَلَى السَّبُونِ السَّبِي عَلَى السَّبِي السَّالِي السَّبِي السَّبِي السَّامِ السَامِ السَّامِ السَامِ السَّامِ السَامِ السَّامِ السَّامِ السَامِ السَّامِ السَامِ السَام

বিদ্ধ মু'আল্লা ইব্ন আসাদ (র.).......আবূ কিলাবা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, ইব্ন হ্যাইরিস (রা.) এসে আমাদের এ মসজিদে আমাদের নিয়ে সালাত আদায় করেন। তিনি বললেন, আমি তোমাদের নিয়ে সালাত আাদয় করব। এখন আমার সালাত আদায়ের কোন ইচ্ছা ছিল না, তবে রাস্লুল্লাহ্ ক্লিট্রা-কে যে ভাবে সালাত আদায় করতে দেখেছি তা তোমাদের দেখাতে চাই। আইয়্ব (র.) বলেন, আমি আবূ কিলাবা (র.)-কে জিজ্ঞাসা করলাম, তাঁর (মালিক ইব্ন হ্য়াইরিস (রা.)-এর সালাত কিরূপ ছিল । তিনি (আবূ কিলাবা (র.) বলেন, আমাদের এ শায়খ অর্থাৎ আম্র ইব্ন সালিমা (রা.)-এর সালাতের মত। আইয়ুব (র.) বললেন, শায়খ তাক্বীর পূর্ণ বলতেন এবং যখন দ্বিতীয় সিজ্দা থেকে মাথা উঠাতেন তখন বসতেন, তারপর মাটিতে ভর দিয়ে দাঁড়াতেন।

## ٥٣٥. بَابُ يُكَبِّرُ وَهُو يَنْهُضُ مِنَ السَّجُدَتَيْنِ وَكَانَ ابْنُ الزُّبَيْرِ يُكَبِّرُ فِي نَهَضَتِهِ

৫৩৬. অনুচ্ছেদ ঃ দু' সিজ্দার শেষে উঠার সময় তাক্বীর বলবে।ইব্ন যুবায়র রো.) উঠার সময় তাক্বীর বলতেন।

٧٨٧ حَدُّثَنَا يَحْيَى بُنُ صَالِحٍ قَالَ حَدَّثَنَا سُلَيْمَانَ عَنْ سَعِيْدٍ بْنِ الْحَارِثِ قَالَ صَلَّى لَنَا اَبُو سَعِيْدٍ فَجَهَرَ بِالْكَبِيْرِ حَيْنَ رَفَعَ رَأْسَهُ مِنَ السَّجُوْدِ وَحَيْنَ سَجَدَ وَحَيْنَ رَفَعَ وَحَيْنَ قَامَ مِنَ الرَّكُعَتَيْنِ وَقَالَ هُكَذَا رَأَيْتُ النَّبِيُ عَلَيْهِ مَا النَّبِي عَلَيْهِ اللَّهُ عَلَيْهُ مَا اللَّهُ عَالَعُهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ مَا اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ اللْعُلِي اللَّهُ اللَهُ اللَّهُ اللللللْمُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللللللْمُ الللللللْمُ اللللْمُ اللَّهُ الل

৭৮৭ ইয়াহ্ইয়া ইব্ন সালিহ্ (র.).....সায়ীদ ইব্ন হারিস (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, একবার আবৃ সায়ীদ (রা.) সালাতে আমাদের ইমামতী করেন। তিনি প্রথম সিজ্দা থেকে মাথা উঠানোর সময়, দ্বিতীয় সিজ্দা করার সময়, দ্বিতীয় সিজ্দা থেকে মাথা উঠানোর সময় এবং দু' রাকাআত শেষে

(তাশাহ্হদের বৈঠকের পর) দাঁড়ানোর সময় স্বশব্দে তাক্বীর বলেন। তিনি বলেন, আমি এভাবেই নবী

٧٨٨ حَدُّثَنَا سُلَيْمَانُ بَنُ حَرَبٍ قَالَ حَدَّثَنَا حَمَّادُ بَنُ زَيْدٍ قَالَ حَدُّثَنَا غَيْلاَنُ بَنُ جَرِيْدٍ عَنَى مُطَرِّفٍ قَالَ صَلَّيْتُ أَنَا وَعِمْ رَانُ صَلاَةً خَلْفَ عَلِي بَن ِ آبِي طَالِبٍ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهُ فَكَانَ اذا سَجَدَ كَبَّرَ وَاذَا رَفَعَ كَبَر وَاذَا نَهَضَ مِنَ الرَّكُعَتَيْنِ كَبَرَ فَلَمًّا سَلَّمَ اَخَذَا عِمْرَانُ بِيَدِي فَقَالَ لَقَدُ صَلَّى بِنَا هٰذَا صَلاَةً مُحَمَّد إِيَّالِيْهِ أَوْ قَالَ لَقَدُ صَلَّى بِنَا هٰذَا صَلاَةً مُحَمَّد إِيَّالِيْهِ أَوْ

প্রচচ্চ সুলাইমান ইব্ন হার্ব (র.).মুতার্রিফ (রা.) থেকে বর্ণিত. তিনি বলেন, আমি ও ইমরান (রা.) একবার আলী ইব্ন আবৃ তালিব (রা.)-এর পিছনে সালাত আদায় করি। তিনি সিজ্দা করার সময় তাক্বীর বলেছেন। উঠার সময় তাক্বীর বলেন এবং দু' রাকাআত শেষে দাঁড়ানোর সময় তাক্বীর বলেছেন। সালাম ফিরানোর পর ইমরান (র.) আমার হাত ধরে বললেন, ইনি তো (আলী) আমাকে মুহাম্মদ ক্রিট্র-এর সালাত স্মরণ করিয়ে দিলেন।

قَيْهَا الرَّجُلِوكَانَتُ اَمُّ الدُّرُدَا وِ تَجُلِسُ فِي صَلَاتِهَا جِلْسَةُ الرَّجُلِوكَانَتُ فَقَيْهَا الدُّورَا وَ تَجُلِسُ فِي صَلَاتِهَا جِلْسَةُ الرَّجُلِوكَانَتُ فَقَيْهَا وَ ٣٧٥٥. عَلَى صَلَاتِهَا جِلْسَةُ الرَّجُلِوكَانَتُ فَقَيْهَا وَ ٣٧٥٥. عَلَى صَلَاتِهَا جِلْسَةُ الرَّجُلِوكَانَتُ فَقَيْهَا وَهُ ٣٧٥٠. عَلَى صَلَاتِهَا جِلْسَةُ الرَّجُلِوكَانَتُ فَقَيْهَا وَهُ ٣٧٥٠. عَلَى صَلَاتِهَا جِلْسَةُ الرَّجُلِوكَانَتُ فَقَيْهَا وَهُ ٣٤٥٠ عَلَى صَلَاتِهَا جِلْسَةُ الرَّجُلِوكَانَتُ فَقَيْهَا وَهُ ٣٤٥٠ عَلَى صَلَاتِهَا جِلْسَةُ الرَّجُلُوكَ وَكُانَتُ فَقَيْهَا وَهُ ٢٥٠ عَلَى مَا اللَّهُ الرَّجُلُوكَ وَاللَّهُ الدُّولَةُ وَاللَّهُ الرَّجُلُوكَ وَاللَّهُ الْمُؤْمِنِ وَاللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الرَّجُلُوكَ وَاللَّهُ اللَّهُ الللَّهُ اللَّهُ اللَ

٧٨٩ حَدَّثَنَا عَبْدُ اللَّهِ بْنُ مَسْلَمَةَ عَنْ مَالِكٍ عَنْ عَبْدِ الرَّحْمَٰنِ بْنِ الْقَاسِمِ عَنْ عَبْدِ اللَّهِ بْنِ عَبْدِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ عَنْهُمَا يَتَرَبَّعُ فِي الصَّلاَةِ إِذَا جَلَسَ فَفَعَلْتُهُ - وَاَنَا يَوْمَئِذٍ لَخُبُرَهُ اَنَّهُ كَانَ يَرَى عَبْدَ اللَّهِ بْنَ عُمَرَ رَضِي اللَّهُ عَنْهُمَا يَتَرَبَّعُ فِي الصَّلاَةِ إِذَا جَلَسَ فَفَعَلْتُهُ - وَاَنَا يَوْمَئِذٍ حَدَيْثُ السَّنِ فَنَهَانِي عَبْدِ اللَّهِ بْنُ عُمَرَ وَقَالَ اِنَّمَا سُنَّةُ الصَّلاَةِ اَنُ تَنْصِبَ رَجُلكَ الْيُمُنى وَتَثْنِي الْيُسُدِى فَقُلْتُهُ إِنْ عَمْرَ وَقَالَ انِّمَا سُنَّةُ الصَّلاَةِ انْ تَنْصِبَ رَجُلكَ الْيُمُنى وَتَثْنِي الْيُسُدِى فَقُلْتُهُ إِنْ تَتُحْمِلانِي وَاللَّهُ إِنْ عَمْرَ وَقَالَ انَّهُ اللَّهُ اللللللَّةُ اللَّهُ اللَ

বি৮৯ আবদুল্লাহ্ ইব্ন মাসলামা (র.)......আবদুল্লাহ্ ইব্ন আবদুল্লাহ্ (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি আবদুল্লাহ্ ইব্ন উমার (রা.)কে সালাতে আসন পিড়ি করে বসতে দেখেছেন। আবদুল্লাহ্ ইব্ন আবদুল্লাহ্ (রা.) বলেন, আমি সে সময় অল্প বয়স্ক ছিলাম। আমিও সেরূপ করলাম। আবদুল্লাহ্ ইব্ন উমর (রা.) আমাকে নিষেধ করলেন এবং তিনি বললেন, সালাতে (বসার) সুনাত তরীকা হল তুমি ডান পা খাড়া করবে এবং বাঁ পা বিছিয়ে রাখবে। তখন আমি বললাম, আপনি এরূপ করেন । তিনি বললেন, আমার দু' পা আমার ভার বহণ করতে পারে না।

٧٩٠ حَدَّنَا يَحْيِى بْنُ بُكَيْرٍ قَالَ حَدَّنَا اللَّيْثُ عَنْ خَالِدٍ سَعِيْدٍ عَنْ مُحَمَّد بْنِ عَمْرِو بْنِ حَلْحَلَة عَنْ مُحَمَّد بْنِ عَمْرِو بْنِ حَلْحَلَة بْنِ عَمْرِو بْنِ عَمْرِو بْنِ حَلْحَلَة

عَنْ مُحَمَّدِ بَنِ عَمْرِو بَنِ عَطَاءِ أَنَّهُ كَانَ جَالِسًا مَعَ نَقَرِ مِنْ أَصْحَابِ النَّبِيِّ وَإِلَيْهُ فَذَكَرُنَا صَلَاةَ النَّبِيِّ وَيَلِيْهُ وَأَلْتُهُ إِلَيْهُ وَالْكُمْ عِلْمَا اللَّهِ عِلْمَا اللَّهِ عِلْمَا اللَّهِ عِلْمَا اللَّهِ عَلْمَا اللَّهِ عَلَيْهُ وَالْمَا اللَّهِ عَلَيْهُ وَالْمَا اللَّهِ عَلَيْهُ وَالْمَا اللَّهُ عَلَيْهِ وَالْمَلْمُ وَالْمَا اللَّهُ عَلَيْهِ وَالْمَلْمُ وَالْمَالُولِ اللَّهُ عَلَيْهُ وَالْمَلْمُ وَالْمَالُولِ اللَّهُ عَلَيْهِ وَالْمَلْمُ وَالْمَا اللَّهُ عَلَيْهِ وَالْمَلْمُ وَالْمَلْمُ وَالْمَالُولِ وَالْمَالُولِ وَالْمَلْمُ وَالْمَلْمُ وَالْمَلْمُ وَالْمَلْمُ وَالْمَالُولِ وَالْمَلْمُ وَالْمَلْمُ وَالْمَلْمُ وَالْمَلْمُ وَالْمَلْمُ وَالْمَلْمُ وَالْمَلْمُ وَالْمَلْمُ وَالْمُلْمُ وَالْمَلْمُ وَالْمَلْمُ وَالْمَلْمُ وَالْمُلْمُ وَالْمُولِمُ وَالْمُلْمُ وَالْمُ وَالْمُ وَالْمُلْمُ وَالْمُولِمُ وَالْمُلْمُ وَالْمَلْمُ وَالْمُ وَالْمُولُولِ وَالْمُلْمُ وَالْمُولِمُ وَالْمُلْمُ وَالْمُلُولُولِ وَالْمُلْمُ وَالْمُلْمُ وَالْمُلْمُ وَالْمُولُولِ وَالْمُولُولِمُ وَالْمُلْمُ وَالْمُولُولِهُ وَالْمُلْمُ وَالْمُولِمُ وَالْمُلْمُ وَالْمُلْمُ وَالْمُلْمُ وَالْمُولِمُ وَالْمُلْمُولُولِمُ وَالْمُلْمُ وَالْمُولِمُ وَالْمُلْمُ وَالْمُولِمُ وَالْمُولِمُ وَالْمُلْمُولُولِ وَالْمُلْمُ وَالْمُولِمُ وَالْمُلْمُ وَالْمُولِمُ وَالْمُلْمُ وَالْمُلْمُ وَالْمُلْمُ وَالْمُلْمُ وَالْمُلْمُ وَالْمُلْمُ وَالْمُلْمُ وَالْمُولِمُ وَالْمُلْمُ وَالْمُلْمُ وَالْمُلْمُ وَالْمُولِمُ وَلَامُ وَالْمُلْمُ وَالْمُلْمُ وَالْمُ وَالْمُلْمُ وَالْمُلْمُ وَالْمُولِمُ وَالْمُلْمُ وَالْمُلْمُ وَالْمُلْمُ وَالْمُولِمُ وَالْمُلْمُ وَالْمُلْمُ وَالْمُلْمُ وَالْمُلْمُ وَالْمُلْمُ وَالْمُلْمُ وَالْمُلْمُ وَالْمُلْمُ وَالْمُلِمُ وَالْمُلْمُ وَالْمُلْمُ وَالْمُلْمُ وَالْمُلْمُ وَالْمُلْمُ وَالْمُلْمُ وَالْمُلْمُ وَالْمُلْمُولُولُولُولُولُولُولُولُولُولُولُولُمُ وَالِمُلْمُ وَالْمُلْمُ وَالْمُلْمُلِمُ وَالْمُلْمُ وَا

বিভিত্ ইয়াহইয়া ইব্ন বুকাইর এবং লায়স (র.)......মুহাশ্বদ ইব্ন আমর ইব্ন আতা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি নবী ক্রিট্রাই -এর একদল সাহাবীর সঙ্গে বসা ছিলেন। তিনি বলেন, আমরা নবী ক্রিট্রাই -এর সালাত সম্পর্কে আলোচনা করছিলাম। তখন আবৃ হুমাইদ সায়ীদী (রা.) বলেন, আমিই তোমাদের মধ্যে রাসূলুল্লাহ্ ক্রিট্রাই -এর সালাত সম্পর্কে বেশী শ্বরণ রেখেছি। আমি তাঁকে দেখেছি (সালাত শুরু করার সময়) তিনি তাক্বীর বলে দু'হাত কাঁধ বরাবর উঠাতেন। আর যখন রুক্' করতেন তখন দু' হাত দিয়ে হাঁট্র শক্ত করে ধরতেন এবং পিঠ সমান করে রাখতেন। তারপর রুক্' থেকে মাথা উঠিয়ে সোজা হয়ে দাঁড়াতেন যাতে মেরুদন্ডের হাড়গুলো স্ব-স্ব স্থানে ফিরে আসত। এরপর যখন সিজ্দা করতেন তখন দু' হাত সম্পূর্ণভাবে মাটির উপর বিছিয়ে দিতেন না, আবার গুটিয়েও রাখতেন না। এবং তাঁর উভয় পায়ের আসুলীর মাথা কেবলামুখী করে দিতেন। যখন দু' রাকাআতের পর বসতেন তখন বাঁ পা এগিয়ে দিয়ে ডান পা খাড়া করে নিতম্বর উপর বসতেন।

লায়স (র.).....ইব্ন আতা (র.) থেকে হাদীসটি শুনেছেন। আবূ সালিহ্ (র.) লায়স (র.) থেকে 'کُلُ نَقَارِ مُکَانَهُ ' كُلُ نَقَارٍ مُكَانَهُ ' كُلُ نَقَارٍ مُكَانَهُ ' كُلُ نَقَارٍ مُكَانَهُ ' كُلُ نَقَارٍ مُكَانَهُ ' عُلُ نَقَارٍ مُكَانَهُ ' বর্লনা করেছেন।

## ٣٧٥. بَابُ مَنْ لَمْ يَرَ التَّشْهَدُ ٱلْأَوُّلُ وَاجِبًا لأِنَّ النَّبِيُّ عَلَيْكُمْ قَامَ مِنَ الرَّكُعَتَيْنِ وَلَمْ يَرْجِيْع

৫৩৭. অনুচ্ছেদ ঃ যারা প্রথম বৈঠকে তাশাহ্হদ ওয়াজিব নয় বলে মনে করেন। কেননা, নবী ক্রী দু দু' রাকাআত শেষে (তাশাহ্হদ না পড়ে) দাঁড়ালেন এবং আর (বসার জ ন্য) ফেরেন নি।

٧٩١ حَدَّثَنَا أَبُو الْيَمَانِ قَالَ اَخْبَرَنَا شُعَيْبُ عَنِ الزُّهْرِيِّ قَالَ حَدَّثَنِيْ عَبْدُ الرَّحُمٰنِ بَنُ هُرُمُزَ مَوْلَى بِنِي عَبْدِ الْمُطَلِّبِ وَقَالَ مَرَّةً مَوْلَى رَبِيْعَةَ بَنِ الْحَارِثِ اَنَّ عَبْدَ اللهِ بَنَ بُحَيْنَةَ وَهُوَ مِنْ اَزْد شَنُوْءَةَ وَهُوَ حَلِفُ عَبْدِ اللهِ بَنَ بُحَيْنَةَ وَهُوَ مِنْ اَزْد شَنُوْءَةَ وَهُو حَلِفُ لِبَنِي عَبْدِ مَنَافٍ وَكَانَ مَنْ اَصْحَابِ النَّبِي عَلِي النَّيِ عَلِي النَّي عَلِي اللهِ اللهِ عَلَى المُلْوَلَيَيْنِ الْأُولَيَيْنِ الْأُولَيَيْنِ اللهُ اللهِ عَنْ الرَّكْعَتَيْنِ الْالْوَلَيَيْنِ الْالْوَلَيَيْنِ اللهُ اللهِ عَلَى الرَّكْعَتَيْنِ اللهُ اللهِ عَلَى المَّالِقُ وَالْتَظَرَ النَّاسُ مَعَهُ حَتَى الزَا قَضَلَى الصَّلاةَ وَانْتَظَرَ النَّاسُ تَسْلِيثُ مَهُ كَبَّرَ وَهُو جَالِسُ فَسَجَدَ اللهُ الل

৭৯১ আবুল ইয়ামান (র.)....বনূ আবদুল মুত্তালিবের আযাদকৃত দাস এবং রাবী কোন সময়ে বলেছেন রাবীয়া ইব্ন হারিসের আযাদকৃতদাস, আবদুর রাহমান ইব্ন হুরমুয (রা.) থেকে বর্ণিত যে, বনূ আব্দ মানাফের বন্ধু গোত্র আয্দ শানআর লোক আবদুল্লাহ্ ইব্ন বুহাইনা (রা.) যিনি নবী ক্রিট্রে-এর সাহাবী-গণের অন্যতম। তিনি বলেছেন, নবী ক্রিট্রে তাঁদের নিয়ে যুহরের সালাত আদায় করলেন। তিনি প্রথম দু' রাকাআত পড়ার পর না বসে দাঁড়িয়ে গেলেন। মুক্তাদীগণ তাঁর সঙ্গে দাঁড়িয়ে গেলেন। এ ভাবে সালাতের শেষভাগে মুক্তাদীগণ সালামের জন্য অপেক্ষা করছিলেন। কিন্তু নবী ক্রিট্রে বসাবস্থায় তাক্বীর বললেন এবং সালাম ফিরানোর পূর্বে দু' বার সিজ্দা করলেন, পরে সালাম ফিরালেন।

## ٥٣٨ ، بَابُ التَّشْهُدِ فِي الْأُولَى

৫৩৮. অনুচ্ছেদ ঃ প্রথম বৈঠকে তাশাহতদ পাঠ করা।

٧٩٢ حَدُّثَنَا قُتَيْبَةً بْنُ سَعِيْدٍ قَالَ حَدَّثَنَا بَكُرُ عَنْ جَعْفَرِ بْنِ رَبِيْعَةَ عَنِ الْاَعْرَجِ عَنْ عَبْدِ اللهِ بْنِ مَالِكِ ابْنِ بُحَدَّتَنَا قَالَ صَلَّى بِنَا رَسُولِ اللهِ عَلِيْهِ الظُّهْرَ فَقَامَ وَعَلَيْهِ جَلُوسُ فَلَمَّا كَانَ فِي أَخِرِ صَلَاتِهِ سَجَدَ سَجُدتَيْنِ وَهُو جَالسُ .

৭৯২ কুতাইবা ইব্ন সায়ীদ (র.).....আবদুল্লাহ্ ইব্ন মালিক (রা.) যিনি ইব্ন বুহাইনা, তাঁর থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, রাসূলুল্লাহ্ ক্রিক্ট্রি আমাদের নিয়ে যুহরের সালাত আদায় করলেন। দু' রাকাআত পড়ার পর তিনি দাঁড়িয়ে গেলেন অথচ তাঁর বসা জরুরী ছিল। তারপর সালাতের শেষভাগে বসে তিনি দু'টো সিজ্দা করলেন।

## ٥٣٩. بَابُ التَّشَهُدِ فِي الْآخِرَةِ

৫৬4. অনুচ্ছেদ ঃ শেষ বৈঠকে তাশাহ্হদ পড়া।

٧٩٣ حَدُّثَنَا اَبُو نُعَيْمٍ قَالَ حَدَّثَنَا الْاَعْمَشُ عَنْ شَقِيْقِ بُنِ سَلَمَةَ قَالَ قَالَ عَبْدُ اللهِ كُنَّا اذا صَلَّيْنَا خَلْفَ ٢٩٣ वशाती नतीय (२)—১৯

النَّبِيَّ عَلَيْ السَّلامُ عَلَى جِبْرِيْلَ وَمِيْكَائِيْلَ السَّلاَمُ عَلَى فُلاَن فَالْتَفَتَ الِيْنَا رَسُوْلِ اللَّهِ عَلَيْ فَقَالَ انَّ اللَّهَ هُوَ السَّلامُ فَاذَا صَلَّى اَحَدُكُمْ فَلْيَقُلِ التَّحِيَّاتُ اللهِ وَالصَّلُوَاتُ وَالطَّيْبَاتُ السَّلامُ عَلَيْكَ اَيُّهَا النَّبِيُّ وَرَحَمةُ اللهِ وَالصَّلُواتُ وَالطَّيْبَاتُ السَّلامُ عَلَيْكَ اللهِ عَبَادِ اللهِ الصَّالِحِيْنَ فَانِّكُمْ اذِا قُلْتُمُوهَا اصَابَتُ كُلُّ عَبْد لِلهِ صَالِحِ فِي السَّمَاء وَالْأَرْضِ اشْهَدُ انْ لاَّ اللهُ وَاشْهَدُ انْ مُحَمَّدًا عَبْدُهُ وَرَسُولُهُ .

ها الله وَالله وَاله وَالله وَاله وَالله وَالله وَالله وَالله وَالله وَالله وَالله وَالله وَالله

## و ٤٥، بَابُ الدُّعَا وِقَبْلَ السَّلام

৫৪০. অনুচ্ছেদঃ সালামের পূর্বে দু'আ।

٧٩٤ حَدُّثَنَا اَبُو الْيَمَانِ قَالَ اَخْبَرَنَا شُعَيْبُ عَنِ الزَّهْرِيِّ قَالَ اَخْبَرَنَا عُرُوةُ بْنُ الزَّبَيْرِ عَنْ عَائِشَةَ رَوْجِ النَّبِيِّ عَلَيْهِ النَّبِيِّ عَلَيْهِ اللَّهُمُ انِيْ اَعُوْدُبِكَ مِنْ عَذَابِ الْقَبْرِ وَاَعُودُبِكَ مِنْ فَتُنَةِ الْمُحْيَا وَفَتَنَةِ الْمُمَاتِ اللَّهُمُّ انِيْ اَعُودُبِكَ مِنْ الْمَاتُم مِنْ فَتُنَةِ الْمَحْيَا وَفَتَنَةِ الْمَمَاتِ اللَّهُمُّ انِيْ اَعُودُبِكَ مِنْ الْمَاتُم مِنْ فَتُنَةِ الْمَحْيَا وَفَتَنَةِ الْمَمَاتِ اللَّهُمُّ انِيْ المُّهُمُّ انِيْ اَعُودُبِكَ مِنْ الْمَاتُم مِنْ فَتُنَة الْمَعْرَمِ فَقَالَ انِ اللَّهُمُّ انِيْ الرَّجُلَ اذِا غَرِمَ حَدَّثَ فَكَذَبَ وَوَعَدَ وَالْمَعْرَمِ فَقَالَ انِ الرَّجُلَ اذِا غَرِمَ حَدَّثَ فَكَذَبَ وَوَعَدَ فَالَ مُحْمَدُ بْنُ يُوسُفُ سَمَعْتُ خَلْفُ بُنُ عَامِرِ يَقُولُ فِي الْمَسَيْحِ وَالْمَسَيْحِ لَيْسَ بَيْنَمَا فَرْقُ وَهُو فَا اللهِ عَيْشِهُ السَّلَامِ وَالْاحْرُ السَّجَالُ وَعَنِ الزَّهْرِيِّ قَالَ احْبَرَنِيْ عُرُوبَةُ انَّ عَائِشَةَ رَضِي اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْهُ السَّلَامِ وَالْاحْرُ السَّجَالُ وَعَنِ الزَّهْرِيِّ قَالَ احْبَرَنِيْ عُرُوبَةً انَّ عَائِشَةَ رَضِي اللهُ عَنْ اللهُ عَلْمُ اللهُ عَلَيْهِ السَلَّامِ وَالْاحْرُ السَّجَالُ وَعَنِ الزَّهْرِيِّ قَالَ احْبَرَنِيْ عُرُوبَةً انَّ عَائِشَةَ رَضِي اللهُ عَلَيْ اللّهُ عَلَيْهِ السَلَامِ وَالْاحْرُ السَّجَالُ وَعَنِ الزَّهُرِيِّ قَالَ احْبَرَنِيْ عُرُوبَةً انَ عَائِشَةَ رَضِعَ اللهُ عَلَيْهُ اللّهُ عَلَيْهِ السَّلَامِ عَيْشَةً وَاللّهُ عَلَيْهِ السَّعِيْدُ فِي صَلَاتِهِ مِنْ فَتِنَةِ الدَّجَالِ .

তোশাহ্হুদের অর্থঃ সকল মৌখিক, দৈহিক ও আর্থিক ইবাদত আল্লাহ্র জন্য। হে নবী! আপনার উপর আল্লাহ্র সালাম, রহমত ও বরকত বর্ষিত হোক। সালাম আমাদের এবং আল্লাহ্র নেক বান্দাদের উপর বর্ষিত হোক।

২. আমি সাক্ষ্য দিচ্ছি যে, আল্লাহ্ ব্যতীত আর কোন মাবৃদ নেই এবং আমি আরো সাক্ষ্য দিচ্ছি যে, নিশ্চয়ই মুহাম্মদ . কুল্ট্রিট্র তাঁর বান্দা ও রাসূল।

প্রমান (র.) আর্ল ইয়ামান (র.) আরে বর্ণের হব্ন যুবাইর (রা.) থেকে বর্ণিত যে, নবী المَاتِّ -এর সহধর্মিনী আয়িশা (রা.) তাঁকে বলেছেন যে, রাসূল্লাহ্ ক্রিট্রে সালাতে এ বলে দু আ করতেন اللَّهُ الْمَاتِ "কবরের আযাব থেকে, মাসীহে দাজ্জালের ফিত্না থেকে এবং জীবন ও মৃত্যুর ফিত্না থেকে ইয়া আল্লাহ্! আপনার নিকট আশ্রয় প্রার্থনা করছি। ইয়া আল্লাহ্! গুনাহ্ ও ঋণগ্রস্ততা থেকে আপনার নিকট আশ্রয় প্রার্থনা করছি। ইয়া আল্লাহ্! গুনাহ্ ও ঋণগ্রস্ততা থেকে আপনার নিকট আশ্রয় চাই। তখন এক ব্যক্তি তাঁকে বলল, আপনি কতই না ঋণগ্রস্ততা থেকে আশ্রয় প্রার্থনা করেন। তিনি রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্রের বললেন ঃ যখন কোন ব্যক্তি ঋণগ্রস্ত হয়ে পড়ে তখন কথা বলার সময় মিথ্যা বলে এবং ওয়াদা করলে তা ভঙ্গ করে। মুহাম্মদ ইব্ন ইউসুফ (র.) বলেন, খালফ ইব্ন আমির (র.)-কে বলতে আমি গুনেছি যে ক্রিট্রের এর মধ্যে কোন পার্থক্য নেই। উভয় শব্দই সমার্থবোধক তবে একজন হলেন ঈসা (আ.) এবং অপর ব্যক্তি হলো দাজ্জাল। যুহরী (র.) বলেছেন, উরওয়া ইব্ন যুবাইর (র.) আয়েশা (রা.) থেকে আমার নিকট বর্ণনা করেছেন যে, আয়িশা (রা.) বলেছেন, আমি রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্রের নেক সালাতে মধ্যে মধ্যে দাজ্জালের ফিত্না থেকে (আল্লাহ্র নিকট) আশ্রয় প্রার্থনা করতে গুনেছি।

وهه مِن عَرْدَ عَرْدَ عَرْدَ اللهُمُ ازِي طَالَمَ عَلَيْهُ اللهُمُ ازِي طَالَمَ عَلَيْهُ وَالْمَ عَلَيْهُ اللهُمُ ازِي طَالْمُ اللهُمُ ازِي طَالَمَ عَلَيْهُ اللهُمُ ازِي طَالَمَ عَلَيْهُ اللهُمُ ازِي طَالَمَ عَلَيْهُ اللّهُمُ ازِي طَالَمَ عَلَيْهُ اللّهُمُ ازِي طَالَمَ عَلَيْهُ اللّهُمُ ازِي اللّهُمُ ازِي اللّهُمُ ازِي اللّهُمُ اللّهُ اللّهُمُ اللللّهُمُ اللّهُمُ اللللّهُ اللّهُمُ الللللّهُمُ الللللّهُمُ الللللّهُمُ اللّهُمُ الل

## ٥٤١ ، بَابُ مَا يُتَخَيِّرُ مِنَ الدُّعَاءِ بَعْدَ التَّشْهَدِ وَلَيْسَ بِوَاجِبِ

(83). هم تعبير على المسلام على الله من عباده السلام على فلان وفلان فقال النبي على الله على الله من عباده السلام على الله من عباده السلام على فلان وفلان فقال النبي على الله من عباده السلام على الله من عباده السلام على الله على

السَّلاَمُ عَلَى اللَّهِ فَانَّ اللَّهَ هُوَ السَّلاَمُ وَلَكِنَّ قُوْلُوا التَّحِيَّاتُ لِلَّهِ وَالصَلَوَاتُ وَالطَّيْبَاتُ السَّلاَمُ عَلَيْكَ اَيُّهَا النَّبِيُّ وَرَحْمَةُ اللهِ وَبَرَكَاتُهُ السَّلاَمُ عَلَيْنَا وَعَلَى عِبَادِ اللهِ الصَّالِحِيْنَ فَانِّكُمُ اذِا قُلْتُمُوْهَا اَصَابَتُ كُلُّ عَبْدِ اللهِ الصَّالِحِيْنَ فَانِّكُمُ اذِا قُلْتُمُوْهَا اَصَابَتُ كُلُّ عَبْدِ اللهِ السَّالِحِيْنَ فَانِّكُمُ اذِا قُلْتُمُوْهَا اَصَابَتُ كُلُّ عَبْدِ فِي السَّمَاءِ وَالْاَرْضِ اَشْهَدُ اَنْ لاَّ اللهُ وَاشْهَدُ اَنْ مُحَمَّدًا عَبُدُهُ وَرَسُولُهُ ثُمَّ يَتَخَيَّرُ مِنَ الدُّعَاء اَعْجَبَهُ اللهِ فَيَدُعُونَ ،

وهه पूजामाम (त.)......আবদুল্লাহ্ ইব্ন মাসউদ (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আমাদের অবস্থা এ ছিল যে, যখন আমরা নবী المستقدة -এর সঙ্গে সালাতে থাকতাম, তখন আমরা বলতাম, বান্দার পক্ষ হতে আল্লাহ্র প্রতি সালাম। সালাম অমুকের প্রতি, সালাম অমুকের প্রতি। এতে নবী المستقدة বললেন ঃ আল্লাহ্র প্রতি সালাম, তোমরা এরপ বল না। কারণ আল্লাহ্ নিজেই সালাম। বরং তোমরা বল আল্লাহ্র প্রতি সালাম, তোমরা এরপ বল না। কারণ আল্লাহ্ নিজেই সালাম। বরং তোমরা বল التُحياتُ لله وَالصلّواتُ وَالطّيْبَاتُ السَّلَامُ عَلَيْكَ اللّهِ السِّينَ وَرَحْمَةُ الله وَيَرَكَاتُهُ السَّلَامُ عَلَيْكَ اللّهُ السَّالَامُ عَلَيْكَ اللّهِ السَّالِحُيْنَ اللّهُ وَيَرَكَاتُهُ السَّلَامُ عَلَيْكَ اللّهُ السَّالِحُيْنَ اللّهُ وَيَرَكَاتُهُ السَّلَامُ عَلَيْكَ اللّهُ وَيَرَكَاتُهُ السَّالِحُيْنَ وَالطّيْبَاتُ السَّالِحُيْنَ السَّالِحُيْنَ وَالطّيْبَاتُ السَّالِحُيْنَ اللّهُ وَاللّهُ وَالْحَلَّمُ اللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ اللّهُ وَاللّهُ وَا

# ٤٢ ه . بَابُ مَنْ لَمْ يَمْسَحْ جَبْهَتَهُ وَانْفَهُ حَتَّى صَلِّى قَالَ اَبُوعَبْدِ اللهِ رَأَيْتُ الْحُمَيْدِي يَحْتَجُ هَذَا الْحَدِيْثِ اَنْ لَا يَمْسَحَ الْجَبْهَةَ فِي الصَّلُواةِ

৫৪২. অনুচ্ছেদ ঃ সালাত শেষ হওয়া পর্যন্ত যিনি কপাল ও নাকের ধূলাবালি মোছেন নি। আবু আবদুল্লাহ্ (র.) বলেন, আমি হুমায়দী (র.)—কে দেখেছি যে, সালাত শেষ হওয়ার আগে কপাল না মুছার ব্যাপারে এ হাদীস দিয়ে দলিল পেশ করতেন।

٧٩٧ حَدَّثَنَا مُسُلِمُ بُنُ ابْرَاهِيْمَ قَالَ حَدَّثَنَا هِشَامُ عَنْ يَحْلِي عَنْ اَبِي سَلْمَةَ قَالَ سَالُتَ اَبَا سَعِيْد وَالْطَيْنِ حَتَّى رَأَيْتُ اَثَرَ الطِّيْنِ فِي جَبْهَتِه وَالْطَيْنِ حَتَّى رَأَيْتُ اَثَرَ الطِّيْنِ فِي جَبْهَتِه وَالْخُدُرِيِّ فَقَالَ رَأَيْتُ رَسُولَ اللّٰهِ عَلَيْ فِي جَبْهَةِ وَالطَّيْنِ حَتَّى رَأَيْتُ اَثَرَ الطِّيْنِ فِي جَبْهَتِهِ وَهُم الْخُدُرِيِّ فَقَالَ رَأَيْتُ رَسُولَ اللّٰهِ عَلَيْنِ مِسُلَمَ اللّٰهِ عَلَيْ مِسَالًا اللّٰهِ عَلَيْهِ اللّٰهِ عَلَيْنِ مِسَالًا اللّٰهِ عَلَيْهِ اللّٰهِ عَلَيْهُ اللّٰهُ عَلَيْهُ اللّٰهُ عَلَيْهِ اللّٰهُ عَلَيْهُ اللّٰمُ اللّٰهُ عَلَيْهِ اللّٰهِ عَلَيْهُ اللّٰمَ اللّٰهُ عَلَيْهِ اللّٰهُ عَلَيْهِ اللّٰمَاتِ اللّٰهُ عَلَيْهِ الللّٰهِ عَلَيْهِ الللّٰهِ عَلَيْهِ اللّٰهُ اللّٰهُ اللّٰهُ اللّٰهُ عَلَيْهِ الللّٰهِ عَلَيْهُ اللّٰمَاتِ اللّٰهُ اللّٰهِ اللّٰهِ اللّٰهُ اللّٰمَاتِ اللّٰمَاتِ اللّٰمَاتِ اللّٰمَاتِ الللّٰمِ اللّٰهُ اللّٰمَاتِ اللّٰمَاتِ اللّٰمَاتِ اللّٰمَاتِ الللّٰهُ اللّٰمِ اللّٰمَاتِ الللّٰمَ اللّٰمَاتِ اللّٰمَاتِ الللّٰمَ اللّٰمِ اللّٰمَاتِ الللّٰمَاتِ الللّٰمَ اللّٰمَ اللّٰمَاتِ اللّٰمَاتِ الللّٰمَ اللّٰمَاتِ الللّٰمَ اللّٰمَاتِ اللّٰمَاتِ اللّٰمَاتِ اللّٰمَاتِ الللّٰمِ الللّٰمِ اللّٰمَ اللّٰمِ اللّٰمَ اللّٰمَ اللّٰمِ اللّٰمَ اللّٰمَاتِ اللّٰمُ اللّٰمِلْمُ اللّٰمِ اللّٰمِ اللّٰمَ الللّٰمَ اللّٰمَ اللّٰمَ اللّٰمَ اللّٰمُ اللّٰمَ اللّٰمَ اللّ

#### ٥٤٣ بَابُ التَّسْلِيْمِ

৫৪৫. অনুচ্ছেদ ঃ সালাম ফিরান।

٧٩٨ حَدُّثَنَا مُوسَلَى بْنُ اِسْمُعِيْلَ حَدَّثَنَا اِبْرَاهِيْمُ بْنُ سَعْد حَدَّثَنَاالزَّهْرِيُّ عَنْ هِنْد بِنْتِ الْحَارِثِ اَنَّ أُمِّ سَلَمَةَ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهَا قَالَتْ كَانَ رَسُولُ اللَّهِ عَيْلِكُ إِذَا سَلَّمَ قَامَ النِّسَاءُ حَيْنَ يَقْضِي تَسْلَيْمَهُ وَمَكَثَ يَسَيْرًا مَنَ اللَّهُ عَنْهَا قَالَ ابْنُ شَهِابٍ فَأْرَى وَاللَّهُ آعْلَمُ أَنَّ مُكْثَهُ لِكَى يَنْفُذَا النِّسَاءُ قَبْلَ أَنْ يُدْرِكَهُنَّ مَنِ انْصَرَفَ مَنَ الْقَوْمَ .

৭৯৮ মূসা ইব্ন ইসমায়ীল (র.).....উন্মে সালামা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্রে বখন সালাম ফিরাতেন, তখন সালাম শেষ হলেই মহিলাগণ দাঁড়িয়ে পড়তেন। তিনি ক্রিট্রে দাঁড়ানোর পূর্বে কিছুক্ষণ বসে অপেক্ষা করতেন। ইব্ন শিহাব (র.) বলেন, আমার মনে হয়, তাঁর এ অপেক্ষা এ কারণে যাতে মুসাল্লীগণ থেকে যে সব পুরষ ফিরে যান তাদের পূর্বেই মহিলাগণ নিজ অবস্থানে পৌছে যান।

## \$ 6 ه. بَابُ يُسلِّمُ حِيْنَ يُسلِّمُ الْإِمَامُ فَكَانَ ابْنُ عُمَرَ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهُمَا يَسْتَحِبُ إِذَا سلَّمَ الْإِمَامُ أَنْ يُسلِّمَ مَنْ خَلْفَهُ عَنْهُمَا يَسْتَحِبُ إِذَا سلَّمَ الْإِمَامُ أَنْ يُسلِّمَ مَنْ خَلْفَهُ

৫৪৪. অনুচ্ছেদ ঃ ইমামের সালাম ফিরানোর সময় মুক্তাদীগণও সালাম ফিরাবে। ইব্ন উমর (রা.) ইমামের সালাম ফিরানোর সময় মুক্তাদীগণের সালাম ফিরানো মুসতাহাব মনে করতেন।

٧٩٩ حَدَّثَنَا حِبَّانُ بْنُ مُوسَلَى قَالَ اَخْبَرَنَا عَنْ عَبْدُ اللهِ قَالَ اَخْبَرَنَا مَعْمَرُ عَنِ الزَّهْرِيِّ عَنْ مَحْمُ وَدِ ٧٩٩ مَدُّ اللهِ قَالَ اَخْبَرَنَا مَعْمَرُ عَنِ الزَّهْرِيِّ عَنْ مَحْمُ وَدِ ٧٩٩ بَنِ الرَّبِيْعِ عَنْ عِثْبَانَ قَالَ صلَيْنَا مَعَ النَّبِيِّ عَلَيْهِ فَسلَّمُنَا حَيْنَ سلَّمَ .

৭৯৯ হিব্দান ইব্ন মূসা (র.).....ইত্বান ইব্ন মালিক (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আমরা রাস্লুল্লাহ্ ক্রিক্রেল্লাহ্ এর সঙ্গে সালাত আদায় করেছি। তিনি যখন সালাম ফিরান তখন আমরাও সালাম ফিরাই।

## ٥٤٥. بَابُ مَنْ لَمْ يَرَ رَدُّ السُّلاَمِ عَلَى الْإِمَامِ وَاكْتَفَى بِتَسْلِيْمِ الصُّلاَةِ

৫৪৫. অনুচ্ছেদ ঃ যারা ইমামের সালামের জবাব দেওয়া প্রয়োজন মনে করেন না এবং সালাতের সালামকেই যথেষ্ট মনে করেন।

٨٠٠ حَدَّثَنَا عَبْدَانُ قَالَ اَخْبَرَنَا عَنْ عَبْدُ اللهِ قَالَ اَخْبَرَنَا مَعْمَرُ عَنِ الزُّهْرِيِّ قَالَ اَخْبَرَنِي مَحْمُودُ بْنُ

الرَّبِيْعِ وَزَعَمَ اَنَّهُ عَقَلَ رَسُولَ اللَّهِ بَيْنِيْ وَعَقَلَ مَجَّةً مَجُهَا مِنْ دَلُو كَانَ فِي دَارِهِمْ قَالَ سَمِعْتُ عَتَـبَانَ بْنَ مَالِهِ الْاَنْصَارِيُّ ثُمُّ اَحَدَ بَنِي سَالِمٍ قَالَ كُنْتُ أَصلَيْ لِقَوْمِيْ بَنِيْ سَالِمٍ فَأَتَيْتُ النَّبِيِّ عَيْنِيْ فَقَلْتُ ابِي اَنْكَرْتُ مَالِهِ الْاَنْكِيْ عَلَيْكُمْ فَقَلْتُ ابِي الْكُورُتُ النَّبِي وَبَيْنَ مَسْحِدِ قَوْمِي فَلَوَدِرْتُ انَّكَ جِنْتَ فَصلَّيْتَ فِي بَيْتِي مَكَانًا حَتَّى بَصريْ وَإِنَّ السَّيُولَ تَحُولُ بَيْنِي وَبَيْنَ مَسْحِدِ قَوْمِي فَلَوَدِرْتُ انَّكَ جِنْتَ فَصلَّيْتَ فِي بَيْتِي مَكَانًا حَتَّى بَصريْ وَإِنَّ السَّيُولَ تَحُولُ بَيْنِي وَبَيْنَ مَسْحِدِ قَوْمِي فَلَوَدِرْتُ انَّكَ جِنْتَ فَصلَّيْتَ فِي بَيْتِي مَكَانًا حَتَّى اللّهُ عَنْدَا عَلَى رَسُولُ اللّهِ يَنِيْنَ وَابُو بَكْرٍ مَعَهُ بَعْدَ مَا اشْتَدَ النَّهَارُ اللّهَ عَلَيْتُ مَسْحِدًا فَقَالَ افْعَدَا عَلَى اللّهُ فَعَدَا عَلَى رَسُولُ اللّهِ يَنِيْنَ وَابُو بَكْرٍ مَعَهُ بَعْدَ مَا اشْتَدَ النَّهَارُ اللّهُ عَلَيْنَ اللّهُ عَنْ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَيْتُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَتْ عَلَى اللّهُ عَلَى الللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَمُ اللّهُ عَلَى اللّهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى الللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى الللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ اللّهُ عَلَى الللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى

চি০০ আবদান (র.).....মাহমূদ ইব্ন রাবী' (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, রাসূলুল্লাহ্ এর কথা তাঁর স্পষ্ট মনে আছে, যে তাঁদের বাড়ীতে রাখা একটি বালতির (পানি নিয়ে) নবী ক্রিট্রুকুল্লি করেছেন। তিনি বলেছেন, আমি ইত্বান ইব্ন মালিক আনসারী (রা.) যিনি বন্ সালিম গোত্রের একজন, তাঁকে বলতে শুনেছি, আমি নবী ক্রিট্রুক্রিএর কাছে গিয়ে বললাম, আমার দৃষ্টিশক্তি ক্ষীন হয়ে গিয়েছে এবং আমার বাড়ী থেকে আমার কাওমের মসজিদ পর্যন্ত পানি প্রতিবন্ধকতা সৃষ্টি করেছে। আমার একান্ত ইচ্ছা আপনি আমার বাড়ীতে এসে এক যায়গায় সালাত আদায় করবেন সে যায়গাটুকু আমি সালাত আদায় করার জন্য নির্দিষ্ট করে নিব। নবী ক্রিট্রেইবললেন ঃ ইন্শা আল্লাহ্, আমি তা করব। পরদিন রোদের তেজ বৃদ্ধি পাওয়ার পর রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্রেই এবং আবৃ বকর (রা.) আমার বাড়ীতে এলেন। নবী ক্রিট্রেই প্রবেশের অনুমতি চাইলে আমি তাঁকে দিলাম। তিনি না বসেই বললেন ঃ তোমার ঘরের কোন স্থানে তুমি আমার সালাত আদায় পসন্দ করে? তিনি পসন্দ মত একটি জায়গা নবী ক্রিট্রেই-কে সালাত আদায়ের জন্য ইশারা করে দেখালেন। তারপর তিনি দাঁড়ালেন আমরাও তাঁর পিছনে কাতারবন্দী হলাম। অবশেষে তিনি সালাম ফিরালেন, আমরাও তাঁর সালামের সময় সালাম ফিরালাম।

#### لاً ٤٥، بَابُ الذِّكْرِ بَعْدَ الصُّلاّةِ

৫৪৬. অনুচ্ছেদ ঃ সালামের পর যিক্র।

٨٠١ حَدَّثَنَا السَّحٰقُ بْنُ نَصْرٍ قَالَ حَدَّثَنَا عَبْدُ الرَّزَاقِ قَالَ اَخْبَرَنَا ابْنُ جُرِيْجٍ قَالَ اَخْبَرَنِي عَمْرُوْ اَنَّ اَبَا مَعْبُ الرَّزَاقِ قَالَ اَخْبَرَنَا ابْنُ جُريْجٍ قَالَ اَخْبَرَنِي عَمْرُوْ اَنَّ ابْنَ عَبُّاسٍ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهُمَا اَخْبَرَهُ اَنَّ رَفَعَ الصَّوْتِ بِالذِّكْرِ حِيْنَ مَعْبُدٍ مَوْلَى ابْنِ عَبُّاسٍ مَنَ الْكُتُوبَةِ كَانَ عَلَى عَهْدِ النَّبِيِّ عَبِيلِيٍّ وَقَالَ ابْنُ عَبُّاسٍ كُنْتُ اَعْلَمُ اذَا انْصَرَفُوا بِذَٰلِكَ يَتُصَرِفُ النَّاسُ مِنَ الْكُتُوبَةِ كَانَ عَلَى عَهْدِ النَّبِيِّ عَلِيلٍ وَقَالَ ابْنُ عَبُّاسٍ كُنْتُ اعْلَمُ اذِا انْصَرَفُوا بِذَٰلِكَ انْ اللهُ اللهُ مَنْ الْكُتُوبَةِ كَانَ عَلَى عَهْدِ النَّبِي عَلِيلٍ وَقَالَ ابْنُ عَبُّاسٍ كُنْتُ اعْلَمُ اذِا انْصَرَفُوا بِذَٰلِكَ انْ اللهُ اللهُولِ اللهُ ا

৮০১ ইসহাক ইব্ন নাস্র (র.)...ইব্ন আব্বাস (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বর্ণনা করেন যে, নবী

-এর সময় মুসল্লীগণ ফর্য সালাত শেষ হলে উচ্চস্বরে যিক্র করতেন। ইব্ন আব্বাস (রা.) বলেন, আমি এরূপ শুনে বুঝলাম, মুসল্লীগণ সালাত শেষ করে ফিরছেন।

٨٠٢ حَدَّثَنَا عَلِيٌّ بَنُ عَبْدِ اللهِ قَالَ حَدَّثَنَا سَفْيَانُ قَالَ اَخْبَرَنِي اَبُقُ مَعْبَدٍ عَنِ ابْنِ عَبَّاسٍ رَضِيَ اللهُ عَنْهُمَا قَالَ كُنْتُ اَعْرِفُ انْقضَاءَ صَلاَةِ النَّبِيِّ عَنِيْ بِالتَّكْبِيْرِ قَالَ عَلِيٌّ حَدَّثَنَا سَفْيَانُ عَنْ عَمْرٍ قَالَ كَانَ ابْنُ مَعْبَدِ اصْدَقَ مَوَالِي ابْنِ عَبَّاسٍ قَالَ عَلِيٌّ وَاسْمَهُ نَافِذُ ٠

৮০২ আলী ইব্ন আবদুল্লাহ্ (র.).....ইব্ন আব্বাস (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, তাক্বীর জনে আমি বুঝতে পারতাম সালাত শেষ হয়েছে। আলী (রা.) বলেন, সুফিয়ান (র.) সূত্রে বর্ণনা করেন যে, আবু মা'বাদ (র.) ইব্ন আব্বাস (রা.)-এর আযাদকৃত দাসসমূহের মধ্যে অধিক সত্যবাদী দাস ছিলেন। আলী (র.) বলেন, তার নাম ছিল নাফিয।

দ০৩ মুহামদ ইব্ন আবৃ বক্র (র.)......আবৃ হুরায়রা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, দরিদ্রলোক নবী ক্রিট্র -এর কাছে এসে বললেন, সম্পদশালী ও ধনী ব্যক্তিরা তাদের সম্পদের দ্বারা উচ্চমর্যাদা ও স্থায়ী আবাস লাভ করছেন, তাঁরা আমাদের মত সালাত আদায় করছেন আমাদের মত সিয়াম পালন করছেন এবং অর্থের দ্বারা হজ্জ, উমরা, জিহাদ ও সাদাকা করার মর্যাদাও লাভ করছেন। এ শুনে তিনি বললেন, আমি কি তোমাদের এমন কিছু কাজের কথা বলব, যা তোমরা করলে, যারা নেক কাজে তোমাদের চাইতে অগ্রগামী হয়ে গিয়েছে, তাদের সমপর্যায়ে পৌছতে পারবে। তবে যারা পুনরায় এ ধরণের কাজ করবে তাদের কথা স্বতন্ত্র। তোমরা প্রত্যেক সালাতের পর তেত্রিশ বার করে তাসবীহ (সুবহানাল্লাহ্) তাহ্মীদ (আলহামদু ল্লিল্লাহ্) এবং তাক্বীর (আল্লাহ্ আকবার) পাঠ করবে। (এ বিষয়টি নিয়ে) আমাদের মধ্যে মতানৈক্য সৃষ্টি হলো। কেউ বলল, আমরা তেত্রিশ বার তাসবীহ্ পড়ব। তেত্রিশ বার তাহ্মীদ আর চৌত্রিশ বার তাক্বীর পড়ব। এরপর আমি তাঁর কাছে ফিরে গেলাম। তিনি বললেন, গাঁটে নিট্রেট আন নাট্র তাটি বিলে, যাতে সবগুলোই তেত্রিশবার করে হয়ে যায়।

٨٠٤ حَدَّثَنَا مُحَمَّدُ بَنُ يُوسُفَ قَالَ حَدَّثَنَا سَفْيَانُ عَنْ عَبْدِ الْمَلِكِ بَنِ عُمَيْرٍ عَنْ وَرَّادٍ كَاتِبِ الْمُغْيِرَةِ بَنِ شُعْبَةً فِي كَتَابٍ إِلَى مُعَاوِيَةً اَنَّ النَّبِيِّ عَلَيْ كَانَ يَقُولُ فِي دُبُرِ كُلِّ صَلَاةٍ شُعْبَةً فِي كَتَابٍ إِلَى مُعَاوِيَةً اَنَّ النَّبِيِّ عَلَيْكَ كَانَ يَقُولُ فِي دُبُرِ كُلِّ صَلَاةٍ مَكْتُوبَةٍ لاَ الله الله الله الله وَحُدَهُ لاَ شَرْيُكَ لَهُ الْمُلْكُ وَلَهُ الْحَمْدُ وَهُو عَلَى كُلِّ شَنَيْ قَدْيُرُ ، اللهم لاَ مَنعَ لِمَا مُكْتُوبَةٍ لاَ الله وَلاَ الله وَحُدَهُ لاَ شَرْيُكَ لَهُ لَهُ الْمُلْكُ وَلَهُ الْحَمْدُ وَهُو عَلَى كُلِّ شَنَيْ قَدْيُرُ ، اللهم لاَ مَنعَ لِمَا مُنعَت وَلاَ يَنْفَعُ ذَا الْجَدِّ مَنْكَ الْجَدُّ وَقَالَ شُعْبَةً عَنْ عَبْدِ الْمَلكِ بِهِذَا وَقَالَ الْحَسَنُ وَعَن الْحَدَى الْمَلكِ بِهِذَا وَقَالَ الْحَسَنُ وَعَل الْجَدِّ غَنيً ،

#### ٤٧ ه. بَابُ يَسْتَقْبِلُ الْإِمَامُ النَّاسَ إِذَا سَلَّمَ

৫৪৭. অনুচ্ছেদঃ সালাম ফিরানোর পর ইমাম মুক্তাদীগণের দিকে ফিরাবেন।

٨٠٥ حَدَّثَنَا مُوسَى بُنُ اِسْمُعِيْلَ قَالَ حَدَّثَنَا جَرِيْرُ بُنُ حَازِمٍ قَالَ حَدَّثَنَا أَبُوْ رَجَاءٍ عَنْ سَمُرَةَ بُنِ جُنْدَبٍ قَالَ كَانَ النَّبِيُ عَلَيْنَا مِصَلَاةً اَقْبَلَ عَلَيْنَا بِوَجُهِهِ ٠

৮০৫ মূসা ইব্ন ইসমায়ীল (র.).....সামুরা ইব্ন জুনদব (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী . ক্লিট্রের্ব্র যখন সালাত শেষ করতেন, তখন আমাদের দিকে মুখ ফিরাতেন।

٨٠٦ حَدُّثَنَا عَبْدُ اللهِ بْنِ مَسْلَمَةَ عَنْ مَالِكٍ عَنْ صَالِحٍ بْنِ كَيْسَانَ عَنْ عُبَيْدِ اللهِ بْنِ عَبْدِ اللهِ بْنِ عُتْبَةَ بْنِ مَسْلَمَة عَنْ مَالِكٍ عَنْ صَالِحٍ بْنِ كَيْسَانَ عَنْ عُبَيْدِ اللهِ بْنِ عَبْدِ اللهِ بْنِ عَبْدِ اللهِ بْنِ عُلَى اثْرِ مَسْلَمة عَنْ زَيْدِبْنِ خَالِدٍ الْجُهَنِيِّ انَّهُ قَالَ صَلَّى لَنَا رَسُولُ اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهُ عَلَى النَّاسِ فَقَالَ هَلْ تَدُرُونُ مَاذَا قَالَ رَبُّكُمْ قَالُوا اللهُ وَرَسُولُهُ اَعْلَمُ سَمَاءٍ كَانَتُ مِنَ اللَّيْلَةِ فَلَمًّا انْصَرَفَ عَلَى النَّاسِ فَقَالَ هَلْ تَدُرُونُ مَاذَا قَالَ رَبُّكُمْ قَالُوا اللهُ وَرَسُولُهُ اَعْلَمُ

قَالَ اَصْـبَحَ مِنْ عَبَادِي مُؤْمِنُ بِي وَكَافِرُ فَامًا مَنْ قَالَ مُطِرْنَا بِفَضْلِ اللهِ وَرَحْـمَتِهِ فَذَٰلِكَ مُؤْمِنُ بِي وَكَافِرُ بِأَنْ وَكَافِرُ اللهِ وَرَحْـمَتِهِ فَذَٰلِكَ مُؤْمِنُ بِي وَكَافِرُ بِالْكَوْكَبِ وَامًّا مَنْ قَالَ بِنَوْءِ كَذَا وَكَذَا فَذَٰلِكَ كَافِرُ بِيْ وَمُؤْمِنُ بِالْكَوْكَبِ ،

৮০৬ আবদুল্লাহ্ ইব্ন মাসলামা (র.).....যায়দ ইব্ন খালিদ জুহানী (র.) থেকে বর্ণিত যে, তিনি বলেন, রাসূলুল্লাহ্ ক্রিট্রের রাতে বৃষ্টি হওয়ার পর হুদায়বিয়াতে আমাদের নিয়ে ফজরের সালাত আদায় করলেন। সালাত শেষ করে তিনি লোকদের দিকে ফিরে বললেন ঃ তোমরা কি জান, তোমাদের পরাক্রমশালী ও মহিমাময় প্রতিপালক কি বলেছেন ? তাঁরা বললেন ঃ আল্লাহ্ ও তাঁর রাসূলই উত্তম জানেন। রাসূলুল্লাহ্ ক্রিট্রের বললেন ঃ (রব) বলেন, আমার বান্দাদের মধ্য কেউ আমার প্রতি মু'মিন হয়ে গেল এবং কেউ কাফির। যে বলেছে, আল্লাহ্র করুণা ও রহমতে আমরা বৃষ্টি লাভ করেছি, সে হল আমার প্রতি বিশ্বাসী এবং নক্ষত্রের প্রতি অবিশ্বাসী। আর যে বলেছে, অমুক অমুক নক্ষত্রের প্রভাবে আমাদের উপর বৃষ্টিপাত হয়েছে, সে আমার প্রতি অবিশ্বাসী হয়েছে এবং নক্ষত্রের প্রতি বিশ্বাস স্থাপনকারী হয়েছে।

٨٠٧ حَدِّثَنَا عَبُدُ اللَّهِ بْنُ مُنِيْرٍ سَمِعَ يَزِيْدَ بْنُ هَارُوْنَ قَالَ اَخْبَرَنَا حُمَيْدُ عَنْ اَنَسٍ قَالَ اَخَّرَ رَسُولُ اللهِ

. يَنِيْ الصَّلَاةَ ذَاتَ لَيْلَةِ اللَّي شَطُرِ اللَّيْلِ ثُمَّ خَرَجَ عَلَيْنَا فَلَمَّا صَلَّى اَقْبَلَ عَلَيْنَا بِوَجْهِ ، فَقَالَ اِنَّ النَّاسَ قَدُ صَلَّوْا وَرَقَدُوا وَانْكُمْ لَنْ تَزَالُوا فَيْ صَلَاةٍ مَا انْتَظَرْتُمُ الصَّلاةَ .

৮০৭ আবদুল্লাহ্ ইব্ন মুনীর (র.)......আনাস ইব্ন মালিক (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, রাসূলুল্লাহ্ ক্রিট্র অর্ধরাত পর্যন্ত সালাত বিলম্ব করলেন। এরপর তিনি আমাদের সামনে বের হয়ে এলেন। সালাত শেষে তিনি আমাদের দিকে মুখ ফিরায়ে বললেন, লোকেরা সালাত আদায় করে ঘুমিয়ে পড়েছে। কিন্তু তোমরা যতক্ষণ পর্যন্ত সালাতের অপেক্ষায় থাকবে ততক্ষণ তোমরা যেন সালাতে রত থাকবে।

٥٤٨ . بَابُ مُكْثِ الْإِمَامِ فِي مُصلاً هُ بَعْدَ السلامِ وَقَالَ لَنَا أَدَمَ حَدَّثَنَا شُعْبَةٌ عَنْ آيُوبَ عَنْ نَافِعِ قَالَ
 كَانَ ابْنُ عُمَرَ يُصلِّي فِي مُكَانِهِ الَّذِي صلَّى فِي الْفَرِيْضَةَ وَفَعَلَ الْقَاسِمُ وَيُذْكَرُ عَنْ آبِي هُرَيْرَةَ رَفَعَ الْكَانَ ابْنُ عُمْرَ يُصلِّى فَي مُكَانِهِ وَلَمْ يُصبِحُ
 لاَيتَطَوَّعُ الْإِمَامُ فِي مُكَانِهِ وَلَمْ يُصبِحُ

৫৪৮. অনুচ্ছেদ ঃ সালামের পরে ইমামের মুসাল্লায় বসে থাকা। নাফি' (র.) থেকে বর্ণিত তিনি বলেন, ইব্ন উমর (রা.) যে জায়গায় দাঁড়িয়ে ফরয সালাত আদায় করতেন সেখানে দাঁড়িয়ে অন্য সালাত আদায় করতেন।এরূপ কাসিম (র.) আমল করেছেন। আবৃ হুরায়রা (রা.) থেকে মারুফ্' হাদীস বর্ণনা করা হয়ে থাকে যে, ইমাম তাঁর জায়গায় দাঁড়িয়ে নফল সালাত আদায় করবেন।(ইমাম বুখারী (র.) বলেন) এ হাদীসটি মারফ্' হিসেবে রিওয়ায়েত করা ঠিক নয়।

৮০৮ আবুল ওয়ালীদ হিশাম ইব্ন আবদুল মালিক (র.).....উমে সালামা (রা.) থেকে বর্ণিত, নবী সালাম ফিরানোর পর নিজ যায়গায় কিছুক্ষণ অপেক্ষা করতেন। ইব্ন শিহাব (র.) বলেন, রাসূলুল্লাহ্ 🚟 -এর বসে থাকার কারণ আমার মনে হয় সালাতের পর মহিলাগণ যাতে ফিরে যাওয়ার সুযোগ পান। তবে আল্লাহ্ই তা অধিক জ্ঞাত। ইব্ন আবূ মারইয়াম (র.).....হিন্দ বিন্ত হারিস ' ফিরাসিয়াহ (রা.) যিনি উন্মে সালামা (রা.)-এর বান্ধবী তাঁর সূত্রে নবী পত্নী উন্মে সালামা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, রাস্লুল্লাহ্ 🚟 সালাম ফিরাতেন, তারপর মহিলাগণ ফিরে গিয়ে তাঁদের ঘরে প্রবেশ করতেন, রাসূলুল্লাহ্ 🚟 -এর ফিরবার আগেই। ইব্ন ওহাব (র.) ইউনুস (র.) সূত্রে শিহাব (র.) থেকে বলেন যে, আমাকে হিন্দ ফিরাসিয়াহ (রা.) বর্ণনা করেছেন এবং উসমান ইব্ন উমর (র.) বলেন, আমাকে ইউনুস (র.) যুহরী (র.) থেকে বলেন যে, আমাকে হিন্দ ফিরাসিয়াহ (রা.) বর্ণনা করেছেন, আর যুবাইদী (র.) বলেন, আমাকে যুহরী (র.) বর্ণনা করেছেন যে, হিন্দ বিনত হারিস কুরাশিয়াহ (রা.) তাকে বর্ণনা করেছেন এবং তিনি মা'বাদ ইব্ন মিকদাদ (র.)-এর স্ত্রী। আর মা'বদ বনূ যুহরার সাথে সন্ধি চুক্তিতে আবদ্ধ ছিলেন এবং তিনি (হিন্দ) নবী ক্রীক্রি -এর সহধর্মিনীগণের নিকট যাতায়াত করতেন। ত'আইব (র.) যুহরী (র.) থেকে বলেন যে, আমাকে হিন্দ কুরাশিয়াহ (র.) বর্ণনা করেছেন। আর ইব্ন আবূ আতীক (র.) যুহরী (র.) সূত্রে হিন্দ ফিরাসিয়াহ (রা.) থেকে বর্ণনা করেছেন। রাইস (র.) ইয়াহ্ইয়া ইব্ন সায়ীদ (র.) সূত্রে ইব্ন শিহাব (র.) থেকে বর্ণনা করেছেন যে, কুরাইশের এক মহিলা তাঁকে নবী শ্রী থেকে বর্ণনা করেছেন।

#### 840. بَابُ مَنْ صَلَّى بِالنَّاسِ فَذَكَرَ حَاجَةٌ فَتَخَطَّاهُمْ

৫৪৯. অনুচ্ছেদ ঃ মুসল্লীদের নিয়ে সালাত আদায়ের পর কোন প্রয়োজনীয় কথা মনে পড়লে তাদের ডিঙ্গিয়ে যাওয়া।

٨٠٩ حَدُّثَنَا مُحَمَّدُ بُنُ عُبَيْدٍ قَالَ حَدَّثَنَا عِيْسَى بُنُ يُونُسَ عَنْ عُمَرَ بُنِ سَعِيْدٍ قَالَ اَخْبَرَنِي اِبْنُ اَبِي مَلْيَكَةً عَنْ عُقْبَةً قَالَ صَلَّيْتُ وَرَاءَ النَّبِي بَيْنَ بِالْمَدِيْنَةِ الْعَصْرَ فَسَلَّمَ ثُمَّ قَامَ مُسْرِعًا فَتَخَطَّى رِقَابَ النَّاسِ الله بَعْضِ حُجْرِ نِسَائِهِ فَفَرْعَ النَّاسُ مِنْ سَرُعَتِهِ فَخَرَجَ عَلَيْهِمْ فَرَأَى اَنَّهُمْ عَجِبُوا مِنْ سَرُعَتِهِ فَقَالَ ذَكَرْتُ الله مَنْ تَبْرِ عِنْدَنَا فَكَرِهْتُ اَنْ يَحْبَسَنَى فَأَمَّرُتُ بِقِسْمَتِه .

৮০৯ মুহাম্মদ ইব্ন উবাইদ (র.).......উকবা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আমি মদীনায় নবী . ক্রিট্রেট্র -এর পিছনে আসরের সালাত আদায় করলাম। সালাম ফিরানোর পর তিনি তাড়াতাড়ি দাঁড়িয়ে যান এবং মুসল্লীগণকে ডিঙ্গিয়ে তাঁর সহধর্মিনীগণের কোন একজনের কক্ষে গেলেন। তাঁর এই দ্রুততায় মুসল্লীগণ ঘাবড়িয়ে গেলেন। নবী ক্রিট্রেট্র তাঁদের কাছে ফিরে এলেন এবং দেখলেন যে, তাঁর দ্রুততার কারণে তাঁরা বিশ্বিত হয়ে পড়েছেন। তাই তিনি বললেনঃ আমাদের কাছে রক্ষিত কিছু স্বর্ণের কথা মনে পড়ে যায়। তা আমার প্রতিবন্ধক হোক, তা আমি পসন্দ করি না। তাই তা বন্টন করার নির্দেশ দিয়ে দিলাম।

### • ٥ ه ، بَابُ الْإِنْفِتَالُوا لَانْصِرَافِ عَنِ الْيَمِيْنِ وَالشِّمَالِ وَكَانَ انْسُ يَنْفَتِلُ عَنْ يَمِيْنِ وَعَنْ يَسَارِهِ وَيَعِيْبُ عَلَى مَنْ يَتَوَخُّى اَوْمَنْ يَعْمِدُ الْإِنْفِتَالَ عَنْ يَمِيْنِهِ

৫৫০. অনুচ্ছেদ ঃ সালাত শেষে ডান ও বাঁ দিকে ফিরে যাওয়া। আনাস ইব্ন মালিক রো.) কখনো ডান দিকে এবং কখনো বাঁ দিকে ফিরে যেতেন। নির্দিষ্ট করে ডান দিকে ফিরে যাওয়া দোষণীয় মনে করতেন।

٨١٠ حَدَّثَنَا اَبُو الُوَلِيْدِ قَالَ حَدَّتَنَا شُعْبَةُ عَنْ سُلَيْمَانَ عَنْ عُمَارَةَ بْنِ عُمَيْرٍ عَنِ الْاَسُودِ قَالَ قَالَ عَبْدُ اللهِ لاَ يَجْعَلُ اَحَدُكُمْ لِلشَّيْطَانِ شَيْئًا مِنْ صَلاَتِهِ يَرَى اَنَّ حَقًّا عَلَيْهِ اَنْ لاَ يَنْصَرِفَ الِاَّ عَنْ يَمِيْنِهِ لَقَدْ رَأَيْتُ اللهِ لاَ يَجْعَلُ اَحَدُكُمْ لِلشَّيْطَانِ شَيْئًا مِنْ صَلاَتِهِ يَرَى اَنَّ حَقًّا عَلَيْهِ اَنْ لاَ يَنْصَرِفَ الِاَّ عَنْ يَمِيْنِهِ لَقَدْ رَأَيْتُ اللهِ عَنْ يَسِارِهِ ، النَّبِيِّ عَلِيْهِ كَثْيُرًا يَنْصَرِفُ عَنْ يَسِارِهِ ،

৮১০ আবুল ওয়ালীদ (র.)......আসওয়াদ (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আবদুল্লাহ্ (ইব্ন মাসউদ) (রা.) বলেছেন, তোমাদের কেউ যেন তার সালাতের কোন কিছু শায়তানের জন্য না করে। তা হল, শুধুমাত্র ডান দিকে ফিরানো জরুরী মনে করা। আমি নবী ক্রিক্টু কে অধিকাংশ সময়ই বাম দিকে ফিরতে দেখেছি।

١٥٥، بَابُ مَاجَاءَ فِي النَّوَمِ النِّيِّ وَالْبَصلِ وَالْكُرَّاثِ وَقَدُو النَّبِيِ عَلَيْ مَنْ أَكُلَ النَّدَ الْبَصلَ مِنَ الْجُوعِ عَلَيْ النَّبِي عَلَيْ النَّدِي عَلَيْ النَّهِ عَلَى النَّدِي عَلَيْ النَّدِي عَلَيْ النَّدِي عَلَيْ النَّدِي عَلَيْ النَّدِي عَلَيْ النَّدِي عَلَيْ النَّدِي وَ الْكُراثِ وَقَدَ النَّالِ النَّبِي عَلَيْ النَّدِي عَلَيْ النَّامِ وَالْبَعْلَ النَّامِ وَالْكُراثِ وَقَدَ النَّامِ وَالْكُراثِ وَقَدَ النَّامِ وَالْكُراثِ وَقَدَ النَّامِ وَالْكُراثِ وَقَدْ النَّامِ وَالْكُراثِ وَقَدْ النَّامِ وَالْكُراثِ وَقَدْ النَّامِ وَالْمُ النَّامِ وَالْكُراثُ وَقَدْ النَّامِ وَالْكُراثُ وَقَدْ النَّامِ وَالْمُؤْمِ وَالْكُراثُ وَالنَّامِ وَالْمُؤْمِ وَالْمُؤْمِ وَالْكُراثُ وَالنَّامِ وَالْمُؤْمِ وَالْمُؤْمِ وَالْمُؤْمِ وَالْمُؤْمِ وَالْمُؤْمِ وَاللَّهُ وَاللَّامِ وَالْمُؤْمِ وَالْمُؤْمِ وَالْمُؤْمِ وَالْمُؤْمِ وَالْمُؤْمِ وَالْمُؤْمِ وَالْمُؤْمِ وَالْمُؤْمِ وَاللَّهُ وَالْمُؤْمِ وَاللَّهُ وَاللَّهُ اللَّالِي اللَّامِ وَالْمُؤْمِ وَالْمُؤْمِ وَالْمُؤْمِ وَالْمُؤْمِ وَالْمُؤْمِ وَاللَّهُ اللَّامُ وَاللَّهُ اللَّهُ اللَّامُ وَاللَّهُ اللَّامُ وَاللَّهُ اللَّهُ اللَّامُ وَالْمُؤْمِ اللَّهُ اللَّامُ اللَّالِي اللَّامِ وَاللَّالِي اللَّامِ وَالْمُؤْمِ اللْمُؤْمِ وَالْمُعُولُ وَاللَّالِي اللَّامِ وَالْمُؤْمِ اللَّامِ وَاللَّالِي اللَّامِ وَاللَّالِي اللَّامِ وَالْمُؤْمِ اللَّامِ وَالْمُؤْمِ وَاللْمُ اللَّامِ وَاللَّامِ اللَّامِ وَالْمُؤْمِ وَالْمُؤْمِ وَاللَّالِي اللْمُعِلَّ اللْمُعَلِي اللْمُؤْمِ وَالْمُؤْمِ وَالْمُؤْمِ وَالْمُؤْمِ وَالْمُؤْمِ وَالْمُؤْمِ اللْمُعَلِي اللْمُؤْمِ وَاللْمُ اللَّامِ وَالْمُؤْمِ وَالْمُؤْمِ وَالْمُوالِمُ اللْمُؤْمِ وَالْمُؤْمِ وَالْمُؤْمِ وَالْمُؤْمِ وَالْمُؤْمِ وَالْمُؤْمِ اللْمُومِ وَالْمُؤْمِ وَالْمُؤْمِ وَالْمُؤْمِ اللْمُؤْمِ اللْمُؤْمِ وَالْمُؤْمِ اللْمُؤْمِ وَالْمُؤْمِ وَالْمُؤْمِ وَالْمُؤْمِ وَالْمُومِ وَالْمُؤْمِ وَالْمُؤْمِ وَالْمُومِ وَالْمُؤْمِ وَالْمُؤْمِ و الْمُؤْمِ وَالْمُؤْمِ وَالْمُؤْمِ وَالْمُومِ وَالْمُؤْمِ وَالْمُ

৫৫৯. অনুচ্ছেদঃ কাচা রসুন, পিয়াজ, ও দুর্গন্ধযুক্ত মশলা বা তরকারী। নবী ্ট্র্ট্র -এর বাণীঃ ক্ষুধা বা অন্য কোন কারণে কেউ যেন রসুন বা পিয়াজ খেয়ে অবশ্যই আমাদের মসজিদের কাছে না আসে।

٨١١ حَدِّثَنَا عَبْدُ اللهِ بْنُ مُحَمَّدٍ قَالَ حَدِّثَنَا اَبُوْ عَاصِمٍ قَالَ اَخْبَرَنَا ابْنُ جُرَيْجٍ قَالَ اَخْبَرَنِي عَطَاءُ قَالَ مَعْدُ اللهِ بْنُ مُحَمَّدٍ قَالَ النَّبِيُّ عَظَاءُ قَالَ النَّبِي عَلَيْتُ مَنْ اَكُلَ مِنْ هَٰذِهِ الشَّجَرَةِ يُرِيْدُ النُّومَ فَلاَيَغُ شَانَا فِي مَسَاجِدِنَا قُلْتُ مَا يَعْنِيْ بِهِ قَالَ مَا اُرَاهُ يَعْنِيْ اللَّا نِيْئَهُ وَقَالَ مَخْلَدُ بْنُ يَزِيْدُ عَنْ ابْنِ جُرَيْجٍ اللَّا نَتْنَهُ .

চ১১ আবদুল্লাহ্ ইব্ন মুহামদ (র.).....জাবির ইব্ন আবদুল্লাহ্ (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী ক্রান্ত্রী বলেছেন ঃ কেউ যদি এ জাতীয় গাছ থেকে খায়, তিনি এ দ্বারা রসুন বুঝিয়েছেন, সে যেন আমাদের মসজিদে না আসে। (রাবী আতা (র.) বলেন) আমি জাবির (রা.) কে জিজ্ঞাসা করলাম, নবী ক্রান্ত্রী -এর দ্বারা কি বুঝিয়েছেন (জাবির (রা.)) বলেন, আমার ধারণা যে, নবী ক্রান্ত্রী -এর দ্বারা কাঁচা রসুন বুঝিয়েছেন এবং মাখ্লাদ ইব্ন ইয়াযীদ (র.) ইব্ন জুরায়জ (র.) থেকে দুর্গন্ধযুক্ত হওয়ার কথা উল্লেখ করেছেন।

٨١٢ حَدَّثَنَا مُسدَّدُ قَالَ حَدَّثَنَا يَحْيِي عَنْ عُبَيْدِ اللَّهِ قَالَ حَدَّثَنِي نَافِعٌ عَنِ ابْنِ عُمَرَ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهُمَا

أنَّ النَّبِيُّ عَنِيَّ قَالَ فِي غَزْوَةٍ خَيْبَرَ مَنْ أَكُلَ مَنْ هَذِهِ الشَّجَرَةِ يَعْنِي الثُّومَ فَلاَ يَقْرَبَنَّ مَسْجِدِنًا •

৮১২ মুসাদ্দাদ (র.).....ইব্ন উমর (রা.) থেকে বর্ণিত, নবী ক্রিট্রে খায়বারের যুদ্ধের সময় বলেন, যে ব্যক্তি এই জাতীয় বৃক্ষ থেকে অর্থাৎ কাচা রসুন ভক্ষণ করবে সে যেন অবশ্যই আমাদের মসজিদের কাছে না আসে।

مَدُّ بَنُ عَبْدِ اللَّهِ زَعَمَ اَنَّ النَّبِيُّ يَنِيُّ قَالَ مَنْ اَكُلَ ثُومًا اَوْ بَصِلاً فَلْيَعْتَزِلْنَا اَوْ فَلْيَعْتَزِلْ مَسْجِدَنَا وَلْيَقْعُدُ فِي بَيْتِهِ وَاَنَّ النَّبِيِّ عَلِيلَةٍ اَتِي بِقِدْرٍ فِيْهِ خَصْرَاتُ مِنْ بُقُولٍ فَوَجَدَ لَهَا رِيْحًا فَسَالَ فَأَخْبِرَ بِمَا فَيْهَا مِنَ الْبُقُولِ فَوَجَدَ لَهَا رِيْحًا فَسَالَ فَأَخْبِرَ بِمَا فَيْهَا مِنَ الْبُقُولِ فَقَالَ قَلَالًا فَقَالَ كُلُ فَانِي الْعَيْمَ الْكَثِي وَقَالَ فَقَالَ قَرَبُوهَا الِي بَعْضِ اَصْحَابِهِ كَانَ مَعَهُ فَلَمًّا سَأَهُ كَرِهَ اكْلَهَا فَقَالَ كُلُ فَانِي النَّهِي مَنْ لاَ تُنَاجِي وَقَالَ الْبُنُ وَهُب يَعْنِي طَبْقًا فِيهِ خَصْرَاتُ وَلَا اللَّهُ وَالْمَا اللَّهُ وَالْمَالِحِ عَنِ ابْنِ وَهُب أَتِي بِبَدْرٍ قَالَ ابْنُ وَهُب يَعْنِي طَبْقًا فِيه خَصْرَاتُ وَلَمْ يَذْكُر اللَّيْثُ وَأَبُولُ مَنْ قَوْلِ الزُّهْرِيِّ آوْ فِي الْحَدِيْثِ . وَهُ الْمَالُومُ وَلَا الْرُقُ مَنْ قَوْلِ الزُّهْرِيِّ آوْ فِي الْحَدِيْثِ .

সায়ীদ ইব্ন উফাইর (র.)......জাবির ইব্ন আবদুল্লাহ্ (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী ক্রিন্ট্রেবলেছেন ঃ যে ব্যক্তি রসুন অথবা পিয়াজ খায় সে যেন আমাদের থেকে দূরে থাকে অথবা বলেছেন, সে যেন আমাদের ম সজিদ থেকে দূরে থাকে আর নিজ ঘরে বসে থাকে। (উক্ত সনদে আরো বর্ণিত আছে যে,) নবী ক্রিট্রে -এর কাছে একটি পাত্র যার মধ্যে শাক-সজী ছিল আনা হলো। নবী ক্রিট্রে-এর কাম্ব পেলেন এবং এ ব্যাপারে জিজ্ঞাসা করলেন, তখন তাকে সে পাত্রে রক্ষিত শাক-সজী সম্পর্কে অবহিত করা হলো, তখন একজন সাহাবী (আবৃ আইয়ুব (রা.)-কে উদ্দেশ্য করে বললেন, তাঁর কাছে এগুলো পেঁছিয়ে দাও। কিন্তু তিনি তা খেতে অপসন্দ মনে করলেন, এ দেখে নবী ক্রিট্রেবললেনঃ তুমি খাও। আমি যাঁর সাথে গোপনে আলাপ করি তাঁর সাথে তুমি আলাপ কর না (ফিরিশ্তার সাথে আমার আলাপ হয় তাঁরা দুর্গন্ধকে অপসন্দ করেন) আহ্মাদ ইব্ন সালিহ্ (র.) ইব্ন ওয়াহাব (র.) থেকে বলেছেন, খুঞ্জা যার মধ্যে শাক-সজী ছিল। আর লায়স ও আবৃ সাফওয়ান (র.) ইউন্স (র.) থেকে রিওয়ায়াত বর্ণনায় ক্রিট্রে ওর বর্ণনা যুহরী (র.) -এর উক্তি, না হাদীসের অংশ তা আমি বলতে পারছি না।

٨١٤ حَدَّثَنَا أَبُو مَعْمَر حَدَّثَنَا عَبْدُ الْوَارِثِ عَنْ عَبْدِ الْعَزِيْزِ قَالَ سَأَلُ رَجُلُ أَنَسُ بْنَ مَالِكِ مَا سَمِعْتَ نَبِيَّ اللهِ عَالَى اللهِ عَلَيْنَ مَعْنَا وَاللهِ عَلَيْنَ مَعَنَا وَاللهِ عَلِيْنَ مَعَنَا وَاللهِ عَلِيْنَ مَعَنَا وَاللهِ عَلِيْنَ مَعَنَا وَاللهِ عَلِيْنَ مَعَنَا وَاللهِ عَلِينَ مَعَنَا وَاللهِ عَلَيْنَ اللهُ عَلَى اللهِ عَلَيْنَ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْنَ اللهُ عَلَيْنَ اللهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْ عَلَى اللهُ عَلَيْكُونَ مَا اللهُ عَلَى عَلَى اللهُ عَلَى الله

৮১৪ আবৃ মা মার (র.).....আবদুল আযীয় (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, এক ব্যক্তি আনাস ইব্ন মালিক (রা.)-কে জিজ্ঞাসা করলেন, আপনি নবী ক্রিট্রেই -কে রসুন খাওয়া সম্পর্কে কি বলতে শুনেছেন । তখন আনাস (রা.) বলেন, নবী ক্রিট্রেই বলেছেন । যে ব্যক্তি এ জাতীয় গাছ থেকে খায় সে যেন, অবশ্যই আমাদের কাছে না আসে এবং আমাদের সঙ্গে সালাত আদায় না করে।

## ٥٥٢ . بَابُ وَضُورُ الصِّبْيَانِ وَمَتَى يَجِبُ عَلَيْهِمُ الْفَسْلُ وَالطَّهُورُ وَحُضُورِهِمُ الْجَمَاعَةُ وَالْعِيْدَيْنِ وَالْجَنَائِزَ

৫৫২. অনুচ্ছেদঃ শিশুদের উয় করা, কখন তাদের উপর গোসল ও পবিত্রতা অর্জন ওয়াজিব হয় এবং সালাতের জামা'আতে, দু' ঈদে এবং জানাযায় তাদের হাযির হওয়া এবং কাতারবন্দী হওয়া।

٨١٥ حَدَّثَنَا مُحَمَّدُ ابْنُ الْمُثَنِّى قَالَ حَدَّثَنِى غُنْدَرُ قَالَ حَدَّثَنَا شُعْبَةُ قَالَ سَمِعْتُ سلَيْمَانَ الشَّيْبَانِيَّ قَالَ سَمِعْتُ سلَيْمَانَ الشَّيْبَانِيُّ قَالَ سَمِعْتُ الشَّعْبِيِّ قَالَ اخْبَرَنِي مَنْ مَرَّ مَعَ النَّبِيِّ بَيْنِ عَلَى قَبْرٍ مَنْبُودِ فَأَمَّهُمْ وَصَفُّوا عَلَيْهِ فَقُلْتُ يَا اَبَا عَمْرِ مَن حَدَّتُكَ فَقَالَ ابنُ عَبَّاسٍ .

৮১৫ মুহামদ ইব্ন মুসান্না (র.).....শা'বী (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, এমন এক ব্যক্তি আমাকে খবর দিয়েছেন, যিনি নবী ক্রিন্ত্র এর সঙ্গে একটি পৃথক কবরের কাছে গেলেন। নবী সেই সেখানে লোকদের ইমামতি করেন। লোকজন কাতারবন্দী হয়ে তাঁর পিছনে দাঁড়িয়ে গেল। আমি জিজ্ঞাসা করলাম, হে আবূ আমর! কে আপনাকে এ হাদীস বর্ণনা করেছেন। তিনি বললেন, ইব্ন আব্বাস (রা.)।

٨١٦ حَدَّثَنَا عَلِيٌّ بْنُ عَبْدِ اللَّهِ قَالَ حَدَّثَنَا سُفْيَانُ قَالَ حَدَّثَنِي صَفْوَانُ بْنُ سُلَيْمٍ عَنْ عَطَاءٍ بْنِ يَسَارٍ عَنْ أَبِي سَعَيْدٍ الْخُدْرِيِّ عَنِ النَّبِيِّ عَلِيْهُ قَالَ الْغُسُلُ يَوْمَ الْجُمُعَةِ وَاجِبُ عَلَى كُلِّ مُحْتَلِمٍ • أَبِي سَعِيْدٍ الْخُدْرِيِّ عَنِ النَّبِيِّ عَلِيْهُ قَالَ الْغُسُلُ يَوْمَ الْجُمُعَةِ وَاجِبُ عَلَى كُلِّ مُحْتَلِمٍ •

৮১৬ আলী ইব্ন আবদুলাহ্ (র.).....আবৃ সায়ীদ খুদ্রী (রা.) সূত্রে নবী ক্রিট্র থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, জুমু'আর দিন প্রত্যেক প্রাপ্তবয়স্ক (মুসলমানের) গোসল করা কর্তব্য।

الله عَنْهُمَا قَالَ بِتُ عِبْدِ اللهِ قَالَ اَخْبَرَنَا سَفْيَانُ عَنْ عَمْرِهِ قَالَ اَخْبَرَنِيْ كُرَيْبُ عَنِ ابْنِ عَبّاسٍ رَضِي الله عَنْهُمَا قَالَ بِتُ عِبْدَ خَالَتِيْ مَيْدُمُونَةَ لَيْلَةً فَنَامَ النّبِي عَيْقِي فَلَمًا كَانَ فِي بَعْضِ اللّيْلِ قَامَ رَسُولُ الله عَنْهُمَا قَالَ بِتُ عِبْدَ خَالَتِي مَعْتَقِ وَضُواً خَفِيفًا يُخَفِّفُهُ عَمْرُو وَيُقَلِّلُهُ جِدًا ثُمَّ قَامَ يُصلِّي فَقُمْتُ فَتَوَضَّاتُ نَحُوا مَعْقَ وَصُواً خَفْيفًا يُخَفِّفُهُ عَمْرُو وَيُقَلِّلُهُ جِدًا ثُمَّ قَامَ يُصلِّي فَقُمْتُ فَتَوَضَّاتُ نَحُوا مَعْقَ وَصُوا الله عَمْرِهِ وَيُقَلِّلُهُ جِدًا ثُمَّ قَامَ يُصلِّي فَقُمْتُ عَنْ يَسَارِهِ فَحَولَنِي فَجَعَلَنِي عَنْ يَمِيْنِهِ ثُمْ صَلِّى مَا شَاءَ الله ثُمَّ اضَطَجَعَ فَنَامَ مَعْ الله عَنْ يَمِيْنِهِ ثُمْ صَلِّى مَا شَاءَ الله ثُمَّ اضُطَجَعَ فَنَامَ حَتَّى نَفَخَ فَأَتَاهُ الْمُنَادِي يَقُولُ إِنْ مَوْلَكِم وَلَا يَنَامُ قَلْمُ مَعَهُ إِلَى الصَلاَةِ فَقَامَ مَعَهُ إِلَى الصَلاَةِ فَصَالًى وَلَمْ يَتَوَضَّا قُلْنَا لِعَمْرِو إِنْ نَاسًا يَقُولُونَ إِنَّ النَّبِي تَيْخُولُ إِنْ رُؤْيا الْانَبِياءِ يَقُولُونَ إِنَّ النَّبِي تَرَبِي تَنَامُ عَيْنُهُ وَلاَ يَنَامُ قَلْهُ قَالَ عَمْرُو سَمَعْتُ عُبَيْدَ بُنَ عُمَيْرٍ يَقُولُ إِنْ رُؤْيا الْانَبِياءِ وَهُ كَالله إِنْ رُؤْيا الْانَبِياءِ وَهُ يَنَامُ وَلَا يَنَامُ قَلْهُ قَالَ عَمْرُو سَمَعْتُ عُبَيْدَ بُنَ عُمَيْرٍ يَقُولُ إِنْ رُؤْيا الْانَبِياءِ وَهُمَا إِنْ رُؤُيا الْانَعْمَ الْمَنَامِ انَيْ الْمَنَامِ انَيْ الْمَعَلِي الْمَنَامِ انَيْ الْمَالَامِ انَيْ الْمَنَامِ انَيْ الْمَاعِ انَتَى اللّهُ عَلَى المَعْلَا عَلَى عَلَى الْمُعَلِي عَلَى الْمَنَامِ الْمَا عَلَى الْمَنَامِ اللّهُ عَلَى الْمُعَامِ الْمَنَامِ انْتَى اللّهُ عَلَى عَلَيْدِ مُ مَا صَلَى الْمَنَامِ اللّهُ الْمُ الْمَعَامِ الْمَنَامِ اللّهُ اللّهُ الْمُ اللّهُ اللللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ

চি১৭ আলী ইব্ন আবদুল্লাহ্ (র.).....ইব্ন আব্বাস (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আমি এক রাতে আমার খালা (উমুল মু'মিনীন) মাইমূনা (রা.) এর কাছে রাত্র কাটালাম। সে রাতে নবী ক্রাট্রাই -ও সেখানে নিদ্রা যান। রাতের কিছু অংশ অতিবাহিত হলে তিনি উঠলেন এবং একটি ঝুলন্ত মশ্ক থেকে পানি নিয়ে হাল্কা উয়ু করলেন। আম্র (বর্ণনাকারী) এটাকে হাল্কা এবং অতি কম বুঝলেন। এরপর তিনি সালাতে দাঁড়ালেন। ইব্ন আব্বাস (রা.) বলেন, আমি উঠে তাঁর মতই সংক্ষিপ্ত উয়ু করলাম, এরপর এসে নবী ক্রাট্রাই -এর বামপাশে দাঁড়িয়ে গেলাম। তখন তিনি আমাকে ঘুরিয়ে তাঁর ডানপাশে করে দিলেন। এরপর যতক্ষণ আল্লাহ্র ইচ্ছা সালাত আদায় করলেন, এরপর বিছানায় ওয়ে ঘুমিয়ে পড়লেন। এমনকি শ্বাস-প্রশ্বাসের আওয়ায হ তে লাগল, এরপর মুআয্বীন এ সে সালাতের কথা জানালে তিনি উঠে তাঁর সালোতের জন্য চলে গেলেন এবং সালাত আদায় করলেন। কিন্তু (নতুন) উয়ু করলেন না। সুফিয়ান (র.) বলেন, আমি আমর (র.)-কে জিজ্ঞাসা করেছিলাম, লোকজন বলে থাকেন, নবী ক্রাট্রাই -এর চোখ নিদ্রায় যেত কিন্তু তাঁর কাল্ব (হুদয়) জাগ্রত থাকত। আম্র (র.) বললেন, উবাইদ ইব্ন উমাইর (র.)-

কে আমি বলতে শুনেছি যে, নিশ্চয়ই নবীগণের স্বপ্ল অহী। তারপর তিনি তিলাওয়াত করলেন النَّيْ اَرَى فِي الْكِنَاءِ الْكَامِ الْجُوالَاثِي الْكِنَاءِ الْكُلَّةُ الْكِنَاءُ الْكُلَاءُ الْكِنَاءُ الْكُنَاءُ الْكُلِيَّةُ الْكِنَاءُ الْكُلِيَاءُ الْكُلَاءُ الْكُ

٨١٨ حَدَّتَهُ مُلَيْكَةَ دَعَتُ رَسُولَ اللهِ عَلَيْ قَالَ حَدَّتَنِي مَالِكِ عَنْ السَّحَقَ بْنِ عَبْدِ اللهِ بْنِ اَبِي طَلْحَةَ عَنْ اَنَسٍ ابْنِ مَالِكٍ أَنَّ وَحَدِيْرٍ جَدَّتَهُ مُلَيْكَةَ دَعَتُ رَسُولَ اللهِ عَلَيْ وَالْعَبُورُ مِنْ وَرَائِنَا فَصَلْمُ اللهِ عَلَيْ وَالْعَبُورُ مِنْ وَرَائِنَا فَصَلْمُ اللهِ عَلَيْ وَالْيَتِيمُ مَعِيْ وَالْعَجُورُ مِنْ وَرَائِنَا فَصَلْمُ اللهِ عَلَيْ وَالْيَتِيمُ مَعِيْ وَالْعَجُورُ مِنْ وَرَائِنَا فَصَلْمُ اللهِ عَلَيْ مَا رَحَمَتُ مُ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ وَالْيَتِيمُ مَعِيْ وَالْعَجُورُ مِنْ وَرَائِنَا فَصَلْمُ بِنَا رَكَعَتَيْنَ .

৮১৮ ইসমায়ীল (র.).....আনাস ইব্ন মালিক (রা.) থেকে বর্ণিত, ইসহাক (র.)-এর দাদী মুলাইকা (রা.) খাদ্য তৈরী করে রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্রে-কে দাওয়াত করলেন। তিনি তার তৈরী খাবার খেলেন। এরপর তিনি বললেন ঃ তোমরা উঠে দাঁড়াও, আমি তোমাদের নিয়ে সালাত আদায় করব। আনাস (রা.) বলেন, আমি একটি চাটাইয়ে দাঁড়ালাম যা অধিক ব্যবহারের কারণে কালো হয়ে গিয়েছিল। আমি এতে পানি ছিটিয়ে দিলাম। রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্রে সালাতে দাঁড়ালেন, আমার সঙ্গে একটি ইয়াতীম বাচ্চাও দাঁড়াল এবং বৃদ্ধা আমাদের পিছনে দাঁড়ালেন। আমাদের নিয়ে তিনি দু' রাকাআত সালাত আদায় করলেন।

٨١٩ حَدَّثَنَا عَبْدُ اللهِ بْنُ مَسْلَمَةَ عَنْ مَالِكٍ عَنِ ابْنِ شِهَابٍ عَنْ عُبَيْدِ اللهِ بْنِ عَبْدِ اللهِ بْنِ عَقْبَةَ عَنِ ابْنِ عَبْدِ اللهِ بْنِ عَبْدِ اللهِ بْنِ عَقْبَةَ عَنِ ابْنِ عَبْدَ اللهِ عَنْهُمَا اَنَّهُ قَالَ اَقْبَلْتُ رَاكِبًا عَلَى حَمَارٍ اَتَانٍ وَانَا يَوْمَئِذٍ قَدْ نَاهَزُتُ الْاحْتِلاَمَ رَسُولَ اللهِ عَبَّاسٍ رَضِي اللهُ عَنْهُمَا اَنَّهُ قَالَ اَقْبَلْتُ رَاكِبًا عَلَى حَمَارٍ اتَانٍ وَانَا يَوْمَئِذٍ قَدْ نَاهَزُتُ الْاحْتِلاَمَ رَسُولَ اللهِ عَبْسِ الصَّفِّ فَنَزَلْتُ وَأَرْسَلَتُ الْاَتَانَ تَرْتَعُ وَمَا اللهِ عَيْدِ جِدَارٍ فَمَرَرُتُ بَيْنَ يَدَى بَعْضِ الصَّفِّ فَنَزَلْتُ وَأَرْسَلَتُ الْاتَانَ تَرْتَعُ وَدَخَلْتُ فِي الصَّفِّ فَنَزَلْتُ وَأَرْسَلَتُ الْاَتَانَ تَرْتَعُ وَدَخَلْتُ فِي الصَّفِّ فَلَمْ يُنْكِرُ ذَلِكَ عَلَى ّ اَحَدُ .

৮১৯ আবদুল্লাহ্ ইব্ন মাসলামা (র.).....আবদুল্লাহ্ ইব্ন আব্বাস (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আমি একটি গাধার উপর আরোহণ করে অগ্রসর হলাম। তখন আমি প্রায় সাবালক। এ সময় রাসূলুল্লাহ্ . ক্রিট্রি মিনায় প্রাচীর ব্যতীত অন্য কিছু সামনে রেখে লোকদের নিয়ে সালাত আদায় করছিলেন। আমি কোন এক কাতারের সমুখ দিয়ে অগ্রসর হয়ে এক জায়গায় নেমে পড়লাম এবং গাধাটিকে চরে বেড়ানোর জন্য ছেড়ে দিলাম। এরপর আমি কাতারে প্রবেশ করলাম। আমার এ কাজে কেউ আপত্তি করলেন না।

AY حَدَّثَنَا أَبُو الْيَمَانِ قَالَ آخْبَرَنَا شُعَيْبُ عَنِ الزُّهْرِيِّ قَالَ آخْبَرَنِيْ عُرُوّةُ بْنُ الزَّبَيْرِ اَنَّ عَائِشَةَ قَالَتُ الْعُبَى مَدَّتَنَا مَعْمَرُ عَنِ الزُّهْرِيِّ عَنْ عُرُوَةً عَنْ عَائِشَةً رَضِي اللَّهُ عَنْ النَّهِيُّ عَنْ عُرُوّةً عَنْ عَائِشَةً رَضِي اللَّهُ عَنْهَا قَالَتُ اعْتَمَ رَسُولُ اللهِ عَلَيْ فَي الْعِشَاءِ حَتَّى نَادَاهُ عُمَرُ قَدْ نَامَ النِّسَاءُ وَالصَّبْيَانُ فَخَرَجَ رَسُولُ اللهِ عَنْهُ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ الله عَمَرُ قَدْ نَامَ النِّسَاءُ وَالصَّبْيَانُ فَخَرَجَ رَسُولُ اللهِ عَنْهَا قَالَتَ آعْتَمَ رَسُولُ اللهِ عَلَيْ فَي الْعِشَاءِ حَتَّى نَادَاهُ عَمَرُ قَدْ نَامَ النِّسَاءُ وَالصَّبْيَانُ فَخَرَجَ رَسُولُ اللهِ

. عَبِينَ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ ا

৮২০ আবুল ইয়ামান ও আইয়াশ (র.)......আয়িশা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেছেন, রাসূলুল্লাহ্
রূল্ট্রিইইশার সালাত আদায় করতে অনেক বিলম্ব করলেন। অবশেষে উমর (রা.) তাঁকে আহবান করে
বললেন, নারী ও শিশুরা ঘুমিয়ে পড়েছে। আয়িশা (রা.) বলেন, তখন রাসূলুল্লাহ্
বললেনঃ তোমরা ব্যতীত পৃথিবীর আর কেউ এ সালাত আদায় করে না। (রাবী বলেন,) মদীনাবাসী
ব্যতীত আর কেউ সে সময় সালাত আদায় করতেন না।

চি২১ আম্র ইব্ন আলী (র.).....ইব্ন আব্বাস (রা.) থেকে বর্ণিত যে, এক ব্যক্তি তাঁকে জিজ্ঞাসা করল, আপনি নবী ক্লিট্রে -এর সঙ্গে কখনো ঈদের মাঠে গমন করেছেন ? তিনি বললেন, হাঁা, গিয়েছি। তবে তাঁর কাছে আমার যে মর্যাদা ছিল তা না থাকলে আমি অল্প বয়ঙ্ক হওয়ার কারণে সেখানে যেতে পারতাম না। তিনি কাসীর ইব্ন সাল্তের বাড়ীর কাছে যে নিশানা ছিল সেখানে আসলেন (নামাযান্তে) পরে খুত্বা দিলেন। এরপর মহিলাদের নিকট গিয়ে তিনি তাদের ওয়ায ও নসীহত করেন। এবং তাদের সাদাকা করতে নির্দেশ দেন। ফলে মহিলারা তাঁদের হাতের আংটি খুলে বিলাল (রা.)-এর কাপড়ের মধ্যে ফেলতে লাগলেন। এরপর নবী করীম ক্লিট্রে ও বিলাল (রা.) বাড়ী চলে এলেন।

#### ٥٥ ، بَابُ خُرُوج النِّسَاء إلَى الْمَسَاجِدِ بِاللَّيْلِ وَالْفَلَسِ

৮২২ আবুল ইয়ামান (র.)......আয়িশা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, একদিন রাস্লুল্লাহ্ ক্রান্ত্রীর ইশার সালাত আদায় করতে অনেক বিলম্ব করলেন। ফলে উমর (রা.) তাঁকে আহবান করে বললেন, মহিলা ও শিশুরা ঘুমিয়ে পড়েছে। তখন নবী করীম ক্রান্ত্রীর বেরিয়ে এসে বললেন ঃ এ সালাতের জন্য পৃথিবীতে অন্য কেউ অপেক্ষারত নেই। সে সময় মদীনাবাসী ব্যতীত অন্য কোথাও সালাত আদায় করা হত না। মদীনাবাসীরা স্থান্তের পর পশ্চিম আ কাশের দৃশ্যমান লালিমা অদৃশ্য হওয়ার সময় থেকে রাতের প্রথম তৃতীয়াংশ সময় পর্যন্ত সময়ের মধ্যে ইশার সালাত আদায় করতেন।

٨٢٣ حَدِّثَنَا عُبِيدُ اللَّهِ بْنُ مُوسِلَى عَنْ حَنْظَلَةَ عَنْ سَالِمِ بْنِ عَبْدِ اللَّهِ عَنِ ابْنِ عُمَر رَضِيَ اللَّهُ عَنْهُمَا عَنِ النَّبِيِ عَلَيْكُ اللَّهِ عَنِ اللَّهُ عَنْهُمَا عَنِ اللَّعْمَشِ عَنْ النَّبِي عَلَيْكُ قَالَ اذِا اسْتَأْذَنَكُمْ نِسَاؤُكُمْ بِاللَّيْلِ الِى الْمَسْجِدِ فَأَذُنُوا لَهُنَّ ، تَابَعَهُ شُعْبَةُ عَنِ الْاَعْمَشِ عَنْ النَّبِي عَلَيْهُ ، مُجَاحِدٍ عَنِ ابْنِ عُمَرَ عَنِ النَّبِي عَلَيْهِ .

৮২৩ উবাইদুল্লাহ্ ইব্ন মূসা (র.).....ইব্ন উমর (রা.) থেকে বর্ণিত, নবী করীম্লুল্লুবলেছেন ঃ যদি তোমাদের স্ত্রীগণ রাতে মসজিদে আসার জন্য তোমাদের নিকট অনুমতি প্রার্থনা করে, তা হলে তাদের অনুমতি দিবে। ত'বা (র.).....ইব্ন উমর (রা.) নবীল্লিল্লেথিথেকে হাদীস বর্ণনায় উবাইদুল্লাহ্ ইব্ন মূসা (র.)-এর অনুসরণ করেছেন।

٨٢٤ حَدُّثَنَا عَبْدُاللَّهِ بَنُ مُحَمَّدٍ حَدَّثَنَا عُثْمَانُ بَنُ عُمَرَ اَجْبَرَنَا يُونُسُ عَنِ الزُّهْرِيِّ قَالَ حَدُّثَنِي هَنِدُ بِنْتُ الْحَارِثِ اَنَّ اُمَّ سَلَمَ اللَّهِ عَلَيْكُ كُنَّ اِذَا سَلَّمْنَ مِنَ الْحَارِثِ اَنَّ اُمَّ سَلَمَ اللَّهِ عَلَيْكُ كُنَّ اِذَا سَلَّمْنَ مِنَ الْحَارِثِ اَنَّ اللَّهِ عَهْدِ رَسُولُ اللهِ عَلَيْكُ كُنَّ اِذَا سَلَّمْنَ مِنَ الْمَكْتُونَةِ قُمْنَ وَتَبَتَ رَسُولُ اللهِ عَلِيْكُ وَمَنْ صَلَّى مِنَ الرِّجَالِ مَا شَاءَ اللَّهُ عَلِيْكُ فَاإِذَا قَامَ رَسُولُ اللهِ عَلِيْكُ . قَمَنَ وَتَبَتَ رَسُولُ اللهِ عَلِيْكُ اللهِ عَلَيْكُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْكُ اللهُ اللهُ عَلَيْكُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْكُ اللهُ عَلَيْكُ اللهُ عَلَيْكُ اللهُ عَلَمُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَيْكُ اللهُ عَلَيْكُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَيْكُ اللهُ عَلَيْكُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَيْكُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَيْكُ اللهُ ال

৮২৪ আবদুলাহ্ ইব্ন মুহামদ (র.).....হিন্দ বিন্ত হারিস (র.) থেকে বর্ণিত, নবী করীম ক্রিট্র -এর সহধর্মিণী সালামা (রা.) তাঁকে জানিয়েছেন, মহিলাগণ রাস্লুলাহ্ ক্রিট্র -এর সময় ফর্য সালাতের সালাম ফিরানোর সাথে সাথে উঠে যেতেন এবং রাস্লুলাহ্ ক্রিট্র -ও তাঁর সঙ্গে সালাত আদায়কারী পুরুষগণ, আল্লাহ্ যতক্ষণ ইচ্ছা করেন, (তথায়) অবস্থান করতেন। তারপর যখন রাস্লুলাহ্ উঠতেন, তখন পুরুষগণও উঠে যেতেন।

اللهِ مَدُّتُنَا عَبُدُ اللهِ بْنُ مَسْلَمَةً عَنْ مَالِهِ ح وَحَدَّتُنَا عَبْدُ اللهِ بْنُ يُوسُفَ قَالَ آخُبرَنَا مَالِكُ عَنْ يَحْيَى بْنِ سَعِيْدٍ عَنْ عَمْرَةً بِنْتِ عَبْدِ الرَّحُمٰنِ عَنْ عَائِشَةً قَالَتُ انْ كَانَ رَسُولُ اللهِ عَلِيْهِ لَيُصلِّى الصَّبْعَ فَتَنْصَرِفُ النِّسَاءُ مُتَلَقِّعَاتٍ بِمُرُوطِهِنَّ مَا يُعْرَفنَ مِنَ الْغَلَسَ ٠٠

৮২৫ আবদুল্লাহ্ ইব্ন মাস্লামা ও আবদুল্লাহ্ ইব্ন ইউসুফ (র.).....আয়িশা (রা.) থেকে বর্ণিত, বুখারী শরীফ (২)—২১

তিনি বলেন, রাস্লুল্লাহ্মার্ক্রিযখন ফজরের সালাত শেষ করতেন তখন মহিলাগণ চাদরে সর্বাঙ্গ আচ্ছাদিত করে ঘরে ফিরতেন। অন্ধকারের কারণে তখন তাঁদেরকে চিনা যেতো না।

٨٢٦ حَدُّثَنَا مُحَمَّدُ بُنُ مِسْكِيْنٍ قَالَ حَدُّثَنَا بِشْرُ اَخْبَرَنَا الْاَوْزَاعِيُّ حَدَّثَنِي يَحْيَى بُنُ أَبِي كَثِيرٍ عَنْ عَبْدِ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَى المَلاةِ وَانَا أُرِيدُ اَنْ اللهِ عَلَى اللهُ عَلَى اللهِ ع

৮২৬ মুহাম্মদ ইব্ন মিস্কীন (র.)......আবৃ কাতাদা আনসারী (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি ব লেন, রাস্লুল্লাহ্ বলেছেন ঃ আমি সালাতে দাঁড়িয়ে তা দীর্ঘায়িত করব বলে ইচ্ছা করি, এরপর শিশুর কারা তনতে পেয়ে আমি সালাত সংক্ষিপ্ত করি এ আশংকায় যে, তার মায়ের কষ্ট হবে।

٨٢٧ حَدُّثَنَا عَبْدُ اللهِ بْنُ يُوسُفَ قَالَ اَخْبَرَنَا مَالِكُ عَنْ يَحْيَى بْنِ سَعِيْدٍ عَنْ عَمْرَةَ عَنْ عَائِشَةَ رَضِيَ اللهُ عَنْهَا قَالَتُ لَوْ اَدْرَكَ رَسُولُ اللهِ عَلِي لَهُ مَا أَحْدَثَ النِّسَاءُ لَمَنَعَهُنَّ كَمَا مُنْعَتُ نِسَاءُ بَنِي اِسْرَائِيْلَ قُلْتُ لَعَمْرَةَ اَوْ مُنْعَنَ قَالَتُ نَعَمْ .

৮২৭ আবদুল্লাহ্ ইব্ন ইউসুফ (র.).....আয়িশা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, যদি রাসূলুল্লাহ্ ক্রিলিল্লাহ্ জানতেন যে, মহিলারা কি অবস্থা সৃষ্টি করেছে, তা হলে বনী ইসরাঈলের মহিলাদের যেমন নিষেধ করা হয়েছিল, তেমনি এদেরও মসজিদে আসা নিষেধ করে দিতেন। (রাবী) ইয়াহ্ইয়া ইব্ন সায়ীদ (র.) বলেন,) আমি আমরাহ্ (রা.)-কে জিজ্ঞাসা করলাম, তাদের কি নিষেধ করা হয়েছিল ? তিনি বললেন, হাঁ।

#### ٤٥٥. بَابُ صَلاّةِ النِّسَاءِ خَلْفَ الرِّجَالِ

৫৫৪. অনুচ্ছেদ ঃ পুরুষগণের পিছনে মহিলাগণের সালাত।

٨٢٨ حَدُّثَنَا يَحُـيِّى بْنُ قَرْعَةَ قَالَ حَدَّثَنَا آبِرَاهِيْمُ بْنُ سَعْد عَنِ الزُّهْرِيِّ عَنْ هِنْدَ بِنْتِ الْحَارِثِ عَنْ أُمِّ سَلْمَةَ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهَا قَالَتُ كَانَ رَسُولُ اللهِ عَبِيلِهِ إِذَا سَلَّمَ قَامَتِ النِّسَاءُ حِيْنَ يَقَضِي تَسُلِيْمَةُ وَيَمْكُثُ هُوَ سَلَمَةَ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهَا قَالَتُ كَانَ رَسُولُ اللهِ عَبِيلِهِ إِذَا سَلَّمَ قَامَتِ النِّسَاءُ حَيْنَ يَقَضِي تَسُلِيْمَةُ وَيَمْكُثُ هُوَ فَي مُقَامِهِ يَسِيْسَرًا قَبْلَ اَنْ يَقُومَ قَالَ نَرَى وَالله إِلَيْهِ آغَلُمُ اَنْ ذَٰلِكَ كَانَ لِكَى تَنْصَرِفَ النِّسَاءُ قَبْلَ اَنْ يُدْرِكَهُنَ مِنَ الرِّجَالِ ٠

৮২৮ ইয়াহ্ইয়া ইব্ন কাযাআ' (র.).....উম্মে সালামা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী করীম ত্রাম্মুক্তি যখন সালাম ফিরাতেন, তখন মহিলাগণ তাঁর সালাম শেষ করার পর উঠে যেতেন। নবী করীম ক্রিমুক্তি দাঁড়ানোর আগে নীজ জায়গায় কিছুক্ষণ অবস্থান করতেন। রাবী (যুহরী (র.) বলেন, আমাদের

মনে হয়, তা এজন্য যে, অবশ্য আল্লাহ্ ভাল জানেন, যাতে মহিলাগণ চলে যেতে পারেন, পুরুষগণ তাদের যাওয়ার আগেই।

٨٢٩ حَدَّثَنَا أَبُو نُعَيْمٍ قَالَ حَدَّثَنَا ابْنُ عُيِيْنَةَ عَنْ اسْحِقَ انْسِ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهُ قَالَ صلَّى النَّبِيُّ عَيْنَةً فِي اللَّهِ عَنْهُ النَّبِيُّ عَيْنَةً فِي النَّبِي عَيْنَةً فِي النَّبِي عَيْنَةً عَنْ اسْمَعِ خَلْفَهُ وَأُمُّ سليَمُ خَلْفَنَا ،

৮২৯ আবৃ নু'আইম (র.).....আনাস (ইব্ন মালিক) (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী করীম . ক্রিট্রি উমে সুলাইম (রা.)-এর ঘরে সালাত আদায় করেন। আমি এবং একটি ইয়াতীম তাঁর পিছনে দাঁড়ালাম আর উমে সুলাইম (রা.) আমাদের পিছনে দাঁড়ালেন।

#### ٥٥٥. بَابُ سُرْعَةِ اِنْصِرَافِ النِّسَاءِ مِنَ الصَّبْحِ وَقِلَّةٍ مَقَامِهِنَّ فِي الْمَسْجِدِ

৫৫৬. অনুচ্ছেদ ঃ ফজরের সালাত শেষে মহিলাগণের দ্রুত চলে যাওয়া এবং মসজিদে তাদের অল্পকণ অবস্থান করা।

٨٣٠ حَدُّثَنَا يَحْيَى بُنُ مُوسَلَى حَدَّثَنَا سَعِيْدُ بُنُ مَنْصُوْرٍ حَدَّثَنَا فُلَيْحُ عَنْ عَبْدِ الرَّحْمَٰنِ بَنِ الْقَاسِمِ عَنْ اللهِ عَنْ عَبْدِ الرَّحْمَٰنِ بَنِ الْقَاسِمِ عَنْ اللهِ عَنْ عَائِشَةَ رَضِيَ اللهُ عَنْهَا اَنَّ رَسُولُ اللهِ عَنِيْ يُصلِّى الصَّبْحُ بِغَلَسٍ فَيَنْصَرِفْنَ نِسِاءُ الْمُؤْمِنِيْنَ لَا يَعْرَفُ بَعْضُهُنَّ بَعْضُا .

لاَ يُعْرَفُنَ مِنَ الْغَلَسِ اَوْ لاَ يَعْرِفُ بَعْضُهُنَّ بَعْضًا .

৮৩০ ইয়াহ্ইয়া ইব্ন মূসা (র.)......আয়িশা (রা.) থেকে বর্ণিত, রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্র অন্ধকার থাকতেই ফজরের সালাত আদায় করতেন। এপর মু'মিনদের স্ত্রীগণ চলে যেতেন, অন্ধকারের জন্য তাদের চেনা যেতে না অথবা বলেছেন, অন্ধকারের জন্য তাঁরা একে অপরকে চিনতেন না।

#### ٢٥٥. بَابُ اِسْتِنْذَانِ الْمَرْأَةِ زَوْجَهَا بِالْخُرُوجِ إِلَى الْمَسْجِدِ

৫৫৬. অনুচ্ছেদঃ মসজিদে যাওয়ার জন্য স্বামীর নিকট মহিলার অনুমতি চাওয়া।

النّبي عَالِيّه اذَا اسْتَأْذَنَت امْرَأَةُ اَحَدكُمْ فَلاَ يَمْنَعُهَا ،

৮৩১ মুসাদাদ (র.)......আবদুল্লাহ্ (রা.) সূত্রে নবী করীম ক্রিট্র থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, তোমাদের কারো স্ত্রী যদি (সালাতের জন্য মসজিদে যাওয়ার) অনুমতি চায় তা হলে স্বামী যেন তাকে বাঁধা না দেয়।

# كتابالمعار

वधाय ३ ज्यू वा

#### بِسُم اللهِ الرَّحْمُنِ الرَّحِيْمِ

#### كتاب الجمعة

#### অধ্যায় ঃ জুমু আ

٧٥٥، بَابُ فَرْضِ الْجُمُّعَةِ لِقَولِ اللهِ تَعَالَى: إذَا نُوى لِلصَّلَّةِ مِنْ يَّهُم الْجُمُّعَةِ فَاشَعَوْا إلى دَكُرِ اللهِ وَذَرُوا الْبَيْعَ، ذَٰلِكُمْ خَيْرُ لُكُمْ إِنْ كُنْتُمْ تَعْلَمُونَ ، فَسُعَوْ فَامْضُوْ

৫৫৭. অনুচ্ছেদঃ জুমু'আ ফরয হওয়া।এ সম্পর্কে আল্লাহ্ তা আলার বাণীঃ "যখন জুমু'আর দিন সালাতের জন্য আহবান করা হয়, তখন আল্লাহ্র যিক্রের উদ্দেশ্যে ধাবিত হও এবং ক্রয়—বিক্রয় ত্যাগ কর। এ—ই তোমাদের জন্য শ্রেয় যদি তোমরা উপলব্ধি কর।" 'فَالْمُعَنُّ ' অর্থ ধাবিত হও।

৮৩২ আবৃ ইয়ামান (র.)......আবৃ হুরায়রা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি রাসূলুল্লাহ্ কর্ম্প্রে -কে বলতে জনেছেন যে, আমরা দুনিয়ায় (আগমনের দিক দিয়ে) সর্বশেষ, কিন্তু কিয়ামতের দিন আমরা মর্যাদার দিক দিয়ে সবার আগে। পার্থক্য শুধু এই যে, তাদের কিতাব দেওয়া হয়েছে আমাদের আগে। তারপর তাদের সে দিন যে দিন তাদের জন্য ইবাদত ফর্য করা হয়েছিল তারা এ বিষয়ে মতানৈক্য করেছে। কিন্তু সে বিষয়ে আল্লাহ্ আমাদের হিদায়াত করেছেন। কাজেই এ ব্যাপারে লোকেরা আমাদের

পশ্চাতবর্তী। ইয়াহুদীদের (সম্মানিত দিন হল) আগামী কাল (শনিবার) এবং নাসারাদের আগামী পরশু (রোববার)।

## ٥٥٨. بَابُ فَضَلِ الْفُسُلِ بِيْنَمَ الْجُمُعَةِ وَهَلُ عَلَى الصَّبِيِّ شُهُودُ بِيْنِ الْجُمُعَةِ اَوْعَلَى النِسَاءِ ﴿ ٥٥٠. بَابُ فَضَلِ الْفُسُلِ بِيْنَمَ الْجُمُعَةِ وَهَلُ عَلَى الصَّبِيِ شُهُودُ بِيْنِ الْجُمُعَةِ اَوْعَلَى النِسَاءِ ﴿ ٥٤٠. عَبِرُ عَنْمُ الْجُمُعَةِ وَهَلُ عَلَى الصَّبِي شُهُودُ بِيْنِ الْجُمُعَةِ اَوْعَلَى النِسَاءِ ﴿ ٥٤٠. عَبِي الْجُمُعَةِ وَهَلَ عَلَى الصَّبِي شُهُودُ بِيْنِ الْجُمُعَةِ الْحُكُلِ النِّسَاءِ ﴿ ٥٤٠. عَبِي الْجُمُعَةِ وَهَلَ عَلَى الصَّبِي الْمُعُودُ بِيْنِ الْجُمُعَةِ الْحُكُودِ الْجُمُعَةِ وَهَلَ عَلَى النِسَاءِ الْحُكُودِ الْجُمُعَةِ وَهَا الْحُكُودِ الْحَكُودِ الْحُكُودُ الْحَكُودُ الْحُكُودُ الْخُكُودُ الْحُكُودُ الْحُلُودُ الْحُكُودُ الْحُكُودُ الْحُكُودُ الْحُكُودُ الْحُكُودُ الْحُكُودُ الْحُلُودُ ال

٨٣٣ حَدَّثَنَا عَبْدُ اللهِ بْنِ يُوسُفَ قَالَ اَخْبَرَنَا مَالِك عَنْ نَافِعِ عَنْ عَبْدِ اللهِ بْنِ عُمَرَ رَضِيَ اللهُ عَنْهُمَا اللهُ عَنْهُمَا اللهُ عَلَيْهُمَا اللهُ عَلَيْهُمَا اللهُ عَلَيْهُمَا اللهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُمُعَةً فَلْيَغْتَسِلُ ،

وَقَدُ عَلَمْتَ اَنْ رَسُوْلَ اللهِ عَلَى اللهِ عَلْمَ اللهِ عَلَى اللهُ عَلَى اللهِ عَل

৮৩৪ আবদুল্লাহ্ ইব্ন মুহাম্মদ ইব্ন আসমা (র.)....ইব্ন উমর (রা.) থেকে বর্ণিত, উমর ইব্ন খাত্তাব (রা.) জুমু'আর দিন দাঁড়িয়ে খুত্বা দিচ্ছিলেন, এমন সময় নবী করীম ক্রিট্র -এর প্রথম যুগের একজন মুহাজির সাহাবী এলেন। উমর (রা.) তাঁকে ডেকে বললেন, এখন সময় কত ? তিনি বললেন, আমি ব্যস্ত ছিলাম, তাই ঘরে ফিরে আসতে পারিনি। এমন সময় আযান ভনতে পেয়ে ভুধু উযু করে নিলাম। উমর (রা.) বললেন, কেবল উযুই ? অথচ আপনি জানেন যে, রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্রে গোসলের আদেশ দিতেন।

٨٣٥ حَدَّثَنَا عَبْدُ اللهِ بْنِ يُوسَفَ قَالَ اَخْبَرَنَا مَالِكُ عَنْ صَفْوَانَ بْنِ سَلَيْمٍ عَنْ عَطَاءِ بْنِ يَسَارٍ عَنْ أَبِيُ اللهُ عَنْهُ اللهِ عَنْهُ اللهِ عَلَى كُلِّ مُحْتَلِمٍ • سَعِيْدٍ الْخُدُرِيِّ رَضِي اللهُ عَنْهُ اَنَّ رَسُولَ اللهِ عَلِي قَالَ غُسْلُ يَوْمِ الْجُمُعَةِ وَاجِبُ عَلَى كُلِّ مُحْتَلِمٍ • سَعِيْدٍ الْخُدُرِيِّ رَضِي اللهُ عَنْهُ اَنَّ رَسُولَ اللهِ عَلِي اللهِ عَلَى كُلِّ مُحْتَلِمٍ •

৮৩৫ আবদুল্লাহ্ ইব্ন ইউসুফ (র.).....আবূ সায়ীদ খুদ্রী (রা.) থেকে বর্ণিত, রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্র . বলেছেনঃ জুমু'আর দিন প্রত্যেক বালিগের জন্য গোসল করা কর্তব্য।

#### ٥٥٩. بَابُ الطِّيْبِ الْجُمُعَةِ

৫৬৯. অনুচ্ছেদ ঃ জুমু আর জন্য সুগন্ধি ব্যবহার।

ATT حَدَّثَنَا عَلِيُّ قَالَ حَدَّثَنَا حَرَمِيًّ بَنُ عُمَارَةً قَالَ حَدَّثَنَا شُعْبَةً عَنْ أَبِي بَكْرِ بَنِ الْمُنْكَدِرِ قَالَ حَدَّثَنِي عَمْسرُو بَنُ سُلَيْمٍ الْاَنْصَارِيُّ قَالَ اَشْهَدُ عَلَى أَبِي سَعِيْدِ الْخُدْرِيِّ قَالَ اَشْهَدُ عَلَى رَسُولِ اللهِ عَلَى عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى عَلَى اللهِ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهِ عَلَى اللهُ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهِ عَلَى اللهُ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهِ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهُ عَلَى ا

চিত্র আলী ইব্ন আবদুল্লাহ্ (র.)......আমর ইব্ন সুলাইম আনসারী (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আবৃ সায়ীদ খুদ্রী (রা.) বলেন, আমি এ মর্মে সাক্ষ্য দিছি যে, রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্র বলেছেন ঃ জুমু আর দিন প্রত্যেক বালিগের জন্য গোসল করা কর্তব্য। আর মিস্ওয়াক করবে এবং সুগন্ধি পাওয়া গেলে তা ব্যবহার করবে। আম্র (ইব্ন সুলাইম) (র.) বলেন, গোসল সম্পর্কে আমি সাক্ষ্য দিছি তা কর্তব্য। কিন্তু মিস্ওয়াক ও সুগন্ধি কর্তব্য কিনা তা আল্লাহ্ই ভাল জানেন। তবে হাদীসে এরূপই আছে। আবৃ আবদুল্লাহ্ বুখারী (র.) বলেন, আবৃ বকর ইব্ন মুনকাদির (র.) হলেন মুহাম্মদ ইব্ন মুনকাদির (র.)-এর ভাই। কিন্তু তিনি আবৃ বকর হিসাবেই পরিচিত নন। বুকাইর ইব্ন আশাজ্জ, সায়ীদ ইব্ন আবৃ হিলাল সহ অনেকে তাঁর থেকে হাদীসটি বর্ণনা করেছেন। মুহাম্মদ ইব্ন মুনকাদির (র.)-এর কুনিয়াত (উপনাম) ছিল আবৃ বকর ও আবৃ আবদুল্লাহ্।

#### ٥٦٥. بَابُ فَضْلِ الْجُعْمَةِ

৫৬0. অনুচ্ছেদ ঃ জুমু আর ফ্যীলত।

مَالِحٍ السَّمَانِ عَنْ أَبِيْ هُرَيْرَةَ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهُ أَنَّ رَسُولَ اللهِ عَنْهُ أَبِي بَكُرِ بَنِ عَبْدِ الرَّحُمٰنِ عَنْ أَبِي مَوْلَى أَبِي بَكُرِ بَنِ عَبْدِ الرَّحُمٰنِ عَنْ أَبِي مَالِحٍ السَّمَانِ عَنْ أَبِي هُرَيْرَةَ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهُ أَنَّ رَسُولَ اللهِ عَلَيْ قَالَ مِنْ اغْسَلَ يَوْمَ الْجُمُعَةِ غُسُلَ اللهِ عَلَيْ السَّاعَةِ التَّانِيةِ فَكَانَّمَا قَرَّبَ بَقَرَةً وَمَنْ رَاحَ فِي السَّاعَةِ الرَّابِعَةِ فَكَانَّمَا قَرَّبَ بَقِرَةً وَمَنْ رَاحَ فِي السَّاعَةِ التَّالِيَةِ فَكَأَنَّمَا قَرَّبَ بَيْضَةً وَمَنْ رَاحَ فِي السَّاعَةِ الرَّابِعَةِ فَكَأَنَّمَا قَرَّبَ بَيْضَةً فَاذَا خَرَجَ الْامَامُ حَضَرَت الْمَلائِكَةُ يَسُتَمَعُونَ الذَّكُرُ ،

চিত্র আবদুল্লাহ্ ইব্ন ইউসুফ (র.)......আবৃ হুরায়রা (রা.) থেকে বর্ণিত, রাস্লুল্লাহ্ ক্রিল্লির বলেছেন ঃ যে ব্যক্তি জুমু আর দিন জানাবাত গোসলের ন্যায় গোসল করে এবং সালাতের জন্য আগমন করে সে যেন, একটি উট কুরবানী করল। যে ব্যক্তি দ্বিতীয় পর্যায়ে আগমন করে সে যেন, একটি গাভী কুরবানী করল। তৃতীয় পর্যায়ে যে আগমন করে সে যেন একটি শিং বিশিষ্ট দুম্বা কুরবানী করল। চতুর্থ পর্যায়ে আগমন করল সে যেন একটি মুরগী কুরবানী করল। পঞ্চম পর্যায়ে যে আগমন করল সে যেন একটি ডিম কুরবানী করল। পরে ইমাম যখন খুত্বা প্রদানের জন্য বের হন তখন ফিরিশ্তাগণ যিক্র শোনার জন্য হািযর হয়ে থাকেন।

مَدَّتُنَا اَبُوْنُعَيْمٍ قَالَ حَدَّثَنَا شَيْبَانُ عَنْ يَحْيلى عَنْ اَبِى سَلَمَةَ عَنْ اَبِى هُرَيْرَةَ اَنَّ عُمَرَ رَضِي مَلْ اَبُو مُنَا الْبُونُعَيْمِ قَالَ حَدَّتُنِ الصَّلاَةِ فَقَالَ اللهُ عَنْ الْمِ تَحْتَبِسُونَ عَنِ الصَّلاَةِ فَقَالَ اللهُ عَنْ المِنْ المَّلاَةِ فَقَالَ اللهُ عَنْ المَّالِمَ تَصَلَّمُ اللهُ عَنْ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ اللهِ اللهِ

চিতচ আবৃ নু'আইম (র.).....আবৃ হুরায়রা (রা.) থেকে বর্ণিত, জুমু'আর দিন উমর ইব্ন খাত্তাব (রা.) খুত্বা দিচ্ছিলেন, এমন সময় এক ব্যক্তি মসজিদে প্রবেশ করেন। উমর (রা.) তাঁকে জিজ্ঞাসা করলেন, সালাতে সময় মত আসতে তোমরা কেন বাধাগ্রস্ত হও ? তিনি বললেন, আযান শোনার সাথে সাথেই তো আমি উযু করেছি। তখন উমর (রা.) বললেন, তোমরা কি নবী করীম ক্রিট্রু-কে এ কথা বলতে শোননি যে, যখন তোমাদের কেউ জুমু'আর সালাতে রওয়ানা হয়, তখন সে যেন গোসল করে নেয়।

#### ٥٦١ بَابُ الدُّهُنِ لِلْجُمُعَةِ

৫৬৯. অনুচ্ছেদ ঃ জুমু<sup>6</sup>আর জন্য তৈল ব্যবহার।

٨٣٩ حَدَّثَنَا أَدَمَ قَالَ حَدَّثَنَا ابْنُ أَبِي ذِنْبٍ عَنْ سَعِيْدٍ الْمَقْبُرِيِّ قَالَ اَخْبَرَنِي أَبِي عَنِ ابْنِ وَدِيْعَةَ عَنْ سَلَمَانَ الْفَارِسِيِّ قَالَ قَالَ النَّبِيُّ عَلِيْكُ لاَيَغْتَسِلُ رَجُلُ يَوْمَ الْجُمُعَةِ وَيَتَطَهَّرُ مَا اسْتَطَاعَ مِنْ طُهُرٍ وَيَدُّهِنُ مِنْ دُهُنِهِ اَوْ يَمَسُّ مِنْ طِيْبٍ بَيْتِهِ ثُمَّ يَخْرُجُ فَلاَ يُفَرِّقُ بَيْنَ اثْنَيْنِ ثُمَّ يُصلِّي مَاكُتِبَ لَهُ ثُمَّ يُنْصِتُ اذِا تَكَلَّمَ الْاَمَامُ الاَّ عُفْرَ لَهُ مَابَيْنَهُ وَبَيْنَ الْجُمُعَة الْاُخْرَى .

৮৩৯ আদম (র.)....সালমান ফারিসী (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী করীম ক্রিইবলৈছেন ঃ যে ব্যক্তি জুমু'আর দিন গোসল করে এবং যথাসাধ্য ভালরূপে পবিত্রতা অর্জন করে ও নিজের তেল থেকে ব্যবহার করে বা নিজ ঘরের সুগন্ধি ব্যবহার করে এরপর বের হয় এবং দু' জন লোকের মাঝে ফাঁক না করে, তারপর তার নির্ধারিত সালাত আদায় করে এবং ইমামের খুত্বা দেওয়ার সময় চুপ থাকে, তা হলে তার সে জুমু'আ থেকে আরেক জুমু'আ পর্যন্ত সময়ের যাবতীয় গুনাহ মাফ করে দেওয়া হয়।

٨٤٠ حَدَّثَنَا أَبُو الْيَمَانِ قَالَ اَخْبَرَنَا شُعَيْبُ عَنِ الزُّهْرِيِّ قَالَ طَاؤُسُ قُلْتُ لِإِبْنِ عَبَّاسٍ ذَكَرُواْ اَنَّ النَّبِيَّ
. عَلِيْ قَالَ اغْتَسِلُوا يَوْمَ الْجُمُّعَةِ وَاغْسِلُوا رُؤُسكُمْ وَازْ لَمْ تَكُونُوا جُنْبًا وَاصِيْبُوا مِنَ الطِيْبِ ، قَالَ ابْنُ عَبَّاسٍ ، اَمَّا الْغُسُلُ فَنَعَمْ وَاَمَّا الطِيْبُ فَلاَ اَدْرِي .

৮৪০ আবৃল ইয়ামান (র.).....তাউস (র.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আমি ইব্ন আব্বাস (রা.) - কে বললাম, সাহাবীগণ বর্ণনা করেছেন যে, নবী করীম ক্রিট্রের বলেছেন ঃ জুমু'আর দিন গোসল কর এবং মাথা ধুয়ে ফেল যদিও তোমরা জুনুবী না হয়ে থাক এবং সুগন্ধি ব্যবহার কর। ইব্ন আব্বাস (রা.) বললেন গোসল সম্পর্কে নির্দেশ কিন্তু আছে কিন্তু মুগন্ধি সম্পর্কে আয়ার জানা নেই।

বললেন, গোসল সম্পর্কে নির্দেশ ঠিকই আছে, কিন্তু সুগন্ধি সম্পর্কে আমার জানা নেই।

أَنْ مُرْيَجٍ اَخْبَرَهُمُ قَالَ اَخْبَرَنِي اِبْرَاهِيْمُ بَنُ مُوسَلَى قَالَ اَخْبَرَنِي اِبْرَاهِيْمُ بَنُ مَوْسَلَى قَالَ اَخْبَرَنِي اِبْرَاهِيْمُ بَنُ مَوْسَلَى قَالَ اَخْبَرَنِي اِبْرَاهِيْمُ بَنُ مَوْسَلِي يَوْمَ الْجُمُعَةِ ، مَيْكُسَرَةَ عَنْ طَاؤُسٍ عَنِ ابْنِ عَبَّاسٍ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهُمَا اَنَّهُ ذَكَرَ قَوْلَ النَّبِيِّ عَبِّالِيٍّ فِي الْغُسُلِ يَوْمَ الْجُمُعَةِ ، فَقَالَ لاَ اَعْلَمُهُ ، فَقَالَ لاَ اَعْلَمُهُ ،

৮৪১ ইব্রাহীম ইব্ন মূসা (র.).....তাউস (র.) থেকে বর্ণিত, তিনি ইব্ন আব্বাস (রা.) থেকে বর্ণনা করেন যে, তিনি যখন, জুমু'আর দিন গোসল সংক্রান্ত নবী করীম ক্রিট্রাই -এর বাণীর উল্লেখ করেন তখন আমি ইব্ন আব্বাস (রা.)-কে জিজ্ঞাসা করলাম, নবী করীম ক্রিট্রাই যখন পরিবারবর্গের সঙ্গে অবস্থান করতেন তখনও কি তিনি সুগন্ধি বা তেল ব্যবহার করতেন ? তিনি বললেন, আমি তা জানি না।

#### ٥٦٢ ، بَابُ يَلْبَسُ أَحْسَنَ مَا يَجِدُ

৫৬২. অনুচ্ছেদ ঃ যা আছে তার মধ্য থেকে উত্তম কাপড় পরিধান করবে।

٨٤٢ حَدَّتُنَا عَبْدُ اللهِ بَنِ يُوسَفَ قَالَ اَخْبَرَنَا مَالِكُ عَنْ نَافِعِ عَنْ عَبْدِ اللهِ بَنِ عُمْرَ اَنَّ عُمْرَ بَنَ الْخَطَّابِ
رَأْ عُمْ حَلَّةُ سِيرَاءَ عَنْدَ بَابِ الْمَسْجِدِ فَقَالَ رَسُولَ اللهِ عَلَيْ لَواشْتَرَيْتَ هٰذَهِ فَلَبِسْتَهَا يَوْمَ الْجُمُعَةِ وَلِلْوَقْدِ
إِذَا قَدَمُواْ عَلَيْكَ فَقَالَ رَسُولُ اللهِ عَلَيْ إِنَّمَا يَلْبِسُ هٰذِهِ مَنْ لاَخَلاقَ لَهُ فِي الْأَخِرَةِ ، ثُمَّ جَاءَ تَ رَسُولَ اللهِ
إِذَا قَدَمُواْ عَلَيْكَ فَقَالَ رَسُولُ اللهِ عَلَيْ إِنَّمَا يَلْبِسُ هٰذِهِ مَنْ لاَخَلاقَ لَهُ فِي الْأَخْرَةِ ، ثُمَّ جَاءَ تَ رَسُولُ اللهِ
مَا عَمْرُ يَا رَسُولُ اللهِ عَلَيْكَ مِنْهَا حُلُلُ فَأَعْطَى عُمْرَ بُنَ الْخَطَّابِ رَضِي الله عَنْهُ مِنْهَا حُلَّةً ، فَقَالَ عُمْرُ يَا رَسُولُ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ عَلَى اللهِ عَلَيْهِ اللهِ عَلَى اللهِ عَلَيْهِ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ عَلَيْهِ اللهُ عَنْهُ اللهِ عَلَيْهِ اللهُ عَنْهُ مَنْهَا حَلَقَ اللهُ عَنْهُ مَنْهَا وَقَدُ قُلْتَ فِي اللهُ عَنْهُ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ عَلَى اللهِ عَلَيْهِ اللهِ عَلْهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَنْهُ مَنْهَا وَقَدُ قُلْهُ اللهُ عَنْهُ الْعَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَنْهُ اللهُ عَنْهُ اللهُ عَنْهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَنْهُ مَنْ الْخَلَقَ اللهُ عَلَى اللهُ عَنْهُ الْمَالِكُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَنْهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُهُ اللهُ اللهُهُ اللهُ ال

৮৪২ আবদুল্লাহ্ ইব্ন ইউসুফ (র.)......আবদুল্লাহ্ ইব্ন উমর (রা.) থেকে বর্ণিত যে, উমর ইব্ন খাত্তাব (রা.) মসজিদে নববীর দরজার নিকটে এক জোড়া রেশমী পোষাক (বিক্রি হতে) দেখে নবী করীম ক্রিট্রেক বললেন, ইয়া রাসূলাল্লাহ্! যদি এটি আপনি খরীদ করতেন আর জুমু আর দিন এবং যখন আপনার কাছে প্রতিনিধি দল আসে তখন আপনি তা পরিধান করতেন। তখন রাসূলুল্লাহ্ ক্রিট্রের বললেন ঃ এটা তো সে ব্যক্তিই পরিধান করে, আখিরাতে যার (মঙ্গলের) কোন অংশ নেই। এরপর রাসূলুল্লাহ্ ক্রিট্রেন এর নিকট এ ধরনের কয়েক জোড়া পোষাক আসে, তখন তার এক জোড়া তিনি উমর (রা.)-কে প্রদান করেন। উমর (রা.) আর্য করলেন, ইয়া রাসূলাল্লাহ্! আপনি আমাকে এটি পরিধান করতে দিলেন অথচ আপনি উতারিদের (রেশম) পোষাক সম্পর্কে যা বলার তা তো বলেছিলেন। তখন রাসূলুল্লাহ্ ক্রিট্রের বললেন ঃ আমি তোমাকে এটি নিজের পরিধানের জন্য প্রদান করিনি। উমর ইব্ন খান্তাব (রা.) তখন এটি মক্কায় তাঁর এক ভাইকে দিয়ে দেন, যে তখন মুশরিক ছিল।

#### ٣٠٥. بَابُ السِّوَاكِ يَوْمَ الْجُمُّعَةِ قَالَ أَبُو سَعْدِدٍ عَنِ النَّبِيِّ عَلَيْ النَّبِيِّ عَلَيْ النَّبِيّ

৫৬৩. অনুচ্ছেদ ঃ জুমু আর দিন মিস্ওয়াক করা। আবু সায়ীদ খুদ্রী রো.) নবী করীম ক্রীয় ক্রিট্রে. থেকে বর্ণনা করেন যে, তিনি মিস্ওয়াক করতেন।

٨٤٣ حَدَّثَنَا عَبْدُ اللهِ بْنِ يُوسَفَ قَالَ اَخْبَرَنَا مَالِكُ عَنْ أَبِى الزِّنَادِ عَنِ الْاَعْرَجِ عَنْ أَبِى هُرَيْرَةَ رَضِيَ اللهُ عَنْ أَبِى اللهِ اللهِ عَنْ أَبِى هُرَيْرَةَ رَضِيَ اللهُ عَنْ أَبِي مُرَدِّتُهُمْ بِالسِوَاكِ مَعَ كُلِّ صَلاَةٍ • عَنْ رَسُولَ اللهِ عَلِي اللهِ عَلَى النَّاسِ لاَمَرْتُهُمْ بِالسِوَاكِ مَعَ كُلِّ صَلاَةٍ •

৮৪৩ আবদুল্লাহ্ ইব্ন ইউসুফ (র.).....আবূ হুরায়রা (রা.) থেকে বর্ণিত, রাসূলুল্লাহ্ কুল্লাহ্ বলেছেনঃ আমার উম্মাতের জন্য বা তিনি বলেছেন, লোকদের জন্য যদি কঠিন মনে না করতাম, তা হলে প্রত্যেক সালাতের সাথে তাদের মিস্ওয়াক করার নির্দেশ দিতাম।

اللهِ عَدَّثَنَا أَبُو مَعْمَرٍ قَالَ حَدَّثَنَا عَبْدُ الْوَارِثِ قَالَ حَدَّثَنَا شُعَيْبُ بْنُ الْحَبْحَابِ حَدَّثَنَا اَنْسُ قَالَ قَالَ وَلَا اللهِ عَلَيْكُمُ فِي السِوَاكِ . رَسُولُ اللهِ عَلِيْكُمْ الْمُعْ فَي السِوَاكِ .

৮৪৪ আবূ মা'মার (র.).....আনাস (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, রাসূলুল্লাহ্ ক্রিট্রের্ডির বলেছেন ঃ আমি মিস্ওয়াক সম্পর্কে তোমাদের অনেক বলেছি।

٨٤٥ حَدَّثَنَا مُحَمَّدُ بُنُ كَثِيْرٍ قَالَ اَخْبَرَنَا سُفْيَانُ عَنْ مَنْصُورٍ وَحُصَيْنٍ عَنْ أَبِي وَائِلٍ عَنْ حُذَيْفَةَ قَالَ كَانَ النَّبِيُ عَنْ أَبِي وَائِلٍ عَنْ حُذَيْفَةَ قَالَ كَانَ النَّبِي عَنِيلًا إِذَا قَامَ مِنَ اللَّيْلِ يَشُوصُ فَاهُ ٠

৮৪৫ মুহাম্মাদ ইব্ন কাসীর (র.).....হ্যাইফা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী করীম ক্রিট্রেই . যখন রাতে সালাতের জন্য উঠতেন তখন দাঁত মেজে মুখ পরিষ্কার করে নিতেন।

#### عَدْهِ، بَابُ مَنْ تَسَوَّكَ بِسَوَاكِ غَيْرِهِ

৫৬৪. অনুচ্ছেদ ঃ অন্যের মিস্ওয়াক দিয়ে মিস্ওয়াক করা।

٨٤٦ حَدَّثَنَا السَّمْعَيِلُ قَالَ حَدَّثَنِي سِلِيْمَانُ بَنُ بِلاَلٍ قَالَ قَالَ هِسْامُ بَنُ عُروَةَ اَخْبَرَنِي أَبِي عَنْ عَائِشَةَ رَصْعِي اللَّهُ عَنْهَا قَالَتَ دَخَلَ عَبْدُ الرَّحُمٰنِ بَنُ أَبِي بَكْرٍ وَمَعَهُ سِوَاكُ يَسْتَنُّ بِهِ فَنَظَرَ اللَّهِ رَسُولُ اللهِ عَلَيْهِ . فَقُلْتُ لَهُ اعْطَنِي هٰذَا السَّوَاكَ يَا عَبْدَ الرَّحْمٰنِ فَاعْطَانِيهِ فَقَصَمْتُهُ ، ثُمَّ مَضَعْتُهُ فَاعْطَيْتُهُ رَسُولُ اللهِ عَلِيهِ . فَقُصَمْتُهُ ، ثُمَّ مَضَعْتُهُ فَاعْطَيْتُهُ رَسُولُ اللهِ عَلِيهِ . فَقُصَمْتُهُ ، ثُمَّ مَضَعْتُهُ فَاعْطَيْتُهُ رَسُولُ اللهِ عَلِيهِ . فَقُصَمْتُهُ ، ثُمَّ مَضَعْتُهُ فَاعْطَيْتُهُ رَسُولُ اللهِ عَلِيهِ . فَقُصَمْتُهُ ، ثُمَّ مَضَعْتُهُ فَاعْطَيْتُهُ رَسُولُ اللهِ عَلَيْهِ . فَاسْتَسْدُدُ اللهِ عَلَيْهِ فَاعْطَيْتُهُ وَاللّهِ عَلَيْهِ . فَاعْطَيْتُهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ اللهِ عَلَيْهُ فَاعْدَالُولُ اللهِ عَلَيْهِ فَاعْطَيْتُهُ وَاللّهُ عَنْهُ اللهِ عَلَيْهِ فَاعْطَيْتُهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ فَاعْطَيْتُهُ وَسُولُ اللهِ عَلَيْهِ فَاعْطَيْتُهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ فَا عُطَنِي اللّهُ عَنْهُ اللهِ عَلْهُ اللهِ عَلَيْهِ فَاعْطَيْتُهُ وَاعْمُ اللهُ عَنْهُ فَاعْمُولُ اللهِ عَلْهُ اللهُ عَلَيْهُ فَاعْمُ اللّهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلَيْهُ مَا عُلُولُ اللهِ عَلَيْهِ عَلَيْهُ اللّهُ عَنْهُ اللّهُ عَلَيْهُ اللّهِ عَلَيْهُ اللّهِ عَلَيْهُ اللّهُ عَلَيْهُ اللّهُ عَلَاللهِ عَلْهُ اللّهُ عَلَيْهُ مَا اللّهُ عَلَيْهُ اللّهُ عَنْهُ اللّهُ عَلْمُ اللّهُ عَلَيْهُ اللّهُ عَلَاللّهِ عَلَيْهُ اللّهُ عَلَيْهُ اللّهُ عَنْهُ اللّهُ عَلَيْهُ اللّهُ اللّهِ عَلَيْهُ الللهُ عَلَيْهُ اللّهُ عَلَيْهُ اللّهُ عَلْهُ اللّهُ عَلْهُ اللّهُ اللّهُ عَلْهُ اللّهُ عَلَيْهُ اللّهُ اللهُ عَلْهُ اللّهُ عَلْهُ اللّهُ اللّهُ عَلَيْهُ اللّهُ عَلْهُ اللهُ اللّهُ عَلَيْهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللهُ اللهُ

৮৪৬ ইসমায়ীল (র.)......আয়িশা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আবদুর রাহমান ইব্ন আবূ বকর (রা.) একটি মিস্ওয়াক হাতে নিয়ে দাঁত মাজতে মাজতে প্রবেশ করলেন। রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্রে-তাঁর দিকে তাকালেন। আমি তাঁকে বললাম, হে আবদুর রাহমান! মিস্ওয়াকটি আমাকে দাও। সে তা আমাকে দিল। আমি ব্যবহৃত অংশ ভেঙ্গে ফেললাম এবং তা চিবিয়ে রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্রেন্তি-কে দিলাম। তিনি আমার বুকে হেলান দিয়ে তা দিয়ে মিস্ওয়াক করলেন।

#### ٥٦٥ بَابُ مَا يُقْرَأُ فِي صَلاَةِ الْفَجْرِيْنَمَ الْجُمِعَةِ

৫৬৬. অনুচ্ছেদঃ জুমু আর দিন ফজরের সালাতে কী পড়তে হবে ?

٨٤٧ حَدَّثَنَا أَبُو نُعَيْمٍ قَالَ حَدَّثَنَا سَفُيَانُ عَنْ سَعْدٍ بَنِ اِبْرَاهِيْمَ عَنْ عَبْدِ الرَّحُمْنِ هُوَ ابْنُ هُرْمُزَ عَنْ أَبِي هُرَيْرَةً رَضِيَ اللَّهُ عَنْهُ كَانَ النَّبِيُ عَلَيْهُ يَقُرَأُ فِي الْجُمُعَةِ فِي صَلَاةِ الْفَجْرِ الْمَ تَنْزِيلُ السَّجُدَةَ وَهَلُ التَّي عَلَى الْانْسَان .

৮৪৭ আবৃ নু'আইম (র.)....আবৃ হুরায়রা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী করীম আরু শুরায়রা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী করীম المَّمَ اللَّهُ عَلَى الْإِنْسَانِ এবং الْمَ عَلَى الْإِنْسَانِ এবং مَلُ اَتَّلَى عَلَى الْإِنْسَانِ এবং الْمَ عَلَى الْإِنْسَانِ এবং وَقَالَمُ عَلَى الْإِنْسَانِ السَّجُدَة وَ وَالْمَ الْمَاكِمُ اللَّهُ عَلَى الْإِنْسَانِ الْمَاكِمُ السَّجُدة وَ السَّجُدة وَ السَّجُدة وَ السَّجُدة وَ السَّجُدة وَ الْمَاكِمُ اللَّهُ عَلَى الْمُؤْمِدُ السَّجُدة وَ السَّجُدة وَ الْمَاكِمُ السَّجُدة وَ الْمَاكِمُ السَّجُدة وَ الْمُعَالِقُ السَّجُدة وَ الْمُعَالِينِ السَّجُدة وَ السَّجُدة وَ السَّمُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَى الْمُؤْمِدُ السَّمِ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَى الْمُؤْمِدُ السَّجُدة وَ السَّمُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَى الْمُؤْمِدُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَى الْمُؤْمِدُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَى الْمُؤْمِدُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى الْمُؤْمِدُ اللَّهُ عَلَى الْمُؤْمِدُ اللَّهُ عَلَى الْمُؤْمِدُ السَّمُ اللَّهُ عَلَى الْمُؤْمِدُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى الْمُؤْمِنِ السَّمِ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى الْمُؤْمِنُ السَّمُ اللَّهُ عَلَى الْمُؤْمِنُ السَّمُ اللَّهُ عَلَى السَّمُ اللَّهُ عَلَى السَّمُ اللَّهُ عَلَى السَّمُ اللَّهُ عَلَى السَّمُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَى السَّمُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى السَّمُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى السَّمُ عَلَى السَّمُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى السَّمُ عَلَى السَّمُ عَلَى السَّمُ اللَّهُ عَلَى السَّمُ عَلَى الْمُعَالِمُ عَلَى السَّمُ عَلَى السَّمِ عَلَى السَّمُ عَلَى السَلَّمُ عَلَى السَّمُ عَلَى السَّمُ عَلَى السَّمُ عَلَى السَّمُ عَلَى السَّمُ عَلَى ال

#### ١٦٥ بَابُ الْجُمْعَةِ فِي الْقُرَى وَالْمُدُنِ

৫৬৬. অনুচ্ছেদ ঃ গ্রামে ও শহরে জুমু আর সালাত।

٨٤٨ حَدَّثَنَا مُحَمَّدُ بُنُ الْمُثَنِّى قَالَ حَدَّثَنَا أَبُو عَامِرٍ الْعَقَدِى حَدَّثَنَا ابْرَاهِيْمُ بْنُ طَهْمَانَ عَنْ أَبِي جَمْرَةَ الشَّعْمِ عَنْ ابْنُ طَهْمَانَ عَنْ أَبِي جَمْرَةً الضَّبْعِيِّ عَنِ ابْنِ عَبَّاسٍ اَنَّهُ قَالَ انَّ اَقَّلَ جُمُعَةً جُمِّعَتُ بَعْدَ جُمُعَةً فِي مَسْجِدِ رَسُولَ اللهِ عَنِيلَةٍ فِي مَسْجِدِ عَنِ ابْنِ عَبَّاسٍ اللهِ عَنِيلَةِ فِي مَسْجِدِ عَنْ اللهِ عَلَى اللهِ عَلْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَلْمُ عَلَى اللهِ عَنْ اللهِ عَلْهِ عَلْ اللهِ عَنْ اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَنْ اللهِ عَلَى ال

৮৪৮ মুহাম্মদ ইব্ন মুসান্না (র.).....ইব্ন আব্বাস (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, রাস্লুল্লাহ্ হ্রামান্ত্র

-এর মসজিদে জুমু'আর সালাত অনুষ্ঠিত হওয়ার পর প্রথম জুমু'আর সালাত অনুষ্ঠিত হয় বাহ্রাইনে জুওয়াসা নামক স্থানে অবস্থিত আবদুল কায়স গোত্রের মসজিদে।

٨٤٩ حَدُثْنَا بِشَرُ بُنُ مُحَمَّدٍ قَالَ اَخْبَرَنَا عَبْدُ اللهِ قَالَ اَخْبَرَنَا يُونُسُ عَنِ الزُّهْرِيِ قَالَ اَخْبَرَنَا سَالِمُ بَنُ عَبْدِ اللهِ عَنِ ابْنِ عُمَرَ رَضِيَ اللهُ عَنْهُمَا اَنَّ رَسُولَ اللهِ عَنِيْ يَقُولُ كُلُّكُمْ رَاعٍ وَزَادَ اللَّيْثُ قَالَ يُونُسُ كَتَبَ رُزَيْقُ بَنُ حُكَيْمٍ إلىٰ ابْنِ شِهَابٍ وَاَنَا مَعَهُ يَوْمَنْذِ بِوَادِي الْقُرَى هَلَّ تَرَى اَنْ أَجْمَعَ وَرُزَيْقُ عَامِلُ عَلَى اَرْضِ يَعْمَلُهَا وَفَيْهِا جَمَاعَةُ مِنَ السُّوْدَانِ وَغَيْرِهِمْ وَرُزَيْقُ يَوْمَنْذِ عَلَى اَيْلَةَ فَكَتَبَ ابْنُ شَهَابٍ وَاَنَا اَسْمَعُ يَأْمُرُهُ اَنْ يُجَمِّعَ يُخْبِرُهُ اَنْ سَالِمًا حَدَّتُهُ اَنْ عَبْدَ اللهِ بَنَ عُمْرَ يَقُولُ سَمِعْتُ رَسُولُ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْكُمْ رَاعٍ وَمَسُولُ عَنْ رَعِيتِهِ وَالرَّجُلُ رَاعٍ فِي اَهْلِهِ وَهُو مَسْولُ عَنْ رَعِيتِهِ وَالرَّجُلُ رَاعٍ فِي اَهْلِهِ وَهُو مَسُولُ عَنْ رَعِيتِهِ وَالرَّجُلُ رَاعٍ فِي اَهْلِهِ وَهُو مَسُولُ عَنْ رَعِيتِهِ وَالرَّجُلُ رَاعٍ وَمَسُولُ عَنْ رَعِيتِهِ وَالرَّجُلُ رَاعٍ وَمَسُولُ عَنْ رَعِيتِهِ وَالرَّجُلُ رَاعٍ وَمَسُؤلُ عَنْ رَعِيتِهِ وَكُلُّكُمْ رَاعٍ وَمَشُولُ عَنْ رَعِيتِهِ قَالَ وَالرَّجُلُ رَاعٍ وَمَسُؤلُ عَنْ رَعِيتِهِ وَكُلُّكُمْ رَاعٍ وَمَسُؤلُ عَنْ رَعِيتِهِ وَكُلُّكُمْ رَاعٍ وَمَسُؤلُ عَنْ رَعِيتِهِ قَالَ وَالرَّجُلُ رَاعٍ وَمَسُؤلُ عَنْ رَعِيتِهِ وَكُلُّكُمْ رَاعٍ وَمَشُؤلُ عَنْ رَعِيتِهِ وَكُلُّكُمْ رَاعٍ وَمَشُؤلُ عَنْ رَعِيتِهِ وَكُلُّكُمْ رَاعٍ وَمَشُؤلُ عَنْ رَعِيتِهِ وَكُلُكُمْ رَاعٍ وَمَشُؤلُ عَنْ رَعِيتِهِ وَكُلُكُمْ رَاعٍ وَمَشُؤلُ عَنْ رَعِيتِهِ وَكُلُكُمْ رَاعٍ وَمَشُؤلُ عَنْ رَعِيتِهِ وَكُمْ وَالْمُ وَلَا اللهُ عَنْ رَعِيتِهِ وَكُولُو اللهُ اللهِ عَنْ مَعْتِهِ عَنْ اللهِ عَنْ رَعِيتِهِ وَكُلُكُمْ رَاعٍ وَمَسُؤلُ عَنْ رَعِيتِهِ وَكُولُو اللهُ عَنْ رَعِيتِهِ وَكُولُوا اللهُ اللهِ عَنْ اللهِ عَلْهُ اللهُ عَنْ مَعْلُ اللهِ اللهُ اللهُ اللهُ اللهِ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ اللهِ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ ال

৮৪৯ বিশ্র ইব্ন মুহাম্মদ (র.). ইব্র উমর (রা.) থেকে বর্ণিত যে, আমি রাস্লুল্লাহ্ নির্মানী কে বলতে ভনেছি, তোমরা সকলেই রক্ষণাবেক্ষণকারী। লাইস (ইব্ন সা'দ (রা.) আরো অতিরিক্ত বলেন, (পরবর্তী রাবী) ইউনুস (র.) বলেছেন, আমি একদিন ইব্ন শিহাব (র.)-এর সঙ্গে ওয়াদিউল কুরা নামক স্থানে ছিলাম। তখন রুযাইক (ইব্ন হুকায়ম (র.) ইব্ন শিহাব (র.)-এর নিকট লিখলেন, আপনি কি মনে করেন, আমি কি (এখানে) জুমু আর সালাত আদায় করবঃ রুযাইক (র.) তখন সেখানে তাঁর জমির কৃষি কাজের তত্ত্বাবধান করতেন। সেখানে একদল সুদানী ও অন্যান্য লোক বাস করত। রুযাইক (র.) সে সময় আইলা শহরের (আমীর) ছিলেন। ইব্ন শিহাব (র.) তাঁকে জুমু'আ কায়িম করার নির্দেশ দিয়ে লিখেছিলেন এবং আমি তাকে এ নির্দেশ দিতে ভনলাম। সালিম (র.) তার কাছে বর্ণনা করেছেন যে, আবদুল্লাহ্ ইব্ন উমর (রা.) বলেন, আমি রাসূলুল্লাহ্ হ্রাম্মের্ট্র -কে বলতে স্থনেছি, তোমরা সকলেই রক্ষণা-বেক্ষণকারী এবং তোমাদের প্রত্যেককেই অধীনস্থদের (দায়িত্ব) সম্পর্কে জিজ্ঞাসা করা হবে। ইমাম এক জন দায়িত্বশীল ব্যক্তি, তাঁকে তাঁর অধীনস্থদের সম্পর্কে জিজ্ঞাসা করা হবে। পুরুষ তার পরিবার বর্গের অভিভাবক, তাকে তার অধীনস্থদের সম্পর্কে জিজ্ঞাসা করা হবে। নারী তার স্বামী-গৃহের কর্ত্রী, তাকে তার অধীনস্থদের সম্পর্কে জিজ্ঞাসা করা হবে। খাদেম তার মনিবের ধন-সম্পদের রক্ষক, তাকেও তার মনিবের ধন-সম্পদ সম্পর্কে জিজ্ঞাসা করা হবে। ইব্ন উমর (রা.) বলেন, আমার মনে হয়, রাসূলুল্লাহ্ ্র জারী আরো বলেছেনঃ পুত্র তার পিতার ধন-সম্পদের রক্ষক এবং এগুলো সম্পর্কে তাকে জিজ্ঞাসা করা হবে। তোমরা সবাই রক্ষণাবেক্ষণকারী এবং সাবাইকে তাদের অর্পিত দায়িত্ব সম্পর্কে প্রশ্ন করা হবে।

 <sup>&#</sup>x27;ইমাম' শদ বলতে রাষ্টের কর্ণধার, যে কোন কাজের তত্ত্বাবধায়ক, ব্যবস্থাপক ও সালাতের ইমাম অর্থে ব্যবহৃত হয়।

#### ١٧٥، بَابُ هَلَ عَلَى مَنْ لَـمْ يَشْهَدِ الْجُمُعَةَ غُسُلُ مِنَ النِّسَاءِ وَالصَّبِيَانِ وَغَيْرِهِ مَ وَقَالَ ابْنُ عُمَرَ انِّمَا الْغُسُلُ عَلَى مَنْ تَجِبُ عَلَيْهِ الْجُمُعَةُ

৫৬৭. অনুচ্ছেদ ঃ মহিলা, বালক — বালিকা এবং অন্য যারা জুমু আয় হাযির হয় না, তাদের কি গোসল করা প্রয়োজন? ইব্ন উমর (রা.) বলেছেন, যাদের উপর জুমু আর সালাত ওয়াজিব, শুধু তাদের গোসল করা প্রয়োজন।

٨٥٠ حَدَّثَنَا أَبُو الْيَمَانِ قَالَ أَخْبَرَنَا شُعَيْبُ عَنِ الزُّهْرِيِّ قَالَ حَدَّثَنِي سَالِمُ ابْنِ عَبْدِ اللهِ أَنَّهُ سَمِعَ عَبْدَ ٨٥٠ وَ مَا مَنْ الزُّهْرِيِّ قَالَ حَدَّثَنِي سَالِمُ ابْنِ عَبْدِ اللهِ أَنَّهُ سَمِعَ عَبْدَ

اللَّهِ بْنَ عُمَرَ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهُمَا يَقُولُ سَمِعْتُ رَسُولَ اللهِ عَلَيْهِ يَقُولُ مَنْ جَاءَ مِنْكُمُ الْجُمُعَةَ فَلْيَغْتَسِلْ •

৮৫০ আবুল ই য়ামান (র.).....আবদুল্লাহ্ ই ব্ন উমর (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আমি রাস্লুল্লাহ্ ক্রামান্ত আসবে সে যেন গোসল করে।"

٨٥١ حَدَّثَنَا عَبُدُ اللهِ بُنُ مَسْلَمَةً عَنْ مَالِكٍ عَنْ صَفْوَانَ بُنِ سِلْيَهِ عَنْ عَطَاءِ بُنِ يَسَارٍ عَنْ أَبِي

سَعِيْدٍ الْخُدْرِيِّ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهُ أَنَّ رَسُولُ اللهِ عَلِيْهِ قَالَ غُسْلُ يَوْمِ الْجُمُعَةِ وَاجِبُ عَلَى كُلِّ مُحْتَلِمِ •

৮৫১ আবদুল্লাহ্ ইব্ন মাসলামা (র.).....আবূ সায়ীদ খুদ্রী (রা.) থেকে বর্ণিত, রাসূলুল্লাহ্ ক্রিট্রি-বলেছেনঃ প্রত্যেক প্রাপ্তবয়ক্ষের জন্য জুমু'আর দিন গোসল করা কর্তব্য।

٨٥٢ حَدَّثَنَا مُسُلِمُ ابْنُ ابْرَاهِيْمَ قَالَ حَدَّثَنَا وُهَيْبُ قَالَ حَدَّثَنَا ابْنُ طَاؤُسٍ عَنْ أَبِيهِ عَنْ أَبِي هُرَيْرَةَ قَالَ قَالَ حَدَّثَنَا وَهُيَبُ قَالَ حَدَّثَنَا ابْنُ طَاؤُسٍ عَنْ أَبِي عَرَانَا اللَّهُ فَغَدًا لِلْيَهُودِ وَبَعْدَ غَد لِلنَّصَارَى فَسَكَتَ ثُمُّ قَالَ حَقَّ عَلَى كُلِّ فَهٰذَا الْيَهُ فَغَدًا لِلْيَهُودِ وَبَعْدَ غَد لِلنَّصَارَى فَسَكَتَ ثُمُّ قَالَ حَقَّ عَلَى كُلِّ فَهٰذَا اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ طَاؤُسٍ عَنْ أَبِى هُرَيْرَةَ قَالَ قَالَ النَّبِي عَلَيْ لَلْهِ تَعَالَى عَلَى كُلِّ مُسُلِمٍ انْ يَغْتَسِلَ فِي كُلِّ سَبَعة مِنْ أَبِى هُرَيْرَةً قَالَ قَالَ النَّبِي عَلَيْ لَلْهِ تَعَالَى عَلَى كُلِّ مُسُلِمٍ انْ يَغْتَسِلَ فِي كُلِّ سَبَعة مِنْ طَاؤُسٍ عَنْ أَبِى هُرَيْرَةً قَالَ قَالَ النَّبِي عَلَيْكُ لِلْهِ تَعَالَى عَلَى كُلِّ مُسُلِمٍ انْ يَغْتَسِلَ فِي كُلِّ سَبَعة لِيَامٍ يَوْمًا وَلَا قَالَ النَّبِي عَلَيْكُ لِلْهِ تَعَالَى عَلَى كُلِّ مُسُلِمٍ انْ يَغْتَسِلَ فِي كُلِّ سَبَعة لِيَامٍ يَوْمًا وَلَا قَالَ النَّبِي عَيْلَكُ لِلْهِ تَعَالَى عَلَى كُلِّ مُسُلِمٍ انْ يَغْتَسِلَ فِي كُلِّ سَبَعة لِيهُ مِومًا وَاللهِ عَلَى كُلُّ مُسُلِمٍ انْ يَغْتَسِلَ فِي كُلِّ سَبَعة لِيهُ مَوْلِهُ وَيَعْلَى عَلَى كُلُ مُسُلِمٍ انْ يَغْتَسِلَ فِي كُلُّ سَبَعة لِيهُ مَنْ طَاؤُسٍ عَنْ أَبِي هُولِهُ اللهِ يَعْلَى عَلَى كُلُ مُسْلِمٍ انْ يَغْتَسِلَ فِي كُلُّ سَبَعة لِيهُ يَعْمَالِمُ وَلَا عَلَى عَلَى عَلَى اللهُ عَلَى كُلُ مِسْلِمٍ انْ يَغْتَسِلَ فِي كُلُ سِبَعة لِيهُ عَلَى عَلَى عَلَى عَلَى عَلَى اللهُ عَلَى عَلَى عَلَى عَلَى عَلَى عَلَى عَلَى عَلَى عَلَى اللهُ عَلَى عَلَى عَلَى عَلَى عَلَى اللهِ عَلَى عَلَى اللهِ عَلَى اللهُ عَلَى ع

৮৫২ মুসলিম ইব্ন ইব্রাহীম (র.)......আবৃ হুরায়রা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, রাসূলুল্লাহ্
. ক্রুল্লের্বলেছেন ঃ আমরা দুনিয়ায় (আগমনের দিক দিয়ে) সর্বশেষে। কিন্তু কিয়ামতের দিন মর্যাদার দিক
দিয়ে সবার আগে। তবে তাদের কিতাব প্রদান করা হয়েছে আমাদের আগে এবং আমাদের তা দেয়া
হয়েছে তাদের পরে। তারপর এই দিন (শুক্রবার নির্ধারণ) সম্বন্ধে তাদের মধ্যে মতানৈক্য হয়েছে।
আল্লাহ্ আমাদের এ শুক্রবার সম্পর্কে হিদায়াত দান করেছেন। পরের দিন (শনিবার) ইয়াহুদীদের এবং
তারপরের দিন (রোববার) নাসারাদের। এরপর কিছুক্ষণ নীরব থেকে রাসূলুল্লাহ্ ক্রিল্লের্ট্র বললেন ঃ প্রত্যেক

মুসলিমের উপর হক রয়েছে যে, প্রতি সাত দিনের এক দিন সে গোসল করবে, তার মাথা ও শরীর ধৌত করবে। আবান ইব্ন সালিহ্ (র.) আবূ হুরায়রা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবীক্ষ্মীর বলেছেন ঃ প্রত্যেক মুসলিমের উপর আল্লাহ্র হক রয়েছে যে, প্রতি সাত দিনের এক দিন সে যেন গোসল করে।

٨٥٣ حَدَّثَنَا عَبْدُ اللهِ بْنُ مُحَمَّدٍ حَدَّثَنَا شَبَابَةُ حَدَّثَنَا وَرُقَاءُ عَنْ عَمْرِو بْنِ دِيْنَارٍ عَنْ مُجَاهِدٍ عَنِ ابْنِ عُمَّرَ عَمْر مَدُّ اللهِ بْنُ مُجَاهِدٍ عَنِ ابْنِ عُمَّر عَنْ النَّبِيِّ عَلَيْهِ اللهِ اللهِ اللهِ الْمُسَاجِدِ .

৮৫৩ আবদুল্লাহ্ ইব্ন মুহাম্মদ (র.).....ইব্ন উমর (রা.) সূত্রে নবী করীম ক্রিম্ট্রেইথেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, তোমরা মহিলাগণকে রাতে (সালাতের জন্য) মসজিদে যাওয়ার অনুমতি দিবে।

٨٥٤ حَدَّثَنَا يُوسَفُ بْنُ مُوسَلَى حَدَّثَنَا أَبُو اُسَامَةَ حَدَّثَنَا عُبَيْدُ اللهِ بْنُ عُمَرَ عَنْ نَافِعٍ عَنِ ابْنِ عُمَرَ ، قَالَ كَانَتِ امْرَأَةُ لِعُمَر تَشْهَدُ صَلَاةَ الصَّبْحِ وَالْعِشَاءِ فِي الْجَمَاعَةِ فِي الْمَسْجِدِ ، فَقِيْلَ لَهَا لِمَ تَخْرُجُيْنَ ، قَالَ كَانَتِ امْرَأَةُ لِعُمَر يَكُرَهُ ذُلِكَ وَيَغَارُ ، قَالَتُ وَمَا يَمُنَعُهُ أَنْ يَنْهَانِيْ ، قَالَ يَمْنَعُهُ قَوْلُ رَسُولِ اللهِ عَلَيْ لَا لَهُ عَلَى اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ لَا اللهِ عَلَيْ لَا الله عَلَيْ الله عَلَى الله عَلَيْ الله عَلَى الله عَلَيْ الله عَلَيْ الله عَلَى الله عَلَيْ الله عَلَيْ الله عَلَى الله عَلَيْ اللهِ عَلَيْ الله عَلَى الله عَلَيْ الله عَلَيْ الله عَلَيْ الله عَلَيْ الله عَلَى الله عَلَيْ الله عَلَيْ الله عَلَى الله عَلَيْ الله عَلَيْ عَلَى الله عَلَيْ الله عَلَيْ الله عَلَيْ الله عَلَيْ الله عَلْ الله عَلَيْ الله عَلَيْ الله عَلَى الله عَلَى الله عَلَيْ عَلَى الله عَلَيْ الله عَلَى الله عَلَى الله عَلَيْ الله عَلَيْ الله عَلَيْ الله عَلَيْ الله عَلَى الله عَلَى الله عَلَيْ عَلِي الله عَلَيْ الله عَلَيْ الله عَلَيْ الله عَلَيْ الله عَلَيْ عَلَى الله عَلَيْ الله عَلَيْ الله عَلَيْ عَلَى الله عَلَيْ الله عَلْ الله عَلَيْ الله عَ

৮৫৪ ইউসুফ ইব্ন মূসা (র.)......ইব্ন উমর (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, উমর (রা.)-এর স্ত্রী (আতিকাহ্ বিনত যায়িদ) ফজর ও ইশার সালাতের জামা আতে মসজিদে হািযর হতেন। তাঁকে বলা হল, আপনি কেন (সালাতের জন্য) বের হন ? অথচ আপনি জানেন যে, উমর (রা.) তা অপসন্দ করেন এবং মর্যাদা হানিকর মনে করেন। তিনি জবাব দিলেন, তা হলে এমন কি বাধা রয়েছে যে, উমর (রা.) স্বয়ং আমাকে নিষেধ করছেন না ? বলা হল, তাঁকে বাধা দেয় রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্রিই -এর বাণী ঃ আল্লাহ্র দাসীদের আল্লাহ্র মসজিদে যেতে নিষেধ করো না।

#### ٥٦٨، بَابُ الرُّخُصنةِ إِنْ لَمْ يَحْضُرُ الْجُمُعَةِ فِي الْمَطَرِ

৫৬৮. অনুচ্ছেদঃ বৃষ্টির কারণে জুমু আর সালাতে হাযির না হওয়ার অবকাশ।

مُ مَدَّنَا مُسَدُّدُ قَالَ حَدَّثَنَا اِسْمَعْيِلُ قَالَ اَخْبَرَنِيْ عَبْدُ الْحَمِيْدِ صَاحِبُ الزِّيَادِيِّ قَالَ حَدَّثَنَا عَبْدُ اللهِ بَنُ الْحَارِثِ ابْنُ عَمِّ مُحَمَّدِبْنِ سَيْرِيْنَ قَالَ ابْنُ عَبَّاسٍ لِمُؤَذِّنِهِ فِيْ يَوْمٍ مَطيْرٍ إِذَا قُلُتَ اَشْهَدُ اَنَّ مُحَمَّدًا بَنُ الْحَارِثِ ابْنُ عَمِّ مُحَمَّدُبْنِ سَيْرِيْنَ قَالَ ابْنُ عَبَّاسٍ لِمُؤَذِّنِهِ فِيْ يَوْمٍ مَطيْرٍ إِذَا قُلُتَ اَشْهَدُ اَنَّ مُحَمَّدًا رَسُولُ اللهِ فَلاَ تَقُلُ حَى عَلَى الصَّلاَةِ قُلُ صَلُّوا فِي بُيُوتِكُمْ فَكَانَ النَّاسَ اسْسَتَنْكَرُوا ، قَالَ فَعَلَهُ مَنْ هُوَ رَسُولُ اللهِ فَلاَ تَقُلُ حَى عَلَى الصَّلاَةِ قُلْ صَلُّوا فِي بُيُوتِكُمْ فَكَانَ النَّاسَ اسْسَتَنْكَرُوا ، قَالَ فَعَلَهُ مَنْ هُوَ خَيْرُ مَنِي إِنَّ الْجُمُعَةَ عَزْمَةُ وَإِنِي كَرَهْتُ انْ الْحُرِجَكُمْ فَتَمْشُونَ فِي الطِّينَ وَالدَّحْض ،

৮৫৫ মুসাদ্দাদ (র.).....ইব্ন আব্বাস (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি তাঁর মুআয্যিনকে এক বর্ষণমুখর দিনে বললেন, যখন তুমি (আযানে) 'আশহাদু আন্না মুহাম্মাদুর রাসূলুল্লাহ্' বলবে, তখন 'হাইয়া আলাস্

সালাহ্' বলবে না, বলবে, "সাল্লু ফী বুয়ৃতিকুম"-তোমরা নিজ নিজ বাসগৃহে সালাত আদায় কর। তা লোকেরা অপসন্দ করল। তখন তিনি বললেন ঃ আমার চাইতে উত্তম ব্যক্তিই (রাসূলুল্লাহ্ ক্রিট্রি ) তা করেছেন। জুমু'আ নিঃসন্দেহে জরুরী। আমি অপসন্দ করি যে, তোমাদেরকে মাটি ও কাদার মধ্য দিয়ে যাতায়াত করার অসুবিধায় ফেলি।

978. بَابُ مِنْ اَيْنَ تُوْتَى الْجُمُعَةُ وَعَلَى مَنْ تَجِبُ ، لِقَوْلِ اللهِ جَلُّى عَدُّ : إِذَا نُودِى لِلصَالَةِ مِنْ يُومُ الْجُمُعَةِ وَقَالَ عَطَاء إِذَا كُنْتَ فِي قَرْيَةٍ جَامِعَةٍ فِنَوْدِي بِالصَّلَاةِ مِنْ يَوْمِ الْجُمُعَةِ فَعَقُ عَلَيْكَ اَنْ تَشْهَدَهَا الْجُمُعَة وَقَالَ عَطَاء إِذَا كُنْتَ فِي قَرْيَةٍ جَامِعَة فِنَ بِالصَّلَاةِ مِنْ يَوْمِ الْجُمُعَة فَعَلَى اَنْ تَشْهَدُها الْجُمُعِة وَقَالَ عَطَاء إِذَا كُنْتَ فِي قَرْيَةٍ جَامِعَة فِنَ اللهُ عَنْهُ فِي قَصْرِهِ الصَّالَة عَمَّا يَعَمَّعُ وَاللهُ عَنْهُ فِي قَصْرِهِ الصَّالَة يُعَمِّعُ وَاللهُ عَلَى اللهُ عَنْهُ فِي قَصْرِهِ الصَّالَة اللهُ عَلَى اللهُ عَنْهُ فِي قَصْرِهِ الصَّالَة عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَنْهُ فِي قَصْرِهِ الصَّالَة اللهُ عَلَى اللهُ عَنْهُ فِي قَصْرِهِ الصَّالَة اللهُ عَلَى اللهُ عَنْهُ اللهُ عَنْهُ فِي قَصْرِهِ الصَّالَة اللهُ عَلَى اللهُ عَنْهُ اللهُ عَنْهُ فِي قَصْرِهِ الصَّالَ اللهُ عَلَى اللهُ عَنْهُ عَلَى اللهُ عَنْهُ فِي قَصْرِهِ الصَالَة اللهُ عَنْهُ اللهُ عَنْهُ اللهُ عَنْهُ اللهُ عَنْهُ عَلَى اللهُ عَنْهُ عَلَى اللهُ عَنْهُ عَنْهُ اللهُ عَنْهُ اللهُ عَنْهُ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْهُ اللهُ عَنْهُ اللهُ عَنْهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَنْهُ اللهُ اللهُ عَنْهُ عَلَى اللهُ اللهُ

৫৬১. অনুচ্ছেদঃ কতদূর থেকে জুমু আর সালাতে আসবে এবং জুমু আ কার উপর ওয়া—
জিব? কেননা, আল্লাহ্ তা আলা বলেছেনঃ জুমু আর দিন যখন সালাতের জন্য
আহ্বান করা হয়, তেখন) আলাহ্র যিকরের দিকে দৌড়িয়ে যাও। আতা রে.)
বলেছেন, যখন তুমি কোন বড় শহরে বাস কর, জুমু আর দিন সালাতের জন্য
আযান দেওয়া হলে, তা তুমি শুনতে পাও বা না পাও, তোমাকে অবশাই জামা—
'আতে হাযির হতে হবে। আনাস রো.) যখন বস্রা থেকে) দু ফারসাখ্ ছেয় মাইল)
দূরে অবস্থিত জাবিয়া নামক স্থানে তার বাড়ীতে অবস্থান করতেন, তখন কখনো
জুমু আ পড়তেন, কখনো পড়তেন না।

٨٥٦ حَدُّثَنَا اَحْمَدُ قَالَ حَدُّثَنَا عَبْدُ اللهِ بْنُ وَهْبٍ قَالَ اَخْبَرَنِي عَمْرُو بْنُ الْحَارِثِ عَنْ عُبَيْدِ اللهِ بْنِ ابِي جَعْفَرِ أَنْ النَّبِيِ عَلَيْ اللهِ بْنِ النَّبِي عَلَيْ عَنْ عَرُوَةَ بْنِ النَّبِيْرِ عَنْ عَائِشَةَ زَوْجِ النَّبِيِ عَلَيْ قَالَتُ كَانَ النَّاسُ يَنْتَابُونَ يَوْمَ الْجُمُعَةِ مِنْ مَنَازِلِهِمْ وَالْعَوَالِي فَيَأْتُونُ فِي الْغَبَارِ يُصِيْبُهُمُ الْغَبَارُ وَالْعَرَقُ فَيَخُرُجُ مِنْهُمُ الْعَرَقُ فَيَخُرُجُ مِنْهُمُ الْعَبَارِ مِنْهُمْ وَهُو عِنْدِي فَقَالَ النَّبِي عَلَيْهِمْ لَوْ النَّهِمْ لِيَوْمَكُمْ هَذَا • الْعَرَقُ فَاتَى رَسُولُ اللهِ عَلَيْهُ إِنْسَانٍ مِنْهُمْ وَهُو عِنْدِي فَقَالَ النَّبِي عَلَيْهِ لَوْ اَنَّكُمْ تَطَهَرَتُمْ لِيَوْمَكُمْ هَذَا •

৮৫৬ আহ্মদ ইব্ন সালিহ্ (র.)....নবী করীম ক্রিট্রা-এর সহধর্মিনী আয়িশা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, লোকজন তাদের বাড়ী ও উঁচু এলাকা থেকেও জুমুব্যার সালাতের জন্য পালাক্রমে আসতেন। আর যেহেতু তারা ধূলো-বালির মধ্য দিয়ে আগমণ করতেন, তাই তারা ধূলি মলিন ও ঘর্মাক্ত হয়ে যেতেন। তাঁদের দেহ থেকে ঘাম বের হত। একদিন তাদের একজন রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্রাই -এর নিকট আসেন। তখন নবী করীম ক্রিট্রাই আমার নিকট ছিলেন। তিনি তাঁকে বললেন ঃ যদি তোমরা এ দিনটিতে পরিষ্কার-পরিচ্ছন্ন থাকতে।

वृथाती गतीय (२)---२७

٥٧٥. بَابُ وَقَتِ الْجُمُعَةِ إِذَا زَالَتِ الشَّمْشُ وَكَذَٰلِكَ يُذْكُرُ عَنْ عُمَرَ وَعَلِيٍّ وَالنَّفْمَانِ بَنِ بَشِيْرِ وَعَمْرِوا بَنِ عَلَيْ وَالنَّفْمَانِ بَنِ بَشِيْرٍ وَعَمْرِوا بَنِ حُرِيثٍ رَضِي اللَّهُ عَنْهُم

৫৭০, অনুচ্ছেদ ঃ সূর্য হেলে গেলে জুমু আর ওয়াক্ত হয়। উমর, আলী, নু মান ইব্ন বাশীর এবং আমর ইব্ন ভ্রাইস (রা.) থেকেও অনুরূপ উল্লেখ রয়েছে।

٨٥٧ حَدِّثَنَا عَبْدَانُ قَالَ آخُبَرَنَا عَبْدُ اللهِ قَالَ آخُبَرَنَا يَحْيِى بْنُ سَعِيْدُ انَّهُ سَأَلَ عَمْرَةَ عَنِ الْغُسُلِ يَوْمَ الْجُمُعَةِ فَقَالَتُ عَائِشَةَ رَضِيَ اللهُ عَنْهَا كَانَ النَّاسُ مَهَنَةَ آنْفُسِهِمْ وَكَانُوْ إِذَا رَاحُوا الْمِي اللهُ عَنْهَا كَانَ النَّاسُ مَهَنَةَ آنْفُسِهِمْ وَكَانُوْ إِذَا رَاحُوا الْمِي اللهُ عَنْهَا كَانَ النَّاسُ مَهَنَة آنْفُسِهِمْ وَكَانُوْ إِذَا رَاحُوا الْمِي اللهُ عَنْهَا كَانَ النَّاسُ مَهَنَة آنْفُسِهِمْ وَكَانُوْ إِذَا رَاحُوا الْمِي اللهُ عَنْهَا كَانَ النَّاسُ مَهَنَة آنْفُسِهِمْ وَكَانُوْ إِذَا رَاحُوا الْمِي الْمُعْمَ وَاحْوَا فِي اللهُمْ لَوَاغْتَسَلَتُمْ .

৮৫৭ আবদান (র.).....ইয়াহ্ইয়া ইব্ন সায়ীদ (র.) থেকে বর্ণিত, তিনি আমরাহ (র.)-কে জুমু'আর দিনে গোসল সম্পর্কে জিজ্ঞাসা করেন। আমরাহ (র.) বলেন, আয়িশা (রা.) বলেছেন যে, লোকজন নিজেদের কাজকর্ম নিজেরাই করতেন। যখন তারা দুপুরের পরে জুমু'আর জন্য যেতেন তখন সে অবস্থায়ই চলে যেতেন। তাই তাঁদের বলা হল,যদি তোমরা গোসল করে নিতে।

٨٥٨ حَدَّثَنَا سُرِيْجُ بْنُ النَّعْمَانِ قَالَ حَدَّثَنَا فُلَيْحُ بْنُ سُلَيْمَانَ عَنْ عُثْمَانَ بْنِ عَبْدِ الرَّحْمَٰنِ بْنِ عُثْمَانَ

التَّيْمِيِّ عَنْ أَنَسِ بْنِ مَالِكِ رَضِيَّ اللَّهُ عَنْهُ أَنَّ النَّبِيَّ عَلَيْكُ كَانَ يُصلِّي الْجُمُعَةِ حِيْنَ تَميْلُ الشَّمْسُ •

৮৫৮ সুরাইজ ইব্ন নু'মান (র.).....আনাস ইব্ন মালিক (রা.) থেকে বর্ণিত যে, রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্র . জুমু'আর সালাত আদায় করতেন, যখন সূর্য হেলে যেতো ।

٨٥٩ حَدَّثَنَا عَبْدَانُ قَالَ اَخْبَرَنَا عَبْدُ اللهِ قَالَ اَخْبَرَنَا حُمَيْدُ عَنْ اَنَسٍ بْنِ مَالِكٍ قَالَ كُنَّا نُبَكِّرُ بِالْجُمُعَةِ وَنَقَيْلُ بَعْدَ الْجُمُعَة وَ وَنَقَيْلُ بَعْدَ الْجُمُعَة وَ

৮৫৯ আবদান (র.)......আনাস ইব্ন মালিক (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আমরা প্রথম ওয়াক্তেই জুমু'আর সালাতে যেতাম এবং জুমু'আর পরে কাইলূলা (দুপুরের বিশ্রাম) করতাম।

#### ٧١ه. بَابُ إِذَا اشْتَدُّ الْحَرُّ يَنْمَ الْجُمُعَةِ

৫৭১. অনুচ্ছেদ ঃ জুমু আর দিন যখন সূর্যের তাপ প্রখর হয়।

٨٦٠ حَدَّثَنَا مُحَمَّدُ بُنُ أَبِي بَكْرٍ الْمُقَدَّمِيُّ قَالَ حَدَّثَنَا حَرَمِيُّ ابْنُ عُمَرَةَ قَالَ حَدَّثَنَا أَبُوْ خَلْدَةً هُوَ خَالِدُ بَنُ مُعَدَّ بُنُ أَبِي بَكُرٍ الْمُقَدَّمِيُّ قَالَ حَدَّثَنَا حَرَمِيُّ ابْنُ عُمَرَةً قَالَ حَدَّثَنَا أَبُوْ خَلْدَةً فَقَالَ بِالصَّلَاةِ وَإِذَا اشْتَدُّ الْجُمُعَةُ وَقَالَ الْبُودُ بَالصَّلَاةِ وَلَمْ يَذُكُرِ الْجُمُعَةُ وَقَالَ الْمُثَدُّ الْبُودُ خَلْدَةً فَقَالَ بِالصَّلَاةِ وَلَمْ يَذُكُرِ الْجُمُعَةُ وَقَالَ الْمُعَدِّ وَقَالَ بِالصَّلَاةِ وَلَمْ يَذُكُرِ الْجُمُعَةُ وَقَالَ الْمُعَدِّ الْجُمُعَةُ وَقَالَ اللّهِ الْمَالِدَةِ وَلَمْ يَذُكُرِ الْجُمُعَةُ وَقَالَ اللّهِ الْمُعَالَةِ وَلَمْ يَذُكُرِ الْجُمُعَةُ وَقَالَ اللّهِ الْمَالَةِ وَلَمْ يَذُكُرِ الْجُمُعَةُ وَقَالَ اللّهِ الْمَالَةِ وَلَمْ يَذُكُرِ الْجُمُعَةُ وَقَالَ اللّهُ اللّهَ اللّهَ اللّهَ اللّهُ اللّهَ اللّهُ اللللللّهُ الللّهُ الللّهُ اللللللّهُ الللّهُ اللّهُ اللللللللللللّهُ الللّهُ اللللللللللللللللللللل

بِشْرُ بْنُ ثَابِتٍ حَدَّثَنَا اَبُوْ خَلْدَةَ قَالَ صَلَّى بِنَا اَمِيْرُ الْجُمُعَةِ ثُمَّ قَالَ لِاَنْسِ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهُ كَيْفَ كَانَ النَّبِيُّ وَاللَّهُ عَنْهُ كَيْفَ كَانَ النَّبِيُّ عَالَ لِاَنْسِ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهُ كَيْفَ كَانَ النَّبِيُّ عَالَ لِاَنْسِ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهُ كَيْفَ كَانَ النَّبِيُّ عَالَى لِاَنْسِ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهُ كَيْفَ كَانَ النَّبِيُّ عَالِيَ النَّابِيُّ عَلَى الظَّهْرَ .

চঙ০ মুহাম্মদ ইব্ন আবৃ বক্র মুকাদামী (র.)......আনাস ইব্ন মালিক (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী করীম ক্রিট্রেই প্রচণ্ড শীতের সময় প্রথম ওয়াক্তেই সালাত আদায় করতেন। আর প্রথর গরমের সময় ঠাণ্ডা করে (বিলম্ব করে) সালাত আদায় করতেন। অর্থাৎ জুমু'আর সালাত। ইউনুস ইব্ন বুকাইর (র.) আমাদের বলেছেন, আর তিনি সালাত শব্দের উল্লেখ করেছেন, জুমু'আ শব্দের উল্লেখ করেন নি। আর বিশ্র ইব্ন সাবিত (র.) বলেন, আমাদের কাছে আবৃ খালদা (র.) বর্ণনা করছেন যে, জুমু'আর ইমাম আমাদের নিয়ে সালাত আদায় করেন। তারপর তিনি আনাস (রা)-কে বলেন, নবী করীম ক্রিট্রেই যুহরের সালাত কি ভাবে আদায় করতেন ?

٥٧٢ . بَابُ الْمَشَيِ إِلَى الْجُمُّعَةِ ، وَقَوْلُ اللهِ جَلَّ ذِكْرُهُ : فَاشْعَوْا اللهِ ذِكْرِ اللهِ وَمَنْ قَالَ السَّعْيُ الْفَمَلُ اللهِ جَلَّ ذِكْرُهُ : فَاسْعَوْا اللهِ عَنْهُمَا يَحْرُمُ الْبَيْعُ حَيْنَئِذٍ وَقَالَ وَالدَّهَابُ ، لِقَوْلِهِ تَمَالَى : وَسَعَى لَهَا سَعْيَهَا ، وَقَالَ ابْنُ عَبَّاسٍ رَضِي اللهُ عَنْهُمَا يَحْرُمُ الْبَيْعُ حَيْنَئِذٍ وَقَالَ عَطَاءُ تَحْدِرُمُ اللهُ عَنْهُمَا يَحْرُمُ الْبَيْعُ حَيْنَئِذٍ وَقَالَ عَلَيْهُ اللهُ عَنْهُمَا يَحُرُمُ الْبَيْعُ حَيْنَا وَقَالَ ابْرَاهِ يَمُ بُنُ سَعَد عِنِ الزَّهُرِيِّ إِذَا آذَنَ الْمُؤَدِّنُ يَوْمُ الْجُمُعَةِ وَهُو مُسَافِدُ فَعَلَيْهُ انْ يَشْهَدُ

٨٦١ حَدِّثَنَا عَلِى بَنُ عَبُدِ اللهِ قَالَ حَدِّثَنَا الْوَلِيْدُ بَنُ مُسْلِمٍ قَالَ حَدِّثَنَا يَزِيْدُ بَنُ أَبِى مَرْيَمَ قَالَ حَدَّثَنَا عَلِي بَنْ مَسْلِمٍ قَالَ حَدَّثَنَا عَلِي بَنُ مَرْيَمَ قَالَ حَدَّثَنَا عَلِي الْمَعْتَ النَّبِي عَلَيْ يَقُولُ مَنِ اغْبَرَّتُ عَبَايَةُ بَنُ رِفَاعَةَ قَالَ اللهِ حَرَّمَهُ الله عَلَى النَّارِ • قَدَمَاهُ فِي سَبِيْلِ اللهِ حَرَّمَهُ الله عَلَى النَّارِ •

৮৬১ আলী ইব্ন আবদুল্লাহ্ (র.).....আবায়া ইব্ন রিফা'আ (র.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আমি

জুমু'আর সালাতে যাওয়ার সময় আবৃ আব্স্ (রা.)-এর সঙ্গে সাক্ষাৎ হলে তিনি বললেন, আমি রাস্লুলাহ্ ক্রিবলতে ওনেছি যে, যার দু'পা আল্লাহ্র পথে ধূলি ধূসরিত হয়, আল্লাহ্ তার জন্য জাহানাম হারাম করে দেন।

৮৬২ আদাম ও আবুল ইয়ামান (র.)......আবূ হুরায়রা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আমি রাসূলুলাহ ক্রিট্রাইকে বলতে শুনেছি, যখন সালাত শুরু হয়, তখন দৌড়িয়ে গিয়ে সালাতে যোগাদান করবে না, বরং হেঁটে গিয়ে সালাতে যোগদান করবে। সালাতে ধীর-স্থিরভাবে যাওয়া তোমাদের জন্য অপরিহার্য। কাজেই জামা আতের সাথে সালাত যতটুকু পাও আদায় কর, আর যা ফাওত হয়ে গেছে, পরে তা পুরো করে নাও।

٨٦٣ حَدُّثَنَا عَصْرُو بُنُ عَلِيٍّ قَالَ حَدَّثَنِي أَبُو قُتَيْبَةَ قَالَ حَدَّثَنَا عَلِيٍّ بُنُ الْمُبَارَكِ عَنْ يَحْيلِي بُنِ أَبِي كَثِيرٍ عَنْ عَبْدِ اللهِ بُنِ أَبِي قَتَادَةَ لاَ أَعْلَمُهُ الاَّ عَنْ أَبِيهِ عَنِ النَّبِي عَلِي مَالَ لاَ تَقُومُوا حَتَّى تَرَوْنِي وَعَلَيْكُمْ لَا يَعُومُوا حَتَّى تَرَوْنِي وَعَلَيْكُمْ السَّكُنَةُ .

৮৬৩ আম্র ইব্ন আলী (র.).....আবূ কাতাদা (রা.) সূত্রে নবী ক্রিট্রেই থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন ঃ তোমরা আমাকে না দেখা পর্যন্ত সালাতে দাঁড়াবে না। তোমাদের জন্য ধীর-স্থির থাকা অপরিহার্য।

#### ٣٧٥. بَابُ لاَ يُفَرِّقُ بَيْنَ اثْنَيْنِ يَوْمَ الْجُمْعَةِ

৫ ৭৬. অনুচ্ছেদ ঃ জুমু'আর দিন সালাতে দু' জনের মধ্যে ফাঁক না করা।

ابْنِ وَدِيْعَةَ عَنْ سَلْمَانَ الْفَارِسِيِّ قَالَ قَالَ رَسُولُ اللهِ عَلَيْ ابْنُ أَبِيْ ذِنْبٍ عَنْ سَعِيْد الْمَقْبُرِيِّ عَنْ ابِيهِ عَنِ ابْنَ وَدِيْعَة عَنْ سَلْمَانَ الْفَارِسِيِّ قَالَ قَالَ رَسُولُ اللهِ عَلِيْ مَنِ اغْتَسَلَ يَوْمَ الْجُمُّعَةِ وَتَطَهَّرَ بِمَا اسْتَطَاعَ مِنْ طَهُرٍ ، اَدُهَنَ اوْمَسٌ مِنْ طِيْبٍ ، ثُمَّ رَاحَ فَلَمْ يُفَرِّقُ بَيْنَ اثِـنَيْنِ صَلِّى مَا كُتِبَ لَهُ ثُمَّ اذِا خَرَجَ الْإِمَامُ انْصَتَ غُفْرَ لَهُ مَا بَيْنَهُ وَبَيْنَ الْجُمُعَة الْأُخْرَى ،

৮৬৪ আবদান ইব্ন আবদুল্লাহ্ (র.)...সালমান ফারিসী (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, রাসূলুল্লাহ্ ক্রিট্রির বলেছেনঃ যে ব্যক্তি জুমু'আর দিন গোসল করে এবং যথাসম্ভব উত্তমরূপে পবিত্রতা অর্জন করে, এরপর তেল মেখে নেয় অথবা সুগন্ধি ব্যবহার করে, তারপর (মসজিদে) যায়, আর দু'জনের মধ্যে ফাঁক করে না এবং তার ভাগ্যে নির্ধারিত পরিমাণ সালাত আদায় করে। আর ইমাম যখন (খুত্বার জন্য) বের হন তখন চুপ থাকে। তার এ জুমু'আ এবং পরবর্তী জুমু'আর মধ্যবর্তী যাবতীয় গুনাহ মাফ করে দেওয়া হয়।

#### ٧٤٥. بَابُ لاَ يُقِيْمُ الرَّجُلُ أَخَاهُ يَنْمَ الْجُمْمَةِ وَيَقَعُدُ فِي مَكَانِهِ

৫৭৯. অনুচ্ছেদ ঃ জুমু<sup>4</sup>আর দিন কোন ব্যক্তি তার ভাইকে উঠিয়ে দিয়ে তার জায়গায় বসবে না।

مَدُّتُنَا مُحَمَّدُ هُـوَ ابْنُ سَلاَّمِ قَالَ اَخْبَرَنَا مَخْلَدُ بْنُ يَزِيْدَ قَالَ اَخْبَرَنَا ابْنُ جُرَيْجٍ قَالَ سَمِعْتُ لَافِعًا يَقُولُ سَمِعْتُ ابْنِ عُمَرَ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهُمَا يَقُولُ نَهَى النَّبِيَّ عَلِيْ الْبُعِيْ الرَّجُلُ اَخَاهُ مِنْ مَقْعَدِهِ وَيَجْلِسَ فِيْهِ قُلْتُ لِنَافِعِ الْجُمُعَةَ قَالَ الْجُمُعَةَ وَغَيْرَهَا ،

৮৬৫ মুহাম্মদ ইব্ন সাল্লাম (র.).....ইব্ন উমর (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী করীম ক্রিমিটিনিষধ করেছেন, যেন কেউ তার ভাইকে তার বসার জায়গা থেকে উঠিয়ে দিয়ে নিজে সে জায়গায় না বসে। ইব্ন জুরাইজ (র.) বলেন, আমি নাফি' (র.)-কে জিজ্ঞাসা করলাম, এ কি শুধু জুমু'আর ব্যাপারে? তিনি বললেন, জুমু'আ ও অন্যান্য (সালাতের) ব্যাপারেও (এ নির্দেশ প্রযোজ্য)।

#### ٥٧٥. بَابُ الْآذَانِ بِينَمُ الْجُمْعَةِ

৫ ৭৬. অনুচ্ছেদ ঃ জুমু আর দিনের আযান।

آجَمُّعَةِ اَوَّلُهُ إِذَا جَلَسَ الْإِمَامُ عَلَى الْمَثْبَرِ عَلَى عَهْدِ النَّبِيِّ عَلِيْ السَّائِبِ بْنِ يَزِيْدَ قَالَ كَانَ النِّدَاءُ يَوْمَ الْجُمُّعَةِ اَوَّلُهُ إِذَا جَلَسَ الْإِمَامُ عَلَى الْمَثْبَرِ عَلَى عَهْدِ النَّبِيِّ عَلِيْ وَأَبِيُّ بَكُرٍ وَعُمَرَ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهُمَا فَلَمَّا كَانَ عُثْمَانُ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهُ وَكَثَرَ النَّاسُ زَادَ النِّدَاءَ التَّالِثَ عَلَى الزَّوْرَاءِ قَالَ أَبُو عَبْدِ اللهِ الزَّوْرَاءُ مَوْضَعُ بِالسَّوْقَ الْمَدْيُنَة .

৮৬৬ আদম (র.).....সায়িব ইব্ন ইয়াথীদ (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী করীম ক্রিট্রি আবূ বক্র (রা.) এবং উমর (রা.)-এর সময় জুমু'আর দিন ইমাম যখন মিম্বরের উপর বসতেন, তখন প্রথম আযান দেওয়া হত। পরে যখন উসমান (রা.) খলীফা হলেন এবং লোকসংখ্যা বৃদ্ধি পেল, তখন তিনি 'যাওরা' থেকে তৃতীয় আযান বৃদ্ধি করেন। আবৃ আবদুলাহ্ (ইমাম বুখারী) (র.) বলেন, 'যাওরা' হল মদীনার অদূরে বাজারের একটি স্থান।

এর আগে কেবল খুত্বার আ্যান ও ইকামাত প্রচলন ছিল। এখন থেকে তৃতীয় অর্থাৎ সালাতের জন্য বর্তমানে প্রচলিত আ্যানের রেওয়াজ হয়।

#### ٧٧ه . بَابُ الْمُونَدِّنِ الْوَاحِدِ يَثْمَ الْجُمُعَةِ

৫ ৭৬. অনুচ্ছেদ ঃ জুমু আর দিন এক মুআয্যিনের আযান দেওয়া।

٨٦٧ حَدُّثَنَا أَبُوْ نُعَيْمٍ قَالَ حَدُّثَنَا عَبُدُ الْعَزِيْزِ بْنُ أَبِيْ سَلَمَةَ الْمَاجِشُوْنَ عَنِ الزَّهْرِيِّ عَنِ السَّائِبِ بْنِ يَزِيْدَ اَنَّ الَّذِي زَادَ التَّأْذِيْنَ التَّالِثَ يَوْمَ الْجُمُعَةِ عُثْمَانُ بْنُ عَفَّانَ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهُ حَبِينَ كَثُرَ اَهْلُ الْمَدْيِنَةِ وَلَمُ يَكُنْ لِلنَّبِي عَلِيْ اللَّهُ عَنْهُ عَيْنَ كَثُرَ اَهْلُ الْمَدْيِنَةِ وَلَمُ يَكُنْ لِلنَّبِي عَلِيْ مُؤَذِّنُ غَيْرَ وَاحِدٍ وَكَانَ التَّأْذَيْنُ يَوْمَ الْجُمُعَةِ حَيْنَ يَجُلِسُ الْإِمَامُ يَعْنِي عَلَى الْمُنبَرِ ،

৮৬৭ আবৃ না'আইম (র.).....সায়িব ইব্ন ইয়াযীদ (রা.) থেকে বর্ণিত, মদীনার অধিবাসীদের সংখ্যা যখন বৃদ্ধি পেল, তখন জুমু'আর দিন তৃতীয় আযান যিনি বৃদ্ধি করলেন, তিনি হলেন, উসমান ইব্ন আফ্ফান (রা.)। নবী করীম ক্রিট্রেই-এর সময় (জুমু'আর জন্য) একজন ব্যতীত মুআ্য্যিন ছিল না এবং জুমু'আর দিন আযান দেওয়া হত যখন ইমাম বসতেন অর্থাৎ মিম্বরের উপর খুত্বার পূর্বে।

#### ٧٧ه. بَابُ يُؤَذِّنُ الْإِمَامُ عَلَى الْمِنْبَرِ إِذَا سَمِعَ النَّدِأَ

চি৬৮ ইব্ন মুকাতিল (র.).....মু'আবিয়া ইব্ন আবৃ সুফিয়ান (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি মিম্বরে বসা অবস্থায় মুয়ায্যিন আযান দিলেন। মুয়ায্যিন বললেন, "আল্লান্থ আকবার, আল্লান্থ আকবার" মু'আবিয়া (রা.) বললেন, "আল্লান্থ আকবার, আল্লান্থ আকবার।" মুয়ায্যিন বললেন, "আশ্হাদু আল্ লা-ইলাহা ইল্লাল্লান্থ" তিনি বললেন এবং আমিও (বলছি "আশ্হাদু আল্ লা-ইলাহা ইল্লাল্লান্থ)। মুয়ায্যিন বললেন, "আশ্হাদু আন্না মুহাম্মাদার রাসূলুল্লান্থ" তিনি বললেন, এবং আমিও (বলছি.....)। যখন (মুআ্য্যিন) আযান শেষ করলেন, তখন মু'আবিয়া (রা.) বললেন, হে লোক সকল! তোমরা আমার থেকে যে বাক্যগুলো শুনেছ, তা রাসূলুল্লাহ্ ক্লিম্মান্ত নকে মুয়ায্যিনের আযানের সময় এ মজলিসে বাক্যগুলো বলতে আমি শুনেছি।

#### ٧٨ . بَابُ الْجُلُسُ عَلَى الْمِنْبَرِ عِنْدَ التَّاذِيْنَ

৫ % . অনুচ্ছেদ ঃ আযানের সময় মিম্বরের উপর বসা।

٨٦٩ حَدَّثَنَا يَحْيَى بَّنُ بُكَيْرٍ قَالَ حَدَّثَنَا اللَّيثُ عَنْ عُقَيْلٍ عَنِ ابْنِ شِهَابٍ إَنَّ السَّائِبَ بْنَ يَزِيْدَ اَخْبَرَهُ الْجَبُونَ التَّاذِيْنَ التَّاذِيْنَ التَّاذِيْنَ التَّاذِيْنَ يَوْمَ الْجُمُعَةِ اَمَرَ بِهِ عُثْمَانُ حَيْنَ كَثْرَ اَهْلُ الْمَسْجِدِ وَكَانَ التَّأَذُيْنُ يَوْمَ الْجُمُعَةِ حَيْنَ كَثُرَ اَهْلُ الْمَسْجِدِ وَكَانَ التَّأْذِيْنُ يَوْمَ الْجُمُعَةِ حَيْنَ كَثُرَ اَهْلُ الْمَسْجِدِ وَكَانَ التَّأْذِيْنُ يَوْمَ الْجُمُعَةِ مَيْنَ كَثُرَ اَهْلُ الْمَسْجِدِ وَكَانَ التَّأَذُيْنُ يَوْمَ الْجُمُعَةِ حَيْنَ كَثُرَ اَهْلُ الْمَسْجِدِ وَكَانَ التَّأَذِيْنُ يَوْمَ الْجُمُعَةِ مَيْنَ عَبْرَا اللّهَ الْمَسْتِ اللّهِ اللّهَ الْمَسْتِ اللّهُ الْمُسْتِ اللّهُ الْمَامُ .

৮৬৯ ইয়াহ্ইয়া ইব্ন বুকাইর (র.).....সায়িব ইব্ন ইয়াযীদ (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, মসজিদে মুসল্লীদের সংখ্যা বৃদ্ধি পেলে, উসমান (রা.) জুমু'আর দিন দ্বিতীয় আযানের নির্দেশ দেন। ইতিপূর্বে জুমু'আর দিন ইমাম যখন (মিম্বরের উপর) বসতেন, তখন আযান দেওয়া হত।

#### ٧٩ه . بَابُ التَّأْذِيْنِ عِنْدَ الْخُطْبَةِ

৫৭৯ . অনুচ্ছেদ ঃ খুত্বার সময় আযান।

٨٧٠ حَدَّثَنَا مُحَمَّدُ بُنُ مُقَاتِلٍ قَالَ اَخْبَرَنَا عَبْدُ اللهِ قَالَ اَخْبَرَنَا يُونُسُ عَنِ الزَّهْرِيِّ قَالَ سَمِعْتُ السَّائِبَ بَنْ يَرْيُدَ يَقُولُ إِنَّ الْآذَانَ يَوْمَ الْجُمُعَةِ كَانَ اَوَّلُهُ حِيْنَ يَجْلِسُ الْإِمَامُ يَوْمَ الْجُمُعَةِ عَلَى الْمَنْبَرِ فِي عَهْدِ رَسُولِ اللهِ عَلْيَ اللهِ عَنْهُمَا فَلَمَّا كَانَ فِي خَلافَةٍ عُثْمَانَ رَضِيَ الله عَنْهُ وَكَثَرُوا رَسُولِ اللهِ عَلَى الْجُمُعَةِ بِالْآذَانِ التَّالِثِ فَاذَنِ بِهِ عَلَى الزَّوْرَاءِ فَنَبَتَ الْآمَرُ عَلَى ذَٰلِكَ .

৮৭০ মুহাম্মদ ইব্ন মুকাতিল (র.).....সায়িব ইব্ন ইয়াযীদ (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, রাসূলুল্লাহ্ আবৃ বকর এবং উমর (রা.)-এর যুগে জুমু আর দিন ইমাম যখন মিম্বরের উপর বসতেন, তখন প্রথম আযান দেওয়া হত। এরপর যখন উসমান (রা.)-এর খিলাফতের সময় এল এবং লোক-সংখ্যা বৃদ্ধি পেল, তখন উসমান (রা.) জুমু আর দিন তৃতীয় আযানের নির্দেশ দেন। 'যাওরা' নামক স্থান থেকে এ আযান দেওয়া হয়, পরে এ আযান অব্যাহত থাকে।

#### ه ٨٥. بَابُ الْخُطْبَةِ عَلَى الْمُنِبَرِ وَقَالَ أَنْسُ رَضِي اللَّهُ عَنْهُ خَطَبَ النَّبِي عَلَى الْمُنبَرِ

৫৮০. অনুচ্ছেদঃ মিম্বরের উপর খুত্বা দেওয়া। আনাস রো.) বলেছেন, নবী করীম স্ক্রীয় মিম্বর থেকে খুত্বা দিতেন।

٨٧١ حَدَّثَنَا قُتَيْبَةُ بْنُ سَعِيْدٍ قَالَ حَدَّثَنَا يَعْقُوبُ بْنُ عَبْدِ الرَّحْمَٰنِ بْنِ مُحَمَّدٍ بْنِ عَبْدِ اللَّهِ بْنِ الْقَارِيُّ

১. সে যুগে ইকামতকে আযান হিসাবে গণ্য করা হতো।

الْقُرَشِيُّ الْإِشْكَنْدَرَانِيُّ قَالَ حَدَّثَنَا أَبُوْ حَازِمِ بَنُ دِيْنَارٍ أَنَّ رِجَالاً آتَوْا سَهْلَ بَنَ سَعْدِ السَّاعِدِيُّ وَقَدِ الْمَثَرَوْا فِي الْمَثْبَرِ مِمَّ عُوْدُهُ فَسَالُوهُ عَنْ ذٰلِكَ فَقَالَ وَاللَّهِ انِيْ لَا عُرِفُ مِمًّا هُوَ وَلَقَدُ رَأَيْتُهُ آوَلَ يَوْمٍ وَضِعَ ، وَاوَّلَ يَوْمٍ وَضَعِ مَا اللهِ عَلَيْهِ رَسُولُ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ عَلَيْهِ مَسْعُلُ اللهِ عَلَيْهِ أَرْسَلَ رَسُولُ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ عَلَيْهِ أَلْ اللهِ عَلَيْهِ أَوْلَ اللهِ عَلَيْهِ مَا اللهِ عَلَيْهِ مَا اللهِ عَلَيْهِ اللهِ عَلَيْهُ مَا اللهِ عَلَيْهُ اللهِ عَلَيْهُ اللهِ عَلَيْهِ اللهُ عَلَيْهُ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ عَلَيْهُ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ عَلَيْهُ اللهِ عَلَيْهُ اللهُ عَلَيْهُ مَنْ ذَلَ الْقَلْقُولُ اللهِ عَلَيْهُ اللهُ اللهُ عَلَيْهُ وَلَا اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلَى النَّاسُ فَقَالَ اللهُ اللهُ

চিপ্
কৃতাইবা ইব্ন সায়ীদ (র.)......আবৃ হাযিম ইব্ন দীনার (রা.) থেকে বর্ণিত যে, (একদিন)
কিছু লোক সাহল ইব্ন সা'দ সাঈদীর নিকট আগমন করে এবং মিম্বরটি কোন্ কাঠের তৈরী ছিল, এ
নিয়ে তাদের মনে প্রশ্ন জেগে ছিল। তারা এ সম্পর্কে তাঁর নিকট জিজ্ঞাসা করল। এতে তিনি বললেন,
আল্লাহ্র শপথ! আমি সম্যুকরূপে অবগত আছি যে, তা কিসের ছিল। প্রথম যে দিন তা স্থাপন করা হয়
এবং প্রথম যে দিন এর উপর রাস্লুল্লাহ ক্রিন্দুর্বাই বসেন তা আমি দেখেছি। রাস্লুল্লাহ আনসারদের
অমুক মহিলার (বর্ণনাকারী বলেন, সাহল (রা.) তার নামও উল্লেখ করেছিলেন) নিকট লোক পাঠিয়ে
বলেছিলেন, তোমার কাঠিমিন্ত্রি গোলামকে আমার জন্য কিছু কাঠ দিয়ে এমন জিনিষ তৈরী করার নির্দেশ
দাও, যার উপর বসে আমি লোকদের সাথে কথা বলতে পারি। এরপর সে মহিলা তাকে আদেশ করেন
এবং সে (মদীনা থেকে নয় মাইল দূরবর্তী) গাবা নামক স্থানের ঝাউ কাঠ দিয়ে তা তৈরী করে নিয়ে
আসে। মহিলাটি রাস্লুল্লাহ্ ক্রিন্দুর্বাই এর নিকট তা পাঠিয়েছেন। নবীক্রিন্দুর্বাই এর আদেশে এখানেই তা স্থাপন
করা হয়। এরপর আমি দেখেছি, এর উপর রাস্লুল্লাহ্ সালাত আদায় করেছেন। এর উপর উঠে
তাকবীর দিয়েছেন এবং এখানে (দাঁড়িয়ে) কুক্ করেছেন। এরপর পিছনের দিকে নেমে এসে মিম্বরের
গোড়ায় সিজ্দা করেছেন এবং (এ সিজ্দা) পুনরায় করেছেন, এরপর সালাত শেষ করে সমবেত
লোকদের দিকে ফিরে বলেছেনঃ হে লোক সকল! আমি এটা এ জন্য করেছি যে, তোমরা যেন আমার
ইক্তিদা করতে এবং আমার সালাত শিথে নিতে পার।

ابْنُ انَس انَّهُ سَمِعَ جَابِرَ بْنَ عَبْدِ اللهِ قَالَ كَانَ جِذْعُ يَقُومُ اللهِ النَّبِيُّ عَلَيْهِ قَالَ الْمُعَيْدِ قَالَ اَخْبَرَنِي يَحْيَى بْنِ سَعَيْدٍ قَالَ اَخْبَرَنِي اللهِ النَّبِيُّ عَلَيْهِ النَّبِيُّ عَلَيْهِ فَلَمَّا وَصْعَ لَهُ الْمَثْبَرُ سَمَعْنَا الْبُنُ انْسَ انَّهُ سَمِعَ جَابِرَ بْنَ عَبْدِ اللهِ قَالَ كَانَ جِذْعُ يَقُومُ اللهِ النَّبِيُّ عَلَيْهِ النَّبِيُّ عَلَيْهِ فَلَمَّا وَصْعَ لَهُ الْمَثْبَرُ سَمَعْنَا لِجُذْعِ مَثُلُ اصَدواتِ الْعِشَارِ حَتَّى نَزَلَ النَّبِيُّ عَلَيْهِ فَوَضَعَ يَدَهُ عَلَيْهِ قَالَ سَلَيْمَانُ عَنْ يَحْدِي اَخْبَرَنِي الْجَذْعِ مَثُلُ اصَدواتِ الْعِشَارِ حَتَّى نَزَلَ النَّبِي عَلِيلٍ فَوضَعَ يَدَهُ عَلَيْهِ قَالَ سَلَيْمَانُ عَنْ يَحْدِي اَخْبَرَنِي حَقْصُ بُنُ عَبَيْدِ اللهِ بُنِ انْسِ انَّهُ سَمِعَ جَابِرًا.

৮৭২ সায়ীদ ইব্ন আবৃ মারয়াম (র.).....জাবির ইব্ন আবদুল্লাহ্ (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, (মসজিদে নব্বীতে) এমন একটি (খেজুর গাছের) খুঁটি ছিল যার সাথে হেলান দিয়ে নবী করীম ক্রিট্রিট্রান্ট্রন্ট্

٨٧٣ حَدُّثَنَا أَدَمُ قَالَ حَدَّثَنَا ابْنُ ابِيْ ذِنْبِ عَنِ الزَّهْرِيِّ عَنْ سَالِمٍ عَنْ أَبِيْهِ قَالَ سَمِعْتُ النَّبِيُّ الْحُنْ الْرَبِيِّ عَنْ سَالِمٍ عَنْ أَبِيْهِ قَالَ سَمِعْتُ النَّبِيُّ الْحُنْ الْجُمُّعَةُ فَلْيَغْتَسِلُ .

৮৭৩ আদম ইব্ন ইয়াস (র.).....আবদুল্লাহ্ ইব্ন উমর (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আমি নবী
্রামান্ত্র-কে মিম্বরের উপর থেকে খুত্বা দিতে শুনেছি। তিনি বলেছেন, যে ব্যক্তি জুমু'আর সালাতে আসে
সে যেন গোসল করে নেয়।

#### ٨١ه بَابُ الْخُطْبَةِ قَائِمًا فَقَالَ أَنْسُ بَيْنَا النَّبِي عَلَيْهُ يَخْطُبُ قَائِمًا

৫৮৯. অনুচ্ছেদ ঃ দাঁড়িয়ে খুত্বা দেওয়া। আনাস রো.) বলেছেন, নবী ক্লিট্র দাঁড়িয়ে খুত্বা দিতেন।

۸۷٤ حَدَّثَنَا عُبَيْدُ اللهِ بْنُ عُمَرَ الْقَوَارِيْرِيُّ قَالَ حَدَّثَنَا خَالِدُ بْنُ الْحَارِثِ قَالَ حَدَّثَنَا عُبَيْدُ اللهِ عَنْ نَافِعِ مَن رَضِيَ اللهُ عَنْهُمَا قَالَ كَانَ النّبِيُّ عَنْهُما يَقْعَدُ ثُمْ يَقُومُ كَمَا تَفْعَلُونَ الْأَن النّبِي عَنِ اللهِ عَمْرَ رَضِيَ اللهُ عَنْهُما قَالَ كَانَ النّبِي عَنِيلًا يَخْطُبُ قَانِما يَقَعُدُ ثُمْ يَقُومُ كَمَا تَفْعَلُونَ الْأَن الْأَبِي عَنِ اللهِ عَمْرَ رَضِي الله عَنْهُما قَالَ كَانَ النّبِي عَنِيلًا يَخْطُبُ قَانِما يَقَعُدُ ثُمْ يَقُومُ كَمَا تَفْعَلُونَ الْأَن الْأَبِي عَنِ اللهِ عَنْهُما قَالَ كَانَ النّبِي عَنْهُما يَقْلُونَ الْأَن النّبِي عَنْهُما يَقْلُون اللهِ عَنْهُما قَالَ كَانَ النّبِي عَنْهُما يَقْلُونَ الْأَنْ اللهُ عَنْهُما يَقُومُ كُمَا تَفُعُونَ الْأَنْ اللهِ عَنْهُما قَالَ كَانَ النّبِي عَمْرَ رَضِي اللهُ عَنْهُما قَالَ كَانَ النّبِي عَنْهُما يَقْلُون اللهِ عَلْهُ عَلَيْهِ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ عَلْمَ اللهِ عَلْهُ عَلَيْهُما قَالَ كَانَ النّبِي عَمْرَ رَضِي اللهُ عَنْهُما قَالَ كَانَ النّبِي عَمْلُهُ اللهِ عَلْهُ عَلَيْهِ عَلَيْ عَلَى اللّهُ عَنْهُما قَالَ كَانَ النّبِي عَلْمَ اللهِ عَلْمَ اللهِ عَلْهُ عَلَيْهِ عَلَيْهُم عَلَيْهُ عَنْهُمُ اللّهُ عَلْ اللّهِ عَلَى اللّهُ عَلْهُمُ اللهُ عَلْمُ عَلَيْهُ عَلَيْنَ اللّهُ عَلْهُ عَلَيْهِ عَلَيْهُ عَلَيْهِ اللّهُ عَلْهُ عَلَى اللّهُ عَلَيْ اللّهُ عَلْهُ عَلَيْهُم اللهُ عَلَيْهُمُ عَلَيْهُمُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهِ عَلَيْهُمُ اللّهُ عَلَيْهُمُ اللّهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُمُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْنَ اللّهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَى مَا عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُمُ عَلَيْهُ عَلْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُمُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُمُ عَلَيْهُ عَلَيْهُمُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُمُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَ

#### ٨٢ه . بَابُ يَسْتَقْبِلُ الْإِمَامُ الْقَدْمَ وَاسْتِقْبَالُ النَّاسِ الْإِمَامَ إِذَا خَطَبَ وَاسْتَقْبَلَ ابْنُ عُمَرَ وَأَنَسْ رَضِي اللَّهُ عَنْهُمُ الْامَامَ

৫৮২. অন্চ্ছেদ ঃ খুত্বার সময় মুসাল্লীগণের ইমামের দিকে আর ইমাম মুসাল্লীগণের দিকে মুখ করা । ইব্ন উমর ও আনাস (রা.) ইমামের দিকে মুখ করতেন ।

دُنُا مُعَادُ بُنُ فَضَالَةَ قَالَ حَدَّثَنَا هِشَامُ عَنْ يَحُيلِي عَنْ هِلاَلِ بُنِ اَبِي مَيْمُونَةَ حَدَّثَنَاعَطَاءُ بُنُ 

٨٧٥ حَدَّثَنَا مُعَادُ بُنُ فَضَالَةَ قَالَ حَدَّثَنَا هِشَامُ عَنْ يَحُيلِي عَنْ هِلاَلِ بُنِ اَبِي مَيْمُونَةَ حَدَّثَنَاعَطَاءُ بُنُ 
يَسَارٍ اَنَّهُ سَمِعَ اَبَا سَعِيْ دِ الْخُدْرِيُّ قَالَ اِنْ النَّبِيُّ عَلَي الْمَنْبَرِ وَجَلَسْنَا حَوْلَهُ 

৮٩৫ মু'আয ইব্ন ফাযালা (র.)......আবৃ সায়ীদ খুদ্রী (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী المَنْبَرِ وَمَاسَلَا عَالَهُ الْعَلَيْمُ عَلَيْهُ عَلَ

٨٣٥. بَابُ مَنْ قَالَ فِي الْخُطْبَةِ بَعْدَ الثُّنَاءِ أمَّا بَعْدُ رَوَاهُ عِكْرِمَةُ عَنِ ابْنِ عَبَّاسٍ عَنِ النَّبِي عَلَّيْ وَقَالَ مَحْمُودُ حَدَّثَنَا ٱبُو ٱسَامَةَ قَالَ حَدُّثُنَا هِشَامُ بُنُ عُرُوةَ قَالَ آخْبَرَ تَنِي فَاطِمَةً بِنْتُ الْمُنْذِرِ عَنْ ٱسْمَاءَ بِنْتِ أَبِيْ بَكْرِقَالَتَ دَخَلْتُ عَلَى عَائِشَةً رَضِيَ اللَّهُ عَنْهَا وَالنَّاسُ يُصِلُّونَ قُلْتُ مَا شَأَنُ النَّاسِ ، فَأَشَارَتُ بِرَأْسِهَا الِّي السَّمَاءُ نَقُلُتُ أَيَّةً ، فَأَشَارَتْ بِرَأْسِهَا أَيْ نَعَمْ ، قَالَتْ فَأَطَالَ رَسُولُ اللَّهِ عَنَّى جِدًا حَتَّى تَجَلَّانِيَ الْفَشْيُ وَإِلَى جَنْبِي قِرْبَةً فِيْهَا مَاءُ فَفَتَحْتُهَا فَجَعَلْتُ ٱسبُهُ مِنْهَا عَلَى رَأْسِي فَانْصِرَفَ رَسُولُ اللَّهِ عَلَيْ اللهُ مَا الشَّمْسُ فَخَطَبَ النَّاسَ وَحَمْدَ اللَّهَ بِمَا هُوَ أَهْلُهُ، ثُمُّ قَالَ أَمَّا بَعْدُ قَالَتُ وَلَفِطَ نِسُوةً مَا قَالَ قَالَتَ قَالَ مَا مِنْ شَسَى إِلَمْ أَكُنْ أُرِيتُهُ إِلاًّ قَدْ رَأَيْتُهُ فِي مَقَامِي هٰذَا حَتَّى الْجَنَّةُ وَالنَّارَ وَإِنَّهُ قَدْ أُوحِي الِيُّ انْكُمْ تُفْتَنُونَ فِي الْقُبُورِ مِثْلَ آوَقَرِيبًا مِنْ نَتْنَةِ الْمَسِيْحِ الدُّجَّالِ يُوتَى أَحَدُكُمْ فَيُقَالُ لَهُ مَاعِلْمُكَ بِهٰذَا الرَّجُلِ، فَأَمَّا الْمُؤْمِنُ أَوْقَالَ الْمُؤْقِنُ شَكُّ هِشَامُ فَيَقُولُ هُوَرَسُولُ اللَّهِ هُوَ مُحَمَّدُ عَلَيْ جَاءَنَا بِالْبَيِّنَاتِ وَالْهُدِى فَأَمَنَّا وَاجْبُنَا وَاتَّبَعْنَا وَصَدَّقْنَا فَيُقَالُلُهُ نَمْ صَالِحًا قَدْ كُنَّا نَعْلَمُ إِنْ كُنْتَ لَتُوْمِنُ بِهِ وَآمًّا الْـمُنَافِقُ أَنْ قَالَ الْمُرْتَابُ شَكُ مِشَامُ فَيُقَالُ لَهُ مَا عِلْمُكَ بِهِذَا الرَّجُلِ فَيَقُولُ لاَ أَدْرِي سَمِفْتُ النَّاسَ يَقُولُونَ شَيْئًا فَقُلْتُ قَالَ مِشَامُ فَلَقَدْ قَالَتْ لِي فَاطِمَهُ فَأَنْعَيْتُهُ غَيْرَ ٱنَّهَا ذَكَرَتْ مَا يُغَلِّظُ عَلَيْهِ

৫৮৩. অনুচ্ছেদ ঃ খৃত্বায় আল্লাহ্র প্রশংসার পর 'আম্মা বার্দ্মু' বলা। ইক্রিমা (র.) ইব্ন আব্বাস (রা.)—এর সূত্রে নবী ক্রিম্নু থেকে বর্ণনা করেছেন। মাহমূদ (র.).....আস্মা বিন্ত আবৃ বক্র (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আমি (একদিন) আয়িশা (রা.)— এর নিকট গমণ করি। লোকজন তখন সালাত আদায় করছিলেন। আমি জিজ্ঞাসা করলাম, লোকদের কি হয়েছে ? তখন তিনি মাথা দিয়ে আকাশের দিকে ইশারা করলেন।আমি জিজ্ঞাসা করলাম, এটা কি কোন নিদর্শন? তিনি মাথা দিয়ে ইশারা করে, হাা বললেন।(এরপর আমি ও তাঁদের সংগে সালাতে যোগ দিলাম) তারপর রাস্লুল্লাহ্ ক্রিম্নু সালাত এত দীর্ঘায়িত করলেন যে, আমি প্রায় অজ্ঞান হতে যাছিলাম। আমার পার্শেই একটি চামড়ার মশকে পানি রাখা ছিল। আমি সেটা খুললাম এবং আমার মাথায় পানি দিতে লাগলাম। এরপর যখন সূর্য উজ্জল হয়ে উঠলো তখন রাস্লুল্লাহ্ ক্রিম্নু সালাত সমাপ্ত করলেন এবং লোকজনের উদ্দেশ্যে খুত্বা পেশ করলেন। প্রথমে তিনি আল্লাহ্র যথোপযুক্ত প্রশংসা করলেন। এরপর

বললেন, আম্মা বাদু। আসমা (রা.) বলেন, তখন কয়েকজন আনসারী মহিলা শোরগোল করছিলেন। তাই আমি চুপ করাবার উদ্দেশ্যে তাঁদের প্রতি ঝুঁকে পড়লাম। এরপর আয়িশা (রা.) – কে জিজ্ঞাসা করলাম, তিনি নবী করীম 🚟 কি বললেন? আয়িশা রো.) বললেন, তিনি বলেছেন, এমন কোন জিনিষ নেই যা আমাকে দেখানো হয়নি আমি এ জায়গা থেকে সব কিছুই দেখেছি। এমন কি জান্নাত ও জাহান্নাম দেখলাম। আমার নিকট ওহী পাঠান হয়েছে যে, তোমাদেরকে কবরে মাসীহ্ দাজ্জালের ফিত্নার ন্যায় অথবা তিনি বলেছেন, সে ফেত্নার কাছা— কাছি ফিত্নায় ফেলা হবে। (অর্থাৎ তোমাদেরকে পরীক্ষার সমুখীন করা হবে। তোমাদের প্রত্যেককে (কবরে) উঠানো হবে এবং প্রশ্ন করা হবে,এ ব্যক্তি রোসূলুল্লাহ্) সম্পর্কে তুমি কি জান ? তখন মু'মিন অথবা মুকিন নেবী 🏣 এ দু'টোর মধ্যে কোন শব্দটি বলেছিলেন এ ব্যপারে বর্ণনাকারী হিশামের মনে সন্দেহ রয়েছে) বলবে, তিনি হলেন, আল্লাহ্র রাসূল, তিনি মুহাম্মদ 🚟 , তিনি আমাদের নিকট সুস্পষ্ট দলীল ও হিদায়াত নিয়ে এসেছিলেন। এরপর আমরা ঈমান এনেছি, তাঁর আহ্বানে সাড়া দিয়েছি, তাঁর আনুগত্য করেছি এবং তাঁকে সত্য বলে গ্রহণ করেছি। তখন তাঁকে বলা হবে, তুমি ঘুমিয়ে থাক, যেহেতু তুমি নেককার। তুমি যে তাঁর প্রতি ঈমান এনেছ তা আমরা অবশ্যই জানতাম।আর মুনাফিক বা মুরতাব (সন্দেহ পোষণকারী) (এ দু'টোর মধ্যে কোন শব্দটি বলেছিলেন এ সম্পর্কে বর্ণনাকারী হিশামের মনে সন্দেহ রয়েছে)— তাকেও প্রশ্ন করা হবে যে, এ ব্যক্তি সম্পর্কে তুমি কি জান? উত্তরে সে বলবে, আমি কিছুই জানি না। অবশ্য মানুষকে তাঁর সম্পর্কে কিছু বলতে শুনছি, আমিও তাই বলতাম।হিশাম (র.) বলেন, ফাতিমা (রা.) আমার নিকট যা বলেছেন, তা সবটুকু আমি উত্তমরূপে স্মরণ রেখেছি। তবে তিনি ওদের প্রতি যে কঠোরতা করা হবে তাও উল্লেখ করেছেন।

٨٧٦ حَدُّثنَا مُحَمَّدُ بُنُ مَعْ مَرْ قَالَ حَدُّثَنَا أَبُو عَاصِمٍ عَنْ جَرِيْرِ بُنِ حَازِمٍ قَالَ سَمِعْتُ الْحَسَنَ يَقُولُ حَدُّثنَا عَمْرُو بُنُ تَغْلِبَ اَنَّ رَسُولَ اللهِ عَلَيْهِ أُتِي بِمَالٍ اَوْ سَبْنَي فَقَسَمَهُ فَاعْطَى رِجَالاً وَتَرَكَ رِجَالاً فَبَلَغَهُ اَنْ حَدَّثنَا عَمْرُو بُنُ تَغْلِبَ اَنْ رَسُولَ اللهِ عَلَيْهِ ثُمَّ قَالَ اَمَّابَعُدُ فَوَاللهِ اِنِّي لِأَعْطِي الرَّجُلَ وَادَعُ الرَّجُلَ وَالَّذِي النَّهُ ثُمَّ اللهَ ثُمَّ اللهَ عَلَيْهِ ثُمَّ قَالَ اَمَّابَعُدُ فَوَاللهِ اِنِّي لِأَعْطِي الرَّجُلَ وَالْذِي النَّهُ وَاللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ عَلَيْهِ مِنَ اللهَ عَمْ اللهُ عَلَيْهِ مَا اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ عَلَيْهِ مِنَ النَّهُ فَي قَلُولِهِ مِنَ النَّهُ فِي قَلُولِهِ مِنَ اللهِ فِي قَلُولِهِ مِنَ اللهِ فِي قَلُولِهِ مِنَ اللهِ عَلَي اللهُ اللهِ اللهِ مَا اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ اللهِ اللهِ اللهِ مَا اللهِ عَلَى اللهُ اللهِ مَا اللهِ عَلَى اللهُ اللهِ مَا اللهِ عَلَى اللهُ اللهِ مَا اللهُ عَنْ قَلُولِهِ مَنَ اللهُ عَلَى اللهُ الْحَدِالُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ اللهِ مَا الله عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهِ مَا اللهِ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهِ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهِ عَلَى اللهُ اللهِ عَلَى اللهُ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ اللهِ الْعَلَى اللهُ اللهِ اللهِ عَلَى اللهُ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ ال

اللهِ عَلِينَ حُمْرَ النَّعَمِ تَابَعَهُ يُونُسُ .

৮৭৬ ম্হাম্মদ ইব্ন মা'মার (র.).....আম্র ইব্ন তাগলিব (রা.) থেকে ব র্ণিত, তিনি ব লেন, রাসূলুল্লাহ্ ক্রিট্রে -এর কাছে কিছু মাল বা কিছু সংখ্যক যুদ্ধবন্দী উপস্থিত করা হলো তিনি তা বন্টন করে দিলেন। বন্টনের সময় কিছু লোককে দিলেন এবং কিছু লোককে বাদ দিলেন। তারপর তাঁর নিকট সংবাদ পৌছলো যে, যাদের তিনি দেননি, তারা অসন্তুষ্ট হয়েছে। তখন রাসূলুল্লাহ্ আল্লাহ্র প্রশংসা করলেন ও তাঁর মহিমা বর্ণনা করলেন, তারপর বললেন ঃ আম্মা বা'দ। আল্লাহ্র শপথ। আমি কোন লোককে দেই আর কোন লোককে দেই না। যাকে আমি দেই না, সে যাকে আমি দেই, তার চাইতে আমার কাছে অধিক প্রিয়। তবে আমি এমন লোকদের দেই যাদের অন্তরে অধৈর্য ও মালের প্রতি লিন্সা দেখতে পাই; আর কিছু লোককে আল্লাহ্ যাদের অন্তরে অমুখাপেক্ষিতা ও কল্যাণ রেখেছেন, তাদের সে অবস্থার উপর ন্যস্ত করি। তাদের মধ্যে আম্র ইব্ন তাগলিব একজন। বর্ণনাকারী আম্র ইব্ন তাগলিব (রা.) বলেন, আল্লাহ্র শপথ! রাস্লুল্লাহ্ ব্লিট্রে-এর এ বাণীর পরিবর্তে আমি লাল উটও<sup>)</sup> পসন্দ করি না। حَدَّثَنَا يَحْلِي بُكَيْرِ قَالَ حَدَّثَنَا اللَّيثُ عَنْ عُقَيْلِ عَن ابْن شهَابِ قَالَ اَخْلِبَرْنِي عُرْوَةُ اَنَّ عَائِشَةَ أَخْسِرَتُهُ أَنَّ رَسُولًا اللهِ عَلِينَةٍ خَرَجَ ذَاتَ لَيْلَةٍ مِنْ جَوْفِ اللَّيْلِ فَصَلِّى فِي الْمَسْجِدِ فَصَلِّى رِجَالُ بِصَلَاتِهِ فَأَصْبَحَ النَّاسُ فَتَحَدَّثُوا فَاجْتَمَعَ اَكُثَرُ مِنْهُمْ فَصِلُّواْ مَعَهُ فَأَصْبَحَ النَّاسُ فَتَحَدَّثُوا فَكَثْرَ اَهْلُ الْمَسْجِدِ مِنَ اللَّيْلَةِ التَّالِثَةِ فَخَرَجَ رَسُولُ اللهِ عَلَيْكَ فَصلُّوا بِصلاته فَلَمَّا كَانَتِ اللَّيْلَةُ الرَّابِعَةُ عَجْزَ الْمَسْجِدُ عَنْ اَهْلِهِ حَتَّى خَرَجَ لِصَلَاةِ الصُّبْحِ فَلَمَّا قَضَى الْفَجْرَ اَقْبَلَ عَلَى النَّاسِ تَتَشَهَّدُ ثُمَّ قَالَ اَمَّا بَعْدُ فَانَّهُ لَمْ يَخْفَ عَلَى مَكَانُكُمْ لِكِنِّيْ خَشِيْتُ أَنْ تُفْرَضَ عَلَيْكُمْ فَتَعْجِزُوا عَنْهَا تَابَعَهُ يُونُسُ •

চিব্ৰ ইয়াহ্ইয়া ইব্ন বুকাইর (র.)......আয়িশা (রা.) থেকে বর্ণিত, রাস্লুলাহ করলেন একরাতের মধ্যভাগে বের হলেন এবং মসজিদে গিয়ে সালাত আদায় করলেন। তাঁর সঙ্গে সাহাবীগণও সালাত আদায় করলেন, সকালে তাঁরা এ নিয়ে আলোচনা করলেন। ফলে (দ্বিতীয় রাতে) এর চাইতে অধিক সংখ্যক সাহাবী একত্রিত হলেন এবং তাঁর সঙ্গে সালাত আদায় করলেন। পরের দিন সকালেও তাঁরা এ সম্পর্কে আলোচনা করলেন। ফলে তৃতীয় রাতে মসজিদে লোকসংখ্যা অত্যধিক বৃদ্ধি পেল। রাস্লুল্লাহ্ করের হলেন এবং সাহাবীগণ তাঁর সঙ্গে সালাত আদায় করলেন। চতুর্থ রাতে মসজিদে মুসুল্লী-গণের স্থান সংকুলান হচ্ছিল না। অবশেষে তিনি ফজরের সালাতের জন্য বের হলেন এবং ফজরের সালাত শেষ করে লোকদের দিকে ফিরলেন। তারপর আল্লাহ্র হামদ ও সানা বর্ণনা করেন। এরপর বললেনঃ আম্মা বা'দ (তারপর বক্তব্য এই যে) এখানে তোমাদের উপস্থিতি আমার কাছে গোপন ছিল না, কিন্তু আমার আশংকা ছিল, তা তোমাদের জন্য ফর্য করে দেওয়া হয় আর তোমরা তা আদায় করতে অসমর্থ হয়ে পড়।

তৎকালীন আরবের সবচাইতে মূল্যবান সম্পদ।

٨٧٨ حَدُّثَنَا أَبُو الْيَمَانِ قَالَ اَخْبَرَنَا شُعَيْبُ عَنِ الزُّهْرِيِّ قَالَ اَخْبَرَنِي عُرُونَةُ عَنْ أَبِي حُميْدٍ السَّاعِدِيِّ السَّاعِدِيِّ السَّاعِدِيِّ السَّاعِدِيِّ اللَّهِ عَلَى اللَّهِ عِمَا هُوَ اَهْلُهُ ثُمَّ قَالَ اللَّهُ عَشِيَّةً بَعْدَ الصَّلاةِ فَتَشْهَدَ وَاتْنَى عَلَى اللَّهِ بِمَا هُو اَهْلُهُ ثُمَّ قَالَ اَمَّابَعْدُ الصَّلاةِ فَتَشْهَدَ وَاتْنَى عَلَى اللَّهِ بِمَا هُو اَهْلُهُ ثُمَّ قَالَ اَمَّابَعْدُ الصَّلاةِ فَتَشْهَدَ وَاتْنِى عَلَى اللَّهِ بِمَا هُو اَهْلُهُ ثُمَّ قَالَ اَمَّابَعْدُ الصَّلاةِ فَتَشْهَدَ وَاتَبُولُ اللَّهِ عِمَا هُوَ اَهُلُهُ ثُمَّ قَالَ اَمَّابَعْدُ اللَّهِ عَنْ اللَّهِ عَلْ اللَّهُ عَنْ هَشِامٍ عَنْ ابْيَهِ عَنْ البِيهِ عَنْ اللَّهِ عَنْ النَّبِي عَنْ اللَّهِ عَلْ اللَّهُ عَلْ اللَّهُ عَنْ اللَّهُ عَلْ اللَّهُ عَنْ اللَّهُ عَنْ اللَّهُ عَنْ اللَّهُ عَلْ اللَّهُ عَنْ اللَّهُ عَنْ اللَّهُ عَنْ اللَّهُ عَلْ اللَّهُ عَنْ اللَّهُ عَنْ اللَّهُ عَلْ اللَّهُ عَلْ اللَّهُ عَلْ اللَّهُ عَلْ اللَّهُ عَنْ اللَّهُ عَلْ اللَّهُ عَلْهُ الْمُعَلِّلَ عَلْ اللَّهُ عَلْ اللَّهُ عَلْ اللَّهُ عَلْ اللَّهُ عَلْ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلْ اللَّهُ عَلْهُ الْمُعْدَى عَنْ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلْمَ اللَّهُ عَلْمُ اللَّهُ عَلْلُ اللَّهُ عَلْمُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلْمُ اللَّهُ عَلْمُ اللَّهُ عَلْمُ اللَّهُ عَلْمُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلْمُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلْمُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ عَلَمُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الل

৮৭৮ আবুল ইয়ামান (র.).....আবৃ হুমাইদ সায়ীদ (রা.) থেকে বর্ণিত, এক সন্ধ্যায় সালাতের পর রাসূলুল্লাহ্ ক্রাড্রালন এবং তৌহীদের সাক্ষ্য বাণী পাঠ করলেন। আর যথাযথভাবে আল্লাহ্র প্রশংসা করলেন। এরপর বললেন, 'আম্মা বা'দ'।

٨٧٩ حَدَّثَنَا أَبُو الْيَمَانِ قَالَ اَخْبَرَنَا شُعَيْبُ عَنِ الزُّهْرِيِّ قَالَ حَدَّثَنِيُّ عَلِيٌّ بُنُ حُسَيْنٍ عَنِ الْمِسُورِبُنِ مَخْرَمَةَ قَالَ قَامَ رَسُولُ اللهِ عَلَيْهُ فَسَمِعْتُهُ حَبِينَ تَشَهَّدَ يَقُولُ اَمَّا بَعْدُ تَابَعَهُ الزَّبَيْدِيُّ عَنِ الزَّهْرِيِّ • مَخْرَمَةَ قَالَ قَامَ رَسُولُ اللهِ عَلَيْهُ فَسَمِعْتُهُ حَبِينَ تَشَهَّدَ يَقُولُ اَمَّا بَعْدُ تَابَعَهُ الزَّبَيْدِيُّ عَنِ الزَّهْرِيِّ •

৮৭৯ আবুল ইয়ামান (র.)......মিসওয়ার ইব্ন মাখরামা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, রাস্লুল্লাহ্
. ক্রিট্রেট্র দাঁড়ালেন। এরপর আমি তাঁকে তৌহীদের সাক্ষ্য বাণী পাঠ করার পর বলতে তনলাম, 'আম্মা
বাদি'।

চিচ০ ইসমায়ীল ইব্ন আবান (র.).....ইব্ন আব্বাস (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী ক্রিব্রের উপর আরোহণ করলেন। এ ছিল তাঁর জীবনের শেষ মজলিস। তিনি বসেছিলেন, তাঁর দু' কাঁধের উপর বড় চাদর জড়ানো ছিল এবং মাথায় বাঁধা ছিল কালো পটি। তিনি আল্লাহ্র প্রশংসা করলেন এবং তাঁর মহিমা বর্ণনা করলেন, এরপর বললেন, হে লোক সকল ! তোমরা আমার নিকট আস। লোকজন তাঁর নিকট একত্র হলেন। এরপর তিনি বললেন ঃ 'আম্মা বা'দ'। শুনে রাখ, এ আনসার গোত্র সংখ্যায় কমতে থাকবে এবং অন্য লোকেরা সংখ্যায় বাড়তে থাকবে। কাজেই যে ব্যক্তি হযরত মুহামদ . ক্রিট্রেই-এর উন্মাতের কোন বিষয়ের কর্তৃত্ব লাভ করবে এবং সে এর সাহায্যে কারো ক্ষতি বা উপকার করার সুযোগ পাবে, সে যেন এই আনসারদের সৎ লোকদের ভাল কাজগুলো গ্রহণ করে এবং তাদের মন্দ কাজগুলো ক্রমা করে দেয়।

#### عُهُهُ، بَابُ الْقَفْدَةِ بِينَ الْخُطْبَتَيْنِ بِينَ الْجُمُعَةِ

৫৮৪. অনুচ্ছেদ ঃ জুমু আর দিন দু' খুত্বার মাঝে বসা।

٨٨١ حَدَّثَنَا مُسَدَّدُ قَالَ حَدَّثَنَا بِشُرُ بُنُ الْمُفَضَّلِ قَالَ حَدَّثَنَا عُبَيْدُ اللهِ عَنْ نَافِعٍ عَنْ عَبْدِ اللهِ قَالَ كَانَ النَّبِيُّ عَلَيْدُ اللهِ عَنْ نَافِعٍ عَنْ عَبْدِ اللهِ قَالَ كَانَ النَّبِيُّ عَلِيْهُ مَا ٠ النَّبِيُّ عَلِيْهُمَا ٠

৮৮১ মুসাদাদ (র.).....আবদুল্লাহ্ ইব্ন উমর (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী ক্রিট্রেই দু' খুত্বা দিতেন আর দু' খুত্বার মাঝে বসতেন।

#### ٨٥ . بَابُ الْإِسْتِمَا عِ إِلَى الْخُطْبَةِ

৮৮২ আদম (র.).....আবৃ হুরায়রা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী ক্রির্ট্রের বলেন, জুমু আর দিন মসজিদের দরওয়ায়ায় ফিরিশ্তাগণ অবস্থান করেন এবং ক্রমানুসারে আগে আগমণকারীদের নাম লিখতে থাকেন। যে সবার আগে আসে সে ঐ ব্যক্তির ন্যায় যে একটি মোটাতাজা উট কুরবানী করে। এরপর যে আসে সে ঐ ব্যক্তির ন্যায় যে একটি গাভী কুরবানী করে। তারপর আগমণকারী ব্যক্তি মুরগী দানকারীর ন্যায়। এরপর আগমণকারী ব্যক্তি একটি ডিম দানকারীর ন্যায়। তারপর ইমাম যখন বের হন তখন ফিরিশ্তাগণ তাঁদের দফতর বন্ধ করে দেন এবং মনোযোগ সহ খুত্বা শোনতে থাকেন।

#### ٨٦٥، بَابُ إِذَا رَأَى الْإِمَامُ رَجُلاً جَاءَ وَهُنَ يَخْطُبُ آمَرَهُ أَنْ يُصلِّي رَكَعَتَيْنِ

৫৮৬. অনুচ্ছেদঃ ইমাম খুত্বা দেওয়ার সময় কাউকে আসতে দেখলে তাকে দু' রাকা'আত সালাত আদায়ের আদেশ দেওয়া।

٨٨٣ حَدَّثَنَا اَبُو النُّعُمَانِ قَالَ حَدَّثَنَا حَمَّادُ بْنُ زَيْدٍ عَنْ عَمْرِو بْنِ دِيْنَارٍ عَنْ جَابِرِ بْنِ عَبْدِ اللهِ قَالَ جَاءَ رَجُلُ وَالنَّبِيُّ عَلَيْتَ يَافُلانُ قَالَ لاَ قَالَ قُمْ فَارْكَعْ .

৮৮৩ আবৃ নুমান (র.)....জাবির ইব্ন আবদুল্লাহ্ (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, (কোন এক)

জুমু আর দিন নবী ক্রাট্রে লোকদের সামনে খুত্বা দিচ্ছিলেন। এমনি সময় এক ব্যক্তি আগমণ করল। তিনি তাকে জিজ্ঞাসা করলেন, হে অমুক! তুমি কি সালাত আদায় করেছ ? সে বলল, না, তিনি বললেন, উঠ, সালাত আদায় করে নাও।

#### ٨٧ه. بَابُ مَنْ جَاءَوَالْإِمَامُ يَخْطُبُ صِلِّى رَكْعَتَيْنِ خَفِيْفَتَيْنِ

৫৮৭. অনুচ্ছেদ ঃ ইমাম খুত্বা দেওয়ার সময় যিনি মসজিদে আসবেন তার সংক্ষেপে দু' রাকা'আত সালাত আদায় করা।

٨٨٤ حَدَّثَنَا عَلِيٌّ بْنُ عَبْدِ اللَّهِ قَالَ حَدَّثَنَا سَفْيَانُ عَنْ عَمْرٍ سَمِعَ جَابِرًا قَالَ دَخَلَ رَجُلُ يَوْمَ الْجُمُعَةِ
وَالنَّبِيُّ عَلَيْهِ يَخْطُبُ فَقَالَ اصلَّيْتَ قَالَ لاَ قَالَ فَصلِّ رَكَعَتَيْنِ .

৮৮৪ আলী ইব্ন আবদুল্লাহ্ (র.).....জাবির ইব্ন আবদুল্লাহ্ (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, এক জুমু'আর দিন নবী ক্রিট্রা খুত্বা দেওয়ার সময় এক ব্যক্তি প্রবেশ করল। তিনি তাকে জিজ্ঞাসা করলেন, সালাত আদায় করেছ কি ? সে বলল, না, তিনি বললেনঃ উঠ, দু' রাকা'আত সালাত আদায় করে নাও।

#### ٨٨ه، بَابُ رَفِعِ الْيَدَيْنِ فِي الْخُطْبَةِ

৫৮৮. অনুচ্ছেদঃ খুত্বায় দু' হাত উঠানো।

٨٨٥ حَدَّثَنَا مُسَدَّدٌ قَالَ حَدَّثَنَا حَمَّادُ بَنُ زَيْدٍ عَنْ عَبْدِ الْعَزِيْزِ عَنْ اَنَسٍ وَعَنْ يُونُسَ عَنْ ثَابِتٍ عَنْ اَنْسٍ وَعَنْ يُونُسُ عَنْ ثَابِتٍ عَنْ اَنْسٍ وَعَنْ يُونُسَ عَنْ ثَابِتٍ عَنْ اَنْسٍ وَعَنْ يُونُسُ عَنْ ثَابِتٍ عَنْ اَنْسٍ وَعَنْ يُونُسُ عَنْ ثَابِتٍ عَنْ السَّاءُ فَادْعُ وَمَلَكُ السَّاءُ فَادْعُ اللهُ إِلَيْ يَنْسُولُ اللهِ مِلْكَ الْكُرَاعُ وَمَلَكَ الشَّاءُ فَادْعُ اللهُ إِنْ يَسُقِينَا فَمَدُّ يَدَيْهُ وَدُعَا ٠ اللهُ إِنْ يَسْقِينَا فَمَدُّ يَدَيْهُ وَدُعَا ٠

৮৮৫ মুসাদ্দাদ (র.).....আনাস (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, এক জুমু'আর দিন নবী ক্রিট্র খুত্বা দিছিলেন। তখন এক ব্যক্তি দাঁড়িয়ে বলল, ইয়া রাস্লাল্লাহ্! (পানির অভাবে) ঘোড়া মরে যাচ্ছে, ছাগল বকরীও মরে যাচ্ছে। কাজেই আপনি দু'আ করুন, যেন আল্লাহ্ আমাদেরকে বৃষ্টি দান করেন। তখন তিনি দু' হাত প্রসারিত করলেন এবং দু'আ করলেন।

#### ٥٨٩ ، بَابُ الْاِسْتِسْقَاءِ فِي الْخُطْبَةِ يَنْمَ الْجُمْعَةِ

৫৮৯. অনুচ্ছেদ ঃ জুমু আর দিন খুত্বায় বৃষ্টির জন্য দু আ।

٨٨٦ حَدَّثَنَا ابْرَاهِيْمُ بْنُ الْمُنْذِرِ قَالَ حَدَّثَنَا الْوَلِيْدُ قَالَ حَدَّثَنَا اَبُو عَمْرِهِ قَالَ حَدَّثَنَى السَّحَقُ بْنُ عَبْدِ اللَّهِ بْنِ أَبِي طَلِّي عَنْ اَنْسِ بْنِ مَالِكِ قَالَ اَصَابَتِ النَّاسَ سَنَةُ عَلَى عَهْدِ النَّبِي عَلِي فَبَيْنَمَا النَّبِيُ عَلِي اللَّهِ فَبَيْنَمَا النَّبِي عَلِي اللَّهِ فَبَيْنَمَا النَّبِي عَلِي اللَّهِ فَبَيْنَمَا النَّبِي عَلِي اللَّهِ فَبَيْنَمَا النَّبِي عَلِي اللَّهِ فَا لَهُ إِللَّهُ عَلَى عَهْدِ النَّبِي عَلَي عَهْدِ النَّبِي عَلَيْهِ فَبَيْنَمَا النَّبِي عَلِي اللهِ عَلَى عَهْدِ النَّبِي عَلَيْهِ فَبَيْنَمَا النَّبِي عَلِي اللهِ عَلَى عَهْدِ النَّبِي عَلَيْهِ اللهِ عَلَى عَهْدِ النَّبِي عَلَيْهِ اللهِ عَلَى عَهْدِ النَّبِي عَلَيْهِ فَبَيْنَمَا النَّبِي عَلِي اللهِ اللهِ عَلَى عَلَيْهِ عَلَى عَهْدِ النَّبِي عَلَيْهِ اللهِ عَلَى عَهْدِ النَّبِي عَلَيْهِ اللهِ اللهِ اللهِ عَلَى عَلَيْهِ اللهِ اللهِ اللهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّه

يَخْطُبُ فِي يَوْمِ الْجُمُعَةِ قَامَ اعْرَابِي فَقَالَ يَا رَسُولَ اللهِ هَلَكَ الْمَالُ وَجَاعَ الْعِيَالُ فَادْعُ اللهُ لَنَا فَرَفَعَ يَدَيْهُ وَمَا نَرَى فِي السَّمَاءِ قَزَعَةً فَوَالَّذِي نَفْ سِي بِيدِهِ مَا وَضَعَهَا حَتَّى ثَارَالسَّحَابُ اَمْ تَأْلَ الْجَبَال ثُمُّ لَمْ يَنْزِلُ عَنْ مِثْبَرِهِ حَتَّى رَأَيْتُ الْمَطَرَ يَتَحَادَرُ عَلَى لِحْيَتِهِ فَمُطِرُّنَا يَوْمَنَا ذَلِكَ وَمِنَ الْغَدِ وَبَعْدَ الْغَدِ وَالَّذِي يَلَيْهِ حَتَّى الْجُمُعَةِ الْأَخْرَى وَقَامَ ذَٰلِكَ الْاَعْرَابِيُّ أَوْ قَالَ غَيْرُهُ فَقَالَ يَا رَسُولُ اللَّهِ تَهَدُّمَ الْبِنَاءُ وَغَرِقَ الْمَالُ فَادُعُ اللَّهُ لَنَا فَرَفَعَ يَدَيْهِ فَقَالَ ٱللَّهُمَّ حَوَالَيْنَا وَلاَعَلَيْنَا فَمَا يُشْيِرُ بِيَدِهِ إِلَى نَاحِيَةٍ مِنَّ السَّحَابِ إِلاَّ انْفَرَجَتَ وَصَارَتِ الْمَدِيْنَةُ مِثْلَ الْجَوْبَةِ وَسَالَ الْوَادِي قَنَاةُ شَهُ سَرًا وَلَمْ يَجِئُ اَحَدُ مِنْ نَاحِيَةِ إِلاَّ حَدَّتَ بِالْجَوْدِ • ৮৮৬ ইব্রাহীম ইব্ন মুন্যির (র.).....আনাস ইব্ন মালিক (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী ্রিক্রান্ত্র-এর যুগে একবার দূর্ভিক্ষ দেখা দেয়। সে সময় এক জুমু আর দিন নবী ক্রিক্রান্ত্র খুত্বা দিচ্ছিলেন। তখন এক বেদুইন উঠে দাঁড়াল এবং আর্য করল, ইয়া রাসূলাল্লাহ্! (বৃষ্টির অভাবে) সম্পদ ধ্বংস হয়ে যাচ্ছে। পরিবার পরিজনও অনাহারে রয়েছে। তাই আপনি আল্লাহর নিকট আমাদের জন্য দু'আ করুন। তিনি দু' হাত তুললেন। সে সময় আমরা আকাশে এক খন্ত মেঘও দেখিনি। যাঁর হাত আমার প্রাণ, তাঁর শপথ (করে বলছি)! (দু'আ শেষে) তিনি দু' হাত (এখনও)নামান নি, এমন সময় পাহাড়ের ন্যায় মেঘের বিরাট বিরাট খন্ড উঠে আসল। তারপর তিনি মিম্বর থেকে অবতরণ করেন নাই, এমন সময় দেখতে পেলাম তাঁর (পবিত্র) দাঁড়ির উপর ফোটা ফোটা বৃষ্টি পড়ছে। সে দিন আমাদের এখানে বৃষ্টি হল। এর পরে ক্রমাগত দু'দিন এবং পরবর্তী জুমু'আ পর্যন্ত প্রত্যেক দিন। (পরবর্তী জুমু'আর দিন) সে বেদুইন অথবা অন্য কেউ উঠে দাঁড়াল এবং আর্য করল, ইয়া রাসূলাল্লাহ্! (বৃষ্টির কারণে) এখন আমাদের বাড়ী ঘর ধ্বসে পড়ছে, সম্পদ ডুবে যাচ্ছে। তাই আপনি আমাদের জন্য আল্লাহ্র নিকট দু'আ করুন। তখন তিনি দু' হাত তুললেন এবং বললেন ঃ হে আল্লাহ্ আমাদের পার্শ্ববর্তী এলাকায় (বৃষ্টি দাও), আমাদের উপর নয়। (দু'আর সময়) তিনি মেঘের এক একটি খন্ডের দিকে ইঙ্গিত করছিলেন, আর সেখান-কার মেঘ কেটে যাচ্ছিল। এর ফলে চতুর্দিকে মেঘ পরিবেষ্টিত অবস্থায় ঢালের ন্যায় মদীনার আকাশ মেঘমুক্ত হয়ে গেলে এবং কানাত উপত্যকার পানি এক মাস ধরে প্রবাহিত হতে লাগল, তখন (মদীনার) চতুর্পাশের যে কোন অঞ্চল হতে যে কেউ এসেছে,সে এ মুষলধারে বৃষ্টির কথা আলোচনা করেছে।

٥٩٥. بَابُ الْإِنْصَاتِ يَنْمَ الْجُمُعَةِ وَالْإِمَامُ يَخْطُبُ وَإِذَا قَالَ لِصِنَاحِبِ الْمُسِتُ فَقَدْ لَفَا وَقَالَ سَلْمَانُ عَنِ النّبِي عَلَيْهِ لِنُصِبَ أَنْصِتُ أَذَا تَكُلُّمُ الْإِمَامُ النّبِي عَلِينَ الْإِمَامُ الْإِمَامُ

৫৯০. অনুচ্ছেদঃ জুমু আর দিন ইমাম খুত্বা দেওয়ার সময় অন্যকে চুপ করানো। যদি কেউ তার সাথীকে (মুসল্লীকে বলে) চুপ থাক, তাহলে সে একটি অনর্থক কথা বললো। সালমান ফারেসী (রা.) নবী স্ক্রি থেকে বর্ণনা করেন, যখন ইমাম কথা বলবেন, তখন চুপ থাকরে।

مَلَّا حَدَّثَنَا يَحْيَى بْنُ بُكَيْرٍ قَالَ حَدَّثَنَا اللَّيثُ عَنْ عُقَيْلٍ عَنِ ابْنِ شِهَابٍ قَالَ اخْبَرَنِي سَعِيْدُ بْنُ مُكَيْر بَنُ سُعِيْد بُنُ بُكَيْر قَالَ حَدَّثَنَا اللَّيثُ عَنْ عُقَيْل عَنِ ابْنِ شِهَابٍ قَالَ اخْبُمُعَة الْمُسْتِيْدِ اللهِ عَلَيْنَ اللهِ عَلْنَا اللهِ عَلْنَا الله عَلْنَا اللهِ عَلْمَ اللهِ عَلْمُ اللهِ عَلْمَ اللهِ عَلْمَ اللهِ عَلْمَ اللهِ عَلْمَ اللهِ عَلْمَ اللهِ عَلْمَ اللهُ عَلْمَ اللهُ عَلْمُ اللهِ عَلْمَ اللهُ اللهِ عَلْمَ اللهِ عَلْمَ اللهِ اللهِ عَلْمَ اللهِ اللهِ عَلْمَ اللهِ اللهِ عَلْمَ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ اللهِ اللهِ اللهُ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ اللهِ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهِ اللهُ اللهِ اللهِ اللهُ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ اللهِ اللهِ اللهِ

চিচ্ব ইয়াহ্ইয়া ইব্ন বুকাইর (র.).....আবূ হুরায়রা (রা.) থেকে বর্ণিত, রাস্লুল্লাহ ক্রিট্র বলেছেন ৪ জুমু'আর দিন যখন তোমার পাশের মুসল্লীকে বলবে চুপ থাক, অথচ ইমাম খুত্বা দিচ্ছেন, তা হলে তুমি একটি অনর্থক কথা বললে।

# ٩١ ه . بَابُ السَّاعَةِ الَّتِي فِي يَنْمِ الْجُمُعَةِ

৫৯১. অনুচ্ছেদ ঃ জুমু আর দিনের সে মুহূর্তটি।

৮৮৮ আবদুল্লাহ্ ইব্ন মাসলামা (র.).....আবৃ হুরায়রা (রা.) থেকে বর্ণিত, রাসূলুল্লাহ্ জুমু আর দিন সম্পর্কে আলোচনা করেন এবং বলেন, এ দিনে এমন একটি মুহূর্ত রয়েছে, যে কোন মুসলিম বান্দা যদি এ সময় সালাতে দাঁড়িয়ে আল্লাহ্র নিকট কিছু চায়, তা হলে তিনি তাকে অবশ্যই তা দান করে থাকেন এবং তিনি হাত দিয়ে ইশারা করে বুঝিয়ে দিলেন যে, সে মুহূর্তটি খুবই সংক্ষিপ্ত।

# ٥٩٢ ، بَابُ إِذَا نَفَرَ النَّاسُ عَنِ الْإِمَامِ فِي صَلَاةِ الْجُمُعَةِ فَصَلَاةُ الْإِمَامِ فَمَنْ بَقِي جَائِزَةُ

৫৯২. অনুচ্ছেদ ঃ জুমু<sup>4</sup>আর সালাতে কিছু মুসল্লী যদি ইমামের নিকট থেকে চলে যান তা হলে ইমাম ও অবশিষ্ট মুসল্লীগণের সালাত জায়িয হবে।

مَعُ النّبِيِّ عَلَيْ إِلاَّ اثْنَا عَشَرَ رَجُلاً فَنَزَلَتْ هَٰذِهِ الْآيَةُ : وَإِذَا رَأُوا تِجَارَةُ اَوْ لَهْوًا انْفَضُوا الْيَهَا وَتَرَكُوكَ مَعَ النّبِيِّ عَلَيْ الْآيَةُ : وَإِذَا رَأُوا تِجَارَةُ اَوْ لَهْوًا انْفَضُوا الْيَهَا وَتَركُوكَ قَالَمًا .

### ٩٣٥. بَابُ الصَّلاَةِ الْمُمُّمَّةِ مُعْمَدًا

ا अश्र. खनुएकि क्ष क्षू 'आत (कत्रय जानाक आर्ग ও পत्त जानाक आनाय कता । حَدَّثَنَا عَبْدُ اللهِ بَنُ يُوسُفَ قَالَ اَخْبَرَنَا مَالِكُ عَنْ نَافِعٍ عَنْ عَبْدِ اللهِ بَنِ عُمْرَ اَنَّ رَسُولَ اللهِ عَلِي اللهِ عَنْ عَبْدِ اللهِ بَنِ عُمْرَ اَنَّ رَسُولَ اللهِ عَلِي اللهِ عَنْ عَبْدِ اللهِ بَنِ عُمْرَ اَنَّ رَسُولَ اللهِ عَلِي اللهِ عَنْ عَبْدِ اللهِ بَنِ عُمْرَ اَنَّ رَسُولَ اللهِ عَلِي اللهِ عَنْ عَبْدِ اللهِ بَنِ عُمْرَ اَنَّ رَسُولَ اللهِ عَلَى اللهِ عَلَ

৮৯০ আবদ্লাহ্ ইব্ন ইউসুফ (র.).....আবদ্লাহ্ ইব্ন উমর (রা.) থেকে বর্ণিত, রাস্লুল্লাহ্ সুত্রের পূর্বে দু' রাকা'আত ও পরে দু' রাকা'আত, মাগরিবের পর নিজের ঘরে দু' রাকা'আত এবং ইশার পর দু' রাকা'আত সালাত আদায় করতেন। আর জুমু'আর দিন নিজের ঘরে ফিরে না যাওয়া পর্যন্ত সালাত আদায় করতেন না। (ঘরে গিয়ে) দু' রাকা'আত সালাত আদায় করতেন।

وم بَابُ قَوْلِ اللهِ تَعَالَى : فَاذِا قَصْبِيَتِ الصَّلَاةُ فَانْتَشْرِوا فِي الْاَرْضِ وَابْتَفُوا مِنْ فَضَلِ اللهِ مَا اللهِ مَا اللهِ تَعَالَى : فَاذِا قَصْبِيتِ الصَّلَاةُ فَانْتَشْرِوا فِي الْاَرْضِ وَابْتَفُوا مِنْ فَضْلِ اللهِ هَا هُمْ وَهُمُ وَابْتَفُوا مِنْ فَضُلِ اللهِ هُمْ وَهُمْ وَابْتَفُوا مِنْ فَضْلِ اللهِ هُمْ وَهُمْ وَابْتَفُوا مِنْ فَضُلِ اللهِ هُمْ وَهُمْ وَابْتَفُوا مِنْ فَضُلِ اللهِ وَهُمْ وَهُمُ وَابْتَفُوا مِنْ فَضُلِ اللهِ وَهُمْ وَهُمُ وَابْتَفُوا مِنْ فَضُلِ اللهِ وَهُمُ وَابُتُفُوا مِنْ فَضُلِ اللهِ وَهُمُ وَمُواللهِ وَهُمُ وَابْتُوا مِنْ فَضُلِ اللهِ وَهُمُ وَمُواللهِ وَاللهِ وَهُمُ وَاللهِ وَهُمُ وَاللّهُ وَلَا اللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ

٨٩١ حَدَّثَنَا سَعِيْدُ ابْنُ آبِي مَرْيَمَ قَالَ حَدَّثَنَا آبُو غَسَّانَ قَالَ حَدَّثَنِي ٓ آبُو حَازِمٍ عَنْ سَهُلٍ قَالَ كَانَتُ فَيْنَا الْمُرَأَةُ تَجْعَلُ عَلَى آرْبِعَاءَ فِي مَزْرَعَةِ لَهَا سَلِقًا فَكَانَتُ اذِا كَانَ يَوْمُ جُمُعَةٍ تَنْزِعُ أَصِنُولَ السِلِّقِ فَتَجْعَلُهُ فِي الْمُرَأَةُ تَجْعَلُ عَلَيه قَبَضَةً مِنْ شَعِيْرٍ تَطْحَنُهَا فَيَكُونُ أَصِنُولَ السِلِّقِ عَرْقَهُ وَكُنَّا نَنْصَرِفُ مِنْ صَلَاةِ الْجُمُعَةِ فَنُسَلِّمُ عَلَيْهَا فَتُقَرِّبُ ذٰلِكَ الطَّعَامَ النَّنَا فَنَلْعَقُهُ وَكُنَّا نَتَمَنَّى يَوْمَ الْجُمُعَة لطَعَامِهَا ذٰلكَ ،

৮৯১ সায়ীদ ইব্ন আবৃ মারয়াম (র.).....সাহ্ল (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আমাদের মধ্যে বসবাসকারিণী জনৈকা মহিলা একটি ছোট নহরের পাশে ক্ষেতে বীটের চাষ করতেন। জুমু আর দিনে সে বীটের মূল তুলে এনে রানার জন্য ডেগে চড়াতেন এবং এর উপর এক মুঠো যবের আটা দিয়ে রানা

করতেন। তখন এ বীট মূলই এর গোশ্ত (গোশতের বিকল্প) হয়ে যেত। আমরা জুমু'আর সালাত থেকে ফিরে এসে তাঁকে সালাম দিতাম। তিনি তখন খাদ্য আমাদের সামনে পেশ করতেন এবং আমরা তা খেতাম। আমরা সে খাদ্যের আশায় জুমু'আ বারে উদগ্রীব থাকতাম।

٨٩٢ حَدَّثَنَا عَبْدُ اللهِ بْنُ مَسْلَمَةَ قَالَ حَدَّثَنَا ابْنُ آبِي حَازِمٍ عَنْ آبِيهِ عَنْ سَهُلٍ بِهِٰذَا وَقَالَ مَاكُنَّا نَقَيْلُ وَلاَ نَتَغَدَّى الاَّ بَعْدَ الْجُمُعَة .

দি৯২ আবদুল্লাহ্ ইব্ন মাসলামা (র.).....সাহল ইব্ন সা'দ (রা.) থেকে এ হাদীস বর্ণিত, তিনি আরো বলেছেন, জুম্'আর (সালাতের) পরই আমরা কায়লূলা (দুপুরের শয়ন ও হাল্কা নিদ্রা) এবং দুপুরের আহার্য গ্রহণ করতাম।

# ٥٩٥. بَابُ الْقَائِلَةِ بَهْدَ الْجُمْعَةِ

هه. অনুচ্ছেদ १ জুমু আর পরে কায়লুলা (দুপুরের শয়ন ও হাল্কা निर्मा)। لَا الله عَدَّثُنَا مُحَمَّدُ بُنُ عُقْبَ أَنسا يَقُولُ السَّحِقَ الْعَزَارِيُّ حُمَيْدٍ قَالَ سَمِعْتُ انسا يَقُولُ كُنَّا نُبَكِرُ الَى الْجُمُعَة ثُمَّ نَقَيْلُ .

৮৯৪ সায়ীদ ইব্ন আবু মারইয়াম(র.). সাহল (রা) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আমরা নবী স্থানী এর সংগে জুমু'আর সালাত আদায় করতাম। তারপর হতো কায়লূলা।

٩٩٥ . اَبُوَابُ صِلَاةِ الْخَوْفِ وَقَالَ اللّٰهِ تَعَالَىٰ : وَإِذَا ضِرَبُتُمْ فِي الْأَرْضِ فَلَيْسَ عَلَيْكُمْ جُنَاحُ اَنْ تَقْصَرُوا مِنَ الصَّلَاةِ ، اِنْ خَفْتُمْ اَنْ يَفْتِنَكُمُ الَّذِيْنَ كَفَرُوا اِنَّ الْكَافِرِيْنَ كَانُوا لَكُمْ عَدُوا مَبْيِنًا ، وَإِذَا كُنْتُ فِيهِمْ مِنَ الصَّلَاةِ ، اِنْ خَفْتُمْ اَنْ يَفْتَتِنَكُمُ الَّذِيْنَ كَفَرُوا السّلِحَتَهُمْ فَاذِا سَجَدُوا فَلْيَكُونُوا مِنْ وَرَائِكُمُ وَلْتَتُمُ وَالْمِنْ مَعْلَى وَلِيَا خُذُوا السّلِحَتَهُمْ ، وَالْدِيْنَ كَفَرُوا فَلْيَكُونُوا مِنْ وَرَائِكُمُ وَلَتَتُكُمُ وَلَيْتُوا مَنْ وَرَائِكُمُ وَلَيْتُوا السّلِحَتَهُمْ ، وَالْدِيْنَ كَفَرُوا لَوْتَفْسَفُلُونَ عَنْ السّلِحَتِكُمْ وَالسّلِحَتَهُمْ ، وَالْدِيْنَ كَفَرُوا لَوْتَفْسَفُلُونَ عَنْ السّلِحَتِكُمْ وَالسّلِحَتَهُمْ مَن السّلِحَتِكُمْ وَالسّلِحَتَهُمْ مَن السّلِحَتِكُمْ وَالسّلِحَتِكُمْ وَالْمُولِيَّ عَنْ السّلِحَتِكُمْ وَلَا عَلَيْكُمْ اللّهُ اعْدُلُوا عَلَيْكُمْ الْفَالِمُ اللّهُ اعْدُلُولُ عَلَيْكُمْ اللّهُ الْكَافِرِيْنَ عَلَيْكُمْ الْفَالُولُ عَلَيْكُمْ مَنْ مُطَرِ اللّهُ اعْدُلُولُ اللّهُ الْكَافِرِيْنَ عَذَابًا مُهُولًا .

৫৯৬. অনুচ্ছেদ ঃ খাওফের সালাত শেক্রভীতি অবস্থায় সালাত)।মহিমানিত আল্লাহ্ বলেনঃ আর যখন তোমরা যমীনে ভ্রমণ কর তখন সালাত 'কসর' করলে তোমাদের কোন গুনাহ হবে না, যদি তোমাদের আশংকা হয় যে, কাফিরগণ তোমাদের জন্য ফিত্না সৃষ্টি করবে। নিশ্বয়ই কাফিররা তোমাদের প্রকাশ্য শক্র । আর তুমি যখন তাদের মধ্যে অবস্থান করবে ও তাদের সংগে সালাত কায়েম করবে তখন তাদের একদল তোমার সংগে যেন দাঁড়ায় এবং তারা যেন সশস্ত্র থাকে। তারপর তারা সিজ্দা করলে তখন তারা যেন তোমাদের পিছনে অবস্থান করে। অপর একদল যারা সালাতে শরীক হয় নাই, তারা তোমার সংগে যেন সালাতে শরীক হয় এবং তারা যেন সতর্ক ও সশস্ত্র থাকে। কাফিররা কামনা করে যেন তোমরা তোমাদের অন্ত্রশস্ত্র ও আসবাবপত্র সম্বন্ধ অসতর্ক হও, যাতে তারা তোমাদের উপর এক সংগে ঝাঁপিয়ে পড়তে পারে। যদি তোমরা বৃষ্টির জন্য কষ্ট পাও বা পীড়িত থাক তবে তোমরা অন্ত্র রেখে দিলে তোমাদের কোন দোষ নাই; কিন্তু তোমরা সতর্কতা অবলম্বন করবে। আল্লাহ্ কাফিরদের জন্য লাপ্ত্রনাদায়ক শান্তি প্রস্তুত রেখেছেন। সূরা নিসাঃ ১০১–১০২)।

مَهُ مَا اللّٰهِ عَلَيْ اللّٰهِ عَبْدَ اللّٰهِ بَنَ عَمْرَ رَضِيَ اللّٰهُ عَنْهُمَا قَالَ غَزَوْتُ مَعَ رَسُوْلِ اللّٰهِ عَبْنِي صَلَاةً الْحَوْفِ قَالَ الْحَدُوقِ قَالَ اللّٰهِ عَلَيْ اللّٰهِ عَلَى الْعَدُوقَ مَعَهُ تُصلِّي وَا قَلْمَتُ طَائِقَةً عَلَى الْعَدُوقَ وَرَكَعَ رَسُولُ اللّٰهِ عَلَيْ اللّٰهِ عَلَى الْعَلَيْ اللّهِ عَلَيْ اللّٰهِ عَلَيْ اللّٰهِ عَلَى اللّٰهِ عَلَى اللّٰهِ عَلْمَ اللّٰهِ عَلَى اللّٰهِ عَلَى اللّٰهِ عَلَيْ اللّٰهِ عَلَى اللّٰهِ عَلَى اللّٰهِ عَلَى اللّٰهِ عَلَى اللّٰهِ عَلَى اللّٰهِ عَلْمَ اللّٰهِ عَلَى اللّٰهِ عَلْمَ اللّٰهِ عَلَى اللّٰهِ عَلَى اللّٰهِ عَلَى اللّٰهِ عَلَى اللّٰهِ عَلَى اللّٰهِ عَلَى اللّٰهِ عَلْمُ اللّٰهِ عَلَى اللّٰهِ عَلَى اللّٰهُ عَلَى اللّٰهُ عَلَى اللّٰهُ عَلَى اللّٰهِ عَلَى اللّٰهِ عَلَى اللّٰهِ عَلَى اللّٰهِ عَلَيْ اللّٰهِ عَلَى اللّٰهِ عَلْمَ اللّٰهِ عَلْمَ اللّٰهِ عَلَى اللّٰهِ عَلَى اللّٰهِ عَلَى اللّٰهِ عَلَى اللّٰهِ عَلَى اللّٰهِ عَلَى اللّٰهِ عَلْمَ اللّٰهِ عَلْمُ اللّٰهِ عَلْمَ اللّٰهِ عَلْمَ اللّٰهِ عَلْمَ اللّٰهِ عَلْمَ اللّٰهُ عَلَا اللّٰهِ عَلْمَ اللّٰهِ عَلْمَ اللّٰهِ عَلَى اللّٰهِ عَلَى اللّٰهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّٰهُ عَلَا الللّٰهُ عَلَى الللّٰهُ عَلَا اللّٰهُ عَلَى اللّٰهُ عَلْمُ اللّٰهُ عَلَى اللّٰهُ

চি৯৫ আরু ইয়ামান (র.)......৩ আইব (র.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আমি যুহরী (র.)-কে জিজ্ঞাসা করলাম, নবী ক্রান্ত্রিক সালাত আদায় করতেন অর্থাৎ খাওফের সালাত ? তিনি বললেন, আমাকে সালিম (র.) জানিয়েছেন যে, আবদুল্লাহ্ ইব্ন উমর (রা.) বলেছেন, আমি রাস্লুল্লাহ্ ক্রান্ত্রিক –এর সঙ্গে নাজ্দ এলাকায় যুদ্ধ করেছিলাম। সেখানে আমরা শক্রর মুখোমুখী কাতারবন্দী হয়ে দাঁড়ালাম। তারপর রাস্লুল্লাহ্ ক্রান্ত্রিক আমাদের নিয়ে সালাত আদায় করলেন। একদল তাঁর সঙ্গে সালাতে দাঁড়ালেন এবং অন্য একটি দল শক্রর প্রতি মুখোমুখী অবস্থান করলেন। রাস্লুল্লাহ্ ক্রান্ত্রিক তাঁর সংগে যাঁরা ছিলেন তাঁদের নিয়ে ক্রক্ ও দু'টি সিজ্দা করলেন। এরপর এ দলটি যারা সালাত আদায় করেনি, তাঁদের স্থানে চলে গেলেন এবং তাঁরা রাস্লুল্লাহ্ ক্রান্ত্রিক এর পিছনে এগিয়ে এলেন, তখন রাস্লুল্লাহ্ ক্রান্ত্রিক তাঁদের সংগে এক রুক্ ও

দু' সিজ্দা করলেন এবং পরে সালাম ফিরালেন। এরপর তাদের প্রত্যেকে উঠে দাঁড়ালেন এবং নিজে নিজে একটি রুকৃ' ও দু'টি সিজ্দা (সহ সালাত) শেষ করলেন।

# ٩٧، بَابُ صَلَاةِ الْخَوْفِ رِجَالاً وَرُكْبَانًا رَاجِلُ قَائِمُ

৫৯৭. অনুচ্ছেদ ঃ পদাতিক বা আরোহী অবস্থায় খাওফের সালাত।

المعيدُ بَنُ يَحْيِى بَنِ سَعِيْدِ الْقُرَشِيُّ قَالَ حَدَّثَنِي آبِي قَالَ حَدَّثَنَا ابْنُ جُرِيْجٍ عَنْ مُوسِلَى بُنِ عَقْبَةً عَنْ نَافِعٍ عَنِ ابْنِ عُمَرَ نَحُوا مِنْ قَوْلِ مُجَاهِدٍ إِذَا اخْتَلَطُوا قِيَامًا، وَزَادَ ابْنُ عُمَرَ عَنِ النَّبِيِّ عَلِيلٍ وَإِنْ كَانُوا اكْتَرَ مَنْ ذَلِكَ فَلَيْصِلُّوا قِيَامًا وَرُكْبَانًا ،

৮৯৬ সায়ীদ ইব্ন ইয়াহ্ইয়া (র.).....নাফি' (র.) সূত্রে ইব্ন উমর (রা.) থেকে মুজাহিদ (র.)-এর বর্ণনার মতো উল্লেখ করেছেন যে, সৈন্যরা যখন পরস্পর (শক্রমিত্র) মিলিত হয়ে যায়, তখন দাঁড়িয়ে সালাত আদায় করবে। ইব্ন উমর (রা.) নবী ক্রিট্রেথ থেকে আরো বলেছেন যে, যদি সৈন্যদের অবস্থা এর চেয়ে গুরুতর হয়ে যায়, তা হলে দাঁড়ানো অবস্থায় এবং আরোহী অবস্থায় সালাত আদায় করবে।

# ٩٨٥، بَابُ يَحْرُسُ بَعْضُهُمْ بَعْضًا فِي صَالاَةِ الْخَوف

৫৯৮. অনুচ্ছেদঃ খাওফের সালাতে মুসল্লিগণের একাংশ অন্য অংশকে পাহারা দিবে।

مَدَّ عَنْ عَبُو مَنْ شُرَيْحٍ قَالَ مُحَمَّدُ بُنُ حَرْبٍ عَنِ الزُّبِيْدِيِّ عَنِ الزُّهْرِيِّ عَنْ عُبَيْدِ اللَّهِ بَنِ عُتَبَةً عَنِ ابْنِ عَبُّاسٍ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهُمَا قَالَ قَامَ النَّبِيُّ عَيْفِ وَقَامَ النَّاسُ مَعَهُ فَكَبَّرُوا مَعَهُ وَرَكَعَ وَرَكَعَ نَاسُ مِنْهُمْ ثُمُّ ابْنِ عَبُّاسٍ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهُمَا قَالَ قَامَ النَّبِيُّ عَيْفِ وَقَامَ النَّاسُ مَعَهُ فَكَبَّرُوا مَعَهُ وَرَكَعَ وَرَكَعَ نَاسُ مِنْهُمْ ثُمُّ اللَّهُ عَنْهُمَا قَالَ قَامَ النَّبِيِّ فَقَامَ النَّاسُ مَعَهُ وَكَابُوا وَحَرَسُوا اِخْوَانَهُمْ وَاتَتِ الطَّائِفَةُ الْأُخْرَى فَرَكَعُوا سَجَدُوا مَعَهُ وَالنَّاسُ كُلُّهُمْ فِي صَلَاةٍ وَلٰكِنْ يَحْرُسُ بَعْضَهُمْ بَعْضًا .

চি৯৭ হাইওয়া ইব্ন হরাইহ্ (র.)......ইব্ন আব্বাস (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী ক্রিট্রাই সালাতে দাঁড়ালেন এবং সাহাবীগণ তাঁর পিছনে (ইক্রিদা করে) দাঁড়ালেন। তিনি তাক্বীর বললেন, তারাও তাক্বীর বললেন, তিনি রুক্' করলেন, তারাও তাঁর সঙ্গে রুক্' করলেন। এরপর তিনি সিজ্দা করলেন এবং তারাও তাঁর সঙ্গে সিজ্দা করলেন। তারপর তিনি দ্বিতীয় রাকা'আতের জন্য দাঁড়ালেন, তখন যারা তাঁর সংগে সিজ্দা করছিলেন তারা উঠে দাঁড়ালেন এবং তাদের ভাইদের পাহারা দিতে লাগলেন। তখন অপর দলটি এসে তাঁর সঙ্গে রুক্' করলেন। এভাবে সকলেই সালাতে অংশগ্রহণ করলেন। অথচ একদল অপর দলকে পাহারাও দিলেন।

900. بَابُ الصَّلاَةِ عِنْدَ مُنَاهَضَةِ الْحُصُونِ وَلِقَاءِ الْعَدُووَقَالَ الْاَوْدَاعِيُّ اِنْ كَانَ تَهَيَّا الْفَتْحُ وَلَمْ يَقْدِرُوا عَلَى الْاِيْمَاءِ أَخُرُوا الصَّلاَةَ حَتَّى يَنْكَشُفَ عَلَى الصَّلاَةِ صِلُّوا الْحَدُّونَ الْمَسْلاَةِ صِلَّوا الْحَدُّونَ الْمَسْلاَةِ صَلُّوا الْحَدُّونَ الْمَسْلاَةِ صَلُّوا الْحَدُّونَ الْمَسْلَاةِ مَتَى الْاَيْمَاءِ الْحُدُوا الْصَلاَةِ حَتَى يَنْكَشُفَ الْقَتَالُ الْاَيْمَاءُ مُلُوا الْمَسْلَاةِ مَنْ الْمَعْدَ وَلَا عَلَى الْاَيْمَاءُ وَالْمُعْمَ اللَّكُونِ وَالْمَعْدُولُوا الْمَسْلَوا رَكْعَةُ وَسَعَدَ تَنْ لِالْمِكُولِ الْمُعْمَ اللَّكُونِ وَالْمُحْدِولَا الْمَعْدَ وَاللهُ عَلَى الْمَعْدَ وَاللهُ مَنْ الْمُحْدِولَ اللهُ الل

৬৯৯. অনুচ্ছেদ ঃ দূর্গ অবরোধ ও শক্রের মুখোমুখী অবস্থায় সালাত। ইমাম আওযায়ী রে.) বলেন, যদি অবস্থা এমন হয় যে, বিজয় আসন্ন কিন্তু শক্রেদের ভয়ে সৈন্যদের (জামা'আতে) সালাত আদায় করা সন্তব নয়, তা হলে সবাই একাকী ইশারায় সালাত আদায় করবে। আর যদি ইশারায় আদায় করতে না পার তবে সালাত বিলম্বিত করবে। যে পর্যন্ত না যুদ্ধ শেষ হয় বা তারা নিরাপদ হয়। তারপর দু' রাকা'আত সালাত আদায় করবে। যদি (দু'রাকা'আত) আদায় করতে সক্ষম না হয় তা হলে একটি রুকু' ও দু'টি সিজ্দা (এক রাকা'আত) আদায় করবে। তাও সম্ভব না হলে শুরু তাক্বীর বলে সালাত শেষ করা জায়িয হবে না বরং নিরাপদ না হওয়া পর্যন্ত সালাত বিলম্ব করবে। মাকহুল ও রে.) এ মত পোষণ করতেন। আনাস ইব্ন মালিক (রা.) বর্ণনা করেছেন, (একটি য়ুদ্ধে) ভোরবেলা তুস্তার দুর্বের উপর আক্রমণ চলছিলো এবং য়ুদ্ধ প্রচণ্ডরূপ ধারণ করে, ফলে সৈন্যদের সালাত আদায় করা অসন্তব হয়ে পড়ে। সূর্য উঠার বেশ পরে আমরা সালাত আদায় করেছিলাম। আর আমরা তখন আবু মূসা (রা.)—এর সাথেছিলাম, পরে সে দূর্গ আমরা জয় করেছিলাম। আনাস ইব্ন মালিক (রা.) বলেন সে সালাতের বিনিময়ে দুনিয়া ও তার সব কিছুতেও আমাকে খুশী করতে পারবে না।

A۹۸ حَدُّثَنَا يَحْيِى قَالَ حَدَّثَنَا وَكِيْعُ عَنْ عَلِي بَنِ مُبَارَكِ عَنْ يَحْيَى بَنِ اَبِى كَثِيْرٍ عَنْ اَبِى سَلَمَةً عَنْ جَابِرِ بَنِ عَبْدِ اللَّهِ قَالَ جَاءَ عُمَرُ يَوْمَ الْخَنْدَقِ فَجَعَلَ يَسنبُ كُفَّارَ قُرَيْشٍ وَيَقُولُ يَا رَسُولُ اللَّهِ مَا صَلَّيْتُ عَلَيْتُ اللَّهِ مَا صَلَّيْتُهُ اللَّهِ مَا صَلَّيْتُهَا بَعْدُ قَالَ فَنَزَلَ اللَّهِ مَا صَلَّيْتُهَا بَعْدُ قَالَ فَنَزَلَ الِي بُطُحَانَ الْعُصْرَ حَتَّى كَادَتِ الشَّمْشُ اَنْ تَغِيْبَ فَقَالَ النَّبِيُ عَلِيلٍ وَانَا وَاللَّهِ مَا صَلَّيْتُهَا بَعْدُ قَالَ فَنَزَلَ الِي بُطُحَانَ فَتَوَضَّا وَصَلَّى الْعَصْرَ بَعْدَ مَاغَابَتِ الشَّمْسُ ثُمَّ صَلِّى الْمَغْرِبَ بَعْدَهَا .

চি৯৮ ইয়াহ্ইয়া (ইব্ন জাফর) (র.)......জাবির ইব্ন আবদুল্লাহ্ (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, খদক যুদ্ধের দিন উমর (রা.) কুরাইশ গোত্রের কাফিরদের মন্দ বলতে বলতে আসলেন এবং বললেন, ইয়া রাসূলাল্লাহ্ ! সূর্য প্রায় ডুবে যাচ্ছে, অথচ আসরের সালাত আদায় করতে পারিনি। তখন নবী ক্রিট্রের বললেন ঃ আল্লাহ্র কসম! আমিও তা এখনও আদায় করতে পারিনি। বর্ণনাকারী বলেন, তারপর তিনি মদীনার বৃতহান উপত্যকায় নেমে উযু করলেন এবং সূর্য ডুবে যাওয়ার পর আসরের সালাত আদায় করলেন, এরপর মাগরিবের সালাত আদায় করলেন।

٠٠٠. بَابُ صَلَاةِ الطَّالِبِ رَاكْبُا وَالْمَا وَالْمَالُولِ وَالْمَا وَالْمَا وَالْمُولِ وَالْمُالِبِ وَالْمُالِدِ وَالْمُالُولِ وَالْمُالِدِ وَالْمُالُولِ وَالْمُالِمِ وَالْمُالُولِ وَالْمُولِ وَالْمُولِ وَالْمُالُولِ وَالْمُولِ وَالْمُؤْلِ وَالْمُولِ وَالْمُؤْلِقِ وَالْمُولِقِ وَالْمُؤْلِقِ وَالْمُؤْلِقُ وَالْمُؤْلِقُ وَالْمُؤْلِقُولِ وَالْمُؤْلِقُولُ وَالْمُؤْلِقُ وَالْمُؤْلِقُولُ وَال

৬০০. অনুচ্ছেদ ঃ শক্রর পশ্চাদ্ধাবনকারী ও শক্রতাড়িত ব্যক্তির আরোহী অবস্থায় ও ইশারায় সালাত আদায় করা। ওয়ালীদ (র.) বলেছেন, আমি ইমাম আওযায়ী (র.)—এর কাছে শুরাহ্বীল ইব্ন সিমত (র.) ও তার সংগীগণের সাওয়ার অবস্থায় তাঁদের সালাতের উল্লেখ করলাম। তখন তিনি বললেন, সালাত ফাওত হওয়ার আশংকা থাকলে আমাদের কাছে এটাই প্রচলিত নিয়ম। এর দলিল হিসেবে ওয়ালীদ (র.) নবীক্রাট্রান্ডা-এর নির্দেশ পেশ করেন ঃ "তোমাদের কেউ যেন বণী কুরায়যায় (এলাকায়) পৌছার আগে আসরের সালাত আদায় না করে"।

٨٩٩ حَدُّثَنَا عَبُدُ اللَّهِ بْنُ مُحَمَّدِ بْنُ قَالَ حَدَّثَنَا جُوَيْرِيَةُ عَنْ نَافِعٍ عَنِ ابْنِ عُمَرَ قَالَ قَالَ النَّبِيِّ عَلَيْ لَنَا لَمُ اللَّهِ عَنْ الطَّرِيْقِ لَمَّا رَجَعَ مِنَ الْاَحْرَابِ لاَ يُصلِّينً اَحَدُ الْعَصْرَ الِا فِي بَنِي قُريَظَةَ فَأَدْرَكَ بَعْضَهُمُ الْعَصْرُ فِي الطَّرِيْقِ فَقَالَ بَعْضُهُمْ لاَ نُصلِي عَنَيْفِ فَلَمْ يُعَنَفِ فَقَالَ بَعْضُهُمْ لاَ نُصلِي عَنِينَ لِلنَّبِي عَلَيْ فَلَمْ يُعَنَفِ وَاحدًا مِنْهُمْ .

চিক্র আবদুল্লাহ্ ইব্ন মুহামদ (র.).....ইব্ন উমর (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী ক্রিল্লের আহ্যাব যুদ্ধ থেকে ফিরে আসার পথে আমাদেরকে বললেন, বনূ কুরাইযা এলাকায় পৌছার আগে কেউ যেন আসরের সালাত আদায় না করে। কিন্তু অনেকের পথিমধ্যেই আসরের সময় হয়ে গেল, তখন তাদের কেউ কেউ বললেন, আমরা সেখানে না পৌছে সালাত আদায় করব না। আবার কেউ কেউ বললেন, আমরা সালাত আদায় করে নেব, আমাদের নিষেধ করার এ উদ্দেশ্য ছিল না (বরং উদ্দেশ্য ছিল তাড়াতাড়ি যাওয়া) নবী ক্রিল্লেই-এর নিকট এ কথা উল্লেখ করা হলে, তিনি তাঁদের কারোর সম্পর্কে বিরূপ মন্তব্য করেননি।

# ٦٠١. بَابُ التُّكْبِيْرِ وَالْفَلْسُ بِالصُّبْحِ وَالصَّلاَةِ عَنْدَ الْإِغَارَةِ وَالْحَرْبِ

৬০১. অনুচ্ছেদ ঃ তাক্বীর বলা, ফজরের সালাত সময় হওয়া মাত্র আদায় করা এবং শত্রুর উপর অতর্কিত আক্রমণ ও যুদ্ধাবস্থায় সালাত।

মৃত্যাদ্দাদ (র.)......আনাস ইব্ন মালিক (রা.) থেকে বর্ণিত, রাসূলুল্লাহ্ (একদিন) ফজরের সালাত অন্ধকার থাকতে আদায় করলেন। এরপর সাওয়ারীতে আরোহণ করলেন এবং বললেন ঃ আল্লাছ্ আক্বার, খায়বার ধ্বংস হোক! যখন আমরা কোন সম্প্রদায়ের এলাকায় অবতরণ করি তখন সতর্কী-কৃতদের প্রভাত হয় কতই না মন্দ! তখন তারা (ইয়াহ্দীরা) বের হয়ে গলির মধ্যে দৌড়াতে লাগল এবং বলতে লাগল, মুহাম্মাদ ও তাঁর খামীস এসে গেছে। বর্ণনাকারী বলেন, খামীস হচ্ছে, সৈন্য-সামন্ত। পরে রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্রে তাদের উপর জয়লাভ করেন। তিনি যোদ্ধাদের হত্যা করলেন এবং নারী-শিশুদের বন্দী করলেন। তখন সাফিয়্যা প্রথমত দিহ্ইয়া কালবীর এবং পরে রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্রে -এর অংশে পড়ল। তারপর তিনি তাঁকে বিয়ে করেন এবং তাঁর মুক্তিদানকে মাহররপে গণ্য করেন। আবদুল আযীয (র.) সাবিত (রা.)-এর কাছে জানতে চাইলেন, তাঁকে কি মাহর দেওয়া হয়েছিল । তা কি আপনি রাস্লুল্লাহ্

# ्रें भेषे। प्रांद्र अथाश : जू जिल

# 

# ٦٠٢. بَابُ فِي الْعِيْدَيْنِ وَالتَّجَمُّلِ فِيهِ

৬০২. অনুচ্ছেদ ঃ দু' ঈদ ও এতে সুন্দর পোষাক পরা।

٩٠١ حَدُّثَنَا أَبُو الْيَمَانِ قَالَ اَخْبَرَنَا شُعَيْبُ عَنِ الزُّهْرِيِّ قَالَ اَخْبَرَنِيْ سَالِمُ بَنُ عَبْدِ اللهِ اَنْ عَبْدَ اللهِ اللهِ عَمْلَ اللهِ عَلَيْ عَمْرَ قَالَ اَخْذَ عُمَرُ جُبُّةٌ مِنْ السَّسِتَبْرَقِ تُبَاعُ فِي السَّوْقِ فَاَخْذَهَا فَاتَى رَسُولُ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَى اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَى اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَى اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَى اللهِ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهِ اللهِ اللهِ عَلَيْ اللهِ اللهِ اللهِ عَلَيْ اللهِ اللهُ اللهِ الله

৯০১ আবুল ইয়ামান (র.)......আবদুল্লাহ্ ইব্ন উমর (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, বাজারে বিক্রি হচ্ছিল এমন একটি রেশমী জুব্বা নিয়ে উমর (রা.) রাসূলুল্লাহ্ এর কাছে এসে বললেন, ইয়া রাসূলাল্লাহ্! আপনি এটি কিনে নিন। ঈদের সময় এবং প্রতিনিধি দলের সংগ্রে সাক্ষাতকালে এটি দিয়ে নিজেকে সজ্জিত করবেন। তখন রাসূলুল্লাহ্ ক্রিট্রে তাকে বললেন ঃ এটি তো তার পোষাক, যার (আখিরাতে) কল্যাণের কোন অংশ নেই। এ ঘটনার পর উমর (রা.) আল্লাহ্র যত দিন ইচ্ছা ততদিন অতিবাহিত করলেন। তারপর রাসূলুল্লাহ্ ক্রিট্রেই তার নিকট একটি রেশমী জুব্বা পাঠালেন, উমার (রা.) তা গ্রহণ করেন এবং সেটি নিয়ে রাসূলুল্লাহ্ ক্রিট্রেই এর কাছে এসে বললেন, ইয়া রাসূলাল্লাহ্! আপনি তো বলেছিলেন, এটা তার পোষাক যার (আখিরাতে) কল্যাণের কোন অংশ নেই। অথচ আপনি এ জুব্বা আমার নিকট পাঠিয়েছেন। তখন রাসূলুল্লাহ্ ক্রিট্রেই তাঁকে বললেন ঃ তুমি এটি বিক্রি করে দাও এবং বিক্রয়লব্ধ অর্থে তোমার প্রয়োজন মিটাও।

# ٦٠٣. بَابُ الْحِرَابِ وَالدُّرَقِ يَوْمَ الْعَيْدِ

৬০৩. অনুচ্ছেদ ঃ ঈদের দিন বর্শা ও ঢালের খেলা।

৯০২ আহ্মদ ইব্ন ঈসা (র.)......আয়িশা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী ক্রিট্রে আমার কাছে এলেন তখন আমার নিকট দু'টি মেয়ে বু'আস যুদ্ধ সংক্রান্ত কবিতা আবৃত্তি করছিল। তিনি বিছানায় তয়ে পড়লেন এবং চেহারা অন্যদিকে ফিরিয়ে রাখলেন। এ সময় আবৃ বকর (রা.) এলেন, তিনি আমাকে ধমক দিয়ে বললেন, শয়তানী বাদ্যযন্ত্র (দফ্) বাজান হছে নবী ক্রিট্রে বললেন, তাদের ছেড়ে দাও। তারপর তিনি যখন অন্য দিকে ফিরলেন তখন আমি তাদের ইঙ্গিত করলাম এবং তারা বের হয়ে গেল। আর ঈদের দিন সুদানীরা বর্শা ও ঢালের দ্বারা খেলা করত। আমি নিজে (একবার) রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্রে -এর কাছে আর্য করেছিলাম অথবা তিনি নিজেই বলেছিলেন, তুমি কি তাদের খেলা দেখতে চাও ? আমি বললাম, হাঁা, তারপর তিনি আমাকে তাঁর পিছনে এমনভাবে দাঁড় করিয়ে দিলেন যে, আমার গাল ছিল তার গালের সাথে লাগান। তিনি তাদের বললেন, তোমরা যা করতে ছিলে তা করতে থাক, হে বণু আরফিদা। পরিশেষে আমি যখন ক্লান্ত হয়ে পড়লাম, তখন তিনি আমাকে বললেন, তোমর কি দেখা শেষ হয়েছে ? আমি বললাম, হাঁা, তিনি বললেন, তা হলে চলে যাও।

# ٢٠٤. بَابُ سُنَّةِ الْمِيْدَيْنِ لِأَهْلِ الْإِسْلاَمِ

৬০ %. অনুচ্ছেদ ঃ মুসলিমগণের জন্য উভয় ঈদের রীতিনীতি।

٩٠٣ حَدَّثَنَا حَجَّاجُ قَالَ حَدَّثَنَا شُعْبَةُ قَالَ اَخْبَرَنِيْ زُبَيْدُ قَالَ سَمِعْتُ الشَّعْبِيُّ عَنِ الْبَرَاءِ قَالَ سَمِعْتُ الشَّعْبِيُّ عَنْ الْبَرَاءِ قَالَ سَمِعْتُ الشَّعْبِيُّ عَنْ الْبَرَاءِ قَالَ سَمُعْتُ السَّعْبِيُّ عَنْ الْبَرَاءِ قَالَ سَمُعْتُ اللَّهُ عَنْ الْبَرَاءِ قَالَ سَمُعْتُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَا عَلَى اللْمُعْمِى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى الل

১. দফ্'এক প্রকার ঢোল যার একদিক উন্মুক্ত।

১০৩ হাজ্জাজ (ইব্ন মিন্হাল) (র.).....বারাআ (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী করীম করিছে .
-কে খুত্বা দিতে শুনেছি। তিনি বলেছেনঃ আমাদের আজকের এ দিনে আমরা যে কাজ প্রথম শুরু করব, তা হল সালাত আদায় করা। এরপর ফিরে আসব এবং কুরবানী করব। তাই যে এরপ করে সে আমাদের রীতিনীতি সঠিকভাবে পালন করল।

٩٠٤ حَدُّثَنَا عُبَيْدُ بُنُ اِسْمَاعِيلُ قَالَ حَدُّثَنَا اَبُقُ اُسَامَةَ عَنْ هِشَامٍ عَنْ اَبِيْهِ عَنْ عَائِشَةَ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهَا قَالَتُ دَخَلَ اَبُوْ بَكُرٍ وَعِنْدِي جَارِيتَانِ مِنْ جَوَارِي الْاَنْصَارِ تُغَنِّيَانِ بِمَا تَقَاوَلَتِ الْاَنْصَارُ يَوْمَ بُعَاتَ قَالَتُ وَلَكَ اَبُوْ بَعَنْ فَالَ اَبُقُ بَعَانَ مَنْ مَنْ جَوَارِي الْاَنْصَارِ تُغَنِّيَانِ بِمَا تَقَاوَلَتِ الْاَنْصَارُ يَوْمَ بُعَاتَ قَالَتُ وَلَيْ مَنْ جَوَارِي الْاَنْصَارِ تُغَنِّيَانِ بِمَا تَقَاوَلَتِ الْاَنْصَارُ يَوْمَ بُعَاتَ قَالَتُ وَلَيْ مَنْ مَنْ مَنْ مَنْ اللّهُ عَلَيْكُ وَلَى عَوْمَ عَيْدٍ ، وَلَكَ فَيْ يَوْمَ عِيْدٍ ، فَقَالَ اللّهِ عَلِيلًا مَنْ اللّهُ عَلَيْكُ وَمُ عَيْدًا وَهُذَا عَيْدُنَا .

মি০৪ উবাইদ ইব্ন ইসমায়ীল (র.).....আয়িশা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, (একদিন আমার ঘরে) আবৃ বকর (রা.) এলেন তখন আমার নিকট আনসার দু'টি মেয়ে বু'আস যুদ্ধের দিন আনসারীগণ পরস্পর যা বলেছিলেন সে সম্পর্কে কবিতা আবৃত্তি করছিল। তিনি বলেন, তারা কোন পেশাগত গায়িকাছিল না। আবৃ বক্র (রা.) বললেন, রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্রেন্দ্র এর ঘরে শয়তানী বাদ্যযন্ত্র। আর এটি ছিল ঈদের দিন। তখন রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্রের্নির বললেন ঃ হে আবৃ বক্র। প্রত্যেক জাতির জন্যই আনন্দ উৎসব রয়েছে আর এ হলো আমাদের আনন্দ।

# ٦٠٥. بَابُ الْأَكْلِيقَمَ الْفِطْرِقَبْلَ الْخُرُوجِ

৬০৬. অনুচ্ছেদ ঃ ঈদুল ফিত্রের দিন বের হওয়ার আগে আহার করা ।

٩٠٥ حَدُّثَنَا مُسَدُّدُ بَنُ عَبْدِ الرَّحْثِيمُ حَدَّثَنَا سَعْثِدُ بَنُ سَلَيْمَانَ قَالَ حَدَّثَنَا هُشَيْمُ قَالَ اَخْبَرَنَا عُبَيْدُ اللهِ مِنْ اللهِ عَلَيْهُ اللهِ قَالَ حَدَّثَنِي انْسَ عَنِ النَّبِيِّ عَلِيهٍ وَيَأْكُلُهُنَّ وَثِرًا وَ اللهِ قَالَ حَدَّثَنِي انْسِ عَنِ النَّبِيِّ عَلِيهٍ وَيَأْكُلُهُنَّ وَثِرًا وَ اللهِ قَالَ حَدَّثَنِي انْسَ عَنِ النَّبِيِّ عَلِيهِ وَيَأْكُلُهُنَّ وَثِرًا وَ اللهِ عَلَيْهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهِ عَلَيْهُ اللهِ عَلَيْهُ اللهِ عَلَيْهُ اللهِ عَلَيْهُ اللهُ عَدَّنَا اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَدَّيْنَ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلَاهُ اللهُ اللهُولِ اللهُ ا

৯০৫ মুহারদ ইব্ন আবদুর রাহীম (র.)......আনাস ইব্ন মালিক (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, রাস্লুলাহ্ ক্রিট্রা সদুল ফিত্রের দিন কিছু খেজুর না খেয়ে বের হতেন না। অপর এক রিওয়ায়াতে আনাস (রা.) নবী করীম ক্রিট্র থেকে বর্ণনা করেন যে, তিনি তা বেজোড় সংখ্যক খেতেন।

# ٦٠٢. بَابُ الْآكُلِ يَثْمَ النَّحْرِ

৬০৬. অনুচ্ছেদ ঃ কুরবানীর দিন আহার করা।

٩٠٦ حَدَّثَنَا مُسدَدُّ قَالَ حَدَّثَنَا اِسْمُعْيِلُ عَنْ اَيُّوبَ عَنْ مُحَمَّدٍ عَنْ اَنَسٍ قَالَ قَالَ النَّبِي عَلَيْ مَنْ ذَبَحَ قَبْلَ

الصَّلاَةِ فَلْيُعِدُ فَقَامَ رَجُلُ فَقَالَ هُذَا يَوْمُ يُشْتَهِلَى فِيهِ اللَّحْمُ وَذَكَرُ مِنْ جِيْرَانِهِ فَكَانَ النَّبِيِّ عَلَيْ صَدَّقَةُ قَالَ وَعِنْدِي جَذْعَةُ النَّبِيِّ جَذَعَةُ اَحَبُّ الِي مِنْ شَاتَى لَحْمٍ فَرَخُصَ لَهُ النَّبِيُّ عَلِيَّةٍ فَلاَ اَدْرِي آبْلَغَتِ الرُّخُصَةُ مَنْ سِوَاهُ اَمْ لاَ •

৯০৬ মুসাদ্দাদ (র.).....আনাস ইব্ন মালিক (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী করীম ক্রিছের বলেছেন ঃ সালাতের আগে যে যবেহ করবে তাকে আবার যবেহ (কুরবানী) করতে হবে। তখন এক ব্যক্তি দাঁড়িয়ে বলল, আজকের এদিন গোশত খাওয়ার আকাংখা করা হয়। সে তার প্রতিবেশীদের অবস্থা উল্লেখ করল। তখন নবী করীম ক্রিছের যেন তার কথার সত্যতা স্বীকার করলেন। সে বলল, আমার নিকট এখন ছয় মাসের এমন একটি মেষ শাবক আছে, যা আমার কাছে দু'টি হাইপুষ্ট বক্রীর চাইতেও বেশী পসন্দনীয়। নবী করীম ক্রিছের তাকে সেটা কুরবানী করার অনুমতি দিলেন। অবশ্য আমি জানি না, এ অনুমতি তাকে ছাড়া অন্যদের জন্যও কি না ?

الله عَنْدَنَا عَنَاقًا لَنَا جَذَعَةً هِيَ آحَبُ إِلَى مَنْ مَنْ مَنْ مَنْ الشَّعْبِيِّ عَنِ الْبَرَاءِ بَنِ عَازِبِ رَضِيَ اللهُ عَنْهُمَا قَالَ خَطَبَنَا النَّبِيُّ عَنِيْ عَنْ الْبَرَاءِ بَنِ عَازِبِ رَضِيَ اللهُ عَنْهُمَا قَالَ خَطَبَنَا النَّبِيُ عَنْ اللهِ عَنْدَا الصَّلَاةِ فَقَالَ الصَّلَاةِ فَقَالَ المَعْلَاةِ فَقَالَ الْبُوبُرُدَةَ بَنُ نِيَارٍ خَالُ الْبَرَاءِ يَا رَسُولُ النَّسُكَ وَمَنْ نَسَكَ قَبْلَ الصَّلَاةِ فَانِّهُ قَبْلَ الصَّلَاةِ وَعَرَفَتُ الصَّلَاةِ وَكَانُسُكَ لَهُ فَقَالَ الْبُوبُرُدَةَ بَنُ نِيَارٍ خَالُ الْبَرَاءِ يَا رَسُولُ اللهِ فَانِينَ نَسَكَ قَبْلَ الصَّلَاةِ وَعَرَفَتُ الصَّلَاةِ وَعَرَفَتُ اللهِ قَالَ الْبَرَاءِ يَا رَسُولَ اللهِ فَانِينَ نَسَكَ قَبْلَ الصَلَاةِ وَعَرَفَتُ اللهِ قَالَ شَاتُكُ شَاةً لَحْمِ قَالَ الْبَرَاءِ يَا رَسُولَ اللهِ فَانِينَ عَنْدَا عَنَاقًا لَنَا جَذَعَةً هِيَ احَبُّ إِلَى مَنْ شَاتَيْنَ الْقَرْمُ يَوْمُ اللهِ قَالَ شَاتِكُ شَاقًا لَنَا جَذَعَةً هِيَ احَبُّ إِلَى مَنْ شَاتَيْنَ الْقَيْمُ وَاللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْدَا عَنَاقًا لَنَا جَذَعَةً هِيَ احَبُّ إِلَى مَنْ شَاتَيْنَ الْقَرْمُ عَنِي قَالَ نَعَمْ وَلَنْ تَجْزِيَ عَنْ الْكَا لَاللهِ فَالْ عَنْهُ اللهُ عَنْدَا عَنَا لَا الْمَالِي الْمَالِقُ اللهُ عَنْدَا عَنَاقًا لَنَا جَذَعَةً هِيَ احَبُ إِلَى مَنْ شَاتَيْنِ الْقَتَجُرِيُ عَنِي قَالَ نَعَمْ وَلَنْ تَجْزِيَ عَنْ الْمَالِكُ فَا اللهُ عَلَى الْمَالِي الْمَالِي الْمَالِي الْمَالِي الْسَلَاقُ اللهُ الْمَالَةُ لَنَا جَذَعَةً هِيَ احَبُ إِلَى مَنْ شَاتَكُنُ الْفَالِي الْهُ الْمَالِي الْمَالِي اللهُ الْمَالِي الْمَالِي الْمَالِي اللهُ اللهُ الْمَالِي الْمَالِي الْمَالِقُولُ اللهِ الْمَالِي الْمَالَةُ الْمَالِي اللهِ الْمَالِي الْمَالِي اللهُ الْمَالِي الْمَالِي الْمَالِي الْمَالِي الْمَالِي الْمَلْمُ اللهُ الْمَالِي الْمَالِقُولُ اللهُ الْمُلْمَالِي الْمَالِي الْمَالِمُ الْمَالِمُ الْمَالِمُ الللهُ الْمَالِمُ الْمَالِمُ

১০৭ উসমান (র.).....বারাআ ইব্ন আযিব (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী করীম ক্রিল্ট্র .

ঈদুল আযহার দিন সালাতের পর আমাদের উদ্দেশ্যে খুত্বা দান করেন। খুত্বায় তিনি বলেন ঃ যে আমাদের মত সালাত আদায় করল এবং আমাদের মত কুরবানী করল, সে কুরবানীর রীতিনীতি যথাযথ পালন করল। আর যে ব্যক্তি সালাতের আগে কুরবানী করল তা সালাতের আগে হয়ে গেল, কিন্তু এতে তার কুরবানী হবে না। বারাআ-এর মামা আবূ বুরদাহ ইব্ন নিয়ার (রা.) তখন বললেন, ইয়া রাসূলাল্লাহ্! আমার জানামতে আজকের দিনটি পানাহারের দিন। তাই আমি পসন্দ করলাম যে, আমার ঘরে সর্বপ্রথম যবেহ করা হোক আমার বক্রীই। তাই আমি আমার বক্রীটি যবেহ করেছি এবং সালাতে আসার পূর্বে তা দিয়ে নাশ্তাও করেছি। নবী করীম ক্রিট্রের্ট্র বললেনঃ তোমার বক্রীটি গোশ্তের উদ্দেশ্যে যবেহ করা হয়েছে। তখন তিনি আরয় করলেন, ইয়া রাস্লাল্লাহ্! আমাদের কাছে এমন একটি ছয় মাসের মেষ শাবক আছে যা আমার কাছে দু'টি বকরীর চাইতেও পসন্দনীয়। এটি (কুরবানী দিলে) কি আমার জন্য যথেষ্ট হবে ? তিনি বললেন ঃ হাা, তবে তুমি ব্যতীত অন্য কারো জন্য যথেষ্ট হবে না।

# ٦٠٧. بَابُ الْفُرُوجِ الِي الْمُصلِّلِي بِفَيْرِ مِنْبَرٍ

৬০৭ . অনুচ্ছেদ ঃ মিম্বর না নিয়ে ঈদগাহে গমণ।

٩٠٨ حَدُّثَنَا سَعْيِدُ بُنُ آبِي مَرْيَمَ قَالَ حَدُّثَنَا مُحَمَّدُ بُنُ جَعْفَرٍ قَالَ آخُبرَنِي زَيدُ عَنْ عِياضِ بَنِ عَبْدِ اللهِ بَنِي سَرْحٍ عَنْ آبِي سَعْيْدٍ الْخُدْرِيِّ قَالَ كَانَ رَسُولُ اللهِ عَلَيْ يَخْسِرُجُ يَكُمَ الْفِطْرِ وَالْاَخْسِحُى اللّهِ الْمُصَلّى فَاولُ شَيْمٍ يَبْسَدَأُ بِهِ الصَّلاَةُ ثُمُّ يَنْصَرِفُ فَيَقُومُ مُقَابِلَ النَّاسِ وَالنَّاسُ جَلُوسُ عَلَى صَفُوْفَهِمُ الْسَعْدُ وَيُوصِيْهِمْ وَيَثْمُرُهُمْ فَانِ كَانَ يُرِيدُ أَنْ يَقْطَعَ بَعَثًا قَطَعَهُ آوَيَثُمُرَ بِشَيْرٍ آمَرَبِهِ ثُمُّ يَنْصَرِفُ قَالَ آبُو سَعِيْدٍ فَلَمْ يَزَلِ النَّاسُ عَلَى ذَٰلِكَ حَتَّى خَرَجْتُ مَعَ مَرْوَانَ وَهُو آمِيْرُ الْمَدِينَةِ فِي آخُدُحَى آوَفِطْرٍ فَلَمَا أَتَيْنَا سَعِيْدٍ فَلَمْ يَزَلِ النَّاسُ عَلَى ذَٰلِكَ حَتَّى خَرَجْتُ مَعَ مَرْوَانَ وَهُو آمِيْرُ الْمَدِينَةِ فِي آخُدُحَى آوَفِطْرٍ فَلَمَا أَتَيْنَا السَعْيَدِ فَلَمْ يَزَلِ النَّاسُ عَلَى ذَٰلِكَ حَتَّى خَرَجْتُ مَعَ مَرْوَانَ وَهُو آمِيْرُ الْمَدينَةِ فِي آخُدَحَى آوَفِطْرٍ فَلَمَا أَتَيْنَا الْمَاسُونَ بَنَاهُ كَثِيرُ بُنَاهُ كَثِيرُ بُنَ الصَلْتِ فَازِا مَرُوانَ يُرِيْدُ أَنْ يَرْتَقِيّهُ قَبْلَ آنَ يُصَلّى فَجَبَدَتُ بِثُوبَةٍ فَجَبَدَتُ بِثُوبَةٍ فَجَبَدَتُ اللّهِ ، فَقَالَ آبًا سَعِيْدٍ قَدُ ذَهَبَ مَا تَعْلَمُ فَقُلْتُ مَا آعُلُمُ وَاللّهِ عَيْرَاتُهُ مَلُ الْ آلَا الصَلْرَةِ ، فَقَالَ آنَ النَّاسَ لَمْ يَكُونُوا يَجُلِسُونَ لَنَا بَعْسَدَ الصَّلَاةِ فَجَعَلْتُهَا قَبُلَ الصَلْاةِ .

করীম করীম কর্মান হব্ন আবু মারয়াম (র.)......আবু সায়ীদ খুদ্রী (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী করীম কর্মাদ ইব্ন ফাতুর ও ঈদুল আযহার দিন ঈদগাহে গমন করে সেখানে তিনি প্রথম যে কাজ শুরু করতেন তা হল সালাত। আর সালাত শেষ করে তিনি লোকদের দিকে মুখ করে দাঁড়াতেন এবং তাঁরা তাঁদের কাতারে বসে থাকতেন। তিনি তাঁদের নসীহত করতেন, উপদেশ দিতেন এবং নির্দেশ দান করতেন। যদি তিনি কোন সেনাদল পাঠাবার ইচ্ছা করতেন, তবে তাদের আলাদা করে নিতেন। অথবা যদি কোন বিষয়ে নির্দেশ জারী করার ইচ্ছা করতেন তবে তা জারি করতেন। তারপর তিনি ফিরে যেতেন। আবু সায়ীদ (রা.) বলেন, লোকেরা বরাবর এ নিয়মই অনুরসরণ করে আসছিল। অবশেষে যখন মারওয়ান মদীনার আমীর হলেন, তখন ঈদুল আযহা বা ঈদুল ফিত্রের উদ্দেশ্যে আমি তাঁর সঙ্গে বের হলাম। আমরা যখন ঈদগাহে পৌছলাম তখন সেখানে একটি মিম্বর দেখতে পেলাম, সেটি কাসীর ইব্ন সাল্ত (রা.) তৈরী করেছিলেন। মারওয়ান সালাত আদায়ের আগেই এর উপর আরোহণ করতে উদ্যত হলেন। আমি তাঁর কাপড় টেনে ধরলাম। কিন্তু তিনি কাপড় ছাড়িয়ে খুত্বা দিলেন। আমি তাকে বললাম, আল্লাহ্র কসম। তোমরা (রাস্লের সুন্নাত) পরিবর্তন কল্প ফেলেছ। সে বলল, হে আবু সায়ীদ। তোমরা যা জানতে, তা গত হয়ে গিয়েছে। আমি বললাম, আল্লাহ্র কসম। আমি যা জানি, তা তার চেয়ে ভাল, যা আমি জানি না। সে তখন বলল, লোকজন সালাতের পর আমাদের জন্য বসে থাকে না, তাই আমি খুত্বা সালাতের আগেই দিয়েছি।

# ٦٠٨. بَابُ الْمَشْنَى وَالرُّكُوبِ إِلَى الْعِيْدِ وَالصَّلاَةِ قَبْلَ الْخُطْبَةَ بِغَيْرِ أَذَانٍ وَلاَ إِقَامَةٍ

৬০৮. অনুচ্ছেদ ঃ পায়ে হেঁটে বা সাওয়ারীতে আরোহণ করে ঈদের জামাআতে যাওয়া এবং আযান ও ইকামত ছাড়া খুত্বার পূর্বে সালাত আদায় করা।

٩٠٩ حَدَّثَنَا ابْرَاهِيْمُ بْنُ الْمُنْذِرِ قَالَ حَدَّثَنَا انْسُ عَنْ عُبِيدِ اللهِ عَنْ نَافِعٍ عَنْ عَبْدِ اللهِ بْنِ عُمَرَ انَّ وَسُولَ اللهِ عَنْ نَافِعٍ عَنْ عَبْدِ اللهِ بْنِ عُمَرَ انَّ رَسُولَ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ عَلْمَ اللهِ عَنْ الْمَسْدَى وَالْفَطْرِ ثُمَّ يَخُطُبُ بَعْدَ الصَّلاَةِ .

৯০৯ ইব্রাহীম ইব্ন মুন্যির (র.)......আবদুল্লাহ্ ইব্ন উমর (রা.) থেকে বর্ণিত যে, রাসূলুল্লাহ্ 📆

করীম ক্রিন্থাই সদুল ফিত্রের দিন বের হতেন। এরপর খুত্বার আগে সালাত শুরু করেন। রাবী বলেন, নবী করীম ক্রিন্থাই সদুল ফিত্রের দিন বের হতেন। এরপর খুত্বার আগে সালাত শুরু করেন। রাবী বলেন, আমাকে আতা (র.) বলেছেন যে, ইব্ন যুবায়র (রা.) এর বায় আত গ্রহণের প্রথম দিকে ইব্ন আব্বাস (রা.) এ বলে লোক পাঠালেন যে, ঈদুল ফিত্রের সালাতে আযান দেওয়া হত না এবং খুত্বা দেওয়া হতো সালাতের পরে। জাবির ইব্ন আবদুল্লাহ্ (রা.) থেকে এ-ও বর্ণিত আছে যে, নবী ক্রিট্রেণ্ডাইর প্রথমে সালাত আদায় করলেন এবং পরে লোকদের উদ্দেশ্যে খুত্বা দিলেন। যখন নবী ক্রিট্রেণ্ডাইর প্রথমে সালাত আদায় করলেন এবং পরে লোকদের উদ্দেশ্যে খুত্বা দিলেন। যখন নবী ক্রিট্রেণ্ডাইর প্রত্বা শেষ করলেন, তিনি (মিম্বর থেকে) নেমে মহিলাগণের (কাতারে) কাছে আসলেন এবং তাঁদের নসীহত করলেন। তখন তিনি বিলাল (রা.)-এর হাতে ভর করেছিলেন এবং বিলাল (রা.) তাঁর কপড় জড়িয়ে ধরলে, মহিলাগণ এতে সাদাকার বস্তু দিতে লাগলেন। আমি আতা (র.)-কে জিজ্ঞাসা করলাম, আপনি ক এখনো যরুরী মনে করেন যে, ইমাম খুত্বা শেষ করে মহিলাগণের নিকট এসে তাদের নসীহত করবেন ? তিনি বললেন, নিশ্চয় তা তাদের জন্য অবশ্যই যরুরী। তাদের কি হয়েছে যে, তাঁরা তা করবে না ?

## ٦٩. بَابُ الْخُطْبَةِ بَهْدَ الْمِيْدِ

### ৬০১. অনুচ্ছেদ ঃ ঈদের সালাতের পর খুত্বা।

٩١١ حَدَّثَنَا اَبُنَّ عَاصِيمٍ قَالَ اَخْسِرَنَا ابْنُ جُريجٍ قَالَ اَخْسِرَنِي الْحَسِنُ بْنُ مُسْلِمٍ عَنْ طَافُسٍ عَنِ ابْنِ عَبَّاسٍ قَالَ شَهِدْتُ اللهِ عَنْهُمْ فَكُلُّهُمْ كَانُوا عُبَّاسٍ قَالَ شَهِدْتُ النَّهِ عَنْهُمْ فَكُلُّهُمْ كَانُوا يُصِلُونَ قَبْلَ الْخُطَبَة ،

৯১১ আবু আসিম (র.).....ইব্ন আব্বাস (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আমি রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্রের আবু বক্র, উমর এবং উসমান (রা.)-এর সঙ্গে সালাতে হাযির ছিলাম। তাঁরা সবাই খুত্বার আগে সালাত আদায় করতেন।

٩١٢ حَدَّثَنَا يَعْقُوبُ بْنُ ابْرَاهِيمَ قَالَ حَدَّثَنَا أَبُو اُسَامَةَ قَالَ حَدَّثَنَا عُبَيْدُ الله عَنْ نَافِعٍ عَنِ ابْنِ عُمَرَ قَالَ كَانَ رَسُولُ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْهُمَا يُصَلُّونَ الْعَيْدَيْنِ قَبْلَ الْخُطْبَةِ ،

৯১২ ইয়াকৃব ইব্ন ইব্রাহীম (র.).....ইব্ন উমর (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী করীম क্রিট্রি আবু বক্র এবং উমর (রা.) উভয় ঈদের সালাত খুত্বার পূর্বে আদায় করতেন।

৯১৩ সুলাইমান ইব্ন হারব (র.).....ইব্ন আব্বাস (রা.) থেকে বর্ণিত যে, নবী করীম ক্রিট্রেই ঈদুল ফিত্রে দু' রাকা'আত সালাত আদায় করেন। এর আগে ও পরে কোন সালাত আদায় করেননি। তারপর বিলাল (রা.)-কে সঙ্গে নিয়ে মহিলাগণের কাছে এলেন এবং সাদাকা প্রদানের জন্য তাদের নির্দেশ দিলেন। তখন তাঁরা দিতে লাগলেন। কেউ দিলেন আংটি, আবার কেউ দিলেন গলার হার।

٩١٤ حَدَّثَنَا أَدَمُ قَالَ حَدَّثَنَا شُعْبَةً قَالَ حَدَّثَنَا رُبَيْدُ قَالَ سَمِعْتُ الشَّعْبِيُّ عَنِ الْبَرَاءِ بَنِ عَازِبٍ قَالَ قَالَ النَّبِيُّ عَلَيْ النَّهِ الْ الْمَا الْمُ الْمُالِمُ الْمَا الْمُلْمِ الْمَا الْمُلْمُ اللّهُ اللّهُ الْمُلْمَا الْمُلْمُ الْمُلْمُ الْمُا الْمُلْمُ اللّهُ الْمُلْمُ اللّهُ الْمُعْمَالِي الْمُلْمُ الْمُلْمُ اللّهُ الْمُلْمُ اللّهُ الْمُلْمُ الْمُلْمُ اللّهُ الْمُلْمُ الْمُلْمُ اللّهُ الْمُلْمُ اللّهُ الْمُلْمُ اللّهُ الْمُلْمُ الْمُلْمُ اللّهُ الْمُلْمُ اللّهُ الْمُلْمُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الْمُلْمُ اللّهُ الْمُلْمُ اللّهُ اللّه

৯১৪ আদম (র.).....বারাআ ইব্ন আযিব (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী করীম ক্রান্ত্রী বলেছেন ঃ আজকের এ দিনে আমাদের প্রথম কাজ হচ্ছে সালাত আদায় করা। এরপর আমরা (বাড়ী) ফিরে আসব এবং কুরবানী করব। কাজেই যে ব্যক্তি তা করল, সে আমাদের নিয়ম পালন করল। যে ব্যক্তি সালাতের আগে কুরবানী করল, তা তথু গোশ্ত বলেই গন্য হবে, যা সে পরিবারবর্গের জ্বন্য আগেই করে ফেলেছে। এতে কুরবানীর কিছুই নেই। তখন আবৃ বুরদা ইব্ন নিয়ার (রা.) নামক এক আনসারী বললেন, ইয়া রাস্লাল্লাহ্! আমি তো (আগেই) যবেহ করে ফেলেছি। এখন আমার নিকট এমন একটি মেষ শাবক আছে যা এক বছর বয়সের মেষের চাইতে উৎকৃষ্ট। তিনি বললেন, সেটির স্থলে এটাকে যবেহ্ করে ফেল। তবে তোমার পর অন্য কারো জন্য তা যথেষ্ট হবে না।

• ٦١، بَابُ مَا يَكُرُهُ مِنْ حَمْلِ السِّلاَحِ فِي الْعِيْدِ وَالْحَرَمِ ، وَقَالَ الْحَسنَ نُهُوا أَنْ يَحْملُوا السِّلاَحَ يَـــ وَمَ عَنْدًا لِا أَنْ يَخْافُوا عَدُوا

৬১৫. অনুচ্ছেদ ঃ ঈদের জামা'আতে এবং হারাম শরীক্ষে অন্তরহণ নিষিদ্ধ। হাসান বাসরী রে.) বলেছেন, শত্রুর ভয় ব্যতীত ঈদের দিনে অন্ত বহণ করতে তাদের নিষেধ করা হয়েছে।

٩١٥ حَدُثْنَا زَكَرِيًا مُ بُنُ يَحْسِلِى آبُو السُّكَيْنِ قَالَ حَدُثْنَا الْمُحَارِبِيُّ قَالَ حَدُثْنَا مُحَمَّدُ بَنُ سُوْقَةً عَنَ سَعِيْدِ بَنِ جُبَيْرٍ قَالَ كُنْتُ مَعَ ابْنِ عُمْرَ حَيْنَ اَصَابَهُ سِنَانُ الرُّمْحِ فِي اَخْمَسِ قَدَمِهِ فَلَزِقَتْ قَدَمُهُ بِالرِّكَابِ سَعَيْدِ بَنِ جُبَيْرٍ قَالَ كُنْتُ مَعَ ابْنِ عُمْرَ حَيْنَ اَصَابَهُ سِنَانُ الرُّمْحِ فِي اَخْمَسِ قَدَمِهِ فَلَزِقَتْ قَدَمُهُ بِالرِّكَابِ فَفَالَ ابْنُ عُمْرَ فَقَالَ الْمُجَاجُ فَقَالَ ابْنُ عُمْرَ فَقَالَ الْبُنُ عُمْرَ فَقَالَ ابْنُ عُمْرَ الْمَبْتَنِيُ قَالَ وَكَيْفَ قَالَ الْمَالِكَ فَقَالَ البُنُ عُمْرَ لَمْ يَكُنْ يُحْمِلُ فِيهِ وَادَخَلَتَ السَلِاحَ الْحَرَمَ وَلَمْ لَمُ يَكُنْ يُحْمِلُ فِيهِ وَادَخَلَتَ السَلِاحَ الْحَرَمَ وَلَمْ يَكُنْ يُحْمِلُ فِيهِ وَادَخَلَتَ السَلِاحَ الْحَرَمَ وَلَمْ يَكُنْ يُحْمِلُ فِيهِ وَادَخَلَتَ السَلِاحَ الْحَرَمَ وَلَمْ

মিঠি যাকারিয়া ইব্ন ইয়াহ্ইয়া আবৃ সুকাইন (র.)......সায়ীদ ইব্ন জুবাইর (রা.) থেকে বর্ণিড, তিনি বলেন, আমি ইব্ন উমর (রা.)-এর সংগে ছিলাম যখন বর্ণার অগ্রভাগ তাঁর পায়ের তলদেশে বিদ্ধ হয়েছিল। ফলে তাঁর পা রেকাবের সাথে আটকে গিয়েছিল। আমি তখন নেমে সেটি টেনে বের করে ফেললাম। এ ঘটে ছিল মিনায়। এ সংবাদ হাজ্জাজের নিকট পৌছলে তিনি তাঁকে দেখতে আসেন। হাজ্জাজ বললো, যদি আমি জানতে পারতাম কে আপনাকে আঘাত করেছে, (তাকে আমি শাস্তি দিতাম)। তখন ইব্ন উমর (রা.) বললেন, তুমিই আমাকে আঘাত করেছে। সে বলল, তা কি ভাবে ? ইব্ন উমর (রা.) বললেন, তুমিই সেদিন (ঈদের দিন) অস্ত্র ধারণ করেছ, যে দিন অস্ত্র ধারণ করা হত না। তুমিই অস্ত্রকে হারাম শরীফে প্রবেশ করিয়েছ, অথচ হারাম শরীফে কখনো অস্ত্র প্রবেশ করা হয় না।

٩١٦ حَدُّثُنَا آخُمَدُ بْنُ يَعْقُوبَ قَالَ حَدُّئْنِي السَّحْقُ بْنُ سَعِيْدِ بْنِ عَمْرِو بْنِ سَعِيْدِ ابْنِ الْعَاصِ عَنْ آبِيْهِ قَالَ الْحَجَّاجُ عَلَى ابْنِ عُمَرَ وَأَنَا عِبْدَهُ ، فَقَالَ كَيْفَ هُوَ فَقَالَ صَالِحُ فَقَالَ مَنْ آصابكَ قَالَ آصابنِي مَنْ أَصابنِي مَنْ أَصابنِي مَنْ أَصابنِي مَنْ أَمَر بِحَملِ السَّلاَحِ فِيْ يَوْمِ لاَ يَحِلُّ فِيهُ حَمْلُهُ يَعْنِي الْحَجَّاجُ .

৯১৬ আহ্মদ ইব্ন ইয়াকুব (র.). সায়ীদ ইব্ন আস (রা.)-এর পিতা থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, ইব্ন উমর (রা.)-এর নিকট হাজ্জাজ এলো। আমি তখন তাঁর কাছে ছিলাম। হাজ্জাজ জিজ্ঞাসা করলো, তিনি কেমন আছেন ? ইব্ন উমর (রা.) বললেন, ভাল। হাজ্জাজ জিজ্ঞাসা করলো, আপনাকে কে আঘাত করেছে? তিনি বললেন, আমাকে সে ব্যক্তি আঘাত করেছে,যে সে দিন অন্ত্র ধারণের আদেশ দিয়েছে,যে দিন তা ধারণ করা বৈধ নয়। অর্থাৎ হাজ্জাজ।

كَنَّا فَرَغْنَا فِي فَذِهِ السَّاعَةِ وَذَلِكَ عَبْنَ التَّسْبِيْعِ الْعَلَى الْمُعْلِدُ اللَّهِ اللَّهُ الل عرف اللَّهُ اللللَّهُ اللَّهُ الللْمُواللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللللْمُ اللَّهُ اللَّهُ اللللْمُلِمُ اللَ

٩١٧ حَدُّثَنَا سِلْيَمَانُ بُنُ حَرْبٍ قَالَ حَدُّثَنَا شُعْبَةُ عَنْ زُبَيْدٍ عَنِ الشَّعْبِيِّ عَنِ الْبَرَاءِ قَالَ خَطَبَنَا النَّبِيُّ

عَنْ الشَّعْبِيِّ عَنِ الْبَرَاءِ قَالَ النَّ اَوْلَ مَا نَدَأْ بِهِ فِي يَوْمَنِا هَٰذَا اَنْ نُصلِّي ثُمُّ نَرْجِعَ فَنَنَحَرَ فَمَنْ فَعَلَ لَٰلِكَ فَقَدُ عَنْ النَّسُكِ فِي شَنْ فَعَلَ لَٰلِكَ فَقَدُ اصَابَ سُنُقَتَنَا وَمَنْ ذَبَحَ قَبْلَ اَنْ يُصلِّي فَائِمًا هُوَ لَحُمُ عَجَّلَهُ لاَهْلِهِ لَيْسَ مِنَ النَّسُكِ فِي شَنْ فَعَلَ لَلِكَ فَقَدُ الْمِنْ بَنْ النِّسُكِ فِي شَنْ إِنَّا اللهِ اَنَا ذَبَحْتُ قَبْلَ اَنْ الصلي وَعِيْدِي جَذَعَةُ خَيْرُ مِنْ مُسِنَّةٍ قَالَ اجْعَلْهَا مَكَانَهَا اَوْ قَالَ اجْعَلْهَا اللهِ اللهُ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ

৯১৭ সুলাইমান ইব্ন হারব (র.).....বারাআ ইব্ন আযিব (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী করীম করাম করা বিন আমাদের উদ্দেশ্যে খুত্বা দেন। তিনি বলেন, আজকের দিনে আমাদের প্রথম কাজ হল সালাত আদায় করা। তারপর ফিরে এসে কুরবানী করা। যে ব্যক্তি এরপ করবে সে আমাদের নিয়ম পালন করল। যে ব্যক্তি সালাতের আগেই যবেহ্ করবে, তা ও ধু গোশ্তের জন্যই হবে, যা সে পরিবারের জন্য তাড়াতাড়ি করে ফেলেছে। কুরবানীর সাথে এর কোন সম্পর্ক নেই। তখন আমার মামা আবু বুরদা ইব্ন নিয়ার (রা.) দাঁড়িয়ে বললেন, ইয়া রাস্লাল্লাহ্! আমি তো সালাতের আগেই যবেহ্ করে ফেলেছি। তবে এখন আমার নিকট এমন একটি মেষশাবক আছে যা 'মুসিন্না' মেষের চাইতেও উত্তম। তখন নবী করীম বালনে ঃ তার স্থলে এটিই (কুরবানী) করে নাও। অথবা তিনি বললেন ঃ এটিই যবেহ্ কর। তবে তুমি ব্যতীত আর কারো জন্যই মেষশাবক যথেষ্ট হবে না।

১. মুসিন্না অর্থ যার বয়স এক বছর পূর্ণ হয়ে দিতীয় বছরে পড়েছে।

٦١٢. بَابُ فَضْلِ الْعَمَلِ فِي آيُّامِ التَّشْرِيْقِ وَقَالَ ابْنُ عَبَّاسٍ وَاذْكُرُوا اللَّهِ فِي آيًّامِ مَقُلُوْمَاتٍ آيًّامِ الْعَشْرِ وَالْاَيَّامُ النَّهُ فِي آيًّامِ النَّامُ الْعَشْرِ وَالْاَيَّامُ النَّامُ المَّامُ النَّامُ اللَّهُ اللَّامُ النَّامُ النَّامُ النَّامُ النَّامُ اللَّامُ اللَّهُ اللَّلَامُ اللَّهُ اللَّلَامُ اللَّلُولُكُمُ اللَّلُولُ اللَّهُ اللَّامُ اللَّلُولُ اللَّلَامُ اللَّامُ اللَّلَامُ اللَّلَامُ اللَّلَامُ اللَّلَامُ اللَّلَامُ اللِيَّامُ اللَّلَامُ اللَّلَامُ اللَّلَامُ اللَّامُ اللَّامُ اللَّلُولُ اللَّامُ اللَّامُ اللَّامُ اللَّامُ اللَّلُولُولُ اللَّامُ

كَارُكُونًا وَ اللّهُ فِي اَيَّامٍ مَعْلَوْمَات । ইব্ন আব্বাস (রা.) বলেন, वार्का के वार्का वार्का के वार

٩١٨ حَدُّتُنَا مُحَمَّدُ بُنُ عَرْعَرَةَ قَالَ حَدَّتُنَا شُعْبَةُ عَنْ سلَيْمَانَ عَنْ مُسُلِمِ الْبَطِيْنِ عَنْ سَعِيْدٍ بُنِ جُبَيْرِ عَنْ الْمَعَلُ فِي النَّبِيِ عَنْ النَّبِي عَنْ النَّبِي عَنْ النَّبِي عَنْ النَّبِي عَنْ النَّبِي عَنْ النَّبِي عَنْ الْعَمَلُ فِي النَّعِمَلُ فِي النَّامِ الْعَمَلُ فِي النَّمِ الْعَمَلُ فِي النَّهِ عَنْ النَّمِ الْعَمَلُ فِي الْمَالُ فِي النَّبِي عَنْ النَّبِي عَنْ النَّبِي عَنْ النَّبِي عَنْ النَّبِي عَنْ النَّبِي عَنْ النَّمِ الْعَمَلُ فِي النَّهِ الْمُ الْعَمَلُ مِنَ الْعَمَلُ فِي الْمَالُ فِي النَّامِ الْعَمَلُ مِنَ الْعَمَلِ فِي هَذِهِ قَالُوا وَلاَ الْجَهَادُ قَالَ وَلاَ الْجَهَادُ قَالَ مَا الْعَمَلُ فِي النَّهِ عَلَيْ اللَّهِ الْمَالُ فِي النَّهُ عَنْ النَّامُ الْعَمَلُ فِي اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَنْ اللَّهُ عَلَى الْمُ الْمُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى الْمُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى الْمُ اللَّهُ عَلَى الْمُعَلِّ عَلَى الْمُ اللَّهُ عَلَى الْمُ اللَّهُ عَلَى الْمُعَلِّ اللَّهُ عَلَى الْمُعَلِّ عَلَى الْمُ اللَّهُ عَلَى الْمُعَلِّ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى الْمُعَلِّ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللْمُعَلِّ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللْمُعَلِّ عَلَى اللْمُعَلِّ عَلَى اللْمُعَلِّ عَلَى اللْمُعَلِّ عَا

মঠ৮ মুহামদ ইব্ন আর'আরা (র)....ইব্ন আব্বাস (রা) থেকে বর্ণিত, নবী করীম ক্রিট্র বলেছেন ঃ যিলহাজ্জ মাসের প্রথম দশ দিনের আমল, অন্যান্য দিনের আমলের তুলনায় উত্তম। তাঁরা জিজ্ঞাসা করলেন, জিহাদও কি (উত্তম) নয় । নবী করীম ক্রিট্র বললেন ঃ জিহাদও নয়। তবে সে ব্যক্তির কথা স্বতন্ত্র, যে নিজের জান ও মালের ঝুঁকি নিয়েও জিহাদ করে এবং কিছুই নিয়ে ফিরে আসে না।

٦١٣. بَابُ التَّكْبِيْرِ اليَّامَ مِنِّى وَإِذَا غَدَا إِلَىٰ عَرَفَةَ وَقَالَ عُمَرُ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهُ يُكَبِّرُ فِي قَبْتِهِ بِمِنِّى فَيسْمَعُهُ اَهْلُ الْمَسْجِدِ فَيُكَبِّرُ وَيُكَبِّرُ وَهُلُ الْاَسْوَاقِ حَتَّى تَرْتَجُ مِنِّى تَكْبِيْرًا ، وَكَانَ ابْنُ عُمَرَ يُكَبِّرُ بِمِنَّى تِلْكَ الْمَيْدِ فَيكَبِرُ وَيَكْبِرُ بِمِنَّى تِلْكَ الْمَيْدِ وَيَكْبِرُ وَيَكْبِرُ بِمِنَّى تِلْكَ الْمَيْدِ وَيَكْبِرُ وَيَكْبِرُ وَهُلُ الْاَسْوَاقِ حَتَى تَرْتَح مِنْ تَكْبِيْرًا ، وَكَانَ ابْنُ عُمْرَ يَكْبِرُ بِمِنَّى تِلْكَ الْاَيْدُ وَيَعْرَفُوا وَعَلَى فَرَاشِهِ وَفِي فَسُطَاطِهِ وَمَجْلِسِهِ وَمَصْتَاهُ تَلْكَ الْاَيَّامَ جَمِيْعًا ، وَكَانَتُ مَيْمُونَةُ وَلَا الْمَيْدُولِ لَيَا إِي التَّشْرِيقِ مَعْ يَكُبِرُ يَوْمَ النَّالَ وَيَعْلَى فَلَا اللَّهُ عَلَى اللَّ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى الْمَعْلَى الْمَسْعِدِ وَكُنُ النِّسَاء وَكُلُكُ النِّكُ الْمَالَ عَلَى اللَّهُ عَلَى الْمُعْلِقُ عَلَى الْمَعْدِ فِي اللَّهُ عَلَى الْمُعْمَلِ اللَّهُ عَلَى الْمُعْلِقُ الْمَعْلِي الْمَعْلِي الْمَعْلِي اللَّهُ عَلَى الْمُعْلِى الْمُعْلِي اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى الْمُعْلِي اللَّهُ عَلَى الْمُعْلِى الْمُعْلِي اللَّهُ عَلَى اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ الْمُعَلِّى اللَّهُ اللَّهُ

৬১৬. অনুচ্ছেদ ঃ মিনা-এর দিনগুলোতে এবং সকালে আরাফায় যাওয়ার সময় তাক্বীর বলা। উমর (রা.) মিনায় নিজের তাবৃতে তাক্বীর বলতেন। মসজিদের লোকেরা তা শুনে

১. এ তাঁর নিজস্ব মত। অন্যান্য ইমামগণের মতে ওধু ফর্য সালাতের পরেই তাক্বীর বলতে হয়।

তারাও তাক্বীর বলতেন এবং বাজারের লোকেরাও তাক্বীর বলতেন। ফলে সমস্ত মিনা তাক্বীরের আওয়াযে গুঞ্জরিত হয়ে উঠত। ইব্ন উমর (রা.) সে দিনগুলোতে মিনায় তাক্বীর বলতেন এবং সালাতের পরে, বিছানায়, খীমায়, মজলিসে এবং চলার সময় এ দিনগুলোতে তাক্বীর বলতেন। মাইমূনা (রা.) কুরবানীর দিন তাক্বীর বলতেন এবং মহিলারা আবান ইব্ন উসমান ও উমর ইব্ন আবদুল আযীয (র.)—এর পিছনে তাশরীকের রাতগুলোতে মুসজিদে পুরুষদের সংগে সংগে তাক্বীর বলতেন।

٩١٠ حَدُّثَنَا أَبُو نُعَيْمٍ قَالَ حَدُّثَنَا مَالِكُ بْنُ أَنَسٍ قَالَ حَدُّثَنِي مُحَمَّدُ بْنُ أَبِي بَكْرِ الثَّقَفِيُّ، قَالَ سَأَلْتُ السَّالَةُ وَنَحُدُ غَادِيَانِ مِنْ مِنْ مِنْ مِنْ مِنْ مِنْ مَا اللَّهِ عَرَفَاتٍ عَنِ التَّلْبِيَةِ كَيْفَ كُنْتُمْ تَصْنَعُونَ مَعَ النَّبِي عَلِي قَالَ كَانَ يلَبِي السَّا وَنَحُنُ غَادِيَانِ مِنْ مِنْ مِنْ مَنِي اللهِ عَرَفَاتٍ عَنِ التَّلْبِيةِ وَيُكَبِّرُ المُكْبَرُ فَلاَ يُنْكُرُ عَلَيْهُ ،

৯১৯ আবৃ নু'আইম (র.)......মুহাম্মদ ইব্ন আবৃ বক্র সাকাফী (র.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আমরা সকাল বেলা মিনা থেকে যখন আরাফাতের দিকে যাচ্ছিলাম, তখন আনাস ইব্ন মালিক (রা.)- এর নিকট তালবিয়া সম্পর্কে জিজ্ঞাসা করলাম, আপনারা নবী করীম ক্রিট্রেই এর সঙ্গে কিরূপ করতেন ? তিনি বললেন, তাল্বিয়া পাঠকারী তালবিয়া পড়ত, তাকে নিষেধ করা হতো না। তাক্বীর পাঠকারী তাক্বীর পাঠ করত, তাকেও নিষেধ করা হতো না।

٩٢٠ حَدَّثَنَا مُحَمَّدُ حَدَّثَنَا عُمَرُ بَنُ حَفْصٍ قَالَ حَدَّثَنَا أَبِي عَنْ عَاصِمٍ عَنْ حَفْصَةَ عَنْ أُمَّ عَطِيَّةً قَالَتُ كُنَّا نُوْمَرُ آنْ نَخْرِجَ يَوْمَ الْعِيْدِ حَتَّى نُخْرِجَ الْبِكْرَ مِنْ خِدْرِهَا حَتَّى نُخْرِجَ الْحَيْضَ فَيَكُنُّ خَلْفَ النَّاسِ فَيُكَبِّرُنَ بِتَكْبِرِهِمْ وَيَدْعُونَ بِدُعَاهِمْ يَرْجُونَ بَرَكَةَ ذَلكَ الْيَوْم وَطُهْرَتَهُ .

৯২০ মুহাম্মদ (র.)......উশ্বে আতিয়্যা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, ঈদের দিন আমাদের বের হওয়ার আদেশ দেওয়া হত। এমন কি আমরা কুমারী মেয়েদেরকেও অন্দর মহল থেকে বের করতাম এবং ঋতুমতী মেয়েদেরকেও। তারা পুরুষদের পিছনে থাকতো এবং তাদের তাক্বীরের সাথে তাক্বীর বলতো এবং তাদের দু'আর সাথে দু'আ করত- তারা আশা করত সে দিনের বরকত এবং পবিত্রতা।

# ٦١٤. بَابُ الصُّلاَةِ إِلَى الْحَرْبَةِ يَثُمَّ الْعَيْدِ

৬১৪. অনুচ্ছেদ ঃ ঈদের দিন বর্শা সামনে পুতে সালাত আদায়।

٩٢١ حَدَّثَنَا مُحَمَّدُ بَنُ بَشَّارٍ قَالَ حَدَّثَنَا عَبْدُ الْوَهَّابِ قَالَ حَدَّثَنَا عُبَدُ اللهِ عَنْ نَافِعٍ عَنِ ابْنِ عُمَرَ اَنَّ ٩٢١ النَّبِيُّ عَالَى مَاللَهُ عَنْ نَافِعٍ عَنِ ابْنِ عُمَرَ اَنَّ النَّبِيُّ عَالَى مَاللَهُ كَانَ تُركَزُ الْحَرْبَةُ قُدَّامَهُ يَوْمَ الْفَطْرِ وَالنَّحْرِ ثُمَّ يُصلَّى ٠

৯২১ মুহাম্মদ ইব্ন বাশ্শার (র.).....ইব্ন উমর (রা.) থেকে বর্ণিত, ঈদুল ফিত্র ও কুরবানীর দিন নবী করীম ক্রিম্ম -এর সামনে বর্শা পুতে দেওয়া হত। তারপর তিনি সালাত আদায় করতেন।

# ٦١٥. بَابُ حَمْلِ الْعَنْزَةِ أَوِ الْحَرْبَةِ بَيْنَ يَدَى الْإِمَامِ يَثْمَ الْعِيْدِ

৬১৬. অনুচ্ছেদ ঃ ঈদের দিন ইমামের সামনে বল্লম অথবা বর্শা বহণ করা।

٩٢٢ حَدُّثَنَا ابْرَاهِيَهُ بُنُ الْمُنْذُرِ قَالَ حَدُّثَنَا أَبُو عَصْرِهِ قَالَ اَخْبَرَنِيْ نَافِعُ عَنِ ابْنِ عُمَرَ قَالَ كَانَ ١٤٤ عَدُّثَنَا ابْرُاهِيهُ عُمْرَ قَالَ كَانَ ١٤٤ عَدُّنَا ابْرُاهِيهُ عَمْرَ قَالَ كَانَ ١٤٤ عَدُّنَا الْبُوعَ عَمْرِ قَالَ اخْبَرَنِيْ نَافِعُ عَنِ ابْنِ عُمْرَ قَالَ كَانَ النَّهُ عَنْ الْمُصَلِّى الْمُصَلِّى وَالْغَنَزَةُ بَيْنَ يَدَيْهِ تُحْمَلُ وَتُنْصَبُ بِالْمُصَلِّى بَيْنَ يَدَيْهِ فَيُصَلِّي الْيُهَا . النَّبِي عَلَيْهُ الْمُصَلِّى الْمُعَلِّى الْمُعْلِى الْمُعْلِى الْمُعْلَى وَالْمُعْلِى الْمُعْلَى الْمُعْلِى الْمُعْلِى الْمُعْلَى الْمُعْلِي الْمُعْلَى الْمُعْلَى الْمُعْلَى الْمُعْلِى الْمُعْلَى الْمُعْلِي الْمُعْلِي الْمُعْلِى الْمُعْلَى الْمُعْلِى الْمُعْلَى الْمُعْلِي الْمُعْلَى الْمُعْلَى الْمُعْلَى الْمُعْلَى الْمُعْلَى الْمُعْلَى الْمُعْلَى الْمُعْلِى الْمُعْلِى الْمُعْلَى الْمُعْلِى الْمُعْلَى الْمُعْلَى الْمُعْلَى الْمُعْلَى الْمُعْلَى الْمُعْلِى الْمُعْلَى الْمُعْلَى الْمُعْلِى الْمُعْلَى الْمُعْلِى الْمُعْلِي الْمُعْلَى الْمُعْلَى الْمُعْلَى الْمُعْلَى الْمُعْلَى الْمُعْلِي الْمُعْلَى الْمُعْلَى الْمُعْلَى الْمُعْلَى الْمُعْلَى الْمُعْلَى الْمُعْلَى الْمُعْلَى الْمُعْلِي الْمُعْلِي الْمُعْلِي الْمُعْلِى الْمُعْلَى الْمُعْلَى الْمُعْلَى الْمُعْلَى الْمُعْلِي ا

৯২২ ইব্রাহীম ইব্ন মুন্যির (র.)....ইব্ন উমর (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী করীম क্রিট্রিয়েশন সকাল বেলায় ঈদগাহে যেতেন, তখন তাঁর সামনে বর্ণা বহণ করা হতো এবং তাঁর সামনে ঈদগাহে তা স্থাপন করা, হতো এবং একে সা্মনে রেখে তিনি সালাত আদায় করতেন।

# ٦١٢. بَابُ خُرُوجِ النِّسَاءِ وَالْحَيْضِ الِّي الْمُصلُّى

৬) ৬ . অনুচ্ছেদ ঃ মহিলাদের এবং ঋতুমতীদের ঈদগাহে গমন।

٩٢٣ حَدِّثْنَا عَبْدُ اللَّهِ بْنُ عَبْدِ الْوَهَّابِ قَالَ حَدَّثْنَا حَمَّادُ عَنْ اَيُّوبَ عَنْ مُحَمَّدٍ عَنْ أُمَّ عَطِيَّةً قَالَتُ أُمَرْنَا الْمُحَدِّجَ الْعَوَاتِقَ وَنَوْاتِ الْخُدُورِ وَعَنْ اَيُّوبَ عَنْ حَفْصَةً بِنَصُوهِ وَزَادَ فِي حَديثِ حَفْصةً قَالَ اَنْ تُخْرِجَ الْعَوَاتِقَ وَنَوَاتِ الْخُدُورُ وَيَعْتَزِلْنَ الْحُيْضُ الْمُصلِّى . قَالَت الْعَوَاتِقَ وَذَوَاتِ الْخُدُورُ وَيَعْتَزِلْنَ الْحُيْضُ الْمُصلِّى .

৯২০ আবদুল্লাহ্ ইব্ন আবদুল ওয়াহ্হাব (র.).....উমে আতীয়্যা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, (ঈদের সালাতের উদ্দেশ্যে) যুবতী ও পর্দানশীন মেয়েদের নিয়ে যাওয়ার জন্য আমাদের আদেশ করা হত। আইয়্যব-(র.) থেকে হাফ্সা (রা.) সূত্রে অনুরূপ বর্ণিত আছে এবং হাফ্সা (রা.) থেকে বর্ণিত রেওয়ায়েতে অতিরিক্ত বর্ণনা আছে যে, ঈদগাহে ঋতুমতী মহিলাগণ আলাদা থাকতেন।

# ٦١٧. بَابُ خُرُوعِ الصِّبْيَانِ إِلَى الْمُصلَّى

৬১৭. অনুচ্ছেদ ঃ বালকদের ঈদগাহে গমন।

٩٢٤ حَدَّثَنَا عَمْرُو بَنُ عَبَّاسٍ قَالَ حَدَّثَنَا عَبُدُ الرَّحْمَٰنِ حَدَّثَنَا سَفْيَانُ عَنْ عَبْدِ الرَّحْمَٰنِ قَالَ سَمِعْتُ ابْنُ عَبَّاسٍ قَالَ خَرَجْتُ مَعَ النَّبِيِ عَلِي لِي عَلَي بَوْمَ فِطْرِ اَوْ اَضْلَى فَصَلِّى ثُمَّ خَطَبَ ثُمَّ النِّسَاءَ فَوَعَظَهُنَّ وَنَعَرُهُنَ وَامَرَهُنُ بِالصَّدَقَة .

৯২৪ আমর ইব্ন আব্বাস (র.)....ইব্ন আব্বাস (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী করীম क्षिणी এর সঙ্গে ঈদুল ফিত্র বা আযহার দিন বের হলাম। তিনি সালাত আদায় করলেন। এরপর খুত্বা দিলেন। তারপর মহিলাগণের কাছে গিয়ে তাঁদের উপদেশ দিলেন, তাঁদের নসীহত করলেন এবং তাঁদেরকে সাদাকা দানের নির্দেশ দিলেন।

# ٦١٨. بَابُ اسْتِقْبَالِ الْإِمَامِ النَّاسَ فِي خُطْبَةِ الْمِيْدِ قَالَ أَبُوْسَمِيْدٍ قَامَ النَّبِي عَلِيَّ مُقَابِلَ النَّاسِ

৬১৮. অনুচ্ছেদ ঃ ঈদের খুত্বা দেওয়ার সময় মুসল্লীগণের দিকে ইমামের মুখ করে দাঁড়ানো। আবু সায়ীদ (রা.) বলেন, নবী করীম্ন্তুমুসল্লীগণের দিকে মুখ করে দাঁড়াতেন।

٩٢٥ حَدُثْنَا اَبُوْ نُعَيْمٍ قَالَ حَدُثْنَا مُحَمَّدُ بْنُ طَلْحَةً عَنْ زُبَيْدٍ عَنِ الشَّعْبِيِّ عَنِ الْبَرَاءِ قَالَ خَرَجَ النَّبِيُّ عَجَلِّهُ يَومَ اَضْحَى الِي الْبَقِيْعِ فَصَلَّى رَكْعَتَيْنِ ثُمَّ اَقْبَلَ عَلَيْنَا بِوَجُهِهِ وَقَالَ اِنَّ اَوَّلَ نُسكِنَا فِي يَوْمِنَا هَٰذَا اَنْ عَلَيْنَا بِوَجُهِهِ وَقَالَ اِنَّ اَوَّلَ نُسكِنَا فِي يَوْمِنَا هَٰذَا اَنْ عَجَلِهُ نَبَحَ اللهِ عَلَى اللهِ عَنْدِي جَدَعَةُ خَيسُرُ مِنْ مُسئِةً عَالَ يَارَسُولَ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ عَنْدِي جَدَعَةً خَيسُرُ مِنْ مُسئِةً عَالَ اللهِ عَنْدِي جَدَعَةً خَيسُرُ مِنْ مُسئِةً عَلَى اللهِ اللهُ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ اللهُ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهُولِ اللهُ ا

৯২৫ আবৃ নৃ'আইম (র.)....বারাআ (রা.) থেকে বর্ণিড, তিনি বলেন, একবার নবী করীম ক্রিল্র ঈদুল আযহার দিন বাকী (নামক কবরস্থানে) গমন করেন। তারপর তিনি দৃ' রাকা 'আত সালাত আদায় করেন এরপর আমাদের দিকে মুখ করে দাঁড়ালেন এবং তিনি বলেন, আজকের দিনের প্রথম ইবাদাত হল সালাত আদায় করা। এরপর (বাড়ী) ফিরে গিয়ে কুরবানী করা। যে ব্যক্তি এরূপ করবে সে আমাদের নিয়ম অনুযায়ী কাজ করবে। আর যে এর পূর্বেই যবেহ করবে তা হলে তার যবেহ হবে এমন একটি কাজ, যা সে নিজের পরবারবর্গের জন্যই তাড়াতাড়ি করে ফেলেছে, এর সাথে কুরবানীর কোন সম্পর্ক নেই। তখন এক ব্যক্তি (আবৃ বুরদা ইব্ন নিয়ার (রা.) দাঁড়িয়ে জিজ্ঞাসা করলেন, ইয়া রাসুলাল্লাহ্! আমি (তো সালাতের পূর্বেই) যবেহ করে ফেলেছি। এখন আমার নিকট এমন একটি মেষশাবক আছে যা পূর্ণবয়স্ক মেষের চাইতে উত্তম। (এটা কুরবানী করা যাবে কি ?) তিনি বললেন, এটাই যবেহ কর। তবে তোমার পর আর কারো জন্য তা যথেষ্ট হবে না।

# ٦١٩. بَابُ الْمَلَمِ بِالْمُصلَلَى

#### ৬৯৯. অনুচ্ছেদ ঃ ঈদগাহে চিহ্ন রাখা।

٩٢٦ حَدُّثُنَا مُسَدِّدٌ قَالَ حَدُّثُنَا يَحُيلَى عَنْ سُفْيَانَ قَالَ حَدُّثُنِي عَبُدُ الرَّحُمْنِ بْنُ عَابِسٍ قَالَ سَمِعْتُ ابْنَ عَبُّ الْمَعْدُ الْرَحُمْنِ بْنُ عَابِسٍ قَالَ سَمِعْتُ ابْنَ عَبُّ الْمَعْدُ وَلَوْلاً مَكَانِي مِنَ الصَّغْرِ مَا شَهِدُتُهُ حَتَّى اتَى الْعَلَمَ عَبُّاسٍ قَيْلَ لَهُ اَشْهِدُتُ الْعَيْدَ مَعَ النَّبِي عَلَيْ قَالَ نَعَمْ وَلَوْلاً مَكَانِي مِنَ الصَّغْرِ مَا شَهِدُتُهُ حَتَّى اتَى الْعَلَمَ النَّيِ عَنْدِ مَا شَهِدُتُهُ حَتَّى اتَى الْعَلَمُ الْعَلَمُ الْعَلَمُ الْعَلَمُ اللَّهُ فَوَعَظَهُنْ وَذَكَرَهُنُ النَّيْسَاءِ وَمَعَهُ بِلاَلُ فَوَعَظَهُنْ وَذَكَرَهُنُ اللَّهُ الْدَي عَنْدَ دَارِ كَثِيثُرِ بُنِ الصَّلَيْتُ فَصَلَّى ثُمَّ خَطَبَ ثُمَّ النِّسَاءِ وَمَعَهُ بِلاَلُ فَوَعَظَهُنْ وَذَكَرَهُنُ اللَّهُ الْمُعَلِي الْمَاءِ وَمَعَهُ بِلالًا فَوَعَظَهُنْ وَذَكَرَهُنُ

ি ১২৬ মুসাদ্দাদ (র.)......ইব্ন আব্বাস (রা.) থেকে বর্ণিত, তাঁকে জিজ্ঞাসা করা হয়, আপনি কি নবী করীম করী এন সংগে কখনো ঈদে উপস্থিত হয়েছেন । তিনি বললেন হাঁ। যদি তাঁর কাছে আমার মর্যাদা না থাকত তা হলে কম বয়সী হওয়ার কারণে আমি ঈদে উপস্থিত হতে পারতাম না। তিনি বের হয়ে কাসীর ইব্ন সালতের গৃহের কাছে স্থাপিত নিশানার কাছে এলেন এবং সালাত আদায় করলেন। এরপর খুত্বা দিলেন। তারপর তিনি মহিলাগণের নিকট উপস্থিত হলেন। তখন তাঁর সংগে বিলাল (রা.) ছিলেন। তিনি মহিলাগণের নিজ হাত বাড়িয়ে বিলাল (রা.)-এর কাপড়ে দান সামগ্রী ফেলতে দেখলাম। এরপর তিনি এবং বিলাল (রা.) নিজ বাড়ীর দিকে চলে গেলেন।

# • ٦٢، بَابُ مُنْعِظُةِ الْإِمَامِ النِّسِنَاءَ يَنْمُ الْعِيْدِ

৬২০. অনুচ্ছেদ ঃ ঈদের দিন মহিলাগণের প্রতি ইমামের উপদেশ দেওয়া।

٩٢٧ حَدُّنَا إِسْحُقُ بَنُ إِبْرَاهِيْمَ بَنِ نَصْرِ قَالَ حَدُّنَا عَبُدُ الرُّزَاقِ قَالَ حَدُّنَا ابْنُ جُرَيْمٍ قَالَ اَخْبَرَنِي عَطَاءُ عَنْ جَابِرِ بَنِ عَبْدِ اللهِ قَالَ سَمِعْتُهُ يَقُولُ قَامَ النّبِي عَيْظَةً يَوْمَ الْفِطْرِ فَصَلَّى فَبَدَا بِالصَّلَاةِ ثُمَّ خَطَبَ فَلَما فَرَغَ نَزَلَ فَاتَى النّسَاءَ فَذَكُرُهُنُ وَهُو يَتَوَكَّأُ عَلَى يَد بِلاَلٍ وَبِلاَلُ بَاسِطُ ثُوْبَهُ يُلْقِي فِيهِ النّسَاءُ الصَّدْقَةَ قَلْتُ النّسَاءُ الصَّدْقَةَ وَلَا السَّاءُ الصَّدْقَةَ وَلَمُ الْفِطْءِ زَكَاةَ يَوْمِ الْفِطْرِ قَالَ لاَ وَلَكُنْ صَدَقَةً يَتَصَدُّقُنَ حَيْنَذِ تُلْقِي فَتَحَهَا وَيُلْقِينَ قُلْتُ اَتُرى حَقًا عَلَى الْاللهِ وَيُذَكِّرُهُنُ قَالَ اللهُ لَحَقُ عَلَيْهِمْ وَمَا لَهُمْ لاَ يَقْعَلُونَهُ قَالَ الْبُن جُرَيْجٍ وَلَحْبَرَنِي الْحَسَنُ بَنْ مُسلِمِ عَنْ البُن وَيُكُونُ قَالَ اللهُ عَنْهُمْ يُصَلَّونَهَا قَالَ اللهُ عَنْهُمْ يُصَلِّ وَيُدَكِّرُهُنُ قَالَ اللهُ عَنْهُمْ يُصَلِّ وَيَدَكُرُهُنُ قَالَ اللهُ عَنْهُمْ يُصَلِّ وَلَيْكُ بَاسُولُ اللهُ عَنْهُمْ يُعَلِّ اللهُ عَنْهُمْ يُعِمِّ اللّهُ عَنْهُمْ يُعَلِّي الْمُعْلِقِ السِّيعَ عَلَى الْقَلْلُ يَا النّبِي عَلَى النّبِي عَلَى الْمُعْرَاقِ اللهُ عَنْهُمْ يُصَلِّ وَيُكَالِ يَسُقُونُهُ اللّهِ عَنْهُمْ يُعِلِّ لَا اللّهُ عَنْهُمْ يُصِلُّ اللّهُ عَنْهُمْ يُعِلَى اللّهُ عَنْهُمْ يُعْلَى اللّهُ عَلَيْهُ اللّهِ عَلَى اللّهُ عَنْهُمْ يُعْلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَنْهُمْ يُعْلِي اللّهُ عَلَيْهُمْ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَنْهُمْ يُعْلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَامُ اللّهُ عَلْهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَنْهُ عَلَى اللّهُ اللّهُ عَلْهُ عَلَى اللّهُ عَلْمُ اللّهُ عَلْمُ اللّهُ عَلْمُ اللّهُ عَلْمُ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلْمُ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلْهُ اللّهُ عَلْمُ اللّهُ عَلَيْتُ عَلَى السِّمِ اللّهُ عَلْمُ اللّهُ عَلْمُ اللّهُ اللّهُ عَلْهُ عَلَى اللّهُ عَلْمُ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلْمُ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلْمُ اللّهُ عَلَى اللّهُ اللّهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ اللّهُ

৯২৭ ইসহাক ইব্ন ইব্রাহীম ইব্ন নাসর (র.).....জাবির ইব্ন আবদুল্লাহ্ (রা.) থেকে বর্ণিত, নবী স্কুলু ফিত্রের দিন দাঁড়িয়ে সালাত আদায় করলেন, পরে খুত্বা দিলেন। খুত্বা শেষে নেমে

মহিলাগণের নিকট আসলেন এবং তাঁদের নসীহত করলেন। তখন তিনি বিলাল (রা.)-এর হাতের উপর ভর দিয়ে ছিলেন এবং বিলাল (রা.) তাঁর কাপড় প্রসারিত করে ধরলেন। মহিলাগণ এতে দান সামগ্রী ফেলতে লাগলেন (আমি ইব্ন জুরাইজ) আতা (র.)-কে জিজ্ঞাসা করলাম, এ কি ঈদুল ফিত্রের সাদাকা ? তিনি বললেন না, বরং এ সাধারণ সাদাকা যা তাঁরা ঐ সময় দিচ্ছিলেন। কোন মহিলা তাঁর আংটি দান করলে অন্যান্য ম হিলাগণও তাঁদের আংটি দান করতে লাগলেন। আমি আতা (র.)-কে (আবার), জিজ্ঞাসা করলাম, মহিলাগণকে উপদেশ দেওয়া কি ইমামের জন্য জব্দরী ? তিনি বললেন, অবশ্যই, তাদের উপর তা জরুরী। তাঁদের (ইমামগণ) কি হয়েছে যে, তাঁরা এর প করবেন না ? ইব্ন জুরাইজ (র) বলেছেন, হাসান ইব্ন মুসলিম (র.) তাউস (র) এর মাধ্যমে ইব্ন আব্বাস (রা.) থেকে আমার নিকট বর্ণনা করছেন। তিনি বলেছেন, নবী ক্রিট্রে আবৃ বক্র, উমর ও উসমান (রা.)-এর সংগে ঈদুল ফিত্রে আমি উপস্থিত ছিলাম। তাঁরা খুত্বার আগে সালাত আদায় করতেন, পরে খুত্বা দিতেন। নবী 🚟 বের হলেন, আমি যেন দেখতে পাচ্ছি তিনি হাতের ইশারায় (লোকদের) বসিয়ে দিচ্ছেন। এরপর তাদের কাতার ফাঁক করে অগ্রসর হয়ে মহিলাদের কাছে এলেন। বিলাল (রা) তাঁর সঙ্গে ছিলেন। তখন নবী النبيُّ اذَا جَاعَكَ ٱلمُؤْمَنَاتَ بِبَايِعَنَكَ الاية و তখন নবী الله إليُّهُ اللَّهُ إِن اللَّهُ اللَّالِي الللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ যখন ঈমানদার মহিলাগণ আপনার নিকট এ শর্তে বায় আত করতে আসেন.......(সুরা মুমতাহিনা ৪ ১২)। এ আয়াত শেষ করে নবী ক্রিট্রিই তাদের জিজ্ঞাসা করলেন, তোমরা এ বায় আতের উপর আছ ? তাঁদের মধ্যে একজন মহিলা বলল, হাঁ, সে ছাড়া আর কেউ এর জবাব দিল না। হাসান (র.) জানেন না, সে মহিলা কে ? এরপর নবী ক্রান্ত্রী বললেন ঃ তোমরা সাদাকা কর। সে সময় বিলাল (রা.) তাঁর কাপড় প্রসারিত করে বললেন, আমার মা-বাপ আপনাদের জন্য কুরবান হোক, আসুন, আপনারা দান করুন। তখন মহিলাগণ তাঁদের ছাট-বড় আংটি গুলো বিলাল (রা.)-এর কাপড়ের মধ্যে ফেলতে লাগলেন। আবদুর রায্যাক (র.) বলেন, 'الفتخ ' হলো বড় আংটি যা জাহেলী যুগে ব্যবহৃত হত।

# ٦٢١. بَابُ إِذَا لَمْ يَكُنْ لَهَا جُلِبَابُ فِي الْعَيْدِ

4\% حَدُثْنَا اَبُو مَعْمَرٍ قَالَ حَدُثُنَا عَبُدُ الْوَارِثِ قَالَ حَدُثْنَا اَبُولُ مَعْمَرٍ قَالَ حَدُثْنَا اللهِ عَبُدُ الْوَارِثِ قَالَ حَدُثْنَا اللهِ عَنْ حَفْصَةَ بِنُتِ سِيُرِيْنَ قَالَتُ كُنَّا نَمْنَعُ جَوَارِيْنَا اَنْ يَخْرُجُنَ يَوْمُ الْعَيْدِ فَجَاءِ امْرَأَةُ فَنَزَلَتُ قَصْرَ بَنِيْ خَلَفٍ فَاتَيْتُهَا فَحَدَّثُتُ اَنْ زَوْجَ اُخْتِهَا غَزَا مَعَ النّبِيِّ عَنَواتٍ فَقَالَتُ فَكُنَّا نَقُومُ عَلَى الْمَرْضَى مَعَ النّبِيِ عَنَواتٍ فَقَالَتُ فَكُنَّا نَقُومُ عَلَى الْمَرْضَى مَعَ النّبِي عَنَواتٍ فَقَالَتُ فَكُنَّا نَقُومُ عَلَى الْمَرْضَى مَعْ النّبِي عَنَواتٍ فَقَالَتُ فَكُنَّا نَقُومُ عَلَى الْمَرْضَى فَوَاتُ فَقَالَتُ عَرَوَةً فَكَانَتُ الْخُدُّتُهَا مَعُهُ فِي سِتِ غَزَواتٍ فَقَالَتُ فَكُنَّا نَقُومُ عَلَى الْمَرْضَى مَعْ النّبِي عَنَواتُ فَقَالَتُ عَرَوَةً فَكَانَتُ الْجُدُّتُهَا مَعُهُ فِي سِتِ غَزَواتٍ فَقَالَتُ فَكُنَّا نَقُومُ عَلَى الْمَرْضَى مُن النَّابِسُهَا فَدُومَتُ فَقَالَتُ يَارَسُولَ اللهِ عَلَى اجْدَانَا بَاسٌ اذَا لَمُ يَكُنُّ لَهَا جُلِبَابِهَا فَلَيْشَهُدُّنَ النَّيْسُ لَكُنَ الْمُؤْمِنِيْنَ ، قَالَتُ حَفْصَةُ فَلَمَّا قَدِمَتُ أَمُ عَطِيَّةً اَتَيْتُهَا صَاحِبَتُهَا مَنْ جُلِبَابِهَا فَلْيَشَهُدُنَ الْكَيْرُ وَ دَعْوَةً الْمُؤْمِنِيْنَ ، قَالَتْ حَفْصَةً فَلَمَّا قَدِمَتُ أُمْ عَطِيَّةَ اَتَيْتُهَا فَسَمَعْتِ فِي كَذَا وَلَتُ نَعَمْ بِأَبِي وَقَلَّمَا ذَكَرَتِ النَّبِي عَلَيْكًا اللهُ عَلَى لِيَخْسِمُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى مَا لَيْكُولُ لَكُولُولُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْكَ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى الله

الْعَوَاتِقُ نَوَاتُ الْخُدُورِ اَنْ قَالَ الْعَوَاتِقُ وَنَوَاتُ الْخُدُورِ شَكَّ اَيُّنْ وَالْحُيُّضُ وَيَعْتَزِلُ الْحُيْضُ الْمُصلِّى وَلَيْسَ الْحُيْضُ الْمُصلِّى وَلَيْسَ الْحَيْضُ الْمُصلِّى وَلَيْسَ الْحَيْضُ الْمُصلِّينَ ، قَالَتُ فَقُلْتُ لَهَا الْحُيْضُ قَالَتُ نَعَمُ الَيْسَ الْحَائِضُ تَشْهَدُ وَلَيْسَ الْحَائِضُ تَشْهَدُ عَرَفَاتِ وَتَشْهَدُ كَذَا وَتَشْهَدُ كَذَا وَتَشْهَدُ كَذَا

মিন্দ আৰু মা'মার (র.).....হাফসা বিন্ত সীরীন (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আমরা ঈদের দিন আমাদের যুবতীদের বের হতে নিষেধ করতাম। একবার জনৈক মহিলা এলেন এ বং বনু খালাফের প্রাসাদে অবস্থান করলেন। আমি তাঁর নিকট গেলে তিনি বললেন, তাঁর ভগ্নিপতি নবী ক্রিটা এলেন এবং বনু খালাফের প্রাসাদে অবস্থান করলেন। আমি তাঁর নিকট গেলে তিনি বললেন, তাঁর ভগ্নিপতি নবী ক্রিটা এলেন প্রহণ করেছেন, এর মধ্যে ছয়টি যুদ্ধে স্বয়ং তাঁর বোনও স্বামীর সাথে অংশ প্রহণ করেছেন, (মহিলা বলেন) আমার বোন বলেছেন, আমরা রুগুদের সেবা করতাম, আহতদের অংশ করতাম। একবার তিনি প্রশ্ন করেছিলেন, ইয়া রাস্লাল্লাহ্! যদি আমাদের কারো ওড়না না থাকে, তখন কি সে বের হবে না ? নবী ক্রিটাবললেন ঃ এ অবস্থায় তার বান্ধবী যেন তাকে নিজ ওড়না পরিধান করতে দেয় এবং এভাবে মহিলাগণ যেন কল্যাণকর কাজে ও মু'মিনদের দু'আয় অংশগ্রহণ করেন। হাফ্সা (রা.) বলেন, যখন উত্মে আতিয়া (রা.) এলেন, তখন আমি তাঁকে জিজ্ঞাসা করলাম যে, আপনি কি এসব ব্যাপারে কিছু শুনছেন ? তিনি বললেন হাঁ, হাফসা (র.) বলেন, আমার পিতা, রাস্লুল্লাহ্ ক্রিটা এর জন্য উৎসার্গিত হোক এবং তিনি যখনই রাস্লুল্লাহ্ ক্রিটা এর নাম উল্লেখ করতেন, তখনই এ কথা বলতেন। তাবুতে অবস্থান-কারিনী যুবতীগণ এবং ঋতুমতী মহিলাগণ যেন বের হন। তবে ঋতুমতী মহিলাগণ যেন সালাতের স্থান থেকে স রে থাকেন। তারা সকলেই যেন কল্যাণকর কাজে ও মু'মিনদের দু'আয় অংশগ্রহণ করেন। হাফ্সা (র.) বলেন, আমি তাকে বললাম, ঋতুমতী মহিলাগণও ? তিনি বললেন, হাঁ ঋতুমতী মহিলা কি আরাফাত এবং অন্যান্য স্থানে উপস্থিত হয় না ?

# ٦٢٢. بَابُ إِعْتِزَالِ الْمُيْضِ الْمُصلَلَى

৬২২. অনুচ্ছেদ ঃ ঈদগাহে ঋতুমতী মহিলাগণের পৃথক অবস্থান।

٩٢٩ حَدُّثْنَا مُحَمَّدُ بْنُ الْمُثَنِّى قَالَ حَدَّثْنَا ابْنُ ابِي عَدِي عَنِ ابْنِ عَوْنٍ مُحَمَّدٍ قَالَ قَالَتُ أَمُّ عَطِيَّةَ أَمْرِنَا ابْنُ عَوْنٍ مَنْ الْمُثَنِّى قَالَ قَالَتُ أَمُّ عَطِيَّةً أَمْرُنَا ابْنُ عَوْنٍ الْاَ وَالْعَوَاتِقَ نَوَاتِ الْخُدُورِ مَا الْمُدُورِ قَالَ ابْنُ عَوْنٍ اَنَّ الْعَوَاتِقَ نَوَاتِ الْخُدُورِ ، فَامَا الْمُنْ عَوْنٍ اَنَّ الْعَوَاتِقَ نَوَاتِ الْخُدُورِ ، فَامَا الْمُنْ عَوْنٍ الْمُنْ الْمُنْ وَدَعُونَا مُ وَيَعْتَزِلْنَ مُصَلَاهُمُ .

৯২৯ মুহাম্মাদ ইব্ন মুসান্না (র.)......উমে আতিয়্যা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, (ঈদের দিন) আমাদেরকে বের হওয়ার জন্য নির্দেশ দেওয়া হয়েছিল। তাই আমরা ঋতুমতী, যুবতী এবং তাঁবুতে অবস্থানকারীনী মহিলাগণকে নিয়ে বের হতাম। ইব্ন আওন (র.)-এর এক বর্ণনায় রয়েছে, অথবা তাঁবুতে অবস্থানকারীনী যুবতী মহিলাগণকে নিয়ে বের হতাম। অতঃপর ঋতুমতী মহিলাগণ মুসলমানদের জামা আত এবং তাদের দু আয় অংশ গ্রহণ করতেন। তবে ঈদগাহে পৃথকভাবে অবস্থান করতেন।

# ٦٢٣. بَابُ النَّصْرِ وَالدُّبْحُ يَنْمَ النَّصْرِ بِالْمُصلِّى

৬২৬. অনুচ্ছেদ ঃ কুরবানীর দিন ঈদগাহে নাহর ও যবেহ।

٩٣٠ حَدَّثَنَا عَبْدُ اللهِ ابْنُ يُوسُفَ قَالَ حَدَّثَنَا اللَّيْثُ قَالَ حَدَّثَنِيْ كَثْيِرُ بْنُ فَرْقَد عَنْ نَافِع عَنِ ابْنِ عُمَرَ أَنْ النَّبِيِّ عَالِيَّةٍ كَانَ يَنْحَرُ أَوْ يَذْبَحُ بِالْمُصلِّلِي .

৯৩০ আবদুলাহ্ ইব্ন ইউসুফ (র.).....ইব্ন উমর (রা.) থেকে বর্ণিত, নবী করীম ক্রিন্তি সদগাহে নাহর করতেন কিংবা যবেহু করতেন।

# ٦٢٤، بَابُ كَلاَمِ الْإِمَامِ وَالنَّاسِ فِي خُطْبَةِ الْعِيْدِ وَإِذَا سُئِلَ الْإِمَامُ عَنْ شَنْ وَهُو يَخْطُبُ

৬২৪. অনুচ্ছেদ ঃ ঈদের খুত্বার সময় ইমাম ও লোকদের কথ বলা এবং খুত্বার সময় ইমামের নিকট কোন প্রশ্ন করা হলে।

٩٣١ حَدُّثُنَا مُسَدَّدٌ قَالَ حَدُّثُنَا أَبُو الْاَحْوَصِ قَالَ حَدُّثُنَا مَنْصُورُ بُنُ الْمُعْتَمِرِ عَنِ الشَّعْبِيِّ عَنِ الْبَرَاءِ بُنِ عَازِبٍ قَالَ خَطَبَنَا رَسُولُ اللَّهِ عُلِيَّةٍ يَوْمَ النَّحْرِ بَعْدَ الصَّلاَةِ نَقَالَ مَنْ صَلَّى صَلاَتَنَا وَنَسَكَ نُسُكُنَا فَقَدُ بَنِ عَازِبٍ قَالَ خَطَبَنَا رَسُولُ اللَّهِ عَلِيَّةٍ يَوْمَ النَّحْرِ بَعْدَ الصَّلاَةِ فَقَامَ أَبُو بُرُدَةَ بُنُ نِيَارٍ فَقَالَ يَا رَسُولُ اللَّهِ وَاللَّهِ وَاللَّهِ الصَّلاَةِ وَعَرَفْتُ اَنَ الْيَوْمَ يَوْمُ اكْلٍ وَشُرُبٍ فَتَعَجَّلْتُ وَاكَثَتُ وَاطْعَمْتُ اهْلِيُ لَقَدُ نَسَكَتُ قَبْلَ الصَّلاَة وَعَرَفْتُ اَنَ الْيَوْمَ يَوْمُ اكْلٍ وَشُرُبٍ فَتَعَجَّلْتُ وَاكَلْتُ وَاطْعَمْتُ اهْلِيُ وَيَرَانِيْ فَقَالَ رَسُولُ اللَّهِ عَلَيْتُ مِنْ شَاتَى لَحْمٍ فَهَلُ وَجِيْرَانِيْ فَقَالَ رَسُولُ اللَّهِ عَلَيْتُ مِنْ شَاتَى لَحْمٍ قَالَ فَانَّ عَنْدِيْ عَنَاقَ جَذَعَةٍ هِي خَيْرُ مِنْ شَاتَى لَحْمٍ فَهَلُ تَجُزِيْ عَنَّ اللّهِ عَلَيْ اللّهِ عَلَيْكُ مَنْ اللّهِ عَلَيْكُ مَنْ اللّهِ عَلَيْكُولُ اللّهِ عَلَيْكُ مَنْ اللّه عَلْولُ اللّهِ عَلَيْكُ مَنْ الْتَالَ مَسُولُ اللّهِ عَلْكُ مَنْ الْمَالُولُ مَنْ عَنْ وَالْمَالُولُ مَنْ اللّهِ عَلْكُ مَا اللّه عَلْكُ مَا اللّهِ عَلْكُ مَا اللّهُ عَلْمُ وَالْ اللّهِ عَلَى اللّهُ عَلَى الْمَلْكُولُ عَنْكُ مَا اللّهُ عَلْمُ وَاللّهُ عَلَى الْمُعْمَلُولُ اللّهُ عَلْمُ وَلَا اللّهِ عَلْمُ وَاللّهُ اللّهُ عَلْمُ اللّهُ عَلْمُ وَلَا عَلْمُ وَلَا عَلْمُ اللّهُ عَلْمُ وَاللّهُ اللّهُ عَلْمُ وَلَا اللّهُ عَلْمُ اللّهُ عَلْمُ اللّهُ عَلْمُ وَلَا عَلْمُ اللّهُ عَلْمُ وَلَا اللّهُ عَلْمُ وَاللّهُ عَلْمُ اللّهُ اللّهُ عَلْمُ وَلَا اللّهُ اللّهُ عَلْمُ وَلَا اللّهُ عَلْمُ وَلَا اللّهُ عَلْمُ وَلَا اللّهُ عَلْمُ وَلَا اللّهُ اللّهُ اللّهُ عَلْمُ وَاللّهُ اللّهُ اللّهُ عَلْمُ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلْمُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ

মুসাদাদ (র.).....বারাআ ইব্ন আযিব (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, কুরবানীর দিন সালাতের পর রাস্লুলাহ্ ক্রিট্রে আমাদের সামনে খুত্বা দিলেন। খুত্বায় তিনি বললেন, যে আমাদের মত সালাত আদায় করবে এবং আমাদের কুরবানীর মত কুরবানী করবে, তার কুরবানী যথার্থ বলে গণ্য হবে। আর যে ব্যক্তি সালাতের পূর্বে কুরবানী করবে তার সে কুরবানী গোশ্ত খাওয়া ছাড়া আর কিছু হবে না। তখন আবু বুরদাহ্ ইব্ন নিয়ার (রা.) দাঁড়িয়ে বললেন, ইয়া রাস্লালাহ্! আল্লাহ্র কসম! আমি তো সালাতে বের হবার পূর্বেই কুরবানী করে ফেলেছি। আমি ভেবেছি যে, আজকের দিনটি তো পানাহারের দিন। তাই আমি তাড়াতাড়ি করে ফেলেছি। আমি নিজে খেয়েছি এবং আমরা পরিবারবর্গ ও প্রতিবেশীদেরকেও আহার করায়েছি। তখন রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্রেইবললেন ঃ ওটা গোশ্ত খাওয়ার বক্রী ছাড়া আর কিছু হয়নি। আবু বুরদা (রা.) বলেন, তবে আমার নিকট এমন একটি মেষ শাবক আছে যা দু'টো

(গোশ্ত খাওয়ার) বক্রীর চেয়ে ভাল। এটা কি আমার পক্ষে কুরবানীর জন্য যথেষ্ট হবেং তিনি বললেন, হাাঁ, তবে তোমার পরে অন্য কারো জন্য যথেষ্ট হবে না।

٩٣٢ حَدُّثَنَا حَامِدُ بَنُ عُمَرَ عَنْ حَمَّادِ بَنِ زَيْدٍ عَنْ اَيُّوبَ عَنْ مُحَمَّدٍ اَنَّ اَنَسَ بَنَ مَالِكٍ قَالَ اِنَّ رَسُولُ اللهِ عَلَيْ مَالِكٍ قَالَ اِنَّ رَسُولُ اللهِ عَلِيدَ ذَبْحَهُ فَقَامَ رَجُلُ مِنَ الْاَنْصَادِ اللهِ عَلِيدَ نَبْحَهُ فَقَامَ رَجُلُ مِنَ الْاَنْصَادِ فَقَالَ يَوْمَ النَّهِ عَلِيدَ اللهِ عَلِيدَ وَبُحَهُ فَقَامَ رَجُلُ مِنَ الْاَنْصَادِ فَقَالَ يَا رَسُولَ اللهِ جَيْدَانِ لِي اِمًا قَالَ بِهِمْ خَصَاصَةً ، وَإِمًّا قَالَ فَقَدُ وَانِي ذَبَحْتُ قَبُلَ الصَّلاَةِ وَعَيْدِي عَنَاقُ لِي اللهِ عَيْدَ اللهِ عَلَي اللهِ عَلْمَ اللهِ عَلْمَ اللهِ عَلَي اللهِ عَلَي اللهِ عَلَي اللهِ عَلَي اللهِ عَلْمَ اللهِ عَلْمَ اللهِ عَلْمَ اللهِ عَلْمَ اللهِ عَلْمَ اللهِ عَلَي اللهِ عَلْمَ اللهِ عَلَي اللهِ عَلَي اللهِ عَلَي اللهِ عَلْمَ اللهِ عَلَي اللهِ عَلَي اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلْمَ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهِ اللهِ عَلَي اللهِ عَلْمُ اللهِ عَلَيْ اللهِ اللهِ عَلَيْ اللهِ اللهِ عَلَيْ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ عَلَى اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهِلْ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ ال

১৩২ হামিদ ইব্ন উমর (র.)......আনাস ইব্ন মালিক (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, রাসূলুল্লাহ্ কুরবানীর দিন সালাত আদায় করেন, তারপর খুত্বা দিলেন। এরপর নির্দেশ দিলেন, যে ব্যক্তি সালাতের পূর্বে কুরবানী করেছে সে যেন পুনরায় কুরবানী করে। তখন আনসারগণের মধ্য থেকে এক ব্যক্তি দাঁড়িয়ে বলল, ইয়া রাসূলালাহ্! আমার প্রতিবেশীরা ছিল উপবাসী অথবা বলেছেন দরিদ্র। তাই আমি সালাতের পূর্বেই যবেহ্ করে ফেলেছি। তবে আমার নিকট এমন মেষশাবক আছে যা দু'টি হাইপুষ্ট বকরীর চাইতেও আমার নিকট অধিক পসন্দ সই। নবী করীম ক্রিট্রিট্র তাঁকে সেটা কুরবানী করার অনুমতি প্রদান করেন।

وَمَا النَّبِي عَلَيْ النَّبِي عَلَى اللّهِ وَمَنَ لَمْ يَذْبَحَ فَقَالَ مَنْ ذَبَحَ قَبَلَ اَنْ يُصلِّي فَلْيَذْبَحُ الْحَدِي مَكَانَهَا وَمَنْ لَمْ يَذْبَحُ فَقَالَ مَنْ ذَبَحَ قَبَلَ اَنْ يُصلِّي فَلْيَذْبَحُ الْحَدِي مَكَانَهَا وَمَنْ لَمْ يَذْبَحُ فَقَالَ مَنْ ذَبَحَ قَبْلَ اَنْ يُصلِّي فَلْيَذَبَحُ الْحَدِي مَكَانَهَا وَمَنْ لَمْ يَذْبَحُ فَلَيَذُبَحُ بِاشْمِ اللّهِ الله مَى يَعْبَدُ اللّهِ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهِ عَلَى اللّه عَلَى اللّهِ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُو

# ٦٢٥. بَابُ مَنْ خَالَفَ الطُّرِيْقَ إِذَا رَجْعَ يَوْمَ الْعَيْدِ

৬২৬. অনুচ্ছেদ ঃ ঈদের দিন ফিরার সময় যে ব্যক্তি ভিন্ন পথে আসে।

٩٣٤ حَدُّثَنَا مُحَمَّدُ قَالَ اَبُقَ تُمَيْلَةَ يَحْيَى بَنُ وَاضِحٍ عَنْ فُلَيْحِ بَنِ سِلَيْمَانَ عَنْ سَعِيْدِ بَنِ الْحَارِثِ عَنْ جَابِرٍ قَالَ كَانَ النَّبِيُ عَلِيْهِ إِذَا كَانَ يَوْمُ عِيْدٍ خَالَفَ الطَّرِيْقَ تَابَعَهُ يُونُسُ بَنُ مُحَمَّدٍ عَنْ فُلَيْحٍ عَنْ سَعِيْدٍ عَنْ اللّهِ عَنْ اللّهُ عَلَيْحِ عَنْ اللّهُ عَنْ اللّهُ عَنْ اللّهُ عَنْ اللّهُ عَنْ اللّهُ عَلَيْحٍ عَنْ اللّهُ عَلَيْحِ عَنْ اللّهُ عَلَيْحَ عَنْ اللّهُ عَلَيْكُمْ عَنْ اللّهُ عَلَيْكُمْ عَنْ اللّهُ عَلَيْكُمْ عَنْ اللّهُ عَلَيْكُمْ عَلَيْكُمْ عَلْكُمْ عَلَيْكُمْ عَلَيْكُمْ عَلَيْكُمْ عَلَيْكُمْ عَلَيْكُمْ عَلْكُمْ عَلَيْكُمْ عَلَيْكُمْ عَنْ اللّهُ عَلّهُ عَلَى اللّهُ عَلَيْكُمْ عَلَيْكُمْ عَلَى اللّهُ عَلَيْكُمْ عَلْكُمْ عَلَيْكُمْ عَنْ اللّهُ عَلَيْكُمْ عَلَيْكُمْ عَلْكُمْ عَلَيْكُمْ عَلَيْكُمْ عَلَيْكُمْ عَلَى اللّهُ عَلَيْكُمْ عَلَى اللّهُ عَلَيْكُمْ عَلَيْكُمْ عَلْكُمْ مُنْ عَلَيْكُمْ عَلِيكُمْ عَلَيْكُمْ عَلَيْكُمْ عَلَيْكُمْ عَلَيْكُمْ عَلَيْكُمْ عَلَيْكُمْ عَلْكُمْ عَلَيْكُمْ عَل

৯৩৪ মুহাম্মদ (র.)....জাবির (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী করীম ক্রিট্রেই ঈদের দিন (বাড়ী ফেরার সময় ) ভিন্ন পথে আসতেন। ইউনুস ইব্ন মুহাম্মদ (র.) আবূ হুরায়রা (রা.) থেকে হাদীস

বর্ণনায় আবৃ তুমাইলা ইয়াহ্ইয়া (র.) এর অনুসরণ করেছেন। তবে জাবির (রা.) থেকে হাদীসটি অধিকতর সহীহ্।

٦٢٢. بَابُ إِذَا فَاتَهُ الْعَيْدُ يُصِلِّى رَكَعَتَيْنِ وَكَذَالِكَ النِّسِاءُ وَمَنْ كَانَ فِي الْبُيْنَ وَالْقُرَى لِقَوْلِ النَّبِيِّ عَلَيْ الْبُيْنَ وَالْمُورَ السَّبُنُ مَالِكٍ مِثْلاَهُمُ إِبْنَ آبِيْ عُتْبَةَ بِالزَّاوِيَةِ فَجَمَعُ اَهْلَهُ وَيَنْفِهِ وَصَلَّى فَذَا عِيْدِنَا آهْلَ الْإِسْدَادَ وَمَا الْمُؤْدِ وَمَعَ الْمُلَاةُ وَالْمُورُونَ فِي الْعَيْدِ يُصِلُّونَ رَكُعَتَيْنِ كَمَا يَصَنَعُ كَصَلاَةً آهْلِ الْمِصْدِ وَتَكْبِيْرِهِمْ وَقَالَ عِكْرِمَةُ آهْلُ السَّوَادِ يَجْتَمِعُونَ فِي الْعَيْدِ يُصِلُّونَ رَكُعَتَيْنِ كَمَا يَصَنَعُ الْإِمَامُ وَقَالَ عَلَى مَكْمَ يَصَنَعُ الْمُؤْدِ وَاللّهُ اللّهُ وَاللّهُ عَلَى اللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَمَا لَا عَلَى اللّهُ وَاللّهُ مَلّ اللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَقَالَ عَلَى اللّهُ وَاللّهُ اللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ اللّهُ وَاللّهُ مِنْ اللّهُ وَاللّهُ اللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ اللّهُ اللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ اللل

৬২৬. অনুচ্ছেদ ঃ কেউ ঈদের সালাত না পেলে সে দু' রা'কাআত সালাত আদায় করবে।
মহিলা এবং যারা বাড়ী ও পল্লীতে অবস্থান করে তারাও এরূপ করবে। কেননা, নবী
করীম ক্রিল্ল বলেছেন ঃ হে মুসলিমগণ! এ হলো আমাদের ঈদ। আর আনাস ইব্ন
মালিক রো.) যাবিয়া নামক স্থানে তাঁর আযাদকৃত গোলাম ইব্ন আবু উত্বাকে এ
আদেশ করেছিলেন। তাই তিনি তাঁর পরিবারবর্গ ও সন্তান সন্ততিদের নিয়ে শহরের
অধিবাসীদের ন্যায় তাক্বীরসহ সালাত আদায় করেন এবং ইকরিমা রে.) বলেছেন,
গ্রামের অধিবাসীরা ঈদের দিন সমবেত হয়ে ইমামের ন্যায় দু' রাকা'আত সালাত
আদায় করবে। আতা রে.) বলেন, যখন কারো ঈদের সালাত ছুটে যায় তখন সে দু'
রাকা'আত সালাত আদায় করবে।

٩٣٥ حَدُّثَنَا يَحْلِي بْنُ بُكَيْرٍ قَالَ حَدَّثَنَا اللَّيثُ عَنْ عُقَيْلٍ عَنِ ابْنِ شِهَابٍ عَنْ عُرُوَةَ عَنْ عَادِّشَةَ اَنْ اَبَا بَكْرٍ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهُ دَخَلَ عَلَيْهَا وَعِنْدَهَا جَارِيَتَانِ فِي اَيًّامٍ مِنِّى تُدَفِّقَانِ وَتَخْسرِبَانِ وَالنَّبِيُ عَلِيلًا مُتَعَسَّ بِثُويِهِ فَاتْتَهَرَهُمَا اَبُو بِكُرٍ فَكَشَفَ النَّبِيُ عَنْ وَجُهِهِ فَقَالَ دَعْهُمَا يَا اَبَا بَكُرٍ فَانِّمَا اَيًّامُ عَيْدٍ وَتِلْكَ الْاَيَّامُ لَيْ عَنْ وَجُهِهِ فَقَالَ دَعْهُمَا يَا اَبَا بَكُرٍ فَانِّمَا اَيَّامُ عَيْدٍ وَتِلْكَ الْاَيَّامُ اللَّيْ عَنْ وَهُهِ فَقَالَ دَعْهُمَا يَا اَبَا بَكُرٍ فَانِّمَا اَيَّامُ عَيْدٍ وَتِلْكَ الْالْيَامُ اللَّهِ عَنْ وَهُهِ فَقَالَ دَعْهُمَا يَا اَبَا بَكُرٍ فَانِّمَا اَيًّامُ عَيْدٍ وَتِلْكَ الْاَيَّامُ اللَّهُ عَنْ وَهُولِهِ فَالْدَ عَائِشَةً وَهُمُ يَلْعَبُونَ فِي الْمَسْجِدِ اللَّامِي عَلَيْكُ دَعْهُمْ اللَّيْ عَلَيْكُ دَعْهُمْ الْمَنْ عَلَيْكُ مَنْ الْاَمْنِ .

১৩৫ ইয়াহ্ইয়া ইব্ন বুকাইর (র.)......আয়িশা (রা.) থেকে বর্ণিত, আবৃ বক্র (রা.) তাঁর নিকট এলেন। এ সময় মিনার দিবসগুলোর এক দিবসে তাঁর নিকট দু'টি মেয়ে দফ বাজাচ্ছিল, নবী করীম তাঁর চাদর আবৃত অবস্থায় ছিলেন। তখন আবৃ বক্র (রা.) মেয়ে দু'টিকে ধমক দিলেন। তারপর নবী করীম ক্রিট্রেই মুখমণ্ডল থেকে কাপড় সরিয়ে নিয়ে বললেন, হে আবৃ বক্র ! ওদের বাঁধা দিও না। কেননা, এসব ঈদের দিন। আর সে দিনগুলো ছিল মিনার দিন। আয়িশা (রা.) আরো বলেছেন, হাবশীরা

যখন মসজিদে (এর প্রাঙ্গণে) খেলাধূলা করছিল, তখন আমি তাদের দেখছিলাম এবং আমি দেখেছি, নবী করীম করীম আমাকে আড়াল করে রেখেছেন। উমর (রা.) হাবশীদের ধমক দিলেন। তখন নবী করীম বললেন, ওদের ধমক দিও না। হে বণু আরফিদা! তোমরা যা করছিলে তা নিচিন্তে কর।

٦٢٧. بَابُ الصَّلاَةِ قَبُلَ الْعِيْدِ وَبَعْدَهَا ، وَقَالَ أَبُو الْمُعَلِّى سَمِعْتُ سَعِيْدًا عَنِ ابْنِ عَبَّاسٍ كَرِهَ الصَّلاَةَ قَبْلَ الْعِيْدِ وَبَعْدَا عَنِ ابْنِ عَبَّاسٍ كَرِهَ الصَّلاَةَ قَبْلَ الْعِيْدِ وَبَعْدَا عَنِ ابْنِ عَبَّاسٍ كَرِهَ الصَّلاَةَ قَبْلَ الْعِيْدِ

৬২৭ . অনুচ্ছেদ ঃ ঈদের সালাতের পূর্বে ও পরে সালাত আদায় করা। আবৃ মু'আল্লা রে.) বলেন, আমি সায়ীদ রো.)-কে ইব্ন আব্বাস রো.) থেকে বলতে শুনেছি যে, তিনি ঈদের পূর্বে সালাত আদায় করা মাকরহু মনে করতেন।

وَمَنَا النَّبِيُ عَلَيْ الْوَلِيدِ قَالَ حَدَّثَنَا شُعْبَةً قَالَ حَدَّثَنِي عَدِي بَنُ ثَابِتٍ قَالَ سَمِعْتُ سَعَيْدَ بُنَ جُبَيْرٍ عَنِ الْبُرِ عَبْ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ عَلَيْ اللَّهُ اللَّهِ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ الللَّهُ اللَّهُ اللَّا الللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّا اللَّهُ اللّ

# ्रें। पूर्ण प्रोग्ने । विज्त

# بِسُمِ اللهِ الرُّحُمٰنِ الرُّحِيْمِ،

# অধ্যায় ঃ বিতর

# ٦٢٨. بَابُ مَا جَاءَ فِي الْوِيْدِ

৬২৮. অনুচ্ছেদ ঃ বিত্রের বিবরণ।

الله عَدُ الله بَن مَعْدَ الله بَن مَعْدَ الله بَن مَعْدَ الله بَن مَعْدَ الله عَن الله عَنْ الله عَن الله عَنْ الله عَن الله ع

الِي جَنْبِهِ فَوَضَعَ يَدَهُ الْيُمْنِي عَلَى رَأْسِي وَأَخَذَ بِأَذُنِي يَفْتِلُهَا ثُمَّ صَلَّى رَكْعَتَيْنِ ، ثُمَّ رَكْعَتَيْنِ ، ثُمَّ رَكْعَتَيْنِ ، ثُمَّ رَكْعَتَيْنِ ، ثُمَّ اضْطَجَعَ حَتَّى جَاءَهُ الْمُؤَذِّنُ فَقَامَ فَصَلِّى رَكْعَتَيْنِ ، ثُمَّ خَرَجَ فَصَلِّى الصَّبْحَ . فَصَلِّى الصَّبْحَ . فَصَلِّى الصَبْحَ .

৯৩৮ আবদুল্লাহ্ ইব্ন মাসলামা (র)......ইব্ন আব্বাস (রা) থেকে বর্ণিত, তিনি তাঁর খালা উন্মূল মু'মিনীন মাইমূনা (রা.)-এর ঘরে রাত কাটান। (তিনি বলেন) আমি বালিশের প্রস্তের দিক দিয়ে শয়ন করলাম এবং রাস্লুল্লাহ্ করলাম পর্যন্ত তাঁর পরিবার সেটির দৈর্ঘের দিক দিয়ে শয়ন করলেন। নবী করীম করলেন এবং রাস্লুল্লাহ্ করলেন। পরে তিনি সূরা আলে-ইমরানের (শেষ) দশ আয়াত তিলাওয়াত করলেন। তারপর রাস্লুল্লাহ্ করলেন। পরে তিনি সূরা আলে-ইমরানের (শেষ) দশ আয়াত তিলাওয়াত করলেন। তারপর রাস্লুল্লাহ্ করলেন। আমিও তাঁর মতই করলাম এবং তাঁর পাশেই দাঁড়ালাম। তিনি তাঁর ডান হাত আমার মাথার উপর রাখলেন এবং আমার কান ধরলেন। এরপর তিনি দু' রাকা'আত সালাত আদায় করলেন। এরপর দু' রাকা'আত, এরপর দু' রাকা'আত, এরপর দু' রাকা'আত, এরপর তিনি বিত্র আদায় করলেন। তারপর তিনি তার পালাত আদায় করলেন। তারপর দু' রাকা'আত সালাত আদায় করলেন।

٩٣٩ حَدَّثَنَا يَحْلَى بُنُ سُلَيْمَانَ قَالَ حَدَّثَنِى ابْنُ وَهُب قَالَ اَخْبَرَنِى عَمْرُو اَنَّ عَبُدَ الرَّحْمَٰنِ بُنَ الْقَاسِمِ حَدَّثَهُ عَنْ اَبِيْهِ عَنْ عَبْدِ اللهِ بْنِ عُمَرَ قَالَ قَالَ رَسُولُ اللهِ عَلَيْهِ صَلَاةُ اللَّيْلِ مَثَنَى مَثَنَى مَثَنَى فَاذِا اَرَدْتَ اَنْ تَنْصَرِفَ فَارْكَعْ رَكْعَة تُوتِرُ لَكَ مَا صَلَيْتَ قَالَ الْقَاسِمُ وَرَأَيْنَا أَنَاسًا مُنْذُ اَدْرَكْنَا يُوتِرُونَ بِثِلاَتْ وَإِنَّ كُلاً لَوَاسِعُ اَرْجُو اَنْ لاَ يَكُونَ بِشَكْرُ مِنْهُ بَاشُ .

১৩৯ ইয়াহ্ইয়া ইব্ন সুলাইমান (র.)......আবদুল্লাহ্ ইব্ন উমর (র.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, রাস্লুল্লাহ্নীবলেছেনঃ রাতের সালাত দু' দু' রাকা'আত করে। তারপর যখন তুমি সালাত শেষ করতে চাইবে, তখন এক রাকা'আত আদায় করে নিবে। তা তোমার পূর্ববর্তী সালাতকে বিত্র করে দিবে। কাসিম (র.) বলেন, আমরা সাবালক হয়ে লোকদের তিন রাকা'আত বিত্র আদায় করতে দেখেছি। উভয় নিয়মেরই অবকাশ রয়েছে। আমি আশা করি এর কোনটিই দোষনীয় নয়।

٩٤٠ حَدُّثَنَا اَبُو الْيَمَانِ قَالَ اَخْبَرَنَا شُعَيْبُ عَنِ الزُّهْرِيِّ عَنْ عُرُوةَ اَنْ عَائِشَةَ اَخْبَرَتُهُ اَنَّ رَسُولَ اللهِ عَلَى اللهِ اللهِ عَلَى اللهِ اللهِ عَلَى اللهِ اللهِ عَلَى اللهِ اللهُ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهِ اللهُ اللهِ اللهِ

৯৪০ আবুল ইয়ামান (র.)......আয়িশা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্রে এগার রাকা'আত সালাত আদায় করতেন। এ ছিল তাঁর রাত্রিকালীন সালাত। এতে তিনি এমন দীর্ঘ সিজ্দা করতেন যে, তাঁর মাথা উঠাবার আগে তোমাদের কেউ পঞ্চাশ আয়াত পড়তে পারে এবং ফ জরের সালাতের আগে তিনি আরো দু' রাকা'আত পড়তেন। তারপর তিনি ডান কাতে শুয়ে বিশ্রাম করতেন, সালাতের জন্য মুআয্যিনের আসা পর্যন্ত।

# ٦٢٩. بَابُ سَاعَاتِ الْوِثْرِ قَالَ أَبُنُ هُرَيْرَةَ أَنْ صَانِيَ النَّبِيُّ عَلَيْكَ بِالْوِثْرِ قَبْلَ النَّوْم

৬২৭ . অনুচ্ছেদ ঃ বিতরের সময়। আবূ হুরায়রা রো.) বলেন, নবী হ্লু আমাকে ঘুমানোর পূর্বে বিত্র আদায়ের নির্দেশ দিয়েছেন।

٩٤٢ حَدَّثَنَا عُمَرُ بَنُ حَفْصٍ قَالَ حَدَّثَنَا آبِي قَالَ حَدَّثَنَا ٱلْاَعْمَشُ قَالَ حَدِّثَنَى مُسْلِمُ عَنْ مَسْرُوقَ عَنْ عَسْرُوقَ عَنْ عَالَمْ عَنْ مَسْرُوقَ عِنْ عَالَمْ عَالَمْ عَالَمْ عَلَى اللهِ عَالِمُ عَلَى اللهِ عَالِمُ عَلَى اللهِ عَلَيْكُمُ وَاثْتَهَى وَثَرُهُ إِلَى السَّحَرِ • عَالْمُ اللهِ عَلَيْكُمُ وَاثْتَهَى وَثَرُهُ إِلَى السَّحَرِ •

১৪২ উমর ইব্ন হাফ্স (র.)......আয়িশা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, রাস্লুল্লাহ্নী রাতের সকল অংশে (অর্থাৎ ভিন্ন ভিন্ন রাতে ভিন্ন ভিন্ন সময়ে) বিত্র আদায় করতেন আর (জীবনের) শেষ দিকে সাহ্রীর সময় তিনি বিত্র আদায় করতেন।

# ه ٦٢٠. بَابُ ايْقَاظِ النَّبِيِّ عَلِينَ اهْلَهُ بِالْوِتْرِ

والله المعلق ال

৯৪৩ মুসাদ্দাদ (র.).....আয়িশা (রা.) থেকে বর্ণিড, তিনি বলেন, নবী করীম ক্রিট্রের্ট্র (রাতে) সালাত আদায় করতেন, তখন আমি তাঁর বিছানায় আড়াআড়িভাবে ঘুমিয়ে থাকতাম। এরপর তিনি যখন বিত্র পড়ার ইচ্ছা করতেন, তখন আমাকে জাগিয়ে দিতেন এবং আমিও বিত্র আদায় করে নিতাম।

# ٦٣١. بَابُ لِيَجْعَلُ أَخِرَ صَلَاتِهِ وِتِرًا

৬৩১. অনুচ্ছেদ ঃ রাতের সর্বশেষ সালাত যেন বিত্র হয়।

عَلَيْ عَنْ عَبْدِ اللهِ عَنْ عَبْدِ اللهِ حَدَّثَنَا مَسْدَّدُ قَالَ حَدَّثَنَا يَحْلَى بْنُ سَعِيْدٍ عَنْ عُبَيْدِ اللهِ حَدَّثَنِي نَافِعُ عَنْ عَبْدِ اللهِ عَنِ النَّبِي عَلَيْهُ عَنْ عَبْدِ اللهِ عَنْ عَبْدِ اللهِ عَنْ النَّبِي عَلَيْهُ عَنْ عَبْدِ اللهِ عَنْ عَبْدِ اللهِ عَنْ عَبْدِ اللهِ عَنْ النَّبِي عَلَيْهُ عَنْ عَبْدِ اللهِ عَنْ عَبْدِ اللهِ عَنْ النَّبِي عَلَيْهُ عَنْ عَبْدِ اللهِ عَنْ النَّبِي عَلَيْهُ عَنْ النَّبِي عَلَيْهُ عَنْ النَّبِي عَنْ عَبْدِ اللهِ عَنْ عَبْدِ اللهِ عَنْ عَبْدِ اللهِ عَنْ النَّبِي عَلَيْهِ اللّهِ عَنْ النَّبِي عَلَيْهِ اللّهِ عَنْ النَّبِي عَنْ عَبْدِ اللهِ عَنْ النّبِي عَنْ عَبْدِ اللهِ عَنْ عَبْدِ اللهِ عَنْ النّبِي عَلْمَا اللّهِ عَنْ النّبِي عَلْمَ اللهِ عَنْ النّبِي عَلْمَا اللّهِ عَنْ اللّهِ عَنْ اللّهِ عَنْ عَبْدِ اللهِ عَنْ النّبِي عَلْمَ اللهِ عَلَى اللّهِ عَنْ اللّهِ عَالِمُ اللّهِ عَنْ اللّهِ عَلْمَ اللّهِ عَلَى اللّهِ عَلَى اللّهِ عَلْمَ اللّهِ عَلْمَ اللّهِ عَلَى اللّهِ عَلَى اللّهِ عَلْمَ اللّهِ عَلَى اللّهِ عَلَى اللّهِ عَلَى اللّهِ عَلَى اللّهِ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهِ عَلَى اللّهِ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهِ عَلَى اللّهِ عَلْمُ اللّهُ عَلَى اللّهِ عَلَى اللّهُ عَلَى الللّهِ عَلَى اللّهِ عَلَى اللّهِ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهِ عَلَى اللّهُ عَلَ

১৪৪ মুসাদাদ (র.).....আবদুল্লাহ্ ইব্ন উমর (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী করীম ক্রীম ক্রীম বলেছেন ঃ বিত্রকে তোমাদের রাতের শেষ সালাত করবে।

# ٦٣٢. بَابُ الْوِتْرِ عَلَى الدَّابَّةِ

৬৩২. অনুচ্ছেদ ঃ সাওয়ারী জন্তুর উপর বিত্রের সালাত।

٩٤٥ حَدَّثْنَا اِسْمُعْثِلُ قَالَ حَدَّثْنِي مَالِكُ عَنْ اَبِي بَكْرِ بْنِ عُمْرَ ابْنِ عَبْدِ الرَّحْمُنِ بْنِ عَبْدِ اللهِ بْنِ عَمْرَ بْنِ عَمْرَ بِطَرِيْقِ مَكَّةَ فَقَالَ سَعِيْدُ فَلَمَّ الْمَجْدِ اللهِ ابْنِ عُمْرَ بِطَرِيْقِ مَكَّةَ فَقَالَ سَعِيْدُ فَلَمَّ الشَّعِيْدُ فَلَمَّ خَشْيْتُ الصَّبْحَ فَنَزَتُ خَشْيْتُ الصَّبْحَ فَنَزَتُ لَمُ اللهِ بْنُ عُمْرَ اَيْنَ كُنْتَ فَقُلْتُ خَشْيْتُ الصَّبْحَ فَنَزَتُ فَقَالَ عَبْدُ اللهِ بَنْ عُمْرَ اَيْنَ كُنْتَ فَقُلْتُ بَلَى وَاللهِ قَالَ فَانِ رَسُولُ اللهِ عَلَيْكُ أَسْوَةً حَسَنَةً فَقُلْتُ بَلَى وَاللّهِ قَالَ فَانِ رَسُولُ اللهِ عَلَيْكُ أَسْوَةً حَسَنَةً فَقُلْتُ بَلَى وَاللّهِ قَالَ فَانِ رَسُولُ اللهِ عَلَيْكُ أَسْوَةً حَسَنَةً فَقُلْتُ بَلَى وَاللّهِ قَالَ فَانِ رَسُولُ اللهِ عَلَيْكُ أَسُوةً حَسَنَةً فَقُلْتُ بَلَى وَاللّهِ قَالَ فَانِ رَسُولُ اللهِ عَلَيْكُ أَسُونَةً حَسَنَةً فَقُلْتُ بَلَى وَاللّهِ قَالَ فَانِ رَسُولُ اللهِ عَلَيْكُ أَسُونَةً حَسَنَةً فَقُلْتُ بَلَى وَاللّهِ قَالَ فَانِ رَسُولُ اللهِ عَلَيْكُ أَنْ اللهِ عَلَيْكُ مَالُولُ اللهِ عَلَيْكُ أَنْ اللهِ عَلَيْكُ مَنْ مُولِ اللهِ عَلَيْكُ أَلْتُ مُولُولُ اللهِ عَلَيْكُ مَا يُعْفِي كَانَ يُوبَرُ عَلَى وَاللّهِ عَلَى الْبَعِيْدِ .

১৪৫ ইসমায়ীল (র.).....সায়ীদ ইব্ন ইয়াসার (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আমি আবদুল্লাহ্ ইব্ন উমর (রা.)-এর সঙ্গে মঞ্জার পথে সফর করছিলাম। সায়ীদ (র.) বলেন, আমি যখন ফজর হওয়ার আশংকা করলাম, তখন সাওয়ারী থেকে নেমে পড়লাম এবং বিত্রের সালাত আদায় করলাম। এরপর তাঁর সঙ্গে মিলিত হলাম। তখন আবদুল্লাহ্ ইব্ন উমর (রা.) জিজ্ঞাসা করলেন, তুমি কোখায় ছিলে । আমি বললাম, ভোর হওয়ার আশংকা করে নেমে বিত্র আদায় করেছি। তখন আবদুল্লাহ্ ইব্ন উমর (রা.) বললেন, রাস্লুল্লাহ্ ক্লিক্লিই -এর মধ্যে কি তোমার জন্য উত্তম আদর্শ নেই । আমি বললাম, হ্যা, আল্লাহ্র কসম। তিনি বললেন, রাস্লুল্লাহ্ ক্লিক্লিই উঠের পিঠে (আরোহী অবস্থায়) বিত্রের সালাত আদায় করতেন।

# ٦٢٣. بَابُ الْوِيْرِ فِي السُّفَرِ

### ৬৩৩. অনুচ্ছেদ ঃ সফর অবস্থায় বিত্র।

৯৪৬ মুসা ইব্ন ইসমায়ীল (র.).....ইব্ন উমর (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী করীম স্থানীর সফরে ফর্য সালাত ব্যতীত তাঁর সাওয়ারীতে থেকেই ইশারায় রাতের সালাত আদায় করতেন। সাওয়ারী যে দিকেই ফিব্লুক না কেন, আর তিনি বাহনের উপরেই বিত্র আদায় করতেন।

# ٦٣٤. بَابُ الْقُنُقَ قِبْلَ الرُّكُوعِ وَبَعْدَهُ

৬৩৪. অনুচ্ছেদ ঃ রুক্'র আগে ও পরে কুনৃত পাঠ করা।

٩٤٧ حَدَّثَنَا مُسَدَّدٌ قَالَ حَدَّثَنَا حَمَّادُ بَنُ زَيْدٍ عَنْ آيُوبَ عَنْ مُحَمَّدٍ قَالَ سُئِلَ آنَسِ بْنُ مَالِكٍ آقَنَتَ النَّبِيُّ عَنْ مُحَمَّدٍ قَالَ سُئِلَ آنَسِ بْنُ مَالِكٍ آقَنَتَ النَّبِيُّ عَنْ مُحَمَّدٍ قَالَ سُئِلَ آنَسِ بْنُ مَالِكٍ آقَنَتَ قَبْلَ الرُّكُوعِ قَالَ بَعْدَ الرُّكُوعِ يَسِيْرًا .

১৪৭ মুসাদ্দাদ (র.).....মুহাম্মদ ইব্ন সীরীন (র.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আনাস ইব্ন মালিক (রা.)-কে জিজ্ঞাসা করা হয়েছিল যে, ফজরের সালাতে নবী করীম ক্রিছি কুনূত পড়েছেন ? তিনি বললেন, হাা। তাঁকে জিজ্ঞেসা করা হলো তিনি কি রুক্'র আগে কুনূত পড়েছেন ? তিনি বললেন, কিছুদিন রুক্'র পরে পড়েছেন।

٩٤٨ حَدُّثُنَا مُسَدُّدٌ قَالَ حَدَّثُنَا عَبُدُ الْوَاحِدِ قَالَ حَدَّثُنَا عَاصِمُ قَالَ سَأَلْتُ اَنْسَ بُنَ مَالِكِ عَنِ الْقُنُوتِ فَقَالَ قَدُ كَانَ الْقُنُوتُ قُلْتُ قَلْتَ قَبُلَ الرُّكُوعِ اَوْ بَعُدَ قَالَ قَبْلَهُ قَالَ فَانِ قُلْاَنًا اَخْدَبَرَنِي عَنْكَ اَنَّكَ قُلْتَ بَعْدَ المُكُوعِ فَقَالَ قَالَ قَلْتَ بَعْثَ قَوْمًا يُقَالُ لَهُمُ الْقُرَّاءُ الرُّكُوعِ فَقَالَ كَذَبَ انِّمَا قَنْتَ رَسُولُ اللَّهِ عَلَيْهُ بَعْدَ الرِّكُوعِ شَهْرًا ارَاهُ كَانَ بَعْثَ قَوْمًا يُقَالُ لَهُمُ الْقُرَّاءُ لَهُمَ الْقُرَّاءُ لَهُمُ الْقُرَّاءُ وَكَانَ بَيْنَهُمْ وَبَيْنَ رَسُولُ اللَّهِ عَلِيهِمْ مَنَ الْمُشْرِكِيُّنَ دُونَ الْوَلَئِكَ وَكَانَ بَيْنَهُمْ وَبَيْنَ رَسُولُ اللَّهِ عَلِيهِمْ عَلَيْهُمْ وَلَا لَهُ عِلَيْهُمْ وَبَيْنَ رَسُولُ اللَّهِ عَلِيهِمْ .

৯৪৮ মুসাদ্দাদ (র.).....আসিম (র.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আমি আনাস ইব্ন মালিক (রা.)-কে কুনূত সম্পর্কে জিজ্ঞাসা করলাম। তিনি বললন, কুনূত অবশ্যই পড়া হত। আমি জিজ্ঞাসা করলাম। কুনূত্ব আগে না পরে ? তিনি বললেন, রুনূত্ব আগে। আসিম (র.) বললেন, অমুক ব্যক্তি আমাকে আপনার বরাত দিয়ে বলেছেন যে, আপনি বলেছেন, রুনূত্ব পরে। তখন আনাস (রা.) বলেন, সে ভূল

বলেছে। রাস্লুল্লাহ্ ক্রুল্লাই রুক্'র পরে এক মাস ব্যাপি কুনৃত পাঠ করেছেন। আমার জানা মতে, তিনি সত্তর জন সাহাবীর একটি দল, যাদের কুর্রা (অভিজ্ঞ ক্বারীগণ) বলা হতো মুশরিকদের কোন এক কাউমের উদ্দেশ্যে পাঠান। এরা সেই কাউম নয়, যাদের বিরুদ্ধে রাস্লুল্লাহ্ ক্রুল্লাইবদ্ দু'আ করেছিলেন। বরং তিনি এক মাস ব্যাপি কুনৃতে সে সব কাফিরদের জন্য বদ্ দু'আ করেছিলেন যাদের সাথে তাঁর চুক্তিছিল এবং তারা চুক্তিভঙ্গ করে ক্বারীগণকে হত্যা করেছিল।

٩٤٩ اَخْبَرَنَا اَحْمَدُ بْنُ يُونُسَ قَالَ حَدَّثَنَا زَائِدَةُ عَنِ التَّيْمِيِّ عَنْ اَبِيْ مِجْلَزِعِنْ انس ِقَالَ قَنَتَ النَّبِيُ عَلِيْكُ النَّيِمُ عَنْ اَبِي مِجْلَزِعِنْ انس ٍقَالَ قَنَتَ النَّبِيُ عَلِيْكُ اللَّهِ عَلَى رَعُلِ وَذَكُوانَ . شَهْرًا يَدْعُوْ عَلَى رَعُلِ وَذَكُوانَ .

৯৪৯ আহ্মাদ ইব্ন ইউনুস (র.).....আনাস ইব্ন মালিক (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, এক মাস ব্যাপী রি'ল ও যাক্ওয়ান গোত্রের বিরুদ্ধে নবী ক্রিট্র কুনূতে দু'আ পাঠ করেছিলেন।

৯৫০ মুসাদ্দাদ (র.).....আনাস ইব্ন মালিক (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, মাগরিব ও ফজরের সালাতে কুনূত পাঠ করা হত।

## ইটার্ন প্রিন্নিটার অধ্যায় ঃ বৃষ্টির জন্য দু'আ

## بشم الله الرُّدُمْنِ الرَّدِيْمِ

#### অধ্যায় ঃ বৃষ্টির জন্য দু'আ

#### ٦٢٥. بَابُ الْإِسْتِسْقَاءِ مَخُرُوجُ النَّبِيِّ عَلِينَ فِي الْإِسْتِسْقَاءِ

النّبِيُّ عَبِيلًا يَسْتَسُقِلَى وَحَوَّلَ رِدَاءَهُ . اللهِ عَلَى عَبْدِ اللهِ بَنِ أَبِى بَكْرِ عَنْ عَبَّادِ بَنِ تَميْمٍ عَنْ عَمَهِ قَالَ خَرَجَ اللهِ بَنِ أَبِى بَكْرِ عَنْ عَبَّادِ بَنِ تَميْمٍ عَنْ عَمَهِ قَالَ خَرَجَ اللهِ بَنِ أَبِي بَكْرِ عَنْ عَبَّادِ بَنِ تَميْمٍ عَنْ عَمَهِ قَالَ خَرَجَ اللهِ بَنِ أَبِي بَكْرِ عَنْ عَبَّادِ بَنِ تَميْمٍ عَنْ عَمَهِ قَالَ خَرَجَ اللهِ بَنِ أَبِي بَكْرِ عَنْ عَبَّادٍ بَنِ تَميْمٍ عَنْ عَمَهِ قَالَ خَرَجَ اللهِ بَنِ أَبِي بَكْرِ عَنْ عَبَّادٍ بَنِ تَميْمٍ عَنْ عَمَهِ قَالَ خَرَجَ اللهِ بَن أَبِي بَكْرِ عَنْ عَبَادٍ بَن تَميْمٍ عَنْ عَمَهِ قَالَ خَرَجَ اللهِ بَن أَبِي بَكْرِ عَنْ عَبِي عَلَى عَمْهِ قَالَ خَرَجَ اللهِ بَن أَبِي بَكُرِ عَنْ عَبِي عَلَى اللهِ بَن أَبِي اللهِ بَن اللهِ بَن اللهِ بَن اللهِ بَن اللهِ بَن اللهِ بَن عَبْدِ اللهِ بَن اللهِ بَن اللهِ بَن اللهِ بَن عَبِي عَلَى عَمْهِ قَالَ خَرَجَ عَن عَبِي اللهِ بَن اللهِ الله

৯৫১ আবৃ নু'আইম (র.)....আব্বাদ ইব্ন তামীম (র.) তাঁর চাচা (আবদুল্লাহ্ ইব্ন যায়িদ (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী করীম 🏭 বৃষ্টির জন্য দু'আ করতে বের হলেন এবং তাঁর চাদর পাল্টালেন।

#### ٦٣٢. بَابُ دُعَاءِ النَّبِيِّ عَلَيْهِ اجْعَلْهَا عَلَيْهِمْ سِنِينَ كَسِنِي يُسَفّ

৬৩৬. অনুচ্ছেদ ঃ নবী করীম ক্রিট্র — এর দু'আ ইউসুফ (আ.)— এর যমানার দুর্ভিক্ষের বছরণ্ডলোর মত (এদের উপরেও) কয়েক বছর দুর্ভিক্ষ দিন।

٩٥٧ حَدُثْنَا قُتَيْبَةُ حَدَّثْنَا مُغِيْرَةُ بُنُ عَبُدِ الرَّحُمٰنِ عَنْ آبِي الزِّنَادِ عَنِ الْاَعْرَجِ عَنْ آبِي هُرَيْوَةَ آنَا النَّبِي عَيَّاسَ بُنَ آبِي رَبِيْعَةَ آللَّهُمُّ آنَجِ سَلَمَةَ بُنِ عَيَّاسَ بُنَ آبِي رَبِيْعَةَ آللَّهُمُّ آنَجِ سَلَمَةَ بُنِ عَيَّاسَ بُنَ آبِي رَبِيْعَةَ آللَّهُمُّ آنَجِ سَلَمَةَ بُنِ هِسُامِ ٱللَّهُمُّ آنَجِ الْوَلِيْدِ ٱللَّهُمُّ آنَجِ الْمُسْتَضْعَفِيْنَ مِنَ الْمُوْمِنِيْنَ – اَللَّهُمُّ اشْدُدُ وَطَاتَكَ عَلَى مُضَلَرَ ، ٱللَّهُمُّ اجْسَعَلُهَا سَنِيْنَ كَسَنِي يُوسَفَ وَانَ النَّبِي عَيِّلِهُ قَالَ غَفَارُ غَفَرَ اللَّهُ لَهَا وَاسْلَمُ سَالَمَهَا اللَّهُ قَالَ ابْنُ آبِي الزِّنَادِ عَنْ آبِيْهِ هَٰذَا كُلُّهُ فِي الصَّبُحِ .

৯৫২ কুতাইবা ইব্ন সায়ীদ (র.)......আবৃ হুরায়রা (রা.) থেকে বর্ণিত, নবী করীম ই যখন শেষ রাকা আত থেকে মাথা উঠালেন, তখন বললেন, হে আল্লাহ্! আইয়াশ ইব্ন আবৃ রাবী আহকে মুক্তি দিন। হে আল্লাহ্! তালামা ইব্ন হিশামকে মুক্তি দিন। হে আল্লাহ্! ত্রালীদ ইব্ন ত্রালীদকে রক্ষা করুন। হে আল্লাহ্! দুর্বল মু মিনদেরকে মুক্তি দিন। হে আল্লাহ্! মুযার গোত্রের উপর আপনার শাস্তি কঠোর করে দিন। হে আল্লাহ্! ইউসুফ (আ.)-এর যমানার দুর্ভিক্ষের বছরগুলোর ন্যায় (এদের উপরে) কয়েক বছর দুর্ভিক্ষ দিন। নবী করীম করুল আরো বললেন, গিফার গোত্র, আল্লাহ্ তাদেরকে ক্ষমা করুন। আর আসলাম গোত্র, আল্লাহ্ তাদেরকে নিরাপদে রাখুন। ইব্ন আবৃ যিনাদ (র.) তাঁর পিতা থেকে বলেন, এ সমস্ত দু আ ফজরের সালাতে ছিল।

٩٥٣ حَدُّثْنَا الْحُمْیَدِیُّ قَالَ حَدَّثْنَا سُفْیَانُ عَنِ الْاَعْمَشِ عَنْ اَبِی الضَّحٰی عَنْ مَسْرُوْقِ عَنْ عَبْدُ اللهِ حَدَّثْنَا عُثْمَانُ ابْنُ اَبِی شَیْبَةَ قَالَ حَدَّثْنَا جَرِیْرُ عَنْ مَنْصُوْرٍ عَنْ اَبِی الضَّحٰی عَنْ مَسْرُوقٍ قَالَ كُنَّا عِنْدَ عَبْدِ اللهِ فَقَالَ انِّ النَّبِیِّ عَیْفَ اَمَّ اَای مِن النَّاسِ اِدْبَارًا قَالَ اللهُمُّ سَبْعُ کَسَبْعِ یُوسُفَ فَاحَذَتُهُمْ سَنَةُ حَصَّتُ کُلُّ شَیْمٍ حَتَّی اَکلُوا الْجَلُودَ وَالْیَیْتَةَ وَالْجِیفَ وَیَنْظُرَ اَحَدُهُمُ الِی السَّمَاءِ فَیرَی الدُّخَانَ مِنَ الله لَهُ عَصَّتُ کُلُّ شَیْمٍ حَتَّی اَکلُوا الْجَلُودَ وَالْیَیْتَةَ وَالْجِیفَ وَیَنْظُرَ اَحَدُهُمُ الِی السَّمَاءِ فَیرَی الدُّخَانَ مِنَ اللهُ لَهُمْ فَاتَاهُ البُوسُونِ وَالْ قَوْمَكَ قَدُ هَلَکُوا فَادْعُ اللهُ لَهُمْ فَاللهُ لَهُمْ اللهُ تَعَالَى اللهُ تَعَالَى یَا مُحَمَّدُ انِّكَ تَأْمُرُ بِطَاعَةِ اللهِ وَبِصِلَةِ الرَّحِمِ وَانَّ قَوْمَكَ قَدُ هَلَکُوا فَادْعُ اللهُ لَهُمْ قَالَ اللهُ تَعَالَى یَا مُحَمَّدُ انِّكَ تَأْمُرُ بِطَاعَةِ اللهِ وَبِصِلَةِ الرَّحِمِ وَانَّ قَوْمَكَ قَدُ هَلَکُوا فَادْعُ اللهُ لَهُمْ قَالَ اللهُ تَعَالَى اللهُ تَعَالَى اللهُ تَعَالَى اللهُ تَعَالَى اللهُ يَوْمَ بَدُر وَقَدُ مَضَت الدُّخَانُ مِنِيْنَ الِی قَوْلَهِ انِکُمْ عَائِدُونَ یَوْمَ نَبُطِشُ الْبَطْشَةُ وَاللهُ اللهُ اللّهُ اللّهُ اللهُ اللّهُ اللّهُ اللهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللهُ اللهُ اللّهُ اللهُ اللّهُ اللهُ اللّهُ

কতে হুমাইদী ও উসমান ইব্ন আবৃ শাইবা (র.)......আবদুল্লাহ্ (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী করীম ক্রিমিন্ট্র থখন লোকদেরকে ইসলাম বিমুখ ভূমিকায় দেখলেন, তখন দু'আ করলেন, হে আল্লাহ্! ইউসুফ (আ.)-এর যামানার সাত বছরের (দুর্ভিক্ষের) ন্যায় তাদের উপর সাতটি বছর দুর্ভিক্ষ দিন। ফলে তাদের উপর এমন দুর্ভিক্ষ আপতিত হল যে, তা সব কিছুই ধ্বংস করে দিল। এমন কি মানুষ তখন চামড়া, মৃতদেহ এবং পচা ও গলিত জানোয়ারও খেতে লাগল। ক্ষুধার তাড়নায় অবস্থা এতদূর চরম আকার ধারণ করল যে, কেউ যখন আকাশের দিকে তাকাত তখন সে ধূঁয়া দেখতে পেত। এমতাবস্থায় আবৃ সুফিয়ান (ইসলাম গ্রহণ পূর্বে) নবী করীমক্রিক্রিগ্রের নিকট এসে বলল, হে মুহাম্মাদ! তুমি তো আল্লাহ্ র আদেশ মেনে চল এবং আত্মীয়তার সম্পর্ক অক্লুর রাখার আদেশ দান কর। কিন্তু তোমার কাউমের লোকেরা তো মরে যাচ্ছে। তুমি তাদের জন্য আল্লাহ্র নিকট দু'আ কর। এ প্রসঙ্গে আল্লাহ্ তা'আলা বলেছেন ঃ.... ঠেইক্র্ট্রাইর্ট্রির নিকট দু'আ কর। এ প্রসঙ্গে আল্লাহ্ তা'আলা বলেছেন ঃ.... ক্রিক্রিট্রাইর্ট্রির আকাশ সুম্পন্ত ধূঁয়ায় আচ্ছ্রেই হয়ে যাবে..... সৈদিন আমি প্রবলভাবে তোমাদের পাকড়াও করব।" (৪৪ ঃ ১০-১৬) আবদুল্লাহ্ (রা.) বলেন, সে কঠিন আঘাত এর দিন ছিল বদরের যুদ্ধের দিন। ধূঁয়াও দেখা গেছে, আঘাতও এসেছে। আর মক্কার মুশ্রিকদের নিহত ও প্রেফডারের

যে ভবিষ্যদ্বাণী করা হয়েছে, তাও সত্য হয়েছে। সত্য হয়েছে সূরা রূম-এর এ আয়াতও (রুমবাসী দশ বছরের মধ্যে পারসিকদের উপর আবার বিজয় লাভ করবে)।

#### ٦٣٧. بَابُ سُؤَالِ النَّاسِ الْإِمَامَ الْاِسْتِسْقَاءَ إِذَا قَحَطُوا

ا بيه قالَ سمَعْتُ ابْنُ عُمْرَ يَتَمَثَّلُ بِشِعْرِ اَبِيُ طَالِبٍ اللهِ قَالَ حَدَّثَنَا عَبُدُ الرَّحُمْنِ بْنُ عَبَدِ اللهِ بْنِ دِيْنَارِ عَنْ الرَّحُمْنِ بْنُ عَبَدِ اللهِ بْنِ دِيْنَارِ عَنْ الرَّحُمْنِ بْنُ عَبَدِ اللهِ بْنِ دِيْنَارِ عَنْ الرَّحُمْنِ بْنُ عَبَدِ اللهِ بْنِ دِيْنَارٍ عَنْ الرَّحُمْنِ بْنُ عَبَدِ اللهِ بْنِ دِيْنَارٍ عَنْ الرَّحُمْنِ بْنُ عَمْرَ يَتَمَثَّلُ بِشِعْرِ اَبِي طَالِبٍ

وَاَبْيَضُ يُسْتَسْقَى الْغَمَامُ بِوَجْهِه \* ثَمَالُ الْيَتَامِلَى عَصْمَةُ للَّارَامِل

وَقَالَ عُمْرُ بُنُ حَمْزَةَ حَدَّثَنَا سَالِمُ عَنْ آبِيهِ رُبَّمَا ذَكَرْتُ قَوْلَ الشَّاعِرِ وَآنَا آنْظُرُ الِي وَجَهِ النَّبِيِّ عَلِيلَهُ يَسْتَسْقَى فَمَا يَنْزِلُ حَتَّى يَحْبِيشَ كُلُّ مَيْزَابٍ

وَ اَبْيَضُ يُسْتَسْقَى الْغَمَامُ بِوَجْهِهِ \* ثِمَالُ الْيَتَامِلُى عِصْمَةُ لِلْاَرَامِلِ •

৯৫৪ আমর ইব্ন আলী (র.).....আবদুল্লাহ্ ইব্ন দীনার (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আমি ইব্ন উমর (রা.)-কে আবু তালিব-এর কবিতাটি পাঠ করতে শুনেছি,

وَ اَبْيَضُ يُسْتَسْقَى الْغَمَامُ بِوَجْهِ \* ثِمَالُ الْيَتَامِلَى عِصْمَةُ لِلْاَرَامِلِ - ٤

উমর ইব্ন হামযা (র.).....ইব্ন উমর (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী করীম क এবি বৃষ্টির জন্য দু'আ রত অবস্থায় আমি তাঁর পবিত্র চেহারার দিকে তাকালাম এবং কবির এ কবিতাটি আমার মনে পড়লো। আর তাঁর (মিম্বর থেকে) নামতে না নামতেই প্রবল বেগে মীযাব<sup>২</sup> থেকে পানি প্রবাহিত হতে দেখলাম। আর এ হলো আবু তালিবের কবিতা।

٩٥٥ حَدُّثُنَا الْحَسَنُ بُنُ مُحَمَّدٍ قَالَ حَدَّثُنَا مُحَمَّدُ بَنِ عَبْدِ اللهِ الْاَنْصَارِيُّ قَالَ حَدَّثَنِي اَبِي عَبْدُ اللهِ بَن عَبْدِ اللهِ بَن عَبْدِ اللهِ بَن اللهِ عَنْ أَنس بَن مَالِكٍ انَّ عُمَر بَن الْخَطَّابِ رَضِي اللهُ عَنْهُ كَانَ إِذَا قَحَطُوا السَّتَسْقِي بِالْعَبُاسِ بَن عَبْدِ الْمُطَّلِبِ فَقَالَ اللهُمُّ انَّا نَتَوَسَّلُ اللهُ بِنبِينَا فَتَسْقِينَا وَانًا نَتَوَسَّلُ اللهُ اللهُ بَن عَبْدِ الْمُطَّلِبِ فَقَالَ اللهُمُّ انَّا نَتَوَسَّلُ اللهُ بِنبِينَا فَتَسْقِينَا وَانًا نَتَوَسَّلُ اللهُ اللهُ بَن بَينًا فَاسْقِنَا قَالَ فَيُسْقَوْنَ .

- ৯৫৫ হাসান ইব্ন মুহাম্মদ (র.).....আনাস ইব্ন মালিক (রা.) থেকে বর্ণিত, উমর ইব্ন খাত্তাব (রা.)
- তিনি শুদ্র তাঁর চেহারার অসীলা দিয়ে বৃষ্টির জন্য দু'আ করা হতো। তিনি ইয়াতীমদের আহার দানকারী আর
  বিধবাদের হিফাযতকারী।
- ২. মীযাব ছাদ থেকে পানি নামার নালী।

অনাবৃষ্টির সময় আব্বাস ইব্ন আবদুল মুত্তালিব (রা.)-এর উসিলা দিয়ে বৃষ্টির জন্য দু'আ করতেন এবং বলতেন, হে আল্লাহ্! (প্রথমে) আমরা আমাদের নবী করীম ক্রিট্রিএর অসিলা দিয়ে দু'আ করতাম এবং আপনি বৃষ্টি দান করতেন। এখন আমরা আমাদের নবী করীম ক্রিট্রি-এর চাচার উসিলা দিয়ে দু'আ করছি, আপনি আমাদেরকে বৃষ্টি দান করুন। বর্ণনাকারী বলেন, দু'আর সাথে সাথেই বৃষ্টি বর্ষিত হত।

#### ٦٣٨. بَابُ تَحُويُلِ الرِّدَاءِ فِي الْإِسْتِسْقَاءِ

৬৩৮. অনুচ্ছেদ ঃ ইস্তিস্কায় চাদর উন্টানো।

٩٥٦ حَدُّثَنَا اسْحُقُ قَالَ حَدُّثَنَا وَهُبُ قَالَ اَخْبَرَنَا شُعْبَةُ عَنْ مُحَمَّدِ بْنِ اَبِيْ بَكْرٍ عَنْ عَبَّادِ ابْنِ تَمِيْمٍ عَنْ عَبُدِ اللهِ بْنِ زَيْدٍ اَنَّ النَّبِيُ عَيِّفًا اسْتَسْقَى فَقَلَبَ رِدَاءَهُ ٠

৯৫৬ ইসহাক ইব্ন ইব্রাহীম (র.).....আবদুল্লাহ্ ইব্ন যায়িদ (রা.) থেকে বর্ণিত, নবী করীম ক্রীম বৃষ্টির জন্য দু'আ করেন এবং নিজের চাদর উল্টিয়ে দেন।

٩٥٧ حَدُّثَنَا عَلِيٌّ بْنُ عَبُدِ اللهِ قَالَ حَدَّثَنَا سُفْيَانُ قَالَ عَبُدُ اللهِ بْنُ اَبِيْ بَكْرِ اَنَّهُ سَمِعَ عَبَّادِ بْنِ تَمِيْمٍ يُحَدِّثُ اَبَاهُ عَنْ عَمَّهِ عَبْدِ اللهِ بْنِ زَيْدٍ اَنَّ النَّبِي عَلِي لَهُ خَرَجَ اللهِ بْنُ الْمُصَلِّى فَاسْتَسْقَى فَاسْتَقْبَلَ الْقَبْلَةَ وَقَلَبَ يُحَدِّثُ اَبَاهُ عَنْ عَمْ لَا اللهِ كَانَ ابْنُ عُيَيْنَةً يَقُولُ هُوَ صَاحِبُ الْآذَانِ وَلَكِنَّهُ وَهَمُ لاَنْ هُذَا عَبْدُ اللهِ بَنُ ذَيْدٍ بْنِ عَاصِمٍ الْمَاذِنِيُّ مَاذِنُ الْآنُصَارِ .

الله بْنُ ذَيْدٍ بْنِ عَاصِمٍ الْمَاذِنِيُّ مَاذِنُ الْآنُصَارِ .

৯৫৭ আলী ইব্ন আবদুল্লাহ্ (র.).....আবদুল্লাহ্ ইব্ন যায়িদ (রা.) থেকে বর্ণিত, নবী করীম ক্রিদাহে গেলেন এবং বৃষ্টির জন্য দু'আ করলেন। তারপর কিব্লামুখী হয়ে নিজের চাদরখানি উল্টিয়ে নিলেন এবং দু' রাকা'আত সালাত আদায় করলেন। ইমাম বুখারী (র.) বলেন, ইব্ন উয়াইনা (র.) বলতেন, এ হাদীসের বর্ণনাকারী আবদুল্লাহ্ ইব্ন যায়িদ (রা.) হলেন, আযানের ঘটনার সাথে সংশ্লিষ্ট সাহাবী। কিন্তু তা ঠিক নয়। কারণ ইনি হলেন, সেই আবদুল্লাহ্ ইব্ন যায়িদ ইব্ন আসিম মাযিনী, যিনি আনুসারের মাযিন গোত্রের লোক।

#### ١٣٦ ، بَابُ انِتْقَامِ الرُّبِ عَزُّ وَجَلُّ مِنْ خَلْقِهِ بِالْقَحْطِ إِذَا انْتُهِكَ مُحَارِمُ اللهِ

৬৬) অনুচ্ছেদ ঃ আল্লাহ্র মাখলুকের মধ্য থেকে কেউ তার মর্যাদাপূর্ণ বিধানসমূহের সীমালংঘন করলে মহিমময় প্রতিপালক কর্তৃক দুর্ভিক্ষ দিয়ে শান্তি প্রদান।

ه ٦٤. بَابُ الْإِسْتِسْقَاءِ فِي الْمَسْجِدِ الْجَامِمِ

৬৪০. অনুচ্ছেদ ঃ জামে মসজিদে বৃষ্টির জন্য দু আ।

বললেন, আমি জানি না।

٩٥٨ حَدَّثَنَا مُحَمَّدُ قَالَ اَخْبَرَنَا اَبُقُ ضَمْرَةَ انَسُ بُنُ عياضٍ قَالَ حَدَّثَنَا شَرَيْكُ بُنُ عَبُد اللهِ بُنِ أَبِي نَمرِ أَنَّهُ سَمِعَ أَنْسَ بْنَ مَالِكِ يَذْكُرُ رَجُلاً دَخَلَ يَوْمَ الْجُمُعَةِ مِنْ بَابِ كَانَ وِجَاهَ الْمَنْبَرِ وَرَسُولِ اللَّهِ عَلَيْمُ يَخْطُبُ فَاسْتَقْبَلَ رَسُولَ اللهِ عَلِيَّةُ قَائِماً فَقَالَ يَارَسُولَ الله ، مَلَكَتِ الْمَوَاشِي وَانْقَطَعَتِ السَّبُلُ، فَادْعُ اللهِ يُغْيَثُنَا، قَالَ فَرَفَعَ رَسُولَ اللهِ عَلَيْتُهُ يَدَيْهُ اَللَّهُمُّ اسْقَنَا اللَّهُمُّ اسْقَنَا اللَّهُمُّ اسْقَنَا اللَّهُمُّ اسْقَنَا قَالَ انسُ وَلاَ وَاللَّهِ مَانْرَى فِي السَّمَاءِ مِنْ سَحَابٍ وَلاَ قَزَعَةٍ وَلاَ شَيْسَنًّا وَمَا بَيْنَنَا وَبَيْنَ سَلْعٍ مِنْ بَيْتٍ وَلاَ دَارٍ قَالَ فَطَلَعَتُ مِنْ وَرَائِهِ سَحَابَةُ مثلُ التُّرْسِ فَلَمَّا تَوَسَّطَت السَّمَاءَ انْتَشْرَتْ ثُمُّ أَمْطَرَتْ قَالَ وَاللَّهِ مَا رَأَيْنَا الشَّمْسَ سبتًا ثُمُّ دَخَلَ رَجُلُ مِنْ ذَٰكِ الْبَابِ فِي الْجُمُعَةِ الْمُقْبِلَةِ وَرَسُولِ اللهِ عَلَيْكُ قَائِمُ يَخُطُبُ فَاسْتَقْبَلَهُ قَائِمًا فَقَالَ يَا رَسُولَ الله هِلَكَت الْاَمْوَالُ وَانْقَطَعَتِ السَّبُلُ فَادْعُ اللهَ يُمْسِكُهَا قَالَ فَرَفَعَ رَسُولِ اللهِ عَلَيْ يَدَيْهِ ثُمٌّ قَالَ ، اللَّهُمُّ حَوَالَيْنَا وَلاَ عَلَيْنَا ، اللَّهُمُّ عَلَى الْأَكَامِ وَالْجِبَالِ وَالْأُجَامِ وَالظِّرَابِ وَالْأَوْدِيَةِ وَمَنَابِتِ الشَّجَرِ قَالَ فَانْقَطَ عَتْ وَخَرَجُنَا نَمْ شَيْ فِي الشَّمْسِ قَالَ شِرِيكُ فَسَأَلْتُ أَنْسًا آهُوَ الرَّجُلُ الْاَوُّلُ قَالَ لاَ آدُري • মুহাম্মাদ (র.).....আনাস ইব্ন মালিক (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, এক ব্যক্তি জুমু'আর দিন মিম্বরের সোজাসুজি দরওয়াযা দিয়ে (মসজিদে) প্রবেশ করল। রাসূলুল্লাহ্ 🚟 তখন দাঁড়িয়ে খুত্বা দিচ্ছিলেন। সে রাসূলুক্লাহ, 🏣 এর সমুখে দাঁড়িয়ে বলল, ইয়া রাসূলাক্লাহ্! গবাদি পত ধ্বংস হয়ে গেল এবং রাস্তাগুলোর চলাচল বন্ধ হয়ে গেল। সুতরাং আপনি আল্লাহ্র কাছে দু'আ করুন, যেন তিনি আমাদের বৃষ্টি দেন। বর্ণনাকারী বলেন, রাস্লুল্লাহ্ 🚟 তখন তাঁর উভয় হাত তুলে দু'আ করলেন, হে আল্লাহ্! বৃষ্টি দিন, হে আল্লাহ্! বৃষ্টি দিন, হে আল্লাহ্! বৃষ্টি দিন। আনাস (রা.) বলেন, আল্লাহ্র কসম! আমরা তখন আকাশে মেঘমালা, মেঘের চিহ্ন বা কিছুই দেখতে পাইনি। অথচ সাল'আ পর্বত ও আমাদের মধ্যে কোন ঘর বাড়ী ছিল না। আনাস (রা.) বলেন, হঠাৎ সাল'আ পর্বতের পিছন থেকে ঢালের মত মেঘ বেরিয়ে এল এবং তা মধ্য আকাশে পৌছে বিস্তৃত হয়ে পড়ল। তারপর বর্ষণ শুরু হল। তিনি বলেন, আল্লাহুর কসম! আমরা ছয়দিন সূর্য দেখতে পাইনি। তারপর এক ব্যক্তি পরবর্তী জুমু আর দিন সে দরওয়াযা দিয়ে (মসজিদে) প্রবেশ করল। রাসূলুল্লাহ্ 📆 তখন দাঁড়িয়ে খুত্বা দিচ্ছিলেন। লোকটি দাঁড়িয়ে বলল, ইয়া রাসূলাল্লাহ্। ধন-সম্পদ ধ্বংস হয়ে গেল এবং রাস্তাঘাটও বিচ্ছিন হয়ে গেল। কাজেই আপনি আল্লাহ্র নিকট বৃষ্টি বন্ধের জন্য দু'আ করুন। আনাস (রা.) বলেন রাস্লুল্লাহ্ 🕮 তাঁর উভয় হাত তুলে দুআ করলেন, হে আল্লাহ্! আমাদের আশে পাশে, আমাদের উপর নয়; টিলা, পাঁহাড়, উচ্চভূমি, মালভূমি, উপত্যকা এবং বনাঞ্চলে বর্ষণ করুন। আনাস (রা.) বলেন, এতে বৃষ্টি বন্ধ হয়ে গেল এবং আমরা ( মসজিদ থেকে বেরিয়ে ) রোদে চলতে লাগলাম। শরীক (র.) (বর্ণনাকারী) বলেন, আমি আনাস (রা.)-কে জিজ্ঞাসা করলাম, এ লোকটি কি আগের সে লোক ? তিনি

#### ٦٤١. بَابُ الْإِسْتِسْقَاءِ فِي خُطْبَةِ الْجُمُعَةِ غَيْرٌ مُسْتَقْبِلِ الْقَبْلَةِ

ا المعقد عربي المعقد عربي المعقد المعلم الم

কিকে কুতাইবা ইব্ন সায়ীদ (র.).......আনাস ইব্ন মালিক (রা.) থেকে বর্ণিত, এক ব্যক্তি জুমু'আর দিন দারল কাষা (বিচার কাজ সমাধার স্থান)-এর দিকের দরওয়াযা দিয়ে মসজিদে প্রবেশ করল। এ সময় রাস্লুল্লাহ্ দাঁড়িয়ে খুত্বা দিচ্ছিলেন। লোকটি রাস্লুল্লাহ্ ভাল্লাই -এর দিকে মুখ করে দাঁড়িয়ে বলল, ইয়া রাস্লাল্লাহ্! ধন সম্পদ নষ্ট হয়ে গেল এবং রাস্তাঘাট বন্ধ হয়ে গেল। আপনি আল্লাহ্র নিকট দু'আ করুন যেন তিনি আমাদের বৃষ্টি দান করেন। তখন রাস্লুল্লাহ্ ভাল্লাই দু' হাত তুলে দু'আ করলেন, হে আল্লাহ্! আমাদের বৃষ্টি দান করুন। হে আল্লাহ্! আমাদের বৃষ্টি দান করুন। হে আল্লাহ্! আমাদের বৃষ্টি দান করুন। বে আল্লাহ্! আমাদের বৃষ্টি দান করুন। বে আল্লাহ্র কসম! আমরা তখন আকাশের দিকে তাকিয়ে দেখলাম, মেঘ নেই, মেঘের সামান্য টুক্রাও নেই। অথচ সাল'আ পর্বত ও আমাদের মধ্যে কোন ঘরবাড়ি ছিল না। তিনি বলেন, হঠাৎ সাল'আর ওপাশ থেকে ঢালের মত মেঘ উঠে এল এবং মধ্য আকাশে এসে ছড়িয়ে পড়ল। এরপর প্রচুর বর্ষণ হতে লাগল। আল্লাহ্র কসম! আমরা ছয়দিন সূর্য দেখতে পাইনি। এর পরের জুমু'আয় সে দরওয়াযা দিয়ে এক ব্যক্তি প্রবেশ করল। রাস্লুল্লাহ্ ভাল্লাহ্ তখন দাঁড়িয়ে খুত্বা দিচ্ছিলেন। লোকটি তাঁর সম্মুখে দাঁড়িয়ে বলল, ইয়া রাস্লাল্লাহ্! ধন সম্পদ ধ্বংস হয়ে গেল এবং রাস্তাঘাট বিচ্ছিন্ন হয়ে গেল। কাজেই আপনি বৃষ্টি বন্ধের জন্য আল্লাহ্র নিকট দু'আ করুন। আনাস (রা.) বলেন, রাস্লুল্লাহ্ ভাল্লাহ্ তথন দু' হাত তুলে দু'আ করনেন, হে আল্লাহ্! আমাদের আশে পাশে, আমাদের

উপর নয়। হে আল্লাহ্! টিলা, মালভূমি, উপত্যকার অভ্যন্তরে এবং বনাঞ্চলে বর্ষণ করুন। আনাস (রা.) বলেন, তখন বৃষ্টি বন্ধ হয়ে গেল এবং আমরা বেরিয়ে রোদে চলতে লাগলাম। (রাবী) শরীক (র.) বলেন, আমি আনাস (রা.)-কে জিজ্ঞাসা করলাম, এ লোকটি কি আগের সেই লোক? তিনি বললেন, আমি জানি না।

#### ٦٤٢، بَابُ الْإِسْتِشْقَاءِ عَلَى الْمَنْبَرِ

৬৪২. অনুচ্ছেদ ঃ মিম্বরে দাঁড়িয়ে বৃষ্টির জন্য দু'আ।

٩٦٠ حَدُّثَنَا مُسْدَدُ قَالَ حَدَّثَنَا أَبُوْ عَوَانَةَ عَنْ قَتَادَةَ عَنْ آنَسِ بْنِ مَاكِ قَالَ بَيْنَمَا رَسُوْلُ اللهِ فَكُمُ الْمُعْرِنَا يَخْطُبُ يَوْمَ الْجُمُعَةِ إِذْ جَاءَهُ رَجُلُ فَقَالَ يَارَسُولَ اللهِ قَحَطَ الْمَطَرُ فَادْعُ اللهَ آنْ يَسْقِينَا فَدَعَا فَمُطْرِنَا فَمَا كَدُنَا آنُ نَصِلَ اللهِ مَنَازِلْنَا فَمَازِلْنَا نُمُطَرُ الِى الْجُمُعَةِ الْمُقْبِلَةِ قَالَ فَقَامَ ذٰلِكَ الرَّجُلُ آنُ غَيْدُهُ فَقَالَ يَارَسُولُ اللهِ عَلَيْنَا قَالَ فَقَامَ ذٰلِكَ الرَّجُلُ آنُ عَيْدُهُ فَقَالَ يَارَسُولُ اللهِ عَلَيْنَا قَالَ فَلَقَدْ رَأَيْتُ اللهِ عَلَيْنَا قَالَ فَلَقَدْ رَأَيْتُ السَّحَابَ يَتَقَطَّعُ يَمِيْنًا وَسُمَالاً يُمُطَرُونَ وَلاَ يُمْطَرُ الْمُلُ الْمَدِيْنَة .

৯৬০ মুসাদ্দাদ (র.).....আনাস ইব্ন মালিক (রা.) থেকে বর্ণিত তিনি বলেন, রাসূলুল্লাহ্ জুমু'আর দিন খুত্বা দিচ্ছিলেন। এ সময় একজন লোক এসে বললেন, ইয়া রাসূলাল্লাহ্ ! বৃষ্টি বন্ধ হয়ে গেছে। আপনি আল্লাহ্র নিকট দু'আ করুন। তিনি যেন আমাদেরকে বৃষ্টি দান করেন। তিনি তখন দু'আ করলেন। ফলে এত অধিক বৃষ্টি হল যে, আমাদের নিজ নিজ ঘরে পৌছতে পারছিলাম না। এমনকি পরের জুমু'আ পর্যন্ত বৃষ্টি হতে থাকল। আনাস (রা.) বলেন, তখন সে লোকটি অথবা অন্য একটি লোক দাঁড়িয়ে বলল, ইয়া রাসূলাল্লাহ্! আপনি দু'আ করুন, আল্লাহ্ যেন আমাদের উপর থেকে বৃষ্টি সরিয়ে দেন। তখন রাস্লুল্লাহ্ ক্রিলালন ঃ হে আল্লাহ্! আমাদের আশে পাশে, আমাদের উপর নয়। আনাস (রা.) বলেন, আমি তখন দেখতে পেলাম, মেঘ ডানে ও বামে বিভক্ত হয়ে বৃষ্টি হতে লাগল, মদীনাবাসীর উপর বর্ষণ হচ্ছিল না।

#### ٦٤٣. بَابُ مَنِ اكْتَفَىٰ بِصِلاَةِ الْجُمُعَةِ فِي الْإِسْتِسْقَاءِ

৬৪৩. অনুচ্ছেদ ঃ বৃষ্টির দু'আর জন্য জুমু'আর সালাতকে যথেষ্ট মনে করা।

الله عَدْثَنَا عَبْدُ الله بْنُ مَسْلَمَةً عَنْ مَالِكِ عَنْ شَرِيْكِ بْنِ عَبْدِ الله عَنْ اللهِ عَنْ الله عَنْ اللهِ الله

اَللَّهُمُّ عَلَى الْأَكَامِ وَالطِّرَابِ وَالْأَوْدِيَةِ وَمَنَابِتِ الشُّجَرِ فَانْجَابَتُ عَنِ الْمَدْيْنَةِ انْجِيابَ الثُّوبِ •

৯৬১ আবদুল্লাহ্ ইব্ন মাসলামা (র.)......আনাস ইব্ন মালিক (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, রাসূলুল্লাহ্ ক্রিট্রাই -এর নিকট এক ব্যক্তি এসে বলল, গৃহপালিত পশুগুলো মরে যাছে এবং রাস্তাগুলোও বন্ধ হয়ে যাছে। তখন তিনি দু'আ করলেন। ফলে সে জুমু'আ থেকে পরবর্তী জুমু'আ পর্যন্ত আমাদের উপর বৃষ্টি বর্ষিত হতে থাকল। তারপর সে ব্যক্তি আবার এসে বলল, (অতি বৃষ্টির কারণে) ঘরবাড়ী ধ্বংস হয়ে যাছে, রাস্তা অচল হয়ে যাছে এবং পশুগুলোও মরে যাছে। তখন রাসূলুল্লাহ্ ক্রিট্রে বললেন ৪ হে আল্লাহ্। টিলা, মালভূমি, উপত্যকা এবং বনাঞ্চলে বর্ষণ করুন। তখন মদীনা থেকে মেঘ এমনভাবে কেটে গেল, যেমন কাপড় ফেড়ে ফাঁক হয়ে যায়।

#### ٦٤٤. بَابُ الدُّعَا وِإِذَا تَقَطُّمَتِ السَّبُلُ مِنْ كَثْرَةِ الْمَطَرِ

ا الله عَلَيْ الله عَلَى رَجُلُ الله عَلَيْ الله عَلِيْ الله عَلَيْ الله عَلْ الله عَلَيْ الله عَلْ الله عَلْ الله عَلَيْ الله عَلْ الله عَلْ الله عَلْ الله عَلْ الله عَلْ الله عَلْمُ الله عَلْ الله عَلْ الله عَلْمُ الله عَلَيْ الله عَلَيْ عَلْمُ الله عَلْمُ الله عَلْمُ الله عَلَيْ الله عَلْمُ الله عَلْ

কিওই ইসমায়ীল (র.).....আনাস ইব্ন মালিক (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, এক ব্যক্তি রাস্লুল্লাহ্ বর্ম নকট এসে বলল, ইয়া রাস্লাল্লাহ্! পশুগুলো মারা যাচ্ছে, এবং রাস্তাগুলো বন্ধ হয়ে যাচছে। কাজেই আপনি আল্লাহ্র নিকট দু'আ করুন। তখন রাস্লুল্লাহ্ দু'আ করলেন। ফলে সে জুমু'আ থেকে পরবর্তী জুমু'আ পর্যন্ত তাদের উপর বৃষ্টি বর্ষিত হতে থাকল। এরপর এক ব্যক্তি রাস্লুল্লাহ্ বর্ম এর কাছে এসে বলল, ইয়া রাস্লাল্লাহ্! ঘরবাড়ী ধ্বসে পড়েছে, রাস্তাঘাট বিচ্ছিন্ন হয়ে যাচ্ছে এবং পশুগুলোও মরে যাচ্ছে। রাস্লুল্লাহ্ ক্রিটিতখন বললেনঃ হে আল্লাহ্! পাহাড়ের চূড়ায়, টিলায়, উপত্যকায় এবং বনাঞ্চলে বৃষ্টি বর্ষণ করুন। তারপর মদীনার আকাশ থেকে মেঘ সরে গেল, যেমন কাপড় ফেড়েফাক হয়ে যায়।

#### ٦٤٥. بَابُ مَاقْبِلَ انْ النَّبِي عَلِي لَمُ يُحَوِّل رِدَاءَهُ فِي الْإِسْتِسْقَاءِ يَنْمَ الْجُمْعَةِ

৬৪৬. অনুচ্ছেদ ঃ বলা হয়েছে, জুমু'আর দিন বৃষ্টির জন্য দু'আ করার সময় নবী ক্রিটিই তাঁর চাদর উন্টান নি।

9٦٣ حَدَّثَنَا الْحَسَنُ بْنُ بِشُرِ قَالَ حَدَّثَنَا مُعَافَى بْنُ عِمْرَانَ عَنِ الْأَوْزَاعِيِّ عَنَ اسْحُقَ بْنِ عَبْدِ اللهِ عَنْ السَّحِقَ بْنِ عَبْدِ اللهِ عَنْ السَّحِقَ بْنِ عَبْدِ اللهِ عَنْ السَّحِقَ بْنِ عَبْدِ اللهِ عَنْ السَّحَقَ بْنِ عَلَا اللهِ عَنْ السَّعَقَ بُنُ عَلَى النَّهِ عَنْ السَّعَقَ وَلَمْ يَذْكُرُ اللهُ عَلَى اللهِ عَنْ اللهِ عَلَى اللهِ عَنْ اللهِ عَلَى اللهِ عَنْ اللهِ عَلَى اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَلَى اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَنْ اللهِ عَلَى الللهِ عَلَى اللهِ عَلَى الل

১৬৩ হাসান ইব্ন বিশ্র (র.)......আনাস ইব্ন মালিক (রা.) থেকে বর্ণিত একব্যক্তি নবী ক্রিড্রার কাছে সম্পদ বিনষ্ট হওয়ার এবং পরিবার পরিজনের দুঃখ-কষ্টের অভিযোগ করে। তখন তিনি আল্লাহ্র নিকট বৃষ্টির জন্য দু'আ করলেন। বর্ণনাকারী একথা বলেন নি, তিনি (আল্লাহ্র রাস্ল ﷺ) তাঁর চাদর উল্টিয়ে ছিলেন এবং এও বলেন নি, তিনি কিব্লামুখী হয়েছিলেন।

#### ٦٤٧. بَابُ إِذَا اسْتَشْفَعُوا إِلَى الْإِمَامِ لِيَسْتَسْقِي لَهُمْ لَمْ يَرُدُّهُمْ

ا هما الله عَبْدُ الله بَنُ يُوسُفَ قَالَ اَخْبَرَنَا مَالِكُ عَنْ شَرِيكِ بَنِ عَبْدِ الله بَنِ اَبِيْ نَمِرٍ عَنْ اَنَسِ بَنِ مَالِكِ اَنَّهُ قَالَ جَاءَ رَجُلُ الله عَبْدُ الله عَنْ شَرِيكِ بَنِ عَبْدِ الله بَنِ اَبِيْ نَمْرٍ عَنْ اَنَسِ بَنِ مَالِكِ اَنَّهُ قَالَ جَاءَ رَجُلُ الله عَلَى الله عَلَ

৯৬৪ আবদুল্লাহ্ ইব্ন ইউস্ফ (র.)......আনাস ইব্ন মালিক (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্র-এর কাছে একব্যক্তি এসে বলল, ইয়া রাস্লাল্লাহ্! পশুগুলো মরে যাচ্ছে এবং রাস্তাগুলো বন্ধ হয়ে যাচ্ছে। তাই আপনি আল্লাহ্র নিকট (বৃষ্টির জন্য) দু'আ করুন। তখন তিনি দু'আ করলেন। ফলে এক জুমু'আ থেকে অপর জুমু'আ পর্যন্ত আমাদের উপর বৃষ্টিপাত হতে থাকল। এরপর একব্যক্তি রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্রে -এর কাছে এসে বলল, ইয়া রাস্লাল্লাহ্! ঘরবাড়ী বিনষ্ট হয়ে যাচ্ছে এবং রাস্তা ঘাট বিচ্ছিন্ন হয়ে যাচ্ছে এবং পশুগুলোও মরে যাচ্ছে। রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্রে তখন দু'আ করলেন, হে আল্লাহ্! পাহাড়ের উপর, টিলার উপর, উপত্যকা এলাকায় এবং বনাঞ্চলে বর্ষণ করুন। ফলে মদীনা থেকে মেঘ এরপভাবে কেটে গেল যেমন কাপড় ফেড়ে ফাঁক হয়ে যায়।

#### ٦٤٧. بَابُ إِذَا اسْتَشْفَعَ الْمُشْرِكُونَ بِالْمُسْلِمِينَ عِنْدَ الْقَحْطِ

৬৪৭ . অনুচ্ছেদ ঃ দূর্ভিক্ষের সময় মুশরিক্রা মুসলিমদের নিকট বৃষ্টির জন্য দু'আর আবেদন করলে।

বুখারী শরীফ (২)—৩১

9٦٥ حَدُّثَنَا مُحَمَّدُ بَنُ كَثِيْرٍ عَنْ سُفْيَانَ حَدَّثَنَا مَنْصُورُ وَالْاَعْمَشُ عَنْ اَبِي الضَّحَى عَنْ مَسْرُوْقٍ قَالَ اَتَيْتُ ابْنَ مَسْعُود فَقَالَ اِنَّ قُرَيْشًا اَبْطَوا عَنِ الْاِسْلاَمِ فَدَعَا عَلَيْهِمُ النَّبِيُّ عَلَيْهُمُ النَّبِيُّ عَلَيْهُمُ النَّبِيُّ عَلَيْهُمُ النَّبِيُّ عَلَيْهُمُ النَّبِيُ عَلَيْهُمُ النَّبِيُّ عَلَيْهُمُ النَّبِيُّ عَلَيْهُمُ النَّبِي عَلَيْهُمُ اللَّهُ عَلَيْهُمُ اللَّهُ عَلَيْهُمُ اللَّهُ عَلَيْهُمُ اللَّهُ عَلَيْهُمُ اللَّهُ عَلَيْهُمُ اللَّهُ عَلَيْهُمُ اللّهُ عَلَيْهُمُ عَلَيْهُمُ اللّهُ عَلَيْهُمُ اللّهُ عَلَيْهُمُ اللّهُ عَلَيْهُمُ عَلَيْهُمُ اللّهُ عَلَيْهُمُ اللّهُ عَلَيْهُ اللّهُ عَلَيْهُمُ اللّهُ عَلَيْكُمُ اللّهُ عَلَيْكُولُ اللّهُ عَلَيْكُمُ اللّهُ اللّهُ عَلَيْكُمُ اللّهُ اللّهُ عَلَيْكُمُ اللّهُ اللّهُ عَلَيْكُمُ اللّهُ اللّهُ عَلَيْكُمُ اللّهُ ع

#### ٦٤٨. بَابُ الدُّعَاءِ إِذَا كُثُرُ الْمَطَرُ حَوَالَيْنَا وَلاَ عَلَيْنَا

৬৪৮. অনুচ্ছেদ ঃ অধিক বর্ষনের সময় এ রূপ দু'আ করা "যেন পার্শ্ববর্তী এলাকায় বৃষ্টি হয় আমাদের এলাকায় নয়।"

٩٦٦ حَدُّثُنَا مُحَمَّدُ بُنُ اَبِى بَكْرٍ حَدَّثَنَا مُعْتَمِرُ عَنْ عُبَيْدِ اللهِ عَنْ ثَابِتٍ عَنْ انْسٍ قَالَ النَّبِي عَلَيْ اللهِ عَنْ ثَابِتٍ عَنْ انْسٍ قَالَ النَّبِي عَلَيْهِ يَخْطُبُ وَاحْمَرْتِ الشَّجَرُ وَهَلَكَتِ الْبَهَائِمُ فَادُعُ ثَوْمَ جُمُعَةً فِقَامَ النَّاسُ فَصَاحُوا فَقَالُوا يَارَسُولَ اللهِ قَحَطَ الْمَطَرُ وَاحْمَرْتِ الشَّجَرُ وَهَلَكَتِ الْبَهَائِمُ فَادُعُ

الله يَسْعَيْنَا فَقَالَ اللَّهُمُّ اسْعَنَا مَرَّتَيْنِ وَأَيْمُ اللَّهِ مَانَرَى فِي السَّمَاءِ قَزَعَةً مِنْ سَحَابُ قَلَّ سَحَابُةً وَامْطُرَتُ وَنَذَلَ عَنِ الْمُثْبَرِ فَصَلِّى فَلَمًّا انْصَرَفَ لَمْ تَزَلُ تُمْطِرُ الِّي الْجُمْعَةِ الَّتِي تَلَهَا فَلَمَّا قَامَ النَّبِيُ عَنِي الْمُثَبِرِ فَصَلِّي فَلَمًّا الْمُعْرَفَ لَمْ تَزَلُ تُمْطِرُ الِّي الْجُمْعَةِ الَّتِي تَلَهَا فَلَمَّا قَامَ النّبِي عَنِي الْمُثَبِرِ فَصَلَّى فَلَمَّا الْمُؤْتِ وَانْقَطَعَتِ السِّبُلُ فَادْعُ الله يَحْسِمُهَا عَنَّا فَتَبَسَّمَ النَّبِي الْمَالِقُ مَا لَكُ مَنْ اللَّهُ مَا اللّهِمُ مَا اللَّهُمُّ حَوَالَيْنَا وَلَا عَلَيْنَا فَكَشَطَتِ الْمَدِينَةُ فَجَعَلَتُ تُمْطِرُ حَوْلَهَا وَلاَ تَمْطُرُ بِالْمَدِينَةِ قَطْرَةً فَنَظَرْتُ اللَّهُ اللّهُ الْمُدَيْنَةِ وَاللّهُ الْمُدِينَةِ وَاللّهُ الْالْمُدِينَة وَانَّهُا لَفِي مِثْلُ الْاكُلْيُلُ .

٦٤٩ بَابُ الدُّعَاءِ فِي الْإِسْتِسْقَاءِ قَائِمًا وَقَالَ لَنَا اَبُونُعَيْمِ عَنْ زُهَيْرِ عِنْ اَبِي اِسْطَقَ خَرَجَ عَبْدُ اللهِ بْنُ يَزِيْدَ الْأَنْصَارِيُّ وَخَرَجَ مَعَهُ الْبَرَاءُ بْنُ عَازِبٍ وَزَيْدُ بْنُ اَرْقَمَ رَضِي اللَّهُ عَنْهُمْ فَاسْتَسْتَ قَى فَقَامَ بِهِمْ عَلَى يَزِيْدَ الْأَنْصَارِيُّ وَخَرَجَ مَعْهُ الْبَرَاءُ بْنُ عَازِبٍ وَزَيْدُ بْنُ اَرْقَمَ رَضِي اللَّهُ عَنْهُمْ فَاسْتَسَقَى فَقَامَ بِهِمْ عَلَى يَرْيُدَ الْأَنْ فَي عَيْرِ مِنْبَرٍ فَاسْتَفَقَدَ ثُمُّ صَلِّى رَكْعَتَيْنِ يَجْهَرُ بِالْقِرَاءَةِ وَلَمْ يُؤَدِّنُ وَلَمْ يُقَدِّمُ قَالَ اَبُو السَّحْقَ وَرَأَى عَبْدُ اللهِ بْنُ يَزِيْدَ النَّبِي عَلَيْ النَّهِ عَلَى عَيْرِ مِنْبَرٍ فَاسْتَقَعْدَ ثُمُّ صَلِّى رَكْعَتَيْنِ يَجْهَرُ بِالْقِرَاءَةِ وَلَمْ يُؤَدِّنُ وَلَمْ يُقِمْ قَالَ اَبُو السَّحْقَ وَرَأَى عَبْرُ مِنْبَرٍ فَاسْتَغُفَدَ ثُمُّ صَلِّى رَكْعَتَيْنِ يَجْهَرُ بِالْقِرَاءَةِ وَلَمْ يُؤَدِّنُ وَلَمْ يُومَ عَلَى اللّهُ عَنْ يَرِيدُ اللّهِ بْنُ يَزِيْدَ النّبِي اللّهُ عَنْ يَرْمِنْ اللّهُ بْنُ يَزِيْدَ اللّهِ بْنُ يَزِيْدَ النّبِي اللّهُ عَنْ يَرِيدُ اللّهُ عَنْ يُومِ اللّهُ اللّهِ بْنُ يَزِيْدَ اللّهِ بْنُ يُزِيدُ اللّهُ بْنُ يُزِيدُ اللّهُ بْنُ يَزِيدَ النّبِي \* عَلَى عَيْرِ مِنْ يَذِيدُ اللّهُ عَنْ يَرِيدُ اللّهُ عَلَى اللّهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ عِنْ يَرِيدُ اللّهِ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللهُ اللهُ اللّهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللّهُ اللهُ اللهُ اللّهُ اللهُ اللهُ اللّهُ اللهُ اللّهُ اللّهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهِ اللهُ اللّهُ اللهُ اللّهُ اللهُ اللهُ اللّهُ اللهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللهُ اللّهُ اللهُ اللهُ اللّهُ اللّهُ الللهُ اللهُ اللّهُ اللهُ اللهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللهُ اللهُ اللّهُ اللّهُ اللهُ اللّهُ اللللّهُ اللّهُ الللهُ الللهُ اللّهُ الللهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللهُ اللّهُ اللّهُ الل

৬৪৯. অনুচ্ছেদ ঃ দাঁড়িয়ে ইস্তিসকার দু আ করা। আবূ নু আইম (র.) যুহায়র (র.) — এর মাধ্যমে আবূ ইসহাক (র.) থেকে বর্ণনা করেন যে, আবদুল্লাহ্ ইব্ন ইয়াযীদ আনসারী (রা.) বের হলেন এবং, বারাআ ইব্ন আযিব ও যায়দ ইব্ন আরকাম (রা.) ও তাঁর সঙ্গে বের হলেন। তিনি মিশ্বর ছাড়াই পায়ের উপরে দাঁড়িয়ে তাঁদের সংগে

নিয়ে বৃষ্টির জন্য দু'আ করলেন। তারপর ইন্তিগফার করে আযার ও ইকামাত ব্যতীত সশব্দে কিরাআত পড়ে দু' রাকা'আত সালাত আদায় করেন।(রাবী) আবু ইসহাক (র.) বলেন, আবদুল্লাহ্ ইব্ন ইয়াযীদ (আনসারী) (রা.) নবী ক্রিট্র —কে দেখেছেন। (কাজেই তিনিও একজন সাহাবী)।

٩٦٧ حَدَّثَنَا اَبُو الْيَمَانِ قَالَ اَخْبَرَنَا شُعَيْبُ عَنِ الزُّهْرِيِّ قَالَ حَدَّثَنِي عَبَّادُ بْنِ تَميْمِ اَنَّ عَمَّهُ وَكَانَ مِنْ النَّبِيِّ عَلَيْكُمُ وَكَانَ مِنْ النَّبِيِّ عَلَيْكُمُ وَكَانَ مِنْ النَّبِيِّ عَلَيْكُمُ النَّبِيِّ عَلَيْكُمُ النَّبِيِّ عَلَيْكُمُ خَرَجَ بِالنَّاسِ يَسْتَسْقِيْ لَهُمْ فَقَامَ فَدَعَا اللَّهُ قَائِمًا ثُمُّ تَوَجَّهُ قِبِلَ الْقَبْلَةِ وَحَوْلَ رِدَاءَ لَهُ فَأَسْقُوا .

৯৬৭ আবুল ইয়ামান (র.)......আব্বাদ ইব্ন তামীম (রা.) থেকে বর্ণিত, তাঁর চাচা নবী ক্রিট্রেই -এর একজন সাহাবী ছিলেন, তিনি তার কাছে বর্ণনা করেছেন যে নবী ক্রিট্রেই সাহাবীগণকে নিয়ে তাঁদের জন্য বৃষ্টির দু'আর উদ্দেশ্যে বের হলেন। তিনি দাঁড়ালেন এবং দাঁড়িয়েই আল্লাহ্র দরবারে দু'আ করলেন। তারপর কিব্লামুখী হয়ে নিজ চাদর উল্টিয়ে দিলেন। এরপর তাদের উপর বৃষ্টি বর্ষিত হল।

#### ه ٦٥٠. بَابُ الْجَهْرِ بِالْقِرَاءَةِ فِي الْإِسْتِسْقًاءِ

৬৫০. অনুচ্ছেদ ঃ ইস্তিসকায় সশব্দে কিরাআত পাঠ।

٩٦٨ حَدَّثَنَا اَبُو نُعَيْمٍ حَدَّثَنَا ابْنُ اَبِى ذِنْبٍ عَنِ الزَّهْرِيِّ عَنْ عَبَّادِ بْنِ تَميْمٍ عَنْ عَبِّهِ قَالَ خَرَجَ النَّبِيُّ عَنْ عَبِّادِ بْنِ تَميْمٍ عَنْ عَبِّهِ قَالَ خَرَجَ النَّبِيُّ عَنْ عَبِّهِ مَا الْقَرِاءَ وَ النَّبِيُّ عَنْ صَلَّى رَكَعَتَيْنِ جَهَرَ فِيْهِمَا بِالْقِرَاءَ وَ .

৯৬৮ আবৃ নু'আইম (র.).....আব্বাদ ইব্ন তামীম (রা.) তাঁর চাচা থেকে বর্ণনা করেন, নবী বৃষ্টির দু'আর জন্য বের হলেন, কিব্লামুখী হয়ে দু'আ করলেন এবং নিজের চাদরখানি উল্টে দিলেন। তারপর দু'রাকা'আত সালাত আদায় করলেন। তিনি উভয় রাকা'আতে সশব্দে কিরাআত পাঠ করলেন।

#### ٦٥١. بَابُ كَيْفَ مَوْلَ النَّبِي عَلَيْ طُهُرَهُ اللَّهِ النَّاسِ

৬৫১. অনুচ্ছেদ ঃ নবী করীম ক্রিট্র কিভাবে মানুষের দিকে পিঠ ফিরালেন।

٩٦٩ حَدُّثَنَا أَدَمُ قَالَ حَدَّثَنَا ابْنُ آبِي ذِنْبٍ عَنِ الزُّهْرِيِّ عَنْ عَبَّادِ بْنِ تَمثِمٍ عَنْ عَبِّ قَالَ رَأَيْتُ النَّبِيُّ عَبِيًّ عَنْ عَبَّادِ بْنِ تَمثِمٍ عَنْ عَمِّ قَالَ رَأَيْتُ النَّبِيُ عَبِيًّ عَنْ عَبَّادِ بْنِ تَمثِمٍ عَنْ عَمْ عَالَى رَدَاءَ هُ ثُمُّ صَلَّى لَنَا يَسُومَ خَرَجَ يَسْتَسْقِيْ قَالَ فَحَوْلَ إِلَى النَّاسِ ظَهْرَهُ وَاسْتَقْبَلَ الْقَبْلَةَ يَدُعُونُ ثُلَم حَوْلَ رِدَاءَ هُ ثُمُّ صَلَّى لَنَا رَكُعْتَيْنِ جَهْرَ فِيهُمِا بِالْقِرَاءَةِ .

৯৬৯ আদম (র.).....আব্বাদ ইব্ন তামীম (র.) তাঁর চাচা থেকে বর্ণনা করেন, তিনি বলেন, নবী

যেদিন বৃষ্টির দু'আর উদ্দেশ্যে বের হয়েছিলেন, আমি তা দেখেছি। বর্ণনাকারী বলেন, তিনি লোকদের দিকে তাঁর পিঠ ফিরালেন এবং কিব্লামুখী হয়ে দু'আ করলেন। এরপর তিনি তাঁর চাদর উল্টেদিলেন। তারপর আমাদের নিয়ে দু'রাকা'আত সালাত আদায় করেন। তিনি উভয় রাকা'আতে সশব্দে কিরাআত পাঠ করেন।

#### ٢٥٢. بَابُ مِنَلاَةِ الْإِسْتِشْقَاءِ رَكْعَتَيْنِ

৬৫২ . অনুচ্ছেদ ঃ ইস্তিস্কার সালাত দু' রাকা'আত।

٩٧٠ حَدَّثَنَا قُتَيْبَةً بْنُ سَعِيْدٍ قَالَ سَفْيَانُ عَنْ عَبْدِ اللهِ بْنِ آبِي بَكْرٍ عَنْ عَبَّادٍ بْنِ تَمِيْمٍ عَنْ عَمِّهِ آنَّ النَّبِيُّ وَاللهِ بَنِ آبِي بَكْرٍ عَنْ عَبَّادٍ بْنِ تَمِيْمٍ عَنْ عَمِّهِ آنَّ النَّبِيُّ وَاللهِ بَنِ آبِي بَكْرٍ عَنْ عَبِّادٍ بْنِ تَمِيْمٍ عَنْ عَمِّهِ آنَّ النَّبِيُّ وَاللهِ بَنِ آبِي بَكْرٍ عَنْ عَبِّادٍ بْنِ تَمِيْمٍ عَنْ عَمِّهِ آنَ النَّبِيُّ وَاللهِ بَنِ آبِي اللهِ بَنِ آبِي بَكْرٍ عَنْ عَبِي اللهِ اللهِ بن آبِي بَكْرٍ عَنْ عَبِي اللهِ اللهِ بن آبِي اللهِ اللهِ اللهِ بن آبِي اللهِ اللهِ

৯৭০ কুতাইবা ইব্ন সাইদ (র.).....আব্বাদ ইব্ন তামীম (র.) তাঁর চাচা থেকে বর্ণনা করেন, নবী বৃষ্টির জন্য দু'আ করলেন। এরপর তিনি দু'রাকা'আত সালাত আদায় করলেন এবং চাদর উল্টিয়ে নিলেন।

#### ١٥٣. بَابُ الْإِسْتِسْقَاءِ فِي الْمُصلِّلِي

৬৫৬. অনুচ্ছেদ ঃ ঈদগাহে ইসতিস্কা।

٩٧١ حَدِّثْنَا عَبْدُ اللهِ بْنُ مُحَمَّدٍ قَالَ حَدِّثْنَا سَفْيَانُ عَنْ عَبْدِ اللهِ بْنِ اَبِيْ بَكْرٍ سَمِعَ عَبَّادَ بْنَ تَمِيْمٍ عَنْ عَبْدِ اللهِ بْنِ اَبِيْ بَكْرٍ سَمِعَ عَبَّادَ بْنَ تَمِيْمٍ عَنْ عَمِّهِ قَالَ عَمَّهِ قَالَ خَرَجَ النَّبِيُ عَلَى النَّمِ عَنْ اَبِي بَكْرٍ قَالَ جَعَلَ الْيَمِيْنَ عَلَى الشَّمَالِ . 

هَ الشَّمَالُ وَ الشَّمَالُ وَ الْمَسْعُودُ فَي عَنْ اَبِي الْمُرْقِقَالَ جَعَلَ الْيَمِيْنَ عَلَى الشَّمَالُ .

৯৭১ আবদুল্লাহ্ ইব্ন মুহাম্মদ (র.)......আব্বাদ ইব্ন তামীম (র.) তাঁর চাচা থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী ক্রিট্রেই ইসতিস্কার জন্য ঈদগাহ্র ময়দানে গমন করেন। তিনি কিব্লামুখী হলেন, এরপর দু'রাকা'আত সালাত আদায় করলেন এবং তাঁর চাদর উল্টিয়ে নিলেন। সুফিয়ান (র.) বলেন, আবু বক্র (রা.) থেকে মাসউদী (রা.) আমাকে বলেছেন, তিনি (চাদর পাল্টানোর ব্যাখ্যায়) বলেন, ডান পাশ বাঁ পাশে দিলেন।

#### ٢٥٢. بَابُ اسْتَقْبَالَ الْقَبِلَةِ فِي الْإِسْتِسْقًاءِ

৬৫৪. অনুচ্ছেদ ঃ বৃষ্টির জন্য দু আর সময় কিব্লামুখী হওয়া।

٩٧٢ حَدَّثَنَا مُحَمَّدُ قَالَ اَخْبَرَنَا عَبْدُ الْوَهَّابِ قَالَ حَدَّثَنَا يَحْيِي بْنُ سَعِيْدٍ قَالَ اَخْبَرَنِي اَبُوْ بَكْرِبْنُ مُحَمَّدٍ

اَنَّ عَبَّادَ بْنَ تَمِيْمِ اَخْبَرَهُ اَنَّ عَبْدَاللهِ بْنَ زَيْدٍ الْأَنْصَارِيُّ اَخْبَرَهُ اَنَّ النَّبِيُّ عَبَدَ اللهِ الْمُصَلِّى يُصلِيً وَاللهِ عَبَدِ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ الله

৯৭২ মুহাম্মদ (র.)......আবদুল্লাহ্ ইব্ন যায়দ আনসারী (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী স্ক্রিট্রা সালাতের জন্য ঈদগাহের উদ্দেশ্যে বের হলেন। তিনি যখন দু'আ করলেন অথবা দু'আ করার ইচ্ছা করলেন তখন কিব্লামুখী হলেন এবং তাঁর চাদর উল্টিয়ে নিলেন। ইমাম বুখারী (র.) বলেন, এ (হাদীসের বর্ণনাকারী) আবদুল্লাহ্ ইব্ন যায়দ তিনি মাযিন গোত্রীয়। আগের হাদীসের বর্ণনাকারী হলেন কুফী এবং তিনি ইব্ন ইয়াযিদ।

#### ٦٥٥. بَابُ رَفْعِ النَّاسِ آيْدِينَهُمْ مَعَ الْاِمَامِ فِي الْاِسْتِسْقَاءِ

৬৫৬. অনুচ্ছেদ ঃ ইসতিস্কায় ইমামের সঙ্গে লোকদের হাত উঠানো।

اللهِ عَلَى النّاسُ اللهِ عَلَى النّاسُ اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى النّاسُ اللهِ عَلَى النّاسُ اللهِ عَلَى اللهِ اللهِ عَلَى اللهِ اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ اللهِ اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ الل

৯৭৩ আইয়়ব ইব্ন স্লায়মান (র.).....আনাস ইব্ন মালিক (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, এক বেদুঈন জুমু'আর দিন রাস্লুল্লাহ্ -এর কাছে উপস্থিত হয়ে বলল, ইয়া রাস্লাল্লাহ্! (অনাবৃষ্টিতে) পশুগুলো মরে যাচ্ছে, পরিবার-পরিজন মারা যাচ্ছে, মানুষ ধ্বংস হয়ে যাচ্ছে। তখন রাস্লুল্লাহ্ দু'আর জন্য দু'হাত উঠালেন। লোকজনও দু'আর জন্য রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্র এর সংগে হাত উঠিয়ে দু'আ করতে লাগলেন। বর্ণনাকারী বলেন,আমরা মসজিদ থেকে বের হওয়ার আগেই বৃষ্টি আরম্ভ হয়ে গেল, এমন কি পরবর্তী জুমু'আ পর্যন্ত আমাদের উপর বৃষ্টি হতে থাকল। তখন লোকটি রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্রের নিকট এসে বলল, ইয়া রাস্লাল্লাহ্! মুসাফির ক্রান্ত হয়ে যাচ্ছে, রাস্তাঘাট বন্ধ হয়ে গেছে। 'দুর্মার্ট্র এর অর্থ ক্রান্ত হয়ে যাচ্ছে। ওয়ায়সী (র.) আনাস (রা.) থেকে বর্ণিত য়ে, নবী ক্রিট্রের উভয় হাত উঠিয়ে-ছিলেন, এমন কি আমরা তার বগলের শুল্রতা দেখতে পেয়েছি।

#### ٢٥٢. بَابُ رَفْعِ الْإِمَامِ يَدَهُ فِي الْإِسْتِسْقَاءِ

৬৫৬. অনুচ্ছেদ ঃ ইস্তিসকায় ইমামের হাত উঠানো।

٩٧٤ حَدَّثَنَا مُحَمَّدُ بَنُ بَشَّارٍ حَدَّثَنَا يَحْدِلَى وَابِنُ آبِيْ عَدِيٍّ عَنْ سَعِيْدٍ عَنْ قَتَادَةَ عَنْ أَنَسِ بَنِ مَاكِ مِ اللهِ عَدَّتَى مُرَى اللهِ عَنْ اللهِ عَلَيْ مَنْ اللهِ عَلَيْ مِنْ دُعَاءِهِ إِلاَّ فِي الْاِسْتِ سَعَقَاءِ وَإِنَّ لَهُ يَرْفَعُ حَتَّى يُرَى عَالَهُ فِي الْاِسْتِ سَعْقَاءِ وَإِنَّ لَهُ يَرْفَعُ حَتَّى يُرَى بَيَاضُ ابْطِيهِ .

৯৭৪ মুহাম্মদ ইব্ন বাশ্শার (র.).....আনাস ইব্ন মালিক (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী ইসতিস্কা ব্যতীত অন্য কোথাও দু'আর মধ্যে হাত উঠাতেন না। তিনি হাত এতটুকু উপরে উঠাতেন যে, তাঁর বগলের ভ্রতা দেখা যেত।

9٧٥ حَدُّثَنَا مُحَمَّدُ هُوَ ابْنُ مُقَاتِلُ اَبُو الْحَسَنِ الْمَرُوزِيُّ قَالَ اَخْبَرَنَا عَبْدُ اللهِ قَالَ اَخْبَرَنَا عَبْدُ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ عَائِشَةَ اَنَّ رَسُولَ اللهِ عَيْلِكُ كَانَ اذا رَأَى الْمَطَرَ قَالَ اللهُمُّ صَبَيْبًا نَافِعًا تَابَعَهُ الْقَاسِمُ بْنُ يَحْيِى عَنْ عَبَيْدِ اللهِ وَرَوَاهُ الْأَوْزَاعِيُّ وَعُقَيْلُ عَنْ نَافِعٍ .

৯৭৫ মুহামদ ইব্ন মুকাতিল (র.)......আয়িশা (রা.) থেকে বর্ণিত, রাস্লুল্লাহ্ ক্রিষ্ট্র বৃষ্টি দেখলে বলতেন, হে আল্লাহ্! মুষলধারায় কল্যাণকর বৃষ্টি দাও। কাসিম ইব্ন ইয়াহ্ইয়া (র.) উবায়দুল্লাহ্র সূত্রে তার বর্ণনায় আবদুল্লাহ্ (র.)-এর অনুসরণ করেছেন এবং উকাইল ও আওযায়ী (র.) নাফি' (র.) থেকে তা বর্ণনা করেছেন।

#### ٨٥٨. بَابُ مَنْ تَمَطَّرُ فِي الْمَطَرِ حَتَّى يَتَحَادَرَ عَلَى لِحُيتِهِ

ইসতিস্কা ছাড়া অন্যান্য স্থানে নবী ক্লিক্ট্র হাত উঠিয়ে দু'আ করতেন সহীহ্ হাদীস দ্বারা তা প্রমাণিত। এস্থলে হাত উঠাতেন না দ্বারা বেশী উর্ধ্বে হাত উঠাতেন না বুঝানো হয়েছে।

عَلَى الْمَثْبَرِ يَوْمَ الْجُمُّعَةِ قَامَ اعْسَرَابِي فَقَالَ يَارَسُولَ اللهِ هَلَكَ الْمَالُ وَجَاعَ الْعِيَالُ فَادْعُ اللهُ لَنَا اَنْ يَسْتَقِينَا قَالَ فَرَفَعَ رَسُولُ اللهِ عَلِيَّةٍ يَدَيْهِ وَمَا فِي السَّمَاءِ قَزَعَةُ قَالَ فَثَارَ سَحَبُ اَمْثَالُ الْجَبَالِ ثُمَّ لَمْ يَنْزِلُ عَنْ مِثْبَرِهِ حَتَّى رَأَيْتُ الْمَطَرَ يَتَحَادَرُ عَلَى لِحْيَتِهِ فَمُطْرِنَا يَوْمَنَا ذٰلِكَ وَفِي الْغَدِ وَمِنْ بَعْدِ الْغَدِ وَالَّذِي يَلِيهِ عَنْ مِثْبَرِهِ حَتَّى رَأَيْتُ الْمَطَرَ يَتَحَادَرُ عَلَى لِحْيَتِهِ فَمُطْرِنَا يَوْمَنَا ذٰلِكَ وَفِي الْغَدِ وَمِنْ بَعْدِ الْغَدِ وَالَّذِي يَلِيهِ إِلَى الْجُمُّعَةِ الْاُخْرَى فَقَامَ ذٰلِكَ الْاَعْرَابِيُّ آوْ رَجُلُ غَيْرُهُ فَقَالَ يَا رَسُولَ اللهِ تَهَدَّمَ الْبِنَاءُ وَغَرِقَ الْمَالُ فَادْعُ اللهُ لَلَا فَرَفَعَ رَسُولُ اللهِ يَهِدِهِ إلى نَاحِيةٍ مِنَ اللّهُ لَنَا فَرَفَعَ رَسُولُ اللهِ يَهِلِي يَدِهِ إلى نَاحِيةٍ مِنَ اللهُ لَنَا فَرَفَعَ رَسُولُ اللهِ يَهِلِي يَدِهِ إلى نَاحِيةٍ مِنَ اللّهُ لَنَا فَرَفَعَ رَسُولُ اللهِ يَهِلِي يَدِهِ إلى نَاحِيةٍ مِنَ السَّمَاءِ إلاَّ تَقَرَّجَتُ حَتَّى صَارَتِ الْمَدِيْنَةُ فِي مِثْلِ الْجَوْبَةِ حَتَّى سَالَ الْوَادِي وَادِي قَانَةَ شَهْسَرًا ، فَلَا فَلَمْ يَجِي ْ اَحَدُ مَنْ نَاحِيةِ إلاَّ حَدَّتُ بِالْجَوْد .

মহামদ ইব্ন মুকাতিল (র.)......আনাস ইব্ন মালিক (রা.) থেকে বর্ণিত তিনি বলেন, রাস্লুল্লাই ক্রিট্র একবার লোকেরা অনাবৃষ্টিতে পতিত হল। সে সময় রাস্লুল্লাই ক্রিট্র একবার মিয়রে দাঁড়িয়ে জুমু'আর খুত্বা দিচ্ছিলেন। তখন এক বেদুঈন দাঁড়িয়ে বলল, ইয়া রাস্লাল্লাই! (অনাবৃষ্টিতে) ধন সম্পদ বিনষ্ট হয়ে যাচ্ছে। পরিবার পরিজন ক্ষুধার্ত। আপনি আল্লাহ্র কাছে দুআ করুন, তিনি যেন আমাদের বৃষ্টি দান করেন। তখন রাস্লুল্লাই ক্রিট্র (দু'আর জন্য) তাঁর দু' হাত তুললেন। সে সময় আকাশে একখণ্ড মেঘণ্ড ছিল না। বর্ণনাকারী বলেন, হঠাৎ পাহাড়ের মত বহু মেঘ একত্রিত হল। রাস্লুল্লাই ক্রিট্র থিকে অবতরণের পূর্বে বৃষ্টি শুরু হলো। এমনকি আমি দেখলাম, নবী ক্রিট্র নার এবং পরবর্তী জুমু'আ পর্যন্ত বৃষ্টি হল। তারপর সে বেদুঈন বা অন্য কেউ দাঁড়িয়ে বলল, ইয়া রাস্লাল্লাই! (অতি বৃষ্টিতে) ঘর-বাড়ী বিধ্বস্ত হয়ে গেল, সম্পদ ডুবে গেল, আপনি আল্লাহ্র কাছে আমাদের জন্য দু'আ করুন। রাস্লুল্লাই তখন তাঁর দুহাত তুলে বললেন ঃ হে আল্লাহ্! আমাদের আশে পাশে, আমাদের উপর নয়। এরপর তিনি হাত দিয়ে আকাশের যে দিকে ইঙ্গিত করলেন, সে দিকের মেঘ কেটে গেল। এতে সময় মদীনার আকাশ মেঘ মুক্ত চালের মত হয়ে গেল এবং কানাত উপত্যকায় এক মাস ধরে বৃষ্টি প্রবাহিত হতে থাকে। বর্ণনাকারী বলেন, তখন যে অঞ্চল থেকে লোক আসত, কেবল এ অতিবৃষ্টির কথাই বলাবলি করত।

#### ٦٥٩. بَابُ إِذَا مَبِّتِ الرِّيحُ

৬৬%. অনুচ্ছেদ ঃ যখন বায়ু প্রবাহিত হয়।

٩٧٧ حَدَّثَنَا سَعِيْدُ بْنُ آبِي مَرْيَمَ قَالَ آخْبَرَنَا مُحَمَّدُ بْنُ جَعْفَرِ قَالَ آخْبَرَنِي حُمَيْدُ آنَّهُ سَمِعَ آنَسِ بْنِ مَالِكِ يَقُولُ كَانَتِ الرِّيْحُ الشَّدِيْدَةُ اذَا هَبَّتُ عُرِفَ ذَٰلِكَ فِي وَجُهِ النَّبِيِّ عَلَيْهِ

৯৭৭ সাঈদ ইব্ন আবৃ মারয়াম (র.).....আনাস ইব্ন মালিক (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, যখন প্রচণ্ড বেগে বায়ু প্রবাহিত হত তখন নবী ক্রিট্রি -এর চেহারায় তার প্রতিক্রিয়া দেখা দিত। (অর্থাৎ চেহারায় আতঙ্কের চিহ্ন ফুটে উঠত)।

#### ٠٦٦. بَابُ قُولِ النَّبِيِّ عَلِيَّ نُصِرْتُ بِالصَّبَا

المُ المُلكَتُ عَادُ بِالدَّبُوْرِ ، الدَّبُورْ ، المَاكِلُة عَادُ بِالدَّبُورْ ،

৯৭৮ মুসলিম ইব্ন ইব্রাহীম (র.).....ইব্ন আব্বাস (রা.) থেকে বর্ণিত নবী বিলেন, আমাকে পূবালী হাওয়া দিয়ে সাহায্য করা হয়েছে। আর আদ জাতিকে পশ্চিমা বায়ু দিয়ে ধ্বংস করা হয়েছে।

#### ٦٦١. بَابُ مَا قَيْلُ فِي الزُّلاَزِلِ وَالْاَيَاتِ

৬৬১. অনুচ্ছেদ ঃ ভূমিকম্প ও কিয়ামতের আলামত সম্পর্কে যা বর্ণিত হয়েছে।

٩٧٩ حَدُّنَنَا أَبُو الْيَمَانِ قَالَ اَخْبَرَنَا شُعَيْبُ قَالَ اَخْبَرَنَا اللهِ الْأِنَادِ عَنْ عَبْدِ الرَّحْمَٰنِ الْاَعْرَجِ عَنْ اَبِي هُرَيْرَةَ قَالَ النَّبِي عَلِي لَهُ السَّاعَةُ حَتَى يُقْبَضَ الْعَلِمُ وَتَكُثَرَ الزَّلاَزِلُ وَيَتَقَارَبَ الزَّمَانُ وَتَظْهَرَ الْفَتِنُ وَيَكُثَرَ النَّلاَزِلُ وَيَتَقَارَبَ الزَّمَانُ وَتَظْهَرَ الْفَتِنُ وَيَكُثَرُ الْهَرَجُ وَهُو الْقَتَلُ حَتَّى يَكُثَرُ فَيْكُمُ الْمَالُ فَيَفْيَضُ .

৯৭৯ আবুল ইয়ামান (র.)......আবৃ হুরায়রা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী ক্রিট্রাবলেছেন ঃ কিয়ামত কায়েম হবে না, যে পর্যন্ত না ইল্ম উঠিয়ে নেওয়া হবে, অধিক পরিমাণে ভূমিকম্প হবে, সময় সংকুচিত হয়ে আসবে, ফিত্না প্রকাশ পাবে এবং হারজ বৃদ্ধি পাবে। হারজ খুন-খারাবী। তোমাদের ধন-সম্পদ এত বৃদ্ধি পাবে যে, উপচে পড়বে।

৯৮০ মুহামদ ইব্ন মুসান্না (র.)....ইব্ন উমর (রা.) থেকে বর্ণিত, নবী ক্রিট্র বলেন, হে আল্লাহ্! আমাদের শামে (সিরিয়া) ও ইয়ামনে বরকত দান করুন। লোকেরা বলল, আমাদের নজদেও। নবী বললেনঃ হে আল্লাহ্! আমাদের শামদেশে ও ইয়ামনে বরকত দান করুন। লোকেরা তখন বলল, বুখারী শরীফ (২)—৩২

আমাদের নজদেও। রাবী বলেন, নবী ত্রী তখন বললেন ঃ সেখানে তো রয়েছে ভূমিকম্প ও ফিত্না-ফাসাদ আর শয়তানের শিং<sup>১</sup> সেখান থেকেই বের হবে।

#### ٦٦٢. بَابُ قَوْلِ اللَّهِ تَعَالَىٰ: وَتَجْعَلُونَ رِزْقَكُمْ أَنَّكُمْ تُكَذِّبُونَ قَالَ ابْنُ عَبَّاسٍ شُكْرَكُمْ

৬৬২ . অনুচ্ছেদ ঃ আল্লাহ্ তা'আলার বাণী ঃ وَنَهُكُمُ اَنْكُمُ اَنْكُمُ اَنْكُمُ اَنْكُمُ اَنْكُمُ اَنْكُمُ الله মিথ্যা আরোপকেই তোমাদের উপজীব্য করেছ"। ইব্ন আঙ্কাস রো.) বলেন, 'রিয্ক' দ্বারা এখানে 'কৃতজ্ঞতা' বুঝানো হয়েছে।

٩٨١ حَدُّنَا السَّمْعِيْلُ حَدَّنَنِي مَالِكِ عَنْ صَالِحِ ابْنِ كَيْسَانَ عَنْ عُبَيْدِ اللهِ بْنِ عَبْدِ اللهِ بْنِ عَبْدِ اللهِ بْنِ عَبْدِ اللهِ بْنِ عَبْدِ اللهِ بْنِ عَلَى ابْرِ مَسْعُود عِنْ زَيْدِ بْنِ خَالِد الْجُهَنِيِّ انَّهُ قَالَ صَلَّى لَنَا رَسُولُ اللهِ عَلَى النَّاسِ فَقَالَ هَلُ تَدْرُونَ مَاذَا قَالَ رَبُّكُمْ قَالُوا سَمَاءِ كَانَ مِنَ اللَّيْلَةِ فَلَمًا الْمُصَرَفَ النَّبِيُ عَلَى النَّاسِ فَقَالَ هَلُ تَدْرُونَ مَاذَا قَالَ رَبُّكُمْ قَالُوا الله وَرَحْمَتِهِ الله وَرَحْمَتِهِ الله وَرَحْمَتِهِ الله وَرَحْمَتِهِ فَذَالِكَ مُؤْمِنُ بِي كَافِلُ بِلْكَوْكَبِ ، وَامًا مَنْ قَالَ بِنَوْءِ كَذَا وَكَذَا فَذَالِكَ كَافِلُ بِيْ مُؤْمِنُ بِالْكُوكَكِ ، وَامًا مَنْ قَالَ بِنَوْءِ كَذَا وَكَذَا فَذَالِكَ كَافِلُ بِي مُؤْمِنُ بِالْكُوكِكِ ،

৯৮১ ইসমায়ীল (র.)......যায়দ ইব্ন খালিদ জুহানী (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, রাস্লুল্লাহ্ রাতে বৃষ্টিপাতের পরে আমাদের নিয়ে হুদাইবিয়ায় ফজরের সালাত আদায় করেন। তারপর নবী ক্রিট্রে লোকদের দিকে মুখ করে বললেন ঃ তোমরা কি জান, তোমাদের রব কি বলেছেন? তাঁরা বললেন, আল্লাহ্ এবং তাঁর রাস্লই ভাল জানেন। তিনি তখন বললেন, (আল্লাহ্ বলেছেন) আমার কিছুসংখ্যক বাদা অবিশ্বাসী হয়ে গেল। যে ব্যক্তি বলে, আল্লাহ্র ফযল ও রহমতে আমাদের উপর বৃষ্টি বর্ষিত হয়েছে, সে আমার প্রতি বিশ্বাসী এবং নক্ষত্রের প্রতি অবিশ্বাসী। আর যে ব্যক্তি বলে, অমুক অমুক নক্ষত্র উদয়ের ফলে (বৃষ্টি বর্ষিত হয়েছে) সে ব্যক্তি আমার প্রতি অবিশ্বাসী এবং নক্ষত্রের প্রতি বিশ্বাসী।

رَبُ اللّهُ عَنْ اللّهِ مُرَيْرَةً عَنِ النّبِي عَلَيْ خَمْسُ لاَ يَعْلَمُهُنْ الْا اللّهُ وَقَالَ اَبُو هُرَيْرَةً عَنِ النّبِي عَلَيْ خَمْسُ لاَ يَعْلَمُهُنْ الْا اللّهُ وَقَالَ اَبُو هُرَيْرَةً عَنِ النّبِي عَلَيْ خَمْسُ لاَ يَعْلَمُهُنْ الْا اللّهُ وَقَالَ اَبُو هُرَيْرَةً عَنِ النّبِي عَلَيْ خَمْسُ لاَ يَعْلَمُهُنْ الْا اللّهُ وَقَالَ ابْو هُرَيْرَةً عَنِ النّبِي عَلَيْ خَمْسُ لاَ يَعْلَمُهُنْ الْا اللّهُ وَقَالَ ابْو هُرَيْرَةً عَنِ النّبِي عَلَيْ خَمْسُ لاَ يَعْلَمُهُنْ الْا اللّهُ وَقَالَ ابْو هُرَيْرَةً عَنِ النّبِي عَلَيْ اللّهُ اللّهُ وَقَالَ اللّهُ وَقَالُهُ وَقَالَ اللّهُ وَقَالًا اللّهُ وَقَالُ اللّهُ وَقَالًا اللّهُ وَقَالُ اللّهُ وَقَالُوا اللّهُ وَقَالُوا اللّهُ وَقَالًا اللّهُ وَقَالًا اللّهُ وَقَالًا اللّهُ وَقَالًا اللّهُ وَقَالُوا اللّهُ وَقَالًا اللّهُ وَقَالًا اللّهُ وَقَالُهُ اللّهُ وَاللّهُ وَقَالُهُ وَاللّهُ وَالل اللّهُ وَاللّهُ وَالمُوالِمُ الللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَل

٩٨٢ حَدُّنَنَا مُحَمَّدُ بَنُ يُوسُفُ قَالَ حَدَّثَنَا سُفْيَانُ عَنْ عَبْدِ اللهِ بَنِ دِيْنَارٍ عَنِ ابْنِ عُمَرَ قَالَ قَالَ رَسُولُ اللهِ عَنْ ابْنِ عَمْرَ قَالَ قَالَ رَسُولُ اللهِ عَنْ عَبْدِ اللهِ عَنْ عَبْدِ اللهِ عَنْ ابْنِ عَمْرُ قَالَ قَالَ رَسُولُ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ عَدْ وَلاَ يَعْلَمُ أَحَدُ مَا يَكُونُ اللهِ عَنْ عَدْ وَلاَ يَعْلَمُ أَحَدُ مَا يَكُونُ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ عَدْ وَلاَ يَعْلَمُ أَحَدُ مَا يَكُونُ اللهِ عَنْ عَدْ وَلاَ يَعْلَمُ أَحَدُ مَا يَكُونُ اللهِ عَنْ عَدْ وَلاَ يَعْلَمُ أَحَدُ مَا يَكُونُ اللهِ عَنْ عَدْ وَلاَ يَعْلَمُ احَدُ مَا يَكُونُ اللهِ عَنْ عَدْ وَلاَ يَعْلَمُ احْدُ مَا يَكُونُ اللهِ عَنْ عَدْ وَلاَ يَعْلَمُ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ عَنْ عَدْ وَلاَ يَعْلَمُ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ عَدْ وَلاَ يَعْلَمُ اللهُ عَلْمُ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ عَدْ وَلاَ يَعْلَمُ اللهُ عَلَيْ مُ اللهُ عَنْ اللهُ عَلْمُ اللهُ اللهُ عَلْمُ اللهُ عَلَمُ اللهُ عَنْ عَدْ وَلاَ يَعْلَمُ اللهُ عَلَى اللهُ عَنْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ عَلَمُ اللهُ عَلَمُ اللهُ عَلَمُ اللهُ عَلَيْ عَلَمُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَمُ اللهُ عَلَمُ اللهُ عَلَمُ اللهُ عَلَمُ اللهُ عَلَمُ اللهُ عَلَمُ اللهُ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْكُونُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْكُونُ اللهُ عَلَيْكُونُ اللهُ عَلَمُ اللهُ اللهُ عَلَيْكُونُ اللهُ عَلَمُ اللهُ اللهُ عَلَيْنَ اللهُ عَلَيْكُونُ اللهُ عَلَامُ اللهُ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَامُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ اللهُ عَلَامُ اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَامُ اللهُ الل

তার দল বা অনুসারী।

فِي الْأَرْحَامِ ، وَلاَ تَعْلَمُ نَفْسُ مَاذَا تَكْسِبُ غَدًا وَمَا تَدْرِي نَفْسُ بِأَيِّ اَرْضِ تَمُوْتُ ، وَمَا يَدْرِي اَحَدُ مَتَى يَجِئُ الْمَطَرُ .

৯৮২ মুহাম্মদ ইব্ন ইউসুফ (র.).....ইব্ন উমর (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী বলৈছেন ঃ গায়বের কুঞ্জি হল পাঁচটি, যা আল্লাহ্ ব্যতীত কেউ জানে না ৷ ১. কেউ জানে না যে, আগামীকাল কী ঘটবে। ২. কেউ জানে না যে মায়ের গর্ভে কী আছে। (৩) কেউ জানে না যে, আগামীকাল সে কী আর্জন করবে। ৪. কেউ জানে না যে, সে কোখায় মারা যাবে। ৫. কেউ জানে না যে, কখন বৃষ্টি হবে।

# भूग्या । भूग्राया । ज्या । ज्

بِشَمِ اللهِ الرُّدُمُنِ الرَّدِيْمِ اللهِ الرُّدِيْمِ اللهِ الرُّدِيْمِ اللهِ الرُّدِيْمِ اللهِ الرَّدِيْمِ اللهِ اللهِ الرَّدِيْمِ اللهِ المُنْفِقِ المِنْ المُنْفِقِ المُنْفِقِ المُنْفِقِ اللهِ المُنْفِقِ اللهِ المُنْفِقِ المُنْفِقِي المُنْفِقِ المُنْفِقِي المُنْفِقِ المُنْفِقِ المُنْفِقِي المُنْفِقِ المُنْفِقِ المُنْفِقِ المُنْفِقِ المُنْفِقِي المُنْفِقِ المُنْفِقِي المُنْفِقِ المُنْفِقِ المُنْفِقِي المُنْفِقِي الْمُنْفِقِي المُنْفِقِ المُنْفِقِ المُنْفِقِي المُنْفِقِي المُنْفِقِ المُنْفِ

#### অধ্যায় ঃ সূর্যগ্রহণ

#### ٣٦٠. بَابُ الصَّلاةِ فِي كُسُوفِ الشَّمْسِ

৬৬৪. অনুচ্ছেদ ঃ সূর্যগ্রহণের সময় সালাত।

٩٨٣ حَدِّثَنَا عَمَرُو بَنُ عَوْنِ قَالَ حَدِّثَنَا خَالِدُ عَنْ يُونُسَ عَنِ الْحَسَنِ عَنْ آبِي بَكُرَةً قَالَ كُنَّا عِنْدَ النَّبِيُّ عَرُالِيَّ عَنْ النَّبِي بَنَا عَلَيْ اللهِ عَلَيْ يَجُرُّ رِدَاءَهُ حَتَّى دَخَلَ الْمَسْحِدِ فَدَخَلُنَا فَصلَّى بِنَا عَلَيْ اللهِ عَلَيْ يَجُرُّ رِدَاءَهُ حَتَّى دَخَلَ الْمَسْحِدِ فَدَخَلُنَا فَصلَّى بِنَا عَلَيْ اللهِ عَلَيْ لِمَ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ يَجُرُّ رِدَاءَهُ حَتَّى دَخَلَ الْمَسْحِدِ فَدَخَلُنَا فَصلَّى بِنَا رَكَعَتَيْنِ حَتَّى انْجَلَتِ الشَّمْسُ ، فَقَالَ إِنَّ الشَّمْسَ وَالْقَمَرَ لاَ يَنْكَسِفَانِ لِمَوْتِ احَد فِاذِا رَأَيْتُمُوهَا فَصلُوا وَادْعُوا حَتَّى يُكْشَفَ مَابِكُمْ .

৯৮৩ আমর ইব্ন আওন (র.)......আবূ বাকরা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আমরা নবী ক্রিট্রান্ত কাছে ছিলাম, এ সময় সূর্যগ্রহণ শুরু হয়। রাসূলুল্লাহ্ ক্রিট্রান্ত তখন উঠে দাঁড়ালেন এবং নিজের চাদর টানতে টানতে মসজিদে প্রবেশ করলেন এবং আমরাও প্রবেশ করলাম। তিনি আমাদেরকে নিয়ে সূর্য প্রকাশিত হওয়া পর্যন্ত দু'রাকা'আত সালাত আদায় করলেন। এরপর তিনি বললেনঃ কারো মৃত্যুর কারণে কখনো সূর্যগ্রহণ বা চন্দ্রগ্রহণ হয় না। তোমরা যখন সূর্যগ্রহণ দেখবে তখন এ অবস্থা কেটে যাওয়া পর্যন্ত সালাত আদায় করবে এবং দু'আ করতে থাকবে।

٩٨٤ حَدَّثَنَا شِهَابُ بْنُ عَبَّادٍ قَالَ حَدَّثَنَا ابْرَاهِيْمُ بْنُ حُمَيْدٍ عَنْ اسْمَعْيْلَ عَنْ قَيْسٍ قَالَ سَمِعْتُ أَبَا مِنْ مَعْدُ مِنْ السَّمِ عَلَى عَنْ قَيْسٍ قَالَ سَمِعْتُ أَبَا مِنْ مَسْعُودٌ مِقُولُ قَالَ النَّبِيُ عَلَيْهُما أَيتَانِ مِنْ النَّاسِ وَلَكِنَّهُمَا أَيتَانِ مِنْ أَيَاتُ اللهِ فَاذَا رَأَيْتُمُوهُمَا فَقُومُوا فَصَلُوا .

৯৮৪ শিহাব ইব্ন আব্বাদ (র.)....আবু মাসউদ (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী ক্রিন্ত্রী বলেছেনঃ কোন লোকের মৃত্যুর কারণে কখনো সূর্যগ্রহণ বা চন্দ্রগ্রহণ হয় না। তবে তা আল্লাহ্র নিদর্শনসমূহের মধ্যে দু'টি নিদর্শন। তাই তোমরা যখন সূর্যগ্রহণ বা চন্দ্রগ্রহণ হতে দেখবে, তখন দাঁড়িয়ে যাবে এবং সালাত আদায় করবে।

٩٨٥ حَدُّثَنَا أَصْبَغُ قَالَ آخُبَرَنِي ابْنُ وَهُب قَالَ آخُبَرَنِيْ عَمْرُو عَنْ عَبْدِ الرَّحُمٰنِ بْنِ الْقَاسِمِ حَدَّتُهُ عَنْ أَبِيهِ عَنِ ابْنِ عُمْرَ وَعَنْ عَبْدِ الرَّحُمٰنِ بْنِ الْقَاسِمِ حَدَّتُهُ عَنْ أَبِيهِ عَنِ ابْنِ عُمْرَ رَضِي اللهُ عَنْهُمَا آنَهُ كَانَ يُخْبِرُ عَنِ النَّبِيِّ عَلَيْ إِنَّ الشَّمْسَ وَالْقَمَرَ لاَ يَخْسِفَانِ لِمَوْتِ آبَيْهِ عَنِ ابْنِ عُمْرَ اللهُ عَنْهُمَا آنَةُ كَانَ يُخْبِرُ عَنِ النَّبِيِّ عَلَيْهِ إِنَّ الشَّمْسَ وَالْقَمَرَ لاَ يَخْسِفَانِ لِمَوْتِ آبَدِ وَلاَ لِحَيَاتِهِ وَلَكِنَّهُمَا أَيْتَانِ مِنْ أَيَاتِ اللهِ فَاذَا رَأَيْتُمُوهُمَا فَصَلُّوا .

৯৮৫ আসবাগ (র.).....ইব্ন উমর (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি নবী ক্রিট্রেই থেকে বর্ণনা করেন যে, কারো মৃত্যু বা জন্মের কারণে সূর্যগ্রহণ ও চন্দ্রগ্রহণ হয় না। তবে তা আল্লাহ্র নিদর্শন সমূহের মধ্যে দু'টি নিদর্শন। কাজেই তোমরা যখনই গ্রহণ হতে দেখবে তখনই সালাত আদায় করবে।

٩٨٦ حَدَّثَنَا عَبْدُ اللهِ بَنُ مُحَمَّدٍ قَالَ حَدَّثَنَا هَاشِمُ بَنُ الْقَاسِمِ قَالَ حَدَّثَنَا شَيْبَانُ اَبُو مُعَاوِيَةً عَنْ زِيَادٍ بَنِ عِلْقَةَ عَنِ الْمُغِيْرَةِ بَنِ شُعَيْبَةً قَالَ كَسَفَتِ الشَّمْسُ عَلَى عَهْدِ رَسُولِ اللهِ عَلِيَّةٍ يَوْمَ مَاتَ ابْرَاهِيْمُ ، فَقَالَ الشَّمْسُ عَلَى عَهْدِ رَسُولِ اللهِ عَلِيَّةٍ يَوْمَ مَاتَ ابْرَاهِيْمُ ، فَقَالَ الشَّمْسُ عَلَى عَهْدِ رَسُولِ اللهِ عَلَيْ يَوْمَ مَاتَ ابْرَاهِيْمُ ، فَقَالَ السَّمْسُ عَلَى عَهْدِ رَسُولُ اللهِ عَلَيْهِ إِنَّ الشَّمْسَ وَالْقَمَرَ لاَ يَنْكَسِفَانِ فَقَالَ النَّه عَلَيْهِ إِنَّ الشَّمْسَ وَالْقَمَرَ لاَ يَنْكَسِفَانِ لَمَوْتَ الْمَاسُدُ وَلاَ لَيْهِ عَلَيْهِ إِنَّ الشَّمْسَ وَالْقَمَرَ لاَ يَنْكَسِفَانِ لَمَوْتَ الْمَاسُ كَسَفَتِ الشَّمْسَ وَالْقَمَرَ لاَ يَنْكَسِفَانِ اللهِ عَلَيْهِ إِنَّ الشَّمْسَ وَالْقَمَرَ لاَ يَنْكَسِفَانِ اللهِ عَلَيْكُ إِنَّ الشَّمْسَ وَالْقَمَرَ لاَ يَنْكَسِفَانِ الشَّاسُ كَسَفَتِ الشَّمْسَ وَالْقَمَرَ لاَ يَنْكَسِفَانِ اللهِ عَلَيْكَ اللهِ عَلَيْكُ إِلَيْ الشَّعْمُسَ وَالْقَمَرَ لاَ يَنْكَسِفَانِ النَّالُ النَّهُ عَلَيْ اللهِ عَلَيْكُ اللهِ عَلَيْكُ اللهُ عَلَيْكُ اللهُ عَلَيْكُ اللهُ عَلَيْكُ اللهُ عَلَيْكُ اللهُ اللهُ عَلَيْكُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْتُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ اللهِ عَلَيْكُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهِ اللهُ اللهُ

৯৮৬ আবদুল্লাহ্ ইব্ন মুহামদ (র.).....মুগীরা ইব্ন শু'বা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, রাসূলুল্লাহ্
-এর সময় যে দিন (তাঁর পুত্র) ইবরাহীম (রা.) ইন্তিকাল করেন, সেদিন সূর্যগ্রহণ হয়েছিল।
লোকেরা তখন বলতে লাগল, ইব্রাহীম (রা.) এর মৃত্যুর কারণেই সূর্যগ্রহণ হয়েছে। তখন রাসূলুল্লাহ্
কললেন ঃ কারো মৃত্যু অথবা জন্মের কারণে সূর্য বা চন্দ্রগ্রহণ হয় না। তোমরা যখন তা দেখবে,
তখন সালাত আদায় করবে এবং আল্লাহ্র নিকট দু'আ করবে।

#### ٦٦٥. بَابُ الصَّدَقَةِ فِي الْكُسُونَ

৬৬৬. অনুচ্ছেদ ঃ সূর্যগ্রহণের সময় সাদাকা করা।

٩٨٧ حَدَّثَنَا عَبْدُ اللهِ بْنُ مَسْلَمَةَ عَنْ مَالِكٍ عَنْ هِشَامٍ بْنِ عُرْوَةَ عَنْ آبِيهِ عَنْ عَائِشَةَ آنَّهَا قَالَتْ خَسَفَتِ الشَّمْسُ فِي عَهْدِ رَسُولُ اللهِ عَلَيْهُ فَصَلَّى رَسُولُ اللهِ عَلَيْهُ بِالنَّاسِ فَقَامَ فَأَطَالَ الْقَيِامَ ثُمَّ رَكَعَ فَأَطَالَ الرَّكُوعَ وَهُلُو يُونَ الرَّكُوعِ الْاَولُ لِلهِ عَلَيْهُ بِالنَّاسِ فَقَامَ فَأَطَالَ الْقِيَامَ ثُمَّ رَكَعَ فَأَطَالَ الرَّكُوعِ الْاَولُ لِلهِ الرَّكُوعِ الْاَولُ لِمُ مَنْ الْمُؤلِ لَمْ رَكَعَ فَأَطَالَ الرَّكُوعِ وَهُلُو يُونَ الرَّكُوعِ الْاَولُ لِللهِ عَلَيْهِ مَنْ الرَّكُوعِ الْاَولُ لِهُ مَنْ السَّجُودَ ثُمَّ فَعَلَ فِي الرَّكُعَةِ الْاَخْرِي مِنْثَلَ مَافَعَلَ فِي الْاُولِي ثُمَّ انْصَرَفَ وَقَدِ

تَجَلَّتِ الشَّمْسُ فَخَطَبَ النَّاسَ فَحَمِدَ اللهُ وَاَثْنَى عَلَيْهِ ، ثُمَّ قَالَ انَّ الشَّمْسَ وَالْقَمَرَ أَيْتَانِ مِنْ أَيَاتِ اللهِ لَا يَنْخَسِفَانِ لِمَوْتِ اَحَدٍ وَلاَ لِحَيَاتِهِ فَاذَا رَأَيْتُمْ ذَٰلِكَ فَادْعُوا اللَّهُ وَكَبِّرُوا وَصلُّوا وَتَصدَّقُوا ، ثُمَّ قَالَ يَا أُمَّةً مُحَمَّدٍ وَاللهِ لَوْ تَعُلَمُونَ مَا مُحَمَّدٍ وَاللهِ لَوْ تَعُلَمُونَ مَا اعْلَهُ مَا مِنْ اَحَدٍ اَغْسَيرُ مِنَ اللهِ آنْ يَزْنِي عَبْدُهُ آوْ تَزْنِي آمَتُهُ ، يَا اُمَّةً مُحَمَّدٍ وَاللهِ لَوْ تَعُلَمُونَ مَا اعْلَمُ لَضَحَكُمُ قَلِيلاً وَلَبَكَيْتُمْ كَثِيرًا .

৯৮৭ আবদুল্লাহ্ ইব্ন মাসলামা (র.) আয়িশা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্রার্ট্র নময় একবার সূর্যপ্রহণ হল। তখন রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্রার্ট্র লোকদের নিয়ে সালাত আদায় করেন। তিনি দীর্ঘ সময় কিয়াম করেন, এরপর দীর্ঘক্ষণ রুক্ করেন। এরপর পুনরায় (সালাতে) তিনি উঠে দাঁড়ান এবং দীর্ঘ কিয়াম করেন। অবশ্য তা প্রথম কিয়াম চাইতে অল্পস্থায়ী ছিল। আবার তিনি রুক্ করেন এবং এ রুক্ ও দীর্ঘ করেন। তবে তা প্রথম রুক্ ভাইতে অল্পস্থায়ী ছিল। এরপর তিনি সিজ্লা করেন এবং সিজ্লাও দীর্ঘক্ষণ করেন। এরপর তিনি প্রথম রাকা আতে যা করেছিলেন তার অনুরূপ দিতীয় রাকা আতে করেন এবং যখন সূর্য প্রকাশিত হয় তখন সালাত শেষ করেন। এরপর তিনি লোকজনের উদ্দেশ্যে খুত্বা দান করেন। প্রথমে তিনি আল্লাহ্র প্রশংসা ও গুণ বর্ণনা করেন। এরপর তিনি বলেনঃ সূর্য ও চন্দ্র আল্লাহ্র নিদর্শন সমূহের মধ্যে দু'টি নিদর্শন। কারো মৃত্যু বা জন্মের কারণে সূর্যগ্রহণ ও চন্দ্রগ্রহণ হয় না। কাজেই যখন তোমরা তা দেখবে তখন তোমরা আল্লাহ্র নিকট দু'আ করবে। তাঁর মহত্ব ঘোষণা করবে এবং সালাত আদায় করবে ও সাদাকা প্রদান করবে। এরপর তিনি আরো বললেনঃ হে উন্মাতে মুহাম্মদী! আল্লাহ্র কসম, আল্লাহ্র কোন বান্দা যিনা করলে কিংবা কোন নারী যিনা করলে, আল্লাহ্র চাইতে বেশী অপসন্দকারী কেউ নেই। হে উন্মাতে মুহাম্মদী! আল্লাহ্র কসম, আমি যা জানিতা যদি তোমরা জানতে তা হলে তোমরা অবশাই কম হাঁসতে এবং বেশী কাঁদতে।

#### ٦٦٧. بَابُ النِّدَاءِ بِالصَّالاَةُ جَامِعَةُ فِي الْكُسُوفِ

৯৮৮ ইসহাক (র.)......আবদুল্লাহ্ ইব্ন আম্র (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, রাসূলুল্লাহ্ ক্রিট্রি-এর সময় যখন সূর্যগ্রহণ হলো, তখন (সালাতে সমবেত হওয়ার জন্য) 'আস্-সালাতু জামিয়াতুন' বলে আহ্বান জানানো হলো। বুখারী শরীফ (২)—৩৩

#### ٦٦٧. بَابُ خُطْبَةِ الْإِمَامِ فِي الْكُسُونَ وَقَالَتْ عَائِشَةٌ وَاسْمَاءُ خَطَبَ النَّبِيُّ مِلْكِيِّهِ

৬৬৭. অনুচ্ছেদ ঃ সূর্যগ্রহণের সময় ইমামের খুত্বা। আয়িশা ও আসমা রো.) বলেন, নবী ক্রীম ক্রীম খুত্বা দিয়েছিলেন।

وه الله عَدْتُنَا يَحْيِى ابْنُ بُكِيْرٍ قَالَ حَدَّتْنِي اللَّيْثُ عَنْ عُقْيْلٍ عَنِ ابْنِ شِهَابٍ ح وَحَدَّتْنِي آخَيْنَ آوَكُمْ بُنُ صَالِحٍ قَالَتُ حَدَّتُنَا عَنْجَسَةُ قَالَ حَدَّتُنَا يُونُسُ عَنِ ابْنِ شِهَابٍ حَدَّتْنِي عُرْوَةُ عَنْ عَائِشَةَ زَوْجٍ النَّبِي وَيَعَلَّمُ قَالَتُ خَسَفَتِ الشَّمْسُ فِي حَيَاةِ النَّبِي فَيَحَتَّةً فَخَرَجَ إِلَى الْمَسْتَجِدِ فَصَفَّ النَّاسُ وَرَاءَ هُ فَكَبَّرَ فَاكَبَّرَ أَنْ كُمْ رَكُوعًا طَوْلِكُ ثُمَّ قَالَ سَمِعَ اللَّهُ لِمَنْ حَمِدَهُ فَقَامَ وَلَمْ يَسَتَجِدُ وَقَرَأُ رَسُولُ الله عَنْ السَّمِع الله لِمَنْ حَمِدَهُ فَقَامَ وَلَمْ يَسَتَجَدُ وَقَرَأُ وَرَكَعَ رُكُوعًا طَوِيلًا وَهُو الله لِمَنْ حَمِدَهُ فَقَامَ وَلَمْ يَسَتَجِدُ وَقَرَأُ وَلَكُمْ رُكُوعًا طَوِيلًا وَهُو اَلْاللهُ لِمَنْ حَمِدَهُ رَبِّنَا وَلَكَ الْحَمْدُ، ثُمَّ سَجَدَ قَالَ فِي الرَّكُعَةِ الْأَخِرَةِ مِثْلَ ذَلِكَ فَاسَتَكُمْلَ ارْبُعَ وَلَا سَمِعَ اللّٰهُ لِمَنْ حَمِدَهُ رَبِّنَا وَلَكَ الْحَمْدُ، ثُمَّ سَجَدَ قَالَ فِي الرَّكُعَةِ الْأَخِرَةِ مِثْلَ ذَلِكَ فَاسَتَكُمْلَ ارْبُعَ وَلَا سَمِعَ اللّٰهُ لِمِنْ حَمِدَهُ رَبِّنَا وَلَكَ الْحَمْدُ، ثُمَّ سَجَدَ قَالَ فِي الرَّكُعَةِ الْأَخِرَةِ مِثْلَ ذَلِكَ فَاسَتَكُمْلَ ارْبُعَ مَلُ السَّعَ الله لِمَا هُو الْهُلُهُ، نُمُّ لَا لَوْهُ مَنْ الْمَعْمُ وَلَا لِمَعْمُ الله عَلَى الله عَلَى الله عَلَى المَسْلَاقِ مِنَا الله عَلَى الله عَلَى الله عَلَى الله عَلَى المَلْولِيَةَ لَمْ يَوْدُ عَلَى الله عَلَى الله عَنْهُمَا كَانَ يُحَدِّدُ يُومَ خَسَفَتِ الشَّمُسُ وَكَانَ يُحَدِّدُ عُرْقَةً عَنْ عَالْسَةً فَقُلْتُ لِعُرُونَةً الله بَنْ عَبُسُ وَلَ لَكُولَ الْمَالِقَ السَّالِي الْمَلْولُ مَنْ عَلَى الْمَلْ عَلَى الْمَلْ عَلَى الْمَلْ عَلَى الْمُنْ السَّنَة وَالْ الْمَلْ الْمَالِ السَّلَا السَلَّة عَلَى الله السَّلَة السَّلَة السَّلَا السَّلَا السَلَّةَ عَلَى الله السَلَّةَ السَلَا السَلَّةَ عَلَى الله السَّلَ السَلَّةَ عَلَى الله السَلَّةَ السَلَا السَلَّةَ السَلَا السَلَّةَ اللله السَلَّةَ السَلَا السَلَّةَ السَلَا السَلَّةَ السَلَا السَلَّةَ السَلَّةَ السَلَا السَلَّةَ السَلَا الله السَلَّعَ الله السَلَّة السَلَّة السَلَّة السَلَّة السَلَا السَلَّة السَلَا

নিদর্শন মাত্র। কারো মৃত্যু বা জন্মের কারণে গ্রহণ হয় না। কাজেই যখনই তোমরা গ্রহণ হতে দেখবে, তখনই ভীত হয়ে সালাতের দিকে গমন করবে। রাবী বর্ণনা করেন, কাসীর ইব্ন আব্বাস (র.) বলতেন, আবদুল্লাহ্ ইব্ন আব্বাস (রা.) সূর্যগ্রহণ সম্পর্কে আয়িশা (রা.) থেকে উরওয়া (র.) বর্ণিত হাদীসের অনুরূপ বর্ণনা করেছেন। তাই আমি উরওয়াকে জিজ্ঞাসা করলাম, আপনার ভাই (আবদুল্লাহ্ ইব্ন যুবাইর) তো মদীনায় যেদিন সূর্যগ্রহণ হয়েছিল, সেদিন ফজরের সালাতের ন্যায় দু'রাকা'আত সালাত আদায়ের অতিরিক্ত কিছু করেননি। তিনি বললেন, তা ঠিক, তবে তিনি নিয়ম অনুসারে ভুল করেছেন।

#### ٦٦٨، بَابُ هَلْ يَقُولُ كُسنَفَتِ الشُّمْسُ أَوْ خُسنَفَتْ وَقَالَ اللَّهُ تَعَالَى: وَخُسنَفَ الْقَمَرُ

৬৬৮. অনুচ্ছেদ ঃ 'কাসাফাতিশ্ শামসু' বলবে, না 'খাসাফাতিশ্ শামসু' বলবে? আল্লাহ্
তা'আলা বলেছেন, 'ওয়া খাসাফাল কামারু'।

حَدَّثَنَا سَعَيْدُ بَنَ عُفَيْرٍ قَالَ حَدَّثَنَا اللَّيْثُ حَدَّثَنَا اللَّيْثُ حَدَّثَنَا اللَّهِ عَلَيْ عَنْ عَنْ اللَّهِ عَلَيْ اللَّهِ عَلَيْ اللَّهِ عَلَيْ اللَّهِ عَلَيْ اللَّهِ عَلَيْ عَنْ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَمْ رَكُعَ رُكُوعًا طَوِيلًا ثُمَّ رَفْعَ رَأْسَهُ فَقَالَ سَمِعَ اللَّهُ لِمَنْ حَمِدَهُ وَقَامَ كَمَا هُو قَرَأَ قِرَاءَةً وَاللَّهُ اللَّهُ الللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّه

ক্র৯০ সায়ীদ ইব্ন উফাইর (র.).....নবী করীম ক্রান্ত্র-এর সহধর্মনী আয়িশা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, রাস্লুল্লাহ্ সূর্যগ্রহণের সময় সালাত আদায় করেন। তিনি দাঁড়িয়ে তাক্বীর বললেন। এরপর দীর্ঘ কিরাআত পাঠ করেন। তারপর তিনি দীর্ঘ রুক্ কর্লেন। এরপর মাথা তুললেন, আর করাআতের চাইতে অল্পস্থায়ী ছিল। আবার তিনি দীর্ঘ রুক্ কর্ক করলেন, তবে এ রুক্ প্রথম রুক্ র চাইতে কম দীর্ঘ ছিল। এরপর তিনি দীর্ঘ সিজ্দা করলেন। তারপর তিনি শেষ রাকা আতে প্রথম রাকা আতের অনুরূপ করলেন এবং সালাম ফিরালেন। তখন সূর্যগ্রহণ মুক্ত হয়ে গেল। এরপর লোকদের উদ্দেশ্যে তিনি খুত্বা দিলেন। খুত্বায় তিনি সূর্যগ্রহণ ও চন্দ্রগ্রহণ সম্পর্কে বললেন, এ হচ্ছে আল্লাহ্র নিদর্শন সমূহের মধ্যে দু'টি নিদর্শন। কারো মৃত্যু কিংবা জন্মের কারণে গ্রহণ হয় না। কজেই যখন তোমরা তা দেখবে তখন তোমরা ভীত বিহ্বল অবস্থায় সালাতের দিকে গমন করবে।

#### ٦٢٩ بَابُ قَوْلِ النَّبِي النَّهِ عَنِ اللَّهُ عِبَادَهُ بِالْكُسُوفِ وَقَالَ اَبُوْمُوسَلَى عَنِ النَّبِي عَلِي اللَّهُ عِبَادَهُ بِالْكُسُوفِ وَقَالَ اَبُوْمُوسَلَى عَنِ النَّبِي عَلِي اللَّهُ عِبَادَهُ بِالْكُسُوفِ وَقَالَ اَبُوْمُوسَلَى عَنِ النَّبِي

৬৬৯ অনুচ্ছেদ ঃ নী করীম ক্রিম এর উক্তিঃ আল্লাহ্ তা'আলা সূর্যগ্রহণ দিয়ে তাঁর বান্দাদের সতর্ক করেন। আবৃ মূসা (আশ'আরী (রা.) নবী করীম ত্রিতিথকে তা বর্ণনা করেছেন।

٩٩١ حَدُّثَنَا قُتَيْبَةً بْنُ سَعِيْدٍ قَالَ حَدَّثَنَا حَمَّادُ بْنُ زَيْدُعِنْ يُونُسَ عَنِ الْحَسَنَنِ عَنْ اَبِي بَكْرَةَ قَالَ رَسُولُ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَنْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَمْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلْدِ اللهِ عَبْدِ اللهِ لَمْ يَذْكُنُ عَبْدُ الْوَارِثِ وَشُعْبَةً وَخَالِدُ بْنُ عَبْدِ اللهِ وَحَمَّادُ بْنُ سَلَمَةً عَنْ يُونُسَ عِبَادَهُ وَقَالَ اَبُو عَبْدِ اللهِ لَمْ يَذْكُنُ عَبْدُ الْوَارِثِ وَشُعْبَةً وَخَالِدُ بْنُ عَبْدِ اللهِ وَحَمَّادُ بْنُ سَلَمَةً عَنْ يُونُسَ عِبَادَهُ وَقَالَ اَبُو عَبْدِ اللهِ عَبْدِ اللهِ لَمْ يَذْكُنُ عَبْدُ الْوَارِثِ وَشُعْبَةً وَخَالِدُ بْنُ عَبْدِ اللهِ وَحَمَّادُ بْنُ سَلَمَةً عَنْ يُونُسَ عَنْ يُونُسَ عَنْ مُبَارَكٍ عَنِ الْحَسَنِ قَالَ اَخْسَبَرَيْ اَبُو بَكُرَةً عَنِ النَّبِي عَلَيْكُ يَخُوفُ يُعْمَا عَبَادَهُ وَتَابَعَهُ مُوسِلِي عَنْ مُبَارَكٍ عَنِ الْحَسَنِ قَالَ اَخْسَبَرَيْ الْمُ بَارَدُهُ وَتَابَعَهُ مَوْسِلِي عَنْ الْحَسَنِ قَالَ الْحَسَنِ قَالَ الْحَبَرَيْقُ الْمُ بَكُرَةً عَنِ النَّبِي عَلَيْهِ الْمُ اللهِ عَبْدَهُ وَتَابَعَهُ مَوْسِلِي عَنْ الْحَسَنِ وَالْمَسَنِ قَالَ الْحَسَنِ عَالَمَ اللهِ عَلَى اللهِ اللهِ اللهِ الْمُعَلَّى عَنْ الْمُسَالِ عَلَى اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ المَالِمُ اللهِ المُنْ المُنْ اللهِ اللهِ المُعْلَمُ المُوسِلِ المُن المُعَلَمُ ا

ক্রি১ কুতাইবা ইব্ন সায়ীদ (র.)......আবূ বাক্রা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, রাসূলুল্লাহ্ বলেছেন ঃ সূর্য ও চন্দ্র আল্লাহ্র নিদর্শন সমূহের মধ্যে দু'টি নিদর্শন। কারো মৃত্যুর কারণে এ দু'টির গ্রহণ হয় না। তবে এ দিয়ে আল্লাহ্ তা'আলা তাঁর বান্দাদের সতর্ক করেন। ইমাম বুখারী (র.) বলেন, আবদুল ওয়ারিস, শু'আইব, খালিদ ইব্ন আবদুল্লাহ্, হাম্মাদ ইব্ন সালাম (র.) ইউনুস (র.) থেকে 'এ দিয়ে আল্লাহ্ তাঁর বান্দাদেরকে সতর্ক করেন' বাক্যটি বর্ণনা করেননি; আর মূসা (র.) মুবারক (র.) স্থলে হাসান (র.) থেকে ইউনুস (র.)-এর অনুসরণ করেছেন। তিনি বলেন, আমাকে আবূ বাক্রা (রা.) নবী . ক্লিট্রে থেকে বলেন, নিশ্চয় আল্লাহ্ এ দিয়ে তাঁর বান্দাদেরকে সতর্ক করেন। আশ'আস (র.) হাসান (র.) থেকে ইউনুস (র.)-এর অনুসরণ করেছেন।

#### ، ٦٧ ، بَابُ التَّمَوُّدُ مِنْ عَذَابِ الْقَبْرِ فِي الْكُسُوْفِ

৬৭৫. অনুচ্ছেদঃ সূর্যগ্রহণের সময় কবর আযাব থেকে পানাহ চাওয়া।

 قيامًا طَوِيْكُ أَوْهُوَ دُوْنَ الْقَيَامِ الْأَوَّلِ ثُمَّ رَكَعَ رُكُوعًا طَوِيْكُ وَهُوَ دُوْنَ الرَّكُوْعِ الْآوَّلِ ثُمَّ قَامَ قَيَامًا طَوِيْكُ وَهُوَ دُوْنَ الرَّكُوْعِ الْآوَّلِ ثُمَّ رَفَعَ فَسَجَدَ وَانْصَرَفَ فَقَالَ وَهُوَ دُوْنَ الرَّكُوْعِ الْآوَّلِ ثُمَّ رَفَعَ فَسَجَدَ وَانْصَرَفَ فَقَالَ مَا شَاءَ اللَّهُ أَنْ يَقُوْلَ ، ثُمَّ أَمَرَهُمُ أَنْ يَتَعَوِّنُوا مِنْ عَذَابِ الْقَبْرِ .

৯৯২ আবদুল্লাহ্ ইব্ন মাসলামা (র.).....নবী করীম ক্রীম এর সহধর্মিনী আয়িশা (রা.) থেকে বর্ণিত, এক ইয়াছদী মহিলা তাঁর নিকট কিছু জিজ্ঞাসা করতে এলো। সে আয়িশা (রা.)-কে বলল, আল্লাহ্ তা আলা আপনাকে কবর আযাব থেকে রক্ষা করুন। এরপর আয়িশা (রা.) রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্রুকে জিজ্ঞাসা করেন, কবরে কি মানুষকে আযাব দেওয়া হবে ? রাসূলুল্লাহ্ ক্রিট্রের বললেন ঃ তা থেকে আল্লাহ্র কাছে পানাহ চাই। পরে কোন এক সকালে রাসূলুল্লাহ্ 🚎 সাওয়ারীতে আরোহণ করেন। তখন সূর্যগ্রহণ আরম্ভ হয়। তিনি সূর্যোদয় ও দুপুরের মাঝামাঝি সময় ফিরে আসেন এবং কামরাগুলোর মাঝখান দিয়ে অতিক্রম করেন। এরপর তিনি সালাতে দাঁড়ালেন এবং লোকেরা তাঁর পিছনে দাঁড়াল। তারপর তিনি দীর্ঘ কিয়াম করেন। এরপর তিনি দীর্ঘ রুকু' করেন পরে মাথা তুলে দীর্ঘ কিয়াম করেন। তবে এ কিয়াম আগের কিয়ামের চাইতে অল্পস্থায়ী ছিল। এরপর আবার তিনি দীর্ঘ রুকু' করেন, তবে এ রুকু' আগের রুক্'র চাইতে অল্পস্থায়ী ছিল। তারপর তিনি মাথা তুললেন এবং সিজ্দায় গেলেন। এরপর তিনি দাঁড়ালেন এবং দীর্ঘ কিয়াম করলেন। তবে তা প্রথম কিয়ামের চাইতে অল্পস্থায়ী ছিল। তারপর দীর্ঘ রুকু' করলেন। এ রুকৃ প্রথম রাকা আতের রুকু র চাইতে অল্পস্থায়ী ছিল। তারপর তিনি মাথা উঠালেন এবং দীর্ঘ কিয়াম করলেন এবং এ কিয়াম আগের কিয়ামের চাইতে অল্পস্থায়ী ছিল। তারপর আবার রুকুণ করলেন এবং তা প্রথম রাকা'আতের রুকু'র চাইতে অল্পস্থায়ী ছিল। পরে মাথা তুললেন এবং সিজ্দায় গেলেন। এরপর সালাত শেষ করলেন। আল্লাহ্র যা ইচ্ছা তিনি তা বললেন এবং কবর আযাব থেকে পানাহ চাওয়ার জন্য উপস্থিত লোকদের নির্দেশ দেন।

#### ٦٧١. بَابُ طُولِ السَّجُودِ فِي الْكُسُوفِ

৬৭১. অনুচ্ছেদ ঃ সূর্যগ্রহণের সালাতে দীর্ঘ সিজ্দা করা।

9٩٣ حَدَّثَنَا اَبُوْ نُعَيْمٍ قَالَ حَدَّثَنَا شَيْبَانُ عَنْ يَحْلِى عَنْ اَبِى سلَمَةَ عَنْ عَبْدِ اللهِ بْنِ عَمْرِهِ اَنَّهُ قَالَ لَمَّا كَسَفَتِ الشَّمْسُ عَلَى عَهْدِ رَسُولِ اللهِ عَلِي لِلهِ نُودِي اِنَّ الصَّلاَةَ جَامِعَةُ فَرَكَعَ النَّبِيُ عَهْدِ رَسُولِ اللهِ عَلِي اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهُ عَنْهَامَا ثُمَّ قَامَ فَرَكَعَ رَكُعتَيْنِ فِي سَجُدة مِ ثُمَّ جُلَسَ ثُمَّ جُلِي عَنِ الشَّمْسِ قَالَ وَقَالَتُ عَائِشَةُ رَضِي الله عَنْهَامَا سَجُدت سُجُودًا قَطَّ كَانَ اَطُولَ مَنْهَا ٠

৯৯৩ আবৃ নু'আইম (র.).....আবদুল্লাহ্ ইব্ন আমর (রা.) থেকে বর্ণিত তিনি বলেন, রাসূলুল্লাহ্ ক্রিট্রি -এর সময় যখন সূর্যগ্রহণ হয় তখন 'আস্-সালাতু জামিআতুন' বলে ঘোষণা দেয়া হয়। নবী করীম ক্রিট্রি তখন এক রাকা আতে দু'বার রুকু' করেন, এরপর দাঁড়িয়ে দ্বিতীয় রাকা আতেও দু'বার রুকু' করেন এরপর বসেন আর ততক্ষণে সূর্য্মহণ মুক্ত হয়ে যায়। বর্ণনাকারী বলেন, আয়িশা (রা.) বলেছেন, এ সালাত র্যুতীত এত দীর্ঘ সিজ্দা আমি কখনও করিনি।

## ٦٧٢. بَابُ صَلَاةِ الْكُسُوفِ جَمَاعَةً وَصِلَلَى ابْنُ عَبَّاسٍ لَهُمْ فِيْ صَدَّفَ قِرَمُومَ وَجَمَعَ عَلِى بُنُ عَبْدِ اللهِ بْنِ عَبَّاسٍ لَهُمْ فِيْ صَدَّفَ فَي مَنْ وَجَمَعَ عَلِى بُنُ عَبْدِ اللهِ بْنِ عَبَّاسٍ وَصِلَّى ابْنُ عُمّر رَضِي اللهُ عَنْهُمْ

৬৭২. অনুচ্ছেদ ঃ সূর্যগ্রহণ-এর সালাত জামা আতে আদায় করা। ইব্ন আব্বাস রো.) লোকদেরকে নিয়ে যম্যমের সুফ্ফায় সালাত আদায় করেন এবং আলী ইব্ন আবদুল্লাহ্ ইব্ন আব্বাস রো.) জামা আতে সালাত আদায় করেছেন। ইব্ন উমর রো.) গ্রহণে-এর সালাত আদায় করেছেন।

عَبُّ مِنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَبُدُ اللهِ عَنْ مَسْلَمَة عَنْ مَالِكِ عَنْ زَيْدِ بُنِ اَسْلَمَ عَنْ عَطَاءِ بُنِ يَسَارٍ عَنْ عَبْدِ اللهِ بَنْ عَبْاسٍ قَالَ انْخَسَفَتِ الشَّمْسُ عَلَى عَهْدِ رَسُوْلِ اللهِ عَنْ فَصَلَّى رَسُوْلُ اللهِ عَنْ فَقَامَ قِيَامًا طَوِيْلاً وَهُوَ دُوْنَ الْقَيَامِ الْاَوْلِ ، ثُمَّ رَكُعَ رُكُوعًا طَوِيْلاً وَهُو دُوْنَ الْقَيَامِ الْاَوْلِ ، ثُمَّ رَكُوعًا طَوِيْلاً وَهُو دُوْنَ الْقَيَامِ الْاَوْلِ ، ثُمَّ رَكُوعًا طَوِيْلاً وَهُو دُوْنَ الْقَيَامِ الْاَوْلِ ، ثُمَّ رَكُعَ رَكُوعًا طَوِيْلاً وَهُو دُوْنَ الْقَيَامِ الْاَوْلِ ثُمَّ رَكَعَ رَكُوعًا طَوِيْلاً وَهُو دُوْنَ الْرَكُوعِ الْاَوْلِ ثُمَّ سَجَدَ ثُمَّ قَامَ فَقَامَ قِيَامًا طَوِيْلاً وَهُو دُوْنَ الْقَيَامِ الْاَوْلِ ثُمَّ رَكَعَ رَكُوعًا طَوِيْلاً وَهُو دُوْنَ الْقَيَامِ الْاَوْلِ ثُمَّ رَفَعَ فَقَامَ قِيَامًا طَوِيْلاً وَهُو دُوْنَ الْقَيَامِ الْاَوْلِ ثُمَّ رَكَعَ رَكُوعًا طَوِيْلاً وَهُو دُوْنَ الْمُولِ أَمُّ سَجَدَ انْصَرَفَ وَقَدْ تَجَلَّتِ الشَّمْسُ ، فَقَالَ رَسُولُ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْلاً وَهُو دُوْنَ الرَّكُوعِ الْاَوْلِ ثُمَّ سَجَدَ انْصَرَفَ وَقَدْ تَجَلَّتِ الشَّمْسُ ، فَقَالَ رَسُولُ اللهِ عَنْ اللهُ عَلَيْلُ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَلَيْلِ الْمُوتِ الْحَيْاتِ فَاذَا رَأَيْتُمُ ذَلِكَ فَاذُكُووا الله قَالُول يَارَسُولُ اللهِ عَنْ اللهُ عَلَيْل وَلَا لَعَنْ اللّهُ عَلَيْلُ اللّهُ عَلَيْل اللهُ عَلَيْل وَلَا لِحَيَاتِهِ فَاذَا رَأَيْتُمُ ذَلِكَ فَاذُكُولُ اللّهُ عَالُول يَعْرَفُونَ اللّهُ عَلَيْل اللّهِ عَلْوَلَ اللّهِ عَلْوَلَ اللّهِ عَلَى اللهُ عَلَوْل اللهِ عَلَى اللّهُ عَلْول اللهُ عَلَالَ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّه عَلْوَلَ اللّهُ عَلَى اللّه عَلْ اللّه عَلَى اللّه عَلَى اللّه عَلْ اللهُ عَلَى اللّه عَلْ اللله عَلْ اللّه عَلْ اللّه عَلْ اللّه عَلْ اللّه عَلْ اللّه عَلْ اللّه عَلْ اللله عَلْ اللّه عَلْ اللّه عَلْ اللّه عَلْ اللّهُ عَلْ اللّهُ عَلْ اللّهُ عَلْ اللّهُ اللّهُ اللّهُ عَلْ اللّهُ عَلْ اللّهُ عَلْ اللّهُ الللله عَلْ اللّهُ اللله عَلْ اللّهُ اللّه

১৯৪ আবদুল্লাহ্ ইব্ন মাসলামা (র.).....আবদুল্লাহ্ ইব্ন আব্বাস (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী করীম প্রাত্তি এর সময় সূর্যগ্রহণ হল। রাসূলুল্লাহ্ ক্রিট্রাত্তিখন সালাত আদায় করেন এবং তিনি সূরা বাকারা পাঠ করতে যত সময় লাগে সে পরিমাণ দীর্ঘ কিয়াম করেন। এরপর দীর্ঘ রুক্ করেন। তারপর মাথা তুলে পুনরায় দীর্ঘ কিয়াম করেন। তবে তা প্রথম কিয়ামের চাইতে অল্পস্থায়ী ছিল। আবার তিনি

দীর্ঘ রুকৃ' করলেন। তবে তা প্রথম রুকৃ'র চাইতে অল্পস্থায়ী ছিল। তারপর তিনি সিজ্দা করেন। আবার দাঁড়ালেন এবং দীর্ঘ কিয়াম করলেন। তবে তা প্রথম কিয়ামের চাইতে অল্পস্থায়ী ছিল। তারপর আবার দীর্ঘ রুকু' করেন, তবে তা আগের রুকু'র চাইতে অল্পস্থায়ী ছিল। তারপর তিনি মাথা তুললেন এবং দীর্ঘ সময় পর্যন্ত কিয়াম করলেন, তবে তা প্রথম কিয়াম অপেক্ষা অল্পস্থায়ী ছিল। আবার তিনি দীর্ঘ রুক্' করেন, তবে তা প্রথম রুকু' অপেক্ষা অল্পস্থায়ী ছিল। এরপর তিনি সিজ্দা করেন এবং সালাত শেষ করেন। ততক্ষণে সূর্যগ্রহণ মুক্ত হয়ে গিয়েছে। তারপর তিনি বললেন ঃ নিঃসন্দেহে সূর্য ও চন্দ্র আল্লাহ্র নিদর্শন সমূহের মধ্যে দু'টি নিদর্শন। কারো মৃত্যু বা জন্মের কারণে এ দু'টির গ্রহণ হয় না। কাজেই যখন তোমরা গ্রহণ দেখবে তখনই আল্লাহ্কে স্মরণ করবে। লোকেরা জিজ্ঞাসা করল, ইয়া রাসূলাল্লাহ্! আমরা দেখলাম, আপনি নিজের জায়গা থেকে কি যেন ধরছেন, আবার দেখলাম, আপনি যেন পিছনে সরে এলেন। তিনি ব্র্লালেন ঃ আমি তো জান্নাত দেখেছিলাম এবং এক গুচ্ছ আঙ্গুরের প্রতি হাত বাড়িয়ে-ছিলাম। আমি তা পেয়ে গেলে, দুনিয়া কায়িম থাকা পর্যন্ত অবশ্য তোমরা তা খেতে পারতে। এরপর আমাকে জাহানাম দেখানো হয়, আমি আজকের মত ভয়াবহ দৃশ্য কখনো দেখিনি। আর আমি দেখলাম, জাহান্নামের অধিকাংশ বাসিন্দা স্ত্রীলোক। লোকেরা জিজ্ঞাসা করল, ইয়া রাসূলাল্লাহ্! কী কারণে ? তিনি বললেনঃ তাদের কুফরীর কারণে। জিজ্ঞাসা করা হল, তারা কি আল্লাহ্র সাথে কুফরী করে? তিনি জবাব দিলেন, তারা স্বামীর অবাধ্য থাকে এবং ইহুসান অস্বীকার করে। তুমি যদি তাদের কারো প্রতি সারা জীবন সদাচরণ কর, এরপর সে তোমার থেকে (যদি) সামান্য ত্রুটি পায়, তা হলে বলে ফেলে, তোমার থেকে কখনো ভাল ব্যবহার পেলাম না।

#### ٦٧٣. بَابُ صِلَاةِ النِّسِاءِ مَعَ الرِّجَالِ فِي الْكُسُوفِ

৬৭৬. অনুচ্ছেদ ঃ সূর্যগ্রহণের সময় পুরুষদের সংগে মহিলাদের সালাত।

990 حَدِّثْنَا عَبْدُ اللّٰهِ بْنُ يُوسُفَ قَالَ اَخْبَرَنَا مَالِكُ عَنْ هِشَامِ بْنِ عُرُوةَ عَنِ امْرَأَتِهِ فَاطِمَةَ بِنْتِ الْمُنْدِرِ عَنْ اللّٰهُ عَنْهَا اللّٰهُ عَنْهُمَا اَنَّهَا قَالَتُ اتَيْتُ عَائِشَةَ رَضِيَ اللّٰهُ عَنْهَا زَوْجَ النَّبِي عَلِيْ حَيْنَ خَسَفَتِ الشَّمْسُ فَاذَا النَّاسُ قِيَامُ يُصَلُّونَ ، وَإِذَا هِى قَائِمَةُ تُصَلِّى فَقُلْتُ مَا لِلنَّاسِ فَاشَارَتُ بِيَدِهَا الِّي خَسَفَتِ الشَّمْسُ فَاذَا النَّاسُ قِيَامُ يُصَلُّونَ ، وَإِذَا هِى قَائِمَةُ تُصلِّى فَقُلْتُ مَا لِلنَّاسِ فَاشَارَتُ بِيَدِهَا اللّٰي خَسَفَتِ الشَّمْسُ فَاذَا النَّاسُ فَقَلْتُ أَيَةُ فَاشَارَتُ اللّٰهِ فَقُلْتُ أَيْهُ فَاشَارَتُ اللّٰهِ فَقُلْتُ أَيْهُ فَاشَارَتُ اللّٰهِ عَلَيْتُ مَا لَلْتَعْشَى فَقُلْتُ مَا اللّٰهِ فَقُلْتُ أَيْهُ فَاشَارَتُ اللّٰهِ عَلَيْهِ عَمْ مَقَامِى اللّٰهَ وَاتَدْ سَبُحَانَ اللّٰهِ فَقُلْتُ أَنِهُ اللّٰهِ عَلَيْهِ عَمْ اللّٰهِ وَاتَدْلَى عَلَيْهِ عُمْ قَالَ مَا مِنْ شَيْ كُنْتُ لَمْ اللّٰهِ فَقُلْتُ أَنْ اللّٰهِ عَلَيْهِ عَلَى اللّٰهُ وَاتَدْلُولَ عَلَى اللّٰهُ وَاتَدْلُ لَهُ مَاعَلَى مَا مِنْ شَيْ كُمُ تُفَلِّدُ اللّٰهُ وَاتَدْلُ لَهُ مَا عَلْهُ فَعُلْتُ اللّٰهُ وَالْقَالُ لَهُ مَاعِلُهُ فَي اللّٰهُ عَلَى مَا مِنْ شَيْ كُولُولِ مَثْلَ اللّٰهُ عَلَى اللّٰهُ عَلَى اللّٰهُ وَاتَدُى اللّٰهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّٰهُ عَلْمَ اللّٰهُ عَلَى اللّٰهُ عَلَى اللّٰهُ عَلَى اللّٰهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّٰهُ عَلَى اللّٰهُ عَلَى اللّٰهُ اللّٰهُ عَلَى اللّٰهُ اللّٰهُ عَلَى اللّٰهُ عَلَى اللّٰهُ عَلَى اللّٰهُ عَلَى اللّٰ

وَامَنًا وَاتَّبَعْنَا فَيُقَالُ لَهُ نَمْ صَالِحًا فَقَدْ عَلِمْنَا انْ كُنْتَ لَمُوْقِنًا وَامَّا الْمُنَافِقُ أَوِ الْمُرْتَابُ لاَ اَدْرِي اَيْتَهُمَا قَالَتُ اسْمَاءُ، فَيَقُولُ لاَ اَدْرِي سَمَعْتُ النَّاسَ يَقُولُونَ شَيْئًا فَقْلْتُهُ ،

আবদুল্লাহ্ ইব্ন ইউসুফ (র.).....আসমা বিন্ত আবু বক্র (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, かんん স্র্যগ্রহণের সময় আমি নবী করীম 🏭 -এর সহধর্মিনী আয়িশা (রা.)-এর নিকট গেলাম। তখন লোক-জন দাঁড়িয়ে সালাত আদায় করছিল। তখন আয়িশা (রা.) ও সালাতে দাঁড়িয়েছিলেন। আমি জিজ্ঞাসা করলাম, লোকদের কী হয়েছে ৷ তখন তিনি হাত দিয়ে আসমানের দিকে ইশারা করলেন এবং 'সুবহানাল্লাহ্' বললেন। আমি বললাম, এ কি কোন নিদর্শন ? তখন তিনি ইশারায় বললেন, হাঁ। আসমা (রা.) বলেন, আমিও দাঁড়িয়ে গেলাম। এমন কি (দীর্ঘক্ষণ দাঁড়ানোর ফলে) আমি প্রায় বেইশ হয়ে পড়লাম এবং মাথায় পানি ঢালতে লাগলাম। রাসূলুল্লাহ্ 📆 যখন সালাত শেষ করলেন, তখন আল্লাহ্র হামদ ও সানা বর্ণনা করলেন। তারপর তিনি বললেন ঃ আমি এ স্থান থেকে দেখতে পেলাম, যা এর আগে দেখিনি, এমন কি জান্নাত এবং জাহান্নাম। আর আমার নিকট ওহী পাঠান হয়েছে যে. নিশ্চয়ই তোমাদেরকে কবরের মধ্যে দাজ্জালের ফিত্নার ন্যায় অথবা বলেছেন তার কাছাকাছি ফিত্নায় লিপ্ত করা হবে। বর্ণনাকারী বলেন, ('মিস্লা' ও 'কারীবান') দু'টির মধ্যে কোন্টি আসমা (রা.) বলেছিলেন, তা আমার মনে নেই। তোমাদের এক একজনকে উপস্থিত করা হবে এবং তাকে প্রশ্ন করা হবে, এ ব্যক্তি সম্পর্কে কি জান ? তখন মু'মিন (ঈমানদার) অথবা 'মুকিন' (বিশ্বাসী) বলবেন- বর্ণনাকারী বলেন যে, আসমা (রা.) 'মু'মিন' শব্দ বলেছিলেন, না 'মুকীন' তা আমার স্বরণ নেই, তিনি হলেন, মুহামাদুর রাসূলুল্লাহ্ 📆 সুস্পষ্ট দলীল ও হিদায়াত নিয়ে আমাদের কাছে এসেছিলেন এবং আমরা এতে সাড়া দিয়ে ঈমান এনেছি ও তাঁর অনুসরণ করেছি। এরপর তাঁকে বলা হবে, তুমি নেক্কার বান্দা হিসেবে ঘুমিয়ে থাক। আমরা অবশ্যই জানতাম যে, নিশ্চিতই তুমি দৃঢ়বিশ্বাস স্থাপনকারী ছিলে। আর মুনাফিক কিংবা সন্দেহকারী বর্ণনাকারী বলেন, আসমা (রা.) 'মুনাফিক' না 'সন্দেহকারী' বলেছিলেন তা আমার মনে নেই, সে তথু বলবে, আমি কিছুই জানি না। আমি মানুষকে কিছু বলতে তনেছি এবং আমিও তাই বলেছি।

#### ٦٧٤. بَابُ مَنْ أَحَبُ الْمَتَاقَةَ فِي الْكُسُوْفِ الشَّمْسِ

৬৭8. অনুচ্ছেদ ঃ সূর্যগ্রহণের সময় গোলাম আযাদ করা পসন্দনীয়।

٩٩٦ حَدَّثَنَا رَبِيعُ بْنُ يَحْيلَى قَالَ حَدَّثَنَا زَائِدَةُ عَنْ هِشَامٍ عَنْ فَاطِمَـةَ عَنْ اَسْمَاءَ قَالَتَ لَقَدُ أَمَرَ النَّبِيُ النَّبِيُ عَنْ اَسْمَاءَ قَالَتَ لَقَدُ أَمَرَ النَّبِيُ عَنْ اللَّهُ اللِّهُ اللَّهُ الللَّهُ اللَّهُ ال

৯৯৬ রাবী ইব্ন ইয়াহ্ইয়া (র.).....আসমা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী করীম ক্রিট্রিই সূর্যগ্রহণের সময় গোলাম আযাদ করার নির্দেশ দিয়েছেন।

#### ٦٧٥. بَابُ صَلاَةِ الْكُسُنُهُ فِي الْمَسْجِدِ

৬৭৬. অনুচ্ছেদ ঃ মসজিদে সূর্যগ্রহণের সালাত।

٩٩٧ حَدَّثَنَا اِسْمَعْثِلُ قَالَ حَدَّثَنِي يَحْيِي بْنُ سَعِيْدِ عَنْ عَمْرَةَ بِنْتَ عَبْدِ الرَّحْمَٰنِ عَنْ عَائِشَةَ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهَا اَنَّ يَهُوْدِيَّةً جَاءَ تَ تَسْأَلُهَا فَقَالَتُ اَعَاذَكِ اللَّهُ مِنْ عَذَابِ الْقَبْرِ فَسَالَتُ عَائِشَةُ رَسُولُ اللَّهِ عَلَيْهُ اَيُعَدَّبُ اللَّهُ مِنْ ذَاكِ تُمَّ رَكِبَ رَسُولُ اللهِ عَلَيْهُ ذَاتَ غَدَاة مَرْكَبًا النَّاسُ فِي قُبُوْرِهِمْ فَقَالَ رَسُولُ اللهِ عَلَيْهُ عَائِدًا بِاللهِ عَلَيْهُ بَيْنَ ظَهْ رَكِبَ رَسُولُ اللهِ عَلَيْهُ ذَاتَ غَدَاة مَرْكَبًا فَكَسَفَتِ الشَّمْسُ فَرَجَعَ ضَحًى فَمَرٌ رَسُولُ اللهِ عَلَيْهُ بَيْنَ ظَهْ رَانِي الْحُجَرِ ثُمَّ قَامَ فَصَلَى وَقَامَ النَّاسُ وَرَاءَهُ فَقَامَ قِيَامًا طَوِيْلاً وَهُو دُونَ الْقَيَامِ الْأَوْلِ ثُمَّ رَكَعَ رَكُوعًا طَوِيْلاً ثُمَّ رَفَعَ فَقَامَ قِيَامًا طَوِيْلاً وَهُو دُونَ الْقَيَامِ الْأَولِ ثُمَّ رَكَعَ رَكُوعًا طَوِيْلاً وَهُو دُونَ الْوَيْلاً وَهُو دُونَ الْوَيْلاً وَهُو دُونَ الْقَيَامِ الْأَولِ ثُمَّ رَكَعَ رَكُوعًا طَوِيْلاً وَهُو دُونَ الرَّكُوعِ الْاَولِ ثُمَّ رَفَعَ فَقَامَ قِيَامًا طَوِيْلاً وَهُو دُونَ الْقَيَامِ الْأَولِ ثُمَّ رَكُعَ رَكُوعًا طَوِيْلاً وَهُو دُونَ الرَّكُوعِ الْاللهِ عَلَيْ الرَّكُوعِ الْاَولِ ثُمَّ اللهُ اللهِ الْقَيَامِ الْاللهِ اللهِ الْقَيْلِ وَهُو دُونَ الْوَيْلاً وَهُو دُونَ الْقَيَامِ اللهُ إِللهُ مُولِد لَوْ اللهُ اللهِ الْقَيْلِ وَهُو دُونَ اللهُ اللهِ الْقَبْلِ . مَا شَاءَ اللهُ ، أَنْ يَقُولَ ثُمَّ آمَرَهُمُ أَنْ يَتَعَوّذُولُ مَنْ عَذَابِ الْقَبْلِ .

৯৯৭ ইসমায়ীল (র.).....আয়িশা (রা.) থেকে বর্ণিত, এক ইয়াহূদী মহিলা তাঁর নিকট কিছু জিজ্ঞাসা করতে এল। মহিলাটি বলল, আল্লাহ্ আপনাকে কবরের আযাব থেকে পানাহ্ দিন। তারপর আয়িশা (রা.) রাসূলুলাহ্ 🚟 -কে জিজ্ঞাসা ক'রেন, কবরে কি মানুষকে আযাব দেওয়া হবে ? তখন রাসূলুল্লাহ্ ক্ষ্মীর্ট্ট বললেনঃ আমি আল্লাহ্র কাছে পানাহ্ চাই কবর আযাব থেকে। পরে একদিন সকালে রাস্লুল্লাহ্ সাওয়ারীতে আরোহণ করেন। তখন সূর্যগ্রহণ আরম্ভ হয়। তিনি ফিরে এলেন, তখন ছিল সূর্যোদয় ও দুপুরের মাঝামাঝি সময়। রাসূলুল্লাহ্ 🏥 তাঁর হুজরাগুলোর মাঝখান দিয়ে অতিক্রম করলেন। তারপর তিনি সালাতে দাঁড়ালেন এবং লোকেরাও তার পিছনে দাঁড়াল। তিনি দীর্ঘ কিয়াম করলেন। এরপর দীর্ঘ রুকু' করলেন। তারপর মাথা তুলে আবার দীর্ঘ কিয়াম করেন। তবে এ কিয়াম প্রথম কিয়ামের চাইতে অল্পস্থায়ী ছিল। এরপর তিনি আবার দীর্ঘ রুকৃ করেন। তবে এ রুকৃ প্রথম রুক্ র চাইতে অল্পস্থায়ী ছিল। তারপর তিনি মাথা তুললেন এবং দীর্ঘ সিজ্দা করলেন। এরপর তিনি আবার দাঁড়িয়েদীর্ঘ কিয়াম করেন। অবশ্য তা প্রথম কিয়ামের চাইতে অল্পস্থায়ী ছিল। তারপর তিনি দীর্ঘ রুকু' করলেন, তা প্রথম রুকৃ'র চাইতে অল্পস্থায়ী ছিল। এরপর তিনি আবার দীর্ঘ কিয়াম করেন। তবে তা প্রথম কিয়ামের চেয়ে অল্পস্থায়ী ছিল। তারপর দীর্ঘ রুকৃ' করেন। অবশ্য এ রুকৃ' প্রথম রুকৃ'র চাইতে অল্পস্থায়ী ছিল। এরপর তিনি সিজ্দা করেন। এ সিজ্দা প্রথম সিজদার চাইতে অল্পস্থায়ী ছিল। তারপর তিনি সালাত আদায় শেষ করেন। এরপরে রাসূলুল্লাহ্ ্রীক্রী আল্লাহ্র যা ইচ্ছা তাই বললেন। পরিশেষে তিনি সবাইকে কবর আযাব থেকে পানাহ চাওয়ার নির্দেশ দেন। বুখারী শরীফ (২)—৩৪

### ٧٧٢. بَابُ لاَ تَنْكُسِفُ الشَّمْسُ لِمَنْ ِ اَحَدِولاً لِحَيَاتِهِ رَوَاهُ اَبُوْبَكُرَةَ وَالْمُغْيِرَةُ وَابُقُمُ سَى وَابُنُ عَبَّاسِ وَابْنُ عَبَّاسٍ وَابْنُ عُمَرَ رَضِي اللهُ عَنْهُمْ

৬৭৬. অনুচ্ছেদ ঃ কারো মৃত্যু বা জন্মের কারণে সূর্যগ্রহণ হয় না। আবূ বাকরা, মুগীরা, আবূ মূসা, ইবৃন আকাস ও ইব্ন উমর (রা.) এ বিষয়ে বর্ণনা করেছেন।

٩٩٨ حَدَّثَنَا مُسَدَّدُ قَالَ حَدَّثَنَا يَحْيلَى عَنْ اسْمَعْثِلَ قَالَ حَدَّثَنِيْ قَيْسُ عَنْ اَبِيْ مَسْعُوْدٍ قَالَ قَالَ رَسُولُ اللهِ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهِ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهِ اللهِ اللهِ عَلَيْ اللهِ اللهِ عَلَيْ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُولِي اللهِ المُلم

৯৯৮ মুসাদাদ (র.).....আবৃ মাসঊদ (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, রাস্লুল্লাহ্ ক্রিইবলেছেন ঃ কারো মৃত্যুর ও জন্মের কারণে সূর্যগ্রহণ ও চন্দ্রগ্রহণ হয় না। এগুলো আল্লাহ্র নিদর্শন সমূহের মধ্যে দু'টি নিদর্শন। কাজেই যখন তোমরা তা দেখবে তখন সালাত আদায় করবে।

٩٩٩ حَدَّثَنَا عَبْدُ اللهِ بَنُ مُحَمَّدٍ قَالَ حَدَّثَنَا هِشَامُ اَخْبَرَنَا مَعْمَرُ عَنِ الزُّهْرِيِّ وَهِشَامِ بَنِ عُرُوَةَ عَنْ عُرُوَةَ عَنْ عُرُوَةً عَنْ عُرُوَةً عَنْ عُرُوَةً عَنْ عُلْى عَهْدِ رَسُولِ اللهِ عَلَيْ فَقَامَ النَّبِيُ عَلَيْ فَصَلَى عَهْدِ رَسُولِ اللهِ عَلَيْ فَقَامَ النَّبِي عَلَيْ فَصَلَى بِالنَّاسِ فَأَطَالَ الْقِرَاءَ ةَ وَهِي دُونَ قِرَاءَ تِهِ الْأُولَى بِالنَّاسِ فَأَطَالَ الْقِرَاءَ ةَ وَهِي دُونَ قِرَاءَ تِهِ الْأُولَى بِالنَّاسِ فَأَطَالَ الْقِرَاءَ ةَ وَهِي دُونَ قِرَاءَ تِهِ الْأُولَى بِالنَّاسِ فَأَطَالَ المُركَوعَ دُونَ رَكُمَ فَأَطَالَ الرَّكُوعَ ثُمَّ رَفْعَ فَسَجَدَ سَجُدتَيْنِ ثُمَّ قَامَ فَصَنَعَ فِي الرَّكُعَةِ التَّانِيةِ مِثْلَ ثُمَّ رَكَعَ فَأَطَالَ الرَّكُوعَ بُونَ رُكُوعِهِ الْأَولِ ثُمَّ رَفَعَ فَسَجَدَ سَجُدتَيْنِ ثُمَّ قَامَ فَصَنَعَ فِي الرَّكُعَةِ التَّانِيةِ مِثْلَ ثُمَّ وَلَعَ فَا اللهِ وَلَكِنَّهُمَا أَيْتَانِ مِنْ أَيَاتِ اللّهِ لِلْكَ شَامَ قَالَ انِ الشَّمْسَ وَالْقَمَرُ لَا يَخُلسِفَانِ لِمَوْتِ الجَدِولَا لِحَيَاتِهِ وَلَكِنَّهُمَا أَيْتَانِ مِنْ أَيَاتِ اللّهِ يُرَاءَهُ فَاذَا رَأَيْتُمْ ذُلِكَ فَافُزَعُوا إلَى الصَّلَاةِ ،

৯৯৯ আবদুল্লাহ্ ইব্ন মুহামদ (র.).....আয়িশা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, রাস্লুল্লাহ্ বির সময় সূর্যগ্রহণ হল। নবী করীম তথন দাঁড়ালেন এবং লােকদের নিয়ে সালাত আদায় করলেন। তিনি কিরাআত দীর্ঘ করেন। এরপর তিনি দীর্ঘ রুক্ করেন। তারপর তিনি মাথা তুলেন এবং দীর্ঘ কিরাআত পড়েন। তবে তা প্রথম কিরাআতের চাইতে কম ছিল। আবার তিনি রুক্ করেন এবং রুক্ দীর্ঘ করেন। তবে এ রুক্ প্রথম রুক্ র চাইতে অল্পস্থায়ী ছিল। তারপর তিনি মাথা তুলেন এবং দু'টি সিজ্দা করেন। এরপর তিনি দাঁড়ালেন এবং দ্বিতীয় রাকাআতেও অনুরূপ করেন। তারপর তিনি দাঁড়িয়ে বললেন ঃ সূর্যগ্রহণ ও চন্দ্রগ্রহণ কারো মৃত্যু কিংবা জন্মের কারণে হয় না। আল্লাহ্র নিদর্শন সমূহের মধ্যে এ হল দু'টি নিদর্শন; যা আল্লাহ্ তাঁর বান্দাদের দেখিয়ে থাকেন। কাজই যখন তোমরা তা দেখবে তখন ভীত সন্ত্রস্ত অবস্থায় সালাতের দিকে গমণ করবে।

#### ٦٧٧. بَابُ الذِّكْرِ فِي الْكُسُونَ وَوَاهُ ابْنُ عَبَّاسٍ رَضِي اللَّهُ عَنْهُمَا

৬৭৭. অনুচ্ছেদ ঃ সূর্যগ্রহণের সময় আল্লাহ্র যিকর। এ বিষয়ে ইবৃন আব্বাস রো.) বর্ণনা করেছেন।

حَدَّثَنَا مُحَمَّدُ بُنُ الْعَلاَءِ قَالَ حَدَّثَنَا اَبُوْ اُسَامَةَ عَنْ بُرَيْدِ بَنِ عَبْدِ اللهِ عَنْ اَبِيْ بُرْدَةَ عَنْ اَبِي مُوسَلَى قَالَ خَسَفَتِ الشَّمْسُ فَقَامَ النَّبِيُ عَيْقَالُهُ فَزِعًا يَخْشَى اَنْ تَكُونَ السَّاعَةُ فَاتَى الْمَسْجِدِ فَصَلَّى مُوسَلَى قَالَ خَسَفَتِ الشَّمْسُ فَقَامَ النَّبِيُ عَيْقِهُ فَزِعًا يَخْشَى اَنْ تَكُونَ السَّاعَةُ فَاتَى الْمَسْجِدِ فَصلَلَى بِأَطُولِ قِيَامٍ وَدُكُوعٍ وَسُجُودٍ رَأَيْتُهُ قَطَّ يَفْعَلُهُ وَقَالَ هَذِهِ الْأَيَاتُ الَّتِي يُرْسِلُ اللهُ لاَ تَكُونُ لِمَوْتِ اَحَدٍ وَلاَ لِحَيَاتِهِ وَلَكِنْ يُخُوفُ اللهُ بِهِ عِبَادَهُ فَاذِا رَأَيْتُمْ شَيْئًا مِنْ ذَلِكَ فَافْزَعُوا اللهَ ذِكْرِهِ وَدُعَائِهِ وَاسْتِغَفَارِهِ . لَكِيَاتِهِ وَلَكِنْ يُخُوفُ اللهُ بِهِ عِبَادَهُ فَاذِا رَأَيْتُمْ شَيْئًا مِنْ ذَلِكَ فَافَزَعُوا اللهَ ذِكْرِهِ وَدُعَائِهِ وَاسْتِغَفَارِهِ .

১০০০ মুহামদ ইব্ন আলা (র.)......আবৃ মৃসা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, একবার সূর্যগ্রহণ হল, তখন নবী করীম ভার্মী ভীতসন্ত্রস্ত অবস্থায় উঠলেন এবং কিয়ামত সংঘটিত হওয়ার আশংকা করছিলেন। এরপর তিনি মসজিদে আসেন এবং এর আগে আমি তাঁকে যেমন করতে দেখেছি, তার চাইতে দীর্ঘ সময় ধরে কিয়াম, রুক্' ও সিজ্দা সহকারে সালাত আদায় করলেন। আর তিনি বললেন ঃ এগুলো হল নিদর্শন যা আল্লাহ্ পাঠিয়ে থাকেন, তা কারো মৃত্যু বা জন্মের কারণে হয় না। বরং আল্লাহ্ তা'আলা এর দ্বারা তাঁর বান্দাদের সতর্ক করেন। কাজেই যখন তোমরা এর কিছু দেখতে পাবে, তখন ভীত বিহবল অবস্থায় আল্লাহ্র যিক্র, দু'আ এবং ইস্তিগ্ফারের দিকে অগ্রসর হবে।

#### ٦٧٨. بَابُ الدُّعَاءِ فِي الْكُسُوفِ قَالَهُ أَبُومُ سُلَى وَعَائِشَةُ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهُمَا عَنِ النَّبِيِ طَالِلَهِ

৬৭৮. অনুচ্ছেদ ঃ সূর্যগ্রহণের সময় দু'আ। এ বিষয়ে আবূ মূসা ও আয়িশা (রা.) নবী করীম

الشَّمْسَ وَالْقَمَرَ أَيْتَانِ مِنْ أَيَاتِ اللَّهِ لاَ يَنْكَسِفَانِ لِمَوْتِ اَحَدٍ وَلاَ لِحَيَاتِ فَاذِا رَأَيْتُمُوهُمَا فَدْعُوا اللَّهِ عَلَيْقَةً وَالَ سَمِعْتُ الْلَغِيْرَةَ بْنَ شُعْبَةً اِنَّ يَقُولُ الْنَّاسُ الْكَسَفَتُ لِمَوْتِ اِبْرَاهِيْمُ فَقَالَ رَسُولُ اللَّهِ عَلَيْكُ اِنَّ لَيْكُونَ الْبُواهِيْمُ فَقَالَ رَسُولُ اللَّهِ عَلَيْكُ اِنَّ الشَّمْسَ وَالْقَمَرَ أَيْتَانِ مِنْ أَيَاتِ اللَّهِ لاَ يَنْكَسِفَانِ لِمَوْتِ اَحَدٍ وَلاَ لِحَيَاتِ فَاذِا رَأَيْتُمُوهُمَا فَدْعُوا اللَّهُ وَصَلُوا حَتَّى يَنْجَلِي .

না। কাজেই যখন তোমরা এদের গ্রহণ হতে দেখবে, তখন তাদের গ্রহণ মুক্ত হওয়া পর্যন্ত আল্লাহ্র নিকট দু'আ করবে এবং সালাত আদায় করতে থাকবে।

٧٧٦. بَابُ قَوْلِ الْإِمَامِ فِي خُطْبَةِ الْكُسُونِ أَمَّا بَعَدُ ، وَقَالَ أَبُو أَسَامَ الْحَدُّثَنَا هِ شَامُ قَالَ أَخْبَرَ تَنْنِي فَاطِمَةً بِنْتُ الْمُنْذِرِ عَنْ أَسْمَاء قَالَتُ فَانْصَرَفَ رَسُولُ اللهِ عَلَيْنَ فَقَدْ تَجَلَّتِ الشَّمْسُ فَخَطَبَ فَحَمِدَ اللهُ عِلَيْنَ فَا أَمُنُ ذُورِ عَنْ أَسْمَاء قَالَتُ فَانْصَرَفَ رَسُولُ الله عَلَيْنَ فَقَدْ تَجَلَّتِ الشَّمْسُ فَخَطَبَ فَحَمِدَ اللهُ بِمَا هُو آهَلُهُ ثُمُّ قَالَ آمًا بَعَدُ .

৬৭२ অনুচ্ছেদ ঃ সূর্যগ্রহণের খুত্বায় ইমামের 'আম্মা-বা'দু" বলা। আবু উসামা (র.) বলেন, হিশাম (র.)...আসমা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, রাস্লুল্লাহ্ ক্রি সালাত শেষ করলেন আর এদিকে সূর্যগ্রহণ মুক্ত হয়ে গেল। এরপর তিনি খুত্বা দিলেন। এতে তিনি প্রথমে আল্লাহ্র যথাযথ প্রশংসা করলেন। এরপর তিনি বললেনঃ 'আম্মা বা'দু'।

#### م ٦٨. بَابُ الصَّلاَةِ فِي كُسنَّفَ الْقَمَرِ

৬৮০ অনুচ্ছেদ ঃ চন্দ্রগ্রহণের সালাত।

اللهُ عَنْهُ قَالَ الْكُسفَةِ الشَّمْسُ عَلَى عَهْدِ رَسُولِ اللهِ عَلَى مَعْدَ فَصلَّى رَكُعَتَيْنِ . وَضيَ اللهِ عَلَى عَهْدِ رَسُولِ اللهِ عَلَى عَهْدِ رَسُولِ اللهِ عَلَى عَهْدِ رَسُولِ اللهِ عَلَى عَهْدِ رَسُولُ اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى عَهْدِ رَسُولُ اللهِ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهِ عَلَى اللهُ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهُ عَلَى اللهِ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهِ عَلَى اللهُ عَلَى اللهِ ع

১০০২ মাহমূদ (র.).....আবৃ বাক্রা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, রাস্লুল্লাহ্ এর সময় স্থ্যহণ হল। তখন তিনি দু'রাকা'আত সালাত আদায় করলেন।

اللهِ عَدْثَنَا اَبُوْ مَعْمَرٍ قَالَ حَدَّثَنَا عَبْدُ الْوَارِثِ قَالَ حَدَّثَنَا يُونُسُ عَنِ الْحَسَنِ عَنْ اَبِي بَكُرَةَ قَالَ خَسَفَتِ الشَّمْسُ عَلَى عَهْدِ رَسُولِ اللهِ عَلَيْ فَخَرَجَ يَجُرُّ رِدَاءَهُ حَتَّى انْتَهٰى إِلَى الْمَسْجِدِ وَثَابَ النَّاسُ اللهِ عَلَيْ فَخَرَجَ يَجُرُّ رِدَاءَهُ حَتَّى انْتَهٰى إلَى الْمَسْجِدِ وَثَابَ النَّاسُ إِلَيْ عَهْدِ رَسُولِ اللهِ عَلَيْ فَخَرَجَ يَجُرُّ رِدَاءَهُ حَتَّى انْتَهٰى اللهِ اللهِ عَلَيْ اللهِ وَانَّهُمَا لاَ اللهِ وَانَّهُمَا لاَ اللهِ وَانَّهُمَا لاَ يَصَلَّى بِهِمْ رَكَدَ عَتَيْنِ فَانْجَلَتِ الشَّمْسُ فَقَالَ انِ الشَّمْسُ وَالْقَمَرَ أَيْتَانِ مِنْ أَيَاتِ اللهِ وَانِّهُمَا لاَ يَصَلَّوا وَادْعُوا حَتَّى يُكْشَفَ مَا بِكُمْ وَذَاكَ أَنَ الْبَنِي عَيِيلِهُ مَاتَ يَعْشَفُ مَا بِكُمْ وَذَاكَ أَنْ النَّاسُ فَى ذَاكَ فَصَلُوا وَادْعُوا حَتَّى يُكْشَفَ مَا بِكُمْ وَذَاكَ أَنَ الْنَاسُ فَى ذَاكَ فَصَلُوا وَادْعُوا حَتَّى يُكْشَفَ مَا بِكُمْ وَذَاكَ أَنَ النَّاسُ فَى ذَاكَ فَصَلُوا وَادْعُوا حَتَّى يُكْشَفَ مَا بِكُمْ وَذَاكَ أَنَ النَّاسُ فَى ذَاكَ اللهُ عَلَيْ اللهُ اللهِ اللهُ وَالْتَالُ لَلُهُ الْمَرَاهِيْمُ ، فَقَالَ النَّاسُ فَى ذَاكَ أَنْ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ اللهِ اللهِ اللهُ ال

১০০৩ আৰু মা'মার (র.).....আৰু বাক্রা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, রাস্লুল্লাহ্ এর সময় সূর্যগ্রহণ হল। তিনি বের হয়ে তাঁর চাদর টেনে টেনে মসজিদে পৌছলেন এবং লোকজনও তাঁর কাছে একত্রিত হল। তারপর তিনি তাঁদের নিয়ে দু'রাকা'আত সালাত আদায় করেন। এরপর সূর্যগ্রহণ মুক্ত

হলে তিনি বললেন ঃ সূর্য ও চন্দ্র আল্লাহ্র নিদর্শন সমূহের মধ্যে দুটি নিদর্শন। কারো মৃত্যুর কারণে এ দু'টোর গ্রহণ ঘটে না। কাজেই যখন গ্রহণ হবে, তা মুক্ত না হওয়া পর্যন্ত সালাত আদায় করবে এবং দু'আ করতে থাকবে। এ কথা নবী করীম 🚟 এ কারণেই বলেছেন যে, সেদিন তাঁর পুত্র ইব্রাহীম (রা.)-এর ওফাত হয়েছিল এবং লোকেরা সে ব্যাপারে বলাবলি করছিল।

#### ٦٨١. بَابُ الرُّكْعَةِ الْأُولِلِي فِي الْكُسْوَفِ اَطُولُ

৬৮১. অনুচ্ছেদ ঃ সূর্যগ্রহণের সালাতে প্রথম রাকা আত হবে দীর্ঘতর।

١٠٠٤ حَدُّثَنَا مَحُمُودُ قَالَ حَدُّثَنَا اَبُنُ اَجُمَدَ قَالَ حَدَّثَنَا سَفْيَانُ عَنْ يَحْلِي عَنْ عَمْرَةَ عَنْ عَائشَةَ رَضي

اللَّهُ عَنْهَا أَنَّ النَّبِيُّ عَلِيلَةٍ صَلِّى بِهِمْ فِي كُسُوفِ الشَّمْسِ أَرْبَعَ رَكْعَاتٍ فِي سَجْدَتَيْنِ الْاَوَّلُ اَطُولُ •

১০০৪ মাহমূদ ইব্ন গাইলান (র.)......আয়িশা (রা.) থেকে বর্ণিত যে, নবী করীম ক্রিট্র সূর্যগ্রহণের সময় লোকদের নিয়ে দু'রাক'আতে চার রুকৃ' সহ সালাত আদায় করেন। প্রথমটি (রাকা'আত দ্বিতীয়টির চাইতে) দীর্ঘস্থায়ী ছিল।

#### ٦٨٢. بَابُ الْجَهْرِ بِالْقِرَاءَةِ فِي الْكُسُونَ بِ ١٨٢

৬৮২ . অনুচ্ছেদ ঃ সূর্যগ্রহণের সালাতে সশব্দে কিরাআত পাঠ।

١٠٠٥ حَدَّثَنَا مُحَمَّدُ بْنُ مِهْرَانَ قَالَ حَدَّثَنَا الْوَلِيدُ قَالَ اَخْبَرَنَا ابْنُ نَمِرٍ سَمِعَ ابْنَ شِهَابٍ عَنْ عُرُوةَ عَنْ عَانِشَةَ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهَا جَهَرَ النَّبِيُّ عَلَيْهُ فِي صَلاَةِ الْخُسُوْفِ بِقِرَاءَ تِهِ فَاذَا فَرَغَ مِنْ قِرَاءَ تِهِ كَبُّرَ فَرَكَعَ وَإِذَا رَفَعَ مِنَ الرَّكْعَةِ قَالَ سَمِعَ اللَّهُ لِمَنْ حَمِدَهُ رَبُّنَا وَلَكَ الْحَمْدُ ثُمُّ يُعَاوِدُ الْقِرَاءَةَ فِي صَلَاةٍ الْكُسُوفِ اَرْبَعَ رَكْعَاتٍ فِيْ رَكْعَتَيْنِ وَارْبَعَ سَجْدَاتٍ وَقَالَ الْأَوْزَاعِيُّ وَغَيْرُهُ سَمِعْتُ الزُّهْرِيُّ عَنْ عُرُوَةً عَنْ عَائِشَةَ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهَا أَنَّ الشَّمْسَ خَسَفَت عَلَى عَهُد رَسُولَ اللهِ عَلَى عَهُد مُسَادِيًا بِالصُّلاَةُ جَامِعَةُ فَتَقَدُّمَ فُصلَلْى أَرْبَعَ رَكْعَاتٍ فِي رَكْعَتَيْنِ وَأَرْبَعَ سَجْدَاتٍ قَالَ الْوَلِيْدُ وَأَخْبَرَنِيْ عَبْدُ الرَّحْمَٰنِ بْنُ نَمِرٍ سَمِعَ ابْنَ شهَابِ مثلَّهُ قَالَ الزُّهْرِيُّ فَقُلْتُ مَا صَنَعَ اَخُوْكَ ذَٰكَ عَبْدُ اللَّهِ بْنُ الزُّبْيُرِ مَا صَلَّى الاَّ رَكْعَتَيْنِ مِثْلَ الصَّبْحِ اذْ صلِّى بِالْمَدِيْنَةِ قَالَ اجَلُ انَّهُ اَخْطَأَ السُّنَّةَ تَابِعَهُ سلَّيْمَانُ بْنُ كَثِيْرٍ وَسنْفَيَانُ بْنُ حُسنَيْنٍ عَنِ الزَّهْرِيِّ في الْجَهْرِ •

মুহাম্মদ ইব্ন মিহ্রান (র.).....আয়িশা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী করীম



#### 

#### কুরআন তিলাওয়াতের সিজ্দা

#### ٦٨٣. بَابُ مَاجًاءَ فِي سُجُودِ الْقُرانِ وَسُنْتِهَا

৬৮৬. অনুচ্ছেদঃ কুরআন তিলাওয়াতের সিজ্দা ও এর পদ্ধতি।

١٠٠٦ حَدَّثَنَا مُحَمَّدُ بْنُ بَشَّارٍ قَالَ حَدَّثَنَا غُنْدَرُ قَالَ حَدَّثَنَا شُعْبَةً عَنْ اَبِي السَّحٰقَ قَالَ سَمِعْتُ الْاَسُودَ عَنْ عَبْدِ اللهِ رَضِيَ اللهُ عَنْهُ قَالَ قَرَأَ النَّبِيُّ عَلَيْكُ النَّجْمَ بِمَكَّةَ فَسَجَدَ فَيْهَا وَسَجَدَ مَنْ مَعَهُ غَيْرَ شَيْحٍ اَخَذَ كَافًا مِنْ حَصَّى اَوْبُرَابٍ فَرَفَعَهُ الله جَبْهَتِهِ وَقَالَ يَكُفِيْنِي هٰذَا فَرَأَيْتُهُ بَعْدَ ذَٰلِكَ قُتِلَ كَافِرًا • كَفُولُونَ مَعْهُ الله جَبْهَتِهِ وَقَالَ يَكُفِيْنِي هٰذَا فَرَأَيْتُهُ بَعْدَ ذَٰلِكَ قُتِلَ كَافِرًا •

১০০৬ মুহাম্মদ ইব্ন বাশ্শার (র.).....আবদুল্লাহ্ (ইবন মাসউদ) (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী করীম সকায় সূরা আন্-নাজ্ম তিলাওয়াত করেন। এরপর তিনি সিজ্দা করেন এবং একজন বৃদ্ধ লোক ছাড়া তাঁর সঙ্গে সবাই সিজ্দা করেন। বৃদ্ধ লোকটি এক মুঠো কংকর বা মাটি হাতে নিয়ে তার কপাল পর্যন্ত উঠিয়ে বলল, আমার জন্য এ যথেষ্ট। আমি পরবর্তী যমানায় দেখেছি যে, সে কাফির অবস্থায় নিহত হয়েছে।

#### ٦٨٤. بَابُ سَجْدَةِ تَنْزِيْلِ السَّجْدَة

৬৮৪ . অনুচ্ছেদ ঃ সূরা তানযীলুস্-সাজ্দা-এর সিজ্দা।

الله عَنْ عَنْ عَنْ عَنْ الله عَنْهُ قَالَ كَانَ النّبِيّ عَلَيْ الله عَنْ عَنْ الله عَنْ عَنْ عَنْ عَنْ البِي الْمُواهِمَ عَنْ عَبْدِ الرَّحُمْنِ عَنْ اَبِي الله عَنْهُ قَالَ كَانَ النّبِيّ عَلَيْهُ يَقْرَأُ فِي الْجُمُعَةِ فِيْ صَلَاةٍ الْفَجْرِ الْمُ تَنْزِيلُ السّجْدَةِ وَهَلْ التّي عَلَى الْإِنْسَانِ .

১০০৭ মুহাম্মদ ইব্ন ইউসুফ (র.).....আবু হুরায়রা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী করীম قَصْمَ বার ফজরের সালাতে..... المُ تَنْزُيْلُ السَّجْدَةِ সূরা দু'টি তিলাওয়াত করতেন।

#### ٦٨٥، بَابُ سَجِدة ص

৬৮৬. অনুচ্ছেদ ঃ সূরা সোয়াদ – এর সিজ্দা।

١٠٠٨ حَدَّثَنَا سُلِيْمَانُ بُنُ حَرْبٍ وَابُو النُّعْمَانِ قَالاَ حَدَّثَنَا حَمَّادُ عَنْ اَيُّوْبَ عَنْ عِكْرِمَـةَ عَنِ ابْنِ عَبَّاسٍ رَضِيَ اللهُ عَنْهُمَا قَالَ ص لَيْسَ مِنْ عَزَائِمِ السُّجُودِ، وَقَدْ رَأَيْتُ النَّبِيَّ عَلَيْهِ يَسْجُدُ فَيْهَا .

১০০৮ সুলায়মান ইব্ন হারব ও আবুন্-নু'মান (র.).....ইব্ন আব্বাস (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, সূরা সোয়াদ এর সিজ্দা অত্যাবশ্যক সিজ্দাসমূহের মধ্যে গণ্য নয়। তবে নবী করীম 🚟 -কে আমি তা তিলাওয়াতের পর সিজ্দা করতে দেখেছি।

#### ٦٨٢. بَابُ سَجْدَةُ النَّجُمِ قَالَهُ إِبْنُ عَبَّاسٍ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهُمَا عَنِ النَّبِي عَلِيَّةً

৬৮৬. অনুচ্ছেদ ঃ সূরা আন্ নাজ্মের সিজ্দা। ইব্ন আব্বাস (রা.) নবী করীম ক্রিটি থেকে এ বিষয়ে বর্ণনা করেছেন ।

١٠٠٩ حَدَّثَنَا حَفْصُ بْنُ عُمَرَ قَالَ حَدَّثَنَا شُعْبَةُ عَنْ آبِي السَّحٰقَ عَنِ الْاَسْوَدِ عَنْ عَبْدِ اللَّهِ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهُ اللَّهُ وَجُهِهِ وَقَالَ يَكُفَيْنِي هَٰذَا ، فَلَقَدُ رَأَيْتُهُ بَعْدُ قُتِلَ كَافِرًا .

১০০৯ হাফ্স ইব্ন উমর (র.).....আবদুল্লাহ্ (ইব্ন মাসউদ) (রা.) থেকে বর্ণিত যে, একবার নবী করীম সূত্রা আন্ নাজ্ম তিলাওয়াত করেন, এরপর সিজ্দা করেন। তখন উপস্থিত লোকদের এমন কেউ বাকী ছিল না, যে তাঁর সঙ্গে সিজ্দা করেনি। কিন্তু এক ব্যক্তি এক মুঠো কংকর বা মাটি হাতে নিয়ে কপাল পর্যন্ত তুলে বলল, এটাই আমার জন্য যথেষ্ট। (আবদুল্লাহ্ (রা.) বলেন) পরে আমি এ ব্যক্তিকে দেখেছি যে, সে কাফির অবস্থায় নিহত হয়েছে।

٦٨٧. بَابُ سَجُودِ الْمُسْلِمِيْنَ مَعَ الْمُشْرِكِيْنَ ، وَالْمُشْرِكُ نَجَسُ لَيْسَ لَـهُ وَصْنُوءُ وَكَانَ ابْنُ عُمَرَ رَضِيَ اللّهُ عَنْهُمَا يَسْجُدُ عَلَى وَضُومٍ ৬৮৭- অনুচ্ছেদ ঃ মুশ্রিকদের সাথে মুসলিমগণের সিজ্দা করা আর মুশরিক্রা অপবিত্র। তাদের উযু হয় না। আবদুল্লাহ্ ইব্ন উমর (রা.) বিনা উযুতে তিলাওয়াতের সিজ্দা করেছেন।

١٠١٠ حَدِّثْنَا مُسَدِّدٌ قَالَ حَدِّثْنَا عَبْدُ الْوَارِثِ قَالَ حَدِّثْنَا اَيُّوبُ عَنْ عِكْرِمَةَ عَنِ ابْنِ عَبَّاسٍ رَضِيَ اللَّهُ عَنْ النَّبِيِّ عَنْ الْبَنِ عَبَّاسٍ رَضِيَ اللَّهُ عَنْ النَّبِيِّ عَلَيْ سَجَدَ بِالنَّجُمِ وَسَجَدَ مَعَهُ الْمُسُلِمُونَ وَالْمَشْدِرِكُونَ وَالْجِنِّ وَالْجِنِّ وَالْإِنْسُ وَرَوَاهُ ابْنُ طَهْمَانَ عَنْ النَّبِيِّ عَنْ النَّبِيِّ عَنْ النَّابِيِّ عَنْ اللَّهِ اللَّهُ مَا اللَّهُ عَنْ اللَّهُ مَا اللَّهُ عَنْ اللَّهُ عَلَيْهُ عَنْ اللَّهُ عَلَيْهُ عَلَيْهِ عَلَيْهُ الْمُسْلِمُونَ وَالْمَسْلِمُونَ وَالْمَسْلِمُونَ وَالْمَسْلِمُونَ وَالْمَسْلِمُونَ وَالْمَسْلِمُونَ وَالْمِنْ وَالْمِنْ وَالْمَسْلِمُونَ وَالْمِنْ وَالْمُسْلِمُونَ وَالْمَسْلِمُونَ وَالْمُ اللَّوْنِ وَالْمُسْلِمُونَ وَالْمُسْلُمُونَ وَالْمَسْلِمُ وَالْمَسْلِمُ وَالْمُسْلِمُونَ وَالْمُسْلِمُونَ وَالْمُسْلِمُونَ وَالْمُسْلِمُونَ وَالْمُسْلِمُونَ وَالْمُسْلِمُ وَالْمُسْلِمُونَ وَالْمَسْلِمُونَ وَالْمُسْلِمُونَ وَالْمُونَ وَالْمُسْلِمُ وَالْمُ وَالْمُسْلِمُ وَالْمُ وَالْمُسْلِمُونَ وَالْمَالَ عَنْ النَّالِيْ فَالْمَالَ عَنْ اللَّهُ وَالْمَالَ عَنْ الْمُسْلِمُ وَالْمَالِ اللَّهُ وَالْمُعُلِي وَالْمُعُلِي وَالْمُسْلِمُ وَاللَّهُ وَالْمُعْلِمُ وَالْمُعُلِي وَالْمُعْلِمُ وَالْمُعُلِي وَالْمُعْلِي وَالْمُعْلِمُ وَالْمُعْلِمُ وَالْمُ عَلَى اللَّهُ وَالْمُعُلِمُ وَالْمُعْلِمُ وَالْمُ مِنْ وَالْمُعْلِمُ وَالْمُعْلِمُ وَالْمُ وَالْمُعْلِمُ وَالْمُعُلِمُ وَالْمُعْلِمُ وَالْمُعُلِمُ وَالْمُ وَالْمُعُلِمُ وَالْمُعُلِمُ وَالْمُعُلِمُ وَالْمُعُلِمُ وَالْمُونُ وَالْمُوالِمُ وَالْمُعُلِمُ وَالْمُوالِمُ وَالْمُسُلِمُ وَالْمُوالِمُ وَالْمُعُلِمُ وَالْمُعُلِمُ وَالْمُعُلِمُ وَالْمُعُلِمُ وَالْمُوالِمُ وَالْمُعِلَى وَالْمُعُلِمُ وَالْمُعِلِمُ وَالْمُوالِمُوالِمُوالِمُ اللْمُعُلِمُ وَالْمُعُولُولُولُولُولُولُولُو

১০১০ মুসাদাদ (র.).....ইব্ন আব্বাস (রা.) থেকে বর্ণিত যে, নবী করীম সূরী ওয়ান্-নাজ্ম তিলাওয়াতের পর সিজ্দা করেন এবং তাঁর সংগে সমস্ত মুসলিম, মুশরিক, জ্বিন ও ইনসান সবাই সিজ্দা করেছিল।

#### ٨٨٨. بَابُ مَنْ قَرَأَ السَّجُدَةَ وَلَمْ يَسْجُدُ

النّبى عَلَيْهُ وَالنَّجُم فَلَمْ يَسْجُدُ فَيُهَا . الله عَلَى عَدَلَهُ الله عَنْهُ فَلَمْ يَسْجُدُ فَيُهَا . الله عَنْهُ فَلَمْ يَسْجُدُ فَيُهَا . الله عَنْهُ فَلَمْ يَسْجُدُ فَيُهَا .

১০১১ সুলায়মান ইব্ন দাউদ আবৃ রাবী' (র.).....যায়দ ইব্ন সাবিত (রা.) থেকে বর্ণিত যে, নবী করীম স্ক্রীম সুরা ওয়ান্ নাজ্ম তিলাওয়াত করেন অথচ এতে সিজ্দা করেননি।

١٠١٢ حَدَّثَنَا أَدَمُ بُنُ أَبِي إِيَاسٍ قَالَ حَدَّثَنَا ابْنُ اَبِي ذِنْبٍ قَالَ حَدَّثَنَا يَزِيدُ بْنُ عَبْدِ اللهِ بْنِ قُسيَطٍ عَنْ عَطَاءِ بْنِ يَسارٍ عَنْ زَيْدٍ بْنِ ثَابِتٍ قَالَ قَرَأْتُ عَلَى النّبِي عَلَيْ وَالنَّجُم فَلَمْ يَسُجُدُ فَيُهَا ·

১০১২ আদম ইব্ন আবৃ ইয়াস (র.).....যায়দ ইব্ন সাবিত (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আমি নবী করীম 🎉 -এর সামনে সূরা ওয়ান্ নাজ্ম তিলাওয়াত করলাম। কিন্তু তিনি এতে সিজ্দা করেননি।

#### ' ٦٨٩، بَابُ سَجْدَة إِذَا السَّمَاءُ انْشَقْتُ

#### ৬৮%. অনুচ্ছেদ ঃ সূরা ইযাস্ সামাউন্ শাক্কাত'-এর সিজ্দা।

হযরত ইব্ন উমর (রা.) থেকে অপর হাদীসে বর্ণিত আছে যে, তিনি উযু অবস্থায় সিজ্দা করতেন। তাছাড়া কোন ইমামই উযু ছাড়া তিলাওয়াতের সিজ্দা সমর্থন করেননি। — আইনী

١٠١٣ حَدَّثَنَا مُسُلِمُ وَمُعَادُ بُنُ فَضَالَةَ قَالاَ آخُبَرَنَا هِشَامُ عَنْ يَحْلِى عَنْ آبِي سَلَمَةَ قَالَ رَأَيْتُ آبًا • هُرَيْرَةَ رَضِي اللَّهُ عَنْهُ قَرَأَ إِذَا السَّمَاءُ انْشَقَّتُ فَسَجَدَ بِهَا فَقُلْتُ يَا آبًا هُرَيْرَةَ آلَمُ آرَكَ تَسُجُدُ قَالَ لَوْ لَمْ أَرَ النَّبِي اللَّهُ عَنْهُ لَمُ أَسْجُدُ لَمُ أَسْجُدُ فَالَ لَوْ لَمْ أَرَ النَّبِي اللَّهِ يَسْجُدُ لَمُ أَسْجُدُ .

১০১৩ মুসলিম ও মু'আয ইব্ন ফাযালা (র.).....আবূ সালামা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, একবার আবৃ হ্রায়রা (রা.)-কে দেখলাম, তিনি النَّهُ الْمُعَالَىٰ كِنْ السَّمَاءُ الْمُعَالِينَ كِنْ السَّمَاءُ الْمُعَالِينَ كَا الْمُعَالِينَ لَعَلَى الْمُعَالِينَ كَا الْمُعَالِينَ لَكُونَا عَلَيْكُونَ كَا الْمُعَالِينَ كَا الْمُعَالِينَ كَا الْمُعَالِينَ كَا الْمُعَالِينَ كَا الْمُعَالِينَ كَا عَلَيْكُ عَلَيْكُ عَلَيْكُونَا كُونَا عَلَيْكُونَا عَلَيْكُونَا عَلَيْكُونَا عَلَيْكُونَا كُونَا عَلَيْكُونَا عَلَ

#### ه ٦٩، بَابُ مَنْ سَجَدَ لِسُجُودِ الْقَارِئِ وَقَالَ ابْنُ مَسْعُود لِتَمِيْمِ بَنِ حَذْلَم وَهُ فَ غُلاَمُ فَقَرَا عَلَيْ مِ سَجْدَةً فَقَالَ فَانْكَ امَامُنَا فَيْهَا

৬৯০. অনুচ্ছেদ ঃ তিলাওয়াতকারীর সিজ্দার কারণে সিজ্দা করা। তামীম ইব্ন হায়লাম নামক এক বালক সিজ্দার আয়াত তিলাওয়াত করলে ইব্ন মাসঊদ (রা.) তাঁকে (সিজ্দা করতে আদেশ করে) বলেন, এ ব্যাপারে তুমিই আমাদের ইমাম।

١٠١٤ حَدَّثَنَا مُسَدِّدٌ قَالَ حَدَّثَنَا يَحْيَى عَنْ عُبِيدٍ اللهِ قَالَ حَدَّثَنِى نَافِعُ عَنِ ابْنِ عُمَرَ رَضِيَ اللهُ عَنْهُمَا ١٠١٤ عَدُّنَا مُسَدِّدٌ قَالَ حَدَّثَنَى مَا يَجِدُ اَحَدُنَا مَوْضَعَ جَبْهَتِهِ . قَالَ كَانَ النَّبِي عَلِيْكُ يَقُرَأُ عَلَيْنَا السَّوْرَةَ فِيْهَا السَّجْدَةُ فَيَسَجُدُ حَتَى مَا يَجِدُ اَحَدُنَا مَوْضَعَ جَبْهَتِهِ .

১০১৪ মুসাদ্দাদ (র.).....ইব্ন উমর (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী করীম ক্রিট্র একবার আমাদের সামনে এমন এক সূরা তিলাওয়াত করলেন, যাতে সিজ্দার আয়াত রয়েছে। তাই তিনি সিজ্দা করলেন এবং আমরাও সিজ্দা করলাম। ফলে অবস্থা এমন দাঁড়াল যে, আমাদের কেউ কেউ কপাল রাখার জায়গা পাচ্ছিলেন না।

#### ٦٩١. بَابُ إِزْدِهَامِ النَّاسِ إِذَا قَرَأَ الْإِمَامُ السَّجْدَةَ

১০১৫ বিশ্র ইব্ন আদম (র.).....ইব্ন উমর (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী করীম সিজ্দার আয়াত তিলাওয়াত করতেন এবং আমরা তাঁর নিকট থাকতাম, তখন তিনি সিজ্দা করতেন এবং আমরাও তাঁর সঙ্গে সিজ্দা করতাম। এতে এত ভীড় হতা যে, আমাদের মধ্যে কেউ কেউ সিজ্দা করার জন্য কপাল রাখার জায়গা পেত না।

৬৯২. অনুচ্ছেদ ঃ যাঁরা অভিমত প্রকাশ করেন যে, আল্লাহ্ তা আলা তিলাওয়াতের সিজ্দা ওয়াজিব করেন নি। ইমরান ইব্ন হুসাইন রো.)— কে জিজ্ঞাসা করা হয়েছিল, যে ব্যক্তি সিজ্দার আয়াত শুনল কিন্তু এর জন্য সে বসেনি তোর কি সিজ্দা দিতে হবে?) তিনি বললেন, তুমি কি মনে কর সে যদি তা শোনার জন্য বসতো তো হলে কি) তাকে সিজ্দা করতে হত? (বুখারী রে.) বলেন,) যেন তিনি তার জন্য সিজ্দা ওয়াজিব মনে করেন না। সালমান ফোরিসী রো.) বলেছেন, আমরা এ জন্য সিজ্দার আয়াত শোনার জন্য) আসি নি। উসমান ইব্ন আফ্ফান) রো.) বলেছেন, যে মনোযোগসহ সিজ্দার আয়াত শোনে শুধু তার উপর সিজ্দা ওয়াজিব। যুহরী রে.) বলেছেন, পবিত্র অবস্থা ছাড়া সিজ্দা করবে না। যদি তুমি আবাসে থেকে সিজ্দা কর, তবে কিব্লামুখী হবে। যদি তুমি সাওয়ার অবস্থায় হও, তবে যে দিকেই তোমার মুখ হোক না কেন, তাতে তোমার কোন দোষ নাই।আর সায়িব ইব্ন ইয়ায়ীদ রে.) বজার বক্তৃতায় সিজ্দার আয়াত শোনে সিজ্দা করতেন না।

1.١٦ حَدَّثَنَا ابْرَاهِيْمُ بْنُ مُوسَلَى قَالَ اَخْبَرَنَا هِشَامُ بْنُ يُوسَفُ أَنَّ ابْنَ جُرَيْمٍ اَخْبَرَهُمْ قَالَ اَخْبَرَنِيْ اللهُ ابْنِ الْهُدَيْرِ التَّيْمِيِّ قَالَ الْبُو بَكْرِ بْنُ ابْيُ مُلَيْكَةً عَنْ عُثْمَانَ بْنِ عَبْدِ الرَّحْمَٰنِ التَّيْمِيِّ عَنْ رَبِيْعَةَ بْنِ عَبْدِ اللهِ ابْنِ الْهُدَيْرِ التَّيْمِيِّ قَالَ ابُو بَكْرٍ وَكَانَ رَبِيْعَةُ مِنْ عَمْرَ بْنِ الْخَطَّابِ رَضَيَ اللهُ عَنْهُ قَرَأَ يَوْمَ الْبُو بَعُورُ وَكَانَ رَبِيْعَةً مِنْ عَمْرَ بْنِ الْخَطَّابِ رَضَيَ الله عَنْهُ قَرَأَ يَوْمَ الْجُمُعَةِ عَلَى الْمَثَبِّرِ بِسُورَةٍ النَّاسُ حَتَّى اذِا جَاءَ السَّجْدَ وَسَجَدَ وَسَجَدَ النَّاسُ حَتَّى اذَا كَانَتِ

الْجُمُعَةُ الْقَابِلَةُ قَرَأَ بِهَا حَتَّى إِذَا جَاءَ السِنَّجَدَةَ قَالَ يَا أَيُّهَا النَّاسُ إِنَّا نَمُرُ بِالسِنَّجُودِ فَمَنْ سَجَدَ فَقَدُ الْجُمُعَةُ الْمَقَابِلَةُ قَرَأَ بِهَا حَتَّى إِذَا جَاءَ السِنَّجَدُ قَالَ يَا أَيُّهَا النَّاسُ إِنَّا نَمُرُ بِالسِنَّجُودِ فَمَنْ سَجَدَ فَقَدُ اللهُ عَنْهُ وَزَادَ نَافِعُ عَنِ ابْنِ عُمَرَ رَضِي اللهُ عَنْهُمَا إِنْ اللهُ لَمْ يَقْرِضِ السَّجُودَ اللَّ أَنْ نَشَاءَ ،

১০১৬ ইব্রাহীম ইব্ন মৃসা (র.)......উমর ইব্ন খাত্তাব (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি এক জুমু'আর দিন মিম্বরে দাঁড়িয়ে স্রা নাহল তিলাওয়াত করেন। এতে যখন সিজ্দার আয়াত এল, তখন তিনি মিম্বর থেকে নেমে সিজ্দা করলেন এবং লোকেরাও সিজ্দা করল। এভাবে যখন পরবর্তী জুমু'আ এল, তখন তিনি সে স্রা পাঠ করেন। এতে যখন সিজ্দার আয়াত এল, তখন তিনি বললেন, হে লোক সকল! আমরা যখন সিজ্দার আয়াত তিলাওয়াত করি, তখন যে সিজ্দা করবে সে ঠিকই করবে, যে সিজ্দা করবে না তার কোন শুনাহ নেই। তার বর্ণনায় (বর্ণনাকারী বলেন) আর উমর (রা.) সিজ্দা করেন নি। নাফি' (র.) ইব্ন উমর (রা.) থেকে আরো বলেছেন, আল্লাহ্ তা আলা সিজ্দা ফরয করেন নি, তবে আমরা ইচ্ছা করলে সিজ্দা করতে পারি।

#### ٦٩٣. بَابُ مَنْ قَرَأَ السُّجُدَّةَ فِي الصَّلاَةِ نَسَجَدَ بِهَا

৬৯৩. অনুচ্ছেদঃ সালাতে সিজ্দার আয়াত তিলাওয়াত করে সিজ্দা করা।

١٠١٧ حَدَّثَنَا مُسَدَّدٌ قَالَ حَدَّثَنَا مُعْتَمِّرُ قَالَ سَمِتُ آبِى قَالَ حَدَّثَنِي بَكُرُ عَنْ آبِي رَافِعٍ قَالَ صَلَّيْتُ مَعْ آبِي هُرَيْرَةَ الْعَتَمَةَ فَقَرَأُ اذَا السَّمَاءُ انْشَقَّتُ فَسَجَدَ فَقُلْتُ مَا هٰذِهِ قَالَ سَجَدُتُ بِهَا خَلْفَ آبِي الْقَاسِمِ مَعَ آبِي هُرَيْرَةَ الْعَتَمَةَ فَقَرَأُ اذَا السَّمَاءُ انْشَقَّتُ فَسَجَدَ فَقُلْتُ مَا هٰذِهِ قَالَ سَجَدُتُ بِهَا خَلْفَ آبِي الْقَاسِمِ عَلَيْهُ فَلَا آزَالُ آسَجُدُ فَيْهَا حَتَّى الْقَاهُ .

১০১৭ মুসাদাদ (র.).....আবৃ রাফি' (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আমি একবার আবৃ হ্রায়রা (রা.)-এর সাথে ইশার সালাত আদায় করেছিলাম। তিনি সালাতে النَّهُ الْمُعَامُ الْمُعَامُ الْمُعَامُ بِهِ الْمُعَامُ الْمُعَامِ الْمُعَامُ اللّهُ الْمُعَامُ الْمُعَامُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللللّهُ الللّهُ الللللّهُ الللللّهُ الللللللللللللللللللل

#### ٦٩٤. بَابُ مِنْ لَمْ يَجِدُ مَنْ مَنْ الرِّحَامِ

৬৯৪. অনুচ্ছেদ ঃ ভীড়ের কারণে সিজ্দা দিতে জায়গা না পেলে।

١٠١٨ حَدَّثَنَا صَدَقَةً قَالَ اَخْبَرَنَا عُبَيْدُ اللهِ عَنْ نَافِعٍ عَنِ ابْنِ عُمَرَ رَضِيَ اللهُ عَنْهُمَا قَالَ كَانَ النَّبِيُّ

عَلَيْ يَقْرَأُ السُّورَةَ الَّتِي فَيْهَا السَّجْدَةَ فَيَسُجُدُ وَنَسُجُدُ حَتَّى مَا يَجِدُ اَحَدُنَا مَكَانًا لِمَوْضِعِ لِجَبُّهَتِهِ •

#### কুরআন তিলাওয়াতের সিজ্দা

১০১৮ সাদাকা (র.).....ইব্ন উমর (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী করীম হাষ্ট্র যখন এমন সূরা তিলাওয়াত করতেন যাতে সিজ্দা রয়েছে, তখন তিনি সিজ্দা করতেন এবং আমরাও তাঁর সঙ্গে সিজ্দা করতাম। এমন কি (ভীড়ের কারণে) আমাদের মধ্যে কেউ কেউ কপাল রাখার জায়গা পেত না।

# بِشْمِ اللَّهِ الرُّحْمَٰنِ الرُّحْمَٰنِ الرُّحْمَٰنِ الْمُعَلِّقِ الْمُعَلِقِ الْمُعَلِقِ الْمُعَلِقِ الْمُعِلَّقِ الْمُعِلَقِ الْمُعِلَّقِ الْمُعِلَّقِ الْمُعِلَّقِ الْمُعِلَّقِ الْمُعِلَقِ الْمُعِلَّقِ الْمُعِلِقِ الْمُعِلَّقِ الْمُعِلَّقِ الْمُعِلِّقِ الْمُعِلِّقِ الْمُعِلِقِي الْمُعِلَّقِي الْمُعِلَّقِي الْمُعِلَّقِي الْمُعِلَّقِي الْمُعِلَّقِ الْمُعِلَّقِ الْمُعِلَّقِ الْمُعِلَّقِي الْمُعِلَّقِ الْمُعِلَّقِ الْمُعِلَّقِ الْمُعِلَّقِ الْمُعِلَّقِ الْمُعِلَّقِ الْمُعِلَّقِي الْمُعِلَّقِ الْمُعِلَّقِي الْمُعِلِقِي الْمُعِعِلِي الْمُعِلِقِ الْمُعِلَّقِي الْمُعِلَّقِي الْمُعِلَّقِي الْمُ

#### সালাতে কসর করা

#### ٦٩٥. بَابُ مَاجَاءَ فِي التَّقْصِيْرِ وَكُمْ يُقِيمُ حَتْى يَقْصُرُ

১০২০ আবৃ মা'মার (র.).....আনাস (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আমরা নবী করীম ত্রু-এর সংগে মক্কা থেকে মদীনায় গমণ করি, আমরা মদীনা ফিরে আসা পর্যন্ত তিনি দু'রাকা'আত, দু'রাকা'আত সালাত আদায় করেছেন। (রাবী বলেন) আমি (আনাস (রা.)-কে বললাম, আপনারা মক্কায় কত দিন ছিলেন তিনি বললেন, আমরা সেখানে দশ দিন ছিলাম।২

১. এখানে বর্ণনাকারী মক্কা বিজয়কালীন মক্কায় অবস্থানের দিনগুলির কথা উল্লেখ করেছেন। বিভিন্ন হাদীসের আলোকে ইমাম আবৃ হানীফা (র.) এ মতপোষণ করেন যে, পনের দিনের ইকামতের নিয়াত করলে সালাত পুরা করবে, কসর নয়।

২. এ হলো বিদায় হজ্জের সময়ের বর্ণনা।

#### ٦٩٧، بَابُ مِنْلَة بِمِنْي

৬৯৬. অনুচ্ছেদঃ মিনায় সালাত।

١٠٢١ حَدَّثَنَا مُسَدَّدٌ قَالَ حَدَّثَنَا يَحْيِي عَنْ عُبِيْدِ اللهِ قَالَ اَخْبَرَنِيْ نَافِعُ عَنْ عَبْدِ اللهِ رَضِيَ اللهُ عَنْهُ قَالَ

صَلَّيْتُ مَعَ النَّبِيِّ مِالِيٍّ بِمِنِّى رَكْ عَتَيْنِ وَأَبِي بَكْرٍ وَعُعَرَ وَمَعَ عُثْ مَانَ صَدَّرًا مِنْ امِارَتِهِ ثُمُّ أَتُمُّهَا •

১০২১ মুসাদ্দাদ (র.).....আবদুল্লাহ্ ইব্ন উমর (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আমি নবী করীম আবু বাক্র এবং উমার (রা.)-এর সংগে মিনায় দু' রাকা'আত সালাত আদায় করেছি। উসমান (রা.)-এর সঙ্গেও তার খিলাফতের প্রথম দিকে দু' রাকা'আত আদায় করেছি। তারপর তিনি পূর্ণ সালাত আদায় করতে লাগলেন।

النَّبيُّ عَلَيْهِ أَمَنَ مَاكَانَ بِمنِّى رَكْعَتَيْنَ ،

১০২২ আবুল ওয়ালীদ (র.).....হারিসা ইব্ন ওয়াহ্ব (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী করীম

নিরাপদ অবস্থায় আমাদেরকে নিয়ে মিনায় দ্' রাকা আত সালাত আদায় করেন।

الله عَبْدُ الْوَاحِدِ عَنِ الْاَعْمَشِ قَالَ حَدَّثَنَا الْبُرَاهِيْمُ قَالَ سَمِعْتُ عَبْدِ اللّهِ بَنِ اللّهُ عَنْهُ بِمِنْى اللّهُ عَنْهُ بِمِنْى اللّهُ عَنْهُ بِمِنْى رَكْعَاتٍ فَقَيْلَ ذُلِكَ لِعَبْدِ اللّهِ بَنِ بَنَ عَثْلُ اللّهِ عَنْهُ فَاسْتَرْجَعَ ثُمَّ قَالَ صَلَّيْتُ مَعَ رَسُولِ اللهِ عَلَيْ بِمِنْى رَكْعَتَيْنِ وَصَلَّيْتُ مَعَ اَبِيْ بَكْرٍ مَنْ اللّهُ عَنْهُ بِمِنْى رَكْعَتَيْنِ وَصَلَّيْتُ مَعَ اَبِيْ بَكْرٍ رَضِي اللّهُ عَنْهُ بِمِنْى رَكْعَتَيْنِ وَصَلَّيْتُ مَعَ اَبِيْ بَكْرٍ رَضِي اللّهُ عَنْهُ بِمِنْى رَكْعَتَيْنِ وَصَلَّيْتُ مَعَ عَمْرَ بَنِ الْخَطَّابِ رَضِي اللّهُ عَنْهُ بِمِنْى رَكْعَتَيْنِ فَلَيْتَ حَظِّيْ مَنْ اللّهُ عَنْهُ بِمِنْى رَكْعَتَيْنِ فَلَيْتَ حَظِّيْ مِنْ الْخُطَّابِ رَضِي اللّهُ عَنْهُ بِمِنْى رَكْعَتَيْنِ فَلَيْتَ حَظِّيْ مَنْ الْخُطَّابِ رَضِي اللّهُ عَنْهُ بِمِنْى رَكْعَتَيْنِ فَلَيْتَ حَظِّيْ مَنْ الْخُطَّابِ رَضِي اللّهُ عَنْهُ بِمِنْى رَكْعَتَيْنِ فَلَيْتَ حَظِّيْ مَنْ الْخُطَّابِ رَضِي اللّهُ عَنْهُ بِمِنْى رَكْعَتَيْنِ فَلَيْتَ حَظِّيْ مَنْ الْخُوالِ اللهِ اللّهُ عَنْهُ بِمِنْى رَكْعَتَيْنِ فَلَيْتَ حَظِّيْ مَنْ اللّهُ عَنْهُ بِمِنْى رَكْعَتَيْنِ فَلَيْتَ حَظّيْ مُنْ الْخُوالِ اللّه عَنْهُ بِمِنْى رَكْعَتَيْنِ فَلَيْتَ حَظّيْ مُنْ الْمُعْدِي وَصَلّابًا اللهُ عَنْهُ بِمِنْى رَكْعَتَيْنِ فَلَيْتَ حَظّيْ مُ اللّهُ عَنْهُ بِمِنْ مَرَكُعْتَانِ مُتَقَبِّلُتَانِ وَ مَعْمَلُ مِنْ الْمُعْتَانِ مُتَقَالِهُ مَا اللّهُ عَلْهُ بِمُ مُ الْمُعْمُ الْمِنْ مِنْ اللّهُ عَنْهُ بِمِنْ مِ لَكُعْتَانِ مُتَقَانِ مُتَعَلِّي فَلْهُ اللّهُ عَلْهُ عَنْهُ بِمِنْ مِ لَكُعْتَانِ مُتَقَانِ مُتَقَانِهُ مَنْ الْمُعْلِي اللّهُ عَلْهُ الْهُ عَلْهُ الْمُ عَلَى اللّهُ عَلْهُ الْمُ مُنْ الْمُعْتَى اللّهُ عَلْهُ الْمَالِي اللّهُ عَلْهُ اللّهُ عَلْهُ الْمِ الْمُعْلِي اللّهُ الْمُعْلِى اللّهُ عَلْهُ اللّهُ عَلْهُ اللّهُ عَلَيْ اللّهُ عَلْهُ اللّهُ عَلَا اللّهُ عَلْهُ اللّهُ عَلْهُ اللّهُ اللّهُ عَلْهُ اللّهُ عَلْهُ اللّهُ عَلْهُ اللّهُ الْمُنْ اللّهُ اللّهُ

১০২৩ কুতায়বা (র.)......ইব্রাহীম (র.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আমি আবদুর রাহমান ইব্ন ইয়াযীদ (র.)-কে বলতে শুনেছি, উসমান ইব্ন আফ্ফান (রা.) আমাদেরকে নিয়ে মিনায় চার রাকা আত সালাত আদায় করেছেন। তারপর এ সম্পর্কে আবদুল্লাহ্ ইব্ন মাসউদ (রা.)-কে বলা হলো, তিনি প্রথমে ইন্না লিল্লাহ্ পড়লেন। এরপর বললেন, আমি রাস্লুল্লাহ্ এর সংগে মিনায় দু' রাকা আত পড়েছি, হযরত আবৃ বকর (রা.)-এর সংগে মিনায় দু'রাকাআভ পড়েছি। কতই না ভাল হতো যদি চার রাকা আতের পরিবর্তে দু'রাকা আত মাকবৃল সালাত হতো।

৬৯৭. অনুচ্ছেদঃ নবী করীম 🚟 বিদায় হজ্জে কত দিন অবস্থান করেছিলেন ?

١٠٢٤ حَدَّثَنَا مُوسَلَى ابْنُ اسْمُعْثِلَ قَالَ حَدَّثَنَا وُهَيْبُ قَالَ حَدَّثَنَا اَيُّوبُ عَنْ اَبِى الْعَالِيَةِ الْبَرَّاءِ عَنِ ابْنِ عَبَّاسٍ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهُمَا قَالَ قَدِمَ النَّبِيُّ مُالِيَّةٍ وَاصْحَابُهُ لِصَبْحِ رَابِعَةٍ يُلَبُّونَ بِالْحَجِّ فَامَرَهُمُ اَنْ يَجُعَلُوهَا عُمْرَةً اللَّهُ مَنْ مَعَهُ الْهَدَى تَابَعَهُ عَطَاءُ عَنْ جَابِرٍ ،

১০২৪ মূসা ইব্ন ইস্মায়ীল (র.).....ইব্ন আব্বাস (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী করীম এবং তাঁর সাহাবীগণ (যিল হাজের) ৪র্থ তারিখ সকালে (মক্কায়) আগমণ করেন এবং তাঁরা হজের জন্য তালবীয়া পাঠ করতে থাকেন। তারপর তিনি তাঁদের হজ্জকে উমরায় রূপান্তরিত করার নির্দেশ দিলেন। তবে যাঁদের সঙ্গে কুরবানীর জানোয়ার ছিল তাঁরা এ নির্দেশের অন্তর্ভুক্ত নন। হাদীস বর্ণনায় আতা (র.) আবুল আলিয়াহ (র.)-এর অনুসরণ করেছেন।

٦٩٨. بَابُ فِيْ كُمْ يَقْصُرُ الصَّلَاةَ وَسَمَّى النَّبِي عَلَيْكُ السَّفَرَ يَوْمًا وَلَيْلَةً وَكَانَ ابْنُ عُمَرَ وَابْنُ عَبُّاسٍ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهُمْ يَقْصُرُ انِ وَيُفْطِرَ انِ فِي ٱرْبَعَةٍ بُرُدُ وَهِي سِنَّةً عَشَرَ فُرْسَخًا

৬৯৮. অনুচ্ছেদ ঃ কত দিনের সফরে সালাত কসর করবে। এক দিন ও এক রাতের সফরকে নবী করীম ক্রিইসফর বলে উল্লেখ করেছেন। ইব্ন উমর ও ইব্ন আব্বাস (রা.) চার 'বুর্দ' অর্থাৎ যোল ফারসাখ দূরত্বে কসর করতেন এবং সাওম পালন করতেন না।

١٠٢٥ حَدَّثَنَا السَّحٰقُ ابْنُ ابْرَاهِيْمَ الْحَنْظَلِيُّ قَالَ قُلْتُ لِأَبِي أَسَامَةَ حَدَّثَكُمْ عُبَيْدُ اللهِ عَنْ نَافِعٍ عَنِ ابْنِ عُمَرَ رَضِيَ اللهُ عَنْهُمَا النَّبِي قَالَ لاَتُسَافِرِ الْمَرْأَةُ ثَلاَثَةَ آيًامِ الاَّ مَعَ ذِيْ مَحْرَمٍ .

১০২৫ ইসহাক ইব্ন ইব্রাহীম (র.).....ইব্ন উমর (রা.) থেকে বর্ণিত, নবী করীম ক্রিম বলেছেন ঃ কোন মহিলাই যেন মাহ্রাম পুরুষকে সঙ্গে না নিয়ে তিন দিনের সফর না করে।

١٠٢٦ حَدَّثَنَا مُسَدَّدٌ قَالَ حَدَّثَنَا يَحْيَى عَنْ عُبَيْدُ اللهِ عَنْ نَافِعٍ عَنِ ابْنِ عُمَرَ رَضِيَ اللهُ عَنْهُمَا النَّبِيِّ قَالَ لاَ تُسَافِرِ الْمَرْأَةُ ثَلاَثَةَ الاَّ مَعَ ذِيْ مَحْرَمٍ تَابَعَهُ اَحْمَدُ عَنِ ابْنِ الْمُبَارَكِ عَنْ عُبَيْدُ اللهِ عَنْ نَافِعٍ عَنْ ابْنِ الْمُبَارَكِ عَنْ عُبَيْدُ اللهِ عَنْ نَافِعٍ عَنْ ابْنِ عُمْرَ عَنِ النَّبِيِّ عَلَيْهُ اللهِ عَنْ نَافِعٍ عَنْ النَّبِيِّ عَلَيْهُ اللهِ عَنْ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِي عَلْهُ اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَيْهُ اللهِ عَنْ اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلْمُ اللهِ عَنْ اللهِ عَلَى اللهِ عَلْمُ اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَيْهِ عَلَى اللهِ عَلَى الله

১০২৬ মুসাদাদ (র.).....আবদুল্লাহ্ ইব্ন উমর (রা.) থেকে বর্ণিত, নবী করীম বলেছেন ঃ কোন মহিলার সাথে কোন মাহ্রাম পুরুষ না থাকলে, সে যেন তিন দিনের সফর না করে। আহ্মাদ (র.)....ইব্ন উমর (রা.) সূত্রে নবী করীম বর্ণিক হাদীস বর্ণনায় উবাইদুল্লাহ্ (র.)-এর অনুসরণ করেছেন।

১. এক ফারসাথ হলো– তিন মাইল। —আইনী।

বুখারী শরীফ (২)—৩৬

الله عَدْمُنَا أَدَمُ قَالَ حَدُّنَنَا ابْنُ ابِي دَنْبٍ قَالَ قَالَ حَدُّنَنَا سَعِيْدُ الْمَقْبُرِيُّ عَنْ اَبِيهِ عَنْ اَبِي هُرَيْرَةً يَوْمُ ولَيْلَةً وَسَعِيدًا الله واليَوْمِ الأَخْرِ اَنْ تُسَافِرَ مَسَيْرَةً يَوْمُ ولَيْلَةً وَسَعِيدًا الله عَنْهُ مَ الله عَنْهُ مَا الله عَنْهُ مَ الله عَنْهُ مَا الله عَنْهُ مَ الله عَنْهُ مَ الله عَنْهُ مَ الله عَنْهُ مَ الله عَنْهُ مَا الله عَنْهُ مَ الله عَنْهُ مَا الله عَلَيْهُ مَا الله عَلَيْهُ مَا الله عَنْهُ مَا الله عَلَيْهُ مَا الله مَا الله عَلَيْهُ مَا الله عَلَيْهُ مَا الله مَا الله عَلَيْهُ مَا الله عَلَيْهُ مَا الله عَلَيْهُ مَا الله مَا الله عَلَيْهُ مَا ال

#### 

৬৯৯. অনুচ্ছেদ ঃ যখন নিজ আবাসস্থল থেকে বের হবে তখন থেকেই কসর করবে। আলী রো.) বের হওয়ার পরই কসর করলন। অথচ তাঁকে বলা হল, এ তো কৃফা। তিনি বললেন, না, যতক্ষণ পর্যন্ত কৃফায় প্রবেশ না করি।

١٠٢٨ حَدَّثَنَا نُعَيْمٍ قَالَ حَدَّثَنَا سُفْيَانُ عَنْ مُحَمَّدِ بْنِ الْمُنْكَدِرِ وَابْرَاهِيْمَ ابْنِ مَيْسَرَةَ عَنْ انْسٍ ابْنِ مَالِكِ رَضِيَ اللهُ عَنْهُ قَالَ صَلَيْتُ الظُّهْرَ مَعَ النَّبِيِّ عَلَيْكُ بِالْمَدِيْنَةِ ارْبَعًا وَبِذِي الْحَلَيْفَةِ رَكَعَتَيْنِ • مَالِكِ رَضِيَ اللهُ عَنْهُ قَالَ صَلَيْتُ الظُّهْرَ مَعَ النَّبِيِّ عَلَيْكُ بِالْمَدِيْنَةِ ارْبَعًا وَبِذِي الْحَلَيْفَةِ رَكَعَتَيْنِ •

১০২৮ আবৃ নু'আইম (র.).....আনাস ইব্ন মালিক (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আমি রাসূলুল্লাহ্ -এর সংগে মদীনায় যুহরের সালাত চার রাকা আত আদায় করেছি এবং যুল-হুলাইফায় আসরের সালাত দু' রাকা আত আদায় করেছি।

الله عَنْ عَنْ عَنْ عَنْ عَنْ مَحَمَّد قَالَ حَدَّثَنَا سَفْ يَانُ عَنِ الزُّهْرِيِّ عَنْ عُرُوَةَ عَنْ عَائِشَةَ رَضِيَ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ عَائِشَةً رَكْعَتَيْنِ فَاقَرَّتُ صَلَاةُ السَّفَرِ وَاتَمِّتُ صَلَاةُ الْحَضَرِ قَالَ الزُّهْرِيُّ فَقُلْتُ لِعَنْ اللهُ عَائِشَةَ تُتمُّ قَالَ تَأْوَلَتُ مَا تَأَوَّلَ عُثْمَانُ .

১০২৯ আবদুল্লাহ্ ইব্ন মুহাম্মদ (র.)......আয়িশা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, প্রথম অবস্থায় সালাত দু' রাকা আত করে ফর্য করা হয় তারপর সফরে সালাত সে ভাবেই স্থায়ী থাকে এবং মুকীম অবস্থায় সালাত পূর্ণ (চার রাকা আত) করা হয়েছে। যুহরী (র.) বলেন, আমি উরওয়া (র.)-কে জিজ্ঞাসা করলাম, (মিনায়) আয়িশা (রা.) কেন সালাত পূর্ণ আদায় করতেন ? তিনি বললেন, উসমান (রা.) যে ব্যাখ্যা গ্রহণ করেছেন, আয়িশা (রা.) তা গ্রহণ করেছেন।

#### ٠٧٠. بَابُ يُصلِّى الْمَفْرِبَ ثَلاَثًا فِي السُّفْرِ

৭০০. অনুচ্ছেদ ঃ সফরে মাগরিবের সালাত তিন রাকা'আত আদায় করা।

اللهُ عَدُمُنَا اللهُ عَنْهُمَا قَالَ رَأَيْتُ رَسُولَ اللهِ عَنْهُمَا اللهِ عَنْ قَالَ اَخْبَرَنِيْ سَالِمُ عَنْ عَبْدِ اللهِ بَنِ عَمْرَ رَضِيَ اللهُ عَنْهُمَا قَالَ رَأَيْتُ رَسُولَ اللهِ عَنْهُمَا اللهِ عَنْهُمَا السَّيْرُ فِي السَّقْرِ يُؤَخِّرُ الْمَفْرِبَ حَتَّى يَجْمَعَ بَيْنَ الْعَشَاءِ قَالَ سَالِمُ وَكَانَ عَبْدُ اللهِ يَفْعَلُهُ اذِا اعْجَلَهُ السَّيْرُ وَزَادَ اللَّيْثُ قَالَ حَدَّتَنِي يُوْنُسُ عَنِ بَيْنَهَا وَبَيْنَ الْعَشَاءِ قَالَ سَالِمُ كَانَ ابْنُ عُمْرَ رَضِيَ اللهُ عَنْهُمَا يَجْمَعُ بَيْنَ الْمَغْرِبِ وَالْعَشَاءِ بِالْمُزْدَلِقَةِ قَالَ سَالِمُ وَكَانَ ابْنُ عُمْرَ رَضِيَ اللهُ عَنْهُمَا يَجْمَعُ بَيْنَ الْمَغْرِبِ وَالْعَشَاءِ بِالْمُزْدَلِقَةِ قَالَ سَالِمُ وَكَانَ ابْنُ عُمْرَ رَضِيَ اللهُ عَنْهُمَا يَجْمَعُ بَيْنَ الْمَغْرِبِ وَالْعَشَاءِ بِالْمُزْدَلِقَةِ قَالَ سَالِمُ وَكَانَ ابْنُ عُمْرَ رَضِيَ اللهُ عَنْهُمَا يَجْمَعُ بَيْنَ الْمَغْرِبِ وَالْعَشَاءِ بِالْمُزْدِلِقَةِ قَالَ سَالِمُ وَكَانَ ابْنُ عُمْرَ رَضِيَ اللهُ عَنْهُمَا يَجْمَعُ بَيْنَ الْمَغْرِبِ وَالْعَشَاءِ بِالْمُزْدِلَ فَعَلَالُهُ مِنْ الْمُعْرِبِ وَالْعَشَاءِ بِالْمُزْدِلَقِةِ قَالَ سَرِّ وَكَانَ السَّتُصُرِخَ عَلَى إِمْرَأَتِهِ صَفِيةَ بِثْتَ آبِي عُبَيْدٍ فَقُلْتُ لَهُ الصَّلَامَ فَقَالَ سِرُ حَتَّى سَارَ مَيْلَيْنِ آوَ ثَلاَئَةً ثُمُّ نَزَلَ فَصَلَى ثُمُّ قَالَ هَكَذَا رَأَيْتُ النَّبِيِّ يُصِلِيمًا ثَلاثًا ثُمُ اللهُ السَّيْرُ وَقَالَ عَبْدُ اللهِ رَأَيْتُ النَّبِي عَلَيْكُ أَلْ أَلْهُ مِنْ لَا لَعْمَالِيهُمَا وَلَا عَبْدُ الْعَشَاءِ حَتَّى يَقُومُ مَنْ لَمُ يُسَلِّمُ وَلاَ يُسَبِّحُ بَعْدَ الْعِشَاءِ حَتَّى يَقُومُ مِنْ يُسَلِّمُ وَلاَ يُسَبِّحُ بَعْدَ الْعِشَاءِ حَتَّى يَقُومُ مِنْ اللّهُ لِللهُ وَلَا عَبْدُ اللّهِ مَا لَيْكُ اللهُ وَلَا عَبْدُ الْعَلْمَا عُلَاللهُ وَلَا عَبْدُ اللّهُ مَا لَلْهُ وَلَا عَلَمْ عَلَى اللهُ اللّهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللّهُ الْمَاءُ اللّهُ الْمُعْرَالِ الللهُ اللهُ اللّهُ اللهُ اللهُ اللّهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللّهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللهُ اللهُ اللهُ اللهُ ا

১০৩০ আবুল ইয়ামান (র.).........আবদুল্লাহ্ ইব্ন উমর (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আমি রাসূলুল্লাহ্ —কে দেখেছি, সফরে যখনই তাঁর ব্যস্ততার কারণ ঘটেছে, তখন তিনি মাণরিবের সালাত বিলম্বিত করেছেন, এমন কি মার্গরিব ও ইশার সালাত একত্রে আদায় করেছেন। আবদুল্লাহ্ ইব্ন উমর (রা.) সফরের ব্যস্ততার সময় অনুরূপ করতেন। অপর এক সূত্রে সালিম (র.) বলেন, ইব্ন উমর (রা.) মুযদালিফায় মার্গরিব ও ইশা একত্রে আদায় করতেন। সালিম (র.) আরও বলেন, ইব্ন উমর (রা.) তাঁর প্রী সাফীয়্যা বিন্ত আবু উবাইদ-এর দুঃসংবাদ পেয়ে মদীনা প্রত্যাবর্তনকালে মার্গরিবের সালাত বিলম্বিত করেন। আমি তাঁকে বললাম, সালাতের সময় হয়ে গেছে। তিনি বললেন, চলতে থাক। আমি আবার বললাম, সালাত ? তিনি বললেন, চলতে থাক। এমন কি (এ ভাবে) দু' বা তিন মাইল অগ্রসর হলেন। এরপর নেমে সালাত আদায় করলেন। পরে বললেন, আমি নবী করীম —কে সফরের ব্যস্ততার সময় এরূপভাবে সালাত আদায় করতে দেখেছি। আবদুল্লাহ্ (রা.) আরো বলেন, আমি নবী করীম —কে দেখেছি, সফরে যখনই তাঁর ব্যস্ততার কারণ ঘটেছে, তখন তিনি মার্গরিবের সালাত (দেরী করে) আদায় করেছেন এবং তা তিন রাকা'আতই আদায় করেছেন। মাগরিবের সালাম ফিরিয়ে কিছু বিলম্ব করেই ইশার ইকামাত দেওয়া হত এবং দু' রাকা'আত আদায় করে সালাম ফিরাতেন। কিন্তু ইশার পরে গভীর রাত না হওয়া পর্যন্ত সালাত আদায় করতেন না।

#### ٧٠١. بَابُّ مِنَلاَةُ التَّطُوعِ عَلَى الدُّوَابِ وَمَيْثُمَا تَوَجُّهَتْ بِهِ

৭০**১.** অনুচ্ছেদ ঃ সাওয়ারীর উপরে সাওয়ারী যে দিকে মুখ করে সেদিকে ফিরে নফল সালাত আদায় করা।

١٠٣١ حَدَّثَنَا عَلِيُّ ابْنُ عَبْدِ اللهِ قَالَ حَدَّثَنَا عَبْدُ الْأَعْلَى قَالَ حَدَّثَنَا مَعْمَرُ عَنِ الزُّهْرِيِّ عَنْ عَبْدِ اللهِ بْنِ اللهِ بْنِ عَالَ مَا اللهِ عَنْ الزَّهْرِيِّ عَنْ عَبْدِ اللهِ بْنِ عَالَمْ عَلَى اللهِ عَنْ البَّهُ عَالَى مَا اللهِ عَنْ البَّهُ قَالَ رَأَيْتُ النَّبِيُّ عَلَى اللهِ عَلَى رَاحِلَته حَيْثُ تَوَجُّهَتُ به ،

১০৩১ আলী ইব্ন আবদুল্লাহ্ (র.).....আমির (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আমি নবী করীম ক্রিক্ট্রে -কে দেখেছি, তাঁর সাওয়ারী যে দিকেই ফিরেছে, তিনি সে দিকেই সালাত আদায় করেছেন।

١٠٣٢ حَدُّثَنَا اَبُوْنُعَيْمٍ قَالَ حَدَّثَنَا شَيْبَانُ عَنْ يَحْلِى عَنْ مُحَمَّدِ بْنِ عَبْدِ الرَّحْمَٰنِ اَنَّ جَابِرَ بْنَ عَبْدِ اللهِ الدَّحْمَٰنِ اَنَّ جَابِرَ بْنَ عَبْدِ اللهِ اللهُ اللهِ الل

১০৩২ আবৃ নু'আইম (র.)....জাবির ইব্ন আবদুল্লাহ্ (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী করীম সাওয়ার থাকাবস্থায় কিব্লা ছাড়া অন্য দিকে মুখ করে নফল সালাত আদায় করেছেন।

١٠٣٣ حَدَّثَنَا عَبُدُ الْاَعْلَى بَنُ حَمَّادٍ قَالَ حَدَّثَنَا وُهَيْبُ قَالَ حَدَّثَنَا مُوسَلَى بَنُ عُقْبَةً عَنْ نَافِعٍ قَالَ كَانَ اللهِ عَنهُمَا يُصلِي عَلَى رَاحلتهِ وَيُوْتِرُ عَلَيْهَا وَيُخْبِرُ أَنَّ النَّبِيِّ عَلَيْهُمَا يُصلِي عَلَى رَاحلتهِ وَيُوْتِرُ عَلَيْهَا وَيُخْبِرُ أَنَّ النَّبِيِّ عَلَيْهُمَا يُصلِي عَلَى رَاحلتهِ وَيُوْتِرُ عَلَيْهَا وَيُخْبِرُ أَنَّ النَّبِيِّ عَلَيْهُمَا يُصلِي عَلَى رَاحلتهِ وَيُوْتِرُ عَلَيْهَا وَيُخْبِرُ أَنَّ النَّبِيِّ عَلَيْهُمَا يُصلِي عَلَى مَا لَيْهُمَا يُصلِي عَلَى مَا حَلَته وَيُوْتِرُ عَلَيْهَا وَيُخْبِرُ أَنَّ النَّبِيِّ عَلَيْهُمَا يَصلي عَلَى مَا حَدَّانَ عَلَى اللهُ عَنهُمَا يُصلي عَلَى رَاحلتهِ وَيُوْتِرُ عَلَيْهَا وَيُخْبِرُ أَنَّ النَّبِيِّ عَلَى اللهُ عَنهُمَا يُصلي عَلَى وَاحلته ويُوْتِرُ عَلَيْهَا وَيُخْبِرُ أَنَّ النَّابِي اللهُ عَنهُمَا يُصلي عَلَى وَاحلته ويُوْتِرُ عَلَيْهَا وَيُخْبِرُ أَنَّ النَّابِي اللهُ عَنهُمَا يُصلي عَلَى وَاحلته ويُوْتِرُ عَلَيْهَا وَيُخْبِرُ أَنَّ النَّابِي اللهُ عَنهُمَا يُصلي عَلَى مَا لَهُ اللهُ عَنهُمَا يُصلي عَلَى الله عَنهُمَا يُصلي عَلَى اللهُ عَنهُمَا يُصلي عَلَى مَا عَلَى مَا لَا لَهُ عَنهُمَا يُصلي عَلَى اللهُ عَنهُمَا يُصلي عَلَى وَيُوْتِرُ عَلَيْهَا وَيُخْبِرُ أَنَّ النَّابِي عَلَى اللهُ عَنهُمَا يُعْمَل مَلْ عَلَى اللهُ عَنهُمَا يُعْمِلُونَ النَّالِيْقِ عَلْهُ عَلَيْهِا وَيُخْبِرُ أَنَّ النَّهِ عَلَى اللهُ عَنهُ عَلَيْهِ اللهُ عَنهُمَا يُعْمِلُونَا عَلَيْهِا عَلَى اللهُ عَنهُمَا اللهُ عَنهُمَا اللهُ عَنهُ اللهُ عَنهُمَا اللهُ عَلْمَ اللهُ عَنهُمُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَيْهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَيْهِ عَلَى اللّهُ عَلَا عَلَى اللّهُ اللّهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَالِ عَلَى اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ اللّهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ الل

১০৩৩ আবদুল আ'লা ইব্ন হামাদ (র.).....নাফি' (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, ইব্ন উমর (রা.) তাঁর সাওয়ারীর উপর (নফল) সালাত আদায় করতেন এবং এর উপর বিত্রও আদায় করতেন। তিনি বর্ণনা করেছেন যে, নবী করীমক্ষ্মীক্রপ করতেন।

#### ٧٠٢. بَابُ الْإِيْمَاءِ عَلَى الدَّابَّةِ

৭০২. অনুচ্ছেদ ঃ জন্তুর উপর ইশারায় সালাত আদায় করা।

١٠٣٤ حَدَّثَنَا مُوسَى قَالَ حَدَّثَنَا عَبُدُ الْعَزِيْزِ ابْنُ مُسْلِمٍ قَالَ حَدَّثَنَا عَبُدُ اللهِ بْنُ دِيْنَارٍ قَالَ كَانَ عَبُدُ اللهِ بَنُ مُسْلِمٍ قَالَ حَدَّثَنَا عَبُدُ اللهِ بَنُ مُسْلِمٍ قَالَ حَدَّثَنَا عَبُدُ اللهِ إَنْ النَّبِيُ بَنُ عَمَرَ رَضِيَ اللهُ عَنْهُمَا يُصلِينَ فِي السَّفَرِ عَلَى رَاحِلَتِهِ اَيْنَمَا تَوَجُّهَتُ يُومِينُ وَذَكَرَ عَبُدُ اللهِ إَنَّ النَّبِيُّ بَنُ عَمَرَ رَضِي اللهُ عَنْهُمَا يُصلِينَ فِي السَّفَرِ عَلَى رَاحِلَتِهِ اَيْنَمَا تَوَجُّهَتُ يُومِينُ وَذَكَرَ عَبُدُ اللهِ إَنَّ النَّبِي اللهِ إِنَّ اللهِ إِنْ اللهِ إِنَّ اللهِ إِنَّ اللهِ إِنَّ اللهِ إِنَّ اللهِ إِنَ اللهِ إِنَّ اللهِ إِنْ اللهِ إِنَّ اللهُ عَنْهُمَا يُصلِينَ إِنْ اللهِ إِنَّ الللهِ إِنَّ الللهِ إِنَّ الللهِ إِنَّ اللهِ إِنَّ اللهِ إِنَّ الللهِ إِنَّ الللهِ إِنَّ الللهِ إِنَّ اللهُ إِنْ الللهِ اللهِ إِنْ الللهِ إِنَّ الللهِ إِنْ اللهِ إِنْ اللهِ اللهُ إِنْ الللهِ إِنَّ اللهِ إِنَّ الللهِ الللهِ الللهِ اللهِ اللهِ اللهُ اللهُ اللهُ إِنِ الللهِ الللللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ اللهُ إِنْ الللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ الللهِ الللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ الللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ الللهِ اللهِ الللهِ الللهِ اللهِ الللهِ اللهِ اللهِ الللهِ اللهِ اللهِ اللهِ الللهِ الللهِ اللهِ الللهِ الللهِ الللهِ الللهِ اللهِ الللهِ اللّهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ الللهِ الللهِ اللهِ الله

১০৩৪ মূসা ইব্ন ইসমায়ীল (র.)......আবদুল্লাহ্ ইব্ন দীনার (র.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আবদুল্লাহ্ ইব্ন উমর (রা.) সফরে সাওয়ারী যে দিকেই ফিরেছে সে দিকেই মুখ ফিরে ইশারায় সালাত আদায় করতেন এবং আবদুল্লাহ্ (রা.) বর্ণনা করেছেন যে, নবী ক্লিট্রে এরপ করতেন।

#### ٧٠٣. بَابُ يَنْزِلُ الْمَكْتُوبَةِ

৭০৩. অনুচ্ছেদঃ ফরয সালাতের জন্য সাওয়ারী থেকে অবতরণ করা।

انٌ عَامِرِبْنَ رَبِيْعَةَ اَخْبَرَهُ قَالَ رَأَيْتُ رَسُولَ اللهِ عَلِي قَلْمِ عَنْ اللهِ عَلَى الرَّاحِلَةِ يُسَبِّحُ يُوْمِئُ بِرَأْسِهِ قِبِلَ أَيِّ وَجُهٍ اللهِ عَلَى الرَّاحِلَةِ يُسَبِّحُ يُوْمِئُ بِرَأْسِهِ قِبِلَ أَيِّ وَجُهٍ اللهِ عَلَى الرَّاحِلَةِ يُسَبِّحُ يُوْمِئُ بِرَأْسِهِ قِبِلَ أَيِّ وَجُهٍ تَوَجَّهُ وَلَمْ يَكُنْ رَسُولُ اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى الصَّلاَةِ السَّكَةُ وَقَالَ اللَّيْثُ حَدَّتُنِي يُونُسُ عَنِ ابْنِ اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى الرَّاحِلَةِ قِبَلَ اللهِ عَلَى اللهُ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ

১০৩৫ ইয়াহ্ইয়া ইব্ন বুকাইর (র.)......আমির ইব্ন রাবী আ (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আমি রাস্লুল্লাহ্ ক্রি-কে দেখেছি, তিনি সাওয়ারীর উপর উপবিষ্ট অবস্থায় মাথা দিয়ে ইশারা করে সে দিকেই সালাত আদায় করতেন যে দিকে সাওয়ারী ফিরত। কিন্তু রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্রে ফর্য সালাতে এরূপ করতেন না। লাইস (র.).....সালিম (র.) থেকে বর্ণিত, আবদুল্লাহ্ (রা.) সফরকালে রাতের বেলায় সাওয়ারীর উপর থাকা অবস্থায় সালাত আদায় করতেন, কোন্ দিকে তাঁর মুখ রয়েছে সে দিকে লক্ষ্য করতেন না এবং ইব্ন উমর (রা.) বলেন, রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্রে সাওয়ারীর উপর নফল সালাত আদায় করেছেন, সাওয়ারী যে দিকে মুখ ফিরিয়েছে সে দিকেই এবং তার উপর বিত্র ও আদায় করেছেন। কিন্তু সাওয়ারীর উপর ফর্য সালাত আদায় করেতেন না।

الْمَكْتُوبَةَ نَزَلَ فَاسْتَقْبَلَ الْقَبْلَةَ وَالَ حَدَّثَنَا هِشِنَامُ عَنْ يَحْيَى عَنْ مُحَمَّدِ بْنِ عَبْدِ الرَّحُمٰنِ بْنِ تَوْبَانَ قَالَ حَدَّثَنِيْ جَابِرُ بْنُ عَبْدِ اللهِ اَنَّ النَّبِيِّ عَلَى لَا يُصلِّي عَلَى رَاحِلَتِهِ نَحْوَ الْمُشْرِقِ فَاذِا اَرَادَ اَن يُصلِّي حَدَّثَنِيْ جَابِرُ بْنُ عَبْدِ اللهِ اَنَّ النَّبِيِّ عَلَى كَانَ يُصلِّي عَلَى رَاحِلَتِهِ نَحْوَ الْمُشْرِقِ فَاذِا اَرَادَ اَن يُصلِّي الْمَكْتُوبَة نَزَلَ فَاسْتَقْبَلَ الْقَبْلَة .

১০৩৬ মু'আয় ইব্ন ফায়ালা (র.)....জাবির ইব্ন আবদুল্লাহ্ (রা.) থেকে বর্ণিত, নবী করীম ক্রিয়ের সাওয়ারীর উপর থাকা অবস্থায় পূর্ব দিকে ফিরেও সালাত আদায় করেছেন। কিন্তু যখন তিনি ফর্ম সালাত আদায় করার ইচ্ছা করতেন, তখন তিনি সাওয়ারী থেকে নেমে যেতেন এবং কিব্লামুখী হতেন।

#### ٧٠٤. بَابُ صَلْاَةِ التَّطُوعِ عَلَى الْحِمَارِ

#### ৭০৪. অনুচ্ছেদঃ গাধার উপর নফল সালাত আদায় করা।

উঠ, গাধা, ঘোড়া, খচর ইত্যাদি প্রাণীর উপর সাওয়ার হয়ে ভ্রমণরত অবস্থায় কিব্লা ভিন্ন অন্য দিকে মুখ করে
নফল সালাত আদায় করা বৈধ কিন্তু ফর্য সালাত নয়।

السَّتَقْبَلْنَا اَنْسَا حِيْنَ قَدِمَ مِنَ الشَّامِ فَلَقَيْنَاهُ بِعَيْنِ التَّمَرِ فَرَأَيْتُهُ يُصلِّيْ عَلَى حِمَارٍ وَوَجْهُهُ مِنْ ذَا الْجَانِبِ السَّتَقْبَلْنَا اَنْسَا حِيْنَ قَدُمَ مِنَ الشَّامِ فَلَقَيْنَاهُ بِعَيْنِ التَّمَرِ فَرَأَيْتُهُ يُصلِّيْ عَلَى حِمَارٍ وَوَجْهُهُ مِنْ ذَا الْجَانِبِ يَعْنِي عَنْ يَسَارِ الْقَبْلَةِ فَقَلْتُ رَأَيْتُكَ تُصلِّيْ لِغَيْرِ الْقَبْلَةِ فَقَالَ اَوْلاَ انِيْ رَأَيْتُ رَسُولَ اللهِ عَلَيْ فَعَلَهُ لَمْ اَفْعَلُهُ وَعَلَهُ لَمْ اَفْعَلُهُ لَمْ اَفْعَلُهُ وَوَاهُ ابْنُ طَهْمَانَ عَنْ حَجَّاجٍ عَنْ انَسِ بْنِ سِيْرِيْنَ عَنْ انَسٍ رَضِي الله عَنْهُ عَنِ النَّبِيِّ

১০৩৭ আহ্মদ ইব্ন সায়ীদ (র.)......আনাস ইব্ন সীরীন (র.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আনাস ইব্ন মালিক (রা.) যখন শাম (সিরিয়া) থেকে ফিরে আসছিলেন, তখন আমরা তাঁকে সম্বর্ধনা জ্ঞাপন করার জন্য এগিয়ে এসেছিলাম। আইনুত্ তাম্র (নামক) স্থানে আমরা তাঁর সাক্ষাৎ পেলাম। তখন আমি তাঁকে দেখলাম গাধার পিঠে (আরোহী অবস্থায়) সামনের দিকে মুখ করে সালাত আদায় করেছেন। অর্থাৎ কিব্লার বাম দিকে মুখ করে। তখন তাঁকে আমি প্রশ্ন করলাম, আপনাকে তো দেখলাম কিব্লা ছাড়া অন্য দিকে মুখ করে সালাত আদায় করছেন । তিনি বললেন, যদি আমি রাস্লুল্লাহ্ করেপ করতে না দেখতাম, তবে আমিও তা করতাম না।

#### ٧٠٥. بَابُ مَنْ لَمْ يَتَطَوَّعُ فِي السَّفَرِ دُبُرَ الصَّلاَةِ وَقُبُلَّهَا

٩٥%. هم تعمم الله عَدْ ثَنَا يَحْدَى بَنُ سليك مَانَ قَالَ حَدَّثْنِي ابْنُ وَهُب قَالَ حَدَّثَنِي عُمَرُ بْنُ مُحَمَّد الله عَنْهُمَا فَقَالَ صَحَبْتُ النَّبِي عَلَيْ فَلَمْ ارَهُ يُصَبِّحُ فِي السَّفَرِ وَقَالَ الله جَلَّ ذَكْرُهُ لَقَدْ كَانَ لَكُمْ في رَسُولَ الله الله السُوة حَسنَة .

১০৩৮ ইয়াহ্ইয়া ইব্ন সুলাইমান (র.)....হাফ্স ইব্ন আসিম (রা.) থেকে বর্ণিত যে, ইব্ন উমর (রা.) একবার সফর করেন এবং বলেন, আমি নবী क्षिण्य -এর সাহচর্যে থেকেছি, সফরে তাঁকে নফল সালাত আদায় করতে দেখিনি এবং আল্লাহ্ তা'আলা ইরশাদ করেছেনঃ "নিশ্চয়ই তোমাদের জন্য আল্লাহ্র রাসূলের মধ্যে রয়েছে উত্তম আদর্শ।" (সূরা আহ্যাবঃ ২১১)

١٠٣٩ حَدُّثَنَا مُسَدَّدٌ قَالَ حَدَّثَنَا يَحْيَى عَنْ عِيْسَى بُنِ حَفْصِ بُنِ عَاصِمٍ قَالَ حَدَّثَنِي آبِي ٱنَّهُ سَمِعَ ابْنَ عُمَرَ يَقُولُ صَحَبْتُ رَسُولَ اللهِ عَلَيْ فَكَانَ لاَيَزِيْدُ فِي السَّفَرِ عَلَى رَكْعَتَيْنِ وَابَا بَكْرِ وَعُمَرَ وَعُثْمَانَ كَذْلِكَ رَضَى اللهُ عَنْهُمْ .

১০৩৯ মুসাদ্দাদ (র.).....হাফ্স ইব্ন আসিম (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, ইব্ন উমর (রা.)-কে বলতে ওনেছি যে, আমি রাসূলুল্লাহ্ এর সাহ চর্যে থেকেছি, তিনি সফরে দু' রাকা আতের অধিক নফল আদায় করতেন না। আবু বক্র, উমর ও উসমান (রা.)-এর এ রীতি ছিল।

### ٧٠٧. بَابُ مَنْ تَطَوَّعَ فِي السَّقَرِ فِي غَيْرِ دُبُّرِ الصَّلَوَاتِ وَ تَبُلِهَا وَرَكَعَ النَّبِي عَيَيْ فِي السَّقَرِ رَكَعَتَى النَّبِي عَيَيْ فِي السَّقَرِ رَكَعَتَى الْفَجْرِ

৭০৬. অনুচ্ছেদঃ সফরে ফর্ম সালাতের আগে ও পরে নফল আদায় করা। সফরে নবী ফজরের দু' রাকা'আত (সুন্নাত) আদায় করেছেন।

النَّبِيُّ عَيْنِكُ صَلَّى الضَّحَى غَيْرُ أُمِّ هَانِيْ ذَكَرَتُ اَنَّ النَّبِيُّ عَيْنِكُمْ فَتْحِ مَكَّةَ اغْتَسَلَ فِي بَيْتِهَا فَصَلَّى النَّبِيُّ عَيْنِكُمْ صَلَّى الضَّحَى غَيْرُ أُمِّ هَانِيْ ذَكَرَتُ اَنَّ النَّبِيُّ عَيْنِكُمْ يَوْمَ فَتْحِ مَكَّةَ اغْتَسَلَ فِي بَيْتِهَا فَصَلَّى النَّبِيُّ عَيْنِكُمْ صَلَّى الضَّعْرَ أُمَّ هَانِيْ ذَكَرَتُ اَنَّ النَّبِيُّ عَيْنَكُمْ وَالسَّجُوْدَ وَقَالَ اللَّيْثُ حَدَّثَنِي يُونُسُ ثَمَانَ رَكَعَاتٍ فَمَا رَأَيْتُهُ صَلَّى صَلَاةً اَخْفُ مِنْهَا غَيْرَ اَنَّهُ يُتِمُّ الرَّكُوْعَ وَالسَّجُوْدَ وَقَالَ اللَّيْثُ حَدَّثَنِي يُونُسُ عَنِ ابْنِ شَهَابٍ قَالَ حَدَّثَنِي عَبْدُ اللَّهِ بْنُ عَامِرٍ إَنَّ اَبَاهُ اَخْبَرَهُ اَنَّهُ رَأَى النَّبِيُّ عَيْنَ النَّبِيُّ عَيْنَ السَّبُحَةَ بِاللَّيْلِ عَنِ ابْنِ شَهَابٍ قَالَ حَدَّتُنِي عَبْدُ اللَّهِ بْنُ عَامِرٍ أَنَّ اَبَاهُ اَخْبَرَهُ انَّهُ رَأَى النَّبِيُّ عَيْنَ السَّفْرِ عَلَى ظَهْرِ رَاحِلَتِهِ حَيْثُ تَوَجَّهَتُ بِهِ ٠

১০৪০ হাফ্স ইব্ন উমর (র.).....ইব্ন আবূ লায়লা (র.) থেকে বর্ণিত, উম্মে হানী (রা.) ব্যতীত অন্য কেউ নবী করীম ক্রি -কে সালাত্য্ যুহা (পূর্বাহ্ন এর সালাত) আদায় করতে দেখেছেন বলে আমাদের জানাননি। তিনি (উম্মে হানী (রা.)) বলেন, নবী ক্রি মক্কা বিজয়ের দিন তাঁর ঘরে গোসল করার পর আট রাকা আত সালাত আদায় করেছেন। আমি তাঁকে এর চাইতে সংক্ষিপ্ত কোন সালাত আদায় করতে দেখিনি, তবে তিনি রুক্' ও সিজ্দা পূর্ণভাবে আদায় করেছিলেন। লায়স (র.) আমির (ইব্ন রাবীআ') (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি রাস্লুল্লাহ্ ক্রিটে -কে রাতের বেলা সফরে বাহনের পিঠে বাহনের গতিমুখী হয়ে নফল সালাত আদায় করতে দেখেছেন।

الله عَدُثْنَا اَبُو الْيَمَانِ قَالَ اَخْبَرَنَا شُعَيْبُ عَنِ الزُّهْرِيِّ قَالَ اَخْبَرَنِي سَالِمُ بْنُ عَبْدِ اللهِ عَنِ ابْنِ عُمَرَ رَضِي اللهُ عَنْهُمَا اَنَّ رَسُولَ اللهِ عَلِي عَلَى عَلَى ظَهْرِ رَاحِلَتِهِ حَيْثُ كَانَ وَجُهُهُ يُوْمِئُ بِرَأْسِهِ ، وَصَيِي اللهُ عَنْهُمَا اَنَّ رَسُولَ اللهِ عَلِي عَلَى عَلَى ظَهْرِ رَاحِلَتِهِ حَيْثُ كَانَ وَجُهُهُ يُوْمِئُ بِرَأْسِهِ ، وَكَانَ ابْنُ عُمَرَ يَفْعَلُهُ ،

১০৪১ আবুল ইয়ামান (র.).....ইব্ন উমর (রা.) থেকে বর্ণিত যে, রাসূলুল্লাহ্ করতেন। আর ইব্ন উমর (রা.)ও তা করতেন। আর ইব্ন উমর (রা.)ও তা করতেন।

#### ٧٠٧. بَابُ الْجَمْعُ فِي السُّفَرِ بَيْنَ الْمَغْرِبِ وَ الْعِشَاءِ

৭০৭. অনুচ্ছেদ ঃ সফরে মাগরিব ও ইশার সালাত একত্রে আদায় করা।

١٠٤٢ حَدَّثَنَا عَلِيٌّ بْنُ عَبْدِ اللهِ قَالَ حَدَّثَنَا سُفْيَانُ قَالَ سَمِعْتُ الزُّهْرِيُّ عَنْ سَالِمٍ عَنْ اَبِيَّهِ قَالَ كَانَ

النّبِيُّ عَنَّيْ مَا لَكُ مَنْ الْمَقْرِبِ وَ الْعِشَاءِ إِذَا جَدَّ بِهِ السّيْرُ وَقَالَ ابْرَاهِيْمُ بَنُ طَهْمَانَ عَنِ الْحُسَيْنِ الْمُعَلِّمِ عَنْ يَحْيِمُ بَيْنَ اللّهُ عَنْهُمَا قَالَ كَانَ رَسُولُ اللّهِ عَنْهَ يَجْمَعُ بَيْنَ المَعْرِ فَي يَحْيَمُ بَيْنَ الْمَغْرِبِ وَالْعِشَاءِ وَعَنْ حُسَيْنٍ عَنْ يَحْيَى بَنِ صَلاَةِ الظُّهْرِ وَالْعَصْرِ إِذَا كَانَ عَلَى ظَهْرِ سَيْرٍ وَيَجْمَعُ بَيْنَ الْمَغْرِبِ وَالْعِشَاءِ وَعَنْ حُسَيْنٍ عَنْ يَحْيَى بَنِ اللّهُ عَنْهُ قَالَ كَانَ النّبِيُّ عَنْ يَحْيَى بَنِ ابْنِ كَثِيْرٍ عَنْ حَفْصِ بَنِ عُبَيْدِ اللّهِ بَنِ انسٍ عَنْ أَنسِ بَنِ مَالِكٍ رَضِي اللّهُ عَنْهُ قَالَ كَانَ النّبِيُّ عَلَيْ يَجْمَعُ بَيْنَ صَلاَةِ الْمَعْرِبِ وَالْعِشَاءِ فِي السّفَرِ وَتَابَعَهُ عَلِيُّ بَنُ الْمُبَارِكِ وَحَرْبُ عَنْ يَحْيَى عَنْ حَفْصٍ عَنْ انسِ عَنْ السّفَرِ وَتَابَعَهُ عَلِيًّ بَنُ الْمُبَارِكِ وَحَرْبُ عَنْ يَحْيَى عَنْ حَفْصٍ عَنْ انسِ عَنْ النّبِي اللّهُ عَنْهُ قَالَ كَانَ النّبِي عَنْ يَحْيَلُوا بَعْهُ عَلَيْ اللّهُ عَنْهُ قَالَ كَانَ النّبِي اللّهُ عَنْهُ قَالَ كَانَ النّبِي اللّهُ عَنْهُ قَالَ كَانَ النّبِي اللّهُ عَنْهُ اللّهُ عَنْهُ قَالَ كَانَ النّبِي اللّهُ عَنْهُ عَلْهُ إِلَيْ عَنْهُ وَلَا عَلْهُ عَلْهُ اللّهُ عَنْهُ قَالَ كَانَ النّبِي اللّهُ عَنْهُ اللّهُ عَنْهُ اللّهُ عَنْهُ قَالَ كَانَ النّبِي اللّهُ عَنْهُ عَلَى اللّهُ عَنْهُ عَلَى اللّهُ عَنْهُ وَاللّهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلْمَ اللّهُ عَنْهُ عَنْهُ اللّهُ عَنْهُ وَلَا عَلْمَاء فِي السّفَرِ وَتَابَعَهُ عَلَيْ أَنْ النّهِ عَنْهُ وَلَا عَلْهُ اللّهِ عَلْهُ عَلْمُ اللّهِ عَلْهُ اللّهِ عَنْ يَصْلِي عَنْ عَلْهُ اللّهُ عَلْهُ اللّهُ اللّهِ عَلْمَ اللّهُ عَلْمُ اللّهُ عَنْهُ اللّهُ عَلْمُ اللّهُ عَلْهُ اللّهُ عَلْهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ عَلْمُ اللّهُ اللّهُ عَلْمُ اللّهُ اللّهُ عَلَكُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ عَلْمُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الل

১০৪২ আলী ইব্ন আবদুল্লাহ্ (র.)......ইব্ন উমর (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী যখন দ্রুত সফর করতেন, তখন মাগরিব ও ইশা একত্রে আদায় করতেন। ইব্রাহীম ইব্ন তাহ্মান (র.)...... ইব্ন আব্বাস (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, সফরে দ্রুত চলার সময় রাস্লুল্লাহ্ ব্রুট্র ও আ সরের সালাত একত্রে আদায় করতেন আর মাগরিব ইশা একত্রে আদায় করতেন। আর হুসাইন (র.)......আনাস ইব্ন মলিক (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী ক্রিট্রাসফরকালে মাগরিব ও ইশার সালাত একত্রে আদায় করতেন এবং আলী ইব্ন মুবারকও হারব (র.)......আনাস (রা.) থেকে হানীস বর্ণনায় হুসাইন (র.)-এর অনুসরণ করেছেন যে, নবী ক্রিট্রাস একত্রে আদায় করেছেন।

#### ٧٠٨. بَابُ هَلْ يُؤَذِّنُ أَوْ يُقْيِمُ إِذَا جَمَعَ بَيْنَ الْمَقْرِبِ وَالْعِشَاءِ

9 و الله عَنْهُمَا قَالَ رَأَيْتُ رَسُولُ الله عَيْبُ عَنِ الزُّهْرِيِ قَالَ اَخْسَرَنِيْ سَالِمُ عَنْ عَبْدِ الله بُنِ عُمَر الله عَنْهُمَا قَالَ رَأَيْتُ رَسُولُ الله عَنْهُمَا الله عَنْهُمَا قَالَ رَأَيْتُ رَسُولُ الله عَنْهُمُ الله عَنْهُمَا قَالَ رَأَيْتُ رَسُولُ الله عَنْهُمُ الله عَنْهُمَا قَالَ رَأَيْتُ رَسُولُ الله عَنْهُمُ اذَا اعْجَلَهُ السَّيْرُ فِي السَّقْرِ يُؤَخِّرُ صَلاَةَ الْمَقْرِبِ حَتَّى يَجْمَعَ بَيْنَهَا وَكَانَ عَبْدُ الله يَفْعَلُهُ اذَا اعْجَلَهُ السَّيْرُ وَيُقَيْمُ الْمَقْرِبَ فَيُصلِّيهَا تَلاَثًا ثُمُّ يُسلِم ثُمُ قَلْمَا يَلْبَثُ حَتَّى يُقِيمَ الْعِشَاءَ فَيُصلِّيهَا رَكْعَتَيْنِ ثُمَّ يُسلِم وَلاَيُسبَيِّحُ بَيْنَهَا بِرَكْعَة وَلاَبَعْدَ الْعِشَاءِ بِسَجْدَة حِتَّى يَقُومَ مِنْ جَوْف اللَّيلُ .

১০৪৩ আবুল ইয়ামান (র.).....আবদুল্লাহ্ ইব্ন উমর (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আমি নবী —কৈ দেখেছি যখন সফরে তাঁকে দ্রুত পথ অতিক্রম করতে হত, তখন মাগরিবের সালাত এত বিলম্বিত করতেন যে মাগরিব ও ইশা একত্রে আদায় করতেন। সালিম (র.) বলেন, আবদুল্লাহ্ ইব্ন উমর (রা.)ও দ্রুত সফরকালে অনুরূপ করতেন। তখন ইকামতের পর মাগরিব তিন রাকা আত আদায় করতেন এবং সালাম ফিরাতেন। তারপর অল্প সময় অপেক্ষা করেই ইশা-এর ইকামাত দিয়ে তা

দু'রাকা'আত আদায় করে সালাম ফিরাতেন।এ দু'য়ের মাঝে কোন নফল সালাত আদায় করতেন না এবং ইশার পরেও না। অবশেষে মধ্যরাতে (তাহজ্জুদের জন্য) উঠতেন।

1٠٤٤ حَدُّثَنَا السَّحْقُ حَدُّثُنَا عَبْدُ الصَّمَدِ حَدَّثَنَا حَرْبُ حَدُّثَنَا يَحْيِى قَالَ حَدُّثَنَى حَفْصُ بُنُ عُبَيْدِ اللهِ اللهِ عَنْهُ حَدَّثُهُ أَنَّ رَسُولَ اللهِ عَلَيْ كَانَ يَجْمَعُ بَيْنَ هَاتَيْنِ الصَّلَاتَيْنِ فِي السَّفَرِ يَعْنَى الْمَغْرِبَ وَالْعَشَاءَ .

১০৪৪ ইসহাক (র.).....আনাস (রা.) থেকে বর্ণিত যে, রাসূলুল্লাহ্ সফরে এ দু' সালাত একত্রে আদায় করতেন অর্থাৎ মাগরিব ও ইশা।

#### ٩، ٧. بَابُ يُكَفِّرُ الظَّهْرَ الِّي الْعَصْرِ إِذَا ارْتَحَلَ قَبْلَ أَنْ تَزِيْغَ الشَّمْسُ فِيهِ ابْنُ عَبَّاسٍ عَنِ النَّبِيِّ

৭০৯. অনুচ্ছেদ ঃ সূর্য ঢলে পড়ার আগে সফরে রওয়ানা হলে যুহরের সালাত আসরের সময় পর্যস্ত বিলম্বিত করা। এ বিষয়ে নবী ক্রিট্র থেকে আবদুল্লাহ ইব্ন আব্বাস রো.)—এর বর্ণনা রয়েছে।

المُعَشِر ثُمُّ يَجْمَعُ بَيْنَهُما وَاذَا زَاغَتُ صلَّى الظُهْرَ ثُمُّ رَكبَ .

১০৪৫ হাস্সান ওয়াসেতী (র.).....আনাস ইব্ন মালিক (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, রাস্লুল্লাহ্
সূর্য তলে পড়ার আগে সফর শুরু করলে আসরের ওয়াক্ত পর্যন্ত (পূর্ব পর্যন্ত) যুহ্র বিলম্বিত
করতেন এবং উভয় সালাত একত্রে আদায় করতেন। আর (সফর শুরু করার আগেই) সূর্য তলে গেলে
যুহ্র আদায় করে নিতেন। এরপর (সফরের উদ্দেশ্যে) আরোহণ করতেন।

#### • ٧١. بَابُ إِذَا ارْتَحَلَ بَقْدَ مَا زَاغَتِ الشَّمْسُ مِنْلَى الظُّهْرَ ثُمُّ رَكِبَ

৭১০. অনুচ্ছেদ ঃ সূর্য ঢলে পড়ার পর সফর শুরু করলে যুহরের সালাত আদায় করে সাওয়ারীতে আরোহণ করা।

1٠٤٦ حَدَّثَنَا قُتَيْبَةُ قَالَ حَدَّثَنَا الْمُفَصَلُ بْنُ فَصَالَةً عَنْ عُقَيْلٍ عَنِ ابْنِ شِهَابٍ عَنْ انْسِ بْنِ مَالِكٍ رَضِيَ اللهُ عَنْهُ قَالَ كَانَ رَسُولُ اللهِ عَلَيْهِ إِذَا اَرْتَحَلَ قَبْلَ اَنْ تَزِيْغَ الشَّمْسُ اَخْرَ الظُّهْرَ الِي وَقَتِ الْعَصْرِ ثُمَّ نَزَلَ اللهُ عَنْهُ قَالَ كَانَ رَسُولُ اللهِ عَلَيْهِ إِذَا اَرْتَحَلَ قَبْلَ اَنْ تَزِيْغَ الشَّمْسُ اَخْرَ الظُّهْرَ اللهُ عَلَيْهُمَا وَإِذَا زَاغَتِ الشَّمْسُ قَبْلَ اَنْ يَرْتَحِلَ صلِيً الظُّهْرَ ثُمَّ رَكِبَ .

১০৪৬ কুতাইবা ইব্ন সায়ীদ (র.)......আনাস ইব্ন মালিক (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, রাস্লুলাহ্ কুল্ট্রাই সূর্য ঢলে পড়ার আগে সফর শুরু করলে আসরের ওয়ান্ড পর্যন্ত যুহ্রের সালাত বিলম্বিত করতেন। তারপর অবতরণ করে দু' সালাত একসাথে আদায় করতেন। আর যদি সফর শুরু করার আগেই সূর্য ঢলে পড়তো তাহলে যুহ্রের সালাত আদায় করে নিতেন। তারপর বাহনে আরোহণ করতেন।

#### ٧١١، بَابُ صَلاَةِ الْقَاعِدِ

৭১১. অনুচ্ছেদ ঃ উপবিষ্ট ব্যক্তির সালাত।

١٠٤٧ حَدَّثُنَا قُتَيْبَةً بُنُ سَعِيْدٍ عَنْ مَالِكٍ عَنْ هِشَامٍ بُنِ عُرُوَةً عَنْ اَبِيْهِ عَنْ عَانِشَةَ رَضِيَ اللهُ عَنْهَا قَالَتُ صَلِّى رَسُولُ اللهِ عَلِيْتَهِ فَيْ بَيْتِهِ وَهُوَ شَاكٍ فَصَلِّى جَالِسَا وَصَلِّى وَرَاءَهُ قَوْمُ قَيِامًا فَأَشَارَ اللهِ مَا اللهِ عَلِيْتُهُ فِي بَيْتِهِ وَهُوَ شَاكٍ فَصَلِّى جَالِسَا وَصَلِّى وَرَاءَهُ قَوْمُ قَيَامًا فَأَشَارَ اللهِ مَا اللهُ عَلَيْهُمُ اَنْ اللهُ اللهِ عَلَيْهُمُ اللهُ عَلَيْهُمُ اللهُ عَلَيْهُمُ اللهُ عَلَيْهُمُ اللهُ اللهُ عَلَيْهُمُ اللهُ اللهُ عَلَيْهُمُ اللهُ اللهُ عَلَيْهُمُ اللهُ اللهُ عَلَيْهُمُ اللهُ اللهُ عَلَيْهُمُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَيْهُمُ اللهُ عَلَيْهُمُ اللهُ اللهُ عَلَيْهُمُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَيْهُمُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ اللهِ اللهُ اللهُولُ اللهُ اللهُ

১০৪৭ কুতাইবা ইব্ন সায়ীদ (র.)......আয়িশা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, রাস্পুল্লাহ্ করিছিলেন থবং এক দল সাহাবী তাঁর পিছনে দাঁড়িয়ে সালাত আদায় করতে লাগলেন। তখন তিনি বসে পড়ার জন্য তাদের প্রতি ইশারা করলেন। তারপর সালাত শেষ করে তিনি বললেনঃ ইমাম নির্ধারণ করা হয় তাঁকে অনুসরণ করার উদ্দেশ্যে। কাজেই তিনি রুক্ করলে তোমরা রুক্ করবে এবং তিনি মাথা উঠালে তোমরাও মাথা উঠাবে।

اللهِ عَنَّانَا اَبُو نُعَيْمٍ قَالَ حَدَّثَنَا ابْنُ عُيَيْنَةَ عَنِ الزُّهْرِيِّ عَنْ اَنَسٍ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهُ قَالَ سَقَطَ رَسُولُ اللهِ عَنَّهُ قَالَ سَقَطَ رَسُولُ اللهِ عَنِّلَةٍ مِنْ فَرَسٍ فُخْدِشَ اَوْ فُجُحِشَ شَقَّهُ الْاَيْمَنُ فَدَخَلْنَا عَلَيْهِ نَعُودُهُ فَحَضَرَتِ الصَّلاَةُ فَصَلَّى قَاعِدًا فَصَلَّيَ مِنْ فَرَسٍ فُخْدِشَ اَوْ فُجُحِشَ شَقَّهُ الْاَيْمَنُ فَدَخَلْنَا عَلَيْهِ نَعُودُهُ فَحَضَرَتِ الصَّلاَةُ فَصَلَّى قَاعِدًا فَصَلَّيَ مِنْ فَرَسٍ فُخُدِشَ اَوْ فُجُحِشَ شَقَّهُ الْاَيْمَامُ لِيُؤْتَمْ بِهِ فَاذَا كَبْرَ فَكَبِّرُوا وَإِذَا رَكَعَ فَارْكَعُوا وَإِذَا رَفَعَ فَارْفَعُوا وَإِذَا وَلَا اللّهُ لَمَن حَمِدَهُ فَقُولُوا وَبَنَا وَلَكَ الْحَمْدُ .

১০৪৯ ইসহাক ইব্ন মানসূর ও ইসহাক (ইব্ন ইব্রাহীম) (র.).....ইমরান ইব্ন হুসাইন (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি ছিলেন অর্শরোগী, তিনি বলেন, আমি রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্রা-কে বসে সালাত আদায় করা সম্পর্কে জিজ্ঞাসা করলাম। তিনি বললেন ঃ যদি কেউ দাঁড়িয়ে সালাত আদায় করে তবে তা-ই উত্তম।আর যে ব্যক্তি বসে সালাত আদায় করবে, তার জন্য দাঁড়িয়ে সালাত আদায়কারীর অর্ধেক সাওয়াব আর যে তয়ে আদায় করবে তার জন্য বসে আদায়কারীর অর্ধেক সাওয়াব।

#### ٧١٢. بَابُ صَلَاةِ الْقَاعِدِ بِالْاِيْمَاءِ

৭১২. অনুচ্ছেদ ঃ উপবিষ্ট ব্যক্তির ইশারায় সালাত আদায়।

١٠٥٠ حَدُّثَنَا اَبُوْ مَعْمَرٍ قَالَ حَدَّثَنَا عَبُدُ الْوَارِثِ قَالَ حَدَّثَنَا حُسَيْنُ الْمُعَلِّمُ عَنْ عَبْدِ اللهِ بْنِ بُرَيْدَةَ اَنْ عَمْرَانَ قَالَ سَالْتُ النَّبِيِّ عَلَيْهِ عَنْ صَلَاةِ عِمْرَانَ بْنَ حُصَيْنِ وَكَانَ رَجُلاً مَبْسُورًا وَقَالَ اَبُو مَعْمَرٍ مَرَّةً عَنْ عِمْرَانَ قَالَ سَالْتُ النَّبِيِّ عَلَيْهِ عَنْ صَلَاةِ الرَّجُلِ وَهُوَ قَاعِدُ فَقَالَ مَنْ صَلِّى قَائِمًا فَهُو آفَ ضَلُ وَمَنْ صَلِّى قَاعِدًا فَلَهُ نِصُفُ اَجُرِ الْقَائِمِ وَمَنْ صَلِّى اللهِ نَائمًا عَنْدِيْ مُضْطَجِعًا هَاهُنَا .

১০৫০ আবু মা'মার (র.)....ইমরান ইব্ন হুসাইন (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি ছিলেন অর্শরোগী, তিনি বলেন, আমি রাসূলুল্লাহ্ ক্রিল্টি-কে বসে সালাত আদায়কারী ব্যক্তি সম্পর্কে প্রশ্ন করলাম। তিনি বললেনঃ যে ব্যক্তি দঁড়িয়ে সালাত আদায় করল সে উত্তম আর যে ব্যক্তি বসে সালাত আদায় করল তার জন্য দাঁড়ান ব্যক্তির অর্ধেক সাওয়াব আর যে শুয়ে সালাত আদায় করল, তার জন্য বসে সালাত আদায়কারীর অর্ধেক সাওয়াব। আবু আবদুল্লাহ্ (র.) বলেন, আমার মতে এ হাদীসে 'نَانَا (নিদ্রিত) এর দ্বারা 'شَمْطُبَعُنُ (ওয়া) অবস্থা বুঝনো হয়েছে।

٧١٣. بَابُ إِذَا لَمْ يُطِقَ قَاعِدًا صَلِّى عَلَى جَنْبٍ وَقَالَ عَطَاءُ إِنْ لَـمْ يَقْدِرْ أَنْ يَتَحَوَّلَ إِلَى الْقِبْلَـةِ مِلْلَى حَيْثُ كَانَ وَجُهُهُ

৭১৬. অনুচ্ছেদ ঃ বসে সালাত আদায় করতে না পারলে কাত হয়ে শুয়ে সালাত আদায়

করবে। আতা (র.) বলেন, কিব্লার দিকে মুখ করতে অক্ষম ব্যক্তি যে দিকে সম্ভব সে দিকে মুখ করে সালাত আদায় করবে।

١٠٥١ حَدُّثَنَا عَبْدَانُ عَنْ عَبْدِ اللهِ عَنْ ابْرَاهِيْمَ بْنِ طَهْمَانَ قَالَ حَدُّثَنِي الْحُسنَيْنُ الْمُكَتِبُ عَنِ ابْنِ بُرِيْدَةَ عَنْ عِمْرَانَ بْنِ حُصنَيْنٍ رَضِيَ اللهُ عَنْهُ قَالَ كَانَتْ بِي بَوَاسِيْرُ فَسَأَلْتُ النّبِي عَلِي الصَّلاَةِ فَقَالَ صلًا قَانُمًا فَإِنْ لَمْ تَسْتَطِعْ فَقَاعِدًا فَإِنْ لَمْ تَسْتَطِعْ فَعَلَى جَنْبِ .

১০৫১ আবদান (র.).....ইমরান ইব্ন হুসাইন (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আমার অর্শরোগ ছিল। তাই রাস্লুল্লাহ্ ক্রিএর খিদমতে সালাত সম্পর্কে প্রশ্ন করলাম, তিনি বললেন ঃ দাঁড়িয়ে সালাত আদায় করবে, তাতে সমর্থ না হলে বসে; যদি তাতেও সক্ষম না হও তাহলে কাত হয়ে তয়ে।

## ٧١٤. بَابُ إِذَا صَلَّى قَاعِدًا ثُمُّ صَبَّ أَنْ فَهَدَ خِلْسَةً تَمُّمَ مَا بَقِي وَقَالَ الْعَسَنُ إِنْ شَاءَ الْمَرِيْضُ صَلَّى رَكُمَتَ يَنِ قَائِمًا وَرَكُمَتَ يَنِ قَاعِدًا

৭১৪. অনুচ্ছেদ ঃ বসে সালাত আদায় করলে সুস্থ হয়ে গেলে কিংবা একটু হাল্কাবোধ করলে, বাকী সালাত (দাঁড়িয়ে) পূর্ণভাবে আদায় করৰে। হাসান (র.) বলেছেন, অসুস্থ ব্যক্তি ইচ্ছা করলে দু' রাকা'আত সালাত বসে এবং দু' রাকা'আত দাঁড়িয়ে আদায় করতে পারে।

١٠٥٢ حَدُّثَنَا عَبُدُ اللهِ بَنُ يُوسُفَ قَالَ اَخْسَرَنَا مَالِكُ عَنْ هِشَامِ بُنِ عُرُوَةَ عَنْ اَبِيهِ عَنْ عَائِشَةَ أُمِّ الْمُؤْمِنِيْنَ رَضِي اللهُ عَنْهَا اَنَّهَا اَخْسَرَتُهُ اَنَّهَا رَسُولَ اللهِ عَلَيْ يُصلِي صلاَةَ اللَّيْلِ قَاعِدًا قَطَّ حَتَّى اَسَنَّ اللهِ عَلَيْ يُصلِي صلاَةَ اللَّيْلِ قَاعِدًا قَطَّ حَتَّى اَسَنَّ اللهِ عَلَيْ يُصلِي صلاَةً اللَّيْلِ قَاعِدًا قَطَّ حَتَّى اَسَنَّ اللهِ عَلَيْ يُصلي مَا اللهِ عَلَيْ يُصلي اللهِ عَلَيْ يُصلي مَا اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ الله عَنْهَا اللهِ عَنْهَا اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهُ عَنْهَا اللهِ عَلَى اللهِ عَلَيْ اللهِ عَنْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلْمُ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ اللهِ اللهِ عَلَيْ اللهِ ا

১০৫২ আবদুল্লাহ্ ইব্ন ইউসুফ (র.)......উমুল মু'মিনীন আয়িশা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, রাসূলুল্লাহ্ ক্রিট্রা -কে অধিক বয়সে পৌছার আগে কখনো রাতের সালাত বসে আদায় করতে দেখেননি। (বার্ধক্যের) পরে তিনি বসে কিরাআত পাঠ করতেন। যখন তিনি রুক্' করার ইচ্ছা করতেন, তখন দাঁড়িয়ে যেতেন এবং প্রায় ত্রিশ কিংবা চল্লিশ আয়াত তিলাওয়াত করে রুক্' করতেন।

١٠٥٢ حَدُثْنَا عَبْدُ اللهِ بْنُ يُوسُفَ قَالَ اَخْبَرَنَا مَالِكُ عَنْ عَبْدِ اللهِ بْنِ يَزِيْدَ وَابِى النَّضْرِ مَوْلَى عُمرَ بْنِ عُبِيدِ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْهَا اَنْ رَسُولَ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْهَا اَنْ رَسُولَ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ عَنْهَا اَنْ رَسُولَ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْهَا اَنْ رَسُولَ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْهَا اَنْ رَسُولَ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْهَا اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْهَا اللهِ عَنْ اللهِ عَنْهَا اللهِ عَنْهُ اللهِ عَنْ اللهُ عَلْمُ اللهِ عَنْ اللهِ عَلْهُ اللهِ عَلْهُ اللهِ عَلْمُ اللهِ عَلَى اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلْمُ اللهِ عَلْهُ اللهِ اللهِ اللهِ عَلْهُ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ اللهِ اللهِهِ اللهِ ال

وَهُوَ قَائِمُ ثُمُّ يَرْكُعُ ثُمُّ سَجَدَ يَفْعَلُ فِي الرَّكُعَةِ الثَّانِيَةِ مِثْلَ ذَٰلِكَ فَاذَا قَضَى صَلَاتَهُ نَظَرَ فَانِ كُنْتُ يَقْظَى تَحَدُّثَ مَعِيْ وَإِنْ كُنْتُ نَائِمَةً اِضْطَجَعَ ٠

১০৫৩ আবদুল্লাহ্ ইব্ন ইউসুফ (র.).....উমুল মু'মিনীন আয়িশা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, রাসূলুল্লাহ্ বসে সালাত আদায় করতেন। বসেই তিনি কিরাআত পাঠ করতেন। যখন তাঁর কিরাআতের প্রায় ত্রিশ বা চল্লিশ আয়াত বাকী থাকত, তখন তিনি দাঁড়িয়ে যেতেন এবং দাঁড়িয়ে তা তিলাওয়াত করতেন, তারপর রুক্' করতেন; পরে সিজ্দা করতেন। দ্বিতীয় রাকা'আতেও অনুরূপ করতেন। সালাত শেষ করে তিনি লক্ষ্য করতেন, আমি জাগ্রত থাকলে আমার সাথে বাক্যালাপ করতেন আর ঘুমিয়ে থাকলে তিনিও ভয়ে পড়তেন।

## স্থান । দিন্দ অধ্যায় ঃ তাহাজ্জুদ

# بشم الله الرحملن الرحيم الله الرحملن الرحيم كتاب التحميد علامة العالمة العالمة

#### ٧١٥. بَابُ التَّمَجُّدِ بِاللَّيْلِ وَهَوْلِهُ عَنَّ مَجَلَّ: وَمِنَ اللَّيْلِ فَتَهَجَّدُ بِهِ نَافِ لَتُ لَك

৭১৬. অনুচ্ছেদ ঃ রাতে তাহাজ্জুদ (ঘুম থেকে জেগে) সালাত আদায় করা। মহান আল্লাহ্র বাণীঃ "আর আপনি রাতের এক অংশে তাহাজ্জুদ আদায় করুন, যা আপনার জন্য অতিরিক্ত কর্তব্য"।

ابْنِ عَبَّاسٍ رَضِي اللهِ عَنْهُمَا قَالَ كَانَ النَّبِيُ عَبَّدِ اللهِ قَالَ حَدَّثَنَا سُفْيَانُ قَالَ حَدَّثَنَا سَلْيُمَانُ بُنُ اَبِي مُسْلِمٍ عَنْ طَاوُسٍ سَمِعَ الْبَنِ عَبَّاسٍ رَضِي اللهِ عَنْهُمَا قَالَ كَانَ النَّبِيُ عَيَّتِهُ إِذَا قَامَ مِنَ اللَّيْلِ يَتَهَجَّدُ قَالَ : اللَّهُمُّ لَكَ الْحَمْدُ النَّ مُلْكُ السَّمُواتِ وَالْاَرْضِ وَمَنْ فِيهِنَّ وَلَكَ الْحَمْدُ لَكَ مُلْكُ السَّمُواتِ وَالْاَرْضِ وَمَنْ فِيهِنَّ وَلَكَ الْحَمْدُ الْنَ مُلْكُ السَّمُواتِ وَالْاَرْضِ وَمَنْ فِيهِنَّ وَلَكَ الْحَمْدُ الْثَ الْحَمْدُ النَّهَ الْحَمْدُ النَّهُ وَقَالُكَ حَقَّ وَالْجَنَّةُ حَقَّ السَّمُواتِ وَالْاَرْضِ وَمَنْ فِيهِنَّ وَلَكَ الْحَمْدُ الْثَوَالَةُ وَقَالُكَ حَقَّ وَالْجَنَّةُ حَقَّ وَالْمَاعُةُ حَقَّ وَالْمَاعُةُ حَقَّ اللّهُ عَلَيْكَ الْمَعْدُ وَيَعْدُلُكَ الْمَعْدُ وَلَا الْحَمْدُ وَقَالُكَ حَقَّ وَالْجَنَّةُ مَقَ وَمُحَمِّدُ عَلَيْكَ عَقَلُكَ الْمَعْدُ وَلَا اللّهِ عَلَيْكَ الْمُعَلِّلَةُ وَلَا اللّهُ عَلَيْكَ الْمُعَلِّلُكَ الْمُعْدَمُ وَالْمَاعُ وَمَا الْمُعْدِمُ وَالْمَاعُ وَالْمَاعُ وَلَا اللّهُ عَلَيْكَ الْمُعْدِمُ وَالْمَاعُ وَلَا اللّهُ عَلَيْكَ اللّهُ عَلَيْكَ الْمُعْدُولُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ عَلْهُمُ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلْهُ مَنْ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلْمُ اللّهُ عَلْمُ اللّهُ عَلْمُ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلْمُ اللّهُ الللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ ا

১০৫৪ আলী ইব্ন আবদুল্লাহ্ (র.).....ইব্ন আব্বাস (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, রাসূলুল্লাহ্ রাতে তাহাজ্জুদের উদ্দেশ্যে যখন দাঁড়াতেন, তখন দু'আ পড়তেন – "ইয়া আল্লাহ্! আপনারই বুখারী শরীফ (২)—৩৮

জন্য সমস্ত প্রশংসা, আপনি আসমান যমীন ও এ দু'য়ের মাঝে বিদ্যমান সব কিছুর নিয়ামক এবং আপনারই জন্য সমস্ত প্রশংসা। আপনি আসমান যমীন এবং তাদের মাঝে বিদ্যমান সব কিছুর মালিক আপনারই জন্য সমস্ত প্রশংসা। আপনি আসমান যমীন এবং এ দু'য়ের মাঝে যা কিছু আছে সব কিছুর নূর। আপনারই জন্য সমস্ত প্রশংসা। আপনিই চির সত্য। আপনার ওয়াদা চির সত্য; আপনার সাক্ষাত সত্য; আপনার বাণী সত্য; জানাত সত্য; জাহানাম সত্য; নবীগণ সত্য; মুহামাদ ক্রিম্মি সত্য, কিয়ামত সত্য। ইয়া আল্লাহ! আপনার কাছেই আমি আত্মসমর্পন করলাম; আপনার প্রতি ঈমান আনলাম; আপনার উপরেই তাওয়াক্কুল করলাম, আপনার দিকেই রুজু' করলাম; আপনার (সভুষ্টির জন্যই) শক্রতায় লিপ্ত হলাম, আপনাকেই বিচারক মেনে নিলাম। তাই আপনি আমার পূর্বাপর ও প্রকাশ্য গোপন সব অপরাধ ক্ষমা করুন। আপনিই অগ্র পশ্চাতের মালিক। আপনি ব্যতীত কোন ইলাহ্ নেই, অথবা (অপর বর্ণনায়) আপনি ব্যতীত আর কোন মা বৃদ নেই। সুফিয়ান (র.) বলেছেন, (অপর সূত্রে) আবদুল করীম আবু উমাইয়া (র.) তাঁর বর্ণনায় ' ক্রিম্বান্তির নবী করীম ক্রিম্বান্তির বর্ণনা করেছেন।

#### ٧١٧. بَابُ فَضْلِ قِيَامِ اللَّيْلِ

৭১৬. অনুচ্ছেদ ঃ রাত জেগে ইবাদত করার ফযীলত।

النّبِيِّ عَلَيْتُ عَبُدُ اللهِ بَنُ مُحَمَّدٍ قَالَ حَدَّثَنَا هِشِامُ قَالَ اَخْبَرَنَا مَعْمَرُح وَحَدَّثَنِي مَحْمُودُ قَالَ حَدَّثَنَا هِ عَنْهُ اللّهُ عَنْهُ قَالَ كَانَ الرَّجُلُ فِي حَيَاةِ عَبُدُ الرّزَّاقِ قَالَ اَخْبَرَنَ مَعْمَرُ عَنِ الزُّهْرِيِّ عَنْ سَالِمٍ عَنْ اَبِيْهِ رَضِيَ اللّهُ عَنْهُ قَالَ كَانَ الرَّجُلُ فِي حَيَاةِ النّبِيِّ عَلَيْتُ اذَا رَأَى رُوْيًا قَصَّهَا عَلَى رَسُولِ اللهِ عَلَيْتُ فَتَمَنَّيْتُ انْ ارَى رُوْيًا قَصَّهَا عَلَى رَسُولِ اللهِ عَلَيْتُ فَتَمَنَّيْتُ انْ ارَى رُوْيًا فَاقُصَّهَا عَلَى رَسُولِ اللهِ عَلَيْتُهُ وَكُنْتُ عُلاَمًا وَكُنْتُ انَامُ فِي الْمَسْجِدِ عَلَى عَهْد رَسُولِ اللهِ عَلَيْتُهُ فَرَأَيْتُ فِي النَّوْمِ كَانَ مَلَكَيْنِ عَلَيْ رَسُولِ اللهِ عَلَيْتُهُ فَرَأَيْتُ فِي النَّوْمِ كَانَ مَلَكَيْنِ أَنْ اللهِ عَلَيْكُ فَرَأَيْتُ فِي النَّوْمِ كَانَ مَلَكَيْنِ أَنْ اللهِ عَنْ اللّهِ عَنْ النَّارِ فَاذَا هِي مَطُويَّةُ كَطَي الْبِنْدِ وَإِذَا لَهَاقَرُنَانِ وَإِذَا فَيْسَهَا انْنَاسُ قَدْ عَرَفُتَهُمُ أَخَذَانِي فَذَهُمَا بِي النّارِ فَاذَا هِي مَطُويَةُ كَطَي الْبَيْدِ وَإِذَا لَهَاقَرُنَانِ وَإِذَا لَهُ اللهُ عَنْفُهُمُ عَمْد رَسُولُ اللهِ مِنَ النَّارِ قَالَ فَقَوْمَ اللّهُ لَوْ كَانَ يُصَلّي مُنَ اللّهِ فَكَانَ بَعْدُ لاَ يَنَامُ مِنَ اللّهِ عَنْ اللّهُ عَلَيْكُ وَمُ اللّهِ اللهِ اللهِ عَلَى رَسُولِ اللهِ عَلَى اللّهِ عَلَيْكُ فَقَالَ نِعْمَ الرَّجُلُ عَبْدُ اللّهِ لَوْ كَانَ يُصَلّي مِنَ اللّهِ فَكَانَ بَعْدُ لاَ يَنَامُ مِنَ اللّهُ لَوْ كَانَ يُصَلّي مِنَ اللّهِ فَكَانَ بَعْدُ لاَ يَنَامُ مِنَ اللّهُ لَوْ كَانَ يُصَلّي مِنَ اللّهُ لَوْكَانَ بَعْدُ لاَ يَنَامُ مِنَ اللّهُ لَا لاَتُهُ مَا لَوْ اللّهُ اللّهُ اللّهِ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الْمُ لَا لَا لَيْكُولُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ ال

১০৫৫ আবদুলাহ্ ইব্ন মুহাম্মদ ও মাহমুদ (র.).....আবদুল্লাহ্ ইব্ন উমর (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী করীম ক্রিন্দ্র-এর জীবিতকালে কোন ব্যক্তি স্বপ্ল দেখলে তা রাস্লুল্লাহ্ এর খিদমতে বর্ণনা করত। এতে আমার মনে আকাঙ্খা জাগলো যে, আমি কোন স্বপ্ল দেখলে তা রাস্লুল্লাহ্ ক্রিন্দ্র-এর নিকট বর্ণনা করব। তখন আমি যুবক ছিলাম। রাস্লুল্লাহ্

আমি স্বপ্লে দেখলাম, যেন দুজন ফিরিশ্তা আমাকে ধরে জাহান্নামের দিকে নিয়ে চলেছেন। তা যেন কুপের পাড় বাঁধানোর ন্যায় পাড় বাঁধানো। তাতে দু'টি খুঁটি রয়েছে এবং এর মধ্যে রয়েছে এমন কতক লোক, যাদের আমি চিনতে পারলাম। তখন আমি বলতে লাগলাম, আমি জাহান্নাম থেকে আল্লাহ্র নিকট পানাহ চাই। তিনি বলেন, তখন অন্য একজন ফিরিশ্তা আমাদের সংগে মিলিত হলেন। তিনি আমাকে বললেন, ভয় পেয়ো না। আমি এ স্বপ্ল (আমার বোন উমুল মু'মিনীন) হাফ্সা (রা.)-এর কাছে বর্ণনা করলাম। এরপর হাফসা (রা.) তা রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্রান নিকট বর্ণনা করলেন। তখন তিনি বললেনঃ আবদুল্লাহ্ কতই ভাল লোক! যদি রাত জেসে সে সালাত (তাহাজ্জুদ) আদায় করত! এরপর থেকে আবদুল্লাহ্ (রা.) খুব অল্প সময়ই ঘুমাতেন।

#### ٧١٧. بَابُ طُوْلِ السَّجُوْدِ فِي قَيِامِ اللَّيْلِ

৭১৭ . অনুচ্ছেদ ঃ রাতের সালাতে সিজ্দা দীর্ঘ করা।

١٠٥٦ حَدُّثَنَا اَبُو الْيَمَانِ قَالَ اَخْبَرَنَا شُعَيْبُ عَنِ الزُّهْرِيِّ قَالَ اَخْبَرَنِيْ عُرُوَةُ اَنَّ عَانِشَةَ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهَا اَنَّ رَسُولُ اللَّهِ عَلِيْكُ كَانَ يُصلِّيْ اِحْدَى عَشْرَةَ رَكْعَةً كَانَت تَلِكَ صَلاَتَهُ يَسْجُدُ السَّجْدَةَ مِنْ ذُلِكَ قَدُرَ مَا يَقُرَأُ اللهِ عَلِيْكُ كَانَ يُصلِّي اَحْدَى عَشْرَة رَكْعَةً كَانَت تَلِكَ صَلاَةٍ الْفَجْرِ ثُمَّ يَضْطَجِعُ عَلَى شَقِّهِ مَا يَقْرَأُ احَدُكُمْ خَمْسِيْنَ اَيَةً قَبْلَ اَنْ يَرْفَعَ رَأْسَهُ وَيَرْكَعُ رَكْعَتَيْنِ قَبْلَ صَلاَةٍ الْفَجْرِ ثُمَّ يَضْطَجِعُ عَلَى شَقِّهِ الْاَيْمَن حَتَى يَأْتَيَهُ الْمُنَادِيُ الصَّلاَة .

১০৫৬ আবুল ইয়ামান (র.)......আয়িশা (রা.) থেকে বর্ণিত, রাস্লুল্লাহ্ (তাহাজ্জুদে) এগার রাকা আত সালাত আদায় করতেন এবং তা ছিল তাঁর (স্বাভাবিক) সালাত। সে সালাতে তিনি এক একটি সিজ্দা এত পরিমাণ (দীর্ঘায়িত) করতেন যে, তোমাদের কেউ (সিজ্দা থেকে) তাঁর মাথা তোলার আগে পঞ্চাশ আয়াত তিলাওয়াত করতে পারত। আর ফজরের (ফর্য) সালাতের আগে তিনি দু' রাকা আত সালাত আদায় করতেন। তারপর তিনি ডান কাঁতে শুইতেন যতক্ষণ না সালাতের জন্য তাঁর কাছে মুআয্যিন আসতো।

#### ٧١٨. بَابُ تُرْكِ الْقِيَامِ الْمُرِيْضِ

৭১৮. অনুচ্ছেদ ঃ অসুস্থ ব্যক্তির তাহাজ্জুদ আদায় না করা।

١٠٥٧ حَدَّثَنَا اَبُوْنُعَيْمٍ قَالَ حَدَّثَنَا سَفْيَانُ عَنِ الْأَسْوَدِ سَمِعْتُ جُنْدَبًا يَقُولُ اشْتَكَى النَّبِي عَالِيْ فَلَمْ يَقُمُ لَكُمْ يَقُمُ لَكُمْ يَقُمُ لَكُمْ يَقُمُ لَكُمْ يَقُمُ لَكُمْ يَقُمُ لَكُمْ يَكُمُ لَلْكُةً لَيْلَتَيْنَ .

১০৫৭ আবৃ না'আইম (র.)....জুনদাব (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী ক্রিইএএকবার) অসুস্থ হয়ে পড়েন।ফলে এক রাত বা দু' রাত তিনি (তাহাজ্জুদ সালাতের উদ্দেশ্যে) উঠেন নি। ١٠٥٨ حَدُّثَنَا مُحَمِّدُ بُنُ كَثِيرٍ قَالَ اَخْبَرَنَا سَفْيَانُ عَنِ الْاَسْوَدِ ابْنِ قَيْسٍ عَنْ جُنْدَبِ بْنِ عَبْدِ اللهِ رَضِي اللهُ عَنْهُ قَالَ احْدَثْنَا مُحَمِّدُ بُنُ كَثِيرٍ قَالَ احْدَبُ بَنِ عَبْدِ اللهِ رَضِي الله عَنْهُ قَالَ احْدَبُ مِنْ قُرَيْسٍ اَبْطَأَ عَلَيْهِ شَيْطَانُهُ الله عَنْهُ قَالَ الْمُرَاةُ مِنْ قُرَيْسٍ اَبْطَأَ عَلَيْهِ شَيْطَانُهُ فَنَالَتُ الْمُرَاةُ مِنْ قُرَيْسٍ اَبْطَأَ عَلَيْهِ شَيْطَانُهُ فَنَالَتُ وَاللَّيْلُ اذَا سَجِلَى مَا وَدَّعَكَ رَبُّكَ وَمَا قَلَى ٠ فَنَالَتُ وَالصَّحْلَى وَاللَّيْلُ اذَا سَجِلى مَا وَدَّعَكَ رَبُّكَ وَمَا قَلَى ٠

১০৫৮ মুহামদ ইব্ন কাসীর (র.).....জুনদাব ইব্ন আব্দুল্লাহ্ (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, একবার সাময়িকভাবে জিব্রীল আলাইহিস্ সালাম নবী المنظم والمعالمة والمعالمة المعالمة والمعالمة والمعا

## ٧١٩. بَابُ تَحْرِيْضِ النَّبِيِّ عَلَى صَلاَةِ اللَّيْلِ وَالنَّوَا فِلِ مِنْ غَيْرِ إِجَابٍ وَطَرَقَ النَّبِيُ عَلَى صَلاَةِ اللَّيْلِ وَالنَّوَا فِلِ مِنْ غَيْرِ إِجَابٍ وَطَرَقَ النَّبِيُ عَلَى عَلَى صَلاَةِ اللَّيْلِ وَالنَّوَا فِلِ مِنْ غَيْرِ إِجَابٍ وَطَرَقَ النَّبِيُ عَلَى عَلَى عَلَى عَلَيْهِ فَاطِمَةُ وَعَلِيًا عَلَيْهِمَا السَّلاَمُ لَيْلَةً لِلصَلَّاةِ

৭৯৯. অনুচ্ছেদ ঃ তাহাজ্জুদ ও নফল ইবাদতের প্রতি নবী । এর উৎসাহ প্রদান, অবশ্য তিনি তা ওয়াজিব করেন নি। নবী । তাহাজ্জুদ সালাতে উৎসাহ দানের জন্য একরাতে ফাতিমা ও আলী রো.)—এর ঘরে গিয়েছিলেন।

١٠٥٩ حَدُّنَنَا ابْنُ مُقَاتِلٍ اَخْبَرَنَا عَبْدِ اللهِ اَخْبَرَنَا مَعْمَرُعَنِ الزُّهْرِيِّ عَنْ هِنْدِ بِنْتِ الْحَارِثِ عَنْ أُمِّ سلّمَةَ رَضِيَ اللهُ عَنْهَا اَنْ النَّبِيَّ عَلَيْهُ اِسْتَيْقَظَ لَيْلَةً فَقَالَ سَبُحَانَ اللهِ مَاذَا انْزِلَ اللّيْلَةَ مِنَ الْفَثِنَةِ مَاذَا انْزِلَ مِنَ الْفَثِنَةِ مَا النّبِي عَنْ الْفَثِنَةِ مَاذَا اللهُ عَادِيَةٍ فِي الْأَخْرَةِ ، الْخَرَاتِ يَارُبُ كَاسِيَةٍ فِي الدُّنْيَا عَارِيَةٍ فِي الْآخِرَةِ ،

১০৫৯ ইব্ন মুকাতিল (র.).....উমু সালামা (রা.) থেকে বর্ণিত যে, নবী ক্রিট্র একরাতে ঘুম থেকে জেগে উঠে বললেন ঃ সুবহানাল্লাহ্! আজ রাতে কত না ফিত্না নাযিল করা হল! আজ রাতে কত না (রাহমাতের) ভাভারই নাযিল করা হল! কে জাগিয়ে দিবে হুজরাগুলোর বাসিন্দাদের । ওহে! শোন, দুনিয়ার অনেক বস্তু পরিহিতা আখিরাতে বিবস্তা হয়ে যাবে।

اللهِ عَلَيْ الْخُبَرَةُ اَنَّ عَلِيَّ ابْنَ ابِي طَالِبٍ اَخْبَرَنَا شُعَيْبُ عَنِ الزُّهْرِيِّ قَالَ اَخْبَرَنِيْ عَلِيٍّ بْنُ حُسَيْنٍ اَنَّ حُصَيْنَ بْنَ عَلِي الْخُبَرَةُ اَنَّ عَلِي اللهِ عَلَيْ عَلَيْ اللهِ اللهِ عَلَيْ عَلَيْ اللهِ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهِ ا

الله عَدْثَنَا عَبْدُ اللهِ بَنُ يُوسُفَ قَالَ آخْبَرَنَا مَالِكُ عَنِ ابْنِ شِهَابٍ عَنْ عُرْوَةَ عَنْ عَائِشَةَ رَضِيَ اللهُ عَنْهَا قَالَتْ انْ كَانَ رَسُولُ اللهِ عَلَيْهِ لَيَدَعُ الْعَمَلَ وَهُوَ يُحِبُّ أَنْ يَعْمَلَ بِهِ خَشْبَيَةً أَنْ يَعْمَلَ بِهِ النَّاسُ فَيُقْرَضَ عَلَيْهِمْ وَمَا سَبُّحَ رَسُولُ اللهِ عَلَيْهِ سَبُحَةَ الضَّحَى قَطُّ وَإِنِّي لِاسْبَحُهَا .

১০৬১ আবদুল্লাহ্ ইব্ন ইউসুফ (র.)......আয়িশা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, রাসূলুল্লাহ্ বিষ্ণা যে আমল করা পদন্দ করতেন, সে আমল কোন কোন সময় এ আশংকায় ছেড়েও দিতেন যে, লোকেরা সে আমল করতে থাকবে, ফলে তাদের উপর তা ফর্য হয়ে যাবে। রাসূলুল্লাহ্ কথনো চাশ্তের সালাত আদায় করেন নি। আমি সে সালাত আদায় করি।

١٠٦٢ حَدُّثَنَا عَبُدُ اللهِ بَنُ يُوسُفَ قَالَ اَخْبَرَنَا مَالِكُ عَنِ ابْنِ شِهَابٍ عَنْ عُرُوَةَ بْنِ الزَّبَيْرِ عَنْ عَائِشَةَ أُمِّ الْمُؤْمِنِيْنَ رَضِيَ اللهُ عَنْهَا اَنَّ رَسُولَ اللهِ عَنْهَا اللهِ عَنْهَا اَنَّ رَسُولَ اللهِ عَنْهَا اللهِ عَنْهُ اللهِ عَنْهُ اللهِ عَنْهَا اللهِ عَنْهَا اللهِ عَنْهُ اللهِ عَنْهَا اللهِ عَنْهُ اللهُ اللهِ عَنْهُ اللهُ عَلْهُ اللهِ عَنْهُ اللهُ عَنْهُ اللهِ عَنْهُ اللهُ عَنْهُ اللهُ عَنْهُ اللهُ عَنْهُ اللهُ اللهِ عَنْهُ اللهُ عَنْهُ اللهُ عَنْهُ اللهُ اللهِ عَلْهُ اللهُ اللهُ اللهِ عَنْهُ اللهُ عَنْ رَمَضَانَ اللهُ ا

১০৬২ আবদুলাহ ইব্ন ইউসুফ (র.)......উমুল মু'মিনীন আয়িশা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, রাসূলুলাহ্ এক রাতে মসজিদে সালাত আদায় করছিলেন, কিছু লোক তাঁর সঙ্গে সালাত আদায় করলো। পরবর্তী রাতেও তিনি সালাত আদায় করলেন এবং লোক আরো বেড়ে গেল। এরপর তৃতীয় কিংবা চতুর্থরাতে লোকজন সমবেত হলেন, কিন্তু রাসূলুল্লাহ্ বর হলেন না। সকাল হলে তিনি বললেন ঃ তোমাদের কার্যকলাপ আমি লক্ষ্য করেছি। তোমাদের কাছে বেরিয়ে আসার ব্যাপারে শুধু এ আশংকাই আমাকে বাধা দিয়েছে যে, তোমাদের উপর তা ফর্য হয়ে যাবে। আর ঘটনাটি ছিল রামাযান মাসের (তারাবীহ্র সালাতের)।

হ্যরত আয়িশা (রা.) একথা তাঁর জানা অনুসারে বলেছেন। উশ্ব হানী (রা.) এর রিওয়ায়াতে রাস্লুলাহ্
 —এর চাশ্ত আদায় প্রমাণিত আছে। ——আইনী।

## و٧٢. بَابُ قِيَامُ النَّبِيِ عَلِي حَتَّى تَرِمَ قَدَمَاهُ، وَقَالَتْ عَائِشَةَ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهَا حَتَّى تَفَطَّرَ قَدَمَاهُ وَالْفُطُورُ وَالْفُلُورُ وَالْفُلُولُ وَالْفُلُولُ وَاللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَنْهَا حَتَّى تَفَطّر قَدَمَاهُ وَالْفُطُورُ وَالْفُطُورُ وَاللَّهُ عَنْهَا حَتَّى تَفَطّر قَدَمَاهُ وَالْفُطُورُ وَاللَّهُ عَنْهَا مَا اللَّهُ عَنْهَا حَتَى لَلْهُ عَنْهَا حَتَّى تَفَطّر وَاللَّهُ وَاللَّهُ عَنْهَا مَا اللَّهُ عَنْهَا حَتَّى تَفَطّر وَاللَّهُ وَاللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَنْهَا حَتَّى تَفَطّر وَاللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَنْهَا مَا اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَنْهَا مَا اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْكُولُ اللَّهُ عَلَى اللّهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ اللّهُ

৭২০. অনুচ্ছেদ ঃ নবী ﷺ—এর তাহাজ্জুদের সালাতে দীর্ঘক্ষণ দাঁড়ানোর ফলে তাঁর উভয় কদম মুবারক ফুলে যেতো। আয়িশা (রা.) বলেছেন, এমনকি তাঁর পদযুগল ফেটে যেতো। কুরআনের শব্দ) 'الْفَالُونَّ)' অর্থ 'ফেটে যাওয়া' 'এْفَالُونَّ)' 'ফেটে গেল'।

النّبِيُّ عَلَيْهُ لَيَقُومُ أَوْ لَيُصلِّي حَتَّى تَرِمَ قَدَمَاهُ أَوْ سَاقَاهُ فَيُقَالُ لَهُ فَيَقُولُ اَفَلاَ اَكُونُ عَبْدًا شَكُورًا • النّبِيُ عَلَيْهُ لَيَقُولُ اَفَلاَ اَكُونُ عَبْدًا شَكُورًا •

১০৬৩ আবৃ নু'আইম (র.).....মুগীরা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী ক্রিট্রেরাত্রি জাগরণ করতেন অথবা রাবী বলেছেন, সালাত আদায় করতেন; এমন কি তাঁর পদযুগল অথবা তাঁর দু' পায়ের গোছা ফুলে যেত। তখন এ ব্যাপারে তাঁকে বলা হল, এত কন্ত কেন করছেন ? তিনি বলতেন, তাই বলে আমি কি একজন তকরগুযার বান্দা হব না ?

#### ٧٢١. بَابُ مَنْ نَامَ عِنْدَ السَّعَرِ

৭২১. অনুচ্ছেদ ঃ সাহ্রীর সময় যে ঘুমিয়ে পড়েন।

انٌ عَبْدَ اللهِ بْنَ عَمْرٍ بْنِ الْعَاصِ رَضِيَ اللهُ عَنْهُمَا اَخْبَرَهُ اَنَّ رَسُولَ اللهِ عَلَيْ وَيُنَارِ اَنَّ عَمْرَو بْنِ الْعَاصِ رَضِيَ اللهُ عَنْهُمَا اَخْبَرَهُ اَنَّ رَسُولَ اللهِ عَلَيْ عَلَيْ قَالَ لَهُ اَحَبُّ الصَّلاَةِ اللهِ اللهِ صَلاَةُ دَاؤُدَ عَلَيْهِ السَّلاَمُ وَاحَبُّ الصَّيَامِ اللهِ صَيَامُ دَاؤُدَ وَكَانَ يَنَامُ نِصْفَ اللَّيْلِ وَيَقُومُ تُلْتُهُ وَيَنَامُ سُدُسَهُ وَيَصُومُ يَوْمًا وَيُفُطِرُ يَوْمًا .

১০৬৪ আলী ইব্ন আবদুল্লাহ্ (র.).....আবদুল্লাহ্ ইব্ন আমর ইব্ন আস (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, রাস্লুল্লাহ্ তাঁকে বলেছেনঃ আল্লাহ্ পাকের নিকট সর্বাধিক প্রিয় সালাত হল দাউদ (আ.)-এর সালাত। আর আল্লাহ্ পাকের নিকট সর্বাধিক প্রিয় সিয়াম হল দাউদ (আ.)-এর সিয়াম। তিনি (দাউদ (আ.) অর্ধরাত পর্যন্ত ঘুমাতেন, এক তৃতীয়াংশ তাহাজ্জুদ পড়তেন এবং রাতের এক ষষ্ঠাংশ ঘুমাতেন। তিনি একদিন সিয়াম পালন করতেন, এক দিন করতেন না।

الله عَنْهَا أَيُ الْعُمَلِ كَانَ أَحَبَّ إِلَى النَّبِيِّ عَلَى النَّبِيِّ عَلَى النَّبِيِّ عَلَى اللهِ عَنْهَا وَالْ اللهُ عَنْهَا أَيُّ الْعُمَلِ كَانَ اَحَبًّ إِلَى النَّبِيِّ عَلَى اللهُ عَالَتُ مَتَى كَانَ يَقُومُ قَالَتَ يَقُومُ عَالَتَ يَقُومُ

#### إذًا سَمِعَ الصَّارِخَ •

১০৬৫ আবদান (র.)....মাসর্ক্ষক (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আমি আয়িশা (রা.)-কে জিজ্ঞাসা করলাম, নবী কর্মান -এর কাছে কোন আমলটি সর্বাধিক প্রিয় ছিল । তিনি বললেন, নিয়মিত আমল। আমি জিজ্ঞাসা করলাম, তিনি কখন তাহাজ্জুদের জন্য উঠতেন । তিনি বললেন, যখন মোরগের ডাক জনতে পেতেন।

١٠٦٦ حَدَّثَنَا مُحَمَّدُ ابْنُ سَلَامٍ قَالَ آخُبَرَنَا آبُو الْآخُوَتِ عَنِ الْأَشْعَتِ قَالَ اذَا سَمْعَ الصَّارِخَ قَامَ فَصلَّى ،

১০৬৬ মুহামদ ইব্ন সালাম (র.).....আশ আস (রা.) তাঁর বর্ণনায় বলেন, নবী মারগের ডাক জনে উঠতেন এবং সালাত আদায় করতেন।

اللهُ عَنْهَا قَالَتْ مَا اَلْفَاهُ السَّحَرُ، عِنْدِي إلاَّ نَائِمًا تَعْنِى النَّبِيُّ طَالِقَهُ .

১০৬৭ মূসা ইব্ন ইসমায়ীল (র.).....আয়িশা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, তিনি আমার কাছে ঘুমিয়ে থাকা অবস্থায়ই সাহ্রীর সময় হতো। তিনি নবী

#### ٧٢٣. بَابُ مَنْ تَسَحَّرُ فَلَمْ يَنَمْ حَتَّى صَلَّى الصَّبْحَ

৭২২. অনুচ্ছেদ ঃ সাহ্রীর পর ফজরের সালাত পর্যন্ত জাগ্রত থাকা।

১০৬৮ ইয়াকুব ইব্ন ইব্রান্ম (র.).....আনাস ইব্ন মালিক (রা.) থেকে বর্ণিত, নবী ব্রায়দ ইব্ন সাবিত (রা.) সাহ্রী খেলেন। যখন তারা দু' জন সাহ্রী সমাপ্ত করলেন, তখন নবী ব্রায়দ ইব্ন সালিতে দাঁড়িয়ে গেলেন এবং সালাত আদায় করলেন। (কাতাদা (র.) বলেন) আমরা আনাস ইব্ন মালিক (র.)-কে জিজ্ঞাসা করলাম, তাঁদের সাহ্রী সমাপ্ত করা ও (ফজরের) সালাত তরু করার মধ্যে কি পরিমাণ সময় ছিল ? তিনি বললেন, কেউ পঞ্চাশ আয়াত তিলাওয়াত করতে পারে এ পরিমাণ সময়।

#### ٧٢٣. بَابُ طُولُ الصَّلْوَاةِ فِي قَيِامِ اللَّيْلِ

৭২৬. অনুচ্ছেদঃ তাহাজ্ঞাদের সালাত দীর্ঘায়িত করা।

١٠٦٩ حَدُّثنَا سُلَيْمَانُ بْنُ حَرَّبٍ قَالَ حَدُّثنَا شُعْبَةً عَنِ الْاَعْمَشِ عَنْ اَبِيْ وَائِلٍ عَنْ عَبْدِ اللهِ رَضِي اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ رَضِي اللهُ عَنْ اللهِ عَلْمَ عَلَا عَلَا عَنْ اللهِ عَنْ اللهُ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَالمُ عَلْمُ اللهُ عَنْ اللهُ عَلَا عَلَا عَلَا عَلَا عَلَا عَلْمُ

১০৬৯ সুলাইমান ইব্ন হারব (র.)......আবদুল্লাহ্ (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, রাতে আমি নবী . وهم সংগে সালাত আদায় করলাম। তিনি এত দীর্ঘ সময় দাঁড়িয়ে থাকলেন যে, আমি একটি মন্দ কাজের ইচ্ছা করে ফেলেছিলাম। (আবৃ ওয়াইল (র.) বলেন) আমরা জিজ্ঞাসা করলাম, আপনি কি ইচ্ছা করেছিলেন । তিনি বললেন, ইচ্ছা করেছিলাম, বসে পড়ি এবং নবী وهم المرابعة والمرابعة والمرابع

اللَّهُ عَنْهُ أَنَّ النَّبِيُّ عَلِيْهُ كَانَ إِذَا قَامَ لِلتَّهَجُّدِ مِنَ اللَّيْلِ يَشُوْصُ فَاهُ بِالسِّوَاكِ •

১০৭০ হাফস ইব্ন উমর (র.)......হ্যাইফা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী ক্ষ্রীরোতের বেলা যখন তাহাজ্জুদ সালাতের জন্য উঠতেন তখন মিস্ওয়াক দ্বারা তাঁর মুখ (দাঁত) পরিষ্কার করে নিতেন।

#### ٧٢٤. بَابُ كَيْفَ كَانَ صَلَاةُ النَّبِي عَلَيْهِ وَكُمْ كَانَ النَّبِي عَلِيَّ يُصَلِّي مِنَ اللَّيْلِ

৭২৪. অনুচ্ছেদ ঃ নবী ﷺ -এর সালাত কিরূপ ছিল এবং রাতে তিনি কত রাকা আত সালাত আদায় করতেন ?

١٠٧١ حَدُّثَنَا اَبُو الْيَمَانِ قَالَ اَخْبَرَنَا شُعَيْبُ عَنِ الزُّهْرِيِ قَالَ اَخْبَرَنِي سَالِمُ بُنُ عَبْدِ اللهِ اَنْ عَبْدَ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ عَلَيْهُ عَنْهُمَا قَالَ اِنْ رَجُلاً قَالَ يَا رَسُولَ اللهِ عَلَيْهُ كِيْفَ صَلاَةُ اللَّيْلِ قَالَ مَثْنَى مَثْنَى مَثْنَى فَاذِا خَفْتَ الصَّبْحَ فَاوْتَرْ بِوَاحِدَةٍ .

১০৭১ আবুল ইয়ামান (র.).....আবদুলাহ্ ইব্ন উমর (রা.) বলেন, একজন জিজ্ঞাসা করলেন, ইয়া রাসূলাল্লাহ্! রাতের সালাতের (আদায়ের) পদ্ধতি কি ! তিনি বললেন ঃ দু' রাকা আত করে। আর ফজর হয়ে যাওয়ার আশংকা করলে এক রাকা আত মিলিয়ে বিত্র আদায় করে নিবে।

١٠٧٢ حَدَّثَنَا مُسَدَّدٌ قَالَ حَدَّثَنَا يَحْيِى عَـنْ شُعْبَةً قَالَ حَدَّثَنَا اَبُوْ جَمْرَةَ عَنِ ابْنِ عَبُّاسٍ رَضِي اللهُ عَنْهُمَا قَالَ كَانَ صِلَاةً النَّبِي عَلِيْ عَشْرَةَ رَكْعَةً يَعْنَى بِاللَّيْلُ .

১০৭২ মুসাদ্দাদ (র.).....ইব্ন আব্বাস (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী করীম ক্রিঞ্জুএর সালাত ছিল তের রাকা'আত অর্থাৎ রাতে। (তাহাজ্জুদ ও বিত্রসহ)।

اللهِ عَدَّثَنَا السَّحْقُ قَالَ حَدَّثَنَا عُبَيْدُ اللهِ قَالَ اَخْبَرَنَا السَّرَائِيلُ عَنْ اَبِي حُصنَيْنٍ عَنْ يَحْيَى بُنِ وَتَّابٍ عَنْ مَسْرُوْقٍ قَالَ سَأَلْتُ عَائِشَةً رَضِيَ اللهُ عَنْهَا عَنْ صَلاَةٍ رَسُوْلِ اللهِ عَلَيْكُ بِاللَّيْلِ فَقَالَتْ سَبْعُ وَتِسْعُ وَتِسْعُ وَتِسْعُ وَتِسْعُ وَتِسْعُ وَتِسْعُ وَتِسْعُ وَتِسْعُ وَاحْدِيْ عَشْرَةَ سَوَى رَكْعَتى الْفَجْر.

১০৭৩ ইসহাক (র.)....মাসর্রুক (র.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আমি আয়িশা (রা.)-কে রাস্লুল্লাহ্
-এর রাতের সালাত সম্পর্কে জিজ্ঞাসা করলাম। তিনি বললেন, ফজরের দু' রাকা আত (সুনাত)
ব্যতিরেকে সাত বা নয় কিংবা এগার রাকা আত।

١٠٧٤ حَدَّثُنَا عُبَيْدُ اللَّهِ ابْنَ مُوسلَى قَالَ اَخْبَرَنَا حَنْظَلَةُ عَنِ الْقَاسِمِ بْنِ مُحَمَّدٍ عَنْ عَائِشَةَ رَضِيَ اللهُ عَنْهَا الْهَبُّ عَنْهَا الْهَبُّ عَالِيْهُ يُصلِّى مِنَ اللَّيْلِ تَلاَثَ عَشرَةَ رَكْعَةً مِنْهَا الْهِثَرُ وَرَكْعَتَا الْفَجْر ، عَنْهَا قَالَتُ كَانَ النَّبِيُ عَلَيْهُم مِنَ اللَّيْلِ تَلاَثَ عَشرَةَ رَكْعَةً مِنْهَا الْهِثَرُ وَرَكْعَتَا الْفَجْر ،

১০৭৪ উবায়দুল্লাহ্ ইব্ন মূসা (র.)......আয়িশা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী স্ক্রীরাতের বেলা তের রাকা'আত সালাত আদায় করতেন, বিত্র এবং ফজরের দু রাকা'আত (সুন্নাত)ও এর অন্তর্ভূক।

৭২৬. অনুচ্ছেদঃ নবী क्रिके-এর ইবাদাতে রাত জাগরণ এবং তাঁর ঘুমানো আর রাত জাগার যুত্তুক রহিত করা হয়েছে। মহান আল্লাহ্র বাণীঃ "হে বস্তাবৃত! (ইবাদাতে) রাত

বুখারী শরীফ (২)—৩৯

জাণ্ডন কিছু অংশ ব্যতীত, অর্ধেক রাত অথবা তার কিছু কম সময়। অথবা এর চাইতেও কিছু বাড়িয়ে নিন। আর কুরআন তিলাওয়াত করুন, ধীরে ধীরে, স্পষ্ট ও সুন্দর করে। আমি আপনার প্রতি নাযিল করছি গুরভার বাণী, অবশ্য রাতের উপাসনা প্রবৃত্তি দলনে প্রবলতর এবং বাক্য পুরণে সঠিক। দিবাভাগে রয়েছে আপনার জন্য দীর্ঘ কর্মব্যস্ততা। (৭৩ ঃ ১ – ৭৩) এবং তাঁর বাণী ঃ তিনি ( আল্লাহ্) জানেন যে, তোমরা এর সঠিক হিসাব রাখতে পার না। অতএব, আল্লাহ্ তোমাদের প্রতি ক্ষমাপরবশ হয়েছেন। কাজেই কুরআনের যতটুকু তিলাওয়াত করা তোমাদের জন্য সহজ ততটুকু তিলাওয়াত কর। আল্লাহ্ জানেন যে, তোমাদের মধ্যে কেউ কেউ অসুস্থ হয়ে পড়বে, কেউ কেউ আল্লাহ্র অনুগ্রহ সন্ধানে দেশভ্রমণ করবে এবং কেউ কেউ আল্লাহ্র পথে যুদ্ধে লিপ্ত হবে। কাজেই, কুরআন থেকে যতটুকু সহজ-সাধ্য তিলাওয়াত কর। সালাত কায়িম কর, যাকাত প্রদান কর এবং আল্লাহ্কে দাও উত্তম ঋণ। তোমরা তোমাদের আত্মার মংগলের জন্য ভাল যা কিছু অগ্রীম পাঠাবে তোমরা তা পাবে আল্লাহ্র নিকট। এটিই উৎকৃষ্টতর এবং পুরন্ধার হিসাবে মহান। অতএব, তোমরা আল্লাহ্র নিকট ক্ষমাপ্রার্থনা কর। নিশ্চয়ই আল্লাহ্ ক্ষমাশীল, পরম দয়ালু। (৭৩ ঃ ২০)। ইব্ন আব্বাস (রা.) বলেন, হাব্শী ভাষার 'نَشْنَا' শব্দটির অর্থ ' قَامَ ' نَشْنَا' অর ' وَلَاءِ ' শব্দের অর্থ হল – কুরআনের অধিক অনুকূল।অর্থাৎ তাঁর কান, চোখ এবং হৃদয়ের বেশী অনুকূল এবং তাই তা কুরআনের মর্ম অনুধাবনে অধিকতর উপযোগী। 'أيناطؤا' শব্দের অর্থ হল 'যাতে তারা সামঞ্জস্য বিধান করতে পারে'।

الله عَنْهُ يَقُولُ كَانَ رَسُولُ اللهِ عَبِي إِللهِ قَالَ حَدَّثَنَا مُحَمَّدُ بْنُ جَعْفَرٍ عَنْ حُمَيْدٍ اللهِ اللهِ عَبِي اللهِ عَلَيْ يَفُطِرُ مِنَ الشَّهْرِ حَتَّى نَظُنَّ اَنْ لاَ يَصِوْمَ مِنْهُ وَيَصِوْمُ حَتَّى نَظُنَّ اَنْ لاَ يَصِوْمَ مِنْهُ وَيَصِوْمُ حَتَّى نَظُنَّ اَنْ لاَ يُصِوْمَ مِنْهُ وَيَصِوْمُ حَتَّى نَظُنَّ اَنْ لاَ يُفَطِرُ مِنْهُ شَيْئًا ، وَكَانَ لاَ تَشَاءُ اَنْ تَرَاهُ مِنَ اللَّيْلِ مُصلِيًّا الاَّ رَايْتَهُ وَلاَ نَائِمًا الاَّ رَايْتَهُ وَلاَ نَائِمًا الاَّ رَايْتَهُ ، تَابَعَهُ سليّمانُ وَابُو خَالِدٍ الْاَحْمَرُ عَنْ حُمَيْدٍ .

১০৭৫ আবদুল আযীয ইব্ন আবদুল্লাহ্ (র.)......আনাস (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, রাসূলুল্লাহ্ কোন কোন মাসে সিয়াম পালন করতেন না। এমন কি আমরা ধারণা করতাম যে, সে মাসে তিনি সিয়াম পালন করবেন না। আবার কোন কোন মাসে সিয়াম পালন করতে থাকতেন, এমন কি আমাদের ধারণা হত যে, সে মাসে তিনি সিয়াম ছাড়বেন না। তাঁকে তুমি সালাত রত অবস্থায় দেখতে চাইলে তাই দেখতে পেতে এবং ঘুমন্ত অবস্থায় দেখতে চাইলে তাও দেখতে পেতে। সুলাইমান ও আবৃ খালিদ আহ্মার (র.) হুমাইদ (র.) থেকে হাদীস বর্ণনায় মুহাম্মদ ইব্ন জাফর (র.)-এর অনুসরণ করেছেন।

#### ٧٢٧. بَابُ عَقْدِ الشَّيْطَانِ عَلَى قَافِيّةِ الرُّأْسِ إِذَا لَمْ يُصلِّي بِاللَّيْلِ

৭৯%. অনুচ্ছেদ ঃ রাতের বেলা সালাত আদায় না করলে গ্রীবাদেশে শয়তানের গ্রন্থী বেধে দেওয়া।

١٠٧٦ حَدُّثَنَا عَبْدُ اللهِ بَنُ يُوسَفَ قَالَ اَخْبَرَنَا مَالِكُ عَنْ اَبِى الزِّنَادِ عَنِ الْاَعْرَجِ عَنْ اَبِى هُرَيْرَةَ رَضِيَ اللهُ عَنْهُ اَنَّ رَسُولَ اللهِ عَيِّلِكُ قَالَ يَعْقِدُ الشَّيْطَانُ عَلَى قَافِيةِ رَأْسِ اَحَدِكُمْ اِذَا هُوَ نَامَ ثَلاَثَ عُقَدٍ يَضْرِبُ كُلُّ عُقْدَةً فَازَ رَسُولَ اللهِ عَلَيْكَ لَيْلُ طَوْيِلُ فَارْقُدُ فَانِ اسْتَيْقَظَ فَذَكَرَ اللهَ انْحَلَّتُ عُقْدَةً فَانِ تَوَضَّا انْحَلَّتُ عُقْدَةً فَانِ تَصَلَّى النَّفْسِ وَالِاَّ اَصْبَحَ خَبِيْتُ النَّفْسِ كَسُلانَ .

১০৭৬ আবদুল্লাহ্ ইব্ন ইউসুফ (র.).....আবৃ হ্রায়রা (রা.) থেকে বর্ণিত, রাস্লুল্লাহ্ ক্রিল্লির্র বিলেছেন ঃ তোমাদের কেউ যখন ঘূমিয়ে পড়ে তখন শয়তান তার গ্রীবাদেশে তিনটি গিঠ দেয়। প্রতি গিঠে সে এ বলে চাপড়ায়, তোমার সামনে রয়েছে দীর্ঘ রাত। তারপর সে যদি জাগ্রত হয়ে আল্লাহ্কে শ্বরণ করে একটি গিঠ খুলে যায়, পরে উয়্ করলে আর একটি গিঠ খুলে যায়, তারপর সালাত আদায় করলে আর একটি গিঠ খুলে যায়। তখন তার প্রভাত হয়, প্রফুল্ল মনে ও নির্মল চিত্তে। অন্যথায় সে সকালে উঠে কল্বিত মনে ও অলসতা নিয়ে।

١٠٧٧ حَدَّثَنَا مُؤَمِّلُ بْنُ هِشَامٍ قَالَ حَدَّثَنَا اسْ مُعْيِلُ قَالَ حَدَّثَنَا عَوْفُ قَالَ حَدَّثَنَا اَبُوْرَجَاءٍ قَالَ حَدَّثَنَا مَوْمَلُ بُنُ هِشَامٍ قَالَ حَدَّثَنَا اسْ مُعِيلُ قَالَ حَدَّثَنَا عَوْفُ قَالَ حَدَّثَنَا اَبُوْرَجَاءٍ قَالَ حَدَّثَنَا مَوْمَلُ بُنُ مُثَنَّ بُورَ مَعْنِي اللَّهُ عَنْهُ عَنِ النَّبِي عَلِيْ فِي الرَّوْيَا قَالَ اَمَّا الَّذِي يُثْلَغُ رَأْسُهُ بِالْحَجَرِ فَانِّهُ يَأْخُذُ المَّرُونَةُ فَي اللَّهُ عَنْ الصَّلَاة الْمَكْتُوبَة .

১০৭৭ মুআস্মাল ই ব্ন হিশাম (র.).....সামুরা ইব্ন জুনদাব (রা.) সূত্রে নবী ক্রিট্রী থেকে বর্ণিত, তিনি তাঁর স্বপ্ল বর্ণনার এক পর্যায়ে বলেছেন, যে ব্যক্তির মাথা পাথর দিয়ে বিচূর্ণ করা হচ্ছিল, সে হল ঐ লোক যে কুরআন শরীফ শিখে তা পরিত্যাগ করে এবং ফরয সালাত আদায় না করে ঘুমিয়ে থাকে।

#### ٧٢٧. بَابُ إِذَا نَامَ فَلَمْ يُصِلِّ بَالَ الشَّيْطَانُ فِي أَذُنِهِ

৭২৭. অনুচ্ছেদঃ সালাত আদায় না করে ঘুমিয়ে পড়লে শয়তান তার কানে পেশাব করে দেয়।

١٠٧٨ حَدَّثَنَا مُسَدَّدٌ قَالَ حَدَّثَنَا آبُو الْأَحُومِ قَالَ حَدَّثَنَا مَنْصُورٌ عَنْ آبِي وَائِلٍ عَنْ عَبْدِ اللهِ رَضِي اللهِ

১. হাদীসথানা এখানে অংশ বিশেষ উল্লিখিত হয়েছে, পূর্ণাংগ হাদীস রয়েছে " كتاب الجنائز " -এ।

عَنْهُ قَالَ ذُكِرَ عِنْدَ النَّبِيِ عَلَيْكُ رَجُلُ فَقِيْلَ مَا زَالَ نَائِمًا حَتَّى أَصْلِبَحَ مَا قَامَ الِي الصَّلاَةِ ، فَقَالَ بَالَ الشَّيْطَانُ فِي اُذُنه ،

১০৭৮ মুসাদাদ (র.)......আবদুল্লাহ্ (ইব্ন মাসউদ) (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী ক্রিটি ন এর সামনে এক ব্যক্তির সম্পর্কে আলোচনা করা হল সকাল বেলা পর্যন্ত সে ঘ্মিয়েই কাটিয়েছে, সালাতের জন্য (যথা সময়ে) জাগ্রত হয়নি, তখন তিনি (নবী ক্রিটি) ইরশাদ করলেন ঃ শয়তান তার কানে পেশাব করে দিয়েছে।

# ٧٢٨. بَابُ الدُّعَاءِ وَالصَّلاَةِ مِنْ أُخِرِ اللَّيْلِ وَقَالَ كَانُوا قَلِيْلاً مِنَ اللَّيْلِ مَا يَهْجَعُونَ أَيْ مَا يَنَامُونَ وَبَالاً مِنَ اللَّيْلِ مَا يَهْجَعُونَ أَيْ مَا يَنَامُونَ وَبِالْاَسْحَارِهُمْ يَسْتَغُفِرُونَ وَالسَّيْلِ مَا يَعْدَارِهُمُ يَسْتَغُفِرُونَ وَالسَّيْلِ مَا يَعْدَارُهُ مِنْ اللَّيْلِ مَا يَعْدَارُهُ مَا يَنَامُ سَوْنَ اللَّيْلِ مَا يَعْدَالِهُ مَا يَعْدَالُونَ وَالسَّيْلِ مَا يَعْدَالُونَ وَالْمَالِقُونَ وَالسَّيْلِ مَا يَعْدَالِهُ مَا يَعْدَارُهُ مَا يَعْدَالِهُ مَا يَعْدَالِكُ اللَّيْلِ مَا اللَّيْلِ مَا يَعْدَارِهُ مَا يَعْدَارُهُ مَا يَعْدَالِهُ مُا يَعْدَالِهُ مُ يَسْتَغُونُونَ وَالسَّلِولِ اللَّيْلِ الللْسُولُ وَاللَّلْكُونُ وَالْقُلْلُ مِنْ اللَّيْكِ مَا يَعْمَالُونُ وَالْمَالِ مُنْ مُنْ وَالْكُونُ وَاللَّيْكُونُ وَالْمُ مُنْ اللَّيْكُونُ وَالْفُلْمُ وَالْمُ مَا يَعْمُ مُنْ مُنْ وَالْمُلْونُ وَالْمُعُلِي وَالْمُ مُنْ مُنْ اللَّيْكُولُ مُنْ اللَّيْكُولُونُ وَالْمُعُلِقُونُ وَالْمُ الْعُلِي الْعُلْمُ مُنْ اللَّيْمُ وَالْمُعُلِقُ وَالْمُعُلِقُ مُ اللَّالِي اللَّيْكُولُ مُنْ اللِي اللَّيْكُولُ مُنْ اللَّيْكُولُ مُنْ اللَّيْكُولُ مِنْ اللَّيْلِي اللْعُلِي مُنْ اللَّيْكُولُ مُنْ اللَّيْكُولُ مُنْ اللَّيْكُولُ مِنْ اللَّيْكُولُ مِنْ اللَّيْكُولُ مِنْ اللَّيْكُولُ مُنْ اللْلْعُلِي اللْمُعُلِي مُنْ اللْمُعُلِي مُنْ اللْعُلُولُ مُنْ اللَّيْكُولُ مِنْ اللْمُعُلِي مُنْ اللِي مُنْ اللَّيْكُولُ مُنْ اللْمُعُلِي مُنْ اللِي مُنْ اللْمُعُلِي مُنْ اللَّلْمُ مُنْ الْمُلْمُ مُنْ اللْمُعُلِي مُنْ اللْمُعُلِي مُنْ اللْمُعُلِي مُنْ اللْمُ الْمُعُلِي مُنْ اللْمُعُلِي مُنْ اللْمُعُلِي مُن اللَّلْمُ اللْمُلْمُ اللْمُعُلِي مُنْ اللْمُعُلِي مُنْ اللَّلْمُ اللْمُ الْعُلُولُ اللْمُ اللَّلْمُ الْمُلْمُ اللْمُ الْمُلْلُولُ اللْمُلْمُ

৭২৮. অনুচ্ছেদ ঃ রাতের শেষভাগে দু'আ করা ও সালাত আদায় করা। আল্লাহ্পাক ইরশাদ করেছেন ঃ রাতের সামান্য পরিমাণ (সময়) তাঁরা নিদ্রারত থাকেন, শেষ রাতে তাঁরা ইসতিগ্ফার করেন। (সূরা আয্–যারিয়াত ঃ ১৮)।

١٠٧٩ حَدُّثَنَا عَبْدُ اللهِ بْنُ مَسْلَمَةَ عَنْ مَالِكٍ عَنِ ابْنِ شِهَابٍ عَنْ اَبِيْ سَلَمَةَ وَابِيْ عَبْدِ اللهِ الْاَغَرِّ عَنْ اَبِيْ اللهِ الْاَغَرِّ عَنْ اَبِيْ مَسْلَمَة عَنْهُ اللهِ اللهِ اللهِ عَنْهُ اللهِ اللهِ عَنْهُ اللهِ اللهِ عَنْهُ اللهِ اللهِ عَنْهُ اللهِ عَنْهُ اللهِ اللهِ عَنْهُ اللهِ اللهِ عَنْهُ اللهِ عَنْهُ اللهِ اللهِ عَنْهُ اللهِ اللهِ عَنْهُ اللهِ اللهِ اللهِ عَنْهُ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ عَنْهُ اللهِ اللهِ اللهِ عَنْهُ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ الللهُ اللهُ ا

১০৭৯ আবদুল্লাহ্ ইব্ন মাসলামা (র.)......আবূ হুরায়রা (রা.) থেকে বর্ণিত, রাসূলুল্লাহ্ ক্রিট্রের বেলছেন ঃ মহামহিম আল্লাহ্ তা'আলা প্রতি রাতে রাতের শেষ তৃতীয়াংশ অবশিষ্ট থাকাকালে নিকটবর্তী আসমানে অবতরণ করে ঘোষণা করতে থাকেন ঃ কে আছে এমন, যে আমাকে ডাকবে ? আমি তার ডাকে সাড়া দিব। কে আছে এমন যে, আমার কাছে চাইবে ? আমি তাকে তা দিব। কে আছে এমন, যে আমার কাছে ক্রমা চাইবে ? আমি তাকে ক্রমা চাইবে ? আমি তাকে ক্রমা চাইবে ? আমি তাকে

# ٧٢٩. بَابُ مَنْ نَامَ أَوْلَ اللَّيْلِ وَأَحْيَا أَخِرَهُ وَقَالَ سَلْمَانُ لاَبِي الدُّرْدَاءِ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهُمَا نَمْ فَلَمَّا كَانَ مِنْ أَخْرِ اللَّيْلِ قَالَ قُمْ قَالَ النَّبِيُ عَلَيْهُ صَدَقَ سَلْمَانُ الْخِرِ اللَّيْلِ قَالَ قُمْ قَالَ النَّبِيُ عَلَيْهِ صَدَقَ سَلْمَانُ

৭২১. অনুচ্ছেদ ঃ যে ব্যক্তি রাতের প্রথমাংশে ঘুমিয়ে থাকে এবং শেষ অংশকে (ইবাদাত দারা) প্রাণবস্ত রাখে। সালমান (রা.) আবু দারদা (রা.)—কে (রাতের প্রথমাংশে) বললেন, (এখন) ঘুমিয়ে পড়, শেষ রাত হলে তিনি বললেন, (এখন) উঠে পড়। (বিষয়টি অবগত হয়ে) নবী ক্রিক্রিই ইরশাদ করলেন ঃ সালমান যথার্থ বলেছে।

١٠٨٠ حَدَّثَنَا اَبُوالْوَلِيْدِ حَدَّثَنَا شُعْبَةُ وَحَدَّثَنِي سُلَيْمَانُ قَالَ حَدَّثَنَا شُعْبَةُ عَنْ اَبِي اِسْطُقَ عَنِ الْاَسْوَدِ قَالَ سَأَلْتُ عَائِشَةَ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهَا كَيْفَ صَلَاةُ النَّبِي عَلَيْهُ بِاللَّيْلِ قَالَتُ كَانَ يَنَامُ اَوَّلَهُ وَيَقُومُ أَخْرِهُ قَالَ سَأَلْتُ عَائِشَةَ رَضِي اللَّهُ عَنْهَا كَيْفَ صَلَاةُ النَّبِي عَلَيْهُ بِاللَّيْلِ قَالَتُ كَانَ يَنَامُ اَوَّلَهُ وَيَقُومُ أَخْرِهُ فَاللَّ سَأَلْتُ عَائِشَةً رَضِي اللَّهُ عَنْهَا كَيْفَ صَلَاةُ النَّبِي عَلَيْهِ بِاللَّيْلِ قَالَتُ كَانَ يَنَامُ اَوَّلَهُ وَيَقُومُ أَخْرَهُ فَيُصلِّي فَي اللَّهُ عَنْهَا كَيْفَ صَلَاةً النَّبِي عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَالِمَةً الْعَلَى اللَّهُ عَنْهُ اللَّهُ عَنْهُ اللَّهُ عَنْهُ اللَّهُ عَنْهُ اللَّهُ عَنْهُ اللَّهُ اللَّهُ عَنْهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَنْهُ اللَّهُ عَنْهُ اللَّهُ عَنْهُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ عَنْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ الللَّهُ الل

১০৮০ আবুল ওয়ালীদ ও সুলাইমান (র.)......আসওয়াদ (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আয়িশা (রা.)-কে জিজ্ঞাসা করলাম, রাতে নবী ক্রিট্রা-এর সালাত কেমন ছিল । তিনি বললেন, তিনি প্রথমাংশে ঘুমাতেন, শেষাংশে জেগে সালাত আদায় করতেন। এরপর তাঁর শয্যায় ফিরে যেতেন, মুজ্মখ্যিন আযান দিলে দ্রুত উঠে পড়তেন, তখন তাঁর প্রয়োজন থাকলে গোসল করতেন, অন্যথায় উযু করে (মসজিদের দিকে) বেরিয়ে যেতেন।

# • ٧٣. بَابُ قِيَامُ النَّبِيِّ عَلَيْهُ بِاللَّيْلِ فِيْ رَمَضَانَ وَغَيْرِهِ

৭৩১. অনুচ্ছেদ ঃ রামাযানে ও অন্যান্য সময়ে নবী विक्री – এর রাত জেগে ইবাদাত। ١٠٨١ حَدَّثَنَا عَبْدُ اللهِ بْنُ يُوسَفَ قَالَ اَخْبَرَنَا مَالِكُ عَنْ سَعِيْدِ بْنِ اَبِيْ سَعِيْدِ الْمَقْبُرِيِّ عَنْ اَبِيْ سَلَمَةَ بْنِ عَبْدِ الرَّحْمَٰنِ أَنَّهُ آخْبَرَهُ أَنَّهُ سَأَلَ عَائِشَةَ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهَا كَيْفَ كَانَتْ صَلاَةُ رَسُولِ اللهِ عَلَيْهُ فِي رَمَضَانَ فَقَالَتُ مَا كَانَ رَسُولُ اللَّهِ عَلِي اللَّهِ عَلِيهُ يَزِيدُ فِي رَمَضَانَ وَلاَ فِي غَيْرِهِ عَلَى احدى عَشُرَةَ رَكُعَةً يُصلِّي اَرْبَعًا فَلاَ تَسْئَلُ عَنْ حُسْنِهِنَّ وَطُوْلِهِنَّ ثُمَّ يُصلِّي ٱرْبَعًا فَلاَ تَسْئَلُ عَنْ حُسْنِهِنَّ وَطُوْلِهِنَّ ثُمَّ يُصلِّي ثَلاَتًا قَالَتَ عَائِشَةُ فَقُلْتُ يَا رَسُولَ اللَّهِ اتَّنَامُ قَبْلَ أَنْ تُوْتِرَ فَقَالَ يَاعَائِشَةُ انَّ عَيْنَى تَنَامَانِ وَلاَ يَنَامُ قَلْبِي ٠ ১০৮১ আবদুল্লাহ্ ইব্ন ইউসুফ (র.).....আবূ সালামা ইব্ন আবদুর রাহমান (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি আয়িশা (রা.)-কে জিজ্ঞাসা করেন, রামাযান মাসে রাস্লুল্লাহ্ 🚟 -এর সালাত কেমন ছিল ? তিনি বললেন, রাসূলুল্লাহ ক্রিট্র রামাযান মাসে এবং অন্যান্য সময় (রাতের বেলা) এগার রাকা আতের অধিক সালাত আদায় করতেন না। তিনি চার রাকা আত সালাত আদায় করতেন। তুমি সেই সালাতের সৌন্দর্য ও দীর্ঘত্ত সম্পর্কে আমাকে প্রশ্ন করো না। তারপর চার রাকা আত সালাত আদায় করতেন, এর সৌন্দর্য ও দীর্ঘত্ব সম্পর্কে আমাকে প্রশ্ন করো না। তারপর তিনি তিন রাকা'আত (বিত্র) সালাত আদায় করতেন। আয়িশা (রা.) বলেন, (একদিন) আমি জিজ্ঞাসা করলাম, ইয়া রাসূলাল্লাহ্! আপনি কি বিত্রের আগে ঘুমিয়ে থাকেন ? তিনি ইরশাদ করলেন ঃ আমার চোখ দু'টি ঘুমায়, কিন্তু আমার হৃদয় ঘুমায় না। ١٠٨٢ حَدَّثَنَا مُحَمَّدُ بْنُ الْمُثَنِّى حَدَّثَنَا يَحْيَى بْنُ سَعِيْدٍ عَنْ هِشَامٍ قَالَ اَخْبَرَنِي اَبِي عَنْ عَائِشَةَ رَضِي اللَّهُ عَنْهَا قَالَتُ مَا رَأَيْتُ النَّبِيُّ عَلَيْكُ يَقْرَأُ فِي شَيْ مِنْ صَلَاةِ اللَّيْلِ جَالِسًا حَتَّى اذَا كَبِرَ قَرَأُ جَالِسًا ،

فَاذَا بَقِيَ عَلَيْهِ مِنَ السُّورَةِ ثَلاَتُونَ أَوْ اَرْبَعُونَ اَيَّةً قَامَ فَقَرَأَ هُنَّ ثُمَّ رَكَعَ ٠

১০৮২ মুহামাদ ইব্ন মুসানা (র.).....উমুল মু'মিনীন আয়িশা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, রাতের কোন সালাতে আমি রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্রে -কে বসে কিরাআত পড়তে দেখিনি। অবশ্য শেষ দিকে বার্ধক্যে উপনীত হলে তিনি বসে কিরাআত পড়তেন। যখন (আরম্ভকৃত) সূরার ত্রিশ চল্লিশ আয়াত অবশিষ্ট থাকত, তখন দাঁড়িয়ে যেতেন এবং সে পরিমাণ কিরাআত পড়ার পর রুক্ করতেন।

# ٧٣١. بَابُ فَضْلُ الطُّهُورِ بِاللَّيْلِ وَالنَّهَارِ وَفَضْلِ الصَّلاَةِ بَعْدَ الْوُضُوَّ بِاللَّيْلِ وَالنَّهَادِ

৭৩১. অনুচ্ছেদ ঃ রাতে ও দিনে তাহারাত (পবিত্রতা) হাসিল করার ফ্যীলত এবং উযূ করার পর রাতে ও দিনে সালাত আদায়ের ফ্যীলত।

اللهِ عَنْهُ أَنَّ النَّبِيُّ الْفَحُ بَنُ نَصْرِ حَدَّثَنَا أَبُو اُسَامَةً عَنْ آبِي حَيَّانَ عَنْ آبِي ذُرْعَةً عَنْ آبِي هُرَيْرَةَ رَضِيَ اللهِ عَنْهُ أَنَّ النَّبِيُّ الْفَحُ قَالَ لِبِلَالٍ عِنْدَ صَلَاةٍ الْفَجْرِ يَا بِلَالُ حَدِّثْنِي بِارَجِي عَمَلٍ عَمَلِتَهُ فِي الْإِسْلاَمِ فَانِي اللهِ عَنْهُ أَنَّ النَّبِي الْفِيْلُ فِي الْإِسْلاَمِ فَانِي اللهِ عَنْهُ أَنْ النَّبِي اللهِ عَلَيْتُ فِي الْجِنَّةِ قَالَ مَا عَمَلُت عَمَلاً ارْجِي عِنْدِي آنِي لَمْ اتَطَهَّرُ طُهُورًا فِي سَاعَةِ سَمَعْتُ دَفَّ نَعْلَيْكَ بَيْنَ يَدَى فِي الْجَنَّةِ قَالَ مَا عَمَلِت عَمَلاً ارْجِي عِنْدِي آنِي لَمْ اتَطَهَّرُ طُهُورًا فِي سَاعَةِ لَيْلُ إِنْ نَهَارِ إِلاَّ صَلَيْتُ بِذُلِكَ الطَّهُورِ مَا كُتِبَ لِيْ آنُ أَصلَي .

১০৮৩ ইসহাক ইব্ন নাসর (র.)......আবৃ হুরায়রা (রা.) থেকে বর্ণিত, নবী বিশ্ব একদিন ফজরের সালাতের সময় বিলাল (রা.)-কে জিজ্ঞাসা করলেন, হে বিলাল! ইসলাম গ্রহণের পর সর্বাধিক আশাব্যঞ্জক যে আমল তুমি করেছ, তার কথা আমার নিকট ব্যক্ত কর। কেননা, জান্নাতে আমি আমার সামনে তোমার পাদুকার আওয়াজ শুনতে পেয়েছি। বিলাল (রা.) বললেন, দিন রাতের যে কোন প্রহরে আমি তাহারাত ও পবিত্রতা অর্জন করেছি, তখনই সে তাহারাত দ্বারা সালাত আদায় করেছি, যে পরিমাণ সালাত আদায় করা আমার তাক্দীরে লেখা ছিল। আমার কাছে এর চাইতে (অধিক) আশাব্যঞ্জক হয়, এমন কোন বিশেষ আমল আমি করিনি।

#### ٧٣٢. بَابُ مَا يُكُرَّهُ مِنَ التَّشْدِيْدِ فِي الْعِبَادَةِ

৭৩২. অনুচ্ছেদ ঃ ইবাদাতে কঠোরতা অবলম্বন অপসন্দনীয়।

الله عَنْهُ قَالَ دَخَلَ النَّبِيُّ عَلِيْ فَاذَا حَبْلُ مَصْدُودُ بَيْنَ السَّارِيَتَيْنِ فَقَالَ مَا هٰذَا الْحَبْلُ قَالُوا هٰذَا حَبْلُ لِزَيْنَ السَّارِيَتَيْنِ فَقَالَ مَا هٰذَا الْحَبْلُ قَالُوا هٰذَا حَبْلُ لِزَيْنَبَ عَنْهُ قَالَ دَخَلَ النَّبِيُّ عَلَيْكُ فَاذَا حَبْلُ لِزَيْنَ السَّارِيَتَيْنِ فَقَالَ مَا هٰذَا الْحَبْلُ قَالُوا هٰذَا حَبْلُ لِزَيْنَبَ عَنْهُ قَالَ دَخُلُ النَّبِيُّ عَلَيْكُ فَاذَا عَبْدُ اللهِ فَاذَا فَتَرَ فَلْيَقَعُدُ قَالَ وَقَالَ عَبْدُ اللهِ فَاذَا فَتَرَ فَلْيَقَعُدُ قَالَ وَقَالَ عَبْدُ اللهِ فَاذَا فَتَرَ فَلْيَقَعُدُ قَالَ وَقَالَ عَبْدُ اللهِ اللهِ فَاذَا فَتَرَ فَلْيَقَعُدُ قَالَ وَقَالَ عَبْدُ اللهِ اللهِ فَاذَا فَتَرَ فَلْيَقَعُدُ قَالَ وَقَالَ عَبْدُ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ عَلَى اللهِ اللهِ عَلَى اللهِ اللهُ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهُ

بْنُ مَسْلَمَةَ عَنْ مَالِكٍ عَنْ هِشَامٍ بْنِ عُرْوَةَ عَنْ اَبِيْهِ عَنْ عَائِشَةَ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهَا قَالَتْ كَانَتْ عِنْدِي امْرأَةُ مِنْ مَسْلَمَة عَنْ مَالِكٍ عَنْ هِشَامٍ بْنِ عُرُوّةَ عَنْ اَبِيْهِ عَنْ عَائِشَةَ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهَا قَالَتَ عَنْهَا فَقَالَ مِنْ هَذِهِ قُلْتُ فُلاَنَةُ لاَ تَنَامُ بِاللَّيْلِ فَذَكِرَ مِنْ صَلَاتِهَا فَقَالَ مَنْ هَذُهِ قُلْتُ فُلاَنَةُ لاَ تَنَامُ بِاللَّيْلِ فَذَكِرَ مِنْ صَلَاتِهَا فَقَالَ مَنْ هَمْ عَلَيْكُمْ مَا تُطْيِقُونَ مِنَ الْاَعْمَامِ فَإِنَّ اللَّهُ لاَيَمَلُّ حَتَّى تَمَلُّوا ،

১০৮৪ আবৃ মা'মার (র.).......আনাস ইব্ন মালিক (রা.) থেকে বর্ণিত, নবী ক্রিই(মসজিদে) প্রবেশ করে দেখতে পেলেন যে, দুটি স্তম্ভের মাঝে একটি রশি টাঙানো রয়েছে। তিনি জিজ্ঞাসা করলেন, এরিশিটি কি কাজের জন্য । লোকেরা বললো, এটি যায়নাবের রশি, তিনি (ইবাদত করতে করতে) অবসন্ন হয়ে পড়লে এটির সাথে নিজেকে বেঁধে দেন। নবী ক্রিইইরশাদ করলেনঃ না, ওটা খুলে ফেল। তোমাদের যে কোন ব্যক্তির প্রফুল্লতা ও সজীবতা থাকা পর্যন্ত ইবাদাত করা উচিত। যখন সে ক্রান্ত হয়ে পড়ে তখন যেন সে বসে পড়ে। অন্য এক বর্ণনায় আবদুল্লাহ্ ইব্ন মাসলামা (র.).....উমুল মু'মিনীন আয়িশা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, বনু আসাদের এক মহিলা আমার কাছে উপস্থিত ছিলেন, তখন রাসূলুল্লাহ্ ক্রিই আমার কাছে আগমণ করলেন এবং তিনি জিজ্ঞাসা করলেন, এ মহিলাটি কে । আমি বললাম, অমুক। তিনি রাতে ঘুমান না। তখন তাঁর সালাতের কথা উল্লেখ করা হলে তিনি (নবী ক্রিই) বললেন ঃ রেখে দাও। সাধ্যানুযায়ী আমল করতে থাকাই তোমাদের কর্তব্য। কেননা, আল্লাহ্ তা'আলা (সাওয়াব প্রদানে) বিরক্ত হন না, যতক্ষণ না তোমরা বিরক্ত ও ক্লান্ত হয়ে পড়।

# ٧٣٣. بَابُ مَا يُكُرَهُ مِنْ تَرْكِ قِيامِ اللَّيْلِ لِمَنْ كَا يَقُومُهُ

৭৩৬. অনুচ্ছেদ ঃ রাত জেগে ইবাদাতকারীর ঐ ইবাদাত বাদ দেওয়া মাকরহ।

١٠٨٥ حَدَّثَنَا عَبُدُ اللهِ اَخْبَرَنَا الْاَوْزَاعِيُّ قَالَ حَدَّثَنِي يَحْيَى بْنُ اَبِي كَثِيْرٍ قَالَ حَدَّثَنِي اَبُو الْحَسَنِ عَبُدُ اللهِ اَخْبَرَنَا الْاَوْزَاعِيُّ قَالَ حَدَّثَنِي يَحْيَى بْنُ اَبِي كَثِيْرٍ قَالَ حَدَّثَنِي اَبُو سَلَمَةَ بْنُ عَبْدِ قَالَ حَدَّثَنِي عَبْدُ اللهِ اللهِ اللهِ عَنْ عَمْرو بْنِ الْعَاصِ رَضِي اللهُ عَنْهُمَا قَالَ قَالَ لِيَّ رَسُولُ اللهِ عَلَيْ يَا عَبْدَ اللهِ بَنُ عَمْرو بْنِ الْعَاصِ رَضِي الله عَنْهُمَا قَالَ قَالَ لِيَّ رَسُولُ اللهِ عَلَيْ يَا عَبْدَ اللهِ بَنُ عَمْرو بْنِ الْعَاصِ رَضِي الله عَنْهُمَا قَالَ قَالَ لِيَّ رَسُولُ اللهِ عَنْهُمَ اللهِ بَنُ عَمْرو بْنِ الْعَاصِ رَضِي الله عَنْهُمَا قَالَ قَالَ لِي رَسُولُ اللهِ عَنْهُمَا اللهِ اللهِ بَاللهِ عَنْهُمَا قَالَ لِي اللهِ عَنْهُمَا قَالَ لِي اللهِ عَنْهُمَا قَالَ لِي اللهِ عَنْهُمَا اللهِ اللهِ عَنْهُمَا قَالَ اللهِ عَنْهُمَا قَالَ لِي اللهِ عَنْهُمَا قَالَ اللهِ عَنْهُمَا اللهِ عَنْهُمَا اللهِ عَنْهُمَا قَالَ لِي اللهِ عَنْهُمَا قَالَ لِي اللهِ عَنْهُمَا قَالَ لِي اللهِ عَنْهُمُ اللهِ عَنْهُمَا اللهِ عَنْهُمَا قَالَ عَدَّتُنَى الْمَنْ الْمُنْ الْمُقَلِّ اللهِ عَنْهُمَا اللهِ اللهِ اللهِ عَنْهُمُ اللهِ اللهِ عَنْهُمَا اللهُ اللهِ عَنْهُمُ اللهِ اللهِ عَنْهُ اللهِ عَنْهُمُ اللهِ اللهِ عَنْهُمُ اللهُ اللهِ اللهِ عَنْهُمُ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهِ عَنْهُ اللهُ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ الله

১০৮৫ আব্বাস ইব্ন হুসাইন ও মুহাম্মদ ইব্ন মুকাতিল আবুল হাসান (র.).....আবদুল্লাহ্ ইব্ন আমর ইব্ন আম (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, রাসূলুল্লাহ্ আমাকে বললেন ঃ হে আবদুল্লাহ্! তুমি অমুক ব্যক্তির মত হয়ো না, সে রাত জেগে ইবাদাত করত, পরে রাত জেগে ইবাদাত করা ছেড়ে দিয়েছে। হিশাম (র.).....আবৃ সালামা (রা.) থেকে অনুরূপ বর্ণিত আছে।

#### ۷۲٤. بَابُ

#### ৭৬৪. অনুচ্ছেদ ঃ

١٠٨٦ حَدَّثَنَا عَلِي بَنُ عَبْدُ اللهِ حَدَّثَنَا سَفْيَانُ عَنْ عَمْرٍ عَنْ آبِي الْعَبَّاسِ قَالَ سَمِعْتُ عَبْدُ اللهِ بْنَ عَمْرٍ وَ رَضِيَ اللهُ عَنْهُمَا قَالَ النَّبِيُ عَلَيْهُ الَمْ اُخْبَرُ اَنْكَ تَقُومُ اللَّيْلَ وَتَصنُومُ النَّهَارَ قُلْتُ انِّيْ اَفْعَلُ ذٰلِكَ قَالَ فَانِّكَ رَضِي اللهُ عَنْهُمَا قَالَ النَّبِي عَلَيْكُ المُ اُخْبَرُ اَنْكَ تَقُومُ اللَّيْلَ وَتَصنُومُ النَّهَارَ قُلْتُ انِّيْ اَفْعَلُ ذٰلِكَ قَالَ فَانِّكَ اللهُ عَنْهُمَا قَالَ النَّبِي عَيْنُكَ وَنَفِهَتَ نَفْسُكَ وَإِنَّ لِنَفْسِكَ حَقًا وَلاَهْلِكَ حَقًا فَصنُمْ وَافْطِرْ وَقُمْ وَنَمْ .

১০৮৬ আলী ইব্ন আবদুল্লাহ্ (র.)......আবুল আব্বাস (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আবদুল্লাহ্ ইব্ন উমর (রা.) থেকে শুনেছি, তিনি বলেন, নবীক্ষী আমাকে বললেন ঃ আমাকে কি জানানো হয়নি যে, তুমি রাত ভর ইবাদাতে জেগে থাক, আর দিনভর সিয়াম পালন কর ? আমি বললাম, হাাঁ, তা আমি করে থাকি। তিনি ইরশাদ করলেন ঃ একথা নিচিত যে, তুমি এমন করতে থাকলে তোমার দৃষ্টিশক্তি দুর্বল হয়ে যাবে এবং তুমি ক্লান্ত হয়ে পড়বে। তোমার দেহের অধিকার রয়েছে, তোমার পরিবার পরিজনেরও অধিকার রয়েছে। কাজেই তুমি সিয়াম পালন করবে এবং বাদও দেবে। আর জেগে ইবাদাত করবে এবং ঘুমাবেও।

# ٥٣٥، بَابُ فَضْلُ مَنْ تَعَارٌ مِنَ اللَّيْلِ فَصَلَّى

৭৩৫. অনুচ্ছেদঃ যে ব্যক্তি রাত জেগে সালাত আদায় করে তাঁর ফযীলত।

১০৮৭ সাদাকা ইব্ন ফায্ল (র.)......উবাদা ইব্ন সামিত (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী ক্রিট্রালিছেন ঃ যে ব্যক্তি রাতে জেগে ওঠে এ দু'আ পড়ে ....... ப்। দুঁ। না দুঁ এক আল্লাহ্ ব্যতীত ইলাহ নেই। তিনি এক তাঁর কোন শরীক নেই। রাজ্য তাঁরই। যাবতীয় প্রশংসা তাঁরই। তিনিই সব কিছুর উপরে শক্তিমান। যাবতীয় হাম্দ আল্লাহ্রই জন্য, আল্লাহ্ তা'আলা পবিত্র, আল্লাহ্ ব্যতীত ইলাহ্ নেই। আল্লাহ্ মহান, গুনাহ থেকে বাঁচার এবং নেক কাজ করার কোন শক্তি নেই আল্লাহ্র তাওফীক ব্যতীত। তারপর বলে, ইয়া আল্লাহ্! আমাকে ক্ষমা করুন। বা (অন্য কোন) দু'আ করে, তাঁর দু'আ কবৃল করা হয়। এরপর উযু করে (সালাত আদায় করলে) তার সালাত কবৃল করা হয়।

١٠٨٨ حَدُّثَنَا يَحْيَى بَنُ بُكَيْرٍ قَالَ حَدُّثَنَا اللَّيثُ عَنْ يُؤْنُسَ عَنِ ابْنِ شِهَابٍ اَخْبَرَنِي الْهَيتَمُ بَنُ ابِي سِنَانٍ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْهُ وَهُ وَيَقُصُ فِي قَصَصِهِ وَهُوَ يَذْكُرُ رَسُوْلَ اللهِ عَلَيْ إِنَّ اَخَالَكُمْ لَا يَقُولُ الرَّفَتَ يَعْنِي بِذَٰلِكَ عَبْدَ اللهِ بَنَ رَوَاحَة :

وَفِيْنَا رَسُولُ اللهِ يَتْلُوْ كِتَابَهُ \* إِذَا انْشَقُ مَعْرُوفُ مِنَ الْفَجْرِ سَاطِعُ أَرَانَا الْهُدَى بَعْدَ الْعَمَى فَقُلُوبُنَا \* بِهِ مُـوقِـنَاتُ أَنَّ مَـا قَالَ وَاقِـعُ يَبِيْتُ يُجَافِي جَنْبَهُ عَنْ فِرَاشِهِ \* إِذَا اسْتَثْقَلَتْ بِالْمُشْرِكِيْنَ الْمَضَاجِعُ يَبِيْتُ يُجَافِي جَنْبَهُ عَنْ فِرَاشِهِ \* إِذَا اسْتَثْقَلَتْ بِالْمُشْرِكِيْنَ الْمَضَاجِعُ

تَابَعَهُ عُقَيْلُ وَقَالَ الزُّبَيْدِيُّ اَخْبَرَنِي الزُّهْرِيُّ عَنْ سَعِيْدٍ وَالْاَعْرَجِ عَنْ اَبِي هُرَيْرَةَ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهُ ،

১০৮৮ ইয়াহ্ইয়া ইব্ন বুকাইর (র.).....হায়সাম ইব্ন আবৃ সিনান (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আবৃ হুরায়রা (রা.) তাঁর ওয়াষ বর্ণনাকালে রাস্লুল্লাহ্ ত্রি -এর আলোচনা প্রসঙ্গে বলেন, তোমাদের এক ভাই অর্থাৎ আবদুল্লাহ্ ইব্ন রাওয়াহা (রা.) অনর্থক কথা বলেন নি।

"আর আমাদের মাঝে বর্তমান রয়েছেন আল্লাহ্র রাসূল, যিনি আল্লাহ্র কিতাব তিলাওয়াত করেন, যখন উদ্ধাসিত হয় ভোরের আলো। গোমরাহীর পর তিনি আমাদের হিদায়াতের পথ দেখিয়েছেন, তাই আমাদের হৃদয়সমূহ, তাঁর প্রতি নিশ্চিত বিশ্বাস স্থাপনকারী যে তিনি যা বলেছেন তা অবশ্য সত্য। তিনি রাত কাটান শয্যা থেকে পার্শ্বকে দূরে সরিয়ে রেখে. যখন মুশরিকরা শয্যাগুলোতে নিদ্রামগ্ন থাকে।"

আর উকাইল (র.) ইউনুস (র.)-এর অনুসরণ করেছেন। যুবায়দী (র.)......আবূ হুরায়রা (রা.) সূত্রেও তা বর্ণনা করেছেন।

الله رَضِيَ الله عَنْهُ يُصلَيْ مِنَ اللَّيْلِ وَكَانُوا لِالنَّبِي عَلَيْهُ الله عَنْهُمَا قَالَ الله وَلَيْكُ مَكَانًا مِنَ الْجَنَّةِ الله عَنْهُمَا قَالَ اللّهِ مَكَانًا مِنَ الْجَنَّةِ الأَ طَارَتَ الْبَيْهِ وَرَأَيْتُ كَانً النّبِي عَلَيْكُ كَانً النّبِي عَلَيْكُ كَانًا النّبِي عَلَيْكُ فَقَالَ لَمْ تُرَعْ خَلِيًا عَنْهُ فَقَصَّتُ حَفْصَةً وَرَأَيْتُ كَانً النّبِي عَلَيْكُ فَقَالَ لَمْ تُرعْ خَلِيًا عَنْهُ فَقَصَّتُ حَفْصَةً عَلَى النّبِي عَلَيْكُ اللّهِ اللّهِ لَوْكَانَ يُصلّيَى مِنَ اللّيل فَكَانَ عَبْدُ عَلَى النّبِي عَلَيْكُ اللّهِ لَوْكَانَ يُصلّيَى مِنَ اللّيل فَكَانَ عَبْدُ الله لَوْكَانَ يُصلّي مِنَ اللّيل فَكَانَ عَبْدُ الله لَوْكَانَ يُصلّي مِنَ اللّيل فَكَانَ عَبْدُ الله لَوْكَانَ يُصلّي مِنَ اللّيل فَكَانَ عَبْدُ اللّه لَوْكَانَ يُصلّي مِنَ اللّيل فَكَانَ عَبْدُ اللّهِ لَوْكَانَ يُصلّي مِنَ اللّيل فَكَانَ عَبْدُ اللّهِ لَوْكَانَ يُصلّي مِنَ اللّيل فَكَانَ عَبْدُ اللّهِ لَوْكَانَ يُصلّي مِنَ اللّيل فِكَانُوا لاَيزَالُونَ يَقُصنُونَ عَلَى النّبِي عَلَي النّبِي عَلَي النّبي عَلَي النّبي عَيْكُ الرّوا خَر فَقَالَ النّبِي عَلَي النّبي عَلَي النّبي عَلَي النّبي الله اللّه عَنْهُ يُصلُق مِنَ اللّه النّبي عَلَي النّبي عَلَى النّبي عَلَيْ النّبي اللّه اللّه عَنْهُ يُصلُق مِنَ الْقَشْرِ الْاللّهِ فَقَالَ النّبِي عَلَيْكُم قَدُ تَوَاطَتُ فِي الْعَشْلِ الْالْولِ فَمَانَ كَانَ النّبي عَلَيْ النّبي عَلَى النّبي عَلْ النّبي عَلَيْكُم قَدُ تَوَاطَتُ فِي الْعَشْدِ الْالْولُونَ خَمُنْ كَانَ مُثَلَّاتُ مِنْ الْمُعْشِرِ الْالْولُونَ عَلَى النّبي عَلَى اللّهُ اللّهُ عَلَى النّبي اللّه الللللّه الللللّه اللّه اللّه اللّه اللّه اللّه اللّه اللّه الللللّه اللّه الللّه اللّه اللّه اللّه الللّه الللّه اللّه الللللّه الللللللّه الللّه الللّه اللللللّه اللللللّ

আবদুল্লাহ্ ইব্ন রাওয়াহা (রা.) আনসারী কর্তৃক রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্রে—এর প্রশংসায় রচিত কবিতার কয়েকটি পর্থক্ত।
তিনি মুতা যুদ্ধে শাহাদাত বরণ করেন।

১০৮৯ আবু নু'মান (র.).....ইব্ন উমর (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী এর সময়ে আমি (এক রাতে) স্বপ্লে দেখলাম যেন আমার হাতে একখন্ড মোটা রেশমী কাপড় রয়েছে এবং যেন আমি জানাতের যে কোন স্থানে যেতে ইচ্ছা করছি। কাপড় (আমাকে) সেখানে উড়িয়ে নিয়ে যচ্ছে। অপর একটি স্বপ্লে আমি দেখলাম, যেন দু'জন ফিরিশ্তা আমার কাছে এসে আমাকে জাহান্নামের দিকে নিয়ে যেতে চাচ্ছেন। তখন অন্য একজন ফিরিশ্তা তাঁদের সামনে এসে বললেন, তোমার কোন ভয় নেই। (আর ঐ দু'জনকে বললেন) তাকে ছেড়ে দাও। (উত্মুল মু'মিনীন) হাফসা (রা.) আমার স্বপ্লয়ের একটি নবী এই এর নিকট বর্ণনা করলে তিনি বললেন ঃ আব্দুল্লাহ্ কত ভাল লোক! যদি সে রাতের বেলা সালাত (তাহাজ্জ্দ) আদায় করত। এরপর থেকে আব্দুল্লাহ্ (রা.) রাতের এক অংশে সালাত আদায় করতেন। সাহাবীগণ রাস্লুল্লাহ্ এর নিকট (তাঁদের দেখা) স্বপ্ল বর্ণনা দিলেন। লাইলাতুল কাদ্র রামাযানের শেষ দশকের সপ্তম রাতে। তখন নবী কর্মান্তর মধ্যে পরম্পর মিল রয়েছে। কাজেই যে ব্যক্তি লাইলাতুল কাদ্রের অনুসন্ধান করতে চায় সে যেন তা (রামাযানের) শেষ দশকে অনুসন্ধান করে।

# ٧٣٦. بَابُ الْمُدَانَمَةِ عَلَى رَكْعَتِي الْفَجْرِ

৭৩৬. অনুচ্ছেদঃ ফজরের (সুন্নাত) দু' রাকা'আত নিয়মিত আদায় করা।

١٠٩٠ حَدِّثَنَا عَبْدُ اللهِ بْنُ يَزِيْدَ حَدَّثَنَا سَعِيْدُ هُوَ ابْنُ اَبِي اَيُّوْبَ قَالَ حَدَّثَنِي جَعْفَرُ بْنُ رَبِيْعَةَ عَنْ عِرَاكِ بَنِ مَالِكِ عَنْ اَبِي سَلَمَةَ عَنْ عَائِشَةَ رَضِيَ اللهُ عَنْهَا قَالَتُ صَلِّى النَّبِي عَلَيْ النَّبِي عَلَيْ الْعَشِاءَ ثُمُ صَلِّى ثَمَانَ رَكَعَاتٍ وَرَكُعَتَيْهِ جَالِسًا وَرَكُعَتَيْنِ بَيْنَ النَّدَاءَ يُنْ وَلَمْ يَكُنْ يَدَعُهُمَا اَبَدًا ،

১০৯০ আবদুল্লাহ্ ইব্ন ইয়াযীদ (র.)......আয়িশা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী ক্রিইইশার সালাত আদায় করলেন, এরপর আট রাকা আত সালাত আদায় করেন। এবং দু' রাকা আত আদায় করেন বসে। আর দু'রাকা আত সালাত আদায় করেন আযান ও ইকামাত-এর মধ্যবর্তী সময়ে। এ দু'রাকা আত তিনি কখনো পরিত্যাগ করতেন না।

# ٧٣٧. بَابُ الضِّجْعَةُ عَلَى الشِّقِّ الْأَيْمَنِ رَكَعَتَى الْفَجْرِ

৭৩৭. অনুচ্ছেদ ঃ ফজরের দু' রাকা আত সুন্নাতের পর ডান কাতে শোয়া।

1.91 حَدَّثَنَا عَبِدُ اللهِ بَنُ يَزِيْدَ حَدَّثَنَا سَعِيْدُبْنُ أَبِي اَيُّلُ اَيْ اَيُّوبَ قَالَ حَدَّثَنِي اَبُوالاَسُودِ عَنْ عُرُوةَ ابْنِ الزَّبِيْرِ وَنَا عَبُدُ اللهِ بَنُ يَزِيْدَ حَدَّثَنَا سَعِيْدُبْنُ أَبِي اَيْلُ النَّبِيُ عَلَى شَقِّةِ الْاَيْمَنِ وَعَنَى الْفَجْرِ اضْطَجَعَ عَلَى شَقِّةِ الْاَيْمَنِ وَعَنَى عَالَى شَقِّةِ الْاَيْمَنِ وَعَنَى الْفَجْرِ اضْطَجَعَ عَلَى شَقِّةِ الْاَيْمَنِ وَعَنْ عَانِشَةَ رَضِيَ الله عَنْهَا قَالَتَ كَانَ النَّبِي عَلَى النَّبِي عَلَى اللهُ عَنْهَا عَالَى شَقِّةِ الْاَيْمَنِ وَعَنَى الْفَجْرِ اضْطَجَعَ عَلَى شَقِّةِ الْاَيْمَنِ وَعَنَى اللهُ عَنْهَا قَالَتَ كَانَ النَّبِي عَلِي الْإِللهِ إِنَّا صَلَّى رَكُعتَى الْفَجْرِ اضْطَجَعَ عَلَى شَقِّةِ الْاَيْمَنِ وَكَانِ النَّبِي عَلَى شَقِّةِ الْاَيْمَنِ وَعَلَى اللهِ عَنْهَا قَالَتَ كَانَ النَّبِي عَلَى اللهِ اللهُ اللهِ ا

#### ٧٣٨. بَابُ مَنْ تَحَدَّثُ بَعْدَ الرَّكْعَتَيْنِ وَلَمْ يَضْطَجِعْ

٧٣٩. بَابُمَا جَاءَفِي التَّطَوْعِ مَثْنَى قَالَ مُحَمَّدُ وَ يُذْكُرُ ذَالِكَ عَنْ عَمَّارٍ وَأَبِي ذَرَّ وَأَنَسٍ وَجَابَرٍ بَنِ زَيْدٍ وَعَيْرِ بَابُمَا جَاءَ فِي التَّطَوْعِ مَثْنَى قَالَ يَحْلِي بَنُ سَعِيْدِ وَالْاَنْصَارِيُّ مَا آذَرَكْتُ فُقَهَاءَ آرضَنَا إلاَّ يُعْرَمِّ وَالنَّهُ عَنْهُمْ وَقَالَ يَحْلِي بَنُ سَعِيْد وَالْاَنْصَارِيُّ مَا آذَرَكْتُ فُقَهَاءَ آرضَنَا إلاَّ يُعْرَمِ وَالنَّهُ عَنْهُمُ وَقَالَ يَحْلِي بَنُ سَعِيْد وَالْاَنْصَارِيُّ مَا آذَرَكْتُ فُقَهَاءَ آرضَنَا إلاَّ يُعْرَمِ مَا اللَّهُ عَنْهُمُ وَقَالَ يَحْدُ لِي اللَّهُ عَنْهُمُ وَاللَّهُ عَنْهُمُ وَاللَّهُ عَنْهُمُ وَاللَّهُ عَنْهُمُ وَقَالَ يَعْمَى اللَّهُ عَنْهُمُ وَقَالَ يَحْدُ لِي اللَّهُ عَنْهُمُ وَاللَّهُ عَنْهُ وَلَا لَا لِكُونَا عَنْهُمُ وَاللَّهُ وَلَاللَّهُ عَنْهُمُ وَاللَّهُ عَنْهُمُ وَاللَّهُ عَنْهُمُ وَاللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَنْ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَنْهُ وَاللَّهُ عَنْهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللْهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللْمُعَلِّمُ اللَّهُ عَلَى اللْمُعَلِي اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْ

৭৩৯. অনুচ্ছেদ ঃ নফল সালাত দু' রাকা'আত করে আদায় করা। মুহাম্মদ ইেমাম বুখারী রে.) বলেন, বিষয়টি আমার আবৃ যার্র, আনাস, জাবির ইব্ন যায়িদ রো.) এবং ইকরিমা ও যুহ্রী রে.) থেকেও উল্লেখিত হয়েছে। ইয়াহ্ইয়া ইব্ন সাঈদ আনসারী রে.) বলেছেন, আমাদের শহরের মেদীনার) ফকীহ্গণকে দিনের সালাতে প্রতি দু'রাকা'আত শেষে সালাম করতে দেখেছি।

الله رَضِيَ الله عَنْهُمَا قَالَ حَدَّثَنَا عَبْدُ الرَّحُمٰنِ بْنُ أَبِي الْمُوالِيُ عَنْ مُحَمَّد بْنِ الْمُنْكَدِرِ عَنْ جَابِرِ بْنِ عَبْدِ الله رَضِيَ الله عَنْهُمَا قَالَ كَانَ رَسُوْلُ الله عَلَيْكُم يُعَلِّمُنَا الْإِسْتِخَارَةَ فِي الْأُمُورِ كَمَا يُعَلِّمُنَا السُّوْرَةَ مِنَ الْقُرْيُضَة ثُمُّ لِيقُلُ الله مَ أَحَدُكُمْ بِالْاَمْرِ فِلْبَرْكَعُ رَكُعتَيْنِ مِنْ غَيْرِ الْفَرِيْضَة ثُمُّ لِيقُلُ اللهمُ انِي السُّورَة مِنْ السُّورَة مِن السَّورُكُ بِعِلْمِكِ وَالسَّتَقْدِرُكَ بِقُدُرتِكَ وَالسَّلَكَ مِن فَصْلِكَ الْعَظِيمِ ، فَانِكَ تَقْدِرُ وَلاَ اقْدِرُ وَتَعْلَمُ وَلاَ أَعْلَمُ وَالْمَرِي وَالْمُورِي وَالْمَرْقِي وَالْمَالُكَ مِن فَصْلِكَ الْعَظِيمِ ، فَانِكَ تَقْدِرُ وَلاَ اقْدِرُ وَتَعْلَمُ وَلاَ أَعْلَمُ وَلاَ أَعْمُ وَالْمَالِكَ مِن فَصْلِكَ الْعَظِيمِ ، فَانِكَ تَقْدِرُ وَلاَ أَقْدِرُ وَتَعْلَمُ وَلاَ أَعْلَمُ وَلاَ أَعْمُ وَالْمَرِي وَأَعْلَمُ الْفُيُوبِ ، وَاللّهُمُ إِنْ كُنْتَ تَعْلَمُ أَنْ فَذَا الْاَمْرِي وَلَعْلِمُ وَمُعَاشِيْ وَعَاقِبَةٍ أَمْرِي الْوَلْمُ لَي عُلْمُ الله عَلَيْ وَالْمَالِ اللهُ عَلْمُ وَلَا عَاجِلٍ أَمْرِي وَالْمَلِي الْمُولِي وَلَيْكُ مَنْ فَصَلِي اللهُ عَلْمُ اللهُ عَلَيْ وَاللّهُ عَلَيْ وَالْمَالُولُ وَيُسَرِّهُ فِي وَيُعِيْمُ وَالْمُولِ اللهُ عَلَى مَا اللهُ عَلَى اللهُ وَيُعْمَلُولُ الْمُولِي وَالْمُولِ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ وَلَيْكُمُ وَالْمُولِ الْمُرَى وَالْمُولِ اللهُ وَيُسَمِّى حَلَيْكُ كَانَ ثُمُ الْوَلِي اللّهُ وَيُسَمِّى حَلَيْكُ كَانَ ثُمُ الْمُنْ اللهُ وَيُسَمِّى حَلَيْ اللّهُ وَيُسَمِّى حَلَيْكُ وَالْمُولِ الللّهِ عَلَيْ اللّهُ وَيُسْتُونُ وَاللّهُ وَلِي الللّهُ عَلَى الللّهُ وَلَا لَا عَلَى الللهُ عَلَى الللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ وَلِي اللّهُ وَلِي الللهُ وَلِي اللّهُ وَلِي الللّهُ اللّهُ وَلَمُ اللّهُ اللهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللهُولِ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللهُ اللللهُ الللّهُ اللّهُ الللهُ اللّهُ الللهُ اللللهُ الل

১০৯৩ কুতাইবা (র.).....জাবির ইব্ন আবদুল্লাহ্ (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, রাসূলুল্লাহ্ আমাদের সব কাজে ইসৃতিখারাহু <sup>১</sup> শিক্ষা দিতেন। যেমন পবিত্র কুরআনের সুরা আমাদের শিখাতেন। তিনি বলেছেন ঃ তোমাদের কেউ কোন কাজের ইচ্ছা করলে সে যেন ফর্য নয় এমন দু' রাকা'আত (নফল) সালাত আদায় করার পর এ দু'আ পড়ে ঃ "ইয়া আল্লাহু! আমি আপনার ইল্মের ওয়াসীলায় আপনার কাছে (উদ্দীষ্ট বিষয়ের) কল্যাণ চাই এবং আপনার কুদরতের ওয়াসীলাম আপনার কাছে শক্তি চাই আর আপনার কাছে চাই আপনার মহান অনুগ্রহ। কেননা, আপনিই (সব কিছুতে) ক্ষমতা রাখেন, আমি কোন ক্ষমতা রাখি না; আপনিই (সব বিষয়ে) অবগত আর আমি অবগত নই ; আপনিই গায়েব সম্পর্কে সম্যক জ্ঞাত। ইয়া আল্লাহু ! আমার দীন, আমার জীবন-জীবিকা ও আমার কাজের পরিণাম বিচারে, অথবা বলেছেন, আমার কাজের আশু ও শেষ পরিণতি হিসাবে যদি এ কাজটি আমার জন্য কল্যাণকর বলে জানেন তা হলে আমার জন্য তার ব্যবস্থা করে দিন। আর তা আমার জন্য সহজ করে দিন। তারপর আমার জন্য তাতে বরকত দান করুন আর যদি এ কাজটি আমার দীন, আমার জীবন-জীবিকা ও আমার কাজের পরিণাম অথবা বলেছেন, আমার কাজের আও ও শেষ পরিণতি হিসাবে আমার জন্য ক্ষতি হয় বলে জানেন; তা হলে আপনি তা আমার থেকে সরিয়ে নিন এবং আমাকে তা থেকে ফিরিয়ে রাখুন আর আমার জন্য কল্যাণ নির্ধারিত রাখুন; তা যেখানেই হোক। এরপর সে বিষয়ে আমাকে রাযী থাকার তৌফিক দিন। তিনি ইরশাদ করেন "🍰 তার প্রয়োজনের কথা উল্লেখ করবে।

১০৯৪ মাক্কী ইব্ন ইব্রাহীম (র.)......আবূ কাতাদা ইব্ন রিব'আ আনসারী (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী ইব্রাহীম করেছেন ঃ তোমাদের কেউ মসজিদে প্রবেশ করলে দু' রাকা'আত সালাত (তাহিয়্যাতুল-মাসজিদ) আদায় করার আগে বসবে না।

١٠٩٥ حَدَّثَنَا عَبْدُ اللهِ بْنُ يُوسَفُ قَالَ اَخْبَرَنَا مَالِكُ عَنْ اسْخُقَ بْنِ عَبْدِ اللهِ بْنِ اَبِيْ طَلْحَةَ عَنْ اَنَسِ بْنِ مَالِكِ رَضِيَ اللهُ عَنْهُ قَالَ صَلِّى لَنَا رَسُولُ اللهِ عَلَيْ مَكْعَتَيْنِ ثُمَّ انْصَرَفَ .

الله عَنْهُمَا قَالَ صِلَّيْتُ مَعَ رَسُوْلِ الله عَلَيْ مَعَ رَسُوْلِ الله عَلَيْ عَنْ عَتَيْنِ بَعْدَ الظُهْرِ وَرَكْعَتَيْنِ بَعْدَ الظَهْرِ وَرَكْعَتَيْنِ بَعْدَ الظُهْرِ وَرَكْعَتَيْنِ بَعْدَ الظَهْرِ وَرَكْعَتَيْنِ بَعْدَ الظُهْرِ وَرَكْعَتَيْنِ بَعْدَ الظّهْرِ وَرَكْعَتَيْنِ بَعْدَ الطّهُرِ وَرَكْعَتَيْنِ بَعْدَ الطّهُرُ وَرَكْعَتَيْنِ بَعْدَ الظّهْرِ وَرَكْعَتَيْنِ بَعْدَ الطّهْرُ وَرَكُعَتَيْنِ بَعْدَ الطّهْرِ وَرَكُعَتَيْنِ بَعْدَ الطّهُورُ وَرَكُعَتَيْنِ بَعْدَ الطّهُ وَاللّهَ الْعَلْمِ وَرَكْعَتَيْنِ بَعْدَ الطّهُ الْعَلْمِ وَالْمُعْرِقِيْنَ الْعَلْمُ وَالْمُورُ وَالْمُعْرِقِيْنَ الْعَلْمُ الْعَلْمُ وَالْمُ الْعَلْمُ وَالْمُعْرِقِ الْعَلْمُ وَالْمُ وَالْعَلْمُ وَالْمُعَلْمُ وَالْمُ الْعَلْمُ وَالْعَلْمُ وَالْمُ الْعَلْمُ وَالْمُ الْعَلْمُ وَالْمُعْرِقِ الْمُعْرَاقِ الْمُعْرِقِيْنَ الْمُعْرِقُونَ الْعَلْمُ وَالْمُ الْمُعْرَاقِ الْمُعْرِقِيْنَ الْمُعْرَاقِ الْمُعْرِقِيْنَ الْعَلْمُ وَالْمُ الْعَلْمُ الْمُعْرِقُ الْمُعْرِقُونَ الْعَلْمُ الْعُلْمُ الْعَلْمُ الْعُلْمُ الْمُعْرِقُونَ الْعَلْمُ الْمُعْرِقُ الْمُعْرِقُ الْمُعْرِقُ ا

১. সলাত ও দু আর মাধ্যমে উদ্দিষ্ট বিষয়ের কল্যাণ চাওয়া।

#### الْجُمْعَةِ وَرَكَّعَتَيْنِ بَعْدَ الْمَفْرِبِ وَرَكْعَتَيْنِ بَعْدَ الْعِشَاءِ •

১০৯৬ ইয়াহ্ইয়া ইব্ন ব্কাইর (র.)......আবদুল্লাহ্ ইব্ন উমর (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আমি রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্র -এর সঙ্গে যুহ্রের আগে দু' রাকা'আত ২, যুহ্রের পরে দু' রাকা'আত, জুমু'আর পরে দু' রাকা'আত, মাগরিবের পরে দু' রাকা'আত এবং ইশার পরে দু' রাকা'আত (সুনাত) সালাত আদায় করেছি।

الله عَنْهُمَا قَالَ وَسُولُ الله عَلَيْهِ وَهُو يَخْطُبُ إِذَا جَاءَ اَحَدُكُمْ وَالْإِمَامُ يَخْطُبُ اَوْ قَدْ خَرَجَ فَلْيُصلِّ رَكُعَتَيْنِ . عَنْهُمَا قَالَ رَسُولُ الله عَلَيْهُمَا قَالَ رَسُولُ الله عَلَيْهُمَا وَ يَخْطُبُ إِذَا جَاءَ اَحَدُكُمْ وَالْإِمَامُ يَخْطُبُ اَوْ قَدْ خَرَجَ فَلْيُصلِّ رَكُعَتَيْنِ . .

১০৯৭ আদম (র.)....জাবির ইব্ন আবদুল্লাহ্ (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, রাসূল্লাহ্ ক্রিট্র তাঁর খুত্বা প্রদান কালে ইরশাদ করলেন ঃ তোমরা কেউ এমন সময় মসজিদে উপস্থিত হলে, যখন ইমাম (জুমু'আর) খুত্বা দিচ্ছেন, কিংবা মিম্বরে আরোহণের জন্য (হুজরা থেকে) বেরিয়ে পড়েছেন, তাহলে সে তখন যেন দু' রাকা'আত সালাত আদায় করে নেয়।

১০৯৮ আবৃ নু'আইম (র.).....মুজাহিদ (র.) থেকে বর্ণিত তিনি বলেন, এক ব্যক্তি ইব্ন উমর (রা.) এর বাড়ীতে এসে তাঁকে খবর দিল, এই মাত্র রাসূলুল্লাহ্ ক্রিক্রাকা বা শরীফে প্রবেশ করলেন। ইব্ন উমর (রা.) বলেন, আমি অগ্রসর হলাম। তখন রাসূলুল্লাহ্ ক্রিক্রেক্রা কা বা ঘর থেকে বের হয়ে পড়েছেন। বিলাল (রা.) দরওয়াযার কাছে দাঁড়িয়ে রয়েছেন। আমি বললাম, হে বিলাল রাস্লুল্লাহ্ ক্রিক্রেক্রিক কা বা শরীফের ভিতরে সালাত আদায় করেছেন কি ? তিনি বললেন, হাঁ আমি জিজ্ঞাসা করলাম, কোন স্থানে ? তিনি বললেন, দু'স্তম্ভের মাঝখানে। এরপর তিনি বেরিয়ে এসে কা বার সামনে দু' রাকা আত সালাত

কোন কোন রেওয়ায়াতে যুহর ও জুমুআর ফরয়ের আগে চার রাকা আত বর্ণিত হয়েছে, সে অনুসারে হানাফী
মাযহাব মতে যুহর ও জুমুআর ফরয়ের আগে চার রাকা আত সুনাত আদায় করা হয়।

২. কা'বা শরীফের অভ্যন্তরের সারিতে ছয়টি স্তম্ভ রয়েছে। সামনের সারিতে দু'টি স্তম্ভ ডানে এবং একটি স্তম্ভ বামে রেখে দাঁড়ালে তা দরওয়াযা বরাবরে সামনের দু' স্তম্ভের মাঝখানে হয়। রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্রাই দরওয়াযা বরাবর অগ্রসর হয়ে দেয়ালের কাছে সালাত আদায় করেছিলেন।

আদায় করলেন। ইমাম বুখারী (র.) বলেন, আবৃ হুরায়রা (রা.) বলেছেন, নবী করীম বিশিষ্টি আমাকে দু' রাকা আত সালাত্য্ যুহা (চাশ্ত-এর সালাত)-এর আদেশ করেছেন। ইতবান (ইব্ন মালিক আনসারী) (রা.) বলেন, একদিন বেশ বেলা হলে নবী করীম বিশিষ্টি আবৃ বাক্র এবং উমার (রা.) আমার এখানে আগমণ করলেন। আমরা তাঁর পিছনে কাতারবন্দী হয়ে দাঁড়ালাম আর তিনি (আমাদের নিয়ে) দু' রাকা আত সালাত (চাশ্ত) আদায় করলেন।

#### ٧٤٠. بَابُ الْحَدِيثِ يَعْنِي بَعْدَ رَكْمَتَى الْفَجْرِ

৭৪০. অনুচ্ছেদ ঃ ফজরের (সুন্নাত) দু' রাকা'আতের পর কথাবার্তা বলা।

١٠٩٩ حَدِّثَنَا عَلِيُّ بَنُ عَبُدِ اللَّهِ حَدَّثَنَا سَفْيَانُ قَالَ اَبُو النَّضُرِ حَدَّثَنِيْ اَبِيْ عَنْ اَبِيْ سَلَمَةً عَنْ عَائِشَةً رَضِيَ اللَّهُ عَنْهَا اَنَّ النَّبِيُّ عَلَيْ كَانَ يُصلِّي رَكْهُتَيْنِ فَازِنْ كُنْتُ مُسْتَيْتِقِظَةً حَدَّثَنِيْ وَإِلاَّ اضْعَطَجَعَ ، قُلْتُ لِيضِي اللَّهُ عَنْهَا اَنَّ النَّبِيُ عَلِيهِ كَانَ يُصلِّي رَكْهُتَيْنِ فَازِنْ كُنْتُ مُسْتَيْتِقِظَةً حَدَّثَنِيْ وَإِلاَّ اضْعَطَجَعَ ، قُلْتُ لِيضِي الله عَنْهَا اَنَّ النَّبِي عَلِيهِ مَا الْفَجْرِ قَالَ سَفْيَانُ هُوَ ذُلِكَ .

১০৯৯ আলী ইব্ন আবদুল্লাহ্ (র.)......আয়িশা (রা.) থেকে বর্ণিত তিনি বলেন, নবী করীম করার (ফজরের আ্যানের পর ) দু' রাকা'আত (সুনাত) সালাত আদায় করতেন। তারপর আমি সজাগ থাকলে আমার সাথে কথাবার্তা বলতেন, অন্যথায় (ডান) কাতে শয়ন করতেন। (বর্ণনাকারী আলী বলেন,) আমি সুফিয়ান (র.)-কৈ জিজ্ঞাসা করলাম, কেউ কেউ এ হাদীসে (দু' রাকা'আত স্থলে) ফজরের দু' রাকা'আত রেওয়ায়েত করে থাকেন। (এ বিষয়ে আপনার মন্তব্য কি ?) সুফিয়ান (র.) বললেন, এটা তা-ই।

# ٧٤١. بَابُ تَعَاهِدُ رَكُعَتَى الْفَجْرِ وَمَنْ سَمَّاهُمَا تَطَقَّعًا

৭৪১. অনুচ্ছেদ ঃ ফজরের (সুন্নাত) দু' রাকা'আতের হিফাযত আর যারা এ দু' রাকা'আতকে নফল বলেছেন।

المَّدُ عَنَّا بَيَانُ بْنُ عَمْرٍ حَدَّثَنَا يَحْلَى بْنُ سَعِيْدٍ حَدَّثَنَا ابْنُ جُريَجٍ عَنْ عَطَاءِ عَنْ عُبَيْدٍ بْنِ عُمَيْدٍ عَدَّثَنَا ابْنُ جُريَجٍ عَنْ عَطَاءِ عَنْ عُبَيْدٍ بْنِ عُمَيْدٍ عَنْ عَائِمَ عَنْ عَامُدًا عَلَى عَنْ عَائِمَةً رَضِي اللَّهُ عَنْهَا قَالَتُ لَمْ يَكُنِ النَّبِي عَلَيْ عَلَى شَيْ مِنَ النَّوَافِلِ اَشَدَّ مِنْ عَنْهَا قَالَتُ لَمْ يَكُنِ النَّبِي عَلَيْ عَلَى شَيْ مِنَ النَّوَافِلِ اَشَدَّ مِنْ عَنْهَا قَالْتُ لَمْ يَكُنِ النَّبِي عَلَيْ عَلَى شَيْ مِنَ النَّوَافِلِ اَشَدَّ مِنْ عَاهُدًا عَلَى رَكَعَتَى الْفَجُر · ·

১১০০ বায়ান ইব্ন আম্র (র.).....আয়িশা (রা.) থেকে বর্ণিত তিনি বলেন, নবী করীম क्रिकें কোন নফল সালাতকে ফজরের দু'রাকা'আত সুনাতের ন্যায় অধিক হিফাযত ও গুরুত্ব প্রদানকারী ছিলেন না।

#### ٧٤٢. بَابُ مَا يُقْرَأُ فِي رَكَعَتَى الْفَجْرِ

982. অনুচ্ছেদ ঃ ফজরের (সুরাত) দু' রাকা আতে কতটুকু কিরাআত পড়া হবে ا حَدَّثَنَا عَبْدُ اللهِ بَنُ يُوسُفَ قَالَ اَخْبَرَنَا مَالِكُ عَنْ هِشَامِ بْنِ عُرْوَةً عَنْ اَبِيهِ عَنْ عَائِشَةً رَضِيَ اللهُ عَنْ هَشِمًا قَالَتُ كَانَ رَسُولُ اللهِ عَلَيْتُ يُصلِّي بِاللَّيْلِ ثَلاَثَ عَشْرَةً رَكْعَةً ثُمَّ يُصلِّي إِذَا سَمِعَ النِّدَاءَ بِالصَّبْعِ رَكْعَتَ ثُمَّ يُصلِّي إِذَا سَمِعَ النِّدَاءَ بِالصَّبْعِ رَكْعَتَيْنِ خَفْيْفَتَيْنِ خَفْيْفَتَيْنِ خَفْيْفَتَيْنِ خَفْيْفَتَيْنِ خَفْيْفَتَيْنِ خَفْيْفَتَيْنِ خَفْيْفَتَيْنِ خَفْيْفَتَيْنِ خَوْيَفَتَيْنِ خَوْيَفَتَيْنِ خَفْيْفَتَيْنِ خَوْيَفَتَيْنِ خَوْيَفَتَيْنِ خَوْيُفَتَيْنِ خَوْيُفَتَيْنِ خَوْيَفَتَيْنِ خَوْيَفَتَيْنِ خَوْيَفَتَيْنِ خَوْيُفَتَيْنِ خَوْيَفَتَيْنِ خَوْيَفَتَيْنِ خَوْيَفَتَيْنِ خَوْيُفَتَيْنِ خَوْيَفَتَيْنِ خَوْيُفَتَيْنِ خَوْيَفَتَيْنِ خَوْيَفَتَيْنِ خَوْيُفَتَيْنِ خَوْيُفَتَيْنِ خَوْيُفَتَيْنِ خَوْيَفَتَيْنِ خَوْيَفَتَيْنِ خَوْيُفَتَيْنِ خَوْيُفَتَيْنِ خَوْيُفَتَيْنِ خَوْيُفَتَيْنِ خَوْيُفَتَيْنِ خَوْيُفَتَيْنِ خَوْيُفَتَيْنِ خَوْيُفَتَيْنِ خَوْيُونَا مِيْسُلِقِ عَلَى اللهُ عَلَيْكُونَ لَاللهِ عَلْمُ اللهِ عَلْمُ اللهِ عَلْمُ اللهِ عَنْ اللهُ عَلْمُ عَلَيْ خَوْيُ فَيْ عَنْ مُ اللهِ عَلْمُ اللهُ عَلْمُ عَلَيْنَ عَلَيْنَ عَلَى اللهُ اللهِ عَلْمُ اللهِ عَلْمُ اللّهِ عَلْمُ اللهُ عَلْمُ اللّهُ عَلْمُ عُلْمُ اللّهُ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللّهِ عَلْمُ اللّهُ اللّهُ اللهِ اللّهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ اللهِ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ الل

১১০১ আবদুল্লাহ্ ইব্ন ইউসুফ (র.)......আয়িশা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, রাসূলুল্লাহ্ বিষ্টিত রাতে তের রাকা আত সালাত আদায় করতেন, এরপর সকালে (ফজরের) আযান শোনার পর সংক্ষিপ্ত (কিরাআতে) দু'রাকা আত সালাত আদায় করতেন।

النّبِيُّ عَلَيْهِ يُخَفِّفُ الرَّكُعَتَيْنِ اللَّتَيْنِ قَبْلَ صَلاَةِ الصَّبْحِ حَتَّى انِّيْ لَا تُوْلُ هَلْ قَرَا بِأُمِ الْكَانِ النّبِيُّ عَلَيْكُ مَرَةً عَنْ عَائِشَةً رَضِيَ اللَّهُ عَنْهُمَا قَالَتُ كَانَ النّبِيُّ عَلَيْكُ وَحَدَّثَنَا اَحْمَدُ بْنُ يُونُسَ حَدَّثَنَا زُهَيْنُ عَمْرَةً عَنْ عَائِشَةً رَضِي اللَّهُ عَنْهَا قَالَتُ كَانَ النّبِيُ عَبْدِ الرَّحُمٰنِ عَنْ عَمْرَةً عَنْ عَائِشَةً رَضِي اللَّهُ عَنْهَا قَالَتُ كَانَ النّبِيُ عَبْدِ الرَّحُمٰنِ عَنْ عَمْرَةً عَنْ عَائِشَةً رَضِي اللَّهُ عَنْهَا قَالَتُ كَانَ النّبِيُّ يَعْفِفُ الرَّكُعَتَيْنِ اللَّتَيْنِ قَبْلَ صَلاَةِ الصَبْحِ حَتَّى انِيْ لَا تَوْلُ هَلْ قَرَا بِأُمِّ الْكِتَابِ ،

১১০২ মুহাম্মদ ইব্ন বাশ্শার ও আহ্মাদ ইবন ইউনুস (র.).....আয়িশা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্রেফজরের (ফর্য) সালাতের আগের দু'রাকা'আত (সুন্নাত) এত সংক্ষিপ্ত করতেন এমনকি আমি (মনে মনে) বলতাম, তিনি কি (শুধু) উমুল কিতাব (সূরা ফাতিহা) তিলাওয়াত করলেন ?

#### ٧٤٣. بَابُ التَّطَوُّع بَهْدَ ٱلْكُتُّوْبَة

৭৪৩. অনুচ্ছেদ ঃ ফর্য সালাতের পর নফল সালাত।

الله عَنْهُمَا قَالَ صَلَيْتُ مَعَ النَّبِيِّ عَلِي بَنُ سَعِيْدٍ عَنْ عُبَيْدُ اللهِ قَالَ اَخْبَرَنَا نَافِعُ عَنِ ابْنِ عُمَرَ رَضِيَ اللهُ عَنْهُمَا قَالَ صَلَيْتُ مَعَ النَّبِيِّ عَلَيْ النَّهِي عَلَيْ الطَّهْرِ وَسَجْدَتَيْنِ بَعْدَ الْمَغْرِبِ وَسَجْدَتَيْنِ بَعْدَ الْجُمُعَةِ فَامًا الْمَغْرِبُ وَالْعِشَاءُ فَفِي بَيْتِهِ ، وَحَدَّثَنِي الْخَيِي حَفْصَةُ اَنَّ النَّبِي عَلَيْكُ كَانَ يَصَلِّي سَجْدَتَيْنِ جَعْدَ الْجُمُعَةِ فَامًا الْمَغْرِبُ وَالْعِشَاءُ فَفِي بَيْتِهِ ، وَحَدَّثَنِي الْخَيْرِ عَلْمَ النَّبِي عَلَيْكُ كَانَ يَصَلِّي سَجْدَتَيْنِ خَفْدِفَتَيْنِ بَعْدَ مَايَطُلُعُ الْفَجْرُ وَكَانَتُ سَاعَةً لاَ اَدْخُلُ عَلَى النَّبِي عَلَيْكُ فَيْهَا تَابَعَهُ كَثِيْرُ بُنُ فِي سَجْدَتَيْنِ خَفْدِفَتَيْنِ بَعْدَ مَايَطُلُعُ الْفَجْرُ وَكَانَتُ سَاعَةً لاَ اَدْخُلُ عَلَى النَّبِي عَلَيْكُ فَيْهَا تَابَعَهُ كَثِيْرُ بُنُ فَي سَجْدَتَيْنِ خَفْدِفَتَيْنِ بَعْدَ مَايَطُلُعُ الْفَجْرُ وَكَانَتُ سَاعَةً لاَ اَدْخُلُ عَلَى النَّبِي عَنَى النَّبِي عَيْنَ الْمَعْ وَقَالَ ابْنُ ابِي الزَّبَادِ عَنْ مُوسَلِّي بْنِيعِيْقَبَةَ عَنْ نَافِعِ بَعْدَ الْعِشَاءِ فِي الْقِلِ الْمَالِمِ الْوَلِي الْمَالُعُ الْوَالِمُ الْمَالُعُ الْوَالِ ابْنُ الْمِ الْرَبَادِ عَنْ مُوسَلِّي بْنِيعِيْقَبَةَ عَنْ نَافِعٍ بَعْدَ الْعِشَاءِ فِي الْفَالِ الْمَالُولِ الْمُعْ وَقَالَ الْمَالُولِ الْمَالُولِ عَنْ مُؤْمِلِهِ اللّهِ عَنْ نَافِع مِ بَعْدَ الْعِمْ اللّهِ اللهِ اللّهِ اللّهُ اللّهِ اللّهِ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهِ اللّهُ اللّهِ اللّهِ الْعَلْمَ اللّهُ اللّهِ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهِ الْمُعْلِي الْمُعْلِي اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهِ الْمُؤْمِ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الْمُؤْمِ اللّهُ الْعَلِي اللّهُ اللّهُ اللهُ اللّهِ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الْمُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الْمُؤْمِ اللّهُ اللّهُ الْمُؤْمِ اللّهُ الْمُؤْمِ الْمُلِلّهِ اللّهُ الْمُلْعُلِي اللّهُ الْمُؤْمِ اللّهُ اللّهُ الْمُؤْمِ اللّهُ اللّهُ الْمُؤْمِ اللّهُ الْمُعْمِ اللّهُ الْمُؤْمِ اللّهُ الْمُؤْمِ اللّهُ الْمُؤْمِ الللّهُ ا

১১০৩ মুসাদ্দাদ (র.).....উমর (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী করীম 📆 এর অনুসরণে আমি যুহরের আগে দু' রাকা'আত, যুহরের পর দু' রাকা'আত, মাগরিবের পর দু' রাকা'আত, ইশার পর

দু' রাকা'আত এবং জুমু'আর পর দু' রাকা'আত সালাত আদায় করেছি। তবে মাগরিব ও ইশার পরের সালাত তিনি তাঁর ঘরে আদায় করতেন। ইব্ন উমর (রা.) আরও বলেন, আমার বোন (উম্মূল মু'মিনীন) হাফসা (রা.) আমাকে হাদীস তনিয়েছেন যে, নবী করীম ক্রিট্রাই ফজর হওয়ার পর সংক্ষিপ্ত দু' রাকা'আত সালাত আদায় করতেন। (ইব্ন উমর (রা.) বলেন,) এটি ছিল এমন একটি সময়, যখন আমরা কেউ নবী করীম ক্রিট্রা-এর খিদমতে হাযির হতাম না। (তাই সে সময়ের আমল সম্পর্কে উমুহাতুল মু'মিনীন অধিক জানতেন)। কাসীর ইব্ন ফরকাদ ও আইয়ুব (র.) নাফি' (র.) থেকে হাদীস বর্ণনায় উবাইদুল্লাহ্ (র.)-এর অনুসরণ করেছেন। ইব্ন আবুষ্ যিনাদ (র.) বলেছেন, মূসা ইব্ন উক্বা (র.) নাফি' (র.) থেকে ইশার পরে তাঁর পরিজনের মধ্যে কথাটি বর্ণনা করেছেন।

#### ٧٤٤. بَابُ مَنْ لَمْ يَتَطَوَّعْ بَعْدَ الْكُتُنْبَةِ

৭৪৪. অনুচ্ছেদ ঃ ফর্যের পর নফল সালাত আদায় না করা।

ابْنَ عَبَّاسٍ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهُما قَالَ صلَّيْتُ مَعْ رَسُولِ اللَّهِ عَلَيْكُ مَانِيًا جَمِيْعًا وَسَبُعًا جَمِيْعًا قَلْتُ يَا الشَّعْثَاء وَسَبُعًا جَمِيْعًا قَلْتُ يَا البَّا الشَّعْثَاء اللَّهُ عَنْهُما قَالَ صلَّيْتُ مَعَ رَسُولِ اللَّهِ عَلَيْكُ ثَمَانِيًا جَمِيْعًا وَسَبُعًا جَمِيْعًا قَلْتُ يَا اَبَا الشَّعْثَاء اَظُنَّهُ اَخْرَ الظُّهْرَ وَعَجُّلَ الْعَصْرَ وَعَجُّلَ الْعِشَاءَ وَاَخْرَ الْمُغْرِبَ قَالَ وَاَنَا اَظُنُهُ .

১১০৪ আলী ইব্ন আবদুল্লাহ্ (র.).....ইব্ন আব্বাস (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আমি রাসূলুল্লাহ্ এক সংগে আট রাকা আত একত্রে যুহ্র ও আসরের এবং সাত রাকা আত একত্রে মাগরিব-ইশার আদায় করেছি। (তাই সে ক্ষেত্রে যুহ্র ও মাগরিবের পর সুনাত আদায় করা হয়নি।) আমর (র.) বলেন, আমি বললাম, হে আবৃশ্ শা সা! আমার ধারণা, তিনি যুহ্র শেষ ওয়াক্তে এবং আসর প্রথম ওয়াক্তে আর ইশা প্রথম ওয়াক্তে ও মাগরিব শেষ ওয়াক্তে আদায় করেছিলেন। তিনি বলেছেন, আমিও তাই মনে করি।

#### ٥٤٥. بَابُ مِنَلاَةِ الضَّحَى فِي السَّفَرِ

98৫. অনুচ্ছেদ ঃ সফরে সালাতু্য্-যুহা (চাশ্ত) আদায় করা।

الله عَنْ مُورِّقٍ قَالَ قُلْتُ فَعُمَرُ قَالَ لاَ قُلْتُ فَعُمَرُ قَالَ لاَ قُلْتُ فَالنَّبِيُّ عَالَا قُلْتُ فَالنَّبِيُّ عَالَ لاَ الْحَالُهُ ، عَنْ شَعْبَةَ عَنْ مَوْرِقٍ قَالَ لاَ قُلْتُ فَالنَّبِيُّ عَالَ لاَ الْحَالُهُ ، عَنْهُمَا اَتُصلِّى الضَّحْلَى قَالَ لاَ قُلْتُ فَعُمَرُ قَالَ لاَ قُلْتُ فَأَبُو بَكُرٍ قَالَ لاَ قُلْتُ فَالنَّبِيُّ عَالَ لاَ الْحَالُهُ ،

১১০৫ মুসাদ্দাদ (র.)......মুওয়ার্রিক (র.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আমি ইব্ন উমর (রা.)-কে জিজ্ঞাসা করলাম, আপনি কি চাশ্ত-এর সালাত আদায় করে থাকেন । তিনি বললেন, না। আমি জিজ্ঞাসা করলাম, উমার (রা.) তা আদায় করতেন কি । তিনি বললেন, না। আমি বললাম, আরু বক্র (রা.) । তিনি বললেন, না। আমি জিজ্ঞাসা করলাম, নবী করীম করিয় । তিনি বললেন, আমি তা মনে

করি না। (আমার মনে হয় তিনিও তা আদায় করতেন না, তবে এ ব্যাপারে আমি নিশ্তিত কিছু বলতে পারছি না)।

الله عَدْثُنَا أَدَمُ حَدُثُنَا شُعْبَةُ حَدُثُنَا عَمْرُو بْنُ مُرَّةً قَالَ سَمِعْتُ عَبْدَ الرَّحُمْنِ بْنَ آبِي لَيَّلِي يَقُولُ مَا حَدُثُنَا آحَدُ آنَهُ رَأَى النَّبِي عَلِي يُعَلِّى الضَّحَٰى غَيْرُ أُمِّ هَانِئٍ فَانِّهَا قَالَتُ انْ النَّبِي عَلِي الْمُحَدِّى الضَّحَٰى غَيْرُ أُمِّ هَانِئٍ فَانِّهَا قَالَتُ انْ النَّبِي عَلِي الْمُحَدِّلَ بَيْتَهَا يَوْمَ فَا فَعُ سَلَى السَّجُودَ وَالسَّجُودَ . فَتَح مَكُةً فَاغْتَسَلَ وَصلَّى ثَمَانِي رَكُعَاتٍ فَلَمْ ارَصَلَاةً قَطَّ اخَفَّ مِنْهَا غَيْرَ انَّهُ يُتِمُّ الرُّكُوعَ وَالسَّجُودَ .

১১০৬ আদম (র.).....আবদুর রাহমান ইব্ন আবৃ লায়লা (র.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, উমু হানী। (রা.) (নবী করীম এই -এর চাচাত বোন) ব্যতীত অন্য কেউ নবী করীম এই -কে চাশ্তের সালাত আদায় করতে দেখেছেন, এরূপ আমাদের কাছে কেউ বর্ণনা করেননি। তিনি উম্মে হানী (রা.) অবশ্য বলেছেন, নবী করীম করা বিজয়ের দিন (পূর্বাহেন) তার ঘরে গিয়ে গোসল করেছেন। (তিনি বলেছেন) যে, আমি আর কখনো (তাঁকে) অনুরূপ সংক্ষিপ্ত সালাত (আদায় করতে) দেখি নি। তবে কিরাআত সংক্ষিপ্ত হলেও তিনি রুক্' ও সিজ্দা পূর্ণাঙ্গরূপে আদায় করছিলেন।

#### ٧٤٦. بَابُ مَنْ لَمْ يُصِلُ الضَّحْى وَرَاهُ وَاسِعًا

৭৪৬. অনুচ্ছেদ ঃ যারা চাশ্ত—এর সালাত আদায় করেন না, তবে বিষয়টিকে প্রশস্ত মনে করেন (বাধ্যতামূলক মনে করেন না)।

١١٠٧ حَدَّثَنَا أَدَمُ قَالَ حَدَّثَنَا ابْنُ آبِي ذِنْبٍ عَنِ الزَّهْرِيِّ عَنْ عُرُوَةَ عَنْ عَائِشَةَ رَضِي اللَّهُ عَنْهَا قَالَتْ مَا رَايْتُ رَسُولَ اللهِ عَلَيْهِ سَبِّحَ سَبُحَةَ الضَّحَى وَانِي لِاسْبَحُهَا .

১১০৭ আদম (র.)......আয়িশা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, রাসূলুল্লাহ্ করতে আমি দেখিনি। তবে আমি তা আদায় করে থাকি।

# ٧٤٧. بَابُ صَلَاةِ الضُّعَى فِي الْعَضْرِ قَالَهُ عِثْبَانُ بْنُ مَالِكِ عَنِ النَّبِيِّ عَلِيًّا

৭৪৭. অনুচ্ছেদ ঃ মুকীম অবস্থায় চাশ্ত—এর সালাত আদায় করা। ইতবান ইব্ন মালিক রো.) বিষয়টি নবী করীম হাত্র থেকে উল্লেখ করেছেন।

النَّهُدِيِّ عَنْ آبِي مُرَيْرَةَ رَضِي اللَّهُ عَنْهُ قَالَ آوْصَانِي خَلْيْلِي بِثَلاث لِا آدَعُهُنَّ حَتَّى آمُوْتَ صَوْم ثَلاَثَة آيام النَّهُدِيِّ عَنْ آبِي مُرَيْرَة رَضِي اللَّهُ عَنْهُ قَالَ آوْصَانِي خَلْيْلِي بِثَلاث لِا آدَعُهُنَّ حَتَّى آمُوْتَ صَوْم ثَلاَثَة آيام مِنْ كُلِّ شَهْر وَصَلاَة الضَّحٰى وَنَوْم عَلَى وِيْر .

১১০৮ মুসলিম ইব্ন ইব্রাহীম (র.)......আবৃ হুরায়রা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আমার খলীল ও বন্ধু (নবী করীম ক্রিট্রা) আমাকে তিনটি কাজের ওসিয়্যাত (বিশেষ আদেশ) করেছেন, আমৃত্যু তা আমি পরিত্যাগ করব না। (কাজ তিনটি হল) ১. প্রতি মাসে তিন দিন সিয়াম (পালন করা), ২. সালাতুয্-যোহা (চাশৃত এর সালাত আদায় করা) এবং ৩. বিত্র (সালাত) আদায় করে ঘুমান।

ا ١١٠٩ حَدُّثَنَا عَلِيٌّ بْنُ الْجَعْدِ اَخْبَرِنَا شُعْبَةً عَنْ انسٍ بْنِ سِيْرِيْنَ قَالَ سَمِعْتُ انسَ بْنَ مَالِكِ الْانْصَارِيُّ قَالَ سَمِعْتُ انسَ بْنَ مَالِكِ الْانْصَارِيُّ قَالَ سَمَعْتُ انسَ بْنَ مَالِكِ الْانْصَارِيُّ قَالَ سَمَعْتُ انسَ بْنَ مَالِكِ الْانْصَارِيُّ قَالَ سَمَعْتُ انسَ بْنَ مَالِكِ الْانْصَارِيُّ قَالَ مَعَكَ فَصَنَعَ لِلنَّبِيِ عَلَيْهِ وَكَانَ ضَخْمًا لِلنَّبِيِّ عَلَيْهِ انِيْ لاَ اسْتَطْيِعُ الصَّلاَةَ مَعَكَ فَصَنَعَ لِلنَّبِي عَلَيْهِ وَكَانَ ضَخْمًا لِلنَّبِي عَلَيْهِ وَكَانَ ضَخْمًا لِلنَّبِي عَلَيْهِ وَكَانَ صَنَعَ للنَّبِي عَلَيْهِ وَكَانَ مَن الْانْبِي عَلَيْهِ وَكَانَ صَنْحَ لَهُ طَرَف حَصِيْرِ بْمَاءٍ فَصَلِّى عَلَيْهِ رَكْعُتَيْنِ ، وَقَالَ فَلاَنُ بُنُ فَلاَنِ بْنِ جَارُود لِانسِ رَضِي اللهُ عَنْهُ اكانَ النَّبِي عَلِيْهِ يُصلِي الضَّخْي فَقَالَ مَا رَأَيْتُهُ صَلْمً عَيْرَ ذَالِكَ الْيَوْمِ .

# ٧٤٨. بَابُ الرُّكمَتَانِ قَبلَ الظُّهرِ

৭৪৮. অনুচ্ছেদ ঃ যুহরের (ফরযের) পূর্বে দু' রাকা'আত সালাত।

اللهِ عَدُّنَا سَلَيْمَانُ بْنُ حَرَّبٍ قَالَ حَدَّثَنَا حَمَّادُ بْنُ زَيْدٍ عَنْ اَيُّوبَ عَنْ نَافِعٍ عَنِ ابْنِ عُمَرَ رَضِيَ اللهِ عَنْهُمَا قَالَ حَفْظُتُ مِنَ النَّبِيِ عَلَيْ عَشُر رَكَعَاتٍ رَكْعَتَيْنِ قَبْلَ الظُّهْرِ وَرَكُعَتَيْنِ بَعْدَهَا وَرَكْعَتَيْنِ بَعْدَ الْمَغْرِبِ عَنْهُمَا قَالَ حَفْظُتُ مِنَ النَّبِي عَلَيْ النَّبِي عَلَيْ اللهِ عَلَيْ النَّبِي عَلَيْ اللهِ عَلَى النَّبِي عَلَيْ اللهِ عَلَى النَّبِي عَلَيْ اللهِ عَلَى النَّبِي عَلَيْ اللهِ عَلَى النَّبِي عَلَيْ اللهُ عَلَى النَّبِي عَلَيْ اللهُ عَلَى النَّبِي عَلَيْ اللهُ عَلَى النَّبِي عَلَيْ اللهِ عَلَى النَّبِي عَلَيْ اللهِ عَلَى النَّبِي عَلَيْ اللهُ عَلَى النَّبِي عَلَيْ اللهُ عَلَى النَّبِي عَلَيْ اللهُ عَلَى النَّبِي عَلَيْ اللهُ عَلَى النَّبِي عَلَيْنَ الْمُؤَدِّ وَطَلَعَ الْفَجُرُ صَلِّى رَكُعَتَيْنِ مَا عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَيْ الْمُؤْتُونُ وَطَلَعَ الْفَجُرُ صَلَّى رَكُعَتَيْنِ مَا عَلَى اللهِ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْ الْمُؤْدُونُ وَطَلَعَ الْفَجُرُ صَلَّى رَكُعَتَيْنِ مَا عَلَى اللهِ عَلْمَ الْمُؤْدُونُ وَطَلَعَ الْفَجُرُ صَلَّى رَكُعَتَيْنِ مَا عَلَى اللهِ الْمَؤْدُونُ وَطَلَعَ الْفَجُرُ وَاللّهَ الْفَالِعَ الْفَاعِ اللّهِ عَلَى اللّهِ الْمُؤْدُونُ وَاللّهَ الْمُؤْدُونُ وَاللّهَ الْمُؤْدُونُ وَاللّهَ اللّهَ اللّهُ اللّهَ اللّهُ الللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ الل

১১১০ সুলাইমান ইব্ন হারব (র.).....ইব্ন উমর (রা.) থেকে বর্ণিত তিনি বলেন, নবী করীম থেকে আমি দশ রাকা আত সালাত আমার শৃতিতে সংরক্ষণ করু রেখেছি। যুহরের আগে দু' রাকা আত পরে দু' রকা 'আত, মাগরিবের পরে দু' রাকা 'আত তাঁর ঘরে, ইশার পরে দু' রাকা 'আত তাঁর ঘরে এবং দু' রাকা 'আত সকালের (ফজরের) সালাতের আগে। ইব্ন উমর (রা.) বলেন,) আর সময়টি ছিল এমন,

যখন নবী করীম এর খিদমতে (সাধারণত) কোন ব্যক্তিকে প্রবেশেরঅনুমতি দেওয়া হত না। তবে উমুল মু'মিনীন হাফসা (রা.) আমার কাছে বর্ণনা করেছেন যে, যখন মুআয্যিন আযান দিতেন এবং ফজর (সুবহে-সাদিক) উদিত হত তখন নবী ক্ষিত্র দু'রাকা'আত সালাত আদায় করতেন।

اللهِ حَدَّثَنَا مُسَدَّدٌ قَالَ حَدَّثَنَا يَحْدِى عَنْ شَهْبَةَ عَنْ ابْرَاهِيْمَ ابْنِ مُحَمَّدِ بْنِ الْمُنْتَشِرِ عَنْ اَبِيهِ عَنْ عَانِشَةَ رَضِيَ اللهُ عَنْهَا اَنَّ النَّبِي عَلَيْهِ كَانَ لاَيدَعُ ارْبَعًا قَبْلَ الظُّهْرِ ، وَرَكْعَتَيْنِ قَبْلَ الْغَدَاةِ تَابَعَهُ ابْنُ ابْنُ عَدِي وَعَمْرُو عَنْ شُعْبَةً .

১১১১ মুসাদাদ (র.)......আয়িশা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী করীম ক্রিই যুহরের আগে চার রাকা আত এবং (ফজরের আগে) দু'রাকা আত সালাত (কখনো) ছাড়তেন না। ইব্ন আবূ আদী ও আম্র (র.) ত'বা (র.) থেকে হাদীস বর্ণনায় ইয়াহ্ইয়া (র.)-এর অনুসরণ করেছেন।

#### ٧٤٩. بَابُ الصَّالاَةِ قَبْلَ الْمَفْرِبِ

৭৪৯. অনুচ্ছেদ ঃ মাগরিবের আগে সালাত।

১১১২ আবৃ মা'মার (র.)......আবদুল্লাহ্ মুযানী (রা.) সূত্রে নবী থাকে বর্ণিত, তিনি বলেছেন ঃ তোমরা মাগরিবের (ফরযের) আগে (নফল) সালাত আদায় করবে; (এ কথাটি তিনি তিনবার ইরশাদ করলেন) লোকেরা আমালকে সুনাতের মর্যাদায় গ্রহণ করতে পারে, এ কারণে তৃতীয়বারে তিনি বললেন ঃ এ তার জন্য যে ইচ্ছা করে।

اللهِ عَبْدُ اللهِ بَنِ يَزِيْدَ قَالَ حَدَّثَنَا سَعِيْدُ بَنُ اَبِي اَيُّوْبَ قَالَ حَدَّثَنَا عَبْدُ اللهِ الل

১১১৩ আবদুল্লাহ্ ইব্ন ইয়াযীদ (র.).....মারসাদ ইব্ন আবদুল্লাহ্ ইয়াযানী (র.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আমি উক্বা ইব্ন জুহানী (রা.)-এর কাছে গিয়ে তাঁকে বললাম, আবৃ তামীম (র.) সম্পর্কে এ কথা বলে কি আমি আপনাকে বিশ্বিত করে দিব না যে, তিনি মাগরিবের (ফরম্ব) সালাতের আগে দু' রাকা'আত (নফল) সালাত আদায় করে থাকেন। উক্বা (রা.) বললেন, ( এতে বিশ্বিত হওয়ার কি

আছে ?) রাস্লুলাহ্ -এর সময়ে তো আমরা তা আদায় করতাম। আমি প্রশ্ন করলাম, তা হলে এখন কিসে আপনাকে বিরত রাখছে ? তিনি বললেন, কর্মব্যস্ততা।

# ٧٥٠. بَابُ صَلَاةِ النَّوَافِلِ جَمَاعَةُ ذَكَرَهُ أَنَسُ وَعَانِشَةُ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهُمْ عَنِ النَّبِيِّ عَالِيَّةٍ

৭৫০. অনুচ্ছেদ ঃ নফল সালাত জামা'আতে আদায় করা। এ বিষয়ে আনাস ও আয়িশা রো.) নবী করীম হাজ্য থেকে বর্ণনা করেছেন।

١١١٤ حَدَّثَنِي السَّحْقُ حَدَّثَنَا يَعْقُوبُ بْنُ ابْرَاهِيْمَ حَدَّثَنَا اَبِي عَنِ ابْنِ شِهَابٍ قَالَ اَخْبَرَنِي مَحْمُودُ بْنُ الرَّبِيْعِ الْأَنْصَارِيُّ أَنَّهُ عَقَلَ رَسُولَ اللهِ عَلَيْكُ وَعَقَلَ مَجَّةَ مَجَّهَا فِي وَجْهِهِ مِنْ بِثُرِ كَانَتُ فِي دَارِهِمْ فَزَعَمْ مَحْمُونُدُ أَنَّهُ سَمِعَ عِتْبَانَ بْنِ مَالِكِ الْاَنْصَارِيُّ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهُ وَكَانَ مِمَّنْ شَهِدَ بَدُرًا مَعَ رَسُولِ اللَّهِ عَلَيْهُ يَقُولُ كَنْتُ أُصَلِّي لِقَوْمِي بِبَنِي سَالِم وَكَانَ يَحُولُ بَيْنِي وَبَيْنَهُمْ وَاد إِذَا جَائَتِ الْاَمْطَارُ فَيَشُقُّ عَلَيٌّ اجْتِيَازُهُ قَبْلَ مَسْجِدِهِمْ فَجِئْتُ رَسُولَ اللهِ عَلَيْهُ فَقُلْتُ لَهُ إِنِّي أَنْكُرْتُ بَصِرِي وَإِنَّ الْوَادِيُّ الَّذِي بَيْنِي وَبَيْنَ قَوْمِيْ يَسِيْلُ إِذَا جَائَتِ الْأَمْطَارُ فَيَشُقُّ عَلَى اجْتِيَازُهُ فَوَدِدْتُ اَنَّكَ تَأْتِي فَتُصِلِّي مِنْ بَيْتِي مَكَانًا اَتَّخِذُهُ مُصلِّى فَقَالَ رَسُولُ اللهِ عَلَيْتُ سَأَفْعَلَ فَغَدَا عَلَىَّ رَسُولُ اللهِ عَلَيْهُ وَآبُو بَكُر رَضِي اللهُ عَنْهُ بَعْدَ مَا اشْتَدُّ النَّهَارُ فَاسْتَأْذَنَ رَسُولُ اللَّهِ عَلَيْكُ فَأَذَنْتُ لَهُ فَلَمْ يَجُلسْ حَتَّى قَالَ آيْنَ تُحِبُّ أَنْ أَصلِّي مِنْ بَيْتِكَ فَأَشُرْتُ لَهُ الَّى الْلَكَانِ الَّذِي أَحِبُّ أَنْ أَصلَّى فَيْهِ فَقَامَ رَسُولُ الله عَيْنَ فَكُبَّرَ وَصَفَفَنَا وَرَاءَهُ فَصلَّى رَكْعَتَيْنَ ثُمَّ سَلَّمَ وَسَلَّمَنَا حِيْنَ سَلَّمَ فَحَبَسْتُهُ عَلَى خَزِيْرِ تُصْنَعُ لَهُ فَسَمَعَ آهْلُ الدَّارِ رَسُولُ الله عَلَيْ فَيْ بَيْتَى فَثَابَ رِجَالُ مِنْهُمْ حَتَّى كُثْرَ الرِّجَالُ فِي الْبَيْتِ فَقَالَ رَجُلُ مِنْهُمْ مَا فَعَلَ مَالكُ لاَ أَرَاهُ فَقَالَ رَجُلُ منْهُمْ ذَاكَ مُنَافِقُ لاَ يُحبُّ اللَّهُ وَرَسُولُهُ فَقَالَ رَسُولُ الله عَلِي ۗ لاَ تَقُلُ ذَاكَ الاَ تَرَاهُ قَالَ لاَ اللهَ الاَّ اللهُ يَبُــتَغَى بذَالِكَ وَجْهَ اللَّهِ فَقَالَ اللَّهُ وَرَسِولُهُ آعْلَمُ آمًّا نَحْنُ فَوَ اللَّهِ لاَ نَرَى وَدُّهُ وَلاَ حَدِيْتُهُ الاَّ الى الْمَنَافقيَّنَ قَالَ رَسُولُ اللَّهِ ﴿ اللَّهِ عَانًا اللَّهَ قَدْ حَرَّمَ عَلَى النَّارِ مَنْ قَالَ لاَ اللَّهَ اللَّهُ يَبْتَغِي بِذَالِكَ وَجُهَ اللَّهِ قَالَ مَحْمُودُ بْنُ الرَّبِيْعِ فَحَدَّثْتُهَا قَوْمًا فَيِهِمْ أَبُو آيُوبَ صَاحِبُ رَسُولِ اللهِ عَلَيْهِمْ فَيْ غَذُوتِهِ الَّتِي تُوفَيِّي فَيْهَا وَيَزِيْدُ بْنُ مُعَاوِيّةَ عَلَيْهِمْ إِنْ صِ الرَّوْمِ فَأَنْكُرُهَا عَلَى أَبُو اَيُّوبَ قَالَ وَاللهِ مَا اَظُنَّ رَسُولَ اللهِ عَلَيْ قَالَ مَا قُلْتَ قَطَّ فَكَبُرَ ذَالِكَ عَلَى اللهِ عَلَيْ قَالَ مَا قُلْتَ قَطَّ فَكَبُرَ ذَالِكَ عَلَى فَجَعَلْتُ للهِ عَلَى انْ سَلْمَنِي حَتَّى آتَ فُلَ مِنْ غَزْوَتِي آنْ آسَالَ عَنْهَا عِتْبَانَ بْنَ مَالِكِ رَضِي اللهُ عَنْهُ انْ نَجَدْتُهُ حَيًّا فِي مَسْجِدِ قَنْمِهِ فَقَفَلْتُ فَأَهْلَلْتُ بِحَجَّةٍ أَنْ بِعُمْرَةٍ ثُمَّ سِرَّتُ حَتَّى قَدِمْتُ الْمَدِيْنَةَ فَأَتَيْتُ بَنِيْ سَالِتُمْ فَاذَا عَتِبَانُ شَيْخُ اَعْمَى يُصلِّي لِقَوْمِهِ فَلَمَّا سَلَّمَ مِنَ الصَّلَاةِ سَلَّمْتُ عَلَيْهِ وَاَخْبَرْتُهُ مَنْ اَنَا ثُمَّ سَٱلْتُهُ عَنْ ذَالِكَ الْحَدِيْثِ ، فَحَدَّتُنِيْهِ كَمَا حَدَّتُنِيْهِ أَوْلَ مَرَّةٍ .

১১১৪ ইসহাক (র.)......ইবৃন শিহাব (র.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, মাহমূদ ইব্ন রাবী আনসারী (রা.) আমাকে খবর দিয়েছেন যে, (শৈশবে তাঁর দেখা) নবী করীম 📆 এর কথা তাঁর ভাল স্বরণ আছে এবং নবী করীম 📆 তাঁদের বাড়ীর কৃপ থেকে (পানি মুখে নিয়ে বরকতের জন্য) তার মুখমগুলে যে ছিটিয়ে দিচ্ছিলেন সে কথাও তার ভাল স্বরণ আছে। মাহমূদ (র.) বলেন, যে, ইতবান ইব্ন মালিক আনসারী (রা.)-কে (যিনি ছিলেন বদর জিহাদে রাসূলুল্লাহ্ 🚛 -এর সংগে উপস্থিত বদরী সাহাবীগণের অন্যতম) বলতে জনেছেন যে, আমি আমার কাওম বন্ সালিমের সালাতে ইমামতি করতাম। আমার ও তাদের (কাওমের মসজিদের) মধ্যে বিদ্যমান একটি উপত্যকা। উপত্যকা বৃষ্টি হলে আমার মসজিদ গমণে অন্তরায় সৃষ্টি করতো। এবং এ উপত্যকা অতিক্রম করে তাদের মসজিদে যাওয়া আমার জন্য কষ্টকর হতো। তাই আমি রাস্লুল্লাহ্ 🚟 -এর খিদমতে হাযির হয়ে আর্য করলাম, (ইয়া রাস্লাল্লাহ্!) আমি আমার দৃষ্টিশক্তির ঘাট্তি অনুভব করছি (এ ছাড়া) আমার ও আমার গোত্রের মধ্যকার উপত্যকাটি বৃষ্টি হলে প্লাবিত হয়ে যায়। তখন তা পার হওয়া আমার জন্য কষ্টকর হয়ে পড়ে। তাই আমার একান্ত আশা যা আপনি ভভাগমণ করে (বরকত স্বরূপ) আমার ঘরের কোন স্থানে সালাত আদায় করবেন; আমি সে স্থানটিকে মুসাল্লা (সালাতের স্থানরূপে নির্দ্ধারিত) করে নিব। রাস্লুল্লাহ্ ত্রিশাদ করেন, অচিরেই তা করবো। পরের দিন সূর্যের উত্তাপ যখন বেড়ে গেল, তখন রাসূলুল্লাহ্ 🚟 এবং আবৃ বক্র (রা.) (আমার বাড়ীতে) তাশরীফ আনলেন। রাস্লুল্লাহ্ ঘরে প্রবেশের) অনুমতি চাইলে আমি তাঁকে স্বাগত জানালাম, তিনি উপবেশন না করেই আমাকে জিজ্ঞাসা করলেন, তোমার ঘরের কোন্ জায়গায় আমার সালাত আদায় করা তুমি পসন্দ কর ? যে স্থানে তাঁর সালাত আদায় করা আমার মনঃপৃত ছিল, তাঁকে আমি সে স্থানের দিকে ইশারা করে (দেখিয়ে) দিলাম। রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্রার্ট্রাড়িয়ে তাক্বীর বললেন, আমরা সারিবদ্ধভাবে তাঁর পিছনে দাঁড়ালাম। তিনি দু' রাকা'আত সালাত আদায় করে সালাম ফিরালেন। তাঁর সালাম ফেরানোর সময় আমরাও সালাম ফিরালাম। এরপর তাঁর উদ্দেশ্য যে খাযীরা প্রস্তুত করা হচ্ছিল তা আহারের জন্য তাঁর প্রত্যাগমনে আমি বিলম্ব ঘটালাম। ইতিমধ্যে মহল্লার লোকেরা আমার বাড়ীতে রাসূলুল্লাহ্ 🚟 এর অবস্থানের সংবাদ তনতে পেয়ে তাঁদের কিছু লোক এসে গেলেন। এমন কি আমার ঘরে অনেক লোকের সমাগম ঘটলো। তাঁদের একজন বললেন, মালিক (ইব্ন দুখায়শিন্) করল কিং তাকে দেখছি না যেং তাঁদের একজন জবাব দিলেন, যে মুনাফিক! আল্লাহ্ ও তাঁর রাসূলকে মুহাব্বত করে না। রাসূলুল্লাহ্ ইরশাদ করলেন ঃ এমন কথা বলবে না। তুমি কি লক্ষ্য করছ না, যে আল্লাহ্র সন্তুষ্টি কামনায় 'লা-ইলাহা ইল্লাল্লাহু' উচ্চারণ করেছে। সে ব্যক্তি বলল, আল্লাহ্ ও তাঁর রাসূলই সমধিক অবগত। তবে আল্লাহ্র কসম! আমরা মুনাফিকদের সাথেই তার ভালবাসা ও অর্লাপ-আলোচনা দেখতে পাই। রাস্পুল্লাহ্রামার করপেনঃ আল্লাহ্ পাক সে ব্যক্তিকে জাহানামের জন্য হারাম করে দিয়েছেন,

যে ব্যক্তি আল্লাহ্র সন্তুষ্টির উদ্দেশ্যে 'লা-ইলাহা ইল্লাল্লাহ্' উচ্চারণ করে। মাহমূদ (রা.) বলেন, এক যুদ্ধ চলাকালিন সময়ে একদল লোকের কাছে বর্ণনা করলাম তাঁদের মধ্যে রাসূলুল্লাহ্ ক্রিট্রা -এর সাহাবী আবৃ আইয়ুব (আনসারী) (রা.) ছিলেন। তিনি সে যুদ্ধে ওফাত পেয়েছিলেন। আর ইয়াযীদ ইব্ন মু'আবিয়া (রা.) রোমানদের দেশে তাদের আমীর ছিলেন। আবৃ আইয়ুব (রা.) আমার বর্ণিত হাদীসটি অস্বীকার করে বললেন, আল্লাহ্র কসম! তুমি যে কথা বলেছ তা যে, রাসূলুল্লাহ্ ক্রিট্রাই ইরশাদ করেছেন, তা আমি বিশ্বাস করতে পাল্লি না। ফলে তা আমার কাছে ভারী মনে হল। তখন আমি আল্লাহ্র নামে প্রতিজ্ঞা করলাম যে, যদি এ যুদ্ধ থেকে প্রত্যাবর্তন পর্যন্ত তিনি আমাকে নিরাপদ রাখেন, তাহলে আমি ইত্বান ইব্ন মালিক (রা.)-কে তাঁর কাউমের মসজিদের বিষয়ে জিজ্ঞাসা করবো, যদি তাঁকে জীবিত অবস্থায় পেয়ে যাই। এরপর আমি ফিরে চললাম এবং হাজ্ঞ কিংবা উমরার নিয়্যাতে ইহ্রাম করলাম। তারপর সফর করতে করতে আমি মদীনায় উপনীত হয়ে বনৃ সালিম গোত্রে উপস্থিত হলাম। দেখতে পেলাম ইত্বান (রা.) যিনি তখন একজন বৃদ্ধ ও অন্ধ ব্যক্তি কাউমের সালাতে ইমামতি করছেন। তিনি সালাত শেষ করলে আমি তাঁকে সালাম করলাম এবং আমার পরিচয় দিয়ে উক্ত হাদীস সম্পর্কে তাঁকে জিজ্ঞাসা করলাম। তিনি প্রথমবারের মতই অবিকল হাদীসখানা আমাকে শুনালেন।

# ٧٥١. بَابُ التَّطَوُّعِ فِي الْبَيْتِ

৭৫১. অনুচ্ছেদ ঃ নফল সালাত ঘরে আদায় করা।

الله عَنْهُمَا قَالَ رَسُولُ اللهِ عَلَيْهُ اجْسَعُلُوا فِي بُيُوتُكُمْ مِنْ صَلاَتِكُمْ وَلاَ تَتَّخِذُوهَا قُبُورًا تَابَعَهُ عَبْسَدُ اللهُ عَنْهُمَا قَالَ رَسُولُ اللهِ عَلَيْهُ اجْسَعَلُوا فِي بُيُوتُكُمْ مِنْ صَلاَتِكُمْ وَلاَ تَتَّخِذُوهَا قُبُورًا تَابَعَهُ عَبْسَدُ اللهُ عَنْهُمَا قَالَ رَسُولُ اللهِ عَلَيْهِ اجْسَعَلُوا فِي بُيُوتُكُمْ مِنْ صَلاَتِكُمْ وَلاَ تَتَّخِذُوهَا قُبُورًا تَابَعَهُ عَبْسَدُ اللهِ عَنْ اَيُوبَ .

১১১৫ আবুল আ'লা ইব্ন হাম্মাদ (র.).....ইব্ন উমর (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, রাসূলুক্লাহ্ ইরশাদ করেছেন ঃ তোমরা তোমাদের কিছু কিছু সালাত তোমাদের ঘরে আদায় করবে, তোমাদের ঘরগুলোকে কবর বানাবে না। আবদুল ওহ্হাব (র.) আইউব (রা.) থেকে হাদীস বর্ণনায় ওহাইব (র.)- এর অনুসরণ করেছেন।

#### ١ ٥٠. بَابُ فَضْلُ الصَّالاَةِ فِي مَسْجِدِ مَكَّةً وَالْمَدْيِنَةِ

১১১৬ হাক্স ইব্ন উমর (র.).....কাযআ' (র.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আমি আবু সায়ীদ খুদ্রী (রা.)-কে চারটি (বিষয়) বলতে তনেছি। তিনি বলেছেন, আমি নবী করীম ক্রিট্র থেকে তনেছি। আবু সায়ীদ খুদ্রী (রা.) নবী করীম এ এর সংগে বারটি যুদ্ধে শরীক হয়েছিলেন। অন্য সূত্রে আলী (র.).....আবু হুরায়রা (রা.) থকে বর্ণিত, তিনি নবী করীম ক্রিট্র থেকে বর্ণনা করেন যে, তিনি বলেছেন, মসজিদুল হারাম, মসজিদুর রাসূল এবং মসজিদুল আক্সা (বায়তুল মুকাদ্দাস) তিনটি মসজিদ ব্যতীত অন্য কোন মসজিদে (সালাতের) উদ্দেশ্যে হাওদা বাঁধা যাবে না (অর্থাৎ সফর করবে না)।

اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ مِن يُوسُفَ قَالَ اَخْبَرَنَا مَالِكُ عَنْ زَيْدِ بَنِ رَبَاحٍ وَعُبَيْدِ اللهِ بَنِ اللهِ الْاغَرِ عَبْدِ اللهِ الْاغَرِ عَنْ اللهِ الْاغَرِ عَنْ اللهِ الْاغَرِ عَنْ اَبِي عَرْدَة رَضِي الله عَنْهُ أَنَّ النَّبِي عَلَيْهُ قَالَ صَلَاةً فِي مَسْجِدِي هَذَا خَيْرُ مِنْ اللهِ عَنْهُ أَنْ النَّبِي عَلَيْهُ قَالَ صَلَاةً فِي مَسْجِدِي هَذَا خَيْرُ مِنْ اللهِ عَنْهُ أَنْ النَّبِي عَلَيْهُ قَالَ صَلَاة فِي مَسْجِدِي هَذَا خَيْرُ مِنْ اللهِ عَنْهُ أَنْ النَّبِي عَلَيْهُ قَالَ صَلَاة فِي مَسْجِدِي هَذَا خَيْرُ مِنْ اللهِ عَنْهُ أَنْ النَّبِي عَلِيهِ اللهِ الْعَرْدَ عَنْ اللهِ الْأَ الْمَسْجِدَ الْحَرَامَ .

১১১৭ আবদুল্লাহ্ ইব্ন ইউসুফ (র.).....আবৃ হুরায়রা (রা.) থেকে বর্ণিত, রাসূলুল্লাহ্ ক্রিট্রাই বলেছেন ঃ মাসজিদুল হারাম ব্যতীত আমার এ মসজিদে সালাত আদায় করা অপরাপর মসজিদে এক হাজার সালাতের চাইতে উত্তম।

#### ٧٥٢. بَابُ مُسْجِدِ قُبًاءٍ

#### ৭৫২. অনুচ্ছেদ ঃ কুবা মসজিদ ।

الله عَدُّنَا يَعْقُوبُ بَنُ ابْرَاهِيْمَ حَدَّثَنَا ابْنُ عُلَيَّةً اَخْبَرَنَا اَيُّوبُ عَنْ نَافِعٍ اَنَّ ابْنَ عُمَرَ رَضِيَ اللهُ عَنْهُمَا كَانَ لاَ يُصلِّي مِنَ الضَّحٰى الله فِي يَوْمَيْنِ يَوْمَ يَقَسَدُمُ بِمَكَّةً فَانِّهُ كَانَ يَقَسَدُمُهَا ضُحٰى فَيَطُوفُ بِالْبَيْتِ ثُمَّ يُصلِّي رَكْعَتَيْنِ خَلْفَ الْمَقَامِ وَيَوْمَ يَأْتِي مَسْجِدَ قُبَاءٍ فَانَّهُ كَانَ يَأْتِيهِ كُلَّ سَبْتٍ فَاذَا دَخَلَ الْمَسْجِدَ كُرِهَ يُصلِّي رَكْعَتَيْنِ خَلْفَ الْمَقَامِ وَيَوْمَ يَأْتِي مَسْجِدَ قُبَاءٍ فَانَّهُ كَانَ يَأْتِيهِ كُلَّ سَبْتٍ فَاذَا دَخَلَ الْمَسْجِدِ كُرِهَ انْ يَخْرُجُ مَنْهُ حَتَّى يُصلِّي فَيْهِ قَالَ وَكَانَ يُحَدِّثُ أَنْ رَسُولَ اللهِ عَلَيْهُ كَانَ يَزُورُهُ رَاكِبًا وَمَاشِيًا قَالَ وَكَانَ يَخُرُجُ مَنْهُ حَتَّى يُصلِّي فَيْهِ قَالَ وَكَانَ يُحَدِّثُ أَنْ رَسُولَ اللهِ عَلَيْهُ كَانَ يَزُورُهُ رَاكِبًا وَمَاشِيًا قَالَ وَكَانَ يَخُرُجُ مَنْهُ حَتَّى يُصلِّي فَيْهِ قَالَ وَكَانَ يُحَدِّثُ أَنْ رَسُولَ اللهِ عَلَيْهُ كَانَ يَزُورُهُ رَاكِبًا وَمَاشِيًا قَالَ وَكَانَ يَعْدَلُ إِنَّهُ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْهُ اللهِ عَلَيْ يَكُولُ اللهِ عَلَيْ مَنْ اللهِ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهِ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ ا

১১১৮ ইয়াকৃব ইব্ন ইব্রাহীম (র.).....নাফি' (র.) থেকে বর্ণিত যে, ইব্ন উমর (রা.) দু' দিন ব্যতীত অন্য সময়ে চাশ্তের সালাত আদায় করতেন না, যে দিন তিনি মক্কায় আগমণ করতেন, তাঁর অভ্যাস ছিল যে, তিনি চাশ্তের সময় মক্কায় আগমণ করতেন। তিনি বায়তুল্লাহ্ অওয়াফ করার পর মাকামে ইব্রাহীম-এর পিছনে দাঁড়িয়ে দু'রাকা আত সালাত আদায় করতেন। আর যে দিন তিনি কুবা

কুবা মসজিদ ৪ মসজিদে নব্বী থেকে প্রায় তিন মাইল দূরে অবস্থিত মদীনার প্রথম মসজিদ এবং মদীনায় হিজরাতকালে রাস্লুলাহ্ ক্রিক্ট্র –এর প্রথম অবস্থান স্থল।

মসজিদে গমণ করতেন। তিনি প্রতি শনিবার সেখানে গমণ করতেন এবং সেখানে সালাত আদায় না করে বেরিয়ে আসা অপসন্দ করতেন। নাফি' (র.) বলেন, তিনি (ইব্ন উমর (রা.) হাদীস বর্ণনা করতেন যে, রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্রে কুবা মসজিদ যিয়ারত করতেন— কখনো আরোহী হয়ে, কখনো পায়ে হেটে। নাফি' (র.) বলেন, তিনি (ইব্ন উমর (রা.) তাঁকে আরো বলতেন, আমি আমার সাখীগণকে যেমন করতে দেখেছি তেমন করব। আর কাউকে আমি দিন রাতের কোন সময়ই সালাত আদায় করতে বাধা দিই না, তবে তাঁরা যেন সূর্যোদয় ও সূর্যান্তের সময় (সালাত আদায়ের) ইচ্ছা না করে।

#### ٧٥٣. بَابُ مَنْ أَتَى مَسْجِدٌ قُبَاءٍ كُلُّ سَبْتٍ

৭৫৩. অনুচ্ছেদ ঃ প্রতি শনিবার যিনি কুবা মসজিদে আসেন।

١١١٩ حَدَّثَنَا مُوسَلَى بَنُ السَّمْعِيْلَ حَدَّثَنَا عَبْدُ الْعَزِيْزِ بْنُ مُسْلِمٍ عَنْ عَبْدِ اللهِ بْنِ دِيْنَارِ عَنِ ابْنِ عَنْ ابْنِ عَنْ اللهِ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْهُمَا قَالَ كَانَ النَّبِيُّ عَلَيْكُ يَاتَتِيْ مَسْجِدَ قُبَاءٍ كُلُّ سَبْتُ مَاشِيًّا وَرَاكِبًا وَكَانَ عَبْدُ اللهِ رَضَى اللهُ عَنْهُ يَفْعَلُهُ .

১১১৯ মুসা ইব্ন ইসমায়ীল (র.).....ইব্ন উমর (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী করীম প্রতি শনিবার কুবা মসজিদে আসতেন, কখনো পায়ে হেঁটে, কখনো আরোহণ করে। আবদুল্লাহ্ ইব্ন উমর (রা.)-ও তা-ই করতেন।

#### ٤ ٥٧. بَابُ اِتْيَانِ مَسْجِدِ قُبًا وِرَاكِبًا وَمَاشِيًا

৭৫৪. অনুচ্ছেদ ঃ পায়ে হেঁটে কিংবা আরোহণ করে কুবা মসজিদে আসা।

اللهِ عَالَمُ عَدَّثُنَا مُسَدَّدٌ حَدَّثَنَا يَحْيِلَ عَنْ عُبَيْدِ اللهِ قَالَ حَدَّثَنِي نَافِعُ عَنِ ابْنِ عُمرَ رَضِيَ اللهُ عَنْهُمَا قَالَ كَانَ النّبِي عَلَيْهُ يَأْتُونَ قُبُاءً رَاكِبًا وَمَاشِيًا زَادَ ابْنُ نُمَيْرٍ حَدَّثَنَا عُبَيْدُ اللهِ عَنْ نَافِعٍ فَيُصلِّي فَيْهِ رَكْعَتَيْنِ .

১১২০ মুসাদাদ (র.).....ইব্ন উমর (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী করীম ব্রীত্রাহণ করে কিংবা পায়ে হেঁটে কুবা মসজিদে আসতেন। ইব্ন নুমাইর (র.) নাফি' (র.) থেকে অতিরিক্ত বর্ণনা কররেছেন যে, নবী করীম ক্রিক্রেই সেখানে দু' রাকা'আত সালাত আদায় করতেন।

#### ٥٥٧. بَابُ فَضْلِ مَا بَيْنَ الْقَبْرِ وَالْمِنْبَرِ

بُنِ زَيْدٍ الْمَازِنِيِّ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهُ أَنَّ رَسُولَ اللهِ عَلَيْهِ قَالَ مَابَيْنَ بَيْتِي مَهْنَبرِي رَوْضَةً مِنْ رِيَاضِ الْجَنَّةِ . ﴿ كَاكُمُ اللهِ عَلَيْهُ مَنْ رِيَاضِ الْجَنَّةِ وَمَابَعِ اللهِ عَالَ مَابَيْنَ بَيْتِي مَهْنَبرِي رَوْضَةً مِنْ رِيَاضِ الْجَنَّةِ وَمَثِبَرِي رَوْضَةً مِنْ رِيَاضِ اللهِ عَالَ مَدُّتُنِي خَبْيَبُ بُنُ عَبْدِ اللهِ عَالَ مَدُّتُنِي مَهْبَرِي رَوْضَةً مِنْ رِيَاضِ الْجَنَّةِ وَمَثْبَرِي عَلَيْ بَيْتِي وَمِثْبَرِي رَوْضَةً مِنْ رِيَاضِ الْجَنَّةِ وَمَثْبَرِي عَلَى حَوْضَى . ﴿ كَانَ مَا اللهِ عَالَ مَا بَيْنَ بَيْتِي وَمِثْبَرِي رَوْضَةً مِنْ رِيَاضِ الْجَنَّةِ وَمَثْبَرِي عَلَى حَوْضَى . ﴿ كَانَ مَا اللهِ عَالَ مَا بَيْنَ بَيْتِي وَمِثْبَرِي رَوْضَةً مِنْ رِيَاضِ الْجَنَّةِ وَمَثْبَرِي عَلَى حَوْضَى . ﴿ كَانَ اللهُ عَنْ عَنْ النَّبِي عَلَيْ اللهِ قَالَ مَا بَيْنَ بَيْتِي وَمِثْبَرِي رَوْضَةً مِنْ رِيَاضِ الْجَنَّةِ وَمَثْبَرِي عَلَى حَوْضَى . ﴿ كَانَ مَا لَكُنْ بَيْتِي وَمِثْبَرِي رَوْضَةً مِنْ رِيَاضِ الْجَنَّةِ وَمَثْبَرِي عَلَى حَوْضَى . ﴿ كَانَ مَا لَهُ عَنْ النَّبِي عَلَيْ اللهِ قَالَ مَا بَيْنَ بَيْتِي وَمِثْبَرِي رَوْضَةً مِنْ رِيَاضِ الْجَنَّةِ وَمَثْبَرِي عَلَى حَوْضَى . ﴿ كَانَ مَا لَكُنْ بَيْتِي وَمِثْبَرِي رَوْضَةً مِنْ رِيَاضِ الْجَنَّةِ وَمُثْبَرِي عَلَى حَوْضَى . ﴿ اللهِ عَنْ النَّهِ عَلَى عَلْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ النَّهِ عَلَى مَالِي اللهِ اللهُ عَنْ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ عَنْ اللهُ عَلْمَ الْمَا اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَلْ اللهُ عَلْمُ اللهُ عَلْمُ اللهُ عَلْمُ اللهُ عَلْ اللهُ عَلْ اللهُ عَلْمُ اللهُ عَلْ اللهُ عَنْ اللهُ عَلْمُ اللهُ عَلْمُ اللهُ اللهُ عَلْمُ اللهُ عَلْمُ اللهُ عَلْمُ اللهُ عَلْمُ اللهُ عَلْمُ اللهُ عَلْمُ اللهُ اللّهُ عَلْمُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلْمُ اللهُ اللهُ اللهُ اللّهُ اللهُ اللهُ اللّهُ ال

১১২২ মুসাদ্দাদ (র.).....আবৃ হুরায়রা (রা.) থেকে বর্ণিত, নবী করীম বলেছেন ঃ আমার ঘর ও মিম্বরের মধ্যবর্তী স্থান জান্নাতের বাগানসমূহের একটি বাগান আর আমার মিম্বর অবস্থিত (রয়েছে) আমার হাউয (কাউসার)-এর উপরে।

# ٧٥٦. بَابُ مُسْجِدِ بَيْتِ الْمُقْدِسِ

৭৫৬. অনুচ্ছেদঃ বায়তুল মুকাদাস-এর মসজিদ।

الْتُدُرِيُّ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهُ يُحَدِّثُ بِالْبَعِ عَنِ النَّبِيِّ عَلِيْهِ فَاعَجَبْنَنِي وَانَقْنَنِي قَالَ لاَ تُسَافِرِ الْمَرْاةُ يَوْمَيْنِ الْتُحُدرِيُّ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهُ يُحَدِّثُ بِالْبَعِ عَنِ النَّبِيِ عَلِيْهِ فَاعَجَبْنَنِي وَانَقْنَنِي قَالَ لاَ تُسَافِرِ الْمَرْاةُ يَوْمَيْنِ الْخَدرِيُّ رَضِي اللَّهُ عَنْهُ يُحَدِّثُ بِالْبَعِ عَنِ النَّبِي عَلِيْهِ فَاعَجَبْنَنِي وَانَقْنَنِي وَانَقْنَنِي قَالَ لاَ تُسَافِرِ الْمَرْاةُ يَوْمَيْنِ الْمُطرِ وَالْاَضْلَى وَلاَصَلاَةً بَعْدَ صَلاَتَيْنِ بَعْدَ الصَّبْعِ الْاَعْمَا رَوْجُهَا اَوْ نُو مَحْرَم وَلاَ صَوْمَ فِي يَوْمَيْنِ افِطْرِ وَالْاَضْلَى وَلاَصَلاَةً بَعْدَ صَلاَتَيْنِ بَعْدَ الصَّبْعِ حَتَّى تَطُلُعَ الشَّمْسُ وَبَعْدَ الْعَصْدِ حَتَّى تَغْدرُبَ وَلاَتُشْدُ الرِّحَالُ الِاَّ الِي تَلاَثَةِ مَسَاجِدَ مَسْجِدِ الْحَرَامِ مَسْجِد الْاَقْصُلِي وَمَسُجِد الْحَرامِ مَسْجِد الْاَقْصُلِي وَمَسْجِد الْاَقْصُلِي وَمَسَجِد الْحَرامِ مَسْجِد الْاَقْصُلِي وَمَسْجِد الْاَقْطِي وَمُسْجِد الْالْاقِي الْمَالِي اللَّهِ الْمَالِي الْعَلْمُ الْمَالِي اللَّهُ الْمَالِي اللْمُ الْلِي الْمَالِي الْمَالِي الْمَالِي اللَّهُ اللَّهُ الْمُ الْمُعْلِي وَالْمَامِ الْمَالِي الْمَالِي الْمَالِي اللْمَالِي الْمَالِي اللْمُ الْمَالِي اللْمَالِي الْمُ الْمَالِي الْمَالِي الْمَالِي اللَّهُ الْمَالِي الْمَالِي الْمَالِي الْمَالِي الْمُعْلِي الْمُعْتِي الْمُؤْتِي الْمُؤْمِ الْمُ الْمُ اللَّهُ الْمُ الْمُولِي الْمُولِي الْمَالِي الْمَالِي الْمُعْدِي الْمَالِي الْمُلْولِي الْمَالِي الْمُعْلِي الْمُعْلِي الْمُعْلِي الْمُعْلِي الْمُعْلِي الْمُؤْتِقُ الْمُعْرِقِي الْمُعْلِي الْمُعْلِقِي الْمُعْلِقِي الْمُعْلَقِي الْمُعْلِق الْمُعْلِق الْمُعْلِق الْمُعْلِق الْمُعْلِقِي الْمُعْلَقِي الْمُعْلِقِي الْ

১১২৩ আবুল ওয়ালীদ (র.).......যিয়াদের আযাদকৃত দাস কাযা'আ (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আমি আবু সায়ীদ খুদ্রী (রা.)-কে নবী করীমক্ষ্রী থেকে চারটি বিষয় বর্ণনা করতে শুনেছি, যা আযাকে আনন্দিত ও মুগ্ধ করেছে। তিনি বলেছেন ঃ মহিলারা স্বামী কিম্বা মাহ্রাম ব্যতীত দু'দিনের দ্রত্বের পথে সফর করবে না। ঈদুল ফিত্র ও ঈদুল আযহার দিনগুলোতে সিয়াম পালন নেই। দু' (ফর্য) সালাতের পর কোন (নফল ও সুন্নাত) সালাত নেই। ফজরের পর সূর্যোদ্য় (সম্পন্ন) হওয়া পর্যন্ত এবং আসরের পর সূর্য অন্তমিত হয়ে যাওয়া পর্যন্ত। এবং ১. মাসজিদুল হারাম, (কা'বা শরীফ ও সংলগ্ন মসজিদ) ২. মাসজিদুল আক্সা (বাইতুল মুকাদ্দাসের মসজিদ) এবং ৩. আমার মসজিদ (মর্দীনার মসজিদে নবুবী) ব্যতীত অন্য কোন মসজিদে (সালাত আদায়ের উদ্দেশ্যে) হাওদা বাঁধা যাবে না (সফর করবে না)

মাহ্রাম ঃ স্থায়ীভাবে বিবাহ করা হারাম এমন সম্পর্কয়ৃক্ত পুরুষ য়েমন – দাদা, বাবা, ভাই, ভাতীজা, মামা,
চাচা, শৃষ্ণর ইত্যাদি।

٧٥٧. بَابُ اسْتَعَانَةِ الْيَدِ فِي الصَّلاَةِ إِذَا كَانَ مِنْ أَمْسِرِ الصَّلاَةِ وَقَالَ ابْنُ عَبَّاسٍ رَضِيَ اللهُ عَنْهُمَا يَسْتَعَيْنُ الرَّجُلُ فِي صَلاَتِهِ مِنْ جَسندِهِ بِمَا شَاءَ وَيَضْعَ أَبُو السَّحْقَ قَلْنُسُونَهُ فِي الصَّلاَةِ وَرَفَعَهَا وَوَضَعَ عَلَى رَضِهِ الْاَيْسَرِ إِلاَّ أَنْ يَحُكُ جَلِدًا أَوْ يُصَلِحَ ثُوبًا .

৭৫৭. অনুচ্ছেদঃ সালাতের সাথে সংশ্লিষ্ট কাজ সালাতের মধ্যে হাতের সাহায্যে করা। ইব্ন আব্বাস (রা.) বলেছেন, কোন ব্যক্তি তার সালাতের মধ্যে শরীরের অঙ্গ—প্রত্যঙ্গ দ্বারা প্রয়োজনে সালাত সংশ্লিষ্ট কাজে) সাহায্য নিতে পারে। আবৃ ইসহাক (র.) সালাতরত অবস্থায় তাঁর টুপী নামিয়ে রেখেছিলেন এবং তা তুলে মাথায় দিয়ে-ছিলেন। আলী (রা.) (সালাতে) সাধারণত তাঁর (ডান হাতের) পাঞ্জা বাম হাতের কজির উপরে রাখতেন, তবে কখনো শরীর চুলকাতে হলে বা কাপড় ঠিক করে নিতে হলে তা করে নিতেন।

الله عَنْ عَنْ عَبْد الله بَنْ عَبْس رَضِيَ الله عَنْ مَخْرَمَة بْنِ سلَيْمَان عَنْ كُريْب مَوْلَى ابْنِ عَبْس الله الله عَنْهَا وَهُ بَاتَ عَنْد مَيْسمُونَة أَمُ الْمُوْمِنِينَ رَضِيَ الله عَنْهَا وَهُ بَاتَ عَنْد مَيْسمُونَة أَمُ الْمُوْمِنِينَ رَضِيَ الله عَنْهَا وَهِي خَالَتُهُ قَالَ فَاضْطَجَعْتُ عَلَى عَرْضِ الْوِسَادَة وَاضْطَجَعَ رَسُولُ الله عَنْهُ وَ اهْلَهُ فِي طُولِهَا فَنَامَ رَسُولُ الله عَنْهُ عَنْ وَجُهِه بِيدِهِ ثُمُّ قَرَا الْعَشْرَ آيَات خَوَاتِيْمَ سُوْرَة أَلُ عِمْرَانَ ثُمُ قَامَ إلَى شَنَ مُعَلَّقة فَتَوَضًا مَنْهَا فَاحْسَنَ وَضُونَ هُ ثُمُ قَرَا الْعَشْرَ آيَات خَوَاتِيْمَ سُوْرَة أَلُ عَمْرَانَ ثُمْ قَامَ إلَى شَنَ مُعَلِّقة فَتَوَضًا مَنْهُ الله عَنْهُمَا فَقُمْتُ الله عَنْهُمَا فَقُمْتُ مَعْلَقة فَتَوَضَع رَسُولُ الله عَنْهُما فَقُمْتُ فَصَنَعْتُ مُثِلُ مَا مَنْعَ جُمْ وَمُ الله عَنْهُما بَيْد وَ فَعَلْمَ الله عَنْهُما فَقُمْتُ فَصَنَعْتُ مُثِلًا مَا عَبْدُ الله عَنْهُما بَيْد وَ فَعَنْ وَهُمْ الله عَنْهُما فَقُمْتُ فَصَنَعْتُ مُثِلًا مَا مَنْ مَعْلَقة فِي فَعَنْ فَعُنْ فَعَلْمَ فَعُمْتُ الله عَنْهُما فَقُمْتُ وَمَنْ فَعَنْ وَهُ الله عَنْهُما بِيدِهِ فَصَنَعْت أَلُو الله عَنْهُما بَيْد وَمُ الله عَنْهُما فَقُمْتُ وَمَنْ فَعَنْ وَالله عَنْهُما بِيدِهِ فَصَنَعْ وَالله عَنْهُما الله عَنْهُما وَقُمْتُ وَالله عَنْهُما وَقُمْتُ وَالله عَنْهُما الله عَنْهُما بَيْدِه فَصَلْع وَكُونِ الله عَنْهُما بِيدِه فَصَلّى وَكُعَتْ فَعَامُ فَصَلْع وَكُونَ عُلُونَ الله عَنْهُم فَعَلَى وَلُولَة وَالله وَالله عَنْهُم وَالله وَيُونَعُ فَعَمُونَ عُمْ وَلَا عَلْم وَالله وَلَعْمَا فَقُصْلُ وَالله وَالله وَلْمُ فَعَامُ وَلَا عَلْم وَالله وَلَا عَنْهُ فَوصَلْمُ وَلَا عَلْم فَصَلْعُ وَلَا عَلْم فَصَلْى وَلَعْمَالُونُ عَلْم وَالله وَلَام فَصَلْى وَلَا عَلْم فَعَلْم فَصَلْى وَلَا عَلْم فَعَلْم فَعَلْمُ فَعَلْم وَلَا عَلْمُ وَلَا عَلْمَ وَلَالله وَلَا عَلْم فَعَلْمُ فَا مُنْ وَالله وَلَا عَلْم فَعَلْم وَلَا عَلَى وَلَا عَلْمَالِه وَلَا عَلْم فَعَلْمُ الله وَلَا عَلَا مُ فَعَلْمُ فَعَلَم فَعَلْم فَعَلْم فَعَلْم فَعَلْمُ فَعَلَم فَعَلْم فَعَلْم فَعُلْم فَعَلْم فَعَلْمُ فَالْمُ فَعُمْ الله عَلْمُ فَعُمُ اللّه الله عَل

১১২৪ আবদুল্লাহ্ ইব্ন ইউসুফ (র.).....ইব্ন আব্বাস (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, তিনি তাঁর খালা উত্মল মু'মিনীন মাইম্না (রা.)-এর ঘরে রাত কাটালেন। তিনি বলেন, আমি বালিশের প্রস্থের দিকে তায়ে পড়লাম, রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্র এবং তাঁর সহধর্মিনী বালিশের দৈর্ঘ্যে শয়ন করলেন। এরপর রাস্লুল্লাহ্ মধ্যরাত তার কিছু আগ বা পর পর্যন্ত ঘূমিয়ে থাকলেন। তারপর রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্র জেগে উঠে বসলেন এবং দু'হাতে মুখমওল মুছে ঘুমের আমেজ দূর করলেন। এরপর তিনি সূরা আলে ইমরানের শেষ দশ আয়াত তিলাওয়াত করলেন। পরে একটি ঝুলন্ত মশ্কের দিকে এগিয়ে গেলেন এবং এর পানি

দারা উত্তমরূপে উয়্ করে সালাতে দাঁড়িয়ে গেলেন। আবদুল্লাহ্ ইব্ন আব্বাস (রা.) বলেন, আমিও উঠে পড়লাম এবং তিনি যেরূপ করেছিলেন, আমিও সেরূপ করলাম। এরপর আমি গিয়ে তাঁর পাশে দাঁড়ালাম। তখন রাসূলুল্লাহ্ ক্রিট্রে তাঁর ডান হাত আমার মাথার উপরে রেখে আমার ডান কানে মোচড়াতে লাগলেন (এবং আমাকে তাঁর পিছন থেকে ঘুরিয়ে এনে তাঁর ডানপাশে দাঁড় করিয়ে দিলেন।) তিনি তখন দ্'রাকা'আত সালাত আদায় করলেন, তারপর দ্'রাকা'আত, তারপর দ্' রাকা'আত, তারপর দ্' রাকা'আত, তারপর দ্' রাকা'আত, তারপর দ্' রাকা'আত দারা বেজাড় করে) বিত্র আদায় করে স্থয়ে পড়লেন। অবশেষে (ফজরের জামা'আতের জন্য) মুআয্যিন এলেন। তিনি দাঁড়িয়ে সংক্ষিপ্ত (কিরাআতে) দু' রাকা'আত (ফজরের সুন্নাত) আদায় করলেন। এরপর (মসজিদের দিকে) বেরিয়ে যান এবং ফজরের সালাত আদায় করলেন।

# ٧٥٨. بَابُ مَا يُنْهِلَى مِنَ ٱلْكَلاَمِ فِي الصَّلاَةِ

৭৫৮. অনুচ্ছেদ ঃ সালাতে কথা বলা নিষিদ্ধ হওয়া।

الله عَنْهُ قَالَ كُنّا ابْنُ نُمَيْرٍ حَدَّثَنَا الْاَعْمَشُ عَنْ ابْرَاهِيْمَ عَنْ عَلْقَمَةَ عَنْ عَبْدِ اللهِ رَضِيَ اللهُ عَنْهُ قَالَ كُنّا نُسُلِّمُ عَلَى النّبِيِّ عَلِيْهُ وَهُوَ فِي الصَّلاَةِ فَيَرُدُّ عَلَيْنَا فَلَمَّا رَجَعْنَا مِنْ عِنْدِ النَّجَاشِيِّ سَلَّمْنَا عَلَيْهِ فَلَمْ يَرُدُ عَلَيْنَا فَلَمَّا رَجَعْنَا مِنْ عِنْدِ النَّجَاشِيِّ سَلَّمْنَا عَلَيْهِ فَلَمْ يَرُدُ عَلَيْنَا فَلَمَّا رَجَعْنَا مِنْ عِنْدِ النَّجَاشِيِ سَلَّمْنَا عَلَيْهِ فَلَمْ يَرُدُ عَلَيْنَا فَلَمَّا رَجَعْنَا مِنْ عِنْدِ النَّجَاشِيِ سَلَّمْنَا عَلَيْهِ فَلَمْ يَرُدُ عَلَيْنَا فَلَمَّا رَجَعْنَا مِنْ عِنْدِ النَّجَاشِيِ سَلَّمْنَا عَلَيْهِ فَلَمْ يَرُدُ عَلَيْنَا فَلَمَّا رَجَعْنَا مِنْ عَنْدِ النّجَاشِي سَلَّمْنَا عَلَيْهِ فَلَمْ يَرُدُ عَلَيْنَا فَلَمَّا رَجَعْنَا مِنْ عَنْدِ النَّجَاشِي سَلَّمْنَا عَلَيْهِ فَلَمْ يَرُدُ

১১২৫ ইব্ন নুমায়র (র.)......আবদুল্লাহ্ ইব্ন মাসউদ (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আমরা নবী করীম করিম করিছাই -কে তাঁর সালাত রত অবস্থায় সালাম করতাম; তিনি আমাদের সালামের জওয়াব দিতেন। পরে যখন আমরা নাজাশীর নিকট থেকে ফিরে এলাম, তখন তাঁকে (সালাত রত অবস্থায়) সালাম করলে তিনি আমাদের সালামের জওয়াব দিলেন না এবং পরে ইরশাদ করলেন ঃ সালাতে অনেক ব্যস্ততা ও নিমগুতা রয়েছে।

١١٢٦ حَدَّثَنَا ابْنُ نُمَيْرٍ حَدَّثَنَا السَّحْقُ بْنُ مَنْصُورٍ حَدَّثَنَا هُرَيْمُ ابْنُ سَفْيَانَ عَنِ الْاَعْمَشِ عَنْ ابْرَاهِيْ مَا اللهِ عَنْ عَبْرَ اللهِ عَنْ عَنْ اللهِ عَنْ عَلْمُ اللهِ عَنْ عَلْمُ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ عَنْ اللهِ عَنْ عَنْ اللهِ عَنْ عَلْمَ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَى اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَى اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْهِ عَلَى اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَ

المعارفة والشنيباني قال قال لي زيد بن ما المنافق المعارفة الكورة والمنافقة المنافقة المنافق

১১২৭ ইবরাহীম ইব্ন মূসা (র.).....যায়দ ইব্ন আরকাম (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আমরা

নবী করীম হালাই-এর সময়ে সালাতের মধ্যে কথা বলতাম। আমাদের যে কেউ তার সংগীর সাথে নিজ দরকারী বিষয়ে কথা বলত। অবশেষে এ আয়াত নাযিল হল- المنظن على المنظن على المنظن على المنظن على المنظن على المنظن المنظن على المنظن المنظن

#### ٧٥٩. بَابُ مَا يَجُوزُ مِنَ التَّسْبِيْحِ وَالْحَمْدِ فِي الصَّلَاةِ لِلرِّجَالِ

৭৫৯. অনুচ্ছেদ ঃ সালাতে পুরুষদের জন্য যে 'তাসবীহু' ও 'তাহ্মীদ' বৈধ।

১১২৮ আবদুল্লাহ্ ইব্ন মাসলামা (র.).....সাহল ইব্ন সা'দ (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী করীম কর্মির বনু আমর ইব্ন আওফ এর মধ্যে মীমাংসা কর্ম দেওয়ার উদ্দেশ্যে বের হলেন, ইতিমধ্যে সালাতের সময় উপস্থিত হল। তখন বিলাল (রা.) আবু বক্র (রা.)-এর কাছে এসে বললেন, নবী করীম কর্মব্যস্ত হয়ে পড়েছেন। আপনি লোকদের সালাতে ইমামতি করবেন। তিনি বললেন, হাঁ, যদি তোমরা চাও। তখন বিলাল (রা.) সালাতের ইকামত বললেন, আবু বকর (রা.) সামনে এগিয়ে গিয়ে সালাত ত্বক করলেন। ইতিমধ্যে নবী করীম তাশরীফ আনলেন এবং কাতার ফাঁক করে সামনে এগিয়ে গিয়ে প্রথম কাতারে দাঁড়ালেন। মুসল্লীগণ 'তাসফীহ্' করতে লাগলেন। সাহল (রা.) বললেন, তাসফীহ্ কি তা তোমরা জানা তা হল 'তাস্ফীক' (তালি বাজান।) আবু বকর (রা.) সালাত অবস্থায় এদিক সেদিক লক্ষ্য করতেন না। মুসল্লীগণ অধিক তালি বাজালে তিনি সে দিকে লক্ষ্য করামাত্র নবী করীম করিন - কে কাতারে দেখতে পেলেন। তখন নবী করীম তাঁকে ইশারা করলেন বং পিছু হেঁটে চলে এলেন। নবী করীম

১. 'তাস্ফীক' (تصفيق এক হাতের তালু দ্বারা অন্য হাতের তালুতে আঘাত করা।

#### ٧٦٠. بَابُ مَنْ سَمَى قَوْمًا أَوْسَلُّمَ فِي الصَّلاَّةِ عَلَى غَيْرِهِ مُوَاجَهَةً وَهُو لا يَعْلَمُ

৭৬০. অনুচ্ছেদ ঃ সালাতে যে ব্যক্তি প্রত্যক্ষভাবে কারো নাম নিলো অথবা কাউকে সালাম করল অথচ সে তা জানেও না।

المَّدُ الرَّحُمٰنِ عَنْ اَبِيْ وَائِلٍ عَنْ عَبِسلى حَدَّثَنَا اَبُوْ عَبْدِ الصِّمَدِ عَبْدُ الْعَزِيْزِ بَنُ عَبْدِ الصَّمَدِ حَدَّثَنَا حَصَيْنُ بَنُ عَبْدِ اللَّهِ عَنْ عَبْدِ اللَّهِ بَنِ مَسْعُود رَضِيَ اللَّهُ عَنْهُ قَالَ كُنَّا نَقُولُ التَّحِيَّةُ فِي الصَّلَاةِ وَنُسَمِّى وَيُسلِّمُ بَعْضُنَا عَلَى بَعْضٍ فَسَمِعَهُ رَسُولُ اللهِ عَلَيْهُ فَقَالَ قُولُوا التَّحِيَّاتُ لِلَّهِ وَالصَّلُواتُ وَالطَّيِّبَاتُ وَنُسَمِّى وَيُسلِّمُ بَعْضُ فَسَمِعَهُ رَسُولُ اللهِ عَلَيْهُ فَقَالَ قُولُوا التَّحِيَّاتُ لِلَّهِ وَالصَّلُواتُ وَالطَّيِّبَاتُ اللهِ السَّلَامُ عَلَيْكَ اللهِ اللهِ السَّلَامُ عَلَيْكَ اللهِ السَّلَامُ عَلَيْكَ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ السَّلَامُ عَلَيْكَ اللهِ اللهِ السَّلَامُ عَلَيْكَ اللهِ اللهِ السَّلَامُ عَلَيْكَ اللهِ اللهِ السَّالِحِ في الصَّلُومِ في الصَّلُومِ في الصَّلُومِ في الصَّلُومِ في الصَّلُومِ اللهُ وَالسَّهَ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ وَالشَّهَ عَلَيْكَ اللهُ عَلْدَهُ اللهُ وَاللهُ عَلَيْكُمُ اللهُ وَاللهُ فَاللهُ وَاللهُ وَاللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ وَاللهُ اللهُ وَاللّهُ وَالْمُنْ عَلَى كُلُّ عَبْدِ اللهِ صَالِحِ في السَّمَاء وَالْارْض .

সালাতের (বৈঠকে) আত্তাহিয়্যাতু .....বলতাম, তখন আমাদের একে অপরকে সালামও করতাম। রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্রেলি তা তনে ইরশাদ করলেন ঃ তোমরা বলবে..... التَّحَيِّاتُ "যাবতীয় মৌখিক, দৈহিক ও আর্থিক ইবাদত আল্লাহ্রই জন্য। হে (মহান) নবী! আপনার প্রতি সালাম এবং আল্লাহ্র রহমত ও বরকত (বর্ষিত) হোক। সালাম আমাদের প্রতি এবং আল্লাহ্র সালিহ্ বান্দাদের প্রতি; আমি সাক্ষ্য দিক্ষি যে, এক আল্লাহ্ ব্যতিত অন্য কোন ইলাহ্ নেই। এবং আমি আরও সাক্ষ্য দিক্ষি যে, মহামদ ক্রিট্রেলি তাননা, তোমরা এরপ করলে আসমান ও যমীনে আল্লাহ্র সকল সালিহ্ বান্দাকে তোমরা যেন সালাম করলে।

# ٧٦١. بَابُ التَّصْفِيْقِ لِلنِّسَاءِ

৭৬১. অনুচ্ছেদ ঃ সালাতে মহিলাদের 'তাস্ফীক'।

الله عَنْهُ عَنِ النَّبِيِّ عَلِيْهُ قَالَ التَّسْبِيْحُ لِلرِّجَالِ وَالتَّصْفِيْقُ للنِّسْاءِ . الله عَنْهُ عَنِ النَّبِيِّ عَلَى التَّسْبِيْحُ لِلرِّجَالِ وَالتَّصْفِيْقُ للنِّسَاءِ .

১১৩০ আলী ইব্ন আবদুল্লাহ্ (র.).....আবূ হুরায়রা (রা.) থেকে বর্ণিত, নবী করীম ক্রিট্রিইইরশাদ করেছেন ঃ (ইমামের দৃষ্টি আকর্ষণের জন্য) পুরুষদের বেলায় তাস্বীহ্-সুবহানাল্লাহ্ বলা। তবে মহিলাদের বেলায় 'তাসফীক'।

١١٣١ حَدَّثَنَا يَحْيِي أَخْبَرُنَا وَكِيْعُ عَنْ سَفْيَانَ عَنْ أَبِي حَازِمٍ عَنْ سَهْلٍ بْنِ سَعْدٍ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهُ قَالَ

قَالَ النَّبِيُّ عَلَيْهِ التَّسْبِيْحُ لِلرِّجَالِ وَالتَّصْفِيْحُ للنِّسَاءِ •

১১৩১ ইয়াহ্ইয়া (র.)....সাহল ইব্ন সা'দ (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী করীম ক্রিট্রিই বলেছেন ঃ সালাতে (দৃষ্টি আকর্ষণের উদ্দেশ্যে) পুরুষদের বেলায় 'তাসবীহ্' আর মহিলাদের বেলায় তাসফীহ্।

وَا النَّبِي النَّالِي النَّبِي النَّبِي النَّبِي النَّالِي النَّبِي النَّالِي النَّبِي النَّالِي النَّالْمِي النَّالِي النّ

الْمُسْلِمِيْنَ بَيْنَاهُمْ فِي الْفَجْرِيَوْمَ الْاَثْنَيْنِ وَابُقْ فَالَ يُونُسُ قَالَ الزَّهْرِيُّ اَخْبَرنَى انَسُ بُنُ مَالِكٍ اَنَّ الْمُسْلِمِيْنَ بَيْنَاهُمْ فِي الْفَجْرِيَوْمَ الْاَثِنَيْنِ وَابُقْ بَكْرِ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهُ يُصلِّيْ بِهِمْ فَفَجَاهُمُ النَّبِيُ عَلِيلَةً قَدُ كَثَنَفَ سِتْرَ حُجْرَةٍ عَانِشَةَ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهَا فَنَظَرَ اللَّهِ عِلْيَهُمْ وَهُمْ صَفُوفُ فَتَبَسَّمَ يَضْحَكُ فَنَكَصَ ابُو بَكُرٍ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهَا فَنَظَرَ اللَّهِ عَلَيْهِمْ وَهُمْ صَفُوفُ فَتَبَسَّمَ يَضْحَدُ فَنَكَصَ ابُو بَكُر رَضِيَ اللَّهُ عَنْهُ عَلَى عَقبَيْهِ وَظَنَّ اَنَّ رَسُولَ اللهِ عَلِيلَةً يُرِيدُ اَنْ يَخْرُجَ إِلَى الصَّلاَةِ وَهَمَّ الْمُسْلِمُونَ اَنْ رَضِي اللَّهُ عَنْهُ عَلَى عَقبَيْهِ وَظَنَّ اَنَّ رَسُولَ اللهِ عَلِيلَةً يُرِيدُ اَنْ يَخْرُجَ إِلَى الصَّلاَةِ وَهَمَّ الْمُسْلِمُونَ اَنْ رَضِي اللَّهُ عَنْهُ عَلَى عَقبَيْهِ وَظَنَّ اَنَّ رَسُولَ اللهِ عَلِيلَةً يُرِيدُ اَنْ يَخْرُجَ إِلَى الصَّلاَةِ وَهَمَّ الْمُسْلِمُونَ اَنْ رَضِي اللَّهُ عَنْهُ عَلَى عَقبَيْهِ مُ فَرَّحًا بِالنَّبِي عَلِيلَةً حَيْنَ رَاوَهُ فَاشَارَ بِيَدِهِ اَنْ اَتِمُوا ثُمَّ دَخَلَ الْحُجْرَةَ وَارَخَى الْسَتِرَ وَتُولِكَ الْيَوْمَ فَرَحًا بِالنَّبِي عَلِيلَةً حَيْنَ رَاوَهُ فَاشَارَ بِيَدِهِ آنُ اَتِمُوا ثُمَّ دَخَلَ الْحُجْرَة وَارْخَى الْسَتِرَ وَتُولُقَى ذَالِكَ الْيَوْمَ . ذَالِكَ الْيَوْمَ .

১১৩২ বিশ্র ইব্ন মুহামদ (র.)......আনাস ইব্ন মালিক (রা.) থেকে বর্ণিত, মুসলিমগণ সোমবার (রাস্লুল্লাহ্ এই -এর ওফাতের দিন) ফজরের সালাতে ছিলেন, আবৃ বকর (রা.) তাঁদের নিয়ে সালাত আদায় করছিলেন। নবী করীম কর্মি আয়িশা (রা.)-এর হুজরার পর্দা সরিয়ে তাঁদের দিকে তাকালেন। তখন তাঁরা সারিবদ্ধ ছিলেন। তা দেখে তিনি মৃদু হাঁসলেন। তখন আবৃ বকর (রা.) তাঁর গোড়ালির উপর ভর দিয়ে পিছে সরে আসলেন। তিনি ধারণা করলেন যে, রাস্লুল্লাহ্ করিছে সালাতের জন্য আসার ইচ্ছা করছেন। নবী করীম করার জন্য আনন্দে মুসলিমগণের সালাত তেম্বে যাওয়ার উপক্রম হয়েছিল। তখন তিনি সালাত সুসম্পন্ন করার জন্য তাদের দিকে হাতে ইশারা করলেন। এরপর তিনি হুজরায় প্রবেশ করেন এবং পর্দা হেড়ে দেন আর সে দিনই তাঁর ওফাত হয়।

# ٧٦٣. بَابُ إِذَا دَعَتِ الْأُمُّ فَلَدُهَا هِي صَلْاَةٍ

৭৬৩. অনুচ্ছেদ ঃ মা তার সালাত রত সন্তানকে ডাকলে।

١١٣٣ حَدَّثَنَا وَقَالَ اللَّيْثُ حَدَّثَنِي جَعْفَرُ عَنْ عَبْدِ الرَّحْمَٰنِ بْنِ هُرْمُزْ قَالَ قَالَ اَبُوْ هُرَيْرَةَ رَضِي اللَّهُ عَنْـهُ

قَالَ رَسُولُ اللّٰهِ عُلِيْكُ نَادَتِ إِمْـــرَأَةُ إِبْنَهَا وَهُوَ فِي صَوْمَعَةٍ قَالَتُ يَاْجُرَيْجُ قَالُ اَللّٰهُمُّ اُمِّي وَصَلَاتِي قَالَتُ اللّٰهُمُّ الْمَرْقُ أُمِّي وَصَلَاتِي قَالَتُ اللّٰهُمُّ الْمَرْقُ جُرينجُ حَتَّى يَاجُرينجُ قَالَ اللّٰهُمُّ اُمِّي وَصَلَاتِي قَالَتُ اللّٰهُمُّ الْيَمُوتُ جُرينجُ حَتَّى يَاجُرينجُ قَالَ اللّٰهُمُّ اللّٰهُمُّ اللّٰهُمُّ اللّٰهُمُّ اللّٰهُمُّ اللّٰهُمُّ اللّٰهُمُّ اللّٰهُمُّ اللّٰهُمُّ اللّهُمُّ اللّٰهُمُّ اللّٰهُمُّ اللّٰهُمُ اللّٰهُمُّ اللّٰهُمُ اللّٰ اللّٰهُمُ اللّٰ اللّٰهُمُ اللّٰ اللّٰهُمُ اللّٰلِمُ اللّٰهُمُ اللّٰهُمُ اللّٰهُمُ اللّٰهُمُ اللللّٰهُمُ اللّٰمُ اللّٰمُ اللّٰمُ اللّٰلِمُ اللّٰمُ اللّٰمُ اللّٰمُ اللّٰمُ اللللّ

# ٧٦٤. بَابُ مَسْحِ الْحَمنَا فِي المنَّلاَةِ

৭৬৪. অনুচ্ছেদ ঃ সালাতের মধ্যে কংকর সরানো।

١١٣٤ حَدُّثَنَا اَبُوْ نُعَيْمِ حَدَّثَنَا شَيْبَانُ عَنْ يَحْيِى عَنْ اَبِيْ سَلَمَةً قَالَ حَدُّثَنِي مُعَيَقِيْبُ اَنَّ النَّبِي عَلَيْكُمْ قَالَ اللَّهِيَ عَلَيْكُمْ قَالَ اللَّهُ عَلَيْكُمْ قَالَ اللَّهُ فَوَاحِدَةً ،

১১৩৪ আবৃ নু'আইম (র.).....মু'আইকীব (রা.) থেকে বর্ণিত, নবী করীম ক্রিট্রান্ত সম্পর্কে বলেছেন, যে সিজ্দার স্থান থেকে মাটি সমান করে। তিনি বলেন, যদি তোমার একান্তই করতে হয়, তা হলে একবার।

# ٥٧٠، بَابُ بَسُطِ النَّنْ فِي المنَّلاةِ لِلسَّجْنَدِ

৭৬৫. অনুচ্ছেদ ঃ সালাতে সিজ্ঞার জন্য কাপড় বিছানো।

الله عَنْهُ قَالَ كُنَّا نُصلِّيْ مَعَ النَّبِيِ عَلَيْهُ فِي شِدَّةِ الْحَرِّ فَاذِا لَمْ يَسْتَطِعُ اَحَدُنَا اَنْ يُمَكِّنَ وَجُهَهُ مِنَ اللهُ عَنْهُ قَالَ كُنَّا نُصلِّيْ مَعَ النَّبِي عَلِيْهُ فِي شِدَّةِ الْحَرِّ فَاذِا لَمْ يَسْتَطِعُ اَحَدُنَا اَنْ يُمَكِّنَ وَجُهَهُ مِنَ اللهُ عَنْهُ قَالَ كُنَّا نُصلِّيْ مَعَ النَّبِي عَلِيْهُ فِي شِدَّةِ الْحَرِّ فَاذِا لَمْ يَسْتَطِعُ اَحَدُنَا اَنْ يُمَكِّنَ وَجُهَهُ مِنَ اللهُ عَنْهُ فَسَجَدَ عَلَيْهِ .

১১৩৫ মুসাদ্দাদ (র.).....আনাস ইব্ন মালিক (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, প্রচণ্ড গরমে আমরা রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্র-এর সঙ্গে সালাত আদায় করতাম। আমাদের কেউ মাটিতে তার চেহারা (কপাল) স্থির রাখতে সক্ষম না হলে সে তার কাপড় বিছিয়ে উহার উপর সিজ্দা করত।

#### ٧٦٦، بَابُ مَا يَجُونُ مِنَ الْعَمَلِ فِي الصَّلاةِ

৭৬৬. অনুচ্ছেদ ঃ সালাতে যে কাজ জায়িয।

الله منه فَذَعَتُه وَلَقَد هَمَمُتُ لاَ يُنْبَغِي لاَ عَلَى النَّمْ الله عَلَى النَّهُ وَالله عَلَى النَّهُ وَالله عَلَى النَّهُ وَالله عَلَى النَّهُ الله عَلَى النَّهُ الله عَلَى النَّهُ الله عَلَى الله الله عَلَى الله عَلَى الله عَلَى الله الله عَلَى الله عَلَى

بِالذَّالِ أَيْ خَنَقَ ــ تُـهُ وَفَدَعَتُ مِنْ قَوْلِ اللهِ يَوْمَ يُدَعُّونَ أَيْ يُدْفَعُونَ وَالصَّوَابُ فَدَعَتُهُ الِا أَنَّهُ كَذَا قَالَ بِالذَّالِ أَيْ خَنَقَ ــ تُـهُ وَفَدَعَتُ أَلِا أَنَّهُ كَذَا قَالَ بِتَشْدِيْدِ الْعَيْنِ وَالتَّاءِ .

করার পর বললেন ঃ শয়তান আমার সামনে এসে আমার সালাত বিনষ্ট একবার সালাত আদায় তাক্রমণ করল। তখন আল্লাহ্ পাক আমাকে তার উপর ক্ষমতা দান করলেন, আমি তাকে ধাক্কা দিয়ে মাটিতে ফেলে গলা চেপে ধরলাম। আমার ইচ্ছা হয়েছিল, তাকে কোন স্তম্ভের সাথে বেঁধে রাখি। যাতে তোমরা সকাল বেলা উঠে তাকে দেখতে পাও। তখন সুলাইমান (আ.)-এর এ দু'আ আমার মনে পড়ে গেল, ..... ইয়া রবং আমাকে এমন এক রাজ্য দান করুন যার অধিকারী আমার পরে

আর কেউ না হয়"। তখন আল্লাহ্ তাকে (শয়তানকে) অপমাণিত করে দূর করে দিলেন। নয্র ইব্ন শুমা ইল (র.) বলেন, 'الَّذِينَ 'শব্দটি 'الَّالِينَ 'সহ অর্থাৎ তাকে ধাক্কা দিয়ে মাটিতে ফেলে গলা চেপে ধরলাম এবং 'الَّذِينَ 'আল্লাহ্র কালাম 'يَرْمَ يُدَعُنَّ ' থেকে অর্থাৎ তাদেরকে ধাক্কা মেরে মেরে নিয়ে যাওয়া হবে এবং সঠিক হল তবে 'الْمُونَ ' তবে ع ه ع سجة দু'টি তাশদীদ সহ পাঠ করেছেন।

#### ٧٦٧. بَابُ إِذَا انْفَلَتَتِ الدَّابُّ فِي الصَّلاَةِ وَقَالَ قَتَادَةُ إِنْ أَخِذَا ثُوبُهُ يَتْبَعُ السَّارِقَ وَيَدَعُ الصَّلاَةَ

৭৬৭. অনুচ্ছেদ ঃ সালাতে থাকাকালে পশু ছুটে গেলে। কাতাদা রে.) বলেন, কাপড় যদি (চুরি করে) নিয়ে যাওয়া হয়, তবে সালাত ছেড়ে দিয়ে চোরকে অনুসরণ করবে।

المَّدُ الْمُ حَدَّثُنَا أَدَمُ حَدَّثُنَا شُعْسَبَةُ حَدَّثُنَا الْاَزْرَقُ بْنُ قَيْسٍ قَالَ كُنَّا بِالْاَهْوَازِ نُقَاتِلُ الْحَرُورِيَّةَ فَبَيْنَا اَنَا عَلَى جُرُف نَهْرِ إِذَا رَجُلُ يُصلِّيُ وَإِذَا لِجَامُ دَابِّتِهِ بِيدِهِ فَجَعَلَتِ الدَّابِّةُ تُنَازِعُهُ وَجَعَلَ يَتَبَعُهَا قَالَ شُعْبَةُ هُوَ الْمُو بَرُنَةَ الْاَسْلَمِيُّ فَجَعَلَ رَجُلُ مِنَ الْخَوَارِجِ يَقُولُ اللَّهُمُ الْفَعَلُ بِهِٰذَا الشَّيْخِ فَلَمَّا انْصَرَفَ الشَّيْخُ قَالَ انِي المُو بَرُزَةَ الْاَسْلَمِيُّ فَجَعَلَ رَجُلُ مِنَ الْخَوَارِجِ يَقُولُ اللَّهُمُ الْفَعَلُ بِهِٰذَا الشَّيْخُ فَلَمَّا انْصَرَفَ الشَّيْخُ قَالَ انِي سَمُعْتُ قَوْلُكُمُ وَانِي عَزَواتٍ إِنَّ شَانِي وَشَهِدُتُ تَيُسيِدُرَهُ وَانِي اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْهُ اللهِ عَلَى اللهُ عَزَواتٍ إِنَّ كُنْتُ انْ الرَاجِعِ مَعَ دَابَّتِي المِّ اللهِ عَلَيْ مِنْ الْ الْعَالَ الْمُعَلِي اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَزَواتٍ إِنْ كُنْتُ انْ الرَاجِعِ مَعَ دَابَّتِي الْحَالِ اللهِ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَوْهَا فَيَشُولُ اللهِ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ ا

১১৩৮ আদম (র.)......আযরাক ইব্ন কায়স (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আমরা আহওয়ায শহরে হারুরী (খারিজী) সম্প্রদায়ের বিরুদ্ধে যুদ্ধরত ছিলাম। যখন আমরা নহরের তীরে ছিলাম তখন সেখানে এক ব্যক্তি এসে সালাত আদায় করতে লাগল আর তার বাহনের লাগাম তার হাতে রয়েছে। বাহনটি (ছুটে যাওয়ার জন্য) টানাটানি করতে লাগল, তিনিও তার অনুসরণ করতে লাগলেন। রাবী ত'বা (র.) বলেন, তিনি ছিলেন (সাহাবী) আবু বার্যাহ আসলামী (রা.)। এ অবস্থা দেখে এক খারিজী বলে উঠলো, ইয়া আল্লাহ্! এ বৃদ্ধকে কিছু করুন। বৃদ্ধ সালাত শেষ করে বললেন, আমি তোমাদের কথা তনেছি। আমি রাস্লুল্লাহ্ ক্রিক্রে এর সঙ্গে ছয়, সাত কিংবা আট যুদ্ধে অংশগ্রহণ করেছি এবং আমি তাঁর সহজীকরণ লক্ষ্য করেছি। আমার বাহনটির সাথে আগপিছ হওয়া বাহনটিকে তার চারণ ভূমিতে ছেড়ে দেওয়ার চাইতে আমার কাছে অধিক প্রিয়। কেননা, তাতে আমাকে কষ্টভোগ করতে হবে।

اللهِ النَّهُ مَنَا مُحَمَّدُ بُنُ مُقَاتِلٍ اَخْبَرَنَا عَبُدُ اللهِ اَخْبَرَنَا يُونُسُ عَنِ الزَّهْرِيِّ عَنْ عُرُوةَ قَالَ قَالَتُ عَائِشَةً خَسَفَتِ الشَّمْسُ فَقَامَ النَّبِيُّ عَلَيْكِمْ فَقَرَأَ سُوْرَةً طَوِيْلَةً ثُمَّ رَكَعَ فَأَطَالَ ثُمَّ رَفَعَ رَأْسَهُ ثُمَّ السَّتَفْتَحَ بِسُوْرَةٍ خَسَفَتِ الشَّمْسُ فَقَامَ النَّبِيُّ عَلَيْكِمْ فَقَرَأَ سُورَةً طَوِيْلَةً ثُمَّ رَكَعَ فَأَطَالَ ثُمَّ رَفَعَ رَأْسَهُ ثُمَّ السَّتَفَتَحَ بِسُورَةً لَوَيْكُمْ لَقَدْ رَأَيْتُ فَعَلَ ذَلِكَ فِي التَّانِيَةِ ثُمَّ قَالَ اِنَّهُمَا أَيْتَانِ مِنْ اَيَاتِ اللهِ فَاذِا رَأَيْتُهُ لَكُمْ لَقَدْ رَأَيْتُ أَنْ اللهِ فَاذِا رَأَيْتُهُ فَعَلَ ذَلِكَ فِي التَّانِيَةِ ثُمَّ قَالَ النَّهُمَّا أَيْتَانِ مِنْ اَيَاتِ اللهِ فَاذِا رَأَيْتُهُ لَلْ اللهِ فَاذِا رَأَيْتُهُ لَا لَا لَيْ فَعَلَ ذَلِكَ فِي التَّانِيَةِ ثُمَّ قَالَ النَّهُمَّ الْيَتَانِ مِنْ اَيَاتِ اللهِ فَاذِا رَأَيْتُهُ لَا لَكُلُّ شَيْ وُعِرْتُهُ حَتَّى لَقَدْ رَأَيْتُ الرَيْدُ الْ اللهِ فَاذِا كُلُّ شَيْ وُعِرْتُهُ حَتَّى لَقَدْ رَأَيْتُ الرَيْدُ الْ اللهِ فَاذِا كُلُ شَيْ وُعِرْتُهُ حَتَّى لَقَدْ رَأَيْتُ الرَيْدُ الْ اللهِ فَاذِا كُلُّ شَيْ وُعِرْتُهُ حَتَّى لَقَدْ رَأَيْتُ الْوَلَالَ اللهِ فَاذِا كُلُ شَيْ وُعِرْتُهُ حَتَّى لَقَدْ رَأَيْتُ الْكُوالِ اللهِ اللهُ اللهِ اللهِ اللهُ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ اللهُ

قَطْفًا مِنَ الْجَنَّةِ حِيْنَ رَأَيْتُمُونِي جَعَلْتُ اتَقَدَّمُ وَلَقَدُ رَأَيْتُ جَهَنَّمَ يَحُطِمُ بَعْضَهُا بَعْضَا حِيْنَ رَأَيْتُمُونِي قَطُفًا مِنَ الْجَنَّةِ حِيْنَ رَأَيْتُمُونِي وَهُوَ الَّذِي سَيِّبَ السَّوَائِبَ .

১১৩৯ মুহামদ ইব্ন মুকাতিল (র.)......আয়িশা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, একবার সূর্যগ্রহণ হলো। রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্রে (সালাতে) দাঁড়ালেন এবং দীর্ঘ সূরা পাঠ করলেন, এরপর রুক্' করলেন। আর তা দীর্ঘ করলেন। তারপর রুক্' থেকে মাথা তুলেন এবং অন্য একটি সূরা পাঠ করতে শুরু করলেন। পরে রক্' সমাপ্ত করে সিজ্দা করলেন। দিতীয় রাকা আতেও এরপ করলেন। তারপর বললেন ঃ এ দু'টি (চন্দ্রগ্রহণ ও সূর্যগ্রহণ) আল্লাহ্র নিদর্শনসমূহের অন্যতম। তোমরা তা দেখলে গ্রহণ মুক্ত না হওয়া পর্যন্ত সালাত আদায় করবে। আমি আমার এ স্থানে দাঁড়িয়ে, আমাকে যা ওয়াদা করা হয়েছে তা সবই দেখতে পেয়েছি। এমন কি যখন তোমরা আমাকে সামনে এগিয়ে যেতে দেখেছিলে তখন আমি দেখলাম যে, জানাতের একটি (আংগুর) গুচ্ছ নেওয়ার ইচ্ছা করছি। আর যখন তোমরা আমাকে পিছনে সরে আসতে দেখেছিলে আমি দেখলাম সেখনে আমর ইব্ন লুহাইকে যে সায়িবাহণ প্রথা প্রবর্তন করেছিল।

٧٦٨. بَابُ مَا يَجُوْزُ مِنَ البُصَاقِ وَالنَّفْخِ فِي الصَّلاَةِ وَيُذْكُرُ عَنْ عَبْدِ اللهِ بْنِ عَمْرِو نَفَخَ النَّبِي النَّبِي النَّهِ فِي الصَّلاَةِ وَيُذْكُرُ عَنْ عَبْدِ اللهِ بْنِ عَمْرِو نَفَخَ النَّبِي النَّهِ اللهِ اللهِ بَنِ عَمْرُو نَفَخَ النَّبِي النَّهِ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهِ

৭৬৮. অনুচ্ছেদঃ সালাতে থাকাবস্থায় থু থু ফেলা ও ফুঁ দেওয়া। আবদুল্লাহ্ ইব্ন আম্র রো.) থেকে বর্ণিত, নবী করীম ক্লিট্র সূর্য গ্রহণের সালাতের সিজ্দার সময় ফুঁ দিয়েছিলেন।

النَّبِيُّ عَنْ اللهُ عَنْهُمَا ان اللهُ قَبِلَ احَدِكُمْ فَاذِا كَانَ النَّبِيُ عَنِيْلِ رَأَى نُخَامَةً فِي قَبُلَ الْمَسْجِدِ فَتَغَيَّظَ عَلَى اهْلِ الْمَسْجِدِ وَقَالَ انْ اللهُ قَبِلَ احَدِكُمْ فَاذِا كَانَ فِي صَلَاتِهِ فَلاَ يَبُ رُقَنَ اوْ قَالَ لاَ يَتَنَخَّعَنَّ ثُمُّ نَزَلَ فَحَتَّهَا بِيَدِهِ وَقَالَ ابْنُ عُمَرَ رَضِي الله عَنْهُمَا اذِا بَرَقَ احَدُكُمْ فَلْيَبُرُقُ عَنْ يَسَارِه •

১১৪০ সুলাইমান ইব্ন হারব (র.)......ইব্ন উমর (রা.) থেকে বর্ণিত, নবী করীম সাজিদের কিব্লার দিকে নাকের শ্রেষা দেখতে পেয়ে মসজিদের লাকদের উপর রাগান্তিত হলেন এবং বললেন ঃ আল্লাহ্ পাক তোমাদের প্রত্যেকের সামনে রয়েছেন, কাজেই তোমাদের কেউ সালাতে থাকাকালে থুথু ফেলবে না বা রাবী বলেছেন, নাক ঝাড়বে না। একথা বলার পর তিনি (মিম্বর থেকে) নেমে এসে নিজের হাতে তা ঘষে ঘষে পরিষ্কার করলেন। এবং ইব্ন উমর (রা.) বলেন, তোমাদের কেউ যখন থু থু ফেলে তখন সে যেন তার বা দিকে ফেলে।

ك. ﴿السَّوَائِية বহুবচন, একবচনে السَّائِيَة অর্থ বিমুক্ত, পরিত্যক্ত, বাধনমুক্ত। জাহিলী যুগে দেব–দেবীর নামে উট ছেড়ে দেওয়ার কু–প্রথা ছিল। এসব উটের দুধ পান করা এবং তাকে বাহনরূপে ব্যবহার করা অবৈধ মনে করা হত।

النّبِيِّ عَلَيْهُ قَالَ انْ اَحَدَكُمْ اذَا كَانَ فِي صَلَاتِهِ فَانَّهُ يُنَاجِيُ رَبَّهُ فَلاَ يَبُزُقَنَّ بَيْنَ يَدَيهُ وَلاَ عَنْ يَميْنِهِ وَلَكِنْ اللهُ عَنْ يَميْنِهِ وَلَكِنْ عَنْ شَمَالِهِ تَحْتَ قَدَمِهِ الْيُسْرِي .

১১৪১ মুহাম্মদ (র.).....আনাস ইব্ন মালিক (রা.) থেকে বর্ণিত, নবী করীম ক্রিমির বৈলেছেন ঃ তোমাদের কেউ যখন সালাতে থাকে, তখন তো সে তার রবের সাথে নিবিড় আলাপে মশগুল থাকে। কাজেই সে যেন তার সামনে বা ডানে থু থু না ফেলে; তবে (প্রয়োজনে) বাঁ দিকে বা পায়ের নীচে ফেলবে।

٧٦٩. بَابُ مَنْ صَفَّقَ جَاهِلاً مِنَ الرِّجَالِ فِيْ صَلَاتِهِ لَمْ تَفْسُدُ صَلَاتُهُ فِيْهِ سِهَلُ بْنُ سَعْدٍ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهُ عَنْهُ عَنْ النَّبِيِّ سَهْلُ بْنُ سَعْدٍ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهُ عَنْ النَّبِيِّ عَلَيْهِ مِلَا لَهُ عَنْهُ عَنْ النَّبِيِّ عَلَيْهِ مِلَا لَهُ عَنْهُ عَنْ النَّبِي عَلَيْهِ

৭৬৯. অনুচ্ছেদ ঃ যে ব্যক্তি অজ্ঞতাবশত সালাতে হাততালি দেয় তার সালাত নষ্ট হয় না ।এ বিষয়ে সাহল ইব্ন সা'দ (রা.) সূত্রে নবী করীম ক্রিক্রি থেকে হাদীস বর্ণিত রয়েছে।

٧٧٠، بَابُ اِذَا قِيْلَ لِلْمُصلِّيُ تَقَدُّمْ أَوِ انْتَظِرْ فَانْتَظِرْ فَلاَ بَأْسَ

৭৭০. অনুচ্ছেদ ঃ মুসল্লীকে আগে বাড়তে অথবা অপেক্ষা করতে বলা হলে সে যদি অপেক্ষা করে তবে এতে দোষ নেই।

الله عَنْهُ قَالَ مَحَمَّدُ بَنُ كَثِيْرٍ اَخْبَرَنَا سَفْيَانُ عَنْ آبِيْ حَازِمٍ عَنْ سَهْلِ بَنِ سَعْدٍ رَضِيَ الله عَنْهُ قَالَ كَانَ النَّاسُ يُصَلَّوْنَ مَعَ النَّبِيِ عَلَيْ وَهُمْ عَاقِدُوْ أُزُرِهِمْ مِنَ الصِّغَرِ عَلَى رِقَابِهِمْ فَقَيْلَ لِلنِسَاءِ لاَتَرْفَعْنَ رُؤُسِكُنُ حَتَّى يَسْتَوِى الرَّجَالُ جُلُوسًا ٠

১১৪২ মুহাম্মদ ইব্ন কাসীর (র.).....সাহল ইব্ন সা'দ (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, সাহাবীগণ নবী করীম ক্রিট্র-এর সংগে সালাত আদায় করতেন এবং তাঁরা তাদের লুঙ্গি ছোট হওয়ার কারণে ঘাড়ের সাথে বেঁধে রাখতেন। তাই মহিলাগণকে বলা হল, পুরুষগণ সোজা হয়ে না বসা পর্যন্ত তোমরা (সিজ্দা থেকে) মাথা তুলবে না।

#### ٧٧١. بَابُ لاَ يَرُدُّ السَّلاَمَ فِي الصَّلاَةِ

৭৭১. অনুচ্ছেদ ঃ সালাতে সালামের জবাব দিবে না।

١١٤٣ حَدَّثَنَا عَبْدُ اللَّهِ بْنُ أَبِى شَيْبَةَ حَدَّثَنَا ابْنُ فُضِيْلٍ عَنِ الْأَعْمَشِ عَنْ ابْرَاهِيْمَ عَنْ عَلْقَمَةَ عَنْ عَبْدِ

الله قالَ كُنْتُ أُسلِم عَلَى النَّبِي عَلَيْ النَّبِي عَلَيْ الصَّلاةِ فَيَرُدُ عَلَى فَلَمَّا رَجَعُنَا سلَّمْتُ عَلَيْ فَلَمْ يَرُدُ عَلَى فَلَمَّا رَجَعُنَا سلَّمْتُ عَلَيْ فَلَمْ يَرُدُ عَلَى وَقَالَ انَّ فِي الصَّلاة شُغُلاً .

১১৪৩ আবদুল্লাহ্ ইব্ন আবৃ শায়বাহ্ (র.).....আবদুল্লাহ্ (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আমি নবী ক্রিটি -কে তাঁর সালাত রত অবস্থায় সালাম করতাম। তিনি আমাকে সালামের জওয়াব দিতেন। আমরা (আবিসিনিয়া থেকে) ফিরে এসে তাঁকে (সালাতরত অবস্থায়) সালাম করলাম। তিনি জওয়াব দিলেন না এবং পরে বললেন ঃ সালাতে অনেক ব্যস্ততা ও নিমগ্রতা রয়েছে।

اللهِ عَبْدِ اللهِ رَضِيَ اللهُ عَنْهُما قَالَ بَعَثَنِيْ رَسُولُ اللهِ عَلَيْكُ فِي حَاجَة لِهُ فَانْطَلَقْتُ ثُمَّ رَجَعْتُ وَقَدْ قَضَيْتُهَا فَاتَعْدِ اللهِ رَضِيَ اللهُ عَنْهُما قَالَ بَعَثَنِيْ رَسُولُ اللهِ عَلَيْكُ فِي حَاجَة لِهُ فَانْطَلَقْتُ ثُمَّ رَجَعْتُ وَقَدْ قَضَيْتُهَا فَاتَعْدَ اللهِ رَضِيَ اللهِ عَلَيْهُ فَلَمْ يَرُدُ عَلَى قَوْقَعَ فِي قَلْبِي مَا اللهِ اللهِ اللهِ عَلَيْهُ فَعَلَتُ فِي نَقْسِيْ لَعَلَّ وَمَا اللهِ عَلَيْهُ فَعَلَتُ فِي نَقْسِيْ لَعَلَّ رَسُولُ اللهِ عَلَيْهِ فَلَمْ يَرُدُ عَلَى أَنِي اَبْطَأَتُ عَلَيْهِ ثُمَّ سَلَّمْتُ عَلَيْهِ فَلَمْ يَرُدُ عَلَى فَوَقَعَ فِي قَلْبِي الشَّهُ مَنْ الْمَرَّةِ وَمَن الْمُرَّةِ وَلَا اللهِ عَلَيْهِ فَلَمْ يَرُدُ عَلَى اللهِ عَلَيْهِ اللهِ عَلَيْهِ فَلَمْ يَرُدُ عَلَى اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْهِ فَلَمْ يَرُدُ عَلَى اللهِ عَنْ اللهِ عَلَيْهُ فَعَلَا اللهِ عَلَيْهِ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَلَيْهُ عَلَى اللهِ عَنْ اللهُ عَنْ اللهِ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهُ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهِ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهِ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهِ عَنْ اللهُ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهُ عَنْ اللهِ عَنْ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَا اللهُ عَلَا اللهُ عَلَا اللهُ عَلَا اللهُ عَلْ اللهُ عَلَا اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَا اللهُ عَلَا اللهُ الله

১১৪৪ আবৃ মা মার (র.).....জাবির ইব্ন আবদুল্লাহ্ (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, রাসূলুল্লাহ্ তামাকে তাঁর একটি কাজে পাঠালেন, আমি গেলাম এবং কাজটি সেরে ফিরে এলাম। এরপর নবী ক্রিটি-কে সালাম করলাম। তিনি জওয়াব দিলেন না। এতে আমার মনে এমন খটকা লাগল যা আল্লাহ্ই ভাল জানেন। আমি মনে মনে বললাম, সম্ভবত আমি বিলম্বে আসার কারণে নবী ক্রিটি আমার উপর অসন্তুষ্ট হয়েছেন। আবার আমি তাঁকে সালাম করলাম; তিনি জওয়াব দিলেন না। ফলে আমার মনে প্রথম বারের চাইতেও অধিক খট্কা লাগল। (সালাত শেষে) আবার আমি তাঁকে সালাম করলাম। এবার তিনি সালামের জওয়াব দিলেন এবং বললেন ঃ সালাতে ছিলাম বলে তোমার সালামের জওয়াব দিতে পারিনি। তিনি তখন তাঁর বাহনের পিঠে কিব্লা থেকে ভিনুমুখী ছিলেন।

# ٧٧٢. بَابُ رَفِعِ الْآيْدِيْ فِي الصَّالَةِ لاَمْرِ يَنْزِلُ بِهِ

৭৭২. অনুচ্ছেদ ঃ কিছু ঘটলে সালাতে হাত তোলা।

اللهِ عَنْ اللهُ عَنْهُ أَنْ اللهِ عَرْبَنَ عَرْبَا عَبْدُ الْعَزِيْزِ عَنْ اَبِى حَازِمٍ عَنْ سَهْلِ بْنِ سَعْد رَضِيَ اللهُ عَنْهُ قَالَ بَلَغَ رَسُولَ اللهِ عَنْهُ أَنْ اللهِ عَنْهُ اللهِ عَنْهُمُ اللهِ عَنْهُمُ اللهِ عَنْهُمُ اللهِ عَنْهُمُ اللهِ عَنْهُمُ اللهِ عَنْهُمَ اللهِ عَنْهُمَ اللهِ عَنْهُمَا فَقَالَ يَا اَبَا بَكُر إِنْ فَحَبِسَ رَسُولُ اللهِ عَنْهُمَا فَقَالَ يَا اَبَا بَكُر إِنْ اللهُ عَنْهُمَا فَقَالَ يَا اَبَا بَكُر إِنْ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ عَنْهُمَا فَقَالَ يَا اَبَا بَكُر إِنْ اللهُ عَنْهُمَا فَقَالَ يَا اَبَا بَكُر إِنْ اللهُ عَنْهُمَا فَقَالَ يَا اَبَا بَكُو اللهُ اللهُ عَنْهُمَا فَقَالَ يَا اَبَا بَكُو اللهُ اللهُ عَنْهُمَا فَقَالَ يَا اللهُ عَنْهُمَا فَقَالَ يَا اللهُ عَنْهُمَا فَقَالَ يَا اللهُ عَنْهُمَا فَقَالَ يَا اللهُ عَلْهُ اللهُ عَنْهُمَا فَقَالَ يَا اللهُ اللهُ عَنْهُمَا فَقَالَ يَا اللهُ اللهُ عَلْهُ اللهُ عَلْهُ اللهُ عَنْهُمَا فَقَالَ يَا اللهُ عَنْهُمَا فَقَالَ يَا اللهُ اللهُ عَنْهُمَا فَقَالَ يَا اللهُ عَلْهُ اللهُ اللهُ عَلْهُ اللهُ اللهُ عَلْهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلْهُ اللهُ اللهُ عَلْهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلْهُ اللهُ ال

رَسُولُ اللهِ عَنِيَّةُ قَدْ حُبِسَ وَقَدْ حَانَتِ السَصَلَاةُ فَهَلُ لَكَ أَنْ تَوُمَّ السَنَّاسَ قَالَ نَعَمُ إِنْ شَيْتُتَ فَأَقَامَ بِلاَلُ الصَّلَاةَ وَتَقَدَّمَ اَبُو بَكُر رَضِيَ اللَّهُ عَنْهُ فَكَبَّرَ لِلنَّاسِ وَجَاءَ رَسُولُ اللّهِ عَلَيْهُ يَكُم مِنْ التَّصْفِيقِ فِي الصَّفُوفِ يَشُقُهَا شَقًا حَتَّى قَامَ فِي الصَّفْقِ فَالَ وَكَانَ اَبُو شَقًا حَتَّى قَامَ فِي الصَّفْقِ عَلَا التَّصُفِيعَ عَلَا التَّصُفِيعَ عَلَا التَّصُفِيعَ عَالَ سَهَلُ التَّصُفِيعَ عَلَ اللهِ عَلَيْهُ فَاسَارَ اللّهِ يَأْمُرُهُ بَكُر رَضِيَ اللهُ عَنْهُ يَدَهُ فَمَا اكْثَرَ النَّاسُ الْتَقَتَ فَاذِا رَسُولُ اللهِ عَلَيْهُ فَاشَارَ اللّهِ يَأْمُرُهُ وَتَعَيّمُ اللهُ عَنْهُ لَا يَلْتَفِتُ فِي صَلَاتِهِ فَلَمَّا اللهُ ثُمْ رَجَعَ الْقَهْسَقِرَى وَرَاءَ هُ حَتَّى قَامَ فِي الصَفْ وَتَقَدَّمَ رَسُولُ اللهِ عَنْهُ اللهِ عَلَيْهُ النَّاسِ فَقَالَ يَا أَيُّهَا النَّاسُ مَالُكُمْ حَيْنَ نَابَكُمُ وَيَعَ الصَّفِ مَنْ فَي الصَفْ اللهِ عَنْهُ فِي الصَّفِ اللهِ عَلَيْهُ اللهِ عَلَى النَّاسِ فَقَالَ يَا أَيُّهَا النَّاسُ مَالُكُمْ حَيْنَ نَابَكُمْ مَثِي الْمَلْ اللهِ عَنْهُ فِي الصَفْ اللهِ عَلَى اللهُ اللهِ عَلَى السَّفِ اللهُ اللهِ عَلَيْهُ اللهُ عَلَى النَّاسِ فَقَالَ يَا الْهُ عَنْهُ فِي الصَفْ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهِ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهِ عَلَى النَّاسِ حَيْنَ السَّولُ اللهِ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ اللهِ عَلَى اللهُ اللهِ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَنْهُ وَاللهَ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَى النَّهُ عَلَى اللهُ اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ

১১৪৫ কুতাইবা (র.).....সাহল ইব্ন সা'দ (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্র-এর কাছে এ সংবাদ পৌছল যে, কুবায় বনূ আমর ইব্ন আওফ গোত্রে কোন ব্যাপার ঘটেছে। তাদের মধ্যে মীমাংসার উদ্দেশ্যে তিনি কয়েকজন সাহাবীসহ বেরিয়ে গেলেন। রাসূলুল্লাহ্ 🚟 সেখানে কর্মব্যস্ত হয়ে পড়েন। ইতিমধ্যে সালাতের সময় হয়ে গেল। বিলাল (রা.) আবূ বকর (রা.)-এর কাছে এসে বললেন, হে আবু বকর! রাস্লুল্লাহ্ 🎞 কর্মব্যস্ত র য়েছেন। এদিকে সালাতের সময় উপস্থিত। আপনি কি লোকদের ইমামতী করবেন ? তিনি বললেন, হাঁ, যদি তুমি চাও। তখন বিলাল (রা.) সালাতের ইকামত বললেন এবং আবূ বক্র (রা.) এগিয়ে গেলেন এবং তাক্বীর বললেন। তখন রাসূলুল্লাহ্ 🚟 তাশরীফ আনলেন এবং কাতার ফাঁক করে সামনে এগিয়ে গিয়ে কাতারে দাঁড়ালেন। মুসল্লীগণ তখন তাস্ফীহ্ করতে লাগলেন। সাহল (রা.) বলেন, তাস্ফীহ্ মানে তাস্ফীক ( হাতে তালি দেওয়া ) তিনি আরো বললেন, আবু বকর (রা.) সালাতে এদিক সেদিক তাকাতেন না। মুসল্লীগণ বেশী (হাত চাপড়াতে শুরু) করলে, তিনি লক্ষ্য করে রাসূলুল্লাহ্ 🎎 -কে দেখতে পেলেন। তিনি তাঁকে ইশারায় সালাত আদায় করার আদেশ দিলেন। তখন আবূ বকর (রা.) তাঁর দু'হাত তুললেন এবং আল্লাহ্র হাম্দ বর্ণনা করলেন। তারপর পিছু হেঁটে পিছনে চলে এসে কাতারে দাঁড়ালেন। আর রাসূলুল্লাহ্ 🎏 সামনে এগিয়ে গেলেন এবং মুসল্লীগণকে নিয়ে সালাত আদায় করলেন। সালাত শেষ করে তিনি মুসল্লীগণের দিকে মুখ করে বললেন ঃ হে লোক সকল! তোমাদের কি হয়েছে ? সালাতে কোন ব্যাপার ঘটলে তোমরা হাত চাপড়াতে শুরু কর কেন ? হাত চাপড়ানো তো মেয়েদের জন্য। সালাতে রত অবস্থায় কারো কিছু ঘটলে পুরুষরা সুব্হানল্লাহ্ বলবে। তারপর তিনি আবূ বকর (রা.)-এর দিকে লক্ষ্য করে তাঁকে জিজ্ঞাসা করলেন, হে আবৃ বকর! তোমাকে আমি ইশারা করা সত্ত্বেও কিসে তোমাকে সালাত আদায়ে বাধা দিল ? আবু বক্র (রা.) বললেন, রাসূলুল্লাহ্ ক্রিট্র -এর সামনে দাঁড়িয়ে সালাত আদায় করা ইব্ন আবু কুহাফার জন্য সংগত নয়।

#### ٧٧٣. بَابُ الْخَصْرِ فِي الصَّلاَةِ

৭৭৩. অনুচ্ছেদঃ সালাতে কোমরে হাত রাখা।

١١٤٦ حَدَّثَنَا اَبُو النُّعْمَانِ حَدَّثَنَا حَمَّادٌ عَنْ اَيُّوْبَ عَنْ مُحَمَّدٍ عَنْ اَبِي هُرَيْرَةَ رَضِيَ اللهُ عَنْهُ قَالَ نُهِي

عَنِ الْخَصْرِ فِي الصَّلاَةِ وَقَالَ هِشَامُ وَابُقُ هِلاَل عَنِ ابْنِ سِيْرِيْنَ عَنْ ابِي هُرَيْرَةَ عَنِ النَّبِيِّ عَلِيًّا

১১৪৬ আবৃ নু'মান (র.)......আবৃ হুরায়রা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, সালাতে কোমরে হাত রাখা নিষেধ করা হয়েছে। হিশাম ও আবৃ হিলাল (র.) ইব্ন সীরীন (র.)-এর মাধ্যমে আবৃ হুরায়রা (রা.) সূত্রে নবী করীম ব্রামার থেকে বর্ণনা করেছেন।

١١٤٧ حَدَّثَنَا عَمْرُو بْنُ عَلِي حَدَّثَنَا يَحْيِي حَدَّثَنَا هِشِامٌ حَدَّثَنَا مُحَمَّدٌ عَنْ آبِي هُرَيْرَةَ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهُ قَالَ نُهِيَ آنْ يُصلِّى الرَّجُلُ مُخْتَصِرًا .

১১৪৭ আমর ইব্ন আলী (র.)......আবৃ হুব্রায়রা (র.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, কোমরে হাত রেখে সালাত আদায় করতে লোকদের নিষেধ করা হয়েছে।

٧٧٤. بَابُ تَفَكَّرِ الرَّجُلِ الشَّيُّ فِي الصَّلاَةِ، وَقَالَ عُمَرَرَضِيَ اللَّهُ عَنْهُ اِنِّي لَاُجَهِرُ جَيْشِيُ وَاَنَا فِي الصَّلاَةِ وَاللَّهُ عَنْهُ اِنِّي لَاُجَهِرُ جَيْشِيُ وَاَنَا فِي الصَّلاَةِ ٩٩٤. هم ٩٩٤. هم ١ عمر ١ عمر

সালাতের মধ্যে আমার সেনাবাহিনী বিন্যাসের চিন্তা করে থাকি।<sup>২</sup>

الله المنطقة المنطقة

১১৪৮ ইস্হাক ইব্ন মান্সূর (র.)......উকবা ইব্ন হারিস (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আমি নবী করীম —এর সঙ্গে আসরের সালাত আদায় করলাম। সালাম করেই তিনি দ্রুত উঠে তাঁর কোন

১. আবৃ কুহাফা, আবৃ বকর (রা.)-এর পিতা।

২. জিহাদ এবং আখিরাতের কাজ বিধায় বিশেষ পরিস্থিতিতে হযরত উমর (রা.) সালাতে এরূপ চিন্তা করেছেন।

এক সহধর্মিণীর কাছে গেলেন, এরপর বেরিয়ে এলেন। তাঁর দ্রুত যাওয়া আসার ফলে (উপস্থিত) সাহাবীগণের চেহারায় বিশ্বয়ের আভাস দেখে তিনি বললেনঃ সালাতে আমার কাছে রাখা একটি সোনার টুক্রার কথা আমার মনে পড়ে গেল। সন্ধ্যায় বা রাতে তা আমার কাছে থাকবে আমি এটা অপসন্দ করলাম। তাই, তা বন্টন করে দেওয়ার নির্দেশ দিয়ে ছিলাম।

11٤٩ حَدَّثَنَا يَحْيَى بْنُ بُكَيْرٍ حَدَّثَنَا اللَّيْثُ عَنْ جَعْفَرٍ عَنِ الْاَعْرَجِ قَالَ قَالَ اَبُوْ هُرَيْرَةَ رَضِي اللَّهُ عَنْهُ عَنْهُ اللَّهِ عَلَيْ اللَّهُ عَلَى اللّهُ عَنْهُ اللّهُ عَنْهُ اللّهُ عَنْهُ اللّهُ عَنْهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَنْهُ اللّهُ عَنْهُ اللّهُ عَنْهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَنْهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللللّهُ الللّهُ الل

১১৪৯ ইয়াহ্ইয়া ইব্ন বুকাইর (র.)......আবৃ হুরায়রা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, রাসূলুল্লাহ্
কল্লেন্দ্রবলেছেনঃ সালাতের আযান হলে শয়তান পিঠ ফিরিয়ে পালায় যাতে সে আযান শুনতে না পায়।
তখন তার পশ্চাদ−বায়্ নিঃসরণ হতে থাকে। মুআ্য্যিন আযান শেষে নিরব হলে সে আবার এগিয়ে
আসে। আবার ইকামত বলা হলে পালিয়ে যায়। মুআ্য্যিন (ইকামত) শেষ করলে এগিয়ে আসে। তখন
সে মুসল্লীকে বলতে থাকে, (ওটা) স্বরণ কর, যে বিষয় তার স্বরণে ছিল না শেষ পর্যন্ত সে কত
রাকা'আত সালাত আদায় করল তা মনে করতে পারে না। আবৃ সালামা ইব্ন আবদুর রহমান (র.)
বলেছেন, তোমাদের কেউ এরূপ অবস্থায় পড়লে (শেষ বৈঠকে) বসা অবস্থায় যেন দু'টি সিজ্দা করে।
একথা আবৃ সালামা (র.) আবৃ হুরায়রা (রা.) থেকে শুনেছেন।

اللهِ عَلَيْهُ الْبَارِحَةَ فِي الْعَتَمَةِ فَقَالَ لاَ آدُرِي فَقُلْتُ آلَمْ تَشْهَدُهَا قَالَ بَلَى قُلْتُ لِكِنِ آنَا آدُرِي قَرَأَ سُوْلُ كَذَا وَكُذَا .

১১৫০ মুহামদ ইবন মুসান্না (র.)......আবৃ হুরায়রা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আবৃ হুরায়রা (রা.) বেশী হাদীস বর্ণনা করেছে। এক ব্যক্তির সাথে সাক্ষাত হলে আমি জিজ্ঞাসা করলাম। রাস্লুল্লাহ্ গতরাতে ইশার সালাতে কোন সূরা পড়েছেন ? লোকটি বলল, আমি জানি না। আমি বললাম, কেন, তুমি কি সে সালাতে উপস্থিত ছিলে না ? সে বলল, হাঁ, ছিলাম। আমি বললাম, কিন্তু আমি জানি তিনি অমুক অমুক সূরা পড়েছেন।

# ٥٧٧، بَابُ مَا جَاءَ فِي السَّهُو إِذَا قَامَ مِنْ رَكُعَتَى الْفَرِيْضَةِ

٩٩৫. عَبِرُ عَبُدُ اللهِ بَنُ يُوسُفَ آخُبَرَنَا مَالِكُ بَنُ آنَس عَنِ ابْنِ شِهَابِ عَنْ عَبُدِ الرَّحُمٰنِ عَبُدِ اللهِ بَنْ يُوسُفَ آخُبَرَنَا مَالِكُ بَنُ آنَس عَنِ ابْنِ شِهَابِ عَنْ عَبْدِ الرَّحُمٰنِ عَبْدِ اللهِ بَنْ بُحَيْنَةً رَضِيَ اللهُ عَنْهُ آنَتُهُ قَالَ صَلَّى لَنَا رَسُولُ اللهِ عَلَيْتُهُ رَكَعَتَيْنِ مِنْ بَعْضِ الصَلُّوَاتِ ثُمَّ قَامَ فَلَمُ يَجُلِسُ فَقَامَ النَّاسُ مَعَهُ فَلَمًا قَضَى صَلَاتَهُ وَنَظَرُنَا تَسْلِيْ مَهُ كَبَّرَ قَبْلَ التَّسْلِيْمِ فَسَجَدَ سَجَدَدَتَيْنِ وَهُوَ جَالسُ ثُمَّ سَلَّمَ .

১১৫১ আবদুল্লাহ্ ইব্ন ইউসুফ (র.)......আবদুল্লাহ্ ইব্ন বুহায়না (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, কোন এক সালাতে রাসূলুল্লাহ্ ক্রিল দু'রাক 'আত আদায় করে না বসে দাঁড়িয়ে গেলেন। মুসল্লীগণ তাঁর সঙ্গে দাঁড়িয়ে গেলেন। যখন তাঁর সালাত সমাপ্ত করার সময় হলো এবং আমরা তাঁর সালাম ফিরানোর অপেক্ষা করছিলাম, তখন তিনি সালাম ফিরানোর আগে তাক্বীর বলে বসে বসেই দু'টি সিজ্দা করলেন। তারপর সালাম ফিরালেন।

اللهِ حَدَّثَنَا عَبْدُ اللهِ بَنُ يُوسُفَ اَخْبَرَنَا مَالِكُ عَنْ يَحْيَى بَنِ سَعَيْدٍ عَنْ عَبْدِ الرَّحْمَٰنِ الْاَعْرَجِ عَبْدِ اللهِ اللهِ عَنْدُ اللهِ عَنْدُو اللهِ اللهِ اللهِ عَنْدُو اللهِ اللهِ

১১৫২ আবদুল্লাহ্ ইব্ন ইউসুফ (র.).....আবদুল্লাহ্ ইব্ন বুহায়না (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, রাসূলুল্লাহ্ সুহুরের দু'রাকা'আত' আদায় করে দাঁড়িয়ে গেলেন। দু'রাকা আতের পর তিনি বসলেন না। সালাত শেষ হয়ে গেলে তিনি দু'টি সিজ্দা করলেন এবং এরপর সালাম ফিরালেন।

# ٧٧٦. بَابُ إِذَا مِسَلِّي خُمْسًا

৭৭৬. অনুচ্ছেদঃ সালাত পাঁচ রাকা আত আদায় করলে।

الله عَنْ عَلْمَ الله عَنْ الله عَنْ الله عَنْ الله عَنْ الله عَنْ الله عَنْ عَنْ عَلْمَ عَنْ عَبْدِ الله وَمَا ذَلِكَ قَالَ صَلَّيْتَ خَمْ سَا أَنْ رَسُولَ الله عَلَيْكُ مَا سَلَّم عَنْ عَلْمَ مَا سَلَّم عَنْ عَلَيْتَ خَمْ سَا فَقَيْلَ لَهُ ازِيْدَ فِي الصَّلاَةِ فَقَالَ وَمَا ذَلِكَ قَالَ صَلَّيْتَ خَمْ سَا فَقَيْلَ لَهُ ازِيْدَ فِي الصَّلاَةِ فَقَالَ وَمَا ذَلِكَ قَالَ صَلَّيْتَ خَمْ سَا فَقَيْلَ لَهُ ازِيْدَ فِي الصَّلاَةِ فَقَالَ وَمَا ذَلِكَ قَالَ صَلَّيْتَ خَمْ سَا الله عَلَيْتَ عَلَى الله عَلَيْتِ عَلَى الله عَلَيْتَ عَلَى الله عَلَيْتَ عَلَى الله عَلَيْتَ عَلَى الله عَلَيْتِ عَلَى الله عَلَيْتَ عَلَى الله عَلَيْتِ عَلَى الله عَلَيْتِ عَلَى الله عَلَيْتَ عَلَى الله عَلَيْتِ عَلَى الله عَلَيْتَ عَلَى الله عَلَيْتِ عَلَى الله عَلَيْتِ عَلَى الله عَلَيْتَ عَلَى الله عَلَيْتِ عَلَى الله عَلَيْتَ عَلَى الله عَلَيْتِ عَلَى الله عَلَى الله عَلَيْتِ عَلَى الله عَلَى الله عَلَيْتَ عَلَى الله عَلَيْكُ الله الله عَلَى الله عَلَى الله عَلَى الله عَلَيْتِ عَلَى الله عَلَى الله عَلَى الله الله عَلَى الله الله عَلَيْقَالَ عَلَى الله عَلَى الله عَلَيْتَ عَلَى الله عَلَى الله عَلَيْتِ عَلَى الله الله عَلَى الله عَلَى الله عَلَيْكُ عَلَى الله عَلَى

১১৫৩ আবুল ওয়ালীদ (র.).....আবদুল্লাহ্ (রা.) থেকে বর্ণিত, রাসূলুল্লাহ্ সুহ্রের সালাত পাঁচ বকা আত আদায় করলেন। তাঁকে জিজ্ঞাসা করা হল, সালাত কি বৃদ্ধি করা হয়েছে ? তিনি বললেন, এ

প্রশ্ন কেন ? (প্রশ্নকারী) বললেন, আপনি তো পাঁচ রাকা'আত সালাত আদায় করেছেন! অতএব তিনি সালাম ফিরানোর পর দু'টি সিজ্দা করলেন।

# ٧٧٧. بَابُ إِذَا سَلُّمَ فِيْ رَكُمَتَيْنِ أَوْفِيْ ثَلاَتْ فِسَجَدَ سَجْدَتَيْنِ مِثْلَ سُجُود الصَّلاَةِ أَوْ أَظُولَ

৭৭৭. অনুচ্ছেদ ঃ দ্বিতীয় বা তৃতীয় রাকা'আতে সালাম ফিরিয়ে নিলে সালাতের সিজ্দার ন্যায় তার চাইতে দীর্ঘ দু'টি সিজ্দা করা।

الله عَنْ الله الله الله الله الله عَنْ الله الله عَنْ الله عَنْ الله الله عَنْ الله الله عَنْ الله الله عَنْ الله عَنْ الله عَنْ الله عَنْ الله عَنْ الله عَنْ الله الله عَنْ الله عَنْ

১১৫৪ আদম (র.)......আবৃ হুরায়রা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী করীম আমাদের নিয়ে যুহর বা আসরের সালাত আদায় করলেন এবং সালাম ফিরালেন। তখন যুল-ইয়াদাইন (রা.) তাঁকে জিজ্ঞাসা করলেন, ইয়া রাসূলুল্লাহ্! সালাত কি কম হয়ে গেল ? নবী করীম তাঁর সাহাবীগণকে জিজ্ঞাসা করলেন, সে যা বলছে, তা কি ঠিক ? তাঁরা বললেন, হাঁ। তখন তিনি আরও দু' রাকা আত সালাত আদায় করলেন। পরে দু'টি সিজ্দা করলেন। সা'দ (রা.) বলেন, আমি উরওয়া ইব্ন যুবাইর (রা.)-কে দেখেছি, তিনি মাগরিবের দু' রাকা আত সালাত আদায় করে সালাম ফিরালেন এবং কথা বললেন। পরে অবশিষ্ট সালাত আদায় করে দু'টি সিজ্দা করলেন। এবং বললেন, নবী করীম করেপে করেছেন।

# ٧٧٨. بَابُ مَنْ لَمْ يَتَشَهُّدُ فِي سَجْدَتَى السَّهْوِ وَسَلَّمَ أَنْسُ وَالْحَسَنُ وَلَمْ يَتَشَهُّدَا وَقَالَ قَتَادَةُ لاَ يَتَشَهُّدُ

৭৭৮. অনুচ্ছেদ ঃ সিজ্দায়ে সহুর পর তাশাহ্রুদ না পড়লে। আনাস রো.) ও হাসান (বাসরী) (র.) সালাম ফিরিয়েছেন। কিন্তু তাশাহ্রুদ পড়েননি। কাতাদা (র.) বলেছেন, তাশাহ্রুদ পড়বে না।

آمَونَ عَبُدُ اللّٰهِ بَنُ يُوسُفَ اَخْبَرَنَا مَالِكُ ابْنُ اَنَسٍ عَنْ اَيُّوبَ بْنِ اَبِيْ تَمْيْمَةَ السَّخْتِيَانِيِّ عَنْ مُحَمَّد بْنِ سِيْرِينَ عَنْ اَبِي هُرَيْرَةَ رَضِي اللّٰهُ عَنْهُ اَنْ رَسُولَ اللّٰهِ عَلَيْهُ اَنْ مَسُولَ اللّٰهِ عَلَيْهُ اَنْ مَسُولَ اللّٰهِ عَلَيْهُ اَنْ مَسُولَ اللّٰهِ عَلَيْهُ اللّٰهُ عَلَيْهُ اللّٰهِ عَلَيْهُ اللّٰهِ عَلَيْهُ اللّٰهُ عَلْهُ اللّٰهِ عَلَيْهُ اللّٰهِ عَلَيْهُ اللّٰهِ عَلْهُ اللّٰهُ عَلَيْهُ اللّٰهُ عَلَيْهُ اللّٰهُ عَلَيْهُ اللّٰهِ عَلَيْهُ اللّٰهُ اللّٰهُ عَلَيْهُ اللّهُ عَلَيْهُ اللّٰهُ اللّٰهُ عَلَيْهُ اللّٰهُ اللّٰهُ عَلَيْهُ اللّٰهُ عَلَيْهُ اللّٰهُ الللّٰهُ اللّٰهُ اللّٰهُ اللّٰهُ الللّٰهُ اللّٰهُ اللّٰهُ اللّٰهُ اللّٰهُ اللّٰهُ

نَعَمْ فَقَامَ رَسُولُ اللَّهِ عَلِيُّ فَصِلِّى اثْنَتَيْنِ أَخْسَ يَيْنِ ثُمَّ سِلَّمَ ثُمَّ كَبَّرَ فَسَجَدَ مُثِلَ سُجُودِهِ أَوْ أَطُولَ ثُمَّ رَفَعَ •

১১৫৫ আবদুল্লাহ্ ইব্ন ইউসুফ (র.)......আবূ হুরায়রা (রা.) থেকে বর্ণিত, রাসূলুল্লাহ্ দুর্ণ রাকা'আত আদায় করে সালাত শেষ করলেন। যুল-ইয়াদাইন (রা.) তাঁকে জিজ্ঞাসা করলেন, ইয়া রাসূলাল্লাহ্! সালাত কি কম করে দেওয়ার হয়েছে, না কি আপনি ভুলে গেছেন ? রাসূলুল্লাহ্ জিজ্ঞাসা করলেন, যুল-ইয়াদাইন কি সত্য বলেছে ? মুসুল্লীগণ বললেন, হাঁ। তখন রাসূলুল্লাহ্ দাঁড়িয়ে আরও দুর্ণ রাকা'আত সালাত আদায় করলেন। তারপর তিনি সালাম ফিরালেন এবং তাক্বীর বললেন, পরে সিজদা করলেন, স্বাভাবিক সিজ্লার মতো বা তার চেয়ে দীর্ঘ। এরপর তিনি মাথা তুললেন।

١١٥٦ حَدِّثْنَا سُلَيْمَانُ بْنُ حَرْبِ حَدِّثْنَا حَمَّادُ عَنْ سَلَمَةَ بْنِ عَلْقَمَةَ قَالَ قُلْتُ لِمُحَمَّدٍ فِي سَجْدَتَى السَّهُو تَشْهَدُ قَالَ لَيْسَ فِي حَدِيْثِ أَبِي هُرِيْرَةً ٠

১১৫৬ সুলাইমান ইব্ন হারব (র.).....সালামা ইব্ন আলকামা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আমি মুহাম্মদ (ইবন সীরীন) (র.)-কে জিজ্ঞাসা করলাম, সিজ্দায়ে সহুর পর তাশাহ্হুদ আছে কি ? তিনি বললেন, আবৃ হুরায়রা (রা.)-এর হাদীসে তা নেই।

# ٧٧٩. بَابُ مَنْ يُكَبِّرُ فِيْ سَجْدَتَى السَّهُو

৭৭৯. অনুচ্ছেদ ঃ সিজ্দায়ে সহুতে তাক্বীর বলা।

الله عَنْهُ عَلَى النّبِيُّ عَنَا حَفْصُ بُنُ عُمْرَ حَدَّثَنَا يَزِيْدُ ابْنُ ابْرَاهِيْمَ عَنْ مُحَمَّدٍ عَنْ اَبِي هُرَيْرَةً رَضِيَ اللهُ عَنْهُ قَالَ صَلَّى النّبِيُّ عَلَيْهُ احْدَى صَلَاتِي الْعَشِيِّ قَالَ مُحَمَّدُ وَاكْتُرُ ظَنِّي الْعَصْرَ رَكْعَتَيْنِ ثُمَّ سَلَّمَ ثُمُّ قَامَ الله خَدْمُ النّبِيُّ عَلَيْهُم الله عَنْهُمَا فَهَابَا اَنْ يُكَلِّماهُ وَخَرَجَ خَشْبَةٍ فِي مُقَدَّم الْمَسْجِدِ فَوَضَعَ يَدَهُ عَلَيْهَا وَفِيْهِمْ ابُو بَكُر رَضِيَ اللّهُ عَنْهُمَا فَهَابَا اَنْ يُكَلِّماهُ وَخَرَجَ سَرَعَانُ النّاسِ فَقَالُوا اقصرت الصَّلاةُ وَرَجُلُ يَدْعُوهُ النّبِيُّ عَيْقِهُ ذُوالْيَدَيْنِ فَقَالَ انسَيْتَ اَمْ قُصرتَ الصَّلاةُ وَرَجُلُ يَدْعُوهُ النّبِيُّ عَيْقِهُ ذُوالْيَدَيْنِ فَقَالَ انسَيْتَ اَمْ قُصرتَ الصَّلاةُ وَرَجُلُ يَدْعُوهُ النّبِيُّ عَيْقِهُ ذُوالْيَدَيْنِ فَقَالَ انسَيْتَ اَمْ قُصرتَ الصَّلاة وَرَجُلُ يَدْعُوهُ النّبِيُّ عَيْقِهُ ذُوالْيَدَيْنِ فَقَالَ انسَيْتَ امْ قُصرتَ الصَّلاة وَرَجُلُ يَدْعُوهُ النّبِيُّ عَيْقَالُ اللّهِ عَدْ مَثِلَ سَتُجُودِهِ اَوْاَطُولَ ثُمْ اللهُ عُرُاللهُ وَلَا بَلَى قَدْ نَسِيْتَ فَصَلّى رَكْعَتَيْنَ ثُمَّ سَلّمَ ثُمَّ كُبُر فَسَجَدَ مَثْلَ سَتُجُودِهِ اَوْاطُولَ ثُمْ رَاسُهُ وَكُبْرَ وَسَعَ رَاسُهُ وَكُبْرَ فَسَجَدَ مَثْلُ سَجُوده اَوْ اطُولَ ثُمَّ رَقْعَ رَاسَهُ وَكُبْرَ وَسَعَ رَاسُهُ وَكُبْرَ فَسَجَدَ مَثْلُ سَجُوده اوْ اطُولَ ثُمَّ رَفَعَ رَاسَهُ وَكُبْرَ

১১৫৭ হাক্স ইব্ন উমর (র.)......আবৃ হুরায়রা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী ক্রিট্রিবিকালের কোন এক সালাত দু' রাকা আত আদায় করে সালাম ফিরালেন। মুহাম্মদ (র.) বলেন, আমার প্রবল ধারণা, তা ছিল আসরের সালাত। তারপর মসজিদের একটি কাষ্ঠ খন্ডের কাছে গিয়ে দাঁড়ালেন এবং উহার উপর হাত রাখলেন। মুসল্লীগণের ভিতরে সামনের দিকে আবৃ বকর (রা.) ও উমর (রা.) ও ছিলেন। তাঁরা উভয়ে তাঁর সাথে কথা বলতে ভয় পাচ্ছিলেন। তাড়াহুড়া-কারী মুসল্লীগণ বেরিয়ে পড়লেন। তাঁরা বলাবলি করতে লাগলেন, সালাত কি কমিয়ে দেয়া হয়েছে ? কিন্তু এক ব্যক্তি, যাঁকে নবী

বিদ্ধানী যুল ইয়াদাইন বলে ডাকতেন, জিজ্ঞাসা করলো আপনি কি ভুলে গেছেন, না কি সালাত কমিয়ে দেওয়া হয়েছে ? তিনি বললেন ঃ আমি ভুলিনি আর সালাতও কম করা হয়নি। তখন তিনি দু' রাকা'আত সালাত আদায় করে সালাম ফিরালেন। তারপর তাক্বীর বলে সিজ্দা করলেন, স্বাভাবিক সিজ্দার ন্যায় বা তার চেয়ে দীর্ঘ। তারপর মাথা উঠিয়ে আবার তাক্বীর বলে মাথা রাখলেন অর্থাৎ তাক্বীর বলে সিজ্দায় গিয়ে স্বাভাবিক সিজ্দার মত অথবা তার চাইতে দীর্ঘ সিজ্দা করলেন। এরপর মাথা উঠিয়ে তাক্বীর বললেন।

المَا حَدَّثَنَا قُتَيْبَةً بُنُ سَعِيْد حَدَّثَنَا لَيْثُ عَنِ ابْنِ شِهَابٍ عَنِ الْاَعْرَجِ عَنْ عَبْدِ اللهِ بْنِ بُحَيْنَةَ الْاَسْدِيِ حَلَيْهِ بِنِي عَبْدِ اللهِ بْنَ رَسُولَ اللهِ عَلَيْهُ عَنْ صَلاَةً الظُّهْرِ وَعَلَيْهِ جِلُوسُ فَلَمَّا اتَمَ صَلاَتَهُ سَجَدَ مَلِيَّةً وَعَلَيْهِ جَلُوسُ فَلَمَّا اتَمَ صَلاَتَهُ سَجَدَ مَن الْجُلُوسِ سَجْدَتَيْنِ فَكَبَّرَ فِي كُلِّ سَجْدَةٍ وَهُو جَالِسُ قَبْلَ اَنْ يُسلِّمَ وَسَجَدَهُمَا النَّاسُ مَعَهُ كَانَ مَانَسِيَ مِنَ الْجُلُوسِ تَابَعَهُ ابْنُ جُرَيْجِ عَن ابْن شَهَابٍ فِي التَّكْبِيرُ .

১১৫৮ কুতাইবা ইব্ন সা'য়ীদ (র.)......আবদুল্লাহ্ ইব্ন বুহাইনা আসাদী (রা.) যিনি বনূ আবদুল মুক্তালিবের সঙ্গে মৈত্রী চুক্তিবদ্ধ ছিলেন তাঁর থেকে বর্ণিত, রাসূলুল্লাহ্ ক্রিট্রে যুহ্রের সালাতে (দু' রাকা'আত আদায় করার পর) না বসে দাঁড়িয়ে গেলেন। সালাত পূর্ণ করার পর সালাম ফিরাবার আগে তিনি বসা অবস্থায় ভুলে যাওয়া বৈঠকের স্থলে দু'টি সিজ্দা সম্পূর্ণ করলেন, প্রতি সিজ্দায় তাক্বীর বললেন। মুসল্লীগণও তাঁর সঙ্গে এ দু'টি সিজ্দা করল। ইব্ন শিহাব (র.) থেকে তাক্বীরের কথা বর্ণনায় ইব্ন জুরাইজ (র.) লায়স (র.)-এর অনুসরণ করেছেন।

# ٧٨٠. بَابُ إِذَا لَمْ يَدْرِي كُمْ صَلِّى ثَلَاثًا أَنْ آرْبَعًا سَجَدَ سَجْدَتَيْنِ وَهُوَ جَالِسُ

৭৮০. অনুচ্ছেদঃ সালাত তিন রাকা'আত আদায় করা হল না কি চার রাকা'আত, তা মনে করতে না পারলে বসা অবস্থায় দু'টি সিজ্দা করা।

10٩ حَدَّثَنَا مُعَاذُبُنُ فَضَالَةَ حَدَّثَنَاهِشَامُ ابْنُ اَبِي عَبْدِ اللهِ الدَّسْتَوَائُ عَنْ يَحْيِٰى بْنِ اَبِي كَثِيْرِ عَنْ اَبِي سَلَمَةَ عَنْ اَبِي هُرَيْرَةَ رَضِيَ اللهُ عَنْهُ قَالَ قَالَ رَسُولُ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَنْهُ اللهِ عَنْهُ قَالَ قَالَ رَسُولُ اللهِ عَلَيْهُ اذَا نُودِيَ بِالصَّلاَةِ اَدْبَرَ الشَّيْطَانُ وَلَهُ ضَرَاطُ حَتَّى لاَ يَسْمَعَ الْاَذَانَ فَاذَا قُضِيَ الْاَذَانُ اَقْبَلَ فَاذَا ثُوبِ بِهَا اَدْبَرَ فَاذَا قُضِيَ التَّثُويِبُ اَقْبَلَ حَتَّى فَاذَا خُوبِ بِهَا اَدْبَرَ فَاذَا قُضِيَ التَّثُويِبُ اَقْبَلَ حَتَّى نَظُرَ اللهِ عَنْهُ اللهِ عَلْمُ اللهِ عَنْهُ اللهِ عَنْهُ اللهِ عَنْهُ اللهِ عَنْهُ اللهِ عَنْهُ اللهِ عَنْهُ اللهُ اللهُ عَنْهُ اللهُ عَنْهُ اللهُ عَنْهُ اللهُ عَنْهُ اللهُ عَنْهُ اللهُ عَنْهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَنْهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَنْهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ اللهُ

১১৫৯ মু'আয ইব্ন ফাযালা (র.).....আবূ হুরায়রা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, রাসূলুল্লাহ্ বলেছেন ঃ যখন সালাতের জন্য আযান দেওয়া হয়, তখন শয়তান পিঠ ফিরিয়ে পালায় যাতে আযান

তনতে না পায় আর তার পশ্চাদ-বায়ূ সশব্দে নির্গত হতে থাকে। আযান শেষ হয়ে গেলে সে এগিয়ে আসে। আবার সালাতের জন্য ইকামত দেওয়া হলে সে পিঠ ফিরিয়ে পালায়। ইকামত শেষ হয়ে গেলে আবার ফিরে আসে। এমন কি সে সালাত রত ব্যক্তির মনে ওয়াস্ওয়াসা সৃষ্টি করে এবং বলতে থাকে, অমুক অমুক বিষয় স্মরণ কর, যা তার স্মরণে ছিল না। এভাবে সে ব্যক্তি কত রাকা আত সালাত আদায় করেছে তা স্মরণ করতে পারে না। তাই, তোমাদের কেউ তিন রাকা আত বা চার রাকা আত সালাত আদায় করেছে, তা মনে রাখতে না পারলে বসা অবস্থায় দু'টি সিজ্দা করবে।

# ٧٨١. بَابُ السُّهُوهِي الْفَرْضِ وَالتَّطَوُّعِ وَسَجَدَ ابْنُ عَبَّاسٍ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهُمَا سَجَدَتَيْنِ بَفْدَ وِثُرِهِ

৭৮১. অনুচ্ছেদ ঃ ফর্য ও নফল সালাতে ভুল হলে। ইব্ন আব্বাস (রা.) বিত্রের পর দু'টি সিজ্দা (সহু) করেছেন।

ابِى هُرَيْرَةَ رَضِيَ اللهُ عَنْهُ أَنَّ رَسُولَ اللهِ عَلَيْهُ قَالَ انْ أَحَدَكُمْ إِنْ شِهَابٍ عَنْ آبِي سَلَمَةَ بْنِ عَبْدِ الرَّحْمُنِ عَنْ آبِي سَلَمَةَ بْنِ عَبْدِ الرَّحْمُنِ عَنْ آبِي هُرَيْرَةَ رَضِيَ اللهُ عَنْهُ أَنَّ رَسُولَ اللهِ عَلِيهِ قَالَ انْ أَحَدَكُمْ إِذَا قَامَ يُصلِّي جَاءَ الشَّيْطَانُ فَلَبسَ عَلَيهِ حَتَى لاَ يَدْرَى كُمْ صلِّى فَاذَا وَجَدَ ذَٰلِكَ آحَدُكُمْ فَلَيسَجُدُ سَجُدَتَيْنَ وَهُوَ جَالِسُ •

১১৬০ আবদুল্লাহ্ ইব্ন ইউসুফ (র.).....আবৃ হুরায়রা (রা.) থেকে বর্ণিত, রাসূলুল্লাহ্ বলেছেন ঃ তোমাদের কেউ সালাতে দাঁড়ালে শয়তান এসে তাকে সন্দেহে ফেলে, এমনকি সে বুঝতে পারে না যে, সে কত রাকা আত সালাত আদায় করেছে। তোমাদের কারো এ অবস্থা হলে সে যেন বসা অবস্থায় দু'টি সিজ্দা করে।

#### ٧٨٢. بَابُ إِذَا كُلِّمَ وَهُو يُصلِّي فَاصْلَى فَاصْلَا بِيدِهِ وَاسْتَمْعَ

৭৮২. অনুচ্ছেদ ঃ সালাতে থাকা অবস্থায় কেউ তার সংগে কথা বললে এবং তা শুনে যদি সে হাত দিয়ে ইশারা করে।

الْكُ تُصلِينَهُما وَقَدُ بِلَغَنَا أَنَّ النَّبِيَ عَلَيْها فَقَالَ كُرِيْبُ فَلَى عَنْها وَقَالَ ابْنُ عَنْها فَقَالَ عَنْها فَبَلَقْهُ الله عَنْها فَبَلَقْهُ الله عَنْها فَقَالَ أَنْ الله عَنْها فَقَالَ الله عَنْها الله عَنْها فَقَالَ كُريْبُ فَدَخَلْتُ عَلَى عَائِشة رَضِي الله عَنْها فَبَلَقْتُها مَا السَّلام مِنَّا جَمِيْعا وَسَلْها عَنِ الرَّكُعَتَيْنِ بَعْدَ صَلاَة الْعَصْرِ وَقُلُ لَهَا النَّا الْكُبَرُنَا الله عَنْها وَسَلَها عَنِ الرَّكُعَتَيْنِ بَعْدَ صَلاَة الْعَصْرِ وَقُلُ لَهَا النَّا الْكُبَرُنَا الله عَنْها وَسَلَها عَنِ الرَّكُعَتَيْنِ بَعْدَ صَلاَة الْعَصْرِ وَقُلُ لَهَا النَّاسَ مَعَ عُمَرَ بُنِ الله عَنْها وَقَدُ بُلَغَنَا أَنَّ النَّيْ عَلَيْها عَنْها وَقَالَ البَّهُ عَنْها فَبَلَقْتُها مَا ارْسَلُونِي فَقَالَتُ الْمُعَامِلُ وَقَالَ كُرَيْبُ فَدَخَلْتُ عَلَى عَائِشَة رُضِي الله عَنْها فَبَلَقْتُها مَا ارْسَلُونِي فَقَالَتُ

سَلُ أُمَّ سَلَمَةَ فَخَرَجْتُ الِيَهِمْ فَاخْ بَرْتُهُمْ بِقُولِهَا فَرَدُّونِي الله مَّ سَلَمَةَ بِمِثَلِ مَا اَرْسَلُونِيْ بِهِ اِلَى عَائِشَةَ رَضِيَ الله عَنْهَا سَمِعْتُ النَّبِيَّ عَلَيْهُ يَنْهَى عَنْهَا ثُمَّ رَأَيْتُهُ يُصلِّيْهِمَا حَيْنَ صَلَّى الله عَنْهَا فَقَالَتُ المَّ سَلَمَةَ رَضِيَ الله عَنْهَا سَمِعْتُ النَّبِيَّ عَلَيْهُ يَنْهَى عَنْهَا ثُمَّ رَأَيْتُهُ يُصلِّيْهِمَا حَيْنَ صَلَّى الْعَصْرَ ثُمَّ دَخَلَ وَعِنْدِي نِسُوّةُ مِنْ بَنِي حَرَامٍ مِنَ الْانْصَارِ فَارْسَلْتُ اللهِ الْجَارِيَّة فَقُلْتُ قُومِي بِجَنْبِهِ قُولِي لَهُ تَقُولُ لَكَ أُمُّ سَلَمَةَ يَا رَسُولَ الله سَمِعْتَ الله عَنْ هَاتَيْنِ وَارَاكَ تُصلِّيْ فَقَالَتُ الْجَارِيَةُ فَاشَارَ بِيدِهِ فَاسْتَأْخَرَتُ عَنْهُ فَلَمًّا انْصَرَفَ قَالَ يَا بِثِتَ ابِي الْمَارِيةِ الْعَلَى الطَّهْرِ فَاسْتَأْخَرَتُ عَنْهُ فَلَمًّا انْصَرَفَ قَالَ يَا بِثَتَ ابِي الْمَعْتَى الطَّهُمِ عَنْ الرَّكُعَتَيْنِ بِعُدَ الطَّهْرِ عَنْ الرَّكُعَتَيْنِ بِعُدَ الْطَهْرِ وَانِّهُ اتَانِي نَاسُ مِنْ عَبْدِ الْقَيْسِ فَشَغَلُونِي عَنِ الرَّكُعَتَيْنِ اللَّتَيْنِ بَعُدَ الظَّهْرِ فَهُمَا هَاتَان .

১১৬১ ইয়াহ্ইয়া ইব্ন সুলাইমান (র.).....কুরাইব (র.) থেকে বর্ণিত, ইব্ন আব্বাস, মিসওয়ার ইবৃন মাখরামা এবং আবদুর রহমান ইবৃন আযহার (রা.) তাঁকে আয়িশা (রা.)-এর কাছে পাঠালেন এবং বলে দিলেন, তাঁকে আমাদের সকলের তরফ থেকে সালাম পৌছিয়ে আসরের পরের দু' রাকা'আত সালাত সম্পর্কে জিজ্ঞাসা করবে। তাঁকে একথাও বলবে যে, আমরা খবর পেয়েছি যে, আপনি সে দু' রাকা'আত আদায় করেন, অথচ আমাদের কাছে পৌছেছে যে, নবী করীম 🚟 সে দু' রাকা'আত আদায় করতে নিষেধ করেছেন। ইব্ন আব্বাস (রা.) সংবাদ আরও বললেন যে, আমি উমর ইব্ন খাতাব (রা.)-এর সাথে এ সালাতের কারণে লোকদের মারধোর করতাম। কুরাইব (র.) বলেন, আমি আয়িশা (রা.)-এর কাছে গিয়ে তাঁকে তাঁদের পয়গাম পৌছিয়ে দিলাম। তিনি বললেন, উদ্মে সালামা (রা.)-কে জিজ্ঞাসা কর। (কুরাইব (র.) বলেন) আমি সেখান থেকে বের হয়ে তাঁদের কাছে গেলাম এবং তাঁদেরকৈ আয়িশা (রা.)-এর কথা জানালাম। তখন তাঁরা আমাকে আয়িশা (রা.)-এর কাছে যে বিষয় নিয়ে পাঠিয়েছিলেন, তা নিয়ে পুনরায় উম্মে সালামা (রা.)-এর কাছে পাঠ।লেন। উম্মে সালামা (রা.) বললেন, আমিও নবী করীম 🚟 কে তা নিষেধ করতে শুনেছি। অথচ তারপর তাঁকে তা আদায় করতেও দেখেছি। একদিন তিনি আসরের সালাতের পর আমার ঘরে তাশরীফ আনলেন। তখন আমার কাছে বনু হারাম গোত্তের আনসারী কয়েকজন মহিলা উপস্থিত ছিলেন। আমি বাঁদীকে এ বলে তাঁর কাছে পাঠালাম যে, তাঁর পাশে গিয়ে দাঁড়িয়ে তাঁকে বলবে, উম্মে সালামা (রা.) আপনার কাছে জানতে চেয়েছেন, আপনাকে (আসরের পর সালাতের) দু' রাকা'আত নিষেধ করতে শুনেছি; অথচ দেখছি, আপনি তা আদায় করছেন ? যদি তিনি হাত দিয়ে ইশারা করেন, তাহলে পিছনে সরে থাকবে, বাঁদী তা-ই করল। তিনি ইশারা করলেন, সে পিছনে সরে থাকল। সালাত শেষ করে তিনি বললেন, হে আবূ উমায়্যার কন্যা! আসরের পরের দু' রাকা'আত সালাত সম্পর্কে তুমি আমাকে জিজ্ঞাসা করেছ। আবদুল কায়স গোত্রের কিছু লোক আমার কাছে এসেছিল। তাদের কারণে যুহ্রের পরের দু' রাকা'আত আদায় করা থেকে ব্যস্ত হয়ে পড়েছিলাম। এ দু' রাকা আত সে দু' রাকা আত ।<sup>১</sup>

১. ঘটনাটি একবারের হলেও নবী ক্রিট্রেই –এর বৈশিষ্ট্যের কারণে তা নিয়মিত সালাতে পরিণত হয়। কারণ, নবী

٧٨٣. بَابُ الْإِشَارَةِ فِي الْصِلْلَةِ قَالَهُ كُرِيْبُ عَنْ أُمُّ سَلَمَةٌ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهَا عَنِ النَّبِيُ عَلَيْهُ الْعَلَى ١٠٥٠. بَابُ الْإِشَارَةِ فِي الْصِلْلَةِ قَالَهُ كُرِيْبُ عَنْ أُمُّ سَلَمَةٌ رَضِي اللَّهُ عَنْهَا عَنِ النَّبِيُ عَلَيْكَ ١٩٥٥. هم ١٩٥٥. هم ١٩٥٥. هم ١٩٥٥. هم ١٩٥٥. هم ١٩٥٥ عمل المُنْفِقَةُ اللهُ عَنْهَا عَنِ النَّبِي عَلَيْكُ اللهُ عَنْهَا عَنِ النَّبِي عَلَى ١٩٥٥. ٩٥٥. هم ١٩٥٠ عمل ١٩٥٥. المُنْفِقَةُ اللهُ عَنْهَا عَنِ النَّبِي عَلَيْكُ اللهُ عَنْهَا عَنِ النَّبِي عَلَيْكُ الْمُنْفِقَةُ الْمُ سَلَمَةً اللهُ عَنْهَا عَنِ النَّبِي عَلَيْكُ اللهُ عَنْهَا عَنِ النَّبِي الْمُنْفَالِكُونَا اللهُ عَنْهَا عَنِ النَّبِي الْمُنْفَقِعَ اللهُ عَنْهَا عَنِ النَّبِي الْمُنْفَقِعَ اللهُ عَنْهَا عَنْ النَّبِي الْمُنْفِقِ اللهُ عَلَيْكُ اللهُ عَنْهَا عَنْ النَّبِي الْمُنْفَقِعَ اللهُ عَلَيْكُونَا اللهُ عَلَيْكُونَا اللهُ عَنْهَا عَلَى اللهُ عَلَيْكُونَا اللهُ عَنْهُ اللهُ عَلَيْكُونَا اللهُ عَنْهُ اللهُ عَلَيْكُونَا اللهُ عَلَيْكُ

১১৬২ কুতাইবা ইব্ন সায়ীদ (র.).....সাহল ইব্ন সা'দ সাঈদী (রা.) থেকে বর্ণিত, নবী করীম এর কাছে সংবাদ পৌছে যে, বনু আমর ইব্ন আওফ-এ কিছু ঘটেছে। তাদের মধ্যে আপোস করে দেওয়ার উদ্দেশ্যে তিনি কয়েকজন সাহাবীসহ বেরিয়ে গেলেন। রাস্লুল্লাহ্ প্রিট্র সেখানে কর্মব্যস্ত হয়ে পড়েন। ইতিমধ্যে সালাতের সময় হয়ে গেল। বিলাল (রা.) আবু বক্র (রা.)-এর কাছে এসে বললেন, হে আবু বক্র! রাস্লুল্লাহ্ কর্মব্যস্ত হয়ে পড়েছেন। এদিকে সালাতের সময় হয়ে গিয়েছে, আপনি কি সালাতে লোকদের ইমামতি করতে প্রস্তুত আছেন? তিনি বললেন, হাঁ, যদি তুমি চাও। তখন বিলাল (রা.) ইকামত বললেন এবং আবু বক্র (রা.) সামনে এগিয়ে গিয়ে লোকদের জন্য তাক্বীর বললেন। এদিকে রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্র তাশরীফ আনলেন এবং কাতারের ভিতর দিয়ে হেঁটে (প্রথম) কাতারে এসে দাঁড়িয়ে গেলেন। মুসল্লীগণ তখন হাততালি দিতে লাগলেন। আবু বক্র (রা.)-এর অভ্যাস ছিল যে, সালাতে এদিক সেদিক তাকাতেন না। মুসল্লীগণ যখন অধিক পরিমাণে হাততালি দিতে লাগলেন, তখন

তিনি সেদিকে তাকালেন এবং রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্রা-কে দেখতে পেলেন। রাস্লুল্লাহ্ তাঁকে ইশারা করে সালাত আদায় করতে থাকার নির্দেশ দিলেন। আবু বক্র (রা.) দু'হাত তুলে আল্লাহ্র হাম্দ বর্ণনা করলেন এবং পিছনের দিকে সরে গিয়ে কাতারে দাঁড়ালেন। রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্রাসামনে এগিয়ে লোকদের নিয়ে সালাত আদায় করলেন। সালাত শেষ করে মুসল্লীগণের প্রতি লক্ষ্য করে বললেন, হে লোক সকল! তোমাদের কি হয়েছে, সালাতে কোন ব্যাপার ঘটলে তোমরা হাততালি দিতে থাক কেন! হাততালি তো মেয়েদের জন্য। কারো সালাতের মধ্যে কোন সমস্যা দেখা দিলে সে যেন 'সুবহানাল্লাহ্' বলে। কারণ, কেউ অন্যকে 'সুবহানাল্লাহ্' বলতে তনলে অবশ্যই সেদিকে লক্ষ্য করবে। তারপর তিনি বললেন, হে আবু বক্র! তোমাকে আমি ইশারা করা সত্ত্বেও কিসে তোমাকে লোকদের নিয়ে সালাত আদায় করতে বাধা দিল! আবু বক্র (রা.) বললেন, কুহাফার ছেলের জন্য এ সমীচীন নয় যে, সে রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্রান্সামনে দাঁড়িয়ে সালাত আদায় করবে।

الله عَدَّتُنَا يَحَيِّى بُنُ سليمَانَ قَالَ حَدَّثَنِى ابْنُ وَهُب حَدَّثَنَا الثَّوْرِيُّ عَنْ هِشَامٍ عَنْ فَاطِمَةُ عَنْ اَسْمَاءَ قَالَتُ دَخَلْتُ عَلَى عَائِشَةً رَضِي اللَّهُ عَنْهَا وَهِي تُصلِّى قَائِمَةً وَالنَّاسُ قِيَامُ فَقُلْتُ مَا شَأْنُ النَّاسِ فَأَشَارَتُ بِرَأْسِهَا آيُ نَعَمْ . برَأْسِهَا آيُ نَعَمْ .

كَهُونَ مَا اللّهِ عَلَى اللّهُ عَلَى الله

১১৬৪ ইস্মায়ীল (র.)....নবী ক্রিট্রা -এর সহধর্মিণী আয়িশা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্রা তাঁর অসুস্থ অবস্থায় তাঁর ঘরে বসে সালাত আদায় করছিলেন। একদল সাহাবী তাঁর পিছনে দাঁড়িয়ে সালাত আদায় করতে লাগলেন। তিনি তাঁদের প্রতি ইশারা করলেন, বসে যাও। সালাত শেষ করে তিনি বললেন, ইমাম নির্ধারণ করা হয়েছে তাকে অনুসরণ করার জন্য। কাজেই তিনি রুকু করলে তোমরা রুকু করবে; আর তিনি মাথা তুললে তোমরাও মাথা তুলবে।

# ्रें। दें। दें। चथाश ३ जानाश

#### بسُمِ اللهِ الرَّحْمَٰنِ الرُّحْيِمِ

# كتاب الْجنائن

#### वधाय १ जानाया

٧٨٤. بَابُ مَاجَاءَ فِي الْجَنَائِزِ وَمَنْ كَانَ أَخْرُ كَلاَمِهِ لاَ اللهُ اللهُ وَقَيْلَ لِوَهْبِ ابْنِ مُنَبِّهِ ٱلْيَسَ لاَ اللهَ الأَّ اللهُ وَقَيْلَ لِوَهْبِ ابْنِ مُنَبِّهِ ٱلْيَسَ لاَ اللهُ الأَّ اللهُ مِقْتَاحُ الْهُ اللهُ مِقْتَاحُ اللهُ مَقْتَاحُ اللهُ مَقْتَاحُ اللهُ اللهُ مَقْتَاحُ لَهُ السَّنَانُ فَالِنَّ اللهُ مَقْتَاحُ لَهُ السَّنَانُ فَالْ جَنْتَ بِمِقْتَاحِ لَهُ ٱلسُنَانُ فَتَحَ لَكَ وَالِلاَ لَمْ يَفْتَحُ لَكَ

৭৮৪. অনুচ্ছেদ ঃ জানাযা সম্পর্কিত হাদীস এবং যার শেষ কালাম 'লা—ইলাহা ইল্লাল্লাহু'। ওয়াহ্হাব ইব্ন মুনাব্বিহ (র.)—কে জিজ্ঞাসা করা হল, 'লা—ইলাহা ইল্লাল্লাহু' কি জান্লাতের চাবি নয়? তিনি বললেন, অবশ্যই। তবে যে কোন চাবির দাঁত থাকে। ত্মি দাঁত যুক্ত চাবি আনতে পারলে তোমার জন্য (জান্লাতের) দরজা খুলে দেওয়া হবে। অন্যথায় তোমার জন্য খোলা হবে না।

الله عَدُّثَنَا مُوسَلَى ابْنُ السَمْعَيْلَ حَدُّثَنَا مَهُدِى بَنُ مَيْمُونَ حَدُّثَنَا وَاصِلُ الْاَحْدَبُ عَنِ الْمَعْرُوْرِ بْنِ سُويَد عِنْ اَبِيْ ذَر رضي الله عَنْ الله عَنْ الله عَلْ الله عَنْ الله عَلْ الله عَلَى الله عَلْ الله عَلَى اله عَلَى الله عَلَى

 বললাম, যদিও সে যিনা করে থাকে এবং যদিও সে চুরি করে থাকে? তিনি বললেন ঃ যদিও সে যিনা করে থাকে এবং যদিও সে চুরি করে থাকে।

১১৬৬ উমর ইব্ন হাফ্স (র.)......আবদুল্লাহ্ (ইব্ন মাসউদ) (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, রাসূলুল্লাহ্ ক্রিল্ট্রের বলেছেন ঃ যে আল্লাহ্র সংগে শির্ক করা অবস্থায় মারা যায়, সে জাহান্নামে প্রবেশ করবে। আমি বললাম, যে আল্লাহ্র সংগে কোন কিছুর শির্ক না করা অবস্থায় মারা যায়, সে জানাতে প্রবেশ করবে।

# ه٧٨. بَابُ الْأَمْرِ بِاتِّبًا عِ الْجَنَّائِزِ

৭৮৫. অনুচ্ছেদ ঃ জানাযায় অনুগমনের নির্দেশ।

المَعْتُ مُعَاوِيةً بْنَ سُويَد بَنْ مُقَرِّن عَنِ الْاَشْعَثِ قَالَ سَمِعْتُ مُعَاوِيةً بْنَ سُويَد بْنِ مُقَرِّن عَنِ الْبَرَاءِ وَضِي الله عَنْهُ قَالَ امْرَنَا النَّبِيُ عَلَيْ بِسَبْعٍ وَنَهَانَا عَنْ سَبْعٍ الْمُسْرَنَا بِاتِّبَاعِ الْجَنَائِزِ وَعِيَادَةِ الْمَريضِ رَضِي الله عَنْهُ قَالَ امْرَنَا النَّبِي عَلَيْ بِسَبْعٍ وَنَهَانَا عَنْ سَبْعٍ الْمَسْرِ الْمَظُلُوم وَابْرَارِ الْقَسَم وَرَد السَّلام وَتَشْمِيْتِ الْعَاطِسِ وَنَهَانَا عَنْ أَنِيةِ الْفِضَة وَخَاتَم الذَّهَب وَالْحَرِيْرِ وَالدِّيْبَاج وَالْقَسِيِّ وَالْإِسْتَبْرَق .

১১৬৭ আবুল ওয়ালীদ (র.).....বারাআ ই ব্ন আযিব (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী সাতটি বিষয়ে আমাদের আদেশ করেছেন এবং সাতটি বিষয়ে আমাদের নিষেধ করেছেন। তিনি আমাদের আদেশ করেছেন— ১. জানাযার অনুগমন করতে, ২. অুসুস্থ ব্যক্তির খোঁজ-খবর নিতে, ৩. দাওয়াত দাতার দাওয়াত কব্ল করতে, ৪. মাযলুমকে সাহায্য করতে, ৫. কসম থেকে দায়মুক্ত করতে, ৬. সালামের জওয়াব দিতে এবং ৭. হাঁচিদাতাকে (ইয়ারহামুকাল্লাহু বলে) খুশী করতে। আর তিনি নিষেধ করেছেন- ১. রূপার পাত্র, ২. সোনার আর্থটি, ৩. রেশম, ৪. দীবাজ, ৫. কাস্সী (কেস্ রেশম), ৬. ইস্তিব্রাক (তসর জাতীয় রেশম) ব্যবহার করতে।

المَدُنَّنَا مُحَمَّدُ حَدَّثَنَا عَمَّرُو بَنُ آبِي سَلَمَةَ عَنِ الْاَوْزَاعِيِّ قَالَ آخْـبَرَنِي ابْنُ شِهَابٍ قَالَ آخْـبَرَنِي ابْنُ شِهَابٍ قَالَ آخْـبَرَنِي ابْنُ شَهَابٍ قَالَ آخْـبَرَنِي ابْنُ شَهَابٍ قَالَ آخْـبَرَنِي اللهُ عَنْهُ قَالَ سَمِعْتُ رَسُولُ اللهِ عَلَيْ يَقُولُ حَقَّ الْمُسْلِمِ عَلَى سَعِيْـدُ بُنُ الْمُسْتِبِ اَنَّ اَبَا هُرَيْرَةَ رَضِي اللهُ عَنْهُ قَالَ سَمِعْتُ رَسُولُ اللهِ عَلَيْ يَقُولُ حَقَّ الْمُسْلِمِ عَلَى

এ হাদীসে নিষেধকৃত ছয়টির উল্লেখ করা হয়েছে। সগুম বিষয়টি এই কিতাবের 'সোনার আর্থটি' অনুচ্ছেদে
বর্ণিত আছে।

الْمُسْلِمِ خَمْسُ رَدُّ السَّلاَمِ وَعِيَادَةُ الْمَرِيْضِ وَاتِّبَاعُ الْجَنَائِزِ وَاجِابَةُ الدُّعْوَةِ وَتَشْمِيْتِ الْعَاطِسِ تَابَعَهُ عَبْدُ الرُّعْوَةِ وَتَشْمِيْتِ الْعَاطِسِ تَابَعَهُ عَبْدُ الرُّعْوَةِ وَالسَّلاَمِ وَعِيَادَةُ الْمَرِيْضِ وَاتِّبَاعُ الْجَنَائِزِ وَاجِابَةُ الدُّعْوَةِ وَتَشْمِيْتِ الْعَاطِسِ تَابَعَهُ عَبْدُ الرَّانِ وَاجِابَةُ الدُّعْوَةِ وَتَشْمِيْتِ الْعَاطِسِ تَابَعَهُ عَبْدُ الرَّانِ وَاجِابَةُ الدُّعْوَةِ وَتَشْمِيْتِ الْعَاطِسِ تَابَعَهُ عَبْدُ اللهُ الْمُعْرَانَ الْمَعْمُرُ وَرَوَاهُ سَلاَمَةُ عَنْ عُقَيْلٍ ،

১১৬৮ মুহাম্মদ (র.)......আবৃ হুরায়রা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্র-কে আমি বলতে ওনেছি যে, এক মুসলিমের প্রতি অপর মুসলিমের হক্ পাঁচটিঃ ১. সালামের জওয়াব দেওয়া, ২. অুসুস্থ ব্যক্তির খোঁজ-খবর নেওয়া, ৩. জানাযার অনুগমন করা, ৪. দাওয়াত কবৃল করা এবং ৫. হাঁচিদাতাকে খুশী করা। আবদুর রায্যাক (র.) আমর ইব্ন আবৃ সালামা (র.) এর অনুসরণ করেছেন। আবদুর রায্যাক (র.) বলেন, আমাকে মা'মার (র.)-এরূপ অবহিত করেছেন এবং এ হাদীস সালামা (র.) উকাইল (র.) থেকে রিওয়ায়াত করেছেন।

# ٧٨٦. بَابُ الدُّخُولِ عَلَى الْمَيِّتِ بَهْدَ الْمَوْتِ إِذَا أُدْرِجَ فِي كَفَنِهِ

৭৮৬. অনুচ্ছেদ ঃ কাফন পরানোর পর মৃত ব্যক্তির কাছে যাওয়া।

النّبِيُّ مَسْكَنهِ بِالسَّنْحِ حَتَّى نَزَلَ هَدَخَلَ النّبِيِّ عَبْدُ اللهِ قَالَ اَخْبَرَنِيْ مَعْمَرُ وَيُونُسُ عَنِ الزُهْرِيِ قَالَ اَخْبَرِنِيْ اَبُقُ سَلَمَةَ اَنْ عَائِشَةَ رَضِيَ اللّٰهُ عَنْهَا نَوْجَ النّبِيِّ عَلَيْهِ النّاسَ حَتَٰى دَخَلَ ابُو بَكُر رَضِيَ اللّٰهُ عَنْهَا فَتَيَمَّمَ مِنْ مَسْكَنهِ بِالسَّنْحِ حَتَّى نَزَلَ فَدَخَلَ الْمَسْجِدِ فَلَمْ يُكَلّمِ النَّاسَ حَتَٰى دَخَلَ عَائِشَةَ رَضِيَ اللّٰهُ عَنْهَا فَتَيَمَّمَ النّبِي عَلَيْهِ فَقَلْلهُ ثُمَّ بَكُى فَقَالَ بِابِي اللهُ عَنْهَا فَتَيَمَّمَ النّبِي اللهُ عَنْهُ مَن وَجَهِهِ ثُمَّ اكَبًّ عَلَيْهِ فَقَلْلهُ ثُمَّ بَكَى فَقَالَ بِابِي اللّهُ عَنْهَا اللّهُ عَنْهُ مَرْجَ وَعُمْرُ رَضِي اللّهُ عَنْهُ مَرَحَ وَعُمْرُ رَضِي اللّهُ عَنْهُ مَن اللّهُ عَنْهُ مَالًا اللّهُ عَنْهُ مَرَحَ وَعُمْرُ رَضِي اللّهُ عَنْهُ مَن اللّهُ عَنْهُ مَالًا اللّهُ عَنْهُ مَن اللّهُ عَنْهُ مَالًا اللّهُ عَنْهُ مَالًا اللّهُ عَنْهُ مَن اللّهُ عَنْهُ اللّهُ عَنْهُ مَن اللّهُ عَنْهُ مَن اللّهُ عَنْهُ مَالًا اللّهُ عَنْهُ مَن اللّهُ عَنْهُ مَالًا اللّهُ عَنْهُ مَالًا اللّهُ عَنْهُ مَالًا اللّهُ عَنْهُ مَن اللّهُ عَنْهُ مَالًا اللّهُ عَنْهُ مَن اللّهُ عَنْهُ مَالًا اللّهُ عَنْهُ اللّهُ عَنْهُ مَالًا اللّهُ عَنْهُ النّاسَ لَمْ يَكُونُوا يَعْلَمُونَ اللّهُ الْمَالُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ الللّهُ اللللّهُ الللّهُ الللّهُ اللللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ اللللّهُ اللللهُ الللهُ اللللّهُ اللّهُ اللّهُ اللللهُ الللهُ اللللهُ الللللهُ الللهُ الللهُ الللهُ الللهُ الللهُ الللهُ الله

১১৬৯ বিশ্র ইব্ন মুহামদ (র.)......আবৃ সালামা (র.) বলেন, নবী ব্রুদ্ধ -এর সহধর্মিনী আয়িশা (রা.) আমাকে বলেছেন, (রাস্লুল্লাহ্ ক্রুদ্ধ -এর ওফাতের খবর পেয়ে) আবৃ বক্র (রা.) 'সুন্হ'-এ অবস্থিত তাঁর বাড়ী থেকে ঘোড়ায় চড়ে চলে এলেন এবং নেমে মসজিদে প্রবেশ করলেন। সেখানে লোকদের সাথে কোন কথা না বলে আয়িশা (রা.)-এর ঘরে প্রবেশ করে রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্র দিকে অগ্রসর

হলেন। তখন তিনি একখানি 'হিবারাহ' ইয়ামানী চাদর দ্বারা আবৃত ছিলেন। আবৃ বক্র (রা.) নবী والمنتقبقة -এর মুখমন্ডল উমুক্ত করে তাঁর উপর ঝুকে পড়লেন এবং চুমু খেলেন, তারপর কাঁদতে লাগলেন এবং বললেন, ইয়া নাবী আল্লাহ্! আমার পিতা আপনার জন্য কুরবান হোক। আল্লাহ্ আপনার জন্য দুই মৃত্যু একব্রিত করবেন না। তবে যে মৃত্যু আপনার জন্য নির্ধারিত ছিল তা তো আপনি কবৃল করেছেন। আবৃ সালামা (র.) বলেন, আবদুল্লাহ্ ইব্ন আব্বাস (রা.) আমাকে খবর দিয়েছেন যে, (তারপর) আবৃ বক্র (রা.) বেরিয়ে এলেন। তখন উমর (রা.) লোকদের সাথে কথা বলছিলেন। আবৃ বক্র (রা.) তাঁকে বললেন, বসে পড়ুন। তিনি তা মানলেন না। আবৃ বক্র (রা.) তাঁকে বললেন, বসে পড়ুন। তিনি তা মানলেন না। আবৃ বক্র (রা.) তাঁকে বললেন, বসে পড়ুন, তিনি তা মানলেন না। তখন আবৃ বক্র (রা.) কালিমা-ই-শাহাদাতের দ্বারা (বক্তব্য) আরম্ভ করলেন। লোকেরা উমর (রা.)-কে ছেড়ে তাঁর দিকে আকৃষ্ট হন। আবৃ বক্র (রা.) বললেন......আম্মা বা'দু, তোমাদের মধ্যে যারা মুহাম্মদ ক্রিট্রেট্র এর ইবাদত করতে, মুহাম্মদ ক্রিট্রেট্র সত্যই ইন্তিকাল করেছেন। আর যারা মহান আল্লাহ্র ইবাদাত করতে, নিশ্চয় আল্লাহ্ চিরঞ্জীব, অমর। মহান আল্লাহ্ ইরশাদ করেন ঃ তিন তান কর্মম, মনে হচ্ছিল যেন আবৃ বক্র (রা.)-এর তিলাওয়াত করার পূর্ব পর্যন্ত লোকদের জানাই ছিল না যে, আল্লাহ্ পাক এ আয়াত নায়িল করেছেন। এখনই যেন লোকেরা আয়াতখানি তার কাছ থেকে পেলেন। প্রতিটি মানুষকেই তখন ঐ আয়াত তিলাওয়াত করতে শোনা গেল।

الله الله الله الله المحكمة الله عَلَيْكَ عَنْ عَقَيْلٍ عَنِ ابْنِ شِهَابٍ قَالَ اَخْبَرَنِيْ خَارِجَةُ بْنُ زَيْدِ بْنِ ثَالِتٍ أَنَّ أُمُّ الْعَلاَءِ امْرَأَةً مِنَ الْاَنْصَارِ بَايَعَتِ النَّبِيِّ عَيْلِكُ النَّهِ اَخْبَرَتهُ اَنَّهُ اُقْتُسِمَ الْمُهَاجِرُوْنَ قُرْعَةً فَطَارَ لَنَا عُثْمَانُ بُنُ مَظْعُوْنٍ فَأَنْزُلْنَاهُ فِي اَبْيَاتِنَا فَوَجِعَ وَجَعَهُ الَّذِي تُوفِي فِيْهِ فَلَمَّا تُوفِي وَعُسلِ وَكُفِّنَ فِي اثْوَابِهِ عَثْمَانُ بُنُ مَظْعُوْنٍ فَأَنْزُلْنَاهُ فِي ابْيَاتِنَا فَوَجِعَ وَجَعَهُ الَّذِي تُوفِي فِيْهِ فَلَمَّا تُوفِي وَعُسلِ وَكُفِّنَ فِي اثْوَابِهِ مَنْ مُنْ مُنْ مُنْ الله عَلَيْكَ الله عَلَيْكَ ابَا السَّائِبِ فَشَهَادَتِيْ عَلَيْكَ الله فَقَالَ النَّبِي مُنْ يَكُرِمُكَ الله فَقَالَ النَّبِي مُنْ يَكُرِمُكُ الله فَقَالَ النَّبِي مُنْ يَكُرِمُكُ الله فَقَالَ الله فَقَالَ النَّبِي مُنْ يُكْرِمُكُ الله فَقَالَ الله فَقَالَ النَّبِي مُنْ يَكُرِمُكُ الله فَقَالَ الله فَقَالَ الله فَقَالَ الله فَقَالَ الله فَعَنْ يُكُومُكُ الله فَقَالَ الله فَقَالَ الله فَقَالَ الله عَلَى الله فَقَالَ الله فَقَالَ الله فَقَالَ الله عَلَى الله فَمَنْ يُكُرِمُكُ الله فَقَالَ الله فَقَالَ الله فَقَالَ الله الله وَالله وَا الله وَالله وَالله

১১৭০ ইয়াহ্ইয়া ইব্ন বুকাইর (র.)......আনসারী মহিলা ও নবী করীম এর কাছে বাই আত-কারী উম্মূল আলা (রা.) থেকে বর্ণিত, (হিজরতের পর) কুরআর মাধ্যমে মুহাজিরদের বন্টন করা হচ্ছিল। তাতে উসমান ইব্ন মায়উন (রা.) আমাদের ভাগে পড়লেন, আমরা (সাদরে) তাঁকে আমাদের বাড়ীতে স্থান দিলাম। এক সময় তিনি সেই রোগে আক্রান্ত হলেন, যাতে তাঁর মৃত্যু হল। যখন তাঁর মৃত্যু হল এবং তাঁকে গোসল করিয়ে কাফনের কাপড় পরানো হল, তখন রাস্লুল্লাহ্ প্রেক্ষ প্রবেশ করলেন। তখন আমি বললাম, হে আবুস্- সায়িব, আপনার উপর আল্লাহ্র রহমত বর্ষিত হোক! আপনার সম্বন্ধে

আমার সাক্ষ্য এই যে, আল্লাহ্ আপনাকে সম্মানিত করেছেন। তখন নবী করীম ক্রিট্রেই বললেন ৪ তৃমি কি করে জানলে যে, আল্লাহ্ তাঁকে সম্মানিত করেছেন। আমি বললাম, আমার পিতা আপনার জন্য কুরবান, ইয়া রাসূলাল্লাহ্! তাহলে আল্লাহ্ আর কাকে সম্মানিত করবেন। রাসূলুল্লাহ্ ক্রিট্রেই বললেন ৪ তাঁর ব্যাপার তো এই যে, নিশ্চয় তাঁর মৃত্যু হচ্ছে এবং আল্লাহ্র কসম! আমি তাঁর জন্য মংগল কামনা করি। আল্লাহ্র কসম! আমি জানি না আমার সঙ্গে কী ব্যবহার করা হবে, অথচ আমি আল্লাহ্র রাসূল। সেই আনসারী মহিলা বলেন, আল্লাহ্র কসম! এরপর আর কোন দিন আমি কোন ব্যক্তি সম্পর্কে পবিত্র বলে মন্তব্যু করব না।

الله عَدَّثَنَا سَعِيْدُ بْنُ عُفَيْرٍ حَدَّثَنَا اللَّيْثُ مِثْلَهُ وَقَالَ نَافِعُ بْنُ يَزِيْدَ عَنْ عُقَيْلٍ مَا يُفْعَلُ بِهِ وَتَابَعَهُ شُعَيْبُ وَعَمْرُو بْنُ دِيْنَارٍ وَمَعْمَرُ ،

كاما সায়ীদ ইব্ন উফাইর (র.) লায়স (র.) সূত্রে অনুরূপ বর্ণনা করেন। আর নাফি' ইব্ন ইয়াযীদ (র.) উকাইল (র.) সূত্রে বলেন- 'غَ يَفُعُلُ بِهُ ' তার সঙ্গে কি ব্যবহার করা হবে ؛ ' ত'য়াইব, আমর ইব্ন দীনার ও মা'মার (র.) উকাইল (র.)-এর অনুসরণ করেছেন।

المعنى الله مَحْدُ بْنُ بَشَارٍ حَدَّثَنَا عُنْدَرٌ حَدُثَنَا شُعْبَةً قَالَ سَمِعْتُ مُحَمَّدُ بْنُ الْمُنْكَدِرِ قَالَ سَمِعْتُ اللهُ عَنْهُ وَلِهُ وَلِنَهُ وَلِنَهُ وَلَيْ اللهُ عَنْهُ وَلَيْهُ وَلِيَهُ وَلِيَهُ وَلَيْ اللهُ عَنْهُ وَاللّهِ اللّهُ عَنْهُ وَاللّهُ وَاللّهُ عَنْهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ عَنْهُ وَاللّهُ وَالّهُ وَاللّهُ وَلّهُ وَاللّهُ وَاللّه

٧٨٧. بَابُ الرَّجُلُ يَنْعَلَى اللَّ اهْلِ الْمَيِّتِ بِنَفْسِهِ

#### ৭৮৭. অনুচ্ছেদ ঃ মৃত ব্যক্তির পরিজনের কাছে তার মৃত্যু সংবাদ পৌছানো।

অর্থাৎ প্রথম বর্ণনায় রয়েছে ' مَا يُفْعَلُ بِي ' – আমর সংগে কি ব্যবহার করা হবে ? আর দ্বিতীয় বর্ণনায় রয়েছে
' مَا يُفْعَلُ بِهِ ' তার সংগে কি ব্যবহার করা হবে ?

الله عَنْهُ أَنَّ رَسُولَ اللهِ عَلَيْهُ فَعَلَ حَدَّثَنِي مَالِكُ عَنِ ابْنِ شِهَابٍ عَنْ سَعِيْدٍ بْنِ الْمُسْتِبِ عَنْ آبِي هُريْرَةَ رَضِيَ اللهُ عَنْهُ أَنَّ رَسُولَ اللهِ عَلَيْهُ نَعَى النَّجَّاشِيُّ فِي الْيَوْمِ الَّذِي مَاتَ فِيْهِ خَرَجَ الِي الْمُصلِّلُي فَصفَ بِهِمْ وَكُبُّرَ ارْبَعًا .

১১৭৩ ইসমায়ীল (র.).....আবৃ হুরায়রা (রা.) থেকে বর্ণিত, নাজাশী যে দিন মারা যান সেদিন-ই রাস্লুক্লাহ্ জার মৃত্যু সংবাদ দেন এবং জানাখার স্থানে গিয়ে লোক দের কাতারবদ্ধ করে চার তাক্বীর আদায় করলেন।

٧٨٨. بَابُ الإِذْنِ بِالْجَنَازَةِ وَقَالَ اَبُورَاهِ عِ عَنْ اَبِي هُرَيْرَةَ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهُ قَالَ قَالَ النَّبِي عَلَى اللَّهُ عَنْهُ قَالَ قَالَ النَّبِي عَلَى اللَّهُ عَنْهُ وَاللَّهُ عَنْهُ اللَّهُ اللَّهُ عَنْهُ اللَّهُ عَنْهُ اللَّهُ عَنْهُ اللَّهُ عَنْهُ اللَّهُ اللَّهُ عَنْهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ عَنْهُ اللَّهُ عَنْ اللَّهُ عَنْهُ اللَّهُ عَنْهُ اللَّهُ عَلْهُ اللَّهُ عَلَالًا النَّبِي عُلْكُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَالًا اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَّا اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَّا اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَا اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَا اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهِ اللَّهُ اللّهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ اللللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّه

৭৮৮. অনুচ্ছেদ ঃ জানাযার সংবাদ দেওয়া। আবৃ রাফি' (র.) আবৃ হুরায়রা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী করীম ক্রিট্র বললেন ঃ তোমরা আমাকে কেন খবর দিলে না?

الله عَنْهُمَا قَالَ مَاتَ انْسَانُ كَانَ رَسُولَ اللهِ عَلَيْ يَعُودُهُ فَمَاتَ بِاللَّيْلِ فَدَفَنُوهُ لَيْلاً فَلَمَّا اَصْبَحَ اَخْبَرُوهُ فَمَاتَ بِاللَّيْلِ فَدَفَنُوهُ لَيْلاً فَلَمَا اَصْبَحَ اَخْبَرُوهُ فَمَاتَ بِاللَّيْلِ فَدَفَنُوهُ لَيْلاً فَلَمَا اَصْبَحَ الْخَبَرُوهُ فَمَاتَ بِاللَّيْلِ فَدَفَنُوهُ لَيْلاً فَلَمَا اصْبَحَ الْخَبَرُوهُ فَمَاتَ بِاللَّيْلِ فَدَفَنُوهُ لَيْلاً فَلَمَا اللهِ عَلَيْكُ فَاتَى عَلَيْكُ فَاتَى عَلَيْكُ فَاتَى عَلَيْكُ فَاتَى عَلَيْكِ فَاتَى عَلَيْكِ فَاتَى عَلَيْكُ فَاتَى عَلَيْكِ فَاتَى عَلَيْكُ فَاتِي عَلَيْكُ فَاتِكُ عَلَيْكُ فَاتَى عَلَيْكُ فَاتَى عَلَيْكُ فَاتِي عَلَيْكُ فَاتَى عَلَيْكُ فَاتَى عَلَيْكُ فَاتِي عَلَيْكُ فَاتَى عَلَيْكُ فَاتَى عَلَيْكُ فَاتَى عَلَيْكُ فَاتِكُ عَالَى عَلَيْكُ فَاتِكُ عَلَى عَلَيْكُ فَاتِكُ عَلَى عَلَيْكُ فَاتِكُ عَلَيْكُ فَاتِكُ عَلَيْكُ فَاتَى عَلَيْكُ فَاتِكُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى عَلَيْكُ فَاتِكُ عَلَى اللّهُ عَلَيْكُ فَاتِكُ عَلَى عَلَيْكُ فَاتِكُ عَلَيْكُ فَاتِكُ عَلَى اللّهُ عَلَى عَلَى اللّهُ عَلَى عَلَيْكُ فَاتُكُوا عَلَى اللهُ عَلَيْكُ عَلَى عَلَيْكُ عَلَى عَلَيْكُ عَلَى عَلَيْكُ عَلَى عَلَيْكُ فَاتِكُ عَلَى عَلَيْكُ عَلَيْكُ عَلَى عَلَيْكُ فَاتُكُوا عَلَيْكُ فَاتِكُ عَلَى عَلَى عَلَى عَلَى عَلَى اللهُ عَلَى عَلَى

অসুস্থতার সময় রাস্লুল্লাহ্ যোজ-খবর নিতেন। তার মৃত্যু হয় এবং রাতেই লোকেরা তাঁকে দাফন

করেন। সকাল হলে তাঁরা (এ বিষয়ে) নবী করীম ক্রিট্র -কে অবহিত করেন। তিনি বললেন ঃ আমাকে সংবাদ দিতে তোমাদের কিসে বাধা দিল । তারা বলল, তখন ছিল রাত এবং ঘার অন্ধকার। তাই আপনাকে কষ্ট দেওয়া আমরা পসন্দ করিনি। তিনি ঐ ব্যক্তির কবরের কাছে গেলেন এবং তাঁর উপর সালাতে জানাযা আদায় করলেন।

# ٧٨٩. بَابُ فَضْلِ مَنْ مَاتَ لَهُ وَلَدُ فَا هُتَسنبَ وَقَالَ اللَّهُ عَزَّىٰ جَلُّ وَيَشِّرِ الصَّابِرِيْنَ

৭৮৯. অনুচ্ছেদ ঃ সম্ভানের মৃত্যুতে সাওয়াবের আশায় সবর করার ফযীলত। আল্লাহ্ তা'আলার বাণীঃ "আর সবরকারীদের সুসংবাদ প্রদান করুন"।

١١٧٦ حَدُّئُنَا اَبُوْ مَعْمَرٍ حَدُّئُنَا عَبْدُ الْوَارِثِ حَدَّثَنَا عَبْدُ الْعَزِيْزِ عَنْ انس رَضِي اللهُ عَنْهُ قَالَ النّبِي عَلِيَّةُ

مَا مِنَ النَّاسِ مِنْ مُسُلِمٍ يَتَوَفَّى لَهُ ثَلاَثُ لَمْ يَبْلُغُوا الْحِنْثَ الِا ٱلدَّخَلَهُ اللَّهُ الْجَنَّةَ بِفَضْلِ رَحْــمَتِهِ ايَّاهُمْ ٠

১১৭৬ আবু মামার (র.)......আনাস (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, রাস্লুল্লাহ্ বলেছেন ঃ কোন মুসলিমের তিনটি সন্তান সাবালিগ হওয়ার আগে মারা গেলে তাদের প্রতি তাঁর রহমত স্বরূপ অবশ্যই আল্লাহ্ তা আলা ঐ ব্যক্তিকে জানাতে দাখিল করাবেন।

الْكُ عَنْ أَنِّ النِّسَاءَ قُلْنَ النَّبِيِّ عَلَيْهُ حَدَّتُنَا مَسُلِمُ حَدَّتُنَا شُعْبَةً حَدَّتُنَا عَبْد الرَّحُمُّنِ بَنُ الاَصْبِهَانِي عَنْ ذَكُوانَ عَنْ اَبُو الْمَسْرَاةِ مَاتَ لَهَا تُلاَئةً مِنَ اللَّهُ عَنْهُ اَنْ النَّبِي عَلَيْهُ الْجَعْلُ لَنَا يَوْمًا فَوَعَظَهُنْ وَقَالَ اللَّهُ عَنْهُمَا عَنِ اللَّهُ عَنْهُمَا عَنِ النَّارِ قَالَتِ امْرَأَةً وَاثِنَانِ قَالَ وَاثَنَانِ وَقَالَ شَرِيْكُ عَنِ ابْنِ الْاَصْبِهَانِي حَدَّتُنِي اللَّهُ عَنْهُمَا عَنِ النَّبِي عَنْ ابْنِ الْاَصْبِهانِي حَدَّتُنِي اللَّهُ عَنْهُمَا عَنِ النَّبِي عَنْ ابْنِ الْاَصْبِهانِي حَدَّتُنِي اللَّهُ عَنْهُمَا عَنِ النَّبِي عَنْ ابْنِ الْاَصْبِهانِي حَدَّتُنِي اللَّهُ عَنْهُمَا عَنِ النَّبِي عَلَيْ اللَّهُ عَنْهُمَا عَنِ النَّبِي عَنْ ابْنِ الْاَصْبِهانِي حَدَّتُنِي اللَّهُ عَنْهُمَا عَنِ النَّبِي عَنْ ابْنِ الْاَصْبِهانِي حَدَّتُنِي اللَّهُ عَنْهُمَا عَنِ النَّبِي عَنْ ابْنِ الْاَصْبِهانِي حَدَّتُنِ اللَّهُ عَنْهُمَا عَنِ النَّبِي عَنْ ابْنِ الْاَصْبِهانِي حَدُّتُنِي اللَّهُ عَنْهُمَا عَنِ النَّبِي عَنْ ابْنِ الْاَلْمِ الْمَلِي حَدَّتُنِ اللَّهُ عَنْهُمَا عَنِ النَّبِي عَنْ ابْنِ الْاَلْمِ عَلَى اللَّهُ عَنْهُمَا عَنِ اللَّهُ عَنْهُمَا عَنِ النَّالِ اللَّهُ عَنْهُمَا عَلِ اللَّهُ عَنْهُمَا عَنِ اللَّهُ عَنْهُمَا عَنِ اللَّهُ عَنْهُمَا عَنِ اللَّهُ عَلَيْهُ وَالْمَالِمُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْهُ وَالْمُوا الْحَدِي اللَّهُ عَلَيْهُمَا عَنِ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَنْهُمَا عَنِ اللَّهُ عَنْهُمَا عَنِ الْمَالِعُ عَنْ ابْنِ الْالْمِعْلَى الْمَالِعُ عَلَى اللَّهُ عَنْهُ وَالْمَالِعُ عَلَيْنَ اللَّهُ عَلَيْهُ وَالْمَالِعُ عَلَى الْمَالِعُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ وَالْمَعِيْمِ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ الْمُعْلِقُ اللَّهُ عَلَى الْمَلْولِ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْهُ الْمُلْمِقُ الْمَلْمُ الْمُعْلِقُ اللَّهُ عَلَى الْمُلْمُولُولِ اللَّهُ عَلَيْهُ الْمُلْمِقُولُ اللَّهُ عَلَى الْمُلْمُ الْمُلْمُولِ الْمُلْمُ الْمُلْمُ الْمُلْمُ الْمُلْعُولُ الْمُلْمُ الْمُلْمُ الْمُلْمُ الْمُلْمُ الْمُلِلَّةُ مِنَ الْمُلْمُ الْمُلْمُولِ الْمُلْمُ اللَّهُ الْمُلْمُ الْمُلِي الْمُ

করেন, আবু হুরায়রা (রা.) বলেন, যারা বালিগ হয়নি।

﴿ اللهُ عَنْهُ عَنْ النَّبِي عَلَيْ اللَّهُ عَالَ اللَّهُ عَنْ اللَّهُ عَنْ النَّارَ الِا تَحِلَّةَ الْقَسَمِ، قَالَ اللهُ عَنْهُ عَنْ النَّارَ الِا تَحِلَّةَ الْقَسَمِ، قَالَ اللهُ عَنْهُ عَنْ النَّارَ الا تَحِلَّة الْقَسَمِ، قَالَ اللهُ عَالَ اللهُ وَإِنْ مَنْكُمُ الا وَارِدُهَا

১১৭৮ আলী (র.).....আবূ হুরায়রা (রা.) থেকে বর্ণিত, নবী করীম ক্রিম্বর বলেছেন ঃ কোন মুসলিমের বুখারী শরীফ (২)—৪৬

তিনটি (নাবালিগ) সন্তান মারা গেল, তারপরও সে জাহানামে প্রবেশ করবে—এমন হবে না। তবে শুধ্ কসম পূর্ণ হওয়ার পরিমাণ পর্যন্ত। আবৃ আবদুল্লাহ্ (ইমাম বুখারী (র.) বলেন- আল্লাহ্ তা আলার ইরশাদ ঃ 'اَنْ مَنْكُمْ الْأَ وَمَنْكُمْ الْأَ وَارِدُهَا 'তোমাদের প্রত্যেকেই তা অতিক্রম করবে।"

# ٧٩٠. بَابُ قُولُ الرَّجُلِ لِلْمَرْأَةِ عَنْدَ الْقَبْرِ اصْبِرِي

৭৯০. অনুচ্ছেদ ঃ কবরের কাছে কোন মহিলাকে বলা, সবর কর।

١١٧٩ حَدُّثَنَا أَدَمُ حَدَّثَنَا شُعْبَةُ حَدَّثَنَا ثَابِتُ عَنْ آنَسِ بْنِ مَالِكٍ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهُ قَالَ مَرَّ النَّبِيُ عَلِي مِالِكُ مِرَضِيَ اللَّهُ عَنْهُ قَالَ مَرَّ النَّبِي عَلِي مِالِكُ مِرَالِهُ عَنْهُ قَالَ مَرَّ النَّبِي عَلِي مِالِكُ مِرَالُهُ عَنْهُ قَالَ مَرَّ النَّبِي عَلِي مِالِكُ مِرَالُهُ وَاصْبِرِي . عَنْدَ قَبْرُ وَهِي تَبْكِي فَقَالَ اتَّقِى اللَّهُ وَاصْبِرِي .

১১৭৯ আদম (র.).......আনাস ইব্ন মালিক (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী ক্রিট্র একটি কবরের কাছে উপস্থিত এক মহিলার পাশ দিয়ে যাচ্ছিলেন, সে তখন কাঁদছিল। তখন তিনি বললেন ঃ আল্লাহ্কে ভয় কর এবং সবর কর।

٧٩١. بَابُ غُسُلِ الْمَيِّتِ وَقُضُونِ فِ بِالْمَاءِ وَالسِّدْرِ وَحَنَّطَ ابْنُ عُمَّرَ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهُمَا إِبْنًا لِسَعِيْدِ بْنِ زَيْدٍ وَحَمَّلَهُ وَصَلَّى وَلَمْ يَتَوَضَّا وَقَالَ ابْنُ عَبُّاسٍ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهُمَا الْسَمْسُلِمُ لاَ يَنْجُسُ حَيًّا وَلاَ مَيِّتًا وَقَالَ سَعِيْدُ لَوْ كَانَ نَجِسًا مَا مَسِسْتُهُ ، وَقَالَ النَّبِيُ عَلَيْهُ الْمُؤْمِنُ لاَ يَنْجُسُ

৭৯১. অনুচ্ছেদ ঃ বরই পাতার পানি দ্বারা মৃতকে গোসল ও উয় করানো। ইব্ন উমর রো.)
সায়ীদ ইব্ন যায়িদ রো.) এক (মৃত) পুত্রকে সুগন্ধি মাখিয়ে দিলেন, তাকে বহন
করলেন এবং জানাযার সালাত আদায় করলেন অথচ তিনি (নতুন) উয়ু করেন নি।
ইব্ন আব্বাস রো.) বলেন, জীবিত ও মৃত কোন অবস্থায়ই মুসলিম অপবিত্র নয়।
সা'দ রো.) বলেন, (মৃতদেহ) অপবিত্র হলে আমি তা স্পর্শ করতাম না আর নবী

اللهِ عَلَيْةَ الْاَنْصَارِيَّةِ رَضِيَ اللهُ عَنْهَا قَالَتَ دَخَلَ عَلَيْنَا رَسُولُ اللهِ عَلَيْنَا حَيْنَ تُوفِيَّتِ ابْنَتُهُ فَقَالَ اغْسِلْنَهَا أُمْ عَطِيَّةَ الْاَنْصَارِيَّةِ رَضِيَ اللهُ عَنْهَا قَالَتُ دَخَلَ عَلَيْنَا رَسُولُ اللهِ عَلَيْنَا حَيْنَ تُوفِيِّتِ ابْنَتُهُ فَقَالَ اغْسِلْنَهَا وَلَا أَوْ خَمْسًا اَوْ اَكُثَرَ مِنْ ذَالِكَ انْ رَأَيْتُنَّ ذَلِكَ بِمَاءٍ وَسِدْرٍ وَاجْعَلْنَ فِي الْأَخْرَةِ كَافُورًا اوْ شَيْئًا مِنْ كَافُورُ فَاذَا فَرَغْتَا اذَنَاهُ فَاعَطَانًا حَقُوهُ فَقَالَ الشَّعِيْنَهَا ايَّاهُ تَعْنِيُ ازَارَهُ وَكَافُورُ فَاذَا فَرَغْتَا اللهُ عَلَيْهَا اللهُ عَلَيْهَا اللهُ عَلَيْهَا الله عَلَيْهَا الله عَلَيْهَا الله عَلَيْهَا الله عَلَيْهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلَيْهُ الله عَلَيْهُ الله عَلَيْهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلَيْهُ الله عَلَيْهُ اللهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْهُ اللهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ الله

্রান্ত্রাট্র -এর কন্যা (যায়নাব (রা.)-এর ইন্তিকাল হলে তিনি আমাদের কাছে এসে বললেন ঃ তোমরা তাকে তিন, পাঁচ প্রয়োজন মনে করলে তার চাইতে অধিকবার বরই পাতাসহ পানি দিয়ে গোসল দাও। শেষবারে কর্পুর বা (তিনি বলেছেন) কিছু কর্পুর ব্যবহার করবে। তোমরা শেষ করে আমাকে জানাও। আমরা শেষ করার পর তাঁকে জানালাম। তখন তিনি তাঁর চাদরখানি আমাদের দিয়ে বললেন ঃ এটি তাঁর গায়ের সাথে জড়িয়ে দাও।

# ٧٩٢، بَابُ مَا يُسْتَمَبُّ أَنْ يُفْسَلَ فِثَرًا

৭৯২. অনুচ্ছেদঃ বেজোড় সংখ্যায় গোসল দেওয়া মুস্তাহাব।

الله عَدْثَنَا مُحَمَّدٌ حَدَّثَنَا عَبُدالُوَهَّابِ الثَّقَفِيُّ عَنْ اَيُّوبَ عَنْ مُحَمَّدٍ عَنْ اُمٌ عَطِيَّةً رَضِيَ اللهُ عَنْهَا قَالَتُ مِنَا مَرْفَلُ اللهِ عَلَيْنَا رَسُولُ اللهِ عَلَيْنَا مَنْ فَيْلِ مِنْ ذَلِكَ بِمَاءٍ وَسِدْرِ وَاجْعَلْنَ فِي الْاَخْرَةِ كَافُورًا فَاذَا فَرَغْتُنَ فَانَتْنِي فَلَمًا فَرَغْنَا اَذَنًا هُ فَالْقَلَى اللهِ عَلَيْنَا حَقُوهُ فَقَالَ اَشُعْرِنَهَا وَسِدْرِ وَاجْعَلْنَ فِي الْاَخْرَةِ كَافُورًا فَاذَا فَرَغْتُنَ فَانَتْنِي فَلَمًا فَرَغْنَا اَذَنًا هُ فَالْقَلَى اللهِ عَلَيْنَا حَقُومُ فَقَالَ الشَّعْرِنَهَا اللهِ عَلَيْهُ وَمَا اللهُ عَلَيْنَا حَقُومُ فَقَالَ الشَّعْرِنَهَا اللهِ عَلَيْهُ وَلَا فَلَا اللهُ عَلَيْهُ وَلَا اللهُ عَلَيْهُ وَكُانَ فَيْ مَا اللهُ عَلَيْهُ وَلَا اللهُ عَلَيْهُ وَكُانَ فَيْهِ إِللهُ مَنْ اللهُ عَلَيْهُ وَكُانَ فَيْهِ وَكَانَ فَيْهِ إِللهُ مُقَالًا اللهُ عَلَيْهُ وَكَانَ فَيْهِ إِنَّا اللهُ عَلَيْهُ وَكَانَ فَيْهِ إِنَّ الْمَالِ مَدِيثَ مِثْلُولُ الْمُؤْلُ مِمَالُولُ اللهُ عَلَيْهُ وَلَا اللهُ عَلَالُهُ اللهُ اللهُ عَلَيْهُ وَلَانَ فَيْهِ إِلَيْ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْهُ وَلَاللهُ اللهُ عَلَيْهُ وَلَالُهُ اللهُ عَلَيْهُ وَلَاللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَالُهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ ا

মুহামদ (র.)......উমে আতিয়্যাহ্ আনসারী (রা.) থেকে বর্ণিত, রাস্লুল্লাহ্ এর কন্যা (যায়নাব (রা.)-এর ইন্তিকাল হলে তিনি আমাদের কাছে এসে বললেন ঃ তোমরা তাঁকে তিন, পাঁচ প্রয়োজন মনে করলে, তার চাইতে অধিকবার বরই পাতাসহ পানি দিয়ে গোসল দাও। শেষবারে কর্পুর বা (তিনি বলেছেন) কিছু কর্পুর ব্যবহার করবে। তোমরা শেষ করে আমাকে জানাও। আমরা শেষ করার পর তাঁকে জানালাম। তখন তিনি তাঁর চাদরখানি আমাদের দিকে দিয়ে বললেন ঃ এটি তাঁর ভিতরের কাপড় হিসেবে পরাও। আইয়ৃব (র.) বলেছেন, হাফ্সা (র.) আমাকে মুহামদ বর্ণিত হাদীসের অনুরূপ হাদীস শুনিয়েছেন। তবে তাঁর হাদীসে রয়েছে যে, তাকে বে-জোড় সংখ্যায় গোসল দিবে। আরও রয়েছে, তিনবার, পাঁচবার অথবা সাতবার করে আরো তাতে রয়েছে, রাস্লুল্লাহ্ ক্রিটি বলছেন ঃ 'তোমরা তার ডান দিক থেকে এবং তার উয়ৃর স্থানসমূহ থেকে শুরু করবে।' তাতে একথাও রয়েছে— (বর্ণনাকারিণী) উম্মে আতিয়্যাহ্ (রা.) বলেছেন, আমরা তার চুলগুলি আঁচড়ে তিনটি বেণী করে দিলাম।

# ٧٩٣. بَابُ يُبْدَأُ بِمَيَامِنِ الْمَيْتِ

৭৯৩. অনুচ্ছেদ ঃ মৃত ব্যক্তির (গোসল) ডান দিক থেকে শুরু করা।

١١٨٢ حَدَّثَنَا عَلِي بَنُ عَبْدِ اللهِ حَدَّثَنَا السَّمْعَثِيلُ بْنُ الْبِرَاهِيْمَ حَدَّثَنَا خَالِدُ عَنْ حَفْصَةَ بنْتِ سيْرِيْنَ عَنْ أُمِّ

عَطِيَّةً رَضِيَ اللَّهُ عَنْهَا قَالَتُ قَالَ رَسُولُ اللَّهِ عَلَيْ غَسُلِ ابْنَتِهِ ابْدَأَنَ بِمَيَامِنِهَا وَمَوَاضِعِ الْوُضُوّءِ مِنْهَا عَطِيَّةً رَضِيَ اللَّهُ عَنْهَا قَالَتُ قَالَ رَسُولُ اللَّهِ عَلَيْهِ فِي غَسُلِ ابْنَتِهِ ابْدَأَنَ بِمَيَامِنِهَا وَمَوَاضِعِ الْوُضُوّءِ مِنْهَا كَالِهُ عَنْهَا كَامَةً عَالَمَ عَامَةً عَالَمَ عَلَيْهِ عَلَيْهِ الْبُدَانُ بِمِيَامِنِهَا وَمَوَاضِعِ الْوُضُوّءِ مِنْهَا كَامَةً عَلَيْهِ اللّهُ عَنْهَا كَامَةً عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ الْبُدَانُ بَعْنَامِ اللّهُ عَنْهَا قَالَتُ قَالَ رَسُولُ اللّهُ عَنْهَا فَاللّهُ عَنْهَا وَاللّهُ عَلَيْهِ اللّهُ عَلَيْهِ عَلَيْهُ عَلَيْهِ اللّهُ عَلَيْهَا عَلَيْ عَلَيْهِ اللّهُ عَلَيْهِ اللّهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ اللّهُ عَلَيْهِ عَلَيْهُ عَلَيْهِ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهِ اللّهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهِ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَى اللّهُ عَلَيْهِ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهِ عَلَيْهُ عَلَيْهِ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهِ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهِ عَلَيْهُ عَلَيْهِ عَلَيْهُ عَلَيْهِ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهِ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْ عَلَيْهُ عَلَ

# ٧٩٤. بَابُ مَوَاضِعِ الْوَضِوْءِ مِنَ الْمَيْتِ

৭৯৪, অনুচ্ছেদ ঃ মৃত ব্যক্তির উযুর স্থানসমূহ।

١١٨٣ حَدُّثَنَا يَحُلِى بُنُ مُوسَلَى حَدُّثَنَا وَكَثِيعُ عَنْ سَفْيَانَ عَنْ خَالِدٍ الْحَذَّاءِ عَنْ حَفْصَةً بِنْتِ سَيْرِيْنَ عَنْ اللهُ عَنْهَا قَالَتُ لَمَّا غَسَلْنَا بِنْتَ النّبِيِ عَلَيْهُ قَالَ لَنَا وَنَحُنُ نَعْسَلُهَا ابْدَوُا بِمَيَامِنِهَا وَمَوَاضِع الْوُضُوء .

১১৮৩ ইয়াহ্ইয়া ইব্ন মূসা (র.).....উম্মে আতিয়্যাহ্ (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আমরা নবী করীম করীম করীম তার কন্যা (যায়নাব রা.)-কে গোসল দিতে যাচ্ছিলাম, গোসল দেওয়ার সময় তিনি আমাদের বলেনঃ তোমরা তার ডান দিক থেকে এবং উয়ুর স্থানসমূহ থেকে ওরু করবে।

# ه٧٩. بَابُ هَلْ تُكَفَّنُ الْمَرْأَةُ فِي إِزَارِ الرَّجُلِ

৭৯৫. অনুচ্ছেদ ঃ পুরুষের ইয়ার দিয়ে মহিলার কাফন দেওয়া যায় কি ?

النَّبِيّ مَدُّتُنَا عَبُدُ الرَّحُمٰنِ بْنُ حَمَّادٍ اَخْبَرَنَا ابْنُ عَوْنٍ عَنْ مُحَمَّدٍ عَنْ أُمِّ عَطِيَّةً قَالَتْ تُوفِيَتُ بِنْتُ النَّبِيّ النَّبِيّ النَّبِيّ النَّبِيّ عَلَمًا فَرَغْنَا عَبُدُ الرَّفُولَةِ اللَّهُ الل

১১৮৪ আবদুর রহমান ইব্ন হামাদ (র.).....উম্মে আতিয়্যাহ্ (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী করীম করীম করিছাই -এর কন্যার ইন্তিকাল হলে তিনি আমাদের বললেন ঃ তোমরা তাকে তিনবার পাঁচবার অথবা যদি তোমরা প্রয়োজনীয় মনে কর, তবে তার চাইতে অধিকবার গোসল দাও। তোমরা শেষ করে আমাকে জানাবে। আমরা শেষ করে তাঁকে জানালাম। তখন তিনি তাঁর কোমর থেকে তাঁর চাদর (খুলে দিয়ে) বললেন ঃ এটি তাঁর ভিতরের কাপড় হিসেবে পরিয়ে দাও।

# ٧٩٦. بَابُ يَجْمَلُ الْكَافُورُ فِي أَخْرِهِ

৭৯৬. অনুচ্ছেদ ঃ গোসলে কর্পুর ব্যবহার করবে শেষবারে।

১১৮৫ হামিদ ইব্ন উমর (র.).....উমে আতিয়্যাহ্ (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী করীম এর কন্যাগণের মধ্যে একজনের ইন্তিকাল হল। নবী করীম রাজ্য সেখানে গেলেন এবং বললেন ঃ তোমরা তাঁকে তিনবার পাঁচবার অথবা যদি তোমরা প্রয়োজনীয় মনে কর, তবে তার চাইতে অধিকবার বরই পাতাসহ পানি দ্বারা গোসল দাও। শেষবারে কর্পুর (অথবা তিনি বলেন) 'কিছু কর্পূর' ব্যবহার করবে। গোসল শেষ করে আমাকে জানাবে। উম্মে আতিয়্যাহ্ (রা.) বলেন, আমরা শেষ করে তাঁকে জানালাম। তখন তিনি তাঁর চাদর আমাদের দিকে এগিয়ে দিয়ে বললেন ঃ এটি তাঁর ভিতরের কাপড় হিসেবে পরাও। আইয়্ব (র.) হাফ্সা (র.) সূত্রে উম্মে আতিয়্যাহ্ (রা.) থেকে অনুরূপ বর্ণনা করেন এবং তাতে তিনি (উম্মে আতিয়্যাহ্ রা.) বলেছেন, তিনি ইরশাদ করেছিলেন ঃ তাঁকে তিন, পাঁচ, সাত বা প্রয়োজনবোধে তার চাইতে অধিকবার গোসল দাও। হাফসা (র.) বলেন, আতিয়্যাহ্ (রা.) বলেন, আমরা তাঁর মাখার চূলকে তিনটি বেণী বানিয়ে দেই।

# ٧٩٧. بَابُ نَقُصْ شَعَرِ الْمَرْأَةِ وَقَالَ ابْنُ سِيْرِيْنَ لاَ بَأْسَ أَنْ يُنْقَصْ شَعَرُ الْمَيِّتِ

৭৯৭. অনুচ্ছেদ ঃ মহিলাদের চুল খুলে দেওয়া। ইব্ন সীরীন (র.) বলেছেন, মৃতের চুল খুলে দেওয়ায় কোন দোষ নেই।

اللهِ عَدَّثَنَا اَحْمَدُ حَدَّثَنَا عَبُدُ اللهِ بَنُ وَهُبِ اَخْبَرَنَا ابْنُ جُرَيْجٍ قَالَ اَيُّوبُ وَسَمِعْتُ حَفَصَةَ بِنْتَ سِيْرِيْنَ قَالَ اَيُّوبُ وَسَمِعْتُ حَفْصَةً بِنْتَ سِيْرِيْنَ قَالَتُ حَدَّثَنَا اللهِ عَلِيَّةَ وَلُونٍ نِقَضَنهُ ثَلَمَّ عَلَيْتُ مَعْلِيَّةً وَلُونٍ نِقَضَنهُ ثُلَمَّ عَلَيْتُ مَعْلَا اللهِ عَلَيْهُ ثَلَمَّةً قُرُونٍ نِقَضَنهُ ثُلَمَّ عَسَلْنَهُ ثُمَّ جَعَلْنَهُ ثَلَمَّ جَعَلْنَهُ ثَلَمْ جَعَلْنَهُ ثَلَمْ جَعَلْنَهُ ثَلَمْ جَعَلْنَهُ ثَلَمْ جَعَلْنَهُ ثَلَمْ جَعَلْنَهُ ثَلُمْ جَعَلْنَهُ ثَلَمْ عَلَيْهُ فَرُونٍ .

১১৮৬ আহ্মদ (র.)......উদ্মে আতিয়্যাহ্ (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী করীম ক্রিট্র এর কন্যার মাথার চুল তিনটি বেণী করে দেন। তারা তা খুলেছেন, এরপর তা ধুয়ে তিনটি বেণী করে দেন।

٧٩٨. بَابُكْيْفَ الْاِشْمَارُ لِلْمَيِّتِ وَقَالَ الْمَسَنُ الْفَرْقَةُ الْفَامِسَةُ تَشَدُّ بِهَا الْفَخِذَيْنِ وَالْوَرِكَيْنِ تَصْتَ الدِّرْعِ بَابُكَيْفَ الْاِشْمَارُ لِلْمَيِّتِ وَقَالَ الْمَسَنُ الْخِرْقَةُ الْفَامِسَةُ تَشَدُّ بِهَا الْفَخِذَيْنِ وَالْوَرِكَيْنِ تَصْتَ الدِّرْعِ بَهُ الْفَخِذَيْنِ وَالْوَرِكَيْنِ تَصْتَ الدِّرْعِ وَهُمَّ الْدِيْرُعِ وَمَا اللَّهُ وَمِنْ الْفَخِذَيْنِ وَالْوَرِكَيْنِ تَصْتَ الدِّرْعِ وَهُمَّ الْمُؤْمِنِ وَالْمَوْمِقِيقِ وَاللَّهُ وَالْمُؤْمِنِ الْفَرْفِي الْمُؤْمِنِينِ وَقَالَ الْمُسْتَنُ الْخِرْقَةُ الْخَامِسَةُ وَالْمُوالِمُ الْمُؤْمِنِ وَالْمُورِكَيْنِ تَصْتَ الدِّرْعِ وَاللَّهُ وَالْمُؤْمِنِ وَالْمُؤْمِنِ وَالْمُؤْمِنِ وَالْمُؤْمِنِ وَالْمُؤْمِنِ وَالْمُؤْمِنِ وَاللَّهُ وَاللَّهُ الْمُؤْمِنِ وَالْمُؤْمِنِ وَاللَّهُ اللْمُؤْمِنِ وَالْمُؤْمِنِ وَالْمُؤْمِنِ وَقَالَ الْمُؤْمِنِ وَالْمُؤْمِنِ وَاللَّهُ اللْمُؤْمِنِ وَالْمُؤْمِنِ وَالْمُؤْمِنِ وَالْمُؤْمِنِ وَالْمُؤْمِنِ وَالْمُؤْمِنِ وَالْمُؤْمِنِ وَقَالَ الْمُؤْمِنِ وَالْمُؤْمِنِ وَالْمُؤْمِنِ وَالْمُؤْمِنِ وَقَالَ الْمُؤْمِنِ وَالْمُؤْمِنِ وَالْمُومِ وَالْمُؤْمِنِ وَالْمُؤْمِنِ وَالْمُؤْمِنِ وَالْمُؤْمِنِ وَالِمُومِ وَالْمُؤْمِنِ وَالْمُؤْمِنِ وَالْمُؤْمِنِ وَالْمُؤْمِنِ وَالْمُؤْمِنِ وَالْمُؤْمِنِ وَالْمُؤْمِنِ وَالْمُؤْمِنِ وَالْمُؤْمِ وَالْمُؤْمِنِ وَالْمُؤْمِنِ وَالْمُؤْمِنِ وَالْمُؤْمِ وَالْمُومِ وَالْمُؤْمِ وَال

النَّهُ اللَّهُ عَدَّنَا اَحْمَدُ حَدَّنَا عَبُدُ اللَّهُ بَنُ وَهُبِ اَخْسَرَنَا ابْنُ جُرَيْجِ اَنَّ اَيُّوْبَ اَخْسَرَهُ قَالَ سَمِعْتُ ابْنَ سَيْرِيْنَ يَقُولُ جَاءَ ثَ المُّ عَطِيَّة رَضِيَ اللَّهُ عَنْهَا امْرَأَةُ مِنَ الْاَنْصَارِ مِنَ الَّلاَتِيْ بَايَعْنَ قَدِمَتِ الْبَصْرَةَ تُبَادِرُ النَّالِيُ عَلَيْنَا النَّبِيُ عَلَيْنَا النَّبِي عَلَيْنَا اللَّهُ عَلَيْنَا اللَّهُ عَلَيْنَا اللَّبِي عَلَيْنَا اللَّهُ عَلَيْنَا عَلَيْنَا اللَّهُ عَلَيْنَا اللَّهُ عَلَيْنَا اللَّهُ عَلَيْنَا اللَّهُ عَلَيْنَا اللَّهُ عَلَيْنَا اللَّهُ عَلَى ذُلِكَ عَلَى اللَّهُ عَلَيْنَا اللَّهُ عَلَى ذُلِكَ عَلَى ذُلِكَ وَلَا الْدَرِي الْيَالِكَ عَلَيْنَا اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْنَا اللَّهُ عَلَيْنَا اللَّهُ عَلَيْنَا اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْنَا اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْنَا اللَّهُ عَلَيْنَا اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى الْهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى الْمَلْ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْنَا اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى الْهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى الْمُولَالِكَ عَلَى اللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللَّه

ত্বলতে শুনেছি যে, আনসারী মহিলা উন্মে আতিয়্যাহ্ (রা.) আসলেন, যিনি নবী করীম ক্রিট্রান্ত নির কাছে বাই য়াতকারীদের অন্যতম। তিনি তাঁর এক ছেলে দেখার জন্য দ্রুততার সাথে বাসরায় এসেছিলেন, কিন্তু তিনি তাকে পাননি। তখন তিনি আমাদের হাদীস শুনালেন। তিনি বলেন, নবী করীম ক্রিট্রে আমাদের কাছে তাশরীফ নিয়ে আসেন, তখন আমরা তাঁর কন্যাকে গোসল দিছিলাম। তিনি বললেন ঃ তোমরা তাঁকে তিনবার, পাঁচবার, অথবা প্রয়োজনবোধে তার চাইতে অধিকবার বরই পাতাসহ পানি দ্বারা গোসল দাও। আর শেষবারে কর্পুর দিও। তোমরা শেষ করে আমাকে জানাবে। তিনি বলেন, আমরা যখন শেষ করেলাম, তখন রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্রে তাঁর চাদর আমাদের দিকে এগিয়ে দিয়ে বললেন ঃ এটাকে তাঁর গায়ের সাথে জড়িয়ে দাও। উন্মে আতিয়াহ্ (রা.)-এর বেশী বর্ণনা করেন নি। (আইয়ুব (র.) বলেন) আমি জানি না, নবী ক্রিট্রে নাও। উন্মে আতিয়াহ্ (রা.)-এর বেশী বর্ণনা করেন নি। (আইয়ুব (র.) বলেন) আমি জানি না, নবী ক্রিট্রে নাও কেন্স কন্যা ছিলেন গ তিনি বলেন, ' اشعار ' অর্থ গায়ের সাথে জড়িয়ে দাও। সীরীন (র.) মহিলা সম্পর্কে এইরূপই আদেশ করতেন যে, ভিতরের কাপড় (চাদরের মত পূর্ণ শরীরে) জড়িয়ে দিবে ইযারের মত ব্যবহার করবে না।

# ٧٩٩. بَابُ هَلْ يُجْعَلُ شَعَرُ الْمَرْأَةِ ثَلاَثَةً قُرُونٍ

৭৯৯. অনুচ্ছেদ ঃ মহিলাদের চুলকে তিনটি বেণী করা।

الله عَنْهَا قَالَتُ حَدَّثَنَا قَبِيْصَةَ حَدَّثَنَا سَفْيَانُ عَنْ هِشَامٍ عَنْ أُمَّ الْهُذَيْلِ عَنْ أُمَّ عَطِيَّةَ رَضِيَ الله عَنْهَا قَالَتُ ضَفَرُنَا شَعَرَ بِنْتِ النَّبِيِّ عَلَيْهُا تَعْنِى ثَلاَثَةَ قُرُونٍ وَقَالَ وَكَيْعُ قَالَ سَفْيَانَ نَاصِيَتَهَا وَقَرْنَيْهَا .

১১৮৮ কাবীসা (র.).....উম্মে আতিয়্যাহ্ (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আমরা নবী ক্রিট্রা-এর কন্যার কেশগুচ্ছ বেণী পাকিয়ে দিয়েছিলাম, অর্থাৎ তিনটি বেণী। ওয়াকী (র.) বলেন, সুফিয়ান (র.) বলেছেন, মাথার সামনের অংশে একটি বেণী এবং দু' পাশে দু'টি বেণী।

# ٨٠٠. بَابُ يُلْقَلَى شَعَرُ الْمَرْآةِ خَلْفَهَا ثَلاَثَةً قُرُونَ إِ

৮০০. অনুচ্ছেদ ঃ মহিলার চুল তিনটি বেণী করে তার পিছনে রাখা।

الله عَنْهُمَا قَالَتْ تُوفِيَتْ اِحْدَى بَنَاتِ النَّبِيِّ عَلَيْهُ فَاتَانَا النَّبِيُّ عَلَيْهُ فَقَالَ اغْسَلْنَهَا بِالسِّدْرِ وِثَرًا رَضِيَ الله عَنْهُمَا قَالَتْ تُوفِيَتْ اِحْدَى بَنَاتِ النَّبِيِّ عَلَيْهُ فَاتَانَا النَّبِيُّ عَلَيْهُ فَقَالَ اغْسَلْنَهَا بِالسِّدْرِ وِثَرًا ثَلَاثًا اوَ خَمْسًا اَوْ اكْثَرَ مِنْ ذَالِكَ انْ رَأَيْتُ نَ وَاجْعَلْنَ فِي الْآخِرَةِ كَافُورًا اَوْ شَيْئًا مِنْ كَافُورٍ فَاذِا فَرَغْتُنَ فَا انْذَنَّ هُ فَالْقَلَى الْيُنَا حَقَّوَهُ فَضْفَرُنَا شَعَرَهَا ثَلاَثَةَ قُرُونِ وَالْقَيْنَاهَا خَلْفَهَا .

১১৮৯ মুসাদাদ (র.).....উন্মে আতিয়্যাহ্ (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী ক্রিট্রেএর কন্যাগণের মধ্যে একজনের ইন্তিকাল হলে। তিনি আমাদের নিকট এসে বললেন ঃ তোমরা তাকে বরই পাতার পানি দিয়ে বে-জোড় সংখ্যক তিনবার পাঁচবার অথবা প্রয়োজনবোধে ততোধিকবার গোসল দাও। শেষবারে কর্পুর অথবা তিনি বলেছিলেন কিছু কর্পুর ব্যবহার করবে। তোমরা গোসল শেষ করে আমাকে জানাবে। আমরা শেষ করে তাঁকে জানালাম। তখন তিনি তাঁর চাদর আমাদের দিকে এগিয়ে দিলেন, আমরা তাঁর মাথার চুলগুলো তিনটি বেণী করে পিছনে রেখে দিলাম।

# ٨٠١. بَابُ النِّيَابِ الْبِيْضِ لِلْكُفِّنِ

৮০১. অনুচ্ছেদ ঃ কাফনের জন্য সাদা কাপড়।

الله حَدَّثَنَا مُحَمَّدُ بْنُ مُقَاتِلِ آخْبَرَنَا عَبْدُ اللهِ آخْبَرَنَا هِشِامُ بْنُ عُرُوَةَ عَنْ آبِيهِ عَنْ عَائِشَةَ رَضِيَ اللهُ عَنْهَا أَنَّ رَسُولَ اللهِ عَلَيْهِ عَنْ عَائِشَةَ رَضِيَ اللهُ عَنْهَا أَنَّ رَسُولَ اللهِ عَلَيْهِ عَنْ عَائِشَةً الثَوَابِ يَمَانِيَةٍ بِيْضٍ سَحُولِيَّةٍ مِنْ كُرْسُفٍ لِيَسَ فِيْهِنَّ قَمِيْصُ وَلاَ عَمَامَةُ .

১১৯০ মুহাম্মদ ইব্ন মুকাতিল (র.).....আয়িশা (রা.) থেকে বর্ণিত যে, রাসূলুল্লাহ্ ক্রিট্রেই কে তিনখানা ইয়ামানী সাহুলী সাদা সূতী কাপড় দিয়ে কাফন দেওয়া হয়। তার মধ্যে কামীস এবং পাগড়ী ছিল না।

# ٨٠٢. بَابُ الْكَفَنِ فِي تُوْبَيْنِ

৮০২. অনুচ্ছেদ ঃ দু' কাপড়ে কাফন দেওয়া।

الله عَنْهُمْ اللهُ عَنْهُمْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْهُمْ اللهُ عَنْهُمُ اللهُ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ الل

১১৯১ আবু নু'মান (র.)......আবদুল্লাহ্ ইব্ন আব্বাস (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, এক ব্যক্তি আরাফাতে ওয়াকৃফ অবস্থায় হঠাৎ তার উট্নী থেকে পড়ে যায়। এতে তাঁর ঘাড় মটকে গেল অথবা রাবী বলেছেন, তাঁর ঘাড় মটকিয়ে দিল। (এতে সে মারা যায়)। তখন নবী ক্রিট্রে বললেন ঃ তাঁকে বরই পাতাসহ পানি দিয়ে গোসল করাও এবং দু' কাপড়ে তাকে কাফন দাও। তাঁকে সুগন্ধি লাগাবে না এবং তাঁর মাথা ঢাকবে না। কেননা, কিয়ামতের দিন সে তালবিয়া পাঠ করতে করতে উথিত হবে।

# ٨٠٢، بَابُ الْمَنْفُطِ الْمَيِّتِ

৮০৩. অনুচ্ছেদ ঃ মৃত ব্যক্তির জন্য সুগন্ধি ব্যবহার।

الله عَنْهُمَا قَالَ مَدُّنَا تَتَيْبَةُ حَدَّثَنَا حَمَّادُ عَنْ اَيُّوبَ عَنْ سَعَيْدِ بُنِ جُبَيْرٍ عَنِ ابْنِ عَبَّاسٍ رَضِيَ اللهُ عَنْهُمَا قَالَ بَيْنَمَا رَجُلُ رَسُولُ اللهِ عَلَيْكَ بِعَرَفَةَ ازْ وَقَعَ مِنْ رَاحِلَتِهِ فَاقَصَعَتْهُ أَوْ قَالَ فَاقَعَصَتْهُ فَقَالَ رَسُولُ اللهِ عَلَيْكُ بَيْنَمَا رَجُلُ رَسُولُ اللهِ عَلَيْكُ بِعَرَفَةَ ازْ وَقَعَ مِنْ رَاحِلَتِهِ فَاقَصَعَتْهُ أَوْ قَالَ فَاقَعَصَتْهُ فَقَالَ رَسُولُ اللهِ عَلَيْكُ الله عَلَيْكُ الله عَلَيْكُ بَعْدَدُ مِنْ رَاحِلَتِهِ فَاقَصَعَتْهُ أَوْ قَالَ فَاقَعَصَتْهُ فَقَالَ رَسُولُ الله عَلَيْكُ الله عَلَيْكُ الله عَنْهُ الله عَنْهُ الله عَنْهُ الله عَنْهُ عَلْمُ مَلْكِيا وَاللهُ اللهُ عَبْعَتُهُ مَوْمَ الْقِيَامَةِ مَلْبَيًا وَاللهُ عَلَيْهُ الله عَبْعَتُهُ مَوْمَ الْقِيَامَةِ مَلْبَيًا وَاللهُ عَلَيْهُ الله عَلَيْهُ الله عَبْعَتُهُ مَوْمَ الْقَيَامَةِ مَلْبِيًا وَعُسِلُوهُ بِمَاءٍ وَسِدُرٍ وَكَفَيْنُوهُ فِي تَوْبَكِنِ وَلاَ تُحَمِّرُوا رَأْسَهُ فَانِهُ اللهُ يَبْعَثُهُ يَوْمَ الْقِيَامَةِ مَلْبِيًا وَاللهُ عَلَيْهُ اللهُ يَبْعَثُهُ مَوْمَ الْقِيَامَةِ مَلْبِيًا وَاللهُ عَلَيْدُ اللهُ عَبْدُونُهُ اللهُ عَبْسِهِ وَقَعَ مِنْ أَوْبُهُمُ اللهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ مِنْ اللهُ عَلَيْهِ عَلَيْهُ فَا لَهُ وَقَعَ مِنْ رَاحِلَتِهِ عَلَقِهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلَيْهُ مِنْهُ فَاللهُ مَاللهُ اللهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ وَلَوْ عَلَيْهُ اللهُ عَلَيْهُ مِنْ اللهُ عَلَيْهُ مِنْ اللهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ مُنْ اللهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَى اللهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَى اللهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَى اللهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَى اللهُ عَلَيْهُ عَلَى اللهُ عَلَيْهُ عَلَيْكُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَى اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلَيْكُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَى اللهُ عَلَى مَا عَلَاللهُ عَلَيْهُ عَلَيْكُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَى اللهُ عَلَيْكُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَى اللهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَى عَلَيْهُ عَلَى عَلَيْهُ عَلَيْكُ مَا عَلَيْكُ عَلَيْهُ عَلَاهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْكُ عَلَيْكُ عَلَيْكُ عَلَيْكُ عَ

১১৯২ কুতাইবা (র.).....ইব্ন আব্বাস (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, এক ব্যক্তি রাস্লুল্লাহ্ ট্রিট্রিন্স সংগে আরাফাতে ওয়াকৃফ (অবস্থান) কালে হঠাৎ তার সাওয়ারী থেকে পড়ে যায়। ফলে তার ঘাড় মটকে গেল অথবা রাবী বলেন, দ্রুত মৃত্যুমুখে ফেলে দিল। (ফলে তিনি মারা গেলেন)। তখন রাস্লুল্লাহ্ বললেন ঃ তাঁকে বরই পাতাসহ পানি দিয়ে গোসল করাও এবং দু' কাপড়ে তাঁকে কাফন দাও; তাকে সুগিদ্ধি লাগাবে না এবং তার মাখা আবৃত করবে না। কেননা, আল্লাহ্ পাক কিয়ামতের দিন তাকে তালবিয়া পাঠরত অবস্থায় উথিত করবেন।

# ٨٠٤، بَابُ كَيْفَ يُكَفَّنُ الْمُحْرِمُ

৮০৪. অনুচ্ছেদ ঃ মুহ্রিম ব্যক্তিকে কিভাবে কাফন দেওয়া হবে।

١١٩٣ حَدَّثَنَا أَبُو النُّعْمَانِ آخْبَرَنَا آبُو عَوَانَةَ عَنْ آبِيْ عَنْ سَعِيْدِ بْنِ جُبَيْرٍ عَنِ ابْنِ عَبَّاسٍ رَضِي اللهُ عَنْهُمْ قَالَ بَيْنَمَا رَجُلاً وَقَصِهُ بَعِيْدُهُ وَنَحُنُ مَعَ النَّبِيِ عَلِيْهِ وَهُوَ مُحْدِمُ فَقَالَ النَّبِي عَلِيْهُ الْعُسِلُوهُ بِمَاءٍ عَنْهُمْ قَالَ النَّبِي عَلِيْهُ الْعُسِلُوهُ بِمَاءٍ

১. ইহ্রাম অবস্থায় যে দু'আ পাঠ করা হয়..... । আল্লাহম্মা লাব্বায়কা...এ দু'আকে তাল্বিয়া বলে।

তিন্ত্র হিন্ত হিন্ত হিন্ত বিদ্ধান (র.) এই ইন্ট্রিটির নির্দ্ধান (র.) এই ইন্ট্রিটির নির্দ্ধান (র.) এই ইন্ট্রিটির নির্দ্ধান (র.) এই বন আববাস (রা.) থেকে বর্ণিত, এক ব্যক্তির উট তার ঘাড় মটকে দিল। (ফলে সে মারা গেল)। আমরা তখন রাস্লুল্লাহ্ ক্রিটির এর সংগে ছিলাম। সে ছিল ইহ্রাম অবস্থায়। তখন নবী করীম ক্রিটির বললেন ঃ তাকে বরই পাতাসহ পানি দিয়ে গোসল করাও এবং দু' কাপড়ে তাকে কাফন দাও। তাকে সুগন্ধি লাগাবে না এবং তার মাথা আবৃত করো না। কেননা, আল্লাহ্

الله عَنْهُمْ قَالَ كَانَ رَجُلُ وَاقِفُ مَعَ النَّبِيِّ عِلَافَهُ فِي تَوْبَيْنِ وَلاَ تُحَنَّطُوهُ وَلاَ تُحَمِّرُوا رَأْسَهُ فَانَهُ يُبْعِثُ فَاتَهُ فَاتَهُ فَمَاتَ فَقَالَ اغْسِلُوهُ بِمَاءِ وَسِدْرِ وَكَفَنُوهُ فِي تَوْبَيْنِ وَلاَ تُحَنَّطُوهُ وَلاَ تُحَمِّرُوا رَأْسَهُ فَانَهُ يُبْعَثُ

১১৯৪ মুসাদাদ (র.).....ইব্ন আব্বাস (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, এক ব্যক্তি নবী করীম করিছিল। সে তার সাওয়ারী থেকে পড়ে গেল। (পরবর্তী অংশের বর্ণনায়) আইয়ুব (র.) বলেন, 'র্ট্রার্ট্রা' তার ঘাট মট্কে দিল। আর আমর (র.) বলেন, 'র্ট্রার্ট্রা' তাকে দ্রুত মৃত্যুমুখে ঠেলে দিল। ফলে সে মারা গেল। তখন রাস্লুল্লাহ্ ক্রিল্ট্রের্ট্রির বললেন, তাকে বরই পাতাসহ পানি দিয়ে গোসল দাও এবং দু' কাপড়ে তাকে কাফন দাও। তাকে সুগন্ধি লাগাবে না এবং তার মাথাও আবৃত করবে না। কেননা, তাকে কিয়ামতের দিন উথিত করা হবে-এ অবস্থায় যে, আইয়ুব (র.) বলেছেন, সে তালবিয়া পাঠ করছে আর আমর (র.) বলেন, সে তালবিয়া পাঠরত।

# ه ٨٠. بَابُ الْكَفَنِ فِي الْقَمِيْصِ الَّذِي يُكَفُّ أَوْلاَ يُكَفُّ وَمَنْ كُفِّنَ بِفَيْرِ قَمِيْص

يَوْمَ الْقَيَامَة قَالَ اَيُّوْبُ يَلَبَّى وَقَالَ عَمْرُو مُلَبِيًا ٠

৮০৫. অনুচ্ছেদ ঃ সেলাইকৃত বা সেলাইবিহীন কামীস দিয়ে কাফন দেওয়া এবং কামীস ব্যতীত কাফন দেওয়া।

الله عَدْثَنَا مُسَدَّدٌ حَدَّثَنَا يَحْيِى بْنُ سَعِيْدٍ عَنْ عُبَيْدِ الله قَالَ حَدَّثَنِى نَافِعُ عَنِ ابْنِ عُمَرَ رَضِي الله عَنْهُمَا اَنَّ عَبْدَ الله إَنْ الله اَعُطِنِى قَمِيْصَكَ اُكَفَنْهُ عَنْهُمَا اَنَّ عَبْدَ الله اَعْطِنِى قَمِيْصَكَ الله اَعْطِنِى قَمِيْصَكَ الله اَعْطِنِى قَمِيْصَكَ الله اَعْطِنِى قَمِيْصَكَ الله اَعْطِنِى عَلَيْهِ وَاسْتَغُفُولُهُ فَاعُطَاهُ النَّبِيِ عَلَيْهِ قَمِيْصَهُ فَقَالَ اَذِنِي اصلي عَلَيْهِ وَاسْتَغُفُولُهُ فَاعُطَاهُ النَّبِي عَلَيْهِ قَمَيْصَهُ فَقَالَ اَذِنِي اصلي عَلَيْهِ فَاذَنَهُ فَلَمَّا اَرَادَ اَنْ يُصلي عَلَيْهِ وَاسْتَغُفُولُهُ فَاعُطَاهُ النَّبِي عَلَيْهِ قَمَالَ الله نَهَاكَ اَنْ تُصلي عَلَيْهِ وَاسْتَغُفُولُهُ فَالَا الله عَنْهُ فَقَالَ الله نَهَاكَ اَنْ تُصلي عَلَيْهِ عَلَى الْمُنَافِقِيْنَ فَقَالَ اَنَا بَيْنَ عُلَيْهِ عَلَى الْمُنَافِقِيْنَ فَقَالَ اَنَا بَيْنَ

মুলান্বিদ ঃ মাথার চুল এলোমেলো না হওয়ার জন্য মোম জাতীয় আঁঠালো দ্রব্য ব্যবহারকারী, এখানে ইঽ্রামরত
অবস্থা বুঝান হয়েছে।

خبِرَتَيْنِ قَالَ اسْتَغْفِرْلَهُمْ أَوْ لاَتَسْتَغْفِرْلَهُمْ أِنْ تَسْتَغْفِرْلَهُمْ سَبْعِيْنَ مَرَّةً فَلَنْ يَغْفِرَ اللهُ لَهُمْ فَصَلَّى عَلَيْهِ فَنَزَلَتُ وَلاَ تُصلَّ عَلَى اَحَدِ مِنْهُمْ مَاتَ اَبدًا ،

মুসাদ্দাদ (র.).......আবদুল্লাহ্ ইব্ন উমর (রা.) থেকে বর্ণিত, আবদুল্লাহ্ ইব্ন উবাই (মুনাফিক সর্দরি) এর মৃত্যু হলে তার পুত্র (যিনি সাহাবী ছিলেন) নবী করীম ক্রিট্রান্ত এর কাছে এসে বললেন, আপনার জামাটি আমাকে দান করুন। আমি তা দিয়ে আমার পিতার কাফন পরাতে ইচ্ছা করি। আর আপনি তার জানাযা পড়বেন এবং তার জন্য মার্গফিরাত কামনা করবেন। নবী করীম ক্রিট্রান্তিরের জামাটি তাঁকে দিয়ে দিলেন এবং বললেন ঃ আমাকে সংবাদ দিও, আমি তার জানাযা আদায় করব। তিনি তাঁকে সংবাদ দিলেন। যখন নবী করীম তার জানাযা আদায়ের ইচ্ছা করলেন, তখন উমর (রা.) তাঁর দৃষ্টি আকর্ষণ করে বললেন, আল্লাহ্ কি আপনাকে মুনাফিকদের জানাযা আদায় করতে নিষেধ করেন নি ? তিনি বললেন ঃ আমাকে তো দু'টির মধ্যে কোন একটি করার ইখ্তিয়ার দেওয়া হয়েছে। (আল্লাহ্ তা'আলা বলেছেন) আপনি তাদের (মুনাফিকদের) জন্য মার্গফিরাত কামনা করুন বা মার্গফিরাত কামনা না-ই করুন (একই কথা) আপনি যদি সত্তর বারও তাদের জন্য মার্গফিরাত কামনা করেন; কখনো আল্লাহ্ তাদের ক্ষমা করবেন না। কাজেই তিনি তার জানাযা পড়লেন, তারপর নাযিল হল ঃ "তাদের কেউ মারা গেলে কখনও আপনি তাদের জানাযা আদায় করবেন না।"

النَّبِيُّ عَبْدَ اللهِ بْنَ ابْسُمْعِيْلَ حَدَّثَنَا ابْنُ عُيَيْنَةَ عَنْ عَمْرِهِ سَمِعَ جَابِرًا رَضِيَ اللهُ عَنْهُ قَالَ اتلى النَّبِيُّ عَلَا مَالِكُ بْنُ ابْمَ بَعْدَ مَادُفِنَ فَاخْرَجَهُ فَنَفَتَ فَيْهِ مِنْ رِيْقِهِ وَٱلْبَسَهُ قَمِيْصَهُ .

১১৯৬ মালিক ইব্ন ইস্মায়ীল (র.).....জাবির (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আবদুল্লাহ্ ইব্ন উবাইকে দাফন করার পর নবীক্ষ্মীতার (কবরের) কাছে এলেন এবং তাকে বের করলেন। তারপর তার উপর থুথু দিলেন, আর নিজের জামাটি তাকে পরিয়ে দিলেন।

# ٨٠٦. بَابُ الْكَفَنِ بِفَيْرِ قَمِيْصٍ

৮০৬. অনুচ্ছেদ ঃ কামীস ব্যতীত কাফন।

١١٩٧ حَدَّثَنَا اَبُوْ نُعَيْمٍ حَدَّثَنَا سُفْ يَانُ عَنْ هِشَامٍ عَنْ عُرْوَةَ عَنْ عَائِشَةَ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهَا قَالَتُ كُفُنَ النَّبِيُّ عَلَيْهُ فَيْ ثَلَاثَةِ اَثُوَابٍ سَحُولٍ كُرْسُفٍ لَيْسَ فِيْهَا قَمِيْصُ وَلاَ عِمَامَةُ .

১১৯৭ আবৃ নু'আইম (র.).....আয়িশা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী ক্রান্ত্রী-কে তিন খানি সুতী সাদা সাহুলী (ইয়ামনী) কাপড়ে কাফন দেওয়া হয়েছে, তার মধ্যে কামীস এবং পাগড়ী ছিল না।

اللهِ عَدْثَنَا مُسَدَّدٌ حَدَّثَنَا يَحَيٰى عَنْ هِشَامٍ حَدَّثَنِي آبِيْ عَنْ عَائِشَةَ رَضِيَ اللهُ عَنْهَا أَنَّ رَسُولَ اللهِ عَلَيْهَ وَعَبْدُ اللهِ عَنْ عَنْهَا قَمْيُصُ وَلاَ عِمَامَةُ ، قَالَ عَبْدُ اللهِ آبُو نُعَيْمٍ لاَ يَقُولُ ثَلاَثَةٍ وَعَبْدُ اللهِ بَنُ اللهِ آبُو نُعَيْمٍ لاَ يَقُولُ ثَلاَثَةٍ وَعَبْدُ اللهِ بَنُ اللهِ آبُو نُعَيْمٍ لاَ يَقُولُ ثَلاَثَةً وَعَبْدُ اللهِ بَنُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ ا

১১৯৮ মুসাদাদ (র.)......আয়িশা (রা.) থেকে বর্ণিত, রাসূলুল্লাহ্ ক্রিট্রে-কে তিন্নানা কাপড় দিয়ে কাফন দেওয়া হয়েছে, তাতে কামীস ও পাগড়ী ছিল না। আবু আবদুল্লাহ্ (র.) বলেন, আবু নু'আইম (র.) 'য়৸ট বলেন নি। আর আবদুল্লাহ্ ইব্ন ওয়ালীদ (র.) থেকে হাদীস বর্ণনায় 'য়৸ট বলেছেন।

#### ٨٠٧. بَابُ الْكَفَنِ لاَ عِمَّامَةً

৮০৭. অনুচ্ছেদ ঃ পাগড়ী ব্যতীত কাফন।

١١٩٩ حَدُّثَنَا اِسْمَعْيِلُ قَالَ حَدَّثَنِي مَالِكُ عَنْ هِشَامِ بْنِ عُرْوَةَ عَنْ اَبِيْهِ عَنْ عَائِشَةَ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهَا اَنَّ رَسُولَ الله عَلَيْهُ كُفُنَ فِي ثَلاَثَةِ اَثْوَابِ بِيْضِ سَحُوليَّةٍ لَيْسَ فَيْهَا قَمِيْصُ وَلاَ عِمَامَةُ .

১১৯৯ ইসমায়ীল (র.).....আয়িশা (রা.) থেকে বর্ণিত, রাসূলুল্লাহ্ ক্রাম্মুল্ল-কে তিনখানা সাদা সাহুলী কাপড় দিয়ে কাফন দেওয়া হয়েছে, যার মধ্যে কোন কামীস ও পাগড়ী ছিল না।

٨٠٨. بَابُ الْكَفَّنِ مِنْ جَمِيْعِ الْمَالِوَبِهِ قَالَ عَطَاءُ وَالزَّهُرِيُّ وَعَمْرُو بَنُ دِيْنَارٍ وَقَتَادَةُ وَقَالَ عَمْرُو بَنُ دِيْنَارٍ الْكَفَنِ مِنْ حَبِينَارٍ الْكَفَنِ مُنْ عَلَا عُمَالُونَهِ فَالَ عَمْرُو بَنُ وَيُنَارٍ الْعَبْدِ الْعَبْدِ الْعَنْ عَلَى اللَّهُ اللَّهُ الْمَالُونَةُ اللَّهُ اللْمُ اللِي اللَّهُ الللْمُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّا اللَّهُ الللَّهُ الل

৮০৮. অনুচ্ছেদ ঃ মৃত ব্যক্তির সমস্ত সম্পদ থেকে কাফন দেওয়া। আতা, যুহরী, আমর ইব্ন দীনার এবং কাতাদা (র.) একথা বলেছেন। আমর ইব্ন দীনার (র.) আরও বলেছেন, সুগন্ধিও সমস্ত সম্পদ থেকে দিতে হবে। ইব্রাহীম (র.) বলেছেন, (সম্পদ থেকে) প্রথমে কাফন তারপর ঋণ পরিশোধ, তারপর ওয়াসিয়াত পূরণ করতে হবে। সুফিয়ান (র.) বলেছেন, কবর ও গোসল দেওয়ার খরচও কাফনের অন্তর্ভুক্ত।

الرّحَمْنِ اللهُ عَنْهُ يَوْمًا بِطَعَامِهِ فَقَالَ قُتِلَ مُصْعَبُ بْنُ سَعْدٍ عَنْ سَعْدٍ عَنْ اَبِيْهِ قَالَ اُتِيَ عَبْدُ الرّحَمْنِ بُنُ عَوْفٍ رَضِيَ اللهُ عَنْهُ يَوْمًا بِطَعَامِهِ فَقَالَ قُتِلَ مُصْعَبُ بْنُ عُمَيْرٍ وَكَانَ خَيْرًا مِنِي فَلَمْ يُوْجَدُ لَهُ مَا يُكَفَّنُ فِيهِ إِلاَّ بُرْدَةُ لَقَدْ خَشْيِتُ اَنْ يَكُونَ فَيِهِ إِلاَّ بُرْدَةُ لَقَدْ خَشْيِتُ اَنْ يَكُونَ فَيْهِ إِلاَّ بُرْدَةُ وَقُتِلَ حَمْزَةُ اَوْ رَجُلُ اَخَرُ خَيْرُ مِنِي فَلَمْ يُوْجَدُ لَهُ مَا يُكَفِّنُ فِيهِ إِلاَّ بُرْدَةُ لَقَدْ خَشْيِتُ اَنْ يَكُونَ

قَدْ عُجِلَتْ لَنَا طَيِّبَاتُنَا فِي حَيَاتِنَا الدُّنْيَا ثُمَّ جَعَلَ يَبْكِي ٠

১২০০ আহ্মদ ই ব্ন মুহামদ মাক্কী (র.).....সা'দ (র.)-এর পিতা থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, বুন্দিন আবদুর রহমান ইব্ন আওফ (রা.)-কে খাবার দেওয়া হল। তখন তিনি বললেন, মুস্'আব ইব্ন উম্'ইর (রা.) শহীদ হন আর তিনি আমার চাইতে শ্রেষ্ঠ ছিলেন অথচ তাঁর কাফনের জন্য একখানি চাদর ছাড়া আর কিছ্ই পাওয়া যায় নি। হামযা (রা.) বা অপর এক ব্যক্তি শহীদ হন, তিনিও ছিলেন আমার চাইতে শ্রেষ্ঠ, অথচ তাঁর কাফনের জন্যও একখানি চাদর ছাড়া কিছুই পাওয়া যায়নি। তাই আমার আশংকা হয়, আমাদের নেক আমলের বিনিময় আমাদের এ পার্থিব জীবনে আগেই দেয়া হল। তারপর তিনি কাদতে লাগলেন।

# ٨٠٩. بَابُ إِذَا لَمْ يُوْجَدُ الْأُقُوبُ وَاحِدُ

৮০৯. অনুচ্ছেদ १ একখানা কাপড় ব্যতীত আর কোন কাপড় পাওয়া ना গেলে।

| ١٢٠١ حَدَّثَنَا ابْنُ مُقَاتِلٍ أَخْبَرَنَا عَبْدُ اللهِ أَخْبَرَنَا شُعْبَةُ عَنْ سَعْدِ بْنِ اِبْرَاهِیْمَ عَنْ اَبِیْهِ اِبْرَاهِیْمَ اَنَّ عَبْد اللهِ أَخْبَرَنَا شُعْبَةُ عَنْ سَعْدِ بْنِ اِبْرَاهِیْمَ عَنْ اَبِیهِ اِبْرَاهِیْمَ اَنَّ عَبْد اللهِ اللهِ أَخْبَرَنَا شُعْبَةُ عَنْ سَعْد بْنِ اِبْرَاهِیْمَ عَنْ اَبِیهِ اِبْرَاهِیْمَ الله عَنْهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهِ اللهُ اللهِ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ الل

১২০১ মুহাম্মদ ইব্ন মুকাতিল (র.).......ইব্রাহীম (র.) থেকে বর্ণিত, একদা আবদুর রহমান ইব্ন আওফ (রা.)-কে খাদ্য পরিবেশন করা হল, তখন তিনি সিয়াম পালন করছিলেন। তিনি বললেন, মুস'আব ইব্ন উমাইর (রা.) শহীদ হন। তিনি ছিলেন, আমার চাইতে শ্রেষ্ঠ। (অথচ) তাঁকে এমন একখানা চাদর দিয়ে কাফন দেয়া হল যে, তাঁর মাথা ঢাকলে তাঁর দু' পা বাইরে থাকে আর দু' পা ঢাকলে মাথা বাইরে থাকে। (বর্ণনাকারী বলেন) আমার মনে পড়ে, তিনি আরও বলেছিলেন, হাম্যা (রা.) শহীদ হন। তিনিও ছিলেন আমার চাইতে শ্রেষ্ঠ। তারপর আমাদের জন্য পৃথিবীতে অত্যধিক প্রাচুর্য দেওয়া হয়েছে। আশংকা হয় যে, আমাদের নেক আমলগুলো (এর বিনিময়) আমাদের আগেই দিয়ে দেওয়া হয়েছে। তারপর তিনি কাঁদতে লাগলেন, এমনকি খাদ্যও পরিহার করলেন।

# ٨١٠. بَابُ إِذَا لَمْ يَجِدُ كُفَنَّا إِلَّا مَا يُوَارِي رَأْسَهُ أَوْ قَدَمَيْهِ غَطَّى رَأْسَهُ

৮১০. অনুচ্ছেদ ঃ মাথা বা পা আবৃত করা যায় এতটুকু ব্যতীত অন্য কোন কাফন না পাওয়া গেলে, তা দিয়ে কেবল মাথা ঢাকা হবে। الله عَنْهُ قَالَ مَعَ النّبِيِّ عَلَيْ نَلْتَمْسِ وَجْهَ اللهِ فَوَقَعَ اَجْرُنَا عَلَى اللهِ فَمِنَّا مَنْ مَاتَ لَمْ يَأْكُلُ مِنْ اَجْرِهِ شَيْئًا اللهُ عَنْهُ قَالَ مَعَ النّبِيِّ عَلَيْ اللهِ فَمَنَّا مَنْ مَاتَ لَمْ يَأْكُلُ مِنْ اَجْرِهِ شَيْئًا مِنْهُمْ مُصْعَبُ بُنُ عُمَيْرٍ وَمِنَّا مَنْ أَبْنَعَتْ لَهُ ثَمَرَتُهُ فَهُوَ يَهْدِبُهَا قُتِلَ يَوْمَ أَحُد فِلَمْ نَجِدُ مَانُكَفَّنُهُ الله بُرُدَةً اذِا مَنْ أَبْنَعَتْ لَهُ ثَمَرَتُهُ فَهُوَ يَهْدِبُهَا قُتِلَ يَوْمَ أَحُد فِلَمْ نَجِدُ مَانُكَفَّنُهُ الله بُرُدَةً اذِا عَطَيْنَا بِهَا رَأْسَهُ خَرَجَتُ رِجْلاَهُ وَإِذَا غَطِّيْنَا رِجْلَيْهِ خَرَجَ رَأْسُهُ ، فَآمَرَنَا النّبِيُّ عَلِيْهِ أَنْ نُفَطِّي رَأْسَهُ وَإَنْ نَعْطِي رَأْسَهُ وَإَنْ الْمُعَلِّي رَأْسَهُ وَإِنْ الْمُعْتَى لَهُ مُنَا اللّهُ مُنَا النّبِي عَلَيْهِ مِنَ الْإِنْجِر .

১২০২ আমর ইব্ন হাফস ইব্ন গিয়াস (র.).....খাববাব (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী ক্রিট্রান্ত্র বর্ণের মদীনা হিজরত করেছিলাম, এতে আল্লাহ্র সন্তুষ্টি চেয়েছিলাম। আমাদের প্রতিদান আল্লাহ্র দরবারে নির্ধারিত হয়ে আছে। তারপর আমাদের মধ্যে অনেকে শহীদ হয়েছেন। কিন্তু তাঁরা তাঁদের বিনিময়ের কিছুই ভোগ করে যান নি। তাঁদেরই একজন মুস'আব ইব্ন উমাইর (রা.) আর আমাদের মধ্যে অনেক এমনও রয়েছেন যাঁদের অবদানের ফল পরিপক্ক হয়েছে। আর তাঁরা তা ভোগ করছেন। মুস'আব (রা.) উহুদের দিন শহীদ হলেন। আমরা তাঁকে কাফন দেওয়ার জন্য এমন একখানি চাদর ব্যতীত আর কিছুই পেলাম না; যা দিয়ে তাঁর মাথা ঢাকলে তাঁর দু' পা বাইরে থাকে আর তাঁর দু' পা ঢেকে দিলে তাঁর মাথা বাইরে থাকে। তখন নবী ক্রিট্রান্ত্র তাঁর মাথা ঢেকে দিতে এবং তাঁর দু' খানাপায়ের উপর ইয্খির দিয়ে দিতে আমাদের নির্দেশ দিলেন।

# ٨١١. بَابُ مَنِ اسْتَعَدُّ الْكَفَنَ فِي زَمَنِ النَّبِيُ عَلِيلَ فَلَمْ يُنْكُرُ عَلَيْهِ

৮১১. অনুচ্ছেদ ঃ নবী স্ক্রী এর যামানায় যে নিজের কাফন তৈরী করে রাখল, অথচ তাঁকে এতে নিষেধ করা হয়নি।

الله عَنهُ الله عَنهُ الله عَنهُ الله عَنهُ الله عَنهُ الله عَنهُ انْ مَسْلَمَة حَدَّثَنَا ابْنُ ابِي حَانِم عَنْ ابِيهِ عَنْ سَهْلٍ رَضِيَ الله عَنهُ ان إمْراة عَالَ المَّمْ قَالَت جَاءَ تِ النَّبِي عَلِي إِلَيْ بِبُرْدَة مِ مَنْسُوجَة فِي لَهُ حَاشِيتُهَا اتَدُرُونَ مَا الْبُرْدَة قَالُوا الشَّمْلَةُ قَالَ نَعَمْ قَالَت نَعَمْ قَالَت نَسَجُستُهَا بِيَدِي فَجِئْتُ لاَكِسُوكَهَا فَأَخَذَهَا النَّبِي عَلَي الله مُحْتَاجًا الِيْهَا فَخَرَجَ الْفَيْ ازَارُهُ فَحَسنَنهَ فَسَالَتَهُ وَعَلِمْت فَلَانُ فَقَالَ اكْسُنْيْهَا مَا احْسَنَهَا قَالَ الْقَوْمُ مَا احْسَنْتَ لَبِسَهَا النَّبِي عَلَيْكُ مُحْتَاجًا الِيْهَا أَلُهُ مَا الله وَعَلَمْت فَعَلَا النَّبِي عَلَيْكُ مُحْتَاجًا الِيْهَا أَمُ سَالَتَهُ وَعَلِمْت الله لاَيْرِي عَلَيْهُ مُحْتَاجًا الِيْهَا أَمُ سَالَتَهُ وَعَلِمْت الله لاَيْرِي عَلَيْهُ مُحْتَاجًا الِيْهَا أَمُ سَالَتَهُ وَعَلِمْت الله لاَيْرِي عَلَيْكُ مُحْتَاجًا الله الله عَلَى الله عَلَيْهُ الله الله الله وَعَلَيْهُ الله وَالله وَعَلَيْهُ الله وَالله وَلَا الله وَالله وَال

১২০৩ আবদুল্লাহ্ ইব্ন মাসলামা (র.).....সাহল (রা.) থেকে বর্ণিত, এক মহিলা নবী ক্রিট্রে এর কাছে একখানা বুরদাহ (চাদর) নিয়ে এলেন যার সাথে ঝালর যুক্ত ছিল। সাহল (রা.) বললেন, তোমরা জান, বুরদাহ কি ? তারা বলল, চাদর। সাহল (রা.) বললেন, ঠিকই। মহিলা বললেন, চাদরখানি আমি নিজ হাতে বুনেছি এবং তা আপনার পরিধানের জন্য নিয়ে এসেছি। নবী ক্রান্ত্রী তা গ্রহণ করলেন এবং তাঁর চাদরের প্রয়োজনও ছিল। তারপর তিনি তা ইযাররূপে পরিধান করে আমাদের সামনে তাশরীফ আনেন। তখন জনৈক ব্যক্তি তার সৌন্দর্য বর্ণনা করে বললেন, বাহ! এ যে কত সুন্দর। আমাকে তা পড়ার জন্য দান করুন। সাহাবীগণ বললেন, তুমি ভাল কর নি। নবিল্লিক্রিতা তাঁর প্রয়োজনে পরেছেন; তবুও তুমি তা চেয়ে বসলে। অথচ তুমি জান যে, তিনি কাউকে বিমুখ করেন না। ঐ ব্যক্তি বলল, আল্লাহ্র কসম! আমি তা পরার উদ্দেশ্যে চাইনি। আমার চাওয়ার একমাত্র উদ্দেশ্য যেন তা আমার কাফন হয়। সাহল (রা.) বলেন, শেষ পর্যন্ত তা তাঁর কাফনই হয়েছিল।

# ٨١٢. بَابُ اِتِّبًا مِ النِّسَاءِ الْجَنَائِزَ

৮১২. অনুচ্ছেদ ঃ জানাযার পিছনে মহিলাদের অনুগমণ।

اللهُ عَنْ اللهُ عَنْهَا اللهُ عَنْهَا عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْهَا عَنِ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْهَا عَنْ اللهُ عَنْهُ اللهُ عَنْهُ اللهُ اللهُ عَنْهُ اللهُ اللهُ عَنْهُ اللهُ اللهُ عَنْهُ اللهُ الل

১২০৪ কাবীসা ইব্ন উক্বা (র.).....উম্মে আতিয়্যাহ্ (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, জানাযার অনুগমণ করতে আমাদের নিষেধ করা হয়েছে, তবে আমাদের উপর কড়াকড়ি করা হয়নি।

# ٨١٣. بَابُ حَدِّ الْمَرْأَةِ عَلَى غَيْرِ زَوْجِهَا

৮১৩. অনুচ্ছেদ ঃ স্বামী ব্যতীত অন্যের জন্য দ্রীলোকের শোক প্রকাশ।

ابنُ عَطِيَّةً رَضِيَ اللَّهُ عَنْهَا ، فَلَمَّا كَانَ الْيَوْمُ التَّالِثِ دَعَثَ بِصِفْرَةٍ فَتَمَسَّحَتُ بِهِ وَقَالَتُ نُهِيْنَا آنُ نُحِدًّ أَكْثَرَ مِنْ ثَلاَتْ إِلاَّ بِزَوْجٍ .

يَقُولُ لاَ يَحِلُّ لِامْرَأَة تِثَمْنُ بِاللهِ وَالْيَوْمِ الْأَخِرِ اَنْ تُحِدَّ عَلَى مَيَّتٍ فَوْقَ ثَلاَث إِلاَّ عَلَى زَوْجٍ فَانِّهَا تُحِدُّ عَلَيْهِ وَالْيَوْمِ الْأَخِرِ اَنْ تُحِدًّ عَلَى مَيِّتٍ فَوْقَ ثَلاَث إِلاَّ عَلَى زَوْجٍ فَانِّهَا تُحِدُّ عَلَيْهِ وَالْيَوْمِ الْأَخِرِ اَنْ تُحِدًّ عَلَى مَيِّتٍ فَوْقَ ثَلاَث إِلاَّ عَلَى زَوْجٍ فَانِّهَا تُحِدُّ عَلَيْهِ وَالْيَالُهِ وَالْيَوْمِ الْأَخْرِ اَنْ تُحِدًّ عَلَى مَيِّتٍ فَوْقَ ثَلاَت إِلاَّ عَلَى زَوْجٍ فَانِّهَا تُحِدُّ عَلَيْهِ الْعَلَى اللهِ وَالْيَوْمِ الْأَخْرِ اَنْ تُحِدًّ عَلَى مَيِّتٍ فَوْقَ ثَلاَت إِلاَّ عَلَى زَوْجٍ فَانِّهَا تُحِدً عَلَيْهِ وَالْيَوْمِ اللهِ وَالْيَوْمِ الْأَخْرِ اَنْ تُحِدًّ عَلَى مَيِّتٍ فَوْقَ ثَلاَت إِلاَّ عَلَى زَوْجٍ فَانِّهَا تُحِدً

১২০৬ হুমাইদী (র.).....যায়নাব বিন্ত আবৃ সালামা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, যখন শাম (সিরিয়া) থেকে আবৃ সুফিয়ান (রা.)-এর মৃত্যু সংবাদ পৌছল, তার তৃতীয় দিন উদ্মে হাবীবা (রা.) হলুদ বর্ণের সুগন্ধি আনলেন এবং তাঁর উভয় গাল ও বাহুতে মাখলেন। তারপর বললেন, অবশ্য আমার এর কোন প্রয়োজন ছিল না, যদি আমি নবী করীম ক্রিম্মেই কে এ কথা বলতে না শোনতাম যে স্ত্রীলোক আল্লাহ্ এবং কিয়ামতের দিনের প্রতি ঈমান রাখে তার পক্ষে স্বামী ব্যতীত অন্য কোন মৃত ব্যক্তির জন্য তিন দিনের বেশী শোক পালন করা হালাল নয়। অবশ্য স্বামীর জন্য সে চার মাস দশ দিন শোক পালন করবে।

الله عَنْ زَيْنَبَ بِنْتِ آبِي سَلَمَةَ آخْسِرَتُهُ قَالَتُ دَخَلْتُ عَلَى اللهِ بَنِ ابِي بَكْرٍ بِنِ مُحَمَّد بَنِ عَمْرِو بَنِ حَزْمٍ عَنْ حَمَيْدٍ بَنِ نَافِعٍ عَنْ زَيْنَبَ بِنْتِ آبِي سَلَمَةَ آخْسِرَتُهُ قَالَتُ دَخَلْتُ عَلَى الْمَ حَبِيْبَةَ زَوْجٍ النَّبِيِّ عَلَيْ الْمَ عَبِيْبَةَ رَوْجٍ النَّبِيِّ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى مَيْتٍ فَوَقَ ثَلَاثٍ ، الأَ عَلَى زَوْجٍ رَسُولُ اللهِ عَلَى مَيْتٍ فَوَقَ ثَلَاثٍ ، الله عَلَى زَيْنَبَ بِنْتِ جَيْشٍ حِيْنَ تُوفِقِي آخُوها فَدَعَتْ بِطِيْبٍ فَمَسَّتُ ثُمَّ قَالَتُ الْبَهِ بَاللهِ بَاللهِ بَاللهِ عَلَى اللهِ عَلَى الله عَلَى زَيْنَبَ بِنْتِ جَيْشٍ حِيْنَ تُوفِقِي آخُوها فَدَعَتْ بِطِيْبٍ فَمَسَّتُ ثُمَّ قَالَتُ مَالِي بِالطَيْبِ مِنْ حَاجَةٍ غَيْرَ آنِي سَمِعْتُ رَسُولُ اللهِ عَيْنِ اللهِ عَلَى الْمَثْبَرِ يَقُولُ لاَ يَحِلُّ لِإِمْرَاقٍ تُوْمِنُ بِاللهِ وَالْيَوْمِ الْآخِرِ تُحِدُّ عَلَى مَيْتِ فَوْقَ ثَلاَتْ إِلاً عَلَى زَوْجٍ آرَبَعَةَ آشَهُر وَعَشَرًا .

১২০৭ ইস্মায়ীল (র.).....যায়নাব বিন্ত আবৃ সালামা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আমি নবী ক্ষার্ট্ট্র -এর সহধর্মিণী উম্মে হাবীবা (রা.)-র কাছে গেলাম। তখন তিনি বললেন, রাস্লুল্লাহ্ ক্রার্ট্ট্র -কে বলতে শুনেছি, যে স্ত্রীলোক আল্লাহ্ এবং কিয়ামতের দিনের প্রতি ঈমান রাখে তার পক্ষে কোন মৃত ব্যক্তির জন্য তিন দিনের বেশী শোক পালন করা হালাল নয়। তবে স্বামীর জন্য চার মাস দশ দিন (হালাল)। তারপর যায়নাব বিন্ত জাহ্শ (রা.)-এর ভাইয়ের মৃত্যু হলে আমি তাঁর কাছে গেলাম। তখন তিনি কিছু সুগন্ধি আনিয়ে তা ব্যবহার করলেন। এরপর বললেন, সুগন্ধি ব্যবহারে আমার কোন প্রয়োজন নেই, তবু যেহেতু আমি রাস্লুল্লাহ্ ক্রান্ট্রেই -কে বলতে শুনেছি, যে ব্যক্তি আল্লাহ্ এবং কিয়ামতের দিনের প্রতি ঈমান রাখে এমন কোন স্ত্রীলোকের পক্ষে কোন মৃত ব্যক্তির জন্য তিন দিনের বেশী শোক পালন করা জায়িয় নয়। তবে স্বামীর জন্য চার মাস দশ দিন (পালন করবে)।

٨١٤. بَابُ زِيَارَةِ الْقُبُورِ

৮১৪. অনুচ্ছেদ ঃ কবর যিয়ারত।

النّبِيُّ عَنْدَ قَبْرٍ قَالَ النّبِيِّ عَلَيْهُ فَلَمْ تَجِدُ عِنْدَهُ بَوَّابِيْنَ فَقَالَتُ لَمْ اعْرِفْكَ فَقَالَ النّبِيِّ عَنْدَ السّبِيْ عَنْدَ فَاللّهُ عَنْدَ قَبْرٍ وَاللّهُ عَلَمْ تَعْرِفْهُ فَقَيْلَ لَهَا النّهِ النّبِيِّ عَنْدَ قَبْرٍ قَالَ النّبِيِّ عَنْدَ الصّدَمَةِ النّبِيِّ عَنْدَ الصّدَمة اللّهُ الللّهُ اللّهُ الللّهُ الللللّهُ اللّهُ الللللّهُ الللللّهُ الللّهُ اللل

১২০৮ আদম (র.).....আনাস ইব্ন মালিক (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী ক্রান্ট্র-এক মহিলার পাশ দিয়ে যাচ্ছিলেন, যিনি কবরের পাশে কাঁদছিলেন। নবী ক্রান্ট্র বললেন ঃ তুমি আল্লাহ্কে ভয় কর এবং সবর কর। মহিলাটি বললেন, আমার কাছ থেকে চলে যান। আপনার উপর তো আমার মত মুসিবত আসেনি। তিনি নবী ক্রান্ট্র-কে চিনতে পারেন নি। পরে তাকে বলা হল, তিনি তো নবী ক্রান্ট্র। তখন তিনি নবী ক্রান্ট্র-এর দুয়ারে হাযির হলেন, তাঁর কাছে কোন পাহারাদার পেলেন না। তিনি আরয করলেন, আমি আপনাকে চিনতে পারিনি। তিনি বললেন ঃ সবর তো বিপদের প্রথম অবস্থাতেই।

ه ٨١. بَابُ قَوْلِ النَّبِيِّ عَلَيْ يُعَدَّبُ الْمَيِّتُ بِبَعْضِ بُكَاءِ آهَلِهِ عَلَيْهِ إِذَا كَانَ النَّوْحُ مِنْ سَنُّتِهِ لِقَوْلِ اللهِ تَعَالَى: قُوا آنَفُسنكُمْ وَآهَلْيِكُمْ نَارًا ، وَقَالَ النَّبِيُّ عَلَّكُمُ مَا عِوكَكُّكُمْ مَسَسؤُلُ عَنْ رَعِيَّتِهِ فَاذِا لَمْ يَكُنْ مَنْ سَنُّ الْفُولِي وَهُو كَفَوْلِهِ وَإِنْ تَدْعُ مُثُقَلَةُ ذُنُولِنَا مِنْ سَنُّ الْفُرلَى وَهُو كَقَوْلِهِ وَإِنْ تَدْعُ مُثُقَلَةُ ذُنُولِنَا وَلَا لَا تَرْدُ وَازِرَةُ وَزُدَ الْخُرلَى وَهُو كَقَوْلِهِ وَإِنْ تَدْعُ مُثُقَلَةً ذُنُولِنَا وَلَا لَا تَرْدُ وَازِرَةُ وَزُدَ الْخُرلَى وَهُو كَقَوْلِهِ وَإِنْ تَدْعُ مُثُقِلَةً ذُنُولِنَا اللهِ عَنْهَا لاَ تَرْدُ وَازِرَةً وَزُدَ الْخُرلَى وَهُو كَقَوْلِهِ وَإِنْ تَدْعُ مُثُقِلَةً ذُنُولِنَا اللهِ عَنْهِ اللهُ عَنْهَا لاَ تَرْدُ وَازِرَةً وَزُدَ الْخُرلَى وَهُو كَقَوْلِهِ وَإِنْ تَدْعُ مُثُقِلَةً ذُنُولِنَا إِللهِ الْمُعَلِّلِ عَنْ اللهُ عَنْ مَا يُرَخَعُنُ مَنْ الْبُكَاءِ فِي غَيْرِ نَوْحٍ وَقَالَ النَّبِي عَلَيْ لاَ تُقْتَلُ نَفْسُ طُلْمًا إِلَّا كَانَ عَلَى ابْنِ أَدْمَ الْأَولِ كَفِلُ مَنْ دَمِهَا وَذَٰ لِكَ لاَنَّهُ آولُكُ مَنْ سَنُ الْقَتْلَ

৮১৫. অনুচ্ছেদ ঃ নবী ক্র্রাট্র — এর বাণী ঃ পরিজনের কান্নার কারণে মৃত ব্যক্তিকে আযাব দেওয়া হয়, যদি বিলাপ করা তার অভ্যাস হয়ে থাকে ।কারণ আল্লাহ্ তা'আলা ইরশাদ করেনঃ তোমরা নিজেদের এবং তোমাদের পরিবার পরিজনদের জাহান্নামের আগুন থেকে রক্ষা কর ।(সূরা তাহ্রীম ঃ ৬) এবং নবীক্র্রাট্র বলেছেন ঃ তোমাদের প্রত্যেকেই দায়িত্বপ্রাপ্ত এবং প্রত্যেকেই তার দায়িত্ব সম্পর্কে জিজ্ঞাসিত হবে । কিছু তা যদি তার অভ্যাস না হয়ে থাকে তা হলে তার বিধান হবে যা আয়িশা রো.) উদ্বৃত করেছেন ঃ নিজ বোঝা বহনকারী কোন ব্যক্তি অপরের বোঝা বহন করবে না । (সূরা ফাতির ঃ ১৮) । আর এ হলো আল্লাহ্ পাকের এ বাণীর ন্যায়— "কোন (গুনাহের) বোঝা বহনকারী ব্যক্তি যদি কাকেও তা বহন করতে আহ্বান করে তবে তা থেকে এর কিছুই বহন করা হবে না । (সূরা ফাতির ঃ ১৮) । আর বিলাপ ছাড়া

কারার অনুমতি দেওয়া হয়েছে। নবী ক্রিট্রা বলেছেনঃ অন্যায়ভাবে কাউকে খুন করা হলে সে খুনের অপরাধের অংশ প্রথম আদম সন্তান (কাবিল) এর উপর বর্তাবে। আর তা এ কারণে যে, সেই প্রথম ব্যক্তি যে খুনের প্রবর্তন করেছে।

اللهِ عَلَيْهُ الصَّبِيُّ وَهُمَّمُ اللهُ عَلَا اللهُ في قُلُوْبِ عَبَاده وَانَّمَا اللهُ اللهُ مَنْ عَبَاده الرُّحَمَاء وَاللهُ عَنَاهُ اللهُ عَنَاهُ اللهُ عَنَاهُ اللهُ عَنَاهُ اللهُ عَنَاهُ اللهُ عَنْهُ اللهِ عَالَمُ اللهُ عَنْهُ اللهِ عَنْهُ اللهِ عَالَمُ اللهُ عَنْهُ عَنْهُ اللهِ عَلَيْهُ اللهِ عَالَمُ اللهِ عَنْهُ اللهِ عَالَمُ اللهُ عَنْهُ اللهُ عَنْهُ اللهُ عَنْهُ اللهِ عَنْهُ اللهِ عَنْهُ اللهِ عَنْهُ اللهُ عَنْهُ اللهِ عَنْهُ اللهُ اللهُ عَنْهُ اللهُ اللهُ عَنْهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَنْهُ اللهُ اللهُ

১২০৯ আবদান ও মুহাম্মদ (র.)......উসামা ইব্ন যায়িদ (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী ক্রিট্রেই.

-এর কন্যা (যায়নাব) তাঁর খিদমতে লোক পাঠালেন যে, আমার এক পুত্র মুমূর্য অবস্থায় রয়েছে, তাই আপনি আমাদের এখানে আসুন। তিনি বলে পাঠালেন, (তাকে) সালাম দিবে এবং বলবে ঃ আল্লাহ্রই অধিকারে যা কিছু তিনি দান করেন। তাঁর কাছে সবকিছুরই একটি নির্দিষ্ট সময় রয়েছে। কাজেই সে যেন সবর করে এবং সাওয়াবের আশায় থাকে। তখন তিনি তাঁর কাছে কসম দিয়ে পাঠালেন, তিনি যেন অবশ্যই আসেন। তখন তিনি দাঁড়ালেন এবং তাঁর সাথে ছিলেন সা'দ ইব্ন উবাদা, মু'আয ইব্ন জাবাল, উবাই ইব্ন কা'ব, যায়দ ইব্ন সাবিত (রা.) এবং আরও কয়েকজন। তখন শিশুটিকে রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্রেই -এর কাছে তুলে দেওয়া হল। তখন তার জ্ঞান ছঠফট করছিল। রাবী বলেন, আমার ধারনা যে, তিনি এ বলেছিলেন, যেন তার শ্বাস মশকের মত (আওয়ায হচ্ছিল)। আর নবী ক্রিট্রেই -এর দু' চোখ বেয়ে অশ্রুণ ঝরছিল। সা'দ (রা.) বললেন, ইয়া রাস্লাল্লাহ্! একি । তিনি বললেন ঃ এ হচ্ছে রহমত, যা আল্লাহ্ পাক তাঁর বান্দার অন্তরে আমানত রেখেছেন। আর আল্লাহ্ পাক তো তাঁর দয়ালু বান্দাদের প্রতিই দয়া করেন।

১২১০ আবদুল্লাহ্ ইব্ন মুহাম্মদ (র.)......আনাস ইব্ন মালিক (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আমরা রাস্লুল্লাহ্ এর এক কন্যা (উম্মে কুলসুম রা.)-এর জানাযায় উপস্থিত হলাম। রাস্লুল্লাহ্ বুখারী শরীফ (২)—৪৮

কবরের পাশে বসেছিলেন। আনাস (রা.) বলেন, তখন আমি তাঁর চোখ থেকে পানি ঝরতে দেখলাম। রাবী বলেন, রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্রেই জিজ্ঞাসা করলেন, তোমাদের মধ্যে কি এমন কেউ আছে, যে আজ রাতে স্ত্রী মিলন করে নি ? আবু তালহা (রা.) বললেন, আমি। রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্রেই বললেন ঃ তা হলে তুমি (কবরে) অবতরণ কর। রাবী বলেন, তখন তিনি (আবু তালহা (রা.) তাঁর কবরে অবতরণ করলেন।

١٢١١ حَدَّثَنَا عَبْدَانُ حَدَّثَنَا عَبْدُ اللهِ آخْبَرَنَا ابْنُ جُرَيْجِ قَالَ آخْبَرَنِيْ عَبْدُ اللهِ بْنُ عُبَيْدِ اللهِ ابْنِ أَبِي مُلَيْكَةً قَالَ تُوفَيِّيْتُ ابْنَةً لِعُثْمَانَ رَضِيَ اللهُ عَنْهُ بِمَكَّةً وَجِئْنَا لِنَشْهَدَهَا وَحَضَرَهَا ابْنُ عُمَرَ وَابْنُ عَبُّاسٍ رَضى اللَّهُ عَنْهُمْ وَانَّى لَجَالِسُ بَيْنَهُمَا أَوْقَالَ جَلَسْتُ الَّى أَحَدهمَا ثُمُّ جَاءَ الْأَخَرُ فَجَلَسَ الَّى جَنْبى فَقَالَ عَبْدُ اللَّهِ بْنُ عُمَرَ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهُمَا لِعَمْرِو بْنِ عُثْمَانَ الاَ تَنْهلَى عَنِ الْبُكَاءِ فَانَّ رَسُولَ الله عَنْهُمَا لِعَمْرِو بْنِ عُثْمَانَ الاَ تَنْهلَى عَنِ الْبُكَاءِ فَانَّ رَسُولَ الله عَنْهُمَا لَعُمْرِو بْنِ عُثْمَانَ الاَ تَنْهلَى عَنِ الْبُكَاءِ فَانَّ رَسُولَ الله عَنْهُمَا الْمُيَّتَ لَيُعَذَّبُ بِبِكَاء اَهْله عَلَيْه ، فَقَالَ ابْنُ عَبَّاسِ رَضيَ اللَّهُ عَنْهُمَا قَدْ كَانَ عُمَرُ رَضيَ اللَّهُ عَنْهُ يَقُولُ بَعْضَ ذَٰلِكَ ثُمَّ حَدَّثَ قَالَ صَدَرْتُ مَعَ عُمَرَ رَضَى اللَّهُ عَنْهُ مِنْ مَكَّةَ حَتَّى اذَا كُنَّا بِالْبَيْدَاء اذَا هُوَ بِرَكْبِ تَحْتَ ظلّ سَمُرَةِ فَقَالَ اذْهَبُ فَانْظُرُ مَنْ هُؤُلاء الرَّكُبُ قَالَ فَنَظَرْتُ فَاذَا صِهُيْبُ فَاخْ بَرْتُهُ فَقَالَ أَدْعُهُ لَيْ فَرَجَعْتُ الَى صنهيْبِ فَقُلْتُ ارْتَحَلْ فَالْحَقْ آميْ رَ الْمُؤْمِنْيْنَ ، فَلَمَّا أَصِيْبَ عُمَرُ دَخَلَ صنهيْبُ يَبْكَيْ يَقُولُ وَا أَخَاهُ وَاصِنَاحِبَاهُ ، فَقَالَ عُمَرُ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهُ يَا صُهَيْبُ أَتَبُكِيْ عَلَىٌّ وَقَدْ قَالَ رَسُولُ اللهِ عَيْضُهُ إنَّ الْمَيِّتَ يُعَذَّبُ بِبَعْضِ بُكَاء اَهْله عَلَيْه قَالَ ابْنُ عَبَّاسِ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهُمَا فَلَمًّا مَاتَ عُمَرُ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهُ ذَكَرْتُ ذَلِكَ لِعَائشَةَ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهَا فَقَالَتْ رَحمَ اللَّهُ عُمَرَ وَاللَّهِ مَاحَدَّثَ رَسُولُ اللَّهِ عَلَيْهِ إِنَّ اللَّهَ لَيُعَذِّبُ الْـمُؤُمِنَ بُبكَاء اَهْلِه عَلَيْه وَلٰكِنَّ رَسُولُ الله عَلِيَّةُ قَالَ انَّ اللهَ لَيزيدُ الْكَافِرَ عَذَابًا ببكاء اَهْله عَلَيْه وَقَالَتَ حَسَبكُمْ الْقُرُّأْنُ وَلاَ تَزِرُ وَازِرَةُ وِزُرَ أُخُرِى قَالَ ابْنُ عَبَّاسٍ رَضِيَ اللهُ عَنْهُمَا عِنْدَ ذٰلكَ وَاللهُ هُوَ أَضْحَكَ وَأَبْكَلَى قَالَ ابُّنُ أبى مُلَيْكَةً وَاللَّه مَاقَالَ ابْنُ عُمَرَ رَضَى اللَّهُ عَنْهُمَا شَيْئًا •

১২১১ আবদান (র.).......আবদুল্লাহ্ ইব্ন উবাইদুল্লাহ্ ইব্ন আবৃ মুলাইকা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, মক্কায় উসমান (রা.)-এর এক কন্যার ওফাত হল। আমরা সেখানে (জানাযায়) শরীক হওয়ার জন্য গেলাম। ইব্ন উমর এবং ইব্ন আব্বাস (রা.)ও সেখানে হাযির হলেন। আমি তাঁদের দু'জনের মাঝে বসা ছিলাম, অথবা তিনি বলেছেন, আমি তাঁদের একজনের পাশে গিয়ে বসলাম, পরে অন্যজন এসে আমার পাশে বসলেন। (কান্নার আওয়ায শুনে) ইব্ন উমর (রা.) আমর ইব্ন উসমানকে বললেন, তুমি কেন কাঁদতে নিষেধ করছ না ? কেননা, রাস্লুল্লাহ্ ক্রিল্লাই বলেছেন ঃ মৃত ব্যক্তিকে তার পরিজনদের কান্নার কারণে আযাব দেওয়া হয়। তখন ইব্ন আব্বাস (রা.) বললেন, উমর (রা.)ও এ রকম কিছু বলতেন। এরপর ইব্ন আব্বাস

(রা.) বর্ণনা করলেন, উমর (রা.)-এর সাথে মক্কা থেকে ফিরছিলাম। আমরা বায়দা (নামক স্থানে) পৌছলে উমর (রা.) বাবলা গাছের ছায়ায় একটি কাফেলা দেখতে পেয়ে আমাকে বললেন, গিয়ে দেখো তো এ কাফেলা কারা ? ইব্ন আব্বাস (রা.) বলেন, আমি গিয়ে দেখলাম সেখানে সুহাইব (রা.) রয়েছেনে। আমি তাঁকে তা জানালাম। তিনি বললেন, তাঁকে আমার কাছে ডেকে নিয়ে আস। আমি সুহাইব (রা.)-এর নিকটে আবার গেলাম এবং বললাম, চলুন, আমীরুল মু'মিনীনের সংগে সাক্ষাত করুন। এরপর যখন উমর (রা.) (ঘাতকের আঘাতে) আহত হলেন, তখন সুহাইব (রা.) তাঁর কাছে এসে এ বলে কাঁদতে লাগলেন, হায় আমার ভাই! হায় আমার বন্ধু! এতে উমর (রা.) তাঁকে বললেন, তুমি আমার জন্য কাঁদছো ? অথচ রাসূলুল্লাহ্ ক্রিল্মের বলেছেন ঃ মৃত ব্যক্তির জন্য তার আপন জনের কোন কোন কান্নার কারণে অবশ্যই তাকে আযাব দেওয়া হয়। ইব্ন আব্বাস (রা.) বলেন, উমর (রা.)-এর ওফাতের পর আয়িশা (রা.)-এর কাছে আমি উমর (রা.)-এর এ উক্তি উল্লেখ করলাম। তিনি বললেন, আল্লাহ্ উমর (রা.)-কে রহম করুন। আল্লাহ্র কসম! রাসূলুল্লাহ্ ক্রিট্রে একথা বলেন নি যে, আল্লাহ্ ঈমানদার (মৃত) ব্যক্তিকে, তার জন্য তার পরিজনের কানার কারণে আযাব দিবেন। তবে রাসূলুল্লাহ্ মালাদুর বলেছেন ঃ আল্লাহ্ তা'আলা কাফিরদের আযাব বাড়িয়ে দেন, তার জন্য তার প রিজনের কানার কারণে। এ রপর আয়িশা (রা.) ব ললেন, আল্নাহ্র কুরআনই তোমাদের জন্য যথেষ্ট (ইরশাদ হয়েছে) ঃ 'বোঝা বহনকারী কোন ব্যক্তি অপরের বোঝা বহন করবে না'। তখন ইব্ন আব্বাস (রা.) বললেন, আল্লাহ্ই ( বান্দাকে ) হাসান এবং কাঁদান। রাবী ইব্ন আবূ মুলাইকা (র.) বলেন, আল্লাহ্র কসম! (একথা তনে) ইব্ন উমর (রা.) কোন মন্তব্য করলেন না।

الرُّحُمٰنِ اَنَّهَا اَخْبَرَتْهُ اللهِ بَنُ يُوسَفَ اَخْبَرَنَا مَالِكُ عَنْ عَبْدِ اللهِ بَنِ اَبِيْ بَكُر عَنْ اَبِيهِ عَنْ عَمْرَةَ بِنْتِ عَبْدِ اللهِ بَنِ اللهِ بَنِ اللهِ بَنِ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْهَا زَوْجَ النَّبِيِّ إِنَّى اللهِ عَنْهَا مَرُّ رَسُولُ اللهِ إِنَّى اللهِ عَنْهَا زَوْجَ النَّبِيِّ إِنَّى قَالَتُ اِنَّمَا مَرُّ رَسُولُ اللهِ إِنَّى اللهِ عَنْهَا زَوْجَ النَّبِيِّ إِنَّى قَالَتُ اِنَّمَا مَرُّ رَسُولُ اللهِ إِنَّى اللهِ عَنْهَا وَانَّهَا لَتُعَدَّبُ فِي قَبْرِهَا . عَلَى يَهُودِيَّةٍ يَبْكِي عَلَيْهَا اهْلُهَا فَقَالَ اِنَّهُمْ لَيَبْكُونَ عَلَيْهَا وَانَّهَا لَتُعَدَّبُ فِي قَبْرِهَا .

১২১২ আবদুল্লাহ্ ইব্ন ইউসুফ (র.)..... নবী করীম দুল্লান্ত্র এর সহধর্মিণী আয়িশা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, রাস্লুল্লাহ্ কুল্লান্ত্র এক ইয়াহ্দী মেয়েলোকের (কবরের) পাশ দিয়ে যাচ্ছিলেন, যার পরিবারের লোকেরা তার জন্য কান্নাকাটি করছিল। তথন তিনি বললেন ঃ তারা তো তার জন্য কান্নাকাটি করছে। অথচ তাকে কবরে আযাব দেওয়া হচ্ছে।

المَدِّ الْمَدِّ لَيُعَذَّبُ بِبُكَاءِ الْحَيِّ اللهُ عَنْهُ جَعَلَ صُهُدِ حَدَّثَنَا اَبُو السَّحَقَ وَهُوَ الشَّيْبَانِيُّ عَنْ اَبِي بُرْدَةَ عَنْ اَبِي بُرُدَةً عَنْ اَبِي بُرُدَةً عَنْ اللهُ عَنْهُ جَعَلَ صُهُيْبُ يَقُولُ وَالْخَاهُ قَالَ عُمَرُ اَمَا عَلِمْتَ اللهُ عَنْهُ جَعَلَ صُهُيْبُ يَقُولُ وَالْخَاهُ قَالَ عُمَرُ اَمَا عَلِمْتَ اَنَّ النَّبِي عَلِيْهِ. عَنْ الله عَنْهُ جَعَلَ صُهُيْبُ يَقُولُ وَالْخَاهُ اَلَا عُمَرُ الله عَنْهُ جَعَلَ صُهُيْبُ يَقُولُ وَالْخَاهُ اَلَا عُمَرُ اَمَا عَلِمْتَ اَنَّ النَّبِي عَلِيهِ قَالَ اللهُ عَنْهُ جَعَلَ صَهُيْبُ يَقُولُ وَالْخَاهُ اَلَا عَمَرُ اللهُ عَنْهُ جَعَلَ صَهُ اللهُ عَنْهُ عَلَى عَلَى عَلَى عَلَى اللهُ عَنْهُ عَلَى عَلَى عَلَى عَلَى عَلَى اللهُ عَنْهُ عَلَى عَلَى عَلَى عَلَى اللهُ عَنْهُ عَلَى عَلَى اللهُ عَنْهُ عَلَى عَلَى عَلَى عَلَى اللهُ عَنْهُ عَلَى عَلَى عَلَى عَلَى عَلَى عَلَى اللهُ عَنْهُ عَلَى عَلَى عَلَى عَلَى اللهُ عَنْهُ عَلَى عَلَى عَلَى عَلَى اللهُ عَلَى عَلَى عَلَى اللهُ عَلَى عَلَى اللهُ عَلَى عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى عَلَى اللهُ عَلَى عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ

১২১৩ ইসমায়ীল ইব্ন খলীল (র.).....আবৃ বুরদার পিতা (আবৃ মূসা আশ আরী (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, যখন উমর (রা.) আহত হলেন, তখন সুহাইব (রা.) হায়! আমার ভাই! বলতে লাগলেন। উমর (রা.) বললেন, তুমি কি জান না, যে নবী করীম ক্রিট্রা বলেছেন ঃ জীবিতদের কানার কারণে অবশ্যই মৃতদের আযাব দেওয়া হয় !

٨١٦. بَابُ مَا يَكُرَّهُ مِنَ النِّيَاحَةِ عَلَى الْمَيِّتِ وَقَالَ عُمَرُ رَضِى اللهُ دَعْهُنَّ يَبْكِيْنَ عَلَى أَبِي سُلَيْمَانَ مَالَهُ يَكُنْ نَقْعُ أَوْ لَقَلَقَةُ وَالنَّقُعُ التَّرَابُ عَلَى الرَّأْسِ وَاللَّقَلَقَةُ الصَّنْتُ

৮১৬. অনুচ্ছেদ ঃ মৃতের জন্য বিলাপ অপসন্দনীয়। উমর (রা.) বলেন, আবু সুলাইমান (খালিদ ইব্ন ওয়ালীদ (রা.)—এর জন্য) তাঁর (পরিবার পরিজনকে) কাঁদতে দাও। যতক্ষণ ' হৈঁ (নাক্') কিংবা ' হিন্তি ' (লাকলাকা) না হয়। নাক্' হল, মাথায় মাটি নিক্ষেপ, আর 'লাকলাকা' হল, চিৎকার।

النَّارِ سَمِعْتُ النَّبِيُّ عَلَيْهُ مَقُولُ مِنْ عَلَيْهُ مِعَدَّبُ مِعَدُّ مِنْ عَلَيْ مِنْ مَنِيْعَةً عَنِ الْمُغْيِرةِ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهُ قَالَ سَمِعْتُ النَّبِيُّ عَلَيْ مَتَعَمِّدًا فَلْيَتَبَوَّا مَقْسَعَدَهُ مِنَ النَّبِيُّ عَلَيْ مُتَعَمِّدًا فَلْيَتَبَوَّا مَقْسَعَدَهُ مِنَ النَّبِيُّ عَلَيْ مَتَعَمِّدًا فَلْيَتَبَوَّا مَقْسَعَدَهُ مِنَ النَّارِ سَمِعْتُ النَّبِيُّ عَلَيْهِ مَعْدَبُ بِمَا نِيْحَ عَلَيْهِ مِعَالَى مَنْ نِيْحَ عَلَيْهِ يُعَذَّبُ بِمَا نِيْحَ عَلَيْهِ .

১২১৪ আবৃ নু'আইম (র.)......মুগীরা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আমি নবী ক্রিট্রেট্র-কে বলতে জনেছি যে, আমার প্রতি মিথ্যা আরোপ করা অন্য কারো প্রতি মিথ্যা আরোপ করার মত নয়। যে ব্যক্তি আমার প্রতি মিথ্যা আরোপ করে, সে যেন অবশ্যই তার ঠিকানা জাহান্নামে করে নেয়। (মুগীরা (রা.) আরও বলেছেন,) আমি নবী ক্রিট্রেট্র-কে আরও বলতে জনেছি, যে (মৃত) ব্যক্তির জন্য বিলাপ করা হয়, তাকে বিলাপকৃত বিষয়ের উপর আযাব দেওয়া হবে।

الله عَدَّثَنَا عَبْدَانُ قَالَ اَخْبَرَنِي آبِي عَنْ شُعْبَةَ عَنْ قَتَادَةَ عَنْ سَعِيْدِ بْنِ الْمُسَيَّبِ عَنِ ابْنِ عُمَرَ عَنْ الله عَنْهُمَا عَنِ النَّبِيِ عَلِي قَالَ الْمَيِّتُ يُعَذَّبُ فِي قَبْرِهِ بِمَا نِيْحَ عَلَيْهِ تَابَعَهُ عَبْدُ الْأَعْلَى حَدَّثَنَا عَنْ الله عَنْهُ عَبْدُ الْأَعْلَى حَدَّثَنَا يَزِيْدُ بْنُ زُرَيْعٍ حَدَّثَنَا سَعَيْدُ حَدَّثَنَا قَتَادَةً وَقَالَ أَدَمُ عَنْ شُعْبَةَ الْمَيِّتُ يُعَذَّبُ بِبُكَاءِ الْحَيِّ عَلَيْهِ ،

১২১৫ আবদান (র.)......উমর (রা.) সূত্রে নবী ক্রিট্রা থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, মৃত ব্যক্তিকে তার জন্য কৃত বিলাপের বিষয়ের উপর কবরে আযাব দেওয়া হয়। আবদুল আলা (র.)..... কাতাদা (র.) থেকে বর্ণনায় আবদান (র.)-এর অনুসরণ করেছেন। আদম (র.) শুবা (রা.) থেকে বর্ণনা করেন যে, মৃত ব্যক্তিকে তার জন্য জীবিতদের কান্নার কারণে আযাব দেওয়া হয়।

#### ٨١٧. بَابُ

#### ৮১৭. অনুচ্ছেদঃ

الله عَنْهُمَا قَالَ جِئَ بِأَبِي يَوْمَ أَحُدُ قَدْ مُثَلًى بِهِ حَتَّى وُضِعَ بَيْنَ يَدَى رَسُولِ اللهِ عَالَى عَبْدِاللهِ رَضِي ثَوْبًا اللهُ عَنْهُمَا قَالَ جِئَ بِأَبِي يَوْمَ أَحُدُ قَدْ مُثَلًى بِهِ حَتَّى وُضِعَ بَيْنَ يَدَى رَسُولِ اللهِ عَلَيْهِ وَقَدْ سُجِّى ثَوْبًا اللهُ عَنْهُمَا قَالَ جِئَ بِأَبِي يَوْمَ أَحُدُ قَدْ مُثَلِّلَ بِهِ حَتَّى وُضِعَ بَيْنَ يَدَى رَسُولِ اللهِ عَلَيْهِ وَقَدْ سُجِّى ثَوْبًا اللهُ عَنْهُمَا قَالَ جِئَ بِأَبِي يَوْمَ أَحُدُ قَدْ مُثَلِّلَ بِهِ حَتَّى وُضِعَ بَيْنَ يَدَى رَسُولِ اللهِ عَلَيْهِ وَقَدْ سُجِّى ثَوْبًا

فَذَهَبَتُ أُرِيدُ أَنْ اَكُشفِ عَنْهُ فَنَهَانِيْ قَوْمِيْ ثُمَّ ذَهَبَتُ اَكْشفِ عَنْهُ فَنَهَانِيْ قَوْمِي فَامَرَ رَسُولُ اللهِ عَلَيْهِ فَدُهُبَتُ أُرِيدُ أَنْ اَكُشفِ عَنْهُ فَنَهَانِي قَوْمِي فَامَرَ رَسُولُ اللهِ عَلَيْهِ فَرَفِعَ فَسَمِعَ صَوْتَ صَائِحَةٍ فَقَالَ مَنْ هَٰذِهِ فَقَالُوا ابْنَةُ عَمْرٍ اَوْ أَخْتُ عَمْرٍ قَالَ فَلَمَ تَبْكِي أَوْ لاَ تَبْكِي فَمَا زَالَت الْمَلاَئِكَةُ تُظلُّهُ بِأَجْنِحَتها حَتَّى رُفعَ ،

১২১৬ আলী ইব্ন আবদুল্লাহ্ (র.)......জাবির ইব্ন আবদুল্লাহ্ (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, উহুদের দিন আমার পিতাকে অংগ প্রত্যংগ কর্তিত অবস্থায় নিয়ে এসে রাসূলুল্লাহ্ এর সামনে রাখা হল। তখন একখানি কাপড় দিয়ে তাঁকে ঢেকে রাখা হয়েছিল। আমি তাঁর উপর থেকে আবরণ উন্মোচন করতে আসলে, আমার কাওমের লোকেরা আমাকে নিষেধ করল। পুনরায় আমি আবরণ উন্মুক্ত করতে থাকলে আমার কাওমের লোকেরা (আবার) আমাকে নিষেধ করল। পরে রাসূলুল্লাহ্ এর নির্দেশে তাঁকে উঠিয়ে নেওয়া হল। তখন তিনি এক রোদনকারিনীর আওয়াজ শুনে জিজ্ঞাসা করলেন, এ কে ? লোকেরা বলল, আমরের মেয়ে অথবা (তারা বলল,) আমরের বোন। তিনি বললেন, কাঁদো কেন ? অথবা বলেছেন, কেঁদো না। কেননা, তাঁকে উঠয়ে নেওয়া পর্যন্ত ফিরিশ্তাগণ তাঁদের পাখা বিস্তার করে তাঁকে ছায়া দিয়ে রেখেছিলেন।

#### ٨١٨. بَابُ لَيْسَ مِنَّا مَنْ شَقَّ الْجُيْنَبَ

لاك عَدُّثَنَا اَبُنُ نُعَيْم حَدَّثَنَا سُفْيَانُ حَدَّثَنَا زُبَيْدُ الْيَامِيُّ عَنْ ابْرَاهِيْمَ عَنْ مَسْرُوْق عَنْ عَبْدِ اللهِ رَضِي اللهُ عَنْهُ قَالَ قَالَ النَّبِيُّ عَيْدٍ لَيْسَ مِنَّا مَنْ لَطَمَ الْخُدُودَ وَشَقَّ الْجُيُوبَ وَدَعَا بِدَعُوى الْجَاهِلِيَّةِ .

১২১৭ আবৃ নু'আইম (র.).....আবদুল্লাহ্ ইব্ন মাসউদ (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী ক্রিটি .
বলেছেন ঃ যারা ( মৃত ব্যক্তির জন্য শোক প্রকাশে) গাল চাপড়ায়, জামার বুক ছিঁড়ে ফেলে এবং জাহিলীয়াত যুগের মত চীৎকার দেয়, তারা আমাদের তরীকাভূক্ত নয়।

# ٨١٩. بَابُ رَبِّي النَّبِيُّ عَلَيْكِ سَعُدَ بُنَ خَوْلَةً

له المُحْلِمَةِ اللَّهِ بَنُ يُوسُفُ اَخْبَرَنَا مَالِكُ عَنِ ابْنِ شِهَابٍ عَنْ عَامِرٍ بْنِ سَعْدِ بْنِ اَبِي وَقَاصٍ عَنْ ابْنِ شِهَابٍ عَنْ عَامِرٍ بْنِ سَعْدِ بْنِ اَبِي وَقَاصٍ عَنْ ابْنِ شِهَابٍ عَنْ عَامِرٍ بْنِ سَعْدِ بْنِ اَبِي وَقَاصٍ عَنْ ابْنِ شِهَابٍ عَنْ عَامِرٍ بْنِ سَعْدِ بْنِ اَبِي وَقَاصٍ عَنْ ابْنِهِ رَضِي اللَّهُ عَنْهُ قَالَ كَانَ رَسُولُ اللَّهِ عَلَيْ يَعُودُنِي عَامَ حَجَّةِ الْوَدَاعِ مِنْ وَجَعٍ اِشْتَدُ بِي فَقَلْتُ انِي قَلْتُ انِي قَلْتُ النِّي قَدُ بَلِي فَقَالَ لاَ قَقْلَتُ بِالشَّطْرِ فَقَالَ لاَ ثُمَّ بَنِ الشَّطْرِ فَقَالَ لاَ ثُمَّ مِنَ الْوَجَعِ وَانَا نُومَالٍ وَلاَ يَرِثُنِي اللَّهِ الْإِنَّةُ اَفَأَتَصَدَّقُ بِثَلْثَى مَالِي قَالَ لاَ فَقُلْتُ بِالشَّطْرِ فَقَالَ لاَ ثُمَّ اللهُ وَاللَّهُ عَلَيْهُ وَلَا يَرِثُنِي النَّاسَ وَإِنْكَ النَّاسَ وَإِنْكَ النَّاسَ وَإِنْكَ النَّاسَ وَإِنْكَ النَّاسَ وَإِنْكَ

لَنْ تُنْفِقَ نَفَقَةً تَبْتَغِيْ بِهَا وَجُهَ اللهِ إِلاَّ أُجِرْتَ بِهَا حَتَٰى مَا تَجْعَلُ فِي الْمَرَاتِكَ فَقُلْتُ يَا رَسُولُ اللهِ الْأَ انْ تُخَلِّفُ فَتَعْمَلَ عَمَلاً صَالِحًا اللهِ اَزْدَدْتَ بِهِ دَرَجَةً وَرِفْعَةً ثُمَّ لَعَلَّكَ اَنْ تُخَلِّفُ فَتَعْمَلَ عَمَلاً صَالِحًا اللهِ اَزْدَدْتَ بِهِ دَرَجَةً وَرِفْعَةً ثُمَّ لَعَلَّكَ اَنْ تُخَلِّفُ اللهِ عَلَى اَعْقَابِهِمْ تُخَلِّفُ مَنْ عَلَى اَعْقَابِهِمْ الْمَعْمَ بِكَ اَقْوَامُ وَيُصْرَبِكَ اُخَرُونَ اللهِ عَلِيلَةً اَنْ مَاتَ بِمَكَّةً . لَكُنِ الْبَائِسَ سَعْدُ بُنُ خَوْلَةَ يَرَثِي لَهُ رَسُولُ اللهِ عَلِيلَةً اَنْ مَاتَ بِمَكَّةً .

১২১৮ আবদুল্লাহ্ ইব্ন ইউসুফ (র.)......সা'দ ইব্ন আবৃ ওয়াক্কাস (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, বিদায় হচ্ছে একটি কঠিন রোগে আমি আক্রান্ত হলে, রাস্লুল্লাহ্ আমার খোঁজ খবর নেওয়ার জন্য আসতেন। একদিন আমি তাঁর কাছে আরয় করলাম, আমার রোগ চরমে পীছেছে আর আমি সম্পদশালী। একটি মাত্র কন্যা ছাড়া কেউ আমার ওয়ারিস নেই। তবে আমি কি আমার সম্পদের দু'ত্তীয়াংশ সাদাকা করতে পারি ? তিনি বললন, না। আমি আবার আরয় করলাম, তা হলে অর্ধেক। তিনি বললেন, না। তারপর তিনি বললেন, এক তৃতীয়াংশ আর এক তৃতীয়াংশও বিরাট পরিমাণ অথবা অধিক। তোমার ওয়ারিসদের অভাবমুক্ত রেখে যাওয়া, তাদের অভাবগ্রন্ত রেখে যাওয়া মানুষের কাছে হাত পাতার চাইতে উত্তম। আর আল্লাহ্র সন্তুষ্টি লাভের জন্য তুমি যে কোন ব্যয় কর না কেন, তোমাকে তার বিনিময় দেওয়া হবে। এমন কি যা তুমি তোমার স্ত্রীর মুখে তুলে দিবে (তারও প্রতিদান পাবে) আমি আরয় করলাম, ইয়া রাস্লাল্লাহ্! (আফসোস) আমি আমার সাথীদের থেকে পিছনে থেকে যাব ? তিনি বললেন, তুমি যদি পিছনে থেকে নেক আমল করতে থাক, তা হলে তাতে তোমার মর্যাদা ও উন্নতি বৃদ্ধিই পেতে থাকবে। তা ছাড়া, সম্ভবত, তুমি পিছনে (থেকে যাবে)। যার ফলে তোমার দ্বারা অনেক কাওম উপকার লাভ করবে। আর অন্যরা ক্ষতিগ্রন্ত হবে। হে আল্লাহ্ ! আমার সাহাবীগণের হিজরত বলকং রাখুন। পশ্চাতে ফিরিয়ে দিবেন না। কিন্তু আফসোস! সা'দ ইব্ন খাওলার জন্য ( এ বলে) রাস্লুল্লাহ্ ভূটার জন্য শোক প্রকাশ করছিলেন, যেহেতু মক্লায় তাঁর ইন্তিকাল হয়েছিল।

٠٨٢٠ بَابُ مَا يُنْهَى مِنَ الْحَلْقِ عِنْدَ الْمُصِيْبَةِ وَقَالَ الْحَكَمُ بُنُ مُوسَلَى حَدُّنَنَا يَحْلِي بُنُ حَمْزَةَ عَنْ عَبُدِ اللهُ عَنْهُ قَالَ الْحَكُمُ بُنُ مُوسَلِي حَدُّنَا اللهُ عَنْهُ قَالَ اللهُ عَنْهُ قَالَ حَدُّنَا يَ مُؤْكُونَا اللهُ عَنْهُ اللهُ عَنْهُ قَالَ حَدُّنَا يَ اللهُ عَنْهُ اللهُ عَنْهُ قَالَ مَدُّنَا بَنِ مُوسَلِي مَنْ اللهُ عَنْهُ قَالَ مَدُّنَا يَ اللهُ عَنْهُ اللهُ الله

৮২০. অনুচ্ছেদ ঃ মুসীবতে মাথা মুড়ানো নিষেধ। হাকাম ইব্ন মূসা (র.) আবৃ বুরদা ইব্ন আবৃ মূসা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আবৃ মূসা আশ'আরী (রা.) কঠিন রোগে

আক্রান্ত হলেন। এমন কি তিনি সংজ্ঞাহীন হয়ে পড়লেন। তখন তাঁর মাথা তাঁর পরিবারস্থ কোন এক মহিলার কোলে ছিল। তিনি তাকে কোন জওয়াব দিতে পারছিলেন না। চেতনা ফিরে পেলে তিনি বললেন, সে সব লোকের সংগে আমি সম্পর্ক রাখি না যাদের সাথে রাসূলুল্লাহ্ সম্পর্ক ছিন্ন করেছেন। রাসূলুল্লাহ্ ক্রিল্লাই সে সব নারীর সাথে সম্পর্ক ছেদের কথা প্রকাশ করেছেন—যারা চিংকার করে কাঁদে, যারা মাথা মুড়ায় এবং যারা জামা কাপড় ইিড়ে ফেলে।

#### ٨٢١. بَابُ لَيْسَ مِنَّا مَنْ ضِرَبَ الْفُدُقْدَ

৮২১. অনুচ্ছেদ ঃ যারা গাল চাপড়ায় তারা আমাদের তরীকাভূক্ত নয়।

اللهِ مَنْ عَبْدِ اللهِ رَضِي اللهِ عَنْهُ عَنْ النَّبِي عَلِي قَالَ لَيْسَ مِنَّا مَنْ ضَرَبَ الْخُدُودَ وَشَقَّ الْجُيُوبَ وَدَعَا مِسْرُوقٍ عَنْ عَبْدِ اللهِ رَضِي اللهُ عَنْهُ عَنِ النَّبِي عَلِي قَالَ لَيْسَ مِنَّا مَنْ ضَرَبَ الْخُدُودَ وَشَقَّ الْجُيُوبَ وَدَعَا بِدَعْوَى الْجَاهِليّة .

১২১৯ মুহামদ ইব্ন বাশ্শার(র.)......আবদুল্লাহ্ ইব্ন মাসঊদ (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী করীম ক্রিম্ট্রেই ইরশাদ করেছেন ঃ যারা শোকে গালে চাপড়ায়, জামার বুক ছিড়ে ফেলে ও জাহিলীয়াত যুগের মত চিৎকার দেয়, তারা আমাদের তরীকাভুক্ত নয়।

# ٨٢٢. بَابُ مَا يُنْهَى مِنَ الْوَيْلِ وَدَعْوَى الْجَاهِلِيَّةِ عِنْدَ الْمُصبِيبَةِ

৮২২. অনুচ্ছেদ ঃ বিপদকালে হায়, ধ্বংস বলা ও জাহিলীয়াত যুগের মত চিৎকার করা নিষেধ।

رَضِيَ اللّٰهُ عَنْهُ قَالَ قَالَ النَّبِيُ عَلَيْكَ لَيْسَ مِنَّا مَنْ ضَرَبَ الْخُدُودَ وَشَقَ الْجُيُوبَ وَدَعَا بِدَعُوَى الْجَاهِلِيّةِ وَضِي اللّٰهُ عَنْهُ قَالَ قَالَ النَّبِي عَلَيْكَ لَيْسَ مِنَّا مَنْ ضَرَبَ الْخُدُودَ وَشَقَ الْجُيُوبَ وَدَعَا بِدَعُوَى الْجَاهِلِيّةِ وَضِي الْجَاهِلِيّةِ كَمِ اللّٰهُ عَنْهُ قَالَ قَالَ النَّبِي عَلَيْكَ لَيْسَ مِنَّا مَنْ ضَرَبَ الْخُدُودَ وَشَقَ الْجُيُوبَ وَدَعَا بِدَعُوَى الْجَاهِلِيّةِ كَمِّ اللّٰهُ عَنْهُ قَالَ قَالَ النَّبِي عَلَيْكَ لَيْسَ مِنَّا مَنْ ضَرَبَ الْخُدُودَ وَشَقَ الْجُيُوبَ وَدَعَا بِدَعُوى الْجَاهِلِيّةِ كَمِ اللّٰهُ عَنْهُ قَالَ قَالَ النَّبِي عَلَيْكُ لَيْسَ مِنَّا مَنْ ضَرَبَ الْخُدُودَ وَشَقَ الْجُيُوبَ وَدَعَا بِدَعُوى الْجَاهِلِيّةِ كَمِ اللّٰهَ عَنْهُ قَالَ قَالَ النَّبِي عَلَيْهِ لَيْسَ مِنَّا مَنْ ضَرَبَ الْخُدُودَ وَشَقَ الْجَيْوبَ وَدَعَا بِدَعُوى الْجَاهِلِيّةِ كَمِ اللّٰهَ عَلَيْهِ عَلَى اللّٰهِ بَنْ مَا اللّٰهِ بَنْ مُلْكِ اللّٰهِ اللّٰهِ بَنْ مُرَابً اللّٰهِ بَنْ مُرْبَعُ اللّٰهِ بَنْ مَلْ اللّٰهُ عَنْهُ قَالَ النّبِي عَلَيْهِ اللّٰهِ بَنْ مَا اللّٰهُ مَنْ مُلْ اللّٰهُ عَنْهُ مَالُولُونَ اللّٰهُ عَنْهُ عَلَى اللّٰهِ اللّٰهِ بَنْ مُلْكُونَ اللّٰهُ اللّٰهُ اللّٰهِ بَلْ اللّٰهِ بَنْ مُلْ مَنْ عَلَ اللّٰهُ مُنْ اللّهُ اللّٰهُ عَلَى اللّٰهُ عَنْهُ اللّٰهُ اللّٰهُ اللّٰهُ اللّٰهُ مِنْ اللّٰهُ اللّٰهُ اللّٰهُ اللّٰهُ اللّٰهِ اللّٰهِ اللّٰهُ اللّٰهُ مَنْ اللّٰهُ اللّٰ اللّٰهُ الللّٰهُ الللّٰهُ اللّٰهُ اللّٰهُ اللّٰهُ الللّٰهُ اللللّٰهُ الللّٰهُ الللّٰهُ اللّٰهُ الللّٰهُ اللّٰهُ ا

### ٨٢٣. بَابُ مَنْ جَلَسَ عِنْدَ الْمُصِيْبَةِ يُقْرَفُ فَيْهِ الْحُزْنُ

৮২৩. অনুচ্ছেদ ঃ যে ব্যক্তি মুসীবতকালে এমনভাবে বসে পড়ে যে, তার মধ্যে দুঃখবোধের পরিচয় পাওয়া যায়।

মহাম্মদ ইব্ন মুসানা (র.).......আয়িশা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, যখন (মুতা-র যুদ্ধ ক্ষেত্র থেকে) নবী ক্ষিত্রই এর খিদমতে (যায়িদ) ইব্ন হারিসা, জাফর ও ইব্ন রাওয়াহা (রা.)-এর শাহাদাতের সংবাদ পৌছল, তখন তিনি (এমনভাবে) বসে পড়লেন যে, তাঁর মধ্যে দুঃখের চিহ্ন ফুটে উঠেছিল। আমি (আয়িশা (রা.) দরওয়ায়ার ফাঁক দিয়ে তা দেখছিলাম। এক ব্যক্তি সেখানে উপস্থিত হয়ে জাফর (রা.)-এর পরিবারের মহিলাদের কান্নাকাটির কথা উল্লেখ করলেন। নবী ক্রিট্রেই ঐ ব্যক্তিকে নির্দেশ দিলেন, তিনি যেন তাঁদেরকে (কাঁদতে) নিষেধ করেন, লোকটি চলে গেলো এবং দ্বিতীয়বার এসে (বলল) তারা তাঁর কথা মানেনি। তিনি ইরশাদ করলেন ঃ তাঁদেরকে নিষেধ করো। ঐ ব্যক্তি তৃতীয়বার এসে বললেন, আল্লাহ্র কসম! ইয়া রাস্লাল্লাহ্! তাঁরা আমাদের হার মানিয়েছে। আয়িশা (রা.) বলেন, আমার মনে হয়, তখন নবী ক্রিট্রেই (বিরক্তির সাথে) বললেনঃ তা হলে তাদের মুখে মাটি নিক্ষেপ কর। আয়িশা (রা.) বলেন, আমি বললাম, আল্লাহ্ তোমার নাকে ধূলি মিলিয়ে দেন। তুমি রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্রেএর নির্দেশ পালন করতে পারনি। অথচ তুমি রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্রেই কে বিরক্ত করতেও কসূর করনি।

الله عَنْهُ قَالَ عَمْرُو بُنُ عَلَي حَدُّنَنَا مُحَمَّدُ بُنُ فَضَيْلٍ حَدَّنَنَا عَاصِمُ الْاَحُولُ عَنْ اَنَسٍ رَضِي اللهُ عَنْهُ قَالَ اللهِ عَنْهُ عَنْهُ اللهِ عَنْهُ عَنْهُ اللهِ عَنْهَ مَنْهُ عَنْهُ اللهِ عَنْهُ الله عَنْهُ عَلْمُ الله عَنْهُ الله عَنْهُ الله عَنْهُ عَلْمُ اللهُ عَنْهُ عَلْمُ الله عَلْمُ الله عَنْهُ عَلَمُ الله عَنْهُ عَلَمُ اللهُ عَلَمُ الله عَنْهُ عَلَمُ الله عَلَمُ الله عَنْهُ الله عَلَمُ الله عَلَمُ الله ع

ك. 'الْمُعَمُ الله'' গ আরবী ব্যবহারে বাক্যটি তোমাকে অপসন্দনীয় বিষয়ের সমুখীন করুন ও তোমাকে লজ্জিত, অপমানিত করুন, অর্থে ব্যবহৃত।

২. কুন্ত-ই-নাথিলা ঃ মুসলমানদের জাতীয় ও রাষ্ট্রীয় সার্বিক বিপদকালে ফজরের সালাতে দ্বিতীয় রাকা আতের কুকু র পর দাঁড়িয়ে ইমাম সাহেব উচ্চস্বরে বিশেষ দু আ পড়েন, মুক্তাদীগণ আমীন আমীন, বলতে থাকেন) এ দু আকে কুন্ত-ই-নাথিলা বলা হয়।

٨٢٤. بَابُ مَنْ لَمْ يُظْهِر حُزْنَهُ عِنْدَ الْمُصْلِيبَةِ وَقَالَ مُحَمَّدُ بُنُ كَفَبِ الْقُرَظِي الْجَزَعُ الْقَوْلُ السُيِّئُ وَقَالَ مُحَمَّدُ بُنُ كَفَبِ الْقُرَظِي الْجَزَعُ الْقَوْلُ السُيِّئُ وَقَالَ مُحَمَّدُ بُنُ كَفَبِ الْقُرَظِي الْجَزَعُ الْقَوْلُ السُيِّئُ وَقَالَ اللهِ يَعْقُوبُ عَلَيْهِ السَّلَامُ : إِنَّمَا اَشْكُو بَنِي وَحُزْنِي إِلَى اللهِ

৮২৪. অনুচ্ছেদ ঃ মুসীবতের সময় দুঃখ প্রকাশ না করা। মুহাম্মদ ইব্ন কা'ব (র.) বলেন, অস্থিরতা হচ্ছে মন্দ বাক্য উচ্চারণ করা, কুধারণা পোষণ করা। ইয়াক্ব আলাইহিস্ সালাম বলেছেন ঃ "আমি আমার অসহনীয় বেদনা ও আমার দুঃখ শুধু আল্লাহ্র নিকট নিবেদন করছি।"

المُحكّم حَدَّثَنَا بِشِرُ بُنُ الْحَكَم حَدَّثَنَا سُفْيَانُ بُنُ عُيَيْنَةَ آخُبَرَنَا اِسْحُقُ بُنُ عَبُدِ اللهِ بُنِ آبِي طَلْحَةَ آنَةُ مَنَا بِشُرُ بُنُ اللهُ عَنْهُ يَقُولُ اشْسَتَكَلَى ابْنُ لاَبِي طَلْحَةَ قَالَ فَمَاتَ وَآبُو طَلْحَةَ خَارِجُ ، فَلَمَّا رَأْتِ اِمْرَاتُهُ أَنَّهُ قَدْ مَاتَ هَيَّأَتُ شَيْئًا وَنَحَّتُهُ فِي جَانِبِ الْبَيْتِ فَلَمًا جَاءَ آبُو طَلْحَةً قَالَ كَيْفَ الْغُلامُ قَالَتُ رَأْتِ اِمْرَاتُهُ أَنَّهُ قَدْ مَاتَ هَيَّأَتُ شَيْئًا وَنَحَّتُهُ فِي جَانِبِ الْبَيْتِ فَلَمًا جَاءَ آبُو طَلْحَةً قَالَ فَبَاتَ فَلَمًّا آمُبَعَ الْغُلامُ قَالَتُ فَدَا الْغُلامُ قَالَتُ مَعْ النَّبِي عَلَيْكُ ثُمَّ آخُورَ النَّبِي عَلَيْكُ بُو طَلْحَةً آنَها صَادِقَةً قَالَ فَبَاتَ فَلَمًّا آمُبَعَ الْغُلامُ قَالَ مَنْهُ أَنُو لَكُمْ اللهُ ا

১২২৩ বিশ্র ইব্ন হাকাম (র.)......আনাস ইব্ন মালিক (রা.) তিনি বলেন, আবৃ তালহা (রা.)-এর এক পুত্র অসুস্থ হয়ে পড়ল। রাবী বলেন,সে মারা গেল। তখন আবৃ তালহা (রা.) বাড়ীর বাইরে ছিলেন। তাঁর স্ত্রী যখন দেখলেন যে, ছেলেটি মারা গেছে, তখন তিনি কিছু প্রস্তুতি নিলেন। এবং ছেলেটিকে ঘরের এক কোন্ধা রেখে দিলেন। আবৃ তালহা (রা.) বাড়ীতে এসে জিজ্ঞাসা করলেন, ছেলের অবস্থা কেমন । স্ত্রী জওয়াব দিলেন, তার আত্মা শান্ত হয়েছে এবং আশা করি সে এখন আরাম পাছেছ। আবৃ তালহা (রা.) ভাবলেন, তাঁর স্ত্রী সত্য বলেছেন। রাবী বলেন, তিনি রাত যাপন করলেন এবং ভোরে গোসল করলেন। তিনি বাইরে যেতে উদ্যত হলে স্ত্রী তাঁকে জানালেন, ছেলেটি মারা গেছে। এরপর তিনি নবী ক্রিট্রেই -এর সংগে (ফজরের) সালাত আদায় করলেন। তারপর নবী ক্রিট্রেই -কে তাঁদের রাতের ঘটনা জানালেন। তখন রাস্লুলুরা ইরিশাদ করলেন ঃ আশা করা যায়, আল্লাহ্ পাক তোমাদের এ রাতে বরকত দিবেন। সুফিয়ান (রা.) বলেন, এক ব্যক্তি বর্ণনা করেছেন, আমি (আবৃ তালহা (রা.) দম্পতির নয়জন সম্ভান দেখেছি, তাঁরা সবাই কুরআন সম্পর্কে দক্ষ ছিলেন।

১. যাতে স্বামী ব্যাপারটি বুঝতে না পারেন তজ্জন্য তিনি নিজেই শিশুটির গোসল ও কাফনের ব্যবস্থা করলেন, অথবা স্বামীর খাদ্যদ্রব্য প্রস্তুত করলেন, অথবা স্বামীর সংগলাভের জন্য সাজ–সজ্জার প্রস্তুতি নিলেন।

٥٨٥. بَابُ الصَّبْرِ عِنْدَ الصَّدْمَةِ الْأُولَى وَقَالَ عُمَرُ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهُ نِهُمَ الْعِدُلَانِ وَنَهُمَ الْعِلَانَةُ ، الَّذِيْنَ إِذَا أَصَا بَتْ هُمْ مُصِيْبِ بَهُ قَالُوا إِنَّا اللَّهِ وَإِنَّا الْهِ وَإِنَّا الْهَبِهِ رَاجِعُونَ أُولُنِكَ عَلَيْ هِمْ صَلَوَاتُ مِنْ رَبِّهِمْ وَرَحْتَ مَ وَأُنْ أَنْكُ هُمُ الْمُهْتَدُونَ وَقَوْلُهُ : وَاسْتَعْيِنُوا بِالصَّبْرِ وَالصَّلُوةِ وَإِنَّهَا لَكَبِيْرَةُ الِا عَلَى الْخَاشِعِيْنَ .

৮২৫. অনুচ্ছেদঃ বিপদের প্রথম অবস্থায়ই প্রকৃত সবর। উমর (রা.) বলেন, কতই না উত্তম দুই ঈদ্ল এবং কতই না উত্তম ইলাওয়াহ ' (আল্লাহ্র বাণী) ঃ "যারা তাদের উপর বিপদ আপতিত হলে বলে, আমরা তো আল্লাহ্রই জন্য এবং নিশ্চিতভাবে তার দিকেই প্রত্যাবর্তনকারী। এরাই তারা, যাদের প্রতি তাদের প্রতিপালকের পক্ষ থেকে করুণা, রাহমত বর্ষিত হয়, আর এরাই হিদায়াতপ্রাপ্ত। (স্রা বাকারা ঃ ১৫৬—১৫৭) আর আল্লাহ্ তা'আলার বাণী ঃ তোমরা সব্র ও সালাতের মাধ্যমে সাহায্য চাও, আর নিশ্চিতভাবে এ কাজ বিনীতদের ব্যতীত অন্য সকলের জন্য সুকঠিন। (স্রা বাকারা ঃ ৪৫)

١٢٢٤ حَدَّثَنَا مُحَمَّدُ بُنُ بَشَّارٍ حَدَّثَنَا غُنْدَرُ حَدَّثَنَا شُعْبَةً عَنْ ثَابِتٍ قَالَ سَمِعْتُ أَنْسًا رَضِيَ اللَّهُ عَنْهُ عَنِ اللَّهُ عَنْهُ عَنْ اللَّهُ عَنْهُ عَنْهُ اللَّهُ عَنْهُ عَنْهُ اللَّهُ عَنْهُ عَنْهُ اللَّهُ اللِيلَا ا

১২২৪ মুহাম্মদ ইব্ন বাশ্শার (র.).....আনাস (রা.) সূত্রে নবী ক্রিট্র থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, বিপদের প্রথম অবস্থায়ই প্রকৃত সব্র।

٨٢٦. بَابُ قَوْلِ النَّبِيِّ عَلِيْ النَّا بِكَ لَمَحْزُونُونَ وَقَالَ ابْنُ عُمْرَ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهُمَا عَنِ النَّبِيِّ عَلَيْ تَدْمَعُ اللَّهُ عَنْهُمَا عَنِ النَّبِيِّ عَلَيْ تَدْمَعُ الْمُعَنُّوبَهُمَا عَنِ النَّبِيِّ عَلَيْ تَدْمَعُ اللَّهُ عَنْهُمَا عَنِ النَّبِيِّ عَلَيْ تَدْمَعُ اللَّهُ عَنْهُمَا عَنِ النَّبِيِ عَلَيْ تَدُمَعُ اللَّهُ عَنْهُمَا عَنِ النَّبِيِ عَلَيْ اللَّهُ عَنْهُمَا عَنِ النَّبِيِ عَلَيْ الْمُعَنُّ وَيُحُرِّنُ الْقُلْبُ النَّبِي اللَّهُ عَنْهُمَا عَنِ النَّبِي عَلَيْ النَّالِي النَّبِي اللَّهُ عَنْهُمَا عَنِ النَّبِي عَلَيْ النَّبِي اللَّهُ عَنْهُمَا عَنِ النَّبِي اللَّهُ عَلَى النَّبِي اللَّهُ عَنْهُمَا عَنِ النَّبِي عَلَيْكُ الْمُعَلِّ الْمُعَلِّ الْمُعَلِّ اللَّهُ عَنْهُمَا عَنِ النَّبِي عَلَيْكُ المُعَلِّ الْمُعَلِّ اللَّهُ عَنْهُمَا عَنِ النَّبِي عَلَيْكُ اللَّهُ عَنْهُمَا عَنِ النَّبِي اللَّهُ عَنْهُمَا عَنِ النَّبِي عَلَيْكُ اللَّهُ عَنْهُمَا عَنِ النَّبِي عَلَيْكُ اللَّهُ عَنْهُمَا عَنِ النَّبِي الْمُعَلِي النَّهُ عَلَى اللَّهُ عَنْهُمَا عَلَى النَّبِي عَلَيْكُ الْمُعَلِي اللَّهُ عَنْهُمَا عَلَى اللَّهُ عَلَيْكُولِ اللَّهُ عَنْهُمَا عَنِ النَّبِي عَلَيْكُ الْمُعُلِّ الْمُعُلِي عُلِي اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْ الْمُعَلِي عَلَيْ الْمُعَلِّ عَلَيْكُ الْمُعَلِي النَّهُ الْمُعَلِي عَلَيْكُ الْمُعِلَى الْمُعَلِي النَّهِ عَلَيْكُ الْمُعَلِّ عَلَيْكُ الْمُعَلِي النَّهِ عَلَيْكُ الْمُعَلِي اللَّهُ عَلَيْكُولِ اللَّهُ عَلَيْكُ الْمُعَلِّلِي اللَّهُ عَلَيْكُولِ اللَّهُ عَلَيْكُولِ اللَّهُ عَلَيْكُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَيْكُولِ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَيْكُولِ النَّهُ عَلَى اللَّهُ الْمُ اللَّهُ عَلَيْكُولُ اللَّهُ عَلَيْكُولِ اللَّهُ عَلَيْكُولِ اللَّهُ عَلَيْكُولِ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَيْكُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَيْكُ اللَّهُ اللَّهُ ال

৮২৬. অনুচ্ছেদ ঃ নবী ক্রিট্রা এর বাণী ঃ তোমার কারণে আমরা অবশ্যই শোকাভিভূত। ইব্ন উমর (রা.) নবী ক্রিট্রা থেকে বর্ণনা করেছেন, (বিপদে) চোখ অশ্রুসজ্জল হয়, হ্বদয় হয় ব্যথিত।

المعرفي الله عَنْ الله عَنْهُ عَبْدِ الْعَزِيْزِ حَدَّثَنَا يَحْلِي بْنُ حَسَّانَ حَدَّثَنَا قُريشُ هُوَ ابْنُ حَيَّانَ عَنْ ثَابِتٍ عَنْ آنِسِ بْنِ مَالِكِ رَضِيَ الله عَنْهُ قَالَ دَخَلْنَا مَعَ رَسُولِ الله عَنْهُ عَلَى آبِي سَيْفِ الْقَيْنِ وَكَانَ ظِنْسِرًا عَنْ آنِسِ بْنِ مَالِكِ رَضِيَ الله عَنْهُ قَالَ دَخَلْنَا مَعَ رَسُولِ الله عَنْهُ عَلَى آبِي سَيْفِ الْقَيْنِ وَكَانَ ظِنْسِرًا لِإِبْرَاهِيمَ فَأَخَذَ رَسُولُ الله عَنْهُ أَبْرَاهِيمُ فَقَبْلَهُ وَشَمَّهُ ثُمَّ دَخَلْنَا عَلَيْهِ بَعْدَ ذَلِكَ وَابْرَاهِيمُ يَجُودُ بِنَفْسِهِ لِإِبْرَاهِيمَ فَأَخَذَ رَسُولُ الله عَنْهُ أَبْرَاهِيمُ فَقَبْلَهُ وَشَمَّهُ ثُمَّ دَخَلْنَا عَلَيْهِ بَعْدَ ذَلِكَ وَابْرَاهِيمُ يَجُودُ بِنَفْسِهِ

উটের পিঠের দুই পার্শ্বের বোঝাকে ঈদ্লান বলা হয় এবং তার উপরে মধ্যবর্তী স্থানে যে বোঝা রাখা হয় তাকে
ইলাওয়াহ্ বলা হয়।

১২২৫ হাসান ইব্ন আবদুল আযীয় (র.).....আনাস ইব্ন মালিক (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আমরা রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্রা -এর সংগে আবৃ সায়ক্ষ্ কর্মকারের কাছে গেলাম। তিনি ছিলেন (নবী-তনয়) ইব্রাহীম (রা.)-এর দুধ সম্পর্কীয় পিতা। রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্রা তাঁকে তুলে নিয়ে চুমু খেলেন এবং তাঁকে নাকে-মুখে লাগালেন। এরপর (আর একদিন) আমরা তার (আবৃ সায়ক্-এর) বাড়ীতে গেলাম। তখন ইব্রাহীম (রা.) মুমূর্য অবস্থায়। এতে রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্রা-এর উভয় চোখ থেকে অল্ল ঝরতে লাগল। তখন আবদুর রাহমান ইব্ন আওক্ষ (রা.) বললেন, ইয়া রাস্লাল্লাহ্! আর আপনিও! (কাঁদছেন!) তখন তিনি বললেন ঃ ইব্ন আওক্ষ, এ হচ্ছে মায়া-মমতা। তারপর পুনঃবার অল্ল ঝরতে থাকল, এরপর তিনি বললেন ঃ অল্ল প্রবাহিত হয় আর হালয় হয় ব্যথিত। তবে আমরা মুখে তা-ই বলি যা আমানের রব পসন্দ করেন। আর হে ইব্রাহীম! তোমার বিচ্ছেদে আমরা অবশ্যই শোকাভিভূত। মূসা (র.).....আনাস (রা.) নবী ক্রিট্রাই থেকে হাদীসটি বর্ণনা করেন।

# ٨٢٧. بَابُ الْبُكَاءِ عَنْدَ الْمَرِيْضِ

৮২৭. অনুচ্ছেদ ঃ পীড়িত ব্যক্তির কাছে কান্নাকাটি করা।

اللهِ عَمْرَ رَضِيَ اللهُ عَنْهُمَا قَالَ اشْتَكَىٰ سَعْدُ بُنُ عُبَادةَ شَكُوى لَهُ فَاتَاهُ النّبِيُّ عَنْهُمْ فَلَمَّا دَخَلَ عَنْهُمْ مَعَ عَبْدِ بَنِ عُمْرَ رَضِيَ اللهُ عَنْهُمْ فَلَمَّا دَخَلَ اللهِ بَنِ مَسْعُود رَضِيَ اللهُ عَنْهُمْ فَلَمَّا دَخَلَ عَلَيْهِ فَوَجَدَهُ الرّحُمُن بَنِ عَوْف وَسَعْد ابْنِ ابْنِ وَقَاص وَعَبْد اللهِ بْنِ مَسْعُود رَضِيَ الله عَنْهُمْ فَلَمًّا دَخَلَ عَلَيْهِ فَوَجَدَهُ الرّحُمُن بْنِ عَوْف وَسَعْد ابْنِ ابْنِي وَقَاص وَعَبْد اللهِ بْنِ مَسْعُود رَضِيَ الله عَنْهُمْ فَلَمًّا دَخَلَ عَلَيْهِ فَوَجَدَهُ فَي عَاشِية آهُلِهِ فَقَالَ قَدُ قَضَى قَالُوا لاَ يَا رَسُولَ اللّهِ فَبَكَى النّبِي عَلَيْ اللهُ عَنْهُمْ فَلَمًّا رَأَى الْقَوْمُ بُكَاءَ النّبِي فَي عَاشِية آهُلِهِ فَقَالَ اللهِ عَنْهُ بَكُلَى النّبِي اللهُ عَنْهُ يَضَعْر رَضِي الله عَنْهُ يَضَعْر بُ فِيهِ بِالْعَصَالِ وَيُرْبُ بِلِكَاءِ آهُلِهِ عَلَيْهِ وَكَانَ عُمَرُ رَضِيَ اللّهُ عَنْهُ يَضْدرِبُ فِيْهِ بِالْقَصَالُ وَيَرْبُ اللهُ عَنْهُ يَضْدرِبُ فَيْهِ بِالْعَصَالُ وَيَرْبُ إِللّهُ عَنْهُ يَضُدرِبُ فَيْهِ بِالْقَصَالُ وَيَرْبُ بِلِكَاءِ آهَلِهِ عَلَيْهِ وَكَانَ عُمَرُ رَضِيَ اللّهُ عَنْهُ يَضْدرِبُ فَيْهِ بِالْقَصَالُ وَيَرْبُ اللّهُ عَنْهُ يَضُدر بُ فِيهِ بِالْقَصَالُ وَيَرْبُ الله عَنْهُ يَضُونُ إِلَا الله عَنْهُ يَعْدَبُ بِبِكَاءِ آهَلِهِ عَلَيْهِ وَكَانَ عُمَرُ رَضِيَ اللّهُ عَنْهُ يَضُدر بُ فِيه بِالْعَصَالُ وَيَرْمِي بِالْتُوابِ وَيَحْتِى بِالتَّرُابِ .

১২২৬ আসবাগ (র.)......আবদুলাহ্ ইব্ন উমর (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, সা'দ ইব্ন উবাদাহ (রা.) রোগাক্রান্ত হলেন। নবী क्षा , আবদুর রাহমান ইব্ন আওফ সা'দ ইব্ন আবৃ ওয়াক্রাস এবং আবদুল্লাহ্ ইব্ন মাসউদ (রা.)-কে সাথে নিয়ে তাঁকে দেখতে আসলেন। তিনি তাঁর ঘরে প্রবেশ করে তাঁকে পরিজন-বেষ্টিত দেখতে পেলেন। জিজ্ঞাসা করলেন, তার কি মৃত্যু হয়েছে! তাঁরা বললেন, না। ইয়া রাস্লাল্লাহ্! তখন নবী ক্রিট্রেই কেঁদে ফেললেন। নবী ক্রিট্রেই-এর কান্না দেখে উপস্থিত লোকেরা কাঁদতে লাগলেন। তখন তিনি ইরশাদ করলেন ঃ শুনে রাখ! নিঃসন্দেহে আল্লাহ্ পাক চোখের পানি ও অন্তরের শোক-ব্যথার কারণে আযাব দিবেন না। তিনি আযাব দিবেন এর কারণে (এ বলে) জিহ্বার দিকে ইশারা করলেন। অথবা এর কারণেই তিনি রহম করে থাকেন। আর নিশ্চয় মৃত ব্যক্তির জন্য তার পরিজনের বিলাপের কারণে তাকে আযাব দেওয়া হয়। উমর (রা.) এ (ধরণের কান্নার) কারণে লাঠি দ্বারা প্রহার করতেন, কংকর নিক্ষেপ করতেন বা মাটি ছুড়ে মারতেন।

# ٨٢٨. بَابُ مَا يُنْهِى عَنِ النُّوحِ وَالْبُكَاءِ وَالزُّجْرِ عَنْ ذَٰلِكَ

১২২৭ মুহামদ ইব্ন আবদুল্লাহ্ ইব্ন হাওশাব (র.)......আয়িশা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, (মুতার যুদ্ধক্ষেত্র থেকে) যায়দ ইব্ন হারিসা, জা'ফর এবং আবদুল্লাহ্ ইব্ন রাওয়াহা (রা.)-এর শাহাদাত লাভের খবর পৌছলে নবী ক্রিট্রেই বসে পড়লেন; তাঁর মধ্যে শোকের চিহ্ন প্রকাশ পেল। আমি (আয়িশা (রা.) দরওয়াযার ফাঁক দিয়ে ঝুঁকে তা দেখছিলাম। তখন এক ব্যক্তি তাঁর কাছে এসে সম্বোধন করেন, (ইয়া রাসূলাল্লাহ্! জা'ফর (রা.)-এর (পরিবারের) মহিলাগণের কানাকাটির কথা উল্লেখ করলেন। তিনি তাঁদের নিষেধ করার জন্য তাকে আদেশ করলেন। সেই ব্যক্তি চলে গেলেন। পরে এসে বললেন, আমি তাঁদের নিষেধ করেছি। তিনি উল্লেখ করলেন যে, তারা তাঁকে মানেনি। তিনি তাঁদের নিষেধ করার জন্য ছিতীয়বার তাকে নির্দেশ দিলেন। তিনি চলে গেলেন এবং আবার এসে বললেন, আল্লাহ্র কসম! অবশ্যই তাঁরা আমাকে (বা বলেছেন আমাদেরকে) হার মানিয়েছে। আয়িশা (রা.) বলেন, নবী ক্রিট্রেই বললেন, তা হলে তাঁদের মুখে মাটি ছুঁড়ে মারো। (আয়িশা (রা.) বলেন) আমি বললাম, আল্লাহ্ তোমার নাক ধূলি

মিশ্রিত করুন। আল্লাহ্র কসম! তোমাকে যে কাজের নির্দেশ দেওয়া হয়েছে তা করতে পারছ না আর রাসূলুল্লাহ্ ক্রিট্রেই -কে বিরক্ত করতেও কসূর করো নি।

### ٨٢٩. بَابُ الْقِيَامِ الْجَنَازَةِ

৮২৯. অনুচ্ছেদঃ জানাযার জন্য দাঁড়ানো।

١٢٢٩ حَدُّنَا عَلِيٌّ بُنُ عَبْدِ اللهِ حَدَّنَنَا الزُّهْرِيُّ عَنْ سَالِمٍ عَنْ اَبِيْهِ عَنْ عَامِرِ بْنِ رَبِيْعَةَ عَنِ النَّبِيِّ عَلَيْهِ عَنْ النَّبِيِّ عَلَيْهِ عَنْ النَّبِيِّ عَلَيْهِ عَنْ النَّبِيِّ عَلَيْهِ عَالَ الزُّهْرِيُّ اَخْبَرَنِي سَالِمُ عَنْ اَبِيْهِ قَالَ احْبَرَنَا قَالَ الزُّهْرِيُّ اَخْبَرَنِي سَالِمُ عَنْ اَبِيْهِ قَالَ احْبَرَنَا عَامِرُ بْنُ زَبِيْعَةَ عَنِ النَّبِيِ عَلَيْهُ زَادَ الْحُمَيْدِيُّ حَتَّى تُخَلِّفَكُمْ اَوْ تُوضَعَ .

১২২৯ আদী ইব্ন আবদুল্লাহ্ (র.).....আমির ইব্ন রাবী'আ (রা.) নবী ক্ল্লাম্ক্র থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, তোমরা জানাযা (যেতে) দেখলে তা তোমাদের পিছনে ফেলে যাওয়া পর্যন্ত দাঁড়িয়ে থাকবে। হুমায়দী আরও উল্লেখ করেছেন, তা তোমাদের পিছনে ফেলে যাওয়া বা মাটিতে নামিয়ে রাখা পর্যন্ত।

### ٨٣٠. بَابُ مَتْى يَقْعُدُ اذَا قَامَ لِلْجَنَازَةِ

৮৩০. অনুচ্ছেদ ঃ জানাযার জন্য দাঁড়ানো হলে কখন বসবে।

الْخُدُرِيِّ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهُ عَنِ النَّبِيِّ عَلَيْ الْبَرَاهِيْمَ حَدَّثَنَا هِشَامُ حَدَّثَنَا يَحُلِي عَنْ اَبِي سَلَمَةً عَنْ اَبِي سَعَدِ النَّبِي عَلَيْ اللَّهُ عَنْهُ عَنِ النَّبِي عَلَيْ اللَّهُ عَنْهُ عَنْ النَّبِي عَلَيْ اللَّهُ عَنْهُ عَنْ النَّبِي عَلَيْهِ عَلَيْهِ اللَّهُ عَنْهُ عَنْهُ عَلَيْ اللَّهُ عَنْهُ عَلَيْ اللَّهُ عَنْهُ عَلَيْ اللَّهُ عَنْهُ عَلَيْهِ اللَّهُ عَنْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَنْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَنْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَنْهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَنْهُ عَلَيْهُ عَلَيْ عَلَيْهُ عَلَيْهِ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهِ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهِ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهُ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهُ عَلَيْهُ

المَلَا حَدُّنَنَا اَحْمَدُ بُنُ يُونُسَ حَدُّنَنَا ابْنُ ابِي ذِنْبٍ عَنْ سَعِيدٍ الْمَقْبُرِيِّ عَنْ اَبِيهِ قَالَ كُنَّا فِي جَنَازَةٍ فَأَخَذَ اَبُو هُرَيْرَةَ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهُ بِيدِ مَرُوَانَ فَجَلَسَا قَبُلَ اَنْ تُوضَعَ فَجَاءَ اَبُو سَعِيدٍ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهُ فَأَخَذَ بَبُو هُرَيْرَةَ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهُ فَأَخَذَ بِيدِ مَرُوانَ فَقَالَ قُمْ فَوَاللَّهُ عَنْهُ فَاحَدَقَ بَيدٍ مَرُوانَ فَقَالَ قُمْ فَوَاللَّهِ لَقَدُ عَلِمَ هُلَذَا اَنَّ السَنْبِيِّ عَلَيْهُ نَهَانَا عَنْ ذَٰلِكَ فَقَالَ اَبُو هُرَيْدَرَةَ صَدَقَ .

১২৩১ আহ্মদ ইব্ন ইউনুস (র.).....সায়ীদ মাক্বুরী (র.)-এর পিতা থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আমরা একটি জানা্যায় শরীক হলাম। (সেখানে) আবৃ হুরায়রা (রা.) মারওয়ানের হাত ধরলেন এবং তাঁরা জানা্যা নামিয়ে রাখার আগেই বসে পড়লেন। তখন আবৃ সায়ীদ (রা.) এগিয়ে এসে মাওয়ানের হাত ধরে বললেন, দাঁড়িয়ে পড়ুন! আল্লাহ্র কসম! ইনি (আবৃ হুরায়রা (রা.) তো জানেন যে, নবী ক্রিটিই বাজ করতে (জানা্যা নামিয়ে রাখার আগে বসতে) নিষেধ করেছেন। তখন আবৃ হুরায়রা (রা.) বললেন, তিনি ঠিকই বলেছেন।

# ٨٣١. بَابُ مَنْ تَبِعَ جَنَازَةَ فَلاَ يَقْعُدُ حَتَّى تُوْضَعَ عَنْ مَنَاكِبِ الرِّجَالِ فَارِنْ قَعَدَ أُمِرَ بِالْقِيَامِ

৮৩১. অনুচ্ছেদ ঃ যে ব্যক্তি জানাযার অনুগমণ করবে, সে লোকদের কাঁধ থেকে তা নামিয়ে না রাখা পর্যন্ত বসবে না আর বসে পড়লে তাকে দাঁড়াবার আদেশ করা হবে।

المُعَدِّ اللَّهُ عَنْهُ مَنْ سَعِيْدِ حَدَّثَنَا اللَّيْثُ عَنْ نَافِعِ عَنِ ابْنِ عُمَرَ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهُمَا عَنْ عَامِرِ بْنِ رَبِيْسَعَةَ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهُ عَنِ النَّبِيِّ عَلِيْهُ قَالَ اذا رَأَى اَحَدُكُمْ جَنَازَةً فَانْ لَمْ يَكُنْ مَاشْيًا مَعَهَا فَلْيَقُمْ حَتَّى يُخْلُفَهَا اَوْ تُخَلَّفَهُ اَوْ تُوْضَعَ مِنْ قَبْلِ اَنْ تُخَلَّفَهُ .

১২৩২ কুতাইবা ইব্ন সায়ীদ (র.)......আমর ইব্ন রাবী'আ (রা.) সূত্রে নবী ক্রিউথেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, তোমাদের কেউ জানাযা যেতে দেখলে যদি সে তার সহযাত্রী না হয়, তবে ততক্ষণ সে দাঁড়িয়ে থাকবে, যতক্ষণ না সে ব্যক্তি জানাযা পিছনে ফেলে, বা জানাযা তাকে পিছনে ফেলে যায়, অথবা পিছনে ফেলে যাওয়ার পূর্বে তা (মাটিতে) নামিয়ে রাখা হয়।

### ٨٣٧. بَابُ مَنْ قَامَ لِجَنَازَةِ يَهُنْدِي

৮৩২. অনুচ্ছেদ ঃ যে ব্যক্তি ইয়াহূদীর জানাযা দেখে দাঁড়ায়।

اللهِ عَدْثَنَا مُعَادُ بْنُ فَضِالَة حَدَّثَنَا هِشَامُ عَنْ يَحْيِى عَنْ عُبَيْدِ اللهِ بْنِ مِقْسَمٍ عَنْ جَابِرِ بْنِ عَبْدِ اللهِ مُن مَقْسَمٍ عَنْ جَابِرِ بْنِ عَبْدِ اللهِ مُن مَقْسَمٍ عَنْ جَابِرِ بْنِ عَبْدِ اللهِ وَمُنَا بِهِ فَقُلْنَا يَارَسُولَ اللهِ اِنَّهَا جَنَازَةُ يَهُوْدِي مِ قَالَ اللهِ الله

১২৩৩ মু'আয ইব্ন ফাযালা (র.).....জাবির ইব্ন আবদুল্লাহ্ (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আমাদের পাশ দিয়ে একটি জানাযা যাচ্ছিল। নবী ক্রিট্রিতা দেখে দাঁড়িয়ে গেলেন। আমরাও দাঁড়িয়ে পড়লাম এবং আর্য করলাম, ইয়া রাস্লাল্লাহ্! এ তো এক ইয়াহুদীর জানাযা। তিনি বলেলেন ঃ তোমরা যে কোন জানাযা দেখলে দাঁড়িয়ে পড়বে।

المَّدُ اللَّهُ عَنْهُما فَقَالَ كُنَّا مَعَ النَّبِيِّ عَلَيْكُ وَقَالَ رَكُرِيًّاءُ عَنْ الشَّعْبِيِّ عَنِ الشَّعْبِيِّ عَنِ الشَّعْبِيِّ عَنْ الشَّعْبِيِّ عَنِ الشَّعْبِيِّ عَنْ الشَّعْبِيِّ عَنْ الشَّعْبِيِّ عَنْ الشَّعْبِي عَنْ الْبُنْ الْبِي لَيْلُى كَانَ الشَّعْبِي عَنْ الْبُنْ الْبِي الْبُلْ لَكُنَا مَعَ النَّبِي عَلَيْلُ لَكُنَا وَقَالَ رَكُرِيَّاءُ عَنْ الشَّعْبِي عَنْ الشَعْبِي عَنْ الشَعْبِي عَنْ الشَّعْبِي عَنْ الشَعْبِي عَنْ الشَّعْبِي عَنْ الشَّعْبِي الْمُنْ الْمُنْ الْمُنْ الْمُنْ الْمُؤْلِقُ الْمُنْ اللْمُنْ الْمُنْ الْمُلْمُ الْمُنْ الْم

ইব্ন হুনাইফ ও কায়স ইব্ন সা'দ (রা.) কাদেসিয়াতে বসাছিলেন, তখন লোকেরা তাঁদের সামনে দিয়ে একটি জানাযা নিয়ে যাছিল। (তা দেখে) তাঁরা দাঁড়িয়ে গেলেন। তখন তাঁদের বলা হল, এটাতো এ দেশীয় জিমী ব্যক্তির (অমুসলিম সংখ্যালঘু)-র জানাযা। তখন তাঁরা বললেন, (একবার) নবী ক্রিয়ার রাহ্মান্দীর জানাযা। তিনি এরশাদ করলেনঃ সে কি মানুষ নয়ঃ আবৃ হামযা (র.)..... ইব্ন আবৃ লায়লা (র.) থেকে বর্লিত, তিনি বলেন, আমি সাহল এবং কায়স (রা.)-এর সাথে ছিলাম। তখন তাঁরা দুজন বললেন, আমরা নবী ক্রিয়ার এর সংগে ছিলাম। যাকারিয়া (র.) সূত্রে ইব্ন আবৃ লায়লা (র.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আমি সাহল এবং কায়স (রা.) সূত্রে ইব্ন আবৃ লায়লা (র.) থেকে বর্ণন

### ٨٣٣. بَابُ حَمْلِ الرِّجَالِ الْجِنَازَةَ دُوْنَ النِّسَاءِ

৮৩৩. অনুচ্ছেদ ঃ পুরুষরা জানাযা বহণ করবে মহিলারা নয়।

الْحُدُرِيُّ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهُ الْعَزِيْزِ بْنُ عَبْدُ اللَّهِ حَدَّثَنَا اللَّيْثُ عَنْ سَعِيْدٍ الْمَقْبُرِيِّ عَنْ اَبِيْهِ اَنَّهُ سَمِعَ اَبَا سَعِيْدٍ الْمَقْبُرِيِّ عَنْ اَبِيْهِ اَنَّهُ سَمِعَ اَبَا سَعِيْدٍ الْحُدَرِيُّ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهُ اَنْ رَسِولِ اللَّهِ عَلَى اعْنَاقِهِمُّ الْحَدَرِيُّ رَضِي اللَّهُ عَنْهُ اَنْ رَسِولِ اللَّهِ عَلَى اعْنَاقِهِمُّ فَالَ اِذَا وَضِعَتِ الْجِنَازَةُ وَاحْدَتَمَلَهَا الرَّجَالُ عَلَى اعْنَاقِهِمُّ فَالَ اِذَا وَضِعَتِ الْجِنَازَةُ وَاحْدَتَمَلَهَا الرَّجَالُ عَلَى اعْنَاقِهِمُ فَالْ اللَّهُ عَنْهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَنْهُ اللهُ اللهُ عَنْهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَنْهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَنْهُ اللهُ الللهُ اللهُ اللهُ الللهُ اللهُ اللهُ

১২৩৫ আবদুল আযীয় ইব্ন আবদুল্লাহ্ (র.)......আবূ সায়ীদ খুদ্রী (রা.) থেকে বর্ণিত, রাসূলুল্লাহ্ বলেছেন ঃ যখন জানাযা খাটে রাখা হয় এবং পুরুষরা তা কাঁধে বহন করে নেয়া, তখন সে নেক্-কার হলে বলতে থাকে, আমাকে সামনে এগিয়ে নিয়ে যাও। আর নেক্কার না হলে সে বলতে থাকে, হায় আফসূস! তোমরা এটাকে কোথায় নিয়ে যাচ্ছ । মানব জাতি ব্যতীত স্বাই তার চিৎকার শুনতে পায়। মানুষ্বো তা জনলে সংজ্ঞা হারিয়ে ফেলত।

# ٨٣٤. بَابُ السَّرْعَةِ بِالْجَنَازَةِ، وَقَالَ أَنَسُ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهُ أَنْتُمْ هُشُيِّمُونَ فَامْشُوا بَيْنَ يَدَيْهَا وَعَلْفَهَا وَعَنْ يَعِينُ اللَّهُ عَنْهُ أَنْتُمْ هُشُيِّمُونَ فَامْشُوا بَيْنَ يَدَيْهَا وَهَالَ غَيْرُهُ قَرِيْبًا مِنْهَا

৮৩৪. অনুচ্ছেদঃ জানাযার কাজ দ্রুত সম্পাদন করা। আনাস (রা.) বলেন, তোমরা জোনাযাকে) বিদায় দানকারী। অতএব, তোমরা তার সামনে, পিছনে এবং ডানে বামে চলবে। অন্যান্যরা বলেছেন, তার কাছে কাছে (চলবে)।

١٢٣٦ حَدَّثَنَا عَلِيُّ بَنُ عَبْدِ اللهِ حَدَّثَنَا سَفْيَانُ قَالَ حَفِظْنَاهُ مِنَ الزُّهْرِيِّ عَنْ سَعِيْدِ بْنِ الْمُسَيَّبِ عَنْ اَبِي الْبَيْ عَنْ اللهِ عَنْ رَقَابِكُمْ .

سوى ذُلِكَ فَشَرُّ تَضَعُونَهُ عَنْ رِقَابِكُمْ .

১২৩৬ আলী ইব্ন আবদুল্লাহ্ (র.)......আবূ হুরায়রা (রা.) সূত্রে নবী শুলু থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, তোমরা জানাযা নিয়ে দ্রুতগতিতে চলবে। কেননা, সে যদি পূণ্যবান হয়, তবে এটা উত্তম, যার দিকে তোমরা তাকে এগিয়ে দিচ্ছ আর যদি সে অন্য কিছু হয়, তবে সে একটি অকল্যাণ, যাকে তোমরা তোমাদের ঘাড় থেকে দ্রুত নামিয়ে ক্লেছ।

### ه ٨٣. بَابُ قَوْلِ الْمَيْتِ وَهُو عَلَى الْجِنَازَةِ قَدِّمُونَنِي

৮৩৫. अनुएक्स : খাটিয়য় থাকাকালে মৃত ব্যক্তির উক্তি : আমাকে নিয়ে এগিয়ে চল।

\[
\begin{align\*\*}
 \begin{

ك. 'الجِنَازَة' শব্দটির প্রথম অক্ষর জ্বীম–'যবর' বিশিষ্ট হলে তার অর্থ–জানাযা, মৃত ব্যক্তি, লাশ, আর প্রথম অক্ষর 'যের' বিশিষ্ট হলে অর্থ হবে, জানাযা বহনের খাটিয়া বা খাট। করী মালালী বলতেন ঃ যখন জানাযা (খাটিয়ায়) রাখা হয় এবং পুরুষ লোকেরা তা তাদের কাঁটো তুলে নেয়, সে নেক্কার হলে, তখন বলতে থাকে আমাকে সামনে এগিয়ে দাও। আর নেক্কার না হলে সে আপন পরিজনকে বলতে থাকে, হায় আফসূস! এটা নিয়ে তোমরা কোথায় যাচ্ছ । মানুষ জাতি ব্যতীত স্বাই তার চিৎকার শুনতে পায়। মানুষ যদি তা শুনতে পেত তবে অবশ্য সজ্ঞা হারিয়ে ফেলত।

### ٨٣٦. بَابُ مَنْ صِنْفُ صِنْفُيْنِ أَنْ تَلاَئَةُ عَلَى الْجَنَازَةِ خَلْفَ الْإِمَامِ

৮৩৬. অনুচ্ছেদ ঃ জানাযার সালাতের ইমামের পিছনে দু' বা তিন কাতারে দাঁড়ানো।

الله عَدْثَنَا مُسَدَّدُ عَنْ آبِي عَوَانَةَ عَنْ قَتَادَةَ عَنْ عَطَاءٍ عَنْ جَابِرِ بْنِ عَبْدِ اللهِ رَضِيَ اللهُ عَنْهُمَا آنَّ رَسُولَ اللهِ عَلَى النَّهُ عَنْهُمَا أَنَّ فِي الصَّفَّ التَّانِيُ آوِ التَّالَثِ .

১২৩৮ মুসাদ্দাদ (র.)....জাবির ইব্ন আবদুল্লাহ্ (রা.) থেকে বর্ণিত, রাসূলুল্লাহ্ রাজ্রী (আবিসিনিয়ার বাদশাহ্) নাজাশীর জানাযা আদায় করেন। আমি দিতীয় অথবা তৃতীয় কাতারে ছিলাম।

### ٨٣٧. بَابُ الصُّفُونَ عَلَى الْجَنَازَةِ

৮৩৭. অনুচ্ছেদ ঃ জানাযার সালাতের কাতার।

الله عَنْهُ قَالَ نَعَى النَّبِيُّ عَلِيْهُ اللَّ اَصْحَابِهِ النَّجَاشِيُّ ثُمَّ تَقَدَّمَ فَصَفُّوا خَلْفَهُ فَكَبَّرَ اَرْبَعًا ٠ الله عَنْهُ قَالَ نَعَى النَّبِيُّ عَلِيْهُ الله اَصْحَابِهِ النَّجَاشِيُّ ثُمَّ تَقَدَّمَ فَصَفُّوا خَلْفَهُ فَكَبَّرَ اَرْبَعًا ٠

১২৩৯ মুসাদাদ (র.).....আবৃ হুরায়রা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী ক্রীট্রিতার সাহাবীগণকে নাজাশীর মৃত্যু সংবাদ শোনালেন, পরে তিনি সামনে অগ্রসর হলেন এবং সাহাবীগণ তাঁর পিছনে কাতারবদ্ধ হলে তিনি চার তাক্বীরে (জানাযার সালাত) আদায় করলেন।

اللهِ عَنْ مَنْ اللهُ عَدَّثَنَا مُسَلِمُ حَدَّثَنَا شُعْبَةَ حَدَّثَنَا الشَّيْبَانِيُّ عَنِ الشَّعْبِيِّ قَالَ اَخْبَرَنِي مَنْ شَهِدَ النَّبِيِّ عَلَيْهُ اتَى عَنْ الشَّعْبِيِّ قَالَ اَخْبَرَنِي مَنْ شَهِدَ النَّبِيِّ عَلَيْهُ اتَى عَلَى قَبْرٍ مَنْبُونَ فَصَفَّهُمُ وَكَبَّرَ اَرْبَعًا قُلْتُ مَنْ حَدَّثَكَ قَالَ ابْنُ عَبَّاسٍ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهُمَا .

১২৪০ মুসলিম (র.).....শা'বী (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, এমন এক সাহাবী যিনি নবী এর সংগে উপস্থিত ছিলেন, তিনি আমাকে খবর দিয়েছেন যে, নবী প্রত্তিকটি পৃথক কবরের কাছে গমণ করলেন এবং লোকদের কাতারবদ্ধ করে চার তাক্বীরের সংগে (জ্ঞানাযার সালাত) আদায় করলেন। (শায়বানী (র.) বলেন) আমি শা'বী (র.)-কে জিজ্ঞাসা করলাম. এ হাদীস আপনাকে কে বর্ণনা করে-ছেন গ তিনি বললেন, ইবন আব্বাস (রা.)।

ا ١٢٤ حَدَّثَنَا اِبْرَاهِيْمُ بْنُ مُوسَى اَخْبَرَنَا هِشِامُ بْنُ يُوسَفُ اَنَّ ابْنَ جُرَيْجٍ اَخْبَرَهُمْ قَالَ اَخْبَرَنِي عَطَاءُ वृथाती अतीय (२)—৫० انَّهُ سَمِعَ جَابِرَ بْنَ عَبْدِ اللَّهِ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهُمَا يَقُولُ قَالَ النَّبِيُّ عَلَيْهِ قَدْ تُوفِي الْيَوْمَ رَجَلُ صَالِحُ مِنَ الْحُبْرِ بْنَ عَبْدِ اللَّهِ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهُمَا يَقُولُ قَالَ النَّبِيُ عَلَيْهِ وَنَحْنُ صَفُوفُ قَالَ اَبُو الزَّبَيْرِ عَنْ جَابِرٍ الْحَبْشِ فَهَلُمُ فَصَلُّوا عَلَيْهِ عَلَيْهِ النَّانِيُ عَلَيْهِ وَنَحْنُ صَفُوفُ قَالَ اَبُو الزَّبَيْرِ عَنْ جَابِرٍ كُنْتُ فَى الصَّفُ الثَّانِيُ . كُنْتُ فَى الصَّفُ الثَّانِيُ .

ইব্রাহীম ইব্ন মূসা (র.).....জাবির ইব্ন আবদুল্লাহ্ (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী বললেন ৪ আজ হাবশা দেশের (আবিসিনিয়ার) একজন নেক্কার লোকের ওফাত হয়েছে, তোমরা এসো তাঁর জন্য (জানাযার) সালাত আদায় কর। রাবী বলেন, আমরা তখন কাতারবদ্ধ হয়ে দাঁড়ালে নবী ক্রিট্রা (জানাযার) সালাত আদায় করলেন, আমরা ছিলাম কয়েক কাতার। আবৃ যুবাইর (র.) জাবির (রা.) থেকে বর্ণনা করেন, জাবির (রা.) বলেছেন, আমি দ্বিতীয় কাতারে ছিলাম।

### ٨٣٨. بَابُ صِفُقُفِ الصِّبْيَانِ مَعَ الرِّجَالِ عَلَى الْمَنَائِزِ

৮৩৮. অনুচ্ছেদঃ জানাযার সালাতে পুরুষদের সাথে বালকদের কাতার।

الله عَنْهُمَا أَنَّ رَسُولَ اللهِ عَلِيَهُ مِنَّ بِقَبْسِرٍ قَدْ دُفِنَ لَيْسِلًا فَقَالَ مَتَى دُفِنَ لَمِنَ الْبَارِحَةَ قَالَ الْفَلَا اللهُ عَنْهُمَا أَنَّ رَسُولَ اللهِ عَلِيهِ مَرَّ بِقَبْسِرٍ قَدْ دُفِنَ لَيْسِلاً فَقَالَ مَتَى دُفِنَ لَمِنَ لَمِنَ لَمِنَا قَالُوا الْبَارِحَةَ قَالَ افَلاَ اللهُ عَنْهُمَا أَنَّ رَسُولَ اللهِ عَلِيهِ مَرَّ بِقَبْسِرٍ قَدْ دُفِنَ لَيْسِلاً فَقَامَ فَصَفَقَنَا خُلْفَهُ قَالَ ابْنُ عَبَّاسٍ وَآنَا فِيسَهِمُ انْتُنْ عُلْمَةِ اللَّيْلِ فَكَرِهِنَا أَنْ نُوقَظِكَ فَقَامَ فَصَفَقَنَا خُلْفَهُ قَالَ ابْنُ عَبَّاسٍ وَآنَا فِيسَهِمُ فَصِللًى عَلَيْهُ .

১২৪২ মূসা ইব্ন ইসমায়ীল (র.).....ইব্ন আব্বাস (রা.) থেকে বর্ণিত, রাসূলুল্লাহ্ন এক (ব্যক্তির), কবরের পাশ দিয়ে যাচ্ছিলেন, যাকে রাতের বেলা দাফন করা হয়েছিল। তিনি জিজ্ঞাসা করলেন, একে কখন দাফন করা হলং সাহাবীগণ বললেন, গত রাতে। তিনি বললেন ঃ তোমরা আমাকে অবহিত করলে না কেন ং তাঁরা বললেন, আমরা তাঁকে রাতের আঁধারে দাফন করেছিলাম, তাই আপনাকে জাগানো পসন্দ করিনি। তখন তিনি (সেখানে) দাঁড়িয়ে গেলেন। আমারাও তাঁর পিছনে কাতারবদ্ধ হয়ে দাঁড়ালাম। ইব্ন আব্বাস (রা.) বলেন, আমিও তাঁদের মধ্যে ছিলাম। তিনি তাঁর (জ্ঞানাযার) সালাভ আদায় করলেন।

 وَقَالَ الْحَسَنُ اَدْرَكُتُ النَّاسَ وَاحَقَّهُمْ عَلَى جَنَا نِزِهِمْ مَنْ رَضُوهُمْ لِفَرَا نِضِهِمْ وَإِذَا الْمَدِّ وَهُمْ الْفَرَا نِضِهِمْ وَإِذَا الْمَتَهُلَى إِلَى الْجَنَازَةِ وَهُمْ يُصَلُّوْنَ يَدْخُلُّ مَعَهُمْ بِتَكْبِرَةٍ ، وَقَالَ ابْنُ الْجَنَازَةِ وَهُمْ يُصِلُّوْنَ يَدْخُلُّ مَعَهُمْ بِتَكْبِرَةٍ ، وَقَالَ ابْنُ الْجَنَازَةِ وَهُمْ يُصِلُّونَ يَدْخُلُ مَعَهُمْ بِتَكْبِرَةٍ ، وَقَالَ ابْنُ الْجَنَازَةِ مِهُمْ يُصَلُّونَ يَدْخُلُ مَعَهُمْ بِتَكْبِرَةً ، وَقَالَ الْبَنُ مَنْ وَقَالَ اللّهُ عَنْهُ تَكْبِيسَرَةُ الْوَاحِدَةِ السَّقِيدِ وَالْسَقِيرِ وَالْصَغِيرِ آرْبَعًا ، وَقَالَ انْسُ رَضِي اللّهُ عَنْهُ تَكْبِيسَرَةُ الْوَاحِدَةِ السَّعْدِ وَالْسَقِيرِ وَالْسَقِيرِ وَالْمَعْمُ مَا تَابِدًا وَقِيْهِ صِفْقَالَ وَإِنْ اللّهُ عَنْهُ وَكُولُولَ عَنْ وَجَلُّ وَلاَ تُصَلِّ عَلَى احْدِمِيْهُمْ مَاتَ ابْدًا وَقِيْهِ صِفْقَالُ وَإِنْ اللّهُ عَنْهُ وَكُولُولُ وَالْمَعْرِ وَالْمَالُولُ وَالْمَعْرِ وَالْمَعْرِ وَالْمَعْرِ وَالْمَعْرِ وَالْمَالُولُ وَالْمَعْرِ وَالْمَالُولُ وَالْمَعْرِ وَالْمُالِولُولُ اللّهُ عَنْهُ وَمَالًا عَزُولُ وَلَا عَنْ وَهُولُ وَالْمَعْرُ وَالْمُ اللّهُ عَنْهُ مَاتَ ابْدًا وَقِيْهِ صِفْقُولُ وَإِلَا اللّهُ عَنْهُ وَالْمَامُ وَالْمُلُولُ وَالْمُلُولُ وَالْمُ عَزُولُ وَالْمُ عَلَى اللّهُ عَلَى احْدِيمُ وَالْمَالُولُ وَاللّهُ مَا اللّهُ عَنْهُ وَالْمَامُ وَاللّهُ وَلَا اللّهُ عَنْهُ وَالْمَالُولُ عَلْ وَالْمَالُولُ عَلْ وَالْمَالُولُ عَلَى الللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَالُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ اللّهُ عَلَالُ عَلَى اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ اللّهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ عَلْهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّ

৮৩৯. অনুচ্ছেদ ঃ জানাযার সালাতের নিয়ম। নবীক্রীব্রেবলেছেন ঃ যে ব্যক্তি জানাযার সালাত আদায় করবে....।তিনি বলেন, তোমরা তোমাদের সংগীর জন্য (জানাযার) সালাত আদায় কর। নবী ক্রিট্র একে সালাত বলেছেন, (অথচ) এর মধ্যে রুকু' ও সিজ্দা নেই এবং এতে কথা বলা যায় না, এতে রয়েছে তাক্বীর ও তাসলীম। ইবন উমর (রা.) পবিত্রতা ছাড়া (জানাযার) সালাত আদায় করতেন না ।এবং সুর্যোদয় ও সূর্যান্ত কালে এ সালাত আদায় করতেন না। (তাক্বীর কালে) দু' হাত উল্কোলন করতেন। হাসান (বাসরী) (র.) বলেন, আমি সাহাবীগণকে এ অৰম্ভায় পেয়েছি যে, তাঁদের জানায়ার সালাতের (ইমামতের) জন্য তাঁকেই অধিকতর যোগ্য মনে করা হত, যাকে তাঁদের ফর্য সালাতসমূহে (ইমামতের) জন্য তারা পসন্দ করতেন। ঈদের দিন সোলাত কালে) বা জানাযার সালাত আদায় কালে কারো অযু নষ্ট হয়ে গেলে, তিনি পানি তালাশ করতেন, তায়ামুম করতেন না। কেউ জ্ঞানাযার কাছে পৌছে, লোকদের সালাত রত দেখলে তাক্বীর বলে তাতে শামীল হয়ে যেতেন। ইব্ন মুসায়াব রে.) वर्ष्टिन, फिर्न दोक वो द्रोटि, विष्ट्रिंग दोक किश्वो फिर्म (क्रानायांत्र সामार्ड) চার তাক্বীরই বলবে।আনাস (রা.) বলেছেন, প্রেথম) এক তাক্বীর হল সালাত এর উদ্বোধন। আল্লাহ্ তা'আলা বলেছেন ঃ তাদের (মুনাফিকদের) কেউ মারা গেলে কখনও তার জন্য সালাত (জানাযা) আদায় করবে না। (সুরা তাওবা) এ ছাড়াও জানাযার সালাতে রয়েছে একাধিক কাতার ও ইমাম (থাকার রিধান)।

١٢٤٣ حَدَّثَنَا سَلَيْمَانُ بُنُ حَرْبٍ حَدَّثَنَا شُعْبَةُ عَنِ الشَّيْبَانِيِّ عَنِ الشَّعْبِيِّ قَالَ اَخْبَرَنِيْ مَنْ مَرْ مَعَ نَبِيكُمْ

الله عَنْهُما وَالله وَالله عَنْهُما وَالله عَنْها عَنْها وَالله عَلْمَا وَالله عَلْمَا وَالله عَنْها وَالله عَ

٨٤٠ بَابُ فَضْلِ اِتِّبًا عِ الْجَنَائِزِ ، وَقَالَ زَيْدُ بْنُ ثَابِتٍ رَضِيَ اللّٰهُ عَنْهُ إِذَا صَلَّيْتَ فَقَدَ قَضَيْتَ الَّذِي عَلَيْكَ ،
 وَقَالَ حُمَيْدُ بْنُ هِلِالْمِمَا عَلِمُنَا عَلَى الْجَنَازَةِ إِذْنًا وَلٰكِنْ مَنْ صَلَّى ثُمَّ رَجَعَ فَلَهُ قِيْرَاطُ

৮৪০. অনুদেহদ ঃ জানাযার অনুগমণ করার ফযীলত। যায়দ ইব্ন সাবিত রো.) বলেন, জানাযার সালাত আদায় করলে তুমি তোমার কর্তব্য পালন করলে। ভূমাইদ ইব্ন হিলাল (র.) বলেন, জানাযার সালাতের পর (চলে যাওয়ার ব্যাপারে) অনুমতি গ্রহণের কথা আমার জানা নেই, তবে যে ব্যক্তি সালাত আদায় করে চলে যায়, সে এক কীরাত (সাওয়াবের) অধিকারী হয়।

الله عَنْهُمْ يَقُولُ مَنْ تَبِعَ جَنَازَةَ فَلَهُ قِيْرَاطُ فَقَالَ الْكَثَرَ اَبُو هُرَيْرَةً عَلَيْنَا فَصَدُقَتَ يَعْنِي عَانِشَةَ اَبَا هُرَيْرَةً وَقَالَتُ سَمِعْتُ رَسُولُ الله عَنْهُمْ يَقُولُهُ فَقَالَ الْكُثَرَ ابُو هُرَيْرَةً عَلَيْنَا فَصَدُقَتُ يَعْنِي عَانِشَةَ ابَا هُرَيْرَةً وَقَالَتُ سَمِعْتُ رَسُولُ الله عَلَيْظُ يَقُولُهُ فَقَالَ إِبْنُ عُمَرَ رَضِي الله عَنْهُمَا لَقَدُ فَرَّطْنَا فِي قَرَارِيْطَ كَثَيْرَة فَرَّطْتُ ضِيَّعْتُ مِنْ اَمْرِ الله ، عَلَيْظُ يَقُولُهُ فَقَالَ إِبْنُ عُمَرَ رَضِي الله عَنْهُمَا لَقَدُ فَرَّطْنَا فِي قَرَارِيْطَ كَثَيْرَة فَرَّطْتُ ضِيَّعُتُ مِنْ اَمْرِ الله ،

১২৪৪ আবু নু'মান(র.).....নিষ' (র.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, ইব্ন উমর (রা.)-এর নিকট বর্ণনা করা হল যে, আবু হুরায়রা (রা.) বলে থাকেন, যিনি জানাযার অনুগমণ করবেন তিনি এক কীরাত (পরিমাণ) সাওয়াবের অধিকারী হবেন। তিনি বললেন, আবু হুরায়রা (রা.) আমাদের বেশী বেশী হাদীস শোনান। তবে আয়িশা (রা.) এ বিষয়ে আবু হুরায়রা (রা.)-কে সমর্থন জানিয়েছেন। তিনি বলেছেন, আমিও রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্রেই -কে এ হাদীস বলতে জনেছি। ইব্ন উমর (রা.) বললেন, তা হলে তো আমরা অনেক কীরাত (সাওয়াব) হারিয়ে ফেলেছি। 'এই বি অর্থ আল্লাহ্র আদেশ আমি খুইয়ে ফেলেছি।

# ٨٤١. بَابُ مَنِ انْتَظَرَ حَتَّى تُدُفِّنَ

৮৪১. অনুচ্ছেদ ঃ মৃতের দাফন হয়ে যাওয়া পর্যন্ত অপেক্ষা করা।

الله عَدُّنَا مَعْرَجُ الله مِنْ مَسْلَمَةً قَالَ قَرَأَتُ عَلَى ابْنِ ابِي ذَبْبٍ عَنْ سَعَيْدٍ بْنِ ابِي سَعَيْدٍ الْمَقْبُرِيّ عَنْ اللهِ اللهِ بَنُ مُحَمَّدُ قَالَ حَدَّثَنَا مَعْمَدُ اللهِ مِنْ مُحَمَّدُ قَالَ حَدَّثَنَا مَعْمَدُ اللهِ مِنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَلْ اللهُ عَلْ اللهِ عَلْ عَلْ اللهِ عَلْ اللهِ عَلْ اللهِ عَلْ اللهُ عَلْ ا

فَلَهُ قَيْرَاطُ وَمَنْ شَهِدَ حَتَّى تُدُفَّنَ كَانَ لَهُ قَيْرَاطَانِ قَيْلَ وَمَا الْقَيْرَاطَانِ قَالَ مَثِلُ الْجَبَلَيْنِ الْعَظيْمَيْنِ .

১২৪৫ আবদুল্লাহ্ ইব্ন মাসলামা, আবদুল্লাহ্ ইব্ন মুহাম্মদ ও আহ্মাদ ইব্ন শাবীব ইব্ন সায়ীদ (র.).....আবৃ হুরায়রা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্রের বলেছেন ঃ যে ব্যক্তি মৃতের জন্য সালাত আদায় করা পর্যন্ত জানাযায় উপস্থিত থাকবে, তার জন্য এক কীরাত (সাওয়াব), আর যে ব্যক্তি মৃতের দাক্ষন হয়ে যাওয়া পর্যন্ত উপস্থিত থাকবে তার জন্য দু' কীরাত (সাওয়াব)। জিজ্ঞাসা করা হল দু' কীরাত কি । তিনি বললেন, দু' টি বিশাল পর্বত সমত্লা।

### ٨٤٢ ، بَابُ صَلاَة الصَّيْبَانِ مَعَ النَّاسِ عَلَى الْجَنَائِزِ

৮৪২. অনুচ্ছেদ ঃ জানাযার সালাতে বয়স্কদের সাথে বালকদেরও শরীক হওয়া।

الْبَارِحَةَ ، قَالَ إِبْنُ عَبَّاسٍ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهُمَا فَصَفَقْنَا خَلْفَهُ ثُمَّ صَلَّى عَلَيْهَا .

১২৪৬ ইয়াকৃব ইব্ন ইব্রাহীম (র.).....ইব্ন আব্বাস (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, রাস্লুল্লাহ্ একটি কবরের কাছে তাশরীফ আনেন। সাহাবাগণ বললেন, একে গতরাতে দাফন করা হয়েছে। ইব্ন আব্বাস (রা) বলেন, তখন আমরা রাস্লুল্লাহ্ ক্রিল্টে -এর পিছনে কাতার করে দাঁড়ালাম। এরপর তিনি তার জানাযার সালাত আদায় করলেন।

# ٨٤٣. بَابُ صَلَاةً عَلَى الْجَنَائِزِ بِالْمُصَلِّى وَ الْمَسْجِدِ

৮৪৩. অনুচ্ছেদ ঃ মুসল্লা (ঈদগাহ বা যানাযার জন্য নির্ধারিত স্থানে) এবং মসজ্জিদে জানাযার সালাত আদায় করা ।

اللهِ عَنْ سَعِيْدِ بْنِ الْمُسَيِّبِ وَابِيْ سَلَمَةً مَنْ اللَّيْ عَنْ عَقَيْلٍ عَنِ ابْنِ شَهَابٍ عَنْ سَعِيْدِ بْنِ الْمُسَيِّبِ وَابِيْ سَلَمَةً النَّهُ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْهُ النَّهِ عَنْهُ قَالَ نَعلى لَنَا رَسُولُ اللهِ عَنْهُ النَّجَاشِي صَاحِبَ الْحَبَشَةِ مَنْ اللهِ عَنْهُ قَالَ السَّتَغَفُووُ الأَخْيِكُمُ وَعَنِ ابْنِ شَهَابٍ قَالَ حَدَّثَنِي سَعِيْدُ بُنُ الْمُسَيِّبِ اَنَّ ابَا هُرَيْرَةَ رَضِي اللَّهُ عَنْهُ قَالَ السَّتَغَفُووُ الإَخْيُكُمُ وَعَنِ ابْنِ شَهَابٍ قَالَ حَدَّثَنِي سَعِيْدُ بُنُ الْمُسَيِّبِ اَنَّ ابَا هُرَيْرَةَ رَضِي الله عَنْهُ قَالَ النَّابَى عَلَيْهُ صَفَّ بِهِمْ بِالْمُصَلِّى فَكَبَّرَ عَلَيْهُ ارْبَعًا .

১২৪৭ ইয়াহ্ইয়া ইব্ন বুকাইর (র.).....আবূ হুরায়রা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, রাসূলুল্লাহ্ (আবিসিনিয়ার বাদশাহ্) নাজাশীর মৃত্যুর দিনই আমাদের তাঁর মৃত্যু সংবাদ জানান এবং ইরশাদ করেন ঃ তোমরা তোমাদের ভাই-এর (নাজাশীর) জন্য ইস্তিগফার কর। আর ইব্ন শিহাব সায়ীদ ইব্ন

মুসায়্যাব (র.) সূত্রে আবৃ হুরায়রা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী ক্রীট্রিটর তাঁদের নিয়ে মুসাল্লায় কাতার করলেন, এরপর চার তাক্বীর আদায় করেন।

الله الله عَدُننَا ابْرَاهِيْمُ بْنُ الْمُنْذِرِ حَدَّنْنَا ابْلُ ضَمْرَةَ اَخْبَرَنَا مُوسِلَى بْنُ عُقْبَةَ عَنْ نَافِعٍ عَنْ عَبْدِ اللهِ ابْنِ عُمْرَ رَضِيَ اللهُ عَنْهُمَ اللهُ اللهُ عَنْهُمَ اللهُ عَنْهُمُ اللهُ عَنْهُمَ اللهُ عَنْهُمُ اللهُ عَنْهُمُ اللهُ عَنْهُمُ اللهُ اللهُ عَنْهُمَ اللهُ عَنْهُمُ اللهُ اللهُ عَنْهُمُ اللهُ اللهُ عَنْهُمُ اللهُ عَنْهُمُ اللهُ عَنْهُمُ اللهُ اللهُ عَنْهُمُ اللهُ اللهُ عَنْهُمُ اللهُ اللهُولِ اللهُ الللهُ الللهُ اللهُ اللهُ الللهُ اللهُ اللهُ اللهُ الللهُ اللهُ الللهُ اللهُ الللهُ الل

১২৪৮ ইব্রাহীম ইব্ন মুন্যির (র.)......আবদুল্লাহ্ ইব্ন উমর (রা.) থেকে বর্ণিত যে, নবী ক্রিন্ত্র করিছ এর কাছে (খায়বারের) ইয়াহ্দীরা তাদের এক পুরুষ ও এক ব্রীলোককে হাযির করল, যারা যিনা করেছিল। তখন তিনি তাদের উভয়কে (রজম করার) নির্দেশ দেন। মসজিদের পাশে জানাযার স্থানের কাছে তাদের দু' জনকে রজম (পাথর নিক্ষেপ) করা হল।

4 84. بَابُ مَا يُكْرَهُ مَنِ اتَّخَاذِ الْمَسَاجِدِ عَلَى الْقُبُودِ وَلَمَّا مَاتَ الْعَسَنُ بُنُ الْمَسَنِ بُنِ عَلِي رَضِيَ اللَّهُ عَنْهُمْ ضَرَبَتِ امْسرَ أَتُهُ الْقُبُةُ عَلَى قَبْسرِهِ سِنَةً ثُمَّ رَفَعَتُ فَسمَعِفُ ا مَا نِحًا يَقُولُ: الأَعَلَ وَجُدُوا مَا فَقَدُوا ، فَقَدُوا مَا فَقَدُوا ، فَقَدُوا مُوا نَعْقَدُوا ، فَقَدُوا مُنَا فَقَدُوا ، فَعُدُوا ، فَعَدُوا ، فَعُدُوا ، فَقَدُوا ، فَقَدُوا ، فَقَدُوا ، فَقَدُوا ، فَعَدُوا ، فَعَدُوا مُنْ فَلُوا الْعَلَانُ وَالْمُ الْعُقَدُوا ، فَقَدُوا ، فَعُدُوا الْمُعُلُولُ ، فَعُدُوا الْمُؤَا الْقُوا الْمُؤَا الْمُوا الْمُؤَا ا

৮৪৪. অনুচ্ছেদ ঃ কবরের উপরে মসজিদ বানানো অপসন্দনীয়। হাসান ইব্ন হাসান ইব্ন আলী রো.)—এর ওফাত হলে তার স্ত্রী এক বছর যাবৎ তার কবরের উপর একটি কুব্বা (তাঁরু) স্থাপন করে রাখেন, পরে তিনি সেটা উঠিয়ে নেন। তখন লোকেরা (অদৃশ্য) আওয়াজ দাতাকে বলতে শুনলেন, ওহে! তারা কি হারানো বস্তু ফিরে পেয়েছে ? অপর একজন জওয়াব দিল না, বরং নিরাশ হয়ে ফিরে গিয়েছে ?

الله عَنْ عَبْيَدُ الله بَنُ مُوسلى عَنْ شَيْسَانَ عَنْ هِلال هُوَ الْوَزَّانُ عَنْ عُرُوَةً عَنْ عَانِشَةً رَضِيَ الله عَنْ الله الْيَهُودَ وَالنَّصَارِى إِتَّخَذُوا قَبُورَ انْبِيَائِهِمُ مَسَاجِدًا قَالَتُ وَلَوْلاَ ذَٰلِكَ لَابُرْزَ قَبْرُهُ غَيْرَ انْبَى أَخْشلى آنْ يُتَّخَذَ مَسْجِدًا .

১২৪৯ উবাইদুল্লাহ্ ইব্ন মূসা (র.).....আয়িশা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী ক্রিটিয়ের প্রতি আল্লাহ্র ইন্তিকাল করেছিলেন, সে রোগাবস্থায় তিনি বলেছিলেন ঃ ইয়াহ্দী ও নাসারা সম্প্রদায়ের প্রতি আল্লাহ্র লানিত, তারা তাদের নবীদের কবরকে মসজিদে পরিণত করেছে। আয়িশা (রা.) বলেন, সে আশংকা না থাকলে তাঁর (নবী ক্রিটিট -এর) কবরকে উমুক্ত রাখা হত, কিন্তু আমার আশংকা যে, (খুলে দেয়া হলে) একে মসজিদে পরিণত করা হবে।

# ه ٨٤. بَابُ الصَّالاَةِ طَلَّى النَّفَسَاءِ إِذَا مَا تَتَ فِي نِفَاسِهَا

৮৪৫. অনুচ্ছেদ ঃ নিফাস অবস্থায় মারা গেলে তার জানাযার সালাত।

الله عَدُنْنَا مُسَدُّدُ حَدُثْنَا يَزِيْدُ بْنُ زُرِيْعِ حَدَّثْنَا حُسَيْنُ حَدَّثْنَا عَبْدُ اللهِ بْنُ بُرِيْدَةَ عَنْ سَمُرَةَ رَضِيَ اللهُ عَدُّنَا عَبْدُ اللهِ بْنُ بُرِيْدَةَ عَنْ سَمُرَةَ رَضِيَ اللهُ عَنْ اللهُ عَدَّثُنَا عَبْدُ اللهِ بْنُ بُرِيْدَةَ عَنْ سَمُرَةَ رَضِيَ اللهُ عَنْ اللهُ عَلَيْهَا وَسُطَهَا .

১২৫০ মুসাদ্দাদ (র.)....সামুরা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী ক্রিন্ট্র-এর পিছনে আমি এমন এক মহিলার জানাযার সালাত আদায় করেছিলাম, যে নিষ্কাস অবস্থায় মারা গিয়েছিল। তিনি তার মাঝ বরাবর দাঁড়িয়ে ছিলেন।

### ٨٤٦. بَابُ أَيْنَ يَقُوْمُ مِنَ الْمَرْأَةِ وَالرَّجُلُ

ه ههر ه الله عَنْهُ قَالَ صِلَيْتُ وَرَاءَ النَّبِيِّ عَلِي الْمَرَأَةِ مَاتَتُ فِيْ نِفَاسِهَا فَقَامَ عَلَيْهَا وَسُطَهَا . النَّبِيِّ عَلَى الْمَرَأَةِ مَاتَتُ فِيْ نِفَاسِهَا فَقَامَ عَلَيْهَا وَسُطَهَا .

১২৫১ ইমরান ইব্ন মায়সারা (র.).....সামুরা ইব্ন জুন্দাব (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী ক্রিনির পিছনে আমি এমন এক মহিলার জানাযার সালাত আদায় করেছিলাম, যে নিকাস অবস্থায় মারা পিয়েছিল। তিনি তার মাঝ বরাবর দাঁড়িয়ে ছিলেন।

# ٨٤٧. بَابُ التَّكْبِيْرِ طَلَى الْجَنَازَةِ اَرْبَعًا ، وَقَالَ حُمَيْدُ صَلَّى بِنَا أَنْسُ رَضِيَ اللَّهُ عَنْ فَكُبُّرَ ثَلاثًا ثُمُّ سَلَّمَ فَقَيْلُ لَهُ فَاسْتَقْبَلُ الْقَبِلَةَ ثُمُّ كُبُّرَ الرَّابِعَةَ ثُمُّ سَلَّمَ

৮৪৭. অনুচ্ছেদঃ জানাযার সালাতে চার তাক্বীর বলা। ভুমাইদ (র.) বলেন, আনাস (রা.) একবার আমাদের নিয়ে (জানাযার) সালাত আদায় করলেন, তিনবার তাক্বীর বললেন, এরপর সালাম ফিরালেন। এ বিষয় তাঁকে অবহিত করা হলে, তিনি কিব্লামুখী হয়ে চতুর্থ তাক্বীর আদায় করলেন, এরপর সালাম ফিরালেন।

১২৫২ আবদুল্লাহ্ ইব্ন ইউসুফ (র.).....আবূ হুরায়রা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, রাস্লুল্লাহ্

বিয়ে জানাযার সালাতের স্থানে চার তাক্বীর আদায় করলেন।

১২৫৩ মুহামদ ইব্ন সিনান (র.).....জাবির (রা.) থেকে বর্ণিত, নবীক্ষ্মী (আবিসিনিয়ারবাদশাহ্) আসহামা-নাজাশীর জানাযা সালাত আদায় করলেন, তাতে তিনি চার তাক্বীর বললেন। ইয়াযীদ ইব্ন হারন ও আবদুস্ সামাদ (র.) সালীম (র.) থেকে 'আসহামা' শব্দ বর্ণনা করেন।

# ٨٤٨. بَابُ قِرَاءَة فَاتِحَة الْكِتَابِ عَلَى الْجَنَازَةِ، وَقَالَ الْحَسَنُ يَقَرَأُ عَلَى الطِّفْلِ بِفَاتِحَة الْكِتَابِ وَيَقُولُ الْحُسَنُ يَقَرَأُ عَلَى الطِّفْلِ بِفَاتِحَة الْكِتَابِ وَيَقُولُ اللهُمُّ اجْعَلُهُ لَنَا فَرَطًا وَسَلَفًا وَأَجْرًا

৮৪৮. অনুচ্ছেদ ঃ জানাযার সালাতে সূরা ফাতিহা তিলাওয়াত করা। হাসান (র.) বলেছেন, শিশুর জানাযার সালাতে সূরা ফাতিহা তিলাওয়াত করবে এবং এ দু'আ পড়বে اللّهُمُّ اللّهُ اللّهُ وَسَلَفًا وَأَجُرًا (হ আল্লাহ্! তাকে আমাদের জন্য অগ্রে প্রেরিত, অগ্র—গামী এবং উত্তম বিনিময় সাব্যস্ত করুন।

১২৫৪ মুহামদ ইব্ন বাশ্শার ও মুহামদ ইব্ন কাসীর (র.).....তালহা ইব্ন আবদুল্লাহ্ ইব্ন আউফ (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আমি (আবদুল্লাহ্) ইব্ন আব্বাস (রা.)-এর পিছেনে জানাযার সালাত আদায় করলাম। তাতে তিনি সূরা ফাতিহা তিলওয়াত করলেন এবং (সালাত শেষে) বললেন, (আমি এমন করলাম) যাতে সবাই জানতে পারে যে, তা (সূরা ফাতিহা তিলাওয়াত করা) জানাযার সালাতে সুন্নাত (একটি পদ্ধতি)।

### ٨٤٩. بَابُ الصَّالاَةِ عَلَى الْقَبْرِ بَقْدَ مَا يُدْفَنُ

৮৪৯. অনুচ্ছেদ ঃ দাফনের পর কবরকে সামনে রেখে (জানাযার) সালাত আদায়।

١٢٥٥ حَدَّثَنَا حَجَّاجُ بَنُ مِنْهَالٍ حَدَّثَنَا شُعْبَةُ قَالَ حَدَّثَنِي سِلْيَمَانُ الشَّيْبَانِيُّ قَالَ سَمِقْتُ الشَّعْبِيُّ قَالَ الشَّيْبَانِيُّ قَالَ سَمِقْتُ الشَّعْبِيُّ قَالَ الشَّيْبَانِيُّ قَالَ سَمِقْتُ الشَّعْبِيُّ قَالَ اللَّهُ عَنْهُمُ وَصِلُّوا خَلْفَهُ قُلْتُ مَنْ حَدَّتُكَ هَٰذَا يَا اَبَا عَمْرِوْ قَالَ اللَّهُ عَنْهُمَا .

১২৫৫ হাজ্জাজ্ঞ ইব্ন মিনহাল (র.).....শাবী (র.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আমাকে এমন এক সাহাবী বর্ণনা করেছেন, যিনি নবী ক্রিট্রা-এর সংগে একটি পৃথক কবরের পাল দিয়ে যাচ্ছিলেন। তিনি তাঁদের ইমামতি করলেন এবং তাঁরা তাঁর পিছনে জানাযার সালাত আদায় করলেন। (রাবী) বলেন) আমি শাবীকে জিজ্ঞাসা করলাম, হে আবৃ আম্র! আপনার কাছে এ হাদীস কে বর্ণনা করেছেন ? তিনি বললেন, ইব্ন আব্বাস (রা.)।

الله عَنْهُ أَنْ أَسُودَ رَجُلاً أَوِ آمْرَأَةً كَانَ يَقُمُّ الْمَسْجِدَ فَمَاتَ وَلَمْ يَعْلَمِ النَّبِيُّ عَنْ أَبِي رَافِعِ عَنْ آبِي هُرَيْرَةَ رَضِيَ الله عَنْهُ أَنْ أَسُودَ رَجُلاً أَوِ آمْرَأَةً كَانَ يَقُمُّ الْمَسْجِدَ فَمَاتَ وَلَمْ يَعْلَمِ النَّبِيُّ عَلَيْهِ بِمَوْتِهِ فَذَكْرَهُ ذَاتَ يَوْمِ فَقَالُ أَنْ أَسُودَ رَجُلاً أَوِ آمْرَأَةً كَانَ يَقُمُّ الْمَسْجِدَ فَمَاتَ وَلَمْ يَعْلَمِ النَّبِيُّ عَلَيْهِ بِمَوْتِهِ فَذَكْرَهُ ذَاتَ يَوْمِ فَقَالُ أَنْ الله عَلَى الله عَلَيْهُ عَلَيْهُ مَا الله عَلَيْهُ مَا الله عَلَى عَلَيْهُ مَا الله عَلَيْهُ مَا الله عَلَيْهُ مَا الله عَلَيْهُ عَلَى عَلَيْهُ عَلَى عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ مَا الله عَلَيْهُ عَلَى عَلَيْهُ عِلَاهِ عَلَيْهُ عَلَاهُ عَلَاهُ

১২৫৬ মুহামদ ইব্ন ফায্ল (র.)......আবু হুরায়রা (রা.) থেকে বর্ণিত যে, কালবর্ণের এক পুরুষ বা এক মহিলা মসজিদে ঝাড় দিত। সে মারা গেল। কিন্তু নবী ক্রিট্র তার মৃত্যু সংবাদ জানতে পারেন নি। একদিন তার কথা উল্লেখ করে তিনি জিজ্ঞাসা করলেন, এ লোকটির কি হল ? সাহাবীগণ বললেন, ইয়া রাসূলাল্লাহ্! সে তো মারা গিয়েছে। তিনি বললেন ঃ তোমরা আমাকে অবহিত করলে না কেন ? তারা বললেন, সে ছিল এমন এমন (তার) ঘটনা উল্লেখ করলেন। রাবী বলেন, তারা (যেন) তাকে খাট করে দেখলেন। নবী ক্রিট্রট্র বললেন ঃ আমাকে তার কবর দেখিয়ে দাও। রাবী বলেন, তখন তিনি তার কবরের কাছে তাশরীফ এনে তার জন্য জানাযার সালাত আদায় করলেন।

### ٠ ٨٥. بَابُ ٱلْمَيْتُ يَسْمَعُ خَفْقَ النِّمَالِ

৮৫০. অনুচ্ছেদ ঃ মৃত ব্যক্তি দোফনকারীদের) জুতার শব্দ শুনতে পায়।

الْجَنَّةِ قَالَ النَّبِيِّ عَلَيْكُ فَيَرَاهُمَا جَمِيْ عَلَيْكُ مَا الْكَافِرُ أَوِ الْمُنَافِقُ فَيَقُولُ لاَ اَدْرِي كُنْتُ اَقُولُ مَا يَقُولُ الْجَنَّةِ قَالَ النَّاسُ فَيُقَالَ لاَ دَرَيْتَ وَلاَ تَلَيْتَ ثُمَّ يُضْرَبُ بِمِطْرَقَةٍ مِنْ حَدِيْدٍ ضَرَّبَةً بَيْنَ اُذُنَيْهِ فَيَصِيْحُ صَيْحَةً يَسْمَعُهَا مَنْ يَلَيْهِ الاَّ الثَّقَلَيْنَ .

১২৫৭ আয়্যাশ ও খলীফা (র.)......আনাস (রা.) থেকে বর্ণিত যে, নবী ক্রিট্রের্ট্র বলেছেন ঃ বান্দাকে যখন তার কবরে রাখা হয় এবং তাকে পিছনে রেখে তার সাখীরা চলে যায় (এতটুকু দূরে যে,) তখনও সে তাদের জুতার শব্দ তনতে পায়, এমন সময় তার কাছে দু' জন ফিরিশ্তা এসে তাকে বসিয়ে দেন। এরপর তাঁরা প্রশ্ন করেন, এই যে মুহাম্মাদ ক্রিট্রের্ট্র সম্পর্কে তুমি কি বলতে । তখন সে বলবে, আমি তো সাক্ষ্য দিছি যে, তিনি আল্লাহ্র বান্দা এবং তাঁর রাসূল। তখন তাঁকে বলা হবে, জাহান্নামে তোমার অবস্থানের জায়গাটি দেখে নাও, যার পরিবর্তে আল্লাহ্ পাক তোমার জন্য জানাতে একটি স্থান নির্ধারিত করেছেন। নবী ক্রিট্রের্ট্রবলেন ঃ তখন সে দু'টি স্থান একই সময় দেখতে পাবে। আর যারা কাকির বা মুনাফিক, তারা বলবে, আমি জানি না। (তবে) অন্য লোকেরা যা বলতো আমিও তাই বলতাম। তখন তাকে বলা হবে, না তুমি নিজে জেনেছ, না তিলাওয়াত করে শিখেছ। এরপর তার দু' কানের মধ্যবর্তী স্থানে লোহার মুগুর দিয়ে এমন জোরে আঘাত করা হবে, এতে সে চিৎকার করে উঠবে, মানুষ ও জীন্ন ব্যতীত তার আশেপাশের সকলেই তা শুনতে পাবে।

# ٨٥٨. بَابُ مَنْ اَحَبُّ الدُّفْنَ فِي الْأَرْضِ الْمُقَدُّسَةِ أَنْ نَحُوهِا

৮৫১. অনুচ্ছেদ ঃ যে ব্যক্তি বায়তুল মুকাদাস বা অনুরূপ কোন স্থানে দাফন হওয়া পসন্দ করেন।

الله عَنْهُ قَالَ أُرْسِلَ مَلْكُ الْـمَوْتَ إِلَى مُوْسِلَى عَلَهِمَا السَّلاَمُ فَلَمَّا جَاءَهُ صَكَّةُ فَرَجَعَ اللّهِ وَقَالَ اللهُ عَنْهُ قَالَ السَّلاَمُ فَلَمَّا جَاءَهُ صَكَّةُ فَرَجَعَ اللّهِ رَبِّهِ فَقَالَ الله عَنْهُ وَقَالَ الرَّجِعَ فَقُلْ يَضَعُ يَدَهُ عَلَى مَتَنِ ثَوْرٍ فَلَهُ بِكُلِّ مَا السَّلاَمُ فَلَمَّا جَاءَهُ صَكَّةً فَرَجَعَ اللّه رَبِّهِ فَقَالَ ارْجَعَ فَقُلْ يَضَعُ يَدَهُ عَلَى مَتَنِ ثَوْرٍ فَلَهُ بِكُلِّ مَا السَّلاَتِي إِلَى عَبْدٍ لِا يُرِيْدُ الْمَوْتَ فَرَدَّ اللهُ عَلَيْهِ عَيْنَهُ وَقَالَ ارْجِعَ فَقُلْ يَضَعُ يَدَهُ عَلَى مَتَنِ ثَوْرٍ فَلَهُ بِكُلِّ مَا غَطَتُ بِهِ يَدُهُ بِكُلِّ شَعْدَ رَوِّ سَنَةً قَالَ آئَى رَبِّ ثُمَّ مَاذَا قَالَ ثُمَّ الْمَوْتُ قَالَ فَالْأَنْ فَسَأَلَ اللّهَ آنُ يُدُنِيهُ مِنَ اللهُ عَلَيْهُ فَلَوْ كُثْتُ ثُمَّ لاَرْيَتُكُمْ قَبْرَهُ الِل جَانِبِ الطُرِقِ عَيْدَ الْكَوْرُ عَلَيْ اللّهُ عَلَيْهُ فَلَوْ كُثْتُ ثُمَّ لاَرْيَتُكُمْ قَبْرَهُ اللّه جَانِبِ الطُرِقِ عَيْدَ الْكَالِكُ اللهُ عَلَيْهِ عَنْهُ لاَرْيَتُكُمْ قَبْرَهُ اللّه جَانِبِ الطّرقِ عَيْدَ الْكَالِمُ اللّهُ عَلَيْهِ اللّهُ عَلْقُ كُثْتُ ثُمَّ لاَرْيَتُكُمْ قَبْرَهُ اللّه جَانِبِ الطّرقِ عَيْدَ الْكَالَالُ اللهُ عَلْمُ كُنْتُ ثُمَّ لاَرْيَتُكُمْ قَبْرَهُ اللّه عَلْمَ اللّهُ عَلْقُ كُنْتُ ثُمَّ لاَرْيَتُكُمْ قَبْرَهُ اللّه عَلَى اللّهُ عَلْمَا لَاللّهُ عَلْمُ كُنْتُ ثُمَّ لاَرْيَتُكُمْ قَبْرَهُ اللّه عَلْمَالًا عَلْمَا لاَلْكُونَ عَلَيْهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلْهُ عَلَى اللّهُ عَلْمَا لا اللهُ عَلَيْهِ اللّهُ عَلْمُ لَمُونَ اللّهُ عَلْمُ لاَنْهُ عَلْمَا لاَلْقُولُ اللّهُ عَلْمُ لَا عَلْمَا لَا لَهُ عَلْمُ لَا اللّهُ عَلْمُ لَا مُنْ اللّهُ عَلَيْهُ لِكُولُ مَا اللّهُ عَلْمُ عَلَى اللّهُ عَلْمُ عَلْمُ عَلْمَ عَلْمُ عَلْمُ عَلْمُ عَلَى اللّهُ عَلْمَا لَاللّهُ عَلْمُ عَلْمُ عَلْمُ عَلْمُ عَلْمُ عَلْمُ عَلْمُ عَلْمُ عَلَيْتُ عَلْمُ عَلْمُ اللّهُ عَلْمُ عَلْمُ عَلْمُ عَلْمُ عَلْمُ عَلْمُ عَلَالْمُ عَلْمُ عُلُولُ عَلْمُ عَلَيْكُمُ عَلْمُ عَلَمُ عَلَى اللّهُ عَلْمُ عَلْمُ عَلَيْكُونُ عَلَيْكُولُولُ عَلْمُ عَلَيْكُولُولُ اللّهُ عَلَى عَلَيْكُولُ عَلْمِ عَلْمُ عَلَيْكُولُ عَلَا اللّهُ عَلَيْكُولُولُ

১২৫৮ মাহমূদ (র.)......আবৃ হুরায়রা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, মালাকুল মাওতকে মূসা (আ.) এর কাছে পাঠানো হল। তিনি তাঁর কাছে আসলে, মূসা (আ.) তাঁকে চপেটাঘাত করলেন। (এত্ব তাঁর চোখ বেরিয়ে গেল।) তখন মালাকুল মাওত তাঁর প্রতিপালক এর দরবারে ফিরে গিয়ে বললেন,

আমাকে এমন এক বান্দার কাছে পাঠিয়েছেন যে মরতে চায় না। তখন আল্লাহ্ তাঁর চোখ ফিরিয়ে দিয়ে ছকুম করলেন, আবার গিয়ে তাঁকে বল, তিনি একটি ষাঁড়ের পিঠে তাঁর হাত রাখবেন, তখন তাঁর হাত যতটুকু আবৃত করবে, তার সম্পূর্ণ অংশের প্রতিটি পশমের বিনিম্য়ু তাঁকে এক বছর করে আয়ু দান করা হবে। মৃসা (আ.) এ তনে বললেন, হে আমার রব! তারপর কি হবে ! আল্লাহ্ বললেন ঃ তারপর মৃত্যু। মৃসা (আ.) বললেন, তা হলে এখনই আমি প্রস্তুত। তখন তিনি একটি পাথর নিক্ষেপ করলে যতদুর যায় বাইতুল মুকাদাসের ততটুকু নিকটবর্তী স্থানে তাঁকে পৌছিয়ে দেওয়ার জন্য আল্লাহ্ তা আলার কাছে আরয় করলেন। রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্রের বলছেন ঃ এখন আমি সেখানে থাকলে অবশ্যই পাথরের পাশে লাল বালুর টিলার নিকটে তাঁর কবর তোমাদের দেখিয়ে দিতাম।

# ٨٥٢. بَابُ الدُّفْنِ بِاللَّيْلِ وَدُفِنَ آبُقْ بَكْرٍ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهُ لَيْلاً

৮৫২. অনুচ্ছেদ ঃ রাতের বেলা দাফন করা। আবূ বকর রো.)—কে রাতে দাফন করা হয়েছিল।

الله عَدْثَنَا عُثْمَانُ بُنُ ابِي شَيْبَةَ حَدَّثَنَا جَرِيْرُ عَنِ الشَّيْبَانِيْ عَنِ الشَّعْبِيِّ عَنِ ابْنِ عَبَّاسٍ رَضِيَ اللهُ عَنْهُمَا قَالَ صَلَّى النَّبِيُ عَبِيًا مَ مُكَانَ سَأَلَ عَنْهُ فَقَالَ مَنْ هٰذَا عَنْهُمَا قَالَ صَلَّى النَّبِيُ عَبِي عَلَى رَجُلٍ بَعْدَ مَا دُفِنَ بِلِيْلَة قِامَ هُوَ وَاصْحَابُهُ وَكَانَ سَأَلَ عَنْهُ فَقَالَ مَنْ هٰذَا فَقَالُوا فَلاَنُ دُفْنَ الْبَارِحَةَ فَصَلُّوا عَلَيْهُ ،

১২৫৯ উসমান ইব্ন আবু শায়বা (র.)..ইব্ন আব্বাস (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, এক ব্যক্তিকে রাত্রিকালে দাফন করার পর তার (জানাযার) সালাত আদায় করার জন্য নবী ক্রিট্রেই ও তাঁর সাহাবীগণ (দাফনকৃত ব্যক্তির কবরের পাশে) গিয়ে দাঁড়ালেন। তখন তিনি লোকটির বিষয়ে জিজ্ঞাসা করলেন এবং বললেন, এ লোকটি কে ? তাঁরা জবাব দিলেন, অমুক গত রাতে তাকে দাফন করা হয়েছে। তখন তাঁরা সকলে তার (জানাযার) সালাত আদায় করলেন।

### ٨٥٣. بَابُ بِنَاءِ الْمُسْجِدِ عَلَى الْقَبْرِ

৮৫৩. অনুচ্ছেদ ঃ কবরের উপর মাসজিদ নির্মাণ করা।

الشَّتَكَىٰ النَّبِيُّ عَلَيْ اللهُ عَنْهَا اللهُ عَنْ مَالِكُ عَنْ مِشَامٍ عَنْ اَبِيْهِ عَنْ عَائِشَةَ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهَا قَالَتُ لَمَّا الشَّتَكَىٰ النَّبِيُّ عَلَيْ ذَكَرَتُ بَعْضُ نِسَائِهِ كَنِيْسَةً رَأَيْنَهَا بِأَرْضِ الْحَبَشَةِ يُقَالُ لَهَا مَارِيَةً ، وَكَانَتُ أُمُّ سَلَمَةً وَأُمُّ حَبِيْبَةً رَضِيَ اللَّهُ عَنْهَا اتَتَا اَرْضَ الْحَبَشَةِ فَذَكَرُتَا مِنْ حُسْنِهَا وَتَصَاوِيْرَ فِيْهَا فَرَفَعَ رَأْسَهُ فَقَالَ وَلُمْ الرَّجُلُ الصَّالِحُ بَنَوْا عَلَى قَبْرِهِ مَسْجِدًا ثُمَّ صَوَرُوا فِيْهِ تِلْكَ الصَّورَ أُولَئِكَ شرِارُ

### الْخَلْقِ عِنْدِ اللهِ .

১২৬০ ইসমায়ীল (র.)......আয়িশা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী ক্রিট্র-এর অসুস্থতাকালে তাঁর এক সহধর্মিনী হাবশা দেশে তাঁর দেখা 'মারিয়া' নামক একটি গীর্জার কথা আলোচনা করলেন। (উশ্মাহাতৃল মু'মিনীনের মধ্যে) উন্মে সালামা এবং উন্মে হাবিবা (রা.) হাবাশায় গিয়েছিলেন। তাঁরা ঐ গীর্জাটির সৌন্দর্য এবং তাতে রক্ষিত চিত্রসমূহের বিবরণ দিলেন। তখন নবী ক্রিট্র তাঁর মাথা তুলে বললেন ঃ সে সব দেশের লোকেরা তাদের কোন পূণ্যবান ব্যক্তি মারা গেলে তাঁর সমাধিতে মসজিদ নির্মাণ করত এবং তাতে সে সব চিত্র অংকন করত। তারা হলো, আল্লাহ্র দরবারে নিকৃষ্ট মাখলৃক।

### ٤ ٥٨. بَابُ مَنْ يَدْخُلُ قَبْرَ الْمَرْأَةِ

#### ৮৫৪. অনুচ্ছেদ ঃ মেয়েলোকের কবরে যে অবতরণ করে।

المُ اللهُ عَنْهُ اللهِ عَلَيْهُ اللهِ عَلَيْهُ اللهِ عَلَيْهُ اللهِ عَلَيْهُ اللهِ عَلَى الْقَبْرِ فَرَأَيْتُ عَيْنَيْهِ تَدْمَعَانِ فَقَالَ هَلُ فَيْكُمْ قَالَ شَهِدْنَا بِنْتَ رَسُولِ اللهِ عَلَيْهُ وَرَسُولُ اللهِ عَلَيْهُ جَالِسُ عَلَى الْقَبْرِ فَرَأَيْتُ عَيْنَيْهِ تَدْمَعَانِ فَقَالَ هَلُ فَيْكُمْ مَنْ اَحَد لِمْ يُقَارِفِ اللّٰيِلَةَ فَقَالَ اَبُو طَلْحَةَ اَنَا قَالَ فَانْزِلَ فِيْ قَبْسِرِهَا فَنَزَلَ فِيْ قَبْسِرِهَا فَنَزَلَ فِي قَبْسِرِهَا فَنَزَلَ فِي قَبْسِرِهَا فَنَزَلَ فِي قَبْسِرِهَا فَالْ اللهُ اللهُ لِيَقْتَرِفُوا آيُ ليَكْتَسِبُوا ، مُبَارَك قَالَ فَلْيُحُ أُرَاهُ يَعْنِى الذَّنْبَ قَالَ اَبُو عَبْد الله ليَقْتَرِفُوا آيُ ليَكْتَسِبُوا ،

১২৬১ মুহামদ ইব্ন সিনান (র.)......আনাস ইব্ন মালিক (রা) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আমরা রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্রেই -এর এক কন্যার দাফনে হািযর ছিলাম। রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্রেকবরের পাশেই বসেছিলেন। আমি দেখলাম, তাঁর দু'চােখে অফ্র প্রবাহিত হচ্ছে। তখন তিনি জিজ্ঞাসা করলেন, তােমাদের মধ্যে এমন কেউ আছে কি, যে আজ্র রাতে স্ত্রী মিলনে লিপ্ত হয়নিং আবু তালহা (রা.) বলেন, আমি। তখন রাস্লুল্লাহ্ বললেনঃ তাঁর কবরে নেমে পড়, তখন তিনি তাঁর কবরে নেমে গেলেন এবং তাঁকে দাফন করলেন।

### ه ٨٥. بَابُ المَّلْأَةِ عَلَى الشَّهِيْدِ

#### ৮৫৫. অনুচ্ছেদ ঃ শহীদের জন্য জানাযার সালাত।

المُعْدِ بَنِ عَبْدِ اللهِ بَنُ يُوسُفَ حَدَّثَنَا اللَّيْثُ قَالَ حَدَّثَنِي ابْنُ شَهَابٍ عَنْ عَبْدِ الرَّحْمٰنِ بَنِ كَعْبِ بْنِ مَاكِ عَنْ جَابِرِ بْنِ عَبْدِ اللهِ رَضِيَ اللهُ عَنْهُمَا قَالَ كَانَ النَّبِيُ عَيْقَةً يَجْمَعُ بَيْنَ الرَّجُلَيْنِ مِنْ قَتْلَى أُحُدٍ فِي مَاكِ عَنْ جَابِرِ بْنِ عَبْدِ اللهِ رَضِيَ اللهُ عَنْهُمَا قَالَ كَانَ النَّبِي عَيْقَةً يَجْمَعُ بَيْنَ الرَّجُلَيْنِ مِنْ قَتْلَى أُحدٍ فِي مَاكِمٍ وَاحِدٍ ثُمَّ يَقُولُ اللهِ مَا اللَّهُ وَقَالَ انَا شَهِيدُ عَلَى هُولُاء يَوْمَ الْقَيَامَةِ وَآمَرَ بِدَفْنِهِمْ فِي دِمَائِمٍ وَلَمْ يُغَسَلُوا وَلَمْ يُصلَلُ عَلَيْهِمْ .

১২৬২ আবদুল্লাহ্ ইব্ন ইউসুফ (র.)..... জাবির ইব্ন আবদুল্লাহ্ (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী ক্রান্ত্রী উহুদের শহীদগণের দু' দু' জনকে একই কাপড়ে (কবরে) একত্র করতেন। এরপর জিজ্ঞাসা করতেন, তাঁদের উভয়ের মধ্যে কে কুরআন সম্পর্কে অধিক জানত । দু' জনের মধ্যে এক জনের দিকে ইশারা করা হলে তাঁকে কবরে আগে রাখতেন এবং বললেন, আমি কিয়ামতের দিন এদের ব্যাপারে সাক্ষী হব। তিনি রক্তমাখা অবস্থায় তাঁদের দাফন করার নির্দেশ দিলেন, তাঁদের গোসল দেওয়া হয়নি এবং তাঁদের (জানাযার) সালাতও আদায় করা হয়নি।

المَعْنَا عَبْدُ اللهِ بَنُ يُوسُفَ حَدَّثَنَا اللَّيْثُ قَالَ حَدُّثَنِي يَزِيْدُ بَنُ اَبِي حَبِيبٍ عَنَ اَبِي الْخَيْرِ عَنْ عَقْبَةَ بَنِ عَامِرٍ اَنَّ النَّبِي عَيَّا اللَّهِ بَنَ عَلَى اَهْلِ اُحَدٍ صَلَاتَهُ عَلَى الْمَيْتِ ، ثُمَّ انْصَرَفَ اللهِ الْمَنْبَرِ عَامِرٍ اَنَّ النَّبِي عَيَّا الْمَنْ اللهِ الْمَنْ اللهِ الْمُنْ اللهِ الْمُنْ اللهِ عَرْضِي اللهَ اللهِ اللهِ عَرْضِي اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ ال

১২৬৩ আবদুল্লাহ্ ইব্ন ইউস্ফ (র.).......উক্বা ইব্ন আমির (রা.) থেকে বর্ণিত যে, নবী ক্রিন্টার্টি একদিন বের হলেন এবং উহুদে পৌছে মৃতের জন্য যেরূপ (জানাযার) সালাত আদায় করা হয় উহুদের শহীদানের জন্য অনুরূপ সালাত আদায় করলেন। এরপর ফিরে এসে মিম্বারে তাশরীফ রেখে বললেন ঃ আমি হবো তোমাদের জন্য অগ্রে প্রেরিত এবং আমি তোমাদের জন্য সাক্ষী। আল্লাহ্র কসম! এ মুহুর্তে আমি অবশ্যই আমার হাউয (হাউয-ই-কাউসার) দেখছি। আর অবশ্যই আমাকে পৃথিবীর ভাভারসমূহের চাবিগুচ্ছ প্রদান করা হয়েছে। অথবা (রাবী বলেছেন) পৃথিবীর চাবিগুচ্ছ আর আল্লাহ্র কসম! তোমরা আমার পরে শিরক করবে এ আশংকা আমি করি না। তবে তোমাদের ব্যপারে আমার আশংকা যে, তোমরা পার্থিব সম্পদের প্রতি আকৃষ্ট হয়ে পড়বে।

# ٨٥٨. بَابُ دَفْنِ الرَّجُلِّينِ وَالثَّلائِةِ فِي قَبْرِ

৮৫৬. অনুচ্ছেদ ঃ একই কবরে দু' বা তিনজনকে দাফন করা।

اللهِ رَضِيَ اللهُ عَنْهُمَا اَخْبَرَهُ اَنَّ النَّبِيُّ النَّيْ اللَّيْثُ ابْنِ شِهَابٍ عَنْ عَبْدِ الرَّحْمَٰنِ بْنِ كَعْبِ اَنَّ جَابِرَ بْنَ عَبْدِ الرَّحْمَٰنِ بْنِ كَعْبِ اَنَّ جَابِرَ بْنَ عَبْدِ اللهِ رَضِيَ اللهُ عَنْهُمَا اَخْبَرَهُ اَنَّ النَّبِيُّ الْحُهُ كَانَ يَجْمَعُ بَيْنَ الرَّجُلَيْنِ مِنْ قَتْلَى أُحُدٍ .

১২৬৪ সায়ীদ ইব্ন সুলাইমান (র.).....জাবির ইব্ন আবদুল্লাহ্ (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি খবর দিয়েছেন যে, নবী ক্রিট্রেইউহুদের শহীদগণের দু' দু'জনকে একত্র করে দাফন করেছিলেন।

### ٨٥٧. بَابُ مَنْ لَمْ يَرْ غُسْلُ الشُّهُدَاءِ

৮৫৭. অনুচ্ছেদ ঃ যাঁরা শহীদগণকে গোসল দেওয়ার অভিমত পোষণ করেন না।

٥٢٦٥ حَدَّثَنَا اَبُو الْوَلِيْدِ حَدَّثَنَا لَيْثُ عَنِ ابْنِ شِهَابٍ عَنْ عَبْدِ الرَّحْمَٰنِ بْنِ كَعْبٍ عَنْ جَابِرٍ قَالَ قَالَ النَّبِيُّ مَا النَّبِيُّ عَنْ الْمُوعَ عَنْ الْمُنْ النَّبِيُّ عَنْ جَابِرٍ قَالَ قَالَ النَّبِيُّ عَنْ النَّبِيُّ عَنْ جَابِرٍ قَالَ قَالَ النَّبِيُّ عَنْ النَّبِيُّ عَنْ عَنْ النَّبِيُّ عَنْ النَّبِيُّ عَنْ اللَّهُمُ .

১২৬৫ আবুল ওয়ালীদ (র.)....জাবির (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী ক্রিট্রের বলেছেন ৪ তাঁদেরকে তাঁদের রক্ত সহ দাফন কর। অর্থাৎ উহুদের যুদ্ধের দিন শহীদগণের সম্পর্কে আর তিনি তাঁদের গোসলও দেন নি।

# ٨٥٨. بَابُ مَنْ يُقَدِّمُ فِي اللَّحْدِ، وَسُمِّيَ اللَّحْدَ لاَنِّهُ فِي نَاحِيَّةٍ وَكُلُّ جَائِرٍ مُلْحِدُ مُلْتَحَدًا مَفْدِلاً وَلَوْ كَانَ مُسْتَقَيْمًا كَانَ ضَرَيْحًا

৮৫৮. অনুচ্ছেদ ঃ কবরে প্রথমে কাকে রাখা হবে। আবূ আবদুল্লাহ্ (ইমাম বুখারী) রে.)
বলেন, একদিকে ঢালু করে গর্ত করা হয় বলে 'লাহদ' নামকরণ করা হয়েছে।
প্রত্যেক যালিমই 'মূলহিদ (ঝগড়াটে) 'المنظمة' অর্থ হল পাশ কাটিয়ে গিয়ে আশ্রয়
নেওয়ার স্থান। আর কবর সমান হলে তাকে বলা হয় 'যারীহ" (সিন্দুক কবর)।

المُحْدِنِ اللهِ عَنْ جَابِرٍ عَبُدِ اللهِ رَضِيَ اللهِ اَخْبَرَنَا لَيْكُ بُنُ سَعْدِ حَدَّثَنِي ابْنُ شَهَابِ عَنْ عَبْدِ الرَّحُلُنِ مِنْ بَنِ كَعْبِ بْنِ مَالِكِ عَنْ جَابِرٍ عَبْدِ اللهِ رَضِيَ اللهُ عَنْهُمَا اَنَّ رَسُوْلَ اللهِ عَلَيْهُ كَانَ يَجْمَعُ بَيْنَ الرَّجُلَيْنِ مِنْ اللهِ عَنْ جَابِرٍ عَبْدِ اللهِ رَضِيَ اللهُ عَنْهُمَا اَنَّ رَسُوْلَ اللهِ عَلَيْهُمْ وَلَمْ يَعُولُ اللهِ عَنْ جَابِرٍ عَبْدِ وَقَالَ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ عَلَى هُولًا عَلَيْهُمْ وَلَمْ يُعَسَلِّهُمْ وَلَمْ يُعَسَلِّهُمْ وَلَمْ يُعَسِلُهُمْ وَاخْبَرَنَا الْأَوْرَاعِيُّ عَنِ الرَّهُرِيِّ اللهِ عَنْ جَابِرِ بْنِ عَبْدِ اللهِ رَضِيَ اللهُ عَنْهُمَا كَانَ رَسُولُ اللهِ عَلَيْهِمْ وَلَمْ يُعْسَلِّهُمْ وَاخْبَرَنَا الْأَوْرَاعِي عَنْ الرَّهُرِيِّ عَنْ اللهِ يَعْدِلُ اللهِ عَنْهُمُ اللهِ عَنْهُمُ اللهِ عَنْهُمُ اللهِ عَنْهُمُ اللهِ عَنْهُ اللهِ عَنْهُمُ اللهِ عَنْهُمُ اللهُ عَنْهُمُ اللهُ عَنْهُمُ اللهِ عَنْهُمُ اللهِ عَنْهُمُ اللهِ عَنْهُمُ اللهِ عَنْهُ اللهُ عَنْهُمُ اللهُ عَنْهُمُ اللهُ عَنْهُمُ اللهُ عَنْهُمُ اللهُ عَنْهُمُ اللهُ عَنْهُ اللهُ اللهُ عَنْهُ اللهُ اللهُ عَنْهُ اللهُ اللهُ عَنْهُ اللهُ اللهُ اللهِ اللهُ اللهُ اللهُ اللهِ اللهُ عَنْهُ اللهُ ا

১২৬৬ ইব্ন মুকাতিল (র.)......জাবির ইব্ন আবদুল্লাহ্ (রা.) থেকে বর্ণিত যে, রাস্লুল্লাহ্ ভিট্রা উহদের শহীদগণের দু' দু'জনকে একই কাপড়ে (কবরে) একত্রে দাফন করার ব্যবস্থা করে জিজ্ঞাসা করলেন। তাঁদের মধ্যে কে কুরআন সম্পর্কে অধিক জ্ঞাত ? যখন তাঁদের একজনের দিকে ইশারা করা হত, তখন তিনি তাঁকে প্রথমে ক বরে রাখতেন, আর বলতেন ঃ আ মি তাঁদের জন্য সাক্ষী হব। (কিয়ামতে) তিনি তাঁদের রক্তমাখা অবস্থায় দাফন করার নির্দেশ দিয়েছিলেন এবং তিনি তাঁদের জানাযার সালাতও আদায় করেন নি। তাঁদের গোসলও দেননি। রাবী আও্যায়ী (র.) যুহরী (র.) সূত্রে জাবির ইব্ন আবদুল্লাহ্ (রা.) থেকে বর্ণনা করেন যে, রাস্লুল্লাহ্ করতেন, তাঁদের মাঝে কুরআন সম্পর্কে কে অধিক জ্ঞাত ? কোন একজনের দিকে ইশারা করা হলে, তিনি তাঁকে তাঁর সংগীর আগে কবরে রাখতেন। জাবির (রা.) বলেন, আমার পিতা ও চাচাকে একখানি পশমের তৈরী নক্শা করা কাপড়ে কাফন দেওয়া হয়েছিল (আর সুলাইমান ইব্ন কাসীর (র.) সূত্রে যুহরী (র.) থেকে বর্ণনা করেন যে, আমার নিকট এমন এক ব্যক্তি হাদীস বর্ণনা করেছেন, যিনি জাবির (রা.) থেকে গুনেছেন।

### ٨٥٩. بَابُ الْإِذْخِرِ وَالْمَسْيَسِ فِي الْقَبْرِ

৮৫৯. অনুচ্ছেদ ঃ কবরের উপরে ইযুখির বা অন্য কোন ঘাস দেওয়া।

١٢٦٧ حَدَّثْنَا مُحَمَّدُ بُنُ عَبْد اللَّه بُن حَوْشَبِ حَدَّثْنَا عَبْدُ الْوَهَّابِ حَدَّثْنَا خَالدُ عَنْ عكرمة عَن ابْن عَبَّاسٍ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهُمَا عَنِ النَّبِيِّ عَلِيَّ قَالَ حَرُّمَ اللَّهُ مَكَّةَ فَلَمْ تَحِلُّ لاَحَد قَبُلِيُّ وَلاَ لاَحَد بعَدى أُحلَّتُ لَىْ سَاعَةً مِنْ نَهَارِ لاَ يُخْتَلَى خَلاَهَا وَلاَ يُعْضِدُ شَجَرُهَا وَلاَ يُنَفَّرُ صِيْدُهَا وَلاَ تُلْتَقَطُ لُقَطَتُهَا الاَّ لمُعَرّف فَقَالَ الْعَبَّاسُ رَضِي اللَّهُ عَنْهُ الاّ الْإِذْخِرَ لِصَاغِتِنَا وَقُبُورِنَا فَقَالَ الاّ الْإِذْخِرَ وَقَالَ ابُو هُرَيْرَةَ رَضَى اللَّهُ عَنْهُ عَنِ النَّبِي عَلَيْكُ لِقُبُورِنَا وَبُيُوتَنَا وَقَالَ اَبَانُ بَنُ صَالِحٍ عَنِ الْحَسَنِ بَنِ مُسْلِمٍ عَنْ صَفِيَّةً بِنْتِ شَيْسَبَةً سَمِعْتُ النَّبِي عَلِي مَثْلَهُ وَقَالَ مُجَاهِدُ عَنْ طَانُسِ عَنِ ابْنِ عَبَّاسٍ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهُمَا لِقَيْنِهِمْ وَبُيُوتِهِمْ • ১২৬৭ মুহামদ ইব্ন আবদুল্লাহ্ ইব্ন হাওশাব (র.).....ইব্ন আব্বাস (রা.) সূত্রে নবী করীম থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আল্লাহ্ পাক মক্লাকে হারাম (সম্মানিত বা নিষিদ্ধ এলাকা) সাব্যস্ত করেছেন। আমার পূর্বে তা, কারো জন্য হালাল (বৈধ ও উন্মুক্ত এলাকা) ছিল না এবং আমার পরেও কারো জন্য তা হালাল হবে না। আমার জন্য একটি দিনের (মক্কা বিজয়ের দিন) কিছু সময় হালাল করা হয়েছিল। কাজেই তার ঘাস উৎপাটন করা যাবে না, তার গাছ কাটা যাবে না, শিকারকে তাড়িয়ে দেওয়া যাবে না। সেখানে পড়ে থাকা (হারানো।) বস্তু উঠিয়ে নেওয়া যাবে না, তবে হারানো প্রাপ্তির ঘোষণা প্রদানকারীর জন্য (অনুমতি থাকবে।) তখন আব্বাস (রা.) বললেন, তবে ইয্খির ঘাস, আমাদের স্বর্ণকারদের জন্য এবং আমাদের কবরগুলির জন্য প্রয়োজন। তখন তিনি বললেন ঃ ই যৃখির ব্যতীত। আবৃ হুরায়রা (রা.) নবী করীম 📆 থেকে বর্ণনা করেন, আমাদের কবর ও বাড়ী ঘরের জন্য। আর আবান ইব্ন সালিহ্ (র.) সাফিয়্যা বিন্ত শায়বা (রা.) সূত্রে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী করীম 🚎 কে আমি অনুরূপ বলতে ন্তনেছি আর মুজাহিদ (র.) ইব্ন আব্বাস (রা.) সূত্রে বলেন, তাদের কর্মকার ও ঘর-বাড়ীর জন্য।

# ٨٦٠. بَابُ هَلْ يُخْرَجُ الْمَيْتُ مَنِ الْقَبْرِ وَاللَّهُ لِعِلَّةً

৮৬০. অনুচ্ছেদ ঃ কোন কারণে মৃত ব্যক্তিকে লোশা কবর বা লাহ্দ থেকে বের করা যাবে কি?

اللهِ عَبْدُ اللهِ عَبْدَ مَا الْدَخِلَ حُفْرَتُهُ فَأَمْرَ بِهِ فَأَخْرِجَ فَوَضَعَهُ عَيْ رُكَبَتَيْهِ وَنَفَتَ عَنْ رَكَبَتَيْهِ وَنَفَتَ عَبْدُ اللهِ عَبْدُ اللهِ عَبْدَ مَا اللهِ عَبْدَ اللهِ عَبْدَ اللهِ عَبْدَ اللهِ عَبْدَ اللهِ عَبْدَ اللهِ عَلْمَ مَكَانَ كَسَا عَبُاسًا قَمِيْصًا قَالَ سَفْيَانُ وَقَالَ ابُوْ هُرَيْرَةً وَكَانَ عَبْدِ اللهِ يَارَسُولُ اللهِ اللهِ اللهِ عَبْدَ اللهِ عَلَى رَسُولُ اللهِ عَبْدَ اللهِ عَلَى مَنْ رَيْقَةً لِمَا صَنَعَ اللهِ عَلَى عَبْدَ اللهِ قَمِيْصَهُ مُكَافَأَةً لِمَا صَنَعَ . قَمْدِ صَنَ عَبُدَ اللهِ عَبْدَ اللهِ قَمِيْصَهُ مُكَافَأَةً لِمَا صَنَعَ .

১২৬৮ আলী ইব্ন আবদুল্লাহ্ (র.).....জাবির ইব্ন আবদুল্লাহ্ (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আবদুল্লাহ্ ইব্ন উবাই (মুনাফিক সর্দারকে) কবর দেওয়ার পর রাস্লুল্লাহ্ তার (কবরের) কাছে আসলেন এবং তিনি তাকে বের করার নির্দেশ দিলে তাকে (কবর থেকে) বের করা হল। তখন তিনি তাকে তাঁর (নিজের) দু' হাঁটুর উপরে রাখলেন, নিজের (মুখের) লালা (তার উপরে ফুঁকে) দিলেন এবং নিজের জামা তাকে পরিয়ে দিলেন। আল্লাহ্ সমধিক অবগত। সে আব্বাস (রা.)-কে একটি জামা পরতে দিয়েছিল। আর সুফিয়ান (র.) বলেন, আবৃ হুরায়রা (রা.) বলেছেন, রাস্লুল্লাহ্ তাঁর পরিধানে তখন দু'টি জামা ছিল। আবদুল্লাহ্ (ইব্ন উবাই)-এর পুত্র (আবদুল্লাহ্ ইব্ন আবদুল্লাহ্ (র.) বলেন, ইয়া রাস্লাল্লাহ্! আপনার (পবিত্র) দেহের সাথে জড়িয়ে থাকা জামাটি আমার পিতাকে পরিয়ে দিন। সুফিয়ান (র.) বলেন, তারা মনে করেন যে, নবী করীম তাঁর জামা আবদুল্লাহ্ (ইব্ন উবাই)-কে পরিয়ে দিয়েছিলেন, তার কৃত (ইহসানের) বিনিময় স্বরূপ।

الله عَدْثُنَا مُسَدَّدٌ اَخْبَرَنَا بِشَرُ بْنُ الْمُفَضَلِ حَدَّثَنَا حُسَيْنُ الْمُعَلِّمُ عَنْ عَطَاءٍ عَنْ جَابِرٍ رَضِي َ الله عَنْهُ قَالَ لَمَّا حَضِرَ احْدُ دَعَانِي آبِي مِنَ اللَّيْلِ فَقَلاَ مَا اُرَانِي الله مَقْتُولاً فِي آوَّلِ مَنْ يُقْتَلُ مِنَ اصَحَابِ الله عَلَيْ وَاللَّهِ عَلَيْ الله عَلَيْ وَلَا عَلَى مَنِ اللَّيْلِ فَقَلاَ مَا الرّانِي الله عَلَيْ فَإِنْ عَلَى دَيْنَا فَاقْضِ وَاسْتَوْصِ النَّبِي عَلَيْ الله عَلَيْ الله عَلَيْ وَاللَّه عَلَيْ وَاسْتَوْصِ وَاسْتَوْصِ بِأَخْوَاتِكَ خَيْرًا فَأَصْبَحُنَا فَكَانَ آوَّلَ قَتِيْلٍ وَدُفِنَ مَعَهُ أَخَرُ فِي قَبْرٍ ثُمَّ لَمْ تَطِبُ نَفْسِي آنَ اتْرُكَهُ مَعَ الْالْخَرِ بِأَخْوَاتِكَ خَيْرًا فَأَصْبَحُنَا فَكَانَ آوَّلَ قَتِيْلٍ وَدُفِنَ مَعَهُ أَخَرُ فِي قَبْرٍ ثُمَّ لَمْ تَطِبُ نَفْسِي آنَ اتْرُكَهُ مَعَ الْالْخَرِ فَاسَتَخْرَجْتُهُ بَعْدَ سَتَّة آشَهُرِ فَاذَا هُو كَيَوْمٍ وَضَعَعْتُهُ هُنَيَّةً غَيْرَ الْدُنه .

১২৬৯ মুসাদাদ (র.).....জাবির (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, যখন উহুদ যুদ্ধের সময় উপস্থিত হল, তখন রাতের বেলা আমার পিতা আমাকে ডেকে বললেন, আমার এমনই মনে হয় যে, নবী করীম এমনর এমনই মনে হয় যে, নবী করীম এমনর এমনই মনে হয় যে, নবী করীম আমার (মৃত্যুর) পরে রাস্লুল্লাহ্ ব্রিটার ব্যতীত তোমার চাইতে অধিকতর প্রিয় কাউকে রেখে যাচ্ছি না। আমার যিশায় কর্ম রয়েছে। তুমি তা পরিশোধ করবে। তোমার বোনদের ব্যাপারে সদোপদেশ গ্রহণ করবে। (জাবির (রা.) বলেন) পরদিন সকাল হলে (আমরা দেখলাম যে) তিনিই প্রথম শহীদ। তাঁর কবরে আর একজন সাহাবীকে তাঁর সাথে দাফন করা হয়েছিল। কিন্তু পরে অন্য একজনের সাথে

(একই) কবরে তাঁকে রাখা আমার মনে ভাল লাগল না। তাই ছয় মাস পর আমি তাঁকে (কবর থেকে) বের করলাম এবং দেখলাম যে, তাঁর কানে সামান্য চিহ্ন ব্যতীত তিনি সেই দিনের মতই (অক্ষত ও অবিকৃত) রয়েছেন, যে দিন তাঁকে (কবরে) রেখেছিলাম।

الله عَنْهُ قَالَ دُفِنَ مَعَ اَبِيْ رَجُلُ فَلَمْ تَطِبُ نَفْسِيْ حَتَّى اَخْرَجْتُهُ فَجَعَلَتُهُ فِي قَبْرِ عَلَى حَدَةً وَكَا عَلَى حَدَةً وَعَلَتُهُ فَي قَبْرِ عَلَى حَدَةً وَعَلَتُهُ فَي قَبْرِ عَلَى حَدَةً وَعَلَتُهُ فَي قَبْرِ عَلَى حَدَةً وَعَيْقَهُ فَالَ دُفُنِ مَعَ اَبِيْ رَجُلُ فَلَمْ تَطِبُ نَفْسِيْ حَتَّى اَخْرَجْتُهُ فَجَعَلَتُهُ فِي قَبْرِ عَلَى حَدَةً وَكَا كَاهُ عَنْهُ قَالَ دُفُنِ مَعَ اَبِيْ رَجُلُ فَلَمْ تَطِبُ نَفْسِيْ حَتَّى اَخْرَجْتُهُ فَجَعَلَتُهُ فِي قَبْرِ عَلَى حَدَةً إِلَا لَهُ عَنْهُ قَالَ دُفُنِ مَعَ اَبِيْ رَجُلُ فَلَمْ تَطِبُ نَفْسِيْ حَتَّى اَخْرَجْتُهُ فَجَعَلَتُهُ فِي قَبْرِ عَلَى حَدِةً إِلَا لَهُ عَنْهُ قَالَ دُفُنِ مَعَ اَبِيْ رَجُلُ فَلَمْ تَطِبُ نَفْسِي حَتَّى الله عَنْهُ فَالَ دُفُنِ مَعَ اَبِي رَجُلُ فَلَمْ تَطِبُ نَفْسِيْ حَتَّى الله عَنْهُ فَالَ دُفُنِ مَعَ الْحِي مِنْ شُعُوا وَمَا اللهُ عَنْهُ فَالَ دُفُنِ مَعَ الْحِي مِنْ شُعُوا وَلَيْهُ عَلَى حَدَةً عَلَى مَا الله عَنْهُ عَلَى دُونَ مَعَ الله عَلَى مَا الله عَنْهُ عَلَى مَا الله عَلَى مَن الله عَنْهُ عَلَى دُفُونَ مَعْ الله عَلَى عَلَى مَا الله عَنْهُ عَلَى دُونَ مَا الله عَلَى مَا الله عَلَى ا

### ٨٦١. بَابُ اللَّهُ وَالشُّقِّ فِي الْقَبْرِ

৮৬১. অনুচ্ছেদ ঃ কবরকে লাহ্দ (বগলী) ও শাক্ক (সিন্দুক) বানানো।

المعلى المعلى المعلى الله المعلى المعل

১২৭১ আব্দান (র.)....জাবির ইব্ন আবদুল্লাহ্ (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী ভিছ্নিত্র শহীদগণের দু' দু'জনকে একত্র করে জিজ্ঞাসা করেছিলেন, তাঁদের মধ্যে কুরআন সম্পর্কে কে অধিক জ্ঞাত । দু'জনের কোন একজনের দিকে ইশারা করা হলে প্রথমে তাঁকে লাহ্দ কবরে রাখতেন। তারপর ইরশাদ করেন ঃ কিয়ামতের দিন আমি তাঁদের জন্য সাক্ষী হব। তিনি রক্তমাখা অবস্থায়ই তাঁদের দাফন করার আদেশ করলেন এবং তাঁদের গোসলও দেননি।

٨٦٢. بَابُ إِذَا اَسْلَمَ الصَّبِيُ فَمَاتَ هَلَ يُصلَلَى عَلَيْهِ وَهَلَ يُصَرَضُ عَلَى الصَّبِيِّ الْإِسْلَامُ وَقَالَ الْحَسَنُ وَهُلَ يَصُرُ مَعُ عَلَى الصَّبِيِّ الْإِسْلَامُ وَقَالَ الْحَسَنُ وَهُلَا عَلَى اللهُ عَنْهُمَا مَعُ الْمُسْلِمِ وَكَانَ ابْنُ عَبُّاسِ رَضِي اللّهُ عَنْهُمَا مَعُ أُمِّهِ مِنَ الْمُسْتَضْ عَفِيْنَ وَلَمْ يَكُنْ مَعَ ابْيِهِ عَلَى دِيْنِ قَوْمِهِ وَقَالَ الْإِسْلامُ يَعْلُووَلا يُعْلَى

৮৬২. অনুচ্ছেদ ঃ বালক (অপ্রাপ্ত বয়স্ক) ইসলাম গ্রহণ করে মারা গেলে তার জন্য জানাযা সালাত আদায় করা হবে কি? বালকের নিকট ইসলামের দাওয়াত পেশ করা যাবে

वूचाती गतीय (२)—৫२

কি? হাসান, শুরাইহ্, ইব্রাহীম ও কাতাদা (র.) বলেছেন, পিতামাতার কেউ ইসলাম গ্রহণ করলে সন্তান মুসলিম ব্যক্তির সঙ্গে থাকবে। ইব্ন আব্বাস (রা.) তাঁর মায়ের সাথে 'মুস্তায'আফীন' (দুর্বল ও নির্যাতিত জামা'আত)—এর অন্তর্ভূক্ত ছিলেন তাঁকে তাঁর পিতা (আব্বাস) এর সাথে তার কাওমের (মুশরিকদের) ধর্মে গণ্য করা হত না। নবী ক্রিট্রেই ইরশাদ করেছেনঃ ইসলাম বিজয়ী হয়, বিজিত হয় না।

١٢٧٢ حَدَّثَنَا عَبُدَانُ اَخْبَرَنَا عَبْدُ اللهِ عَنْ يُونُسَ عَنِ الزُّهْرِيِّ قَالَ اَخْبَرَنِيْ سَالِمُ بُنُ عَبْدِ اللهِ اَنَّ ابْنَ عُمَرَ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهُمَا آخُبَرَهُ أَنَّ عُمَرَ انْطَلَقَ مَعَ النَّبِيُّ عَلَيْكُ فِي رَهُطٍ قِبَلَ ابْنِ صَيَّادٍ حَتَّى وَجَدُوهُ يَلْعَبُ مَعَ الصِّبْيَانِ عِنْدَ أَطُم بَنِي مَغَالَةً وَقَدْ قَارَبَ ابْنُ صَيَّادِ الْحَلُّمَ فَلَمْ يَشْعُرْ حَتَّى ضَرَبَ النَّبِيُّ عَلَيْهِ بِيدِهِ ثُمٌّ قَالَ لِابْنَ صَنِيًّاد تَشْهَدُ أَنِي رَسُولُ الله فَنَظَرَ الَيْه ابْنُ صَنيًّاد فَقَالَ اشْهَدُ أَنَّكَ رَسُولُ الْأُمِّيِّينَ فَقَالَ ابْنُ صيًّاد للنَّبِي عَلِي ۗ أَتَشْهَدُ أَنِي رَسُولُ الله عَلِي فَرَفَضه وَقَالَ أُمَنْتُ بِاللهِ وَبِرَسلُهِ فَقَالَ لَهُ مَاذَا تَرَى قَالَ ابْنُ صيًّاد يَأْتِينَى صادقُ وَكَاذبُ فَقَالَ النَّبِيُّ عَلِّي خُلُطَ عَلَيْكَ الْأَمْرُ ثُمَّ قَالَ لَهُ النَّبِيُّ عَلَيْكُ انْهَ مَا لَا مُن مُ قَالَ لَهُ النَّبِيُّ عَلَيْكُ انْهُ مَا لَهُ النَّبِيُّ عَلَيْكُ انْهُ مَا تُعَالَى اللَّهُ اللَّهُ اللَّهِ عَلَيْكُ الْإَمْرُ ثُمَّ قَالَ لَهُ النَّبِيُّ عَلَيْكُ انْهُ النَّبِيّ لَكَ خَبِيًا فَقَالَ ابْنُ صِنَيًادٍ هُوَ الدُّخُّ فَقَالَ اخْسَأْ فَلَنْ تَعْدُوَ قَدْرَكَ فَقَالَ عُمَرُ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهُ دَعِيَ يَا رَسُولَ اللهِ أَضْسِرِبُ عُنُقَهُ فَقَالَ النَّبِيُّ عَلِي إِلَّهُ انْ يَكُنُهُ فَلَنْ تُسلَّطَ عَلَيْهِ وَإِنْ لَمْ يَكُنْهُ فَلاَ خَيْرَلَكَ فَي قَتْلِهِ وَقَالَ سَالِمُ سَمِعْتُ ابْنُ عُمْرَ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهُمَا يَقُولُ انْطَلَقَ بَعْدَ ذَلكَ رَسُولُ اللهِ عَلَيْهُ وَأُبَى بَنُ كَعْبِ إِلَى النَّخْلِ الَّتِي فيها ابْنُ صَيَّادٍ وَهُوَ يَخْتِلُ أَنْ يَسْمَعَ مِنْ ابْنِ صَيَّادٍ شَيْئًا قَبْلَ أَنْ يَرَاهُ ابْنُ صَيَّادٍ فَرَاهُ النَّبِيُّ عَلَيْهُ وَهُوَ مُضْطَجِعُ يَعْنَى فِي قَطِيْفَة لِهُ فِيهَا رَمَزَةُ أَوْ زَمْرَةُ فَرَاتُ أُمُّ ابْنَ صَيَّادِ رَسُولَ الله عَلَيْهِ وَهُوَ يَتَّفِي بِجُذُوعِ النَّخُلِ فَقَالَتُ لِإِبْنِ صَيَّادٍ يَا صَافِ وَهُوَ اسْمُ ابْنِ صَيَّادٍ هٰذَا مُحَمَّدُ عَلَيْهُ فَثَارَ ابْنُ صَيَّادٍ فَقَالَ النَّبِيُّ عَلَيْهُ لَوْ تَرَكَتُهُ بَيِّنَ وَقَالَ شُعَيْبُ فَيْ حَدَيْتُه فَرَفَضَهُ رَمْرَمَةُ أَوْ زَمْزَمَةُ وَقَالَ عُقَيْلُ رَمْرَمَةُ وَقَالَ مَعْمَرُ رَمْزَةُ •

১২৭২ আব্দান (র.)......ইব্ন উমর (রা.) থেকে বর্ণিত যে, উমর (রা.) নবী ক্রিট্রে এর সংগে একটি দলের অন্তর্ভুক্ত হয়ে ইব্ন সাইয়াদ-এর (বাড়ীর) দিকে গেলেন। তাঁরা তাকে (ইব্ন সাইয়াদকে) বন্ মাগালা দুর্গের পালে অন্যান্য বালকদের সাথে খেলাধূলারত পেলেন। তখন ইব্ন সাইয়াদ বালিগ হওয়ার নিকটবর্তী হয়েছিল। সে নবী ক্রিট্রে এর আগমণ অনুভব করার আগেই নবী ক্রিট্রে তার হাত ধরে ফেললেন। তারপর তিনি জিজ্ঞাসা করলেন, তুমি কি সাক্ষ্য দিচ্ছ যে, আমি আল্লাহ্র রাস্ল ? ইব্ন সাইয়াদ তাঁর দিকে দৃষ্টি করে বলল, আমি সাক্ষ্য দিচ্ছি যে, আপনি উদ্মীদের রাস্ল। এরপর সে নবী ক্রিট্রে -কে বলল,

আপনি কি সাক্ষ্য দিবেন যে, আমি আল্লাহ্র রাসূল ? তখন নবী ক্রিট্রিই তাকে ছেড়ে দিয়ে বললেন ঃ আমি আল্লাহ্র প্রতি এবং তাঁর রাসূলগণের প্রতি ঈমান এনেছি। তারপর তিনি তাকে ( ইবৃন সাইয়াদকে ) জিজ্ঞাসা করলেন ঃ তুমি কি দেখে থাক ? ইব্ন সাইয়াদ বলল, আমার কাছে সত্যবাদী ও মিথ্যাবাদী আগমণ করে থাকে। নবী ক্রিক্টেই ইরশাদ করলেন ঃ ব্যাপারটি তোমার কাছে বিদ্রান্তিকর করা হয়েছে। এরপর নবী হাট্ট্রি তাকে বললেন ঃ আমি একটি বিষয়ে তোমার থেকে (আমার মনের মধ্যে) গোপন রেখেছি। (বলতো সেটি কি ?) ইব্ন সাইয়াদ বলল, তা হচ্ছে 'হুঁনা।'আদ্-দুখ্খু। তখন তিনি ইরশাদ করলেন ঃ তুমি লাঞ্ছিত হও! তুমি কখনো তোমার (জন্য নির্ধারিত) সীমা অতিক্রম করতে পারবে না। তখন উমর (রা.) বললেন, আমাকে অনুমতি দিন, ইয়া রাসূলাল্লাহ্! আমি তার গর্দান উড়িয়ে দেই। নবী ইরশাদ করলেন ঃ যদি সে সে-ই (অর্থাৎ মাসীহ্ দাজ্জাল) হয়ে থাকে, তা হলে তাকে কাব্ করার ক্ষমতা তোমাকে দেওয়া হবে না। আর যদি সে সে-ই (দাজ্জাল) না হয়, তা হলে তাকে হত্যা করার মধ্যে তোমার কোন কল্যাণ নেই। রাবী সালিম (র.) বলেন, আমি ইব্ন উমর (রা.)-কে বলতে শুনেছি, এরপর রাসূলুল্লাহ্ 🏣 এবং উবাই ইব্ন কা'ব (রা.) ঐ খেজুর বাগানের দিকে গমণ করলেন। যেখানে ইব্ন সাইয়াদ ছিল। ইব্ন সাইয়াদ তাকে দেখে ফেলার আগেই ইব্ন সাইয়াদের কিছু কথা তিনি খনে নিতে চাচ্ছিলেন। নবী ক্রিউতাকে একটি চাদর মুড়ি দিয়ে শুয়ে থাকতে দেখলেন। যার ভিতর থেকে তার গুনগুন আওয়ায শোনা যাচ্ছিল। ইব্ন সাইয়াদের মা রাসূলুল্লাহ্ ক্রীট্রি-কে দেখতে পেল যে, তিনি খেজুর (গাছের) কান্ডের আড়ালে আত্মগোপন করে চলছেন। সে তখন ইবৃন সাইয়াদকে ডেকে বলল, ও সাফ! (এটি ইব্ন সাইয়াদের ডাক) নাম। এই যে, মুহাম্মাদর তখন ইব্ন সাইয়াদ লাফিয়ে উঠল। নবী 🚟 ইরশাদ করলেনঃ সে(ইব্ন সাইয়াদের মা) তাকে (যথাবস্থায়) থাকতে দিলে (ব্যাপারটি) স্পষ্ট হয়ে যেতো।

ত আইব (র.) তাঁর হাদীসে 'فَرَفَخَهُ' বলেন, এবং সন্দেহের সাথে বলেন, 'مَرَمَهُ ' অথবা وَمُرَمَةُ ' এবং উকাইল (র.) বলেছেন, 'مَرَمَةُ ' আর মা মার বলেছেন 'رَمُزَةُ ' ।

الله عَدُّنَا سلَيْ مَانُ بُنُ حَرْبٍ حَدَّنَا حَمَّادُ وَهُو ابْنُ زَيْدٍ عَنْ ثَابِتٍ عَنْ اَنَسٍ رَضِيَ اللهُ عَنْهُ قَالَ كَانَ غُلاَمُ يَهُوْدِيُّ يَخُدُمُ النَّبِيُّ عَلَيْ فَمَرِضَ فَأَتَاهُ النَّبِيُّ عَلَيْكُ يَعُودُهُ فَقَعَدَ عَنْدَ رَأْسِهِ فَقَالَ لَهُ اَسْلِمْ فَنَظَرَ كَانَ غُلاَمُ يَهُودِيُّ يَخُدُمُ النَّبِيُّ عَلَيْكُ فَمَرِضَ فَأَتَاهُ النَّبِيُّ عَلَيْكُ يَعُودُهُ فَقَعَدَ عَنْدَ رَأْسِهِ فَقَالَ لَهُ اَسْلِمْ فَنَظَرَ النَّبِيُّ عَلَيْكُ وَهُو يَقُولُ الْحَمْدُ لِلهِ الَّذِي اللهِ الَّذِي اللهِ النَّبِي عَلَيْكُ وَهُو يَقُولُ الْحَمْدُ لِلهِ النَّذِي النَّادِ . انْقَادَهُ مِنَ النَّارِ .

১২৭৩ সুলাইমান ইব্ন হার্ব (র.)......আনাস (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, এক ইয়াহুদী বালক, নবী ক্রিট্রে-এর খিদমত করত, সে একবার অসুস্থ হয়ে পড়লে নবী ক্রিট্রেডি তাকে দেখার জন্য আসলেন। তিনি তার মাথার কাছে বসে তাকে বললেন ঃ তুমি ইসলাম গ্রহণ কর, সে তখন তার পিতার দিকে তাকাল, সে তার কাছেই ছিল, পিতা তাকে বলল, আবূল কাসিম (নবী ক্রিট্রেডি) এর কথা

ك. ﴿ وَمُزْمَةُ ' رَمُرْمَةُ ' رَمُرْمَةً '

মেনে নাও, তখন সে ইসলাম গ্রহণ করল। নবী ক্রিক্রি সেখান থেকে বের হয়ে যাওয়ার সময় ইরশাদ করলেনঃ যাবতীয় প্রশংসা সে আল্লাহ্র, যিনি তাকে জাহান্নাম থেকে মুক্তি দিলেন।

١٢٧٤ حَدُّثُنَا عَلِيٌّ بْنُ عَبُدِ اللهِ سَفْيَانُ قَالَ قَالَ عَبَيْدُ اللهِ سَمِعْتُ ابْنَ عَبَّاسٍ رَضِيَ اللهُ عَنْهُمَا يَقُولُ كُنْتُ انّا وَأُمِّى مِنَ النّسِنَاءِ . كُنْتُ انّا وَأُمِّى مِنَ النّسِنَاءِ .

১২৭৪ আলী ইবৃন আবদুল্লাহ্ (র.).....ইবৃন আব্বাস (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আমি এবং আমার মা (লুবাবাহ্ বিনত হারিস) মুসতায'আফীন (দুর্বল, অসহায়) এর অন্তর্ভুক্ত ছিলাম। আমি ছিলাম না-বালিগ শিশুদের মধ্যে আর আমার মা ছিলেন মহিলাদের মধ্যে।

الآسِكُ وَلَا عَلَى فَطُرَةِ الْاِسْكَانِ اَخْسِرَنَا شُعَيْبُ قَالَ ابْنُ شَهَابٍ يُصَلِّيْ عَلَى كُلِّ مَوْلُوْدٍ مُتَوَفِّى وَانْ كَانَ لِفَيْةٍ مِنْ اَجَلِ اَنَّهُ وَلِدَ عَلَى فَطُرَةِ الْاِسْكَامَ يَدَّعِي اَبْوَاهُ الْاِسْكَامَ اَنْ اَبُوهُ خَاصَةً وَانْ كَانَتُ اُمَّهُ عَلَى غَيْسِ مِنْ اَجَلِ اَنَّهُ وَلاَ عَلَى عَلَيْهِ وَلاَ يُصلَّى عَلَى مَنْ لاَيسْنَتَهِلُّ مِنْ اَجُلِ اَنَّهُ سِقِطُ فَانْ آبَا هُرَيْرَةَ رَضِي الله عَنْهُ كَانَ يُحَدِّثُ قَالَ النَّبِيُّ عَلَيْهُمَ مَنْ مَوْلُودٍ إِلاَّ يُولَدُ عَلَى الْفَطْرَةِ فَابَوَاهُ يُهُودِانِهِ اَنْ يُنْصِرُونِهِ رَضِي الله عَنْهُ كَانَ يُحَدِّثُ قَالَ النَّبِي عَلَيْهُ مَا مِنْ مَوْلُودٍ إِلاَّ يُولَدُ عَلَى الْفَطْرَةِ فَابَوَاهُ يُهُودَانِهِ اَنْ يُنْصِرُونِهِ وَلاَ يُعْمِينَانِهِ كَمَا تُنْتَجُ الْبَهِيمَةُ بَهِيْمَةً جَمْعَاءَ هَلْ تُحْسِونَ فَيْهَا مِنْ جَدْعَاءَ ثُمَّ يَقُولُ اَبُو هُرَيْرَةَ رَضِي الله عَلَيْهَا مَنْ جَدْعَاءَ ثُمَّ يَقُولُ اَبُو هُرَيْرَةَ رَضِي الله عَلَيْهَا مِنْ جَدْعَاءَ ثُمَّ يَقُولُ اَبُو هُرَيْرَةً رَضِي الله عَلَيْهَا الْآيَةِ .

১২৭৫ আবুল ইয়ামান (র.).......ও'আইব (র.) থেকে বর্ণিত যে, ইব্ন শিহাব (র.) বলেছেন, নবজাত শিশু মারা গেলে তাদের প্রত্যেকের জানাযার সালাত আদায় করা হবে। যদিও সে কোন দ্রষ্টা মায়ের সন্তানও হয়। এ কারণে যে, সে সন্তানটি ইসলামী ফিত্রাত (তাওহীদ) এর উপর জম্মলাভ করেছে। তার পিতামাতা ইসলামের দাবীদার হোক বা বিশেষভাবে তার পিতা। যদিও তার মা ইসলাম ব্যতীত অন্য কোন ধর্মের অনুসারী হয়। নবজাত শিশু স্বরবে কেনে থাকলে তার জানাযার সালাত আদায় করা হবে। আর যে শিশু না কাাদেবে, তার জানাযার সালাত আদায় করা হবে না। কেননা, সে অপূর্ণাংগ সন্তান। কারণ, আবু হুরায়রা (রা.) হাদীস বর্ণনা করতেন যে, নবী ক্রিটেটি ইরশাদ করেছেন ঃ প্রতিটি নবজাতকই জম্মলাভ করে ফিত্রাতের উপর। এরপর তার মা-বাপ তাকে ইয়াহুদী বা খ্রীন্টান বা অন্নিপূজারী রূপে গড়ে তোলে। যেমন, চতুম্পদ পশু নিখুঁত বাচ্চা জন্ম দেয়। তোমরা কি তাদের মধ্যে কোন কানকাটা দেখতে পাও ? (বরং মানুষেরাই তার নাক কান কেটে দিয়ে বা ছিদ্র করে তাকে বিকৃত করে থাকে। অনুরূপ ইসলামের ফিত্রাতে ভূমিষ্ট সন্তানকে মা-বাপ তাদের শিক্ষা-দীক্ষা ও জীবন ধারায় প্রবাহিত করে জান্ত ধর্মী বানিয়ে ফেলে) পরে আবু হুরায়রা (রা.) তিলাওয়াত করলেন ঃ ক্রিটা মানুষ সৃষ্টি করেছেন.....। (সুরা রুম ঃ ৩০)।

الله عَنْهُ: فَطْرَةَ الله الله الله فَطَرَ النَّاسَ عَلَيْهَا لاَ تَبْديُل اخْلُق الله خَلْق الله عَنْهُ الله عَنْهُ الله عَنْهُ النَّهِ عَنْهُ الله عَنْهُ الله عَلْهَ الله عَنْهُ الله عَنْهُ الله عَنْهُ عَلَى الْفَطْرَةِ فَابَوَاهُ يُهَوِّدَانِهِ الْ يُولِدُ عَلَى الْفَطْرَةِ فَابَوَاهُ يُهَوِّدَانِهِ اَنْ يُنْصَرِّانِهِ اَوْ يُمَجِّسَانِهِ كَمَا تُنْتَجُ الْبَهِيْمَةُ بَهِيْمَةً هَلْ تُحِسِّوْنَ فِيْهَا مِنْ جَدْعَاءَ ثُمَّ يَقُولُ اَبُوْ هُرَيْرَةَ رَضِي الله عَنْهُ: فَطْرَةَ الله التَّيُ فَطَرَ النَّاسَ عَلَيْهَا لاَ تَبْدَيْلَ لَخَلْق الله ذَلِكَ الدِّيْنُ الْقَيِّمُ ،

# ٨٦٣. بَابُ إِذَا قَالَ الْمُشْرِكُ عَنْدَ الْمَنْ لِ لَا اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ

৮৬৩. অনুচ্ছেদ ঃ মুশরিক ব্যক্তি মৃত্যুকালে (কালিমা—ই—তাওহীদ) 'লা—ইলাহা ইল্লাল্লান্ত্' উচ্চারণ করলে।

اَخْبَرَنِيْ سَعْيْدُ بُنُ الْمُسَيِّبِ عَنْ اَبِيهِ اَنَّهُ اَخْبَرَهُ اَنَّهُ لَمَّا حَضَرَتُ آبًا طَالِبِ الْوَفَاةُ جَاءَهُ رَسُولُ اللهِ عَلَيْهُ الْخَبَرَنِيْ سَعْيْدُ بُنُ الْمُسَيِّبِ عَنْ اَبِيهِ اَنَّهُ اَخْبَرَهُ اَنَّهُ لَمَّا حَضَرَتُ آبًا طَالِبِ الْوَفَاةُ جَاءَهُ رَسُولُ اللهِ عَلَيْهُ الْخَبَرَنِيْ سَعْيْدُ اللهِ بَنُ اللهِ عَنْدَهُ اَبَا جَهْلِ بَى اللهِ اللهِ عَنْدَهُ اللهِ عَنْدَهُ اللهِ عَنْدَهُ اللهِ عَنْدَهُ اللهِ عَنْدَهُ اللهِ عَنْدَ اللهِ فَقَالَ اَبُوْ جَهْلٍ وَعَبْدُ اللهِ بَنُ اَبِي اُمَنَّةً يَا اَبَا طَالِبِ اَتَرْغَبُ عَنْدَ اللهِ اللهِ عَنْدَ اللهِ عَلْمَ عَنْدُ اللهِ عَنْدَ اللهُ عَنْدَ اللهِ عَنْدَ اللهُ عَنْدَال اللهِ عَنْدَ اللهِ عَنْدَ اللهِ عَنْدَ اللهُ عَنْدَ اللهِ عَنْدَ اللهِ عَنْدَ اللهُ عَنْدَال اللهُ عَنْدَ اللهِ عَنْدُ اللهِ عَنْدُ اللهُ عَنْدَالُ اللهُ عَنْدَالِ اللهُ عَنْدَ اللهُ عَنْدَالُ اللهُ عَنْدَالُ اللهُ عَنْدَاللهُ عَنْدَالُ اللهُ عَنْدَاللهُ اللهُ عَنْدَاللهُ اللهُ عَنْدَاللهُ عَنْدَالُ اللهُ عَنْدُ اللهِ اللهُ عَنْدُ اللهُ اللهُ عَنْدُ اللهُ عَنْدُ اللهُ اللهُ اللهُ عَنْدُ اللهُ اللهُ عَنْدَاللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَنْدُ اللهُ ال

১২৭৭ ইসহাক (র.)....সায়ীদ ইব্ন মুসাইয়্যাব (র.) থেকে বর্ণিত, তিনি বন্দেন, আবূ তালিব এর মৃত্যুর সময় উপস্থিত হলে, রাসূলুল্লাহ্ তার কাছে আসলেন। তিনি সেখানে আবূ জাহল ইব্ন হিশাম ও আবদ্লাহ্ ইব্ন আবূ উমায়্যা ইব্ন মুগীরাকে উপস্থিত দেখতে পেলেন। (রাবী বলেন) রাস্লুল্লাহ্ আবূ তালিবকে লক্ষ্য করে বললেন ঃ চাচাজান! 'লা-ইলাহা ইল্লাল্লাহ' কালিমা পাঠ করুন, তা হলে এর

আসীলায় আমি আল্লাহ্র সমীপে আপনার জন্য সাক্ষ্য দিতে পারব। আবৃ জাহল ও আবদুলাহ্ ইব্ন আবৃ উমায়্যা বলে উঠল, ওহে আবৃ তালিব! তুমি কি আবদুল মুন্তালিবের ধর্ম থেকে বিমুখ হবে ? এরপর রাসূলুল্লাহ্ ক্রান্ত্রী তার কাছে কালিমা পেশ করতে থাকেন, আর তারা দু'জনও তাদের উক্তি পুনরাবৃত্তি করতে থাকে। অবশেষে আবৃ তালিব তাদের সামনে শেষ কথাটি যা বলল, তা এই যে, সে আবদুল মুন্তালিবের ধর্মের উপর অবিচল রয়েছে, সে 'লা-ইলাহা ইল্লাল্লাহ্' বলতে অস্বীকার করল। রাসূলুল্লাহ্ বললেন ঃ আল্লাহ্র কসম! তবুও আমি আপনার জন্য মাগফিরাত কামনা করতে থাকব, যতক্ষণ না আমাকে তা থেকে নিষেধ করা হয়। এ প্রসংগে আল্লাহ্ পাক নাযিল করেন ঃ মানুন্ত্রা তার তার ১১৩)।

٨٦٤. بَابُ الْجَرِيْدِ عَلَى الْقَبْرِ وَا نُصلَى بُرَيْدَةُ الْأَسْلَمِيُّ أَنْ يُجْعَلَ فِي قَبْرِهِ جَرِيْدَانِ وَرَأَى ابْنُ عُمْرَ رَضِي اللَّهُ عَنْهُمَا فَسُطَاطًا عَلَى قَبْرِ عَبْدِ الرَّحْمٰنِ فَقَالَ آنْزِعْهُ يَا غُلاَمُ فَائِمًا يُظلُّهُ عَمَلُهُ وَقَالَ خَارِجَةُ بْنُ زَيْدٍ رَأَيْتُنِي وَنَحْنُ شُبًّانُ فِي زَمَنِ عُثْمَانَ رَضِي اللّهُ عَنْهُ وَإِنَّ آشَدُّنَا وَثَبَةَ الَّذِي يَثِبُ قَبْرَ عُثْمَانَ بَنِ مَظْعُونَ حَتَّى يُجَاوِزُهُ وَقَالَ عُثْمَانُ بُنُ حَكِيْمِ آخَذَ بِيَدِي خَارِجَةُ فَأَجْلَسَنِيْ عَلَى قَبْرِ وَأَخْبَرَنِيْ عَنْ عَمِّهِ يَزِيْدَ بْنِ تَابِتِ قَالَ انْمَا كُرِهَ ذَٰلِكَ لِمَنْ اَحْدَتَ عَلَيْهِ وَقَالَ نَافِعُ كَانَ ابْنُ عُمَرَ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهُمَا يَجُلِسُ عَلَى الْقُبُورِ ৮৬৪. অনুচ্ছেদ ঃ কবরের উপরে খেজুরের ডাল পুঁতে দেয়া। বুরাইদা আসলামী (রা.) তাঁর কবরে দু'টি খেজুরের ডাল পুঁতে দেওয়ার ওয়াসিয়াত করেছিলেন। আবদুর রাহমান (ইব্ন আবু বকর) (রা.)—এর কবরের উপরে একটি তাঁবু দেখতে পেয়ে আবদুল্লাহ্ ইব্ন উমর (রা.) বললেন, হে বালক! ওটা অপসারিত কর, কেননা একমাত্র তার আমলই তাঁকে ছায়া দিতে পারে। খারিজা ইব্ন যায়দ (র.) বলেছেন, আমার মনে আছে, উসমান (রা.)—এর খিলাফাতকালে যখন আমরা তরুণ ছিলাম তখন উসমান ইব্ন মাজউন রো.)—এর কবর লাফিয়ে অতিক্রমকারীকেই আমাদের মাঝে শ্রেষ্ট লক্ষবিদ মনে করা হত । আর উসমান ইবৃন হাকীম (র.) বলেছেন, খারিজা (র.) আমার হাত ধরে একটি কবরের উপরে বসিয়ে দিলেন এবং তার চাচা ইয়াযীদ ইবৃন সাবিত (রা.) থেকে আমাকে অবহিত করেন যে, তিনি বলেন, কবরের উপরে বসা মাকরহ তা ঐ ব্যক্তির জন্য যে, যেখানে বসে পেশাব পায়খানা করে। আর নাফি' (র.) বলেছেন, ইব্ন উমর (রা.) কবরের উপরে বসতেন।

١٢٧٨ حَدَّثَنَا يَحْلِى حَدَّثَنَا اَبُوْ مُعَاوِيَة عَنِ الْأَعْمَشِ عَنْ مُجَاهِدٍ عَنْ طَاوْسٍ عَنِ ابْنِ عَبَّاسٍ رَضِيَ اللَّهُ عَنْ اللَّهُ عَنْ النَّبِيِّ عَلَيْ ابْنِ عَبَّاسٍ رَضِي اللَّهُ عَنْ النَّبِيِّ عَلَيْ اللَّهُ مَرَّ بِقَبْرَيْنِ يُعَذَّبَانِ فَقَالَ انَّهُمَا لَيُعَذَّبَانِ وَمَا يُعَذَّبَانِ فِي كَبِيْرٍ امَّا اَحَدُهُمَا فَكَانَ عَنْهُمَا عَنِ النَّبِيِّ عَلِيْ إِلَّهُ مَرَّ بِقَبْرَيْنِ يُعَذَّبَانِ فَقَالَ انَّهُمَا لَيُعَذَّبَانِ وَمَا يُعَذَّبَانِ فِي كَبِيْرٍ امَّا اَحَدُهُمَا فَكَانَ

لاَ يَسْتَتِرُ مِنَ الْبَوْلِ وَامَّا الْآخَرُ فَكَانَ يَمْشِي بِالنَّمْيِمَةِ ثُمَّ آخَذَ جَرِيْدَةً فَشَقَّهَا بِنِصْفَيْنِ ثُمَّ غَرَزَ فِي كُلِّ قَبْرٍ وَاحِدَةً فَقَالُوا يَا رَسُولَ الله لِمَ صَنَعْتَ هٰذَا فَقَالَ لَعَلَّهُ أَنْ يُخَفَّفَ عَنْهُمَا مَالَمْ يَيْبَسَا .

ইয়াহ্ইয়া (র.).....ইব্ন আব্বাস (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী ক্রিট্রা-এমন দু'টি কবরের পাশ দিয়ে যাচ্ছিলেন যে কবর দু'টির বাসিন্দাদের আযাব দেওয়া হচ্ছিল। তখন তিনি বললেন ৪ এদের দু' জনকৈ আযাব দেওয়া হচ্ছে অথচ তাদের এমন শুনাহর জ্বনা আযাব দেওয়া হচ্ছে না (যা থেকে বিরত থাকা) দুঃরহ ছিল। তাদের একজন পেশাবের ব্যাপারে সতর্কতা অবলম্বন করত না আর অপরজন চোগলখুরী করে বেড়াত। এরপর তিনি খেজুরের একটি তাজা ডাল নিয়ে তা দু'ভাগে বিভক্ত করলেন, তারপর প্রতিটি কবরে একটি করে পুঁতে দিলেন। সাহাবীগণ জিজ্ঞাসা করলেন,ইয়া রাস্লাল্লাহ্! আপনি কেন এরপ করলেন ! তিনি বললেন ঃ ডাল দু'টি না শুকান পর্যন্ত আশা করি তাদের আযাব হাল্ কা করা হবে।

٨٦٥. بَابُ مَنْعِظَةِ الْمُحَدِّدِ عِنْدَ الْقَبْرِ فَقُعُنْدِ الْصَحَابِهِ حَوْلَهُ يَخْرُجُونَ مِنَ الْاَجْدَاثِ الْاَجْدَاثُ الْقُبُورُ بُعُنْدَ أُنْدِرَتَ الْمَحْدِّدِ عِنْدَ الْقَبْرِ فَقُعُلْتُ اَسْفَلَهُ اَعْلَاهُ الْاِيْفَاضُ الْاِسْرَاعُ وَقَرَا الْاَعْمَسُ الِي نَصْبِ بُعُثْرِتُ الْاَعْمَى الْمُحْدِدِ اللَّهُ الْاِيْفَاضُ الْاِسْرَاعُ وَقَرَا الْاَعْمَسُ الِي نَصْبِ يُوفِضُونَ اللهِ مُنْ اللهِ مَنْ اللهُ ا

ه المرابع ا

١٢٧٩ عَثْمَانُ قَالَ حَدَّثَنِيْ جَرِيْرُ عَنْ مَنْصُوْرٍ عَنْ سَعْدِ بْنِ عُبَيْدَةً عَنْ اَبِي عَبْدِ الرَّحْمٰنِ عَنْ عَلِي رَضِي

اللهُ عَنْهُ قَالَ كُنّا فِيْ جَنَازَةٍ فِيْ بَقِيْعِ الْفَرْفَدِ فَأَتَانَا النَّبِيُّ عَلَيْكُمْ فَقَعَدَ وَقَعَدُنَا حَوْلَهُ وَمَعَهُ مِخْتَصَرَةُ فَنَكُسْ فَجَعَلَ يَنْكُتُ بِمِخْتَصَرَتِهِ ثُمَّ قَالَ مَا مَنْكُمْ مِنْ اَحَد اوْ مَا مِنْ نَقْسٍ مَنْفُوسَةِ اللَّه كُتِبَ مَكَانُهَا مِنَ الْجَنّةِ وَالنّارِ وَالِا قَدْ كُتِبَ شَقِيّةً اَوْ سَعِيْتَدَةً فَقَالَ رَجُلُ يَا رُسُولَ اللّهِ اَفَلاَ نَتَّكِلُ عَلَى كِتَابِنَا وَنَدَعُ الْعَمَلَ فَمَنْ كَانَ مِنّا مِنْ اَهْلِ السَّعَادَةِ فَسَيَصِيْدُ اللّهِ عَمَلِ اَهْلِ السَّعَادَةِ وَامًّا كَانَ مِنّا مِنْ اَهْلِ الشَّقَاوَةِ فَسَيَصِيْدُ لَكُن مِنْا مِنْ اَهْلِ السَّعَادَةِ فَسَيَصِيْدُ اللّهِ عَمَلِ السَّعَادَةِ وَامًّا كَانَ مِنّا مِنْ اَهْلِ الشَّقَاوَةِ فَسَيَصِيْدُ لَلْ السَّعَادَةِ وَامًّا كَانَ مِنّا مَنْ اَهْلِ الشَّقَاوَةِ فَسَيَصِيْدُ لَلْ السَّعَادَةِ وَامًا كَانَ مِنّا مَنْ اَهْلِ الشَّقَاوَةِ فَسَيَصِيْدُ لَلْ السَّعَادَةِ وَامًا الشَّقَاوَةِ فَلْيُسَرّونَ لِعَمَلِ السَّعَادَةِ وَامًّا الشَّقَاوَةِ فَلْيُسَرّونَ لَا عَمَل الشَّقَاوَة وَامًا الشَّقَاوَة فَيُيُسَرّونَ لَعَمَل الشَّقَاوَة وَامًّا الشَّقَاوَة فَالَ السَّقَاوَة فَيُيسَرّونَ لَعَمَل الشَّقَاوَة ثُمَّ قَرَأً : فَامًا مَنْ اَعْمَل السَّعَادَة وَامًا الشَّقَاوَة ثُمْ قَرَأَ : فَامًا مَنْ اَعْطَى وَاتَّقَى الاية ،

১২৭৯ উসমান (র.)......আলী (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আমরা বাকীউল গারফাদ (কবরস্থানে) এক জানাযায় উপস্থিত ছিলাম। নবী করীম আমাদের কাছে আগমণ করলেন। তিনি উপবেশন করলে আমরাও তাঁর চারদিকে বসে পড়লাম। তাঁর হাতে একটি ছড়ি ছিল। তিনি নীচের দিকে তাকিয়ে তাঁর ছড়িটি দ্বারা মাটি খুদতে লাগলেন। এরপর বললেন ঃ তোমাদের মধ্যে এমন কেউ নেই, অথবা বললেন ঃ এমন কোন সৃষ্ট প্রাণী নেই, যার জন্য জান্নাত ও জাহান্নামে জায়গা নির্ধারিত করে দেওয়া হয়নি আর এ কথা লিখে দেওয়া হয়নি যে, সে দুর্তাগা হবে কিংবা ভাগ্যবান। তখন এক ব্যক্তি আর্য করল, ইয়া রাস্লাল্লাহ্! তা হলে কি আমরা আমাদের ভাগ্যলিপির উপর ভরসা করে আমল করা ছেড়ে দিব না । কেননা, আমাদের মধ্যে যারা ভাগ্যবান তারা অচিরেই ভাগ্যবানদের আমলের দিকে ধাবিত হবে। আর যারা দুর্তাগা তারা অচিরেই দুর্তাগাদের আমলের দিকে ধাবিত হবে। তিনি বললেন ঃ যারা ভাগ্যবান, তাদের জন্য সৌভ্যগ্যের আমল সহজ করে দেওয়া হয় এরপর তিনি এ আয়াত তিলাওয়াত করলেন ঃ ঠেনি এখা হয় । এরপর তিনি এ আয়াত তিলাওয়াত করলেন ঃ ১৯০ ৯০০।

### ٨٦٦. بَابُ مَا جَاءَ فِي قَاتِلِ النَّفْسِ

৮৬৬. অনুচ্ছেদ ঃ আত্মহত্যাকারী প্রসংগে।

آللهُ عَنْ النَّبِيِ عَلَيْكُ قَالَ مَنْ حَلَفَ بِمِلَّةً غَيْرِ الْإِشْلاَمِ كَاذِبًا مُتَعَمِّدًا فَهُوَ كَمَا قَالَ وَمَنْ قَتَلَ نَفْسَهُ بِحَدْيِدَةٍ عَنْ اللهُ عَنْ النَّبِي عَلَيْكُ قَالَ مَنْ حَلَفَ بِمِلَّةً غَيْرِ الْإِشْلاَمِ كَاذِبًا مُتَعَمِّدًا فَهُوَ كَمَا قَالَ وَمَنْ قَتَلَ نَفْسَهُ بِحَدْيِدَةٍ عَنْ النَّبِي عَلَيْكُ قَالَ مَنْ حَلَفَ بِمِلَّةً غَيْرِ الْإِشْلاَمِ كَاذَبًا مُتَعَمِّدًا فَهُوَ كَمَا قَالَ وَمَنْ قَتَلَ نَفْسَهُ بِحَدْيِدَةٍ عَنْ النَّهُ فَيْ نَارِ جَهَنَّمُ وَقَالَ حَجًا جُ بُنُ مُنْهَالٍ حَدَّثَنَا جَرْيُر بُنُ حَازِمٍ عَنِ الْحَسَنِ حَدَّثَنَا جُنْدَبُ رَضِي اللهُ عَنْ النَّهُ فِي فَنَا لَهُ مَنْ نَسِيْنَا وَمَا نَخَافُ أَنْ يَكُذِبَ جُنْدَبُ عَنِ النَّبِي عَبِي اللهُ عَلَيْ اللهُ بَدَرَنِي عَبْدِي عَمَا نَسْيَنَا وَمَا نَخَافُ أَنْ يَكُذِبَ جُنْدَبُ عَنِ النَّبِي عَبْقَ قَالَ كَانَ بِرَجُلٍ جِرَاحُ قَتَلَ عَنْ اللّهُ بَدَرَنِي عَبْدِي عَمَا نَسْيَنَا وَمَا نَخَافُ أَنْ يَكُذِبَ جُنْدَبُ عَنِ النَّبِي عَبْقَ قَالَ كَانَ بِرَجُلٍ جِرَاحُ قَتَلَ عَنْ اللّهُ بَدَرَنِي عَبْدِي عَبْدِي بِنَفْسِهِ حَرَّمْتُ عَلَيْهِ الْجَنَّة .

১২৮০ মুসাদ্দাদ (র.).....সাবিত ইব্ন যাহ্হাক (রা.) সূত্রে নবী প্রুটি থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন ঃ যে ব্যক্তি ইসলাম ব্যতীত অন্য কোন ধর্মের ( অনুসারী হওয়ার ) ইচ্ছাকৃতভাবে মিথ্যা হলফ করে ১ সে যেমন বলল, তেমনই হবে আর যে ব্যক্তি কোন ধারালো লোহা দিয়ে আত্মহত্যা করে তাকে তা দিয়েই জাহানামে শান্তি দেওয়া হবে। হাজ্জাজ ইব্ন মিন্হাল (র.) বলেন, জারীর ইব্ন হাযিম (র.) আমাদের হাদীস শুনিয়েছেন হাসান (র.) থেকে, তিনি বলেন, জুন্দাব (রা.) এই মসজিদে আমাদের হাদীস শুনিয়েছেন, আর তা আমরা ভুলে যাই নি এবং আমরা এ আশংকাও করিনি যে, জুন্দাব (র.) নবী ক্রিটিটি এর নামে মিথ্যা বলেছেন। তিনি বলেছেন, এক ব্যক্তির (দেহে) যখম ছিল, সে আত্মহত্যা করল। তখন আল্লাহ্ পাক বললেন, আমার বান্দা তার প্রাণ নিয়ে আমার সাথে তাড়াহুড়া করল। আমি তার জন্য জান্নাত হারাম করে দিলাম।

الله عَنْ الْأَعْرَجِ عَنْ الله هُرَيْرَةَ رَضِيَ الله عَنْهُ عَنْهُ عَنْهُ عَنْهُ عَنْهُ عَنْهُ الله الله عَنْهُ عَنْهُ الله الله عَنْهُ ع

১২৮১ আবুল ইয়ামান (র.)......আবৃ হুরায়রা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী ক্রিট্রের বলেছেন ঃ যে ব্যক্তি ফাঁস লাগিয়ে আত্মহত্যা করবে, সে জাহান্নামে (অনুরূপভাবে) নিজেকে ফাঁস লাগাতে থাকবে আর যে ব্যক্তি বর্ণার আঘাতে আত্মহত্যা করবে, সে জাহান্নামে (অনুরূপভাবে) বর্ণা বিধতে থাকবে।

৮৬৭. অনুচ্ছেদ ঃ মুনাফিকদের জানাযার সালাত আদায় করা এবং মুশরিকদের জন্য মাগফিরাত কামনা করা মাকরহ হওয়া।(আবদুল্লাহ্) ইব্ন উমর (রা.) নবী ক্রিট্রির থেকে বিষয়টি রেওয়ায়েত করেছেন।

اللهِ عَنْ عَبَيْدِ اللهِ عَنْ بُكَيْرِ حَدَّتَنِي اللَّيْثُ عَنْ عُقَيْلٍ عَنِ ابْنِ شِهَابٍ عَنْ عُبَيْدِ اللهِ عَنِ ابْنِ عَبَّاسٍ عَنْ عُمَرَ بْنِ الْخَطَّابِ رَضِيَ اللهُ عَنْهُمْ انَّهُ قَالَ لَمَّا مَاتَ عَبْدُ اللهِ بْنُ ابْنِ ابْنُ سَلُوْلَ دُعِيَ لَهُ رَسُوْلُ اللهِ عَنْهُمُ اللهُ عَلَيْهُمُ اللهُ عَنْهُمُ اللهُ اللهُ اللهُ عَنْهُمُ اللهُ اللهُ عَنْهُ اللهُ الله

১. যেমন কেউ এ ভাবে হলফ করল যে, সে যদি অমুক কাজ করে কিংবা অমুক কাজ না করে তা হলে সে ইয়াহদী বা খ্রীষ্টান অথবা.....

مَاتَ ابَدًا.. وَهُمْ فَاسِقُونَ قَالَ فَعَجِبْتُ بَعْدُ مِنْ جُرْأَتِيْ عَلَى رَسُولُ اللهِ عَلَى يَوْمَئذ وَاللهُ وَرَسُولُهُ اعْلَمُ • ১২৮২ ইয়াহ্ইয়া ইব্ন বুকাইর (র.)......উমর ইব্ন খাত্তাব (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, (মুনাফিক সর্দার) আবদুল্লাহ্ ইব্ন উবাই ইব্ন সালূল মারা গেলে তার জানাযার সালাতের জন্য রাস্লুল্লাহ্ क्रीक्रि -কে আহ্বান করা হল। রাস্লুল্লাহ্ ক্রীক্রি(সালাত আদায়ের উদ্দেশ্যে) দাঁড়ালে আমি দ্রুত তাঁর কাছে গিয়ে বললাম, ইয়া রাস্লাল্লাহু! আপনি ইব্ন উবাই-র জানাযার সালাত আদায় করতে যাচ্ছেন ? অথচ সে অমুক অমুক দিন (আপনার শানে এবং ঈমানদারদের সম্পর্কে) এই এই কথা বলেছে। এ বলে আমি তার উক্তিগুলো গুনেগুনে পুনরাবৃত্তি করলাম। রাস্লুল্লাহ্ 🚟 মুচকি হাঁসি দিয়ে বললেন, উমর, সরে যাও! আমি বারবার আপত্তি করলে তিনি বললেন, আমাকে (তার সালাত আদায় করার ব্যাপারে) ইখৃতিয়ার দেওয়া হয়েছে। কাজেই আমি তা গ্রহণ করলাম। আমি যদি জানতাম যে, সত্তর বারের অধিক মাগফিরাত কামনা করলে তাকে মাফ করা হবে তা হলে আমি অবশ্যই তার চাইতে অধিক বার মাফ চাইতাম। উমর (রা.) বলেন, এরপর রাস্লুল্লাহ্ 📆 তার জানাযার সালাত আদায় করেন এবং ফিরে আসেন। এর কিছুক্ষণ পরেই সূরা বারাআতের এ দু'টি আয়াত নাযিল হল وَلاَ تُصَلِّ إِنْ الْمُعَالِّ الْمُعَالِّ الْمُعَالِّ الْمُعَالِّ الْمُعَالِّ الْمُعَالِّ الْمُعَالِّ الْمُعَالِّ تَنْ اَبُداً ....وَهُمْ فَاسَقُونَ তাদের কেউ মারা গেলে আপনি কখনো তার জ্ঞানাযার সালাত আদায় করবেন না। এমতাবস্থায় যে তারা ফাসিক। (আয়াত ঃ ৮৪) রাবী বলেন, রাসূলুল্লাহ্নীএর সামনে আমার ঐ দিনের দুঃসাহসিক আচরণ করায় আমি বিশ্বিত হয়েছি। আল্লাহ্ এবং তাঁর রাসূলই সমধিক অবগত।

## ٨٦٨. بَابُ ثُنَّاءِ النَّاسِ عَلَى اللَّهِ

৮৬৮. অনুচ্ছেদ ঃ মৃতব্যক্তির সম্পর্কে লোকদের সদগুণ আলোচনা।

اللهُ عَنْهُ يَقُولُ مَرُّوا بِجَنَازَةٍ فَاثْنَوا عَلَيْهَا خَيْرًا فَقَالَ النَّبِيِّ عَلَيْهِ قَالَ سَمِعْتُ انَسَ ابْنَ مَالِكِ رَضِيَ اللهُ عَنْهُ يَقُولُ مَرُّوا بِجَنَازَةٍ فَاثْنَوا عَلَيْهَا خَيْرًا فَقَالَ النَّبِيِّ عَلَيْهٍ وَجَبَتْ ثُمَّ مَرُّوا بِأَخْرَى فَاثْنَوا عَلَيْهَا شَرًا ، فَقَالَ وَجَبَتْ قَالَ هَذَا اتَّنَيْتُمْ عَلَيْهِ خَيْرًا فَوَجَبَتْ لَهُ الْجَنَّةُ وَهُذَا اتَّنَيْتُمْ عَلَيْهِ خَيْرًا فَوَجَبَتْ لَهُ الثّارُ انْتُمْ شُهَدَاءُ الله في الأَرْض ،

১২৮৩ আদম (র.).....আনাস ইব্ন মালিক (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, কিছু সংখ্যক সাহাবী একটি জানাযার পাশ দিয়ে যাচ্ছিলেন তখন তাঁরা তার প্রশংসা করলেন। তখন নবী ক্রিট্রা -বললেন ঃ ওয়াজিব হয়ে গেল। একটু পরে তাঁরা অপর একটি জানাযা অতিক্রম করলেন। তখন তাঁরা তার নিন্দাসূচক মন্তব্য করলেন। (এবারও) নবী ক্রিট্রা বললেন ঃ ওয়াজিব হয়ে গেল। তখন উমর ইব্ন খাতাব (রা.) আর্য করলেন, (ইয়া রাস্লাল্লাহ্!) কি ওয়াজিব হয়ে গেল । তিনি বললেন ঃ এ (প্রথম) ব্যক্তি ১. মুনাফিক সর্দার আবদুল্লাহ্র পিতার নাম ছিল উবাই, আর মাতার নাম ছিল সাল্ল। তাই তাকে ইব্ন সাল্লও

১. মুনাফিক সর্দার আবদ্লাহ্র পিতার নাম ছিল উবাই, আর মাতার নাম ছিল সাল্ল। তাই তাকে ইব্ন সাল্লও বলা হত। সম্পর্কে তোমরা উত্তম মন্তব্য করলে, তাই তার জন্য জান্নাত ওয়াজিব হয়ে গেল। আর এ (দ্বিতীয়) ব্যক্তি সম্পর্কে তোমরা নিন্দাসূচক মন্তব্য করায় তার জন্য জাহান্নাম ওয়াজিব হয়ে গেল। তোমরা তো পৃথিবীর বুকে আল্লাহ্র সাক্ষী।

المُدمَّتُ الْمَديْنَةَ وَقَدُ وَقَعَ بِهَا مَرَضُ فَجَلَسَتُ الِى عُمَرُ بُنِ الْفُرَاتِ عَنْ عَبُدِ اللَّهِ بَنِ بُرَيْدَةَ عَنْ آبِي الْاَسْوَدِ قَالَ قَدَمْتُ الْمَديْنَةَ وَقَدُ وَقَعَ بِهَا مَرَضُ فَجَلَسَتُ الِى عُمَرُ بَنِ الْخَطَّابِ فَمَرَّتُ بِهِمْ جَنَازَةُ فَأَنْنِي عَلَى صَاحِبِهَا خَيْرًا فَقَالَ وَجَبَتُ ، ثُمَّ مُرً بِالثَّالِثَةِ فَأَنْنِي عَلَى صَاحِبِهَا خَيْرًا ، فَقَالَ وَجَبَتُ ، ثُمَّ مُرً بِالثَّالِثَةِ فَأَنْنِي عَلَى صَاحِبِهَا خَيْرًا ، فَقَالَ وَجَبَتُ ، ثُمَّ مُرً بِالثَّالِثَةِ فَأَنْنِي عَلَى صَاحِبِهَا خَيْرًا ، فَقَالَ وَجَبَتُ ، ثُمَّ مُرً بِالثَّالِثَةِ فَأَنْنِي عَلَى صَاحِبِهَا خَيْرًا ، فَقَالَ وَجَبَتُ ، قَالَ أَبُو الْآسُودِ فَقُلْتُ وَمَا وَجَبَتُ يَا آمِيْرَ الْلُومَنِيْنَ قَالَ قَلْتُ كَمَا قَالَ عَلَى اللّهُ الْجَنَّةُ فَقُلْنَا وَتُلْتُهُ قَالَ وَجَبَتُ مَا مُسُلِمٍ شَهِدَ لَهُ آرَبُعَةُ بِخَيْسِرٍ آلَخَلَةُ اللّهُ الْجَنَّةَ فَقُلْنَا وَتُلْتَةُ قَالَ وَكُلْتَةُ فَقَلْنَا وَالْإِنَانِ قَالَ وَمُلَاتًا فَالْفَانَا وَالْفَانَا وَالْفَانَ وَالْفَانَا وَالْفَالَاقُونَا وَالْفَانَا وَالْفَانَا وَالْفَانَا وَالْفَانَا وَالْفَانَا وَالْفَالَاقُولَا وَالْفَالَاقُولَا وَالْفَالَاقُولَا وَالْفَانَا وَالْفَانَا وَالْفَانَا وَالْفَانَا وَالْفَانَا وَالْفَالَاقُولَا وَالْفَانَا وَالْفَالَاقِلَاقُولَا وَالْفَانَا وَالْفَانَانَ وَالْفَانَا وَالْفَانَا وَالْفَالَاقُولَاقُولُولُولُولُولَا اللّهُ الللهُ اللهُ اللّهُ الللهُ اللّهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللّهُ اللهُ اللهُ ال

মদীনায় আসলাম, তখন সেখানে একটি রোগ (মহামারী আকারে) ছড়িয়ে পড়েছিল। আমি উমর ইব্ন খান্তাব (রা.) এর কাছে বসাছিলাম। এ সময় তাদের পাশ দিয়ে একটি জানাযা অতিক্রম করল। তখন জানাযার লোকটি সম্পর্কে প্রশংসাসূচক মন্তব্য করা হল। উমর (রা.) বললেন, ওয়াজিব হয়ে গেল। এরপর অপর একটি (জানাযা) অতিক্রম করল, তখন সে লোকটি সম্পর্কেও প্রশংসাসূচক মন্তব্য করা হল। (এবারও) তিনি বললেন, ওয়াজিব হয়ে গেল। এরপর তৃতীয় একটি (জানাযা) অতিক্রম করল, লোকটি সম্বন্ধে নিন্দাসূচক মন্তব্য করা হল। তিনি বললেন, ওয়াজিব হয়ে গেল। আবুল আসওয়াদ (রা.) বলেন, আমি বললাম, হে আমীরুল মু'মিনীন! কি ওয়াজিব হয়ে গেল গ তিনি বললেন, আমি তেমনই বলেছি, যেমন নবী ক্রিট্রাই বলেছিলেন, যে কোন মুসলমান সম্পর্কে চার ব্যক্তি ভাল হওয়ার সাক্ষ্য দিবে, আল্লাহ্ তাকে জান্নাতে দাখিল করবেন। উমর (রা.) বলেন) তখন আমরা বলেছিলাম, তিন জন হলে গ তিনি বললেন, তিনজন হলেও। আমরা বললাম, দু'জন হলে গ তিনি বললেন, দু'জন হলেও। তারপর আমরা একজন সম্পর্কে আর তাঁকে জিজ্ঞাসা করি নি।

٨٦٩. بَابُ مَا جَاءَ فِيُ عَذَابِ الْقَبْسِ وَقَوْلُ اللهِ : وَلَوْ تَرَى إِذِ الْطَلْمِ ثَنَ فِي غَمَرَاتِ الْمَوْتِ وَالْمَلَا ثِكَةً بَاسِطُنُ الْيَدِيهِمُ اَخْسِرِ بَقُولُ اللهِ : وَلَوْ تَرَى إِذِ الْطَلْمُونَ فِي غَمَرَاتِ الْمُونَ هُو الْمَوَالُهُ وَالْمَوْلُ اللهِ الْمُونَ هُو الْمَوالُ اللهِ الْمُونَ هُو الْمَوالُ اللهِ اللهُ وَلَهُ وَاللهُ وَلَا اللهُ وَلَا اللهُ وَلَا اللهِ وَعَلَى اللهُ وَلَا اللهُ وَلَا اللهُ وَاللهُ وَاللهُ وَلَا اللهُ وَلَا اللهُ وَاللهُ وَاللهُ وَاللهُ وَاللهُ وَاللهُ وَا اللهُ وَاللهُ وَاللّهُ وَاللّهُ

نَهُ رَبُ رَبُ النظلَمُونَ فَي الْ النظرَاء النفسَكُمُ الْيَوْمَ تُجُرِبُونَ عَذَابَ الْهُونَ الْهُونَ عَذَابَ الْهُونَ اللهُ اللهُونَ اللهُ اللهُونَ اللهُ اللهُونَ اللهُ اللهُ

الله على فَذَلَكَ قَوْلُهُ يُثَبِّتُ اللهُ الذَيْنَ أَمَنُوا بِالْقَوْلِ الثَّابِتِ فِي الْحَيْوَةِ الدُّنْيَا وَفِي الْاَحْرَةِ ،

١٢٨٦ حَدُّثُنَا مُحَمَّدُ بَنُ بَشَّارٍ قَالَ حَدُّثَنَا غُنْدَرُ قَالَ حَدُّثَنَا شُعْبَةً بِهٰذَا وَزَادَ يُثَبِّتُ اللهُ الَّذِيْنَ أَمَنُوا نَزَلَتُ اللهُ الَّذِيْنَ أَمَنُوا نَزَلَتُ فَي عَذَابِ الْقَبْرِ .

১২৮৬ মুহাম্মদ ইব্ন বাশ্শার (র.)......হ'বা সূত্রে অনুরূপ বর্ণনা করেছেন। তবে তিনি অতিরিক্ত বলেছেন যে, الْذَيْنَ اللّهُ الَّذِيْنَ اللّهُ اللّهِ (আল্লাহ্ অবিচল রাখবেন যারা ঈমান এনেছে.....১৪ ঃ ২৭) এ স্থাত কবরের আযাব সম্পর্কে নার্যিল হয়েছিল।

اللهِ قَالَ حَدُّثَنَا عَلِى بَنُ عَبُدِ اللهِ قَالَ حَدُّثَنَا يَعْقُوبُ بَنُ ابْرَاهِيْمُ قَالَ حَدُّثَنَا آبِي عَنْ صَالِحٍ قَالَ حَدُّثَنِي اللهِ عَنْهُمَا الْحَبْرَهُ قَالَ اطْلُعَ النّبِيِّ عَلَى اَهْلِ الْقَلِيْبِ فَقَالَ وَجَدُّتُمْ مَا وَعَدَ رَبّكُمْ حَقًا فَقِيْلَ لَهُ تَدْعُو اَمْوَاتًا قَالَ مَا انْتُمْ بِاسْمَعَ مِنْهُمْ وَلَكِنْ لاَ يُجِيْبُونَ .

১২৮৭ আলী ইব্ন আবদুল্লাহ্.....ইব্ন উমর (রা.) সূত্রে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী ক্রিট্রে (বদরে নিহত) গর্তবাসীদের দিকে ঝুঁকে দেখে বললেন ঃ তোমাদের সাথে তোমাদের রব যে ওয়াদা করেছিলেন, তা তোমরা বাস্তব পেয়েছো তো ? তখন তাঁকে বলা হল, আপনি মৃতদের ডেকে কথা বলছেন ? (ওয়া কি ভনতে পায়?) তিনি বললেন ঃ তোমরা তাদের চাইতে বেশী ভনতে পাও না, তবে তারা সাড়া দিতে পারছে না।

المَوْتَى . وَقَدُ قَالَ النَّبِيُّ عَلِيْهُ اللَّهِ بَنُ مُحَمَّدُ بَنُ مُحَمَّدُ قَالَ حَدَّثَنَا سَفْيَانُ عَنْ هِشَامِ بَنِ عُرُوَةَ عَنْ اَبِيْهِ عَنْ عَائِشَةً قَالَ اللَّهُ تَعَالِى : إِنَّكَ لاَ تُسْمِعُ قَالَ النَّبِيُّ عَلِيْهُ إِنَّهُمْ لَيُعْلَمُوْنَ اَلْأَنَ اَنْ مَا كُنْتُ اَقُولُ حَقَّ ، وَقَدُ قَالَ اللَّهُ تَعَالِى : إِنَّكَ لاَ تُسْمِعُ الْمَوْتَى . اللَّهُ تَعَالِى : إِنَّكَ لاَ تُسْمِعُ الْمَوْتَى . الْمَوْتَى .

১২৮৮ আবদুল্লাহ্ ইব্ন মুহামদ (র.).....আয়িশা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী ক্রিট্রাই বলেছেন যে, নিশ্চয়ই তারা এখন ভালভাবে জানতে (ও বুঝতে) পেরেছে যে, (কবর আযাব প্রসংগে) আমি তাদের যা বলতাম তা বাস্তব। আল্লাহ্ পাক ঘোষণা করেছেন ঃ আপনি (হে নবী!) নিশ্চিতই মৃতদের (কোন কথা) শোনাতে পারেন না।

الله عَنْهَا إِنَّ يَهُودِيَّةُ دَخَلَتُ عَلَيْهَا فَذَكَرَتُ عَذَابَ الْقَبْرِ فَقَالَ لَهَا اَعَاذَكِ الله مِنْ عَذَابِ الْقَبْرِ فَسَالَتُ عَنْهَا إِنَّ يَهُودِيَّةٌ دَخَلَتُ عَلَيْهَا فَذَكَرَتُ عَذَابَ الْقَبْرِ فَقَالَ لَهَا اَعَاذَكِ الله مِنْ عَذَابِ الْقَبْرِ فَسَالَتُ عَائِشَةُ رَسُولَ الله عَنْهَا مَنْ عَذَابِ الْقَبْرِ فَقَالَ نَعَمْ عَذَابُ الْقَبْرِ قَالَتُ عَائِشَةُ رَضِي الله عَنْهَا فَمَا رَأَيْتُ رَسُولَ الله عَنْهُ مَعْدُ صَلَّى صَلَاةً إِلاَّ تَعُودُ مِنْ عَذَابِ الْقَبْرِ زَادَ غُنْدَرُ عَذَابُ الْقَبْرِ حَقَّ ،

১২৮৯ আব্দান (র.)......আয়িশা (রা.) থেকে বর্ণিত যে, এক ইয়াহুদী দ্রীলোক আয়িশা (রা.)-এর কাছে এসে কবর আযাব সম্পর্কে আলোচনা করে তাঁকে (দু'আ করে) বলল, আল্লাহ্ আপনাকে কবর আযাব থেকে রক্ষা করুন! পরে আয়িশা (রা.) কবর আযাব সম্পর্কে রাসূলুল্লাহ্ ক্রিট্রের্ট এর কাছে জিজ্ঞাসা করলেন। তিনি বললেন ৪ হাঁ, কবর আযাব (সত্য)। আয়িশা (রা.) বলেন, এরপর থেকে নবী ক্রিট্রেন্ট্র-কে এমন কোন সালাত আদায় করতে আমি দেখিনি, যাতে তিনি কবর আযাব থেকে আল্লাহ্র নিকট আশ্রয় প্রার্থনা করেননি। এ হাদীসের বর্ণনায়় শুনদার অধিক উল্লেখ করেছেন যে, কবর আযাব বাস্তব সত্য।

١٢٩٠ حَدُّثُنَا يَحْلِي بْنُ سُلَيْمَانَ حَدَّثَنَا فُلَيْحُ ابْنُ وَهُبِ قَالَ اَخْبَرَنِيْ يُونُسُ عَنِ ابْنِ شِهَابِ اَخْبَرَنِيْ

ك. 'القليب ' ৪ পুরাতন গর্ড বা খাদ যে গর্ডের মুখ বন্ধ করা হয় নি। বদর যুদ্ধে নিহত মুশরিক দলনেতা আবু জাহল গংদের একটি গর্ডে নিক্ষেপ করা হয়েছিল, এটাকেই 'قليب ' বেদরের গর্ড বা খাদ) বলা হয়।

عُرْوَةُ بْنُ الزَّبِيْرِ اَنَّهُ سَمِعَ اَسَمَاءَ بِنْتَ ابِي بَكْرٍ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهُمَا تَقُولُ قَامَ رَسُولِ اللَّهِ عَنَيْهُ خَطَيْبًا فَذَكَرَ فَيْدَ اللَّهُ عَنْهُمَا تَقُولُ قَامَ رَسُولِ اللهِ عَنْهُمَا فَذَكَرَ فَيْهَا الْمَرَءُ فَلَمَّا ذَكَرَ ذَٰلِكَ ضَبَعُ الْمُسْلِمُونَ ضَبَّةً .

১২৯০ ইয়াহ্ইয়া ইব্ন সুলাইমান (র.)......উরওয়া ইব্ন যুবাইর (রা.) সূত্রে বর্ণিড, তিনি আসমা বিন্ত আবৃ বাকর (রা.)-কে বলতে ওনেছেন যে, রাসূলুল্লাহ্ ক্রিট্রে (একবার) দাঁড়িয়ে খুত্বা দিছিলেন, তাতে তিনি কবরে মানুষ যে কঠিন পরীক্ষার সমুখীন হবে, তার বর্ণনা দিলে মুসলমানগণ ভয়ার্ড চিৎকার করতে লাগলেন।

اللهُ انّهُ حَدَّتُهُمْ اَنّ رَسُولَ اللهِ عَيْسُهُ الْوَالِدِ حَدَّثَنَا عَبْدُ الْاَعْلَى حَدَّثَنَا سَعِيْدُ عَنْ قَتَادَةَ عَنْ اَنَسِ بَنِ مَالِكِ رَضِي اللهُ انّهُ حَدَّتُهُمْ اَنٌ رَسُولَ اللهِ عَيْسُهُ قَالَ انّ الْعَبْدَ اذَا وَضِعَ فِي قَبْرِهِ وَتَوَلّٰى عَنْهُ اَصْحَابُهُ انّهُ لَيَسْمَعُ قَرْعَ نِعَالِهِمْ اَتَاهُ مَلَكَانِ فَيُقُعدَانِهِ فَيَقُولُانِ مَا كُنْتَ تَقُولُ فِي هَٰذَا الرّجُلِ لِمُحَمَّد عَلَيْهُ فَامًا الْمُؤْمِنُ فَيَقُولُ اللهِ عَبْدُ اللهِ وَ رَسُولُهُ فَيُقَالَ لَهُ انْظُرْ الِى مَقْعَدِكَ مِنَ النّارِ قَدْ اَبْدَلَكَ الله بِهِ مَقْعَدًا مِنَ الْجَنّةِ فَيَرَاهُمَا جَمِيْعًا قَالَ قَتَادَةُ وَذُكِرَلَنَا انّهُ يُفْسَعُ فِي قَبْرِهِ ثُمَّ رَجَعَ الِى حَدِيثِ السَّارِ قَلْ النَّاسُ ، فَيُقَالُ لاَدَرَيْتَ الْكَافِرُ فَيُقَالُ لاَدَرَيْتَ الْقُولُ مَا يَقُولُ النَّاسُ ، فَيُقَالُ لاَدَرَيْتَ وَيُحْرَلُنَا الرَّجُلِ فَيَقُولُ لاَ الرَّيْ كَنْتُ القُولُ مَا يَقُولُ النَّاسُ ، فَيُقَالُ لاَدَرَيْتَ وَيُخْرَبُ بِمَطَارِقَ مِنْ حَدِيْدِ ضَرَبَةً فَيُصِيْحُ صَيْحَةً يَسْمَعُهَا مَنْ يَلَيْهُ غَيْرَ الثُقَالُ لاَ دَرَيْتَ وَيُخْرَبُ بِمَطَارِقَ مِنْ حَدِيْدِ ضَرَبَةً فَيُصِيْحُ صَيْحَةً يَسْمَعُهَا مَنْ يَلَيْهُ غَيْرَ الثُقَالُ لاَدَرَيْتَ وَيُخْرَبُ بِمَطَارِقَ مِنْ حَدِيْدِ ضَرَبَةً فَيَصِيْحُ صَيْحَةً يَسْمَعُهَا مَنْ يَلِيْهُ غَيْرَ الثُقَالُ لاَدَرِيْتَ

১২৯১ আইয়াশ ইব্ন ওয়ালীদ (র.)........আনাস ইব্ন মালিক (রা.) থেকে বর্ণিত যে, রাস্লুরাষ্ট্র বলেছেন ঃ (মৃত) বালাকে যখন তার কবরে রাখা হয় এবং তার সাথী এতটুকু মাত্র দুরে যায় যে সে (মৃত ব্যক্তি) তখনও তাদের জুতার আওয়ায ভনতে পায়। এ সময় দু'জন ফিরিশ্তা তার কাছে এসে তাকে বসান এবং তাঁরা বলেন, এ ব্যক্তি অর্থাৎ মুহামদ ক্রিশ্র সম্পর্কে তুমি কি বলতে । তখন মু'মিন ব্যক্তি বলবে, আমি সাক্ষ্য দিছি যে, তিনি আল্লাহ্র বালা এবং তাঁর রাসূল। তখন তাঁকে বলা হবে, জাহান্নামে তোমার অবস্থান স্থলটির দিকে নয়র কর, আল্লাহ্ তোমাকে তার বদলে জান্নাতের একটি অবস্থান স্থল দান করেছেন। তখন সে দু'টি স্থলের দিকেই দৃষ্টি করে দেখবে। কাতাদা (র.) বলেন, আমাদের কাছে বর্ণনা করা হয়েছে যে, সে ব্যক্তির জন্য তাঁর কবর প্রক্রম্ভ করে দেওয়া হবে। এরপর তিনি (কাতাদা) পুনরায় আনাস (রা.) এর হাদীসের বর্ণনায় ফিরে আসেন। তিনি (আনাস) (রা.) বলেন, আর মুনাফিক বা কাফির ব্যক্তিকেও প্রশ্ন করা হবে তুমি এ ব্যক্তি (মুহামদ ক্রিট্রেই) সম্পর্কে কি বলতে । সে উত্তরে বলবে, আমি জানি না। লোকেরা যা বলতে আমি তা-ই বলতাম। তখন তাকে বলা হবে, তুমি না নিজে জেনেছ, না তিলাওয়াত করে শিখেছ। আর তাকে লোহার মুগুর দ্বারা এমনভাবে আঘাত করা হবে, যার ফলে সে এমন বিকট চিৎকার করে উঠবে যে, দু' জাতি (মানব ও জিন্ন) ব্যতীত তার আশপাশের সকলেই তা ভনতে পাবে।

# ٨٧٠. بَابُ التَّعَقُّدِ مِنْ عَذَابِ الْقَبْرِ

৮৭০. অনুচ্ছেদ ঃ কবরে আযাব থেকে পানাহ চাওয়া।

الْبَرَاءِ بَنِ عَازِبٍ عَنْ اَبِي اَيُّوْبَ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهُمْ خَرَجَ النَّبِيُ عَنْ اللَّهُ عَنْهُمْ فَسَمِعَ صَوْتًا فَقَالَ لَلْبَرَ عَازِبٍ عَنْ اَبِي اَيُّوْبَ رَضِي اللَّهُ عَنْهُمْ خَرَجَ النَّبِي عَنْ اللَّهُ عَنْهُمْ خَرَجَ النَّبِي عَنْ اللَّهُ عَنْهُمْ فَسَمِعَ صَوْتًا فَقَالَ لَلْمُ عَنْهُمْ عَنْ اللَّهُ عَنْهُمْ عَنْ اللَّهُ عَنْهُمْ عَنْ اللَّهُ عَنْهُمْ عَنْ اللَّهُ عَنْهُمْ عَنْ النَّبِي عَلَيْهِ عَنْ اللَّهُ عَنْهُمْ عَنِ النَّبِي عَلَيْهِ عَنْ اللَّهُ عَنْهُمْ عَنِ النَّبِي عَلَيْهِ اللَّهُ عَنْهُمْ عَنِ النَّبِي عَلِيْهِ اللَّهُ عَنْهُمْ عَنِ اللَّهُ عَنْهُمْ عَنِ النَّبِي عَلِيْهِ اللَّهُ عَنْهُمْ عَنِ اللَّهُ عَنْهُمْ عَنِ النَّبِي عَلَيْهِ اللَّهُ عَنْهُمْ عَنِ النَّبِي عَلَيْهِ اللَّهُ عَنْهُمْ عَنِ اللَّهُ عَنْهُمْ عَنِ اللَّهُ عَنْهُمْ عَنِ النَّبِي عَلَيْهُمْ اللَّهُ عَنْهُمْ عَنِ اللَّهُ عَنْهُمْ عَنِ النَّهِ عَنْهُمْ عَنِ النَّهِ عَنْهُمْ عَنِ اللَّهُ عَنْهُمْ عَنْ اللَّهُ عَنْهُمْ عَنِ اللَّهِ عَلَيْهُمْ عَنِ اللَّهُ عَنْهُمْ عَنِ اللَّهُ عَنْهُمْ عَنِ اللَّهُ عَنْهُمْ عَنِ اللَّهُ عَنْهُمْ عَنِ اللْعَلَاقِ اللْعَلَاقِ اللْعَلَاقِ اللْعَلَاقِ اللَّهُ عَلْمُ اللَّهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَالَهُ اللَّهُ عَلَالِهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللْعُلِيْمُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْهُ عَلَى اللْعُلِيْمِ اللْعُلِيْمِ عَلَيْهُ عَلَالِهُ اللْعَلَاقِ اللْعُلِيْمُ اللْعُلِيْمُ اللْعُلِيْمُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ اللْعُلِي اللْعُمْ عَلَيْهُ عَلَالِهُ اللْعُلِيْمُ اللْعُ

الله عَدَّثَنَا مُعَلِّى حَدَّثَنَا وُهَيْبُ عَنْ مُوسِلِّى بْنِ عَقْبَةً قَالَ حَدَّثَتْنِى ابْنَةُ خَالِدِ بْنِ سَعِيْدِ بْنِ الْعَاصِ اَنْهَا سَمِعَتِ النَّبِي عَلِيْهُ وَهُو يَتَعَوَّذُ مِنْ عَذَابِ الْقَبْرِ .

১২৯৩ মু'আল্লা (র.).....বিন্ত খালিদ ইব্ন সায়ীদ ইব্ন আ'স (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি নবী করীম

-কে কবর আযাব থেকে পানাহ চাইতে স্তনেছেন।

১২৯৪ মুসলিম ইব্ন ইব্রাহীম (র.).....আবৃ হুরায়রা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী করীম ক্রিয়া দু'আ করতেন, ইয়া আল্লাহ্! আমি আপনার সমীপে পানাহ চাচ্ছি কবর আযাব থেকে, জাহান্নামের আযাব থেকে, জীবন ও মরণের ফিত্না থেকে এবং মাসীহ্ দাজ্জাল এর ফিত্না থেকে।

## ٨٧١. بَابُ عَذَابِ الْقَبْرِ مِنَ الْفِيْبَةِ وَ الْبَوْلِ

৮৭১. অনুচ্ছেদঃ গীবত এবং পেশাবে (অসতর্কতা)— এর কারণে কবর আযাব।

١٢٩٥ حَدَّثَنَا قُتَيْبَةً حَدَّثَنَا جَرِيْرُ عَنِ الْاَعْمَشِ عَنْ مُجَاهِدٍ عَنْ طَاؤُسٍ قَالَ بْنُ عَبَّاسٍ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهُمَا

مَرُّ النَّبِيُّ عَلِّى عَلَى قَبْرَيْنِ فَقَالَ انِّهُمَا لَيُعَذَّبَانِ وَمَا يُعَذَّبَانِ مِنْ كَبِيْرٍ ثُمُّ قَالَ بَلَى اَمَّا اَحَدَهُمَا فَكَانَ يَسْعَى بِالنَّمِيْسِمَةِ ، وَاَمَّا اَحَدُهُمَا فَكَانَ لاَ يَسْسَتَتِرُ مِنْ بَوْلِهِ قَالَ ثُمُّ اَخَذَ عُودًا رَطُبًا فَكَسَرَهُ بِإِثْنَتَيْنِ ثُمُّ غَرَزَ كُلُّ بِالنَّمِيْسِمَةِ ، وَاَمَّا اَحَدُهُمَا فَكَانَ لاَ يَسْسَتَتِرُ مِنْ بَوْلِهِ قَالَ ثُمُّ اَخَذَ عُودًا رَطُبًا فَكَسَرَهُ بِإِثْنَتَيْنِ ثُمُّ غَرَزَ كُلُّ وَاحِدٍ مَنْهُمَا عَلَى قَبْرِ ثُمُّ قَالَ لَعَلَّهُ يُخَفِّفُ عَنْهُمَا مَالَمْ يَيْبَسَا ٠

১২৯৫ কুতাইবা (র.).....ইব্ন আব্বাস (রা.) থেকে বর্লিত, তিনি বলেন, (একবার) নবী দুটি কবরের পাশ দিয়ে যাচ্ছিলেন। তখন তিনি বললেনঃ ঐ দু'জনকে আযাব দেওয়া হচ্ছে আর কোন কঠিন কাজের কারণে তাদের আযাব দেওয়া হচ্ছে না। এরপর তিনি কুট্রি বললেন ঃ ইা (আযাব দেওয়া হচ্ছে) তবে তাদের একজন পরনিন্দা করে বেড়াত, অন্যজন তার পেশাবের ব্যাপারে সতর্কতা অবলম্বন করত না। (রাবী বলেন) এরপর তিনি একটি তাজা ডাল নিয়ে তা দু'খণ্ডে ভেন্থগ ফেললেন। তারপর সে দু' খণ্ডের প্রতিটি এক এক কবরে পুঁতে দিলেন। এরপর বললেন ঃ আশা করা যায় যে এ দু'টি শুকিয়ে না যাওয়া পর্যন্ত তাদের আযাব লঘু করা হবে।

## ٨٧٢. بَابُ الْمَيْتِ يُعْرَضُ عَلَيْهِ بِالْفَدَاةِ وَالْمَشِي

৮৭২. অনুচ্ছেদ ঃ মৃত ব্যক্তির সামনে সকালে ও সন্ধ্যায় (জান্নাত ও জাহান্নামে তার অবস্থান স্থল) উপস্থাপন করা হয়।

اللهِ عَلَيْهُ قَالَ انْ اَحْدَكُمُ اذَا مَاتَ عُرِضَ عَلَيْهِ مَقْعَدُهُ بِالْغَدَاةِ وَالْعَشِيِّ انْ كَانَ مِن اَهْلِ الْجَنَّةِ فَمْن اَهْلِ الْجَنَّةِ وَانْ كَانَ مَن اَهْلِ النَّالِ فَيُقَالُ هٰذَا مَقْعَدُكَ حَتَّى يَبْعَتَكَ اللَّهُ يَوْمَ الْقَيَامَة ،

১২৯৬ ইসমায়ীল (র.).....আবদুল্লাহ্ ইব্ন উমর (রা.) থেকে বর্ণিত যে, রাসূলুল্লাহ্ ক্রিট্র বলেছেন ঃ তোমাদের কেউ মারা গেলে অবশ্যই তার সামনে সকাল ও সন্ধ্যায় তার অবস্থান স্থল উপস্থাপন করা হয়। যদি সে জান্নাতী হয়, তবে (অবস্থান স্থল) জান্নাতীদের মধ্যে দেখানো হয়। আর সে জাহান্নামী হলে, তাকে জাহান্নামীদের (অবস্থান স্থল দেখানো হয়) আর তাকে বলা হয়, এ হঙ্গে তোমার অবস্থান স্থল, কিয়ামত দিবসে আল্লাহ্ পাক তোমাকে উথিত করা পর্যন্ত।

## ٨٧٣. بَابُ كَلاَمِ الْمَيْتِ عَلَى الْجِنَازَةِ

৮৭৩. অনুচ্ছেদ ঃ খাটিয়ার উপর থাকাবস্থায় মৃত ব্যক্তির কথা বলা।

الله عَنْهُ يَقُولُ قَالَ رَسُولُ اللهِ عَيْنَهُ إِذَا وَضِعَتِ الْجِنَازَةُ فَاحْــتَمَلَهَا الرِّجَالُ عَلَى اعْنَاقِهِمْ فَانْ كَانَتُ اللهُ عَنْهُ يَقُولُ قَالَ رَسُولُ اللهِ عَيْنَةُ إِذَا وُضِعَتِ الْجِنَازَةُ فَاحْــتَمَلَهَا الرِّجَالُ عَلَى اعْنَاقِهِمْ فَانْ كَانَتُ

صَالِحَةً قَالَتُ قَدِّمُونَنِي وَانْ كَانَتُ غَيْرَ صَالِحَة قَالَتُ يَاوَيْلَهَا آيْنَ تَذْهَبُونَ بِهَا يَسْمَعُ صَوْتَهَا كُلُّ شَيْرٍ اللَّ الْانْسَانَ وَلَوْ سَمِعَهَا الْانْسَانُ لَصَعَقَ٠

১২৯৭ কুতাইবা (র.)......আবূ সায়ীদ খুদ্রী (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্রের বলেছেন ঃ মৃত ব্যক্তিকে খাটিয়ায় রেখে লোকেরা যখন কাঁধে বহণ করে নিয়ে যায় তখন সে নেক্কার হলে বলতে থাকে, আমাকে এগিয়ে নিয়ে চল, আমাকে এগিয়ে নিয়ে চল, আর সে নেক্কার না হলে বলতে থাকে হায় আফসুস! এটাকে নিয়ে তোমরা কোথায় যাচ্ছ । মানুষ ব্যতীত সব কিছুই তার এ আওয়ায শুনতে পায়। মানুষেরা তা শুনতে পেলে অবশ্যই বেহুঁশ হয়ে যেত।

٨٧٤. بَابُ مَا قَيْلَ فِي أَوْلاَدِ الْمُسْلِمِينَ قَالَ آبُوْ هُرَيْرَةَ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهُ عَنِ النَّبِي عَنِي مَنْ مَاتَ لَهُ ثَلاَثَةُ مِنَ الْوَادِ لَمْ يَبُلُغُوا الْحِنْثَ كَانَ لَهُ حَجَابًا مِنَ النَّارِ آوْدَخَلَ الْجَنَّةُ

৮৭৪. অনুচ্ছেদ ঃ মুসলমানদের নো—বালিগ) সম্ভানদের বিষয়ে যা বলা হয়েছে। আৰু হুরায়রা রো.) নবী ক্রিট্র থেকে বর্ণনা করেন, যে ব্যক্তির এমন তিনটি সম্ভান মারা যায় যারা বালিগ হয়নি, তারা মোতাপিতার জন্য) জাহান্লাম থেকে আবরন হয়ে যাবে। অথবা (তিনি বলেছেন) সে ব্যক্তি জান্লাতে দাখিল হবে।

الاً اَنْ خَلَهُ اللهُ الْجَنَّة بِفَضْلِ رَحْمَتِهِ إِيَّاهُمْ مَ النَّاسِ مُسْلِمُ يَمُوْتُ لَهُ تَلاَثَةُ مِنَ الْوَلَدِ لَمْ يَبْلُغُوا الْحِنْثَ اللهُ اللهُ اللهُ اللهِ عَلَيْهُ مَا مِنَ النَّاسِ مُسْلِمُ يَمُوْتُ لَهُ تَلاَثَةُ مِنَ الْوَلَدِ لَمْ يَبْلُغُوا الْحِنْثَ اللهُ الْجَنَّة بِفَضْلِ رَحْمَتِهِ إِيَّاهُمْ .

১২৯৯ আবুল ওয়ালীদ (র.)....বারা'আ (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, (নবী তনয়) ইব্রাহীম (রা.) এর ওফাত হলে, রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্রের বললেন ঃ তাঁর জন্য তো জান্নাতে একজন দুধ-মা রয়েছেন।

ه ٨٧. بَابُ مَا قَيْلُ فِي أَوْلاَدِ الْمُشْرِكِينَ

৮ ৭৫. অনুচ্ছেদ ঃ মুশরিকদের শিশু সম্ভান প্রসঙ্গে।

الله عَدُننا حِبَّانُ اَخْبَرَنَا عَبْدُ اللهِ اَخْبَرَنَا شُعْبَةُ عَنْ اَبِي بِشْرٍ عَنْ سَعِيْدِ بْنِ جُبَيْرٍ عَنِ ابْنِ عَبَّاسٍ رَضِيَ اللهُ عَنْهُمْ قَالَ سُئِلَ رَسُولَ اللهِ عَنْهُمْ اَعْلَمُ بِهَا كَانُوا عَامَلِيْنَ فَقَالَ اللهُ اِذْ خَلَقُهُمْ اَعْلَمُ بِهِا كَانُوا عَامَلِيْنَ .

১৩০০ হিব্বান ইব্ন মূসা (র,).....ইব্ন আব্বাস (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্রাই কে মুশরিকদের শিশু সম্ভানদের সম্পর্কে জিজ্ঞাসা করা হলে তিনি বলেন ঃ আল্লাহ্ তাদের সৃষ্টি লগ্নেই তাদের ভবিষ্যৎ আমল সম্পর্কে সম্যক অবগত আছেন।

الله عَنْهُ يَقُولُ سُئِلَ النَّبِيِّ عَلَى الزُّهْرِيِّ قَالَ اَخْبَرَنِي عَطَاءَ بُنُ يَزِيْدَ اللَّيْتِيُ انَّهُ سَمِعَ اَبَا مُرَيْرَةَ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهُ يَقُولُ سُئِلَ النَّبِيِّ عَلِيَّةً عَنْ ذَرَارِيِّ الْمُشْرِكِيْنَ فَقَالَ اَللَّهُ اَعْلَمُ بِمَا كَانُوا عَامِلِيْنَ ، هُرَيْرَةَ رَضِيَ اللَّهُ اَعْلَمُ بِمَا كَانُوا عَامِلِيْنَ ،

১৩০১ আবুল ইয়ামান (র.).....আৰু হুরায়রা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী ক্রীন্তির কে মুশরিকদের অপ্রাপ্ত বয়স্ক সন্তান সম্পর্কে জিজ্ঞাসা করা হলে বলেন ঃ আল্লাহ্ তাদের ভবিষ্যৎ আমল সম্পর্কে সম্যক্ত অবগত আছেন।

الله عَنْهُ قَالَ قَالَ النّبِيُ اللهُ عَنْهُ اللهُ عَنْهُ اللّهُ عَنْهُ اللّهُ عَنْهُ اللّهُ عَنْهُ اللّهُ عَنْهُ قَالَ قَالَ النّبِيُ اللّهُ عَنْهُ قَالَ النّبِيُ اللّهُ عَنْهُ قَالَ النّبِيُ اللّهُ عَنْهُ قَالَ النّبِي اللّهُ عَنْهُ عَلْهُ الْفَطْرَةِ فَابَوَاهُ يُهُوّدَانِهِ اَوْ يُنْصِرّانِهِ اَوْ يُمَجّسِانِهِ كُمثَلُ النّهِيْمَةِ تُنْتَجُ الْبَهِيْمَةَ هَلْ تَرَى فِيْهَا جَدْعَاءً ٠

১৩০২ আদম (র.)......আবৃ হুরায়রা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী ক্রিট্রেই ইরশাদ করেন ঃ প্রত্যেক নবজাতক ফিত্রতের উপর জন্মগ্রহণ করে। এরপর তার মাতাপিতা তাকে ইয়াহুদী বা খৃষ্টান অথবা অগ্নি উপাসকরূপে রূপান্তরিত করে, যেমন চতুম্পদ জন্তু একটি পূর্ণাংগ বাদ্দা জন্ম দেয়। তোমরা কি তাকে (জন্মগত) কানকাটা দেখেছ ?

### ۸۷۸. بَابُ

#### ৮৭৬. অনুচ্ছেদঃ

الله عَدُّنَا مُوسَلَى بَنُ اسْتَمْعِيْلَ حَدَّثَنَا جَرِيْرُ بَنُ حَاذِمٍ حَدَّثَنَا اَبُوْرَجَاءٍ عَنْ سَمُرَةَ بَنِ جُنُدَبٍ قَالَ كَانَ النَّبِيُّ عَلِيْهُ اذَا صَلَّى صَلَاةً اَقْبَلَ عَلَيْهَا بِوَجْهِ فَقَالَ مَنْ رَأَى مَنْكُمُ اَللَّيْلَةَ رُوْيًا قَالَ فَانْ رَأَى اَحَدُ عَنْكُمْ رُوْيًا قَالَ لَكُنِّي رَأَيْتُ اللَّيْلَةَ مُونَى مَنْكُمْ رُوْيًا قَالَ لَكُنِّي رَأَيْتُ اللَّيْلَةَ وَعَلَى اللَّيْلَةَ اللَّيْلَةَ وَاللهُ فَسَالُنَا يَوْمًا فَقَالَ هَلْ رَأَى اَحَدُ مَنْكُمْ رُوْيًا قَالَنَا لاَ قَالَ لَكِنِّي رَأَيْتُ اللَّيْلَةَ وَكُنِي اللَّيْلَةَ وَكُنِي اللَّيْلَةَ وَلَيْ اللهُ فَسَالُنَا يَوْمًا فَقَالَ هَلْ رَأَى اَحَدُ مَنْكُمْ رُوْيًا قَالَ لاَ قَالَ لَكِنِّيْ رَأَيْتُ اللَّيْلَةَ رَائِيْكُ وَالْمُقَدِّسَةِ فَاذَا رَجُلُ جَالِسُ وَرَجُلُ قَائِمُ بِيَدِهِ كُلُّوبُ مِنْ حَدِيْدٍ قَالَ رَجُلُ جَالِسُ وَرَجُلُ قَائِمُ بِيَدِهِ كُلُّوبُ مِنْ حَدِيْدٍ قَالَ لَا اللهُ ا

بَعْضُ أَصْحَابِنَا عَنْ مُنْسَلِي إِنَّهُ يُدْخِلُ ذٰلِكَ الْكَلُّوبَ فِي شَدْقه حَتِّى يَبْلُغَ قَفَاهُ ثُمَّ يَفْعَلُ بِشَدْقهِ الْأَخَرِ مثلًا ذٰلِكَ وَيَلْتَئْكُمُ شَدِقُكُ هَٰذَا فَيَعُنُدُ فَيَصْنَعُ مِثْلَهُ قُلْتُ مَا هَٰذَا قَالاَ انْطَلقْ فَانْطَلَقْنَا حَتَّى اَتَيْنَا عَلَى رَجُلِ مُضْطَحِمِ عَلَى قَفَاهُ وَرَجُلُ قَائِمُ عَلَى رَأْسِهِ بِفِهْرِ أَنْ صَخْرَةٍ فَيَشْدَخُ بِهِ رَأْسُهُ فَاذَا ضَرَبَهُ تَدَهْدَهَ الْحَجَرُ فَانْطَلَقَ الِّيهِ لِيَأْخُذُهُ فَلاَ يَرْجِعُ الِّي هَٰذَا حَتَّى يَلْتَنْمَ رَأْسُهُ وَعَادَ رَأْسُهُ كَمَا هُوَ فَعَادَ الِّيهِ فَضَرَبَهُ قُلْتُ مَنْ هَٰذَا قَالاً انْطَلِقْ فَانْطَلَقْنَا الِّي تَقْبِ مِثْلِ التُّنُورِ اعْلاَهُ ضِيِّقُ وَاسْفَلُهُ وَاسِعُ يَتَوَقَّدُ تَحْتَهُ نَارًا فَاذَا اقْتَرَبَ ارْتَفَعُوا جَتَّى كَادَ آنْ يَخْـرُجُوا فَاذَا خَمَدَتْ رَجَعُوا فِيْـهَا وَفِيْـهَا رِجَالُ وَنِسَاءُ عُرَاةُ فَقُلْتُ مَنْ هَٰذَا قَالاً انْطَلِقْ فَانْطَلَقْنَا حَتَّى اتَّيْنَا عَلَى نَهْر مِنْ دَم فِيْهِ رَجُلُ قَائِمُ عَلَى وَسَطِ النَّهَرِ وَقَالَ يَزِيْدُ بْن هَارُونَ وَهُبُ بْنُ جَرِيْرٍ بْنِ حَازِمٍ وَعَلَى شَطِّ النَّهُ رِ رَجُلُ بَيْنَ يَدَيَّهِ حِجَارَةُ فَأَقْبَلَ الرَّجُلُ الَّذِي فِي النَّهَرِ فَاذَا أَرَادَ أَنْ يَخْرُجَ رَمَى الرَّجُلُ بِحُجَرٍ فِيْ فِيْهِ فَرَدُّهُ حَيثُ كَانَ فَجَعَلَ كُلُّمَا جَاءَ لِيَخْرُجَ رَمَى فِيْهِ بِحَجَرٍ فَيَرْجِعُ كَمَا كَانَ هَقُلْتُ مَا هَٰذَا قَالاَ انْطَلِقُ فَانْطَلَقْنَا حَتَّى انْتَهَيْنَا إِلَى رَوْضَة خَضْرَاءَ فِيْهَا شَجَرَةُ عَظِيْمَةُ وَفِي آصُلِهَا شَيْخُ وَمَسِبْيَانُ وَإِذَا رَجُلُ قَرِيْبُ مِنَ الشُّجَرِ بَيْنَ يَدِيْهِ نَارُ يُوْقِدُهَا فَصَعِدَابِي فِي الشُّجَرَةِ وَٱدُّخَلاَنِي دَارًا لَمْ أَرَ قَطُ أَحْسَنَ مِنْهَا فِيْهَا رِجَالُ شُيُوْخُ وَشَبَابُ وَنِسَاءُ وَصِبْسِيَانُ ، ثُمُّ أَخْسَرَجَانِي مِنْهَا فَصَعِدَابِي الشَّجَرَةَ فَأَدْخَلاَنِي دَارًا هِيَ آحُسنَ وَآفَضلَ فِيْهَا شُيُوْخُ وَشَبَابُ قُلْتُ طَوَّفُتُمَانِي ٱللَّيْلَةَ فَآخُبِرَانِي عَمًّا رَأَيْتُ - قَالاَ نَهَمْ : اَمَّا الَّذِي رَأَيْتَهُ يُشَقُّ شَدْقُهُ فَكَذَّابُ يُحَدِّثُ بِالْكَذْبَةِ فَتُحْــمَلُ عَنْهُ حَتَّى تَبْلُغَ الْاَفَاقَ فَيُصْنَعُ بِهِ الِّي يَوْمِ الْقِيَامَةِ وَالَّذِي رَأَيْتَهُ يُشْدَخُ رَأْسُهُ فَرَجَلُ عَلَّمَهُ اللَّهُ الْقُرْأَنَ فَنَامَ عَنْهُ بِاللَّيْلِ وَلَمْ يَعْمَلُ فَيْهِ بِالنَّهَارِ يُفْعَلُ بِهِ إِلَى يَوْمِ الْقِيَامَةِ وَالَّذِي رَأَيْتُهُ فِي الثَّقْبِ فَهُمُ الزُّنَاةُ وَالَّذِي رَأَيْتُهُ فِي النَّهَرِ أَكِلُوا الرِّبَا وَالشَّبْخُ فِي آصْلِ الشَّجَرَةِ ابْرَاهَيْمُ عَلَيْهِ السَّلاَمُ وَالصَّبْيَانُ حَوْلَهُ فَأَوْلاَدُ النَّاسِ وَالَّذِي يُوْقِدُ النَّارَ مَالِكُ خَازِنْ النَّارِ وَالدَّارُ الْأُولَى الَّتِي دَخَلْتَ دَارُ عَامَّةٍ الْمُؤْمِنِيْنَ وَامَّا هٰذِهِ الدَّارُ فَدَارُ الشُّهَدَاءِ وَانَا جِبْرِيْلُ وَهٰذَا مِيْكِائِيلُ فَارْفَعْ رَأْسَكَ فَرَفَعْتُ رَأْسِي فَاذَا فَوْقِي مَثِلُ السَّحَابِ قَالاَ ذَاكَ مَنْزِلُكَ قُلْتُ دَعَانِي آدُخُلُ مَنْزِلِي قَالَا انَّهُ بَقِيَ لَكَ عُمُرُ لَمْ تَسْتَكُمِلُهُ فَلَواسْتَكُمَلْتَ اتَّيْتَ مَنْزَلَكَ •

১৩০৩ মূসা ইব্ন ইসমায়ীল (র.).....সামুরা ইব্ন জুনদাব (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী

ক্ষ্মী (ফজর) সালাত শেষে আমাদের দিকে মুখ ফিরিয়ে বসতেন এবং জিজ্ঞাসা করতেন, তোমাদের কেউ গত রাতেকোন স্বপ্ন দেখেছ কি ? (বর্ণনাকারী) বলেন, কেউ স্বপ্ন দেখে থাকলে তিনি তা বিবৃত করতেন। তিনি তখন আল্লাহ্র মর্জি মুতাবিক তাবীর ব'লতেন। একদিন আমাদেরকে প্রশ্ন করলেন, তোমাদের কেউ কি কোন স্বপ্ন দেখেছ ? আমরা বললাম, জী না। নবী क्रीकें বললেন ३ আমি দেখলাম, দু'জন লোক এসে আমার দু'হাত ধল্ল আমাকে পবিত্র ভুমির দিকে নিয়ে চললো। হঠাৎ দেখতে পেলাম, এক ব্যক্তি বসে আছে আর এক ব্যক্তি লোহার আকড়া হাতে দাঁড়িয়ে আছে। (ইমাম বুখারী (র.) বলেন) আমাদের এক সাথী মূসা (র.) বর্ণনা করেছেন যে, দগুয়মান ব্যক্তি উপবিষ্ট ব্যক্তির (এক পাশের) চোয়ালটা এমনভাবে আকড়াধারী বিদ্ধ করছিল যে, তা (চোয়াল বিদীর্ণ করে) মস্তকের পশ্চাদ্রাগ পর্যন্ত পৌছে যাচ্ছিল। তারপর অপর চোয়ালটিও পূর্ববৎ বিদীর্ণ করল। ততক্ষণে প্রথম চোয়ালটা জোড়া লেগে যাচ্ছিল। আকড়াধারী ব্যক্তি পুনরায় সেরূপ করছিল। আমি জিজ্ঞাসা করলাম, এ কি হচ্ছে ? সাথীদ্বয় বললেন, (পরে বলা হবে এখন) চলুন। আমরা চলতে চলতে চিৎ হয়ে শায়িত এক ব্যক্তির পাশে এসে উপস্থিত হলাম, তার শিয়রে পাথর হাতে এক ব্যক্তি দাঁড়িয়ে পাথর দিয়ে তার মাথা চূর্ণ করে দিচ্ছিল। নিক্ষিপ্ত পাথর দূরে গ ড়িয়ে যাওয়ার ফলে তা তুলে নিয়ে শায়িত ব্যক্তির নিকট ফিরে আসার পূর্বেই বিচূর্ণ মাথা পূর্ববৎ জোড়া লেগে যাচ্ছিল। সে পুনরায় মাথার উপরে পাথর নিক্ষেপ করছিল। আমি জিজ্ঞাসা করলাম, লোকটি কে ? তাঁরা বললেন, চলুন। আমরা অগ্রসর হয়ে চুলার ন্যায় এক গর্তের নিকট উপস্থিত হলাম। গর্তের উপরিভাগ ছিল সংকীর্ণ ও নীচের অংশ প্রশস্থ এবং এর নীচদেশ থেকে আগুন জুলছিল। আগুন গর্ত মুখের নিকটবর্তী হলে সেখানের লোকগুলোও উপরে চলে আসত যেন তারা গর্ত থেকে বের হয়ে যাবে। আগুন ক্ষীণ হয়ে গেলে তারাও (তলদেশে) ফিরে যায়। গর্তের মধ্যে বহুসংখ্যক উলঙ্গ নারী-পুরুষ ছিল। জিজ্ঞাসা করলাম, এরা কারা ? তাঁরা বললেন, চলুন। আমরা চলতে চলতে একটি রক্ত প্রবাহিত নদীর নিকট উপস্থিত হলাম। নদীর মাঝখানে এক ব্যক্তি দাঁড়ানো ছিল, (ইমাম বুখারী (র.) বলেন) ইয়াযীদ ইব্ন হার্রন ও ওহাব ইব্ন জারীর ইব্ন হাযিম (র.) वर्गनाय وَعَلَى شَطَّ النَّهُرَرَجُلُ بَيُّنَ يَدَيَّب حِجَارَة रायाह । निमेत जीत जीत जिल गांक गांक गांक गांक निम পাথর। নদীর মাঝখানের লোকটি নদী থেকে বের হয়ে আ সার জন্য অগ্রসর হলেই তীরে দাঁড়ানো লোকটি সে ব্যক্তির মুখ বরাবর পাথর নিক্ষেপ করত, এতে সে পূর্বস্থানে ফিরিয়ে দিত। এমনভাবে যতবার সে তীরে উঠে আসতে চেষ্টা করে ততবার সে ব্যক্তি তার মুখ বরাবর পাথর নিক্ষেপ করে পূর্বস্থানে ফিরে যেতে বাধ্য করে। আমি জানতে চাইলাম, এ ঘটনার কারণ কি ? তাঁরা বললেন, চলতে থাকুন। আমরা চলতে চলতে একটি সবুজ বাগানে উপস্থিত হলাম। এতে একটি বড় গাছ ছিল। গাছটির গোড়ায় একজন বয়ঃবৃদ্ধ লোক ও বেশ কিছু বালক-বালিকা ছিল। হঠাৎ দেখি যে, গাছটির সন্নিকটে এক ব্যক্তি সামনে আগুন রেখে তা প্রজ্জলিত করছিল। সাখীদ্বয় আমাকে নিয়ে গাছে আরোহণ করে এমন একটি বাড়ীতে প্রবেশ করালেন যে, এর চেয়ে সুদৃশ্য বাড়ী পূর্বে আমি কখনো দেখিনি। বাড়ীতে বছ সংখ্যক বৃদ্ধ, যুবক, নারী এবং বালক-বালিকা ছিল। এরপর তাঁরা আমাকে সেখান হতে বের করে নিয়ে গাছে আরো উপরে আরোহণ করে অপর একটি বাড়ীতে প্রবেশ করালেন। এটা পূর্বাপেক্ষা অধিক সুদৃশ্য ও সুন্দর। বাড়ীটিতে কতিপয় বৃদ্ধ ও যুবক অবস্থান করছলেন। আমি বললাম, আজ রাতে আপনারা

আমাকে (বহুদূর পর্যন্ত) ভ্রমণ করালেন। এখন বলুন, যা দেখলাম তার তাৎপর্য কি ? তাঁরা বললেন হাঁ, আপনিযে ব্যক্তির চোয়াল বিদীর্ল করার দৃশ্য দেখলেন সে মিথ্যাবাদী; মিথ্যা কথা বলে বেড়াতো, তার বিবৃত মিথ্যা বর্ণনা ক্রমাগত বর্লিত হয়ে দূর দূরান্তে পৌছে যেতো। কিয়ামত পর্যন্ত তার সাথে এ ব্যবহার করা হবে। আপনি যার মাথা চূর্ণ করতে দেখলেন, সে এমন ব্যক্তি যাকে আক্সাহ্ কুরআনের শিক্ষা দান করেছিলেন, কিন্তু রাতের বেলায় সে কুরআন থেকে বিরত হয়ে নিদ্রা যেতো এবং দিনের বেলায় কুরআন অনুযায়ী আমল করতো না। তার সাথে কিয়ামত পর্যন্ত এরপই করা হবে। গর্তের মধ্যে যাদেরকে আপনি দেখলেন, তারা ব্যভিচারী। (রক্ত প্রবাহিত) নদীতে আপনি যাকে দেখলেন, সে সুদখোর। গাছের গোড়ায় যে বৃদ্ধ ছিলেন তিনি ইব্রাহীম (আ.) এবং তাঁর চারপাশের বালক-বালিকারা মানুষের সম্ভান। যিনি আশুন জ্বালাচ্ছিলেন তিনি ইলেন, জাহান্নামের খাযিনক্সালিক নামক ফিরিশ্তা। প্রথম যে বাড়ীতে আপনি প্রবেশ করলেন তা সাধারণ মু'মিনদের বাসস্থান। আর এ বাড়ীটি হলো শহীদগণের আবাস। আমি (হলাম) জিব্রাঈল আর ইনি হলেন মীকাঈল। (এরপর জিব্রাঈল আমাকে বললেন) আপনার মাথা উপরে উঠান। আমি উঠিয়ে মেঘমালার ন্যায় কিছু দেখতে পেলাম। তাঁরা বললেন, এটাই হলো আপনার আবাসস্থল। আমি বললাম, আমাকে ছেড়ে দিন আমি আমার আবাসস্থল প্রবেশ করি। তাঁরা বললেন, এখনো আপনার হায়াতের কিছু সময় অবশিষ্ট রয়ে গেছে যা পূর্ণ হয়নি। অবশিষ্ট সময় পূর্ণ হলে অবশ্যই আপনি নিজ্ব আবাসে চলে আসবেন।

## ٨٧٧. بَابُ مِنْ يَنْمِ الْأَثْنَيْنِ

৮৭৭. অনুচ্ছেদ ঃ সোমবারে মৃত্যু।

الله عَنْ الله عَنْهُ الله عَنْهُ فَقَالَ فِي كُمْ كَفَنْتُمُ النّبِي عَنْهِ هَالَتُ وَيْ عَانِشَةَ رَضِي الله عَنْهُ فَقَالَ فِي كُمْ كَفَنْتُمُ النّبِي عَنْهِ قَالَتُ فِي ثَلَاثَة اثْوَابِ بِيضِ سَحُولِيةٍ لِيُسَ فِي الله عَنْهُ فَقَالَ فِي كُمْ كَفَنْتُمُ النّبِي عَنْهِ قَالَتُ فِي ثَلَاثَة اثْوَابِ بِيضِ سَحُولِيةٍ لِيسَ فِي الله عَنْهُ فَالَتُ يَوْمُ الْإِثْنَيْنِ قَالَ فَايَ يُومُ لِمَا اللّهِ عَنْهِ قَالَتُ يَوْمُ الْإِثْنَيْنِ مَا اللّهِ عَنْهُ فَقَالَ اللّهَ عَنْهُ فَقَالَ اللّهُ عَنْهُ فَقَالَ اللّهُ عَنْهُ وَقَالَ اللّهُ عَنْهُ وَقَالَ اللّهُ عَنْهُ وَقَلَ اللّهُ عَنْهُ وَقَالَ اللّهُ عَنْهُ وَقَالَ الْمَهُ وَقَالَ الْهُ عَنْهُ وَقَالَ اللّهُ عَنْهُ وَقَالَ اللّهُ عَنْهُ وَلَا عَيْهُ وَيَهُ وَيَعْمَ اللّهُ عَنْهُ وَقَالَ اللّهُ عَنْهُ وَاللّهُ عَلْهُ وَاللّهُ عَنْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَيَهُ وَيَهُ وَيَهُ وَيَعْمُ وَيَهُ وَيُعْمَ وَيَعْمُ وَيَهُ وَيَهُ وَيَهُ وَيَهُ وَيَعْمُ وَيْهُ وَلَا اللّهُ عَنْهُ وَاللّهُ عَلْهُ وَاللّهُ عَلْهُ وَاللّهُ عَنْهُ وَاللّهُ عَلْهُ وَلَا اللّهُ عَلْهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ عَلْهُ وَاللّهُ وَاللّهُ عَلْهُ وَاللّهُ وَلّمُ وَاللّهُ وَال

সোমবার। তিনি (আবৃ বকর (রা.) বললেন, আমি আশা করি এখন থেকে আগত রাতের মধ্যে (আমার মৃত্যু হবে)। এরপর অসুস্থকালীন আপন পরিধেয় কাপড়ের প্রতি লক্ষ্য করে তাতে জাফরানী রং এর চিহ্ন দেখতে পেয়ে বললেন, আমার এ কাপড়িট ধুয়ে তার সাথে আরো দু'খও কাপড় বৃদ্ধি করে আমার কাফন দিবে। আমি (আয়িশা) বললাম, এটা (পরিধেয় কাপড়িট) পুরাতন। তিনি বললেন, মৃত ব্যক্তির চেয়ে জীবিতদের নতুন কাপড়ের প্রয়োজন অধিক। আর কাফন হলো বিগলিত শবদেহের জন্য। তিনি মঙ্গলবার রাতের সন্ধ্যায় ইন্তিকাল করেন, প্রভাতের পূর্বেই তাঁকে দাফন করা হয়।

## مُنْهُمْ الْمُهُمُّ الْمُهُمُّ الْمُهُمُّ الْمُهُمُّ الْمُهُمُّ الْمُهُمُّ الْمُهُمُّ الْمُهُمُّ الْمُ

৮৭৮. অনুচ্ছেদঃ আকস্মিক মৃত্যু।

انْ تَصندُقْتُ عَنْهَا قَالَ نَعَمْ ٠ أَنِي مَرْيَمَ حَدَّثَنَا مُحَمَّدُ بُنُ جَعْفَرٍ قَالَ اَخْبَرَنِي هِشَامُ عَنْ اَبِيْهِ عَنْ عَائِشَةَ رَضِي اللَّهُ عَنْهَا اَنْ رَجُلاً قَالَ النَّبِيِ عَلَى اللَّهُ عَنْهَا اَنْ رَجُلاً قَالَ النَّبِي عَلَى اللَّهُ عَنْهَا وَاَظْنُهَا لَوْ تَكَلَّمَتُ تَصندُقَتُ فَهَلْ لَهَا اجْرُ الْ تَصندُقْتُ عَنْهَا قَالَ نَعَمْ ٠

১৩০৫ সায়ীদ ইব্ন আবৃ মারয়াম (র.)......আয়িশা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, এক ব্যক্তি নবী ক্রিট্রেই -কে বললেন, আমার জননীর আকম্মিক মৃত্যু ঘটে, আমার বিশ্বাস তিনি (মৃত্যুর পূর্বে) কথা বলতে সক্ষম হলে কিছু সাদাকা করে যেতেন। এখন আমি তাঁর পক্ষ হতে সাদাকা করলে তিনি এর সাওয়াব পাবেন কি ? তিনি (নবী ক্রিট্রেই) বললেন, হাঁ (অবশ্যই পাবে)।

AV۹. بَابُ مَا جَاءَ فِي قَبْرِ النَّبِيِ عَلَيْ وَأَبِي بَكْرِ وَعُمَرَ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهُمَا فَٱقْبَرَهُ ٱقْبَرْتُ الرَّجُلُ ٱقْبِرْهُ الْبَرِّهُ وَالرَّجُلُ ٱقْبِرْهُ الْمُعَاتُ الرَّجُلُ ٱلْمُعَاتُ الْمُعَاتُ الرَّجُلُ الْمُعَاتُ الْمُعَاتُ الْمُعَاتُ الرَّجُلُ الْمُعَاتُ الْمُعَاتُ اللَّهُ عَلَيْهُ الْمُعَاتُ الْمُعَاتُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ الْمُعَاتُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ الْمُعَاتُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ الْمُعَاتُ اللَّهُ عَلَيْهُ الْمُعَاتُ اللَّهُ عَلَيْ الْمُعَالِقُ الْمُعَاتُ اللَّهُ عَلَيْهُ الْمُعَاتُ اللَّهُ عَلَيْهُمُ اللَّهُ الْمُعَاتُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ الْمُعَالِقُ اللَّهُ الْمُعَاتُ اللَّهُ الْمُعَالِقُ الْمُعَالِقُ الْمُعَاتُ اللَّهُ الْمُعَاتُ الْمُعَالِقُ الْمُعَالِقُ الْمُعَالِقُ الْمُعَالِقُ الْمُعَالَقُولُ اللَّهُ الْمُعَالِقُ الْمُعَالِقُ الْمُعَالِقُ الْمُعَالِقُ الْمُعَالِقُ الْمُعَالُولُ اللَّهُ الْمُعَالِقُ اللَّهُ الْمُعَالِقُ الْمُعَالِقُ اللَّهُ الْمُعَالِقُ الْمُعَالِقُ اللَّهُ الْمُعَالِقُ الْمُعَالِقُ الْمُعَالِقُ الْمُعَالِقُ الْمُعَالِقُ اللَّهُ الْمُعَالِقُ اللَّهُ الْمُعَالِقُ اللَّهُ الْمُعَالِقُ الْمُعَالِقُ اللَّهُ الْمُعَالِقُ اللَّهُ الْمُعَالِقُ اللَّهُ الْمُعِلَّ اللَّهُ اللَّهُ الْمُعَالِقُ اللَّهُ الْمُعَالِقُ اللَّهُ الْمُعَالِقُ اللَّهُ الْمُعَالِقُ اللَّهُ الْمُعَالِقُ الْمُ

৮৭৯. অনুচ্ছেদ ३ নবী ﷺ, আবু বকর ও উমর (রা.) এর কবরের বর্ণনা। (আল্লাহ্র বাণী)

ا قَابَرْتُ الرَّجِلُ ' তাকে কবরস্থ করলেন। ' فَاقْبَرْتُ الرَّجِلُ ' তখন বলবে যখন তুমি কারোর জন্য কবর তৈরী করবে। ' قَبَرْتُهُ دَنَتُهُ ' অর্থাৎ কবরস্থ করা ' نُوْنَ ' অর্থাৎ জীবিতাবস্থায় ভূপুষ্ঠে অবস্থান করবে ও মৃত্যুর পর এর মধ্যে সমাহিত হবে।

الْيَوْمَ اَيْنَ اَنَا غَدًا اِسْتَبْطَاءً لِيَوْمِ عَانِشَةَ فَلَمًا كَانَ يَوْمِيْ قَبَضَهُ اللهُ بَيْنَ سَحْرِيْ وَنَحْرِيْ وَدُفْنِ فِيْ بَيْتِيْ.

১৩০৬ ইসমায়ীল ও মুহাম্মদ ইব্ন হারব (র.).....আয়িশা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, রাস্লুলাহ্ ক্রিট্রা রোগশয্যায় (স্ত্রীগণের নিকট অবস্থানের) পালার সময় কাল জ্ঞানতে চাইতেন। আমার অবস্থান আজ্ঞ কোথায় হবে ? আগামি কাল কোথায় হবে ? আয়িশা (রা.) এর পালা বিলম্বিত হচ্ছে বলে ধারণা করেই এ প্রশ্ন করতেন। (আয়িশা (রা.) বলেন) যে দিন আমার পালা আসলো, সেদিন আল্লাহ্ তাঁকে আমার কণ্ঠদেশ ও বক্ষের মাঝে (হেলান দেওয়া অবস্থায়) রহ্ কব্য করলেন এবং আমার ঘরে তাঁকে দাফন করা হয়।

الزُّبَيْرِ وَلَمْ يُولَدُلَى . وَاللَّهُ عَيْلًا مَا اللهُ عَلَيْ اللهُ اللَّهُ عَنْ هِلاَلٍ عَنْ عَرْوَةَ عَنْ عَائِشَةَ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهَا وَالنَّصَارِلَى اتِّخَذُوا قَبُورَ انْبِيَائِهِمْ قَالَتُ قَالَ رَسُولُ اللهِ عَلَيْتُ فِي مَرَضِهِ الَّذِي لَمْ يَقُمْ مِنْهُ لَعَنَ اللَّهُ الْيَهُودَ وَالنَّصَارِلَى اتِّخَذُوا قَبُورَ انْبِيَائِهِمْ مَسَاجِدَ لَوْلاَ ذَٰلِكَ ابْرِزَ قَبْرُهُ غَيْرَ انَّهُ خَشِي آنَ خُشِي آنَ يُتّخذَ مَسْجِدًا وَعَنْ هِلاَلٍ قَالَ كَثَانِي عُرُوةً بْنُ الزَّبَيْرِ وَلَمْ يُولَدُلَى .

১৩০৭ মূসা ইব্ন ইসমায়ীল (র.).....আয়িশা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্রাই অন্তিম রোগশয্যায় বলেন, ইয়াহূদী ও নাসারাদের প্রতি আল্লাহ্র লানত হোক। কারণ, তারা নিজেদের নবীগণের কবরকে সিজ্দার স্থানে পরিণত করেছে। (রাবী উরওয়া বলেন) এরপ আশংকা না থাকলে রাস্লুল্লাহ্ ক্রিট্রাই এর কবরকে (ঘরের বেউনীতে সংরক্ষিত না রেখে) খোলা রাখা হতো। কিন্তু তিনি (নবী ক্রিট্রাই) আশংকা করেন বা অশংকা করা হয় যে, পরবর্তিতে একে মসজিদে পরিণত করা হবে। রাবী হিলাল (র.) বলেন, উরওয়া আমাকে (আবু আমর) কুনিয়াতে ভূষিত করেন আর তখন পর্যন্ত আমি কোন সন্তানের পিতা হইনি।

اللهِ عَبْدُ اللهِ الْحَبْرَنَا اللهِ الْحَبْرَنَا الله عَنْ اللهِ عَنْ اللهُ عَدْثُهُ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ الْحَبْرَنَا الله عَنْ اللهِ عَنْ اللهُ عَنْ اللهِ عَلَى اللهِ عَنْ الللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ ع

١٣٠٩ حَدُّنَا فَرُوَةً حَدُّنَا عَلِيٌّ عَنْ هِشَامِ بْنِ آبِيْهِ لَمَّا سَقَطَ عَلَيْهِمُ الْحَائِطُ فِي زَمَانِ الْوَلِيْدِ ابْنِ عَبْدِ الْسَنِي عَلَيْهِمُ الْحَائِطُ فِي بِنَائِهِ فَبَدَتَ لَهُمْ قَدَمُ فَفَزِعُوا وَظَنُّوا اَنَّهَا قَدَمُ النَّبِي عَلَيْهُ فَمَا وَجَدُوا اَحَدًا يَعْلَمُ ذُلِكَ حَتَّى قَالَ لَهُمْ عُرُوّةً لا وَ اللَّهِ مَا هِي قَدَمُ النَّبِي عَلَيْهُمَا هِي الاَّ قَدَمُ عُمَرَ رَضِي اللَّهُ عَنْهُ وَعَنْ هِشَامٍ عَنْ اللهِ مَنْ عَائِشَةَ رَضِي اللَّهُ عَنْهُ اللهِ عَنْهُ اللهِ بْنَ الزَّبَيْدِ رَضِي الله عَنْهُمَا لاَ تَدْفِنِي مَعَهُمْ وَادْفِيْ مَعَ مَنَ عَائِشَةً رَضِي الله عَنْهُا اَنَّهَا اَوْصَتَ عَبْدَ اللهِ بْنَ الزَّبَيْدِ رَضِي الله عَنْهُمَا لاَ تَدْفِنِي مَعَهُمْ وَادُفِيْ مَعَ مَنَ عَائِشَةً رَضِي الله عَنْهُمَا لاَ تَدُفِيْقِ مَعَ الله عَنْهُ مَعَ مَنَ عَائِشَة وَعَنْ هِ الله عَنْهُ الله عَنْهُمُ الله عَنْهُمُ الله عَنْهُمُ الله عَنْهُمَا لاَ تَدُفِيْقِ مَعَ مَنَ عَائِشَة وَعَنِ اللّهُ عَنْهُمَا لاَ تَدُفِيْقُ مَعَ مَنَ عَائِشَة وَعَنْ اللّهُ عَنْهُمَا لاَ تَدُفِيْقُ مَعَ مَنَ وَاللّهُ عَنْهُمُ اللهُ عَنْهُ اللهُ الله عَنْهُ اللهُ عَنْهُمُ اللهُ عَنْهُمُ مَعَ مَوَاحِينَ بِالْبُقِيْعِ لاَ أَزَكِينُ بِهِ ابْدُا .

ইব্ন যুবাইর (রা.)-কে অসিয়াত করেছিলেন, আমাকে তাঁদের (নবী ক্রিম্মুর্ট্র ও তাঁর দু' সাহাবী) পাশে দাফন করবে । (নবী ক্রিম্মুর্ট্র) এর পাশে সমাহিত হওয়ার কারণে আমি যেন বিশেষ প্রস্থাত লাকে বা । বরং আমাকে আমার সমাহিত হওয়ার কারণে আমি বের। (নবী ক্রিম্মুর্ট্র) এর পাশে সমাহিত হওয়ার কারণে আমিন করবে । (নবী ক্রিম্মুর্ট্র) এর পাশে সমাহিত হওয়ার কারণে আমান করবে । (নবী ক্রিম্মুর্ট্র) এর পাশে সমাহিত হওয়ার কারণে আমি যেন বিশেষ প্রস্থাণিত না হই)।

١٣١٠ حَدَّثَنَا قُتَيْبَةً حَدَّثَنَا جَرِيْرُ بْنُ عَبْدِ الْحَمِيْدِ حَدَّثَنَا حُصنَيْنُ بْنُ عَبْدِ الرَّحْمَٰنِ عَنْ عَمْرِو بْنِ مَيْمُوْنٍ الْأَوْدِيِّ قَالَ رَأَيْتُ عُمَرَ بْنَ الْخَطَّابِ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهُ قَالَ يَا عَبْدَ اللَّهِ بْنَ عُمَرَ اِذْهَبْ الِي أُمِّ الْمُؤْمِنِيْنَ عَائِشَةَ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهَا فَقُلْ يَقُــرَأُ عُمَرُ بْنُ الْخَطَّابِ عَلَيْكِ السَّلاَمَ ثُمَّ سَلْهَا أَنْ أَدُفِنَ مَعَ صَاحِبَى قَالَتُ كُنْتُ أُرِيْدُهُ لِنَفْسِي فَلاَوُبُرِنَّهُ الْيَوْمَ عَلَى نَفْسِي ، فَلَمَّا أَقْسِلَ قَالَ لَهُ مَا لَدَيْكَ قَالَ اَذِنَتَ لَكَ يَا اَمِيْسَ الْـمُؤْمِنِيْنَ - قَالَ مَا كَانَ شَنَيُ أَهَمُ إِلَى مِنْ ذَٰلِكَ الْـمَضــجِعِ فَإِذَا قُبِضْتُ فَاحْــمِلُونِي ثُمُّ سَلِّمُوا ثُمُّ قُلُ يَسُــتَأُذُنُّ عُمَرُ بْنُ الْخَطَّابِ فَإِنْ اَذِنَتْ لِي فَادُفِنُونِي وَالِا قَرُدُّونِي إِلَى مَقَابِرِ ٱلْسُلِمِيْنَ انِّي لاَ اَعْلَمُ اَحَدًا اَحَقُّ بِهِذَا الْأَمْرِ مِنْ هُؤُلاءِ النَّفَرِ الَّذِينَ تُوفِيَّ رَسُولُ اللهِ عَلَيْكُم وَهُوَ عَنْهُمْ رَاضٍ فَمَنِ اسْتَخْلَفُوا بَعْدِي فَهُوَ الْخَلِيْفَةُ فَاسْمَعُوا لَهُ وَاطِيْعُوا فَسَمَّى عُثْمَانَ وَعَلِيًّا وَطَلْحَةَ وَالزُّبَيْرَ وَعَبْدَ الرَّحْمَٰنِ بْنَ عَوْفٍ وَسَعُدَ بْنَ أَبِي وَقُاصٍ وَوَلَجَ عَلَيْهِ شَابُّ مِنَ الْأَنْصَارِ فَقَالَ اَبْشِرْ يَا آمِيْرَ ٱلْمُؤْمِنِيْنَ بِبُشْرَى اللهِ كَانَ لَكَ مِنَ الْقَدَمِ فِي الْإِسْلاَمِ مَا قَدْ عَلِمْتَ ثُمُّ اسْتُخْلِفْتَ فَعَدَلْتَ ثُمَّ الشَّهَادَةُ بَعْدَ هَٰذَا كُلِّهِ فَقَالَ لَيْتَنِيْ يَا ابْنَ اَخِيْ وَذُلِكَ كَفَافًا لاَ عَلَى ۚ وَلاَلِي ٱوْصِي الْخَلِيْـفَةَ مِنْ بَعْدِي بِالْلُهَاجِرِيْنَ الْأَوَّلِيْنَ خَيْرًا أَنْ يَعْرِفَ لَهُمْ حَقَّهُمْ وَأَنْ يَصْفَطَ لَهُمْ مُرْمَتَهُمْ وَأُوْصِيْهِ بِالْاَنْصَارِ خَيْرًا الَّذِيْنَ تَبَوَّؤُا الدَّارَ وَالْإِيْمَانَ اَنْ يُقْبَلَ مَنْ مُحْسِنِهِمْ وَيُعَفَى عَنْ مُسِيْنِهِمْ وَأُوثُ مِنْ مِنْ مِنْ اللَّهِ وَذِمَّةً رَسُولِهِ عَلَيْ أَنْ يُوفِلَى لَهُمْ بِعَهْدِهِمْ وَأَنْ يُقَاتِلَ مِنْ وَرَائِهِمْ وَأَنْ لاَ يُكَلِّفُوا فَوْقَ

১৩১০ কুতাইবা (র.).....আমর ইব্ন মায়মুন আওদী (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আমি উমর

রা.)-কে দেখেছি, তিনি আপন পুত্র আবদুল্লাহ্ (রা.)-কে ডেকে বললেন, তুমি উন্মূল মু'মিনীন আয়িশা (রা.) এর নিকট গিয়ে বল, উমর ইব্ন খাতাব (রা.) আপনাকে সালাম জানিয়েছেন এরপর আমাকে আপন সাথীদ্বয় (নবী 🏣 ও আবূ বাকর)-এর পাশে দাফন করতে তিনি রাযী আছেন কি না 🔑 আয়িশা (রা.) বললেন, আমি পূর্ব থেকেই নিজের জন্য এর আশা পোষণ কর্তাম, কিন্তু আজ উমর (রা.)-কে নিজের উপর প্রাধান্য দিচ্ছি। আবদুল্লাহ্ (রা.) ফিরে এলে উমর (রা.) তাঁকে জিজ্ঞাসা করলেন, কি বার্তা নিয়ে এলে ৷ তিনি বললেন হে, আমীরুল মু'মিনীন! তিনি (আয়িশা (রা.)) আপনার জন্য অনুমতি প্রদান করেছেন। উমর (রা.) বললেন, সেখানে শয্যা লাভ করাই আমার কাছে সর্বাধিক গুরুত্বপূর্ণ ছিল। মৃত্যুর পর আমার শবদেহ বহন করে (আয়িশা (রা.) এর নিকট উপস্থিত করে) তাঁকে সালাম জানিয়ে বলবে, উমর ইব্ন খাত্তাব (পুনঃরায়) আপনার অনুমতি প্রার্থন্য করছেন। তিনি অনুমতি দিলে, সেখানে আমাকে দাফন করবে। অন্যথায় আমাকে মুসলমানদের সাধারণ কবরস্তানে ফিরিয়ে নিয়ে আসবে। তারপর উমর (রা.) বলেন, এ কয়েকজন ব্যক্তি যাঁদের সম্পর্কে রাস্লুল্লাহ্ 🚟 মৃত্যু পর্যন্ত সন্তুষ্ট ছিলেন, তাঁদের অপেক্ষা অন্য কাউকে আমি এ খিলাফতের (দায়িত্বপালনে) অধিক যোগ্য বলে মনে করি না। তাই আমার পর তাঁরা (তাঁদের মধ্য থেকে) যাঁকে খলীফা মনোনীত করবেন তিনি খলীফা হবেন : তোমরা সকলেই তাঁর আদেশ মেনে চলবে, তাঁর আনুগত্য করবে। এ বলে তিনি উসমান, আলী, তালহা, যুবাইর, আবদুর রাহমান ইব্ন আওফ ও সা'দ ইব্ন আবূ ওয়াক্কাস (রা.)-এর নাম উল্লেখ করলেন। এ সময়ে এক আনসারী যুবক উমর (রা.) এর নিকট উপস্থিত হয়ে বললো, হে আমীরুল মু'মিনীন! আল্লাহ্ প্রদত্ত সুসংবাদ গ্রহণ করুন। আপনি ইসলামের ছায়াতলে দীর্ঘদিন অতিবাহিত করার সৌভাগ্য লাভ করেছেন যা আপনিও জানেন। এরপর আপনাকে খলীফা নিযুক্ত করা হয় এবং আপনি ন্যায়বিচার করেছেন। সর্বোপরি আপনি শাহাদাত লাভ করছেন। উমর (রা.) বললেন, হে ভাতিজা! যদি তা আমার জন্য লাভ লোকসানের না হয়ে বরাবর হয়, তবে কতই না ভাল হবে। (তিনি বললেন) আমার পরবর্তী খলীফাকে ওয়াসিয়্যাত করে যাচ্ছি, তিনি যেন প্রথম দিকের মুহাজিরদের ব্যাপারে যত্ন বান হন, তাঁদের হক আদায় করে চলেন, যেন তাদের যথাযথ সম্মান প্রদর্শন করেন। আমি তাঁকে আনসারদের সাথেও সদাচারের উপদেশ দেই, যারা ঈমান ও মদীনাকে আঁকড়ে ধরে রয়েছেন, যেন তাঁদের মধ্যকার সৎকর্মশীলদের কাজের স্বীকৃতি প্রদান করা হয় এবং তাঁদের মধ্যকার (লঘু) অপরাধীকে ক্ষমা করে দেওয়া হয়। সর্বশেষে আল্লাহ্ ও তাঁর রাসূল 🚎 এর দায়িত্বভূক্ত (সর্বস্তরের মু'মিনদের সম্পর্কে) সতর্ক করে দিচ্ছি যেন মু'মিনদের সাথে কৃত প্রতিশ্রুতি পূর্ণ করা হয়, তাদের রক্ষার জন্য যুদ্ধ করা হয় এবং সাধ্যাতীত কোন দায়িত্ব তাদের উপর চাপিয়ে দেওয়া না হয়।

٨٨٠، بَابُ مَا يُنهى مِن سَبِّ الأَمْوَاتِ

৮৮০. অনুচ্ছেদঃ মৃতদেরকে গালি দেওয়া নিষিদ্ধ।

১. রাসূলুরাহ্ দুর্লান্ত্র এর রাওযা মুবারক আয়িশা (রা.)—এর ঘর বিধায় এর মালিকানা তাঁর থাকায় উমর (রা.)—এর দাফনে অনুমতির প্রয়োজন ছিল।

اللهِ حَدَّثُنَا أَدَمُ حَدَّثُنَا شُعْبَةً عَنِ الْاَعْمَشِ عَنْ مُجَاهِدٍ عَنْ عَائِشَةَ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهَا قَالَتُ قَالَ النَّبِيُ اللَّهِ عَنْ اللَّهُ عَنْهَا قَالَتُ قَالَ النَّبِيُ عَرَيْقَ اللَّهِ عَنْ اللَّهُ عَنْهَا اللَّهِ عَنْ اللَّهُ عَنْهَا اللَّهِ عَنْ الْاَعْمَشِ عَنِ الْاَعْمَشِ عَنِ الْاَعْمَشِ عَنِ الْاَعْمَشِ عَنِ الْاَعْمَشِ عَلَيْ بُنُ الْجَعْدِ وَابْنُ عَرْعَرَةَ وَابْنُ أَبِي عَدِيٍّ عَنْ شُعْبَةً .

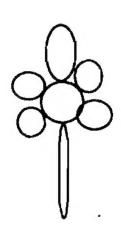
১৩১১ আদম (র.)......আয়িশা (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, নবী ক্রিট্রেই ইরশাদ করেছেন ঃ তোমরা মৃতদের গালমন্দ কর না। কেননা, তারা আপন কৃত কর্মের ফলাফল পর্যন্ত পৌছে গেছে। (ইমাম বুখারী (র.) বলেন) আবদুল্লাহ্ ইব্ন আবদুল কুদ্দস ও মুহাম্মদ ইব্ন আনাস (র.) আমাশ (র.) থেকে হাদীসটি বর্ণনা করেছেন। আলী ইব্ন জা'দ, ইব্ন আর'আরা ও ইব্ন আবৃ আদী (র.) ত'বা (র.) থেকে হাদীস বর্ণনায় আদম (র.) এর অনুসরণ করেছেন।

## ٨٨١. بَابُ ذِكْرِ شِرَارِ الْمَنْتِيْ

৮৮১. অনুচ্ছেদঃ দুষ্ট প্রকৃতির মৃতদের আলোচনা।

المَاكَ حَدُّنَنَا عُمَرُ بَنُ حَفْصٍ حَدُّنَنَا آبِيْ حَدُّنَنَا الْاَعْمَشُ حَدُّنَنِيْ عَمْرُو بَنُ مُرُّةَ عَنْ سَعِيْدِ بَنِ جُبَيْرٍ عَنْ اللهِ النَّبِيُّ عَبُّالُهُ سَائِرَ الْيَوْمِ فَنَزَلَتُ : عَنْ اللهُ عَنْهُمَا قَالَ قَالَ أَبُو لَهَبٍ عَلَيْهِ لَعْنَةُ اللهِ لِلنَّبِيُّ عَلِيْكٍ تَبُالَكَ سَائِرَ الْيَوْمِ فَنَزَلَتُ : تَبُّالُ مِنْ لَهُبٍ وَتَبُّ .

১৩১২ উমর ইব্ন হাফস (র.).....ইব্ন আব্বাস (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, আবূ লাহাব লানাতৃল্লাহি আলাইহি নবী ক্রিট্রে-কে লক্ষ্য করে বললো, সারা দিনের জন্য তোমার ক্ষতি হোক! (তার একথার পরিপ্রেক্ষিতে) অবতীর্ণ হয় ঃ আবূ লাহাবের হস্তবয় ধ্বংস হোক এবং সেও ধ্বংস হোক!





ইসলামিক ফাউন্ডেশন বাংলাদেশ